

# अगरत की राजपत्र

The Gazette of In

PUBLISHED BY AUTHORITT

सं• 17]

नई बिल्ली, सनिवार, अप्रैल 26, 1986 (वेशाख 6, 1908)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 26, 1986 (VAISAKHA 6, 1908)

इस भाग में सिम्म पृष्ठ संख्या दी काती है जिससे कि यह अलव संकलन के रूप में रखा जा सके (Superate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III--इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III दिनांक 31 जनवरी, 86 का भ्रांशिक संशोधन करते हुए ऋ० सं० 3 पर दर्शायी गयी श्री पी० जोशी की सदर्थ नियुक्ति की अविधि 15-1-86 से 19-2-86 तक होगी।

श्री पी० जोगी को 19-2-86 (ग्रप०) से सहायक के पद पर श्रत्यावित्तः कर दिया है।

सं० ए० 32014/1/85/प्रणा० III— राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा श्रायोग के के० स० से० के स्थायी सहायक श्री फिलिप जान को 20-2-86 से 45 दिनों के लिए श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, सदर्थ श्राधार पर श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 3 मार्च 1986

मं० ए० 32014/1/85 (II)-प्रणा०I--संघ लोक सेवा भ्रायोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखिल वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में सदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के॰ स॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड "ख") के पद पर नियुक्त किया जाता है:--

ऋ०सं० नाम

प्रवधि

सर्वश्री

1. वी०पी० महाजन

2-1-86 社 31-3-86 日本

2. श्रीमती सरोज के० कपूर

---वही---

3. लेख राज गुप्त

2-1-86 电 13-2-86

2. उपर्युक्त व्यक्ति जान लें कि करिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड "ख") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है और इससे इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का श्रयवा उक्त ग्रेड में विरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के श्रनुमोदन के श्रध्यधीन हैं।

> एम० पी० जैन श्रवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

(16071)

#### केन्द्रीय सतर्कता भायोग

#### नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० 2/18/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता प्रायोग में 31-3-1986 (अपराह्न) को उनकी प्रनुवर्ती प्रतिनियुक्ति अविध समाप्त होने पर श्री राम भाटिया, सहायक तकनीकी परीक्षक (निर्माण) को 1-4-86 से 9-5-86 तक 39 दिन की ग्रन्थित छुट्टी दी जाती है। उन्हें अपनी छुट्टी के साथ 10 और 11 मई, 1986 को जोड़ने की प्रनुप्ति दी जाती है। छुट्टी की समाप्ति पर श्री राम भाटिया की सेवाएं, महानिवेशक (निर्माण), केन्दीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली को सौंप दी गयी मानी जार्येगी।

मनोहर लाल भ्रवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्दीय सतर्कसा ग्रायुक्त

क। मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 घप्रैल 1986

सं० ए०-12025/2/79-प्रशा० 5--निवेशक, केन्द्रीय धन्त्रेषण ब्यूरो तथा पुलिस महानि रीक्षक, विशेष पुलिस स्थापन एतव्दारा निम्निलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तिथि से भगले भादेश होने तक नियमित आधार पर पुलिस उपाधीकक नियुक्त करते हैं:--

कर प्रधिकारी का नाम शाखा जिसमें तैनात किया पुलिस उपा-सं० गया धीक्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि

सर्वेश्री

1. माई ०पी ० मर्मा सा० म्र० स्कंध, दिल्ली 24-3-86
2. एस० बी० सिन्हा सी० माई० यू० (एफ) 24-3-86
3. ए०पी० सिंह एस०माई०सी० 24-3-86
4. के०डी० मर्मा सी० माई०यु० (पी०) 24-3-86

# केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला दिनांक 4 मप्रैल 1986

सं 1-16/71-सी एफ एस एस | 3133--डा । जार के भटनागर, प्रधान वैज्ञानिक ग्रधिकारी (जीव विज्ञान), केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, सी । बी । ग्राई । नई दिल्ली में संघ लोक सेवा ग्रायोग के ग्राधार पर प्रधान वैज्ञानिक ग्रधिकारी नियुक्त होने के फलस्वरूप उन्हें केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक ग्रधिकारी (जीव विज्ञान) के पद से 17-3-1986 (श्रपराह्न) से भार मुक्त किया जाता है ।

डी० पी० भल्ला, प्रशासनिक भधिकारी (ई)/सी० बी० आई०

#### गृष्ट मंद्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 प्रप्रैल 1986

सं० ओ० वो० 2139/86-स्थापना--राष्ट्रपति जी, ने डाक्टर रामनाथ राम को ग्रस्थाई रूप से ग्रागामी ग्रादेग जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डयूटी ग्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 22-3-86 पूर्वीक्ष से सहवं नियुक्त किया है।

डी० डी० गुप्ता, उप निदेशक (स्थापना)

#### नई दिल्ली-1, दिनांक 25 मार्च 1986

सं० ओ० दो० 457/69-स्था० (के० रि० पु० बल)--श्री श्रार० श्रार० भण्टी, कमांडेण्ट 47 बटा० के० रि० पु० बल
ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप विनोक 31-12-85
(श्रपराह्म) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग विया।

#### दिनांक 2 म्रप्रैल 1986

सं० ओ० दो० 1774/83-स्थापना--राष्ट्रपत्ति जी, ने डाक्टर एस० के० पारीमल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इ्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 22-3-1986 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-2138/86-स्थापना—-राष्ट्रपित जी, ने ज्ञाक्टर जयराज जकाती को ग्रस्थायी रूप से ग्रागामी प्रावेश जारी होने तक केन्दीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डयूटी ग्राफिसर ग्रेंड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 17-3-1986 पूर्वीह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 2140/86-स्थापना--राष्ट्रपति जी, ने डाक्टर बलजीत सिंह को ग्रस्थायी रूप से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांग्रर) के पद पर दिनांक 25-3-1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

#### दिनांक 3 मप्रैल 1986

सं० डी० एक 54/85-स्थापना-एक--केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 104वीं श्रक्जूलरी बटा० के कमांडेंट श्री एन० एस० यादव, की प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप दिनांक 20-3-86 पूर्वाह्म से उनकी सेवाओं का उपयोग केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा किया जायेगा ।

सं० ओ० दो० 2126/85-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० सलिल श्रीवास्तव को दिनांक 6-2-86 से 17-2-86 पूर्वाह्म तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सधिकारी के पद पर सदर्थ रूप में नियुक्त किया है ।

म्रशोक राज महीपित सहायक निदेशक (स्थापना)

िश्त मंत्रालय (श्राधिक कार्य विभाग) बैंक नोट मुद्रणालय देवास, विनांक 29 मार्च 1986

सं० बी० एन० पी०/सो०/5/86—निम्निलिखित स्थायी नियंत्रण निरीक्षकों को उप नियंत्रण प्रधिकारी ६ ५द पर वेतमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (राजपितत वर्ग "ख") में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 19-3-86 (पूर्वाह्र) से अन्य प्रागामी प्रावेणीं तक स्थानापन्न रूप से नियमित श्राधार पर नियुष : किया जाता है ।

- 1. श्री बो० एव० चितले।
- 2. श्री धार० डीं० धर्मा (ग्रजा)

मु० वै० चार महाप्रबन्धक

# प्रतिभूति कागज कारखाना होगंगाबाद, दिनांक 31 मार्च 1986

क्रमांक : एम०--6/10377--इस कार्यालय के दिनांक 2/6--11--1985 को अधिसूचना क्रमांक एम--6/6251 के तारतस्य में श्री बीठ एल० जमी की ६० 650-30-740-35-810--व० श्र०--35-880--40--1000--द० श्र०--40--1200 के वेतनमान में सहायक अभियन्ता (यांत्रिक) के पद पर की गयी तदर्थ नियुक्ति की अथिध दिनांक 31-3--1986 तक, या जब तक, अभियन्ता (यांत्रिक) का पद नहीं भरा जाता, इनमें से जो भो पहले हो, बढ़ाया जाता है।

म० रा० पाठक महाप्रबन्धक

निवारक संकार्य निदेशालय सोमा तथा केन्द्रोय उत्पादन शुल्क नई दिल्लो, दिनांक 31 मार्च 1986

फा० सं० 201/5/85-संचार, निवारक संकार्य निवेशालय के तरकरों निरोधक प्रभाग के निरोक्षण श्रिधकारी श्रो पराग रंजन दस्तीवार को निवर्तन श्रायु के प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-1985 के अनराह्म से सेवा निवृत कर दिया गया है ।

के० एल० वर्मा निदेशक, निजारक संकार्य भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय निवेशक लेखा परोक्षा केन्द्रीय राजस्य

नई दिल्लो, दिनांक 31 मार्च 1986

सं ० प्रशासन 1/का० श्रा० संख्या 423---इस कार्यालय के स्थायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्री पी० एस० जैन को दिल्ली जल प्रदाय एवं मल ब्ययन संस्थान (दिल्ली नगर निगम) में 16-1-1986 पूर्वाह्न से स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है ।

मोहन **खु**राना उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार लेखापरोक्षा 1 का कार्यालय, फ्रांध्र प्रदेश

हैदराबाद-500463, दिनांक 2 अप्रैल 1986

सं० प्रणा०-1/8-132/85--86---महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) 1 श्रां० प्र० हैदराबाद ने सहर्ष निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारी के स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रधिकारी के स्प में 840--40--1000--द० श्र०--40--1200 र० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने को तारीख से प्रभावो श्रगले श्रादेशों तक पदोन्नति दो जतो है । पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके करिण्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और श्रान्त्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के श्रधीन माने जायेंगे।

उन्हें चाहिए कि वे प्रधना विकल्प भारत सरकार का० जा० सं० एफ०/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1 दिनांक 26-9-81 की गर्ती के प्रनुसार पदोन्नति की तारोख से एक महीने के श्रन्दर दें।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
1. श्री जी० वेंकटरत्तम्	28-2-86 (知40)

ह०/अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प॰) 1 कर्नाटका बैंगलोर, दिनांक 31 मार्च 1986 कार्यालय श्रादेश

सं० ले० प० 1/प्रशासन 1/ए-1/85-86/684---महा-लेखाकार (ले० प०) 1 ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों को रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनाम में केवल श्रस्थायी क्षमता में उनके षरिष्ठों को बिना प्रतिकृत प्रभाव डाले श्रागामी श्रादेश तक उनके कार्यभार ग्रहण

करने के दिनांक	से लेखापरोक्षा	श्रधिकारियों	के रूप में	सहर्प
पदो <b>ञ्च</b> ति किए	हैं:			

#### सर्वश्री

- 1. सी० सुब्बा राव (1)
- 2. एम० ग्रार० पृद्वतरसिहय्या
- 3. बी० गोपालन
- 4. एम० नर्रासहमूर्ति (2)
- के० श्री निषासन (2)
- 6. एस० बी० मडिहल्ली\*

उनके पदोश्वित होने के फलस्बल्प स्वामी संकलन (7वां संस्करण) के एफ० श्वार० 22 सि० के नीचे दिए गए भारत सरकार के निर्णय (15) (भा० सं० गृ० म० तथा प्रशासनिक मुधार विभाग, श्वापन संख्या एफ 7/1/80-स्था० पी० ए० दिनांक 26 सितम्बर, 1981) के श्वनुसार पदोश्वित होने के दिनांक से एक महीने के श्वन्दर प्रपने विकल्प प्रकट करना होगा।
\*श्वो एस० बी० मिडहल्ली के विषय में पदोश्वित, बी० खल्स्यू० एस० तथा एस० बो० में उनके विदेशों सेवा के बाद होगा।

ह०/-अपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

# कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं

#### नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० 7642/ए-प्रशासन/130/82-85--निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (आडिट) को उनके सामने अंकित तिथि से सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 रुपए के वेतनमान में सहर्प नियुक्त करते हैं :--

ऋ०सं० नाम	पदनाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गर्यी है	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री			— <del>— — — — — — — — — — — — — — — — — — </del>
<ol> <li>भ्रार० कतप्पन</li> </ol>	धनुभाग ग्राधिकारो ( <b>ध्रा</b> डिट)	उपनिदेशक लेखापरीक्षा (श्रायुध फैक्टरियाँ) श्रावडी	112-1986
2. ए० के० शर्मा	<b></b> -तदैष	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं (पश्चिमी कभान) चण्डीगढ़ ।	10-2-1986
3. श्रार० के० गोयल	<b>⊸ ⊣तदैष</b> -	संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं (मध्य कमान) मेरठ ।	11-2-1986
4. श्रार० एस० सिंह	<b>⊸</b> न्त् <b>दैव</b>	लेखापरीक्षा प्रधिकारी रक्षा सेवाएं दिल्ली कैण्ट	7-2-1986
5. यू० के० खन्ना	<i>~</i> ⊸ऩदेंष-	उपनिदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं (उत्तरी कमान) जम्मू ।	12-2-1986

भगवान गरण तायल संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं प्रशाः | 1/1174/1/जिल्द-III- राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेख सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को (जो प्रतिनियुष्ति पर हैं, जैसा कि उनके नामों के सामने लिखा है). उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड (येतनमान रुपए 1500-60-1800-100-2000) में उनके नाम के समक्ष

दर्शाई गई ''तारीख से ''श्रनुक्रम नियम के श्रधीन'' सहर्ष नियुक्त करते हैं।

 श्री गीतम सेन 15-02-85 श्रवर सचिव, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्लो ।

श्री एन०पी० चौहान 18-11-85 श्रवर सचिव,

स्वास्थ्य एत्रं परिश्रार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।

# दिनांस 1 अप्रैल 1986

सं प्रणाः -I/1174/1/जिल्द-III--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के जिम्मलिखित अधिकारियों की उन्ना नेवा के कानिष्ठ प्रणासिक ग्रेड (वेतनमान रुपए 1500 60-1800-100-2000) में स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दर्शायी गयी तारीखों ये प्राणामी प्रादेश पर्यन्त सहर्षे जियुक्त करते हैं

क सं प्रधिकारी का नाम		तारीख
1. श्री वीरेन्द्र दीवान	15-02-85	(पूर्वाह्र)
2. '' वीर भद्रराथ वेलगा	22-02-35	(पूर्वाह्म)
<ol> <li>" के० निरंजन राष</li> </ol>	18-11-85	
4. "तरसेम लाल	10-01-86	•
<ol> <li>" मुनील माथुर</li> </ol>	18-11-85	(पूर्वाह्म)

#### दिनांक 2 अप्रैल 1986

सं । प्रणा । 1/1537/5/1---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा देवा के एक अधिकारी श्री आर । जी गुलेच्छा का त्याग-पत्र दिनांक 02 मितम्बर 1985 के पूर्वीह्म से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

श्नारः बीः कपूर रक्षा लेजा श्रपर महानियंत्रक (प्रणा०)

# रक्षा मत्रालय भारतीय **ग्रार्डनै**न्स फैक्टरिया सेन्ना श्रा**र्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड**

कलकता-1, दिनांक 3 अप्रैल 1986

सं 20/जी | 86-व्यार्धम्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री टी सी सेनगुष्ता, स्थानापश्च वार्यणाला प्रबन्धक/श्रायुध निर्माणी, श्रमघाचारी दिनांक 31 श्रम्तूबर, 1985 (श्रपराह्न) में सेवा निवृत्त हुए।

सं० 21/जी०/86---श्री एल० एन० श्रीरमनु, संयुक्त महा-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक सिनियर डी० ए० इं१० जी० पुन: धदनामीकृत संयुक्त निदेशक/उप महानिदेशक/महा-निदेशक ग्रेष्ड-II) दिनांक 30-9-85 (श्रपराह्म) ये स्थेच्हा-पूर्वक सेक्षा मे निवृत्त हुए। यं० 22/जीं०/36 - भारतीय या सेवा में वधत होने के फलस्व का दिनाक 7 जून 1935 (प्रपराह्न) ने, भारत के राष्ट्रपति महोदय, श्री टी० एस० शिवकुमार, सहारक कार्य-गाला प्रकथक,परिवीक्षाधीत की भारतीय आयुध निर्माणी सेवा से भारमुश्रत करते हैं। व्यनुसार दिनांक 7--6-85 (श्रपराह्न) से उपयुक्त नाम भारतीय आयुध निर्माणी सेवा ने ह्टाया जाता है।

एम० ए० प्रलहत संयुक्त निदेशक

# कलकत्ता, दिनाक 7 मार्च 1986

सं ० 13/जी/86--राष्ट्रपति महोदय ने निम्नलिखित प्रिधि-कारियों को संयुक्त, निदेशकाप्रवस्थक (पुतः पदनामीकृत उप महाप्रवस्थक) के ग्रेड में उनके सामने दर्शायी गयी तारीखों से पुष्ट करते हैं:---

and the standard of the standard materials of the solution of the standard of

कर्रां० शाम एवं पद	पुष्टिकर	ण की तारीख
सर्वर्श्नाः सर्वर्श्नाः		d≡a d⊷a-d-d-d-a gover-
1. जगमोहन देव, संयुक्तः म	हि।प्रबन्धक	3009-80
2. एस० के० चाटिया, उप मह	[ाप्रबन्धन ⊸⊸	28 -0281
3. बी० एस० दक्षिणामूर्ति, इ	उप महाप्रबन्धक-	01-09-31
- 4. आ:०  मोधिन्दराजन, संयुक्त	ा निदेशक -⊸	01-02-82
<b>5</b> : डी० एस० प्रसाद, उप महार्गि	नेदेशक⊸	01-02-32
6. जी० अगरवल, उप महाप्रव	न्धक	01-06-82
ा. भार० औ० रास्त्रगि, उप म	हाप्रबन्धक⊸	0110-82

#### दिनांन 24 मार्च 1986

सं । १८/जी व ८६--श्री युः के श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक (मौलिक एवं स्थाया कार्यगाला प्रबन्धक) दिशांक ८ श्रगस्त, 1985 (श्रपराह्म) से स्वैच्छा पूर्वक सेवा विवृत हुए ।

#### दिनांक 31 मार्च 1986

सं 19/जीं/86--श्री बीं हरिदस उप महानिदेगक (स्थायी एवं स्थानापन उप प्रबन्धक) दिनांक 31 प्रगस्त, 1985 (ब्रापराह्न) से स्वेच्छापूर्वक श्रार्डनेंस फैक्टरी सेवा से निवृत हुए ।

> वी० के० सहता उपमहानिदेशका

श्रम मंत्रालय

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय गई दिल्ली, दिनांक 1986

सं अप्रणा वा/4(6)/85 -- (1) स्वैच्छिक मैदानिवृत्ति मांगने पर श्री जे ० एच० भागचन्दानी, सहायक श्रमायुक्त (के०) को 30--6-85 (श्रपराह्म) से स्वैच्छिक रूप से सेवा-निवृत्त होने को अनुमति प्रदास की गई।

- सं अभाग I/4(6)/85 --- (2) स्थानांतरण होने पर श्री टी० सी० गर्ग ने 6-4-85 (श्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०), देहरादून का कार्यभार छोड़ दिया और 10-6-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से पटना में कार्यभार संभाल लिया ।
  - -यथोंकत- -- (3) प्रतिनियुक्ति से वापस आने पर श्री जी० नरायनस्वामी ने 9-4-85 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, देहरादून का कार्यभार संभाल लिया।
  - -यथोक्त- -- (4) स्थानांतरण होने पर श्री नरेन्द्र मोहन ने 15-4-85 (श्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०), पटना का कार्यभार छोड़ दिया और 25-4-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से श्रासनसील में कार्यभार संभाल लिया ।
  - -यथोक्त- -- (5) स्थानांतरण होने पर श्री सी० सी० एस० रेड्डी ने 20-6~85 (प्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, हैदराबाद का कार्यभार छोड़ दिया और 21-6-85 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से बेलारी का कार्यभार संभाल लिया ।
  - --थथोक्त- -- (6) स्थानांतरण होने पर श्री जी० के० मणी ने 21-6-85 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (के०), कार्यालय, बेलारी का कार्यभार छोड़ दियां और 4-7-85 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से हैदराबाद में कार्यभार संभाल लिया।
  - -यथोक्स- -- (7) स्थानांतरण होने पर श्री एस० एन० पाठक ने 6-6-85 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, कलकत्ता का कार्यभार छोड़ दिया और 25-6-85 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से जयपुर में कार्यभार संभाल लिया।
  - --यथोक्त- -- (8) पदोन्नत होने पर श्री श्रार विश्वोल ते 4-6-85 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, वास्कोडिगामा में कार्यभार संभाल लिया।
  - ्ययोक्त- (9) स्थानांतरण होने पर श्री एस० श्रार० पंत ने 8-7-85 (श्रपराह्न) में मुख्य श्रमायुक्त (के०) मुख्या-लय में सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया और 18-7-85 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से कोटा में कार्यभार संभाल लिया।
  - -यथोक्त- -- (10) स्थानांतरण होने पर श्री एम० पी० एम० शिवकुमार स्वामी में 2-7-85 (श्रपराह्म) को महायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय बंगलीर का कार्यभार छोड़ दिया और 3-7-85 (पूर्वाह्म) को उसी है।सयत से मैंगलीर में कार्यभार संभाल लिया।
  - -यथोंक्त- -- (11) स्थानाक्षरण होने पर श्री एस० के० मिश्रा ने 24-6-85 (अपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कायालय, कोटा का कार्यभार छोड़ दिया और 26-6-85 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से मुख्य श्रमायुक्त (के०) मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया।
  - -यथोक्त- -- (12) सेण्ट्रल वेयरहाउसिंग कारपोरेशन में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर श्री के०रामाकृष्ण ने ।--7-85 (पूर्वाह्म) में सहायक श्रमायुक्त (के०), कार्यालय एरनाकुलम का कार्यभार छोड़ दिया।
  - -यथोक्त- → (13) सेना निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त होने पर श्री पी० बालकुष्ण ने 30~6-85 (प्रपराह्न) को सहाय श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, मंगलूर का कार्यभार छोड़ दिया।
  - -यथोक्त- -- (14) प्रण्डमान और निकोबार प्रणासन में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर श्री धार० गांतिचरण ने 31-7-85 (प्रपराह्न) को महायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय कलकत्ता-रिका कार्यभार छोड़ दिया।
    - -- (15) पदोन्नत होने पर श्री बी० सुन्दरेशन ने 22-8-85 (प्रपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (के०); कार्यालय, मद्रास का कार्यभार छोड़ दिया।
  - यथोक्त (16) पदोन्नत होने पर श्री श्रार० के० गुक्ता ने 5-8-85 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (के०), कार्यालय, कलकत्ता का कार्यभार संभाल लिया।
  - -यथोक्त- -- (17) सेवा-निवृत्ति की श्रायुप्राप्त होने पर श्री के० एस० पद्मनाभन ने 30-6-85 (प्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, श्रासनसोल का कार्यभार छोड़ दिया ।
  - -यथोक्त- -- (18) अनुसूचित जाति/प्रनुभूचित जनजाति प्रायुक्त के कार्यालय में नियुक्त होने पर श्री घ्रुव कुमार ने 3-10-85 (अपराह्म) का सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यालय, कलकत्ता का कार्यभार छोड़ दिया ।
  - -यथोक्त→ -- (19) निलम्बन स्रादेश वापस होने पर श्री जाहिद मोहम्मद ने 5-11-85 (प्रपराह्म) को सहायक श्रमा-युक्त (के०) कार्यालय, मद्रास का कार्यभार संभाल लिया।
  - —यथोक्त-- --- (20) सेवा निवृत्ति की प्रायुप्राप्त होने पर श्री वी० के० गुप्ता ने 31-10-85 (प्रपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (के०) कार्यात्रय चण्डीगढ़ का कार्यभार छोड़ दिया ।

नन्द लाल

प्रशासिक अधिकारी

#### धाणिज्य मंत्राल्य

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1986 श्रायात और नियति व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/491/58-प्रमासन (राज०) 2016—सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री एम० एल० भार्गव, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के वर्ग I) 28 फरवरी 1986 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं०6/1299/79-प्रणासन (राजपन्नित)/2026--इस कार्यालय में काम कर रहे केन्द्रीय सिवालय सेवा के स्थायी प्रनुभाग श्रधिकारी और नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात श्री एस० पी० गुप्त का 3-3-1986 को निधन हो गया ।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंद्ध<sup>क</sup> **कृते मुख्य नियंद्ध**क आयात एवं निर्यास

#### वस्त्र मंत्रालय

हथकरघा विकास श्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं ं 19001/28/82-डी ० सी ० 'एच ० /प्रशासन --श्री एस ० के ० मिश्र, भारतीय प्रशासनिक सेवा श्रीधकारी (हरियाणा: 56

ने 24 मार्च 1986 के श्रपराह्म से विकास श्रायुक्त (हथकरघा) के कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया है ।

#### दिनांक 1 श्रप्रैल 1986

सं० ए० 12022(2)/84 प्रणासन III---राष्ट्रपति, श्री इंदिरा मानसिंह को 31 मार्च 1986 के प्राराह्न से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए चिकास आयुक्त हथकरघा के कार्यालय के श्रन्तर्गत राष्ट्रीय हथकरघा डिजाइन केन्द्र (बुनकर सेवा केन्द्र) दिल्ली में संयुक्त चिकास श्रायुक्त के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 19001/37/86-डी० सी० एख०/प्रणासन I-राष्ट्रपति, श्री एन० एन० थासुदेव (श्राई० श्रार० टी० एस०),
को 31-3-1986 के श्रपराह्न से वस्त्र मंत्रालय, हथकरघा
विकास श्रायुक्त के कार्यालय में श्रपर विकास श्रायुक्त हथकरघा
के पद पर नियुक्त करते हैं।

रंजना सिह्ना संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

विकास श्रायुक्त (हस्तशिस्य) कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1986

सं० 13/1/85-प्रशा० I—राष्ट्रपति, श्री एस० एस० कंबर को निदेशक, क्षेत्राय डिजाइन एवं तकनीकी विकास केन्द्र, विकास श्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय के ग्रेड में 20-6-1975 (पूर्वाह्म) से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> नीरा यादव प्रपर विकास प्रायुक्त (हस्तगिरूप)

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

# देहरादून, दिनांक 21 मार्चे 1986

सं० सी-28/594--ितम्तिखित तकतीकी सहायकों (मानचित्र पुतरुत्पादन) सिलेक्शन ग्रेड को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारंख से सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी" पद) के पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग में रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :---

ऋमांक नाम				नियुक्ति की तिथि	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए
<ol> <li>श्रो पी० के० भट्टाचार्जी</li> </ol>		•		31-1-86 (पूर्वाङ्ग)	सं० 104 (एच० बी० और०) मुद्रग वर्ग, हैदराबाद ।
2. श्रो जगदीश सिंह राघत	•		٠	31-1-86 (पूर्वाह्न)	सं० 101 (एच० एल० ओ०) मुद्रण वर्ग, देहरादून ।

गिरीश चन्द्र भ्रग्रवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक । (नियुक्ति प्राधिकारी)

#### पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा नियटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1986

मं० प्र-1/1(783)---इस महानिदेगालय के स्थायी किनिष्ठ प्रगणि प्रक्षिणाहो तथा स्थानापन्न महायक्षानिदे के (येड-II) श्री एम० जार्ज निवर्तन श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31--1-- 1986 के श्रपराह्म से मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० के० बिस्वास उपनिदेशक (प्रशासन) **इ.ते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात श्रीर खान मंद्रालय लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 1 श्रप्रैल 1986

सं० ई-I-12(71)/85(.)—- अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर श्रीपी० के० दाम, सहायक भुगतान आयुक्त ने दिनांक 31-3-1986 के अपराह्म से अपदा पर भार छोड़ दिया।

> सनत कुमार सिन्ह उ**प कोहा भौर इ**स्पात नियंत्रक

# माकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1986

सं० 4/1/84-एस-II--- आकाशवाणी महानिदेशालय की गजट की अधिसुचना संख्या 4/1/84-एस- दिनांक 18 जनवरी 1985 के अनुक्रम में महानिदेशक आकाशवाणी श्री ए० बी० शर्मा "सरोज" विरुठ हिन्दी अनुवादक अंडमान एवम् निकोबार प्रशासन सचिवालय, पोर्ट ब्लेयर जो कि इस समय प्रतिनियुक्ति पर सवर्थ रूप में 650-30-740-35-810 द०रो० 33-880-40-1000 40-1200 रुपए के वेतन मान में हिन्दी अधिकारी के पद पर आकाशवाणी में कार्य कर रहे हैं की प्रतिनियुक्ति को 27-1-86 से आगामी एक वर्ष के लिए बढ़ाते हैं।

#### दिनांक 21 मार्च 1986

सं० 4/3/85-एस-2 (खंड-4)--महानिदेशक श्राकाशवाणी; नई दिल्ली श्री मेर्चीसह को ग्राकाशवाणी बंगलीर में 650-30 740-35-810 द० रो॰-35-880-40-1000-द०-रो॰ 40-1200 रुपये के वेनमान में 3 मार्च 1986 से हिन्दी ग्रीधकारी के पद पर नियुक्ति करते हैं।

मोहन फ्रांसिस प्रशासन उप निदेशक इते महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 प्रप्रैल 1986

सं० ए-31011/1/85-पी० एच० (एफ०एण्ड एन०)---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० पी०बनर्जी को 24 दिसम्बर 1978 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगणाला कलकत्ता मे जूनियर विश्लेपक के पद पर स्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-31011/1/85-पी०एच० (एफ० एंक्रफ्र एन०)---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक में श्री पी० के० बोस को 1 जुलाई 1978 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला. कलकत्ता में जूनियर विक्लिषक के पद पर स्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० 19019/36/77-प्रशा०/पी० एच० (सी० डी० एंड एप०)--राष्ट्रपति ने रक्षा ध्रनुसंधान एवं विकास स्थापना, ग्वालियर में ग्रेड सी वैज्ञानिक श्री के० के० माथुर को 11 मार्च, 1986 पूर्वाह्म से उनके मूल कार्यालय राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के ग्रधीन क्षेत्रीय निदेशक स्वास्थ्य एंच परिवार कल्याण, जयपुर, राजस्थान में महायक निदेशक (ई० एन० टी०) के पद पर रिवर्ट कर दिया है।

जैस्सी फ्रांमिरू उप निवेशक प्रशासन (पी० एच०)

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रप्रैल 1986

सं० थी० 21011/165/82-एम०-ई०--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री खंडारे ग्रर्जुन लक्षमणराव को कलावती सरन बाल ग्रस्पताल, नई विरुली में 5 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाक्ष से तथा श्रागामी ग्रादेशों तक कनिष्ठ जीव रसायनज्ञ (जूनियर बायोर्कैमिस्ट) के पद पर ग्रस्थायी ग्राधारपरनियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 12026/5/84-एम० (एफ० एण्ड एस०)— राष्ट्रपति ने डॉ॰ एस० काशीनाथन, प्राणी विज्ञान के प्राध्यापक, जवाहरलाल स्वातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं प्रनुसंधान संस्थान, पाँडिनेरी, को 1 फरवरी 1986 के पूर्वीहा से इसेन संस्थान में बायोलांजी के सहायक प्रोफेतर के पढ पर छः मास की प्रविध के लिए प्रथवा जब तक यह पद नियमित ग्राधार पर नहीं भरा जाता, जो भो पहले हो, नियुक्त किया हैं।

> पी० के० घई उप निदेशक, प्रशासन (सी० एण्ड बी०

दिल्ली दूरध योजना पश्चिम पटेल नगर नई दिल्ली-8 दिनांक 21 फरवरी 1986 ग्रादेश

सं० 6-14-84-मतर्कता-यतः श्री जल सिंह, मेट को इस कार्यालयं के दिनांव 6-9-1985 के समसंख्यक कापन द्वारा निम्नलिखिस ग्रारोप के लिए केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रणश्रीरश्रपील नियम 1965 के नियम 14 के श्रन्तर्गत एक ग्रारोप पत्र जारी किया गया था:-

"कि श्री जल सिंह जब मेट के रूप में दिल्ली दूग्ध योजना में काम कर रहा था तो वह दिनांक 30~6~1983 से कोई पूर्व सूचना दिए श्रीर सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति लिए बिना श्रपनी ड्यूटी से जानबूझकर श्रीर श्रनधिकृत रूप से गैर हाजिर है। श्रतः उस पर दिनांक 30~6~83 से जानबङ्गकर कर श्रीर श्रनधिकृत रूप से सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमनि श्रीर स्वीकृति लिए बिना छ्यूटी से गैर हाजिर होने का श्रारोप लगाया जाता है कि उसने ड्यूटी के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का भाव नहीं है। जो कि सरकारी कर्मचारी के निए उन्ति नहीं है श्रीर केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्राचरण) नियमावली 1964 के नियम 3 का उल्लंघन है।"

भीर यत: विनांक 6-9-1985 का आरोप पन्न का कापन उसे रजिस्ट्री लिफाफे द्वारा उसके निम्नलिखित उस मूल निवास के पत्ते पर भेजा गया था जो उसने दिया हुआ था:--

श्री जल सिंह पुत्र श्री खान सिंह,

गांव व डारुघर---बीटांडा, जिला मुञ्जूफर नगर (उ॰ प्र॰)

कथित शापन भी डिलियर हुए बिना डाक प्राधिकारियों की इस टिप्पणी सहित वापिस मिला कि ''सही पत्ते के लिए प्रेषक को वापिस किया, चूंकि पिता का नाम ठीक नहीं दिया हुआ है''। तदनुसार-दिनांक 4-10-1985 के रिजस्टर्ड पत्न सं० 6-14/84 सतर्कता द्वारा थाना अधिकारी, बीटांडा, जिला मूज्जफर नगर से श्री जल सिंह का असा पता बताने का अनुरोध किया गया। ग्राम सरपंच तथा गांव के अन्य लोगों से छानबीन करने के बाद थाना अधिकारी, पुलिस थाना बढ़ाना, जिला मूजपफर नगर ने सूचित किया कि इस नाम का कोई भी आदमी इस गांव में नहीं रहता है।

ग्रीर यतः उसको दिनांक 17-10-83 का ज्ञापन सं॰ 3-163/69-स्था०-3 उसके निम्नलिखित स्थानीय पत्ते पर रजिस्ट्री लिफाफे द्वारा भेजा गया था जो उसने दिया हुग्रा था:--

श्री जल सिंह, 1/4023, भगवानपुर खेड़ा, लोनी रोड, माहदरा, दिल्ली-32 । 2—36GI/86 कथित पत्र भी डिलिबर कुँग, बिता डाक प्राधिकारियों की इस टिप्पणी सहित वापम मिल गया ि 'पता दिए बिना चला गया ह०/— 19—10—83"। तदनुसार दिनांक 26—12—83 के पत्र संख्या 3—163/69—स्या०—3 तथा दिनांक 15—6—84 के समसंख्यक अनुवर्ती अनुस्मारक द्वारा पुलिस उपायुक्त, णाहदरा, दिल्ली से श्री जल सिंह का अना पता बताने का अनुरोध ित्या गया। पुलिस उपायुक्त पूर्वी जिला, दिल्ली ने अपनी दिनांक 11—7—84 की रिपोर्ट संख्या 280/सा०(ई) द्वारा सूचित किया कि श्री जल सिंह ने श्रपना उक्त गकान श्री फूल सिंह नाम के एक व्यक्ति को बेच दिया है श्रीर उसका श्रता-पता कुछ मालूम नहीं है।

श्रीर यम: उक्त रिपोर्ट शनुमार स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों की सहायता सहित उसका श्रना-पता लगाने के पतादि व्यवहार के सभी साधन श्रमफल रहे हैं। श्रधोहस्ताक्षरी इस बात से पूरी तरह संतुष्ट है कि वर्तमान परिस्थितियों में श्री जल सिंह मेट के खिलाफ केन्द्रीय सिबिल सेव (वर्गीकरण नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियमावली 1965 के नियम 14 के शन्तर्गत यथापेक्षित जांच कर पाना पूरी तरह व्यवहार्य नहीं होगा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियम 1965 के नियम 19(ii) जिसमें जीच कार्य छोड़ दिया गया है, का महारा लेने के श्रितिस्त दूसरा कोई श्रीर विकल्प नहीं है।

मामले की परिस्थितियों और तथ्यों को मद्दे नजर रखते हुए यह जाहिर है कि श्री जल सिंह दिनांक 30-6-1983 और उसके बाद से इयूटी से गैर-हाजिर है जिससे यह प्रकट होता है कि वह गरकारी नौकरी का इच्छुक नहीं है। प्रत: उसे उक्त श्रारोप के लिए दोषी पाया गया है और तदनुसार वह सरकारी नौकरी में रखने योग्य व्यक्ति नहीं है।

स्रव स्रव: स्रश्नोहरूनाक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण मियंत्रण और ग्रपील) नियम 1965 के नियम 11 के ग्रन्तर्गत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, समुचिन और पर्याप्त कारणों के लिए श्री जल सिंह मेट को नौकरी से हटाया जाने का दण्ड देते हैं।

> दीपक जैन उप महाप्रबंधक (प्रशासन) अनुशासनिक प्राधिकारी

श्री जल सिंह, मेट सुपुत्र श्री खान सिंह गांव सथा डाकखानाः बीटांडा जिला मुजफ्फर नगर प्र०)

# परमाणु ऊर्जा विभाग

# क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 मार्च 1986

सं० क्रमंनि-41/13/85-प्रणा०/1784-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय भौर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी तथा तदर्थ मुख्य भंडारी, श्री ग्रार० सी० शर्मा को इसी निदेशालय में दिनांक 13-01-1986 (पूर्वात्र) से 15-02-1986 (भ्रपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो- 40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार प्रधिकारी के पद पर नदर्थ ग्राधार परस्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति महायक भंडार भीधकारी, श्री के० पी० सिंह के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

सं० कमंनि/2/1 (20)/83-प्रणाः 0/1790--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने लेखापाल (तदर्थ) श्री ए० एम० परूलकर को इसी निवेशालय में दिनांक 1-1-1986 (पूर्वाह्म) से 31-3-1986 (श्रपराह्न) तक 650-30-740-35-880-द०-रो०-40-960 रुपये के वेतन में सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर तवर्ष श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रणासन श्रधिकारी

# इसरो उपग्रह केन्द्र श्रन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560017, दिनांक 20 मार्च 1986

सं० 020/1(15.1)/86 स्थापना-1—इसरो उपग्रह केन्द्र के निर्मेशक, निम्नलिखित व्यक्तियों को वैज्ञानिक/ग्रिभियंता एस० बी० पद पर दर्शायी गई तिथियों से भ्रगले आवेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर भंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
1. श्री ए 2. श्री एस	न० रघु ० ना <i>राय</i> णन	वैज्ञानिक/ग्रभियंता एस० बी० वैज्ञानिक/ग्रभियंता	16-9-85
•		एस० बी०	1-10-85

एच० एस० रामदास प्रशासन प्रधिकारी-II

#### विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनाँक 26 मार्च 1986

सं० वो० एस० एस० सी०/स्था०/ए०/8 6··· निदेशक वी० एस० एस० सी० श्रंतिरक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र तिष्वनंतपुरम में निम्नलिखित कर्म- चारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर रू० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40 1000 द० रो०-40-1200 के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी हुई तारीखों से केवल श्रस्थायी रूप ने श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करने हैं:-

		~~~~~~~~~~~	
<b>ক্ষ</b> ০	नाम	प्रभाग	नियु <b>क्ति</b>
सं०			की तारीख
सर्वेश्री			
1. कें ०	नटराजन	श्राई० एस० ग्राई	28-10-85
2. टी०	इसानचेषीयन	भ्रार० पी० पी०	20-11-85
3. एन	० रामचन्द्रन	<b>इ</b> ० एल <b>० ए</b> न०	17-6-85
			~~~~~

सं० वीं० एस० एस० सी०/स्था०/एफ/1(17)——नियंत्रक बी० एस० एस० सी० अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्त-रिक्ष केन्द्र में श्रीके०के० गौपालकृष्णन को पदोक्षति में सहायक प्रशासन श्रिकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-880- द० रो०-40-960 के ग्रेड में मार्च 6, 1986 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न रूप में श्रागामी प्रादेश तक एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं।

> जी० मुरलीधरन नायर प्रशासन ध्रधिकारी~II (स्था० कृते नियंत्रक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नईदिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1986

सं० ए० 32014/7/84-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन श्रोमती जुटोका भौमिक, तक्ष्मोको पहायक को नागर विमानन विभाग में दिनांक 27-2-1936 (पूर्वाह्न) से स्रीर श्रगले श्रादेश होन तक 650-1200 काए के वेतनमान में सहायक तकनोको स्रिधिकारों के पद पर नियमिन आधार पर नियक्त करते हैं।

#### **धिनांक** 20 मार्च 1986

सं० ए-3 2 3/7/83-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 26 नवम्बर, 1984 की श्रिधसूचना सं० ए-32013/7/83-ई० सी० के ऋम में राष्ट्रपति, श्री बी० डी० बंगाली, सहायक सकनीकी श्रिधकारी की नागर विमानन विभाग में तकनीकी श्रिधकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि दिनांक 2 जनवरी, 1985 से 31 मार्च, 1986 तक की अवधि के लिए बढ़ाते हैं।

2. श्री बंगाली इस बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि के फलस्वरूप तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर पद्दोन्नति के लिए दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा की अवधि तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में बरीयता के प्रयोजन के लिए श्रथवा श्रगले उच्चलार ग्रेड में पदोन्नति की पानता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

> वी० जयचन्द्रन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, नागर विमानन

# नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1986

म $\circ$  ए-31013/3/84-स्था० $\bullet$ I--राष्ट्रपति, श्री टी॰ श्रार॰ चन्द्रमौली, निदेशक, विमानक्षेत्र को दिनांक 23-11-84 से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 31 मार्च 1986

मं० ए-32013/8/84-स्था०-1--राष्ट्रपति, निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को 1800-100-2000 रुपए के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित श्राधार पर निदेशक विभानक्षेत्र नियुक्त करते हैं:--

श्री टी॰ एस॰ एन॰ राष 28-2-1986 (पूर्वाह्न)
 श्री पी॰ सी॰ व्यास 31-3-1986 (पूर्वाह्न)
 जे॰ सी॰ गर्ग संयुक्त निदेशक, प्रशासन

# वन ग्रनुमन्धान संस्थान एवं महानिधालय देहरादून-1, दिनांक 3 ग्रप्रैल 1986

सं० 16/437/85-स्थापना-I— प्रध्यक्ष, वन प्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून ने डा० (कुमारी) रिषम की वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के प्रधीन प्रमुसंधान प्रधिकारी के पद से दिया गया त्यागपद्म दिनांक 14-3-86 के प्रपराह्म से महर्ष स्वीकार करते हैं।

जे० एन० सक्सेना कुल सचिव वन भ्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समाहर्तालय

वडोदरा, दिनांक 31 मार्च 1986

संख्या 8/1980—श्री सी० पी० जोखाकर, अधिक्षक (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, मण्डल-5, वडोवरा दिनांक 21-3-1986 को 58-के हो गये है। तसनुसार, वे दिनांक 31-3-1986 के भ्रपराह्न में सेवा निवृत्त होंगें।

सं० 9/1986--श्री वी॰ एम० शाह प्रधीक्षक, (वर्ग "ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शृहक, मण्डल-II वडोधरा दिनांक 26-3-1986 को 58 वर्ष के हो गये हैं। तदनुसार वे दिनांक 31-3-1986 के श्रपराह्न में सेवा निवृत होंगे।

सं० 10/1986— श्री एम० बी० सीधी, सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क मुख्यालय, वडोदरा दिनांक 28-3-1986 को 58 वर्ष के होगये हैं। तदनुसार वे दिनांक 31-3-1986 के श्रपराह्न में सेवा निवृक्ष होगें।

> श्र<mark>रविन्द सिन्हा</mark> समा**हर्ता** केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क

# परिवहन मंत्रालय रेल विभाग (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० 85/म्रार० ई०/161/6→ "पश्चिम रेलवे" के निम्नलिखित सेक्शनों पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ प्रधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित स्टेशनों के सामने विनिद्धिष्ट दिनांक को या उससे बाद से इन लाइनों पर शिरोपरि कर्षण तारों को 25,000 वोल्ट ए० सी० से विद्युन्मय कर दिया जायेगा। उस तारीख को और से शिरोपि कर्षण लाईनें हर समय विद्युन्मय मानी जायेगी और कोई भी प्रप्राधिकृत व्यक्ति उकत शिरोपरि लाइनों के निकट न तो जायेगा और न ही कोई कार्य करेगा।

सेक्शन दिनांक

- (i) मेघनगर एस० पी० से बामनीया (सहित) 25-3-1986 (कि० मी० 577.86 से 611.38 तक)
- (ii) बामनीया से रतलाम (रहित) 25-4-1986 (कि॰ मी॰ 611.38 से 651.96 सक)

श्रमर नाथ वांचु सचिव, रेलवे बोडें

#### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 अप्रैल 1986

सं० ए०-19012/1085/85-स्थापना-पांचविभागीय पद्देत्रति समिति (प्रमूह्-ख्र) की सिफारिशों प
प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री प्रम्जानेयूलू, पर्यवेक्षक
को केन्द्रीय जल श्रायोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/
सहायक इंजिनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810द०रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200/- रु०
के वेतनमान में 6-5-1985 की पूर्वाह्न से अन्य
श्रादेशी तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त प्रधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायक निदेणक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की श्रवधि के लिए पिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी भ्ररोड़ा ग्रवर सचिय (समन्वय) केन्द्रीय जल भ्रायोग

निर्माण महानिदेशालय (केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रप्रल 1986

सं०-32/3/85-ई० सी०2 →श्री जगवीश चन्द्र कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), निवर्तन की श्रायु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा ने दिनांक 31-3-1986 श्रयराह्न को सेवानिवृत किए जाते हैं।

> कें सी० वेहुरी उप निदेशक (प्रशासन) कें लो० नि० वि०, कुते निर्माण महानिदेशक

उद्योग एवं कस्पनी कार्य मंद्रालय (कस्पनी कार्य विभाग)

कम्यनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर मेसर्स राजस्थान खंडेलवाल एन्टरप्राइजेज लि० के सम्बन्ध में

जयपूर, दिनांक 27 मार्च 1986

मं० मांख्यिकी/1249/286/1-- कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन महीने के अवसान पर मैसर्स राजस्थान खंडेलवाल एन्टरप्राइजेज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात नहीं किये गये तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी

कल्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर मैसर्स लड्ढा लाइम इण्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड ।

जयपुर, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० सांख्यिकी/2114/2860 — कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एद्स द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से 3 महीने के अवसान पर मैसर्स लड्ढा लाइम इण्डस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति नहीं किये गये सो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटिस कर दी आयेगी।

वी० प्र० सिं<mark>घल</mark> कप्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर पी० ए० मैनेजमेंट कन्सलटेन्ट्रन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कल हता, दिनांक 17 सिसम्बर 1985

सं० 2/517/560 (3) -- कव्यती प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर पी० ए० मैंने नर्भेंट जन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पवित्र कुमार चटर्जी कम्पनियों का सहायक रिजस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी प्रधिनियम 1956 अप्रैर दो गेरीजा प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० 823/560/85-86 क्रष्यती अधितियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस दिनांक में लीन मास के अबसान पर दी रीजा प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नथा इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जे० के० रमणी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

किया गया है :---

प्रकप् बार्ड ही. एस. एस. ----

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुचना

#### SEEST MANY

### कार्यांचय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रजंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० नोटीस नं० 47973/85-86--श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 81 प्लाट हैं तथा जो 14/32 रेस्ट हाउस रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रुप से बिणत है), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पिषाजी जगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 23-7-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं

- (क) अन्तरण संहुइ जिस्सी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के चिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार जिभिनियं , 1922 (1922 का 11) या उन्ति अर्धिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा से सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती मंजूला धी जलाल के गेटिया बैंक/ श्राफ धी जलाल के गोटिया नं 37 VI फ्लोर हरि निवास को श्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी सी रोड, चर्च गेट, बम्बई। (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्रब्दूल कादर मोहमद कासरगोड,(2) श्रीमती साफिया श्रब्दूल कादर कासरगोड
- (3) श्री मैलन चिक्कल ग्रव्दूल जुबैर। (ग्रन्तरिती)
- (4) श्रीमती बिलाविना कातु जैनबा जारिमस श्रम्दूल्ला जुबैर केन्नानर डिस्ट्रिकीट। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्धन के लिए

#### उन्द बंपरित के सर्थन के समय में काई शी मार्शन :----

कार्ववाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी स्थित दवारा
- (व) इस सूचना के पायन को प्रकाशन की तारीय हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित को हित-बव्ध किसी बन्च व्यक्ति इवारा सभोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए वा सकतें।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्दों नीर पर्धों का, वो उत्तर अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कन्धं होता. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनु सूची

सर्व सम्पत्ति है जिसका सं० प्लाट सं० 81 जो सं० एम० नं० 14/32 ग्रपार्टमेन्ट रेस्ट हाउस रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

বিলাক: 12-3-1986

मोहरः

इस्त्य कृत्र, र्ी. एन. एक.

भाषकर विभिन्धिम, 1961 (1961 का 43) की भाष २६९-भ / () भ अभीत सुमता

नार्क सरकाः

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेण सं० नोटीस नं० 48019/85-86--श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2/69-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाचार मूल्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 173 है तथा जो VIII ब्लाक जय नगर बंगलूर है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जय नगर में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-7-1985 जयनगर

कां नूर्वोवश सम्पक्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरक्ष की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वातिक संपत्ति का उन्हेन बाबार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिरह से अधिक हैं हैं आरे अकारप्य (अन्तर्यों) होर अन्तरिती (अन्तरितियां) के भीष एसे अन्तर्य के लिए उन्हें पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वारेय से उक्त अन्तर्य लिकिन से वास्तिब क रूप से क्षिणत नहीं किया गया हैं :---

- (का) सन्स्परण संहुई रिक्कि हाथ की बाबस, उपस स्थितियाद के उधीत उप उन के सलायक के वाबित्स में कभी भारतीया उससे उपनियों स्थिया के विष् वारिश्या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिल्हों भारतीय आरम-कर लॉभानयम, 1922 (1922 का १६) जा उनक आधीनयम, या धनकप अधिनियम, 1937 (1937 को 27) के प्रयोज-नाथ अस्तारती द्वारा पक्षत नहीं किया गया था या जिल्हा अस्त भारती व्वारा पार्ट्स का धिन्या या जिल्हा अस्त भारती व्

अत: अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 

■ च्यीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री द्यार० जन्जय्या नं० 151, कामधेन बन्नीमन्टप एक्सटेन्शन मैंसुर सीटी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंजुला नं० 48 डी० वी० गुन्डप्पा रोड बसबनगुडि बंगलूर -4

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके प्रतेक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उपस सम्परित के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस धूषभा के रावषण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि मा तस्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वाना की तानीन से 30 दिन की अवधि मा सी अवधि मा सी अवधि मा सी सी किसी को किस कुषाया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीश है 45 किन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूथ किसी बन्य व्यक्ति स्थाय अधांहरताक्षरी के गास जिक्ति में किस का सकींगे ।

स्पन्धिकरण ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पचा है।

#### वम्स्यो

दस्तावेज 830/85-86 ता॰ 4-7-1985)

सर्व सम्पत्ति है जिसका संख्या 173 जो VIII ब्लाक जयनगर बंगलूर मे स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, बंगलूर

विनांक: 12 मार्च 1986

# प्रकृत वार्ष स् बीहा क्षात द्वार अस्तान

नायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुवना भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर बायुक्त (निर्माक्रण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेशसं० नोटील नं० 48195/85—86——श्रतः, मुझे स्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ौर जिसकी सं० 986 है तथा जो हेथ ए० एल० II स्टेज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमृसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10-7-1985

इंदरा नगर बंगलूर

को पृश्वें क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार भन्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें क्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल के पंद्रह इतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिचित उद्योग्य से उक्त अंतरण सिवित में शस्तिकक रूप से करियत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरभ ने हुई किली जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्म आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उत्त राधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्लांगिशि वृत्रारा श्वस्ट तहीं किया गया था या किया श्री याना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त आधिनियम की भारा 269-म की उपधादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हः—-

(1) श्री कें एए० एगदेशया नं 986 हेथ ए० एल II स्टेज बंगलू -38

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डब्ल्यू टी० कुमाए (2) श्रीमती टी० पथ्मालोथित सं० 51/19ए, कोदंडारामा लेझीट। बंगलुर

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको पृविक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु-

उक्त संपण्ति को अर्थन को संबंध में कार्व भी मान्नेय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध सा तरसम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वाना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों औं से जिल्ली व्यक्ति दवार:
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्ष स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में विष्णु जा सकोंने।

स्वयद्यीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वर्षा हैं।

#### नगस ची

दस्तावेज सं० 1105/85 ता० 10-7-1985) सम्पत्ति है जिपका संख्या 986 जो हेथ ए० एस० II स्टेज इंदिरा नगर बंगलूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 12-3-1986

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

अणकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सुबना

#### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक शायकर शायकत (निरक्तिण) श्रजन रेज, अंगलूर

बंगलूप, दिनांक 12 मार्च 1986

निवेश सं० नोटीस नं० 48006/85-86--ग्रतः मुझे ग्रार० भारक्वाज

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें उसके प्रमात 'उपल अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अधीन मात्रम प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, विसन्ता उचित बाकार मृख्य 1.00,000/- रो. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 168/2 है तथा जो VI कास ग्रार० एम० सी० यार्ड बेंगलूर है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-7-1985

को पूर्लोकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के निए बन्तिरित की नई है और मूळे वह जिल्लाई करने का नगरण है कि बभाष्मोंकत बम्बत्ति का उचित बाबार ब्रुक्त, उसके दूरयमान प्रतिकल के, एसे दूरवान प्रतिकल के नंदह प्रतिकत में निभक्त है और बंदरण (अंतरका) बार बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंदरण के निए तम पाम च्या प्रतिकल , निम्नतिथित उद्योग है उन्त वंदरण कि निए तम पाम च्या प्रतिकल , निम्नतिथित उद्योग है उन्त वंदरण कि निए तम पाम च्या वास्तीयक भप है कांच्या नहीं किया गया है :---

- (क) नन्धरण संतुर्ध किसी नाय की बाबत, समत विभिनियम के संबीत कर योगे के बंतरण की वाधित्व में सानी करने या उत्तरों स्थान में सुनिक्षा की किए? मॉर/या
- (स) ऐसी किसी जाब या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जास-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा को निष्ट;

अतः अस , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिकित व्यक्तियों , अर्जात् ध---

- (1) मैंसर्स सुनाता इंडस्ट्रीज भागस्त एन० पिलैं<mark>य्या गेटी</mark> ओरकुळ जोग नं० 4, 2 HI मेन, एन टी० पेट बंगलूर (अन्तरक)
- (2) मेमर्स हाजि अब्दुल लटीफ नाचुब और कं० नं० 42, II मेन रोड, एन० टी० पेट बंगलूर-2 (अन्तरिती)

को बह सुभना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निम् कार्यनाहिया करता हो।

जक्त नव्यक्ति को अर्थन के सत्त्रत्य में कीई भी गार्कीप ₽──

- (क) इस मूपता के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की मसीध मा तत्मम्बरी स्थितियों पर स्वना की तामीस से 30 विन की ननिभ, वो भी ननिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थिति हों। इसारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिन-वध्य किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहताकरी के एक किसिन्त में स्थित के स्थापत के स्थापत

स्वक्ष्यक्रिक्यः प्रस्ता प्रस्ता प्रस्ता क्ष्यः विद्या का, यो उपव व्यक्तिक्यः हो सम्बाद 20-क में परिशापित हैं। वहा वर्ष होगा को उस सम्बाद में दिवा व्याही।

#### अनुसूची

दस्तावेज सं० 1839/85 ता० 27-7-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 168/2 पूर्व से स्राधा भाग जो 6 कास श्रार० एम० सी० वार्ड बंगलूर में स्थित है)

> स्रारं० भारद्वाजं सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (किरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलूर

**चिनांक:** 12-3-1986

मोहरः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

जायफर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० नोटीस नं० 47983/85-86--श्रतः मुझे, श्रार० भारताज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसएँ इसके परचात् 'उकत किधिगियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के मुधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 118, 102, 38-44 है सथा जो सिद्वाना लेन, बेट्टासेट्टिपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-1985

को पृवंदित सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देष्य से उस्त बन्तरण निम्निलिश्वत उद्देष्य से उस्त बन्तरण निम्निलिश्वत उद्देष्य से उस्त बन्तरण निम्निलिश्वत क्षेत्र का सम्तरण निम्निलिश्वत क्षेत्र का सम्तरण निम्निलिश्वत क्षेत्र का सम्तरण निम्निलिश्वत क्षेत्र का स्वास्त का स्वास्त स्वास्त का स्वास्त स्वास्त का स्वास्त स्वास स्वास्त स्वास स

- (क) अन्तरण से हुई किमी बाय की बाबत, उकत अधि-नियम को बधीन कर दोने को अंतरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंगरिती द्वारा २ उट नहीं किया गरा धा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूविभा के रिस्ट;

(1) श्रीमती त्रिरम्मा और कुछ लोग, नं० 44, सिद्धाना लेन बंगलूर सीटी।

(ग्रन्भरक)

(2) एम० रामय्या नं० हेथ-38 2 क्राम अक्ष्मीनारायण पुरा बंगलूर सीटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में से किए जा सकेंगे।

स्पच्छीखरणः -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिल्ला गया है।

अनुमुखं.

1323/85 ता॰ 25-7-1985) सम्पत्ति है जिसका संख्या 118, 102, 38-44 में भाग जो सिद्धाना लेन बेट्टामेट्टिपेट बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बगलूर

विनांक: 11-3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत करकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश मं० नोटीस नं० 47899/85-86--भ्रतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज,

भायकार प्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधास 'उक्त निधीनमम' कहा गया हैं), की भाषा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उवित्त वाजार मृज्य 1,00,000/- का से जिलक हैं

और जिसकी सं० 19 बी० है तथा जो केंग्पेगीडा रोड, बंगलूर में स्थित है। (प्रार इसमे उपाबद्ध अनुसूची में प्रार एर्ण रूप मे वर्णित है), रिजन्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, नारीख जलाई 85

1908 (1908 का 16 के अधीन, नारीख जुलाई 85 की पर्नोक्त संपरित के जीवत बाजार मृस्य से कम के क्यमान पित्रपास से पित्र को जीवत बाजार मृस्य से कम के क्यमान पित्रपास से लिए अंतरित की गई है और मृभ्ये यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जीवत बाजार मृत्य, उसके क्ष्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से जीवक है जीर जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित प्रतिकात, निम्नलिकित उव्योध्य से उसत अन्तरण निकित एवं वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ह---

- (क) बन्तरण से हुयाँ जिसी जाव की बावत, सबसे वीधितियम के बधीन कर दोने के जन्तरक से दावित्व में कमी करने वा सबसे वे बिवधा की हैंजह; बीप/या
- (स्व) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा कस्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उपल विधिनियस या धन-कर अधिनियस 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, फिनाने में सुविधा भी जिए:

भय: जब, **उक्त संधितियम की धारा 269-ग को बनसर**क

(1) श्री निरुपमा गोविन्दा राज बी० वालटन रोड, बंगलुर-1

(भ्रन्सरक)

(2) दि हिन्दूस्तान फनांस कारपोरेशन 19/बी० केंग्रगांडा रोड, बंगलूर-8

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

बक्त बन्गतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नवीच या तत्त्रंतंथी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की नवीच, जो भी क्रमीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रवेकित स्थानसूची में में किसी स्थानस ब्वारा;
- (व) इस सूचना के खाजपत्र में ज़क्तासन की सारीब के 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए का इकों ने।

स्वव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

#### नन्स्ची

(दस्तावेण मं० 1133/85 ता जुलाई 1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 19/बी० जो केंम्पगौडा रोड, बंगलूर में स्थित है ।

> न्नार० भारताज सक्षम प्राधिकाण सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक्क) श्रनजे रेंज, बंगलूर

दिनांक: 11-3-1986

मोहर:

में , में उबत मिनियम की भारा 269 म की उपभाका (1) के अभीत, निम्निविधित व्यक्तियों, मर्भाष्ट :--

#### प्रकृष बाइ .टी.एम.एस. -----

# थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

#### शारत चरकार

#### कार्यालय, सहायक भागकर भागूक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० श्रार० 1748/37ईई 85-86--- प्रतः मुक्षे, श्रार० भाग्द्धाज,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इतने क्या करात्र क्या करात्र क्या क्या करात्र क्या क्या क्या करात्र करात्र का कारण

हैं कि स्थावर सम्पत्ति, रिसका उनित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रपादमेंट सं० 4-डी० जी 23 पामगृव रोड, प्रास्टिन टीन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाय प्रमुखी में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजीस्ट्रीकरण प्रधिक्तियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 16-7-1985 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थानन पितकन के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विकास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जन्म स्वयं स्वयं प्रमुखे के स्थान प्रतिकत के प्रस्ति के निर्मा का उचित बाजार मृल्य, जन्म स्वयं स्वयं प्रमुखे के बीच एसे प्रतिकत के निर्मा कर विषय बाजार निर्मा (जन्तरित पाँ) के बीच एसे अन्तरण के निर्मा व्यवस्थ वामा गया प्रतिकत, विस्तिकत उद्देश्य के उक्त अन्तरण विश्वत में वाक्तिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत सकत अहिन-निगम के जभीन कर दोने के जंतरक के शियत्व में कभी कभने मा उससे वचने में सविधा के तिरु; कीह्र/था
- (का) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या कर्य बास्तियों की, बिनहें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की बनुसरक कै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:-- (1) मैं कार्दर्न इन्वेस्टमैंट श्रो मैं-यू चंदी श्री जाकब चंदी और एसक सीक बालन 45 पेलेस रोड बंगलूर

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री पी० ग्रार० गोपीनाथ नं० 28 कला णेला बसंत नगर मद्रास-600090

(श्रन्तिनिती)

# की यह सूचना शारी करके प्रॉक्ट सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस ब्यान के रायपन के प्रकारन की सारीज से 4.5 विन की मन्धि या तस्त्रस्थनी स्थितियाँ पर शुधन की तामील से 30 दिन की सर्विप, जो भी अर्वाप याद में स्थापन होती हो, के भीतर एपांकर स्थापनी में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इत सूचना के राज्यन के प्रकाशन की शारी के बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हित-बद्ध कि बी कन्य व्यक्ति दुवारा सभोहस्ताक्षरी के बात बिबिक में किए वा सकते।

स्वकाध्यरणः ---- इतने प्रमुक्त सन्दों और पदों का, अर्थ सक्त विभिन्नित्र के लेखाय 20 कार्ने परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस लखाय में जिल्ला क्या ही।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1520/85-86 ता० 16-7-1985)

सम्पत्ति जो श्रपार्टमेंट सं० 4-जी पामद्री पंलग नं० 23 पामगृव रोड, श्रास्टिन टीन बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण') श्रर्जेन रेंज बंगलूर

भारीख: 11-3-1986।

# प्रक्ष्य नाह<sup>र</sup>्टी , एन , एस<sub>ं</sub> ----

The state of the s

# बाग्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कायां संग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्य, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेण सं० श्रार० 1747/37ईई—- स्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर मौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ध्रपार्ट मेंट सं० 1-ए प० 23 पामगृव रोड, ध्रास्टिन टींग बंगलूर में स्थित है (और इससे छपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-1985

करं विशेषत संपरित के उधित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई के और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे बश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिकाल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तारण सं हुई किसी बाग की बावत, उथक सिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के सिए; आहु/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गर्ध बन्तिरती ध्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, क्थिमने में सुविधा के निए;

बतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिकित व्यक्तियों, वर्भात् ३(1) मैं० सदर्न इन्वेस्टमैंन्ट श्री मैंथ्यू, श्री जाकब चंद्री और श्री एस० सी० बालन 45 पैंलेस रोड, बंगलूर

(ग्रन्तस्क)

(2) श्री प्रमोद कुमार सेती, श्रीमती तारा सेती नं० 396 मेन 7 कास 8 ब्लाक कररमेगल बंगल्र-560034

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिय कार्यवाहियां करता हुं।

**तक्त** सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों धार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी ॐ पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्वकाकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसक जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वहाँ वर्ष होगा को उस अध्याय में विका वजा है ।

#### ननुस्ची

(दस्तावेज सं० 1519/85-86 ता० 16-7-1985) श्रवार्टमेन्टसं० 1-एच० पामट्री पलेस जो नं० 23 पामगृब रोड, श्रास्टिन टीन बंगलूर में स्थित स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 11-3-1986

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस्. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिलाक 11 मार्च 1986

निर्देश मं० श्रार० 1777/37ईई/यतः मुझे, श्रार० भारहाज, श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मंपरिता. जिसका उजित बाजार मुख्य 1,06,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसको सं ज प्रसार्टमेंट सं जे उत्पक्त है, तथा जो 23 पासगृष्ठ रोड, बगलोज में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और एमें का वे परिवाहीं), रजिस्ट्रीकतीं अधिकारी के कार्यालय बंगलोज में जिल्ह्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिलांग 29-7-1985,

करे पूर्वोक्श सम्पत्ति के उपित बाजार भूल्य से कर के सबसाब । शितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वाम छैरन का कारण है कि यथापूर्वोवित सस्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके न्वयमान गतिकल से, एवि व्ययमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अभिक ही बौर अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अन्दरितिशों) के बीच एशे अन्तरण के लिए तय पामा गया जिनका, निम्निक सित उपवेद्य से उक्त क्तरण निम्निक मा बास्तीवक रूप में त्रीथन नहीं किया गया है :---

- (क) अल्लारण सं हुए किसी बाद की बावत, उपस्त विधिनियम के अभीत कर दोने की बस्तरक थी वाधिरण में कमी करने वा उन्नये वचने में सुविका से बिद: बीड/बा
- (य) इसी किसी थान या किसी वन वा वस्य वास्तिहारों करें, जिल्हें भे रहतीय आम-कर विभिन्निया, 1922 व्यक्तिस्ता, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनार्थ अस्तिरिसी थ्यारा प्रकट नहीं जिल्हा एक या प्राप्ति में सुविशा के लिए;

अस्य अस्य, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ के अनुसरक मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अर्थाम निकातिश्वत व्यक्तिया, अवस्य क्रि (1) मे०/गेदर्न इत्वेस्टमेंट्स, श्रीः मैत्यू चन्दो, श्री जेवाब चन्दी तथा एस० सो० बालन, मं० 45, पेलेस रोड, बेंगलोर ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीतल लीखा तथा श्रीमती गीता लीखा, 48, प्रस्पताल रोड, बेंगलीए-560001

(श्रन्यरिता)

को यह बुचना बादी करने पूर्वोक्त सुम्पृति के वर्षत के दिन्छ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :----

- (क) इस स्था के सम्पन में प्रकारण की ताड़ीय हैं

  45 किये की स्वृद्धि वा तरसम्बन्धी क्रिन्तकों को स्वाम की तामील से 30 दिन की सविभ, जो भी क्विभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स क्विकारों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा:
- (क) इस ब्रामा के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीवर स्थल स्थापर सम्पत्ति में हित्यवृथ क्रिक्टी कृत्य व्यक्तित वृथारा वभोक्तिकारी के वाह क्रिक्ट में किए या कर्त्यों ।

स्मर्ग्डीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्धों सार १थों का., जो उसत समिनियम, से सध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यहां सर्थ होना, सो उत्त अध्याय में थिया एका हाँ।

#### अमृस्ची

(दस्तावेज सं० 1532/85-86 दिनांक 29-7-85) संपत्ति जो श्रपार्टमेंट सं० 3-एफ पामद्रा प्लेस' सं० 23, पामगृव रोड, श्रास्टिन टाउन, बेंगलोर में स्थित हैं ।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन जेंज, बंगलूर

दिनांग : 1.1-·3 · 1986

मोहर ।

प्ररूप कार्युत् ठीत् एतत् एसत् ॥ 🕫 🤊

# चायकः विचित्रियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-म (1) के अधीन स्क्रा

#### भारत सरका

# श्वामान , बहायक नामकर मावृत्तः (निहासाम)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश संव 1755/37ईई/याः मुझे, प्राप्त भारद्वाज, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं अपार्टमेंट सं 4-एच हैं तथा जो 23 पामगृब रोड आस्टिन टाउन बेंगलीर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूता में और पूर्ण रूप से क्रिणित हैं) रिजिस्ट्रोंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधन दिलांक 16-7-85

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के **एक्यमान** प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पृष्टिंग्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकल सं, एमें उदयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल जिल्ला सिक्ति उद्योग्य से उक्त अंतरण सिक्ति में बास्तिक का किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहुद्धं फिल्ल बाल का बाबत, उबस्य वृषितियम भी बृषीम कर दोने को बन्तद्वक औ स्वित्रण में कमी करने था जनसे बचने में सुविधा औ लिए; बाँड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिद्धः

बतः अव, जक्त निभिनियम की भारा 269-ग में नन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों वर्धात् :--- (1) मे०/सदर्न इन्बंस्टमेंट्स श्रो मैर्स्यू चन्दा श्रा जेवाब चन्दा तथा श्रो एस० सा० बालन, 45, पेलेस रोड, बेंगलोर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमतो नवाज कणार और जो० पो० कप्तान, एन० के० कशार, 704, ्रृंसिलवरलेक टेरेस, १55, रिचमंड रोड, बेंगलोर--25

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के वर्षन के दिस्

#### इक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूदीक व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वाप;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बंधे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास\_ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिकरण :—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ ।

#### वमस्यी

(दस्तावेज सं ० 15/25/85-85 ता० 16-7-85) संपत्ति जो प्रगटिमेंट सं० 4-एच प्रामद्रो प्लेस", सं० 23, पामगृष रोड, प्रास्टिन टाउन , बंगलोर में स्थित हैं ।

आरः

ान प्राधिकार सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 11--3-1986

मोहरः ।

प्रकार आहे. हो. एम. एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन मुचना

#### भारत सरकार

# धार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1986

ि निर्देश मं० श्रार० 1749/37ईई/थतः मुझे, श्रार० भारद्वाल, **बायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वाय कड़ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खीवत बाजार जुल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमको सं० ध्रपार्टभेंट मं० 1-एफ' है, तथा जो 23, पामगुष रोड, ध्रास्तिन टाउन बंगलोर में स्थत हैं (और इसके उपाबद्ध अनुभूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रोकरण ছাপ্রনিম্ম 1903 (1903 का 10) के श्रधीन दिनाक 15--7--1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कब के दश्वमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ्ड समे वृश्वमान श्रविकल से, ऐसे वृश्यमान) प्रतिकल का प्रमह्य प्रतित से प्रक्षिक 🛊 ओर बन्तरक (जन्तरक्षी) चीर बन्तरिती (बन्तरितियी) के बीच ऐरें। बन्दरबर्क लिए तय पाया बना प्रतिश्रव विकासिक्षित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरम निवित में वास्त्रविक ४५ के कवित नहीं कियागया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावज्ञ, उक्त बीधीनवन के बधीन कर दोने के बन्तरक के धायितम में कभी अरने वा उससे वचने में स्थिया के जिए; बॉर/वा
- (स) एंद्रॉ किसी बाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिज्ञियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाबाकिया बाना चाहिए बा, छिपाने में सर्विचा के सिए; नौर∕ना

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) स०/मदर्ग इन्बेस्टमेंट्स, श्रंत भैत्यू चन्दोत श्री जेवाय चन्दां और था एम० सा० वालन मं अड, पेलेस रोध, वेंग्लांट ।

(यस्त्रस्क)

(2) श्रा चलेप्सिन कास्टा तथा श्रामता हरोता कास्टा, सं० 268, चौथा ऋस, 4था मैन, विवेशनगर, बेंगलार-- 47 (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उन्नत सम्बद्धि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बास्नेय :----

- (क) इस ब्रावना के सब्यम में प्रकाशन की दारीबा बे 45 वित की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **व्यक्तियां में ते किसी व्यक्ति द्वारा;**
- (च) इस स्वताक । सामपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हित-बसुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाच निवित्त में किए वा सकेंगे।

<del>रम्थाच्यरणः ----द्रसमें प्रयुक्त शब्दों बी</del>ह पदों का, को <del>उक्त</del> विधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वध्याय कें विका नवा है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1521/85-86, ि 🖰 🗸 15-7--85) संपात्त जो श्रनार्टमेंट सं० १-एफ पामट्रो प्लेस' सं० 23, पामगुष रोड, आस्टिन टाचन, बेंगलीर में स्थत है ।

> आ४० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहारक आधकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज, **बंगल्**र

दिनांक : 11·3-·1986

प्ररूप बाह .टी. एट. एस. -----

बायको विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### जारम सरकार

# !ायाँलय; सहायक आयकर बाबुक्त (मिरीक्सण)

श्रर्जन रोंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

ानर्देश सं० चंडी / 79/85--86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (दिस इसमें इसके प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विषयास सरने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और । जमका सं० क्राधरन एण्ड स्टोल विल्डिंग सं० 205 है तथा जो सैंबटर 29डों चण्डोगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध धनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक जुलाई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यवमस्य शिक्क के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उच्चित बाजार शृध्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, ऐसे व्हयमान प्रतिफल सा पंत्रह प्रविक्त से विधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंशरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरिक के सिए सम पामा गया प्रतिक कर निम्निविद्य उद्योक्य से उक्त अन्तरण किश्वित में पास्त-

- (कं) मन्तरण स हुई । जिसी नाय की नावत सकत मि-पिक्स की संधीन कर वोने के सम्हरूक की दावित्स में जनी करने का उन्नच क्यमें में मृतिका के सिए; बॉर/या
- (म) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उवत बीधनियम के अने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

कतः अब उक्त विधिनयम की भाग 269-ग के जनुसरक के, हो उत्था अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) सर्वर्था गुरुवचा भिह पुत्र श्री वरतार सिंह, श्रीमती भुत्यर कौर पत्नी श्री प्रेम मिह, इन्द्र-जीत मिह, वलजान सिंह, भुरजात सिंह, हरणिन्द्र, सिंह पुतान स्वर्गीय श्रीपेम सिंह सार्व विवासी महारा संज्ञा 1.5 की जास्त्री गगर, लुद्धियाना द्वारा गार्की जारल प्रदानी श्री जाताथत राथ गुण्ता पुत्र श्री लाल चन्द्र िनासी महान संज् 325: सेक्टर 35डीज चण्डीगढ़ ।

(अन्तरका)

(2) श्रा पुभाष चन्द्र पुत्र श्रा देवाचन्द्र गया श्रोमनी परमेख्वरी देना पति श्रो देवी जन्द, निवासी--मनात संब 406 सैक्टर 30ए, खण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की जबिध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अथोहस्ताक्षरी के पाड तिकित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदौका, की उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

#### प्रमुखी

प्रायर्त एण्डस्टोल विलिखग सं० 205 सैक्टर 29डो चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जाथदाद जो कि रिआस्ट्रीकर्ता धिवजारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 397 माह जुलाई 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् स तम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), सर्जन रोंज, लुधियाना

दिनांक : 10--3--1986

मोहर ।

#### वक्य भार्',डी.एन्.एस.,------

#भ्यक्षर जभिनियस, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

#### कार्यात्रव , सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्तक)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986 निदोश सं० चण्डी/80/85-86:---ग्रक्षः मुझे,जोगिन्द सिंह,

कायकर प्रथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 3.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० साईट 9, है तथा जो मोटर मार्केट एण्ड कर्माणियल कम्पर्लेक्स, मर्ना माजरा. (यू०टी० चण्डीगढ़) में स्थित हैं (ऑर इससे उपावद्व प्रमुसूची में और पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पृश्वित सम्पांश के शिवत वाजार मृत्य सं कम के स्थमान शिवका के लिए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियां) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया स्था प्रांपक कि मिनलिक्षित उद्वादय से उक्त अंतरण लिकित प्रकारित है अप से अधिक वहीं किया स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- ा) एसी जिसी आय वा किसी पन या अन्य आस्तियों जो जिन्हों भरत्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 13) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग **सै जनसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) द अधीर विकासित व्यक्तिमां, **जबति व्य**क्ति 4—36GI/86  श्री श्रार० एस० श्राहलुवालिया, पुत्र श्री बलवन्त सिंह, श्राहलुवालिया, मकान नं० 88, बन्दा बहादुर नगर, जालन्धर शहप।

(ग्रन्तरक)

 श्री मनजीत सिंह लूम्बा पुत्र श्री शिव चरण सिंह,
 258 फेज 1, इंडस्ट्रियल, एरिया, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, धों भी बर्बीध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिका नशा है।

#### जन्स्ची :

एस० सी० एफ० साईट नं० 9, मोटर मार्केट एण्ड कर्मांशयल कम्पलैक्स, मनीमाजरा यू० टी० घण्डीगढ़ (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, घण्डीगढ़ के विसेख संख्या 399 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधि याना

तारीख: 10-3-1986

#### शक्य बाह्र टी. एन्. एस . ----

बायकर किंभिनयर, 196 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक अवकर आयुक्त (निरोक्सक)
प्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेश सं० वण्डी/82/85-86:— ग्रतः मुझे, जोगिन्द सिंह, जायकर अधिनिधम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पर्तिः जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1666 का 1/5 भाग, तथा जो सैक्टर 7 सी चण्डी है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्रशंकत संगतित के उपित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान रितिकल के लिए कन्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का अगरण हो कि स्थाप्तीनत संपतित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से श्रीये स्थ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षण में अभिक ही और कन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित से सम्तिबिक कप के क्षीयत नहीं किया गया है ।——

> क्लरण मंहुइ' किसी आयकी बाबत, उच्छा अधिनियम कंजधीन कर दोने जे अन्तरक वें पाशित्स में क्सी करने शासको बचने में सुनिधा

मिन किया था किया था किया प्रस्ता अस्य बाह्निया का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अम, उक्त अधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उमित अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नीखित व्यक्ति के अधीन, मिम्नीखित व्यक्ति

 श्रीमती भाग कौर विधवा श्री कर्म सिंह, मकात नं० 3309 सैक्टर 40 डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री सुरमुख सिंह, मकान नं० 1584 सैक्टर 18 डी, चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध व' कोई' भी वाहीप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारांस स् 45 दिन की अवधि हैं तुत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाहा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याव में दिया गया है।

#### वन्स्ची

मकान नं 1666 का 1/5 भाग, सैक्टर 7सी चण्डीगढ़ (ग्रर्थार्त वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 411 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-3-1986

प्रकर कार्च . टी . एन . एस . -----

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मृथना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेश सं े चण्डी/83/85-86--श्रतः मुझे, जोगिन्द सिंह, शायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (निसं इसकें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा

269-स्थ के लभीन सक्तम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्त

**∤,**00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं 119 है तथा जो सैक्टर 28 डी, भण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वीक्ट कम्पेटिस को उभित याजार मुख्य स कम के स्थायान

कर पूर्वीकृत प्रस्पति को उभित याजार मृथ्य स कम के स्थ्यमान । तिफाल के निए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वाक करन का कारण है कि स्थाप्योंक्स संपत्ति का उभित बाजार सूख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरक के सिर् स्थ्याया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण त्याया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण त्याया का साम है ---

अभिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के हासित्य में कभी करने या उत्तर अखने में मिला। के लिए। बीर/मा

(क) एरेरी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) व्याधनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं दिक्या थया वा या किया जाना पाहिए था, कियाने में सुनिधा वे विकास विकास की किया जाना पाहिए था, कियाने में सुनिधा वे विकास

षत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीन, निम्लिनिका कलिनमों, अर्थात् :---

 श्रीमती मनवर जीत कौर पत्नी श्री जजेन्द पाल सिंह, श्री भारत इन्द्र सिंह पुत्त श्री जतेन्द पाल सिंह, निवासी मकान नं० 27 ए, भृविन्द्रा नगर, पटियाला द्वारा उनकी जनरल ग्रटानीं स्री वेस राज जैन पुत्र श्री परश राम जैंग, निवासी मकान न० 1510, सैंक्टर 34 डी, भण्डीगढ़। (श्रन्त(क)

 मैंसर्स न्यू राजधानी मोटरज द्वारा सल प्रोपाइटर श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री मूल चन्द निवासी एम० सी० एफ० नं० 3, सैक्टर 27 सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

3. मैसर्स जैन एण्ड कम्पनी दुकान नं० 119 सैक्टर 28 डी, भण्डीगढ़!

> (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

का वह बुचना जारी करक पूजीवत संपरित के अर्थन के जनस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षेप:---

- (क) इस तुष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 विन को अवाधि में तरणवनी व्यावसदी इस स्पान की तामीस से 30 विन की अवधि, को और अवधि बाद में समाप्त हाती हो, को मीतर पूर्व कर व्यावसदा में से किसी कावित स्वारः
- (ग) इस सूचना को राज्यात में प्रकाशन की हारांख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य न्यांक्त द्वारा त्यांक्तकारा के वास निवित में किए का सकता.

रनक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और एक्षों का, जो उस्त अभिनियमं के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा को जस अध्याय में विद्या

#### अन्स्थी

दुकान न'० 119 मैंक्टर 28 डी, चण्डीगढ़। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चण्डीगगढ़ के विलेख संख्या 419 माह जुलाई 1985 के सहस दर्ज है)

> जोगिन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (िनरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाता

तारीख: 10-3-1986

# प्रकप नाइं.टी.एन.एस. ------

# आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निवेण सं० चण्डी/87/85-86---श्रतः मुझे, जोगिण्ड सिंह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 510 तथा जो सैक्टर 33 बी चं। डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रमुसुची में और पूर्ण का से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित माणार मूक्य से कम के दृष्यभान शितफ स के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलिखत में वास्तविक रूप सं किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वश्य शास्तियों की धिन्हीं भारतीय आयकड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधिनयम, या धन-कर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा से सिए;

नतः अव, उन्त निधिनयम कौ धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उन्त नाधिनियन की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालीयत अस्मिनमें सम्भृति ह— श्रीमती तारा देवी
पत्नी श्री कृष्ण देव सिंह
मकान नं० 510 सैक्टर 33 बी,
चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

2. श्री अत्र सिंह चड्डा पुत्र श्री गुलाब सिंह बतौर उनके एच० यू० एफ० के० कत्ती, निवासी मकान नं० ई० सी० 36, इंदपुरी, नई विल्ली -110012।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क िए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबधी व्यितियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी स्थितित इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधारिक है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### **प्रनुसू**षी

मकान नं > 510 मैक्टर 33 बी चण्डीगढ़ (प्रथित वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 433 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)। जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्र (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप बाह्र , टी , एन , एस , ------

# भाषकर जीपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन तूमना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 10 मार्च 1986

निवेश सं० चण्डी | 89 | 85 - 86: → न्य्रतः मुझे, जोशिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 - ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 1335 है तथा जो सैक्टर 18 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरित्याँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्कियों का, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ६नकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त गीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की सपधारा (1) के अधीत, निम्नसिधित व्यक्तिस्यों. स्थासि ⊯—  श्री गुरिदयाल सिंह कलेर पुत्र श्री ठाकुर सिंह मकान नं० 1335 सैंक्टर 18सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री द्वेन्द्र सिंह भामरा पुत्र श्री करतार सिंह तथा श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री दवेन्द्र सिंह, निवासी नानकपुरा जोरा फाटक रोड धनबाद ग्रब मकान नं० 1335, सैंक्टर 18 सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी काओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किती अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः इतमें प्रमुक्त शस्त्रों और पदौं का, को अक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया क्या है।

# मनुसूची

मकान नं० 1335 सैक्टर 18 सी चण्डीगढ़ (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ ॣ के िषिलेख संख्या 450 माह जुलाई; 1985 के ॄरतहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप भाष्: टी. एन., एस., -----

# भायकार भीभिनियमः, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 26%-च (1) को अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाता, दिनाँक 10 मार्च 1986 निदेश सं वण्डी १९०/85-86:-- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या एम० सी० एफ० साईट नं० 351 है तथा जो मोटर मार्केट एण्ड कर्माणयल कम्पलैंक्स मनीमाजरा, यु० दो० चण्डोगढ़ में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे षणित है), रिन्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर शिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्ति शिवा (अन्ति शिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या प्रतिकल, शैनम्बलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वना है हि—

- (क) जल्धरण से हुई किसी शाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दःसित्य में कामी कारने या उत्तसे अधने में सुविधा को सिए; औद्र√वा
- (ख) एँसी किसी नाय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ नती, जिन्हों भारतीय आय-कर निधिनियम, 1922 (1922 ना. 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नाथें नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः अथं, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुस्रम् भीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की स्पभारा (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् केल्ल  श्रीमती मिथला वर्मा पुत्री श्री चुन्नी लाल, पत्नी श्री बी० ग्रार० वर्मा, निवासी मकान नं० 1276, सैक्टर 19 बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री मूल राज मकान नं० 211 सैक्टर 4, पंचकुला (हरियाणा)।

(श्रन्तरिती)

को <mark>यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यनाहियां करता हुं ।

जव3 सम्पत्ति के **सर्जन के संबंध में** कोई भी वाक्षेप उ⊸~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

#### मनुसूची

एस० सी० एफ० माईट नं० 351, मोटर मार्केट एण्ड कर्माशियल कम्पलेक्स मनोमाजरा यू० टी० चण्डीगढ़ (म्रष्ट्रीक् बह जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 456 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है) जोगिन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक **माय**कर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रज<sup>°</sup>न रेंज, लुधियाना

तारोख: 10~3~1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ायकर अभिनियम, 196.1 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986
सं० चण्डी/91/85-86:~-श्रत मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
अ्युम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसेके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य
1,00,000/- रूर से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या मकान नं 1241 है तथा जो सैक्टर 33 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का है प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुकू किसी आय की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

श्री दिनेश कुमार गुप्ता
पुत्र श्री नन्दू लाल गुप्ता,
निवासी मकान नं० 1241 सैक्टर 33 सी
चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती अजीत कौर पत्नी श्री सरदूल सिंह, श्री सरसूल सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह, तथा कुमारी नमज्योति पुत्री श्री जसपाल सिंह निवासी मकान नं० 3133 सैक्टर 20 डी चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री हरचरण सिंह, श्री तरसेम लाल निवासी मकान नं० 1241 सैक्टर 33 सी, चण्डीगढ़।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के टिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रन् सूची

मकान नं० 1241 संकटर 33 मी चण्डीगढ़ (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 458 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधि में, मैं उक्त अधिनियम के बधीन, निम्नीकिस्ति स

10-3-1986

#### प्राच्य वार्<u>ड</u>्डी\_द्य पुरु

बायकार निभिन्तिम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नभीन जुवना

#### प्रांचा रच्यार

# कार्याक्य, बहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण) शर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च, 1986 सं० चण्डी। 94, 85~86:~-ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या श्रनंक्सि नं० 1039 है तथा जो सैक्टर 36 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारम, 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान पतिफल के लिए अन्तरिक की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्तह प्रविश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिकी (अन्तरितियार) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिफल, विभनितीयत उद्देश है उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप वै किथा नहीं किया गया है ह——

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त वीचीनवन के बधीन कर दोने के जन्म एक के नामित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा की चिष्ठ; ध्वीर/कर
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या जन्य जास्तियों की विश्व यारतीय नायकर निर्मित्वन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सूविधा के लिए;

- 1. श्री इन्द्र मोहन चावला , मकान नं० 2499 सैक्टर 19 सी० चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरबक्श सिंह गरचा पुत्र कैंग्टन हजूरा सिंह निवासी 1105, सैक्टर 21 बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

 स्वी सङ्ख्या चारी करके प्यामित सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बसिध, को भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

श्रनेषिस् नं ० 1039 सैक्टर 36 सी, चण्डीगढ़ (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्सी श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 996 माह जुलाई, 1985 के तहन दर्ज है)

> ्जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

बतः शव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-म को अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) क बधीम, निम्निकिक व्यक्तियों, अर्थात् ४---

तारीख: 10-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

# आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1936

निदेंग सं० चंडो०/97/85~86~~प्रतः मुझे, जोगिन्द्र  $\ddot{\text{H}}$ सह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2282 है तथा जो सैक्टर 35 सी, चंडोगढ़ में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है) रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, चंडोगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान मितफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य हैस्य, उसके रूपमान प्रतिफल सो, एसे रूपमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से उसत रन्तरक निम्निश्चित के बास्त विश्व के सिक्त के बास्तविक रूप से किया महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- (1) श्रीमती शक्ति गेठी विधवा श्री जगदीस सेठी, श्रीमती शीला मेठी, श्री श्रीनल सेठी, श्री प्रदीप सेठी, सभी विधासी मकान नं ० 331, सैक्टर 38 ए, चंडीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री चरणजीत सिंह नन्दा पुल श्री श्रासा सिंह नन्दा, निवासी मकान नं 101, सैक्टर 20, चंडीगढ़, श्रव मकान नं 2282, सैक्टर 35 सी, चंडीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्रम्परा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणं:--इसमें प्रमुक्त कब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

मकात नं० 2282, सैक्टर 35 सी, चण्डीगढ़, (अर्थात् बहु जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी, चंडीगढ़ के जिलेख संख्या 511 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह ॄंसक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर प्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजीन रोंज, लुधियाना

नारीख: 10·3·1986

प्राक्य आई.टी.एन.एस्.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 में (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 10 मार्च, 1986

निदेण सं० चंडीगढ़/99/85--86---श्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कातात नं के 1725 है तथा जो सैक्टर 34 जी, चंडीगढ़ में स्थित हैं (और इसमे उपाबद प्रमुस्वी में और पूर्ण रूप से चिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किंदनं नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, इक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था कत्य कास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़। नवा या के किया जाना चाहिए था, कियाने या स्विधा के किया जाना चाहिए था, कियाने या स्विधा के किया काना चाहिए था, कियाने या

नत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधित् ॄ—— (1) श्री जसवन्त सिंह मकान नं ० 1725, सैक्टर 34 डी, चंडें। गढ ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र स्था श्रीमती रोणनी देवी, गांव सथा डावाबाना पींगा जिला जींद, हरियाणा । (श्रन्तरिती)

(3) श्री रमेश चन्द्र । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं) ।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

**धनरा सम्बद्धित के अर्थन के संबंध में कोई भी बालेप** क्र----

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तिया घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन संची

मकान नं० 1725 सैक्टर 34 डी, खंडीगढ़ (प्रथात् खह जायदाद जो कि रजिल्ट्रीकर्ता श्रिधागरी, खंडीगढ़ के विलेख संख्या 525 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगि**न्द्र सिंह्** सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, लुधियामा

तारीख: 10-3-1936

मोहर

प्रक्ष कार्षं दी पूर्व , एस , -----

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यांचय , सहाबक वायकर आवृक्त (निद्रीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986 निदेश सं० चंडो/102/85-86:---मतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (विधे इसवें इसकें परवात् 'पक्त अधिनियन' कहा पना हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत है कि स्वातर कम्पत्ति, विसका स्वित वाचार नृत्व 1,00,000/- रं. से निधक हैं

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० 356-357 है तथा जो सैक्टर 34; चडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, पंडोगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है बौर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उब्बेश्य से उचित अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई जिलीं जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के चिए।

वत: अय, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के अनुसर्थ वें, में, अक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के वधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्षात् हिल्ल

- (1) श्री श्रनिल कुमार जैन, पुत्र श्री विमल प्रकाश, मकान नं० 1265, सैंक्टर 18-सी, चंडीगढ़। (प्रन्सरक)
- (2.) श्री दिलभजन सिंह, पुत्र श्री ग्रजैन सिंह, 1 एफ, सिविल लाईन, भटिंडा। (श्रन्तरिती)
- (3) भारतीय खाद्य निगम । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचुना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तयों में से किसी अयिक्त दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस- वद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्सूची

एस० सी० ओ० नं० 356-357 सैक्टर 34 चंडीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 547 माह जुलाई 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, सुधियाना ।

तारीख: 10--3-1986

# प्रकृष बाहु<sup>\*</sup>्र टी<sub>उ</sub> एव<sub>ं</sub> एव्

# कायक्ड विधितवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृधीन सुक्ता

#### बाइर ब्रह्माड

# कार्याभव, तहायक वायकर वायुक्त (विद्वीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निवेश सं० खरड/25/85-86-9तः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

और जिसकी संव मकान नंव 106 है तथा जो फेंग 7 मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपानद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड में, रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गद्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्विक स्प में कथित नहीं किया गया है स—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-मियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या कन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर निभिनयम, शह धर-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के सिक्क

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:--- (1) श्री ईक्चर चन्द्र पुत्र श्री िक्शोरी लाल, निचासी मनान नं० 3399 सैक्टर 19 डी चंडीगढ़ बतौर गाडियन श्री विकास चन्द्र पुत्र श्री ईक्चर चन्द्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो जोगिन्द्र कीर पत्नि श्री करतार सिंह तथा श्री जगत सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी बी-84, सुभद्रा कालोनी, सराय रोहिल्ला, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के तिय कार्यवाहियां करता क्ष्में ॥

#### सकत इंपत्ति के बर्जन के इंबंध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के बीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्मष्टिकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त कायकर ज़िशिवयन के अध्याय 20-6 में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

#### भ्रनुसूची

मकान नं 106 फेंज 7 मोहाली तहसील खरड़ (ग्रथीत् (बह जायदाद जो कि रजिस्टट्रीकर्ता ग्रधिकारी, खरड़ के बिलेख संख्या 2157 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-3-1986

मोहरः

प्रारूप बाई.टी.एन.एस

# भायकर अधितियम, 1981 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निवेग मं० खरड़/30/85-86:→-प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संज मकान नंज 175 हैं तथा जो फेन I, मोहाली में
। स्थत हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख जुलाई 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान
इतिच्ल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास
इरने के कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
इस्स, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
गन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्निखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरक, ये हुद्दै किश्वी थाय की बायत<sub>ा</sub> उथत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाविक्स की क्यों कहुने वा उससे वक्त में सुविधा में सिष्; भारत/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आहित्यों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना भाहिए था, जिपाने में सुविधा से बिह्न;

जताः अव, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरफ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—~ (1) श्री खुणहान सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह, निवासी मकान नं र 1317, सैक्टर 15बी, चंडीगढ़।

(श्रन्तरम)

(2) श्रो श्रजायव मिह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, गांच तथा क्षात्राचाना, हरगोविन्दपुर, जिला गुरदासपुर श्रम मका। नं । 175 फींज I, मोहालो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति की सर्वति की संबंध में कोई भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में अकाशन की तारींच ते 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींच से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय वृवारा;
- (ध) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त क्ष्मित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों वरि पदों का, जो उक्त वर्षि गैंग्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है के

# **अनुसूची**

मकान नं ० 175, फेज I, मोहाली तहसील खरड़ । (श्रयात् (बह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्टी अधिकरी, खरड़ के विलेख संख्या 2312 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-3-1986

# **४,स्य आह**्रेटी<u>. युप्त , युप्त ,</u> कारकामका

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं(1) कें अभीन

#### बार्व वंडकार

# कार्यातवः, वद्दावक सामकट नावुद्धः (विद्वाधिक)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च, 1986

िनिवेश सं० खरड़/33/85-86:--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कावकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसवें इसके वरवात् 'उनत विभिन्नम' च्या वथा है), की वारा 269-व के व्योग सक्त प्राधिकारी के वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि, जिन्नमा स्थित वानां वृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 602 है तथा जो सैक्टर 56, फेज 6 मोहालो तहसील खरड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णि 3 है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबाद मूल्य से का के दश्याद अधिकात को लिए बन्तरित की गए हैं जार मूक्षे यह विश्वाद करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबाद मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित महीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उबत बहिनीयम के बचीय कर दोने के बन्तरक के वादित्य को कारी.काइने वा बज़ने बज़ने को बहिना के जिए। बहिन्स
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन वा क्या बास्सियों की चिन्हें भाइतीय कायकर विधिन्यमं, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर विधिनयमं, वा धन-कर विधिनयमं, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा सा किया धाना जाहिए था, क्रियाने में वृत्यिया वें व्याप्ता वें विद्या।

बतः वन् हर्ने विश्वित्यमं की भारा 269-न वे अनुप्रस्त्र में, में, उन्ते विभिन्यमं की भारा 269-ने की उपवृद्ध (1) के अभीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्भातः—

- (2) श्री कमला देवी कपूर परित श्री जगदोश चन्द्र कपूर निवासी मसान नं० 765 ए, सैस्टर 7 बी, चंडीगढ़। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री संतोख सिंह पुत्र श्री शेर सिंह, श्री दिवन्द्र सिंह पुत्र श्री संतोख सिंह निवासी ए- 9, ओबराय श्रपार्टमैंट-2, श्रलीपुर रोड, दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

### बब्द तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप ड---

- (क) इस सूज्या के राजपत्र में प्रकाशम की तारील वे 4.5 दिस की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूज्या की सामील से 30 दिन की नविभ, जो भी वविभ बाद में समान्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त - व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के उपपाप में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाछ सिचित में किए या सकेंगे।

# नन्स्ची

मकान नं 0 602 फेज 6 मोहाली तहसील खरड़ / (भर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 2342 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10-3-1986;

प्रकृष <u>वाहर्यः</u> दौः, एत*ः, प्र*वः,

नायकर निभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के नभीन स्वका

#### भाउत ब्रुकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिक) अर्जन रेज-1, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 10 मार्च 1986

सं० खरड/37/85→86:—-प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्त्री इसके परचात् जिन्त अधिनियम कहा पया है), की धारा 269-व के सधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार भूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 3108 है तथा जो फेज 7 मोहाली तहमील खरड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सन्यत्ति को उपित बाजार मून्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं गर मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके बच्चमान प्रतिफल से ऐसे बश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप क्य से कथित नहीं किया बना है कि

- (का) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त विभिन्नम् के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी अन या अन्य कास्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था किया स्विभा के लिए;

नतः सन, उन्तरं निर्मानयमं की भारा 269-गं में अन्धरण तो, तो, उन्तरं निर्मानयमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) को निर्माणितित स्पन्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती उपा धवर्न
पत्नी श्री हरजिन्द्र सिंह धवन
निवासी मकान नं० एच० एम० 556 फेंज 7
मोहाली तहसील खरड़
बतौर खारू ग्रटानी श्री राजेन्द्र कुमार गुष्ता
पुत्र श्री गुलाब राय गुष्ता
द्वारा गुष्ता इलैक्ट्रीसज कम्पनी
वुकान नं० 31 सैक्टर 22 डी,
चण्डीगढ़।

(ब्रन्तरक)

 श्रीमती गुरबचन कौर भाटिया परनी श्री गुरबचन सिंह भाटिया निवासी सी०-110, कटक रोड, भुवनेक्वर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिभिनयम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है (हो

अनुसूची

श्रधूरा मकान नं० 31.8 फेंग 7 मोहाली (प्रथात् वह जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधकारी, खरड़ के विलेख संख्या 2426 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्रसिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, लुधियाना

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंग, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 10 मार्च 1986

सं० खरड़ ;38/85-86:—-ग्रतः मुझे, जोगिन्त्र सिंह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 394 है तथा जो फेज-3बी-1 मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबख अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वेक्स सम्परित के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफ के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पहर प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत ह---

श्रीमती सुशील कौर
 पत्नी श्री कगतार सिंह
 निवासी मकान नं० 1 सैक्टर 8 ए घण्डीगढ़
 बतौर जनरल ग्रदानीं श्री जे० पी० श्रार्य
 पुत्र श्री रखा राम
 मकान नं० 494 ,
 सैक्टर 3 बी-1 मोहाली।

(भ्रन्तरक)

 श्री जगतार सिंह पुत श्री चानन सिंह निवासी मकान नं० 494 फेज 3 बी 1 मोहाली तहसील खरडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पिति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अधि अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूजना को राजपत्र में प्रकाशन करें सारी ध क्ष 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी में।

स्पद्धीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### भ्रनुसूची

मकान नं० 494 फेज 3 मी~1 मोहाली तहसील खरड़ (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारो, खरड़ के विलेख संख्या 2448 माह जुलाई, 1985 के तहन दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) स्रजैस रेंज,लुधिशाना

तारीख: 1-3-1986

शारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सृचमा भारत सरकार

कार्यालयः महायक जायकर जाय<mark>क्त (निरीक्षण)</mark> सर्जन रें<sup>ज</sup>, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० णिमला/18/85-86:--श्रत मुझे जोगिन्द्र सिंह, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि 9 विद्या विलिंग सहित हैं तथा जो गाँव मशोवरा परगना शोहानली तहसील तथा जिला शिमला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिमला में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जुलाई, 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मृत्य से कम के क्यमाः प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह जिवनास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूसमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रति-क्षस, निस्निवित उद्विचय से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-किक क्य से कियत नहीं किया गया ही :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जीवीं गयत के वधीं ने कर देनें की जीतरक की वावित्व में कमी करने या उनने वचने में सुहैं कथा वे सिए; बॉड/वा
- रेको अभी किसी बाव वा किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बांयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

ब्रितः क्ष्म, उक्त विधिनियम, कौ धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्निकित व्यक्तियों, जमीत :----

- मैं मर्ज होटक होटल प्राइवेट निमिटेड,
   रिजस्टर्ड प्राफिस प्रलाणीया होटल,
   कसौली जिला सोलन
   अारा स्पैअल अटार्नी श्री के० एस० कराये।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रीटा गर्ग पत्नी श्री राजेन्द्र पाल गर्ग निवासी गाँव पहाँगली, तहसील तथा जिला गिमला। श्रव मकान नं० 2155 सैंक्टर, 21, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

 बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई नाक्षेप ह-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीचं कें 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- हिन्द सूचका के राज्यक के प्रकारक की तारीय प्र 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति के हितबहुन किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरों के पा लिकित में किए जा सकेंगे।

#### जनसंभी

बिल्डिंग भिम 9 बिघा जो कि गाँब मशोबरा, परगना गोहावली तहसील तथा जिला शिमला में स्थित है। (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, शिमला के विलेख संख्या 367 माह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्त्र सिंह; सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

सारी**ख**: 10 - 3- 1986

# प्रकृष बार्ड . हो . एवं . वब 🔑 म म 🗝 🕬

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के मधीय मुकता

#### मास्त सरकार

कार्यामयः, सञ्चायक कायकर वास्त्रकः (निराधिका)

**ग्रर्जन रेंज**, लुधियाना

लुधिमाना, दिनौंक 10 मार्च 1986 निर्देश सं० लुधियाना। 266। 85-86:---ग्रनः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

मायकर थिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की भाष 269-व के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित शाकार मृज्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या मकान नं० बी IX-ा का 1/4 भाग है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे ज्याबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकार के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जुलाई 1985

कां पर्वोक्त संपत्ति के तथित बाधार मृख्य में कम के दक्यमान पितास के सिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिख्याम करन का कारण में कि यथायानिक संपत्ति का उपित बाजार बच्चा, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह बितास में मिक हैं और जन्तरक (बन्तरका) बीप जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीप एसे अन्तरण के सिए सब पामा गन्ना वितास , निम्नीमिस्त उद्योग्य से उस्त बन्तरण जिलिक भी बास्त्रिक संग ने कथित नहीं किया गना है रिन्न

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, प्रजल मिनियम की बाधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कामी कारने या उत्तसे बचने में मृतिथा को लिए; और/वा
- (भ) ग्रांसी भिन्नी काफ का किसी बन का अन्य काफिएवा हो किन्हाँ भारतीय जायकद अभितिसम् , 1922 (1922 का 11) या उन्ह सभितिसम्, या धन-कर अभितिसम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्तर नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, (क्रवानं में भृतिभा के लिए।

असः कत्रः, उक्त अभिनियम की भाग 269-न् क्रे. अन्साम अ... सँ छात्र अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) छुरधीरः, जिस्सीसीचर व्यक्तिकाँ, कर्माव क्रिक्त श्रीमती बिमला बती
पत्नी श्री किशन चन्द,
मकात नंठ बी~VIII, 751, लक्कड़ बाजार,
लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुदीप कुमार पुत्र श्री यणपाल कुमार निवासी मकान नं० 586, माडल टाउन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

 मै पर्स कुमार रेडियोज, चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभौग में सम्पत्ति है)।

का यह स्थाना भारी कपके प्रतिकत संपत्ति के अर्थन के निरु कार्यत्राहियां करला हां !

तुकत सुरम्पित के वर्धन के नंबंध में कांद्र भी नामांद्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाराः
- (क) इस स्थान की राज्यन में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी सन्य स्थावित इकारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किए वा सकींगे।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों नीर वदों का, जो बनव निश्वितम, के सध्याय 20-के में परिशावित ही, वहीं अर्थ क्षेणा को उस अध्याय में दिया वदा है।

### अन्भूषी

मकान नं बी IX-I का 1/4 भाग, ज़ौड़ा बाजार, लुधियाना (प्रथाँत वह जायवाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता सर्धिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 6002 माह जुलाई, 1985 के तहत वर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

सारी**ख** : 10-3-1986

प्रारूप बात्र .टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यात्तद, सहायक आयकर वायुक्त (पिरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

तिवेश मं० लुधिना ता/2660 न्याः मुझे, जोशिन्द्र सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव मकान संव बी-IX-I का 1/4 भाग, है तथा जो चौड़ा वाजाण, लुधियान। में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधिया में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिक्षिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विज्ञेक जुलाई, 1985,

को पूर्वितत सम्पत्ति को उचित बाजार मूच्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तरिक एयं म कीयन ही निकारण ही न्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व कें कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अध्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के कियां

जतः जन, उन्त अभिनियम कि धारा 269-म के अनुसरण कें. में रक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अभीन, निस्तिसियत स्पितिकर्यों, अर्थीत ८(1) श्रो त्रिज्य प्रशोक कुमार पुत श्री किशन चन्द विषयसी बी-⊶VIII--751 लकड़ बाजार, लुधियाना ।

(भन्तरक)

- (2) श्री नुमीस कुमार पुत्र श्री यशपाल कुमार मकात संव 586 माधल टाउन , लुधियाता । (श्रनारिती)
- (3) मेसमें कुमार रेडियोज, मकान नं बी-IV-1 चौड़ा बाजार, लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभाग में सम्पत्ति है।)

को यह ।सूचना जारी करके पृवाँकत संपत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी वंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकींगे।

#### अन्**स्पी**

मकान सं० बी--IX-। का 1/4 भाग, चौड़ा बाजार, लुधियाना (अर्थात चह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि ारी, लुधियाना के विलेख संख्या 6001 साह जुलाई, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, सुधियाना

दिनांक : 10-·3-·1986

# 

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (विरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्वेश सं० लुधियाना/268/85--86---धतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात्. 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रंग से अधिक है

और ।जसकी सं अकान सं वि: XX 1195/21 का 1/8 भाग है तथा जो सराया जगर, लुधिया त में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारों के कार्याजय, जुियाना में, रोजस्ट्रीकरण श्रिधिनाम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग, दिनांक जुलाई 1985

को पृशंकित सम्पत्ति के उचित नाचार मृत्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्यारण से हुई जिल्ली साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वाजित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; बॉट्र/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निमित्यम का भारा 269-ग के नमुबरण ने, में, उन्नत निम्नितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अभीत्:——

- (1) श्री गोढ़ बहादुर प्रसाद पुत्र श्री जे० बी० प्रणाद निवासी मकान सं० 128 सैक्टर 11ए चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री बचन सिंह तथा श्रीमती भुरेन्द्र कौर पत्नि श्री मनजीत सिंह मकान नं० 7ई सराया नगर, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्वम की क्षारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक क्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्विष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

मकान सं बी-XX 1195/21 का 1/8 भाग, सराया नगर, लुधियाता, (श्रथीत् वह जायदाद जीकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुबियाता के धिलेख संख्या 6199 माह जुलाई 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10 -3-1986

# **इक्य बाइ**ंट टॉ<sub>ं</sub> एन , एक<sub>ं</sub> -----

मायकार मधिनियः 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के मधीन मुष्का

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहावक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेश सं० लुधियाना/267/85--86---अत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उनत विधिनयम' बहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाचार ज़रूय 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसका मं० मकान मं० बा-XX--1195/21 का 1/8 में स्थित है (और इससे है तथा जो सरला नगर, जुधियाना उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) पिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याना लुढियाना में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के श्रधी ते दिनां त जुलाई, 1985 की पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास असने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार अस्य का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार अस्य प्रतिकास की कि स्वाप्ति के प्रतिकास की कि स्वाप्ति के विश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक कर से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) व्याप्त के हुई विजी बाद की वाबत सकत विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के क्विर्द में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जांद्र/या
- (ण) एरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आस-कर अधिनियम, १७२३ (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में द्विभा के किए;

कर्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुबारण वें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गाढ़ बहादुर प्रयाद पुत्र श्री जे० बी० प्रणाद मकात सं० 128 सैक्टर 11ए चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री बचन सिंह श्रीमती पुरेन्द्र कोर परित श्री मनजीत सिंह, निषासी---7ई सराया नगर, लुधियाना । (प्रन्तरिती)

स्त्री सृष्ट् कृष्यम बाडी कडके पृयों वर्ष वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जबस सम्पृतित् वं वर्षन के सुम्बन्ध में कोई" ही शावीप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी से गांव लिसित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्बों और पर्धों का, को उकत अधिनियम, को अध्यास 20-क में प्रिमाणित इ<sup>7</sup>, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

मकान सं० बी-XX-1195/21 का 1/8 भाग, सराया नगर, लुधियाना (अयित वह जायदाद जो कि किस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 6089 माह जुलाई 1985 के सहत दर्ज हैं) ।

> जीगन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लुधियाना

दितांक: 10~3-·1986

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेण सं० जुिब्या $\pi l/269/85$ - $\cdot 86$ :  $\cdot \cdot \cdot \cdot$ क्त: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयक प्रमितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस्त गाजान मृख्य 1,00 000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव महार नंव बी XX = 1.195/21 हा 1/8 भाग है तथा जो महासा कार, लुधिराजा में स्थित है (अं) इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप के विभिन्न है), एकिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाजा में, किस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाह जुनाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजा वृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गासाकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की वावत, उच्त वीधिवयम् के बधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधाः के विद्यु, वार/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, शा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किस। नया था शा किया जाना जाहिए था, किया में सविधा के जिए;

च्छ: बब, उनत अभिनियम की धारा 269-ए के बन्तरण को, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-७ को ३१भारा (।) को अभीन, निम्नसिचित न्यन्तियों, अथोत ः—

- (1) श्री गोट बहादुर प्रशाद पुत्र श्री जे० बी० प्रशाद, िवासी मन्तान सं० 128 सैक्टर 11ए, जण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री बचन सिंह तथा श्रीमती कुरेन्द्र कार पति श्री मनजीत सिंह, निघासी--- ७ई, सरामा नगर, लुधियाना । (अन्सरिती)

का वह सुवना बारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्वन् के विद कार्यवाहियां करता हुं।

**उन्द** सम्मति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्से इ----

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ति में हितवक्थ किसी अन्य स्थावित व्यारा, जभोइस्ताकारी के पास सिधित में किये वा सकेंगे।

स्व्यक्तिकरण :----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्वों का, को उक्र वृधिनियन, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, यही अर्थ होगा, को उक्र बुध्याय में दिशा प्रवाह की

#### नगराची

मकांत सं० यो XX-1195/21 का 1/8 भाग, सरामा नगर, लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारो, लुधियाना के विलेख संख्या 6056 माह जुलाई 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधिबाना

दिनांक: 10-3-1986

### प्रस्य बाइ<sup>4</sup>, टी. एत . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्थना

#### भारत बरकार

### कार्यांकय, तहायक मायर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज, लुधियाचा भारतम् विकास सम्बद्धाः

सुधिराताः रिमोटः 1० रार्च, 1986

निदेश मं० लुधिया  $\Pi/272/85-86-\cdots$ तः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

नायकार मिलिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सं० बी- -1195/21 है तथा जो सराया नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे ज्याबद्ध श्रन स्वो में और पूर्ण विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, ल्धियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यसण्यविक्त नम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफाल से एमे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आपकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपकर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६५-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६२-घ की उपधारा (1) के च्यीक, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) और भारत (पृत्य प्रशाद पृत्य श्रोत जो व बी प्रशाद िक्सिटी को 228, सीक्ट्स 12ए, चण्डीगढ़। (अन्सरक)
- (2) धं मनजंता सिध् पुत्र श्री वचन सिह श्रीमनी नेरेख कीर पिता श्री मनजीत सिह निवारीय--- 7ई सराधा नगर, लु**धियाना** । (श्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना॥ हो।

जकत सम्पत्ति के पार्जन के सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### जनसूची

सकान संव वी-XX-1195/21 का 1/8 भाग, सराधा नगर, लुख्याना। (अर्थात वह जाथबाद जो 1क राजस्ट्राकर्ता श्रिक्षकार), लुख्याना के निलेल संख्या 6325 माह जुलाई, 1985 के नहन पूर्व है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

বিলেম : 10 3-1986

### धक्य बार्चः दी. एषः **एस**ः--------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीन सूचमा

#### नाइब चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1986

निवेश सं० ल्**धियाजा/257/85-86---**अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर विभित्तिस्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

भौर जिसकी संव कोठी संव बी-XVIII-3897 है तथा जो माछल हाऊस, लुधियाना में स्थित है (और इसते उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप के धाणित है), रिजस्ट्री की प्रियोगि के धार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्रेकिएण कियिक्षिण, 1903 (1908 वर्ण 16) के प्रधीन, दिलांक जुलाई, 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित शाजार मृत्य सं अन्य के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सक्षापर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रम् प्रतिपाल से लिएक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निजित में बार गिक रूप से काश्यत नहीं किया गया है ए

- (क) मन्तरुप से हुई किसी नाम की गायत उसके जीविनका के जभीन कर्युटोने से अन्तरका के शियत्व मी कमी कारने या उसमें रूपने मी स्वीवध्य के स्वाप्तर मीट/बा
- (म) इसी किसी अब या किसी धम या बन्ध बास्तियाँ को जिन्ही भारतीय प्रायकर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनयम, ना अम-कार बिश्विनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका पाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;
- ा अब, उनत व्यंभिनियम दर्ती थारा 269-व कं अनुबारण हं, मं, उक्त जिम्मिनियभ की भारा 269-च की उपभारा (1) च असीन, निस्तमि**डित व्यक्तियों, असीत् ह—**

- (1) सर्वश्री चुक्रोलाल, नाम प्रकाण पुत्रान् श्री परमानन्द, निवासो--- १६०० माडल हाऊस सुधियाना । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो अमरजोत सिंह पुत्र श्रो सोहन सिंह विधामी---बो-XV--584, ओवरलाक रोड, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

कार्य बहु सुचना आदी करके पूर्वोक्त संस्थित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

### क्षक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति लक्तिकां में से किसी अविक्त दुनाराः
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बा नीर पदी का, को उपके मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं. यही अर्थ हाता को उस अध्याय में दिया नवा रूँ!

#### वयसर्थ

कोठो सं बी-XVIII-3897 माडल हाऊस, लुधियाना (प्रयीत् वर् जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 5704 मार् जुलाई 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंहू, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रोज, लुधियाना

दिनांक : 10-3-1986

नोहर :

# REP STE STE STEEL STEEL

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरोधण)

ध्रार्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 7 मार्चे, 1986

निर्देश सं० जी० माई० मार० बी-139/एक्यू०—-मतः, मझे श्रीमती य० कान्जीलाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अभिनियम' कहां गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो रुद्रपुर नैनीताल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हलद्वानी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मफ्ते यह विद्वास करने का कारण है

मुक्त यह गणा पूर्वोक्त संपक्ति का जिए हैं हैं यह यथा पूर्वोक्त संपक्ति का जिसते आजार मृज्य, उसके करमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरय के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ने निवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्कविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्त्रपम से हुई किसी बाद की बादत , क्या बाहियान के बचीन कर देने के मन्तर्क के बाहित्य में कनी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अत-कर अधिनियम, वा अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया बता था वा किया जाता जाहिए था, जियाने में भीतथा के लिए:

अतः अब, उक्तः अधिरियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 7--36GI/86

- 1. (1) श्रीमती रुकमन प्रग्रवाल।
  - (2.) श्रीमती बीना श्रग्रवाल।
  - (3) श्री शिव कुमार द्वारा ग्रटार्नी श्री श्रनिल कुमार।

(श्रन्तरक)

2. श्री बलदेव राज महाजन।

(श्रन्तरिती)

3. केता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के हामपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थं) इस्त ब्रूच्या के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के शीत्र उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूच किसी कन क्योंन्द ब्यारा, अभोहस्ताकारी कें पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थानिक प्रमास के निष्या के प्रमास के परिभाषिक के निष्या को उस निष्या के नि

#### अन्सूची

प्लाट पैमाईसी 15,000 वर्ग फीट (1394 वर्ग मीटर) स्थित रद्रपुर नैनीताल (जैसा फार्म 37-जो में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लारीख: 7-3-1986

रक्ष्य आर्थ, टी. **एन्. एस**्च----

# नायकर नरिश्तिसन, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-न (1) के बंधीन बुच्चा

#### नारव बहुकार

# कार्याजय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्तक)

भ्रजेन रेंग, लखनक राज्य दिल्लीस ११ पार्च १०

लखनऊ, दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० डी०-63/एख्यू०-~यतः, मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की बास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित्र बाबाद मूल्य 1,,00,000/- रु. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० मकान नं० डी-48/128-129 हैं तथा जो मितिर पोखरा, बाराणसी में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 190 8 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के धरणमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की पद्द है और मृत्यों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चें य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिक्त भन्तरण निव्यं पाया गया प्रतिफल के पर क्रिक्त के स्वार्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिक्त ने की किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी वास वा किसी घन वा अन्य नास्तिलें लो. जिल्हों भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 रे. 922 का 11) वा उच्च अधितियम, वा धनकर अधितियम, वा धनकर अधितियम, वा धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इवारा प्रकट तहीं किया गया था किया जाना धान्निस् था विकास के विकास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किम्निटिक्स व्यक्तियों, अधीत :—-

- श्री पी० के० बाजपेयी व ग्रन्य (एच० यू० एफ०)
   (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री द्वारका दास खन्ना।
  - (2) श्रीमती रुप रानी खन्ना।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री बीरेश्वर सरकार। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को बहु बूचना बारी कारके पूर्वों कर संपरिता की वर्षन के बिद्य कार्यवाहियां कारता हो।

### जनत संपृत्ति के सूर्यन के संयंभ में कोई भी माक्षेप 🌣----

- (फ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील हे 30 दिन की अवधि, खों भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान की शावपण में प्रकाशन की तारीक ने 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए वा कोंगे।

स्वकारणः इतमे प्रयुक्त सन्दों मीट प्रां का, वा अवस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, बहा अर्थ होगा, वो उस सध्याय में विश्वा मना

### अनुसूची

भकान नं० डी-48/128-129, मिसिरपोखरा, वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमता यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय महायक श्रायकर श्रीयुक्त (श्रजन क्षेत्र), लखनऊ

तारोख: 11-3-1986

प्ररूपे आई.टी.एन.एसं.-----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनक लखनक, विनांक 7 मार्च, 1986

निर्वेश सं० जी० श्राई० श्रार० एल०-60/एक्यू०--श्रतः, मझे,श्रीमती यु० कान्जीलाल,

जाणकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० भूमि खसरा नं० 476 है तथा जो धिकया कला नैनीताल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काशीपुर नें रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गर्द और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण शिक्ति में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ■—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाम की बाजर, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कामित्य में कमी करने या उसके बज़ने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

शतः व्यवः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, रं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधैंं, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—- 1. श्री यशपाल सिंह।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण सिंह कार्की।

(भ्रन्तरिती)

3. विकेता।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिट है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विका गमा है।

### अनुसूची

भूमि खसरा नं० 467, पैमाईसी 5 एकड़ 75 डिसमिल स्थित धकिया कला (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र), लखनऊ

तारीख: 7-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या एस०-61/एक्यू०-श्रीमती यू० कान्जी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं भूमि है तथा जो ग्राम मझोला परगना व जिला-मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**वित** व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री श्रब्दुल मजीद श्रदीब।
  - (2) श्री जमुग्रा।
  - (3) श्री बाबू।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स लेबर सहकारी श्रावास समिति लि० मुरादा-बाद द्वारा सचिव श्री प्रेम सिंह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### मनुसूची

भूमि पैमाईसी 3345-34 वर्ग मीटर स्थित ग्राम मझोली परगना व जिला-मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधि कारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र), लखनऊ

तारीख: 11-3-1986

### ROT HIE ALD HER SERVICE

# जाधकार जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत चढ्या

# कार्यासन, सहायक वायकर वायुक्त (विर्याक्षक)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ ल**खै**नऊ, दिनौंक 10 मार्च, 1986

ग्रौर जिसकी सं काना - जमीन है तथा जो सिविल लाईन्स बिजनौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय बिजनौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का) 16) के ग्रधीन, दिनाँक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मना प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त व्यक्तिकम के बधीद कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ए'सी फिसी जाय या जिल्ली थन वा अन्य जारितयों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लियम, या अब-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थितने में सुविधा के सिग्।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निल्खिट व्यक्तियों अभीत :---

- 1. (1) श्रीमती प्रकाशवती देवी।
  - (2) श्री विनोद चन्द्र गुप्ता।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती महबूबा बेगम।
  - (2) श्रीमती चाँद परवीन।
  - (3) कुमारी हुमेरा परवीन (नाबा०) द्वारा पिता
  - (4) श्री इरशाद ग्रहमद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

उन्त सम्मारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवस क्यां करायों में से किसी व्यक्ति व्यागतः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस जध्याय में विश्ल नवा है।

#### पर्वा

मकान मय जमीन पैमाईसी 2226 वर्गमीटर स्थित सिविल लाईन्स बिजनौर (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० काम्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जनक्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

प्रकर नाइ<sup>®</sup>्र दी. एव*्* एत<sub>ं</sub> ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दीक्रण)

प्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० म्रार० संख्या एम०-26 शिएक्यू०---म्रतः, मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मरित जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमिखनरा नं० 142 है, तथा जो ग्रिहिबरन-पुर जिला-लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनौंक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमाय प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिकात से आंधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया दिस्कल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दिन्त

- (क) बन्तरण से हुई किसी काव की बावत , उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाय किया किया गर्या ना वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वें के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- 1. श्री हेमराज।

(श्रन्तरक)

 मारुतिपुरम सहकारी श्रावास सिमिति लि॰ द्वारा प्रेसीडेन्ट श्री दथानन्द बिसारिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निविक्त में किसे जा सकती।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वया है।

#### वन्स्ची

भूमि खसरा नं 142 पैमाईसी 8 बिस्वा स्थित ग्रिहिबरन-पूर जिला--लखनऊ (जैसा फार्म 37-जो में बर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजन क्षेंद्र, लखनऊ

तारीख: 7-3-1986

प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक जावकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० प्राई० ग्रार० संख्या एम०-267/एक्यू० यतः मुझे, श्रीमती कान्जी लाल,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थक परणात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिससा उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं कान नं 592 (पुराना) 660 (नया) है तथा जो मोह फानतून गंज बरेली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ती स्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, विनांक 27 जुलाई, 1985

का प्रामित सम्मत्ति के उचित बाबार ब्रुट्य से कम में इस्थमाल प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वाल करने का कारण हैं कि स्थाप्तोंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिक्षम कि विश्वालयों कि स्थापित में भारत- विकास कम से कथित नहीं किया गमा हैं है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त विधिन्यम के अभीन कर वेने के संतरक के वायित्व में कभी करने या उनके बचने में मृतिधा के जिला, कोर या
- (स) ऐसी किसी आय ता किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिल्हों करिकेट राय के जिल्हों करियों , कि निक्ष के कि राय के कि राय कि या कि साम का कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या शा किया जाना नाहिए जा, कि ताने में भौराधा के निष्

नतः, भवः, उक्त विभिनियमं की धारा 269-गं के बनुकरण , भैं सबत विधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) कभीन, निम्नीविद्या व्यक्तियों, वर्षात् हि—— 1. श्री धर्मबीर श्रानन्द।

(भ्रन्तरक)

2 श्री मुर्तजा हुसैन।

(अन्तरिती)

3 विक्रेता।

(वह व्यक्ति, जिनके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को वह क्षमा बारी करके प्वॉक्त सम्मत्ति के वर्षन के स्थि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त हाती हो, जो भीतर पृष्ठीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवासतः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बक्भ किसी बन्य स्थित दुवारा अवाह्यताक्षरी थें पास सिकित में किस जा सकेंगे।

स्पाका के प्रमान के सम्पाद के स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के सम्पाद के स्वाप्त के

#### मय संबंधि

मकान नं० 592 (पुराना) 660 (नया) मय भूमि पैमाईसी 421 वर्ग गण स्थित मोहल्ला फालतून गंग, बरेली (जैसा फार्म 37-जी में वर्णिन है)।

> श्रीमती का जी लाल गक्षम प्राधिकारी निरीक्षी गहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जनक्षेत्र, लखनऊ

तारीखा: 7-3-1986

प्ररूप बाहै. टी. एस. एस्, ------

आशंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालका, तहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनौंक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० घाई० श्रार० संख्या पी-16म/एक्यू०---यतः मुझे, श्रीमती कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्व बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मीजा मझोला जिला मुरादा-बाद में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनौंक जुलाई, 1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्वयमान अतिकल के लिए अन्दरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से सुद्दै किसी आयः की बाबत, उस्त नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उल, उल्ल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उल्ल अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिष्धा स्थीकतयों, अर्थात् ह 1. श्री रमेश चन्द्र।

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्स पी० एण्ड एस० एक्सपेट कारपोरेणन कितरौल, मुरादाबाद, द्वारा श्री श्रमृत लाल सरना (पार्टनर) श्रौर श्री जवाहर लाल सरना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जगरा की

भूमि पैमाईसी 719.48 वर्ग मीटर स्थित मौजा मझोला परगना और जिला मुराबाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

### प्रकार बार्च 🖟 हों 🚉 पुरा 🚜 🚜

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 मार्चे, 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या पी०-166/एक्यू०— यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल राणकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 90 है तथा जो उदयपुर खास

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 90 है तथा जो उदयपुर खास तह० जिला बरेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जुलाई, 1985

को धूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य . उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तम पाना गना प्रति-क्य निम्मीजीयन बहुदोस से क्या बन्तरण विकित के बास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है है—

- (क्क्र बन्दर्भ वे हुई कियी नाम की वाबतः, अवस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी काइने वा खबसे व्ययं में बृविधः, के सिए; और/या
- (च). एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च निधिनयम, वा धनकर निधिनियम, वा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्बरण हे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमां, अधीत :-- 8—36GI/86

- 1. (1) श्रीमती निपाल कौर।
- (2) श्रीमती कुलवन्त कौर श्रटार्नी श्रीमती महेन्द्र कौर।
- (3) श्रीमती राजेन्द्र कौर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पवन कुमार
  - (2) श्री राकेश कुमार।
  - (3) श्री राजेश कुमार।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

# चाँ क् कृत्या आ<u>र्धी</u> क्र**खे पूर्वोक्य धुल्**तित् से वर्धन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### वन्य वस्तृतिक के वर्षन के सम्बन्ध में खोड़ों भी आक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकी।

स्वक्योकरणः - इसमें प्रमुक्त सम्बाँ बाँड पर्यो का, वा उक्त अधिनियम के अध्यास 20 का में परिज्ञातिह है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमाह ।

### अनुसूची

भूमि खसरा नं 90, पैमाईसी 1000 वर्ग गज स्थिन उदयपुर खास तह श्रौर जिला बरेली (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जनक्षेत्र लखनऊ

तारीख: 7-3-1986

प्रक्ष आहे. टी. एन. एव .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### शास्त वरकार

# कार्यांतय, सहायक कायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निर्वेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या पी-167/एनयू०--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मौजा मझोली, परगना व जिला—मुरादाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जुलाई, 1985

को प्रांकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिपान के सिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्तों कर संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (क) एसी किसी आग का किसी धन मा बन्य बास्तियों को किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्मारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अमृतरण मो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. श्रीमती उषा ग्रग्रवाल।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स पी० एण्ड एस० एक्सपोर्ट कारपोरेशन कितरौल, मुरादाबाद, द्वारा पार्टनर श्री श्रमृत लाल सरना श्रीर श्री जवाहर लाल सरना।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृचना चारौं करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बार्क्ड :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार स से 30 दिन की अविध, जो भी जनिष वा र में साराप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्तिय व्यक्तिया
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्मीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिशामित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन्त्री

भूमि पैमाईसी 2355 वर्ग मीटर स्थित मौजा मझोली परगना श्रौर जिला-⊸मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीभती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजनक्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 11-3-1986

# प्ररूप वार्षं ुटी , एम , एस , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-व (1) के बधीन ब्**चना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, तहायक बायकर बायक्त (विद्रीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या श्रार०-278एक्यू० यतः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो हरुनगला जिला बरेली में स्थित है (श्रीर इसने उपाधद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक जुलाई 1985,

की पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे एसे रहरयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वावा गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से कियत महीं किया गया है क्रिक

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी बाय की बाबत, उक्त अभिग्नियम को अभीन कर कोने को अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट्र और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य कास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत जीधनियम, या धनकर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था जिस्पाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री श्रब्दल गनी।
  - (2) श्री श्रब्धुल वहीद (नाबा०)।
  - (3) श्री लल्लन।
  - (4) श्री इस्लाम नबी।
  - (5)श्री मुखतार।
  - (6) श्रीकत्ते।
  - (7) श्री मो० नबी।
- 2. मेंसर्स रोहिल खण्ड सहकारी ग्रावास समिति लि० बरेली, सचिव श्री कृष्ण ग्रवतार श्रववाल।

(अन्तरिती)

3 विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारीं करके पृथेक्ति संपरित की वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपत्ति के अर्थन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (प) इत् स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्मत्ति में हितनव्थ किसी जन्म व्यक्ति इतारा जभाइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकति।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### अनुसूची

भूमि पैमाईसी 2 बीघा, 18 बिस्था श्रींर 15 विस्थान्सी स्थित हरूनगला जिला--बरेली (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम ग्रधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुड्त प्रजंन क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

# प्रस्त बाह्य हो, एवं प्रस्तु-----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के घंधीन सुपदा

#### बाइट चंडकार

# कार्यालय, सहायक कायकर वायुव्य (निद्धविक)

श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निर्देश जी० प्राई० प्रार० संख्या प्रार०-279 एक्यू०--यतः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वास 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उत्रित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी भूमि है तथा जो ग्राम हर नगला, जिला—बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जार मूळे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकृत निम्नलिवित उच्चेष्य से उसत अंतरण कि निम्नलिवित अंप के निम्नलिवित अंप के

- (क) मन्तरण ने हुई किसी नाम की नानत उन्त अधि-रिव्यू के न्यीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कभी करने ना अच्छी नजने में श्रीवधा के विष्टु खंड/या
- (व) ऐसी किसी नाम वा किसी पन वा सम्ब वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर संभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर सिंभिनियम, या चन कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया चाना जाहिए था, जिनाने में सुरैनधा वी सिह;

भर्तः अव उक्त विधिनवम की धारा 269-व की वनसर्थ भा, भा, धाक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे क्षीन्<sub>र</sub> निस्तिवि**श व्यक्तियाँ, वर्षाद्य क्र**— (1) श्री प्यारे साल।
 (2) श्रीमती राम देवी।

(मन्तरक)

- 2. मेसर्स रोहिल खण्ड सहकारी भ्रावास समिति लि॰ बरली द्वारा, सचिव, श्री कृष्णा भ्रवतार भ्रमनाल (भ्रन्तरिती)
- 3. विकेता।

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन भी हिनए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त संपरित के वृष्य के संबंध में कोई भी वाक्षेप ≡-

- (क) इस स्वना के प्रवपत में प्रकाशन की तार्षि है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानीस से 30 दिन की जनिष, को भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य स्थानत स्थारा, अधोहस्ताकारी के काल किसित में किस का करेंगे।

श्यक्तीकरणः — इसमाँ प्रयुक्त क्षम्यों और पद्यों का, जो उक्त निध-विकास के नभ्यात 20-कं में परिभाषित हैं, मही नर्थ होता, जो उत्त सभ्याम में दिवा नवा हैं।

### धनुसूची

भूमि पैमाईसी 2 बीघा 16 विस्वा स्थित ग्रम हरूनगला जिला--बरेली (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम ग्रधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जनक्षेत्र लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

# इक्न बार्<u>ड</u> टी<sub>ड</sub> इन्<sub>ड</sub> पुंच्<sub>ड</sub>क्क-अन्त

# आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्योत स्वता

#### बाइत बरकाइ

### कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (शिरीक्राक)

प्रजिन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० श्रार० संख्या श्रार-280 एक्यू०

--यतः मुझे श्रीमती यु० दान्जो लान,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उचित नामार मृज्य 1,00,000/- रु. से **अधिक ह**ै

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो स्वरूप नगर, सुर्ख, बरेली में स्थित है (और इसले उपायद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजण्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुन्दै किसी जाय की वावत, उत्कत अभिनियम के अभीन कर दोने के बंदरक के दानित्य में कभी करने या अबसे वयने में ब्रिया के निए; भौर/या
- (क) ऐसी कि सी अवयं या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कार मुभिनियम, 1957 (1957 का 27) और प्रयोजनार्थ अंतरिली व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, क्रियाने में सुविधा वी विष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, डक्स अभिनियम की भारा 269-च की ब्रथभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् ए--

- (1) श्रोमती फारुख जहां बेगम श्रटानीं श्रीमती नर्साम बेगम।
  - (2) श्रीमतो प्रवीन बेगम।
  - (3) श्रीमती श्रारफा बेगम।
  - (4) श्रीमती नीलोफर ।
  - (5) मो० श्रसमत ।
  - (6) मो० श्रजमत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राधाकुष्ण सहकारी श्राचास समिति लि० बरेली द्वारा सचिव श्री प्रेम नरायन।

(अन्तरितीः)

(3)<u> चित्र</u>ेता।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुपना कारी करके पूर्वोक्स सम्पृतित के सूर्वन के जिल्ह कार्यवाहियां करता 🚮 ।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोर ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा सं 45 दिन की व्यविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ ब्ष्यमाकी तामील से 30 दिन की व्यप्ति, यो भी जनविष बाद कें इस्मान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवायः
- (वि) इत स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 विनुके भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास मिचित् में किए वा व्केंने।

न्यक्रदीकरण: — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को **उसक** विधिनियम - के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया भवा है।

#### नन्स्ची

भूमि पैमाईसो 7000 वर्ग गज स्थित स्वरूप नगर बरेली (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र; लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

# प्रका कारों हुन होता हुन हुन स्वरूप स्वरूप

# णायकाड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

#### भारत संद्रकात

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्ष्ण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० आर्थि आर्थ संख्या एम० 405/एक्यू----यतः मुक्को, श्रीमतीः यू० का जीलाल

शायकर शिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसको संव मवान मय भूमि है तथा जो निकलापुर बरेलों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिन्द्रीवर्णा प्रधिकारी े वार्यालय बरेली में सीटरहीकरण प्रधिक्यिम, 1908 (1906 का 16) के प्रधीन किसोक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिधत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्योद्य से उस्त अन्तरण किखित में शस्तविक कम से किखित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से लाई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाधित्य में कमी करने या तससे वचने में सुविधा के लिए: आहि/वा
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिम्हियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, दो भन-कार लिधिनियम, दो भन-कार लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जर रिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या भा वा किया जाना चाहिए था, ज्याने में सूर्विभा चे जिन्हा

बतः भव, उत्तर विभिन्नियम की भारा 269-न के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:---

- (1) श्री ओंकार नाथ श्रग्रवाल
- 2 श्री श्रनित कुमार
- 3 श्री चिनोद कुमार
- 4 श्री मुरली मनीहर

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 श्री सर्वेश कुमार
- 2 श्री यंगिण कुमार
- 3 श्रीमती उमिला रानी

(भ्रन्तरिती) 🛴

(3) विक्रेता द्वारा किरायेदार उमा शंकर (बहुब्यक्ति िसके श्रिधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हा।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षक के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी जवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा है।

### **श्रनुसू**ची

मकान मय भूमि पेमाईसो 901 वर्ग गज स्थित सकला-पुर बरेली (जैसा फार्म 37 जी में बर्णित हैं)

> (श्रीमती) यू० का जी लाल सज़म प्राधिकारी सहायक प्राधकर प्रायुक्त (विरीक्षक) श्रजन रेंज, नखनऊ

तारीख :10-3-1986

# प्रचम बाह् , हो , एम , एस .

# बायशस्य विचित्रियमः, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के बचीन त्यमा

#### NING SERVICE

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० आई० आए० संख्या एस-406/पर्जन-स्मातः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

न्यस्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विकर्ष क्यां स्वर्ध प्रथात् 'तक्य अधिनियम' कहा गया ही, की पारा 268-व के अधीन सक्तम प्राणिकारी को यह विक्वाप करने का अरण ही कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और िसकी सं० भूमि हैं तथा जो ग्राम तुलापुर, जिला बरेली में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं, र्राजस्ट्रायक्ती अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को न्वाँधत सम्मित के अधित माजार मृत्य से कम के द्रश्यात प्रतिकत्त के लिए अन्तरिती की पद्दं और मुओ यह विद्यास करूने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मित्त का अधित वाचार मृत्य, असले द्रश्यान प्रतिक्षा से, होने क्यामाण प्रतिक्रम का जन्मह प्रधिक्त से जनिक ही और जन्मत्व (अन्तरका) और जन्मतिकी (अन्तरित्तमाँ) से जीन एक जन्मतिक कि सिए तम नामा प्रमा प्रतिक्षक निम्मितिक क्यामाण प्रमा प्रतिक्षक निम्मितिक क्यामाण स्था ग्रास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया ही :---

- (स) बातरण से सूर्य किसी बाब की बावत , क्या अधिनियम के स्थीन कर दोने के बालरक में स्थीयल में क्यी करने वा सससे क्या को स्थाप के सिए; बरि/वा
- /प) एंडी किसी आय मा किसी धन या बन्य बास्तिकों काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रमोध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया बाना चाहिए या डिपान में सर्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिक व्यक्ति, जनके कि

- (1) 1. श्री नरायत 2. श्री कल्लू 3 श्राराम प्रसाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री भुरेण णर्मा (गर सन्कार) आवास अनिकि लि० वरेली ।

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

(घह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### क्रम्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 4.5 दिन की जबकि या तत्त्राव्यन्थी व्यक्तियाँ पद स्वा की दावील से 30 दिन की अविध, को भी जबकि बाद में अनाफ होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के सक्ष्मण में प्रकाशन की शारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्पत्ति में हित्तवयुध किती बन्ध क्वक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरों के पार्च सिचित में किए वा सकतें ।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रमुक्त कर्कों और पर्कों कर, को कक्षा विभीनयस के कथाय 20-क में परिभावित ही, नहीं अर्थ होगा, को उस कथास में विसा गया है हैं

#### अनुसूची

मूमि पैमाईसी 9 बीचा स्थित ग्राम नुलापुर परगना तहर और जिला-जरेणी (जैसा फार्म 37 जी में बर्णित हैं)

> श्रोमती यू० कान्छी लाल सत्तम प्राधिकारी महायक आयार गायुक्त (निरीक्तक) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारोख: 1-3-19**8**6

# प्रकार बार्च .टी .वन .वस्..---

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यानव, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दीक्षण)

ंर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० आर० संख्या एस-407 श्रर्जन---श्र : मुक्षे श्रीमती यू० कान्जो लाल,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसकें वर्षात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-थ के बधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबाद मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 322 है तथा जो ग्राम पिस्यापुर, तह० वाशीपुर नैनाताल में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारों के कार्यालय काशोपुर में रिजिस्ट्रें करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकत्त के निष् अंतरित की नहीं है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार न्यन, उचके क्रयमान प्रतिकत ने, एसे अनवान प्रतिकत का पन्छ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (बन्यरकों) बीर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निष् तय पाया नवा प्रतिकत, निम्नसिश्चित उद्योच्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिक कप से किंगत नहीं किया जवा है है—

- (क) ब्लारम् से हुइ किसी काम की बानस्त, जनस् वीधितयत्र में बचीन कर दोने के बन्तरक के स्वीतरम् में क्षती करने या बस्से ब्लाने में दुष्या के लिए; स्रीत/बा
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उच्च अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिक्श वी सिरा:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीता, निम्मतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो शिष चरन ाल

(भ्रन्तर

(2) श्रीमती भुशीला देवी

(अन्तरिती)

को नह सूचना बाड़ी करने पूना निष्ठ स्म्मृतिष् के स्थान के सिष्ट्र कार्यनाहियां बुद्ध कड़ता हो।

उन्त बम्बृत्ति के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के हास्पन में प्रकाशन की तारीस हैं 45 लिए की स्वृत्ति वा तत्त्वस्तृत्वी स्वृतित्तवों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की वर्षीय, जो भी बनीय बाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पृथानित स्वृत्तिक्षों में से किसी स्वृतित हुनारा;
- (क) इस नुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविध्य में किए का सकेंगे।

रुव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का को कव्य विधितियमं, के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया वया है।

### वनुसूची

भूमि खसरा नं० 322, पैमाईसी 8.98 एकड़ स्थित ग्राम पसियापुर ाह० कागीपुर जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी में बर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जो लाल सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षी) (श्रर्जन क्षित्न, लखनऊ)

तारीख: 11-3-1986

### इक्य बाह् टी. एन. एस ....

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) भे अभीन सुभान

# शास्त्र चरकार

कार्यासय, सहारक आरक्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एस०-48 एक्यू०---यतः मझे, श्रीमती य० कान्जी लाल

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुलापुर, बरेली में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध मनुभूषी में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बरेंली में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तारीख जलाई. 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्य वे हुइ किवी बाव की वावतः, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तियम में कर्नी करने या उससे बुजने में स्विधा वे किए; कोइ/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका विश्विक्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने स्विधा के सिए;

नतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त विधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत :---- 9---36GI/86

1. श्री राम दीन।

(मन्तरक)

- 2. मेसर्स सुरेश णर्मा नगर सहकारी श्रावास समिति लि० बोली द्वारा सचिवश्री प्रेंम प्रकाश शर्मा: (श्रन्तरिती)
- 3. बिकेता।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 थिन धाँ समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की नविष्, को धीं नविष्, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः इसमें प्रमुक्त सन्दों मीड पर्यों का, को जक्त वर्षेभिनयमः के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं । वहीं वर्ष होगा जो उस बन्धाय में विया वर्षा हैं!

### वनस्पी

भिम पैमाईसी 15 बीधा 10 बिस्वा, स्थित तुलापुर, बरेली (जैसा फोर्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहाय ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप अनुदूर्ति एन . एस . -----

1. श्री दलबीर मिह।

(भ्रन्तरक)

आयशर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना 2. मेसर्स विमको सिडलिंग लि० बरेली छाराश्री जे० पी० चन्द्रा।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या छब्ल्यू०-5/एक्यू०---श्रीमती यू० कान्जी लाल हासक्य क्षेत्रिकास 1061 (1061 का 42) (रिजर्स सम्ब

षावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अभिक हैं श्रीर जिसकी भूमि है तथा जो ग्राम चन्दैन तह बिलासपुर जिला रामपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से अयोजनार्थ जन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त राधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिमिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्योई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीखं चें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीदर डक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआवित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 5.08 हेक्टेयर, खसरा व्लाट नं० 10, स्थित ग्राम चन्वैन तह० बिलासपुर जिला रामपुर (जैसाफार्म 37-जी० में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जी लाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन क्षेत्र, लखनऊ

सारीख: 10-3-1986

ोहर:

प्रकर बार्ड ., टी. एर. एस.

नाथकर मीपीन्यज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के संधीन स्थान

#### शाउम् सरकार

कार्यांक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

प्रार्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० डब्ल्यू-6/एनयू०--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल नायकर निर्धितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निर्धितयम' कहा गया हैं), की भारा

इसके परकात् जिस्त अभिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का अभित बाबार सुरूष 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

त्र,00,000/- क. स का धक हैं

श्रीर जिनको सं भूमि खसरा नं 29 है तथा जो चन्देन तह 
बिलानपुर जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध 
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजान है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधि- 
कारी के कार्यालय में बिलानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985 को पूर्विक संपत्ति के जिल्ह साजार जूल से कन के क्यमान 
गिरफल के निए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वाध 
करने का कारण है कि सभाप्नोंकत सम्पत्ति का जिल्ह 
बातार 
मृत्व उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का 
जन्त अतिक से जीवक है और जंतरक (अन्तरकार) और 
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब 
पावा पया प्रतिफल निम्नीकिक स्थ्यक्य से उक्त बंतरण 
जिल्हा को बाध्यक्ति का निम्नीकिक स्थ्यक्य से उक्त बंतरण 
जिल्हा के बाध्यक्ति कर्न वे क्षिण क्रिंग यया है रे---

- (%) अन्धरण संहुद्ध किसी आव को बाबत, उन्नर अधिनियम के बधीन कर दांचे के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उसके बचने में स्विध्त की सिए: बाँद्र/वा
- (स) एंसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जानकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्या अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ जन्तिरिशी व्यारा प्रकट नहीं किया प्रणा था या थि। थ। बाला चाहिए था ज्याने के श्रीवधा के निष्;

जतः अनं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण नें, नें, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्धातः :--- 1. श्री बलविन्दर सिंह रन्धावा।

(ग्रन्तरक)

 मेनर्स विमको निडलिंग लि०, बरेली द्वारा श्रो जै० पी० चन्द्वा।

(ग्रन्तरिती)

को यष्ट मुचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध को करोड़ों की शाक्षण १०००

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि सा तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राण्यक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाबन को गारीच भं 45 विन को मीठार जलत स्थावर सम्प्रें में वित-वक्ष किसी तन्य स्थापन ब्यारा, अध्यक्षाकारी के गास निवित में किए बा सर्वोचे।

स्वास्त्रीक रण: --- इसमी प्रयुक्त बक्दी और पदं ता, का असल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वज़ी अर्थ होना को जस सफ्तास में विश्व गया है।

### असुची

भूमि खनरा नं० 29, स्थि। चन्दैन तह्० बिलाापुर जिला-रामपुर (जैया फार्म 38-जो में वर्गित है)।

> श्रीमतीयू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 11-3-1986

प्रकम आहे. टी. एन्. एस..---

बायकार अधिपियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मुं (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या डब्मल्यू-७/एक्यू०--

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसने इसने पश्चात् 'उन्त निधित्यम' नहा गया ही, नहीं पादा 289--व के अपीन क्यांन प्राधिकारी को यह निध्यात करने ना कार्य है कि स्थापर सम्पत्ति, जिलका जीवत नाचार मून्य 1,00,000/- रा. से जीधक ही

म्रोर जिकी सं० भूमि खसरा नं० 10 ग्रौर 11 है तथा जो चन्दैन, तह० बिलासपुर जिला रामपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रन सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आब की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अपन आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः नय, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षात् क्र—

1. श्री लखबीर सिंह।

(ग्रन्तरक)

2. मैं सर्स धिमको सिडिलिंगं लि० बरेंली द्वारा श्री जै० पी० चन्द्रा।

(भ्रम्सरिती)

को महू सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्वनाहियां क्रुफ करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्योड़ भी आक्षोप :-

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारील भ 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यहते अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### धमुस् भी

भूमि खसरा नं० (प्लाट नं० 10 ग्रौर 11 पैमाईसी 0--14 हेक्टेयर ग्रीर 4.93 हेक्टेयर, टोटल 5.12

हेक्टेयर स्थित चर्ल्यंन, तह० बिलासपुर जिला---रामपुर (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

प्रकर्पः भाषाँ, टी. प्रसः, न न न न न

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के जभीन स्मना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भावकर नायुक्त (विद्यीक्षण)

श्रजीन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, दिनांन 10 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या डब्ल्यू०-८/एथ्यू०--यतः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 4, 5, 8 और 20 है तथा जो चन्दैन तह् । बिलासपुर जिला रामपुर में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूर्च में और पूर्ण कप ने दर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के वार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, कारीख जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का बन्त्रह प्रतिक्षत से किथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण जिविध में बाक्तविक क्ष्य से कथिय वहीं किया बचा है है

- [क) बन्दरम वे हुई कियों बाद की वासक, उसके अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्धरक के शाबित्व में कभी कड़ने या वसके बच्चों में सुनिया के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

बताव अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण कों, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) देशधीक, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् ख— १ श्री हरचन्द भिहा

(धन्तरक)

2 मैं मर्स विभको सिर्झालग लि० बरेली द्वारा श्री जे० पी० चन्द्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तृष्यना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति म्युक्तियों वें से फिकी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम सिचित में किए वा सकने।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया वया हैं।

#### अन्स्ची

भूमि खनरा नं० 4, 5, 8 और 20 पैमाईसो 0, 13, 3, 39, 0, 13 और 0, 11 हेम्टेयर स्थित चन्दैन तह्० बिलासपुर जिला-रामपुर (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीतिनी यू० काजी लाल सक्षम प्राधिकारी सड़ायक आराधर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख: 10-4-1986

मोहर्स। :

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भागकर भाग्यक (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० जी० प्राई० प्रार० संख्या उक्ल्यू०-१/एक्यू० --यनः मझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको मं० भूमि क्सरा नं० 20 है तथा जो चन्दैन तठ० विलासपुर जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उभाबद जनुभूवी में और पूर्ण च्प ने दिशन है), रिजिट्टी कार्ना प्रिधिकारी के नायिकः विकासपुर में रिजिट्टीकारण प्रांध-रिवम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख जुगाई, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेंग्र से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- 1 श्री हरनन्द सिंह।

(भ्रन्तरक)

2 मैमर्स विमको सिडलिंग लि० बरेली द्वारा श्री जि० पी० चन्द्रा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्योर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य स्थिक्त इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

भूमि खसरा प्लाट नं० 10, और 11 पैमाईसी 0-14हेक्टेयर और 4.93 हेक्टेयर टोटल 5:12 हेक्टेयर स्थित चन्दैन तह० बिलासपुर जिला-रामपुर (जैसा फार्म 37-जी में खींगत है)।

> श्रोमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकार्यः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एख . ------

भायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्देशक)

श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० जी० ध्राई० ध्रार० संख्या डब्ल्यू-10/एक्यू०--

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० भूमि खमरा प्लाट नं० 19 है, तथा जो चन्दैन पुर तह० बिलासपुर जिला-रामपुर में स्थित हैं (और इससे उनाबद्ध प्रनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान धितिफल के सिए जंतरित की नई है और मुक्ते यह विषवाध करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफस का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्मिल्जित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में अजी करने ने उससे बचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी अन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृतिभ्य के सिए:

बतः अध, उक्त जीधीनयम काँ धारा 269-ग को जन्मरण चें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) हे बधीन जिस्सीलियत हारिकार्ण, क्यांत् हार्ल्स 1 सरदार बलचिन्दर सिंह रन्धाचा।

(श्रन्तरक)

2 मेनर्स मिन्नको सिर्जालग लि० बरेलो द्वारा श्रो जे० पाँ० चन्द्रा।

(अन्तरितः)

को यह तुमना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मति में अर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की नवींथ या तत्स-चन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीच से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के शीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकीं में।

स्वाचित्रकाः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को सकत व्यक्तिमाँ नवम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया ही है

### गग्सूची

भूमि खसरा प्लाट नं० 19 पैमाईसी 3.73 हेक्टैयर स्थित चन्दैन पुर बिलासपुर जिला-रामपुर (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० का-जीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) धर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-3-1986

प्र<del>रूप</del> बाह*ें, ठ*ी<sub>ट</sub> एक. **एस**. हास र

जापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरका

कार्यानय, सहायक नायकार नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 7-85 130---श्रतः मुझे, श्रार० पो० राजेश,

भग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्त इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 247 वर्ग गज है तथा जो यूनिट बो प्रथम खण्ड में ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का नेक्ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से स्वित वहीं किया गया है है—

- (क) ब्रुच्यस्य वे हुद्धं कियी बाक् की वावस्त, उक्त श्रीवित्यस के ब्रुपीय कर दोने के अन्तर्रक के ब्रायित्य में कनी करने या उससे क्वने में ब्रुविशा के निर्दर; ऑप/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियां को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द: धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोदनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए.

कतः अथ उपत अधिनियम की धारा 269-ग के कन्तरण में, में, डक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— श्री डी० डी० णर्भा सुपुत्र श्री दौलत राम ए-६, रिल रोड, एन० डी० एम० ई०-1, नई दिल्लो। (अन्तरक)
 श्री(मर्ता) मधू बाला विष्माई पत्नी विण सिंह डी-4, ग्रेटर कैलाश एन्कलेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की वह सूचना वाही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के चित्र कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

हक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वध्यौकरजः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो अवत विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया

#### पनुसूची

यूनिट न॰ बी॰, प्रथम खण्ड एम॰-58, तादादी 247 वर्ग गज ग्रैटर कँलाश 2, न्हें दिल्ली।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रोंग-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

मोहर।

## बक्त भाष<sup>ी</sup>ं हों . **दम**् क्**य**ा असन न न

## शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाप 269-व (1) जे अभीन स्वा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/7-85/131—- श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 247 वर्ग गण यूनिट ए है तथा जो (जी० एफ०) ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रन्तुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके धरमान प्रतिफल से, एसे धरमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए सम पासा ममा प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्य में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण में हुई फिसी आय की बावत, उपत व्यविनियस के संधीण कर वर्ष के जन्तक के व्यक्तिय में कभी करने वा वचने वजने में वृष्टिणा के किए; शरि/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिओं को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा थप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रवोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया थाना चाहिए था, कियाने में बृविधा के निष्

जतः तथः, स्थतः विधितियमं की भारा 269-व के जनुसरक में, में, श्रेषता विधित्यमं की भारा 269-व की स्वधारा (1) के वधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अवृति :---

10-36GI/86

1. श्री डी० डी० शर्मा सुपुत्र स्वर्गीय पंडित दौलत राम ए-७, रिंग रोड, एन० डी० एम० ई०-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती निर्मेल सेंनन पत्नी के० के० सेंनन एम-63, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का वह बुचना वारी करके प्वॉक्त सम्मिकि अर्थन के लिए कार्यमाहियाँ करवा हूँ।

## उन्त कुनित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की जवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  तूचना की तामीश ते 30 दिन की जवधि, को और
  अवधि बाद ते समाप्त होती हो, को शीसर पृथींचय
  व्यक्तियों में ते किसी स्पन्ति दूचाए;
- (क) इस सूचना के धावपत्र में प्रकाशन की तारीखं ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवष्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए का ककेंगे।

स्वकारिकरण :---इसमें अयुक्त कार्यों और पत्नों का वो उक्त अधिनिकृत के बध्याव 20-क में परिभाषिय हैं, नहीं वर्ष होता, वो उस बध्याव में दिशः वता है।

## मनुसूची

यूनिट न० ए० (जी० एफ०) प्रोपर्टी न० एम०-58, तादावी 247 वर्ग गर्जे ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

प्रकृप आहें.टी.एन.्प्रस.-----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन शृक्ता भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/7-85/132--श्रनः मुझे श्रार० पी० राजेश आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को बार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 300 वर्ग गर्ज प्लाट नं० 45 है तथा जो ब्लाक एस० ग्रटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे

स्रौर जिसकी स० 300 वर्ग गर्ज प्लाट न० 45 है तथा जो ब्लाक एस० ग्रटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्वाँक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दूशमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बन्धार मृत्य, असके दूश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह अतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) बीर अंतरिती (अन्तारितिओं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिन्मीलिकत उद्वेष्य में नक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक हुए से किया गया है।

- (क) अन्तरण सं हुई जिल्ली जाय करें बाबत , उक्त समिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में अविका से सिए: और/बा
- (ग) एरेसी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्तियां को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की १ 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियं.. अर्थातः :---

 श्री विलोचन सिंह एच० यू० एफ० द्वारा मेजर विलोचन सिंह मुपुत्र बलवंत तिह 33सी०/1156, युनियन टेरेटरी, चंडीगढ़।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रनीता कठपालिया पत्नी श्रगोक कठपालिया बी-32, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्रिए कार्यवाहिको करताहुं।

जमरा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप करूर

- (क) इस सूचना के राजपण्णी में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रेर पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिशा वसा है।

## अनु**सूची**

प्लाट नं० 45, ब्लाक नं० एस० ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग ग्रंग।

म्रार०पी० राजेश र सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. :-----

এ।য়জৰ অধিনিয়ম, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-য় (1) के बधीन শ্যান

#### भारत सरकार

कार्यान ए. एक्ष्यक आवकर आगुन्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंन-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 18 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/7-85/133--श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश बायकर अध्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पृष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स तो अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण हैं कि त्यात्वर सक्यांत्व, जिसका छ। चत बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० 1730 वर्ग फीट है तथा जो 65, कैलाण श्रमार्टमेंट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ग का में बर्गित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, पर्दे दिल्ली में आस्त्रीय शिल्स्ट्रीकरण प्रधित्यिम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीत, हारीख जुलाई 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के कायमान भृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास अरने का कारण है कि यथापृष्ठोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एक जन्तरण के लिए तय पासा गया अतिफल, निम्नतिथित उद्देश्य से उक्त जन्तरण किवित के बास्यिक रूप से के भिन्न मही फिना नवा है कि

- (क) अन्तरण से दूर किया बाय की रावतः उपक अधिनियम के अभीन कर दोने से अन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुनिधा को निए; बीर/या
- (स) एसी किसी जाय वा किसी धन या संस्थ जास्तिवाँ की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) का उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा व लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित् क्षे-- 1 श्री सी० वी० एस० शुन्दरमः 65, कैलाश श्रपार्टमेंट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 मेसर्स हैलाउ प्रशार्टमेंट प्रा० लिमिटेड चांद सिनेमा बिल्डिंग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

उन्द सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी वार्क्षण :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में एकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, कं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य अपक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होग्र जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

#### वनस्य

65, कैलाश अरार्टीट, गई ोवनी 1730 वर्ग फीट।

प्रार० पाँ० राजेण सक्षम प्राधिकारी

महापः ाधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विलांक 19 फरखरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/ ा/एस० श्रार०-1/ ७-85/ 134---चाः भूझे श्रार० पो० राजेश

भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसकें पश्चाए 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संव जो 100 वर्ग गंज है तथा जो 1 सीव 136 है, लाजपतानर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण हप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के आयोजिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिक्यिम, 1903 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्थमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में न्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अपाः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री जगदीण सिंह सुपुत्र हजूर सिंह ए०/258, न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती क्रिकमना बाई पतना मोतूमल ग्यानचन्दर्जी श्राई० सी०/136 लाजपत नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी स से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मक्षेप।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यो

प्रापटीं नं० 1-सो/136, तादादी 100 धर्ग गज लाजपत नगर, नई दिल्लो।

> धार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ला-110002

ताराख: 19-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली , दिनांक 7 मार्च 1986
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० न्नार०-3/
7-85/135—ग्रतः मुझे, न्नार० पी० राजेश,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिषे इसमें पश्चात् 'उब्द अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

शौरजिसकी संव मजान नंव केव-6 कैलाश नीथा जो नई दिल्ली कानीनों में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूषी में शौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्षा श्रिधकारी के काम लिया नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के काम लिया नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के काम लिया नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के को पूर्वीक्श सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अंतरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरच में, म<sup>4</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) प्रोमलता पत्नी के० एल० भारद्वाज निवासी-पर्लंट नं० 2, सेक्टर 2, मार्किट श्रार० के०पूरम, नई दिल्ली।

भन्तरक)

(2) चन्द्रा बाली परनी वी एन० बाली के-6, कैलाश कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्काय में दिया गया है।

### नन्त्री

प्रापर्टी नं० के०-6, सकान नं० के०-6, सादादी 311, वर्ग गज कैलाम कालोनी नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ((निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 7-3-1986

भोहर :

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एड. -----

बायक र, धार्भात्रयव, 1961 (1961 **व्य 43) वर्ते** शौरा 260-ए (1) वर्षे संधीन सुवाय

#### भारत सहकार

ं वांसम, सञ्चायक आयकर बागुक्त (पिद्रीकाण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1986 निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एह्यू/1/एस० ब्रार०-3/ 7-85/136---ब्रतः मुझे, ब्रार० पी० राजेश,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अन्त परफात 'उन्का अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-इ के अधिन सशम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का अपर इं कि स्थापर संपर्तिस, जिसका शिवत आबार जुल्ब 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 280 वर्ग गण है तथा जो 280/63 लाजपन जगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीजिती श्रिधितारी के जायि। या नई दिल्ली में रिजस्ट्रीजिरण श्रिधितारी के जायि। या नई दिल्ली में रिजस्ट्रीजिरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां । जुलाई 1985 का अविकास कर्म के स्थापन के जिए अन्तरित की मई है और मसे यह विश्वा कि करने की कारण है कि सथापूर्ण कत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके स्थापन प्रतिकत सं, एसे स्थापन प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से वर्ग का प्रतिकत से वर्ग के स्थापन प्रतिकत से, एसे स्थापन प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से वर्ग के स्थापन प्रतिकत से वर्ग के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का विश्व के विश्व के स्थापन प्रतिकत के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का विश्व के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का विश्व के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत की कि स्थापन नहीं किया ग्या है हिल्ली के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का से स्थापन के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का से स्थापन के सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का सिए वर्ष पाना वर्ग पाना का प्रतिकत का सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का पाना का प्रतिकत का सिए वर्ष पाना वर्ग प्रतिकत का सिए वर्ष पाना वर्ग पाना का प्रतिकत का सिए वर्ष पाना वर्ग पाना का प्रतिकत का सिए वर्ग पाना वर्ग पाना का प्रतिकत का सिए वर्ग पाना वर्ग पाना का प्रतिकत का सिए वर्ग पाना का प्रतिकत का सिए वर्ग पाना वर्ग पाना का प्रतिकत का प्रतिकत का पाना का प्रतिकत का पाना का प्रतिकत का प्रत

- (क) जन्तरपुर्व हुद्दं स्थिती नाम की वान्त्र, उसत स्वित्रिया के स्वीत कर दोने के जन्तरक के कवित्य में कनी करने या उससे वयने में सुविभा में सिक्ष; बीड़/बा
- (क्ष) भूरेती किसी भाग या किसी भग या अन्य नाहिस्तामी का, जिन्ह भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्य-कार अधिनियम, या ध्य-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोधनार्थ जन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया मा का का बाना माहिए भा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्यः शान उक्त मार्थामणम की भाग 269-म के अनुसरण मं, भं, उभत मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन मन्मलिखित व्यक्तियों, कथति ॥—— (1) जरम सुपुत्र भीम सिंह डी-226 पाकिट-1, मयूर विहार दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) जी एस० सोमानी सुपुत्र स्वर्गीत एल० जन्दन मल सोमानी श्रौर संजय सोमानी गोतम सोमानी राजीव सोमानी 2-0/63 लाजपत नगर नई दिल्ली।

(अःतरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

## बक्त सम्मत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नवीं या तत्यक्तियाँ पद पूजना की सामीत के 30 दिन को नवीं , को भी संवीं मान में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीं कर स्थितियाँ में से किसी स्मृतित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण वे 45 दिन के भीधर डाक्ट स्थावर सम्यक्ति में हितवबुध किली कन्य अविद्य ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मानिक्य वा सुकोंने।

## श्रनुसूची

सिंगल स्टोरी बिल्डिंग 2-0/63, तादाबी 280, वर्ग गज लाजपत नगर नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

दिनांबः: 21-2-1986

प्रकार नार्डं.टी.एन एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## **प्रारत् सरका**ह

कार्यासय, महायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांत 7 मार्च 1986 निदेश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० भ्रार०-3/ 7-85/138---ग्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेश, **शावकर अधि**नियम्, 1961 (196) वर्ग 43) (जिरा इसम्ट इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-**स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह**िनञ्याल करन क कारण है कि स्थावर सम्परित, विसंका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 ∕ - रा∴ से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 1/3, बी० अंगपुरा नई दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री धरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक जुलाई 1985 का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अस के उध्यक्तन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीयन सम्परित का उपित वाजार मूल-उनाके रुपयोग प्रतिकार ने, एस सम्बन्धा प्रतिकल का पन्छ प्रतिचात से अधिक 🗗 और जन्तरक (पानरकार) और अजारिया (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्वेदमें से उक्त बन्तरण जिसित मे थान्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

> (१क) जनतरण मं हुइ विमयो मान करी बारा पांचित्रयम की अधीन कार दोने की अञ्चरण अं वार्षित्व मों कमी करने या उससे बचने माँ मृतिधा के लिए; बार/या

ार्ज कि है अस मा किसी पर पा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 की 17) अ अस्त अधितियम, या अस-अस जिथितियम, का अस-अस जिथितियम, किया ग्रा अस-अस जिथितियम, 1957 (1957 की 27) के प्रधाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) जोगिन्द्र सिंह 1/3बी, जंगपुरा, नई दिल्ली। (ग्रन्सर)
- (2) रमेश कोहली श्रान बिहाफ श्राफ मास्टर विकास नं 1/3बी जंगपुरा नई दिल्ली। (शन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके प्वकित सम्पत्ति के बजन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सबत सापति के अजन के सवस मा नगदे भी अधाप --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्त्रंबंधी अधिकतयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादः;
- (म) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिवर्तित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हो।

## धनु सूची

1/3 बी॰ जंगपुरा नई दिल्ली एरिया 100 वर्ग गज।

श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

भारी**ख : 7-**3-1986

प्ररूप आहरें, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1986 निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/ 7-85/139--श्रतः मुझे, भ्रार०पी० राजेश, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00 / 000 / - रह. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० प्रोपर्टी प० 2 एल०/108 ग्रीर 109 तथा जो लाजपत नगर नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ५प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजीस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई 1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वयेष्य से उस्त अन्तरण लिश्वित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम को अभीन कर दोने को अंतरक को वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को जिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः गब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ध", मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्भात् :--- (1) 1 जमना देवी पत्नी आर० के० चौधरी 2 जे० एन० बोधरी 3 बी० पी० चौधरी और श्रन्य ई-41, मिन्टो रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रामोधः कुमार सुपृत्न श्री हर्दय राद न्दिश्याः 2/4109 लाजपत नगर नई विल्ली। (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

प्रोपर्टी नं० 2 2-एल 108, श्रीर 109 लाजपत नगर नर्ष दिल्ली। तादादी 200 वर्ग गज

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, न**ई दि**ल्ली

दिनांक: 7-3-1986

श्रन्तरक)

भक्ष काह्र ही एवं एस , -----

**ब्रायकार** प्रीपतिसम्, 1961 (1061 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रायित स्वाना

#### भारत तरकार

कार्यन्यः, सकापकः श्रामकार आस्**काः (निरीक्षक)** श्रर्नेन रेंज्ञ-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 18 फरवरी 1986 निर्देण सं० णाई० ए० सी०/एकपू/1/एस श्रार०-3/

7-85/140---अतः मुझे, आए० प्री० राजेण बायदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त रूपितियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन राक्षा अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित समिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. संजीवक है

श्रीर जिसकी तं 250 वर्ग गज है तथा जो ग्लाट ई-286, ग्रेटर कैताश-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावट श्रासूम् की मैं शौर पूर्ण ध्य से वर्णित है) रिक्स्ट्री, तो अधिवारी के धार्यात्रय नई दिल्ली में भारतीय रक्तिस्ट्री एण श्रिष्टानयम 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनां जुलाई 1986

को पूर्वीवत सम्पत्ति के स्थित बाजार मूल्य से कम के स्वयस्तर रितिफाल के लिए जन्तिरित की गई है और मुम्में मह विक्वास करने का वारण है कि एशापुर्विक सम्पत्ति का उपित सावार मूल्य, उपके स्थामन प्रतिकाल से, एप्ते स्वयमान प्रतिकाल के पन्तर गिर्विक से अधिक है और संवर्ष (जंतरकों) और संवर्ष रिती (जंतरितियों) के बीच एप्ते अंतरण के लिए तय पाया यहा प्रतिकल निम्निविधित उत्वर्षय से उक्त जंतरण लिखित में वास्तविक एप से विधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त र्गांशियम के अभीत कर देने के अन्तरक के कासिस्स में कासी करने मा उत्तरी कचने में सुविधा में में मुन्दिर /दाः

मतः असः, उत्ता अविक्षितियमं को धारा 269-ए के सम्भूषण को यो, स्वत अधिनिध्य की धारा 269-ल की उपधारा (१) के अधीन, निम्मतिसित व्यक्तियों सथित ६→ । 11—36GI/86

- (1) श्री वीता पलूजा पत्नी एस० पी० सलूजा, 78, पूर्वी नार्ध, बर्जेज विहास नई दिल्ली
- (2) इर्स्टरन डेकोरेटरम (दिल्ली) प्रा० लिमि० डी०-78, डिफेंन वालोनी नई दिल्ली द्वारा मनजीत सिंह उपराधिका प्राा

(ग्रन्तरिती)

को यह भूभना बाबी करखे पुनित्त अस्पत्ति के अर्थन के किए नर्साकृति अर्थ करता हुए ।

ककर सक्यांस के अर्थन के सम्बन्ध में करेड़ों भी आक्षेत्र :----

- ंक) हम स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियाँ पर स्थाना की समील में 30 दिन की अविधि, खाँ भी खंबि अविध आप मों सकादत होती हों. से भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्जरा के राजपत्र में प्रकाशम की तारीं व वै 45 जिन के शीवन जनत स्थातर सम्पत्ति में हितबद्व किसी जन्म व्यक्ति वशाम अवोहस्ताक्षरी के पाष निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्लब्दिकारण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, थो सन्दर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होना को उस सध्याय में दिया एसा हुई।

### अनमुखी

ण्लाट नं० ई $\sim$ 286 ग्रेटर कैलाश $\sim$ 2, नई दिल्ली $\sim$ 48, तादादी 250 वर्ग गज।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्कर श्राक्युन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 18-2-1986

शक्य बाह्र .टी. एव .एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६५-भ (1) के अभीन सूच्या

नाएत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर नायक्स (निराक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार-3/ 7-85/141--ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

गायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उदन कि कि मान का मा है), की धारा 269-ख के अधीन सथाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी संव 400 वर्ग गन है तथा जो एमव-140ग्रेटर कैलाण-2. नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण कर से बिल्ली में रिश्त है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण कर से बिल्ली में रिश्त है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्त
कारी के वार्यालय नई दिल्ली में रिश्त हो रिश्त श्रिक्त मार्थ के बार्यालय नई दिल्ली में रिश्त हो जुलाई 1985
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विद्यास
करने का कारण है कि यथाप्त्रीक्त संपत्ति का उजित बाजार
मूल्य, उसके स्रमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का
निवह प्रतिचात से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल नियनिविद्या उद्विष्य से उक्त अंतरण विश्वित में
पस्तिकक कप में कियत नहीं किया गया है:---

- (भ) नतरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उपक श्रीविधार के प्राप्तीन कार दाने की अन्तरक के दायित्व भी काभी कारने या उगल नाम्बे की स्वीवधा कि रिकार श्रीव्या
- कि) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्ध वास्तियों की, जिस्से अस्पतीय श्राय-कर ऑधनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कार अधिनियम, या सन-कार अधिनियम, या सन-कार अधिनियम, प्रायाधनार्थ अस्तिरिति स्वास प्रकार सही किया स्था था व सियम केसा वासिए। एउं विषय में प्रियम के नियः

मतः वन उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुमरण हो, ही, इक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1) दे सधीन, कि (1) श्री मत्यवान धवन, ए-332, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रो सरवेश चोपड़ा ग्रौर उपा चोपड़ा 7-ए/27, डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

जबता सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कांड़ी भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विभि बाद में संक्रिमी क्यब्ति द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उसत् स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म स्थानत व्यापा, वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकी।

ह्मस्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कड़्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होना के तम अध्याय में दिया स्या है।

## प्रनुसूची

सिंगल स्टोरी मैंमी फिनिश्चड मकान, प्लाट नं एम० 140, नदादी 400 वर्ग गत्र ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश -सक्षम प्रक्षिकारी महायक श्रायकर श्रायक्व (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 21-2-1986

हरूप आहाँ ही , एन , एस , ------

मायकर भिपिनियस, 1961 (1961 का 43) न्यौ भारा 269-व (1) से अधीन सचगा

भारम सरकारः

कार्यालय, सहभक अध्यक्त शायक्त (किरीक्षक) ग्रर्जन रेंग-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमीय 19 फरवरी 1986 निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० श्रार- 3/ 7-85/142---प्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति, जिसका उपित बाजार स्थ्वे 1.00,000/- रा. से अभिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० 1650 वर्ग फीट सी-78 है तथा जो प्रथम खण्ड, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है रिजिस्ट्री जिल्ली ग्रेथि जरी के स्थालिय नई दिल्ली में रजीस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 वर्ग 17) के अधीन दिनांक जलाई 1985

की प्रबंक्त सम्पंति के उचित राजार मृत्य में कता के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई हैं और मृज्ञें यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्पंति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदूर प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तम पाया ग्या प्रतिफल, निम्नितिबित उत्वर्ष से उक्त वंतरण जिचित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कलरण में हाड़ जि.सी काम की नाजम, डाक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्तरफ क दासिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुस्तिथा के लिए; धरिंशा
- (स) एंगी कि ही याय या कि मी धन या अत्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वि रा लाना काहिए का, कियाने से इतिथा के लिए:

अत: जब, उपत विधितियम की धारा 269-ग के वनुसरण कें, मैं, उपत विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीय: निम्मविधित व्यक्तियों, स्थाब क— (1) मुघीन्द्रा किसोर चौधरी सुपुत्र भूपेन्द्र किसोर चौधरी सी०/78, ग्रेटर कैलाश पार्ट-1, नई दिल्ली-48

(भ्रन्तरक)

2) मिर्नेश ग्रंजली चोपड़ा पत्नी ग्रार० सी० वी० चोपड़ा सी-78, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-1, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपति के अर्जन के संबंध में कार्र भी शक्ष्य ---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्ष व्यक्तियाँ में से फिटी ल्यन्ति हो,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच चें 45 दिन के मीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-चब्भ किसी जन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पाम लिखित में किए जा सकर्षाः

ल्ब्बिकिरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्धों का., को उन्हरू. अधिनियम को कथ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिन्हर नवा ही।

## ग्रन्मुची

प्रथम खण्ड प्रोपर्टी नं० सी०-78, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली-48 तादादी 1650 वर्ग फीट।

> म्रार० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनां 7: 19-2-1986

माहर:

त्ररूप आइ.टी.एन.एस------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याच्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 21 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एवयू/1/एस० आर०/3/7-85/143--अतः मझे गार० पी० राजेश

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका जिल्ह साकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० है तथा जो सी 302, 272 वर्ग मीटर डिफोंम वालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के वार्याच्य नई दिल्ली में रिजस्ट्रीयरण शिधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई

को पूर्वे विश्व सम्पत्ति को असित बाजार मूल्य से कम को शहरामा प्रतिकल के लिए बन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि स्था पूर्वे कि सम्पत्ति का असित वाकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे उस्थमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और वंतरिक (बंतरितियों) के बीच एसे असरिय के किए तथ पामा गमा प्रतिकल, मिम्नीलीखत उद्देश्य से उक्त बन्दरण निष्ठित में बास्तियक कप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में भूष्यकों के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनिर्धा की धारा 269-ग के अनुसरण औ, भी, अक्ट अधिनिध्य २१ अना 230-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिखित व्यक्तिमा, अधीतः :—

- (1) श्रीबी० सी० पान सुमुद्र एन० सी०पान सी०-302 डिकेंस कालोनी नई दिल्ली-110024 । (प्रनारक)
- (2) श्रीं ग्ररविन्द ब्हाप ग्रीर श्रनीया ब्यास 10 सेंद्रल लेन, बंगाली मार्तिट, नई दिल्ली। (प्रनारिती)

कां यह सूचना जारी करके पृतिकः सम्पष्ट के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे : काशन की तारीस है 45 विन की अविध या कर्सवंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर विकास में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी उन्य व्यक्ति इपारा अघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचन जिस्तियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नका है।

#### अनुमुधी

मी०-302, खिफोंस कालोबी, नई दिल्ली 325 वर्ग गज, 272 वर्ग मीटर)

> द्यार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्वन रेंज--1, नई दिल्ली

दिनांत: 21-2-1986

प्रकृत गार्थं, हो, एन, एन, - - + +---

त्यथार जिपिनिध्यं, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) की बभीन स्वना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी, 1986

, निर्देश सं० ऋई० ए० सं०<sub>।</sub>एक्यू<sub>।</sub> 1₁एस ऋार-3₁7→85₁ 144:—— ऋतः मुझे, श्रार० पी० राजेशः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन अध्य श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति , अधिक उपित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलकी संख्या 300 वर्ग गज है तथा जो एल 113 ग्रेटर कैलाग नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ग लग्न में बॉणन है), रिजस्ट्रीक्त अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्रोंकत सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान अधिकाल के लिए कम्बरित की कई है और मुक्ते यह विक्याल का को कार कहाँ कि स्थाप्यों कि संपर्तित का उचित बाजार प्रूप, उसके द्रम्थान प्रतिकाल के प्रेपत संपर्तित का उचित बाजार प्रूप, उसके द्रम्थान प्रतिकाल का प्रतिकाल का प्रतिकाल के मिक है भीर कम्बर्क (बाजारका) और अन्तरित (अन्तरितिका) से बीच एमे अन्तर्य के लिए त्य नापा गया प्रतिकाल, मिम्मिलिकित उक्के देव से अपन कम्बर्क लिए त्य नापा गया प्रतिकाल, मिम्मिलिकित उक्के देव से अपन कम्बर्क लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रशोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा हिए,

 श्रीमतो सःश्रा गुलाठी ई-6, भगवान दास नगर, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

 श्री स्मित्त कुमार 4/54, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अजन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

चक्स सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काहि भी काक्षीप :---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकायन की तारीचा धी

  45 विन की अविधि या तत्साकन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी

  अविधि बाद में राजाया होती हो, की भीतर पूर्वीक्स
  व्यक्तित्यों भी से बिली स्पेक्ति बुवास;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनवृष किसी बन्य व्यक्ति दुवाय अभोहस्ताक्षरी के पाछ जिक्ति में किए जा सर्कों ने।

स्थलाकरण: --- दलमें प्रयुक्त कस्यों और पर्यों का, जो उपन अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय के दिशा गया है।

## श्रनुसूची

प्लाट नं० एम~ 113, तादावी 300 वर्ग गणग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼1, दिल्ली ाई दिल्ली-110002 ।

सतः संव, तंत्रतं किंधिनियमं की धारा 259-यं के अन्धरकं में, में, उनतं अधिनियमं की धारा 269-वं को उपभाग्य (1) में अवीप निवासीलियसं स्थितियों, समिष्ट ६---

तारीख: 19-3-1986

शरूप बाइं.टी.एउ.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-घ (1) के अधीन सुच्या

गारत संस्कार

कार्यानव, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

न्हिं दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार-3/7-85/14ं--ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात (उत्त अधिनाम) जा का है). की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० 400 वर्ग गत है तथा जो एम०-140गेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध
ग्रन्सूची मैं ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजीम्ट्रीकरण ग्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिना ह जुलाई 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विस्तास
गरतफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विस्तास
गरतफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विस्तास
गरतफल के लिए अन्तरित की गई है और अन्तरित का जिस्त
गर्वे का कारण है कि यथाप्यावत संपत्ति का उचित वाजार
ग्रह्म प्रतिकार्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
गरतिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) वितरण संहर्ष किसी वाय की वायत, उपके कपितियार के प्रणीन कार दार्थ में अन्तरक के वृत्यित्व को काकी कारन या उनसे नागी सो स्विधा के जिल्हा की है।
- (स) श्रंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों पहि, जिन्हों भारतीय अप्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रम-कार अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ आनिर्दिश हु भारत अप्त-ट नहीं किया ग्रंग था था किया जन्म नहीं, ए था था किया के निष्:

बत्य शब उक्त अधिनियम की भाग 269 गर्थ अन्सरण को, रें, डाक्त अधिनियम की भाग 269 गर्भ की उपधारा (1) के बंधीन, को को किया गरिनामां, संशति :--- (1) श्री सत्यवान धवन, ए-332, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री सरवेश चोपड़ा ग्रीर उषा चोपड़ा 7-ए/27, डब्ल्यू ई० ए० करोन वाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नवंध में कोई भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नों बन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकी ।

ल्पच्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो सम अध्याय में दिया गया है।

## म्रनुसूची

सिंगल स्टोरी सैमी फिनिश्चड मकान, प्लाट नं० एम० 140, तदादी 400 वर्ग गज ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्रक्रिकारी सहायक क्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 21-2-1986

प्रकृष बाह् , टी., युन , एस ,------

बायकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक वावकर वायुक्त (निर्शाक्षण)

म्रर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौं ह 21 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एच० श्रार~3/7~85/ 146—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 300 वर्ग गज, है तथा जो एस॰ 279 ग्रीटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इसमे उपावड़ श्रनुसूत्री में पूर्ण का से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985 की वर्धोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान भित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के पन्ति का स्वाप्त का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल की पन्दह श्रितशत में श्रीक है और अंतरिता (अन्तरितालों) के बीच ए से अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

- (क) जन्तरण से हुए जिसी जाय की बाबत, उक्त सर्थितियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायिका में कभी करने या उग्रस क्याने में सिशिश भी मिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने हो सावभा के सिए;

कतः संब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की विवसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्स मुण्ण्मत अन्स्ट्रकशन कम्पनी प्रा० लिमिटेड 202 ए. स्कीपश कारतर, 88, नेहरू प्लेय, नई दिल्ली ।
- मैयर्ग मलहत बिल्डर्स, ई-588, फ्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(अन्तरक)

को मह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काश्रीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताबीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस न्यमा के यन्त्रभन में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंचे।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों कार पदों का, को उपह अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुरी वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

एस-279, ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग ग $\overline{$  ।

श्रार० पी० राजेण सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ' श्रर्जन रेंज~1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-2-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 300 वर्ग गज, है तथा जो एय० 275 ग्रीटर कैलाण-2 नई जिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुराई, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का ग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचः एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उयत्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए:

अत: अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, क्यांत् हु—  भेगर मतु अव्यक्तां कुमार चोबरा सी०-363, धिफेन्स कालोनी, नई दिल्ला।

(श्रन्तरक)

 मैंसमं घ्ररोह्ट स्वित लिमिटेड सी०च4/34, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासू लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुपूची

प्लाट नं॰ एस-275 तादादी 300 वर्ग गण, ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> भ्रार० पी० राजेश्, जन प्रिन्ताहुत, सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निराक्षण) श्रजन रॉज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

मुख्य आयुक्त हो , एव , एव . -----

शायकर नीधीनवम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन स्पना

#### बाइत सुरुवाड

## कार्यानय, बसायक वायकर मान्यत (निर्देशक)

ग्रजैन रेंज−1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस श्रार-3/7-85/ 148:—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर निर्धाननन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके परचात जनत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व वें नधीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका जीवत बाबार मन्य 1 रू. से अधिक है

धौर जिसक संख्या 821 वर्ग फीट प्रथम खण्ड है तथा जो ग्रेटर कैलाभ 1, नई दिल्ली एस० 13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-इत्य, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिट में वास्तविक इप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरम ये हुई जिल्ली नाम की भावता, अक्ट सिधियम के स्थीन फर दोने के बन्तरक के खिल्ल में कती करने ना उनके एवने में सुविभा के डिसए; मौतु/मा
- (क) ऐसी किसी काय वा किसी भन या अस्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का ११) या अक्त अधिनियम, वा अभ-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवाश प्रकट नहीं किया ज्या वा वा किया भाना वाहिए वा, कियाने में त्रीवचा के लिए;

 श्रीमती विभा पानीड़
 श्री पत्नी प्रेम पानीड़
 ए-808, एम० एस० फ्लैटस, कस्तूरवा गोधी मार्ग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स किरन सागर एण्ड राज कुमार निवासी एस-13, ग्रैटर केलाश-1, निर्द दिल्ली-48।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## पन्धूयी

प्लैट नं० ए, प्रथम खण्ड प्रापर्टी सं० एस-13, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48 1/9 शेयर 500 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन,रॅज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

प्ररूप आर्थे. टी. एन. एस., न्यानानानानाना

भाषकर विभिन्नियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वभीन सुचना

## माहत सरकापु

## कार्यालय, सहायक जायकर मानुनत ([नरीक्षण)

ग्रर्जन रज 1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस श्रार-3/7-85/149:-- अतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर निधितयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फस्ट ई/118, लाजपतनगर, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता श्रधकारी के कार्यालय भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1985।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफक्ष के लिए अन्सिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिबित उच्च से उकत अन्तरण लिखित में शास्तिबक रूप से किया गया है:---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी भाग की बायत, कर्ण शिंपनियम के संधीन कार योगे की संतरक के शांकरण में सामी कारन वा उक्तम संध्य की श्रीविधा कालत्, जीर/का
- (थ) एंसी किसी बाज वा किसी धन वा धम्य बास्तिनी करी, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती देशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा औ सिय;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसरण मैं. गं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् १——  श्रीमती राजकुमार कौर
 पत्नी स्वर्गीय मखन सिंह
 3/24, ग्रोल्ड डबल स्टोरी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 श्री मोहन लाल भाटिया सुपुत स्वर्गीय कन्हैया लाल भाटिया 1/ई-118, ब्लाक लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षंप अ---

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की सामीज से 30 दिन की ज्वधि, को और व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींथ से 45 वित् को भीतर उक्त स्थावद सम्मत्ति में हितवहुक किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण : --- इसमें प्रमुक्त धन्यों और वद्यों का, भी जनव समित्रका, के अध्याय 20-क में परिआवित् ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## **प्रन्**युची

प्रापर्टी नं० फर्स्ट-ई/118, लाजपतन भगर, नई दिल्ली सादादी 100 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेग्र सक्षम ग्रविकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1 विल्ली, सई दिल्ली-110002

तारीख: 12-3-1986

प्ररूप भार<u>ी ह</u> टी. पुन ः <u>एस.----</u>=

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई/ ए० मी०/एक्यू०/1/एस श्रार-3/7-85/ 151:--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 98 वर्ग गज है तथा जो एम 60 ग्रैटर कैलाश— मार्किट 1 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास किंदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ह्यमान प्रतिफल से एसे ब्ह्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीका एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आधः की अवत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाबिस्थ में कमी करने या उससे यचने में पृतिका के लिए; और/वा
- (क) इसी किसी या किसी भन या वन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा की क्रिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम करे भारा 269-म के अनुसरण - मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपतारा (1) के अधीन, निम्मिन्दिक व्यक्तियों,, वर्षात् मन्न-  श्री सूरज प्रकाश डिगरा सुपुत्र स्वर्गीय सोमनाथ डिगरा एम-60, ग्रैटर कैलाश-1, न<sub>व</sub> दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रियंका इन्वेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड ए-47, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य, जो भी अविध्य में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विज् के भीतर उचत स्थावर सम्पृत्ति में हिस् वृष्ण किसी नन्य म्यूबित युवारा, स्थोहस्ताक्ष्री के पास निवित् में किए का सुकेंगे।

क्यक्टीकर्णः—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का. वो क्यक अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

प्रोपर्टी नं॰ एम-60, ग्रैटर कैलाश मार्किट-1, नई दिल्ली सावादी 98 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज-1,दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-2-1986

## मक्ष् बार्<u>गे</u> टी<u>्ट्</u>षा<u>, पृष</u>्णा अञ्चलकार

## बायकर बर्डिशीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सुमना

#### हारत चरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्देशन)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस ग्रार-3/7-85/ 152:--%त: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

हायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को वह विश्वत करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 63 बी, है तथा जो एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबश्च अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के जिया बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अरोन का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अययाव प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तइ श्रित करारा विश्वास परिवार के विश्वास परिवार के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजित उद्देश्य से स्वत्र बंतरण मिचित में बास्त-विक कम से कथित महीं स्थिया गया है :—

- (क) अन्तर्ज से शुर्व किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उद्युख बचने में सुविधः के निए; बीट/बा
- (क) देती किसी बाय वा किसी भन या नत्व वास्तियों की, विन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बमा था ना किया बाना बाहिए था, कियावे में ब्रिक्श को हिए;

करा वा वा वा विभिन्न की भारा 269-व की बनुबरण हो, मी, उक्त वाभिनियम की भारा 269-व की उपसारा (1) दे अभीन, निकासिक का विकास , वर्षा है—

 श्री श्रोम प्रकाश सबरवाल सुपुत्र शब्धरू राम जी-1, मीर्सि नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती रंजना ग्रोबर पत्नी विजय कुमार ग्रोबर ग्राई० मी-32, गुरू गोबिन्द सिंह मार्ग, नई विल्ली-5।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पृथीक्त तथ्यति के अर्थन के ट्रिस्ट् कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

अवत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाबरेप प्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब वें 45 दिन की जबींभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी जबींध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति वुवारा;
- (क) इस सुचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- के बहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोडरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त सभ्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याव 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिवा गया है।

## मनुसूची

प्लाट नं० 63 बी, एन० डी० एस० ई-1, सादाबी, 200 बर्ग गज नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक क्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

## द्राप्त नार्षु <sub>क</sub>्र हो <u>क</u>्षा हुन हुन हुन सम्बद्ध स

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में नभीन स्वना

#### HIGH STORY

कार्यासय, तहायक आक्कर आयुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 19'86

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ए । आर-3/7-85/ 153:--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 200 वर्ग गज 64 बी है तथा जो एन० डी॰ ए० ई- 1, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विज्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मून्य से कम के अवसान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूक्त्र, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और मंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्रेरितयों) के बीच एसे अन्तरण से सिए स्व पादा प्रवा प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उक्त मृत्तरण जिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाया की बावका, उक्त जीवित्यम के बंधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में क्षमी करने या उससे बजने में सुविधा स्टेडिया अप्रिर्ण
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्मनिवित व्यक्तियी, स्थात :--- श्रीमती सावित्री देवी
पत्नी रोग्गन लाल कोहली
सुपुत्री मदन गोपाल सेठी
श्रीक 15/273, मोती नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री विनाद कुमार ग्रोवर सुपुन लोक नाथ ग्रोवर
 35, बबर रोड, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाह्य हु---

- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नवींचे या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की नवींच, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उनत स्थाबर सम्बक्ति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास धिक्ति में किए वा सकते।

स्थळीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त वीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्यास में दिवा नया हैं।

## **प्रमुची**

प्लाट नं० 64 बी, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, तावादी 200 वर्ग गज।

आर० पी० राजेंग, सक्षम अधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,दिल्ली

तारीख: 19-2-86

प्रकार बाह्र ते ही . एवं . एवं . -----

## जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थना

#### मापूर्व बहुनाहर

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस आर-3/8-85/155:-अतः मुझे, आर० पी० राजेग,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,06,000/- रु. से अभिक हैं

भीर जिसकी संख्या 14 वीघा 10 विस्वा है तथा जो कृषि भूमि गांव जसौला, महरोली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुभूचों में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उपित बाबार नृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का स्वह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के निए तय बाबा नया प्रतिकल, निम्नसिवित उव्वर्थ से उमत अन्तरण निवित्त

वें भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरम से हुई कितीं नात की वावत , उनत वीपनियम के जभीन कर पांचे के बन्तरक में दायित्व में कमी करने या उसते बचने में दुनिया के विद्यु: बीहा/वा
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी भग या वास्य आस्तियों को किन्हें प्रारतीय भाग-कर विभिन्निवन । 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ववा या वा विकास क्षाण आदिव वा, जिलाने में वृत्या में जिला?

नतः त्रवः, उक्त जोभीनयमः, की भारा 269-ग को बन्नरण हो. मी तक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) हो क्षीनः, निस्तिकृषित व्यक्तियों⊕ जमीत् क्ष्माः श्री श्रोम प्रकाण ग्रांर
नथू राम एलियास नथू
सूपुत्र सूखन
निवासी 281, हरी नगर आश्रम,
नर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अबुल कलाम आजाद इस्मानिक बैंकिंग सेंटर, 8/4, जेसफ बाई, नई दिल्ली]।

(अन्तरिती)

को यह रूपना जाड़ी बड़के पूर्वोक्त सम्मृति से अर्थन में सिए कार्यनाहिनां कड़ता हुए।।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीस से 45 किय की स्वीच या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वान की तामीस से 30 सिन की नविभ, जो भी व्यक्तियों में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्तायों में से किसी स्वीक्त द्वारा;
- (व) इच त्या औ हाय्या में प्रकारण की तारीय वे 45 वित्र की भीतर उनत् स्थान हु सम्पत्ति में हित्ब वृध् किसी नन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्यध्यीकरणः---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, वो उनक वृद्धित्वम्, के ब्रध्याय 20-क में परिकार्तित हैं, बृद्धी क्षेत्रें, होता को उन्ने ब्रध्याय में दिला नवा हैं॥

## वपुष्यी

कृषि भवन 14 बीघा श्रौर 18 बिस्वा खसरा नं० 399 (10-5), 415 (4-13) गांव जसोला, तयील महरोली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली नई विल्ली-110002

तारीख: 19-2-1986

## प्रकप नार्द् हो हुए एक प्रवासन्वरण

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

## भारत बरकार

## कार्यां सब्द , सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्ति)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी, 1986

निदिंश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 1/एस आर—3/7—85/156:— अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर प्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ज के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/- रापये से अधिक है

भीर जिसको संख्या 33 बीघा और 3 बिस्वा है तथा जो गांव जसांला तहसीता महरांली में स्थित है (श्रांर इससे जपाबद्ध अनुसूची में पूर्णा रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में भारतीय आयकर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृहय से कर की इस्तामल प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सो, एसे रश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया बतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित वास्तिविक मण में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण वे हुई किती बाव की बावत तक्य विध-अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उत्तरे बज़ने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी लाग या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिमने में मिविधा की सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, सैं, अवस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे जधीत, निम्नलिधित स्वितियों, अर्थाह ---  श्री श्रोम प्रतास सुपुत पूजान निवासी-281, हरि नगर, आश्रम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 अबूल कलाम इसामिक अवैकिंग सेंटर, 8/1, जींग बाई, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मत्ति के वर्षण के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी वयिष बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागतः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी जन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का., वा उक्त जिभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### मन्त्रकी

कृषि भूमि तादादी 33 बीघा फ्रांट 3 विस्वा, खसरा नं 363 (16-4), 411(1-10), 412(5-18), 414(4-8), 416(4-1), 763/362(1-2), गांव जसौला, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिनारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

**भारीख:** 19 2−1986

## द्वप नार्ष् ्वी\_१५.५५ हु-----

## भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के वधील सूच्या

#### सारत चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 19 फरवरी, 1986

दिशि सं० आई० ए०सी०/एक्सू०/1/एस०आर—3/7—85/ 157:—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' अस्त गया हैं), की धारा 269-च के अभीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावत संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 34 बीघा भौर 73 बिस्वा तथा जो गांव-जस निलतहसील महरीली में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विजित्त हैं), रजिस्ट्री नर्सा अधिकारी के कार्याक्य नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

कर पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शांतफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का अचित बाजार बूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह भेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इस्तिवक रूप से किंग्रित नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्म हुन् कियां नाथ की वान्त, वन्त विधानक्ष के स्थीन कर वार्ष में बन्तरक में शाधित्व में कतीं करने ना वचने वार्ष में सुविधा के लिए; और/या
- (व) रेती किसी अब वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ८——

 श्री मधू राम सूपुत्र सूखन निवासी-281, हिर नगर, आश्रम, नई दिल्ली।

(अन्तरक )

1. श्री अबूल कलाम आजाद इस्लामिक अबैंकिंग सेंटर, 8/1, जोगबाई, अई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्तस्य क्षी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, वो धी वनिथ बाद में तमाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वना के ट्राक्ष्त्र में प्रकासन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दितनवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में निष्यु का सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनयम के बच्चाय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृद्या हैं।

## जन्सूची

कृषि भूमि 34 बिघा श्रीर 13 बिस्ता खसरा नं० 781/407 (1-14) 782/407 (2-15), 785/408 (4-18); 786/408 (0-17), 787/408 यक्षम (3-0), 409 माइम (7-0), 410 (3-2), 413 (11-7), साँघ ट्यूब बैल, कोटास फिटिंग फीचरस, गांव जसौला, तहसील महरौंली, नई विल्ली।

आर० पी० राजेम, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंऽ-1, दिल्ली

सारीख: 19-2-1986

प्रकल नाहीं दी: एवं: एस: -----

नायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्र**र्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, विनाँक 19 फरवरी 1986

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एसयू-1/एस०भार०,-3/7-85/ 158--मातः मुझे, भार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि 19 बीघा है, तथा जो गदईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते \_यह विध्यास करने का कारण है

कि त्यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्म-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप हे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कलरण से हुद्र किसी काव की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्टरक के स्विथित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; अटि/या
- (भ) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य खास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनित्तः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था छिपीने में भ्विधा के सिए?

कतः वस, उक्तं विभिनियम की भारा 269-म के वन्वरण असे, सं उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारां (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---13---36GI/86  ले० ज०, एम० एस० बदालिया सुपुत्र हीरा सिंह बदालिया, गाँव, गदई पुर, विल्ली एटार्नी: तारा स्पेरा, सुपुत्री ले० ज.० एम० बदालिया निवासी गादईपुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्ररुत मोहन सुपुत्र स्वर्शीय राघे मोहन लाल, निवासी 51, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां सुरू-करता हुं।

अवत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में की दंभी वासोप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की हारी से से 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों न्य स्थान की तामीस से 30 दिन की जबिध, वो मी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इत स्वना के राज्यत्र को प्रकाशन की तारीश व' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हिल्बक्ष किसी अन्य स्थावत ध्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्वास्त में किए वा सकींथे।

स्थापिकरणं: — इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, जो सन्द जीभीनयमं के अभ्याय 20-क में परिकाषित ही वहीं सभी होगा, जो उस अभ्याय में दिरान कसा ही ।

## नमृत्यी

कृषि भूमि 15 बीघा, खसरा नं० 672 (4-4), 698 (5-12) 673 (2-8), 697 (2-16), गाँव गदईपुर, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

दिनौंक: 19-2-1986

## प्रकल बाई. टी. एन. एस. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकाह

## व्यवांसव, तहायक वायकाड वाय्यत (विरोधक)

म्रार्जन रेंज-1, नई धिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एनयू-1/एम०श्रार०-3/7-85/ 160 श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायक र निभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उचत अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी-110/ए, कालकाजी , नई दिल्ली है तथा नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रिध नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक जुलाई, 1985

को पूर्णोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृष्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्यदेश से उक्त अंतरण निम्तित के बास्तिक रूप से की बास से बास से की बास से बास से बास से की बास से की बास से की बास से की बास से बास से बास से की बास से की

- (कः) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष., उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीन :---

 श्री प्रकाश बन्दर गुलाठी, सुपुत स्वर्गीय श्री चान्नी वास गुलाठी, सेक्टर 7, क्वाटर, नं० 942, श्रार० के० पुरम, नई विरुखी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कोर पत्नी श्री पी० एस० श्रोपराय निवासी आर० जै-266/19, तुगल काबाद, एक्सर्टेशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कडता हूं।

जबत संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेप ह---

- (क) इस स्वना के राज्यम के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी स्वा वाद में सुमान्य होती हो, के भीतर प्रोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की शारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्योंच्ल द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्वकारिक एक: --- इसको प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, को उक्त विश्विष्य के वश्याय 20-क में परिभाषित के ही, वहीं कर्य होगा जो उस कथ्याय में विया गया है।

## अनुसुची

प्रिमिसेस नं असं ०-110/ए, ताबादी, 100 वर्ग गज, कालका जी, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंग-1, नई दिल्ली

दिनौक 7-3-1986 मोहर: प्रकप नाइं टी. एन. एस्. ....

शायकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,

नई विल्ली, दिनौंक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० बाई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस स्रार०-3/7-85/159---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं । 12 बीका, 1 बिस्वा है, तथा जो भादमपुर, पट्टी, गदईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक नई दिल्ली जुलाई, 1985 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया भया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया मा या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- भोमती तारा गपेरा, सुपुत्ती ले० ज० एम० एस० वदालिया, निवासो गाद्रीपुर, मेहरोली, नई दिल्ली द्वारा स्टार्नी ले० ज० एम० एस० बदालिया, सुपुत्र हीरा सिंह गांव गादीपुर, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

2. श्री क्रिजेन्द्र सिंह वेदी, मुपुत्र कंवर सरदार सिंह निवासी जी-18, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचता जारा करके पूर्वोक्त सन्याँक के वर्षक के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पिनसमें में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्भ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

कृषि भूमि 12 बोघा और 1 विस्वा, खसरा नं० 730 (2-8), 729(2-8), 737(2-8()) 742(4-16), 731(0-1), गाँव श्रादमपुर, पट्टी, गांदई पुर, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली।

भ्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनाँक: 19-2-1986

प्रकम बाई टी एन एस . -----

क्लाकर व्यक्तिक्स, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अभीन स्वता

#### नारत संस्कार

कार्वातय, रहावक बावकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 21 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू-1/एस०म्रार०-3/7-85/ 161---म्रतः मुझे, म्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विज्ञका उचित बाकार नृज्य 1,00,000/-रु. से बिधक हैं

भौर जिसकी संब बी-10, कालिंदी कालोनी हैं, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूकी में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्र कर्ता भिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत काकार मूण्य से कम के जरवनन वितिकत के निए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विकास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, मिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि सिए तय गया गया प्रतिकल, मिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि सिए तथ का गया प्रतिकल, सिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (फ) एसी किसी बाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धम-कर अधिनियम, वा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अव, उसत अविनियम की भारा 269-ग के बनुसरण बा, को, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीर, जिस्मीयिक्त स्पन्तियों, वर्षात्ःक्ष-

- श्रीमती बीना चौपड़ा. परनी एम० के० चौपड़ा, ई-360, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बृजकुमारी गोस्वामी पत्नी पुरुषोत्तम गोस्वामी, निवासी डी-1087, नई फेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

जनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में आधो**र्व**ं**त्री बन्त**पे र<del>-</del>--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्रासन की हारीस है 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी सविध बाद में समाप्त हुनेती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में किसी अधिकत द्वारा;
- (क) इसतृष्या के राष्पत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच निवास में किए का सकती।

स्पत्रक्षिरण: — इतमें प्रमुक्त सन्दों और पदौं का, चो उन्दर्ध अभिनियम, के अभ्याय 20 क में परिश्राविक है, यही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिवा गया है:

## अनुसूची

50 प्रतिशत इन्टरमीडिएट, खन्ड (लेक्ट साइड प्रोशन आकासीय स्पेश-बी-10, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेस्र र् मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनाँक: 21-2-1986

## प्रकर **भाष**्ठ **टी**ड पुरुङ प्रस्<sub>य</sub>-----

## बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वान

#### नारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर सायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-3/7-85/162 श्रतः सुक्षे, श्रार०पी० राजेश,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्रोपर्टी नं० 22, माजय-एक्सटेंशन को० श्राप० हाउसिंग बिल्डिंग सोमायटी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्याजय नई दिल्ली-1 (1961 का43)/भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूणे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देष्य से उक्त बंतरण किया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देष्य से उक्त बंतरण किया गया प्रतिफल क्या से किया नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरम ते हुई किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के स्वित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; स्रोट्/का
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को निन्हें भारतीय जायकार जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त केशिनियम, वा धरक किशिनियम, वा धरक किशिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के विषय।

बतः वय, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग की वनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती ज गिन्द्र कौर पत्नी बलदेव सिंह श्रीर श्रीमती सनपाल कौर पत्नी जगजीन सिंह, गांव-बंगा, तहसील नवां शहर जिला जालन्धर (पंजाब) ।

(ग्रस्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र मोहन सुपुत गंगा राम सुन्दर बाला पत्नी सुरिन्दर मोहन, निवासी: 29, हाउमिंग सोसायटी नई दिल्ली साउथ एक्सटेंगन पार्ट 1, नई दिल्ली - 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना वे हायपुन के प्रकायन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

## नन्स्ची

प्रथम श्रौर सेकेन्ड फ्लोर पार्ट फ़ोपर्टी नं० 22, 100 वर्ग गज साउथ एक्सटेंशन 1, को श्रोपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी, ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली। महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख 7-3-1986 मोहर :

## शक्य आर्ष**्टी. एम. एक.**-=--=

भार्याक मुधिनिसस, 1961 (1961 को 43) की पाछ 269-म (1) को सुभीन सुमृत

#### भारत धरकाड

भाषांतयः सहायदः नायकर नाथ्वदः (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां क 2 फरवरी, 1986

िर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एम०ग्रार०-3/7-85/ 163---श्रतः मृक्षे श्रार०पी० राजेण

काथकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अभीन स्क्राम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उपित वाकाद मुस्त :

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
श्रीर जिनकी संव 100 वर्ग गत तन खण्ड है तथा जो 22 साउथ प्रकारों में पार्ट 1, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विजा है), रिजि.द्री जिन्ही श्रिशिकारी के बार्यानय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्द्री उरण श्रिधिनयम,

1908 1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985
को पृथा नित सम्परित के जिए का जार मृज्य से कम को ध्रममान
वित्तमस के लिए कत्तिरित को गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि अधाप्योंकर संपरित को उचित् वाचार
मृख्य, उसके कमान प्रतिकास से एसे ध्रममान प्रतिकास का पंद्रश्च
प्रतिवात से निधक हैं और मंतरक (अंतरकों) और नंतरिती
(जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए स्य पाया ग्या
प्रतिकार, निम्न्सिखित अनुविक्य से सनत मन्तरण निविक्त
में वास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है ध्र—

- (क) मन्तर्थ तं हुए किसी बाद की बादल उपत गाँध-शिव्य के स्थीत कर बीचे के मनाप्रक के वाबित्य में कमी करने वा उछ्चे क्यमें में व्यविधा के लिए; भीर/मा
- [क] ऐसी किस्ते ताल या किसी कर या करन आस्तियों को, किन्हें भारतीय अस्य कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या क्यतः विधिनियम या पतकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्षारिकी बनास हक्क पूर्वी दिवस क्या या वा सिना क्षारा नाहिए था, क्षिपान में स्थिम के किए;

श्रंत: अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण हो, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन, निम्निशित व्यथित्यों, नगाँउ ह—

- श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह श्रीर अन्य, गांव-बंगा, तहसील नवां शहर, जिला जालन्धर (पंजाब) द्वारा एस० मोहिन्दर सिंह सुपुत्न मखन सिंह । (प्रन्तरक)
- श्रीमती शालू चुग पत्नी ग्रमर चुग निवासी: 29, हार्जीसग सोसायटी, नई दिल्ली साज्य एक्सटेंशन पार्ट 1, नई दिल्ली-1 ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति से अर्थन से जिल्ह कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप ए---

- देखों इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं
  45 विश की जनिय का तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी
  क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (प) १घ स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास निविद्य में किए था सकेंगे;
- स् श्रीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि क नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर क्षे होगा, को उस अध्याय में दिया गरा है।

## अन्सूची

तल खण्ड प्रोनर्टी नं० 22, नाउथ एक्सटेंशन पार्ट 1, को० श्राप० हाउनिंग सोनायटी, नई दिल्ली तादादी 100 वर्ग गज्ज ।

> श्रीर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

सारीख : 20**-**2-1986

मोहर

प्ररूप बार्ड , टी, एन, एस,,-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

दारत सरकार

## कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांवः 7 मार्च, 1986

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस०/ श्रार०-3/7-85/ 164---श्रत: मुझे, श्रार०पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक अधीन मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० डी॰ 37, जंगपुरा एक्सटे मन, नई दिल्ली है तथा जो तादादी 200 वर्ग गज में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीनर्सी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली (1961 का 43)/भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जलाई, 1985

को मुधाँकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्हार प्रतिशत से अधिक है और अंतरक ( अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्वाद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधि-शियम के अभीन कर वाने के बलारक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/गाः
- (वॉ एसी किसी काय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था. दिन्याने हों सुविधा के खिए:

अतः वर्षः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) हो कपील, निरस्तिमित स्पिकतमों, अभिन १---- श्रीमती माबिन्नी घई पत्नी स्वर्गीय चंदर प्रकाश एस-324, ग्रेटर केलाश, पार्ट-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रनित मिलक ग्रौर प्रदीप मिलक, के० सी० मिलकि,
 3065, बाजार कीता राम, दिल्ली।

(নল্লহির্ন)

की यह सुन्तमा आगी भगके पूर्णकर अप्यक्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

## उभक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप !---

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध था तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में है किसी स्पनित प्रवासत;
- (स) इस सूषना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उसत सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभाहम्साक्षरी को पास लिखन में किए जासकांश।

स्पद्धीकरण:--इस्भा प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो जनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्मूची

प्रोपर्टी नं० डी० 33, जंगपुरा, एकपरेंशन, नादादी 200 वर्ग गज ।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महागक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली न**ई दि**ल्ली

सारीख: 7-3-1986

सोहर :

## प्रकृत सार्व हो । एवं . एवं . :------

## नायकर निधीनथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार० 3/7-85/ 165--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के भधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 557 वर्ग गज तल खण्ड है तथा जो एस० 473 ग्रेटर कैलाग 2. नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 वा 16) के धीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- श्री हिरन्दर सिंह सुपुत हरचरन सिंह, द्वारा एटानी देविन्दर सिंह ई-599, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रामा कपूर पत्नी श्री एम० एम० कपूर एस०-473, ग्रेटर कैंशलाग 2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यसाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया है।

### मन्स्यी

1/9 ग्राविभाज्य शेयर । प्रोपर्टी नं० एस०-473, ग्रेटर केलाश -2, सल खण्ड सादादी 557 वर्ग गज ।

> ग्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहाय इ आय हर आयुकः (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

असः अबः, उक्तः अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतु:——

तारीख: 20-2-1986

प्रक्रम नाइ. टी. एन. एस.-----

## नायकर नीपीनवस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीत स्थान

धारल व्यक्तार

कार्यालय, नहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-1,

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋष्ट्•ए०सी०/एक्यू०/ 1/एस०ऋष्ट० 3/7-85/ 167---श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

बायकर बांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1000 वर्ष फीट हैतया जो के o I कैलाश कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख जुलाई, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की नई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य मुख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और स्वन्तरिशियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय नाया का प्रतिफल, निम्निसित उद्विष्य से उचत कम्परण मिचिस कास्तिक स्थ में कथित नहीं किया गया है:---

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके वचने में सुविधा के निष्; और/या
- क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा जन्म के दिसासों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिक्षियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वा निर्माण कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किए। गया का वा किया बाना चाहिए था, खिपाने के किए। जार/या के निए: जार/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1) रंगीन निम्नीनिवित स्विकारी क्यांत है—

14-36GI/86

श्री कृष्ण कुमार चौपड़ा
 2/8, विजय नगर, दिल्ली - 9

(भन्तरक)

श्री श्रनिल के० वाही
 4/98, रमेण नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स सम्पृतित को वर्षन के तिथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात किवित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिक्षणः - इतमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, वो उसत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिया पक्षा हैं।

बन्युची

प्रथम खेन्ड ग्रावासीय फ्लैट्स दो कमरे एक ड्राइंग रूस, एक किचन ग्रीर बाथ रूम, तादादी 1000 वर्ग फीट के-ा कैलाश कालीनी, नई विल्ली।

> अर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-2-1986

प्रकलः बाह्यः द्वीः, एवः एकः -----

सावकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की খাত 269-व (1) के सभीत सुपना

### भारत मरकार

भावतिष, सहायक भावकर जायक्त (विरक्षिण) धर्जन रेज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1986

िर्देश सं० शाई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस० ऋार०-3/7-85/ 168—ऋत मुझे, श्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं ्रैं 200 धर्म गंज है तथा जो ए-56 निजामुद्दीन ईस्ट, दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री कि प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण धिंधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को प्रॉडिंत सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के मिए अन्तरित की गई है और मृश्वे मेह विश्वास करने का बारण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृश्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफस का रन्बह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया सवा प्रोतिक क्य से कथित नहीं किया सवा है।

- (क) बन्तरण ते हुई किसी अस की बाय्स, अवस् अधिनियन के अधीन कर योगे के बन्दाइक के वाजित्य में कवी करने वा उससे अधने में सुनिधा के खिए; और/बा
- .इ.सी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्लियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27) का असी अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं जिला जान था या किया जाना बाहिए था कियाने में सिविशा असे लिए;

वंश उक्त आधिनियम की भारा 269-भ वा समृत्यक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- श्रीमती हरवरत कौर पत्नी स्वर्गीय श्री करनार सिंह, मवान नं० 230, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ द्वारा एटोरनी ले० कर्नल बनबीर सिंह श्रीर अन्य । (श्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती शुभ टण्डन पत्नी गुनकारी लाल टंडन, 890, कूचा कबीर, श्रस्तर, ज्ञान्दनी चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ते 45 दिन की प्रविच दां तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की लबिंद, जो भी बबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकारका की तारींच स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-भव्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए का सकींग्रेड

श्वाकरण :—इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्रा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

प्रोपर्टी नं एंंं एंंं 56, ताबादी 200 वर्ग गज, निजामुद्दीन, ईस्ट. दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेण भक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्राजनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 19-2-1986

## त्ररूप नार्च. टी. एन. एक.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 1/एस० श्रार०-3/7-85/ 169--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेण,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इतमें इसमें इसमें प्रमात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कस्ने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्या 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 300 वर्ग गज है तथा जो यूनिट 1, ग्रेटर कैलाश - 2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीयती ग्रधियारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीयरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पृक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं जीर मृत्रों यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्थमना प्रतिफल से गुरेसे स्थमना प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचात स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वाक गव। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से स्वत्य अन्तरण कि निए त्य वाक वालाविक रूप से कोंथक नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की क्लब, प्रमत नियम के अभीन कर योगे के बंतरक के वाजित्व में कभी करणे वा उत्तते बचने में सुविदा के किएं। बीर/वा
- (च) घेसी किसी जाथ या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, चिपाने में सुविधा के किटा

कक्षः वज्ञ, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के बनुत्ररण कैं, कें, सक्त विभिन्निक की भारा 269-च की उपभाश (1) के अभीन, निम्नलिखित स्पिक्तिमों, अर्थात् :~- श्री भ्रणो क बोहरा सुपुत्र खेराती लाल बोहरा,
 8/1, साउथ पटेल नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिक)

2. श्री राजीव महेश्वरी सुपुत्र एस० महेश्वरी विमला महेश्वरी श्रीर कुसुम महेश्वरी, एस०-267, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली द्वारा एटार्मी सुगील महेश्वरी।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए आर्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अदिध, जो भी किया वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र म अकाशन की सारीख सं 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकीं थे।

स्मकाकरणः --- इसमें प्रव्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नपूर्वी

यूनिट अपार्टमेंट नं० 1, प्रोपर्टी नं० एस०-267, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली

श्रीर० प ० राजेश सुक्षम प्राधिकारी (सहायक **आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ल

**ता**रीख: 21-2-1986

## इक्ष् नाइ'्टी ,धृत् , एस ,-------

## नायकर निभिन्निया, 1-961 (1961 का 43) की भाष्ट्र 269-न्(1) के नुभीन सुचमा

भारत सरकार

## कार्याजय, सङ्गयक भावकार नायुक्त (निर्दीकान)

भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी, 1986

सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/ 1/एस० आर०-3/ 7-85/17 0 श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश,

कावकर मिशिनम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके प्रचार 'उक्त मिशिनमम्' कहा पदा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बण्यार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 175.83 वर्ग गज, एच० एस०-38 है तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोत्रत सम्पत्ति के बिचव बाबार मूक्य से कम के ध्रक्तमान शांतफल के लिए बन्तरित की गई है और भूके यह विश्वाव करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतहरूक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे बंदहण के बिच प्रवा पाया प्रतिफल निम्निवित उद्युवश्य से ध्रवत बन्तरून सिवित में बास्तविक स्म से काथत नम्ही विश्व प्रवा स्वा है हुनन

- (क) अन्तर्भ वं द्वारं कियी जान की वावका वक्षा विभिन्निक श्री क्षीम कह दोने के अन्तरक को वाजित्व में कभी करने वा उन्हें ब्यूने में बृहिया में जिल्हा कोर-वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर निर्धानयन, 1922 (1922 का 11) वा अवत जाधिनयन, वा धन-केंद्र जाधि- निर्मा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज जन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया साथ जाना जाहिये था, जिन्हों ने सुविधा भी दिवए;

बतः श्व, उक्त विधीनवमं की भारा 269-मं से बन्सरम में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधील निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षे हुं:— श्री जितेन्त्र कुमार बहल,
 4/12, सर्वोदय बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै॰ एक्सप्रैस प्रापर्टी (प्रा॰) लिमिटेड, बी॰-177, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रम्तरिती)

को वह भूषना नारी करने पूर्वीयन चल्पीता को वर्गर के सिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क), इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की बदीध या तत्स्यक्तरथी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, से भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकींगे।

स्वास्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्तों और प्यों का, वो सक्त न्यान नियम के वृष्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होता, वो सस अध्याय में दिया गया है।

#### **अ**नुसुची

कर्माणयल बिल्डिंग नं० एच० एस०-38, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, 175.83 वर्ग गज ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनां ह : 21-2-1986

# प्रकल् बाह् हो द्वा प्रहा का नामान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में ववीन व्यवन

भारत सरकार

कार्शनय, **बहायक जायकार बायुक्त (निरीक्रण)** 

भ्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनौक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11एप० श्रार०→3/ 7-85/171→-श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

जायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसकें इसके प्रचात् 'उनत अधिनिनमं कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारों की नह निस्तास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तास समित नासार शृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० एस०-56, ग्रेटरक लाग-2 नई दिल्ली में स्थित है (म्रीर इससे उपावस भनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं रिजस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख जलाई, 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के स्वित बाबार मुख्य के कन के स्वयंत्रान । तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाबार मूक्त्र, सक्ते स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (अंतरकों) श्रीर अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया। प्रतिफल, निम्निसिखत उष्वेषय से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कियल नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत , अपल बिधिवश के सभीन कर दोने के बन्तरक से बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी नाय ना किसी धन ना नत्व नास्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर विविध्यम, 1922 (1922 का 11) वा अनत विविध्यम, वा धन-कर विविध्यम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगनार्थ नप्तरिसी द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया था ना किया वाना चाहिए था. क्रियाने में स्विदा के किहा;

कतः। सव, उन्नत विधिनियम की भारा 269-म से अनुसरम भों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीभजन सिंह एच० मू० एफ० द्वारा श्रीभजन सिंह सुपुत श्री स्वर्गीय गुलाब सिंह, एस०-56, ग्रेटर कैलाश-2, नई घिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पथन चौधरी सुधीर चौधरी सिद्धवर्थी चौधरी (छोटा और नवीन चौधरी छोटा 8-ए, अलीपुर रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को सह कुन्ना प्राप्ती कर्णी पूर्वीकत सुन्नतित् के नधन् से ऐसए कार्यमाहियां ऋरवा हूं।

# बाबद प्रदृष्टित के बर्जन के प्रवेष में कार्द थी बाजने ह—

- (क) इस सूचना के सावपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 विष् की सर्वीष् वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रुचना की तानील से 30 विन् की अनुधि, थो भी स्वीष वाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रांचस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त;
  - (क) इस सूचना के राजपम् में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत कुवारा नभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए या सकेंगे।

त्वच्याच्यरणः -----दशसे प्रयुक्त थव्या वीड पर्याच्या, यो उपक अधिनियस को अध्याय 20-क में परि त्रायिक हैं, वही वर्ष होगा यो उस अध्याय में दिका यक्त हैं।

# नग्त्रची

पार्टली बेसमेंट श्रौर तल खण्ड प्रापर्टी न'० ए स०- 56 ग्रेटर कैलाश-2, नई हिल्ली एरिया 2775 वर्ग फीट 1

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--3, दिल्ली

सारीख : 7~3~1986

# बच्च बाहे. ही, एम, एवं,------

शायकर अभिनियम, 196 / (1961 वर्ष 43) की भारत 269-च (1) के अभीत स्वता

#### HITTE GTEVE

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, नहीं दिल्ली नहीं दिल्ली, दिनौंक 20 फरवरी 1986

निह्यम सं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/ 1/एस० ग्रार०-3/ 7-85/173--ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

धायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवाल 'उन्कर विधिनयम' कहा गया हैं), को भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्त्राम करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

जिसकी सं 1300 वर्ग फीट है तथा जो यूनिट एफ- 2 है नथा जो एस-167, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थितहैं (ग्रीर इन्ने उपाग्रत अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजन है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के 'कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का छि6) के अधीन नारीख ज्लाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूम्प, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दंद्र प्रतिषात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्च क्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं सवने में सुविधा के सिष्; बरि/वा
- (क) एसी किसी बाय क किसी थन वा अन्य नास्तवाँ की, जिन्हें अस्पतीय आयक र निविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या धन कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ नन्सरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, डियान में सुविधा है दिक्छ;

अतः वश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-क की उपधारा (1) कें अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्।

- (1) श्री रजनी ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लि०, 30,3, कम्मुनिटी सेंटर, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री सोबराज चुग। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा हरकवट पत्नी श्री मनोहर लाल हरकट श्रीर राहुल हरकट, सुपुत श्री मनोहर लाल हरकबट निवासी 4, ईद गाह हिल्स, भोपाज (एम० पी०)। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुई।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों अत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### वनसर्जी

यूनिट नं∘ एफ-2, तादादी 1300 वर्ग फीट, एम-167 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारों<sup>⊁</sup> -सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, नई दिल्ली,

तारीख : 20-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 19 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०,एक्यू०,1,एस० श्रार० $\sim 37$  8 $\sim 7\sim 85/174$ —श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

झौर जिमकी सं० 206.5 वर्ग गंज है तथा जो एस०274, ग्रेटर कैलाई~1, नई दिल्ली में म्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध भ्रमुको में घौर पूर्ग का पे बणित है), रिजम्झीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन , तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथ्यमान प्रतिफल से एसे रूथ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्तीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जिला चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब उच्का अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारार (1) के अधी , जिम्मीलिसित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्रीमती स्राणा मनहोता पत्नी श्री विनोद कृमार मलहोता मुपुत्रीय मिसेन शाकू मोहन पत्ना, श्री देवेन्दर मोहन राजेण्वर नाथ मुपुत स्वर्गीय रामेश्वर नाथ स्त्रीर दुर्गा चरण सेठ, ए.स~274, ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ला। (ग्रन्तरक)

(2) मैं ० सूरज इस्टेंट प्रा० लिं० द्वारा डायरेक्टर श्री सतीश पाहवा, एम-102, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकनीं।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स् की

काई स्टोरी, प्लाट नं० एस०-274, तादादी 206.5 वर्ग गण, ग्रेटरकैलाण-1, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायंकर श्रायंका (निरीक्षऋ) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, दिल्ली।

तारीख : 19-2-1986

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 20 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० । एक्यू०। १। एस० श्रार०-3। 7-85/175---- ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1., 00, 000/- रा. से अभिक है ग्रीर जिसकी सं० 247 वर्ग गज यूनिट सी हैतथा जोएम~58 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की ग**र्इ ह<sup>ै</sup> और मझे यह विश्वास** करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्विषय से उक्त अन्तरण जिक्कित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोडी० डी० णर्मां सुपुत्र स्वर्गीय पं० दौलतराम, ए—6, रिंग रोड, एन० डी० एस० श्राई०-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० के० एम० गुजराल मृपूत्र मरदार गुरबचन सिंह, शाप नं० 1, डी० एल० एफ० सेंटर, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास किस किस में किए जा सकोंगे।

व्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>24</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग**वा है**।

## **अनुस्**ची

यूनिट नं० सी, प्रथम खण्ड, एम-58, तादादो 247 वर्ग गर्ज, ग्रेटरकैलाश-2, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 20-2-1986

प्रक्ष बार्च दी, एन, एस.------

नायकः किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के क्यीन मुखना

भागान प्रकार

कार्यालय सम्भागक कार्यक्तर आएक (निरीक्षण) प्रजीन रज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1986

निर्देण सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एम श्रार-3/7-85/ 176-अत: मुझे, श्रार० पो० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 208 वर्ग गज दूसरा खण्ड हैं, तथा जो एस-462 ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीवर्सा श्रिधकारों के वार्यालय, नई दिल्ली में रिज्यूनेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 जो पूर्वोक्स सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य ने कम के दश्यमम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्यमान प्रतिफल कर पन्त्रह प्रतिगत से विभक्त है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निकत में गस्तिकल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निकत में गस्तिकल हम से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ये हुइं किसी नाव की बावत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी जिसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों नी, जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनवार अधिनियम वा धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकर नहीं किया वा भा या किया भाना चाहिए था, खियाने में स्विधा की सिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-व के अनुसरण कें, में, अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) रे अधीन, विश्वतिविद्य अधिकारों, अधीत् अ—— 15—36GI/86 श्रीमती चन्द्र कात्ता पत्नी अशोक कुमार ए-6, रिंग रोड़ः एन० डी० एस० ई-1 नई दिल्ली।

(अंग्लंदक)

2 श्री राज्यान सिंह संधू शिवपाल सिंह संधू सुपुत्र सवार्जण सिंह संधू द्वारा लेव कव टीव एसव गिल (रिटायर्ड) सुपुत्र स्वर्गीय जेव एसव गिल बी-52, प्रथम खण्ड एनव डीव एसव श्राई-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन को तिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की जबभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजपण में प्रकाधन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के बुध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस वध्याय में विवा वसा है।

#### **प्रत्**सूची

यूनिट दूशरा खण्ड प्रोपर्टी नं, एस-462, तादादी 208 को गज ग्रेटर फैलाय-1, नई दिल्ली ।

> भार०पी० राजेश सभम प्राधिकारी सहायक प्राथकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**सारीख: 20-2-198**6

मोइस

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ......

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचमा

#### भारत प्रस्कार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरोक्षण)

भ्रजन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 18 फ.चरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसपू०/1/एस आर-3/7-85/ 177-⊶यन: मझे, आर० पी० राजेश,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त भिक्षिम्यम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

आँर जिसकी सं० 400 वर्ग गज है, तथा जो प्लाट एम-231, ग्रेटण कैलाण-२ में स्थित है (और इससे व्याबद अनुसूची में और पूर्ण रूप ो वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिंदवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण धिंदिनयम, 1903 (1908 का

16) के शर्धान, तारीख जुलाई, 1985 कर पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुन्ने यह विषयास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रति-फल से ए'से रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ए'से अंत-रण के लिए तम पाया गया प्रतिफत, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है है —

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बन
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेजर पी० एल० चड्ढा मिसेस कमल चड्ढा श्रार-751,
 न्य राजेन्द्र भगर, नई दिल्ली !

(भ्रन्तरक)

2 श्रो अरोहंत लिजिंग एण्ड होल्डिंग लिमि० ए-3, विवेक बिहार, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

की वह स्थना भारी करके प्रॉक्त सम्प्रित की वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## क्षवत सम्मत्ति के वर्षान् के सम्हन्य थें कोई भी भाषांव :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्तः अरी के पास सिवित में किए वा सकी ।

स्थष्टिकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त सिंतियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ शिंगा जो उस अध्याय में दिया क्या है ।

# **मन्स्च**हे

प्लाट नं० 231, ब्लाक एम, ग्रेटर कैलाण-2, तादादी 400 वर्ग गज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

सारीख: 18-2-1986

प्ररूप आहें.टो.एन.एस.-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आषकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1986

ानर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-3/7-85/ 178-ग्रतः मुसे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संव 522 वर्ग गज है, तथा जो एम-117, ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विल्ली हैं) राजस्ट्रीकर्ती ध्रिकारी के वायलिय, नई दिल्ली में राजस्ट्रोकरण ध्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख, जुराई 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक एप से कथित नहीं किया गया है ध---

- ्क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, । धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ाक्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि— 1 स्टार्स पेपर मिल्स लिमिटेड, 27, वरा बोरनी रोड़ मलकत्ता-1।

(श्रन्तरक)

2 श्री प्रशोक गुप्ता और विजय गुप्ता और श्रन्य 30-ए, कमला नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त बम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप ू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु इवारा;
- (ण) श्वास्त्र को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 40 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी को पास शिक्षित में किए जा सकारी।

स्पष्तीकरण. -- - १ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दी, वहीं सर्व कृषेगा, जो इस अध्याय में दिया

# **ब्लूस्**भौ

डाई स्टोर ही प्लाट नं. 117, ब्लाक एम, तादादी 522 वर्ग गज । ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

सारीषः : 18-2-1986

# मुक्त आहें हो हो हम् प्रस्कार-----

# बावकार विभिन्तिम्स, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-व (1) के बुवीय सूचना

# मारत चरकार कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्लो-1, दिनांबा 21 फरवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सीं०/एक्पू०/1/एस श्रार-3/7-85/ 178-ए-श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव 3 बिबा, एक बिसा है, तथा जो गांव सुलतानपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधि। तथम, 1908 (1908 का 16) है अधी , सारीस जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रीवशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नुसिष्ठ उपचेष्य से उक्त अंतरण कि निम्नुसिष्ठ उपचेष्य से उक्त अंतरण कि कि से मास्त्रिक क्या से किया नहीं किया निम्नुसिष्ठ से किया निम्नुसिष्ठ से

- (क) बालडण ने हुए कियाँ बाय की वायस है क्या अपित्र के कृषीय कड़ को से बालइक के वासिक्त में काल की कड़ने वा क्या कुला में कृषिका के लिए; कड़ियां
- (क) इंडी किसी बाव वा किसी धन या कल धास्तिवों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने जें स्तिथा के विक्:

नतः नकः जन्त जीभीनयन की भारा 269-न जै अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रीमतो कुलवन्त कीर पत्नी जसबीर सिंह और प्रत्य के-9, प्रीनपार्क, एक्सटेंग्ना, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) इंडीयन हेन्डीकाफ्ट् इस्पोरियम 5, महरोलो रोष्ठ, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

करे यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

# बक्त बन्दरित के वर्षन के बन्दन्य में कोई भी वासीप

- (क) इस सूचना के ताथपन में प्रकादन की तारीं से 45 दिन की जनकि दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी सन्दिन नाम भी समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पृतित हुवारा;
- (च) इस सूचना में राचपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर स्थारित में हितबब्ध किसी अन्य स्थानत ब्वारा जभोहस्ताकरी के याच निवित में किए वा सकते।

त्यक्तीकरणः - इसमें प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त वीचित्रिय के अध्याय 20-क में परिभाषित के नहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में दिवा व्याही।

# **मनुसूची**

3, बोघा एक बोसा खासरा नं० 382, क्षमरे और टयूब बैल, गोघ भुलतानपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (ब्रिरीक्षंण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 21-2-1986

प्रकृष् भाद्र'्टी. एत\_एउ\_ ------

नाककार समिनियम, 1961 (1961 क्य 43) की भारा 269-व (1) के बुधीन सुमना

#### COLD HANGE

# क्रमानय, सहामक जायकार आयुक्त (चिरीक्ष्ण)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्लो, दिनांब 7 मार्च 1986 निर्देश सं० श्नाई० ए० मी० /एक्यू०/1/एस नार-3/7-85/ 178-बी-श्वतः, मुझे, श्नार० पी० राजेण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं

और जिसको सं० कृषि भूमि 9 बीधा और 13 बीस्वा है, तथा जो गांव आरमपुर, पट्टो गादीपुर तहसील मेहरीलो, नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण हम से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता विधवारी के कार्यालय नई दिस्ली में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उच्चेष्य से उसते अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोधनाथ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना जाहिए था, जियाने में स्विधा खें सिन्हा

सतः सन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण ने, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नधीन, निज्नसिकित न्युक्तियों, अर्थात् र—

- 1 श्रो तारा स्पेा पुपुत्र ले० ज०एम०एस० वदालिया गांच गादीपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली (प्रस्तरक)
- 2 श्री निर्मल बेदी पत्नी कंवर सरकार सिंह बेदी जी-18, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 विन की व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किस वा बकेंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त मीभनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कुर्व होगा जो उस अभ्याय में दिवा प्या हैं।

# वनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा और 13 बिस्ता खसरा नं० 737(2-8) 738 (1 (2-8), 741 (4-6), 736 (0-1) गाँव आदम-पुर पट्टी गादीपुर तहसील मेहरोली गई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 घ (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निहीक्षण)

धर्जन रेंज-43, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 7-85/178 सी० धतः मुझे, प्रार० पी० धजेण,

नायक द्र विधित्तियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसवें ध्रुवकें प्रथमत् 'उक्त जिथितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारने का कारने हैं। कि स्थावर सम्मति जिसका उचित वाकार बुक्व 1,00,000/- स्त. ते जिथिक हैं

और जिसकी संव संव कृषि भूमि 15 बीघा और गांच प्रादमपुर; गांदीपुर तहसील मैहरोली नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुभूची में और पूर्ण रूप से बिल्लो है), रजोस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारों के बार्यालय नई दिल्लो में रजोस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जूसाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के दरवनान विकल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उवित नाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उक्ष्येच्य से उक्त जन्तरण सिचित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है प्र

- हुंक) बन्तरम् वं सुद्दं विकास काम की वान्छ । अवस् विनिष्यम् वे न्यीय क्ष्यु राने के श्रम्बहरू धे यहित्य वो क्ष्यु क्ष्युने या व्यक्ते व्यक्ते के सुन्दिया में सिष्; वृद्धि∕या
- (व) एची कियो नाय वा किसी भए वा बन्य कारित्वों को, चिन्हें भारतीय आय-कर विभीनवम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनवम्, भा भनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिहरी बुताहा प्रकट नहीं किया था या किया थाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा वै नियम

बस्त क्य, अन्त विभिन्नमं की भारा 269-ग के बन्दरक भं, मं, उक्त अभिनियंत्र की भारा 269-मं की उपभारा (1) स्रो अभिन, निम्नसिविक व्यक्तियों बन्दोंतु %—— (1) श्री लें जें एम एम वदालियाँ सुपुत्र हीरा सिंह बदालियां गांच गादीपुर तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री महाराग कुमार चंद्र विजय सिंह सुपुत्र महाराजा कमल सिंह श्राफ दुमराव जिला बोजपुर, बिहार, (ध्यक्तिगत)

(भन्तरिती)

ना गृह सूचना भारी करके प्यामित संपत्ति के कर्पन के लिए कार्यवाहियां सूच करता हुं।

# अक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हु----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमुस्ची

कृषि भूमि खसरा नं 697 (0-12), 700 (3-8), 731 (1-6) 698 (1-4) 699 (6-8) 732 (2-2) कुल 15 बीबा गाँव गादमपुर पट्टा नादीपुर, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-3, कई दिल्ली

दिन्तंक: 7-3-1986

# प्ररूप नार्षः, दी, एन. एस..----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिलांक 10 मार्च 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सं/०/एक्यू दिल्लो/4/85--86----श्रतः मुझे, बी० एल० खती,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और फैक्टरो बिल्डिंग गांव बदमालिक में स्थित हैं (और इमें इससे उपावड धनुभूचा में और पूर्ण रूप से धणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय विल्ली भारतीय धायकर धिकियम 1961 के प्रधान विनांक 11-7-1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान भूतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और एके यह थिश्वास करने का कारण है

क मथा पुनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान मित्रफास सं, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत जिथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य बास्तियाँ करे, जिन्हुं भारतीय आयक्तर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट मही किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध की सिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) भेसर्स विन्सपर इन्डिस्ट्रिजस 24 श्रालोपुर रोड, सिभिल लाईन्स विल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मेससं हिन्सामा अकरोतीक मन्यूफेक्चर्स कम्पनी प्रा० चि० 2/30 रुप नगर दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राधपन में प्रकाशन की तारीच जं 45 दिन की जनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विंत की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास चिक्तिस में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया गया है।

# अमृस्ची

सम्पत्ति भूमि फैक्टरो बिल्डिंग जो बदमालिक जयरो रोड, में स्थित है जिसका श्रिधिक विचरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय दिल्ली में रजीस्ट्री संख्या 1013 दिनाक 11-7-1985 पर दिया है।

बी० एन० खती सक्ष्म प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांका: 10-3-1986

# प्ररूप आर्धः .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 मार्च 1986

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू दिल्ला/5/85-86--श्रतः मुझे बी० एल० खत्नी

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नर्धात राक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने या कारण है कि शावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1, \0,0∂0/- रा. से **अधिक है** 

और जिसकी सं० भूमि माप 65 एकड़ जो गांव पालडी में स्थित है (और इसने ज्ञावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता धिधकारी के कार्यालय दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 5-7-1985

को पूर्वाक्स संस्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान पातिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निलिक उद्बेश्य से उचत अन्तरण निचित में वास्तिवक अप से काथित नहीं किया गया है दिन

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- श्रेष) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धर अधिल्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण बा, भी, उप्रक्ष अधिगयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों; अर्थात् :-- (1) सर्वे शी तल्दे भाच तुमाष चन्द अणोक कुमार राजिन्द्र कुमार नियासी श्री शिवाजी नगर गुड़गीन छाथमी।

(अन्तरक)

(2) मैं० व्यासमा प्रापर्टीम 33-34 राम नगर भिभन नगर दिल्ली 51

(श्रन्तरि **त**)

को यह सूजना जारी करके पृथीयत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिका-है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि माप 65 एकड़ जो पालढी गांच में स्थित है जिसका श्रधिक विचरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय दिल्ली में रजीस्ट्रा मं० 1020 दिनांक 5~7-1985 पर दिया है।

> बा॰ एल**॰ खर्ती** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 6·3-1986

# प्रकृत बार<sup>्</sup> डो. १२ १२ प्र

# नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

#### नीरत सरकार

# फार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (विर्याखन)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मार्च 1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'अपन अधिनियम' कहा नया ही, की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित अधार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रोर जिनकी सं अपेनर्टी नं अ11/13 गली खान साहब सिरसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 4-7-1985

को पूर्विक्त सम्मण्डिके उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकत के लिए अन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्विक्त तीपीत्त का जावत बाधार बुक्त, उसके क्यमान प्रतिकल में, एसे बस्यमान प्रतिकल का काइड प्रतिकल से बीधक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरक से लिए तब बाबा बबा प्रतिकास, विश्वाक्षित्वत क्यूबेस्व से उसत बन्तरक विश्वक में वास्तविक कम से कीयत नहीं किया नवा है है—

- (क) नेतरण ते हुई किसी नाव की बाबत, अबस प्रीधीनयम के बाहीस कर दोने के कलएक हैं दावित्य में कर्जी करने वा उससे बचने में हाविधा भे सिए; जीर/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय भागकर वाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधनियम, बा कन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजवार्थ बन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमतो सिवन्नी देवी पत्नी श्री पृथ्वी राज निवासी शिएसा।

(अन्तरह)

(2) श्री फूना रानी पुत्री श्री जयमच राम पत्नी श्री कस्सूरीलाल रोड़ी बाजार सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के तिथ् कार्यवाहियां चुक करता हूं।

# **इक्ट संपत्ति के अर्थ**न के संबंध में कोई भी वास्तेय :----

- (क) इक सूचना के राजप्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तासीम से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अविकत्यों में से किसी व्यक्ति इनारा:
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिवित में किए वा सकारी:

स्वकारिकरणः--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिका नवा है।

# मन्त्रवी

सम्पत्ति शाप नं० 811/3 जो गलीरवान साहिब सिरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में रजीस्ट्री संख्या 1976 दिनांक 4-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहाय हे आय हर अन्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिमांक: 3-3-1986

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

# नार्याचय , सञ्चलक नायकर नायुक्त (निप्रक्रिक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, विनोक 7 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एसयू रिवाड़ी/8/85-86-अत: मुझे, बी० एस० खन्नी
बायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पवचास् 'उसत विधितयम' कहा गया हैं), की धारा
269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का
कारण है कि स्थापर समित, जिसका स्रीचत बाबार मुख्य

1,00,000/- रु. से मिक हैं

श्रीर जिसकी संव महान जो जमालपुर तहर रिवाड़ी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुनी में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), रिजस्ट्री इती अधिकारी के वार्यालय, रिवाड़ी भारतीय आयकर अधिकियम 1961 के अधीन दिनांक 12-7-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के कर्नमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का अधिक गाबार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के नावक है बार अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितामा) के बीच एसे अन्तरम के बिक् तम पामा प्रधा प्रतिफल, निम्निकित तब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप त' किथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण में हुइ किसी नाम की बाजवा, पन्ध शीपनियम से बंधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को . जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्मिम , बा अनकर अधिनियम , बा अनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया कवा था या किया जाना चाहिए था , क्रियाने में स्विधा के लिए;

नतः जन, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मं, उक्त जीधिनियम की नारा 269-च की अपधारा (1) के जभीन, निम्नीसचित व्यक्तियों, जन्नीतु:— (1) श्री णणी भूषण गुप्पा पुत्र श्री नायू राम नि०— रिवाडी।

(अन्तर्ह)

(2) श्री राम कँवर पुत्र श्री राम प्रमाद नि०-जमालपुर तह-रिवाडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचणा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

# मनुसूची

सम्बद्धि मकान जो जमालपुर ाहु० रिवाड़ी में स्वित है जित्रका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रिवाड़ी में रिजस्ट्री संख्या 1198 दिनांक 12-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु<del>क्</del>त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोह्रतक

दिनांक: 7-3-1986

\_\_\_\_\_

वक्य बाह", दी. एन. एवं.------

भागकर निभिन्तिस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### THE COURT

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निवेश संख्या आई० ए० सी०/एक्यु रिवाड़ी/9/85-86---अतः मुक्ते, बी० एल्॰० खर्जा,

बायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभार 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम श्रीभिकारी को, यह विश्वरम करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाबार मून्य 1.00,000/- रा. से अभिक है

द्यौर जिसकी सं० दुहान नं० 918-920 रिवाड़ी में स्थित हैं (द्यौर इसने उनाबद्ध अनुसुवी में द्यौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय रिवाड़ी में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक मूण में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाम की गामत उपत निव-निवस के अभीन कर दोने के जन्तरक के समित्व में कनी करने ना उससे नचने में समिथा के लिए, सीक/ना
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की विकट्ट भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत्तः थव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वा, बी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) वो अभीर निकासिया का अधिकारों, सर्वाद के — (1) श्री चेतन प्रसाद पुत्र श्री सुरग प्रसाद निवासी रिवाडी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ठाउँ बाई० विधवा स्व० श्री करमं चन्द, केवल राम राज रानी परनी श्री सक्षमण दास दुकान नं० 918-920, रिवाड़ी। (अन्तरिती)

की यह स्थान जारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

वक्त सम्मृत्ति के वर्षन् के सम्मन्थ में कोई नी बार्कप् ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्र्यो

सम्पत्ति दुकान नं० 918-920 जो रिवाड़ी में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रिवाड़ी में रजीस्ट्री संख्या 1192 दिनांक 11-7-1985 पर दिया है

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहकत

दिनांक: 14-0-1986

प्ररूप आह्रा, दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालये, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 मार्च 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चं के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि भाप 20 कैताल जो जींद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिष्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जींद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीत दिनों के 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिपक्ष को लिए अस्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथिन महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गर्म था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

शतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वा, का, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की विधीन, निम्नोलिश्चित व्यक्तियों, विधीन, ——

- (1) श्री मती जन्द्रपंति पत्नी टेक राम निवासी जीद। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री वेद प्रताश पुत्र श्री राम गोपाल विवासी अवाज मण्डी जींद। (2) श्री रामेहर पुत्र श्री संतभान निवासी गन्गाना जिला सोनीपत (3) श्री सतबीर सिंह पूत्र श्री किशन सिंह निवासी लधाना तह० सफीदों। (4)श्री दूनीचन्द पुत्र श्री बिररवा राम निवासी कुरुक्षेत्र (5) अनिल कुमार पूज्र श्री श्याम लाल गुप्ता नि० जींद। (6) श्री सूरेंश कूमार पूत्र श्रीबनी सिंह नि० जींद। (७) श्री राम कुमार श्री विस्तवायर्भ िंह नि० रिधाना जिला सोनीपत श्री ईश्वर सिंह पुतान माई राम पुत्र केहरू नि० (9) श्री देविन्द्र रिधाना जि०-सोनीपत्। सिंह पुत्र श्री सुबे सिंह (10) श्री मीर सिंह पुत्र मिहाल नि० भागवती पुर जिला रोहतक। (11) श्री म्रोम प्रकाश पुत्र श्री मगला नि० अनाज मण्डी जींदा

(अन्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि माप 20 कनाल जो जींद में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जींद में रिजस्ट्री संख्या 1599 दिनांक 11-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

विनांक: 7-3-1986

प्रकेषः बोद्धः डी. एवं. एसः, -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) से नधीन स्चना

#### भारत बरकात

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण) झर्जन रेंज, रोहतक

रोष्ट्रतक, दिनांक 24 फरवरी 1986 निर्देश सं० माई० ए० सी०/ए यू० बवल/2/85-86---म्रत: मुझे, बी० एल० खद्री,

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमं इसमें प्रचाल 'उन्त निमिन्स कहा गया हैं), की भारा 269-सं से नधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित राजार मुख्य 1,00,000/- रा. से किथक हैं

भीर जिसकी सं० 57 कैनाल भूमि, बबल तह० बबल में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञात है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बबल. में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन दिनांक 11-7-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित जाता बूच्य, उसके क्यमान प्रतिकल की, एसे दश्यमान प्रतिकल की क्ष्मित्र प्रतिकल की क्षम्यमान प्रतिकल की किया वास्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया क्षमा प्रतिकल निम्मतिचित्र उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्मतिचित्र में बास्तिवक क्ष्म से किथा गई। किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने ला उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एर्सी किसी बाब या किसी पष् मा बन्य आस्तिय। बार, जिन्ही भारतीय बाब-कर विधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिता दुवारा प्रकार गृहण किया धर्मा दी या किया जाना पाहिए था, क्रिपार के वृश्विक के विद्राः

वरः वयः अवतः विविनयमं की भारा 269-गं के बनुसरण में, में उक्त अभितियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के बुधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती हूकमी बाई विधवा (2) चन्दर कला (3) नीलम (4) सुमन बाला (5) समिता पुत्रीगण (6) ज्ञान चन्द (7) रमेश चन्द (8) विजय कुमार पुत्रगण श्री राम लाल, (9) श्रीमती णान्ति बाई (10) कुष्ण कुमार (11) प्रेम पुत्रगण (12) श्रीमती सन्तोष (13) केलाण पुत्री मनोहर लाल (14) सूरज भान पुत्र श्री ग्रमीर चन्द निवासी बंबल (भव लुधियाना)

(मन्तरक)

(2) श्री सूरजन पुत्र श्री भ्रनी राम, निषासी सबल सह बसल,

(अम्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृश्वेंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

# उनत संस्पति के नर्बन के तंबीय में कार्य भी बाखीए है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंब दूध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकेंगे।

#### अनुस्थी

सम्पत्ति 57 कैनाल भूमि जो बवल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बवल में रजस्ट्री संख्या 212 दिनांक 11-7-85 पर दिया है।

> बी० एस० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

वारी**ज:** 24-2-1986

# प्रकृष् वाह्रै . दी . एन . शुस . ------

शायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, धिनांक 20 फरवरी 1986 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांय/64/85--86--- श्रतः मृझे, बी० एल० खत्नी,

नावकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 33 कैनाल, 5 मरला भूमि, ग्राम सिलोखेडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गृङ्गांव में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 11-7-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से मान के दश्यमान लिए अन्तिरत क्रे की गर्इ हैं मुमते यह विष्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान पितफल से, एसे दरयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है **जरि अंतरक (अंतरकों) और** अंतरिती (अंतरितियों) क पीप एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उबुद रेय से उक्त अन्तरण निधित में यास्तिविया राग से क**िएए नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा समर्श प्रवृत्ते में श्रीक्षण के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए;

बतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण बें, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निचित स्यक्तियों, वर्षात्र :-- (1) श्री राम प्रकाश (2) श्री जोम प्रकाश (3) श्री प्रकाश पुत्रगण श्री छत्तर सिंह निवासी सिलोचेडा सह० गुड़गांव

(मन्तरक)

(2) मैं० ईस्ट इण्डिया होटल्स लि०, 4 मैंनगी सेन, कलकत्ता ।

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ तिबित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्ची

सम्पत्ति 33 कैनाल 4 मरला जो भूमि जो सिसोबेडा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 2022 दिनांक 11-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहुतक

तारीख: 20-2-1986

मोहरः

# प्रकल आहें, ही. एन . एस 🔎 -------

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वधीन वृष्णा

#### नाइटी हरूलड

सायोजय, महायक शायकर आयक्त (रिनशंकाय) ग्रजैन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 फरवरी 1986 निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/56/85— 86——ग्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पण्यात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-व के वधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित वाचार गृह

1,00,000/- रु. से **अधिक हैं** 

सौर जिसकी सं० मकान, राजिन्दा पार्क, गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबस प्रमुस्नी में और पूणं रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यांत्रय गुड़गांव भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन दिनांक 5-7-85 को प्रायकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन दिनांक 5-7-85 को प्रायक्त संपत्ति के विषत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान विभाग के निए बन्दरित की नई है और मध्ने यह जिल्लाम करने का कार्यक है कि स्थाप्नोंकर बन्दित का विचत सामार करने का कार्यक है कि स्थाप्नोंकर बन्दित का विचत सामार करने का कार्यक संगार प्रीतकल उप प्रमुद्ध प्रतिकृत से अधिक है और तन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितवा) के बीच एवं बंतरण के निए तब प्रधा बचा प्रतिकृत का निम्नीविचय स्थापन से जन्म कन्नरण विचित्त में नारत-चिक्य स्थापन नहीं विचा मथा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या कन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बावकार विभिन्न 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या पन कर विभिन्न 11) या उक्त अभिनियम, या पन कर विभिन्न को 27) के अधीवनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भन वा या किया वाना वाहिए वा, क्रिका में त्विभः के लिए;

- (1) श्री नतपाल खेड़ा पुत्र श्री चमन लाल खेड़ा नियासी ई० पी० 145/15 जेकम्पुना, गड़गांव। (भ्रग्तरक)
- (2) श्री धनवीर सिंह पुत्न श्री कण्हैया लाल निवासी सुखराली, तह० गड़गांव ।

(मन्तरिती)

को सह सुचना चारी करके पूर्वोक्त नेपरि से सर्थन के किस कार्यवाहियां करता हो।

दक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्रीप उन्नर

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनमि, को और अवभि नद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों वर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवाशा;
- (क) इस त्या भी राजपन में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में दितवप्रेय किसी मन्य व्यक्ति क्यारा वशोहस्ताकरी की वास विक्रित में किए वा सकोंगे।

स्वकातिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को सब सभाव में किला क्या है।

# श्रन्<del>युची</del>

सम्पत्ति मकान जो राजिन्दा पार्क, गुड़गांव में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गवां में रिजस्ट्री संख्या 1927 दिनांक 5-7-1985 पर दिवा है।

> बी० एल० **खन्नी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, रोह्नक

बत्तः शव, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के समुदर्ज वं', वं', उक्त विधिनियम की भारा 269-त को उपभारा (1) के सभीत, निम्तृतिकित स्वक्तिकों, संपत्ति ड—

तारीख: 17-2-1986

मोष्टर!

प्ररूप नार्चा. टी. एन. एक. ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### नेरित तरकार

# कार्यांचय, सहायक मावकार मायुक्त (निर्दाक्षण)

्रमर्जन रेंज, रोहतक व

रोहतक, दिनांक 6 मार्च 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/52/85-86--म्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

वानकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवी इसवी इसवी परवाल 'उन्ते विधिनियम' कहा बंदा ही,, की भारा 269-क के वधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विध्वाम करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, विसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से विधिक ही

भौर जिसकी सं मकान नं 34/4 जो जैकम पुरा गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विनोक 3/7/85

- (क) विकास के हुई कियों भाग की नानत, क्या अधिनियन के अभीत कर दोने के जन्तरक वी शामित्य में कभी करहें या उत्तस क्याने में सुविधा की सिए; और देश
- (ख) ऐसी किसी काम या किसी भन या अस्य अपिन्यां की चिन्हों मारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1987 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविधा से सिष्;

कतः अब, अक्त अभिनियम की भारा 269-न के बनुसरम भो, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, प्रशासिक व्यक्तिकों, वर्षात् ह— (1) श्री सन्मुख सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह नि०-34/4 जैकम पुरा, गुड़गांव।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री राज कुमार गोयल पुत्र श्री भगवती प्रसाद नि॰-511/4 भरबन इस्टेट गुड़गांच । (भन्तरिसी)

को वह सूचना चारी करके शृजींकत धर्मात्त से वर्षन के निए। कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भाकोंच :---

- (क) इब त्यान के राजपण में प्रकाशन की शारीय है 45 दिन की सर्वीध मा तत्त्रंतंथी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की सर्वीध, यो भी समीध नाम में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थापितयों में से किसी स्थादित सुधारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में दिनबह्ध किसी जन्म स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्री के पाव विभिन्न में किए या सकते।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, वो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नवा है।

#### वनसर्वा

सम्पत्ति मकान नं० 34/4 जो जैकम पुरा गुड़गांव में स्थित है जिसका मधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्योयल गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 1864 दिनांक 3/7/85 पर विया है।

बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोह्तक

सारी**खः** 6—3—1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/60/85—86—श्रत मुझे, बी० एल० खन्नी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाभार मून्य

1,00.000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, ग्राम चकरपुर में स्थित
हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्त्वों में और पूर्ण रूप से विणित
हैं), रिजस्ट्रांकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गृड़गांव में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 प्रधौंन दिनांक 9-7-85
को प्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृझ्ये यह विश्वास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्दर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत: विस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 17—36GI/86

- (1) श्री भनभेर मिंह पुत्र द्विगे० राम सिंह निावासी 96 सैनो फार्म, खानपुर, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्रो द्रुपद जे ठाकुर पुत्र स्व श्री जनक सिह् (2) श्रीमती कोकिल-डी-ठाकुर पत्नी श्री द्रुपद-जे-ठाकुर निवासा-बी एस० दत्ता गुरु सोसाइटी, तेहकाम फेक्ट्री, देबनार-बाम्बे के पास ।

(भ्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-जित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 2 जो ग्राम-चकरपुर तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका श्रधिक विश्वरण रजिस्ट्रीगर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1973 दिनांक 9--7--85 पर दि। है।

> दरित एल० ख्वो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंग, रोहतक

तारीख 17--2-1985 मोहर प्रकमः बार्डः टी. १५. एकः -----

গাৰকাত লখিনিবন, 1961 (1961 আ 43) জী ধারা 269-খ (1) ফু নখীন কুখনা

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर बाजुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 फरवरी 1986

निर्वेश सं० प्रार्ष्ट० ए० सं०/एक्यू० गुड़गांच/54/85--85---अत मुझी, बं१० एक० खती,

बायकर मिथिनियम, 196, '1931 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम कहा गया हैं), जो बाज 269-च के अधीन नक्षम प्राणिकारी की, वह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार सुन्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं 48 की तल भूमि, प्राप्त फरुब नगर तहर गुड़गांव में स्थित हैं (और इसरे उपाबद ध्रनुभूषी में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रिजर्द्र कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय कार्यकर क्षियनथम 1061 के अधीन दिनांक 5-7-85

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्य के क्यायान शिकत के लिए बंतरित की नई है और मृत्रों यह विश्वास करने हक्षों का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित वाचार बृष्य, उसके क्यायान प्रतिकत से, एसे व्ययमान प्रतिकत का पंद्र प्रतिकत से विभिन्न हैं और बंतरिक (वंतरिकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा नया शितक स, विम्निवित्त उद्देश्य से उच्त बन्तरण विभिन्न से वास्तिक रूप से कारित नहीं किया पथा है :---

- (क) मन्तरण संहूर किसी बाब की बाबत उक्त बिक-निवस से बचीन कर दोन के बन्तरक के दायित्व में कभी करन या उन्नसे बच्चे में सुविधा के सिए कीर/सा
- (ण) एंची किसी बाब वा किसी धन या बन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय काय-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा जो किए?

- (1) श्री अर्जन राम पुत्र श्री मधा राम म० नं० 396, श्रजन नगर, फक्ख नगर ह० गुड़गांच ! (अन्तरक)
- (2) श्रंत खुर्गा राम पुत्र श्री तोता राम पुत्र श्री हरि राम िवासी नत्थूपुर, ह ह० गुड़गांव (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्च बन्दरित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी जातीर :---

- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाश्य की सारीन सं 45 दिन की जनभि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की तामीन से 30 दिन की अन्यि, जो भी अधिन नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तिकर्षी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिव को औतर उक्तः स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी कथा व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताकारी के गाम जिल्लित में किए जा नकोंगे।

प्रवाहीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त -वीधीनवम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहरें सर्थ होंगा. जो उन अध्याय में दिया। स्था है।

#### **ध**नुसूची

सम्पत्ति कैताल 48 भूमि जो फमल तगर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण एजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांच में रिजिस्ट्री संख्या 1913 कितात 5.7--35 पर दिया है।

> र्वी० एल० खर्ता मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (जिल्लाण) प्रजीत रेंज, जोहतक

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिस्ति व्यक्तियों, अधीत :---

तारोख 17--2--1986 मोहर प्रथम मार्च .टी .एम .एस . -----

# बायकर मीधीनसम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन ध्वना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्वेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/53/85--86---"श्रत: मुझे, वं० एक० खर्जा,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें श्रेक पश्चात् 'उक्त सीधीनयम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षण प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

अंति जिसकी संव 38 कैनाल, 2 मारला भूमि, ग्राम फरुख नगर, तहव गुड़गाव में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का से वणित है), रिजस्ट्रीगर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय श्रायकार प्रधिनियम 1961 के प्रधीन दिनाक 5-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्परित का उनित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का क्यूह प्रतिक्षत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्द-रिती (बन्दरितियों) के बीच एते बन्दरक के सिए तम पाया पना प्रतिकल निम्निविक उद्देश्य से उन्द अन्दरक जिन्दिए में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है 2—

- (क) मन्त्रह्म वे हुई किसी बाव की बावत उपत बहुँबहुँबक के बचीन क्यू बोने के अन्तर्क के बाहित्य में क्यी करने वा उससे बचने के हुईबक के हैंकर, कोंद्र/का
- (च) ऐसी किसी जान या भन वा अन्य जास्तियों का. जिन्हों भारतीय जान-कर जीभीनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, वा भन-कर ब्रीचिन्यस, वा भन-कर ब्रीचिन्यस, १९57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया थाना चाहिए था. कियाने में श्रीचिका की किया;

कतः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की वर्षतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिथिक व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री श्राणा राम पुत्र टिंकू राम िवासी: 393, फरुख नगर, तह० गुड़गांव।
  - (श्रन्तरक)
- (2) श्री खुशी राम पुत्र तीता राम निवासी नत्यूपुर तह० गुड़गांथ।

(श्रन्तरिती)

का बहु सूचना चारी कारके पृक्षों क्य सम्परित के वर्णन को सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उन्ह कम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपु:--

- (क) इस सुचर 3 राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की च्विश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, शो भी अविश बाद में स्वाप्त होती हो, के जीतर पृत्रों कर स्वतियों में श्री किसी स्वतिय दुवाशाह
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 वित्र में बीतर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हित्सवृथ फिसी सन्य स्थानित व्वास भवाहत्ताक्षरी के वाद रैनियत में किए वा सकोंचे।

स्थकाक्षिरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्योक्षा, जो सक्क वित्तियम क अध्याय 20-क में परिभाविक्ष हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा मबाही।

#### **बन्स्ची**

सम्पत्ति 38 कैनाल 2 मरला भूमि, जो फरुख नगर तह० गुड़गांव में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1917 दिनांक 5-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, रोहसक

तारीख: 14--2--1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू० हांसीं/9/85-86---श्रतः मुझे, बो० एल० खत्री,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 95 कैनाल, 12 मारला भूमि, हांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 1-7-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार क्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्व से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से इन्द्रं किसी आव की वायत उपक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उस्से बचने में स्पृतिभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भाररतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्

बत्तः वय उक्त नियमितन की थाडा 269-व की संबुधरण भा, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) के बधीन, नियमितियर व्यक्तियों क्ष्मित् क्रमां

- (1) श्री गज्जू सिंह् पुत्रश्री श्रीचन्द, निषासी-हासी और मुखतियारे आम मिनजामिन काश प्रचन्द पुत्र श्री चन्द के मुख्तियार-श्राम मिन जमीन (2) श्रीमती रामा देवी उर्फ वर्षा मोहन विध्वा श्री कर्म सिंह (3) श्री राजिन्दर कुमार मोहन उर्फ श्रजून वास पुत्र श्री श्रीचन्द, निषासी हासी
  - (अन्तरक) जन्म नंग सन्द्रां पन और अनुसार काम पन
- (2) श्री हर बंस लाल पुत्र श्री भगवान दास पुत्र श्रो ठाकुर दास, निघासी हांसा

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पर्तित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्स में हित्तबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास के तिस्ति में किए जा सकाँगें।

स्वष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का जो उप्कत अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति 95 कैनाल 12 मारला भूमि जो हांसी में स्थित है जिसका श्रिधक विदरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हांसी में रजिस्ट्री संख्या 987 दिनांक 1-7-85 पर दिया है।

> बी० एस० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-2-1986

प्रकार बाह्य हो एस एस .---

बावकर बर्डिशनियस, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अभीत सूचना

#### भारत चरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बाब्क्स (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 मार्च, 1986 निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य हांसी/10/85-86--

अत: मुझें, बी० एल० खाली,

जाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मरित, जिसका उजित आजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी मं० भूमि माप 55 कैनाल 14 मण्ले जो हांसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसुधी में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीण्ती अधिकारों के कार्यालय, हांसी में भारतीय आयण्य अधिनाम 1961 के अधीन दिनांक 16-7-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने बहु विक्वास कर वे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृक्य बसके द्रायमान प्रतिफाल से, एमे द्रायमान प्रतिफाल का पण्डह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरका) और अन्तरित अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के दिए; करि/मा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

बतः वद, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वन्धरण में, मैं, उक्त बीधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, क्याँत् ड्र— (1) श्री सम्पूर्ण िह पुत्र श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह नि०-हांसी

(अन्तरक)

(2) श्री नीरण लूना पुत्र श्री सूरिन्दर लूमा पुत्र श्री चमन लाल लूना श्री सूरिन्दर लूमा पुत्र श्री चमन लाल लूम, श्रीमती सुनीता लूना पत्नी सुरिन्दर लूना, श्री प्रीतम सिंह पुत्र लखा सिंह पुत्र अर्जन सिंह, श्री राम निवास पुत्र श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र श्री इन्दरजीत सिंह नि०-हांसी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितन्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस सिचित में किए जा सकर्गे।

स्पर्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षज्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा है ■

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि माप 55 कैनाल 14 मरले जो हांसी में स्थित हैं (जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हांसी में रजिस्ट्री संख्या 1162 विनांक 16/7/85 पर दिया है।

बी० एल० खन्नी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; रोहतक

ता**रीख:** 4-3-1986

# प्रकथ बाइ".टी.एच.एस. ------------बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सर्द्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्सण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 फरवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/36/85--86--अत: मुझे, बी० एक० खन्नी.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सूस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

स्रीप जिन्नकी सं० 80 कैनाल भूमि, स्राम-धैबीपुर तह० हिनार में रिथा है (श्रीप इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रीप पूर्ण रूप में बिणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिनार में भारतीय आयहर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 3-7-85

का पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिश्यक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथा पूर्विति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से पंग्रह पतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) जौर जंतरिती (अतिरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में अस्तियक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (ह) जन्दरण मं हुई किसी आय की बावत, उक्त आंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व मा कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; अदि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भण या जन्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे लिए:

अक्षः अवः, उन्तरं वीभीनयमं की भारा 269-गं के जनुसरण् मं, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) कं वभीन, निस्निन्धित व्यक्तियों अभीतः --- (1) श्रीमती परनेश्वरी बाई (2) विशान देवी (3) श्रीमती शकुल्वता देवी (4) मखान बाई पुत्रीगण श्री विलोक चन्द मार्फत श्री धरमपाल लम्बरदार ग्राम तथा डाकखाना-अखाला

(अन्तरक)

(2) श्री धिव दयाल पुत्र श्री कृपा राम निर्वासी मेला रोड़, टिव्बा दाना शेर, हिसार

(अन्तरिती)

(3) श्री दासे राम पुत्र श्री मंगत राम, निवासी बदानी खेंदा, तह० भिवानी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं

क्ष्यं यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्षन के विध् कार्यवाहियों करता हूं।

# सक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासके र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविभ या तत्संबंधी स्मिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच यें -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास्क्री जिल्ला में किए का सकेंगे।

स्पन्धिकरणः---इसमें प्रमुक्त सन्धी और पर्वो का, को अवस अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में विया गया है।

#### सरा सामि

सम्पत्ति 80 कैनाल भूमि जो ग्राम घैबीपुर तह० हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिनार में रिजस्ट्रो संख्या 2100 दिनांक 3-7-85 पर दिया है।

बी० एल० **खर्ती** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

भारीख: 19-2-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/40/85-86--अत: मुझे, बी० एल'० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षर पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 15 कैनाल, 19 मरणा भूमि, हिसार में स्थित हैं (श्रौर इसमें उताबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय आयहर अधिवियम 1961 के अधीन दिनांक 11-7-85

को पूर्वीकत संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते गह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उधित बाजार कृष्य. उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धिक है बीर जन्तरका (बन्तरका) श्रीप अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय का गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण कैस्थित में वास्तरिक रूप में किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- को पिनह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

- (1) श्री शामधन्द पुत्र श्री बेगा पुत्र श्री माना, तिवासी डी० सी० कालानी, म० नं० 22, हिसार (अन्तरक)
- (2) दी विशान आध्यात्मिक संघ की-ाएए० युप हाउसिंग सोसायटी लि०, हिंसार

(अन्तिभिनी)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हरेग जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

# अनुसूची

सम्पत्ति 15 कैनान, 19 संश्ला भूमि, हिगार में स्थित है जिनका अधिक विधरण रिजस्ट्रींक्ती के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्री संख्या 2231 दिगांक 11-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती रक्षम प्राधितारी सहायक आयंकर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

जत: अथ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा '1) क वरील जिल्लामित लाकिनयों, अर्थात् क

तारीख: 24-2-1986

मोर

# प्ररूप बाह् ुटी ् एन ु एस ू------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहत्क

रोहतक, दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश स्० आई० ए० सी०/एक्यू० टोह्नाना/13/85— 86—अन: मुझे, बी० एल० खत्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांग जिसकी सं मकान एवं वुकान टोहाना में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाबद्ध अनुभुषी में ग्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टोहाना में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 17-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिफल से एसे धरमान प्रतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया जितफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री बक्शी राम गुष्ता, निवासी टोहाना, जिला हिसार।

(अन्तरकः)

- (2) श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी श्री नोहर चन्द (2) श्रीमती लक्ष राणा पत्नी श्री मदन गोपाल,
  - (3) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री नोहर चन्द, निवासी टोहाना जिला हिमार।

(अन्तरिती)

कोः यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सुंक् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रय्वस घव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

सम्पत्ति मकान एवं दुकान जो टोहाना में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, टोहाना में रिजस्ट्री संख्या 1552 दिनांक 17-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खुद्धी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 19-2-1986

प्रस्थ बाइ". टी. एव. एव. -----

# माधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) वं ग्रेपीन स्पना

#### भारत करकार

# भागांजर, यहायक वायकर बाव्यत (पिर्वाजय)

अर्जभ रेंज, रोहतक

रोड़क्षण, दिलांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/32/85— 86---अत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इचके परभात् 'तक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क. से अधिक है

भौर जिसकी मं० म ाप नं० 117 जो आठ मरला सोनीपक में स्थित हैं (श्रीर इसि उपायद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रिजिस्ट्री जिता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन दिशांक 5-7-85

को पूर्विभक्त सम्पन्ति के उचित वाचार मून्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई हैं और मूम्के यह विश्वास अदमें का कारण हैं कि यथाए वेंक्स सम्बन्धि के उचित बाजार मूस्या, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें ग्रम सन प्रतिफल का बन्छड़ प्रतिकात से अधिक हैं भीर अंतर ह (अं रक्ती) बीर अंतरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पत्था ज्ञा स्वा प्रतिफल निम्निनिवित स्व्यंच्य से उचित अंतरण विविद्य से सम्बन्धिक स्वयं से अधिक कर्षों किया ग्रम हैं अन्तरण विविद्य से सम्बन्धिक स्वयं से अधिक कर्षों किया ग्रम है अन्तरण विविद्य से सम्बन्धिक स्वयं से अधिक कर्षों क्या ग्रम हैं अन्तरण सिवास से सम्बन्धिक स्वयं से अधिक कर्षों क्या ग्रम हैं अन्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वासित्य में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
18—36 GI/86

(1) श्री पूरत चन्द पुत्र श्री बेरी लाल पुत्र श्री खान चन्द नि० म० नं० 117, आठ मरला सोनीपत

(अन्तरक)

(2) श्री तेज भान पुत्र श्री टोपन दास पुत्र श्री निहाल चन्द नि०-117, राम नगर, आठ मरला सोनीपत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यपाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्रेप-

- (क) इत स्वना के रावपव में प्रकासन की तारीच धे 45 दिन की प्रविच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तार्धीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पक्किरण :---इसमें प्रयुक्त सक्यों और क्यों का, 'को अक्त अभिनियम के हैं ब्राय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष ह ना जो उस कथाय में दिवा नया है।

#### दग्त्रची

ď

सम्पत्ति मण्डमा नं० 117 जो आठ मरला सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्याजय सोनीपत में रिजस्ट्री संख्या 1782 दिशांक 5-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० ख**ती** सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, से**ह**तक

तारीखा: 5-3-1986

Carriers, et mr. Bu. --

भारत १८०१ मा १९६१ (1961 का 43) की भारा १८९१ मा (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाह

# कार्याजय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनां 5 फरवरी 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० सोनीका/35/85—86—अत: सुझे, बी० एल० खद्री,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका उष्टित शखार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 12 बीघा, 5 बिस्वा भूमि मुसलमानान, सोनीपत में स्थिन हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्री र्जा अधि जरी के कार्यालय सोनीपन में भारतीय असारी अधिज्ञिस 1961 के अधीन विनांक 9-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम को रहयमान प्रतिष्ठम को तिए अम्हरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार बुग्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठश से, एसे दश्यमान प्रतिष्ठस के रुख्य प्रतिद्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रति-क्ष्म निम्नसिचित उद्योग्य में उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक क च से कीयत नहीं किया नया है :-

- (क) जैतरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिसियम के अधीन कर की के अन्तरक के दावित्य में अभी कारने दा ब्रथकों बकतों में सुविध्य के लिए; अधि/वा
- (च). ए ची फिनी जान पा किसी धन वा बन्न बास्तिवीं की जिन्हों भाशतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस विधिनियम, या धन-कार व्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजभार्थ अस्तिरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा किया काना चाहिए वा, कियाने में बृधिधा वी खिए;

ब्तः जुब, उक्त विधीनयम की धारा 269-ग के वन्सरण वी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिविसित स्पिक्तियों, अधीत (1) श्री विरंत्दर कुमार (2) श्रीमती ऊपा रानी (3) श्रीमती सुशीला (4) श्रीमती लिता पुत्रीगण चूडामणी पुत्र श्री खुश हाल चन्द निवासी 156 मोहल्ला जमालपुरा, मोनीपत; ऊषा रानी पत्नी श्री मोहिन्दर कुमार मल्होज्ञा, जियासी लुधियाला, भूशीला पत्नी श्री लक्ष्मी नारायण निवासी दिल्ली श्रीमती लिता पत्नी श्री प्रेम कुमार अहमदाबाद

(अन्तर ह )

(2) श्री कृष्ण लाल (2) श्री हंस राज पुत्रगण श्री मल्हापराम पुत्र श्री हीरा नन्द निवासी म० नं० 19, हाउलिंग कालोनी, सोनीपत्

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्चित्त के वर्षन के जिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र--

- (क) इस सूचना को रावपत्र में प्रकाशन की तारीख कें
  45 दिन की अविधि या उत्संबंधी अविकास पर
  सूचना की सामील को 30 दिन की वचीच, को भी
  अविध बाद मा समाप्त होती हो, से भीतर प्रविका व्यक्तिमों में के किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ब) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-क्रिती अभा स्थावित इवारा जथोहरताकरी के बाध सिचित में क्रिए था सर्वोगे।

स्वच्छीकरणः—-इतजे प्रभुक्त बज्यों जीर पर्यों का, वो उपर वर्षिनियमं, के ब्रुध्याय 20-क में परिभाषित है वही धर्य होगा नो उस सक्ष्याय में दिया गया है ।

#### वन्त्या

सम्पत्ति 12 बीघा, 5 बिस्वा भूमि जो पट्टी मुसलमानान सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपन में रिजस्ट्री संख्या 1823 दिनांक 9--7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंन, रोहतक

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आहर्य. टी. एन. एस.-----

याथकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के बभीन सूचवा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/36/85; 86—-अत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

कायकर निविधियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वी देखने द्वाक प्रस्थात् 'उक्त निविधियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के नवीन स्वाम देनिकारी को यह निव्वास करने का करण हैं। कि स्थावर सम्बद्धित, चिसका उचित्त वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्राँर जिसकी सं० 4 बीघा 5 बिस्वा भूमि, पट्टी मुसलमानात सोनीपत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुंची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री इत्ती अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय आयहर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 9-7-85

भी वृष्णित संस्थित के जियत नाजार सूत्य है कर के स्वयमान हित्यक के निष्ट अन्तरित की गई है और वह विवतास करने का कारण है कि स्थाप्यों क्या सम्पत्ति का जियत वाजार पृत्य, अध्यक करमान प्रतिफल का एसे व्ययमान प्रतिफल का अध्यक प्रतिफल का अध्यक प्रतिफल का अध्यक प्रतिफल का अध्यक प्रतिफल के अध्यक प्रतिफल के अध्यक्ति के वीच एसे अन्तरण के निष्ट तम वाजा भया इतिफल, विकास के स्थाप एसे अन्तरण के निष्ट तम वाजा भया इतिफल, विकास के सामित्र के सा

- (का) करतालुक से हुई किसी बाव की बावक स्थाप करिक विकास की अभीत कर दोने के बातरक को दायित्व को कबी करने या उत्तर अवने में सुविधा की विद्युप्त शेर/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1422 का 11) या अथर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाधनार्थ अन्तरिती ब्चारा प्रकट नहीं किया नमा या वा किया थाया वाक्रिय था, कियाने में सिवध के धिए:

काः क्य, स्वतं कथिनियमं कौ धारा 269-यं कै क्यूमध्य में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उन्हें राज्य (ं) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. स्थात् क्र (1) श्रीमती नन्दाश्रती (2) ईग कुमारी (3) राज कुमारी (4) प्रेम कुमारी (5) चंचल कुमारी पुत्रीगण श्रीमती चन्दर कला पत्नी श्री गिरधारी लाल निवासी म० नं० 156, मोहल्ला जमालपुरा, सोनीपन चन्दरवती विश्ववा श्री धरमचन्द, आर० के० पुरम दिल्ली, ईण कुमार पत्नी श्री मुरली धर, निवासी पहाड़ गंज, दिल्ली, राज कुमारी पत्नी गंगाधर निवासी आगरा प्रेम कुमारी पत्नी श्री धनपत राथ खन्ना, चंचल कुमारी पत्नी श्री प्रेम कुमार, निवासी दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल (2) हंस राज पुत्रगण श्री मल्हाराम निवासी 19, हाउसिंग कालोनी सोनीपत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए स्मयकां करता हुं।

जनत सन्पत्ति के नर्जन के सन्धन्य में बोर्स्ड श्री माधार ॥---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में त्रकाचन की तारीख से 45 दिन की जनति या तत्त्रेंचंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की सनिष, को भी अवधि नाद में सन्दर्भत होती हो, के शीतर पृज्ञीनक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराष्ट्र
- (ज) इस सूचना जो राजपन में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में दिस्त-क्लूच कि.सी मन्य अवित्य द्वारा जभोड्स्ताकारी के पास सिरियत में किए या स्कार्च।

ज्ञानिक रचार प्रस्ते प्रमुक्त स्वयां बीर वर्ष का, को स्वयां अभिविधन, के अध्याव 20-क वें वरिशाधित ही, वहीं वर्ष होता, जो उस अध्याय में विदा क्या ही।

#### मन्स्ची

समाति 4 बीघा 5 विस्या भूमि जो पट्टी मुमलमानाम सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्री संख्या 1824 दिनांक 9-7-85 पर दिया है।

> (बी० एस० खती) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रें, रोड्स ह

तारी**ख:** 5-2-1986

अचन बार्च , बी. एन. एठ.------

हाबकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत स्वता

#### मारत सहस्रार

# कार्यातम , सहायक भायकर भागुरक (निरीक्स)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोह्तक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सर्व आई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/37/85-86-अतः मुझे, बी० एल० खद्री,

नावकर जिभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार (उक्त अभिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-इ से अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं 111 कैंसल 15 मारला भूमि, ग्राम सून्तानपुर तह सोनीयत में स्थि। है (भ्रार इसने उपाबद अनुसुचीर में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरेट्री ति अधिकारी के कार्यालय, सोनी ते में भारतीय आयज्य अधिनियम 1961 के अधीम तारीख 13-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्रयमान प्रक्रिक्त के लिए अस्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कररें का कारक हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार पूज्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का गन्मह प्रतिक्रक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्नतिक्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह

- (क) बन्धरण से इन्द्री किसी बाय की बावसक, बन्धर विधितियम के बंधीन कह दोने के स्नाहरक के दाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड्/या
- (थ). बैसी किसी भाग या किसी धन या बन्य आस्तियों कों, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनिवस, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती धुनारा प्रकट नहीं किया भवाः था या किया जाना जाहिए था, कियाने में शुनिधा के सिए,

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, संश्व अधिनियम की धारा 269-म की प्रभारा (1). के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ः—

(1) सर्वश्री धनराजं (2) श्री गजराज पुत्रगण श्री सीररीपान पुत्र श्री पारस दास जैन निवासी सोनीपत, अब म० नं० 1, कोर्ट रोड, सिविल लाईन, विरुली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोती लाल (2) श्री कृष्ण लाल पुत्रगण श्री थार राम पुत्र श्री हिमत निवासी म० नं० 283, मोहल्ला मंगद, सोनीपत ।

(अन्तरिती )

की बहु वृष्यना घररी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता

जनत सन्तरित के वर्णन के संबंध में काई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तररीत में 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में दमाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतार उनत स्थावर सम्मक्ति में हित- वहुभ किसी जन्म न्यन्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में क्षिए का क्योंने।

स्वयान्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदनें का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में दिवा कवा है।

#### **प्रनुस्**ची

सम्पत्ति 111 कैनाल 15 मारला भूमि, जो सूल्वानपुर तह० सोनीपत में स्थित है जित्रका अधिकविवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 1897 दिनांक 13-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी जक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप आहे. सी. एन . एस . अध्ययन्य

भगमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतन, दिनाँक 14 फरधरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० / एवयू० सोनीपता 38/85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमी स्थान विकास अधिनियम कहा गया ही), की धारा 269-ख के संधीन सकार प्राध्यकारों का यह जिस्सास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रा. से आधिक हैं।

श्रौर जिनकी सं ० 14 कनाल, 12 मारला भूमि सुलतानपुर में स्थित है (श्रौर इत्तसे उपाबद्ध श्रनुष्ची में श्रॉप पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीयत भारतीय श्रायकर श्रिधिनथम 1961 के श्रधीन दिनाँक 13-7-1985

को पूर्विक्स सम्पोत के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का ग्रेष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के सभीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ भन्निरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें. कें. डश्त अधिनियक की भारा 269-व की उपधारा (1) कें नधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रोपाल पुल श्री पार दार, श्री बैजनाथ जैन, निवासी होनीपन, अब मठ नंठ 1, कोई रोड, निविल लाइन, दिल्लों का गोद लिया हुन्ना पुल) (अन्तरक)
- (2) श्रो मोता लाल 2, श्री कृष्ण बाल पृष्ठगण श्री थार राम पुत्र श्री हिम्मत राम निवासी मं० नं० 283, मोहफला मणद, सोनीपत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

बक्क अंगील को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिसिल में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया ही।

#### अन<u>ृ</u>स्पी

सम्पत्ति 14 कनाल 12 मारला भूमि जो ग्राम मुख्तानपुर तह० सोनीतत्त में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकसी के कार्यालय, सोनीपत रिजस्ट्री संख्या 1898 दिनौंक 13-2-85 पर दिया है।

> बी० एल**० खन्नी** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायु<del>क्</del>त (निरीक्षड) फ्रर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक: 14-2-1986

प्रकल् जाइरें. टी. एन. एस

नायकर श्राधिनियस, 1961 (1961 का 43) की 260 व (1) के श्रधीन स्माता

भारत सरकरा

# भाषांसय, तहायक बायकर बाव्क्त (निर्दाक्किक्)

ग्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनाँक 21 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ख्यू० सोनीपत् 45/85-86 श्रतः मुझे, बी० एल० खबी,

शायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सञ्जम प्राधिकारी जो , यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायद सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृन्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 27 कैनाल, 8 मारला भूमि, मुर्थल में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकत्तदे ग्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रेधीन दिनाँक 25-7-1986

को पूर्वोधित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के हश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संस्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिकित के बास्तिक रूप से कम्बरण से किवित के बास्तिक रूप से कम्बरण से किवित के बास्तिक रूप से कम्बरण से किवित

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अकाने के सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी आय मा जिल्ही जन या जन्य जास्तियों कर, रिलस्ट अस्पर्तात लाय-कर लोधीनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्हीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तियों ब्हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया जाहिए था, छिपाने ही क्रिया में सिक्स

श्रहः प्रथा, उन्तर शाँभीनियम की भारा 269-ग को जनुसरण थी, भी, उन्तर अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नक्षितिका स्थानिकार्यों, अविति ह—

- (1) सर्व श्रो राम क्षिन, महिन्दर सिंह पुलगण श्री रूपचन्द पुत्र श्री कुन्दन निवासी मुर्थल, तह० सोनीपत (ग्रन्तरक)
- (2) श्री द्वीय भारत को० श्राप० हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० जी० डी० रोड, मुर्थल, तह० सोनीपत। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धी 45 विन की जनभि या तत्संबंधी स्थितियों पर स्वान की तामील से 30 विन की संबंधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक, स्थितियों में से लिसी करिकत प्राया.
- (क) इस स्वना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्ट्य किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, जभाहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकेंगे।

लब्बीकरण: --इसमें प्रधूवत संस्टों बौर पदों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विशा भंगा है।

#### नगृत्यी

सम्पति 27 कनाल, 8 मरला भूमि जो मुर्थल में स्थित है जिमका श्राधिक विवरण रिजस्ट्रीकत्ती के कार्यीलय, सोनीवत में रिजस्ट्री संख्या 2070 दिनाँक 25-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-रोहत

दिनांक: 21-2-85

ध्रुक्ष्यु आह् .टी .एत .**एत् .----**--

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ब्रभीन सुप्रका

#### भाषत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनाँक 5 मार्च 1986

निर्देण मं० म्राई० ए० मान्य फरीदाबाद, 41-45 85--86---म्रतः मुझे बो० एल० अर्जा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धक्तके पश्चात् 'उक्त अधितियम' ऋषा गवा हैं), सौं धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्रधिकारी को, यह विश्वास करने 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ठ टाउन नं 40(5 बी०) 40 एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन दिनाँक 23-7-85 और 26-7-85 का प्रविक्त सम्पत्ति के प्रिक्त के प्रविक्त सम्पत्ति के प्रविक्त वाषार मृत्य से कम के दक्यमान प्रतिक्त के निष् बन्दरित की गई

हैं और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा-प्रवेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रति-कल सं, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित व्यवस्थ से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिषक रूप से क्षिश्व कहीं किया ववा है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दं विक्रिती आय की बावल, उफ्त जीभनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा अ जिला; और/व
- (व) होती किसी काम का किसी वात था अन्य आस्तिसी की विन्द्वे शारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर सीमीनयम, 1922 को 11) या उन्तर सीमीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रकोषनाम अन्तरिती इंशाय ग्रेक्ट गई। किया वर्ष की किया गाना चाहिए था, कियान में मुर्तियान की विद्या

बतः वच, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुभारण वो, मी, उक्त कथिकियन की धारा 269-ए की उपधारा (1) हे अधीन, निम्तिविक्त व्यक्तिकों, वर्णात् १००० (1) श्री सरदार विह पुत श्री मोहर मिह नि० 5बी०/ 40 एन० श्राई० टो० फरीदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोर्वधन सेन 2 श्री चिमन लाल (3) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्रान श्री दीनानाथ पुत्र श्री किशन चन्द नि० 5 सी० | 85 एन० श्राई० टी० फरीदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को महस्यमा जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थय के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उचत सम्पत्ति क अर्जन क मध्याक में महि भी सामीय :---

- (क) इस स्थान को राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की शवधि मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चका की ताबील से 30 दिन की शवधि, को भी सबिध साथ में समाचा होती हों, के भीतर पूर्वोक्त त्यन्तियों में किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (या) इस तूचना के राजधन भी प्रकाशन की तारीख ने 45 विन को भीतर उक्त क्षावर संपन्ति में क्रिक-बक्त किसी अन्य व्यक्ति स्वाश अभोहस्ताकारी के पास शिक्ति में विश्व का सकीये :

स्वर्धिकाम :--- इसने प्रयुक्त सन्तों और पनों का, को अपन विविद्या के अध्याम 20-क मी पीरभागिका है, बड़ी जर्थ मंगा की अध्याम मी दिया। पना है।

## **प्रनु**सूची

सम्पत्ति हाउस नं० 40 (5 बी०) जो एन० श्राई० नी० फरीदाबाद में स्थि। है जिनका अधिक विवरण रिनस्ट्री न्ती के कार्यालय फरीदाबाद में त्तीच्री संख्या 4160 श्रौर 4298 दिनॉक 23-7-1985 श्रीर 26-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रंज, राहुनक

विनौक: 5-3-1986

प्रस्थ मार्थं, टी. एनं एसं. .....

मायकार अभितियम, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीत तृष्टना

#### भारत सरकार

# सायां सथ, सहायक नायकर नाज्यत (निर्देशका)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सीश्रमक्यू फरीदाबाद/46/85 --86---श्रत: मुझे, बी० एल० खती,

श्रौर जिपकी संब्बी पिव नंव 46 जो भट्टा नीलम रोड, फरीदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय श्राय हर अधिनियम 1961 के अधीन दिशां ह 30-7-1985,

भा प्रवेक्ति सम्पत्ति के अभित बाजार मृष्य से कम बे दश्यमान पानिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रटिफल, निम्निलिखित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर याने के अन्यरक के द्विमाल में कभी करने था उत्तर व्यक्त में सुविधा के लिए; प्राप्त/गर
- (क) एंग्री किसी क्रांस या किसी का या लाग आस्तियों की, निकट भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या गरका किभिनयम, या गरका किभिनयम, (1957 (1957 का 27) के जयां जनार्थ जन्तिरिती क्षारा शकट नहीं जिल्ला भारत आ या किथा कारत चालिए था. स्थितने में अधिकार के लिए;

जकः ब्रह्म जक्त अभिनियम की धारा 269-ग को अगसरण पैं, मैं, ज़क्क अधिनिवम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्निकिया व्यक्तिकों, अधीत :----

- (1) श्री राजीव श्ररीड़ा पुत्र **श्री गो**जिंद राम नि० जे 0 138 साकेत नई दिल्ली (2) हरी श्रोम पुत्री श्री चुन्तीलाल नि० जी-274 साकेत नई दिल्ली (3) श्री मनोहर लाल पुत्र श्री राम दत्तामल नि० जी०-25 साकेत नई दिल्ली श्रीमती सुनीता पत्नी श्री सुखदेष राज० नि० जी०-119 साकेत नई दिल्ली
- (2) श्री मती कुमुद जैन पत्नी श्री विजय कुमार जैन (2) श्राणुमाली जैन पुत्र श्री विजय कुमार जैन नि० 6 सत्यबती नगर श्रिणिक विहर फोन 3 दिल्ली 52 (3) श्रीमती विमल जैन पत्नी श्री मुरक्षण कुमार (4) श्री मर्त कुमुम जैन पत्नी श्री पबन कुमार जैन नि० बी० 38 सत्तवती नगर श्रशोक विहार फेस 3 दिल्ली-52

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाना में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ताः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विरा गया है।

#### अमसर्ची

सम्पत्ति बी० पी० नं० 46 जो भट्टा नीलम रोड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय फरीदाबाद में रजीस्ट्री संख्या 4387 दिनांक 30-7-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

दिनौंक: 4-3-1986

प्ररूप भार्षं.टी.एन. एस.-----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### गारत बरकार

कार्यासम् , सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/ 42/85-86----थस:, मुझे, बी० एल० खती,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 26, ब्लाक-बी-1, है, तथा जो सेक्टर-11, फरीदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के भ्रधीन, तारीख 23 जुलाई, 1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेद्धित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके रूपमान प्रितिफल से, एते रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक लो बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेर्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम: 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम: या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त जिथिनियम की भारा 269-य की उपधार (1) के जभीन जिल्लिसत व्ययिसयों, अर्थास् :---- श्री छोटे राम पुत्र श्री खिल्ला राम श्री नरिन्द्र कुमार पुत्र श्री छोटे राम निवासी—1-डी-60, न्यू टाऊनिशप, फरीवाबाद ।

(ग्रन्सरक)

2 श्री शंकर नन्दी पुत्र स्व० श्री हरि मोहन नन्दी, निवासीं डी-27, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-श्राई, नई दिल्ली-49 (श्रन्सरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संविष्ट में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाफ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उपभा अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## **ग्रनुसूची**

सम्पत्ति प्लाट नं० 26 जो ब्लाक बी-1, सेक्टर 11,फरीटाबाट में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कायीलय, फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 4200 दिनांक 23-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल**० खन्नी** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) **ग्रजैन रेंज, रोहतक**

तारीख: 24-2-1986

मोहर '

इच्य बाई : बी : १५ : १६ : ----

भाषकड़ अभिनियम, 196 े रिकित का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्याजय , सहाक्ष्म वायकर वायुक्त (तुनरावाय)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाव/43/85-86— यतः, मुझे, बी० एल० खती,

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परवात 'उकत गाँधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- स. वे विषक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 455, सेक्टर 15, फरीदाबाद है सथा जो फरीदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 के ग्रीन, तारीख 24 जुलाई, 1985

का प्वांक्त संपत्ति के राष्ट्र वावार वृत्य हे कम वे कामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वजाप्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार नृत्य, सतके दश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितिवाँ) के बीच एके अन्तरण के सिए तथ प्रमा गया प्रतिकत , निश्नितिवित स्व्वंक हे उसत अन्तरण कि किए तथ प्रमा गया प्रतिकत , निश्नितिवित स्व्वंक हे उसत अन्तरण कि किए तथ प्रमा गया प्रतिकत , निश्नितिवित स्ववंक हो उसत अन्तरण कि वित्र में वास्तिविक कम से किथित मुद्दी वि. , ज्या है है—

- (क) नन्तरम से हुई किसी बाद की बादत, अवस जीवन्त्रियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के काविरूव में कनी करने या उससे नचने में सुनिधा से बिद्या बाहर/वा
- हैंडों पंकी किसी नाम वा किसी भन वा अन्य नास्तियों की, किसू भारतीय कावकर विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) का उक्त वीभिन्नियन, का कन-कर वीभिन्नियन, 1957 (1957का 27) की ज्याकनार्थ जन्तरिती क्वास प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के विश्वन

जंबः जब, उचत अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उचत अभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री म्रोम वधवा पुत्र स्व० श्री हर भगवान विधवा निवासी—
   ए-9/15, वसन्स विहार, नई दिल्ली
- (ग्रन्तरक)
  2 श्री कृष्ण लाल धवन पुत्रश्री श्री राम धवन निवासी—
  639, सेक्टर 15, फरीदाबाव (ग्रब मकान नं०
  455 सेक्टर 15, फरीवाबाद)

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चुक करवा हूं।

उक्त राज्यक्ति के वर्षन के राज्यत्य में कीई भी वालोग ह

- (क) इस त्वता के राष्पत्र में प्रकाशन की वार्टीय से 45 दिन की जनीं भं ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिनों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए वा सकति।

स्पक्टीकरण:---इतमें प्रवृक्त कव्यों भीर वर्षों का, जो उचक अधिन्यम के अध्याद 20-का में यथा परिमाणित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही ।

# अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 455 जो सेक्टर 15, फरीवाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 4226 दिनांक 24-7-1985 पर विया है ।

> बी० एल० **खेती** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज—रोह्नक

तारीख · 12-2-1986 मोहर प्रकृष बाहुँ 😅 हो। प्रवाह प्रवाह 🖼 🖼 🖼

हायकार अभिनियम्, 1981 (1981 का 43) की भारत 269-स (1) हो सभीन शुक्रमा

#### RIES SESSE

कार्यां बच्च , ब्रह्माचक नामक द्व नाथुनच (नि<u>र्द्</u>यां कार्यां कार्यां

म्रर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/फरीवाबाद/ 36/85-86— यतः, मृक्ते, बी० एल० खन्नी,

नायकर निधिनयम, 1964 (1961 क्य 43), (जिसे इसमें धुसके वर्षणात् 'उनत निधिनमम' कहा गया हैं), की बाए 269-व के नधीन संसम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावड संस्थित, विश्वका उज्जित वाचाए मृज्य 1,00,000/- कु. से निधक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 1016, सेक्टर 16, फरीदाबाद है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालयं फरीदाबाद में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 2-7-85

को पूर्वोक्त संपरित के उजित नाकार मूक्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गए हैं और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण है कि नभावनीय संपत्ति का जीवत नाकार मून्य, उसके अवनान प्रतिकत्त से ऐसे अवनान प्रतिकत का वन्त्रह् श्रीतचत से विभक्त हैं बीर वह कि वसरक (बंबरका) बीर वंबरिती रिती (अन्तरितिका) के नीज पूर्व नम्बरूष के लिए तन पाना गया प्रतिकत, निक्नित्तिचित उन्हर्षन के जनत अन्तरण निजित में नास्त्रिक कम् से क्रीयक नहीं किया नना है कम्मे

- (क) जनसरक वे हुइ किही जान की वायब<sub>्ध</sub> जनस जिम्मियन के अभीत नद पुने के जनसङ्ख्य के इस्ट्रियन में क्यों कुशने वा उक्का बजने के दुनिया में जिल्हें अकि/क
- (थ) युवी किसी बाब या किसी थन वा अन्य वास्तियाँ का, विन्हें भारतीय वाय-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) वा उपत नौथनियम, या धनकर नौथनियम, या धनकर नौधनियम, या धनकर निर्माणवास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निर्मा वासा वासा का क्या वासा जाडिए था विभान में बन्निया के सिए;

करत लाइ क्रिक्ट स्टीम्ड्रीयमध्य क्रिक्ट १८६९-म में वर्ग्ट्रम में स्टी, उक्क अभिनियम क्री भारा 269-स क्री स्पथादा (1) में अभीन, निस्तिविद्युक व्यक्तिवर्तेंं अभीव क्र⊷ 1 श्री राजिन्त्र कुमार महरौता पुत श्री बी० के० महरोता निवासी—-5-ए/16, श्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई विल्ली।

अन्सरक)

2 श्री मोहिन्द्र सिंह माहुली पुत्र श्री तेजा सिंह मकान नं । 1016, सेक्टर 16, फरीदाबाव ।

(प्रन्तरिती)

को यह कुषना आही कर्ज पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यगाहियां करता हुते ।

उत्तर प्रभारत से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यन :---

- (क) इस स्वया से यथपण में प्रकाशन की बार्यांत हैं
  45 दिन की श्वीध या तत्त्राम्त्रणी स्पृतित्यों पढ़
  सूचन की बामीस से 30 दिन की नवीध, को और
  वर्षध वाद में समान्य होती हो, से शीतर पूर्वोक्स
  स्वित्यों में से स्कृति स्वतित्र पूर्वोक्स
- (क) इव क्ष्मा के क्षम्पन में प्रकारन की उन्होंक के 45 दिन के भीतर उनत स्थानह रूपित में दिवनक्ष किसी गन्म म्यानित द्वारा सभोहस्ताकारी के ताब निवित में किए जा सबौंके ।

स्वक्ष्मीकरण:— इसमें प्रमुक्त शक्यों जीर पर्यों का, को अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशासिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवस नवा हैं।

## नवर्त

सम्पत्ति मकान नं० 1016 जो सेक्टर 16, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 3396 दिनांक 2-7-1985 पर दिया है।

> बी० एत० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—रोहतक

तारीख । 14-2-1986 मोह्र : प्रकप बाह् .टी.एन.एस.-----

मान्धर मिनियम, 1961 (1961 क्या 43) व्ही धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं॰ भ्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/फरीदाबाद/39/85-86—-भतः, मुझे, बी॰ एल॰ खस्नी,

वावकर गिंभनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रीभनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका अवित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० 886 जो सेक्टर-9 में है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध च्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रामीन दिनांक 18 जुलाई, 1985

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितिक्त को सिए जन्तिरत की गई है जीर मुम्हें यह निश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत से क्रिक है बाँड बांतरक (बांतरका) जार भंतरिती (बांतरितिया) को बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकृत, निम्न्जिबित कृत्वस्य से उन्त अन्तरण मिल्बिंह में बास्क्रिक रूप से क्रिकित नहीं किया गया है है—

- (क) नल्लरण वे हुई किसी आग की वायतः, स्वर्क अधिशायन के सभीयः कर दोने के अन्तरक के ब्राधिरण में अभी ज़का या उस्ते वक्तो वें सुविभा के कुष्टुः और/वा
- (क) एसी किसी आम का किसी अनुवा अन्य जास्तियों को, जिन्हीं जास्तीय जाय-कर किस्तियम, हें। (1922 का 11) वा उपत जीभनियम, मा भनकार वाभिनियम, 1957 (1957 की 27) को प्रवासित्य जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा की चिह्न;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वों, मीं, ग्रम्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अचीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थाक् :---- 1 श्री रनबीर सिंह पुत्र श्री करन सिंह निवासी—मकान नं० 886 सेक्टर-9 फरीदाबाद

(भ्रन्तरक)

2 श्री राजिन्दर कुमार गोयल पुत्र श्री एम० पी० गोयल, श्रीमती श्राभा गेयल पत्नी राजिन्दर कुमार गोयल, निवासी—मकान नं० 886, सैक्टर-9 फरीदाबाव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिधु कार्वमाहियां करता हूं।

जकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से सिक्सी क्यक्ति बुधाना;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति न किसी कच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिस्त में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्विकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी जन्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उसंअध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 886 जो सैक्टर-9 फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रिजस्ट्री संख्या 4070 दिनांक 18-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० **खनी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज, रो**हत**क

तारीख : 7-3-1986 ----

प्रकार कर्त्रीत होते. एवं हे एक -----

काथकड किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भीरा 269-म (1) को अधीन सुमना

#### HIST STATE

# कार्यामय, सञ्चयक नावकर नावक्त (विद्वासक)

ग्रर्जन रेंज—रो**हत**क

रोहतक, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/घरौन्डा/25/85-86---यत:, मुझे, बी० एल० खती,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का छात्र हैं कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उज्जित वाचार सून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि 57 कनाल 2 मरला गांव पल्हेड़ी में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुची भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, घरौन्डा में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन, दिनांक 16-7-1985

- (का) बन्तरण के इन्द्र किसी बाग की गायत का समस्त अधिमित्रक के सभीग कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने के सुविभा के किस; आर्ट/वा
- (ख) शंबी किसी बार्य मा किसी भन वा अस्य आस्ति करें को, चिन्हों भारतीय बाद-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ विधिनियम वा भन्कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अन्तरिती वृषाय प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया नाना चाहिए था, कियाने में स्विधा भी किस्

सब्ध वंच, उच्छ विधिनियम की धारा 259-म के वनुवर्ष जो, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तित्वों, अभौत :— 1 श्री नानक चन्द पुत्र श्री राम किशन निवासी—पल्हेड़ी तहसील घरीन्डा

(श्रन्सरक)

- 2 (1) श्री कस्तूरी लाल,
  - (2) सुभाप चन्द्र,
  - (3) राम प्रकाश पुत्रान श्री देश राज, निवासी—माडल टाउन, पानीपत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यमाहियां करता हुई।

उक्त सम्मृति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् :----

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, को मी व्यक्ति वाद में तमान्त होती हो, के भीवर प्रविच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हुवाच;
- (ख) इस सूचमा के रायपन में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पासः सिश्चित में किए वा सकेंगे।

स्वकारण:---इसमें प्रयुक्त कर्मा और पदों का, को उनके जिनियम, को अध्याय 20-का में वीर-भाषित ही, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में विया गया ही।

# श्रन् सूची

सम्पत्ति भूमि 57 कनाल 2 मरला गांव परुहेड़ी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यलय, घरौन्डा में रजिस्ट्री संख्या 667 विनाक 16-7-85 पं दिया है।

> बी० एल० खनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—रोहसक

सारीख : 3-3-1986

प्ररूप आर्द्द.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याचय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/घरौन्डा/26/85-86—-श्रतः मुझे, बी० एल० खदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि माप 40 कैनाल जो गांव पलहे हीं में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय घरौंड़ा में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 16-7-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसितिक व्यक्तिसीं, अर्थात्:— (1) श्री भ्रर्जनदास पुत्र श्री राम किशन पुत्र श्री बख्शी राम नि० गांव पलहेडी तह० घरौँड़ा । जिला करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री कस्तूरीलाल, सुभाष चन्द्र, राम प्रकाश पुत्र श्री देशराज पुत्र ग्राया राम नि० माडल टाऊन, पानीपत ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 40 कैनाल जो गांव पलहेडी में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय घरौंडा में रजिस्ट्री संख्या 668 दिनांक 16-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः 28-2-1986 मोहरः प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई० ए० सी०/एक्पू० घरौँड़ा/27/85~ 86---श्रत: मुझे, बी० एल० खती,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्थास करने का करने का करने का कारण है कि यथापूर्वे कि सम्मित का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि 13 कैनाल 14 मरला गाँव पत्हेड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकता श्रधिकारी के कार्यालय, धरौन्डा में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनाँक 16-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रीतफल को लिए अंतरित की गई है और मुको यह विक्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिवात से वृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षम निम्निमित्त स्वृद्धिय से उन्तर बंतरण विश्वत में वास्तिनक्ष क्य से किंचित नहीं किया नवा है के---

- (क) जुनसरण में हुए किसी जान की नान्स, उनस् सीधीनयम के नधीन कार दोने के जनस्ट्रक कें दायित्व में करने मा उससे स्थान मी सिविधा के सिए; जॉर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः जव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की बनुसरण कों, मीं, अक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जधीन, त्रिम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात डे— (1) श्री श्रर्जेददास पुत्न श्री राम किशन नि० परुहैड़ो जिला करनाल

(भन्तरक)

(2) श्री कस्तूरी लाल (2) सुभाष चन्द्र (3) श्री राम प्रकाश पुलान श्री देश राज नि० माडल टाउन, करनाल

(भ्रन्तरिती)

कर्र यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के बिहा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारींस है 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी वर्वाध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार ।
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वम्स्ची

सम्पत्ति भूमि 13 कैनाल 14 मरला जो गाँव पल्हेड़ी में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय घरौन्धा में रजिस्ट्री सं० 669 दिनाँक 16-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28-2-1986

प्रकृत् भार्षे, टी. एन . एक . . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 369-म (1) जो अधीन सुम्बा

### माइब चर्चार

# कान्द्रेयम, तहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/57/85-86--श्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी, बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ल्ल्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बाधीन मध्यम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि माप 2 बीघा, 12 बिस्वे जो तरफ इन्सार पानीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब इ ग्रन्मुची हु ग्रीर पूर्ण रूप मे बणित है), रिजस्ट्रीकता ग्राधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय श्रायकर ग्रधि-नियम 1961 के ग्रधीन दर्नांक 9/7/85

अने पर्वोक्त सम्परित से उचित बाधार मुख्य से कम कै दश्यकान असिफल के लिए जन्हीरत की नई है और मुक्ते यह विल्लास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बर्धित का उपित बाकार कृष्य, उसकें क्ष्यमान प्रतिकत ते, एते क्ष्यमान प्रतिकत का क्ष्य प्रतिवत से बाधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और बंतरितीं (अन्तरिविधाँ) के बीच एते अन्तरण के जिए तम पाना पना प्रतिकत, निक्तिविद्या उद्दोश्य से उपत बन्तरण मिसित में बारतिका का से कांगत गाही हैंका पना है अ—

- (क) जन्तरण ने हुई किती जाय की बावत उन्तः विध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्थित में कभी करने या उच्चसे नचने में सुविधा ने सिए करि/वा
- (क) क्षी किसी अाय वा किसी थन या जन्य जास्तिकों क्षीं, किन्तुं भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत जीधीनयम वा धन कर जीधीनयम वा धन कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) ले प्रवोचनार्थ बन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया थया था का किया करवा जाहिए था, किया में बृदिधा से किया

कतः जब, उस्त अधिनियम कर्ते भारा 259-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम कर्ते भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित स्पितनों, अधीन :--- (1) श्री मंगल सिंह पुत्र श्री जावन्द्र सिंह, नि० डाचोर सब-तह० निसंग

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वधावा राम पुत्न श्री भोला राम, श्री घनीराम पुत्न श्री छंगाराम, राजकुमार पुत्न करतार चन्द्र, श्रोम प्रकाश पुत्न श्री करतार चन्द्र नि० धावा राम कालोनी, पानीपत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

## उन्त उन्तरित में वर्षन के तस्वरूप में कोई थीं जाकोष रू-

- (का) इस सुखना को राखपण में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अवधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवता की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाब को सवापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वाता;
- (स) इस स्वमा ले राजधन में प्रकाणन की नारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरी कें पाद सिचित में किए वा सकेंगे।

क्यक्किक्शः — इसमें प्रयुक्त कको और पर्यो का, को अक्क क्रिकियन के कथाय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं कर्य होगा को उस कथाय में दिक्षा क्या हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति भृमि माप 2 बीघा 12 बिस्वे हैं जो तरफ इन्सार पानीपत हू स्थित में जिसका ग्रधिक विवरण राजस्ट्री-कतदे के कार्यालय पानीपत में राजस्ट्री सख्या 2243 दिनांक 9/7/85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहहक

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहनक

ोहतक, दिनौं∜ 3 मार्च 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू० अम्बासा, 83, 85~ 86--श्रत: मझे, बी० एस० खबी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० म० नं० 439 जा श्ररबन ईस्टेट श्रम्बाला शहर में भिगत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीक्सा श्रधिकारी के वार्याक्षय, श्रम्बाना में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1981 के श्रधीन दिनौंक 8-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अतिरित्त की गई है और मूझे यह विश्वास -करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के िलए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चािहए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अक्रा: अध, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अःीत, निस्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— 20—36GI/86 (1) श्रो पाल सिंह पुत्र श्रा नरायन सिंह नि० म० नं० १८१ भैनटर- 2 स्रम्बन ईस्टेट, श्रम्बाला एहर

(ग्रन्तरक)

(२) श्री बाल रिशन खरबना पूच औ इन्द्रजीत लाल खरबन्दा, श्रीमती बिटा सामा गरबन्दा पन्नी बाल विश्वन खरान्दा गिठ १३५, श्ररबन ईस्टेट, सक्टर--2, श्रम्बाल। शहर

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तनरीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 439 जो श्ररबन ईस्टेट श्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकता के कार्यालय श्रम्बाला शहर में रिजिस्ट्री सं० 2671 दिनाँक 8-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, रोहतक

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १८९ ए (1) के मधीन मुक्ता

#### शारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० धाई०ए०सी०/एक्यू०/ग्रम्बाला /86/--85-86-श्रतः मुझे, बी०एल० खन्नी,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क क्षेत्र अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का बारच है कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान नम्बर 67, ए०एम० सी०, 570-बी-VIIहै जो मथुरा नगरी धम्बाला में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ श्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में भारतीय श्रायवार श्रधिनियम 1961 के श्रधीन 15-7-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूस्य से कम के क्रबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थापुर्वोक्तः संपत्ति का उचित साजार भूस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भूकह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- कि निषाद्वन सं इन्हें निष्ठी भाष की बाबत उकत विविद्यां भी वर्षीय खड़ दोने की सन्तरक की करिएल में कमी करने का जुससे बकते हो स्थिता भी निष्दः सीह/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बंक बंब, उक्त विभिन्नमं की धारा 260-व के अनुस्त्य में, में, उक्त विभिन्नमं भी धारा 269-य की जुपराएं (1) के बंधीन, मिस्निसिस्त व्यक्तियों, बंधीत् :----

- (1) श्री चरनजीत सिंह पुत्र श्री दामोदर सिंह, म० नं० 67, मथुरा नगरी, ग्रम्बाला शहर । (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ सतपाल पुत्र श्री मेहर चन्द, म॰नं॰ 58, इन्दर नगर, श्रम्बाला शहर श्रव म॰नं॰ 67, मथुरा नगरी, श्रम्बाला शहर का निवासी। (अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त क्यारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी शाओप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्र**म्स्ची**

सम्पत्ति मु॰नं॰ 67 ए॰ एम॰ सी॰ 570 बी-VII जो मथुरा नगरी अध्वाला शहर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्याजय, अध्वाला में रजिस्ट्री संख्या 2851, दिनांक 15-7-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,रोहतक

तारीख: 5-2-1986

# प्रकल आई.धी.एन.क्स.----- (

# आवक्त मीर्थनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### नारत सरकार

# कार्यासय, सहायक कामकर नायुक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 फरवरी 1986

निर्वेश सं० आई०ए ०सी०/एक्यू०/,श्रम्बाला/87/85-86----ग्रत मुझे, बी० एल० खत्नी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,0∪€/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान नं० 5341, भ्रम्बाला कैंग्ट में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधनारी के कार्यालय, भ्रम्बाला भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम 1961 के भ्रधीन दिनांक 16-7-1985

अ पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिपत्त को गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृवोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिक स्प से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबता, उपक किंचितयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शायरण मां कभी करने मा उससे बचने मां स्विधा भी लए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनाई कन्तांद्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा औं सिए;

सतक वन, उक्त कांभांनयम, की भारा 269-ग के बनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री भान दास पुत्र श्री हरनाम दास पुत्र श्री गोविन्द बक्का, निवासी पंजाबी मोहरूना, मकान नं० 5341, श्रम्बाला कैण्ट।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री खेम सिंह पुत्र श्री साध् सिंह निवासी मकान नं० 4517, पुरानी सन्त्री मण्डी, ग्रम्बाला कैण्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्दों और पर्वो का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वरवर्षी

सम्पत्ति महान नं० 5341 जो पंताबी मोहल्ता, प्रःबाता कैण्ट में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यातय, श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 2896 दिनांक 16-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्तेन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-2-1986

प्रारूप आहर्.टी.एन.एस. .....

नायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्य, सङ्घायक मायकर मामृत्य (निर्मिक्

**ग्रर्जन रेंज रोह**सक

रोहतक, दिनांक 24 फरवरी 1986

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/ग्रस्वाला/88/85-86--ग्रतः मुझे, बी०एल० खत्नी,

जानकर गीपनियम, 1961 (1961 का 43) (विक श्वामी ¢?पक्षे पक्ष्यास् 'उक्त मधिनियम' कहा यथा ह°}. व्य**ी पादा** 🥍 🕽 - 🗷 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह<sup>\*</sup> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बाजार मृल्य** 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 25 कैनाल, 3माला भूमि, ग्राम उगारा मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला भारतीय श्रायकार श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांकः 16-7-1985

को पूर्वेभिश सम्पद्धि के लीचत बाजार मृत्य से कम के कश्यमाण विकास के सिए जैतरित की नहीं है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ट सम्बन्धिका उपित बाधार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का वनक्क प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पारा नवा परिकास, नियमनिविध्य अञ्चलका से अञ्चल भंतरण निविध्य में वाल्द्रीवक क्या से कवित नहीं किया क्या है ह---

- **(क) मुन्तरन सं हुइ किया नाम की बाबत,** निधिनियम के ज्भीन कर दोने के बन्तरफ के वायित्य में करी करने का इससे क्यने में मृथिया के फिए: बोर/रा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों करे, चिन्हें भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलिनियम या धनकर **कथिनिमम, 1957 (19**57 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्दरिती इंदार प्रकट नहीं किया गया था या **किया बाना बाहिए था किया**ने में सुनिकार का लिए।

बत् क्य बच्त विविध्यम की गरा 269-न के अन्तरक कें, मैं उदल मधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) 📭 अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री लक्ष्मी दत्त पुत्र श्रीमती नरंनी पुत्री श्री मंसा, निवासी ग्राम-उगाए, तहसील-ग्रम्बाला (भ्रब पुत्र चमेली, अभ्बाला कैण्ट)।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्री राजेश जैन 2 ग्रजय जैन पुत्रगण श्री अदुष्वर दयाल जैन, निवासी 2728, टिम्बर मार्केट, श्रम्बाला केंग्ट ,श्री लक्ष्मीवत्त । (भन्तरिसी)

कार्र बहु भूष्ता बारी करके प्यांक्त तम्परित के न्वीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्रम्य प्रस्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के शाववत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विव की नवीच या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील है 30 दिन की सर्वाध, का मी क्किप बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्पना के राज्यन में बन्ध्यन की ठारीब 45 बिन को भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिकिट में किए वा सकते।

**स्थळीकरणः—इसमें** प्रमुख्य करूरों और पदों का, जो स्वयु अभिभियम के अध्यार 20-क में परिभाषिक है, बड़ी बर्थ होगा जांजिस अध्याय में विका नवा 🐉 🖰

## अनुसूची

सम्पत्ति 25, कैनाल, 3 माल्टा भूमि, जे ग्राम-उगारा, तहसील ग्रम्बाला, जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, श्रम्बाला रुजिस्ट्री संख्या 2897, दिनांक 16-7-1985 पर दिया है।

> बी० एन० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-2-1986

प्रकष जाहुँ, टी. एन . एस., -------

# नामकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार आयुक्त (निरक्षिक)

ग्रजन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू०/जगाधरी/41/85-86 -श्रत: मुसे, बी. एल०खनी

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की थाय 269-क के लधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उपित बापार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं अभूमि 26 कताल 6 मरला गाँव उदमगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिकुस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कञ्चार्यालय जगाधरी में भारतीय श्रायकर श्रविनियम 1961 के श्रवीन दिनांक 2 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्रम्बः शव, उक्त वीधीनवन की धारा 269-न से अनुसरण वों, में उक्त व्यक्तिसम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निज्ञितिक व्यक्तिकों अर्थक क——  श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री सरदार सिंह नि० उदम-गढ़ तह० जगाधरी।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स कम्पनी प्रकाश पुत्रान (सन्ज) कनकार प्रा० स्नि० छात्ररौली गेट, जगाधरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उनतः संपरित को अर्थन को ग्रंबंध में कोई भी बाध्येषः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शर तिसित में किए दा सकति।

स्पष्टिंगैकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 26 कनाल 6 मरला जो उदमगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 2014 दिनाँक 2-7-1985 पर दिया है।

> बी०एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहलक

विनाँक 3-3-1986 मोहर:

# प्रकार सहित्यो प्राप्त एक ,------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूचना

#### मार्थं बलुकार

# कार्याक्षत्र, सहातक वासकार कामूक्त (निव्हांश्वाम)

श्रर्जन रेंज, <mark>रोहतक</mark> रोहतक, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्वेण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/जनाधरी। 45/85-86-- अतः मुझे, बी० एल० खड़ी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसमें वस्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० ए० एम० सी०-जे०-2-123 जो पंतारी बाजारमें स्थित है (भौर इससे उपावत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनाँक 1 जलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को समित बाबार मूल्य से कम के कामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तम बाया गया प्रतिफल, निम्निजिस्त उद्देश्य से उक्त बंदरण जिल्लित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुए फिली नाम की मानव, सनत सरिप-विश्व में अपीन कर दोने से नंतरण की व्यक्तिय में कभी करने वा क्सचे नमने में सुविका के जिए; वरि/का
- (ख) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य अस्तियों कार पिन्हीं भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ वैद्यारिकी क्ष्माच्य प्रकार वहीं किया नया था या किया कन्ना प्राहिष्य था, कियाने में स्थिभा के किह;

- श्री शान्तो स्वरूप गोयल पुत्र बैनी प्रसाद गोयल नि० —गोयल नांसिंग होम निशन कम्पाउन्ड, सहारन-पुर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती ललडेंश कुमारी पत्नी श्री सुभाष भन्द श्रीमती सुनीता रानी पत्नी श्री स्निल कुमार नि०--बैलगढान, जगाधरी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के बिह् कार्यशाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इत त्वता के राजपण में प्रकाशत की तारीच से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवनवृथ किसी बन्द व्यक्ति द्वारा न्योहस्ताक्षरी के पाड विश्वित में किए या स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पर्यो का, को उथ्छ विष-शियम, के बध्याम 20-क में परिभाषित हैं, ब्रही वर्ष होगा को उस बध्याम में दिवा परा है।

### सरदर्ग

सम्पत्ति बुकान नं० ए० एम० सी० जे०-2-123 जो पंसारी बाजार जगाधरी में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री संख्या 2164 विनाँक 1-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खड़ी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

दिनौंक: 7-3-1986

मोहर:

क्तः क्रव, उक्त विधिनक्य की भारा 269-व के बन्तरक मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— प्रकार नार्षा नुद्रोत एस न एस न ह ह ह

वायकर अभिनियम, 1961 (18 अं का 43) की वाहा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

भार्थांनय, महायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहनक, दिनौंक 24 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० भाई० ए० सीः । एक्यू । जगाधरी | 47 | 85-86 -- श्रतः मझे बी० एस० खत्री

अस्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 169-क के अधीन सक्षम पाभिकारी की यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/-रु. से अधिक है

प्रौर ितम की पंचार म क्या नं । 195-आर है जो, माडल टाउन यमुक्तानगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ श्रन्मुकी में श्रौर श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 22 ज्लाई, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के जिस बाजार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निक्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) लन्तरक से धुर्इ किसी अाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त की, जिन्हें भारतीय र यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उर्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, विकास का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

वतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधोन, जिस्तिविक्त व्यक्तियों, स्थिति क्रिक्त

- अी वीरेन्द्र कुमार मनोचा पुत्र श्री लाल चन्द, म० नं० 195-श्रार माडल टाऊन, यमुनानगर। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री भीम सेन
  - (2) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री भीम सेन।
  - (3) श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री भोम सेन निवासी 195-स्रार० माडल टाऊन, यमुनानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथे कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाहत;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरा के पाछ निवित में किए का सकेंगे।

स्वध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा हो उस अध्याय में विशा

#### अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 195-म्रार० जो माडल टाउन यमुना नगर में स्थित है जित्रका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री मंख्या 2337 दिनाँक 22-7-1985 पर दिया है।

> बी०एल०खनी सक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, रोहतक

विनौक: 24-2-1986

## वक्य वार्डे.टी.एन.एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) की मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकार जायुक्त (पिरीक्षण)

भ्रर्जन रंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्०/करनाल/90/85-86—-म्रतः मुझे बी० एल० खन्नी,

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्साध करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य !,00,000/- रु. से अधिक ह"

स्रौर जिसकी सं ० म० नं ० 2172, सेक्टर-13 शहरी सम्पदा, करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनौंक 1 जुलाई, 1985

का प्वांक्त संस्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भूते यह विक्यात करने का कारण है कि यजाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सक्त में वास्तिक कर से कविक नहीं किया क्या है द—

- (क) अन्तरण वे हुइ किती बाय की बावर, क्यक अभिविधन के अधींच कर दीने के अध्यरण के दावित्य में कनी करने वा ब्यक्त वचने में दृष्टिया के दिसए; और/वा
- (न) एंती किसी भाष वा किसी भन वा सन्ध आस्तिनों को, चिन्हों भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया बाना चाहिए वा, स्थिपने में निवध के किए;

अक्ष: अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उबत अध्यतियम की धारा 269-ण की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत १—

- श्री हजूर लाल पुत्र श्रो गोपाल दास निवासी म० लं० 906, सेक्टरं-13, शहरी सम्पदा, करनाल। (अन्तरिती)
- 2 श्री जगदीश चन्दर नागपाल, श्री श्रोम प्रकाश नाग-पाल पृत्रगण श्री मंगाराम निवासी मे० गं० 247, विपूरी डाऊन, परियाला (पंजाब)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सक्ष्मित के अर्चन के ट्रैसव् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति को जर्बन को संबंध में कोई भी बाखोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच को 45 दिन की अविभि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वन्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिल- वहुभ किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा, मभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्यक्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त वक्टों बीर पर्दों का, वा उक्ट अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस सध्याय पे दिया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 2172 जो सेक्टर-13 शहरी सम्पदा, करनाल में स्थिन है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 1482 विनांक 1-7-1985 पर दिया है।

> बी० एस० खती सक्षम प्राधि जरी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-रोहतक

दिनाँक: 14-2-1986

## प्रस्प बाइ.टी.एन.एस. ------

# मायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 21 फरवरी 1986

निर्देश गं० श्राई० ए० सी०,एक्य०,करनाल/ 9/85-86~-श्रत: मुझे, बी० एन० खटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं 8 बीघा, 13 विस्ता धृमि, अरनाल में स्थित है (ग्रौर इपमे उपायद्ध अनुसुची से ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय प्रायवहर अधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनाँक 1 जलाई, 1985

की प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने की कारण हैं कि संधाप्यों क्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्ममान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्ता प्रतिफल के पन्ता प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (वंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यों से उक्त अन्तरण विश्विक के से कि एसे वन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण विश्वित से वास्त्विक क्या से कि एसे वन्तरण नवा हैं ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की वावत , उचत सिंधिनियस के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी असने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सृविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग कि निम्तिनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21—36 GI/86

- 1. (1) श्री राम दिसंथा पुत्र श्री राम सिंह
  - (2) श्री चेत राम।
  - (3) श्री रजनपुष्पणश्री मंसा राम, निवासी मोहरुला दयालपुर, करनाल।

(श्रन्तरः)

- 2. (1) श्री जीवन दास पुत्र श्री भोहन लाल, निवासी अर्जन गे, करनास।
  - (2) श्री राम दर्णन भाटिया पुत्र श्री राम लाल भाटिया।
  - (3) श्रीमती राज भाटिया पत्नी श्री राम दर्शन भाटिया, निवासी शाहबाद मारकण्डा।
  - (4) श्री रमेश गचदेवापुद श्रीहुसेन लाल।
  - (5) श्रीमती कमलेण राती पत्नी श्री रमेश पवदेवा माफीन न्यू बैंक श्राफ रुण्डिया नरवाना।
  - (6) सुरिन्द्र कुमार पुत दरियाई लाल निवासी माइल टाऊन, करनाल।
  - (7) श्रीह्रेम राजपुत्रश्री खुशहाल चन्द्र, निवासी श्रजन गेट, करनाला

(श्रन्तरक)

## को सह सूचना थारी करके पूर्वोक्तः सम्परिहः के वर्णन के निष् कार्यकाहियां सुरू करता हुं।

<del>उक्ट सम्परित</del> के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सै 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अधि बाद में समाप्त होती हत्रे, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे जा सकने।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **भनुसूची**

सम्पति 8 बीधा 13 विस्वा भूमि, जो करनाल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल है रजिस्टी संख्या 1487 दिनाँक 1-7 85 पर दिया है।

> ्बी०एल० खली सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज रोहतक

दिनौक: 21-2-1986

मोहरः

प्रस्थ बाह्रं, टी. एन. एस. -----

शायकर आधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत गरकार

भौजोलयः सहायक आयकार बाय्कतः (निरक्षिण) ग्रर्जनः रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 17 फरवरी 1986

तिर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवय्०/करनाल/105/85-86--श्रंत: मुझे बी०एल० खनी

बागकर विधानमान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका तिवत बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० म० नं० 1507 सेक्टर 13 शहरी सम्पदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयती ग्रिधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनाँक 11 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुद्दे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिश्रीत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीसिंखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशात नहीं किए। एए।

> (क) अन्यक्त सं शुक्षे निवास नाम को मायस, अक्ट अर्थान्यम के अधीन गाँव दोने के अपन्यक के क्यियस में अधी करने भा अससे समारे में मुविधा

ंशं श्रिमी किसी आग या किसी जन या जला करिनया करें, जिल्हें करिने कर कर करिनेस्तर करिनेस्तर के 1922 की 11) या सकत करिनियम, या भिरान्कर स्थितियम, (१८१८ ११६५) कर (१८) व रिजेस्सर्थ के रिलेस क्या करा साहिए था, जिल्हाने में स्थित कर है किसा करा साहिए था, जिल्हाने में स्थित कर है किसा करा साहिए था, जिल्हाने में स्थित करा है किसा

आत. अस, उत्तव दिशासिका वर्ष पास १६७ का श्राह्म समाप्तक का भी प्रकार विद्यालया की भारत २६३ का सर्व उपधान (1) के स्रोहर की समाप्तिक की नायों प्रकार

1. श्री मिलकयत सिंह पुत श्री चेतन सिंह निवासी 98 सेक्टर 13 शहरी सम्पदा करनाल।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती वीना वता पत्नी श्री मोहिन्दर पाल बता निवासी ज्योति स्टील कारणेरेशन नावल्टी रोड़ वकीलपुरा करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध ये कोई भी जाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की वर्वात्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की वर्वाध, सो ती अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी करिन्त स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहां हैं।

## वम्सभी

सम्पत्ति म० नं० 1507 जो सेवटर 13 शहरी सम्पदा करनाल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिज्स्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिज्स्ट्री संख्या 1613 दिनाँक 11-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी हि।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 17-2-1986

प्रकृत बाह्य : ही , एन . एस . -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा १६७-म (1) की कभीन सच्चा

size stable

कार्यालय, सहायमः शासकर मायुक्त (निरीधन)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/108/85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खती,

बायकर आंभिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित अधित स्थावर मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी संग्मा नंग 2065 सेक्टर 13 शहरी सम्पदा कालोनी, करनाल में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1961 के अधीन दिनौंक 12 ज्लाई 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिफात से अधिक हो आर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एस पाना ब्वा प्रतिक्ष का विक्रमिणिक स्वृत्वेष से स्थल स्थलरण विविष्ठ में वास्त्रिक एक में स्थित नहीं किया यस है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, किया में स्विधा के सिए;

बत जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग औ जनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के कर्णन रिज्यसिवित व्यक्तियों, जर्मांठ क्र-

1 श्री धरम सिंह रोहिला पुत्र श्रो लंगत राम रोहिला निवासी म० नं० 2065, सेक्टर 13, शहरी अम्पदा कालोगी, करनाल।

(श्रन्तरक)

2. श्री निमल कुमार जैन पुत्र श्री सुन्दर लाल जैन, नियासी म० नं० 253, होल्ली मोहल्ला, करनाल। (ग्रन्तरिती)

**कां यह स्थान चारी करके प्रांधित सम्बरित का अर्थन अर्थ कार्यवाहियां करता हो।** 

उक्त सम्बद्धि के कर्जन के सम्बन्ध हा ऋहि मी वाक्षय --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर नक्यांत्व के द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2.3 के विरम्नाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्द्रवी

सम्पत्ति म० नं० 2065 जो सेक्टर 13 शहरी सम्पदा कालोनी, करनाल में स्थिन है जिनका ऋधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ती के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्री संख्या 1629 दिनौंक 12-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंग, रोहतक

दिनाँक: 14-2-1986

मोहरः

## प्रकण वार्षं .टौ. एन .स्सः .------

# क्षायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-म (1) के विभीत स्वता

#### भारत बहुकाह

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निदश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल, 109, 85-86- - श्रतः मझे, बी० एल० खन्नी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म० नं० 504-श्रार०, माञ्चल टाऊन, करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्ती श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनौंक 12 ज्लाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पक्षि के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंकरण के लिए तय पाया गवा प्रति-फल निम्नसिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक क्षम से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क्क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; व्यदिश्या
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहित था, कियाने में कृत्विधा के सिष्ट;

जात: इंग, उन्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण नें. मै, सकत मधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के मधीन, निम्नलिचित न्यक्तिसयों, सर्थात ः—- 1. श्री बडशीश मिंह पुत्र श्री जन्त सिंह निवासी जे-11/120, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली। श्रीमती राजवन्त कौर पत्नी श्री वाजिन्दर सिंह निवासी राम्बा, तह० करनाल के मुक्तयार--ग्राम।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह निवामी म० नं० 504, माडल टाऊन, करनाल।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्मत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जक्त सम्मरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र ह----

- (क) इत सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यायतायों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नाभोहस्ताकारी के पाछ सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पर्वो का, को उक्त विधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा हाँ।

# ग्रनसूषी

सम्पत्ति म० गं० 504-प्रार० जो माडल टाऊन, करनाल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 1630 दिनाँक 12-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्द (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

विनौक: 14-2-1986

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भरा 269-न (1) के अभीन सूचना

#### भारत शस्कार

फार्यासम, सहायक जायकर जायूक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रीहतक

रोहतक, दिनांक 14 फएवरी, 1986

आयकर भौधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी गं० दुकार संका सो० 994, पुरानी मंडी, करताल में रियत है (और इसके उपानद अनुसूची में और पूर्ण का व विणित है) अजिस्ट्री हर्ता अधिकारों के कार्यालय, कारताल में आधकर अधिकियम 1961 के अधित, दिनांक 12 जुनाई, 1985

को पूर्वी ... तस्पारत के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पामा मया प्रति-कल, निम्न जिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-जिल्ह स्थ में क्रिका नहीं किया भवा है इ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाभस, उत्कर शिंधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी भग या जन्य जास्तिकों कां, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिधः

अतः अर , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की स्पधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—  श्रीमती शास्ति देवी चिधवा श्री श्रमरनाथ, मं० नं० 510, माडल टाऊन, करकारा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र सिंह ।

(2) श्रो श्रजोत सिंह ।

(3) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्रगण श्री विलोक सिंह, म० नं० 1910, सेक्टर 13, शहरी सम्पदा, करनाल।

(थ्रन्तरिती)

को वह सूचना सरही करने पूर्वोक्त संश्वीत है वर्तान के जिल् कार्यगरिहरों सूच करता हों!

अवश संबरित के अर्थन के संबंध के आहि भी सहस्रोप ह----

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की ठारीय वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृषहरा;
- (च) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ची 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्वाक्यां करणः — इसमें प्रवृक्त शक्यों और पर्यों का, को स्वत अधिनियत्र, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो जस अध्याय में विका गया हैं।

### वन्स्ची

सम्पत्ति दुकान नं० सी० 994 है जो पुरानी मंडी, करनाल में स्थित है जिसका श्रधिक विचरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 1632 दिनांक 12-7-1985 पर दिया है।

> बी॰ एल॰ खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 14-2-1986

मोहर।

प्रकृत आर्थः द्री. एव ् एव , ०००००

# काषधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाच 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत चरकार

र्श्वश्रीतम्, **बहायक बायकर बायका (विद्योक्षण)** अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मार्च, 1986

िर्देश सं० प्रार्द्धः एव सीव/एक्यू०/करनाः /110/85-९६---४८: मझे, बोट एका० ए.सी.

श्यासकतः सिंधितसम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी इसके प्रशात (उस्त सिंधितमम काहा गया है), जो कि काछ 269-च के अधीन सद्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उचित सामार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संगम् नं IX/279 जो दिवान कालोनी वारताल में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध धनुभुवी ं और पूर्ण रूप के विधान हैं) एउएस्ट्रीकियां प्रधिकारी के कार्यालय कालाल में कार्यालय प्रधितियम 1961 के प्रधीत दिनांक 15 जुलाई 1985

का पृष्णिक शम्पांत के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह पतिकात से बिपक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण वे हुई फिडी बाग की शक्य : उनक बीधनियम के बंधीन कर दोने के नन्तरक ने क्षायत्य में कभी करने या उक्क वचने में सविधा के लिए; बीर/या
- एसी जिल्ह बाम या लिसी धन वा लेख बाल्सिकों कर, जिल्हा भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1012 देन 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाध-नार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था कियाने में सुनिधा के निए;

बतः अध, उनत् विधिनयम की भारा 269-न के बनुतरम में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) के बनीय, निम्नसिवित व्यक्तियों क्यारेत् ह——  श्रीमती सत्तवन्त कौर विधवा ध्रातमत सिंह पुन श्री चरणजीत सिंह निवासी क्लब लैन,
 दिवान कालोनी, करनाल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जुम्मी बाई पत्नी जीवन दास नि० म० नं० जी 250, मोहल्या मिरमन्दा, करनाल। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

## उपत सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जासेप क्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश मं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध भाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृत्रीं का विकाश में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्पन्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में किया गया है।

### प्रनुसूची

सम्पत्ति मकात नं XIX /279 जो दिघान कालौनी करताल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय करताल में रजिस्ट्री संख्या 1658 दिनांक 15• 7 1985 पर दिया है।

> बीं० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)-श्रर्जन रेंज, रोहसक

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप आर्द्घ. एन. एस. -----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शररा 269-ध (1) के नभीन स्वना

#### भारत प्रकार

# कार्यासम् अस्य कर आयुक्त (निर्माणक) अर्जन रेज, रोज्यक

रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्वेश सं० धाई० ए० सी॰/एमयू०/गरःतल/114/85-86--धतः मुझे, बी० एन० खन्नी,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार करक 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 28 कैशाल 16 माध्या भूमि, ग्राम संगोध, तह०—कर गल में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुमुत्ती में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कायीलय, करनाल में पायकर अधिनियम 1961 के प्रधीन, दिनांक 16 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफस को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रश्नेस्त संपरित को अगला आजार कृत्य, उसके क्ष्ममाल प्रीतफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफस का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्भ के निष्ट क्षम संवाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्रवेषम से उत्था अन्तरण सिक्ति में वास्तरिक कप से किया नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरम तं हुए किएँ। आम की बाबल, उपने विभिनियम के अभीन कर दोने के अजनरक के वाकित्य में कमी करने या उससे प्रवत्ते में जित्रश के सिए; और गा/
- (था) एंसी किसी आभ मा किसी भन मा अन्य आस्थियों नहीं, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने धा स्विका के लिए;

अप्त: अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक्षी, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री होतू राम।
  - (2) श्री पेरा राम पुत्रमण श्री जैसा राम पुत्र श्री साधू राम।
  - (3) श्रीकृष्ण लाल।
  - (4) श्री ओम प्रकाण पुत्रगण श्री होतू राम, निवासी करनाल शहर। (भ्रनारक)

2. (1) श्री गुरचरन सिंह।

(2) श्री गुर बचन सिंह पुत्रगण श्री निशात सिंह निषासी ग्राम राम्या , तह०—कण्नाल। (धन्तरिती)

को वह सूचना चारी करखें वृश्वेषत अवस्थि के अलंब थें लिख कार्ववाहियां करता हो।

चयर सम्पत्ति के अर्थन । लाग में कार्या भी भाषांप :----

- (क) इस स्थान के राजधार में प्रवापन को तारीख से 45 दिन की अवधि में। तत्सन्वन्धी म्याणिएयां पर स्थाना की तानील से 30 दिन की अवधि , को भी व्योच नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्क म्याबिता में से किसी स्थापत हुनारः;
- (स) इस सुणना के राज्यान मी प्रकाशन को लारीज खें 45 दिन के भीतर उच्छ स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य माज्या हुमारा अध्येतना शामा में पता विकास किसी अन्य माजिस का सकति।

स्वध्दिकारणः--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पड़ों का, भो उपर अभिनियम के अभ्याब 20-के में परिभागिष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा है जब अभ्याम में दिवा गबा हैं।

### **建设公司**

सम्मत्ति 28 कैवाल 16 भरता धूपि जो अहर सं हा तह० बारताल में स्थित है, जिसका किवल लिएएए किस्ट्री-कर्ता के कार्याचय कर्तारा में शिवस्ट्री संख्या 1671 कि के 16-7-1985 पर दिशा है।

> बी० एल० सङ्घ सङ्ग्या प्राधिकारी सह्य्या आयकर आयुक्त (किरीक्षण) शर्जन रेंस, रोहतक

दिनांक: 14-2-1996

प्रक्य भाइं.टी.एन.एव.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जावकर आवृक्त (निर्देक्षण)

म्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/115/ 85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० हारुस कुंज पुरा रोष्ठ, करनाल में स्थित है (और इसके) उपाबद्ध श्रनुतूची में और पूर्ण रूप से पणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में श्रायक श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 17 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रविशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बाति, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अभित्:—

- 1 (1) श्री सुरेश कुमार।
  - (2) श्री महेग कुमार,।
  - (3) श्री नरेश कुमार पुतान श्री गंगा धर नि० XIII 1508 श्ररवन ईस्टेट, करनाल। (श्रन्तरक)
- 2. श्री आनन्द देव गर्मा पुत्र श्री जताराम नि० XIII एस० सी० एफ० 29, अरवन ईस्टेट, वरनाल। (श्रन्तरिती)

 यह स्पना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के " पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति हाउस जो कुंअपुरा रोड, करनाल में स्थित है जिसका श्रधिक विचरण रिजस्ट्रीकर्या के कार्याव्य वरसाल में रिजस्ट्री संख्या 1697 दिनांच 17-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहतक

दिनाक: 3-3- 986

## इक्स नार्व : दर्द : प्रदान प्रदान : :-------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन क्वमा

#### नारत राज्या

# कार्याक्षकः सहायक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/कालका/13/85-86--अत: मुझे बी० एल० खत्नी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 83, मेक्टर 10 पंचकुला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 4 जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने वह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिकास का वंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-कल निम्नसिबित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **ह**ैं:----

- (क) जन्तरक ते हुई किती बाप की बावत उक्ता बधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने वा उसमें स्थने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ना) एंसी किसी जाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा च्हे निए:

जतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, 'उक्त अधिनियम की धारा 269-- म की सपधारा (1) के बधीन : निम्यत्विसिक्क स्ववित्तयों, अर्थात् क्षान्त 22-36 GI/86

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री दलीप जिंह निवासी 83, सेक्टर 10, पंचक्ला।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री भारत एतान गारदा।
  - (2) श्री आश्वनी कुमार शारदा।
  - (3) श्रो अशोक कुमार शाप्दा सभी निवासी गण म० तं० 83, भेक्टर 10 पंचक्ला।

(अन्यरिती)

का बहु बूचना जारी करके प्यॉक्त सम्मत्ति के न्यंन् के लिए कार्यवाहियां घुरः करता हूं।

## बनस् सन्मारत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🗫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमः की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद वें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क्र) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीच 🕏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास मिरिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा जो उस कथ्याय में विया च्या है।

### मन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं० 83 जो सेक्टर 10, पंचकुला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कालकामें रजिस्ट्री संख्या 905 दिनांक 4-7-1985 पर दिया है।

> बी०एल०खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहाय र आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 18-2-1986

# प्रकल् नार्क् डी., इस. एस. ०००००

कायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-ए (1) के अधीन सुजना

#### भारत सरकार

# कार्यक्रयः, श्रद्धायक जायकर नायुक्तः (निरीक्रण) '

अर्जन रेंज, रोहनक

रोहनक, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/कालका/15/85-86--अन: मुझे बी० एल० खन्नी,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर कि की मंज प्याट नंज 210, सेक्टर 4, पंचकुला में स्थित है (भ्रोर इसने उनावड अनुभूवी में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री सर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका आयार अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 31 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्बत्ति का प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित द्वेवय से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिथिनियम के अचीन कर देने के बन्दरक के सामित्व भी कमी करने सा अक्षाचे बचने में शिवधा के सिए:
- (क) इसी किसी भाग या किसी भाग था सम्बाधातियाँ का, विन्हें भारतीय जागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिमियम, मा भनकर अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वै थिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. श्री जगमोहन नाथ शर्मा पुत्र श्री प्रेम नारायण शर्मा निवासी 210, सेक्टर 4 पंचकुला।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द, पुत्न श्री नाजिर दास निवासी ग्राम कसेरा, तह० — नवां शहर, जिला — जालन्धर (पंजाब)।

को यह सूचना चारी करके पृंबीका सम्पत्ति में अर्चन के हैंबर कार्यवाहियां करता हुं।

## दक्त सम्पत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कदि भी भारते हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बचीं या तत्त्वस्थल्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बचीं , वो भी अपिय बाद के सवाध्य होत्री हो, वो भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थानिस इसारा है
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबब्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकारी के पाचक लिक्ति में किए जा सकेंगे।

जिन्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वंका है।

## **प्र**नुसूची

सम्मत्ति प्लाट नं० 210, जो सेक्टर 4, पंचकुला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कालका में रिजिस्ट्री संख्या 1149 दिलांक 31-7-1985 पर दिया है।

> बी० एल० ख**ती** मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 18-2-1986

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 फरवरी 1986

निर्देश सं प्राई० ए० सी० एष्यू० निलीखेडी / 25/ 85-86---प्रतः मुझे बी० एल० खन्नी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 56 कैनाल 2 मारला भूमि ,ग्राम, तह्०- - करनाल में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायिलय करनाल में श्रायकर प्रधिनियम 1961 के जिन्नी दिनाक 26 जुलाई, 1985

को पूर्शोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफश के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी बाब मा किसी भन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुमिशा के जिए;

कतः: अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसस्य में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री श्रिनिल कुमार पुत्र श्री बृज लाल पुत्र श्री सावन मल, निवासी--निधू तह् तथा जिला करनाल। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री गरेण कुमार पुत्र श्री मीहन लाल पुत्र श्री र**घु**नाथ।
  - (2) श्री इन्दरजीत सिंह पुत्र श्री काश्मीर सिंह पुत्र श्री हरबंग सिंह, महाबार ट्रेडिंग कें० निगद्द, तह्० करनाल के भागीदार। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त नम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, धो अपध जिभिनियम के खब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्प्रति 56 कैशल 2 मारता सूमि ग्राम निगद तह० करनाल में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ना के कार्यालय नीलोखेडी में रिजस्ट्री संख्या 709 दिनांक 26-7-1985 पर दिया है।

> बी०एल० खत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज--रोहनक

दिनांक: 24-2न1986

## प्रकृत कार्य<sub>ा</sub> टॉन्स पुर्व<sub>ा स्था</sub>नका

# कासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के विधीन गुजना

#### तारुव **पर्यक्र**

# कार्यालय, सहायक भायका<u>र नायक्त (निर्दोक्कण)</u> श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 फरचरी, 1986

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्स्यू०/बरारा/7/85 86----श्रतः मुझे, बी० एन० खत्री,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 54 कैतान, 18 मरला भूति प्रधीया (प्रस्वाला) में स्थित है इस उपाचढ़ प्रनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) जिस्द्रीकर्ती ग्राधिकारी के कार्यालय, बरारा में भारतीय 'तथकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन दिनांक 1 जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तनक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या िकसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

क्वः कव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखिरः व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री श्रषतार सिंह।
  - (2) श्री जगतार सिंह।
  - (3) श्री गुरचरन सिंह पुत्रगण जरनैल सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह, निषासी श्रधोया (श्रम्बाला)। (श्रन्सरक)
- 2. सर्वश्री प्रेम सागर ज़ि श्री रानाकी राम पुत्र श्रो माघो राम, निघासी सम्गोल (अंचागांब), तहसील---समराला, जिला लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

## को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हु"।

## बन्त सुम्परित् के क्यान् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) ६स स्चिनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए का नकीं।

स्पथ्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

सम्पत्ति 54 कैनाल 18 मरला भूमि जो ग्राम ग्राचं था (श्रम्याला) में स्थित है जिसका ग्राफि विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बरारा में रजिस्ट्री संख्या 704 दिनांक 1-7-1985 पर िया है।

> बी०एल**० खती** मक्षम प्राधिका**री** महायक श्रायकर **आ**युक्त (नि**रीक्ष**ण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 24-2-86

# 

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दालक) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 मार्च 1986

िर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/रोहतक/ 93/ 85-86---श्रत: मुझे बी० लि० खत्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (चित्र क्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जितका अधित बाजार नृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव मकान नंव 14/291 जीव डीव लिंव एफव कालोनी रोहतक में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रोहतक में श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधोन दिनांक 27 जुलाई 1985

को पुनेकित संस्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिक स के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके द्वायमान प्रतिकत्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह् अंतिकत से प्रविक्त है और पन्तरक (कन्तरकों) और प्रश्वितिकी (प्रश्वितिकों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब वाचा नया प्रति-स्था विस्कृतिकित उद्देश्य से उनत पन्तरण सिक्षित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण वे हुई किसी नान की वायदा, स्थय निधितसम के नधीन कर दोने के नंतरक के दावित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/या
- (थ) हुनी किसी नाम या किसी थन ना अन्य जास्तियों को; जिन्ह भारतीय सामकर सम्विविध्या, 1922 (1922 का 11) या उत्तर स्विविध्या, या अन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ जन्तिरियों हुनारा प्रकट नहीं किश्व गया पर या किया, अन्तर चाहिए था, क्रियाने में ्रिका के सिए।

वतः वयः, उक्त वरिधीनयम की भारा 269-व के वनुवरण में, में, उक्त वृधिनियम की भारा 269-व की उपहास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री वेदपाल श्रार्य पुत्र श्री भूल चन्द पुत्र गीडा राम नि० मकान नं० 14/291 डी० एल० एफ० कालोनी रोहनक।

(भ्रन्तरक)

2. श्री इक्बाल कृष्ण मिलक पुत्र श्री रामजी दास पुत श्री मैयादाम नि० 193/18 मधुकुंज, सिविल हास्पीटल रोड, रोहनक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविथ या उत्सविधी व्यक्तियों दर स्वना की तानीन से 30 दिन की नविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वनित्मों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए चा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को छक्त वीधनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका द्वा ही।

## श्रनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 14/291 जो डी एल एफ कालोनी रोहतक में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री सं 2571 दिनांक 27-7-1985 पर दिया है।

(बी० एल० खती) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 1.0<del>5</del>3-86

## प्रकल नाइ. ही. एव. एव.-----

# भाषकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के स्थीन स्थान

#### BIEG GEGIE

## कार्याच्य, बहायक मायकार वाक्स (विरोधार्य)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० ७० जुलाई/ ८५---प्रत: मुझे, श्रोमती एम० सामुबेल,

बामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर बंबरित विश्वका उचित बाबार बृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोए सं० 435, पी० एच० रोड़, मद्रास 10 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसने उपाध्रद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रॉकर्ता श्रधिकारी के कार्यांजय पेरोयमेट (दस० सं० 771/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 जुन, 1985

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुर्भे यह विकास का तो का कारण है कि यमापूर्विकत संपर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखत उद्देश्य से रुक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सम्य था या किया जाना चाहिए था स्मिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के बभीन निम्मतिकित अक्ति किंद्रिक्ष ।—

- 1. थों सुभाष कमार जेईन।
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमतो राजश्री गधैया।

(श्रन्तरिती)

को यह तृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त बम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ड---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तवों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी जबीध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पित्त व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किहिबत में किए का ककोंचे।

त्यख्डीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त वीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

#### मन्त्र्यी

भूमि--सं० 435, पी० एच० रोड़, मद्रास-600010 (दम० सं० 771/85)

> श्रीमतीएम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 (श्राई/सी), मद्रास

तारीख: 3-3-1986

## प्रकृष भाषा, यो, एन्, एक्, ----

श्रो के० दणिकाचलमा।

(ग्रन्तरक)

ası (1061 का 43) की भाग 2. मेर्ट्स जीवाभाई इस्टेट।

(भ्रन्तरिती)

कायफर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत क्षमार

# कार्यानव, रहावक सामकर बाव्यत (निरीक्तक)

श्चर्जन रेज-1, भद्रस मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देण सं० 78/जुलाई/85-⊷ प्रतः मुझे श्रीमती एम० माम्बेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका सं० 2 है, जो सिवमंकरा मुदलियार स्ट्रीट, है डोर जो किल्पाक, मद्रास में स्थित हैं (और इसने उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यान्त्य, पेरोयमेट (दस० सं० 802/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11 जुलाई 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाकार मून्य से कव को स्वमास अतिकास के निष् अंतरित की नहं है और मुझे यह विक्तास करने का कारण है कि अअपूर्वोक्त सम्मतित का उचित बाकार मून्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एंसे स्यमान प्रतिफल का पल्यह अतिकात ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण के निष् तय पामा ववा अतिकात, निम्मिविकत स्पूर्वेक्यों से उचत अन्तरण विक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की वावब, उक्क विविवस्त्र की अधीन कर देने के जन्तरक के विकित्स में क्षणी करने या उसते वचने में श्विषा के लिए; मीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य जास्तियाँ काँ, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोधनार्थ अन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. किया में सुविधा के दिए।

त्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण ..., मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, विस्तिक क्योंक्सयों, बर्धातः :--- को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी क्यांक्तमों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किसी क्यक्ति इशारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच कें 45 जिने के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरों के पास लिकित में किए का सकींचे।

स्वक्षकरण:--इसमें प्रभूकत संबंधित पर्वो का, को सबस् विधितियम के जध्याय 20-क में परिधाविक हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया स्वा है।

## **अनुसूची**

भूमि और मकान ---डोर सं० 2, सिवसंकरा मुदलियार स्ट्रोट , कीलपाक, मद्रास 10। (दस०सं० 802/85)

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रेज-1(श्राईंश्मी०), मद्राम

ता**रोख**: 3-3-1986

मोहर । :

प्ररूप कार्ड, टी., एन्., एस्.,-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देण सं० 79/जुलाई/85---श्रतः मुझे श्रीमतो एम० सामुबेल

शायकर कृषिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 5 है, तथा जो धनाल श्रारावमुध् नायुडु गार्डन स्ट्रीट एग्मोर, मद्रास-8 में स्थित हैं (और इससे उपावज्र श्रनुबंध में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरीयमेट (दस० सं० 805/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, तारीख 19 जून, 1985

करे पूर्वे अप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिष्ठति से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विदेश से उक्त अंतरण लिखित में गास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किन्ये भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सविधा भी किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० मोह्न नायुदू।

(इ.न्तर्क)

2. श्री एस० देखविसगर्भाण और श्रन्य।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षत् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविभि या उत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

## अनुसूधी

भूमि ओर मकान ----छोर मं० 5, धनला श्राराषमुधु नायुडु गार्डन स्ट्रीट, एग्मोर मद्राय 8 ।

> श्रीमता एम० सामुबेल् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,(श्राई०/सी०), सद्वास-6

नारीख: 5-3-1986

मोहरः

त्ररूपं आधुः ही एगं एसं . -----

**बायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) मी** भारा 269-व (1) के अभीन सुबना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1986

85/जुलाई/85--ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० निवेश सं० सामवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 / - रङ. से अधिक हैं

और जिसको सं० डोर सं० 1097 हैं, तथा जी पी० एच० रोड; मद्रास-3 में ।स्थत है (और इससे उपायद धनुसूची में और पूर्णं रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट (दस० सं० 867/85) में भारतीय रजिस्ट्रोकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 10 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्पत बाजार मुख्य से कथा को बहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से ऐसे इश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिखित उद्देश्य से उन्त नन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किभित नहीं किया गया है है---

- "(क) जन्तरण तेहुदैकिती शायकी बावत खेकत अभिनियस के अभीन कर देने के जम्सरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (स) एँसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हा भाररतीय वाय-कार विधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्ट विधीनयम की धारा 269-व की उपधारार (1) के बधीन, निज्ञालिकित व्यक्तियाँ, वर्षात् :---23-36GI/86

1. श्रीमतो प्रेमा जैपाल।

(भ्रन्तरक)

2 श्रामतो श्रब्दल हाई और अन्य ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता ह्या।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त **भ्यक्तियाँ** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपट्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगें।

स्पच्छीकरणः --- इ.सर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

भूमि और मकान⊸-डोर र्स० 1097, पो० एच०रोड़ मद्रास-3 (दस० सं० 867/85)।

> श्रोमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्राई०/सो०, मद्रास-6

तारीख: 5-3-1986

मंहिर 🛮

प्रकृत बाद . टी . एन . एस . -----

नाशकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) जी नधीन क्षाना

#### 

# क्षर्याचन, सहायक शायकपु नागुन्त (निप्रक्रिक)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 नार्च 1986

निवेश सं॰ 86/जुलाई/85---अतः, मुझे, श्रीमती एम॰ सामवेल,

मायकार अर्थि रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके वरवात जिस्ते अभिनियन कहा गया है), अर्थ भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्न का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 13, मुक्ता गार्डन्स, चेटपेट, मद्रास-31 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिव कारी के कार्यालय, पेरीयमेट (दस० सं० 878/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित नाजार मुख्य से कम के व्यवधान प्रतिसक्त के लिए अंतरित की गई है बार मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त बंपरित का उचित नाजार मुक्त स्वके व्यवधान प्रतिकत्त से एवं व्यवधान प्रतिकत का प्रवक्त प्रतिकत से अधिक है और बंदरक (बंदरका) और बंदर्हिती (बन्तिस्तिका) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा नवा प्रतिकत, निम्नसिवित उद्ववस्य से उच्त कन्तरण जिल्लित के बास्तिक क्य से अधिक महाँ दिवस प्रवाह है ए—

- (क) अन्तरण ये हुद किसी आयः की वावसः, स्वतः जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायिरच में कभी करने या उत्तसे अचने में सुविश्ध के सिद्ध; सी≝/आ
- (ण) एसी किसी जाग या किसी भन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिसी व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था जिनाने में सुविधा के लिए;

बतः ९व, उन्त शीधीनवमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीय, निज्ञिकित अधिसार्थी, अधिक् ह्या (1) श्रीमती आर० विजयलक्ष्मी।

(अन्तरक)

(2) श्री इम्तीज पाशा।

(अन्तरिती)

को बहु बुधना बाड़ी करके नृवांकत सन्यत्ति के वर्षन के किल् कार्यनशिक्ष्यां कुक करता हुन।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- '(क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति इवास वधोहस्तालरी के वाक सिविद में किए वा दकींगे।

## वन्यूची

भूमि श्रीर मकान-डोर सं० 13, मुक्ता गार्डन्स, चेटपेट, मद्रास-31, (दस०सं० 878/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल्. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्स आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप वार्ड्ः दी. एन. एस.,------

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भाका 269-न के ज्यान सुमना

भारत सुरकार

कार्थानका, तहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1986

निवेश सं० 95/जुलाई/85—अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषवात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचिता बाचार ब्रुख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

क्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 12 पार्ट, मुस्लम गांव; अन्ना नगर, मद्राम है, तथा जो मद्रास में स्थित है (क्रीर इससे अनुबंध में क्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर (दस० सं० 2472/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-7-85

असे पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके क्यमान प्रतिकल से ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और जंतरक (अंतरक) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकल निम्नलिखिक उद्वेषय से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कशित नहीं किया गया है :--

- (का) कृत्यरण ने हुन्द किन्दी लाज की वायत जनत अभि-निजम के अधीन कर दोने के अंतरक के बावित्य में कभी करने या उत्तर्ध अभि में तृतिभा के किए;) और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन वा अन्य जारियां को जिन्हें भारतीय सम्यक्तर अभिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिवन, या भन्-कर जीभीनयन, या भन्-कर जीभीनयन, 1957 (1957 का 27) पोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में कृषिभा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६── (1) श्री एल० राजबत्तर।

(अन्तरक)

(2) मैं० वर्ल्ड रिन्युग्नल इस्प्रीच्युवल द्रस्ट। (अन्तरिसी)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वनाहिनों करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्धन के संबंध को कोई भी नाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की सर्वीध सा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध साद में समान्य होती हो, के मीदार पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्यव्य किशी जन्य स्वतित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास तिकिश में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्त्र्यों**

भूमि श्रौर मकान प्लॉट सं० 3702 अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस० सं०2472/85)।

> श्रीमती एंम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

दिनांक: 5-3-1986

प्रकार भार है हैं पुरु पुरु क्रिकेट स्टब्स्ट

नायकर निर्मानयस्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

## कार्यात्तव, तहावक बावकर बाव्यत (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० 106-जुलाई, 1985--अतः, मुर्झे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

वायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43)। (प्रिक्त इसन् इसके परवात् 'उन्त निर्धानयम' कहा गया हैं), भी भाषा 269-सं में निर्धान स्थान प्राधिकारों की वह दिस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्बद्धित, दिस्तका उपलिस नाकार नृक्ष 1,00,000/- रहन से मध्यम हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 अन्ना नगर, वेस्ट्रन एक्सटेंगन मद्रास-101 है तथा जो मद्रास में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अभ्ना नगर दस० सं० 2764/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य ते कम के जानशाम प्रतिकास के विष् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का जाइल है कि यभापूर्वोक्त तम्मति का उचित बाजार मुख्य, उचके दरममान प्रतिकास से, एसे दरममान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकात वे विभिन्न है जार अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिती (अंद-रितियों) के बीच एसे अंतरण के मिन्न दम पाना पना प्रतिकात, किम्निसिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण हिम्बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अंतरण वे हुद्द कियाँ आल की बाबत्<sub>त</sub> कथक निभिनियम के अभीन कार देने के अंतरक को दासित्य में कमी कार्य या उससे वचने में सुविधा के निए; नौर/या
- (क) देती किसी नाय या किसी भन वा नाम शास्तिनी की विन्हें भारतीय नायकर निर्मानयम्, 1922 (1922 का 11) या उत्त निर्मानयम्, वा भन-कर अभिनियम्, 1957 (1957 का 27) से प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से निर्मा ने निर्मा

बदा क्या, उन्ता वीभीनवन की भारा 269-न के अनुवरक वें, केंद्र उनत वीभीनवन की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) श्री सी० एन० सिवर्शकरन।

(अन्तरकः)

(2) श्री टी॰ जसवन्त मल जैन भौर अन्यों। (अन्तरिती)

को वह सुभग बादी कारके पूर्वोक्त सम्परित में वर्षन के विद्र कार्यविद्यास्त्र करता हो।

डक्ड बुक्नित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) एवं कूलना भी क्षण्यन में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यना की तानीस से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (क) इब बुक्ता के पालपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किती अन्य व्यक्ति इवारा जथोहस्वाक्षरी के शत् विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, जो अक्त-नियम के सध्याय 20-क में परिभाविद् है, वहीं नर्थ होना को उस नध्याय में दिया गया है।

# मनुसू ची

भूमि भौर मकान प्लॉट नं० 7 पर अन्ना मगर वेस्ट्रन एक्सर्टेंसन मद्रास-6001101 (दस० सं० 2764/85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 3-3-1986

রক্ষ বার্ত্ত হাঁ<u>ড়া দুবত রুক্তত্র সম্প্র</u>

# बावकड विधिनवन, 1961 (1961 का 43) वहीं थाडेर 269 (य) (1) वे बर्गान क्षमा

#### बाइड बरकार

# कार्याजन, बहायक नाथकर बायुक्त (नि<u>र्</u>योकन)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 3 मार्च 1986

निवेश सं० 108/जूलाई 1985—अतः मुझें, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पर्यात् 'उक्त निर्मानवम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जित्तका उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लॉट नं० 2497 अन्ना नगर नखुवकरें है तथा जो मझास में स्थित हैं (प्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर (दस०सं० 2794/85) में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 29-7-1985

का पूर्वेक्स कर्रात को उचित बाबार मृत्य से कम के कामान पितक को हिए मंतरित की गई है बाद मुखें वह विस्थास सार्वे का कारण है कि मचापूर्वे कर कर्मात का कांचर बाबार मृत्य, उसके क्रथमान प्रतिफाल से, एसे क्रथमान प्रतिफाल का क्लाइ गाँउवर से विभक्ष है बार संतरक (अंतरकों) बार संतर्दित (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया विभा प्रतिकार निकासियां उद्देश से उसत संतरण कि विश्व की मान्यविकार कर से क्षिय नहीं किया प्रवाह है है—

- (क) बंगहण के हुई किशी बाव की बाबता विकास की क्षीन कर दोने के अंतरक को बाबिता में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में खिए; करि/या
- विश्वी कार्य या किसी थन वा कार्य कारितार्थों को जिल्हें भारतीय जाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्हें भारतीय या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने बें सुविशा को निस्हः

क्ता विका , स्वत विभिनियम , की धारा 269-न की वनुसरण वी, मी. उक्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वी विभीक, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्री बी० वी० फिलीप।

(अन्तरक)

(2) श्रीय्० चऋतार।

(अन्सरिती)

# वर्ष बहु पुरुषा आही बहुने पृत्तीयत् वृत्तीयत् वृत्तीयत् वे वर्षम् वे विवृ कार्यमाहित्यं अहवा हो।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी विकाशों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस लिबित में किए जा सकेंगे।

स्मच्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ल सन्ती

भूमि ग्रीर मकान प्लाट नं० 2497 अटिनर अन्ना नगर नडुवकरे मद्रास (दस० सं० 2497/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० 115/जुलाई 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं डोर सं० 128 एन० एस० ची० बोस रोड, मद्रास 1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दस० सं० 379/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 15-7-1985

को पूर्वोजत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान जीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेश्रह प्रतिशत से अरिक ही और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) ठाटीकोन्डा राजमण्णार द्रस्ट

(भ्रन्तरक)

(2) के० मूरारी राऊ छीरअन्य।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏗---

- (क) इस गुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि भौर मकान डोर सं० 128 एन० सी० ची० बोस रोड, मद्रास दस० सं० 379/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज∼1, मद्रास

दिनांक: 3-3-1986

मोहरः

प्रकृप भारती, द्वी, एस्. एस्. ज्यान्यात्रात्र (1) एस फैं अनिसा बेगम।

(ग्रन्तरक)

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की ं भारा 269-व (1) के बंधीन सुबना

(2) बी० ची तगराजन।

(भ्रन्तरिती)

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1986 निदेश सं० 116/जुलाई 1985—ग्रतः श्रीमती एम० सामवेल.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'सकत मीधीनयम', महर गया ही, की धारा 269-श के बंधीन संक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धिः, जिसका उचितः वाचार नृल्य 1,00,000/- छः से अधिक है

धौर जिसकी सं० डोर सं० 54 कन्दप्प चेट्टी स्ट्रीट, जार्ज टाऊन मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सौकारपेट वस० सं० 399/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-7-1985

का पूर्वोत्रत सम्पत्ति के डोचड बाजार मृत्य से कम 📲 अस्पनान अधिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते बह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्व<del>ोंक्स</del> संपत्ति का उचित बाजार अरूप, उसके कायमान प्रतिफल से, ऐसे कायमान प्रतिफल का क्ल्ब्स प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरकार) और जन्तीरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के स्थि तय नावा गया प्रतिपाल, निम्नलियिक उद्योग के उपक अन्तरण कि चित्र में बास्तीयक रूप से कियत नहीं किया पदा है है---

- (क) अन्तरण से हु<mark>द किसी बाव की बावत अवत वर्षि</mark> -नियम को बधीन कर दोने की ननारक को दायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बरि/बा
- (व) ऐसी किसी जाव या किसी भन वा अभ्य आस्तियों करो, जिन्ह<sup>ें</sup> भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग रंतरिती दवारा एकट नहीं किया गया भाषाकिया जाना भाष्टिए भा, छिपाने में सुविधा में भिष्य:

कतः अव., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, में अवत क्षेप्रिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

का वह स्थान बारी करके प्रॉक्ट कम्परित के अर्थन क कार्बवाहियां शुरू करता हु ।

उन्त सन्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कांध भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबधि या तलाम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तानील से 30 दिन की संसंधि, जो भी वविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त म्यक्तियाँ में से किसा स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तासीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्दभ किसी अन्य न्यवित दुवारा संधाहरताकारी के पास सिकित को किए के सर्वर्ग ।

स्वच्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही मुर्च हरेगा े बस अध्याप में विका यया है।

#### बन्स्ची

भूमि भ्रोर मकान डोर सं० 54 कन्दप चेीस ट्र जार्ज टाऊन मद्रास-1

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त भ्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज−1, मद्रास

विनांक: **5-3-**1986

प्रकल नाह<sup>त</sup>्यो . एव . <u>एच , त्यान्तर</u>न

आयकर आधिनिजन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

## कार्यालय , सहायक भागकर आकृतत (पि.सीक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० 124/जुलाई 1985—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

वायकार मिश्रीनयम 1961 (1961 का 43) (हिंगचे इचने इसके गरनात् (तक मिश्रीनका का का इही, की शहर 269-व में मधीन स्थान महिष्याची के वह विश्ववाद कहने का कारण ही कि स्थान्छ संस्थित, क्रियका स्थान शामश्र जून्य 1,00,000/- क. से मकाल ही

स्रीर जिसकी सं० डोर सं० 15 वसीयर स्ट्रीट मद्रास-1 है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध झनुसुची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्षय मद्रास उत्तर दस० सं० 2027/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त तम्मित के उपिन्न वाकार मून्य ते कम के क्यामान प्रतिकास के सिष्ट् अंबरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि उपल्यूचोंक्त सम्बद्धि का उपित वाकार मून्य, उसके क्यामान प्रतिकास से, देने क्यामान प्रतिकास का क्याइ प्रतिकात से अधिक है और अंबरफ संबरफों; और कंस-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे संबर्ध के सिष्ट् तथ पाना गया प्रतिकास, निम्मिनियां जबूबोंक से क्याब संबरण निर्माण से वाकारिक क्य से क्याबत नहीं किया गया है हम्म

- (क) नंतरण तें हुई किसी नाव की वाक्य, श्ववच निर्माणयम के अभीन कर दोने के नंबरक के सायित्व में कमी करने या उत्ते बचने में सुविधा के सिए; जोर/वा
- (क) ऐसी निक्सी जाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों नते, चिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

वतः तथा, उनत जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, वं, बनत अभिनियम की भारा 269-म प्रपथारा (1) अ अभीता, निम्मीसिया व्यक्तिस्थाल अस्ति करून (1) सलमा बाई।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० नीमाट देखर्स।

(भन्तरिती)

का यह सुचनन जनकी काको कुवाँनस संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहिकों, करका हुई ():

उनत कन्मीत्त के कर्णन के सन्वरूप में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस बूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविभि वा तत्सम्बन्धी स्वीकत्यों पर कुचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वीक का बितायों में से किसी स्वीकत कुवाया;
- (व) इत युपनाः वे हापपन में मुकाबन की बार्यांव वे 46 किंव के नीवर जनव स्वावट बन्नरिक में द्वित-काम किंद्यों सन्य कानिव वृप्ताच नमोहस्वावारी के साथ विकिश में किए वा क्योंने।

रक्षारें करणः स्थाने प्रमुख्य थानां और वर्षो का, जो क्या व्यक्तिकत् के बध्याय 20-क में परिभावित हैं । कहीं वर्ष होता जो कह क्याद में दिवस वर्षा हैं हैं

# यमुज्यो

भूमि श्रीर मकान (शाय) डोरसं० 15 बन्नीयर स्ट्रीट मद्रास-1 दस० सं० 2027/85

> श्रीमती एम० सामुवेल् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 3-3-1986

मोहर 🖫

प्रक्ष आद्दै.टी.एन<u>.</u>एस-<u>.--</u>-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सूचमा

#### भारत संदुकार

# कार्याजय, तहायक बायकर वायुक्त (रिंगरीक्न)

ग्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1986

निदेश सं० 134/जुलाई 1985—ग्रतः मुझे

श्रीमती एम० सामुवेल

आनता एमण तासुपल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 1644 ग्रिटनर श्रण्णा नगर, (तिरुमंगलम) मद्रास में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय डी० श्रार० मद्रास वस० सं० 2242/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्विक्त रम्पत्ति के उचित बाजार कृष्य से क्रम के रस्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्टे यह विस्तात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, जायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः शवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---24—36GI/86 (1) श्री के० एस० के० ग्रार० प्रसाद।

(ग्रन्तरक)

(2) एम० जान किशमन

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वात जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन व्हार कार्यवाहियां करता हो।

## सकत सम्बन्धि के अर्धन के तंत्रंभ में कोई भी नाक्षेप ह---

- (फ), इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताबील से 30 दिन की सर्वीस्था सो अविधा की अविधा की सर्वास्थ होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद किसिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीलरण:—हत्तर्जे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्की

भूमि ग्रीर मकान प्लाट सं० 1644 ग्रटिनर श्रण्णा नगर तिरुमंगलम गांव मद्रास।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 5-3-198**6** 

# प्रकार बार्र ु टी ु ध्रम ु एथ \_ -----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (र्निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मंत्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 7/जुलाई 1985——अतः मुझे श्रीमती एम० मामुबेल

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० फ्लैंट 4 फ्लोर 2 आण्डर्सन रोड, हैं जो नूंगम्बाक्कम् मद्रास 34 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यासन्डलैंड्स् लेख सं० 342/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकार) और जंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, मिन्निवित उस्वोच्य से स्वय बन्दान विविद्य से सस्तिवक रूप से कवित्र वहीं किया नवा है है

- (क) बनारण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त बीधनियम के बधीन कर वोने के बन्तरक के बादित्व में कमी करने या उच्छे दचने हो सुविधा के हिन्दु; बीड/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्च वास्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुजिधा में सिक्शा

बर्तः संब, ७वतं विधिनयम, की बार्च 269-व के अनुवर्ष कें, मैं, तक्तं अधिनियमं की धारा 269-व की जपधन्य (1) वे अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— (1) मेनर्स बे॰ एरिया रीयल एस्टेट।

(अन्तरक)

(2) डोली कण्णा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित को वर्षन को सम्बन्ध में कोड भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारींच वें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूत्रना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी बन्ध स्थित द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पाक विकास में किए का सकीं में 1

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त कच्छों बाँड पदों का, को अच्छा अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नगा है।

## प्रमुखी

फ्लैंट फ्लोर 2 आण्डर्मन रोड नुगम्बाक्कम् मद्रास-34 र्थासन्डलैंड्स् लेख मं० 342/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 11-3-1986

सस्य आर्षु छाँ त्रवा एवं उपन्य प्रायः स्थापकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के वर्षीय बुख्या

#### HART REPORT

# खाब्दिन, बद्दाव्क नाव्कड नाव्यत (निक्कालक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 माचं 1986

निदेश सं० 9/जूलाई 1985—ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बावकर विधितिस्थ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तरी इसके प्रवाद (जिसे इत्तरी इसके प्रवाद (जिसे इत्तरी का प्रवाद है), की भाषा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुस्स 1,00000/-स. से अर्थिक है

म्रीर जिसकी सं 10पैकाफठस् गार्डन रोड, नूँगम्बाक्ष्मम् मद्रास है जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थांसन्लैठ्स् लेख सं 359/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

की पूर्वोक्य संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त बंतरण निवित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) भन्तक्षम वं धूर्ड फिबी बाय की बावता, उक्क विक्षितवस के मधीन कर बोने में बन्तरुक से बाबित्य में कमी करूवे वा उससे वसूने में सूबिधा है किए; बौद्ध/वा
- (च) व्येनी किसी बाधे या किसी धन या अध्य आस्तियों की, चिन्ही आरतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आया जावा जावा जावा चा किया में जुविधा में जिल्हा

गतः अथः, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसर्क कों में में प्रस्त अभिनियम की भारा 269-थ की उर्श्यास (1) कें अभीत्र निम्नसिविक स्मृतियमों स्मृतिस्म सम्म (1) मेसर्स जी० एल० इन्वेस्टमेंटस्

(अन्तरक)

(2) श्रीनित ए० रामातुजम्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वृत्रीत के कियु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कुम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होवी हो, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय क्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावित इवाय वभाहेस्ताक्षरी के वाह विवित में किए वा सकोंगे।

स्थळकरणः -- इसमें प्रयूक्त कर्कों और पर्वों का, जो उनके विधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## अभुषुची

पलैट 10, पैकापठ्स् गार्डन रोड, नुंगम्बाक्कम् मद्रास थौसन्डलैठ्स् लेख सं० 359/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जव रेंज-2; मद्रास

दिनांक: 11-3-1986

मोहर।

अक्ष ब्राह्मं टीं पुने पुस ् -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के नधीन सुवना

#### HIST SEAR

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 12/जुलाई 1985 अतः मुझे श्री मती एम० सामुबेल

वायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचार 'उक्त विधितियम' कहा थया है), की वाड़ा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. ते विधिक है

ष्पीर जिसकी सं० प्लाट 10 फ्रैंकाफ्ट्स् गार्डन रोड, नंगम्बाक्कम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्तां अधिकारी कार्यालय शीसनडलेंड्स लेख सं० 360/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफाल, पिन्तीनिचा उद्वेश्य से उस्त अन्तरण विचित्त में भारतिक रूप से कि भित् नहीं कि वा पदा है कि

- हैंकों नंबरण से हुइ किसी नाम की बाबता, उनस श्रीभिन्दिम के सभीन कर दोने के नंतरक के बायित्य में कभी कउने या सससे सचने में सुविधा के निष्; श्री⊄ंग
- (क) इती किसी बाव वा किसी यन वा बस्य आस्थिती की, जिन्ही भारतीय बावकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में बुविधा के सिए;

वतः वदः उन्तः विभिन्नितः कौ धारा 269-ए वौ बुनुतर्सः वो, वो, उन्तः विभिन्नित की धारा 269-ए की उपधारा (1) को क्ष्मिन्, निस्नतिषदं व्यक्तिको । वर्षातः ७

(1) मेसर्स जी० एल० इन्वेस्टमेंटसु।

(अन्तरक)

(2) श्री वस्सला रामचन्द्रन्।

(अन्तरिती )

का बहु स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्युत्ति के वर्षन के हिन्द कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित से नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र झ---

- (क) इस सूचना के राजपण माँ प्रकाशन की हारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ठामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति वाद में समान्य होती हो, के भीतर पृथेंक्य व्यक्तिस्तों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (७) इस स्वता के स्वपृत्र में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष्ट किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकेंचे।

स्यक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शक्यों बौड पदों का, को उक्त वीधीनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होंगा को उस बध्याय में दिश पदा हैं।

## अनुसूची

प्लाट 10 पैकाफ्ट्स् गार्डन रोड, नुंगप्बाक्कम् मद्रास थौसन्डलंडस लेख सं० 360/85।

> श्री मती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 11-3-1986

मोहर ।

प्ररूप बार्च<sub>ा</sub> दी<sub>ल</sub> एम<sub>ा</sub> एक<sub>ा प</sub>रा

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सङ्कार

# कार्याचन, तहारक शामनुर कार्युवय (निचनिक्रम)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 15/जुलाई 1985—-अत: मुझे -श्रीमती एम० शामुबेल

नायकार निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूस्य 1,00,000/- रा. से निभक्त है

श्रौर जिसकी सं० सवाय अनेक्स नीलीरीस एस० सं० 13656/1 न्यू सं० 3938/1 है जो दी बार्ण क्लब ब्यू में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर लेख सं० 2061 2031/85 में भारतीय अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को प्रविक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के जरवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से एसे ज्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रक्रियान निकासित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निविक्त में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्द्रक के क्क्ट्र क्रिक्की जान की नामका अक्त नियम के अभीन कर दोने की बन्तरक के वाबित्य में कभी करने या ज्वासे मधने में सुनिधा के किए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः शवः, जनतः श्रीभीनवनं सी भारा 269-त के श्रवाहरूण मी, मी, जनतः सभिनियत्रं सी भारा 269-त सी सप्यारा (1) के अभोतः तिस्मीतिदेवतं स्वीत्यार्थोः। स्वर्धाः स्कार (1) मेसर्स स्पन्तर एण्ड को० लिमिटेड भ्रौर स्पेन्सर इन्टरनेशक्षल होटल्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) दी ॰ इण्डियन होटल्स कम्पनी लिमिटेंड ताण महल होटल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में बकाशन की दारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्क मिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो जस अभ्याय में निया गया है।

## अनुसूची

भूमि ग्रौर महान दी भारण क्लब न्यू ऊंठी बी० डीबीजन सवाय अनेक्स नीलगरीस् एस० सं० बी० 656/1 न्यूसं० 3938/1 मद्रास उत्तर लेख सं० 2061 2031/85

> श्रीमती एम० सामुदेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 11-3-1986

प्ररूप आइ. दी. एन. एस. -----(1) श्री एस० गोविन्धन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० नागलिंगम ।

(ग्रन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, मदास

मदास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 24/जुलाई 1985---ग्रतः मुझे श्री मती एम० सामुवेल

**वापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्से** इतके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-व के नंभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थागर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 32, श्राधि नारायणपुरम टेलिफ़ोन कालोनी है, जो वेलच्चेरी–शदापेठ में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सेसपेठ लेख सं० 795/85 हु भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई 1985।

को पूर्वेक्त संपत्ति का उद्भित् वाधार मुख्य से अन के अस्वश्राप प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके स्वन्नान प्रतिकत्त से, एके करवजान प्रतिकत्तु का नंत्रह प्रतिकत से नर्धिक है और मंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच हुने अन्तरण के निष्ठान पाया गया प्रतिकस, निम्नुसिचित् अबुक्षेत्र से उस्त अन्धरण सिन्तित में पारविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) नंतरण से हुई किसी नाम की बाबस, उक्त विधितियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उत्तवे बचने में सुविधा के जिल्हा और/वा
- 🌘 एरेवी किसी बाब वा किसी भन वा बन्य बास्तियों को ज़िन्हें शारतीय नायकर विधिनियम, <u>(</u>1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्रवोदयार्थ अन्तरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया जाना जाहिए था, कियाने में सुरिक्धा केलिए:

**बब**्र क्या<sub>रि</sub> उक्त मीभीनवन को भारा 269-न में बब्बरण मॅं, मॅं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) म् बध्देन, निम्नसिवित व्यक्तिमाँ🖫 वर्णात् 🖫 🗝

को बहु बुचना बारी करके पूर्वीक्त बन्धीत के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हो।

बन्द सम्पत्ति के वर्षन में संबंध ने कोई ही वासेप ह--

- (क) इन्त सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीय हि-15 विन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तुषना की वामील से 30 दिन की अवधि, वो मी श्रीम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुषाराह
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिम को भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितवद्भ किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिरियत में किए वा सकरेंगे।

*श*्यक्रीकरणः—इतमें प्रवृक्त कर्जी और पदों का जो **स्वत** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित g<sup>2</sup>, बही नर्थ होगा जो उस मध्याय में विकि यथा है।

## मन्यूपी

भूमि और मकान--प्लाट सं० 32, ग्राधिनारायणपुरम टेलिफ़ोन कालिन, वेलच्मेरी, सैदापेठ, तालुक, सैदापेठ लेख सं० 795/851

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मदास

तारीख: 11-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-II, मदास

मदास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 41/जुलाई 1985—-श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहचात 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14वाँ वार्ड, के०पी०एन० कालौनी दक्षिण जोठिपालयमत गांव टी०एस० मं० 1306/33/2 है; जो तिरुघर-पत्बंडम में स्थित है (और इसके श्रमुबंध में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तिरूपूर, लेख सं० 1908/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1985

अने पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयान प्रतिकश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्व, उसके स्वयान प्रतिक्ष से, ए से स्वयान प्रतिक्ष से सम्पन्ति को जीव संतरित (अंतरिति (अंतरिति के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष से, किम्मिति उद्देश से उच्च अन्तरण जिचित के वास्त- विक स्थ से कृषित नहीं किया क्या है ■ ...

- (क) बन्तहरू वे क्षूष्ट किसी बाब की वाबक, अक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व भी कमी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; बौध/वा
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन का जम्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सूविधा के लिए;

कता कवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तिरयों, अधीत् क्ष- (1) श्री के॰ पोन्नस्वामि।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम०पी० एस० त्यागराजन।

(मन्द्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्षाच्या सम्परित को वर्षण को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बन्धि या तत्वम्बन्धी व्यक्तिकों वर्ष स्वना की तामीन से 30 दिन की सन्धि, को औं अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ब्याराः
- (व) इस त्यान के राज्यम् में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के श्रीवर स्थान्त स्थान्त सम्पत्ति में हितवर्थ किसी जन्म स्थानित द्वारा अभोहस्ताकड़ी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## नन्स्ची

भूमि पल्लंडम, तालूक तिरूप्पुर, 14 वार्ड, यूनियन मिल रोड, के॰पी॰एन॰ कालनी दक्षिण, तोद्दिपालयम, तिरूप्पूर लेख मं॰ 1908/85।

> श्रीमती एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II: मवास

तारीख: 11-3-1986

## प्रकार बार्ड . टी . एम . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सदस्य

कश्यांजय, सहायक जायकर जाम्बर (निर्देशक)

धर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 43/जुलाई/1985—-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का जारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 334, है, जो पठ्ठा 1.33 एकड, कारमई गांव में स्थित है (और इससे उपावद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मेठ्ठप्पालयम् लेख सं० 1713/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16 जुलाई 1985

भ्ये पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान बन्तरिक्ष यक् के लिए की अरि र्रातफल करने कारण है विद्यास का बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) बौध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न्रहीं किया गया हैं:---

- (क) मुख्य वे हुई किसी बाद की बादत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेची किसी जान वा किसी यन वा बन्स बारिसकों करों, चिन्हों भारतीय नाय-कर लेजिनियम, 1922 (1922 का 1t) वा उक्क प्रधितियम, वा धन-कर विधितियम, वा धन-कर विधितियम, वा धन-कर विधितियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ करतियों सुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किश जाना चाहिए वा, छिपाने में बुविधा के लिए:

कतः लवः, उक्त अधिनियम को भारा 269-म को अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिक ें, य्यक्ति डिल्ल (1) श्री पी० सी० नन्जप्प गौंडर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० वेंकटेशलु, श्रायरेक्टर श्री जगन्नाथ इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुा।

## उन्त संपत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाबोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रह्मरा;
- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित के किए था शकीने।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का न को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा वधा हैं.।

## अनुसूची

भूमि और मकान-1.33 एकड़ भूमि, कारमङै गांव, मेहुप्पालयम, लेख सं० 1713/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

**तारीख: 11-3-1986** 

## प्रक्य बार्ड .टी. एव. एस. ------

आथकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां ज्य, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज- $\Pi$ , मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० 47/जुलाई/1985---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती, जो पिय्यानूरगांव में स्थित है (और इसके श्रनुबंध में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बेसूर, लेख सं० 2973/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के उधीन, गिम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 25—36GI/86 (1) श्री एस०पी० नटराजन और श्रम्य ।

श्रन्तरक)

(2) श्री एन० सूर्यंकुमार और एस० वेंकटराम कृष्णन । (भ्रन्सरिती)

की यह सूचना बारी करके प्रॉक्स सम्पत्ति के अर्थन में लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाह्येप 🎞

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनसूचीं

क्रृषि खेती, पिय्यानूर गांव, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 2973/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एसं.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

र्षाजंः रेंज--2, मद्रास मद्रास, दिनांकः 11 मार्च 1986

निदेश सं० 52/जुलाई--1985---प्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.90,000/- रु. से अधिक है

और निमका सं० लख सं० 639/85 का शेडुल में दी हुई ममासि है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ग रूप ने विणित है) रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारीं के कार्यालय, उद्यामण्डलम लेख सं० 639/85 में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन ताराख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण भैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातृ:—— (1) मैं श्रोकार मिल्स लिमिटेड । श्रो एन दामोदरत, नेयरमैत ।

(%不下來)

(2) मै० प्रिमियर इन्सोरेंस इन्द्रुमेंट्स एण्ड कन्टोलर लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्ष अध्याय में दिया गया है।

## **अमृस्**ची

लेख नं० 639/85 को शेहुल में दा हुई सम्भानीं। उदगमण्डलम, लेख म० 639/85।

> श्रीमती एम० साम्वेल<sub>्</sub> सन्नम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजीत रेंज- 2, मद्रास

तारीख: 11--3--1985

मोहर ।

## प्रकृप कार्च . द्वी . एव . एव . -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व (1) के नवीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 54/जुलाई/1985---अस। मुझे, श्रोमतो एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं जेट्टी - कुलतूर नोलिगरो है तथा जो निलिगरों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पिलत है), रिजस्ट्रोंकर्ता प्रिक्कारी के कार्यालय, उदमग-मण्डलम, लेख सं 835/85 में रिजस्ट्रोंकरण प्रिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीख जुलाई, 1985 का पूर्वाक्स सम्पत्ति के उपास वाचार मृस्य से कम के अधाम प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि यथा पूर्वाक्स संपत्ति का उपास वाचार मृस्य से कम के अधाम प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि यथा पूर्वाक्स संपत्ति का उपास वाचार मृस्य, उसके स्थयमान प्रतिकास से, एसे स्थयमान प्रतिकास के पत्तु प्रतिकास से, एसे स्थयमान प्रतिकास के पत्तु प्रतिकास से कि स्थयमान प्रतिकास है किया प्रतिकास के पत्तु प्रतिकास से किया के प्रतिकास के पत्तु प्रतिकास से किया के प्रतिकास के पत्तु प्रतिकास से किया के प्रतिकास के पत्तु प्रतिकास के पत्तु के प्रतिकास के पत्तु के प्रतिकास के प्रतिकास के पत्तु के किया किया के किया के किया किया किया किया के किया किया किया किया के किया के किया किया क

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत्, ज्वस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; बॉर/मा
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हीं भारतीय साथ-कर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उचत विधिनवंत्र, वा धनकद विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) को प्रतोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए जा, कियाने वें सुविधा को शिक्ष;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—-- (1) मै॰ तमिल नाडु स्माल इण्डम्ट्रोस डेथलपमेंट। कारपोरेशन।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमती कुसुमन इण्डस्ट्रीज को मानेसिंग पार्टनर निर्मला ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राचपण में प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, जो और समीय काद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित्बबूध किसी अन्य स्पन्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के वाल सिवित में किए वा सकोंगे।

## अनुसूची

भूमि- कुलत्तूर ऊट्टो, नोलगिरी धार०एस० सं० 188 उदगमन्बलम् / लेख सं० 835/85।

> श्रोमतो एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज--2, मद्रास

तारोख : 11-·3--1986

## श्ररूप् वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 57/ जुलाई/1985-—श्रतः मुझे, श्रोमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षभ प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से बिधिक हैं।
और जिसको सं० गस्था पोलार्थी सर्वे सं० वार्ड 5, डो॰ एस॰
सं० 146/2-ए, 146/4-सो हैं। जो तिरूचूर (पोल्लाच्ची)
में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से विधित हैं), रिजस्ट्रेंकिती अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्चों
लेख सं० 1573/ 5 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारोख जुलाई, 1985

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विचित्त में शास्तिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विचित्त में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. ं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :---

- (1) श्रो बो॰ एन॰ नारायणस्थानो और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स मुखना होटल्स प्रा० लि० को मैनेजिंग पार्टनर श्री पो० रामकृष्णन् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिल् कार्वनाहियां करता हूं।

उन्त बन्दित के अर्थन के बन्दन्थ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वासा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिस- अव्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अक्षेड्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया-गमा है।

## नन्सची

भूमि और मकान--पोलाच्यो गस्पा पोल्लाच्यो सर्वे वार्ड नं० 5, डो० एस० सं० 146/2, 146/4-सो, तिरूपुर, पोल्लाच्यो लेख सं० 1573/85।

श्रोमतो एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो , महायक श्रायकर श्रायुक्त निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

ताराख: 11-3-1986

प्रक्रम बाह्", टी. एन., एस. - - -

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वनः

#### भारत सरकाह

## कार्यासव, शहायक जायकर वायुक्त (पिरुक्तिक) श्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेण सं० 65/जुलाई/1985--प्रतः मुझे, ु श्रीमती एम० माम्वेल,

क्षायकार ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रकाश (जिस जिस कार्या है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम कार्य कार्य कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त विधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के यिएक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बाँग्र/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अवः, उपत अधिनियम काँ धारा 269-त को अनुसरण में, में, रभर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) श्राएम० एम० बाहुब साहिब और प्रन्थ
- (अन्तरकः)
- (2) श्राह्मार० कृष्ण,सामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृष्यना जारी कारके पृष्ठीक्त सम्परित कं अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस स 45 विन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीन से 30 विन की संविध, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्वािकरणः — - देशमं प्रमृत्त क्यों और पर्वो का, जा उक्त सिंपित्यमं के संभाय 20-क में परिभाषित ही, बही जर्भ हाल जो उस अध्याय मा विस् गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकात--189/4 गालै कुलिचेट्टियार लेन । तिरुषुर गांव तिरुषुर लेख सं० 1366/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 11-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, मधास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेण सं० 67/जुलाई 1985—ग्रानः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 2, वार्ड सं० 3, ब्लाक सं० 16टी० एस० सं० 969 दक्षिण सम्मिद स्ट्रीट है, जो चित्रम्बर म् में स्थित (है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुची में श्रीर पूर्ण रुप से बिणत है), रिजिस्ट्री हर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चित्रम्बरम् लेख मं० 1729/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्रीमती कनगलक्ष्मी ग्रीर ग्रन्थों।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीके० एम० मधनराज

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से भ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत कि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुची

भूमि ग्रौर मकान :- इस एस० सं० 2, वार्ड 3, ब्लाक सं० 16 टी० एस० सं० 969 दक्षिण सन्नवि स्ट्रीट, चिदम्बरम् टाइन चिदम्बरम् लेख सं० 1729/85

> श्रीपती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 11-3-1986

मोहरः

# प्रकष् जाद्र . टी . एन . एख . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यांसय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञीन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 79/जुलाई 1985—प्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (षिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के सभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति जिसका अधित बाजार मृत्य 1 00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पल्लडम, पोंगलूर गांव तिरूपुर से स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पल्लडम् लेख सं० 1387/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1985

(1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिता (अंतरितियाँ) के भीण एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्निविचत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्बिक हम से कथित नहीं फिया गया है

- [क] बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रीधिनियम के अभीन कर योगे के शंतरक के दायित्य में कमी करने या उसम उच्चों में स्विधा के निए: बौर/बा
- (मा) एंगी फिसी जाय या किसी धन या लन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने के परिकास के निष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाद्य:--- (1) गोविंद स्वाम 🍪 🗥 🏗 ग्रन्यों।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० मणेणि , क्रायम्बत्तूर कमेटी, क्रायम्बतूबर । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

ङ्खि खेती '─पल्लडम् पोंगलूर गांव, तिरूपुर पल्लडम् लेख सं० 1387/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, मद्रास

दिनांदः 11-3-1986

**इस्त बार**्ट. टी. एन<sub>ा</sub> एत्<sub>ल प्रमानसम्बद्धाः</sub>

माधकर निधितियम, 1981 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के मधीन वृत्रमा

#### STATE STATES

कार्थालय, तहायक वायकार नायुक्त (निर्दाक्तक) ग्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास दिनांकः 11 मार्च 1986 निवेश सं० 83/जुलाई 1985—श्रतः मुझे श्रीमती एम सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पत्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 12/104 संगतूर गांव, कोयम्बसूर, गांधीपुरम् में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गांधीपुरम् लेख मं० 3230/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ज्लाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मतित के विकार बाबार मूक्य हे काम के कामान प्रतिकास के सिए बन्तरित को नहीं है। बीर मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृति का प्रमित्त बाबार बूक्य, उसके कामान प्रतिकत से, एवं कामान प्रतिकास का प्रमुद्ध प्रतिकात से विभिक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे बंतरण के निए १प पात्रा बना प्रति-कत निक्नसिक्तित उद्देशम से उक्त बन्तरण निकित में बास्तिकक कम से कथित नहीं किया बना है ध-

- (क) अन्वरूप वे हुई हिम्मी बाय की बावत करक शवि-विवय के स्पीत कर दोने के अन्तरूक के वासित्य के करी करने या उनके व्यन में सुविधा के निया; शरि/वा
- (स) एसी किसी जान ना किसी जन ना अन्य जास्तिनों करें, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति विभिनियम, या भन- कर जिजनियम, 1957 (1957 का 27) के अनोधनार्ज अस्तिरती क्वारा प्रकट वहीं किया जना ना किया जाना चाहिए जा, कियाने में स्विधा जी सिए;
  - जब, उक्त वर्रियनियम की भारा 269-व की वनुसरण उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) नियमिशिकत व्यक्तियों, वर्जीत् :---

(1) श्री के० वरगीस मात्यु।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज लक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां कारता हुं।

दक्त सम्मृतिस भी कर्मन के सम्मन्ध में कीई भी नासरे:---

- (क) इव सूचना के क्ष्यपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तस्तव्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीय से 30 दिन की जविध, जो भी जनीय वाद में समाप्त होती हो, को भीएर प्रकारित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जकर स्थावर संपत्ति में दिवा विद्या किसी अन्य स्थावत द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकति।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, कर उन्ह विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिसावित हैं, वहीं अर्थ दोगा को उस अध्याय में दिया स्वाही।

## बन्स्की

भूमि श्रीर मकान टी० एस० सं० 12/104, संगनूर गांव कोयम्बसूर, गांधीपुरम् लेख सं० 3230/85

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बहास

दिनांक: 11-3-1986

दश्य बार्ड हो. एम पुर्व अन्याननामा

नाधकर निर्मित्रक, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-न (1) में नधीन सूचना

#### भाइव हरकाड

कार्यान्य, सहायक नायकार वानुक्य (निर्माक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनोक 11 मार्च 1986 निदेश सं० 86/जुलाई 1985

ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० नरसिंह नायक नपालयम् (3.65 एकसें) पालयम् पे रियनायकन् में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पेरियनायकन् पालयम् लेख सं० 1659, 1660/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक जुलाई 1985

को प्रोंक्त सम्मिति के सिन्द बाबार मून्य से कम के स्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास स्टर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित आजार सूच्य, उसके अववान प्रतिकृष्ण से, एसे स्वयान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिस्त से बिश्व है और अंतरण (अंतरकों) और अंतर-रती (अंतरितियाँ) में बीच एसे अंतरण में लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से फरिश्त नहीं किया नया है र----

- (क) संसरण थे हुई किथी बाद की बाबस्त, क्षेत्र विविध्यम के वृत्तीय कर दोने के बंदाहक के शामित्य में कभी करने वा उच्चे द्यूने में सुनिहा ने सिक्ष, बीए/वा
- (ल) एनी किसी बाय या किसी भन या कन्य बास्तियों हो, चिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रुत श्रुवत श

(1) पार्टनसं काफ प्रीमियसं स्पिन्नसं बी० श्रार०पावया श्रीर ग्रन्थों।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स पी० एस० जी० बी० टैक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिडेट।

(श्रन्तरिती)

को वह श्या थारी काइके प्रशेषक सम्मास के वर्षन के विव

उन्त बुम्हरित के बर्चन में सम्बन्ध में कोई भी बालेंग हु--

- (क) इस सूचना के ज्ञापन को प्रकाशन की तार्रीय में
  45 विद की । कि या तत्वविधी व्यक्तियों पर
  सूचना की सभी से 30 दिन की जबकि, को सी
  बच्चीय बाद के मान्य होती हो, के श्रीतड प्रवेक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (त) इस स्वना के जिपन में प्रकाशन की तारीं से दिन के नीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दिनक्षण किसी क्ष्य म्यक्ति दुवारा, अयोहस्ताक्ष्री के यास विविद्य में किसे का अवोज के वा

स्वक्षांकरण ह— इसमें प्रयुक्त सन्दों नोह वसों का.; जो स्वस्त विश्वविद्याल के वध्याय 20-क में वरिशावित हाँ, वहीं वर्ष होया को एक व्यवद्याद में हिंद्या मुका ही हैं

## म्पूर्वा

कृषि खेती जी० एस० सं० 178; 120/2, 154, 155, पेटिनायक नपालयम नरसिंह नायकन पालयम, कोयम्बत्तूर, पेरिनायकम पालयम लेख सं० 1659, 1660/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंजे⊸2, मज्ञास

दिनांक: 11-3-1986

मोहरः

त्ररूप नार्ष छ टी. एन , एस ्ड------

धामकर श्रीभीनगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के जभीन सचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक वायकर वायकत (निरोक्षण); ग्रजम रंज-2; मुद्रास

मद्रास, दिनांक 11 पार्च, 1986

निर्देश सं० 128/जुलाई/85--धतः मुझे, श्रीमती एव० सामुबेल आवकर जीवमित्रज्ञ, 1961 (1961 का 43) (चित्रे कामे

आवकर जिमिनन, 1961 (1961 का 43) (जिले कार्में इसके शवात 'उक्त जीविमिनन' कहा गवा है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी की वह जिक्कास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार नृत्य 1.00.000/- रा. से जिथक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं 0 15 है, जो लाल मोहमद स्ट्रीट चेपाक ट्रिस्टिकेन
मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्धभनुसूची में और पूर्ण रूप
बणित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिस्लिकेन
लेख सं 0 510/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1985
को दूर्वोक्त सम्बद्धि के उचित बाजार मूख्य से कुन के खरबान
ग्रतिकल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूजो बहु बिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उपित बाजार
मूख्य, इतके खरबान प्रतिकल से, एंचे खरबाल प्रतिकल का
बद्ध प्रतिचात से अधिक हैं और जन्तरका और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एंसे जन्तरण के लिए तथ पावा गवा
प्रतिकल, निम्मीक्षित उद्वर्ध से उक्त जन्तरण लिखित में
बात्तिकल, निम्मीक्षित उद्वर्ध से उक्त जन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नासता, उक्त जीधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने या उत्तते बचने में सूबिचा के लिए; जीर/वा
- (क) एंसी किसी आब वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) जिम्मीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. भीमती कण्णस्माल और ग्रन्थ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० पोन्नम्माल।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथीक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

पनत रामित के जर्जन के तम्बन्ध में कोई भी मार्का :----

- (क) आह कुणना के सजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीं बातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि , जो भी जबींच बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पाचीकरण:---इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान-25 हुयू सं० 15 लाल मुहम्मव स्ट्रीट, चेपाक-द्रिष्लिकेन, मद्रास; द्रिष्लिकेन लेख सं० 570/85।

> श्रीमती एम० सामुवेतं सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारी**ज:** 11-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-=---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मदास, विनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० 149/जुलाई/85--म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्कात करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से **अभिक हैं** 

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 102/1, 102/3, 102/5 न्यू टी० एस० नं० सं० 5224/2 ब्लाक सं० 119 है, जो सार्डदापेठ तालूक दक्षिण मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 835/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई, 1985

को पूर्वोक्स संपत्सि के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ﴿ अधीन निम्नलिसिस स्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्री श्रार० वेंकटरासनन्।

(धम्हरक)

2. श्रीमतीपी० तमिलराशि।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्वित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## बन्स्को

टों एस० सं० 102/1, 102/3, 102/5 न्यू टी० एस०सं० 522-4/2 ब्लाक सं० 119 में साईदापेठ उत्तर् उस्मार रोड़, टीं० नगर मद्रास-17

टी० नगर लेख सं० 835/85।

श्रीमती एम० सामुबेल राजम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, मदास-6

सारीख 7-3-1986 मोहर सुक्य भाष' . टर्, एवं . एवं . .....

# शासक्य स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की नाम 269-क् (1) के क्रीत जुलना

#### STEEL SEPTEMBER

भार्यालयः, सहायकः बायकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास-6

मदास, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० 165/जुलाई/85---- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इक्षणे इस के पश्यास् 'उक्त अधिनियमें कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन स्थाप प्राधिकारी को वह निश्वत कड़ने का काडल हैं कि स्थायंड बन्धीस, जिल्ला उतिस नामार नृश्य 1,00,000/- स. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 10 गणपित कालोनी पस्ट द्रीट है, जो गोपालपुरम मदास 86 में स्थित है (और इससे उराबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्द्रल लेख सं० 710/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख जुलाई, 1985

की पूर्वाक्त बन्गरित के उद्देश्य बाधार मुख्य हो कम के इक्स्वाल प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि वंचापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजात कृष्य, असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इस्समान प्रतिफल का निक्क प्रतिकात से विभिक है और वंतरक (वंतरकों) बौद अंतरिती (जन्तरितिकों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक का निक्किसिया सहार्वेक से उच्च बंदरण सिविश में वास्तविक इस वे क्षित नहीं किया यहा है हिल्ल

- (क) जन्तरण में हुइ किसी नाय की वानत, उक्त विविव्य के स्थीन कुछ दने के धन्तरक के वादित्य में कमी कर्तने वा अनुसे स्थाने में तृतिभा के जिए; सौर/था
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकाः नहीं किया गया वा का का वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

च्छात अव, उन्त विधिनियम की भारा 269 था के वनुसूरण को, भी, उन्त अभिनियम की भारा 269 थ की उपभारा (1) को अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—- 1. श्रीमती एम० कोलम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती फातिमा बी० ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्ची

भूमि और मकान--10, गणपित कालोनी 1-स्ट्रीट गोपालपुरम मदास-86 सेन्ट्रल लेख सं० 710/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख 11-3-86 मोहर: प्ररूप आई.टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, मन्नास

मदास, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्वेश सं० 172/जुलाई/85——ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

विविक्तर थांपिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसमें प्रभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० व्लाट I फ्लोर 33/बी 4 ग्रिभरामपुरम-III स्ट्रीट है, जो मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबक्क श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में लापुर लेख सं० 822/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के वस्त्रकात प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उपित काबार मूल्य,, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यकान जातिफल के वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना नया प्रतिफल निम्नसितियाँ उद्योग्य से उक्त अंतरण विश्वित में वास्तिक कप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्यद्रक चं शुर्ह किन्दी बान की बान्द्रका अक्ट अधिनियम के स्थीन कर दोने के नन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सूबिधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी कार वा किसी धन वा कम्ब वास्तिवीं को, विन्हीं भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या चन-कर विधिनायम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया बाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा सहिद्या के सिद्य;

बतः कवः, सक्त विधितयव की भारा 269-न के वनुकरक को, को, उक्त विधित्यम की भारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती जय लक्ष्मी बालसृब्धमणियन्।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती कांतिमति बालसुब्बमणियन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्रुप्ता नार्थ करके पृत्रीयत सम्प्रांत के वर्षन भे जिए कार्यकाहियां सुरत करता हुं।

जन्म सन्दर्शित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबरेंप ह--

- (क) इस लूचना के राज्यम में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की स्वाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कूचना की तामीस से 30 दिन की जबधि, को भी जबकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सूपना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष कि ही क्ला स्थावित इवारा अधोहस्ताकारी के पाड़ सिंचित में किएं वा सकते।

स्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रभूवत बच्चों और पदों का भी समझ धाँधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sub>िं!</sub> वहीं वर्ष होगा, भी उस अध्याय में विवा श्या है।

#### **अनुसूची**

प्लाट---33/बी4, श्रिभरामपुरम-III स्ट्रीट मद्रास-618 मेलापुर लेख सं० 822/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 11-3-1986

## प्रकम आहं ु टी., एन ु एव ु ===

# बासफर गंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269(थ) (1) में सभीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यासय - सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रैज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० 211/जुलाई, 85--- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (धिसी इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 43, है जिस्टस बी० रामास्वामी रोड, भड़यार है तथा जो एस० सं० 26/1-बी, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लेख सं० 1968/85 मद्रास उत्तर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख जुलाई, 1985

भगे पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दक्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निरुकास करने का कार्ण है कि ब्थापूर्वोक्त स्माति का उचित बाजार मूख, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे उपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और मन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्मसिचित डब्वेच्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक कम से किंचित वहीं किया क्या है :---

- हेंक) ज़लाइन ही हुइर किसी नाम की नामत्त समस अभिग्रेमम्ब की ज़नील कहा योगे की अन्तरक की स्वीतरम की क्यों करने ना स्वालं नामने में सुविष्धा में लिए; ब्रीड/ना
- (क) होते किसी बाव वा किसी वृष् वा काम् वास्तियों को किसी भारतीय वासकर वृष्णिनवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा उक्त व्यक्तितिहा, वा ध्य-भारत व्यक्तितिहा, वा ध्य-भारत व्यक्तितिहा, वा ध्य-भारत व्यक्तित्वम्, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ वन्तरियों ध्वाद्ध प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा वे निष्

अतः अबः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो बी० रमुपति 45; प्लेस रोड बंगलूर-568001 (धन्तरक)
- (2) श्री बो॰ एम गोपालक्रण्णन, आतन्द नगर, (पूर्व), मद्रास-40 (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूड़के पूर्वोक्ट सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पूर सूचना की दामील से 30 दिन की जन्धि, को भी कर्यां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा
- (व) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकोंगे।

स्यस्थीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त । अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया भूभ है।

#### मन्सूची

भूमि और मकान--43, जस्टिस वी० रामस्वामी रोड, भ्रडयार, मद्रास । एस० सं० 26/1-बी---मद्रास उत्तर लेख सं० 1968 ।

> श्रीमती एा० धामुवेल् स्थाम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रंज-2, मद्रास

तारीख : 11-3-1986

प्रथम सार्वं ुटी ु एन ् एवं ह सनवान

बायकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्धीन सूचका

## शास्त्र परकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जावृत्स (निरक्तिक)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० 212/जुलाई/85—न्न्नतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परजात 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं टी एस सं 3/1774/2-ए, और 1779/1ए, सं 260 हिस्सा है तथा जो कोयम्बट्टर में स्थित (इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास लेखा सं 2223/85 (3 सं) - रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोचल तस्मीत के उचित बाचार मूल्य से कम के सम्बान प्रतिक्त के सिए अन्तरित की गई है जोर मूले वह विस्ताल करने का कारण है कि वस्पूर्वोचल सम्मीत का उचित बादार मूल्य, उत्तक क्षयमान प्रतिक्त से एते क्षयमान प्रतिक्त का उन्तर का उन्तर से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय भवा गया प्रतिक्त, निम्नितिवित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण निम्नितिक क्षय से अधिक कम से किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबते । उसते शीधितयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा की सिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय भायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उं में अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूबिधा में बिहर:

वतः वयः उक्त विभिनियमं की भारा 269-व के वम्बरन में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीरा, निम्मिकिति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सी० श्रार० नरेंद्रन और भ्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) भी पैक ग्रहमद और मृहमद ग्रली और मन्य। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्त सम्परित के अर्थन के विष्र कार्यवाहियों करता हूं।

# सक्त सम्मरित में वर्षन में संबंध में कोई औं आक्री 🖦

- (क) इत सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारींव से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामीं से 30 विन की जनभि, को भी अवधि नाद रं समाप्त होती हो, के भीतडु पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाइए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किकि वे किसे कर सकरें।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पड़ों का, जो उक्त जिम्मीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन संची

भूमि और मकान—-260 हिस्सा— न्यू टी० एस० सं० 3/1774/2—ए और 1779/1—ए, कोयम्बटूर टाउन, उत्तर मद्रास लेख सं० 2223/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख 11−3−1986 मोहर **म्यान् नाष्ट्री, दो , एम् , एस**्, प्रान्तनावानावा

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुकता

#### HISG GRAD

# कार्यांकव, सङ्घ्यक वायकर शानुक्त (विर्युक्तक)

**मर्जन रॅज−2, महा**स

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1986

निवेश सं० 75/जुलाई, सं०/84--श्रतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्राची परचात् 'उस्त जीधनियम' कहा नया हैं। की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का काउन हैं कि स्थानर सम्परित कि किसका जीवत साजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० प्लाट डोर सं० 139 और 140, मार्गलस रोड, है तथा जो एग्मोर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस्तावेज स० 761/85) में रिजिस्ट्री—करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1 जुलाई, 1985

भी पृथिनित सम्पत्ति के उत्वित बाबार मृश्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने कम कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, असके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफाल, निम्नसिक्ति सब्बेस्थ से उच्त अन्तरण विश्वित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) बनारण नं हुई किसीं नाव की नानत, उनस बिधिनियम के न्यीन कर दोने के बन्तारक के वायित्व में कमी करने या उससे न्यने में सुविधा के किए; बीद/वा
- ें एसी किसी बाय था किसी धन या क्या आस्तियों का, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिक वृंतारा प्रकट नक्षी किया चरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वयः, उत्पत्त वर्षिनियमं कौ भारा 269-ग कै अनुसरण वो, बी, सक्त वर्षिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एम० ग्रानन्दन और ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० एन० एस० चिदम्बरम ।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारों करके पूर्वोक्त संवरित के अर्जन के किए कार्यभाहियां कड़ता हुन्।

उन्त सम्मितित के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहाद ए---

- (क) इस ब्युना में प्राप्त्य में म्यायुव की वाडीब से

   45 दिन की अनुधि ना वरण्यानी म्युनियुनी वृध
  बुचना की दामीस से 30 विन की नन्ति, भी भी
  बसीप माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकश
  म्यायुने में से सिमी म्याय्त हुवाराह
- (४) इस सूचना के राजपत्र ये प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो सकत अधिनियम से कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्ष होंगा, को उस कथ्याय में दिया प्रमा

## **भग्**स्**नी**

प्लाट डोर सं० 139 और 140, मार्गलस रोड, एक्सोर, मद्रास—8। इस० सं०/761/85

> श्रीमती एम० सामुदेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मदास

तारीख: 7-3-1986

मोहरः

प्र<del>रूप भार्द</del>, टी, एन, एस.-----

भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1986 निदेश सं० 80/जुलाई/85---श्रत मुझे, श्रीमती 'एम० सामुवेल

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 3, जनरल कार्लिग्म रोड, वेपेरी है तथा जो मद्राम-7 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस्तावेज सं० 827/85) में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

करे प्रोंक्त सम्पत्ति के अचित बाजार शृक्य से कम के व्यवकार शासफल के जिए अन्तरित की गई है जीर मुखे यह विववाध करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाखार शृक्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एमें क्ष्मजान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिश्व से अभिक है मीप अंतरक (बंदरका) और बंदरिती (बंदरितियाँ) के बीच एसे बंदर्ज के जिए हव पाया प्रां प्रीव-फल निम्निचित उद्विस्स से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक क्षम से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुए किसी आप की बायस, दक्ष जिल्ली की की की कार्य के व्यक्ति कर दोने के बन्तरक के व्यक्ति कर की किसा के किए; और/सा
- (क) शंसी किसी जाय वा किसी थव वा अन्य आस्तिवीं कारे, चिन्हें वाश्तीय नामकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्क अधिनियम वा भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया नमा वा किया वाना वाहिए था, कियाने में स्विध्य के लिए;

(1) कुमारी ए० बी० डिलीमा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करफे पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 हिंद की वंदिश का उत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की दावील से 30 दिन की अविश्व, कांभी वंदिश कां भी वंदिश कों साम में समाप्त होती हों, के भीठर पूर्वोला व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिन्द- वब्ध कियी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के वास सिवित के शिक्ष का कार्य है कार्य ।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त करवों और पदों का, जो उक्त विभिन्नवान, के अभ्याभ 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

भूमि और निर्माण—-डोर सं० 3, जनरल कालिग्स रोड, बेपेरी, मद्रास-7 । ।

श्रीमती एम० सामु**वे**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राग

तारीख: 6-3-1986

शक्य बार्ड . दी . एन . एस . -----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थार 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर बाब्बत (निरीक्षण)

अर्जन र जिना, मद्रास

मद्रापः, दिनांज ६ मार्च, 1986

निर्देश मं० 87/जुलाई/85---अतः मुझे श्रोमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तवा उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर िसकी सं० प्लेट नं० III वां प्लोट सं० 8 है, तथा जो िरुपायगन एवेंच्यू कील्पाक, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्स्ट्रीकरण अधिवारी के जार्यालय, पेरियमेट (दं०सं० 896/85) में भारतीय रिज्युकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

करे प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मरूप, जसके उश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र-प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिकत अद्वोद्य से उन्त अंतरण जिन्हित में अन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण **घे हुई किसी बाध की बावध, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कैं** राष्ट्रियल में कमी करने या जससे अकने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः तव. उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विषयचन्द्र तोजाराम ।

(अन्दर्भ )

(2) श्री एफ ज्यालयन्द ।

(अन्भरिती)

को बहु कृषना बारी कारके प्रजीवत सम्मतित को अर्थन के विषय कार्यवाहियों कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्वाना के श्रावपक्ष में प्रकाशन की तहरील से 45 विन की अवीन ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी विश्वीय नाद में सनाप्य होती हो, से मीतर प्रवेचित स्वित्वों में से किसी न्यक्ति ह्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा मकोंगे।

स्पच्छीकरण :----- इसमें प्रयुक्त सब्दों और वदों का, को उच्छ विधिनियम, को वश्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होया को उस प्रध्यास में दिया प्याही।

## अनुसुची

्नाट 111 वां क्लोट द्वोर सं० 8, निक्नारायन अबेन्यू (त्या आवदी रोड) कीलनान, मद्राम, एम० मामुबेल ।

> एम० सामुबेल सक्षमः प्राधिकारी सहाय ह आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्राम

तारीख: 6−3−1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

लाग्कर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

## भारत सरकार कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मद्रास मद्राम, दिनांक 10 मार्च 1986 निदेश सं० 90/जुलाई/86--अल: मुझे, श्रीमती एम०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके **५ रुपास्** 'एय**त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के** अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्धित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे०सं० 1398, मादुवरम गांव है, जी में स्थित है (ग्रींग इसके अनुबंध में ग्रींग पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीएर्ता अधि धारी के दार्यात्य, सेम्बियम (६०म० 2448/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अबीन जुलाई, 1985।

को पूर्वकित संम्पाल के उचित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए नतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपरित का उचित बाजार म्स्य, असके करयमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रितिकार पं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाः) के बीच एमि उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलि। सत उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन मा अन्य मास्तियों का, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः कथ, टक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेनर रमनी भाई ग्रांर अन्य।

(अन्धर हा)

(2) श्री एम०सी० बोस ग्रीप अन्य।

(अन् तरिती )

को यह सूचना जारी करेक पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति चुवारा, अधोहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सकेगं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियभ, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमी सर्वे० सं० 1398, माद्रवरम गांव, (५०सं० 2448/851

> र्श्वामती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 मब्रास

नारीख: 10-3-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंख-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1986

निवेश सं० 94/जुलाई /1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह⁴

स्रौर जिसकी सं० टी०एस०मं० 3, ब्लाक सं०-2, पेटियक्ष्रल है, जो गांव, मद्रास में स्थित है (स्रींग इसके अनुबन्ध में स्रौरपूर्ण हम से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, असा नगर (द०सं० 2427/85) में भागतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षणार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंशरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के संघरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्वैतिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

नतः नव, अन्त विभिनियम, की धारा 269-ग में अन्तरण भें, भीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती एम० आन्डालम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री एम ० एस ० मेहता श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सुभना अभी करके पृथेकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्हें बन्दरित के नर्पन के संबंध हो कोई भी बार्शन हैं---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तिसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्ची

भूमी और निर्माण टीं oएसं ० सं ० 3, वेलाह सं ० 2, वेरि-यक्**ड**ल गांव, मद्रास (द०सं ० 2427/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्राय

नारीच : 7-3-1986

# प्रकार हार्डु <u>की भूग पुरस्तान्त्र</u>

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

# भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांतय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्णाकान)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० 9:/|जुलाई/1985---अतः <mark>सुझे, श्रीमती एम०</mark> सा**म्**बेल,

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 71, कोरटूर गांव, अन्ना भगर है, जो में स्थित है (ग्रींट इसके अनुबन्ध में श्रींट पूर्ण रूप से विजित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर (द० सं० 2490/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन जुलाई 1985

कां पृश्वित सम्मित के जियन वाजार मृत्य से का के इत्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिचत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाणा गया प्रतिफ ल्लीम्नलिखत उद्देश्य से उक्द अन्तरण विचित्त में वास्तिक क्य से कथित नहीं विश्वा गया है:---

- (क्लो अलारण के हुइ किसी बाय की वाबता, उक्त अधिनियस के लाभीज दावित्व में कमी करने या उससे क्वाने के सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (स) श्रेसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन जनकर अधिनियम, या जन जनकर अधिनियम, या जन जनकर अधिनियम, या जन राजकर अधिजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया श्रा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उपके अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अभीत्:--- (1) श्री पी०एम० जान।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामचुनी जा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्येंच :--

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीचा हो 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जनकि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोइस्ताक्षरी के बात लिखित में किए वा सकींगे।

ल्ब्बिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित है, बड़ी वर्ष होगा को उस अध्याय में क्यिश गया है।

#### गगुसुची

भूमी श्रौर निर्माण प्राट सं० 71, कोरहूर गांव, मद्रास (द०सं० 2490/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीखा : 6-3-1986

प्रकपः वार्दः दीः एवः एषः - = = =

(1) श्रीमर्ता सरस्वती संगमेश्वरन।

(अन्तरक)

(2) श्री के०एग० नरसिम्हन ।

(अन्तरिती)

बण्सकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-व (1) **से बधीर स्वना** 

## भारत ब्रकाह

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अजद्रन रेंज्-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेण सं० 100/जुलाई 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

बायकर लिधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त लिधिनियस' कहा गया हैं), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृत्य 1,00,000/- रहा से लिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3667, मुल्लम, अन्ता नगर में स्थित हैं (श्रीर इसेंप उपाबद्ध अनुमुनी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीनिती अधिकारी के कार्यालय अन्ता नगर (द० मं० 2619/85) में भारतीय रजीस्ट्रीनिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां रुजाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य ते कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांत्रशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-कल निम्निचित उद्देश्य से उक्ष अन्तरण लिखित में बास्तिवक इस्य के कथित नहीं किया नवा है कि

- (क) मन्त्रद्रम में हुई सिन्नी बाय की बाबचा, सन्तर मींपिएया के अधीन कार दोने के अन्तरक के सामित्य मी फार्मी कारने में उसने उन्हों में मुनिया-के रिल्, बार/या
- (गा) श्रेसी किसी नाव या किसी भन या अन्य सास्तियाँ वर्ड, जिल्हें भारतीय अध्यान्तर अधिनियम, 1922 १1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भग-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 2)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया या पर्वा या किया प्रकट मही किया वर्षा या किया प्रकट मही किया वर्षा या किया प्रकट मही किया वर्षा या किया प्रक्षा वर्षा वर्षा या किया प्रकट मही किया किया वर्षा वरा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्या वर्षा वरा

बारे बंब. उच्या वीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ब्रॉ., में, उच्या वॉधनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्रं अर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात १को बहु सुमना बारी करके पूर्वोक्त कमित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाडियां करता हो।

बन्द बन्दिन के अर्थन ने संबंध में कोई मी नासेंद् :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन, की तारीज ने 45 दिन की संवधि या तत्त्वज्ञानी व्यक्तियों पर सूचना की ठाणीन से 30 दिन की श्रवधि, को भी संवधि वाद में तबान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हे 45 दिन के बीतन उपक्ष स्थावर सम्बद्धि में हितवहुभ किसी याच व्यक्ति हुवारा, वशीहस्ताकड़ी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्पाका किरण :----इसमें प्रयुक्त शंक्यों और पर्दों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

## जन्त्जी

भूमी श्रीर निर्माण प्ताट सं० 3667, मुल्लम गांव, अन्ना नगर (दर्लं० 2619/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रार्स

तारीखा: 7—3—1986

## प्रकार बार्च . ही . एव . एव . .....

# बावकंद्र विधित्व, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन क्षा

#### सारक प्रकार

कार्यासय, सहायक जायक र जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनाँक 7 मार्च 1986

निदश सं० 104/जुलाई /85~~श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-अ के सभीन सक्त प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 10, है, जो विश्वित कोईल स्ट्रीट, ग्रिमिन्जिकरै, मद्रास-89 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध में ग्री र पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याक्षय, ग्रिज्या नगर (दस० स० 2697/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19-7~1985

- (क) बन्तरण से हुई किटी बाय की दाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यामित्व को कभी करने या उससे व्याने में सुविधा श्रीलए; ब्रीप्ट/२ः
- (क) व्यक्ति किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय अन्य अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरित व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के सिद्ध;

कतः वय, उन्त विधिनियम की वादा 269-व वा वस्तुष्त्रभ् भौ, पौ, उन्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिकाँ अभीत् क्रिक्त (1) श्रीमती यु० मृतुस्वामी नाइडु श्रीर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० ग्रन्जेना देवी।

(भ्रन्तरिती)

को वह श्वाना थारी करके प्वावित संपरित के वर्षन के विव कार्यग्राष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मंत्रंध में आहे भी आहोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4.5 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्जीक्त व्यक्तियां में संिकारी व्यक्ति स्वार्ध,
- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 किन को भीतर उकत स्थावर सम्परित में हित्सवृष किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्षकरेण:─हसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो अक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा के उस च्याय में विवा गया हैं।

## पन्सू की

भूमि श्रौर मकान---डोर सं० 10,वि०वि० कोईल स्ट्रीट, श्रमिनिजर्कर, मद्रास-29 (दम०सं० 2697/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास-6।

तारीख: 7-3-1986

# प्रकार वार्यः, धी वन , प्रा :------

# शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के मधीन स्थाना

#### भारत सरकार

शायां लय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) व्यर्जन रेंज-2 महास

मद्रास दिनौंक 7 मार्च 1986

निदेश सं० 107/जुलाई/85।---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 4, श्री साई नगर श्रनेक्स है, जो कोयम्बेत्र, श्रन्ना, नगर, मद्रास में स्थित है (और इसके श्रनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रन्ना नगर (द०सं० 2766/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन ज्लाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से क्रम के उत्तरकाल प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उत्तक दश्यमान प्रतिकास से, एते दश्यमान प्रतिकास का क्रमह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब गमा गया प्रतिकात, निम्नितिवात उद्योध्य से उच्त जन्तरण विश्वत में अस्तिक रूप से कथित महाँ किया गया है:—

- (का) अन्तरण ले हुन्दै किसी बाव की, बावरा, खनरा विधित्यक के अधीत कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल्हा और/या
- (च) इती किसी जान या किसी भग ना अंग्य अधिकानी का किस्ते भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तुनिधा की नइ;

बत बन, उक्त अविनियम की भारा 269-गं के अनुसरण में, बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-णं की उपधारा (1) हे अधीन, रिम्तिनिरास व्यक्तिकार, वर्जीय क (1) श्री पी० रामस्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी०ग्रार० मेल्व राज।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अचीन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाजीप :---

- (क) इत सूचना के राज्यका में प्रकाशन की रार्शिक्य से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवास;
- (च) इत्तस्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नथांहस्ताक्षरी के लंच लिखित में किए जा सकों।

स्करण : - इसमें अयुक्त कर्कों और पर्यो का, वा क्या जिथिनियम, के बाध्याय 20-क में परिभाषितः। इ. कही वर्ष होना को उक्त अध्याय में दिवा क्या है:

## अनुसूची

भूमी प्लाट सं० 4, श्री सायी नगर श्रमेक्य कोयम्बेतूर गाँव, मद्राम (द०सं० 2766/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 महास 1<sub>/</sub>सी

ता गेखा: 7-3-1986

शक्य बाह्रं, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रंज-2 मद्रास

मद्राम दिनाँक 7 मार्चे 1986

निर्देश सं० 121/नुलाई/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पालात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० डोर सं० है, जो 62, तम्ब चेट्टी लेन, रायपुरम, मदास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुरम (दस०सं० 1289/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 को 16) के श्रधीन 22-7-1985 को पूर्ण तित सम्मति के उचित बाजार कृष्य से कम के दश्यमान विताल के लिए अल्लरित की गई है आर नुके यह पिषवास करन की कारण दे कि यथापूर्वोक्त सम्मति वा उचित दाजार कृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अवस्थान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिकृत में अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ति श्री (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गाया प्रतिकृत , निम्निलिसन उद्युष्ण से उचित कन्तरण निम्निल वा द्यापा प्रतिकृत , निम्निलिसन उद्युष्ण से उचित कन्तरण निम्निल से वास्तिक क्ष्य से उचित कन्तरण निम्निल

- (क) कन्तरण से हुद्दू किसी जाय की बाबत, जनस अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने मा उससे क्चने में सुविधा के निष्; बौद्ध/बा
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी थन या जन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनिश्च, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्चम, या धनकर अधिनिश्मम, या धनकर अधिनिश्मम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्त्र प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के सिर्धा

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभी : जिस्तिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 28—36GI/86

(1) श्रो जानावेल गीर गोविसमाल।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जुन्द्रमृती।

(भ्रन्तरिती)

औा यह सूचना जारी करके प्रजीवत सम्मति के बर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बक्नन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी न्यिक्तयों पर नृचना की तामील में 30 दिन की अप्रिय, जो भी वविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतार पृथिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पांत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकोंगे।

# श्र**नुसूची**

भूमि ग्रीर मकान-डोर सं० 62, तम्बु चेट्टी, लेन, रायपुरम, मद्रास (दस० 1289/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 7-3-1986

ेर:

# प्रकथ बाह्य, ही. एवं. एवं. -----

# कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रुपीन स्वया

#### भारत पुरुषारु

# कार्याज्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 मद्राम मद्राम, दिनाँक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० 189/जुलाई/85 — ग्रनः मृझे, श्रीमती एम० सामुबेल.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रह. से अधिक हैं

स्त्रीर जिसकी सं० डोर सं० 294, है, जो, तस्बु चेही स्ट्रीट, मद्राम में स्थित है स्त्रीर इससे उपाबक्क में स्त्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्याक्य, मद्राम उत्तर (दन०मं० 2163/85) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16 के श्रधीन 17-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यवान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देष्य से उस्त बन्तरण किवित के विश्व यो कार्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देष्य से उस्त बन्तरण किवित के विश्व वस्त वस्त कार्तरण के लिखित

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत बिध-मियम को बधीन कर दोने के अन्तरक के दियल में फमी करने या उछत्ते बचने में मृविधा के निता; बीर/या
- (त्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा में सिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---- (1) श्री ती० प्रार० गुरू मूर्ती ग्रीर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० चि० मीनाक्षी सुन्द्रम।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यावित्यों पर सूचना की ताबीब से 30 दिन की बविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पाप निविद्य में किए वा सकों के ।

स्थानिक के बध्यों जौर क्यों का, वो उनसे विश्विक के बध्यों ये 20-के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया हैं ए

जनसंखी

भूमि--डोर सं० 294, तम्बु चेट्टी स्ट्रीट मद्राम-1 णवस० सं० 2163/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, महास

तारीख: 6-3-1986

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 6 मार्च 1986

निर्वेश सं० 140/जुलाई/1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

घोर जिसकी सं० डोर सं० 40, है, जो म्र स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्दास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्दास (द०सं० 2214/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बंच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) दोनी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

में कार्य, उन्तर अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तर अभिनियम की भारा 269 च की उपभारा (1) में अभीन., निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात ए--- (1) श्री प्रद्रीप कुमार ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ससं मद्रास कस्टम्स क्रीयटिन्ग शिष्पिन्ग एजेन्सी श्रसीसियेशन (श्री जगद्रीश, प्रेसीडेन्ट द्वारा)। (श्रन्तरिसी)

को यह स्चना आरी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त रुग्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### घनुसूची

भूमी श्रौर निर्माण होर सं० 40, मूर स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1(द०स० 2214/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्राय

तारीख: 6-3-1986

मोहर 🛭

प्रकम बाह्र . टी . एन . एस . ------

बायकर जिथितिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

#### नारत संस्कर

# कार्यासथ, सहायक नायकर नाय्कत (विद्रासण)

श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनाँक 7 मार्च 1986

निदेश सं० 141/जुलाई /1985--- श्रतः मुझे, श्रीमती एम० माम्बेल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसके प्रचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विज्ञका कचित्र योजार मूल्य 1.00.000/- ग. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 21 है, जो श्रप्पास्वामी मृदुली स्ट्रीट मद्राय-79 में स्थित है (श्रीर इसके अनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास (द०सं० 2216/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1985।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के अध्यक्षक प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ध्याप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से एमे अध्यक्षान प्रतिकल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय प्रामा गया प्रतिकल, निम्निलिस उच्चेष्य से उसस अध्यक्षण सिस्तर में बास्तिकल का से किएत नहीं किया वमा है :----

- (क) जन्तरण से अपूरं किसी बाव की बावत जनक अभिनियत के अभीन कर योगे के जन्तरक के बाबित्स में किसी करने का उद्यक्त बचने में सुविका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाब-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भनकार अभिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- गर्भ अस्तिरिती वृषाचा अकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए भा कियाने में वृत्तिभत के

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्सरण न, म<sup>4</sup>. उक्त अन्धिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमलम्माल ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलादेवी ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

की वह स्थना पारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के किन् कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बासपे 🚈

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच औ 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश् सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बाध, को औ वर्षाध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीब हैं
  45 दिन के भीतर इक्त स्थानर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ निर्मेशन में किए जा भकेंग।

हरक्टीटारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदौका, वो उक्छक् अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभावित हैं, यहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिस्तु, क्या हैं।

#### मनुसूची

भमी और निर्माण डोर मं० 21, ग्रन्थास्वामी मुदुली स्ट्रीट, मद्रास-79।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, महास

नारीख: 7-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नासकर निधनियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भग्ना सरकार

कार्यातय, प्रकारक प्रायकर सामृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मदास दिनाँक 7 मार्च 1986

निदेश सं० 142/जुलाई /1985→~प्रतः मुक्षे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देशमें अधिक प्रकार 'ठचक अधिनियम' कहा नया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का अस्पा है कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका उचित्त बाजार मृत्य 1,09,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट मं० 5, है, जो दूसरा प्रलोर, बी० ब्लाक, पार्मन टबर्स पान्तियन रोड, पहला लेन, ए मोट, मद्रास में स्थित है (ग्रांर इपके प्रनुबंध में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास (द०सं०-2284/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1985।

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के व्ययमाय प्रतिफार के लिए कन्द्रारित को गई हैं और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृत्य, जनवे दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का गन्द्रह प्रतिश्वत से विधिक हैं और अभारक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल निम्नितिश्वत उन्दर्शय से उच्य अन्तरण निश्चित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया हैं:----

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाम की बाबत उक्त नाभ-नियम के अधीन कर वेने के बन्तरक के बाबिस्त में कमी करने या उत्तरे वचने में नृतिभा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किथा जाव या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा की चिए;

लत: अब, उसत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीन, निम्निलिभिक फरिन्दसों, अर्थात 2-

- (1) श्रोमती कुब्टा भाई मायिकुद्दीन भाई माजुन्गा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो शेसादु शबीर हाजी।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति के कर्बन के विध् आर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 4.5 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

 स्वव्योकरण — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, का उपक विभिन्नियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित् हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिया प्रया हैं।

#### भनु भूची

प्लाट सं०-3, दूसरा फ्लोर, बी ब्लाक, पार्सन टावर्स, पान्तियन रोड, पहला लेन, एदमोर, मद्राम।

> श्रीमती एम० मामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख : 7~3~1986

# इस्म बाइं.टी.एन.एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### शाउँत वरकार

# कार्गालय, तहायक नायकर नाय्क्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास दिनाँक 6 मार्च 1986

मत्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वाब करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० धोर सं० 27, है, जो मरैक्कायर लेड्बै स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (ग्नीर इसके ग्रनुवंध में ग्नीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास (द०सं० 2250/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण, ग्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्वमान प्रतिफल क्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दारण से हुए किसी साम की बावस, उनक मुम्पीयम्भ के स्पीत कर को के बन्दारक के दासिस्थ में क्षेत्री करने मा उक्के वकते में कृतिका के दिए। मीर/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, धिन्ह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती पो०के०एम० रहिमा बीबी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो एम० मोहिद्दीन श्रब्दुल कादर श्रीर श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृथांका तम्मरित् के अर्थन् के हिंगू कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त कमरित के भवन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- [क] इस ब्यान के राज्यन के प्रकारन की तारीय से 45 विश्व की बादीय ता तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की नविध, को भी व्यक्ति वास में बनाय होती हो, के भीतर प्रवंतिक व्यक्तियों के से विकता व्यक्तित हुन।
- (क) इब भूवना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा, वभोइस्ताक्षद्री के वास निवित्त में किये वा बकोंने।

स्वय्यक्रिस्णः — इत्रमें प्रयुक्त सम्बाग निर वर्षे का, यो उपस अभिनिधन के सभ्यात 20-क में प्रीरशायिक हैं, यहीं कर्य होगा यो उस कथ्यान में विका गया है।

## बन्स्यो

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 27, मरै<del>र</del>कायर, **लैब्बं** स्ट्रीट, /मद्रास-1, (द०सं० 2250/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# नाथकर नीभरितयन, 1961 (1961 का 43) की नाख 269-न (1) के भूबीन स्थान

भारत सरकार

# कार्याचन, सहायक आवकर बावुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० III/1230/म्रर्जन/85-86---ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विस्ता उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव वार्ड नंव 13/10 होल्डीम नंव 59, प्लोट नंव 2066, 2067, 2069, 2070 है, तथा जो मौजा मधुवनो माहबन यरो प्यार टीला, थाना खर्जाकीहाट, पूणिया में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पूणिया में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-7-1985

को प्रोंक्त संपत्ति के जीवत बाबार मृत्य से कम के अध्यक्षक विष्क्र के लिए बन्तरित की नई हैं बीर कुछे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त कम्मित्त का जीवत बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिक्रम के, एवे व्यवमान प्रतिक्रम का पंद्र प्रतिक्रम के विष्य के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय पान के लिए तम पाना गया प्रतिक्रम कि निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निस्ति में आस्तिक क्ष कि कि स्पार से के विषय क

- (क) जन्तरभ से हुई किसी बाव की बावता, डक्ट विक्तियम के बधीन कर दोने से अन्तर्क के बादित्य में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा से निए; बहि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हां भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री जोगेश चन्द्र दास पे० युधिष्टर चन्द्र दाम सा० मध्वनी, साह्रवत यूरी प्यार टोला, थाना~-यजांकी हाट, जिला--पुणिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बादल चन्द्र दाम पे० युधिष्टर चन्द्र दाम सा० मधुबनी, माहवान यूरो प्यार टोला, धाना खजाँची हाट, जिला--पूर्णिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विव की नविभ ना तत्त्रंवंभी व्यक्तियाँ पर व्यक्त की त्रजीम से 30 दिन की अविध, वो की वदिष बाद में स्थाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से विक्री व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्य किसी वन्त्र क्यक्ति ब्वास वभाक्ताकारी के पास लिखित में किस का सकेंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया हैं।

#### अनुसूची

जमीत मय मकान जिसका रकबा 1 विघा 5 कट्ठा 8 घूर है जो मोजा मधुबती साहवान यूरों प्यार टोला थाना — खजाँची हाट, जिला पुणिया में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विमका सं 6926 दिनौंक 11-7-85 में विणत है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पुणिया के द्वारा संपन्न हुआ है।

हुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 5→3-1986

प्रस्य आर्ह.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वस (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 5 मार्च 198 6

निर्वेश सं० III, 1231, श्रजीन, 8 5-8 6~-- ग्रतः मृझे, दुर्गा प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं तोजी नं 5454, थाना नं 17, खाला नं 138, खसरा नं 461 है, तथा जो मौजा सिकेन्द्रपुर, थाना, दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दानापुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिक्त (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियह कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को . जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निप्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) बंगों मेहतो निता स्वनः भागवान महतो श्रांर श्रन्य सार नाजरीगंग, थाता--वानापुर, डाक-खाना विधा, जिला--यटना।

(ग्रन्तरक)

(2) मु<sup>रेण</sup> चन्द्र श्रीवास्तत्र पिता स्व० दुर्गा प्रसाद राजेन्द्र नगर, रोड, नं० 13, थाना सुलतानगज जिला⊶पटना।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# अनुसूची

जमीन जिपका रकबा 3 कट्ठा है सिकेन्द्रपुर **धाना** दानापुर जिला गटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसिका संख्या-4304 दिनांक 16-7-1985 में विणित है तथा जिस ह: निबंध : अवर विबंधन दानापूर के द्वारा सम्पाहस्था है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकण श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रप्ति पश्कित, विहार पटना

दिनांक: 5-3-198 6

# प्रकार कार्च. टी. एन. एस.----

# माधकर मोभनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-म (1) के मभीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बिहार-पटना पटना, दिनौंक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० III 1232/म्रर्जन/85-86--मतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्यों इत्यों एकके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्क है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्का स्थित बाबार मृज्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तौजी नं० 8/1 थाना नं० 150 खाता नं० 66, 6 प्लाट नं० 718, 719, 720, 721, 722, 55 (एम० ग्राई) 361 (नया) है तथा जो मौजा भाग पोखर फारवीसगंज जिला पूर्णिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजींस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय फरवीसगंज में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौंक 4-7-1985

को पर्वोत्तत सम्पत्ति के उचित बाबार मस्य से कम के अवसाव प्रतिफल के लिए वन्तरित की गष्ट भौर विष्यास कारण करन पृश्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके करमान प्रतिफल षे, एसे क्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिशत से मिथक है और बन्तरक (बन्तरकों) और उन्तरिती (बन्तरितियों) के शौच एसे वन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वरध्य वे उक्त बन्तरण निश्चित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त नियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए और/गा
- (प) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तिबों को, जिन्हों अरसीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा उस ेसाए

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—36GI/86

(1) विशिष कुमार मित्रा तौते स्व० ब्रवीस्थ कुमार मिश्रा सा० मुक्तापुर, थाना वगरीस नगर जिला पृणिया।

(ग्रन्तरक)

(2) स्रानन्द प्रकाण खेमका पिता भ्रोम प्रकाण खेमका सा० मागगरदाही रोड, लमस्तीपुर।

(श्रन्तरिती)

की यह स्थान जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन की निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप ः -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि भी भी अविधि गत भी समापत होती हुए, भी भीतण एक विश्व व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति वृवासः;
- (ख) इस सूचना को राजपक भा अकारन की तारीस से 45 दिन को भीत र उदन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अथ्वतः कव्यी और पदौ का, जो उयत अभिनियमः, वे अध्याय 20-क में परिभाषित इी, यही अर्थ प्रोतः, जो उस सध्याग जे पिया भया है।

#### **धन्**षूर्चाः

मय गोदाम जमीन जिसका रकबा 82 कट्टा है जो भौजा भाग पोखर फारबीसगंज जिला पूर्णिया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसिका संख्या 6702 दिनाँक 4-7-1985 में विणित है। तथा जिसका निबन्धन श्रवर निबन्धक फारवीसगंज के हारा सम्पन्न हुशा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार-पटना

दिनाँक: 5-3-1986

काथकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बंधीन सुवारा

#### भारत वरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, **बिहार-**पटना

पटना, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 33/1283/श्रर्जन/85-86--श्रतः मुझे, दुर्गा प्रमाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूक्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संव तौजी नंव 8/1 थाना नंव 150 खाता नंव 666 प्लाट नंव 718, 719, 720, 721, 722 है तथा जो मौजा भाग पोखर, फारबीसगंज जिला पूणियाँ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकत ग्रधिकारी के कार्यौलय फारवीस गंज में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 4-7~1985

को प्वा नित संपत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के काबान प्रतिकत को लिए अंतरित की गई और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्रवीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत का वस्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय वासा बवा प्रतिकत, निम्निचित उच्चकेय से उन्त अन्तरण मिक्ति में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की वायत, उक्त विध-विधितियुव के बधीन कर दोने के बन्तरक के खबित्व भी कती करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; वीद/वा
- (क) एवी किसी बाय वा किसी धन वा बन्त जास्तिकों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियस, या धन-फर जिथिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जीतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए बा, छिपाने में स्विधा वी लिए।

अस्त: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण लें. मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, सिं≅े अखित व्यक्तियों, अधीन, सिं≅े

(1) दिनेश कुमार मिश्रा जौजे स्व० ग्रनीस्थ कुमार मिश्रा, सा०-मृक्तापुर, थाना-वारीस नगर जिला पूर्णियाँ।

(अन्तर्क)

(2) श्रालोक कुमार खेमका उर्फ टिक्कू पिता श्रोम प्रकाश खेमका सा० मागरडोह रोड, समस्तीपुर। (श्रन्तरिती)

को बहु सूच्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिंख कार्यवाहियां करता हुं।

एकत कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूज्या के राज्यत में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबभि, जा जी अव्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (थ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में दितनपूथ किसी नृष्य व्यक्ति ब्लाय अधिहस्ताक्ष्री के पाक सिचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त सन्दों और पर्यों का, जो उपत वर्तिपित्वन के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विका गवा है।

# **ग्रन्**भुची

जमीन मय बमाबट के जिसका रकवा 81/2 कट्टा है जो मौजा भाग पोखर फारवीस गंज जिला पूर्णियां में स्थित है एवं जो पूर्ण रुप से विसका संख्या 6703 दिनाँक 4~7~1985 में वर्णित है तथा जिसका निबधन श्रवर निबन्धक फारवीस गंज के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

> दुर्गी पसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार-पटना

दिनांक: 5-3-1986

प्रकथ बार्च.टी.एन.एस.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-म (1.) के अधीम स्थना

#### भारत तरकात

# कार्यानय, सहायक कायकर जायकर (निर्दालक)

श्रर्जन रेंज बिहार्-पटना पटना, दिनौंक 5 मार्च 1986

निर्देश' सं० III 1234/ग्रर्जन/85-86--ग्रत: मझे. दुर्गा प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गर्मा हैं), की भार 269-च के नधीन कक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाबार अस्य ⊥,00,000/- छः. से **अधिक ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० तौजी नं० 8/4 थाना नं० 150 खाता नं० 666 प्लाट नं० 718, 719, 720, 721, 722 है तथा जो मौजा भाग पोखर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनमुर्चा में ग्रीर पूर्ण रप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फारबीस गंज में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक 4-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के लिकत बाजार जुल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल को लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मना, उकके उत्यमान प्रतिफल ने एसे अध्यमान प्रतिकल पन्द्रह प्रतिकात रो संधिक ही बार अंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिश्चित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक **ए**प से कथित उन्हीं किया गया है :---

- [क] अञ्चल से हुन किसी नाम की बाबते, क्वत विधित्रभम को वधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उचते वचने में ब्रिया के किए; खौर/वा
- (क) एंसी किसी बाम या किसी धन का तान्य जास्तियाँ को जिन्ह भारतीय नायकर निगित्वम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तः आँचनिवन, भेनकर अभिनियम., 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

क्त: बब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- (1) श्रीमती दिनेश कुमारी मिश्रा जीजे स्व० ग्रनीस्थ कुमार मिश्रा, सा० मनतापर, बारीस गंज जिल्ला पणियाँ। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राज देवी खेमका जीजे ग्रीम प्रकाश खेमका सा० भागरदाही रोड, समस्तीपूर। (अन्तरिती)

का बहु सुधना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उनत बर्मात्त के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बाहरेग ::--

- (क) इस क्षता के राज्यम में प्रकाशन की तारीच क्षे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवीं बाद में समान्त होती हो, के शीतर पर्वोक्स व्यक्तिका वे वे किसी व्यक्ति इसाराः
- [क] इस ब्रुवा के राज्यन में प्रकारण की ठारीब है 45 ज़िन के प्रीवर करत स्वादर कम्परित के डितवद्य क्षिकी सम्ब न्यांका इवाय वश्रोहरताकादी वी नाव बिक्ति में किए जा बर्केने 🗓

ल्क्यक्रियः--इडमें प्रमुक्त बन्दों और क्यों का, सी उस्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं... पहीं सर्थ होना को उस अध्याद में दिया नवा है।

#### प्रनुपूची

जमीत मय गोदाम जिसका रकवा 81/2 कट्ठा है जो भौजा भाग पोखर फारबीस गंज जिला पूर्णिया में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 6704 दिनौंक 4-7-85 में बर्णित है तथा जिसका निबन्धन श्रवर निबन्धन फारवीस गंज के द्वारा सम्पन्न हमा है।

> दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार-पटना

मोहर:

दिनौंक: 5-3-1986

प्रकृप बाह् . दी, एम , एव , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के बंधीन सूचना

#### नार्त संस्थात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार-पटना

पटना, दिनाँक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/1235/ग्रर्जन/85-86--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

क्षायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात (उनत अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

श्रीर जिसकी फं० तौजी नं० 8/1 थाना नं० 150 खाता नं० 666 व्लाट नं० 718, 719, 720, 721, 722, है तथा जो मौजा भाग पोखर फारबीस मंज जिला पूर्णियाँ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय फारबीस. गंज में रजीस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4-7-1985

को प्वींबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के स्वयंत्रण प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंतान प्रतिफल से ए'से स्वयंतान प्रतिफल का पन्त्रह (तिश्वत से ब्रिंग्स है बौर बन्तरक (बन्तरकों) की अन्तरिती जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तय पाया क्या एतिफल, निम्निसिवत उद्योद से उसत बन्दरक विधित में बाल्तिक रूप से किथा नहीं किया पाया है हु----

- (क) वन्यद्रव वे हुई किसी बाय की बायत, उक्त बिध-रियम के बधीन कर बंधे के बन्तरक के वासित्व को कभी करने वा उससे बधने में सुविधा के लिए; बार/का
- (ण) ऐसी किसी बाब था किसी थन या बन्य ब्रास्तियी करें. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का :1) या उन्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ब्रोसियमियम, 1957 (1957 का 27) ब्रोसियमियम, विकास गर्माजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गर्माया या का बा जाना चाहिए था, भाजपाने में सुविक्ष) वी विवा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अश्रीत :.... (1) दिनेश कुमार मिश्रा जीजे स्व० भ्रतीस्थ कुमार मिश्रा, सा० मृक्तापुर थाना वारीस नगर, जिला पुणियाँ।

(श्रन्तरक)

(2) स्रानन्द प्रकाण खेमका पिता श्री स्रोम प्रकाश खेमका सा० मगरदाही रोड, नमस्तीपुर।

(अन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए/ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्ह निभिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-वादित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिना दना हैं।

#### प्रनुसूची

जमीन मय गोदाम जिसका रक्षा 81/2 कट्ठा है जो भौजा भाग पोखर फारवीस गंज जिला पूर्णियाँ में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं० 6705 दिनौंक 4~7~1985 में विणित है तथा जिसका निबन्धन ग्रवर निबन्धक फारवीस गंज के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग **बिहार**–पटना

दिनाँक: 5-3-1986

प्रथम बाह्"ुदी एव . एव . ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

#### भारत् सरकाद्र

# कार्यासय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्रक)

अर्जन रेंज, पटना

पटना , दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश मं० 3/236/अर्जन/85-86—यतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हीं, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्राँग जिलकी सं० थाना नं० 33, तांजी नं० 5607, खाता नं० 215, प्लाट नं० 316 है तथा जो मौजा बेडर थाना-फुलबारी, जिला—पटना में स्थित है (श्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांग पूर्ण क्य ने विणित है), रिक्षिट्टी हतीं अधिकारी के कार्यालय बैणाली में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमाथ प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वाच करते का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित साजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से लिथक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषम से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तियक रूप से कीशत महीं किया गया है :--

- (क) श्रुक्तरण वं शुर्द किसी नाम की बानवा, उपक निर्मानम् के न्यीन कर दमें से ब्लाइक से वायरण में कनी करने ना उससे नमने में सुनिया से सिए; और/ना
- (च) एरेंसे किसी जाम का किसी वन का काम्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया जया था वा किया जावा वाहिए था, किया में कृषिधा के किय,

अत: लव, उन्त विभिनियन की धारा 269-ग के बन्तरण को, र्या, उन्त जीभनियन की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-  श्री मोनु राय पे० स्त्र० बुल्को राय (2) श्री कृष्ण राय नावालिंग) अभिभावक श्री सोन् राय सा० हरनी चक, थाता—-फुलवारी, जिला पटना खुद वो अभिभावक श्री दीपक राय।

(अन्तरक)

2. विद्या निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना द्वारा--सचिव ध्रुव नारायण चौधरी, सी-2, 34/367, पी० आई० टी० कालोनी, कंकड़बाग, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से 'कसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हित- अद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात्र निधित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जनता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वाहै।

#### अभुस्ची

जमीत जिस्ता तहवा 12 डिशमल है, जो मौजा बेडर, थाना-फुलवारी जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 5443 दिनांक 12-7-85 में विणित हैनथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक वैशाली वे द्वारा संपन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना

नारीखा : 5-3-1986

प्रस्थ मार्चे. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्माण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/237/अर्जन/85-86—यत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद, सहायक आयकर आयुक्त जिरीक्षण अर्जन नेंज बिहार, पटन आवकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं०थाना नं० 33, तौजी नं० 5607 खाता नं० 215 प्लाट नं० 316 है, तथा जो मौजा बेंचर, थाना—फुलवारी जिला पटना में स्थित है (फ्रांर इसने उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैशाली में रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त, उसके रहरमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिमात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा चवा प्रतिफल निम्निलिखत उद्योध्य से अक्त अंतरण कि विश्व में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुआ किसी जान करे पनत, उपस्त नीभीनयम र्रे अभीन कर दोने ि बंतरक के दामित्य में ६ भी कदने या उससे अध्यने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) होती किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय श्रायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना ज्योहए था, जिएही था सुविधा वै जिहा;

कतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ं

- श्री मतुराय पे० स्व० चुल्हत राय, अभिभावक श्री सिपाही राय (2) श्री अमर नाथ राय पे० स्व० चुल्हत राय ता० हरनीचक, थानाफुलवारी, जिलापटना (अन्तरक)
- विद्या निकेतन सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड पटना द्वारा सचिस श्री झुव नारायण चौधरो, सी-2 36, पी० आई० टी० कालोनी, कंकड़बाग, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों बत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

हक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीत ( पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपंत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत्र अवस्त स्थापन मां जिल्लामध्य किसी मन्य व्यक्ति इतारा अधाहरताक्षरी के पाम लिसित मों किए जा सकीरों।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगृस्ची

जमीत जिसका रकवा 12 डिसमल है जो मौजा बेउर, थाता—फुलवारी, जिलापटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 5444 दितांक 12-7-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिलाअवर निबंधक वैशाली के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पटना

तारीखा : 5-3-1986

क्षण नार्षेत्र हुन हुन्<sub>य</sub> हुन्<sub>य न स</sub>्रान

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-न (1) के विभीन क्षमा

भारत सरकार

# कार्यासय, उद्यायक भावकर नामुक्त (विद्रामाण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिशांक 5 मार्च 1986

निर्देश मं० 3/1238/अर्जन/85-86---यत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटमा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा पवा हैं), की भाषा 269-च के अधीन तक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करमें का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वायार मृत्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 खाता 1321, थाना दिघा, जिला पटना है, तथा जो थाना दिधा, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख [4 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वकाल श्रीहफल के लिए कन्तिरत की गई हैं जोर मृत्ये वह पिरवाल सहले का कारण हैं कि संभानुकोंक्त क्लारित का उचित बाबार श्रूम्य, उसके स्वकान प्रीत्तकत से, ए से अन्वज्ञान प्रतिकास का पल्चह प्रतिकात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच ए से अन्तरक के लिए सब बाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्दोक्त के सकत अन्तरक किश्वत में नास्तिक कम से किश्व महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वं हुई सिक्सी बाव की बावत उक्त बीधिमयम के अभीन कर दोने के अन्तरका के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए बीर/या
- (च) एोबी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की विन्हें धारतीय वायकर जिधिनवज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे सिक्ट:

नतः अभ , उन्तत अभिनियम की भारा 269-न के अवृत्तरक वें, में, उन्तत अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :----

- 1. गांधी सह कारी गृह निर्माण समिति जिल, घटना (अन्तरक)
- 2. श्री शांति जिह, सदस्य गांधी सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना, मखदुमपुर, दिया, जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# इस्त सम्मति के कर्षन के सम्मन्य में कोई भी वामीप :---

- (क) इस स्थान के राध्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को बी अविध ना में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में में किसी अविध द्वारा;
- (क) इस सूचना से राजयत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और बदो का, भरे उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसुची

जमीत जित्त शारकवा 4205 वर्ग फीट है, तथा जो थाना दिघा जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1 9661 दिनांक 4-7-85 में वर्णित है और जिसका निबंधन रिजिस्ट्रार आफ एस्रेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

नारीखा : 5-3-1986

प्रक्ष बाह्र . वी . एन . एस . -----

अपनेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन सुचना

#### मारत सर्कार

# कार्यास्य, सहायक जासकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंण, पटना

पटना, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/239/अर्जन/85-86---यत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाटन० 3 खातासं० 1321 है, तथा जो मखदुमपुर, याना-दिघा, जिला पटना में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीम, तारीख 4 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि वंश पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य,, उसके क्ष्मयान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विश्व है और बन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखन में बास्तिक रूप ते कि बित नह किया गया है :—

- (क) बन्सहरू से हुई किसी बाय की बाबत, शब्द विभिन्निय के अधीम कर दोने के बन्तरक औ दासिस्त में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. गांबी सह ारी गृह् भिर्माण समिति वि०, पटना । (अन्तर ह)
- श्री भोजा जिह जिवासी मखदुमपुर, श्राजा—दिघा, जिला—पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्व**तीहम्यं करता** हुं।

उक्त बन्दिश के क्वीन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब हुन्न

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, वो शी जविभ वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (च) इच सूचना के राजपन में प्रकाशित की तारीच है
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  गांच निविद्य में किए वा तकों में !

स्वक्टोकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिभीनयन, के बध्याय 20-क मीं परिभाषित ही, वहीं नर्भ होगा को उस नध्याय मीं दिया भया ही।

#### अनुसुची

जमीत जि.उ. र हवा 4233 वर्ग फीट है, तथा जो मखदुमपुर, थाना-दिघा, जिला पटना में स्थित है जिस का पूर्ण विवरण वसिका सं० 1 9646 दिलांक 4-7-85 में विणित है और जिसका तिबंधत रिजिस्ट्रार ऑफ एंसुरेन्मेल कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा अताद सन्नाम आधि हारी सन्नामक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज, पटमा

तारीख : 5-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

# कावकर मृत्रिमिन्स, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के ब्योग मृत्रवा

भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक बायकर वायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/240/अर्जन/85-86—यतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज बिहार, पटना, शायकर निरीक्षण उत्तर का पर्वत विधास करते का अर्ज है कि स्थान्त सम्पत्ति, चिसका स्थित वाचार मृत्य, 1,00,000/- रह. से मिधक है

1,00,000/- स्तृ. स आधक हु और जिसकी सं० 665, खाता सं० 235 है, तथा जो चितकीहरा थाना गर्दनी बाग, जि० पटना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 3 जुलाई, 1985

को प्रोंधतः सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शिकाल को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि संधाप्तें बत्तं संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके ध्यमान प्रतिकत्त से, एोडे ध्रमान प्रतिकत का बन्मह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के निय तय पाया पका प्रतिकत निकासितिय स्वष्टित स्वार्थन से स्वत्त मन्तरण विविध में गम्बरिक एवं से कीचन वहीं किया प्या हैं:---

- (क) बन्धरन वे हुए दिश्वी बाव की वान्ध्रं, क्यां अधिनियन के बचीय कर दोने के बन्दरण के श्रीतरभ में कभी करने वा उक्ते व्ययं में सुन्धिमा श्रीतिक: बोख/का
- (च) एसी किसी जाव वा किसी धन या अन्य जास्तिवीं की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उच्छ जिधिनियंत्र, या धन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिहिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना शाहिए था, फिलाबे हीं सविधा के लिए;

बरा वर, उस्त वीधीनयम की भारा 269-व के वन्धरूष थे, मे, उक्त विधिनयम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :— 50—36GI/86  रामखेलावन सिंह (2) रामप्रीत सिंह (3) शतुष्त भिंह (4) रबुबीर सिंह, चित कोहरा, गर्दनी बाग, पटना

(अन्तरक)

 विहार राज्यपाल एन० निगम कर्मचारी सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

#### क्वत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड बाह्नोप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की सविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षारी के पास सिसित में किए जा तकें थे।

स्वक्यकरण : इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उस बध्याय में दिया नवा है।

#### अमुसूची

जमीत जिसका रक्ता 37 डिसमल है तथा जो ग्राम चित्रकोहरा थाना गर्दनीवाग जिलापटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण वित्ररण विस्ति स्वर्ण 1—9547 दिनां 5 3-7-85 में विणित है श्रोर जिसका निवंधन एकिस्ट्रार आफ एसूरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गाः असाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आय हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 4-3-1986

# वक्ष बार्<u>ड टी. एन. एव. ऋक्त-</u>

# भायक र मौभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सुचना

#### शास्त शरका

# कार्थालय, तहायक बायकर बाय्क्त (निर्दाक्क)

अर्जनरेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 मार्च 1986

जिंदोंश सं० 3/241/अर्जाश/85-86—यत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारूज हैं कि स्थावर कम्परित, जिसका सजित बाबार भूज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव तौजी संव 131, खातानंव 6, सीव जेव प्लाट नंव 438 है, तथा जो जमनपुर थाता, फुलबारी शरीफ-जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री मर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि बिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मधा जा या किया जाना थाहिए वा, क्रियाने में स्थिक के सिक्ट;

वतः सवः, उत्तर विधिनियमं की धारा 269-व वी वनुसरक को. की. उत्तर अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविक्ति व्यक्तियों, अर्थात क्र—  श्रो ब्रह्म देव सिंह, सिवासी-डेलमह, याना-फुलवारी गरीफ, जिला-पटना

(अन्तर्क

2. वरुण सह्तारी गृह निर्गाण समिति लि० पटना (अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन् को लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हो।

डक्ता संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारींच धं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो अक्ष जीवीनयम, के अभ्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है.

#### अनुसूची

जमीन जिला राजा 88 डिसमल है ल्या जो जगनपुर, यात्रा, कुलवारी मरीफ, जिला-पटना में स्थित है एव जिसका जिलाका विवरण वसिका सं० 1/9985 दिलांक 8-7-85 में रिजिस्ट्रार ऑफ एसुरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्बन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीखा : 4-3-1986

# प्रकप् आहें.डी.एन.एड..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के स्पीम स्पना

#### HIZE SEPIS

# कार्यालय, तहायक भायकर भायकत (निर्योक्तण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/242/अर्जन/85-86—यतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पटना, गायकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की गारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित जिसका उपित गावार भूका

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव कम्पनी होवसंव 304 सोनारी वेस्ट ले आउट
रोड़ संव 7, थाना सोनारी जमशेदपुर है, तथा जो जमशेदपुर
में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से
विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जमशेदपुर में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे बहु विस्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (ब्न्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्यिक रूप से कथित कहीं किया गया है हन्न

- (क) अन्तरण वे हुई कि तीं आव की बावत्, जन्न मिर्निवयं के व्यक्ति कर दोने के वीतरक के निर्मारण में करी करने वा क्यूचे व्यने में सुविधा के किए; बीर/वा
- (क) लेकी किसी करा या किसी भाग वा क्या कारिता की की किसी बारतीय आवकात विचित्र में 1922 की 11) या उनका विभिन्न में या भन-कर विभिन्न में 1957 (1957 को 27) के अवोधनार्थ करारिती द्वारा प्रकट नहीं (क्या नवा था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विता की विक्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री पुतली जार्जीसोराबजी बल्द स्व० जी० सोराबजी निवासी 304 सोनारी वेस्ट रोड नं० 7 थाना सोनारी शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूमी ।

(अन्तरकः)

 श्रीमती प्रेमलता बेधिवा जीने श्री एस० एल० बिधिया [154-जी रोड़, थाना सोनारी, जमशेदपुर जिल्हें सिह्भम ।

(अन्तरिर्ता

को यह सुचना खाड़ी ह/दुन्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवादियां करता हूं है

चक्त सम्पृति को अर्थन् को मध्यन्थ में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) दश सूचवा में राज्यम्य में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वीत वा तत्संबंधी क्यंक्तियाँ पर सूचवा की तामीज के 30 दिन की मन्धि को भी सब्दि बाद में समस्य होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति द्वारा;
- (क) कुछ बुक्त के राजपुत्र के प्रकासप की तारोध है 45 दिन के बीहर उक्त स्थादर सुम्पत्ति के हितबूद्ध किसी बन्ध स्थावित व्वास, स्थाइस्ताक्षरी के पास चित्रित् के किस का करेंचे।

स्पष्टिकिरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

# बनुस्ची

जमीन मय दो मंजिला मकान जिसका रकवा 0.042 एकड़ है तथा जो महल्ला सोनारी वेस्टले आउट रोड़ नं० 7 थाना सोनारी जमशेदपुर में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 4881 दिनांक 1-7-85 में वर्णित है फ्राँर जिसका निबन्धन अवर निबन्धन जमशेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पटना

तारीख: 6-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

# जायकार जीभीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीन स्थना

#### 

# कार्यस्य, तहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं ० 3/1243/अर्जन/85-86—अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाय आयकर मिश्रिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अश्विनियम' झहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ज्खाता नं ० 105, प्लाट नं ० 1241 है, तथा जो कदमकुआं, पटना-3 में स्थित है (ग्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाधार मृत्य से कम के सम्मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मृत्वे यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थान्वोक्त सम्पत्ति का स्वीचित बाधार मृत्य, उसके स्थानान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) में बीच एसे अन्तर्भ के निए तम पामा गया प्रतिक्ष का निम्निसिबित स्व्वेश्य से उक्त अन्तर्भ मित्रित में बास्त- विक कम से कि सित्र तम से कि सित्र कम से कि सित्र तम्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- राव प्रीमियर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना । (अन्तरक)
- श्री बाले स्वर प्रसाद सिंह निवासी कदम कुआं, पटना-3 (अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# बक्त संपत्ति के बर्चन के सम्मन्ध में कोई भी जानेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जभीन जिसका रकबा 3300 वर्ग फीट है तथा जो कदम कुआं पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं०-1 10322 दिनांक 15-7-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एसूरेन्सेज कलकत्ता कें द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थान् :---

तारीख: 5-3-1986

# प्रकृष बार्षः हो । एत । एतु . -----

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बाधीन सुमना

#### भारत धरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर भागूनत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/1244/अर्जश/85-86——अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सम्पत्ति। 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रांग्र जिसकी सं ० जाट नं ० 1224, खाता सं ० 151 है, तथा जो महुआ बाग, थाना दाहा पुर िला पटना में स्थित है 'म्रांग्र इसमें उपाबद्ध अनुसची में म्रांग्र पूर्ण व्याम विणित है), रिजिस्ट्र दे कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में प्रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उँक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी ज्या या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ती ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

नक्षः अंच, उन्त विधिनियम की धारा 269-न के वन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. राव प्रीमियर सहकारी गृह निर्माण समिनि लि०, पटना।

(अन्तरक)

2. श्री निर्मला सिंह, लोहानीपुर, थाना कदमकुआं, जिला— पटना

(अन्तरिती)

# की वह सुमना कारी करके पूर्वोक्स कम्मीस की अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हो।

चक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जविभ के बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्मिक्त द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष निकास में किए का सकरेंगे।

स्यव्दीकरणः ----- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिशा प्या ही।

#### मरची

ामीन जिसका र हवा 3 500 दर्ग फीट है था जो महुआ बाग थाना, दानापुर जिला, पटना में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण विसका मं०-1 10327 दिनांक 15-7-1985 में विणित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार आफ एसूरेन्मेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

नारीखा : 5--3-1986

# 

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सुमानः

#### भारत तरकार

कार्याक्य, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० III<sub>/</sub> 245/अर्जन/85-86--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 2'69-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार बूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 12, तौजी सं० 14799, खाता न० 292, प्लाट (भ्रंश) 479, सब प्लाट नं० 15 है, तथा जो कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 16) के भ्रधीन तारीख 12~7-85

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उष्टित बाकार मुख्य से कम के क्यवान प्रतिफल का लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया इर्ड हु—

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, सकत विभिन्नियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के धामिल्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, प्रिंपाने में सूबि्धा के विष्

बाब अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उनुभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मैं जनक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्राणुतोष कुमार ठाकुर वल्द विनोद कुमार ठाकुर ग्राम ग्रकौर थाना बेंनी पट्टी जिला मधुबनी

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्पष्ट कार्यवाहियां करता। हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्स्वंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और अवधि नाथ में समाप्त होती हो, को भीतव पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इसस्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध<sup>की</sup> किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक<sup>्</sup>गे।

स्पच्छीकरण :~ - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **WITTER**

जमीन जिसका रकवा 4000 वर्गफीट है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1/10246 दिनाँक 12/7/85 में विणित है और जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार भ्रौर एसुरेसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 4-3-1986 मोहर: प्ररूप बाईं टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, पटना
पटना, दिनांक 4 मार्च 1986

ं निर्देश सं० 3/246/मर्जन/85~86—- प्रतः मुझे, दुर्गा साद.

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें , सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० थाना सं० 12, तौजी सं० 19799 खात सं० 292, प्लाट (श्रंग) सं० 479 सब प्लाट सं० 14 है, तथा जो पटना में स्थित है (श्रौर इसमे उपायढ़ स्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 12-7-85

को प्रामित सम्मित के उपित वाचार प्रमु से कम के अववाद प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यास्प्रीयत सम्मित का अवित वाजार श्रम्य, इसके क्ष्यमान प्रतिकल ते एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पेड्ड प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पाना कम प्रतिकस, निम्निविक्त उद्विक्त से क्वल व्याह्म विविध में वास्तिक कम से कांचित वहाँ क्विया प्याह कि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः कसः, उत्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, कैं, उत्तः अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीः, निम्दलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ।:--- (1) मैं जनक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किणलय कौणल जीजे श्री राम बाबू सिंह, ग्राम-परस्वती का थाना-मसौदी, जिला-पटना । (श्रन्तरिती)

क्ये यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स संपत्ति के अर्कान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बक्थ किसी व्यक्ति ध्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीप्ररण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुमूची

जमीन जिसका रकता 4000 वर्ग फीट है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं० 1/10247 दिनाँक 12-7-85 में वर्णित है ग्रीर जिसका निवन्यन रिजम्ट्रार श्राफ एसुरेन्पेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिक री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप बाह्". टी. एन. एस. -----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अभीन स्कता

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निदेश सं० 3<sub>1</sub> 247<sub>1</sub>श्चर्जन<sub>1</sub> 85-86---श्चतः मुझे, दुशां प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रकात 'उन्स्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० थाना मं० 12, तौजी मं० 189 खाना सं० 303, न्लाट सं० (ग्रंग) 481 सब ग्लाट सं० 16 है, तथा जो पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यांलय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-7-85

का पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित वाबार ब्रुच्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दरवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया नया प्रति-फल, निम्निसिवत उद्देश्व से बन्द क्ष्यरन निष्ठित में वास्तिय्व अप से किन्त नहीं किया मना है उ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्यक्ष में कमी अपने शाजकार कपने में कृषिक के फिल: अरि/या
- (क) इंबी किसी जान ना किसी भन ना अन्य अस्तिनों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती इसारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था, दिनाने में सुनिया से जिए;

अतः १६४, उनत नाँधनियम की भारा 269-न के ननुबरम में,, में. उनत निधानियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीर निधानिकण व्यक्तियाँ, वर्धात् ६—— (1) मैं० जनक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा इःकुर जांजे ग्रमोक कुमार ठाकुर पत्नकार नगर, धाना ककड़बाग जिला पटना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांचत संपत्ति के सर्वन के सिए कार्ववाहियां करता हुं।

बक्त सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🛵 🥕

- (क) इत त्वना के स्वपन में प्रकारन की ताड़ीय है 45 दिन की नविभ या तत्त्वस्थिनी व्यक्तियों पर स्वपा की मामीन ते 30 दिन की स्वभि, वो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सर्कोंगे।

लक्किश्मः — इसमें प्रमुक्त सन्धें नरि पर्यो का, को उपत वीर्थानसम्बद्धः सभ्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होगा, को उस सभ्याय में दिसा वस ही।

# **मन्**त्रको

जमीन जिसका रकबा 4000 वर्गी फीट है तथा जो पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरऋ वसिका संव 1/10243 दिनाँक 12-7-85 में विणत है श्रीर जिसका निवन्धन रिजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेज कलकत्ता के हारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 4-3-1986

प्रकल कार्ड. टी. एन. एस.-----

गायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक बायकर बावुक्त (निरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 5 मार्च 1986

निवेश सं० 3/248/श्रर्जन/85-86-श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत विभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार वृत्व 1,00,000/- रह. से विभिक्त ही

श्रीर जिसकी संज तीजी संज 5170, थाना संज 22, खाता संज 4, सर्वे लाट संज 175 है, तथा जो जलालपुर थाना दानापुर, पटना में रिथत है (श्रं र इससे उपाबद्ध श्रानुमुखी में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, कारों के वार्यालय, कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8-7-85 को प्रवेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमन तिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, समके इश्यमन प्रतिफल के पन्यह रिजान से अधिक ही श्रीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (प्रार्थ) से अधिक ही श्रीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (प्रार्थ) से अधिक ही श्रीर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उच्च देय से उच्च वन्तरण मिवित के पन्तरिक स्थ से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था धा या किया कार नहिए था, छिपारे में सविधा के पिन्.

लत: मंद, उक्त विधिष्यिम की धारा 269-ग के, अनुसरण दा, भी, उपा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) राजा कर्मा विकास स्विक्समें, वर्धात ए— (1) श्री प्रशोक कुमार सिंह एवं नित्यानन्द सिंह निवामी, जलालपुर, थाना वानापुर, जिला पटना

(भ्रन्तरक)

(2) फ्रपंना सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाओंप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जगिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिशा गया है।

# **ग्र**न्यूची

जमीन जियका रक्या 16 1/2 डिनमल है तथा जो जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है जिसका पूर्ण वसिका वंख्या 1 9941 दिनौंक 8-7-85 में विणित है ग्रीर जिमका निबंधन रिजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रावकर स्रायुक्त, स्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 5-3-1986

मोहरः

# शस्य बाइ .टी. एन, एत . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बाधीन स्चना

#### भारत करकार

# कार्यालय, सहायक भागकर जागुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंण पटना

पटना, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश स० 249/स्रर्गन, 85- अ.६---स्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन संक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संस्पन्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/-एउ. में अधिक है

श्रौर जिसकी संव तौजी संव 5170 थाना संव 22 खाना संव 192, खपरा संव 692 है, तथा जो पटना में स्थित है (श्रौर स्था उपाबड़ अन्मूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 15-7-85

को पृत्रों कर सम्परित के उचित बाजार बृत्य से कम के व्यवसाय प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और बृभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वें कित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इंड्यमान प्रतिफल से एसे इंड्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में भाग्तिवक रूप से कथित नहीं किया तथा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक्त अधि-विस्म के बभील कर डोरे को अंतरक को द्वित्तक औ अले गांक गांक अधिक अधिक वी प्रतिका को सिक्ष,
- (क) एंनी किसी शाव या किसी भन वा बन्त आस्तिवों की, जिन्हें नारतीय आवकार स्थितियम्ब, 1922 (1922 का 11) वा अवक जीवनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिसी स्थारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाला शाहिए था, कियान में मुविधा के लिए;

मंस: अब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भ्रापेना सहकारी गृह निर्माण समिति लि० यटना।

(श्रन्दरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार दास, 1.1, कैंक कंपनी शेखपुरा, धाना गर्दनीचार जिला पटना

(भ्रन्सरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस स्वना के रावपण मं प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हिंत-नद्गभ किसी अन्य स्थानत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, वो उच्त विधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, बड़ी बची होता, को उस क्ष्याय में दिया वक्ष ही।

#### बन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 4226 वर्गफीट है तथा जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1,10301 दिनौंक 15-7-8.5 में वर्णित है ग्रीर जिसका निबन्धन रिजस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सेज कलकक्ता के ग्रारा सम्पन्न हुम्रा है।

(दुर्गा प्रसाद) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पटना

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप आहारिटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनौंक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं । III/1250, अर्जन, 85-86--- प्रत: मुक्षे, खुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० तौजी 5170, थाना सं० 22, खाता नं० 192, खासरा सं० 692 है, तथा जो जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15-7-85

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और मंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्दिश्य से उच्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से **हुई किसी जाय की बाबत, उस्त** अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसते अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरश में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निब्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थाक ह—

- (1) श्रपंता सहकारो गृह निर्माण समिति लि॰ पटना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री उमा शंकर प्रसाद सिंह वतद श्री राजेश्वर सिंह, न्यु एरिया जेंकनपुर थाना जेंकनपुर जिला पटना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्त्वीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4226 वर्गफीट है तथा जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विसका सं० 1,10303 दिन<sup>‡</sup>त 15-7-85 में वर्णित है श्रौर जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

दिनाँक: 4-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं०पी० भार० सं० 4494/II/85-86--म्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 15, वार्ड सं० 8, गोदीपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्याज्य, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-7-85,

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान अतिफस के सिए अन्तरित की गई है बार मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत उनके अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में कमी करने वा उससे बचने में तृतिधा के लिए; आदि/या
- (ख) एंडी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय जायतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया यदा वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुस्थि। खें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) मे० प्रवधुत लेण्ड कोरपोरेणन, खटोदरा, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) क्षी दीपचन्द जीवराज शेजानी श्रवधूत एपार्टह्नेन्ट गोपीपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति को अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :----

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत में पकाशन की हारीच स् 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

फ्नैट जो भूरत में स्थित है। सबरजिस्ट्रार, भूरत में 5319 नम्बर पर दिनकि 9-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेल्झाल सक्षम प्राधिकदरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–।।,ग्रहमदाबाद

दिनांक: 27-2-86

ब्रक्त बार्ड, टी. एत. एत. -----

नानकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-ण (1) से नधीन श्चना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सङ्गयक बायकार बाबुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज पटना

पटना, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्वेग सं वार्मि 1252 प्रार्जन (85-86--प्रतः मुझे, दूर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधानियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नभीन संभम प्राधिकारी को वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० तीजी सं० 5170 थाना 22 खाता सं० 192 खसरा सं० 692 है तथा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हा से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनौंक 15-7-1985

को वृशेंक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य वे कन के द्रस्काल प्रतिपत्त को गई है और भूके वह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षवमान प्रतिपत्त से एते द्रस्यमान प्रतिपत्त का पत्त्व का पत्

- (क) बुन्बुइन् से हुई किसी नाम की बाब्द, अक्ट नीधीनवम् के अधीन कटु दोने से जन्तरक की सावित्य में कनी कटने वा उससे मचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (व) एसे किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भल-कर जीभीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृथिधा वें सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीन, निस्निविक व्यक्तियों वर्षांत ३---

- (1) श्रर्पना सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ पटना। (श्रन्तरक)
- (2) राजिकिशोर जैसवाल वस्द श्री ए० के० जैसवाल द्वारा जैको पेस्ट कन्ट्रोल चाँदनी चौक पटना। (श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की दानीज़ वे 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध कार में बंगाना होती हो, से भीतर पूर्वोंकर स्थानतयों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शत्र सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त वृष्टितवन, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होया को उस अध्याम में दिया एका है।

# **अन्त्**ची

जमीन जिसका रक्षा 4200 वर्ग फीट है तथा जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एंच जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1/10305 विनाँक 15-7-1985 में बणित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार श्रोफ एसुरेन्सेम कलकत्ता के ग्रारा सम्पन्न है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पटना

दिनौंक: 4-3-1986

# मक्त बाहें. टी. इत. एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को विधीन स्वा

#### भारत चहुन्छार

कार्याज्ञय, सहायक भावकर नावृत्तः (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, पटना पटना, दिनांक 5 मार्च, 1986

िदेश मं० 3/1253/अर्जन/85 - 86- - प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उसते अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकें। सं० प्लाट सं० 895 खाता स० 789, तीजी सं० 5190, याता सं० 36 है तथा जो जानमर्गन पुर फुन सर्ग जिराफ जिना पटता में स्थित है (और इसने उपाबद जनुत्वी में और पूर्ण कर से विधार है), रिकस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के जिन तारींख 5--7--85 में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के स्वित वाजार मून्य में कन के अववान शिकल के लिए बन्तरित की गई है बीर मुखे वह विस्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित वाजार मून्य प्रवास का स्वास मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त सं, एसे दश्यमान प्रतिकत्त का पन्तह प्रोतकत से प्रथिक है बीर बंतरक (बंतरकों) बीर बंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया यथा कितफल, निम्नलिवित उद्वरिय स अवह

- शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया पदा हाँ है---
  - (क) सन्तरण सं हुइं किसी बाव की बावत करक क्षिपितमा के अधीन कर दानं के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा सससे वचने में सुविधा की मिश्री करेंग्रेस।
  - (थ) एसी किसी नाय वा किसी पन ना बन्त जास्तिकों को थिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोधनार्थ अन्वरिती दुवारा प्रकट नहीं किया स्था था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में हरिया से सिक्;

बत: अव, उस्त निधित्यम की भारा 269-न के समुखरण ज, में, उस्त निधित्यम की भारा 269-य की सम्बार (1) के अभीन, निम्नालिबित व्यक्तिकों, नवांच्या :--- (1) श्री राम पियारे सिंह बल्द स्व० मलुका सिंह, करोरी चका, थाना वा पो० फुलवारी शरीफ, जिला पटना

(भ्रन्तरक)

(2) मैं शिक्षत नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लिं , दुर्गी स्थान फुलवारी शरीफ थाना चा । पो फुलवारी शरीफ पटना, द्वारा सचिष श्री देवां प्रमाद,

(भ्रन्तरिती)

को कह रुकना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्मरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधांप ---

- (क) इस ब्रुचना के संबंधन में श्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की वर्षीय मा तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वीय पाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति इतारा;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकायन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्य स्वावह सम्बद्धि में दित-बस्थ किसी अन्य स्विति स्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ धकींने।

स्वक्रीकारण: — इसमें प्रमुक्त कव्यों कार पर्यों का, भी जनत विधिनवन, के बच्चान 20-क में परिशायित हैं, कही वर्ष होना भी उत्त बच्चान में दिया गया है।

#### नन्स्ची

जमीत जिसका रक्षता 4 कटठा 4 धूर 16 धुरका है तथा जो धालमगिरपुर फुलबारो गरोफ जिल्ला पटता में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1 9858 दिनांक 5-7-85 में विणित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेज क्लकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

वुर्गा प्रसाद^ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 5--3--1986

# 

# नायकर कंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 265-व (1) वे नवीन स्थान

#### TILE THEIR

# कार्याजयं, सहायक जायकर व्यवस्था (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, पटना प्रह्ना, दिनांक 5 मार्च, 1986 निर्देश सЬ 3/254/श्रर्जन/85--86----श्रत : मुझे, दुर्गी

वायकर विधानवन, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उन्हा विधानवन' कहा मन हैं), की धारा 269-स के वधीन तक्षम प्राधिकारी को वह निक्रमास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्बत्ति, जिस-ना उचित बाजार मन्य 1,00,000/+ रू. से विधिक है

और जिसकी स॰ प्लाट स॰ 895 है, तथा जो खाता सं॰ 789 तीजी सं॰ 5/190, थाना स॰ 35 ज़ालमगिर फुलवारी थाना वा पो॰ फुलवारी शरीफ जिला पटना में स्थित है (और इसने उपाबद्ध जनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-7-85

को प्रवेशित सम्मित्त के उचित बाजार बृत्य है कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों सम्प्रति का उचित बाबार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिशत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, विश्वासित उद्बोच्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कियब नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनवम के जभीन कर देने के अन्तरक के बाबिरच में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिष्ट; और/बा
- (थ) होती किसी काम या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (19! / का 27) के प्रयोजनार्थ अन्योरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए जा, जिनाने में सुविधा के किए:

क्षण बंब, बंबत अधिनियम की शास 269-न के बन्तरण भें, में उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपधारा (†) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हुन्न (1) श्री राम पिथारे सिंह, श्री वृष्णा प्रस्ति पर्यक्ष स्व शिव सिंह, श्री राम औतार सिंह वल्द स्व व रघु सिंह सभी निचासी ग्राम करोरी चक, थाना वा पीठ फुलवारे शरीफ, पटना

(अन्तरक)

(2) मैं शक्ति नगर सहकारी गृह निर्माण सिर्मित लिं, श्री दुर्गी स्थान पो० वा थाना फुलवारी शरीफ, पटना द्वारा श्री देवी प्रसाद सिच्च,

(धन्तरितं।)

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्स सम्मित के अर्बन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचका के यवपत्र में अनक्ष्यान की तारीख स 45 दिन की नवींच वा अत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी नवींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से निल्ली व्यक्ति त्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सके

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्त हैं।

# **अनुसूची**

जमीन जिसका रकबा 5 कटा 13 धूर है तथा जो आलमगिरपूर फुलबारी पो० वा थाना फुलबारी अर्रफ जिला पटना में चिंगित है एवं जिसका पूर्ण विचरण विस्का संख्या 1 9859 दिलांक 5 7-185 में चिंगत है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार आफएभुरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **धा**युक्त निरी**क्षण** श्र**र्जन** रेंज, पटना

तारीख: 5-⋅3--86

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आग्नकर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूधना

#### भारत करका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 मार्च, 1986

निदेश सं० III/255/म्रर्जन/85--86---प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

शियकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें शिक्के परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन तक्तम प्राधिकारी को यह विख्यास करने के भारत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विचत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी संख्या ज्वाट सं० 1.556, हो सं० 0.73/58 ए सिकिल स०-171 है, तथा जो छोटी पट देशी लेन, थाना चौक पटना में स्थित है (और ससे उपलब्ध अनुभूचो में और पूर्ण रूप से चिकारों के कार्यालय, कलकत्ता के रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) 1908 का 16) के अर्धान तार्राख 3-7-1986

ी प्रॉक्ट क्यारित के जीवत बाबार मुख्य से कम के दस्त्रमान अतिकास के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्यॉवत सम्पत्ति का उचित बाजार शृष्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं एत्यं उच्चमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब धावा गवा शितकान, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्मतिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्मतिवित वेदारी किया वका है ए----

- (क) वंतरण से हुई किसी बाब की बावता, उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; वरि/4।
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्च बारिसायों को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९३२ (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 घा 77) के प्रयोजनार्थ बंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए।

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हंत्रभीर निम्नलिधित व्याः अर्थात् क्र—ं

- (1) श्रामती शिव देवी विधवा सरदार लाभ सिंह, छाटी पटन देवी लेग थाना चीक, पटना (धन्तरक)
- (2) श्री प्रभन्ह चौबे निवासी सरिया, थाना पाती गली, नयी उड़क पटनण्स्टी, जिला पटना (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 4.5 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्णा की ताजील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस न्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का दुवीने।

न्वकरिकरणः --- इसमें प्रयुक्त बच्दों बीर पर्दों का, को उपन वीधीनवन के वध्यान 20-क में परिभाषित हैं, नदीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिवा नवा है।

#### शतसभी

जमीन मय दो मजिला मजात जिसका रकवा 13 डिसमल है तथा जो छोटी घटादेवा लेत थाना चौक, पटना में स्थित है जिसका पूर्ण विघरण दिसका सं०--1-9617 दिनांक 3-7--85 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन रिजस्ट्रार आफ एंपुरेन्सेज कल तत्ता के द्वारा संपन्न हुना है।

> दूर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त निर्दक्षण भूजैन रेंज, पटना

तारोख: 4 ·3 ·1986

मोहर ।

# प्रकथ बाह् ु क्षी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत ब्रुकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 6 मार्च, 1986

निदेश सं० III/256/पर्जन/85--86---अत : मुझे, दुर्गी प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० हो० स० 1.43/1.25, वार्ड सं०--3, प्लाट मं०- 5, तौजी मं० 17023 है, तथा जो महत्ला कदमकुंशी जिला पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ण) में और पूर्ण का ने विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीबरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख 12-7-85

का प्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्मिलीवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में अस्तिकल रूप से कि बतु सहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एरेगी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या सा किया जाना वाहिए था, खिपारे में सुविधा औं क्षिण:

अलः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों,, अर्थात :—— 32—36GI/86 (1) श्री केशव पसार, 26 श्री फोर्ट रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिवन्त कुमार सिन्हा न्यु एरिया कडम कुँना एटना-3

(श्रन्निरिही)

को यह सुचना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यताहियां करही हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किली अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाने।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जा अक्त जीभीनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा, जो उस अभ्याम में दिया गवा है।

# **मन्**स्ची

जमान मय मकान । जमका रकबा 10 कट्टा है तथा जो महल्ला कदमक्षा जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विमका मं० 1-10183 दिनांवा 12/7/85 में वर्णित है और जिसका निक्ष्यन रजिस्ट्रार धाफ एसुरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हथा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ायम श्रावृध्य निरो<mark>क्षण</mark> श्रर्जन रेंज, पटना

**सारोख:** 6-3-1986

# प्रथम बार्च . यो . एवं . युव . - - - - ----

# शायकर बॉमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्रभीन सुवता

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटमा, दिनांक 6 मार्च, 1986

निदेश मं० 3/2.57/35न/85-86-37: मुझी, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की चार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं श्यामा सं 0-408, वार्ड पुराना-12 नया 24, हो १ सं १ 194 पुराना 150 की नया खेतरा सं १ 6260 है, तथा जो खाता सं १ 83; प्रिक्त सं 0-6 ए, तोजी सं 0-11021 प्रमाबन्दी सं 0-3417 है तथा जो जो महल्ला नुक्लाहपुर, रमः॥ उच्छी मराय थाना-मिठापुर, मुजफ्फरपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या के विज्ञात है), रिजस्कीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितकल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिबित प्रतिकल मिम्नलिबित प्रतिकल किया महीं किया भवा है दू

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा चे लिए; कौर/मा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशारा प्रकट नहीं किया वया था किया जाना वाहिए था, स्थिनने में सुविधा में निए;

्रात अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जन्मरण जो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्न्शनीयत व्यक्तियों, जर्थात् क्ष--- (1) श्रीमती महेन्द्र कांर जोजे सरदार रतन सिंह निवासी महल्ला नुकलाहपुर रमना कछी सराय थाना मिठनपुरा, जिला मुजफ्करपुर

(अन्तरक)

(2) श्री वसुदेव प्रसाद तुलसीयान (2) प्रेमचन्द्र तुलसीयान वल्दान स्व० जेसपाज जी तुलसीयान (3) श्रीमती राजकुमारी देवी तुलसीयान जौजे राम गोवाल तुलसीयान महल्ला सर्रेया गंज, मुजफ्फरपूर

(अन्मरिती )

को वृद्ध सूचना जारी सहके नृशेक्त सम्पत्ति के अर्थन के रिस्ट कार्यनाहियां क दता हुन्।

उन्त सम्मित्त के भर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क), इन्द सूचना के राचपण में प्रकारन की सारीच से 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीताद पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हवारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में अकासन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोगें।

स्वच्दीकरण :— इतमें प्रयुक्त गब्दों और पर्वों का, जो उक्स अभिनियम के कथ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में तिवा गया है।

#### वनसर्ची

जमीत सय मकास जिसका रक्ष 679"-6 1/2" वर्ग फीट है तथा जो महल्ता नुकल्ताह रममा जच्छी सराय थाना मिठानपुरा जिला मुजफ्करपुर में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 14062, दिनॉक 20-7-85 में विजित है और जिसका निबंधन जिना अवर निबंधक पदाधिकारी मुजफ्करपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पटना

नारी**ख**: 6-3-1986

महिर:

प्रसाद,

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटमा पटना, दिमांक ६ मार्च, 1986 निदेश मं० 3/258/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा द.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला मं० थाना 406, यार्ड 12 (पुराना) 24 (नया) हो० मं० 194 (पुराना) 150 वी (नया) नया खादा 83 नया खेसरा-413, खेसरा 6260 (पुराना) है, तथा जो धमाबन्दी सं०-3417 तींजी सं०-17021 महरूला नुक्रलाहपुर, रमना वर्ष्णी कराय, थाना मिठानपुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित हैं (श्रीर इस्के उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण क्य में वर्षणित हैं), रिजस्ट्रीयतीं अधिकारी के जार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 20-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रात्फल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन - निक्किणियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती महेन्द्र कॉर जॉज राखार रातन सिह निवासी महल्ला नुहल्लाहपुर रमना उच्छी सराय, थाना मिठानपुरा, जिला मुजपकरपुर

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती राजकुमारी देवी तुलसीयान जीजे राम गोवाल तुलसीयान निवासी सरैयागंज जिला मुजफ्फरपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जभ के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारास है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया गया है,

# अनुसूची

जमीन मय महान जो महत्ना नुस्रुक्ताहणुः रमना कच्छी सराय थाना मिठानपुरा जिला मुजफ्करपुर में स्थित है एवं ितका विवरण वसिका संख्या—14064 दिनोज 20—7—85 में विणित है और जितका निवंधन जिला अवर निबंधर पदाधिकारी मुजफ्करपुर के द्वारा उम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पटना

नारीख: 6-3-1986

# 

# आमकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--प (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० III/259/अर्जन/85--86---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

हायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्यां हितके प्रश्वात 'उक्त निभिनियम' कहा नवा ही, का भारत 269-अ अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्यास कार्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित वासार भूग्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी मं० थाना नं० 408, वार्ड नं० 12 (पुराना) 24 (नया) हांल्डींग नं० 194 (पुराना) 150 बी (नया) पुराना खेसरा नं० 6260 खाना नं० 83 (नया) खेसरा नं० 413 (नया) पार्ट), ब्लाक नं० 2 सिंहल नं० 6 ए जमाबन्दी नं०-3417, तांजी नं)-11021 है तथा जो मोहल्ला नुरूल्लाहपुर रमना ,कच्धी सराय मिठान पुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप व विणित है), रिजस्ट्रीजर्ता अधिनारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 19-7-85

्विषय संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भीतफन की निष् अन्वरित की गई है और बुर्ख करने का कारण है कि बभापनोंनत सम्पत्ति का उचित बाजाद कुरन, उसके क्यमान प्रतिपक्ष्म से, एसे व्यवमान प्रतिपक्ष का पत्त्रह प्रतिवत्त से अधिक है और यन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्वरित्ता) को बीच परे अन्यरक की बिद्द क्ष्म वाचा गया प्रतिका निष्मितिका स्वृत्वेश वे प्रका बन्तर्यक जिवित में बाक्तरिक क्षम से क्षिक मुद्दी किया का है:---

- (क) कम्बरण सं हुए किसी बाद की बावस स्वयं अध्यः निवृद्ध से क्योप सार दोने से क्यारक के सरित्य में कमी करने या क्याचे नकने में द्विका से किस्; जोटांग
- (क) होती किसी बाद था फिटी धन या बन्द वास्तियों को, दिन्दू काइडीन धानकड़ अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकड अभिनियम या बन् कड़ अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ सम्बद्धिती पुष्ता प्रकट नहीं किया पत्रा बा ना किया भाग चाहिए था कियाने में सविधा बो सिए:

अवः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) अ अभीता, निम्मविधिक अभिनामों, अधीत के

- (1) श्रीमती महेन्द्र काँग जीजे सरदार रतन कहें निवासी महल्ला नुकल्लाहपुरा, रमना कच्छी सराय, थाना मिठानपुरा, जिला मुजपफरपुर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम चन्द्र तुलसीयान वल्द स्व० जेसराज जी तुलसीयान निवासी सर्यागंज जिला-मुजफ्फरपुर

(अन्तरिती)

को कह दूशना चारी करूके पूर्वोक्त कम्मरित को वर्षम के जिल् कार्यपादियां करता होंदे।

इनक बार्गित्त के अर्थन के बन्दन्य में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सुवा में सजरम में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की संबंधि ना तत्वास्थानी व्यक्तियों पर सुवना की संबंधित से 30 दिन की संबंधि, को भी संबंधि नाम में संशास होती हो, के बीएड पूर्वेक्स स्वतितानों में से निक्ती व्यक्ति स्वाह्य;
- (क) इस सूचना के समयन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के शीतर उपस्थ स्नावर सम्मत्ति में द्वितवर्ष किसी मन्य व्यक्ति वृत्ता अनोहस्ताकरी के शास निवित्त में किस या सर्वोत्रे ।

राज्यांकरण:--- इसमें प्रयुक्त कथा थीर वर्ष का, की करत वीर्याज्य के बच्चाव 20-क में वरिकारिक ही, बही वर्ष होना, की तस सध्याव में विका नका ही।

#### **श्रनुस्**ची

जमीत मय महात जो महरूला नुक्क्लाहतुरा रमना कच्छी सराय थाना मिठानपुरा जिला मुजक्करपुर में स्थित हैं एवं जिला पूर्ण विवरण वसिका संख्या—14047 दिनांक 19—7—85 में विणित है और जिसका निबंधन जिला अयर निबंधक पदाधिकारी मुजफ्करपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्ग प्रवासूँ सक्षम प्राधिकारी तहाय ज्ञाय हर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पटना

नारिखा: 6-3-1986

मोहर 🧃

(अन्तरक)

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के संधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यांचय, बहायक वावकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० III/ 260/अर्जनं 845-86--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

सामक र तीप्रनिवस, 1961 (1961 का 43) (विसं ध्वती ध्वती प्रवसी के वह विषयाचे करने का भारत है कि स्थावर सम्परित, विस्ता उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० थाना 408, वार्ड 12, (पुराना) 24 (नया) हो० सं० 194 (पुराना), 150 (नया), खनरा 6260 (पुराना), खाता 83 (नया) है, क्ष्या जो खसरा 413 (नया), सिकल 61-ए० जमाबन्दी-3417, तीजी-11021, है तथा जो महत्या न्रहत्याहपुर जिला- मुजफ्फरपुर, रमता रूच्ची सराय, थाना मिठीमयु में स्थित है (ग्रींग इसने उपाबढ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण हम में विणा है), रिजस्ट्री त्रां अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्री करण अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1985

ध्ये पृत्रांचित सम्मिति के उचित बाद्यार मूस से कान के क्यावान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य ससके क्रिशंदान प्रतिफल से, एते स्थानान प्रतिफल का प्रमुद्ध बिर्धा से विभिक्त हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अंवरिती (जन्तरितियों) के बीच एके जन्तरक (अंतरकों) और वावा नवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरियों से उवत अन्तरण लिखित में बास्तिक हैं किया नया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई कि शे आय की बाबत, उक्त सीधिया के सधीन कर दन के बन्तरक से दायित्व में अभी करने या उससे क्षम में मृतिधा से लिए; सौर/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी रने या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा का या किया जाना नाहिए था, कियान में स्विधा से तिए।

अंतः शव, अन्त अधिनियम का धारा 269-ग के जनसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती महेन्द्र कीर जीजे नरदार रनन सिह, निवास, मुहल्ला नुरुल्लाहपुर, रमना कच्छी सराय थाना मिठासपुर, जिला मुजफ्फरपुर।
- श्री ब्रसूदेव प्रसाद तुन्सीयान वल्द स्व० जैसराज जी तुलसीयान, महल्ला सरैयागंज जिला मुज्फ्फ रपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषींक्त सम्पत्तिः के अर्थन के लिए कार्वभा**हिया करता हूै।** 

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधिया तत्सवंभी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याग;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति स्वार अधोहस्ताक्षरी के णख
  बिरिक्त में किए आ सकें ने।

श्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पद्यां का, की क्षक जिपितिसम, के अध्याय 20-क में परिभादित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष में विसा गुरा है।

## अन्सृची

जमीत मय महान तथा जो महल्ला नुरुल्लाह रमना कच्छी सराय थाना जिसलपुर जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जिसहा पूर्ण विवरण वसिहा गं० 14048, दिनांक 19-7-85 में विणित है और जिसका निषंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पटना

दिनांक: 5-3-1986

# प्रकृष् भार्त्र . टी . एन . एव . 🕝 🗝 🗝

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवान

# भारत बहुकाड कार्वाज्ञय, सङ्घयक बायकर वायकत (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-3, पटना

पटना, दिनाक 6 मार्च 1986

निदेश सं० 3/261/अर्जाव/84-86→-जा: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी संव हाल बार्ड नंव 16 सिंकल नंव 24, मीट नंव 81, म्युनिसिपल प्याट नंव 351 होस्डिंग नंव III/ 95 है, तथा जो महल्या मखिल्या कुआ रोड़, थाना पीर बहोर में स्थित है (ब्रीप इसने उपायद्व अनुसुची में म्रीप पूर्ण रूप में बिणा है), रिलस्ट्री इती अधि हारी के जायिलय जिला पटना में पिलस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का! 6) के अधीन हारीख 12-7-85

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य से कम के क्यमाण पतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुओ यह विश्वास दिने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार प्रत का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार प्रत उसके दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा मधा प्रतिफल, निम्नोसिक्ति उज्लेख से उसते अन्तरण विकित के सास्तिक कप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविभा के लिए; जौर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री क्रिक्त प्राप्त समी बत्द स्वरु मयुरा प्रसाद समी खुद वो अभिभाव ह श्री सुभाष समी वो मुर्गेश्व समी वो श्री विकास समी नवालीगान सारु मखनियां कुआ रोड़, बाबू टोला थाना पीरबहोर, जिला पटना

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार बच्चुराम सा० महदीपुर, थाना-पुनपुन, ज्ञा० बराह, जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निएं कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, वां भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

रनव्यक्तिरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, वो अवद अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिधायिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आधा हिम्मा जमीन मय मकान जो महल्ता मखनियां कुआ रोड़ थाना पीरबहोर जिता पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप में वसिका संख्या 5034 दिनांक 12-7-85 में बर्णित है तथा जित्रका निबंधन जिता अवर निर्धासक पटना के द्वारा सपन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसादः सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 6-3-1986

महिर:

# इक्य बाहे . दी . क्न . एस . ...... /

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में अधीन स्चना

#### मारत शरकार

# कार्यालयः, सहायक सायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च, 1986 निदेश सं० 3/262/अर्जन/85~86→-अत : सुमें, दुर्गा प्रमाद,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका अधित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 9/16 सिंकल नं० 24 शीट नं० 81, म्मृत्तिसिपल प्लाट नं० 351, होल्डिंग नं० 92, 111/ 95 है, तथा जो मौजा मखनियां कुआ रोड़, बाबू टीला थाना पीरबहोर जिना पटना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करमें का फ़ारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उगके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-करा, विम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-केला कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त शॉधनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य से कभी करने या उससे नचने से सुविधा के सिक्षः शॉट/सर
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या हत्य जारितम' कई, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

सत: अच, तक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात क्र---

(1) श्री कृष्ण प्रसाद गर्मा बल्द स्व० मथुरा प्रसाद गर्मा खुद वो अभिभाव । श्री सुभात गर्मा वो स्बोध गर्मा वे विकास गर्मा (तवालीगान) पा० मखितियां कृआ सोइ, वाटू टीला थाना पीप बहोर जिला पटना

(अन्तर्ह)

(2) श्रीमती कृष्द देवी जीतें श्री बच्च् राम ता० मह्दीपुर थाना-पृत्तपुत, डा० वराह, जला--पटना

(अन्निरिती)

न्त्री यह ज्ञानः भारी करके एविक्स मन्यक्ति के कर्जन के लिए -कार्यवाहियां करता हूं।

## बन्ध बन्मीत्र के वर्षन में तप्तन्थ में कोई' भी बाद्योप अन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारी कर से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (बा) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अभोहरताक्षरी के पास लिखिन में किए का मर्कोंगे।

स्थव्यक्रियणः -- इंग्रेसे प्रयुक्तः अध्यो अर्थि वर्धाः का, वा उक्तः विभिन्नसम्बद्धे कथ्यास 20 -क में परिधावित है, वहीं वर्षे होगा को उस अध्यास में सिया गया हैं।

#### धनुसूर्च।

आधा हिन्गा जभीत मय म गा जो महस्ता मखिनयां कुआ रोड़ बाबू टीला थाना पीरबहार, जिला पटना में स्थित हैएवं जो पूर्ण का से विस्तित मंख्या 5039 दिमांक 12-7-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन अवर जिला निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> (दुर्गा प्रभाद) अझम पाधिकारी निरीक्षक सहायात आयातर आयुक्त अर्जन रेंज, पटमा

भारीख: 6-3-1986

प्ररूप बाइ टी.एन.एस.----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ** धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निवेश सं० 3/263/ग्रर्जन/85-86---,अम : मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बावकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इतमें इतके प्रयात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-य के जपीन तकथ श्रीपकाड़ी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर कम्बत्ति, विश्वका उज़ित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 762, होल्डींग नं० 722/401, वार्ड नं० 2, सिंकल नं० 6, है तथा जो मोहल्ला भीर इससे उपाबद्ध भ्रन्सुची में भ्रवेर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयर्जा भ्रधिकारी के कार्यालय, पटना में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रभिन तारीख 18-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृस्य से कम के खयमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उभित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से,

एसे द्रश्यमान प्रसिफल के पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के निए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिक्षिस उद्वरेय से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था, किया में सविधा के किए:

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुकरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् — (1) गगन सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना द्वाा सचिव मो० रियाजुद्दीन खां, सा० ग्रेण्ड होटल, प्रीमीसेज केजर रोड़ थाना कोनदाली जिला पटना

(भ्रन्तरक)

2) मो० मंजर हमत पे० स्व० डा० वाजाहत हुमैन जुबोद मंजिल, मोहल्ला भवदेपुर, बार्ड नं० 13, सीतामकी

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ मृचना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्कामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुपुर्वो

गगन भ्रपार्टमैंटम के पांचवीं मंजित के पूर्ण प्नैट नं० 507 जिसका रकबा 1112 वर्गफीट है सथा जो एक्जी-विश्वन रोष्ट्र, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका मं०-5186 दिनांक 18-7-85 मैं वर्णिन है तथा जिसका निबन्धन जिलाजिला भ्रवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद्धे सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 6-3-1986

माहर 🕉

प्रकार भाषां नु टी. एव. एव.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालया. सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० 3/1264/म्रर्जन/85-86--म्प्रतः भुक्षे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1500,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसक सं० प्लाट नं० 762, होल्डींग नं० 722/401 वार्ड नं० 2 सर्किल नं० 6 है, तथा जो मोहल्ला एक्जीविशन रोड़,पटना गांधी मैदान जिला पटना में स्थिस है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्र कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटना मैं रिकस्ट्री-करण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 3-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से क्रम के रायमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे रायमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्विप से अक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) श्रेमी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ग के ननुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित त्यिक्तच्यों, अधीत :----33—36GI/86 (1) गगन सहकारी गृह निर्माण सिमिति लिण जिला पटना ब्रारा मचिव, मो० रियाजुदीन खाँ सा० ग्रेण्ड होटन प्रीन्सेज फेजर रोड़, थाना कोनवाली जिला पटमा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरजीत कुमार राटा पे०स्व० मिलक चन्द रत्ता, मा० नया टोना, थाना कोनवाली जिला पटना

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के जिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 4.5 दिन की सर्वीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, को भी नवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

## जन्सूची

गगन प्रपार्टमेंटस के दितीय मंजिल के संपूर्ण फ्लैंट नं॰ 204 जिसका रकबा 806 वर्गफीट है जो एक्जीविशन रोड़, थाना गांधी मैदान जिलापटना मैं स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से त्रसिका मंख्या 4721 दिनांक 3-7-85 मैं वर्णित है गथा जिसका निबंधन जिला ध्रवर :नबंधक पटना के

> दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, पटना

सारीख: 6-3-1986

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

व्यक्तर अरोधी वस्त्र , 1961 (1961 के 43) की धार 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

**कामाजब , सहायक** शासवार आयु**क्त (निरीक्षण)** 

ग्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांवः 6 मार्च 1986

निर्देश मं० 3/265/ग्रर्जन/85-86----श्रत: मुझे, सुर्गा प्रसाद,

कायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव तीजी नंव 303 थाना नंव 11, खाता नंव 695 खेसरा नंव 1346 है, तथा जो मौजा संदलपुर कला थाना श्रालमगण जिला पटना मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना सिटी मैं भारजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-7-85

का प्रांकित संस्थित के लिया नापार मुख्य से काम के असमान प्रविद्धम के जिए नम्बरित की वर्ष है और मुख्ये नह विस्ताब अपने का कारण है कि समाप्रोंकत सम्मतित का उपनित समार मुख्य, उपने क्यानाम प्रविद्धम है, एते क्यानाम प्रविद्धम का प्रवृद्ध प्रतिचय से जिसक है और संतरक (संतरकों) और संतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविद्धम, निम्नुसिधित उद्देश्य से उत्त समारण दिस्तिय में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से शुर्ह किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ए'सी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभ्य के निष्;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की चण्धारा (1) के अधिम, निम्नसिस्तिः स्वीक्तमां, अधिसः (1) जमुना महतो, पे० स्व० रामदास महतो डा० ग्ररफाबाट, राजपूत टोली थाना श्रातमगंज डा० गुजलारवाग, जिला पटना

(ग्रन्तरकः)

(2) रामराज सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि० पटना द्वारा पाचित्र सुर्थ कुमार सिंह, सा० वी-91, कंकड़वाग, डा० कंजड़बाग, जिला पटना

(ग्रन्तरिती)

यह स्थान। भारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाधोद:--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मृज्य स्थावत ब्वास अभोहस्ताकारी के पान जिल्लिस में किए वा सकी थे!

स्पेक्डीकरणः- -- इसमें प्रभुक्त धन्दी बीर उन्हें का, बो उसत अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सभे होगा जो उस अध्यक्ष में दिया गया हैं।

#### बनसूची

जमीन जिसका 16 1/2 डैसीमल है जो मौजा संदलपुर कला, थाना श्रालमगंज, जिला पटना मैं स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 3413 दिनांक 8-7-85 मैं वर्णित है नथा जिसका निबंधन श्रवर निबंधक पटना सिटी के बारा संपन्न हुशा है।

> दुर्गा प्रमाद ﴾ मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक स्थायंःर स्रायुक्त स्रजन रेंज, पटना

तारी**ख**: 6-3-1986

## - प्ररूप बार्<sup>\*</sup>.टो .पूप्.पु**र**्वाराज्यान

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सर्कार

# कार्यालय,, सहायक आयकर वायकत (निर्दाक्तक)

ग्रर्जन रेंज, पटना में पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० 3/266/ग्रर्जन/85-86--ग्रत: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1328 श्रीर 1339 (श्रंण) खाता मं०-711 तौजी नं० 303 थाना सं० 11 वार्ड सं० 18/24, सीट सं० 148 एम० एल० प्लाट सं०-1377 श्रीर 1378 है, तथा जो संदलपुर पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याजय, पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बदरी नाथ महतो वल्ट स्व० राम चन्द्र महतो खुट श्रीर नवालिग लड़का श्री ग्रयोध्या प्रसाद महतो, उदय प्रसाद महतो, निवासी नूरानबाग कालोनी, सैक्टर-2 थाना ग्रालमगंज पो० गुजलार बाग, जिला पटना।

(ग्रन्तरक)

(2) राम राज सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना द्वारा सचिव सूर्य कुमार सिन्हा, मो० कंकड़बाग, पटना ।

(ग्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उनत सम्मित्त के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी। से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

त्यस्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और घदों का, जो उ जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

## नन्स्यां

जमीन जिसका रक्षबा 20.5 डिसमल है तथा जो ग्राम सन्दलपुर थाना ग्रालमगंज जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या 3851 दिनांक 27-7-85 में विणित है ग्रीर जिसका निबंधन ग्रवर निबंधक पटना सिटी के द्वारा संपन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 6-3-1986 गोहर:

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

पदना दिनांक 6 मार्च 86

निदेश सं०<sub>.</sub> 3/267/ग्रर्जन/85-86--ग्रन: मुझे दुर्गा प्रसाद

्भवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं तौजी सं 303, थाना सं 11 खात नं 711, खेंसरा नं 1328. 1329 (पार्ट) वार्ड नं 24/18 शीट नं 198 है तथा जो स्युनीसिपल प्लाट नं 1377 एवं 1378 (पार्ट) मौजा संदलपुर थाना ग्रालमगंज जिला पटना स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 15-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरिक्तों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इक्षेप से उध्य अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित की दिस्ता गया है:---

अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधररा (1) को स्थित विकासिक जिल्लामी अर्थाक क्रम (1) श्री राम नाथ महतो पे० स्व० रामचन्द्र महतो खुद वो ग्रभिभावक ग्रपने नाब लिग पुत्र ग्रयोध्या प्र० महतो एवं विजय प्र० महतो सा० नुरानीबाग पटना

(ग्रन्तरक

(2) रान राज सहनारी गृह निर्माण समिति लि० कंकड्बाग पटना द्वारा सुर्म कुमार सिन्हा, सा० वी-91 कंकड्बाग जिला पटना

(अन्तरिती)

नवें यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्वी

जमीन जिस्ता रक्तवा 20.5 डिसमल है जो मीजा संदलपुर, थाना ग्रालमगंज जिला पटना मैं स्थित है एवं जो पूर्णा रूप से वसिका संख्या 3558 दिनांक 13-7;85 में विणित है तथा जिसका निबंधन ग्रव निबंधक पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 6-3-1986

तक्षर बाह्री ही एक , व्य

नायकः, मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नधीन सुमना

#### भारत बहुतमा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीज्ञा)

ग्नर्जन रेंज, पटना पटना, निनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० III/1268/ग्रर्जन/85-86--ग्रत: मुझे, दुर्गा त्रसाद,

शायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्षात्र के क्षात्र परचात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अभीन स्थाम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य,

1,00,000/- रु. मे **विभक्त ह**ै

श्रीर जिसकी सं० थाना नं० 11, तौली नं० 303 खाता नं० 600, खेमरा नं० 1422/1326 ग्युनीसिपल प्लाट नं० 1336/1342 बार्ड नं० 18/24 सिंकल नं० 71 मीजा मंदतपुर थाना सुनतानगंज जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 2-7-85

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान शिंतफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का स्पृह्म प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के भीष ऐसे अन्तरण के निए तब पाथा गया परिक्र का निम्नितियों त स्वार्थ से अभित वाजार कि का निम्नितियों के भीष एसे अन्तरण के निए तब पाथा गया परिक्र का निम्नितियों के सीम एसे अन्तरण के निए तब पाथा गया परिक्र का निम्नितियों के सीम परितियों का सम्पर्ध का निम्नितियों का सम्पर्ध का निम्नितियों का सम्पर्ध का स्वार्थ का स्वर्थ का स्वार्थ का स्वर्य का स्वार्थ का स्वार्थ का स्वार्थ का स्वार्थ का स्वार्थ का स्व

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किया बाव की बावत, सकत 'सिमिनियम के सभीन कर बोने के अन्तरक के स्वतित्त में कमी करने या उत्तर यसने में स्तृतिया के सिस्ट; बीर/वा
- (क) एसी किसी जार या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, विशि प्रतियोगियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

बत: अब, उच्त विधितिक्य की धारा 269-म से अनुसरण मं, में अक्त विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे समीन, मिल्लीनिका अधिकायों, अभीत — (1) जानकी महती वरूद स्व० रघुवीर महती, सा० ग्ररफावढ़ गुड़की मंड़ी, थाना-ग्रालमगंज, डा० गुलजार बाग, जिला-पटना

(श्रन्सरक)

(2) णिवपुरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि०पटना द्वारा सचिवश्री प्रभात कुमार सिंह सा० कंकड़बाग, डा० कंकड़बाग जिला पटना।

(ग्रन्तरिती)

को वह क्षता जारी काइके प्रॉक्स बंपरित के वर्षत के जिल्ला कार्यवाहिमां करता हो।

क्ष्मर सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 💵

- (क) इत तृषमा के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरणः---इसमे प्रयुक्त सन्तां नीर पदां का, थी उपस् वीधीनयम के वध्याय 20-क में परिशासिक ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मग्रुकी

जमीन जिसका रकवा 8 कटटा 3 धूर है तथा जो मौजा, संदलपुर, धाना-पुलनानगंज, जिला-पटना, में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 3245 दिनांक 2-7-85 भें वर्णित है तथा जिसका निबंधन ग्रवर निबंधक पटना सिटी के द्वारा संपन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रसाव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, पटना

तारी**ख**: 6-3-1986

मोहरः

# प्रकार बाह् . टी. इन्. इच्. न्याल्यकारक

# बावकर वीचीनमन, 1961 (1961 का 43) स्त्री गारा 269-न (1) से बचीन सुचना

#### भारत् सरकार

# कार्याचन, सङ्गरक शानकर शानुकव (विश्वीक्षक)

, श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटता, दिनांक 6 मार्च 1986

तिर्देश सं० Ⅲ/1269/श्रर्जन/85--86----श्रतः मुझे, दुर्गा-प्रसादः

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आंर जिसको स० थाना- $\Pi$ , तौर्जा-303, खाता 600, खसरा-1322/1325, मु० प्लॉट-1336/1342, वार्ड 18/24, सिंबल, 71 है, तथा जा ग्राम सन्दलपुर, थाना सुस्तानगंज, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूचा में और पूर्ण एक से विणान है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-7-85,

का पत्रोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्धास का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य सक्के रूप्यमान प्रतिफल से, होसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितिया) के दीय एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बक्तिया कर से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कावित्व में कभी कड़ने या सकते वसवे में सुविधा के सिए; बोद्ध/सा
- (स) इसी किसी नाय मा किसी वर्ष या बन्च वास्तिनीं को, जिन्हों भारतीय भायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा अनुकार अधिनियम, वा अनुकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिनियम जन्मिरी इसारा प्रकट नहीं किया बना ना या किया जाना नाहिए था, कियाने से स्तिना के किए;

जतः जब, उक्त विधितियम की धारा 269-ग में विश्वतरण दो, बी, उक्त विधित्यम की धारा 269-च की सम्बाद्य (1) हे बचीन निज्यविधिय व्यक्तियमें न्यांच् क्र—-  (1) श्री जानकी महती बरुद स्व० रघुविर महती, साकिन ग्ररफाबादा गुड़ की मण्डी थाना श्रीलमगंज, पो०→ गुलजारवाग, जिला---पटना ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री शिवपुरी गृह निर्माग सहकारी समिति लि०, घटना द्वारा सचिव श्री प्रभात कुमार सिंह बल्द महेन्द्र सिंह साकिन वाना थाना कंकड़बाग, जिला घटना । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्मित के कर्जन के लिक्-कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस त्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पितनों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पितियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वास के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 विन के मीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः---इसमें प्रश्नुक्त सन्धी और पर्वो का, वो उक्क विभिनवस, के अध्याय 20-क में परिप्रतिकत हीं, वहीं वर्ष होना वो उस सध्याय में दिया स्वा ही।

#### नन्त्रची

जर्मात जिसका रक्तबा 8 कट्टा 3 धूर है तथा जो ग्राम सन्दलपुर थाना सुल्तानगंज जिला पटना में स्थिति है एवं जिसका पूर्ण दिवरण विस्तास के 3254 दिनांक 2-7-85 में विणित हैं और जिसका निवर्यक अवर निवर्यक पदाधिकारी द्वारा पटना सिटी में संपन हुआ है ।

> दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 6-3-86

प्रकष बाह्य हो , एव , एव ,----

नायकर नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के नधीन सुचना

#### शाद्व बहुकाद

# कार्यालयं, सहायक नायकर नामुक्त (निहासन)

श्चर्जन परिक्षेत्रं, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं । III/270/धर्जन/85-86---ध्रतः मुझो, दुर्गा-प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इतके पश्चात्। 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,400/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० थाना सं० II, तौजी सं० 303 खाता सं० 216, खसरा नं० 616 है, तथा जो मांजा संदलपुर, थाना सुल्तानगज, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपालब्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन दिनांक 9-7-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण मों, ते, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, नृष्टीत् :-- (1) श्री लखन महतो, बल्द स्व० विकन महतो खुद वो श्रीभगावक-पण्पू कुमार वो सोहन कुमार नावा-लीगान पे० लकन महतो किशोरी महतो, विजय महतो प्रेम नारायण महतो, वल्दान लखन महतो सो० साहगंज, डा० महेन्द्र थाना सुलतानगंज जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मुल्ता (गंज सहकार) गृह िर्माण सिमिति लि० पटना द्वारा सिवव, मो० सगीर श्रहमद सा० दर्गाह रोड, थाना मुल्तानगंज जिला पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शंरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस. सूचना के राजपत्र में प्रााशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध मित्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 45 डिशमल है जो मांजा सदलपुर थानाः पुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका संख्या 3432 दिनांक 9-7-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन श्रवर निबन्धक द्वारा पटना सिटी में संपन्न हुश्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सञ्जन प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पट्ना

दिनांक : 6-3-1986

प्रस्त्य बाइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्र्यांसम, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिक) ध्रजंन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं । III/271/अर्जन/85--86---श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

अधिकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, सिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० थाना सं० 11, तोजी नं० 303, खाता सं० 208, खारा सं० 514 है, तथा जो मौजा संदलपुर, थाना सुल्तानगंज, जिला—पटना में स्थित है (और इसमे उपाबब्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यांचय पटना सिटी, में रिजस्ट्रीकरण अधिनिधम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-7-85,

का प्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिबक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बनाएक से हुए किसी बाय की वासकः, उनकः बीचिनियम के स्थीन कर दोने की अंतरक के दायित्व में कभी कारने या स्वत्वें स्थाने में स्टेनकः के लिए; बीर/या
- (क) श्रेसी किसी वाव वा किसी थव वा बस्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन- कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया का या वा वा वाहिए था, हिलाने में मुद्रित विकास के विकास का वा वा वाहिए था, हिलाने में मुद्रित विकास के विकास

बत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की ल्लाधाल (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात --- (1) (1) श्रीमतग मो० होना देवी जौजे समचन्द्र महतो (2) श्री डोमन महतो पे०-रामचन्द्र महतो (3) श्री योगेन्द्र महतो पे० समचन्द्र महतो सा०-महेशपुर, थाना--खोजकला, डा० झाड्गज, जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुल्तानगंज सहकारों गृह निर्माण समिति लि० पटना द्वारा सचिव, मो० सगीर श्रहमद सा० दरगाह रोड, मंडुई थाना सुलतानगंज, डा० महेन्द्र, जिला पटना ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की समीध या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की समीध, यो भी मयिष बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृथावित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के रावधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितबद्ध किसी बन्स व्यक्ति इतारा क्योहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकींगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त विधिनियम के सञ्जाब 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया मुवा ही।

#### अनम्बी

जमीन जिसका रकवा 36 डो० है जो मौजा सदलपुर, थाना सुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 3682, दिनांक 18-7-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन अवर निबन्धक पटना सिटी के द्वारा संपन्न हम्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्राथकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

दिनांक : 6-3-86

मोहर ;

प्रकम कार्च हो पूर एस ् -----

शायकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के लिपीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीयांक)

भ्रजन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च 1986

िर्देश सं० H<sub>I/272</sub>/प्यर्जन/85-86---प्रतः मुझे, दुर्गा —--

प्रसाद,

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित वाचार मृस्य 1.00,000/-रु. से जिधिक है

और जिसकी सं० थाना सं० - 11 तौजो नं० 303 खाता सं० 211 खमरा सं० 775 (पार्ट) है, तथा जो मौजा संदलपुर, थाना पुरनातगंज, जिला-पटना में स्थित है (और इसने उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, पटना मिटी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 20-7-85,

को प्रांक्त तम्परित के अधित बाजार मृत्य ते कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारच हैं कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तब पापा गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वदेश से उक्त अन्तरण स्वीवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की वायत, उक्त वर्षितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी कारने या उपमन्ने बचने में मृतिधा के लिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य हिन्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की, अनुसरण बी, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की स्पर्धास (1) के अधीस: निम्मिलियित व्यक्तियों, अर्थात :—-34---36GI/86

- (1) श्रंत्रामधर्नः महतो पे० स्व०धन्नू महतो वो धर्मोक कुमार भेहतो पे० रामधर्नः महतो, सा० संदलपुर, थाना सुलतान्योज खा० महेन्द्र, जिला-उटना (श्रन्तरक)
  - (2) मुल्तानगंज सहकारी गृह तर्माण समिति जिला---पटना ढारा यिचव, मो० सगीर अहमद, मा० वरताह रोड, मंडई, थाता----मुल्तानगंज, डा० महेन्द्र , जिला पटना । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आओप ?---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, में भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पांच लिखित में किए जा सकरों।

म्बच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तव विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ध होगा, को उस वध्याय में विधा नवा हैं।

#### नगत्त्री

जमीन जिसका रकवा 4 कहा है जो में(ना संदलपुर, पाना जुल्तानगंज, जिला पटा। में स्थित है एवं जो पूर्ण क्य दे विस्ता संख्या 3724 दिनांक 20~7-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन श्रवर निवन्धक पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सदायक 'प्रायकर 'प्रायुक्त, तिरीक्षण) धर्जन परिश्वेत, विद्यार, पटना

दिनांक : 6 - 3 - - 36

असप आहें. टी. एत. एस ,-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्णन रेंज, पटना

पटना, विनांक 6 मार्च 1996

निर्देश मं० III 273/घर्जन/85-86--प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राधित मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० लो० मं० एम० भ्राई० जी० 18 है, तथा जो माश्रव बंग, माँगो, थाना माँगो, जमगेदपुर में स्थित है (और इसमे ज्यावाद्य श्रमुखी में और पूर्ण रून से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन) तारीख 12-7-1985

को पर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्विध्य से उक्त अंतरण सिचित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरक से हुई सिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिला में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; वरि/या
- (स) एको किसी बाथ या किसी धन वा अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनाथ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा चे सिए;

शत अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों संशति :---

- (1) श्री सुरेश कुमार ग्रग्नवाल वस्त्य श्री के० एन० ग्रग्नवाल (2) के० एन० ठेकरीबाल, रातु रोड रांची, एम० ग्राई० जी० 18, माधब बंग, थाना माँगो, जमशेदपुर जिला-सिंहभूम । (श्रन्तरक)
- (2) श्री निर्मल कुमार विश्वास वल्द स्व० पी० विश्वास निवासी, एतं--8/8 टेल्को कालोनी थाना जमशेदपुर जिला-सिंहभूस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीत मय मकात ओ माधब बंग, मांगो, थाता मांगो जमगेदपुर, जिला सिंह भूमि में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण विसकावं० 5162 दिलांक 12-7-85 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन ग्रवर निबंधक जमणेदपुर के द्वारा संपन्न हुग्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारीर सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 6-3-1986

माहर :

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं । III/274/श्रर्जन/85-86--श्रतः मुझे, दुर्गा - प्रसाद.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे प्लाट सं०-4131 खाता सं०-443 वार्ड सं०-8 है, तथा जो जे० एन० ए० सी० मांगो थाना मांगो शहर जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुम्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जमगोदपुर में रिजस्ट्रीकर्रा कियाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-7-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति को अचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ये यह विश्वास कारने का बारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से एसे दृष्यमान प्रतिकल के बन्दह प्रीवास से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब वाया गया प्रतिकल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त बन्दरच जिल्लाक में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोगे के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तिवी करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती बेला रानी सरकार धर्मपत्नी श्री णखाहारी सरकारी निवासी गनोमय कालोनी, थाना मांगो णहर जमणेदपुर जिला सिंहभूम। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ता देवी केडिया धर्म पत्नी श्री सुभास चन्द्र कंडिया निवासी गुरू द्वारा रोड, मांगो, थाना मांगो शहर जभगेदपुर जिला— सिंहभूम।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उन्त सन्यत्ति के अर्थन के सन्यत्य में कांई भी नाक्षेप :-

- (क) इस स्थान के उध्यक्त में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वर स्थान की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा सभोहस्ताक्षरी के गई लिखित में किए वा सकोंगे।

रनक्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अवह जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिश्रीवर हैं, वहीं अर्थ होगे/, जो उस जभ्याय में दिय. पया हैं।

## बन्त्यी

जमीन सय एक मंजिला मकान जिसका रक्षा 3.19 धूर है सथा जो मुहल्ला जें० एन० ए० सी०, मांगो, थाना मांगो शहर जमणेदपुर जिला सिहभूमि में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं०-5120 दिनांक 10-7-85 में वर्णित है एवं जिसका िबंधन अवर निबंधक जमशेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्राय**क्**त, (निरीक्षण) भ्रजन ्रेंज, पटना

तारोख: 6-3-1985

मोह्ः

प्रक्रम बार् ् टी. एवं. एसं.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन सुवना

#### आरट वरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर जायकर (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाक 6 मार्च 1986

निदेश संव III/275/ग्रर्जन/85-86--- ग्रदः मुझे, दुर्गा प्रसाद

धायसर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित वाजार भरूव 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1515, पुराना खाता सं० 373, पुराना हो० सं० 162 नया प्लाट सं० 1213, खाता मं० 277 वार्ड सं० 4 नया हो० मं० 214 हैं तथा जो मौजा जुगमलाई थाना जुगमलाई, जमणेदपुर जिला सिह्भूम में स्थित हैं (और इसमे उपाब मृतूची में और पूर्ण रूप मे विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जमणेदपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-7-85

को प्रवीक्स सम्पत्ति को उचित काजार मृत्य से कम को करपजान प्रतिफल को निष् बंतरित की नर्ष

है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके हम्यमान प्रतिफल से, एसे श्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और भतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निसित उद्वेष्ण स उक्त अंतरण शिक्ति में बास्तिक रूप से किन्ति नहीं किया। गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाकित्व में कमी करने मा उत्तरो वचने में तृतिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या कसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों कारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा सै बिए:

कतः नव, जनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कं क्भीर, गिन्नलिकित स्थिन्तयों वर्णात ॥—— (1) श्री उप्रसेन कोचर वल्द स्व० तेलुराम (2) शमसेर कोचर (3) हरेश कोचर वल्दान श्री उप्रसेन कोचर निवासी जुगसलाई थाना जुगससाई जनशोदपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बरजू वाई० वैद्य जांजे श्री पी० सी० वैद्य निवासी जुगसलाई थाना जुगसलाई जमणेदपुर जिला-सिहभूम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के क्षर्यम के सम्बन्ध में कोई भी अक्षरे 🌫 🕶

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधाहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में किया मना

## **धनुसूची**

जमीन मय मकान जिसका रकवा एक कठा 15 धूर है तथा जो मौजा जुगसलाई, थाना जुगसलाई जमशेदपूर जिला सिंहभूम में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण विस्तिका सं.-5178 दिनांक 13-7-85 में विणित है एवं जिसका निवंधन अबर निवंधक जमशेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रस**ाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख : 6-3-86 = ---

मं।हर :

प्रारूप बाईं.टी.धन.एस. . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं शा / 276 / प्रर्जन / 85 - 86 - - प्रत : मुझे, दुर्गा प्रसाव.

और जिसकी सं० होल्डिंग मं०-155, प्लाट सं०-52 धाता नं० 128 है तथा जो हीनू, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम को अध्यमान प्रतिकल को लिए जन्ति ति को गई है बौर मुम्ने बहु विश्वास अपने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपिति का संजित बाजार मूस्य, उसके अध्यमान प्रतिकल को पन्नह प्रविक्त वे विश्व है ज़ीर बन्तरक (बंदरकों) भीर बंदरिती (जन्तरिक्ति) को बीच एने अन्तरक के सिए द्व पाया नेता प्रतिकत का निम्मिलिया उद्वेदय से उसत अन्तरण निष्कत में बाल्त- विश्व के अधित नहीं कि वा गया है:——

- (क) शन्तरण धं हुई फिली बाच की बाचत, बच्च अधिनियन के अधीन कर योगे की अन्तरक की वास्तिल्य में अधी करमें वा अध्यय बचने में क्षिधा के बिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य जास्तियों क्ये, विन्हीं भारतीय जाय-कर जीभीवसन, 1922 (1922 का 11) वा समय वीधिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिहरती बुवारा प्रकट नहीं किया थवा था वा किया वाता वाहिए वा कियाने के बृतिका वे विषयः

लेतः थव, तथ्य अधिनियतं की भारा 269-म की, अनुसरक था, मी, उक्त अधिनियम की धास 269-म की स्पर्धाय (1) की अधीन भिन्न[संस्थित स्वित्तर्यों अभीत क्र--- (1) सर्व बी ताराशंकर घोष (2) श्रीमती संतोष बाला घोष पत्नी स्व० तारक नाथ घोष (3) कुमारी वीथिका घोष (4) श्रीमती मालयिका बाउल (5) श्रीमती सुनीति राय (6) श्री ग्रिभय कुमार घोष (7) श्रीमती गीता गुहा (8) श्रीमती बोकुल राय (9) श्रीमती कल्पना दास (10) श्रीमती ग्रनामिका घोष (11) श्रीमती मंपिका घोष (12) श्री किरण शंकर घोष सभी पुन्न व पुतियां स्व० तारक नाथ घोष, एच०-65, हिनू, रांची।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रत्नावाला दत्ता पत्नी श्री तारा प्रसन्धा दत्ता (2) श्री राम प्रमन्न दत्ता मुपुन्न स्थ० चुन्नीलाल दत्ता, ग्राम व थाना-बुण्डु, जिला-रांखी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्वरित के अर्थव के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (ह) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अआहस्ताक्षरी के पास् सिसित में किया जा कर्कोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्ची

1 कट्ठा 14 छटांक 9 वर्गफीट जमीन मय मकान के जो पूर्ण रूपेण वसिका संख्या-7793 दिनांक 19-7-85 में वर्णित है और जिसका निबंधन जिला प्रवर निबंधक रांची द्वारा संपन्न हुखा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 7-3-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालहा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० III/1277 प्रर्जन/85-86--न्न्रतः, <mark>मुझे, हुर्गा</mark> गसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 155 फ्लैंटनं० 52, खाता नं० 128, सब प्लाट नं० 52/बाई है, तथा जोहिनू, राँची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्तां अधिकारी के कार्यालय, राँची में रिजस्ट्रीकरण प्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख 20 जुलाई, 1985

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रात्तिक को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्टिवक क्ष्य से किंशिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जि़र; और/या
- (स) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: एव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ, भँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिकन व्यक्तियों, अधीत ३—

- 1. (1) श्री तारा शंकर घोष, (2) श्रीमती संतोषबाला घोष पत्नी स्व० तारक नाथ घोष (3) कुमारी विधिका घोष (4) श्रीमती मालिका बाउल (5) श्रीमती सुनोती राय (6) श्री ग्रिमिय कुमार घोष (7) श्रीमती गीता गृहा (8) श्रीमती बोकुलराय (9) श्रीमती कल्पना दान (10) श्रीमती ग्रानामिका घोष (11) श्रीमती संपिका घोष (12) श्रीकिरण शंकर घोष सभी पुत्र व पुत्रियाँ ताराणंकर घोष, एच-65, हिन्, राँची
- (अन्तरक)
  2. (1) श्रीमतो गौरोबाला दसा पत्नो स्व० चुन्नींलाल व् दत्ता (2) देवी प्रसन्न दत्ता पुत्र स्व० चुन्नीलाल दत्ता, ग्राम व थाना बुन्डु जिला- -राँची (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना अ।री करके पूर्वाक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं:---ध्समें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुमूची

2 कट्टा 5 छटांक 17 वर्ग फीट जमीन मय मकान के जो पूर्ण रूपेण वसीका संख्या 7823 दिनांक 2-7-85 में वर्णित है भ्रौर जिसका निबंधक जिला श्रवर निबंधक रांची द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, विहार,पटना

तारीख: 7-3-1986

# प्रकप्ः बाह्यं हो हो एतः एस ह -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

#### राइत जुडका

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० III/ 1 2 7 8/श्रर्जन/ 85 – 86 → न्य्रतः मुझे, दुर्गा प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर चिसकी सं० हो० सं० 208, लाईन सं० 7 है, तथा जो काणि छीह गहर जमणेदपुर थाना वा पोस्ट साकची, जिला जमणेदपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जमणेदपुर में रिजस्ट्रीकर श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 31-7-85

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का रुख्य, उसके क्रयमान प्रतिफल को स्थापूर्वोक्त से जिथक हैं बीर बन्तरक (अन्तरक्रें) होरे बंदिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया व्या प्रतिफल निम्नानियत उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्नानियत में वास्तविक रूप से किंग्य गर्वों किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने ला उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थए या अन्य ब्रास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था था किया दाना काहरा था, जिल्हा में स्विता के किया

बत: बब, उपत बिधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में. उथत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री मो० विदिष्ठ उर्क वार्विर हुसैन वल्द स्व० मोहम्मद ग्रील निवासी मत्नी, मुन्सो महल्ला थाना वा पो० माँगो णहर जनगेदपुर, जिलानिह भूमि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लालमित देवी जौजे श्री पती राम सिंह, निवामी हो० मं० 183/6, काशोडीह थाना वा पो० माकची शहर-जनशेदपुर जिला-सिंहभूम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जभ के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आसीप् ध----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्यकेरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्य विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यथा है।

# अनुजुची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 1600 वर्गफीट (40×40) है तथा जो काशोडीह शहर जैमशेदपुर थाना वा पो० साकची जिला सिंहभूम में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण विसका सं०-5548 दिनाँक 31-7-85 में विणित है एवं जिसका निबंधन अबर निबंधक जमशेदपुर के द्वारा संपन्न हुआ है।

हुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्षन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, बिहार पटना

नारीख: 7-3-1986

(अन्तरक)

# प्रस्य बाह्यं हो, एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269—थ (1) के घ्रष्टीन सुचना

#### मार्व बहुकार

# कार्याज्य, तहायक बायकर बाव्यत (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनौंक 7 मार्च, 1986

निर्वेश सं ार्धि 1279 मर्जन 85-86---भ्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चार 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विश्वका उचित बाबार शुक्क 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं०~539 श्रीर 541, खाता नं० 4 है, तथा जो ग्राम-हिन्नू थाना-डोरन्डा, जिला राँची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राँची में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13~7~85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान श्रितक के बिए बन्तरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यमुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिकत से विधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकत निक्मीजीवित उच्चेच्य से उन्त बंतरण विश्वित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुइ किसी बाप की वानत उच्छ वरिक विवस के ब्योन कर की के बन्तरक के वाजिए में कनी अपने वा उससे वचने में सुविधा के किए; बीद/वा
- (अ) एची किसी जाव वा किसी वर्ग का कच्च आस्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या वर्ग कर अभिनियम, या वर्ग कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुनिया वे सिर्थ;

अतः भव उनत अधिवियम की धारा 269-न की अन्यरम भा, वा, उनत अधिविषय की धारा 269-व की उपधारा (1) में स्थीन, निकालिविय व्यक्तियों, स्थान् क्यान्

- (1) श्री मो० फारूक वल्द स्व० हाजी मोहम्मद ग्रयुब कत्मटी चुटेड पायर ग्राफ ग्राटर्नी (2) मो० भाह नवाज (3) मो० ग्रनवर श्रहपद वल्दान हाजो मोहम्मद ग्रभुप हिन्दिपरि थाना-हिन्दिपिरि जिला-राँची
- (2) श्रोमतो लक्ष्मी चोधरो जोजे रामानन्द चौधरी निवामी हिन्तू थाना-डोरंडा जिला-रांची (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कारके प्रवीक्त सम्परित के नर्जन के हिनप कार्यवाहिनों करता हूं।

# उन्त संगीत के वृत्रंत के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र हु--

- (क) इस सूचना के स्वस्था में प्रकाशन की तार्रीय है 45 दिन की समृष्यि या त्रसम्बन्धी स्वित्यों पर सूचना की तानील से 30 दिन की वनिष, जो भी नविष् नाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त स्वित्वलों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूच्या में शबपन में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थानित व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के क्स किदित में किए वा करोंगे।

## ग्रनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकका 21 1/2 डिसमल है तथा जो ग्राम हिन् डा॰ हिन् याना धोरन्डा जिला राँची में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या 7578 दिनाँक 13-7-85 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक राँचो के द्वारा संनन्न हुमा है।

> दूर्गी प्रमाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार पटना

नारीख: *7*~3 ·1986 <sup>†</sup>

प्रकार बादी, ही, एन्, एस .. -----

भायकार गींधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्राधीन सुचना

#### भारत तरकार

# मध्यमित, सहायक कायकर शाव्यत (निर्यक्तिण)

श्रर्जन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं ० III/ 1 2 8 0 । प्रर्जन | 85- 86- - प्रत: मुझे, दुर्गी प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इनमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा नग हैं), की धारा 269-क के अधीन सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नागर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० प्लाट सं० 538/539 मर्ब प्लाट सं० ए० खाता सं०-4 है, तथा जो ग्राम-हिन् थाना डोरन्डा, जिला-राँची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफर्ती श्रिधकारी के कार्यीलय, राँची में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारींख 12-7-85

को पुर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गह है और मफे यह विकास करने का कारण है कि यथामुनेक्त मंदित्त का जाचत बाजार बूखा, उसके द्वरमान प्रतिफल में, एमें द्वरमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें बन्तरच के लिए तय दावा क्या प्रतिकृत, विकासियां ब्युचेक्य में उक्त बन्तरच चित्तव वे वास्तविक क्य से कियत नहीं किया जवा है डूक्न

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कार धीन के कलारक. के दासित्व में कानी कारने या उत्तमें बचने भी कृष्टिका भी लिए; आर्थ/बा
- (स) एमी किसी आय या फिसी धर या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिरियम, या पार कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सविधा के निराह

बतः चव, उक्त बिधिनियम की धारा १६०-ग के अनुकरण हैं, मैं, अक्त अधिनियम की घात १६०-७ की उल्धारा (1) के अधीन, निम्निएसित व्यक्तियों, अर्थातः :——
35—36GY/86

(1) श्रीं मो० शाह नवाज वरुद स्व० हाजी मोहम्मद ग्रयुव (2) मोहम्मद श्रनवर श्रहमद बस्द स्व० हाजी मोहम्मद श्रयुव निवासी हिन्दिपरी थाना-हिन्दिपिर जिला राँची।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी-चौधरी जौजे श्री रामानन्द चौधरी निवासी हिन्, थाना डोरन्डा जिला राँची । (भग्तरिती)

को यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सक्यील से सर्चन के जिल् कार्यवाहियां कुक करता हो।

उक्त संपत्ति में अर्जन के संबंध में कोई भी माम्रोप ह---

- (क) इस क्षता के राज्यम में प्रकारन की तारीय के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, को भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति स्वाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीचा चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में कितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के वार लिकित में किए जा सकति।

रपक्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त कक्यों और पर्यों का, वा सक्क मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्रातिक हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका स्थारी।

# नन्स्यो

जमीन मय मकान जिसका रक्षा 28 डिसमल है तथ। जो ग्राम हिन् थाना डोरन्डा जिला राँची में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या 7562 दिनाँक 12-7-85 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला प्रवर निबंधक राँची के द्वारा संपन्न हुन्ना है।

> दृग**ै प्रसार** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकथर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, विहार पटना

तारीख: 7-3-1986

मोहरः

हरूप बाद<sup>1</sup>, टी. एन. एवं.

# भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भण्छ 269-प (1) के समीन स्वया

#### वार्ष्ट संस्थाहर

# कार्याजन, सहायक बायकर शायुक्त (निरामाण)

म्प्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० III /1281/म्रर्जन/85-86→-श्रतः, मुझे, वुर्गा प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार म्हण 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० एम० एस० प्लाट सं० 1789, हो० सं० 506, वार्ड-3 है, तथा जो हिन्दिपिरी, थाना हिन्दिपिरि, जिला राँची में स्थित है (भौर इससे उपावड भ्रन्भूची में धौर पूर्ण एप से विणित है) रिजस्ट्रीकता श्रिधकारी के कार्यालय, राँची में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4 जुलाई 1985

की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाबार मन्य से कम के दश्यमान शितपास के सिए जन्मित की गड़े हैं और मुझे वह विकास करने का कारण है कि बचाएबॉक्न मध्यत्ति का उचित माजार मण्य लग्ने उश्यमान रितफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तब पाया गणः शितफल निम्मक्तिकत स्व्योक्त से सकत बन्तर्य निकास हैं:—

- (क) सन्तरक सं सुद्ध किसी आप की दावत, उकत विश्वित्यम के अधीन कर दोने के अस्तरक के स्वित्य में कमी करने या उत्तक्ष वजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (श) एसी किसी बाय या किसी अन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय पायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या स्थल व्यक्तियम, वा अस-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रचण नहीं किया स्था था वा किया जाना नाहिए का जिल्ला स्था था वा किया जाना नाहिए का जिल्ला स्था था वा किया

बतः जन, तक्त मधिनियम, कौ धारा 269-न में मनूतरण हो, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की जारणारा (1) अभीत जिल्लानिस्त स्यक्तियों, सर्भात क्ष्मान  श्री श्रानन्द प्रीत सिंह, गुरचरनजीत सिंह द्वारा कन्सटीच्यूटिड श्रटार्नी सरदार श्रमरीक सिंह, डाक बंगला रोड, पटना

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार गुप्ता, श्रीमती मीना रानी गुप्ता, श्री श्रनन्त कुमार गुप्ता, श्रीमती निलनी गुप्ता निवासी एच० बी० रोड, राँची।

कार्य बहु सूचना चारी करके पूर्वीकत संपृक्ति के अर्थन के लिक कार्यवाहियां करता हो।

# क्का कुनरिय में धर्मन से कन्तुन्त में कोई नी मान्नोर्1--

- (क) इस स्थान के शक्य का अध्यक्त की तारीक के 45 दिन की कवींचे या तत्त्रवंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामित के 30 दिन की नवींच को भी क्यूंजि कार के सकत्व की हो, से बीसर प्रांचिक व्यक्ति के दे किसी कार्य कुरुक्त ;
- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की हारीय से 45 विन के भीतर उन्तर स्थानर मंपिता में हिसनक्ष्म रिक्सी सन्य व्यक्तित क्वारा, अधोहस्टाक्षरी के नाम निरिक्त में किए वा क्वीने।

स्पष्णीकारण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया कता है।

#### नम्स्यी

जमीन मय मकान जिसका रकवा 10 कट्ठा 15 छटाक है, तथा जो ग्राम हिन्दिपिरि थाना हिन्दिपिरी जिला राँकी में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण विस्का मंठ 7333दिनोंक 4-7-85 में विणित है एवं जिसका निवधन जिला ग्रवर निबंध क राँकी के द्वारा संपन्न हुग्रा है।

> दुर्गा प्रसाद . सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीक्ष : 7-3-1986

प्ररूप बाहै, टी. एव. एक.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्धालयः, सहाबक वाबकर वाब्क्स (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज- II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4.473/2/85-86- च्य्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

आयकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अभिक हैं

स्रोन जित्रकी सं धारमाराम सोसायटी, कारेलीबाग है, तथा जो बडौदा में स्थित है (स्रोर हमसे उपाबत प्रमुखी में ध्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौद में रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के क्यमान प्रितेकस के लिए अन्तरितः की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उबल नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

- 1. श्री सरलामोहिनी पी० दुदानी कारेली**नाग, नड़ौदा** (ग्रन्तरक)
- 2 श्री चंपकलाल देवजीभाई शाह कारेलीबाग बड़ौदा (अन्तरिती)

की यह सुषता आरी करके प्वोंक्त सम्मिति के वर्षन के लिए कार्यपाहिया करता हां।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बनिध, को भी जबिंध और बादि में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तिमें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थावत हुवारा अधेहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकटीकरणः --- इसमें प्रयूप्त इक्टों और पदों का, जो उच्छे अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाविकाः हों, वहीं वर्धहोगा जो उस अध्याय में दिवा गया हो।

# मम्स् जी

प्लाट जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मृह्य 99373 रुपए है जो सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में जुलाई, 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

नतः। वयः, वाँ, माँ, उत्तर को बचीनः, निम्नासांबद्ध क्यावलवा, वक्ततः १—

माहर:

१७५ आर्च<sub>ा</sub> बो<sub>ले</sub> १५<sub>०</sub> एष्<sub>ल</sub>ाला

बाक्कर विविद्यानन, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) वे समीद स्थान

#### 

कर्मकर, स्ट्राइड कारकर नायुक्त (निर्वाचन)

धर्जन रेंग-2, श्रहमदाबाद

भहमवाबाद, दिनौक 27 भरवरी 1986

निर्देश सं० पी० घार० नं० 4474/II/85-86--यतः, मुझे पी० की० खंडेसवाल.

नावकर निष्तियम, 1981 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परकार्ष 'उन्त निष्ठिममम' कहा नया है), की भारा 269-च के नथीन सक्तम प्राधिकारी को वह निष्यास करने का कारक है कि स्थानर सम्मीता, जिसका उचित बाजार मृत्यु 1,00,000/- का ने म्हिक है

मौर जिसकी स० जमीन गोवरा है, तथा जो गोदरा में स्थित है (मौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गोदरा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, 8 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त कर्मात के बहिन्द क्रवाह नृत्य से क्रम के अयमान प्रतिकत के लिए बंबरिय की गई है जीर मुके यह विश्वास करने का क्रवान है कि स्थापनाँकत संपत्ति का अवित साजार मूल्य बद्ध अस्तान प्रतिकत से, एसे अस्मान प्रतिकत का पत्त्रह प्रविकत के निषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरिदेशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविकत, निक्तिवित उद्योग से उक्त अन्तरण निवित के शास्तिक रूप से क्रियत महीं किया गया है है—

- (क) अन्यक्रम हो हुन्द्री किन्नी काम करी सामक उपक मिल्लियन के जमीन कर दोने में अन्यक्रक में समित्र में क्षती करने वा उत्तने मचने में समिका के निम्छ; घोर/या
- (क) पुंडी किसी बाव ना किसी वन ना कन्य नाहितनी की, विन्दी भारतीय नावकर निधिनमन, 1922 (1922 का 11) ना उनस निधिनमम, ना धन-कर निधिनमम 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ नन्तरियो बनारा प्रकट महीं किया नृता था ना किना थाना चाहिए ना, किनाने में ध्रीनथा में किस;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण हो. ही, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, वर्षात्

- श्री रमणलाल वाडी लाल शाह, गोदरा । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री ठाकुरदास जेठानन्द धमवाणी, गोदरा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूचा कर सम्पर्तिक के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तमक कम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में काई मी वाक्षेप :---

- (क) इन्न प्रथम के राज्यक में मुख्यस्य की कार्याय ही 45 दिन की अवधि या तत्सामानकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की नयीं , जो भी समीप बाद में समान्त इन्नेती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजधन में प्रकासन की तादीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में दितबद्ध किसी बन्य स्थानत द्वारा, नभोहरवाकारी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होंगा जा उस कथ्याय में विया नया है।

## नगृज्ञी

मिलिकियत जो गोधरा में स्थित है जिसका कुल मृल्य 80,000 स्पए है जो सब रिजस्ट्रार, गोधरा में जुलाई में रिजस्टिंग की गई है।

पी० डी० खंडेल**वाल** सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **भ**र्जन रेंज-2, **भहमदाबाद** 

दिनांक : 27-2-1986

इक्ट कार्र् हा ही .. प्रमु∴ एक .च-क्क-क-

बावकार मधिवियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मधीन त्यना

#### HEAT METERS

# कार्याक्षयः, तञ्जयम् वायकर वायुक्तः (चित्रविक्त्यः)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदबाद

महमदाबाद, दिनाँक 27 फरवरी 1986

निद्धेण सं० पी० ग्रार० नं० 4475/ /84-86——यतः, मुझे, पी० श्री० खंडेलवाल,

भागभर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसमें परपात् 'क्स अधिविनम' कहा नवा ही), की पाछा 269-व में अधीन, समय प्रीतिकारी को, वह विश्वास करने का भारत ही कि स्थानर सम्बद्धि, विस्तास क्षित् वाचार स्थ्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जमीन ग्रीर मकान सं० 403/17 है, तथा जो गोधरा में स्थित है (ग्रीर इसका उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गोधरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1906 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्रवेषित सम्मित्ति के उचित नामार मुक्त से कम के अवधान प्रतिकार के सिए बन्हरित की पहें हैं और मुझे यह विश्वास कर्ने का कारण हैं कि बनाप्कॉन्स संपरित का अधित वासाइ बुन्य, उसके कारमान प्रतिकार से, एखें श्रुप्तमान प्रतिकार का पंक्र प्रतिकात से मिशक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्त्रितिकों) के बीच एसे बन्तरम के लिए सब पाना प्रश प्रतिकार, निक्तिविकार प्रवृद्धित से स्वत् सुन्तरम् बिकिय में वास्तिकार कम से कीचन नहीं किया गया है ॥——

- रेकों क्यारक वे हुए विक्री कान की कार्य कार्य सरीपरियम के सपीन् कर वोते के अव्यक्त की दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुनिधा के लिए: शरीर/स्थ
- (क) एसी किसी बाब ना किसी धन ना बन्च जास्तिकों को, विक्री भारतीन् नान-कर नीधनिवन, 1922 (1922 का 11) ना क्या नीधनिवन, शा बन-कर नीधनिवन, शा बन-कर नीधनिवन, 1957 (1957 का 27) के ब्रुक्तेश्वनार्व अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया बना थाना शाहिए था किनाने में सुनिना औं क्रिक्ट;

क्कंट कर, बन्द कथियिका की पाड़ा 269-य से नगुरूप दो, जो उन्हें नीपीनका की पाड़ा 269-य की क्यपाड़ा (1) हो नपीय, जिल्लीमीयच व्यक्तिकों, वर्षाक् हन्न

- श्री जीणाभाई गोकुलदास गाह, द्वारका नगर, गोधरा । (श्रम्तरक)
- 2. श्री मधुबेन बिनोदभाई पटेल, गोधरा (ग्रन्तरिती)

को यह क्ष्मन धानी कारक पूर्वोंनय बज्जीता में मर्जन के ''जन् कार्यनाहिन' एक करता हैं।

रका रामाचित्र में वर्षात्र में हामान्य में मोद्रों ती भारते :---

- (क) इस कुरूबा के खल्का को अवस्था की वादीय के 45 किए की अवस्थि का सरकारणी व्यक्तियों कर कुल्ला की सामीय के 30 बिक की अवस्थि, को भी अवस्थि का को समाय की समाय होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों के तो किसी व्यक्ति स्थापः;
- हैंक) इस ब्लाग के भाषपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 पिन के भीकर अक्त स्थावर सम्मतित में विश्ववस्थ विश्वी सम्भ न्यांक्य स्वारं न्यांहरवाकरी के तत्र लिखित में किए जा तकरी:

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पत्तों का, वो समब जीभीनयमं, के अध्याय 20-क में पीरभावित ही, यही अर्थ होगा को उस कथ्याय में विया स्था ही।

## प्रमुखी

मिलकियत जो गोधरा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 80,000 एपए हैं जो सब रजिस्ट्रार, गोधरा में दिनौंक 23-5-85 को रजिस्टर्ड की गई है। फार्म नं० 37-जी यह कार्यालय में 13-7-86 को प्रान्त किया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुख्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाम : 27-2-1986

प्रमय बार्षः हो. एतः एतः -----

बाम्नकर अधिनियम, 1961 (1961 क्ष. 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### नारुत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
भूजी रेंज-II, अहमदाबाद
भ्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरहरो, 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4476/II/85-86---श्रतः मुझे टो० डी० खंडेलवाल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमोन सं० नं० 1838, प्लाट नं० 70 है, तथा जो महासनामें स्थित है (और इससे जानद्ध ननुन्धी में और जो पूर्ण रून से विणात है) जिनस्ट्रीजा जिनस्

- कि सत्तरण वं शुर्व जिल्ही साथ अने शायर , शब्ध शिथितियम से अधीन कर दोने के अन्तर्भ के दायित्य में कभी करने मा अवसे वचने में द्वीवधा के विदः बाह्र/या
- (ख) इंसी किसी नाय या किसी धन या नाय आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत लिधनियम, गा धनकार लिधनियम, 1957 (1937 को 27) को प्रयोजनाई नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि दर नया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया

हात: सब उन्त अधिनियम की शास 36, व ही अन्धरण व, ब, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कूं क्योंग विम्मीनीवर व्यक्तियों, नप्ति अन्य  जवानी जी अदाजं ठाकोत, मगपरा, महेसाणा ।

(अन्तरक)

भुवनेश्वरी को-प्राप० हा० सोसायटी,
 महन्द्रकुमार क्रुपा शंकर,

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के तिय

उक्त समात्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृचवा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचवा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त अयोजना में से गक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति इवारा अभोत्रताक्षारी की पाड़ जिल्ला में किए का सकतें।

स्पद्धीकारणः--५६म अयुक्त शब्दों और पदी का, था उनका अधिनयम, के अध्याय 20-क में गरिशावित हैं बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गणा है।

# अनुसूची

मिलिनियत जो महसाणा में स्थित है। सद रिजस्ट्रार, महसाणा में 2-7-85 क र.जस्टर्ड को गई हैं जिसका कुल मूल्य 2,34,000/- रुपये है।

> र्पा० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 27-2-1986

प्ररूप बाइ टी. एन . एत -----

श्राधकर विश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यामय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद-' 380009 ,िदनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4477/II/85-86----श्रतः मझे, पी०डो० खंडेलवाल,

कायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के मधीन सकाम प्राधिकारों को वह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं 0 401, है, तथा जो पटेल चेम्बर्स, नानपुरा चौकी मोहलो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्वी में और पूर्ण का ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में, रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और सम्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वितरक से हुई किसी बाध ी वाबत, उक्त बिध-वियम के बधीन कर देने के अंतरक के दायित्व को किसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बरि/या
- (भ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य बारितवाँ किसी आपकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए

कतः अव, उंक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-न्न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—  मैं० पटेल लैन्ड, कान्योरेक्स, नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

श्री तयत कुमार इन्द्रावदन मुगतवाला,
 401, पटेल लेम्बर्स,
 नानपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्चन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप : +--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से की किया किया तत्त्वं भी व्यक्तिमां स्वाप्त शक्क की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4,5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विचित में किए का सकेंगे।

सम्बद्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त विश्व-नियम, के बध्याय 20-क में पुरिभाषित हूँ, बही वर्ष होगा की उस अध्याय में दिया कका है।

#### अपरापि

प्लैट नं० 401, जो जानपुरा, सुरत में विणत है। सब रिजस्ट्रार, सुरत में दिनांक 10-7-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-II, धहमदाबाद

दिनांक: 27-2-86

# प्रकृष वार्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष ।

The same of the 10th of the same of the sa

मार्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीत क्वन

## कारक बुद्धकार

# कार्यांवन , शहानक नाक्कर नाव्क्व (रिक्रीसक)

महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरबरी, 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 4478/II/85-86---श्रतः; मुझे पी० डी० खंडेलघाल

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 574, पटेल नेम्बर्स, नानपुरा है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रेनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय सूरत रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-7-1985

को प्रॉक्त सम्मत्ति के उपनित नाकार मूल्य से कम के क्रममान प्रहेंतफ स के सिए जन्तिरत की गई है कि मुखे वह विश्वास कारों का कारण है कि नमाप्नेंवित संपत्ति का उपनित नाकार मूल्य, उसके क्रममान प्रीतक्त से एसे क्रममान प्रतिकत के बन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और जम्तरक (बन्द्ररकों) और कन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और जम्तरक (बन्द्ररकों) और कन्द्रिती (बन्दिरिक्षां) के बीच एने जन्तरण में निष्टात्व गावा नमा प्रतिकास, विम्नतिस्थित बसुदेख से बन्द्रर अन्तरण विश्वित में बास्तिस्थ कर से क्ष्रिया वहीं किया क्या है ——

- (क) कलारण वे हुई किसी बाव की आवत , अचत सीमीनयत के क्यीन कर दोने के बन्ताइक के सावित्य को क्यों कारने वा कतते अचने को सुविका के चित्र; बीट्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अभिसयों को जिन्हों भारतीय आय-कर किमिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भव-कर किमिनियम, या भव-कर किमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना था, कियाने में स्विधा के किया

जतः अव, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों है वर्षात मुन्न  मे० पटेल लैण्ड कापॉरिशन, नानपूरा, मूरत ।

(भ्रन्तरःक)

 दारायस के0 चरियावा नानपुरा, भूरत ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में नहेई भी बासपे :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीं थे 45 दिन की अविभ या तत्सं कंशी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध मोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिक द्वार अधोहस्ताक्षरों के पास सिलित में किए जा सकोंगे।

## अमृस्ची

मिलकियत जो नानपुरा, सुरुत में स्थित है जिसका कुल मूल्य 91000/- रुपये हैं। सव-रजिस्ट्रार, सुरुत में 10 जुलाई 1985 में रजिस्टर्ड की गई हैं।

> पी० डी० खंडेसबाल मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

**दिनांक**: 27-2-1986

अ**द्या बाह् . दो . एक . एक .** च्या - च्या च्या प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार का प्रकार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) में स्थीय बुच्चा

#### THE SECTION

कार्यालय बहामक भामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भार० नं० 4479/II/85-86--श्रतः मुझे, पी०डी० खांडेलवाल

भीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के सभीन सभाम प्राधिकारी को, यह निश्चात करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंग प्रतेष्ट नंग 603, पटेल वेम्पर्स हे, तथा जो नातपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीयती श्रीविद्यारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधानयम, 1908 (1908 को 16) के शंधीन दिनांक 10-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल. के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और मंतरक (संतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तथ पाना मना प्रतिकास, निम्निलिचित उच्चेक्त से उक्त बन्तुगुण सिचित के नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गना है है—

- (ध) बन्तरण चे हुई सिन्धी बाव की वायत , उनक स्वीध-विवय के अधीन कर वेचे के लखरक ही पावित्य में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन मा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जन्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिवह;

बतः, जन, उक्त विभिनितमं की भारा 269-व के जनुसरका को, में, उक्त विभिनितमं की भारा 269-व की उपभारा (1) है बचीन, निम्नितिक्त व्यक्तियों, नर्थात् हे—— 36—36GI/86

 मै० पटेल लैण्ड कारपोरेणन, भुग्त ।

(अन्तरक)

 एम० बी० ठक्कर, नानपुरा, सुरत

(श्रन्तरितो)

को नह स्थान वारी करके प्राधित सपति के अर्थन के तिहा कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के हावपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील में 30 दिन की बद्धि, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तिय
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- भवध किसी कार व्यक्ति द्वारा कथोहरलाक्षरी को पास निवित्त में किए जा सकींगें।

स्वयद्धीकरण हिन्दा प्रश्वनत प्रवर्षे और पदों का, जो उत्यक्त व्यक्तिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगर को तम संध्याय में विकास विकासी

## नपृक्षी

मिलिकियत जो पटेल चेम्बर्स, सूरत में स्थित है जिसका कुल मूल्य 86000/- रुपपे हैं। सब रिजिस्ट्रार सूति में 5350 नंबर पर दिनांक 10-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> र्पा० डी० खंडेलक्षाल मक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंग-II, प्रकृमदाबाद

दिनोक : 27-2-1986

माहर:

अस्य आहे. टी. एम. एम.-----

# नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के मधीन क्षना

#### मारत संरक्षां

# कार्याज्ञय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्योक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, ध्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरषरी, 1986

निदेण स० पी॰ थार॰ नं॰ 4480/II/85-86---श्रतः मुझे, पी॰ डी॰ खंडेलवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच'त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्यास कण्ये का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उपित बाजार सन्ध 1.00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302 हैं, पटेल चेम्बर्स हैं, तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिवारी के कार्यालय. सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन दिनांक 10-7-85

को प्रशेषित सम्पत्ति ये उपित बाजार मुख्य से कम के दश्यकान प्रितिक्त के लिए बंतरित की गई है और यक्षे यह विश्वतास करने का कारण है कि यक्षापुर्विकत सम्पत्ति का लिखित उद्वार क्रिया सम्पत्ति का लिखित उद्वार क्रिया सम्पत्ति का लिखित उद्वार क्रिया सम्पत्ति का लिखित अप्रतिक्त से अपिक है और अन्तरक (सन्तरकों) और अंतरिति (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरका के लिए १०० १००१ मण इतिकल निम्नलिखित उद्वेषय से उदत अन्तरण लिखित में से बास्तियक रूप में किया नहीं किया गण है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किए अन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय संयक्तर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या जसन अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) टी अयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ रैसए;

नतः वन, उनत निधानयम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, मैं. उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीनिमित व्यक्तियों, अधीत कुल्ल  मै० टेवन लैण्ड कापेरिकत, सुरत ।

(अन्तरक)

 श्रो हंसा रोहिसकुमार मोतीवाला, 302, पटेल चेम्बर्स, नानपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यजाहियां करता हूं।

## उक्त सम्मरित के कर्षण में सम्बन्ध में समेर्ड भी आसंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर कालियों में से किसी व्यक्ति हजा है:
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारील सं 45 दिन के भीतर उजत स्थावर सम्प्रित में हितबप्र किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखिस में किए जा सकरेंगे।

# ध्रनुसूची

पनैद नो सुरत में रिगत है तिन्छ हुन न्त्य 87,000/-रुपये हैं। सब रिजिस्ट्रार सुरत में 5349 नंबर पर कितंक 10-7-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेल्याल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) \* प्रकारिक-II, प्रहमदाबाद

माः ।

प्ररूप बाई:दी. एन: एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण्) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं । पी० श्रार० नं । 4481/II/85-86—श्रतः मुझे, पी० डी० खडीलवाल

बायकर वांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तत पिधनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फलैट नं 502, पटेल चेम्बर्स है, तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध पनुसूची में और जो पूर्ण रूप से चिंगत है) रिनस्ट्री मर्ता प्रधिकारों के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्री मरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिलांका 10-7-1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अनंतरण स हुई किसी आय कहे बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1- मै॰ पटेल लैण्ड कार्पोरेशन, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 रजनोकान्त, जयन्ती लाल शाह पटेल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

# अनुसूची

फ्लैट जो सूरत में स्थित है जिसका कुल मूल्य 81000/-रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5348 नंबर पर दिनांक 10-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी॰ डी॰ खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 27-2-1986

प्रका आहें, दी . एव . एस . -----

थाशकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के अभीन स्थना

#### सारव बरकाउ

कार्यालय सहायक गायकर जावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, **श्रहमदाबाद** 

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० प्राए० नं० 4482/II/85-86----प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की बारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी में प्लैंट नें 302, पटेल स्म्बर्स है, तथा जो नानपूरा, सून्त में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रतृष्ट्रकों में जीन जो तूर्य का से धींगत है) रिजिस्ट्रीडर्ग पिधिकारी के नायित्य सूरत में पोजस्ट्रीकरण पिधित्यम, 1908 (1908 T 16) के प्रधीत, दिनाक 10-7-1985

की प्रेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य सं कम के उस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पामा गद्या प्रतिक्का निम्निसिश्त उद्देष्य से उक्त अंतरण निम्निश्त में वास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है कि

- (क) गम्तरण् ते हुई किसी बाद की बादए उक्त अधि-निवेत् के मुचीन कह दोने के बन्तरक के दावित्य में कजी करने वा उबसे दुष्ये में बुविधा के सिद्धः
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों यह, दिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा स्वत्य सीधिनियम, दा पर कहर नीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्यरिती ब्वाडा प्रकट नहीं किया गया या किया नामा नाहिए था, किया ने सुविधा अधि सिर्देश पर किया ने सुविधा के सिर्देश स्था

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 मै० पटेल लैण्ड कार्पोरेणन , नवचेतन श्रपार्टमेन्ट, नानपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनुभाई एम० देसाई, 302, पटेल चेम्बर्स, नातपुरा, सुरत ।

(श्रन्तरिती)

की यह यूचना बाड़ी करके पृत्रांकल सम्परित के अर्थन का जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन, की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (स) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थापर सम्पत्ति में हिद्य ब्र्यू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में क्रियू जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **धनु**सूची

फ्लैंट जो सूरत में स्थित हैं जिसका कुल मूल्य 80,000/-रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5347 नंबर पर दिनांक 10-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 27-2-1986

मोहर ।

श्चल बार्ष छ । पुष्, पुष्, क्ष्र क्रान्त्रकार

वावकार मुभिनिव्युत्त 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नुभीत सुकवा

#### भारतम् अपन्यस्

# कार्यस्य, पहारक बावक्ष अञ्चल (विद्वालक)

अर्जन रेंज-,II अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरघरी 1986

निदेग सं० पी० श्रार० नं० 4483/II/85-86 --श्रतः मुझे, पा० डी० खंडेनदाल

नायकर मिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मिनिसम' नहां गमा ह"), की भारा 269-व के नभीन तकम प्राधिकारी की मह निस्तास करने का कारफ हैं कि स्थानर स्थाति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से मिक्क हैं

और निमही सं० फ्लैंट नं० 303, पटेल वेम्बर्स, है तथा जो ना छुत सूत्रा में रिश्त है (और इसने उपाबद्ध न्युम्बर्स में और जो पूर्ण रूप से पणित है) रिजर्स्ट्राकर्ता धिकतारी के कार्यालय सूरत में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत दिनोंदा

को पूर्वोच्छ क्ल्यित के जियत कालार मूस्य से क्रम के स्वयंगिय प्रियेक्स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्योंक्स कल्पि का जीवत बाधार मूल्य, उसके क्रमनान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) कौर अंतरिती (अंतरितयों) को बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया मना प्रतिकल, निम्तिनिचित उद्योग्य से उन्द्र अन्तरण कि विष्

- (क) बन्तरण से हुई विक्रती काय की शब्दा, उक्त वृषिदिदन के क्षेत्र कहा दोने को व्यवस्थ औ शक्तिए में कभी कहाने ना क्ष्यों नक्ष्यों में ज़ुनिया के सिए; कृष्टि/शा
- (स) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तिकों को, शिक्षुं आरडीच आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिद्ध;

अक्ष: अब, सक्क अधिनिक्त की भाषा 269-म के अनुसरण में, बी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपभाषा (1) की अभीन, निक्तिविक्त व्यक्तिकी, अधीत्:—  मै० पटेल लैण्ड कापॉरिशन नानपुरा, सुरत ।

(श्रन्तरकड़)

 श्री जे० एम० दक्षे। पटेल चेम्बर्स, सुरत ।

(श्रन्सरिती)

को वह क्ष्मा आही कड़के पूर्वोक्त कनात्ति के अर्थन के ध्वय कार्यवाहित क्र करका हो।

बक्ब बन्गील के बर्बन के बन्धन में काई भी नाक्षेत्र :----

- (क) इस ब्यूमा के हाज्यम में प्रकाश्च की तारीय वें 45 दिन की मनीय या तत्वास्त्रामी स्थापित में वर्ष सूजना की ताबीस से 30 दिन की मनीय, मो जी मनीय मान में तमान्य होती हो, के भीत्र प्रवित्त जाविकारों में दे प्रियों न्यानिक क्षत्राम;
- (क) इन तुमना ने राजभन में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के श्रीतर सनत स्थावर सम्पत्ति भी हित-वृद्ध्य निकास क्यांक्य कृपारा, अथाहस्ताक्षरी के पास तिथित में किए वा सकेंगे।

स्थानिक्रण :----इसमं प्रमुक्त कथ्यां श्रीर पथीं का, जो उच्छ वीधीनवम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होंगा, जो नस अध्यास क्षे दिवा ववा है !

# अनु**सू**ची

भिषाकित जो सूरत में स्थित है जिसका कुल मूच्य 1,05,000/ रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5353 नंबर पर दिलांक 10-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 27-2-1986

# 

नायकर मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारत 269-व् (1) के स्थीद सुम्बा

#### भारत बुद्धान

# कार्याचन, बहायक बावकर बायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-II, श्रहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनां रु 27 फरवरी 1986

निर्देश सं ० पी० आर० नं ० 4484/[T/85-86—अतः मुझे पी० क्षी० 'खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकार्य को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थान्द स्थात्ति, विस्तात जिल्ला वाबार मृख्य 1,00,000/-छ से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० पर्लंड मनीश पार्क, वार्ड नं०1, नार्थ नं०902 है, तथा जो भानपूरा, सुरन में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसुची में स्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिनस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 29-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बूल्य से कम के व्हवमान इतिफल के लिए बन्दिए की गई है और मुझे वह विश्वास् करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिवात के स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिषों) के बीच एते अन्तरक के विश् वन वाता एका हिंदिका, विश्नाकित् जब्देक्ट से व्यव कन्तरम जिल्लिक के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्ष्में अण्डाम वं हुन्द्रं पित्री जान को नामक, उपस अर्मुधीयन्त्र के समीप क्षम्प दोने के मृत्युरक के सामित्य में कर्ती क्षप्रचे या क्षम्प नजने में सुनिधा के सिद्ध; बॉर/वा
- (क) बुर्ची कियी बाख वा कियी गृज या बुग्य बाहिसची की, चिन्हें बाहरीय बाद-सह विभिन्नक, 1922 (1922 को 11) या उद्युत अधिवियम, या धनकर अधिवियम, या धनकर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के क्योचनार्थ जन्तरियी द्वारा प्रकट नृहीं किया बाता था वा किया जाना आहिने था, कियाने में स्विभा के लिए;

सतः स्व, उक्त अधिनियम की भाग 269-न की समुसरक सं, मं, अक्त ब्रिनियम की भाग 269-न की उपभाग्न (1) से स्थीन, निज्यितिकिक व्यक्तियों मुर्चा हिल्ल  श्री कामिवे कबीर, बी० सोगारी वाला, बेगमपुरा, राम मन्दिर के सामने, सुरत ।

(अन्तरक)

 मुकेशचन्द्र कान्तीलाल णाह, हरीपुरा, सुरत ऽ

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे वह सूचना बारी करके पृत्रों कर सम्मारित के अर्थन की सिर्दे कार्यवाहियां करता हूं ॥

# कवर बुम्बुरिस के बुर्बन के सम्बन्ध के कोचे भी आक्रोन:--

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीश ही 45 दिन की वगींग वा तत्कम्यांथी ज्यक्तिमां पर चुचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी सविभ बाद में सभापत होती हो, के भीवार पूर्वों कर व्यक्ति में हैं किसी स्पिक्त प्रवास
- (आ) इस सुमाना को राजपण में अकाशन की शारीम से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति को हितज्व अ किसी सम्ब व्यक्ति इतारा संभोहरताकारी को पास मिसित में किए या संकोंगे।

स्पाद्धीकारण:---इतमें प्रयुक्त श्रम्था और एको का, को समस् वृधिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा थी उस बभ्याव में दिना क्या हैं स

## अनुसूची

मिलिङियत जो सुरत नाभपुरा, में स्थित है। सब रिजिस्ट्रार सुरत में 5627 नम्बर पर 29-7-85 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> पी०डी० खण्डलवा**न** मक्षम प्राधिकारी सहायक आय*फ*र श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-U, अहमदाबाद

दिनांक 27-2-1986 मोहर: भ्र**क्य आर्**. टी. दन. **ए**कं......

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थान

#### भारत संस्थार

कार्याच्या, सहस्यक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहसदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी, 1986

় निदेश मठ०पी० आए० नं ०  $4485/{
m H/85-86---अतः मुझे}$ ंपी०डी० खण्डेलवाल

जासकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाहः 'अन्त अधितियम' कहा प्रया हैं), की पाद ३८० ४ में अधि पक्षक स्पेधकारी को यह विकास मारने आ कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका कवित वाचार म्स्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीप जिपकी संवदीवपीवनंव 7, रिंग रोड, सुराहै, तथा जो सुरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विषित हैं रिजिस्ट्री जिल्ली अधि हारी के जायालिय, सुरत में रिजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन विषा 25-7-85

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान अतिकल के लिए अन्तरिक्ष की नई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यापविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्ये, स्थाक देश्यमान प्रतिकल का प्रेष्ट प्रतिकार में अधिक है और मंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के औज ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निरम्मिकिक उक्तकेय से उक्त बन्दरण कि बिक्त में कारणिक कर मार्थिक में कारणिक कर मार्थिक में

- (का) गाम्मरण टॉ हार्ज़ किंग्सी शहर को नावण, समझ गीजियम से अधीन कार दोने को शम्मरक बैं गामिल्य जो काबी कारने का समझे बुखने के सृतिका के सिक्त; बीहर/वा
- (ग) एंती किसी नाय या किसी भन या किसी आस्तिबों किते, जिन्ही भारतीय नाय-कर निर्धायक्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धायक्रम, या भ्य-कर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिकी क्यारा वक्त नहीं किया नवा ना या किया नामा आहिए था, कियाने में सृतिभा के सिए;

जतः जज, उक्त अभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिङ व्यक्तियों, अर्थात् अल्ल-  सुरत पारसी जावजी आपोजिट ट्रस्ट, शाह्मोर पारसो<sup>\*</sup> पंचायत आफिस, सुरत।

(अन्सरक)

 गौरन्ग, प्रवीण चन्द्र चौकसीं, नानावट, मुख्य मार्ग, सुरत ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करको पूर्वीयत संपत्ति को शर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उनत संपत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी भाष्ट्रेप :--

- '(क) इर सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन की प्रविध मा गान्सवंदी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविन, को भी जबकि वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वक्तियाँ में से किएने करिक बुवारा;
- (क) इस तुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन के भीतर उक्त स्थानर संनीत में हितबष्ध किसी बन्य व्यक्ति इताय अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा एकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम के अध्याय 20 क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में पना है।

## अनुसूची

मिलिकियत जो जमरवाडा, मुक्त में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सुरत में 5583 नंबर पर दिनां ह 25-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी०डी० खण्डेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-ग्रा, अहमदाबाद

दिनांक: 27-2-1986

# **बस्य बार्च**्टी एन एस ,-----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं०पी०आर०नं० 4486/II/85-86—अत: मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

हायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें सबसे परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्तास करने सा आरण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं ० टी ० पी ० नं ० ७, जपरवाडा, रिंग रोड, सुरत है, तथा जो सुरत में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप में विणित है रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यौत्य सुरत में रिजस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

जार का लए अतारत का गई है
जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पास्त का उचित बाजार मृष्य उसके ख्यमान प्रतिफल हे, एोस
स्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक
(अंतरकों) और और अर्द कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं नाव की वावत्त, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूनिधा के सिए; बीर/या
- (थ) एसी किसी नाव वा किसी थण या नम्ब आस्तियाँ
  ाते, विष्टु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या
  धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोधनार्थ जन्तर्रेरती दुवारा प्रकट नहर्षे किया
  गया था या किया बाना बाह्य था, कियाने में
  श्रीकार के किसा

भवश्व मन उत्तर विशिवयम की भारा 269-म की व्यक्तर मी, मी, उत्तर विधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से वधीन, जिल्लीवित व्यक्तिका अर्थांच् के

- 1. सूरत बॉय ट्रस्ट शाहपुर पारसी पंचायत, आफिस, स्२८। (अन्तरक)
- नीमीश प्रवीण चन्द्र चोक्सी, नावापट मोन मार्ग, सुरत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं॥

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस स्घना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी अयिक्तमों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के-पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भ्रनुसुची

मित्रियतं जो उपरवाग सुरक्ष में स्थित है। मब रिकस्ट्रार सुरत में 5582 नम्बर पर दिनांक 25-7-85 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबार्द

दिनांक 27-2-1986 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरोज-11, ग्रहमदाबाद

अहमराबाद, निांक 27 फरवरी, 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4487/II/85-86—-अतः मुझे पी०डी० खण्डेलवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जित्त बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० दुकान नं ० 1030 है, गेलपारूला, मारफेट, हैं तथा जो रिंग रोड, गुरत में स्थित है श्रौर इसमे उपायक अन्-मुची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणित हैं ( रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीम दिनांक 11-7व1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दृष्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उपत अधिनियम की धारा 269- के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269- के की उपधारार (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---37—36GI/86  मै० टी०पी० मर्चन्द्म, एण्ड कम्पनी, बाम्बे।

(अन्तरक)

 श्री राजेन्द्र एस० जैन, रिंग रोड, स्रत ।

(म्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  स्मान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति मों हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी को पास सिक्षित मों किए जा सकोगें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुष्धी

मिलक्यित जो रिंग रोड, सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार मुख्त में 5398 तम्बर पर विमाक 11-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डो० खण्डेलवाल सक्षम अधिकारी महायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबा**द**

दिनां हा: 27-2-1986

मोहरः

प्रथम बार्ष् ु दर्जे पुष्य पुरुष , प्रान्त्यनम्बन

नासकर निर्मानसभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

#### भारत सर्वाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-11,

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 4488/II/85-86--श्रसः मझे, पी० श्री० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त किभिनियम' कहा नमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पर्तित, जिसका अजित बाजार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान, सूरत, वार्ड नं० 9, नोर्थ नं० 205, है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन दिनांक 29-7-85

की पृत्रींक्त सम्मिति के उणित बाजार मृत्य से कम के पर्यमान प्रतिकाल के तिए कन्निरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से जिपक है और अन्तरक (अन्तरकों) जी पन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल, निम्निविचित उज्वेदिय से उक्त अन्तरण किश्वत में अस्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से लाई किसी आय की बाबत, उक्त सीधिनियम के अधीन कर दाने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे ४वड़े में ध्रिशमा के सिए; भौर/सा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों गो जिल्ली भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, पाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) खे प्रयोजनार्थ कर रिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वीत्रभा के लिख:

भत: अव, तस्त अधिनियम की धारा 269-म से अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती इन्द्राबेन, जय श्रीलाल चौधरी, सुरक्ष ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मोहन लाल नरोत्तम मिठाई बाला पगाथिया घोरी,
 वाडी फलीया,
 सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोच्य सम्पर्तित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हों।

## बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप र---

- (क) इंड सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविश्व में तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि मों से सिमाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य स्थित दवारा अधोहस्ताकारी के पास निभिन्न में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अभ्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हाँ।

#### भ्रनुसूची

मकान जो सूरत में स्थित है। यज्ञ रजिस्ट्रार, सूरत में 5651 नंभ्बर पर दिनांक 30-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीः; डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंनरेज-I<sup>I</sup>, श्रहमदाबाद

दिनांक 27-2-1986

इका बाई है। हो हु दूर पुरु प्रश्नान सम्बद

जावकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत परकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वाय्वेद (विरीक्ष्ण)

श्चर्जन रेज-II

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मन्यति, जित्तका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान वार्ड नं 2 सूरत में है था जो संग्रामपुरा सूरत सूर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूणं रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 12-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रितिफल से एसे इस्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंकरण से हुइ किसी जाव की बावस, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के बंहरक के शावित्व में कनी करने वा सससे वचने में दानिया होतिया और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या जन्य जास्तियों कार्य, जिल्हों भारतीय आयकर जिल्हों भारतीय आयकर जिल्हों भारतीय आयकर जिल्हों स्वीतियम, बा पर पर प्रति किया ।।) या जक्त अधिनियम, बा पर पर प्रति किया ।057 (1957 का 27) से प्रश्नी क्षांचा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए जा, क्षिताने में सुनिधा वै सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण कें, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् रं⊶  श्री वामन शंकर, कमपा शंकर, शास्त्री और म्रन्य सगरामपुरा , सूरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्री नटवर लाल घेला भाई, चोखावाला, संगरामपुरा, सूरत ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकें प्योंक्य सम्परितः के नवन् के निक् कार्यनाहियां करता हुं।

सक्त सम्मरित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की वनिभ या तस्तंत्री व्यक्तियों पर स्वापत की ताबीं के 30 दिन की स्विध, को बी नवीं नाव में दमान्य होती हो, के मीतर प्रॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इत स्थान के स्थपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष्म किसी कन्य स्थमित द्वारा, मधाहस्ताक्षरी के पास सिवित के किस का करेंगे।

प्यव्योकरण : इसमें प्रयुक्त जन्दों और पर्दों का, को स्वरूप अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गना है।

## **अनुसूची**

मिलिकिय जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 5382 नम्बर पर दिनांक 11-7-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ा, ग्रहमदाबाष

दिनांक 27-2-1986

## प्रकृत आर्ष् ⊚ ध्रीत प्रनात प्रतासनकार

## नाधकर निर्मातवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) जे न्यीत बुक्त

#### HIST STATE

## कार्यासन, सञ्चानक भाषकडु भावन्त (निर्द्राकाण)

श्रजंत रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी, 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 4490/ /85-96—श्रतः मुझे पी०डी० खंडेकवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा पथा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उर्जित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 302, मस्या लाईन्स, सूरत है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-85

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्विक रूप में किथत नहीं किया गया इंट--

- (क) जन्तरण से हुइ किसीं बाय की वावत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में वायित्व में कमी करने या उससे वच्ने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय भाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ता दान कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती हुआस प्रकट महीं किया प्रया भा या किया जाना जाहिए था, जिनाने में सुविधा के सिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-य को अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतः :----  श्री एम० सी० बखारिया औरण्यस्य नयापुरा, सुरतः ।

(भ्रन्तरक)

 श्री रामप्रसाद गोर्धन दास, काला, ग्रम्या लाईस, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सपत्ति के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां करता हों।

## तकत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाकर ह--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीख से 45 जिन की जनचि या तस्त्रम्मण्डी व्यक्तियाँ पर सूचना की तक्तीन से 30 चिन की जनचि, चो भी अनिध बाद में समान्त होती हो। के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावच संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी को पास जिल्ला में किए वा सकींगी।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त केन्द्रों और पवीं का, जो उक्त कायकर विभिन्नक के वश्याय 20-6 में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना जो उस कथ्याय में विका गया है।

## श्रनुसूची

पलैट जो सूरत में स्थित है । सब रिजस्ट्रार मूरत में 5457 नम्बर पर दिनांक 16-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनोक : 27-2-1986

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमबाबाद, दिनांक 27 फरवरी, 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 4491/II/85-86--श्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

नाएकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, वार्ड नं० 4, नौथं नं० 321 सूरत है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुधारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक 18-7-85

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान पितफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, गं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री कंचन बेन, बाबूलाल, बेगमपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्री चन्द्रा वदन बाबूभाई और ग्रन्य महुधिरपुरा सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

## नगुजुबी

मिलिकियत जो मिहिधरपुरा सूरत में स्थित है। सबरिजस्ट्रार सूरत में 5446 नंबर पर दिनांक 18-7-1985 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक 27-2-1986 मोहर : प्रकथ बाह्र . टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-क (1) के मधीन स्वमा

#### मारत तरका

कार्यातय, सहायक नायकर नावृत्रत (निर्दाक्ति) अर्जन रेंज-2, श्रहमदानाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० भ्रार० सं० 4492/II/85-86--श्रस:, मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संब बंगला नंव 14, जियन विकास कोव ओव हाउसिंग सोसाइटी है तथा जो अथवा लाईन्स, सूरत में स्थित हैं (और इसपे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-7-85,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त वीधीनवय के जधीन कर दोने के जन्तरक के बाँग्ल में क्सी, करने या उत्तते वचने में सुविधा के लिए; बौर्/या
- (थ) एखी किया बार का किसी भन या बन्छ आहितयां को जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोधनार्थ अन्ति हों। हेवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाना चाहिए था, कियान में बृष्यिम के निए;

कतः अब्, उक्त विधिनियम् की धारा 269-न के अन्सारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) किरतीदास जनार्दन अन्जरिय। और अन्य (4) सजीवन सोसायटी, जस्मानपूरा, ग्रष्टमदाबाद ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री दुहय्याभाई भगुभाई पटेल गॉव भैरव ता० कामरोज जिला--सूरत । (ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए' कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ं उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हाना

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों शर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी स्पक्ति दुवारा;
- (क) इस : बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उनके स्थावर सम्पत्ति में हित्यहण् किसी जन्य स्थावत द्वारा कथां हस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी थे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 2) के में यथा एटि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उद अध्याय वे दिया गया है।

#### प्रनसूची

मकान जो प्रथवा लाईन्स, सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 5671 नम्बर पर विनाँक 31-7-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाक्त

तारीख : 27-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं०पी० श्रार० सं० 4493/<sup>[]</sup>/ 85-86--श्रत:मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके जचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान बार्ड नं० 1, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 23-7-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके छ्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिप्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बाम्सविक एप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एमि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िकपाने में मूविधा के लिए;

अतः अत्र , उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, जिम्मीजियन व्यक्तिसयों, अर्थातः :--- (1) श्री गयो मरा धरदेगर णिनोर हडसारा, पूना--28 ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री मंजुलासबेन रमेणचन्द गुप्ता और म्रन्थ नानपुरा, सूरत ।

(ब्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भो आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध . जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5529 नम्बर पर दिनांक 23-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खण्डेलवाल ंश्यय प्राजितारी सहाययः आयरण पायुक्त (निर्मक्षण) प्रजीत र्रेक 2, श्रहसदाबाद

नारी**खा** : 2**7**-2-19**8**6

## **शक्य बार्य**्य द्रीत युव्, युव्,,======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### शास्त्र प्रकार

## कार्याक्षण, सहायक भायकर मामुक्त (निरोक्षण)

भ्रजीन रेंज पटना

पटना, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं०  $\Pi I/1251$  श्रर्जन/85-86--श्रतः मुझे दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्तर अधिनियम' कहा पता हैं), की भारा 269-स के संभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उन्तिस बाजार मूल 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी संवतौजी 5170 थाना संव 22 खाता संव 192 खेसरा संव 692 ग्राम जलालपुर थाना थानापुर जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इमसे उपा**बद्ध धनुसूची में श्रौर** पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यलय कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 15-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृश्वेक्त सम्पत्ति का जियत बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत का अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीध एसे अन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिफल मृत्य के किए तम पाना गमा प्रतिफल मृत्य के किए तम कि कि में अध्यास के जिए तम कि कि में अध्यास के जिए तम कि कि में अध्यास के कि कि मान स्थास के कि कि मान स्थास है है

- (क) कल्लरण से हुए किसी बाव की बाक्य, उक्त अभिनित्रम के स्थीत कह दोने के कल्लरक के सावित्य में ककी कहतीं वा कहते क्लाने में सुविधा से सिंग्यु बहुर/वा
- (था) ऐसी बिजरी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मृत्रिभा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अर्थना सहकारी गृह निर्माण समिनि लि० पटना।

(भ्रन्तरक)

(1) श्रोमित जनेश्वरी देशे पत्नी श्री राम सिघसन सिह निवासी राम नगर थाना करण जिला गया। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुते ।

उक्त सन्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 4र सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, को भी अवृधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशारा,
- (क) इस स्वाना के राजधन में प्रकामन की तारीक से 45 कि को भीकार जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- ब्युक्त कि की जन्म व्यक्ति ब्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंचे।

स्वक्यीकरण :— इंबमें प्रयुक्त कथा और पदों का, वा उनस अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ग्रन्यूची

जमीन जिसका रकबा 4226.25 वर्मफिट है तथा जो ग्राम जलालपुर थाना दानापुर जिला पटना में स्थित एवं जिसका पूर्ण विवरण यसिका मं ० 12/10304 दिनाँक 15~7~1985 में बर्णित है और जिसका निबंधन रिजस्ट्रार श्रोफ एसुरेन्म कस्रकत्ता के द्वारा जम्मन है।

> दुर्गा प्रपाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोंज, पटना

दिनौंक: 4~3-1986

मोहरः

प्रकार आर्ड ्टी. एम . एवं ->≥-====

बावकर मधिनवस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क (1) के मधीन स्थान

#### भारत सङ्ख्यार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) प्रजीन रेज-II, ग्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० सं० 4495/II/85-86—ग्रासः सुप्ती, पी० डी० खण्डेलवाल,

नम्बन्द विविवयं, 1961 (1961 का 43) (विक्रं क्यां एवके प्रवाद प्रवाद (प्रवाद विविवयं क्यां प्रवाद हैं), की प्रवाद 269-थ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्षास करने का कारण है कि स्थावद सम्बन्ध, विसका उपित वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 6, श्रवधृत एपार्टमेंट है तथा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-7-85,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित्त बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उपित अजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल ता, दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निवित्त में नास्त्रविक कर वे कालब महीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जान या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा विश्वा पान प्राहिष्य था, जियाने में सुविधा के जिल्हा;

अतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निय्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थान, निय्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थान, निय्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थान, निय्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थान, क्रिक्त

(1) मे० ग्रवधूत लेण्ड कारपोरेशन खटोदरा, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वीनाबेन महेणकान्त शाह गोपीपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रींकत गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राज़पत्र में प्रकावन की तारीस से 45 दिन की जनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, सो भी सबिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पवित सुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के औतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दिन-वद्भ किन्नी सन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंने।

स्वच्छीकरण:----इतमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उपक् विश्वित्तम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, बही कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया क्या हैं!

## अनुसूची

मिलकत जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 9184 नम्बर पर दिनांक 16-7-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रॅज−II, म्रहमदाबाद

दिनांक . 28-2<del>-</del>1986

प्रकप् वार्ड. टी. एन. एत. ------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### प्रारत सरकार

कार्यालय, तहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, महमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्नार० सं० 4496/I<sup>I</sup>/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव मकान जो सुरत हरिपुरा, वार्ड संव 5 है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्त्य, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-7-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृस्य से कम के दृश्यमान ब्रितफल के सिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार बन्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंख उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त्विक रूप से किथन नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई कितीं बाय की वाबरा, उक्त वर्षिनवन के अधीन कर दोने के बन्तरण कें शिवरण में कमी करने था उत्तते वचने में सुविधा के सिए; और:/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन या जन्त बास्तियों की, बिन्हें भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया रुग भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

हत: इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमनलाल रतीलाक सादाडीवाका, रांदेर रोड, मुरत ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नटवर लाल नानाभाई कबारावाला, सुरत हरिपुरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के न्लए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्वन के संबंध में कोई भी बाध्येप '---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी अन्य अ्थिकत व्वाय, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्मध्यकिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों कार पर्वों का, जो उक्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### प्रनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है, सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4263 नम्बर पर दिनांक 10-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक : 27-2-86 मोहर: वक्त वाह<sup>े</sup>ं टी. एव*ं* एस<sub>ं</sub> प्र----

भावकर स्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं • पी० श्रार० सं० 4439/II/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधित्तियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिपकी सं० डुप्लेक्स सं० नं० 142, वार्ड सं० 13 है सथा जो सूरत में स्थित है (और इसके उपाबस अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणक्ष है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, सूरक्ष में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4-7-198,

को ध्टोंबत सम्पत्ति के लिवत बाजार मृत्य सं कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उमके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिल्थ में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आम मा किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में मुविधा के निए;

कतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, भी पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत स्मान्तिकारों अधीतः :—. (1) श्री इलाबेन विनेशचन्द्र, भाटर रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) ज्योत्सनाबेन वसंतभाई माह गौडडीड रोड, सूरता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तिः के वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की मविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस में 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीटर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

भ्यक्टोकरणः —-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का. को उक्त सधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होया जो उस अध्याय में विया क्या हैं।

## प्रनुसूची

मितकत जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 5162 तम्बरपर दिनांक 4-7-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज,—II स्रहमदाबाद

दिनांक : 14<del>-</del>2-86

## प्रचल कार्य<sub>ः।</sub> व्याँ<sub>शि</sub> एत<sub>ाः</sub> एकः---------

## नायकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) में न्यीत सूचना

## भारत सरकार कार्यासक, रहायक वायकर वायुक्त (भिरीक्क)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, विनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं०पी० मार०नं० 444/2/85-86--मतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उन्त निधनिनम' कहा गया है), की बाड़ा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विधनाय करने का कारण है कि स्थाप सम्मित, जिल्ला उजित नामार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० टी०-2119 है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-7-1985,

क्यं पृष्टिक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य ते कम के उस्मजान प्रतिफक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उचके द्वामान प्रतिफक्त से एसे द्वामान प्रतिफक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्त निम्नलिखित उद्वरिय से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क). जन्तरण से हुई किसी आय की बावत उचत अधि-विवय के व्योग कर दोने के बन्धरूक के वादित्य के क्या करने या क्यार्थ वचने वे कृतिया के क्यिरे; बाह्र/का
- (क) होती किसी बाय वा किसी धंग मा वस्य आस्तिमों भी, विनहें भारतीय जायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, मा धंन-कर विश्वितमां 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्व कच्छिती ब्वारा प्रकट नहीं किया तथा था वा किया वाना चाहिए था, कियार्थ में नृतिया भी सिन्हः

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वें अधीन, निम्नलिखिट प्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री रतीलाल हजारीमल नवापुरा, सरता।

(भन्तरक)

(2) श्री लेखराज गपगेदास ग्राहूजा, एल०बी० सिनेमा के सामने सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुकरा जारी करके पृश्वेंक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## क्यत कर्नारत के वर्षन् से कम्बन्ध में कोई ही बाखेर ह---

- (क) इस सूचना की राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सर्वीच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सावील से 30 दिन की स्वीच, को भी अविध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बतारा;
- (ज) इस सूथना के राज्यन में प्रकासन की तारीज ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-नव्य किसी नन्य करित युनारा नभोहरनाकरी के यास मिलित में किए या वकेंगे।

स्वक्षः करणः - इसमें प्रयुक्त कर्या वरि पदों का, वो उक्त विधिनयम के वध्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### अनुसूची

बुकान जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5189 नम्बर पर दिनांक 5-7-85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> पी० ग्री० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

विनांक : 14-2-1986

## प्रकार आहे. टी. एम. एस. ------

## बायकर बरिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्थाकव, सहायक भायकर वार्यक्य (निरोक्सक) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० ग्रार० सं० 4441/॥/85-86--ग्रहः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान सं० 2186, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इनमें उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ~5-7-1985,

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पद्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोजन सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अध्वरक (अन्तर्का) और अध्वरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाका चया दितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिवान में वास्तरिक क्य से किया द्वा है है——

- (कः) अन्तरण से हुद्दं निक्षी आय कः । बाबत , उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने को अंधरक को दारित्य में कसी करने वा उद्यक्त वचनों में सुविधा की सिए; और/वा
- (ब) ए'सी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: बंब, उच्या सीधिनयम की भारा 269-व के अनुसरण भें, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-व की ऋषधारा (1) के अधीत नियनसिवित व्यक्तियां, वंबाँठ र— (1) श्री भास्त्री कोव्जाव सोसायटी, जयन्तीलाल बीव वडीवाला सुरत्त ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० मिलन टक्सटाईत्स रातपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वन के तिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचमा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति मों हिल्बसभ किसी अन्य विकत द्वारा अभोड्सरपाक्षरी के पास विवित्त मों किए जा तकोंगे।

स्थळाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों जारे पदों का, को उक्त अधिनिजम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### श्रनुसू ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 5188 नम्बर पर दिनांक 5-7-85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज—<sup>II</sup>, स्नहमदाबाद

दिनांक : 14-2-86

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को 269-भ(1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

### कार्याभय, सहायक वायकार बायुक्त (निह्निक्क)

श्चर्णन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिलांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 4442/एक्यू 23/III/85-86-- ग्रतः मुझे, पी० ढी० खण्डेलवाल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्किं पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्थ

I,00,000 / - रु. से अधिक ह\*

और जिसकी सं० दुकान सं० 1025 रिन रोड है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इसके उपावदा प्रनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्रय सूरत में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रयीन, दिनांक 8-7-85

कर पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उपत अधिनियम, या धन अन्य अधिनियम, या धन अन्य अधिनियम, विश्व (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा या किया चाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के जिल्हा

कतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किशत चन्द मोदुमल जसवानी अम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० इंक सन्स नटशाज बिल्डिंग बांद्रा बस्धर्द ।

(श्रन्तरिती)

का यह सम्भना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बन्स्ची

दुकान जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 1905 नम्बर पर दिनांक 8-7-85 को रिजस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेल ट्रास्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 14-2-1986

Metal 414" 48. C. 14.

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देणसं० पी० भार०सं० 4443/एक्यू 23/85-36- - श्रतः मुझे. पी० डी० खण्डेलवाल,

श्रीमकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके पश्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 20, बोम्बे माकिट है तथा जो स्रस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-7-1985,

को प्रतिकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को दश्यकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द और सुभे यह विद्यास

करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अप्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य नाना गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देवस्य से उसते अन्तरण विश्वस्थ सिचा स्था प्रतिकार स्था के किए स्थ

- (क) सम्तरण ने हुई किसी बाब की बासत, उनक विधिनियम के वधीस कार दोने के सम्बरक कें समित्य में सभी कड़में ना उनके समाने से सुविका के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या जन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अभिनियम, या अम-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के बयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, फिगाने में द्वाभा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (४)। के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :--- (1) श्री ररेशचन्द्रा नरपतलाल गोपीपुरा, सूरत ।

(म्रन्तरक)

(2) मैं० जयश्री प्रिण्टन, मै० अरबिन्द लाल एण्ड कं०, उमरबाडा, सूरत ।

(भ्रन्तिनती)

को यह स्भाग धारी करके प्वॉक्स सम्मीत्त के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मृत्तिः के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से A5 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सत्राप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (व) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिव सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए वा सकोंगे।

स्माब्दोक्ष्यण — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, ओ उपत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में दिया नवा है।

#### श्रनुसूर्च(

दुकान सं० 20, जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 638 नम्बर पर दिनांक 8--7-85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 14-2-1986

## श्रम नार्'्रो पुन्,पुर् ानावनावना

कासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विभीव सुवना

#### HISH TIPES

कार्यांतय, सहायक आयकर जायूक्त (विशेषक)

भ्रजीत रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दितांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०म्रार० सं० 4 4 4 4 / ए स्यू० 23/II/85-86--म्रत: मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

लावकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसको रसको परवास 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य : 00.000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सबें नं० 2344, कंजरी, तह ० हलोल, जिला— पंचमहल में स्थित है (तथा इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हालोल में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 30-7-85,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रक्रि भन्न, निम्मिनियत उपविश्व से अन्त अन्तरण मिनिय में बास्क्रिक एक में कवित वहीं किया क्या है?

- (क) अस्तरण से हुइं किसी आप की वायस , उपये अधिवियर के अधीन कर वाने के अस्तरक में क्षियल में अभी करने या उपने वचने में सुनिया के जिए: और/वा
- (क्ष) एसी किसी बाव या किसी भन या व्यव करिक्ट की जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या बाक्स अधिनियम, या भनकार समितियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जम्हीरती सुवारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना बाहिए था. कियाने में सुनिया के लिए।

त्रत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्ग हो, हो, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निकालिकिक अभीकर्म, जर्मात डिल्ल (1) श्री नगजीभायी शम्भुभाई कंजरी, ता० हालोल ।

(धन्तरक)

(2) फीट टाईट नेंटस एण्ड बोस्टम लि०; श्रंघेरी, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

की यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के क्रिए कार्यत्राहियां करता हूं।

क्या सम्मात के सर्वन के संबंध में कोई भी आखेप 🚈

- (क). इस तुषना की राजपन में प्रकाशन की सारीख धे 45 विन की बवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूषना की दामील से 30 विश की वर्षांथ, जो औं बवधि नाम में समाप्त होती हो, से शीलर कुर्जों कर कवितायों में ते फिली कावित द्वारा;
- (क) इस सूचना ने सम्बन्ध में प्रकारण की ताक्षा से 45 दिन के मीतर उनत स्थायर संपरित में हितवक्ष चित्री सन्य व्यक्ति इयारा स्थाहस्ताक्षरों से पास विश्वित में किए या सकते।

स्यक्ष्मीकरणः ---- इसमी प्रयुक्त हत्यों वीर पद्धीं का, को इसक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिकारिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में किस नका हैं॥

#### .√सुची

जमीन जो कंबरी, सा० हालोल में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार सुरत में 1050 नम्बर पर दिनांक 30-7-85 को रजिस्टर्ड की गयी है ।

> पी० डी० खण्डेलवाल सक्षम प्राधिकद्वरी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 14-2-1986

#### भारत सर्वार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, अहमदाबाट

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्राग्० सं० 4445/एक्यू० 23/II/85-86---ग्रतः मुझे, पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० सर्वें ० नं० 107, हालोल कस्बा है, तथा जो पंचमपाल, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण-स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हालोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-7-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यकान प्रियं के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास हण्ने का कार्य है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कि का कार्य प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत के स्नद्ध प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और इन्द्रित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिकत है जास्तरक उद्देश्य में उक्त उन्तरण लिखित वे शस्त्रिक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- किं बन्तरण से शुद्ध किसी बाब की भावता, उक्त बीधिनयम के बधीन कर देने औं अन्तरक सै राजित्य में कमी करने वा उसगे बच्चे में स्वीक्ष्या से किए: सीह/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को सिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सहा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए।

बतः बब , उक्त विधिनियम की धारा 269-भ के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
39—36GI/86

1) श्री सलुना जगदीशचन्द्राबेन शाह हालोल, ता० हालोल ।

ू (ग्रन्तरक)

(2) होटल ग्रातिश्या प्रा० लि०, डाइरक्टर श्री भाईलालभायी हालोल, ता० हालोल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके वृजीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खबल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष उन्न

- (क) इस स्थना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्थिकतयों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  निर्मेशन में किए जा सकेंगे।

स्पत्रक किरण: -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पद्यों का, को उच्छ विधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्थ होगा वो उस नध्याय में दिशा एका

#### वन सहर्वी

जमीन जो हलोल में स्थित है। सब-जिस्ट्रार, हालोल में 1054 नम्बर पर दिनांक 31-7-85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

पी० डी० खण्डे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 14-2-1986

## प्रकप नार्च हो पुर पुर .-----

# कांबकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के विधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार०नं० 4446/II/85-86—ग्रतः मुझे, पी०डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्काल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 2343/2 कंजरी हैं तथा जो हलोल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हलोल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 30-7-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने क्य कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचितः बाजार भूक्ष, उसके शब्दमान प्रतिफल सं, एसे श्रूयमान प्रतिफल का पत्त्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में काराविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त जिपिनियम के अभीन कर दोने के प्रंतरक के दर्शियल में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में तृतिभा के विद्

लंदः सव, उक्त विभिन्निय की भारा 269-ग के बनुसरण में, उक्त विभिन्निय की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, सर्थात् क्ष्म

- (1) पटेल मणनभाई शंभुभाई, कंजरी, ता० हलोल (अन्तरक)
- (2) फिट टाईटस नटस एण्ड बोल्ड्स ग्रंधेरी, बम्बई । (श्रन्तरिती)

को वह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति को जर्बन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बबीध, जो भी बवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, त्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त कथ्यों मौर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया नवा ही।

## प्रमुख्यी

जमीन जो हलोल में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, हलोल में 1053 नंबर पर दिनांक 30-7-1985 की रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीच : 14-2-1986

मोहर 🖫

प्रकृत कार्ड्, टी. एन । एल 🕐 -----

## नावकर स्पिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन स्थान

#### STATE SANGE

अपर्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1986

निवेश सं०पी० श्रार० नं० 4447/U/85-86—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलपाल,

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के संभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर बन्चरित. विवृका अचित वाकार मृख्य 1,00,000/सा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 452, सयाजीगंज, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजीस्ट्री हर्ती श्रिधकारी के वार्यालय, बड़ौदा में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 24-7-1985

का पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के क्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिग्रत से मधिक है और मन्तरक (मंतरकों) और मंतरिती (मन्तरित्यां) के बीच एसे मन्तरक के निए तम पाया पना प्रतिक सम् किम्निलिया ब्यूबोर्ड के उच्छ मन्दर्भ सिवित में वास्त्रिक स्थ न करित कहीं किया क्या है

- (क) वन्तरण ते हुई किसी बाव का वानत, उन्त विविध्यक्ष के स्थीन कर रोगे के वृत्युरक के वानित्व के बानी कहने वा उससे बन्ने में बृत्यिश डोस्प्य, क्षेत्र/बा
- (स) क्सी किसी बाब वा किसी थन वा बन्ध वास्त्रकों को, विक् बाउतीन बाब-कर सीधीनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, भैं, सक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) कें अधित, निम्नृतिश्वित व्यक्तियों. अर्थात क्ष्म

- (1) श्री सरदार सिंह गुरुदित्त सिंह, प्रतापगंज, बडौदा। (ग्रन्सरक)
- (2) पारीख एग्जीबिटर प्रा० लि० ग्रप्सरा सिनेमा बडौदा।

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना पारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिष् पार्यवाहियां करता हो।

जनत सञ्चित्त में नर्चन में मुस्मन्य में काई भी आयोग ह----

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिंध, को भी वर्षीं वर्षीं नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा:
- (वं) इक सूचना के अक्षपम में प्रकाबन की तारीच के 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए का सकों थे।

अभ्योकरणः --इसमें प्रमुक्त बन्धें और एके का<sub>री</sub> की क्रम्ब वहिन्दिन में बभ्याय 20-क में प्रिकारिक हैं। नहीं वर्ष क्षेत्र को बस्स बभ्याय में दिवा नवा है।

#### नन्स्यी

मिलिकयत जो सयाजीगंज, बडौदा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, बडौदा में 3336 नंबर पर दिनांक 24-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 14-2-1986

मोहरः

**तक्य बाइं**⊍ दी<sub>र</sub> एम्. एस<sub>ः======</sub>

# भाषकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजव, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०ग्रार० नं० 4448/2/85-86---ग्रतः म्झे, पी०डी० खंडे लवाल,

क्षावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसुमें इसके परवात् 'उसत विधिनियम' कहा गया है'), की बाह्य 369-च के बधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास कार्यक्षम कार्यक हैं कि स्थावर संपत्ति विश्वमा उचित्र बाखाई ब्रूच्य 1,06,000/- रा. से विधिक है

श्रीर जिसको सं० 503, सयाजीगंज है तथा जो बढ़ौदा में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अभीदा में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन 18-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूक्त से कम के दश्यमान वितिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज उसे, बंतरण के अध् तय पामा गया इतिकल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ब्लाइम् वं हुई किसी नाव को अवव उपव अध्य-विवृत् में वृत्तीय कर वीन के बन्दुरक की दासित्य की सुनी कुड़के वा उन्नवें बजने में सुविधा में किसी; बीड़/भा
- [क्) एको किसी जाव वा किसी अन अन्य वास्सियां हो, विन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन्कर अभिनियम, या अन्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वदा या या किया जाना जाहिए वा कियाने में सुविधा के जिल्हा

अक्% अंब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण वो, वो, डेक्त अधिनियम की थे ए 269-व की उपधारा (1) को अधीर, निस्तिविक ज्योंक्तवों, वर्धात ३(1) भावे म-आर० ठवदर क्रॉर क्रन्य। माहुंगा, बम्बई।

(अस्तरक)

(2) सिघ्भाई भ्रम्बालाल लम्बचीया, सयाजीगंज, बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी क्रारकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्प्रीत्व के अर्थन के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए आ सक्ति

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्क जीभीमयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### मन्स्यो

जमीन जो सयाजीगंज बढ़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बढ़ौदा में 5155 नंबर पर दिनांक 18-7-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख 17−2−86 मोहर: सक्त वार्षः स्थः गुरः, व्यु ,......

# नायकर निर्भागसम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नमीत स्पना

#### BIED SEAL

## कार्गासव, रहावक वायकर वाय्यत (निहरिक्य) ग्रर्थन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी०श्रार०नं० 4449/11/85-86—श्रत मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भावकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) हिमसं इसमें इसमें प्रभात (जनत निपिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-स ने अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वानार म्स्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 713 पहोद है तथा जो बडौटा, पंचमहाल/ में स्थित हैं (भौर इसके उपाबट श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजीस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय, बहोद मैं रजीस्ट्रीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-7-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के सबबाज प्रतिफरा के लिए अंतरित की गई है और मध्ये

मह विस्तास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का हांचत बाजार मृत्य, उसके कायमान प्रतिकत से, एवं व्ययमान प्रतिकत के पढ़ प्रतिकत से जियक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक के विस्तरिक के विश्व एसे अन्तरक के लिए अप पामा था प्रतिकत निम्नितिकत उद्यंक्य से उसके अन्तर्व किया में वास्तिक कम् से कांचिस नहीं किया पना है —

- (क) अन्तरण सं हुव किसी जाय की आशत, उभक्क अधिनियम के अभीन कर वेने को अन्तरक औं बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 श्री 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 श्री 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 का 27) अधियाजनार्थ अन्तिरिती व्यार प्रकट नहीं किया भटा का या किया बाना पाहिए वा कियाने के ब्रिया ने शिक्ट ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अन्सरण ॰ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उन्नधारा (1) ■ अर्थान, निम्निसिक व्यक्तियों, रार्वात् ः— (1) श्री प्रमाल्डमेंट ईलैक्ट्रीसिटी कं० लि० फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) गुजरात ईलैक्ट्रीकसिटी बोर्ड, विद्युत् भवन, बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृथिक सम्पत्ति के कर्चन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष द्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पक्ष स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों हों से किसी व्यक्तिस इसारा;
- (ब) इत स्थल के रायपन में प्रकाशन की धारीब वं 45 दिन के मीतर उत्तत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए वा सकर्गे।

स्पब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गवा है।

#### ग्रनुसूची

मिलकत जो वहोद मैं स्थित है । सब रिजस्ट्रार दहोद में 1147 नंबर पर 18-7-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, ग्रहमवाबाद

तारीख 17-2-1986

मोहरः

प्रकथ बाईं.टी.एन एस. -----

भायक्र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में वभीन स्थना

आरुख सायमध

कार्गालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदबााद

श्रहमदाबाद, विनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०  $4450/\Pi/85-86--$  ग्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,30,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 183/1396 श्राजवा रोड है तथा जो बढ़ींबा में स्थित है (और इसर्स उपाबद्ध प्रनुसूची ह्यू और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बड़ींदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 29-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तक अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ मिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (४) के अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती रामध्यारी राम प्रकाश जुनेजा, वाटर टेंक, बढ़ौदा।

(श्रन्सरक)

(2) श्री जब्बर हुतेन सुपुत्र हाजी गुलाम हुसेन शेख बढ़ोदा।

(धन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके भूबोंक्त संपत्ति के वर्जन के सिक् भिलए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन की अर्वाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन को भीदि उत्हरशावर सम्पत्ति मा हितवष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्याक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्रके हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलिकियत जो बढ़ौदा में स्थित है सब- रिजस्ट्रार बड़ौदा में 180 नंबर पर दिनांक 25-7-1985 में रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण्रा) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाव

. दिनांक: 17-2-1986

प्ररूप आहें . टी. एन. एस. -----

त्रायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक '17 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4451/11/85-86-- **धतः**, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00.000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० बिल्डिंग बियरिंग टीका नं० 18/1, डी० नं० 122 फतेहपुरा है तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजीस्ट्रीकरण प्रधिक्यिम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 8-7-1985 को प्रविक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए इस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंदा किता में बतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण खे लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत स्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में कार्याकल कुप से करियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए:

शतः सम, उक्त सधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण बी, मी, रखत सधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) की सधीन, रिक्ताप्रसित स्वीवतयों. संभति ह--- (1) श्री गुलाम रसुल सुलेमान पेटलादवाला, फतेह गंज बडीदा ।

(श्रन्तरक)

(2) ज्योतिकोन जयंतीलाल शाह, कालू फालिया नवा बाजार बडौदा।

(मन्तरित:

को यह स्थाना अ।री करके प्योंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रय्वतः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनसभी

भकान जो बड़ौदा में स्थित है सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4928 नंबर पर दिनांक 8-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० ष्टी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–Ш, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 17-2-86

असम् अहर .टी. हर .पूर्व वरण्यात्र

लामकार लोकिनियास, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के सभीत स्पना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निराक्षिक) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4452/ /85-86--श्रातः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल अवयक्त प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें असके प्रकार 'जब्द अधिनियम' कहा मधा ही, **की धार्य** 269-क के अधीन स्थाप प्रस्थिकारी को यह विवसास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसंका स्वित याचार ब्रुव 1,00,000/- क. में अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट 16 कल्याण सोसायटी प्रकोटा है सथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 2-7-1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम में कम क्ष्यमान प्रोतकल के लिए अन्तरित की गई है और मंझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रीयक हर से कथित नहीं किया गया हैं---

- (क) अक्षायन के सूचे विकासी वाच की वाचया, सकस अधिकियम को अधीन काए तोने के तकारक के परिवरण में राजी कार्य मा उससे नचने में शक्तिया। े जा वरि/बा
- (६) एसे? किसी थाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— (1) मनीबेन करोल भाई शंकर भट्ट, राजपुरा बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) राजेन्द कुमार छीताभाई पटेल, करेली बाग बडौदा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस मुख्या को राजपाय में शकाबार की तारीख से 45 दिन की जनिय या तस्संबंधी व्यक्तियों पर्र मृखना की तामील में 30 दिन की बनिय में भी बनिय नां में समाप्त होती हों, के भीवर पृथींका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पृथांता हुए।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के पोलण अवन स्थायन मंगित में हितनक्ष किसी जन्म व्यदित द्यान अधाहस्ताक्षरी के पास गिषिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिश्वारण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त आर्यिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भ्रनुसूची

प्लाट जो भ्रकोटा बड़ौदा में स्थित है सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में 4829 नम्बर पर दिनांक 2-7-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकरेरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

धिनांक: 17-2-1986

प्रकार भाषी, दी, एत. एहा.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बधीन स्चनः

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाब्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 4453/II/85-86---भ्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेमवाल

बायकर विभिन्नियम 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बत्ति, पितका उचित बाबार मुख्य 1,02,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 15 और 107 बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 6-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित को उचित बाबार बृस्य से का को इसकाश करित को लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके बद्यमान प्रतिफल सो, एसे दब्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से बिभक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) को बीच एसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति- फक्ष, पिश्निविचित उद्योक्त भे उक्त खन्तरण लिकित को दर्मण-

- िका अभ्याप संहूर सिक्षा वास को बायत कवा विस् रिनम में विधीय कर योगे के समाहक के दावित्य में कारी जरश्मा सप्तक विषय में सुविधा के किया, बारिया/
- (श) एंसी किसी आप या किसी धन या अच्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-लार कारतियों , 1957 (1957 का 27) के स्थापनाथ जनगिती दुसारा प्रकट अहीं किया गया था था किया जाना बाहिए जा, कियाने में मुनियन ही सिक्ष;

सतः कव, उसतं विधिनियम कौ भारा 269-ग के, बनुसरभ में, में, उसत विधानयम की भारा 269-ग की उपधारा (1) में सभीतः जिल्लीयिक स्वीक्तमाँ, बर्णात 40—36GI/86 (1) बीपीन चंद्र दादूभाई पटेल राजमहल रोड, बडीदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० महल अपार्टमेंट जमता दास णामल दास पटेल कारली सागबड़ीदा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन औ किह् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्दर सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इंस स्थाना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इर स्थान की तासील से 30 दिन की जनभि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हित- अकृष किसी जन्य स्थावत युवारा, सथोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्मों और पदी का, को उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हाँ।

## ध्रनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है सम्ब-रिजस्ट्रार बड़ौदा में 4903 नंबर पर दिनांक 6-7-1985 की रिजस्टर्ड की गई है।

पी०डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज्ञ , ग्रहमदाबाद

दिनॉक : 17-2-86

## प्रकार वार्षः द्वी . **प्रव**्**ष्ट्रा** <sub>अस्तरमञ्जयसम्बद्धाः</sub>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निर्याक्त)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांज 17 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आप० नं० 4454/II/85-86--अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवान जायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे दसमें

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके एउवान् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जियको सं ० प्याट नं ० 23 ए. जेशकपुर है। तथा जो बड़ीदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण कर में विश्वार है), रिल्ट्री तरि अधि असे आर्थि अर्थिक का 16) के अधी। दिया जून ई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार सूल्य से कम को रहयमान शित्यल को सिए अंतरित की गई है और बुधे यह विश्वास करने का कारण ही कि अभाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाजार कृत्य, असको रहयमान प्रतिफल से, एसे अवस्थान शित्यक का पन्या प्रतिकात अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से सिए तब पाया नया शित्यक्त, निस्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नेतिकत में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी क्षय की बालाइ, उपस् वृधिनियम में जवीन कर वर्ष के बन्तरक के बादिस में कमी करने या सससे बच्चे में सुविधा के सिए:
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को भिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या धनत बिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था हिपाने में रिविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम का भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्ररा (1) को अभीरा, निक्रनिविचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मती देवी सरन अटवरलाल ठव हरनी रोड, बडाँदा।

(अन्तर्क)

(2) श्री वीपी। भाई घड़ीलाल भागण्याडा घडाँदा। (अन्तरिती)

का बहु सुचना जारी करकें पूर्वों कर ाम्परित के नर्जन के धिए कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी बालेप :---

- (क) इस स्वात के राज्यन में प्रकारण की तारीब वे 45 दिन की जनति वा तरसम्बन्धी न्यत्रित्यों पर स्वात की तामील ने 30 दिन की वर्षि, को भी कवित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्ड न्युक्तकों के किसी न्यांचित स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपण मां प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पास दिनीबत में किए का सकेंगे।

रच्छीकरण:---इसमें प्रयूक्त बच्चों और पदों का को उक्त. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

मिलकत जो जेनलपुर बड़ांदा में स्थित है। सब -रिजस्ट्रार बड़ांदा में 4923 नं० पर दिनाँक जुलाई 1985 में रिजस्टर्ड ि गई है। जिसकी कुल कीमत 222514 रुपये है।

> पी० **शी**० खंडेलवा**ल** सक्षम प्राधितारी महायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमराबाद

传访号: 17-2-1986

मोहरः

## प्रस्य नार्धः टी प्रवः प्रवः

## बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचमा

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां ह 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4455/2/85-86-- अन: मुझे पी० डी० खंडेलवाल

कारणकर किनिश्चम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार भूल्य 1,00,000/- २० से अधिक है

न्नौर जिलकी सं० 10 हिर भिक्त शालोनी है अथा जो जेतलपुर धड़ीदा में स्थित है। (ब्राँग इसने उपाबद अनुसूची में क्रार पूर्ण का से बर्णिन है), एजिल्ह्रीकर्ता अधिकारी के नामित्रम बड़ीदा में रजील्ट्रीकरण अधिक्रियम 1908 1908 का 16) के अर्थाक दिलांक जूलाई 1985

- (क) अन्तरण सं हुई कियी बाब की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में क्यी क दुने वा उससे व्यने में सुविध. के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया धना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के निष्;

अतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तिनयों, अधीन :--

- (1) सबी पन्स्ट्रकान कं ० जूना पादरा रोड, बड़ांदा-15 (अन्नरक)
- (2) ठक्कर फँमीली **ट्र**स्ट अकाय बनादा । (अन्तरिती)

## को का कुम्ला कारी कुड़के दुर्वोक्त कुल्हीरक के वर्षक के खिलु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उनक बम्पृतित के बर्बन के बुम्बन्य वें कोई श्री बाक्रोप्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हित बढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थासनिकरणः -- इसमें प्रमुक्त कच्यों और पर्यों का, वो उक्त विधिनियम के अध्यात 20 के में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

#### अनुसूची

मिलकत जो अकोय बड़ींदा में स्थित है। गब-रजिस्ट्रार बड़ींदा में 4820 नंबर पर दिशांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड कि गई है। जिसका कुल मूख्य 74.250 रुपये हैं।

> र्पा० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 17-2-1986

प्रकप आहें. टी. एन. एवं. ------

बायकर अधिनियंश, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 फल्बरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4456/2/85-86- अतः मुक्षे पी० डी० खंडलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), को भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्त 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिनको मं० बडौदा राजपुरा सं० नं० 89,94 है। तथा जो बडीदा में स्थित है। (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर ने विणित है), रिजस्ट्रीजर्ता अधि तरी के कार्यालय बडीदा में रिजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अथीन दिनांक जुलाई 1985

को पृथेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाक संपरित का उचित वाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की मानत उक्त निभ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या जन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिका के निए;

अप: गव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधील्:——

- (1) यीनाकीन कुमारयाल णाह सूरसागर बड़ौदा (अन्तरक)
- (2) श्री वर्धमान सरकारी बैंज लि० राजपुरा बड़ौदा। (अन्सरिती)

को यह तुचना चारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति की वर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में काई भी जाने :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना कर तार्शक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि में संगान होती हो, के भीतर पूर्विकत विकास में से किसी विकास स्वाद्या
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **बन्द्**ची

मिल जो राजपुरा में स्थित है मब रिजस्ट्रार बड़ीदा में 5027 नंबर पर जुलाई 1985 को रिजस्टर्ड कि गई है। जिसका कुल मूल्य 4,51,000 रुपये हैं।

> पी० डी० खं**डे**लवाल् सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांव: 17-2-1986

मोहर 🛭

## 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बावकर बावृक्त (निह्रीक्रण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिभांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं पि० जार० नं 0 4457/II/85-86—
ाः मुझे पी० नं ० खंडेलदाल
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रा से अधिक ही

श्रीण िक्की सं० 339/1 338/3 बर्डादा है एथा जो बर्डादा में स्थित है (सौर इक्के उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा है), एजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के जयालिय बड़ोदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिलियम 1908 (1908का 16) के अधीक दिनांक जुनाई 1985

की पूर्विका संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कत के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं एसे एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पामा गया प्रतिफाल, निक्नसिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुर्ड किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा कियाने में सुविधा के लिए; और/या

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री मती शिल्याकि सःषासारसे श्रांर अन्य। वडौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल दामजीभाई शाह अड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के हिन्छ। कार्यवाहिया करता हुई।

#### उन्द संपरित के अपन संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (प) इत सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीदर उक्त स्थानर स्थानित में हित्सब्ध् किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिश्चित में किए था सकति।

ल्पछ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसूची

मिलकत जो बड़ीदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ीदा में 4881 नंबर पर जुलाई 1985 को रिजस्टर्ड कि गई है।

> पी० नी० खंडेलवाल सक्षम प्राधि गरी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक: 17-2-1986

माहर:

प्रकार आहें ही तन गुरा हरू हरू

## नायकर निधिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा २९०-४ (1) के अधीन सकता

#### भारत सरकार

कार्यालम सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 19 फरवरी, 19856

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4459<sub>/ 1</sub>85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसको सक्ते परवाद 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अभीन नाजब प्रतिभन्नाती जो यह रिस्कास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाबार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी सं विभाग 1 है, तथा जो कल्पना मापावरी शंदरे रोड़, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इमसे उपावद ग्रनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से विभिन्न हैं, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 12 ज्लाई, 1985

को प्रवेरिक त्रक्पित ने उष्णित नाजार मूल्य स कम के ज़बसात शिकाल के लिए अस्तरित को गई है और स्के यह जिस्ताक करने का कारण है कि यशायुमीलत संपत्ति का अधिन नाजार पूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और बंदरिती (बंतरितियों) के बीच के एसे जन्तरण के थिए लग पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंदर

अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कभी करने या उसरों स्थल में भी अध्या के जिल्हा में भी अध्य

(वा) एसी किसी जाय या किसी धन या जल्य आस्तियें की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) कें अधोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा जा कर कि या उपल न के लिए जा, रिश्नान में सुरिधा का किया

अत: अध, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत, निम्नतिसित सामितामों, सभीत :----

- 1. श्री किकुभाई गोबिन्दजी भगत शंदरे, स्रत। (ग्रन्तर्की
- 2. श्री राश्माबेन जैवन्ती लाल ग्रंडाजन रोड, मूरत। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना वारी करके पूर्वावत संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:--

- (व) इव सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी स्पित्तवाँ पर सूचना की तासीन से 30 दिन की व्यक्ति, को औं व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृक्षेक्त अमिनकों में में किसी व्यक्ति हुनाश;
- (७) इन सृक्ता के शायप में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति हतारा अवोहस्ताकारी के शास किसी जन्म के किस का सकीं।

स्वक्यकरण:--इसमी प्रयूपत शब्दों और पदों का, वां उपत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित है, पहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका

## अन्**स्**धी

जमीन जो भूरत में स्थित हैं। यत रिजस्ट्रार, सूरत में 5402 नंबर ार दिनौंक 12-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 19-2-1986

मोहरः

प्रकृप आहे, टी. तुन. तुस. -----

श्रायक मुजीधनियक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन संखना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 19 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4458/2/85-86--- ग्रतः मझे पी० डी० खंडेलवाल

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 है तथा जो श्राठवाँ आईन्स, गाडोडे रोड़ सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वागत है, रिज फुट्टी कर्ता श्रिध गरी के कार्यालय सूरत में रिजर्ट्टाकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, तारीख 11 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिटियल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शिल्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तिरित्यों) ये बीच एक तक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कि सिक्तिस्ति उद्देश्य से अभ्त अन्तरण निक्ति से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) बन्धरण **से हुई किसी आय की बाबत, उक्त** शीधनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक की क्षीक्षरण श्री काफी काफने या उसारे बचने में गुविधा की निए; शीर/या
- (अ) एमं किमी अय या किसी धन या अन्य बास्तियां की. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 १८५२० का १०) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए या खिपाने में गुनिधा को लिए;

 श्रो श्रोमप्रकाश सोनारान यानितनगर स्रत।

(अन्तरक)

 श्रोमतो नंदरानी जगदीशलाल शेंडी गाडोड़ रोड़, सुरत।

(अन्तरितो)

का यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

त्या सामा के जर्जन के संबंध में काई भी अक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, बां उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया स्या हैं।

#### **धन्**सूची

फ्लेंट जो सुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार,  $\frac{7}{4}$ सूरत में 5362 नंबर पर दिनाँक 11-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० डी० खंडेलवाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे: 2, ग्रहमदाबाद

अतः अभ , उक्त अधिनयम में , मैं , उक्त अधिनियम की के अभीन, निम्नलिखित व्यक्ति भारत कार्ड. टी एन. एस. ------

सायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से विभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4460, II, 85-86 -- ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल बायकर अंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं खंके प्रकास 'छक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्रिथिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थायर संपति, जिसका उचित्र बाजार भूका 1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 3-सी० हैं, जो रविष्ठाया प्रपार्ट मेंट ग्राठवां लाईन्स सुरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं), रजिस्ट्रीकरण श्रिधनारी के कार्यालय कार्म 37-ईई-ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 37-ईई का 16) के श्रिधीन, नारीख 29 जुलाई, 1985

के कार्यालय फार्म 37-ईई-प्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 37-ईई का 16) के अधीन, नारीख 29 जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय को बाबत, अक्स जिल्लाम के जभीत कर दोने से अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उत्तससे ज्याने में मूजिका के निष्णु; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उभीन, निम्नीसित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. मेनर्स रिव इन्टरप्राष्ट्रज सूरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र जी श्रार्य जनावनाका सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि: कार्यवाहियां करता हुं:

उस्त राम्पत्ति की वर्षन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सक्ता

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिल है, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दियाः पदा है।

#### नमृत्यी

फ्लेट जोस्रत में स्थित है। 37-ईई का फोर्मयह कार्यालय में जुलाई 1985 को पेण किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, प्रहमदाबाद

तारीख: 19-2-1986

मोहरः

## प्रथम जार्द . टी . एन . एव . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारत सहस्रार

कार्यक्षम, सहायक जायकर आयुक्त (विरास्था)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी, 1986

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 4461/ /85ब86---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलधाल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० वार्ड नं० 11 , नोर्थ नं० 78 है तथा जो नानावत सूरत में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 11 जलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है जोर मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके अस्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) जोर अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निक्नसिवित उद्देश्य से उच्त बंतरण निवित्त में बास्तविक कप से कृथित नहीं कि बा नवा है :---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम वे बधीन बार दोने के बाखरक वे दादित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा हो हिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय था किसी धन या वाय्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः संग, उत्तरं निधितियमं की धारा 269-न के निज्ञारण में, में, उत्तरं निधितियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवतं न्यालिखयों, अधीतः रू----  डा० कुसुम बेन कान्तीलाल वी०पी० रोड़, बम्बई। (ग्रन्तरक)

2. मेमर्स महर्जि कोरपोरेशन श्रीमती ग्राशा मरन ललितचन्द्र ग्रथवा लाईन्स सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के भर्पन की संबंध की कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस स्वा के राज्यम में प्रकारक की रारीय हैं 45 दिन की नवित्र या तत्सुम्बन्धी व्यक्तियों पड़ तृष्या की तामील से 30 दिन की नवित्र, जो भी वर्षाण वाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पृतिष् कुवारा;
- (म) इस स्वना में राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्स व्यक्ति स्थाय नभोहस्ताकारी के याध सिश्चित में किस वा सकते।

स्थल्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त वस्तों जौर पकों का, खो स्थल विभिन्नियम दे बध्याय 20-क में वीरभाषिक है, वही नर्थं होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो नामौपरइसुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 4354 नंबर पर दिनौंक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-2-1986

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत आयक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4462 85 86—- अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० अकलेश्वर है, तथा जो श्रंकलेश्वर जिला भग्न में स्थित हैं (श्रोर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 जुलाई 1985 को पूर्वीक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास

ारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार

्ल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का

पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्मलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

चत्र भव उक्त निविधित्यम की भारा 269-म के अनुकरण प्राप्त की अभिविधित्यम की भारा 269-म की उपभारा (;) के सभीत, निव्नतिचित्र स्विक्तां, अभीत च---

 श्री जैराम भाई डाह्याभाई कापड़िया गोया बाजार, ग्रंकलेण्यर।

(भ्रन्तर्क)

 श्रीमती शारदासरन छोटालाल मलाड, बम्बई। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्माष्ट्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान जो भ्रंकलेश्वर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 1847 नम्बर पर दिनाँक 18-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पीं० डी० खंडेलवात सक्षम प्राधिकार महायक स्नाय हर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 19#2-1986

प्रकम बार्ष: टी. एन. एस. - - -

## नान्भर निभिन्दन्, 1961 (1961 का 43) की पंडा 269 प्(1) के म्पीत् सुच्ना

#### भारत बहुकार

## कार्थालय, तहायक जायकर बायुक्त (निर्माक्षण)

अर्जीन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1986

भिर्देश सं० पी० आर०नं० 4463/II/85-86—अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के सभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं , तथा जो अठवा लाईन्स सुरत सं ० नं ० 28 तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के जार्यालय फोर्म 37-ईई अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम के अधीन, दिनांक 22 जुलाई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास क.नं का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप कम से क्षित नहीं किया गया हैं है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाधनियम् के बधीन कर दुने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने वें स्विधा के सिए;

सत: सव, उक्त सीधीनवन की धारा 269-व **से वरवरण** हो, डॉ., उक्त अधिवियत की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री नंदनगौरी बेजीलाल हरिपुरा, सूरत। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स विजय पार्क कोरपोरेशन सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्दोक्तरण :---६शमं प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मी दिसा गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फोर्म यह कार्यालय में पेश जुलाई 1985 को पेश किया गया है।

> पी०डी० खंडेंलबाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नारी**ख:** 19-2-1986

## प्र**क्ष नाइ<sup>\*</sup>्ट**ी<u>. ए</u>न . एस . -----

## कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूच्ना

#### भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां ह 19 फरवरी 1986

निर्देश सं०पी० आर०नं० 4464/II/85-86---अतः सुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रांर जिसकी सं० पलेट नं० 3ए है, तथा जो अठवा लाईन्स सूरत में स्थित है (म्रौर इसस उपायद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकती मिन्नारी के कायीलया फोम 37-ईई-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई क के अधीन, तारीख 29 जुलाई, 1985

को पृथिक्त सम्पत्ति के उषित बाबार मृस्य से कम के श्रवमान प्रिडिफल के लिए मन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृविक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीष एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उब्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में वास्तिबक क्य से किंवित गर्दी किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी जाव की वावदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कानी कुडने वा उच्छे वच्ने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उन्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण कें, में, उन्त जिथिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के लभीन, निम्मीसिक्त व्यक्तियों, वर्षांच र—

- मेसर्स रिव ईन्टरप्राईस मानपुरा सुरस। (अन्तरक)
- श्री शिवकुमार वेय 109-ए, इन्डिया टेक्सटाईल रीग रोड़, सूरत।
   (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपृत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सं मंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना को राष्प्रज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वर्ष्या

फ्लेट जो सुरत में स्थित है। 37-ईई का फोर्म यह कार्यालय में दिनांक 29-7-1985 को पेश किया गया है।

> पी०डी०खंडेंलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

र**ीख:** 19-2-1986

## प्रकृष बाह्", बी , एवं , प्रव , ---- अन्यान

## बावभार वीचनियव, 1961 (1961 का 43) की बास 269-व (1) के अभीन स्वका

#### बाह्य बहुकार

## कार्यालय, सह्ययक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1986

निर्देश सं०पी० आर० नं० 4465/II/85-86——अतः मुझे पी० डी० खंडेलघाल

स्वायकर अधिनिषय, 1961 (1961 का 43) (किले इसमें इसमें प्रकार प्रकार के क्यों का किला स्वायं का एक गया ही, की पारा 269-थ के वर्षीत स्वाय प्रापिकारी को वस् विकास काले का अरण ही कि स्वायर स्थापित, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक ही

भ्रीर जिसकी सं० जमीन श्रीप म तान टिका नं० 97 है तथा जो लुन्सीकुई नवनारी में स्थित हैं (भ्रीप इस्से उपाबड़ अनुसूत्री में भ्रींप पूर्ण रूत से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यानिय नवमारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को प्रांथित तथ्यित के जियत पात्रार मून्य ते कन के स्थमान प्रतिकास को लिए क्यारिती की पद्दं और मूओ यह विश्वात कहरे का कारण है कि यथान्योंक्ड सम्परित का जीवत बाजार मूक्य, शक्षके स्थमाम प्रतिकास है, होते सम्प्राण प्रतिकास का कहाइ प्राधिकार से अधिक है और अध्यक्त (बन्दाहर्की) और क्याहिती (क्याबितियों) से स्थाप मूचे क्याह्म से तिए तथ साम एका प्रतिकास विश्वानिका कहायोग है जनस सम्बद्धन सिम्बुत में वास्तविका कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरप में हुई खिड़ी बात की सुंबद्ध , क्या वीधींगयन से अपीम आद दोने ही चान्छक में खीचन में कहीं कहते वा बढ़ते नपने में सुविधत के लिए; मोद/वा
- िष्धे एंसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबा्ध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना आहिश्व ना कियान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बचीन, निष्मिधिक व्यक्तिंद करींच ■—— 1. श्री डाह्था भाई भलाभाई पटेल आदर्श फार्म, पटवा अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो मधुसरन धीरजलाल दसाई इन्द्रप्रस्थ कोर्ट के सामने नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उपत बम्मरित के भर्षन् के बम्मरूप में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वदिश या तरवानानी व्यक्तियों पर स्वा की हानील से 30 दिन की श्वीप, वो भी अधिश बाद में ज़नान्त होती हो, के शीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इत ब्रुपना के ख़क्कन में प्रकाशन की शारीत हैं 45 दिन के शीतर उनते स्थावर ब्रम्मित में हित्तक्ष्य किती बन्ध म्यक्ति व्याच नवोहत्ताक्षद्री के पाव किक्कित में किस वा सकींने।

स्वक्रीकरण :---इसमें त्रमुक्त सक्यों और पर्यों का, को सक्त विश्विषय से सम्बाद 20-क में परिधायित ही, कही वर्ष होया, यो यस सम्भाय में दिया सक्ष ही।

#### नग्रुपी

जमीन ग्रौर मकान जो नथसारी में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 3,71,000/- रूपये हैं ग्रौर दिनांक 15-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी ० डी ० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 26-2-1986

प्ररूप आहाँ, की. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्गी भारत 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 4 4 6 6/II/85-86——अत: मुझे पी० खील खंडेलवाल

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभास् 'एक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापर समित, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लेट नं ० बी/13, है तथा जो वांडीया बाजा बड़ीया में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ी त में रिविश्ट्री उरण अधिकियम, 1908 (1908 हा 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मूस्य से कम के कर, साम श्रीत जल के लिए अन्तरित की गई हैं बौर मुक्ते यह विजवास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का अविवास गाजार मूस्य, उसके दश्वभान प्रतिफल से, एउं क्रियमान प्रतिफल के बल्द्स प्रतिकार से अधिक हैं बौर मंतरिक (बंतरिक) के बौच एसे अन्तरिक के जिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नीकिक उद्देष्य से उकत जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कमित नहीं किया गया है अन्तरिक स्था स्वीमत का स्वीमत नहीं किया गया है अन्तरिक स्था है अन्तरिक से किया गया है अन्तरिक से किया से किया है किया गया है अन्तरिक से किया से किया किया है किया गया है अन्तरिक से किया से किया है किया से किया है किया से किया है किया से किया से किया है किया से किया है किया

- (क) जन्मरण ये हुन्दं जिस्ती जाम की बावत , प्रश्व श्रीपनिवय की अभीत कर दोने के जन्मरक ये वायित्व में क्यों करने या उत्तरी बावने में वृद्धिक के विक: बीट्ट/वा
- (क) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, 1927 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती क्वाश प्रकट नहीं जिला जवा था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए।

कतः वर्व, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की गारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1 केतुमल चेलाराम दांडिया बाजार बडोदा ।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अविनाश के० दिवानजी दांडीया बाजार वर्डोदा। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पट्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुसूची**

मिलकत जो बडौदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 70,000 70,000/- छत्रये हैं जो जुलाई 1985 को एजिस्टर्ड की गई है।

पी ० डी ० खंडेलवाल सुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

ता**रीख:** 26-2-1986

प्ररूप आहाँ टी एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्षत 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिभांक 26 फरवरी, 1986

निर्देश सं०पी० आए० नं०  $4467/\Pi/85-86$ —अतः मुझे पी० डी० खंडेल्याल

कायकं कि विश्वास (1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें इककें प्रकार 'उक्त कि भिनयम' कहा गया हैं), की जारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आर्थ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र्शाण जियकी सं ० 115 है, भ्या जो पाटम में स्थित है (श्रीर इसने ज्याबळ अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या ने विणि: है), रिजि-स्ट्रीक्ती अधिकारी के अधीलय गाटण में रिजिस्ट्री परण अधि-विषम 1908 (1908 जा 16) के अधील, तारीख 10 जुलाई 1985

भी पूर्वोक्त संपति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उप्योध्य से उबत अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण •ं, में. अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री प्रमणपाल नगीमदाय पाह श्रीर अन्य पाटण (अन्तर्क)
- 2. में भर्स महाणिकित को स्पोरोशन बजार रोड़, पाटण। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

मिलका जो बड़ौदा में स्थित हैं । जिपका कुल मूख्य 3,50,000/- कार्य हैं। जो दिलांक 10-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी०डी०खणडेलवाल भक्षम प्राधितारी भहायत आयहर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

नारीखा: 26-2-1986

प्रारूप आई\_टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बाबुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4468,85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं नं 3 है, तथा जो भ्रात्माराम पार्क काँकिली बाग बडौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

का पूर्वीवर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) वैतरण से हुई किसी नाथ की बाबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दानित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के सिए: और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया नगर का का **किया जाना चाहिए था, कियाने ह**ैं निवधा के सिर्;

- ा. श्रीमती सरलानंबीन पी० दुवान करिली बाग, बडौदा। (भ्रन्तरक)
  - 2. श्री भपेन्द्र मणीलाल शैठ मंगल बाजार बडौदा। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हु।

## बक्त बन्धित के बर्बन के संबंध में कोई भी वासेंच हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की ताराच्य हैं 45 दिन की समिध या तत्संबंधी स्थानसमें "प्र सुचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त म्य[क्तयां मं से किसी व्यक्ति पृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उक्दी अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया.

मिलकत जो बडौदा में स्थित है जिसकी कुल कीमत 99,393/- रुपये है जो ज्लाई 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल नक्षम प्राधिक#री-अहाय क ग्रायकर भाग्यत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबा

न्तः सज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 26-2-1986

## प्रकृत वार्त् । दर्ग । दुन् । प्रकृतकारमञ्जू

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्माण) अर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 26 फरवरी, 1986 निर्देण सं० पी० झार० नं० 4469/Ⅱ/85-86--म्रातः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(बिसे इसमें इसमें प्रकृत 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० , तथा जो श्रर्जुदानगर श्रात्म-ज्योत सोसायटी बड़ीदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रमुस्त्री में और पूर्ग रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रस्ति, तारीख 10-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है

मुक्त यह विश्वास करने को कारण हैं
कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य
बे उकत अंतरण विवित में वास्तिविक रूप से कींधत नहीं किया
एया है:---

- (क) अन्तरम से हुए किसी बाद की बादवा, करवा अधिवित्रम के बचीन (कार दोने के बन्तर्रक की शायित्व में कनी करने वा उत्तरे बचने में सुनिया के किए; बांध/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नवा था वा विभा जाना चाहिए था, जिनाने में स्विधा के निए;

अतः अतः, उक्तः अधिरियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 42—36 GI/86  अा० श्र√विद कुमार नटवर लाल महेता पूर्णमा सोसायटी अहमदाकादा

(भ्रन्तरक)

 श्री करणनभाई केणवलाल पटेल श्रर्जुदानगर सोसायटी बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**एक्ट** सम्पत्ति के वर्जन के संजंभ में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के ट्रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानीस से 30 दिन की नवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकातन की तारीश के 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यून किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निहित में किए जा सकेंगे।

स्विधिकारण हम्म इसमें प्रयुक्त कच्यों वृद्धि वृद्धों का, को उनक विधिनियम के लभ्याय 20-क में परिभाविध हूँ, वहीं वृद्ध होगा को यस सभ्याय में दिया वृद्धा है।

### अनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 80,000,-रुपये है जो 10-7-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिका ी महायक ग्राप्तकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-2-1986

प्रकृप आहे. टी. एन. एन.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सुचना

#### प्रारत धरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 26 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं०  $4470/\Pi/85-86$ --श्रतः मझे. पी० श्री० खंडेलवाल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं जिमीन श्रीर मक्तान है तथा जो कारेली बाग बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बड़ोदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह कियात से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कित्मल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में । स्तिक है का की की एसे अन्तर्ण के लिए से का से सिक्सल की की स्तिक से सिक्सल की की स्थान की स्तिक से सिक्सल की की सिक्सल की सिक्सल की की सिक्सल की स

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत , अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राणित्व में कमी करने या उसमें अपने में मृतिधा के लिए; आहु/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अत्य आफिलयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अस्त अधिनियम, 1922 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती उपराप्त कर कर्या जाता वा बा किया जाना चाहिए चा, कियाने में मृतिका के लिए;

बतः अव, उक्तं विभिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तं विभिनियम की भारा 269-घ की उपभारः (1) के को वभीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थान :---  श्रीमती गरलामोहिनी प्रतात चन्द्र दुवानी कारेली बाग बड़ीदा।

(ग्रन्तरक)

 श्री मारदासरन नगीनदाम माह् कारेली बाग, बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना कारी करके पूर्वोक्त सस्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिततयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्र में किसे का सकती।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, वां उस अध्याय में दिवा वया हैं।

## अमुस्चीं

जमीन फ़्रीर महात जो बड़ीदा में स्थित है। जिसका कुल मृत्य 99,373/- रुपये है जो जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल्. ~ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (तिरीक्षण) स्राजीन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 26-2-1986

आरूप बार्च .टी .एन .ए.च . . . . . . . . . . . . .

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 व (1) के अधीन स्वाता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4471/II/85-86—-श्रतः मक्षे, पी० डी० खंडेलवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए-8, आरमा राम पार्क को० ग्री० है। तथा जो कारेली बाग, बडौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिज्ञल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शुन्स, उसके दृश्यमान प्रतिज्ञल से एसे दृश्यमान प्रतिज्ञल का धन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ शामा गया प्रतिज्ञल, निम्लिखिल उद्वेश्य से उस्त अन्तरण बिश्वत में वास्तविक क्य से कथित नहीं क्या गया है है—

- (क) बन्तरण, यं हुइं किवीं आप की वावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य के कबी करने या उससे वचने में हुनिभा के विष्: अडि/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय अयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती खुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, जिपाने में सुनिधा के जिन्हें;

बतः। शव, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1), ѝ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं—  श्रीमती गरला मोहिनी पी० बुदानी कारेली बाग, बडौदा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दिलीपकुमार ए० शाह वाजवाडा, बडौदा। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उनत राजित से बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भौतर उक्स स्थायर सम्पत्ति में हिस- केब्रिश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्बित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवा का, जो उक्त जिपितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

## नग्स्य

भिलकत जो बडौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 99,373/- सपये है। जो जुलाई 1985 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायक्षत (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 26-2-1986

मोहर 🛚

## प्रकृष मार्च हो . एव . एव . ....

नावच्य, नीप्रीवस्त्र, 1961 (1961 का 43) की पाप्र 269-म (1) के बधीर बुक्ता

#### SILVE STATE

## कार्यासय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रंज-2, महमदाबाद,

घहमवाबाद, विनांक 27 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं०  $4472/\Pi/85-86--श्रहः$  महो, पी० श्री० खंडेलवाल

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें पंध्यात् 'उक्त निर्मानयम' महा गंगा हैं), की भारत 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति चिसका जीवत वाचाद मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ए०-6, श्रात्माराम परि सो० तथा जो कारेली बाग, वदौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजिस्ट्रीकर्ती करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन जुलाई 1985

को प्रयोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्थासं करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्पस्ति का उचित्त वाजार भूष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्दें प्रतिस्त से विभक्त है और वंतरक (वंत्रकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विए तथ वाया वया इतिकल निम्म्सिवित क्यूबरेंब के उच्च क्यारण विश्वित् में बास्तविक स्व से कवित वहीं किया द्या है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय का बावत, बच्च नियम के नधीन कर बोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुर्देवणा के लिख्दु; बोद्य/का
- (व) ऐसी किसी नाव या किसी वन या क्य नास्तिनी करें, जिल्ही भारतीय नायवार निर्मावका 1922 (1922 कर् 11) वा जवाद निर्मावका, या वर्ष्ट्र कर निर्मावका, 1957 (1957 क्य 27) के प्रवीचनार्थ नक्षितिका विचा वर्षा प्रकट नहीं किया वर्षा वा किया वामा नाहिए ना, कियान के स्वीचका की तिवास की तिवास

कतः जल उक्त जीभीनयम् की भारा 269-ग के क्यूक्स्प वी. वी. अक्त वीभीनयम् की भारा 269-स की अनुभारा (1) वे अभीनः जिल्लीविक स्पन्तियों, अभीत केल्ल  श्रीमती सरला मोहिनी पी० वुदानी करेलीबाग, बजीवा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मणीलाल पोपटलाल पोतेरा कारेलीबान, वदौदरा।

(भ्रन्तरित)

को यह श्रुवना जाती नारको पृत्तीका चंतरिक से वर्णन् से विह्य कार्यनाहिनां कारका हो।

क्यत क्षमित् के मुक्तम् के कम्पन् वी-कोर्य मी मार्क्ष :---

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानीन से 30 दिन की वर्षीय, यो भी अवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (थ) इस सूचना को राजपत्र में मकाकन की रार्थिक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बहुध किसी, जन्म म्यहित सूबाय बधोहस्ताक्षरी के शक दिवाबत में किस बा सकीने।

स्थाक्ष्मेकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्मा मीर पूर्वों का, हो अवस् व्याधित्वम् के बच्चाय 20-क में प्रिभाविक ही, बहु वर्ष होगा को यस बच्चाय में विका ज्या है।

प्रनुसुची

मिलकत जो कारेली बाग बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 99,373/-है। जो सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> भी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्नायक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-2-1986

## प्रकार आहें ्यो पन ,यास .....

# कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### नारत चडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2 अहमदाबाद अहमदाबाद, विनांक 27 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० आरं० नं० 4497/ |85-86—अत: ॅम्से पी० डी० खंडेलवाल

काधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्रमें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, विसका स्वित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ०म तान है तथा जो हिरपुरा सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजल्ट्री कर्ता अधि गरी के त्रायीलय जुरत में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के स्थानान नितिकत के लिए अन्तिरह की गई है और नुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थानान प्रतिकल से, एसे स्थानान प्रतिकल के पन्सह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिका (अंतरिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीनिवत्त सक्वाय से उक्त मन्तरण निविद्य में बाक्तिक रूप से किया नहीं किया पाया है है—

- (क) अन्तरम संहुद्दं किसी बाय की वाबला, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/वा
- (च) एसी किसी वास या किसी भग या अन्य आस्तियों को., जिस्हें भारतीय वायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, पा भनकर वृधिनियमो, पा भनकर वृधिनियमो, पा भनकर वृधिनियमो, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के निरुद्ध

जत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिस्तरों, वर्षांचु क्र---

- श्री शिरीसचन्द्रा भटवरलाल खंभाती नानावरा सुरत । (अन्तरक)
- 2. श्री मनसूखलाल जमनादास जरीवा ला हरिपूरा, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इब सूचका के राज्यन में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्मीत में हिल-क्यूच किसी वाम व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताकारी के बाद किसिट में किए बाःसकेंगे।

स्थानीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्त्र्य

मकान जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्टर सुरत में 5611 नम्बर पर दिगंक 26-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी०डी०खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

सारीख: 27-2-1986

मोहर ।

## **१९७१ आह**ें दी पुन**् १४**-----

श्रायकर अभिर्मिनवम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के बाबीन चुलना

#### HIST STREET

## कार्यातन, सङ्गानक नामकर बागुरक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

मिर्वेश सं० पी०आर० नं० 4498/II/85-876—-अतः मझें पी०डी० खंडडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिन्नको सं० महान—उमरा, सं० नं० 53/ए है, तथा जो उमवाडी में स्थित हैं (प्रौर इसमे उपावत अनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सुरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान अतिफ न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मुख्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का मुख्य प्रतिकृति से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया प्रवा अतिफन, निम्नसिचित उद्वेद्य से उक्त अन्तर्ण निचित के नास्त्रिक कर दे किथा नहीं किया नवा है —

- (क) बन्दहरू सं इर्ह किसी बाब की बाबए , उस्त बहुँबिवबस के बजीन कर दोने के बन्दरक के बाहित्स में क्रवी करने या उत्तसे बन्ते में क्रियान के सिए; बीहर/बा
- (वं, एसी किसी नाय या किसी धन भा अन्य नास्तियां को जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चें सिए।

अतः श्रवः, अवस मधिनियम की धारा 269-व के बन्यूरण में, में, जनत मधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) क् अधीन, निम्मितिकत क्यीनत्वां, अवस्ति हिन्स 1. श्री रमेशचंद रमणलाल सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल साकरलाल जरीलाला गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरितो)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोदत सन्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सबस में कांडे भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीड है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा.
- (च) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारींस हैं
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितक्रिश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
  वास निर्मालत पर्विताल प्रकार सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

मिलकत जो उमरा में स्थित है सब रिलस्ट्रार सुरत में 5322 नंबर पर दिनांक 10-7-85 रिजस्टर्ड की गई गई है।

> पी०डी०खं**डें**लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जान रेंज-2; अ**हमदा**खाः

तारीखा: 27-2-1986

## प्रकार आहे हो हो पुरा ् पुरा ्-------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीत सुभना

#### ं भारत दरकाह

## कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शालक)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाध

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी; 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 99/ार्री/85-86——अतः ∕मुझे फ़ी०डी० खंडेल्याल

कायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), को भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिल्की सं० रोड़ है शथा जो 11ई नं० क्र 5; पूरत में स्थित है (श्रीर इसन उराबद अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ही कर्ता अधिकारी के नायलिय मुरत में रजिस्ही-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख 5 जुलाई 1985

को पूर्वीकरा सम्मित्त के स्वित बाबार मूक्य से क्रम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वसापूर्वों तत सम्मित का उपित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया अतिफल, जिम्निलिस उद्वास्य से उसर अन्तरण मिणित है रास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीर प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के तिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्र की उपधारा (1) के अधीन . ——

(1) में उर्स नूभा फेमीली दूस्ट अर्थविद कुमार हममुखलाल रापडीया मुख्यमार्ग, सुरत ।

(अन्तरक)

 ग्रोबरसीन सीत् मिल्स प्रा० नि ० गरीबाना का कम्पाउन्ड सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विस्त सम्पत्ति के कर्चन के निगर कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

#### उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई" भी बाध्येप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वाधाः
- (क) इस स्वना के एषपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्प्याकेरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसनी

रोड़ जो काटरगाम, भुरत में स्थित है। सब रजिस्टार भुरत में 5184 नम्बर पर दिनांक 5-7-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> पी ० डी ० खंडेलवाल सक्षम प्राधि हारी सहाय हे आये हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजक्र-2, अहमदाबाद

नारीख: 27-?-1985

मोहर :.

प्रक्ष बाही, टी. एस. एक ु =====

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### नारत प्रस्कर

## कार्यावन, स्थानक नानकार नाज्यत (निर्धालक)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पीं० आर० 4500/II/85-86—अत: मुझें, पी०डी० खण्डेलवाल

वानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें परवात 'उक्त विभिनियम' कहा जवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विस्तका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिनको सं० सी एस टी 815 कम सं० 13/83 कड़ो मह-रोफर जिला महेसायां में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 5 जुलाई, 1985

- (क) अंतरण के हुई कितीं नाम की बाबता, क्यक अधिनियम के जंबीन कर दोने के सन्तरक थीं राजित्य में कभी भेरते वा उक्की क्यमें में सुविधा से सिए; और/वा
- (च) होती किसी नाम या किसी पन ना नम्य नास्तियाँ को चिन्हें भारतीय नावकर विचित्रवनः, 1922 (1922 का 11) या उन्त निर्मित्रवनः, या धन-कल्ल निर्मित्रवनः, या धन-कल्ल निर्मित्रवनः, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता वाहिए था, कियाने ये सुविधा वे सिर्म्हः

क्ष: अब, अबत विधितियम की धारा 269-न के अनुवरक में, में, उकत जिथितियम की धारा 269-न की वर्गधारा (1) क अधीर, विधारितिकत व्यक्तियों, वर्षात् 8---  श्री महेता चनाप्याल रक्तशी हारिजता० हारिज जि० महेसाणा।

(अन्तरक)

 श्री कडी जैन श्रतांबर मृतिपूजक संघट्टस्टीभद्रकान्त आर० शाह कालोगेरी ता० कडी।

(अम्शरिती)

की वह स्थान वारी करके पूर्वोक्त वस्पीत्त के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र ह—-

- किं) इव ब्याना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की जनीथ या तत्संत्री व्यक्तियों धर स्वान की तानीस से 30 दिन की जनीथ, थो भी वृतिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वतित्यों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (व) इस सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपति मेश हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति इंगरा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकति।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्षों का, यो उपश अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होंगा जो उस सध्याय में विया नवा हाँ॥

#### .प्रदेश

मिलकत जो कड़ी में स्थित हैं। जिसका कुल मूख्य 1,00,000/- रुपये है। सब रिजस्ट्रार कड़ों में 703 नम्बर पर दिनांक 5-7-85 को रिजस्टर्ड का गई है।

> (पी ० डा ० खण्डे लवाक ) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरोक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ता**रीख**: 27-2-1986

इस्स बाइ'.टी.एन.एस. -----

## वायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 269-म (1) के बधीन स्थान

#### भारत सरकार

श्रायां अर्थान अर्थान अर्थान र्रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां रु 28 फरवरी, 1986

भिर्देश स० पो० आर० नं० 4501 /85-86--अतः मुझे पी० डी० खण्डेलवाल

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके पण्यात 'उक्त बधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के मधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विश्वका उचित वाबार मूर

1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिनकी सं ० नं० 891/1058 है । था जो ललोद तह० प्राठित में स्थि। है (म्रोर इत्तसे उपाबद्ध अनुसूचो में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रो तो अधि गरी के कार्यालय, प्रातिजे में रिकस्ट्रोकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) अधोन तारीख 13 जुलाई 1985

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए बन्तरित की गई हैं बीर मुके यह विश्वाह करने का कारण हैं कि यथाप्नोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विश्व हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे बतरण के लिए तब पावा पथा प्रांतिक कम विम्निनिश्व व्यवस्त ने उक्त मन्तरण विश्व में वान्तरिक कम विम्निनिश्व व्यवस्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कंमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, बिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था के किया बाबा बाहिए था, क्रियान में स्विधा के सिए;

- 1. मेसर्स वरुण डायकेम इन्डस्ट्रीण भागीदार श्री अर्रावद पो० के० सी० गांधीबाग कालोनो, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- न्यू अरुशोदय बर्फ फैंक्ट्री 15 सत्यानारायण सोसायटी, माबरमित अहमदाबाद

(अन्।रिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त क्षेपरि के अर्थन के किस कार्यनाहियां करता हुं।

#### डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विकिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों वर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनद्व किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के शक्त विश्वित में किए वा सकोगें।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में विमा वदा है।

## अनुसूची

मिलकत जो नलोद में स्थिन है। सब रजिस्ट्रार प्रातिज्ञा 13-7-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी ०डी ०**खण्डेलवाल** सक्ष**म प्राधिकारी** महायक आ**यकर** आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 27-2-1986

## प्ररूप बाह्री, टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

#### भारत संहकार

## कार्यात्व , तहायक बायकर बाय्क (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 450 2/II, 85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बायकर व्यिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिंपनियम' कहा मया है"), की धारा 269-च के नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित दाचार मृत्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसको सं० जमोन हजीरा, न० 6501,1 है तथा जो जिला सुरत में स्थित है (भीर इससे उपावड अनसूची में भीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्टीकता प्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 जलाई, 1985

का पूर्वीक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितिफाल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दरसमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदबेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, **व्यक्तिसम्बद्धे अधीन कर** दाने के अन्तरक के बारियरक रों कभी करते वासभये बचने में समिधा के लिए, मीप्र/ ७
- (का एसी किसी अाग या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्त विभिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया काना चे।हिए था, क्रियाने में निविधः के सिए।

सत: ४४. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनसरण वाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-क क**ी उ**पभा**रा** (1) को अधीनः, निम्नलि**खित् व्यक्तियों, अधीत**ः ----

- श्री नानुभाई मगन भाई गटेल भरलाई त० चोर्थासी। (ग्रन्तरक)
- 2. मेमर्स नवरचना, गोपीपर, म्रत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्विकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो र्म. अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत ल्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में जितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मंकिए का सकों गे।

श्वमदीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित. हैं, बही कर्थ होगे। को उस अध्याय में दिया गवा है।

## जनुसूची

जभीन जो हजीरा में स्थित है सब रजिस्ट्रार, सुरत में 5546 नम्बर पर दिनाँक 24-7-1985 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रक्रम् साइ. टी. एत एस्.-----

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) को बभीन सुचना

#### शास्त्र प्रस्ता

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्ति)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4503/II/85-86--ग्रनः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्दश्यत् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान — गोपोपुरा वार्ड नं० 8 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणव है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिफक्ष के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्के बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया भितिफल, निम्नलिखित उद्धिष्य से उक्त अन्तरण विवित्त में शस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त वीय-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वासिस्थ में कभी करने वा उत्तते वचने में सर्विधा में निए, अरेट/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को गियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस 'ख, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण व', में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) € अभीर निकासिकत करिकाकी, कर्का करू

- 1. श्री सतीषभाई नारणजी देसाई गोपीपुरा सूरत। (ग्रन्तरक)
- श्री कुसुमचन्द्र मोतीचंद जवेरी ग्रउवा लाईन्स, सूरत। (ग्रन्तरिती)

की यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्वी

मिलकत जो गोपीपुरा सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 5579 नम्बर पर दिनाँक 25-7 85 रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडे लवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, श्रहमवाबाद

तारी**ख**: ?**7-**2-1 6

प्रकृप बार्च . की. एत्. एस. -----

## नावकर वीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को नभीद स्वना

#### शारक शहरकार

## कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं०  $4504/\mathrm{II}/85\text{-}86\text{--}श्रतः$ 

मुझे, पी० डी० खंडेलवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा भवा हैं), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ध्वरण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उषित वाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 148 है तथा जो बल्लभ विषयोनगर, जि० खेंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप मे बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में ग्राणं में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

को द्वोंक्त सभ्यत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम को दश्यमान प्रतिकाल के अन्तरित कौ सिए विष्वास करने म्भो यह का कारण कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के **रीक एोसे बन्तरण को**ेलिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कांचित त्रहों किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी बाव वा किसी वन वा अन्य वास्तियों को. जिन्हों भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 की 11) था उन्हें सिमिनयम, ना प्रकर विधिनियम, ना प्रकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट वहीं किया नवा वा या किया जन्त साहिए था फियानं यो स्विधा को विदेश

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, रिम्नर्लिक्त व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्रीमती शाँतासरन रमणभाई पटेल वल्लग विद्या नगर।

(ग्रन्तरक)

2 सीनस विल्डर्स विद्ठल उद्योग नगर 388121 (अन्तरिती)

का यह जूचना चारी कारके प्यानिस संपरित के वर्षन के निष कार्यवाहियां कारता हु"।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भ्यन की सामील में 30 जिन की अविध , को भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासन आक्रियों में में किसी स्विकत हुआराः
- (ब) इस सूचना को राजपण माँ प्रकाशन की सारीश स् 45 दिन को भीतर उक्त स्थायन सम्मान्ति माँ जिसबर्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाक निवित माँ किए वा सकोंने।

ल्पच्यीक रणः - इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, वा उपक अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाजित इ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा गक्षा इ.

#### अनुमुची

मित्रकत जो बस्लम विद्या नगर में स्थित है। सब रिजस्-ट्रार ग्राणंद में 3959 नम्बर पर दिनांक जुलाई 1985 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप नाइ िटी. एन. एस. -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निदेण सं० पी० स्नार० नं० 4505, ,85-86:~⊸श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं शेंड् सं नं 434 है, जो तथा जो पी ग्राई डी निश्च ग्रंकलेश्वर है स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ प्रमुस्ती है ग्रीर पूर्ण का से विगत है), रजिस्ट्रोकर्नी ग्रिधि-कारी के कार्यालय ग्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रज्ञीन, तारीख 13 जुलाई 1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से मिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (ग्रंदरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय गामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य में उभत धन्तरण सिचित में यास्तिक क्य से किथा नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सीवभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सविधा कें न्लए:

जतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हिलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ह—  मेमर्स ग्रंकुर लोबोरेटरी 286, जी० श्राई० डी० जी० ग्रंकलेश्वर।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्स आई० सी० पी० ए० हैल्थ प्रोटक्टम प्रा० लि० 286, जी० आई० डी० मी० श्रंकलेश्वर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी प्रिक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रम्पा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रमुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिरियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिकलन जो स्रंकलेण्वर में स्थित है। यब रिजस्ट्रार , स्रंकलेण्वर में 605 नम्बर पर दिनौंक 13-7-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी०डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1-986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 28फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4506/II/85-86--श्रतः मझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जमीन भोलाव सं० 95 है, तथा जो जिला भरुच में स्थित है (श्रीर इपसे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भरुच रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 2 जुलाई 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के डश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उनक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अधं उन्धं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण पं, मैं, अजल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन. निम्न्सिखित व्यक्तियों, अधीत् ु—

- मेसर्स गुजरात इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन भोलाव। बम्बई (श्वन्तरक)
- मेनर्स नर्भवा एल्युमीनीयम एक्स्ट्रसन प्रा० लि० भोलाव, भरुच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन करें शारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरणः ——इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दो का जो उन्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

#### ग्रनुसूची

जमीन जो भोलाव में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, भग्न में 816 नम्बर पर रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

्रक्ष्यः **वार्व**ा **हो** । पुन् पुन् शुन् गुन्नवानना

काथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरुकाह

## कार्यासय, तहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद स्याद विज्यास २०१५ वर्गी १०६

श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 4507/II/85-86~~श्रनः

मुझे पीडी खंडेबवाल भायक्तर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये

हे विधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4 बी, है तथा जो डा० मनमुख लाल टावर श्रठवा लाईन्स सूरत में स्थित है (भीर इससे उपा-वद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, श्रहमादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम (37-ईई) के अधीन, तारीख 20 मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, एसे दृश्यमान प्रतिकल के, पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पादा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनवम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी नाय या जिली धन या अन्य नास्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, शा अब-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्योजनार्थ सन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृश्विक्ष के निए।

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कुणीयः, निम्मिनिष्ट व्यक्तियों अर्थातः ;----

- श्रो एम० एम० डिप्युटो ए॰ड ग्रदर्स मेनर्स श्री लश्रेण्वरी इन्टरपाईसीय हरिषुरा, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. श्री इन्दरा बेन एस० दाख्वाला हरियुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधाप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपन्ति मो हितजब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित मों किए जा सकरें।

ल्पाकीकरणः--इसमो प्रयोक्त शब्दों और पदो का, जो उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषिष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उपस अध्याय में किस स्थार स्था

#### वन्स्ची

क्लेट जो मुरत में स्थित है। 37ईई का फोर्म पर यह कार्यालय में दिताँक 20-5-85 को पेण किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

भायां नय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 45048/II/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रीयल बिल्डिंग पनसारा है तथा जो जिला खेडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुम्ची में ग्रौर पूर्ण का से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम (37-ईई) के ग्रिधीन, तारीख 1 जन 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ये, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

 मेमर्स हिन्दुस्तान कन्डक्टर्स प्रा० लि० जमनालाल बजाज मार्ग करीमात मार्ग, बस्बई-21।

(ग्रन्तरक)

2. मेमर्स श्रपार प्रा० ति० बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्वन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबङ्ध \_ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

ी कान जो परसाण में रिश्वत हैं। 37-ईई का कोर्म यह कार्यालय में जून 75 में पेश किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवा मक्षम प्राधिकार महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

नारीख: 2-28-1986

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस,-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-2, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 4509/II/85-86-~म्रतः

मुझे पी० डी० खंडेलवाल गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जेतलपुर, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, । धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ११) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ाकका गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने असिवधा के लिए।

1. श्री योगेशभाई ह्योकमभाई माणेकलाल स्नार० सी० दत्त रोड़, बडौदा।

(ग्रन्तरक)

 श्री जितेन्द्र कुमार बिहारीलाल जीनवाला रेसकोर्स, बडौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके प्रबंक्त सम्पत्ति के वर्षन के विका कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्त के अर्थन के सम्भन्य में कोई भी आक्षप ..---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं क्षा दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास चित्रत में किए जा सकारी।

स्पष्टिकिरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशः अबा है।

#### उन्सू भी

मिलकत जो जेतलपुर, बडौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 197/106 - है,। सब रिजस्ट्रार बडौदा में 2087 नम्बर पर दिनाँक जुलाई 1985 को रिजस्टर्ड किया गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी पहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोजा स्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-2-1986

### प्रस्म बाइ. डी. एन. एस : ----

## नामकर माधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भागकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्नेन ऐंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश मं० पी० ग्रार० नं०  $4510/\mathrm{H}/85-86--$  भ्रत: मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर ऑभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं भेक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० नं० 5413 ईराण ता० वादी है तथा जो ि० महसोपा में स्थित है (स्रोप इससे उपानड अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीलर्ता स्रधिवारी के वार्यालय कड़ी में रिलीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-7~1985

का पृशेंक्त संपत्ति के उपित बाजार मस्य से कम के ध्रथमान विश्विक के लिए बन्सरित की गई के और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वेंक्त संपत्ति का उपित बाजार बन्स, उपके दश्यमान प्रतिकल से एसे अस्यमान प्रतिकल का बन्सह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया वितिकल निकासिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिक्ति में बास्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बायत, उक्त भीभीनगय को अधीन कर मोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी नाथ या फिली वन मा अन्य व्यक्तियाँ का. जिन्हों भारतीय नाथ-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ करारिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिएनो में स्थिध के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण की, मीं, उक्त अधिनियम की धारा १०९-थ की उपभाए (1) के अधीन, निस्तितिकत व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) मलेक श्रमीर मीयौँ छोटुमीयां धौर श्रन्य राजपुर ताल कड़ी जिल महकोषा। हैं (श्रन्तरक)

entrement promise of dispersion.

(2) ग्रामीण महिला व त्याण ट्रस्ट श्रहमदाबाद । 8 जलछ।य सोसायटी नवा वदज श्रहमदाबाद । (श्रन्सरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोर्ड भी लाक्षेप 🔧

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की नागीं। मू 45 विन की सबीभ या तत्साजन्ती व्यक्तियों। एर स्थान की तामील से 30 दिन की अवीध, को भी अवीध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पृथींकरा कहिनायों से से किसी कारित द्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर नवत स्थावर सम्पत्ति में दिनगरन किसी बन्य व्यक्ति युवारा अवोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंचे।

स्वक्टीकरण:----क्ष्ममें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, की उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारिक है वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया समा है :

#### मन्स्मी

जमीन जो ईराणा तारीख कड़ी में स्थित है सब रिजस्ट्रार कड़ी में 917 नंबर पर दिनां ह 30-7-1985 को रजीस्टई की गई है।

> पी० डी० खंडेलबाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 28-2-1986

#### वक्ष बाह .टी. एन . एस . .... ....

## श्रायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निहेश सं० पी० ग्रार० नं० ±511/II/85-86---ग्रन: मुझे, पी० डी० खंडेलबाल,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इश्रेष्ट एक्नाट (उक्त विधिनियम) कहा नयर हैं), को भारा 269- क स्थीन ज्ञान प्राधिकारी को, यह जिस्साय किन का नारण हैं। कि स्थावर नस्पत्ति, निसका उचित बाजार मुन्य

1,00.000/- क. सं अधिक हैं

और जिसकी संव क्ंजराब ताव श्राजाद संव नंव 707

है तथा जो श्राजंद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में श्रीच एण स्प से विणा है). पिनस्ट्री ति श्रीकारों के जार्थालय श्राजंद में रजीस्ट्रीकरण श्रीकित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीकी दिनांद जूलाई 1985 को पृत्रोंकत सम्परित के उचित वाजार मूल्ट से कम में स्वयंत्र की पृत्रोंकत सम्परित के उचित वाजार मूल्ट से कम में स्वयंत्र कि स्वयंत्र के निष् भन्तरित की गई है और मृत्रों यह निष्वां कर ने का कारण है कि सभाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार भून्य, असमें स्वयंत्रान प्रतिकास से, एसे स्वयंत्रान प्रतिकास के प्रतिकास के विष् भाष्ट्र की स्वयंत्रान प्रतिकास के विष् भाष्ट्र कि स्वयंत्रान प्रतिकास के स्वयंत्रान प्रतिकास के विष् भाष्ट्र श्रीका स्वयंत्र (अन्तरितियाँ) के वीच एसे अन्तरण से लिए स्वयंत्र विष् स्वयंत्र के वास्त्रविक के वास्तरविक के वास्त्रविक के वास्त्

- (क) नत्तरण वं हुई किसी बाव को वावत उक्त बहुन-रिवाम के क्यीन कर दोने के जंतरक के बायित्स में कभी कपने वा बबसे क्यन में संविचा के बिछ;
- (क्ष्) श्रासी जिसी बाव या किसी बन या क्षम्य कान्तियो की, जिन्ही भारतीय बायरहर श्रीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के सिंह;
- हाइ अथा, उन्स अधिनियम की भारा 269-म की अभूतर्थ म , भी, राज्य अभिनियम की थारा 269-अ की त्रपंचारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति :---

- (1) श्री विनेश भाई परणान्तिम भाई पटेल श्रीर श्रम्य टाई स्कूल के पास कुंजराब सा० ग्रान्ते । (ग्रान्तरक)
- (2) सोलंकी कान्ती भाई मटी जी भाई कुंजराव सारु श्राप्टंद।

(भ्रन्तरिती)

## को यह तुषना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन से निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस तृष्ण के राज्यम में अकाशन की तारीक से 45 विन की मंगीन या तत्वम्बन्धी स्थितता पर सृष्ण की तामीन से 30 दिन की लगीच, जो भी जनिय बाद में स्वाप्य होती हो, के भीतर पूर्वीवक व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवास;
- (व) इस राष्ट्रमा के राजार में इकालन की तार्ग वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वहुभ कि की कन्य व्यक्ति हुवारा वशेहस्ताकरी के पास कि विस्ता में किए था अस्ति।

भक्त कि लक्षः - - करमा ब्रह्मण प्राप्ता व्याप्त क्षेत्र कर्ता का अवक अभिनियम के अध्याय 20 का में परिभाविक ही, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में विका स्वाही।

## **अ**नुसूची

मिलकत जो कुंजराब साठ ग्राजंद में स्थित है सब रजिस्ट्रार ग्राजंद में 3186 नंकर पर जुलाई 1985 में रजिस्टर्ड कि गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I<sup>I</sup>, श्रहमदाबाए

दिनांक: 28-2-1986

प्रस्य **आर्ड**. टी. एन. एस. - - -

## बायकः विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के बधीन अलना

WIN STERN

## कार्यक्रव, बहायक जायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें अ-II, ग्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनां है 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भार० नं० 4512/II/85-86--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेवाल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सभाग प्राथिणार को, एट् एडवास करते का कारण है कि स्थावर सम्पर्णिः जिनका स्थित वाजार मन्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट बोर्ड तं० 1, तथा जो नानपुरा सुरत में स्थित है (श्रीर इत्तस उपाबन श्रानुष्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), विस्त्री तर्ना श्रीधनारी के वार्यालय सुरत में रजीस्ट्री करण श्रीधनियम 1908 (1908 वर्ग 19) के श्रधीन दिनांक 10-7-1935

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित को रहाँ हाँ बार मुक्ते यह किश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वीक्त सम्पर्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्हा निवास उद्योग से उक्त अंतरण निवास में बास्ति किया गया है हिन्स महित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से शुह फिल्ल बल्ल की वान्तर, उनस् वरिधनियम के बचीन कर बल के बन्तरक के वरिवर में कमों करने या उनसे मन्तर में कृतिथा विषय, बार्ड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्त आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकार नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के विषः

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मनीश कुमार मगन लाल पटेल, दफ्तरी रोड, बग्बई-9।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्ररविंद भाई गोविन्द भाई पटेल ग्रौर ग्रन्थ नानपुरा सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के दिनए कार्यनाहियां करता हुं

## इक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकारण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### navel)

मिलकत जो नानपुरा सुरत में स्थित है सब रिजस्ट्राय सुरत में 5012 नंबर २२ दिनांक 10-7-1985 की रिजस्टर्ड कि गई है।

पी० डी० खंडेवाल सक्षम प्रशिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 28-2-1986

मोहर 🕆

प्रकप् बाइ'. टी. एत. एत्. ....

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन स्थना

#### बारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जाद्व (दिनरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4513/II/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कर्दे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दूकान नडीयाद है तथा जो नडीयाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय नडीयाद में रजीस्ट्रीकर स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 18-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का प्रमान प्रतिष्ठल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का प्रमान की तिश्व से अविकास के विश्व स्थापा वेषा प्रतिष्ठल के विश्व स्थापा वेषा प्रतिष्ठल के विश्व स्थापा वेषा प्रतिष्ठल कि विश्व सिंग के शिव स्थापा वेषा प्रतिष्ठल कि विश्व सिंग के शिव स्थापा वेषा प्रतिष्ठल कि विश्व सिंग किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बानसा, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने या उससे बंबने में खुनिया के सिष्ट; ब्रॉड/बा
- (क) एकी किसी आय वा किसी धन या अन्य अंतिस्तरों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की जिए:। और/मा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपजारा (1) के अधीन, जिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री गुलाब भाई नाथु भाई शख नडयाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र भाई इंरजीवन दास मिस्त्री नडीयाड (ग्रन्सरिती)

को यह बुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यनाहियां पुरु करता हो।

उक्त सम्बन्धि के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सुपना के सम्पन में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित- सूच्य किसी सन्य स्थाक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात सिवास में किए वा सकेंगे।

स्याधीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त कब्दाँ और पदौं का, यो स्वतः विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्भ होगा यो उस अध्याय में दिसा वया है।

## अनुसूची

दूकान जो नडीयाद में स्थित है सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 2450 नंबर पर दिनांक 18-7-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक: 28-2-1986

#### भाउत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ब्रार० नं० 4514/II/85-86--ग्रसः मुझे, पी० डी० खंडेवाल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 टा 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त मिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अर्थान सक्षम प्राधिकारी का पह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, निएका उचित्र बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० मकान नं० गोपीपुरा नोई नं० 8 नेधि नं 1559 है तथा जो सुरत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्मनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्ता स्रिक्षकारी के कार्यात्रम सुरत में रिजीस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 15-7-1985

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया प्रयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित भें वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- िक्की अन्तरण में हुइ किमी बाथ की शनत, जबत अधिनियम के स्थीन कर देने के अन्तरक औ ार्क्स र ५०० नामं भाषास्थ सबने में स्विधा के जिसा श्रीपर्या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कन्य अधिस्तर्यों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्दिति वृद्धार प्रकट नहीं किया गया था या किया गर्या चारिए था, क्षिणार्थ में सुविधा भी लिए;

बत: बव, सक्त अधिनियम की धारा 269-व को बन्सरण को, मैं उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, कर्यांत्र :---

(1) श्री धनप्रसाद मुरजजाल मेहता, मुख्य मार्ग गोपीपुरा मुरत !

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पदमा बहन कान्तीलाल शाह ग्रीर ग्रन्य गोपीपुरा सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की गवित मा तर्माकी अमितवर्ग पर स्पान की तामील ने 30 िन को जनिए जो भी अमित को सामान होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिकों भी दिन्दी स्वित्त ह्वारा;
- (क) इस सूचना के टाजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी जन्य का कत दूनारा अधोहरताक्षरी के शक्त किसित में किया ना सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अभाग १०-क में परिभाषित हैं । वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

## मन्स्की

मकान जो गोपीपुरा सुरत में स्थित है सब रिजस्ट्रार सुरत में 5415 नंबर पर दिनांक 15-7-1985 को रिजस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल ंत्रक्षम प्राधिकादी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 28-2-1986

मोहर

प्ररूप बाइ . टि. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त जिरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 2464/2/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके प्रवात 'उक्त अधिनायम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० गांव वाला ता ० नडीयाद ब्लाक नं ० 201 है तथा जो नडीयाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नडीयाद में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19-7-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यभापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निक्ति में बास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरूप से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के किया

अतः अब, जन्म बिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण में, में, उक्त अधिकिस की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति की कार्यों, शर्थात् ः— (1) श्री रींवाबेन चीमनलाल पटेल श्रेयस सिनेमा के सामने नडीधाद।

(ग्रन्तरक)

(2) हाजी उसमान युक्फ भाई वाल्ला सा० नडीयाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होता, जो उस्किमाय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

जमीन जो वाल्ला ता० नडीयाद में स्थित है सब रजिस्ट्रार नडीयाद में 2464 नंबर पर दिनांक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड कि गई है।

> पी० डी० खंडेबवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 28-2-1986

## प्ररूप बाहें .टी एवं , एवं . -----

## जायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वामा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रैंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश गाँ० पी० ग्रार० नं० 4516/2/85-86--ग्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल
गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का
कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुक्क

1,00,00/- रः. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 95 ग्रामली सिलवासा है तथा जो सिलवसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिलवसा में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18-7-1985

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम में ध्यथमका प्रांतिफल के लिए बन्तरिन की नई है और स्के यह विकास करने का कारण है कि यथाव्योंकत संपन्ति का उचित वाजार क्ष्य, उनके ध्यमान प्रतिफल से, एसे कावचान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकात से अभिक है और जंतरका (जंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरम के काए तब पाया वया प्रतिकात कि निम्नितियां उक्कोच से उक्त व कारण शिविद्ध में वास्तु-विका कम ने कविद्ध वहीं विकास कमा है कम्म

- (क) कप्तरण से हुई किसी नाय की वाबत उचत अधि-विक्षा में अधीन कर दोने के सम्बरक से वाबित्य में कामी कड़ने ना समसे बच्चे में सूचिता के जिए कोर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय काब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किस। गया था या किया जाना चाहिए था, किया से सिया के किया

क्तः व्यव जनतः विधिनियमं की धारा 269-व की वनुसरण में, में जनत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन निम्नीतिषत व्यक्तियों, वर्षात् :----

- (1) उमेश भाई मनहरलाज राठो सिलवासा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वादी पेपर्स मिल्स लि०, बम्बई। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त कम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो और
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में किए जा नकीं।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, बी उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस कायाए में दिश गदा ही।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 95 जो ग्रामली सिलवासा में स्थित है सब रिजस्ट्रार सिलवस्सा में 129 नंबर पर दिनांक 18-7-1985 को रिजस्टर्ड कि गई है।

> पी० डी० खंडेलबॉल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाट

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेज-1, धहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं पी० ग्रार० नं०  $4517/\mathrm{II}\,85-86--$  ग्रत मझे पी० डी० ७डेलवाल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकी इशके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करक हैं कि स्थावर संपरित. जिसका उचित बाजार ब्रुक्च 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी गं० 129-135 निसामपुरा है। तथा जो बहौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुबी मैं ग्रीर पूर्ण रूप से विश्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बहौदा मैं रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनोक 5-7-1985

को पूर्णेक्य तम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के अवसान प्रतिश्रम के तिय जन्तिरत की गई है और मुक्ते, यह विकास करने का कारण है कि अथापूर्णेक्य सम्मरित का उचित्र बाजार कृष्य, उसके उपनान प्रतिकस से, एते उपनान प्रविक्त का विकास क्षेत्रह प्रतिकस से जीभक है जॉर नंबरक (जंतरकों) और नंबरिकी (अध्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाता नवा विकास, निम्मिनिवित उन्दर्भन से प्रति स्थापक कि कि---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी नाम की नामस्य, समस्य अधिनियम में अधीन कर दोने में अन्तरक में सम्बद्ध में कर्ती करने ना स्वयं नमने में कृषिया में विष्; बीहर्/मा
- (वा) एसी किसी वाय का किसी थन वा बन्ध वास्तिकों को, चिन्हों भारतीय बाक-कर सीमीपबंध, 1922 (1922 का 11) या उद्धत निवित्तम, वा वब-कर वीमीनवंध, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अल्लीरती व्यारा प्रकट नहीं किया तथा या वाया विकास वाता वाहिए था, कियाने में सनिवा के रिवास

कर्ण अन्त , उक्त अधिनियम की धारा 269-व नै नमुसरम मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में अधीम निम्निसिक्त मान्तिमी, अर्थात् इ— 45—36GI/86

- (2) श्री चिमनलाल ग्रम्तलाल निजामपुरा, बडौदा। (ग्रन्तरक)
- (2) दोलत सिन्ह रिविसिन्ह छासचीया राजिपपला सा०/जि० भरूच। (श्रन्तरिती)

को नह नुष्या बादी करके पृत्रीक्ष स्थ्यकि के वर्षण के किस कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

बच्दा सम्पत्ति के वर्षन के बस्तम्भ में कोई भी बाह्येय हु---

- (क) इस स्थमा के स्थमम में प्रकाशन की ताहरीय है 45 किए नहीं नवींच वा तत्त्वस्थानी व्यक्तियाँ पूर्व क्षमा की तामीन से 30 दिन की नवित्र, जो भी क्षमीय नाम में समान्य होती हो, से शीतर प्रोंक्स व्यक्तिस्थमों में से किसी व्यक्तिया हुनायाः
- (व) इस सूचना के समयम में प्रकाशन की तारीत से 45 किन के भीतर उभत स्थानर सम्पर्धित में हित्सक्य हैंक्की क्ष्म महित्त दुशास स्कोहत्ताक्षकी में शब देशकित में किए या क्योंने ।

स्वाक्षरण:---६समें प्रवृक्त क्षव्यों और वयों का, को कक्ष अधिनिवय, को अध्याव 20-क में परिभावित ही, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याव में दिया वया ही।

#### बन्ध्यी

मिलकृत जो निजामपुरा बडौदा में स्थित है सब रिजस्ट्रार जिसका कुल मूल्य 80000/रुपये हैं। सब रिजस्ट्रार बडौदा में विनोक 5-7-1985 को रिजस्टिं की गई है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्र**हमटाबाद**

दिनांकः 28-2-1986 मोहर प्रकथ वाइ<sup>3</sup>.टी. एन. एस. -----

क्रायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

शामिक तामक नामक (निरक्षिक)
 ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमनाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

्रिनदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4518/2/85-86- श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 891 ग्रीर 1098 प्रांतिज है तथा जो प्रांतिज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिवारी के कार्यालय प्रांतिज में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 21-2-1986

के। प्रविकत संपत्ति के उपित बाजार मृन्य में कम के स्वयंति वित्ति की नवा है और मृत्ये वह विश्वाम स्वतिक को कारण है कि स्थाप्योंकर सम्पत्ति का जीवत बाजार सृष्य, जेसके स्वयंत्र प्रतिक सं हे एके दश्यमान प्रतिक के क्ष्मा प्रतिक के के प्रतिक के किया मार्थ के प्रतिक के विषय है बीर बंदरक (अंदरकों) कीर बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ले निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में के बास्तिक रूप से काश्त नहीं किया गया है :—

- (वा) बन्तरण सं इद्भा किसी जान की वासत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के इप्रीयत्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा आर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कानां रती दवारा प्रकृत नहीं किया गया था या जिया जाना वाहिए था, कियान भी रुपिक श्रीकेश की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धरा 269-ए की उपधारा (1) की अभीन, मिक्निसिबत अक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) अरुणादेय ग्राईस फेक्टरी ग्ररविंद भाई पटेल ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० न्यू ऋरणादेय ग्राईम फेस्टरी शादी कुमार फ्लचंद शाह प्रांतिज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अविध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त नायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शक्रा है।

#### मन्स्ची

मिलकत जो प्रांतिज गांव में स्थित है सब रिजस्ट्रार प्रांतिज में दिनांक 13-3-1985 को रिजस्टर्ड कि गई है। जिसका फार्म दर कार्यात्रय में दिनांक 21-2-1985 को प्राप्त किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

दिनां मः 28-2-1986

प्रस्प बार्ड: टी; एतः एस ....

बायकर विभिनियम, 1961: (1:961: का 43): की भारा 269-व (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं पी० ग्रार० नं० 4519/2/85-86---\_\_^ग्रन: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु.. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं रं रं 80 0 प्रांतिज जि स व का है। तथा जो प्रांतिज स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसुची में में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीजती ग्रिधकारी के कार्यालय प्रांतिज मैं रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 14-12-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास किरने, का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 195/(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जमुबरण में, मैं, इक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गांध एण्ड शाह एण्ड कुं० पोपटलाल केशव लाल मेहता बम्बई--

(ग्रन्तरक)

(2) सावल वासुदेव मोमेधर ग्रीर ग्रन्थ प्रोंतिज रेलवे स्टेश म (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वे ति सम्पत्ति के अर्</u>जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त राम्मित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कर --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्टीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### वनस्या

मिलकत जो प्रांतिज में स्थित है। सब रिजस्ट्रार प्रांतिज में 996 नंबर पर 14-12-1984 को रिजस्टर्ड की गई है। जो कि 37जी का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 21-2-1986 को प्राप्त किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 28-2-1986 मोहर प्रकृष् बार्ड ्टी . एंग , एवं ,------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, तहायक वायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, विनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 4520/2/85-86---ग्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सं० वं० 246/35 तलोव है तथा जो तलिव में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय प्रांतिज में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन दिदांक जुलाई 1985 में को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इष्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है :---

- (क) जन्मरण ते हुई किसी भाग कर्त बाबत, बनत बीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाजिरण में कनी करने या अत्तरो वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

नरः जब, बज्य बीधीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण बी, जी, उच्त जीधीन्वप की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रजापति शंकर भाई पुरूषोत्तम तलोद। (ग्रन्तरक)
- (2) तलोड जनता सरकारी बैंक तलोद। (मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मत्ति के वर्षन के तिस् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर — सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भनुसूची**

मिलकन जो तलोद में स्थित है सब रजिस्ट्रार प्रांतिज जुलाई 1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनोक 28-2-1986 मोहर प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)

धर्णन रेंज-2, धह्मदाबाद ध्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० श्रार्०नं० 4523/II/85-86-श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलबाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वरसाल, ता० श्रह्मदाबाद, ब्लाक नं० 1023 है तथा जो ता० मोहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यीचन श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रार्थीन, दिनांक 4-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान श्रतिफक्ष को सिए कस्तरित की नई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वंबह प्रतिकृत ने अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाक की बावस , जक्त नियम के अभीन अप कोने के अंतरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए; और/वा
- (%) इसी किसी भाग या किसी पन या कथा आरिक्यों को, जिन्हें भारतीय नायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत विभिन्यम, या अवकर गीपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्षांच प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में कृषिणा के निय;

कत: अथ, उकत औषिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बे, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अधीत् :--  श्रीमती पूनमबाई बी॰ पटेल, बंरसाला, ता॰ श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री भ्रब्दुल सतार सुलेमानभाई, डा० ग्रन्बेडकर रोड़, नडीयाड।

(भन्तरिसी)

को वह तूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्खांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## जन्स्यी

जमीन जो बरसाल में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, मोहमदाबाद मैं 540 नंबर पर दिनांक 4-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रचन नार्षं . टी . एन . एस . ------

## बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व(1) के वर्षीय कृषमा भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांव 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4524/II/85-86—श्रातः मझे, पी० डी० खंडेलघाल,

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मन्या 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं नवी पारही, तलाक नं 389 है नथा जो ता कामराज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कामराज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन, तारीख 12-7-85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के स्थित बाबार भूस्य से कम के स्वस्मान तिफल के लिए अंतरित की गर्दे हैं और मूफ्ते यह विश्वास स्वरंग का कारण है कि यथाम्बोक्स संपरित का उणित बाबार भूस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे एसमान प्रतिफल सा पन्तर प्रतिकात से जिपक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के वीच एसे अन्तरण के विए तस सवा ग्या प्रतिफल, जिम्मीसिवा स्वरंग से अक्त करतरण विषय स्वरंग में वास्तिकस, जिम्मीसिवा स्वरंग किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त भविषयन की अधीन कर दोने की अध्यारक की दाविषय में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) देशी किसी नाय वा सिक्सी थन या जन्य जास्तियों की चिन्हों भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तः अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था जिया जाना चाहिए था, कियाने में यृतिभा अधिनए।

अत्र अव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निरुक्तिविक अधिकारों, वर्षात् क्र-  श्री प्रदिपचन्द्र चिमनलाल खारीबाला, मैयदुपुरा, सुरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री दुरेशचन्द्र चीमनलाल खारीवाला श्रीर ग्रन्थ. मैयदपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

की यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक तं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थित्यों में से किसी स्थित्त स्थारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस स 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्दभ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास जिल्लाक्षर में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

#### ननसर्वी

जमीन जो गांव नवी पारकी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार कामराज में 968 नंबर पर (तांक 12-7-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाव

तारीख 28-2-1986 मोहर मस्य बाद्दी.टी.एव.एस.,------

बायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत नरकार

कार्यालय, महायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4/22/II/85-86---ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत मधिनियम' कहा गण हैं), की धारा १69-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी यं० बंगला नं 82, यंदरे रोड, है सथा जो सारन मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबड ग्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विधान है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय. सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख 6-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब दाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वरिय से उच्त अन्तरण विवित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अभारण से हुई किसी बाब की बाबस. उसस अधितियम के अधीन कार धेने के अन्तरक कें शासित्व में अभी कारने या उससे बचने में सुनिधा के निष्ट; और/बा
- (ख) ऐसी किमी आय या जिसी भार शा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 /1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृद्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा से विश्वा

अतः अत्र, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क्षेत्र, भीः अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) ले अभीत जिल्लानिक व्यक्तियों, अभीत हम्म 1. श्री देवदास डी० शिंदे, सुरत।

(अन्तरक)

2. अपविदशाई गोविदभाई पटेल, महिश्वरपुरो, सुरत। (श्रन्तरिता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्पाक्षरी के पास निस्ति में किये का सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाविष्ट हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्याः गया है।

## श्रनुसूची

बंगलो जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सुरत में 5201 तंबर परदिनांक 6-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० श्रंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख 28-2-1986 मोहर प्रकल बार्ड. टी., एवं., एवं.-----

नावकर सिंधिनियस, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के संधीन स्वना

#### भारत चडकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विरक्तिक)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्राप्य नं० 4521/2/85—86—— इ.त. मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन कलोल है तथा जो कलोल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनसुची मैं भौर पूर्ण रूप मे विणित है रजिस्द्वीक्तर्री अधिकारी के कार्यालय कलोल में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार शृत्य से कब के वस्त्रजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और सुके वह विक्लास करने का कारण है

कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार गृल्य, उतके दश्य-बान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से बिधक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्र-लिखित उद्देश्य से उन्हें बंतरण सिखित में बास्तीयक रूप के किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण वे हुई किकी जान की नानत, उनक अधिनियम के जबीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में कमीं करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्टा कडि/वा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनित्रण, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में प्रतिस्था चे निष्ध

मतः अव, उसत विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण जं, बं' उस्त स्धिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रशोक कुमार रामलाल पारीख कडी। (ग्रन्तरक)
- (2) री नाफ कार्पोरेशन भागीदार श्री मती नीलेबेन प्रवीण भाई श्रीर ग्रन्य कलोल। (श्रन्तरिती)

की वह बुचमा चारी करके प्रॉक्ट सम्मत्ति भी नर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त शब्दति, के नर्पत के उत्पत्य में कीई भी बाबोप :---

- (क) इस स्वता में चलपत्र में प्रकाशन की कारीन वे 45 दिन की नवधि या तस्सम्बन्धी न्यानितकों नर स्वता की तामील से 30 दिन की वनित्र, वो भी नवधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक नवित्रमों में से किसी न्यानित हुवाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र को त्रकावन की तारीच के 45 विश के कीतार उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिस्सकृष किती कन्य व्यक्ति इसरा अभोहस्ताकरी के शाव अभेग्र के भी किए जा सकीये।

रचक्कीकरण :----ध्यमे प्रमुक्त कर्क्य बीर वर्षे का, जी अवस अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं वर्षे होगा, को उस अध्याय में दिन्न वना ही।

#### वन्त्या

जमीन जो कलोन में स्थित है। सब रजिस्ट्रार कलोल में 588 नंबर पर दिनांक जूलाई 1985 को रजिस्टई की गई है।

> पी० डी० खंडेलेवालू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 28-2-1986

प्रकल जाही है दी है पुत्र है एक हमानवाना कर

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन स्वना

#### शारुव बर्डकार

## कार्यानव, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्तक) श्रजैन रेजि--2, श्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4525/II/85-86---श्रक्षः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण भी कि स्थानर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाबार जूका 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 52-बी०, इन्द्रापुर, बड़ीदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय. बड़ीदा में रिक्स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख 31-7-1985

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान ब्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रबयमान प्रतिफल से एोमे दश्यमान प्रतिफल का पन्तई प्रतिशत से जिथक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया नथा प्रतिफल, निम्निजित सब्देश्य से स्वत अन्तरण जिल्लित वें बास्तविक रूप से कथित वहाँ किया गवा है है

- (क) नन्तरन ने हुई किथी नाक की नावक, राक्य निधिनयन के जमीन कर दोने तो अत्तरक में परिवर्ष में कानी करने वा उक्को दचने में बृधिया के लिए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्हुं भारतीय बाय-कर अभिनियय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बाबा था या किया बाना बाहिए था खिपाने के था बाध से किए:

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 46—36GI/86

1. श्री चंत्रन सरन नाथाभाई केसरभाई गांगडीया, ता० सावली।

(ग्रन्सरक)

2. श्री पटेन हीराभाई नवोलामाई इन्द्रपुरी, जि॰ बड़ौदा (ग्रन्तरिती)

की यह स्थान चारीं करको प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन की निम् कार्यनाहियां सुक करता है।

## उपत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र हु----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगें।

स्परकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसंख्ये

जमीन सवाद में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 5357 नंबर पर दिनांत 31-7-85 की रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रॉज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रकृप आइ.टी एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, महादाबाद

महमबदााद, दिनांक 28 फन्वरी 1986

निदेश सं० पी० भ्रार० नं०  $4526/\mathrm{H}/85-86--$  श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसवें इसके पत्रकाए 'उक्त अभिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका प्रचित्त वाकार सृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 2169, उंजा, उनप्पा है तथा जो कजा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), (रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्स्य में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अशः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अश्वरः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यश्वितयों, अर्थात् :—

 श्री रामजी भाई काशीराम और श्रन्य, 5जा, सा० सिद्धपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वल्लभराम प्रभुदास, उनावा, ता० सिक्कपुर। (मन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी से से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्र

मिलकस जो ऊंजा में स्थित है। |सब रिजस्ट्रार, ऊंजा में 814 नंबर पर दिनांक 18-7-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

पी० डी० खंडेलवांस विकास प्राधिकारी समक्ष प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाव

तारीख: 28-2-1986

प्रकृष बाह् . सी. एव . एह . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नभीन सुनना

#### 

## कार्यालय, सहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० भार० नं०  $4527/\Pi/85-86--$  भतः मक्षे, पी० डी० खंडेलवाल

मायकर विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्नाल करने के कार्य हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन भोलाप सं० नं० 46 है तथा जो जि० भरुष में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय में भरूच में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूक्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्वार) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिकात, निम्मिनिया सङ्ग्रेकी से उच्छ अन्तरण विविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हुन्त

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के बन्तरक के बाह्यित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा अं लिए; बार/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी अन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर वर्डभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) कं असोबनार्थ वंदरिती द्वाछ प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए;

कतः जवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन,, निम्नजिसित व्यक्तियों, सर्वात् :--

- 1. मैं० ग्रमरकंटक को० श्रा० हा० सो० लि०, द्वारा मनुभाई छोटालाल पटेल, नर्मदानगर, भरूष। (श्रन्तारक)
- 2 श्रीमती सरोज सरन मंजुभाई पटेल और ग्रन्य, भोलाप, ता०/जिला भरूच।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्मृति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

**बक्त स**म्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी **वाक्ष्य**्र---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीता प्रोतिस्थ व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इशाह्य;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति. में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### ग्रम्स्यी

जमीन जो भोलाय में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 1,25,000/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार भरु**च में जुलाई** 85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप शाइ टी.एन.एस.-----

## मायकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986 निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 934/84-85--- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भाषा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रह. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं० फ्लैट हैं, तथा जो संतोष नगर कालोनी, मेहद्वीपटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, के कार्यालव, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिकियम 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 7/1985 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रत के निष् बन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रत सं, एसे ख्यमान प्रतिक्रत का क्ष्में का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रत सं, एसे ख्यमान प्रतिक्रत का क्ष्में क्ष्में का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रत सं, एसे ख्यमान प्रतिक्रत का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रत है और कन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के स्थाप का स्थाप स्थ

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य बास्तियों की विकास अगरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या वयकर अधिनियम, या वयकर अधिनियम, या वयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के किए;

जतः अथ, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में ज़ में ज़िल क्षणियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) है अधीन, निम्मांशियत क्यांक्रियों, क्षणीत् ह—-

- 1. श्री के० भीमराजू पिता सामा राजू, घर नं०  $12-2-823/\nabla \circ /1/3$ , सत्तोष नगर, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. डा० जी० गोपालिक्षणा राजू, पिता सीताराम-भद्रा राजू, घर नं० 12-2-823/ए०/1/3/ ए०, संतोषनगर, मेहदीपटनम, हैवराबाद। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए-् कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र उन-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच बें 45 बिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंप व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सुभना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिन्नियम: के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय टें दिया भया है।

## प्रनुसुची

फ्लैंट/घर नं० 12-2-823/ए०/1/3/ए०, ग्राउण्ड फ्लोर काम्पलेक्स, विस्तीर्ण 1000 चौ० फु०, संतोषनगर, कालोनी, मेहद्वीपटनम, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1819/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, खैरताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-3-1986

प्ररूप आहें .टी . एन , एस . -----

## बायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

आर्जानन, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज~, हैदराबाद हैदराह्माद, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 935/85-86~-म्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी सं० भुमि है, जो घटकेसर मंजाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालव, ऊप्पल मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11/1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से कुर्द किसी नाम की बाधत, अक्त अधिमिक्स के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (या) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

श्रदः जब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग को अन्सरण जों, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की जपभारा (1) दो अधीम, निस्मीसिंगित व्यक्तियों अधीत र—  श्रीमती हायातुनिसां बेगम पति जाहेद हुशन, काली कबर, जामबाग रोड़, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा देवी पति शिवलाल शर्मा, घर नं । 12-1-371, लालपेट, सिकंदराबाद।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी जल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपनित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

## श्रनुस<del>ुधी</del>

भूमि बगीचा के साथ सर्वे नं० 7, विस्तीर्ण 2 एकर और  $2 \frac{1}{2}$ , गुंटा और 0.82.5 एकरस, र गारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीफ़्त विलेख नं० 5315/85, रॉजिस्ट्रीकर्ता धाधिकारी उपल।

एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारीख: 6-3-1986

## प्रकृष्ट विकृति प्रवासन

# नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्पना

#### शारत परकार

## कार्यांक्य, सहायक वायकर वायुवत (निर्देशक)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 936/85-86--धुम्रतः मुप्तो, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हीं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण दी कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजर मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि आनोजीगूड विलेज है, जो हायातनगर तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-लय ऊप्पल में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से एसे ध्रमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखिल उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बाल्य- विक क्य से कथित महाँ किया गमा है क्रमा

- (क) अन्तरण से हुइ निकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधः अंतिए; और/वा
- (क्) एंसी किसी बाय था जिसी अन या अन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को प्रिप्त;

करात्र मच्यू उच्च जीभीनवज् की धारा 269-घ के जन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयाश (1) वे अभीज, निज्ञानिकाल ज्ञानिकालों, कर्मात ध---

- 1. श्रीमित जाहेदुनिसा बेगम, घर नं० 22-1-1056, कालीकबर, चादरघाट, जामबाग रोड़, हैदराबाद । (ग्रन्सरक)
- श्रीमित जानकी देवी पित हारीराम णर्मा, 12-1-731, लालापेट, सिकंदराबाद।
   (श्रन्तरिती)

कार्रे बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के शिक् कार्यमहिमां सूक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्णन के संबंध ये कोई भी बाखीप ध---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोड़स्ताक्षरी के पास निचित्त में किए आ सकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, वो उक्त अधि-नियम के शब्दाव 20-क में परिभाष्टित है, वहीं कर्ष होगा, वो उस अध्याय में विका गया है।

### प्रमुस्पी

भूमि सर्वे नं० 7, विस्तीर्ण 2 एकर और 3 गूंठे, श्रानोजी-गूडां विलेज, हायातनगर, सालुक, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्री-इत विलेख नं० 5274/11/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ऊप्पल।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-3-1986

अक्य बार्ड , टॉ., एन, एस.,५ ० - -- ० ०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### गारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

िनिदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 937/85-86---ग्रतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्मित, जिसका उमित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और बाग है, तथा जो श्रानोजीगूडा विलेज, हायातनगर तालुक में स्थित है (और इससे
उपाबद श्रनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ऊप्पल में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,
तारीख 11/1985

को प्वोंक्स सम्मिति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्मित्त का उपित बाबार मृत्य, तसके स्वयमान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के सिए तब बाबा बबा प्रतिकाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद; क्षीट/वा
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बसोबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्री, क्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)। के वधीन. निस्तिसिंहन व्यक्तियों अधित ः—

- श्रीमित हायातूनिसा बेगम, 22-1-1056, काली-कथर, चादरघाट, जामबाग रोड़, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री राजेश्वर लाल (2) श्री जीतेद्र कुमार गर्मा पिता श्री देवी लाल गर्मा, घर नं० 5-102, मेन रोड़, ऊप्पल कालनी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कौई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अधींथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस स्ण्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए चा सकरें।

स्पष्टीकरणं : — इसमें प्रयुक्तं शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### यनुसूची

भूमि, घमन सर्वे नं० 7, विस्तीर्ण 2 एकड़, और 23 गुंठा, श्रानोजीगूडा विलेज, हायातनगर तालुक, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5272/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, ऊप्पल ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-3-1986

प्रकम बाह्र 🚉 टी. एवं. एसं.,-----

नाथकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) को नभीत सुमना

#### भारत बडकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, धिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० भार० ये० सी० नं० 938/85-86--भतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/~ रा. से जिथका है

और जिसकी सं० भूमि चमन के साथ है तथा जो आनोजीगुड विलेज, हायाप्त नगर तालुक में स्थित है (और इससे
उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ऊप्पल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11/1985

की प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्लेंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बिद्ध प्रतिकत से विभक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब बाबा वया प्रतिफल, निम्निसित उद्विस से उच्त अस्तरण कि बिह्य वी बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरण से हुई किकी बाव की वावत, उक्त वीधीयवस के बभीन कर दोने के बन्दरक कें वायित्व में कभी करने या उससे बचने में बुविधा कें सिए; बीड़/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बाब-कड़ विचित्रका 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया गया या वा विश्वा प्रवा साहिए था है जिया स्विधा के विद्या

नतः स्व, अन्त वांधीनयम, की भारा 269-न के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की सम्भारा (1) के अधीन, निम्नीकृषित व्यक्तियों, समीह क्रमा

- श्रीमित जाहादुनिसा बेगम, घर नं० 22-1-1056, काली कबर, चादरघाट, जामबाग रोड, हैदराबाद। (ग्रन्सरक)
- श्री धरमेन्दर कुमार पिता देवीलाल शर्मी, 5-102, मेन रोड़, ऊष्पल कॉलन, हैवराबाद। (धन्तरिती)

की यह बुज़्या भारी कहने पूर्वोक्त कुम्बरिय से वर्ड में मिए कार्यवाहियां कड़ता हों।!

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिश्व की नवींच या तत्सन्त्रन्थी व्यक्तियों प्र सूचना की रामीस से 30 दिन की नवींच, को भी नवींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स किसायों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस तृष्या के राष्ट्रम के प्रकारत की शारीक के 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बहुध् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए या सकेंगे।

स्थव्यक्षिरणः— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, को जन्त वर्षिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याद वें किया जना हैं.

### नग्ल्यो

भूमि सर्वे नं० 7, विस्तीर्ण 2 एकर और 21/2, गुंठा, और 0.82.5 हेक्टेयर, झानोजीगूडा विलेज, घट-केसर मंडल, हायातनगर तालुक, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्री-इत विलेख नं० 5316/85, रजिस्ट्रीकर्ता झिंधकारी, ऊप्पल।

> एम० जगन मोहैंन सक्षम प्राधिकारी [सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैपराबाद

**सारीख:** 6-3-1986

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.,-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 940/85-86 अतः मझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित आचार मूस्स्स्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० धर है, जो मेकपेट, ओल्ड जुबिली हाउस में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7/1985

को पृथंक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से गृसे क्यमान प्रतिफल के चंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पास गर्वा प्रतिफल निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण हैं जिया में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाक की बाबल, उक्क नियम के जभीन कर दोने के जंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के प्रिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को फिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अधः अवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अन्तरण मैं में, उक्षत अधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) ने अधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—— 47—36GI/86

- 1 श्री एम० शिवप्रसाद पिता सुब्बा राव, हैदराबाद (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमिति यन० भारगवि रेड्डी पित रिवन्द्र नाथ रेड्डी, कोता पोस्ट श्रॉफिस, वेंकडू तालुक, जिला नेलौर ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थान नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, जो भी श्रिष्ठीय बाद में समाप्त होता हो, का भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुक्तरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं अकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षाकरण:--इसमें प्रयूक्त शस्त्रों और पर्वो का, जो उक्त श्रीकित्यमा, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगर्या

घर नं० 8-2-120/77/4 बी०, ग्रोकपेट विलेज, प्लाट नं० 32/ए, विस्तीर्ण भूमि 450 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4338/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 6-3-1986

प्रस्क सार् . टी. प्र. एवं . ....

बायक इं विदिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के ब्रेसिन स्थता

शरत सरकार

## **कार्यस्य , सहायक जायकर बाय्**क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेगः, हैदगाबाद हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986 निर्देश सं ० आर० ये ० सी० नं ० 94!/85-86--यतः मुझे पू एम० जगन मोहन,

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपरित जिसका उचित वाकार गुन्त :

1,05,00/- फ. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं • घर है, जो गेरुवेट श्रोल्ड, जुबिली हील्स स्थित
है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पर्ण कर ने विण्य है),
रिजिट्टी वर्ती श्रीध कारी के कार्याजय है, राजाद में भारतीय रिल्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
7/1.985

को प्राचित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य में कम के ज्यामान ब्रित्यस के निए बन्तरित को गड़ हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार ब्रुच, उसके कमान प्रतिष्ठन से एसे क्यागान प्रतिष्ठन का पंद्रह प्रतिस्त के निभक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमाँ) के बीच एसे बन्तरिक के निस् तब पावा स्था प्रतिकत, रिक्नुनिचित्त उन्नदेश है सकत कन्तरिक किया स्था प्रतिकत, रिक्नुनिचित्त उन्नदेश है सकत कन्तरिक के निर्माण किया स्था

कि मानका ने हुई किसी मान की मानत उच्न मणिन नियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के धानितन में अभी करने या उससे क्षते में सीवधा के लिए; बीटर्रना

कों, विसी साम या किसी धन या जनम क्रिक्यों कों, विस्ते भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा ध्यत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियों प्राप्त मुंबद वृद्धी किया च्या या वा सिमा अना चाहिए था, कियान में मुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनमरण गूँ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात एक्क (1) श्रीवी० अपदेख्या स्वास्ति पी० **यस०** स**व,** आदर्श भगर, हैयात्रवाद

(अन्दर्भ )

(2) श्री एम ० वेंकूरेड्डी जिलाव्ही ० एस ० रेड्डी, गुद्रूर, जिला नेलीय

(अन्तरिती)

की यह स्चना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्जन के विक् कार्यजाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में खोड़' भी जाछीप ह---

- हुँ इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तापील से 45 दिन की बन्धि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्धि, जो भी व्यक्ति वाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंग्राह्म
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उपत स्थायर मस्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए ता सकोंगे।

र शिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गवा है।

### बन्स्ची

घर त० 8-2-120/77/5मो, शेरुपेट, स्रोल्ड जुबिली हील्प, हैस्पाबाद, विस्तीर्ण भूमि 577 चौ० गज, रिष्स्ट्रीकृत विलेख तं० 4339/85, एतिल्ट्री जी अधि जरी हैदराबाद ।

> ्यम शासन मोहर्गा ाश्रम प्राधि शरी महाय प्रथाय प्रथानुकः (दिरोक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

नारीख: 6-3-1986

माहर:

प्रकथ आहुर् टो. एन. एस. -----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बचीन सुबना

#### পার্য **রংকার**

क्षार्यानय, सहायक आयकर नाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंन, हैदराबाद' हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986 निदेश सें० आए० यं० सी० नं० 942/85~86—— यतः मुझे, एम० जगत मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. सं अधिक हैं

प्राीप जिल्लो सं विषय है तथा जो में हमेंट ब्रोल्ड 'युबिली हिल्स में स्थित है (ब्रीए इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीप पूर्ण रूका में विणय है), प्रोजेस्ट्री पर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदशाबद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गर्द है और भुक्ते यह थिश्यास करने का कारण है

्ति यथा धुवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदेय से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन भा जन्य ब्रास्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय क्यायकर ब्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे भयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध को किए।

जत: कक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीय, जिम्निसिख व्यक्तियों, वर्षात् :--

(1) श्री एन० प्रभाकर शास्त्री पिता एन० सूच्बाराव गांधीनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० शामप्रताद रेड्डी पिता एम० एस० रेड्डी, 4 वैद्यराम रोड, मद्रास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं थे 45 दिन की अवधि या ग्रत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिद से किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया श्रेषा मना है।

## जनुसूची

घर नं० 8~2~120/77/1, शेक्पेट, श्रोल्ड ज्युबिली हिस्स, हैदराबींब, विस्तीर्ण भू**वि 450 चौ० गज;** रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4295/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

दिनांक: 6--3--1986

## प्रकृत अहु<sup>र</sup>्क<u>ी एवं एवं उपन</u>्यासम्ब

## नायकर गीपनिवस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के बभीन सुपना

#### बारत बरकाड

## श्वर्यक्षमः, बहायक् मानुकञ्च वाद्यतः (निर्दासन)

अर्जन रेंन, हैदराबाद

हैंबराबाब, दिनांक 6 मार्च 1986 निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 943/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इतमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-चं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्देश बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० घर है जो शेकपेट, मोल्ड ज्युबिलो हिल्स, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त राज्यति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाबार कृत्य, इसके स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से विभक्त है बार बंतरक (बंतरका) और बंतरित (बंतरितयाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया कम प्रतिफल निस्तिवित उत्वोदन से उसके बंतरण कि लिए के बिर्ण का प्रतिफल निस्तिवित उत्वोदन से उसके बंतरण कि लिए के बार्स का प्रतिफल निस्तिवित उत्वोदन से उसके बंतरण कि लिए के बार्स का प्रतिफल निस्तिवित उत्वोदन से उसके वंतरण कि लिए का कि विद्या का स्थापन का स्थ

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सृदिधा के लिए; और्/या
- (भ) श्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), कुं अधीन निम्नितिबिक व्यक्तियों, ब्यॉत :--

(1) श्री पी० जगदेस्वर राष्ट्र पिता पी० एस० राव, आवर्षा नगर हैदगबाद।

(अन्सर का)

(2) श्रो एम॰ शामप्रसाद रें डी पिता एम॰ एस॰ रेड्डी, 4, वैद्याराम रोड, मद्रास । (अन्तरिती)

को वह बूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से नर्जन के लिए कार्यवाहियां कहता हुई (i)

उक्त संपरित के वर्षक के सम्बन्ध में कोई भी बासोप ::---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सक्षि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित इनारा;
- (व) इस स्वा के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीततु उक्त स्थापर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति इनारा स्थाहिताक्षरी के पात निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्तीकार्ज है---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अद्देशीयका है बच्चाय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याय में दिवा नवा है।

## अनुसुची

धर नं० 8-2-120/77/5ए, शेकपेट, श्रोल्ड ज्युबिली हिल्स, हैदराबाद विस्तीर्ण भूमि 57/7 चौ० गज, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4324/85 रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगत मोहून सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि ! अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6~3-1986

## प्ररूप वाहें, टी. एन. एस्.-----

## बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

## कार्यालयः, सङ्क्षक कावकर आवृक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 944/85-86---र्यतः मुझें, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकाकों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृज्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिनकी सं० घर है जो शंक्षेट ज्युबिली हीलस् हैंदराबाद में स्थित है (भौर इसमें उपाबद अनुसुची में भौर पूर्ण रूप में विणा है), रिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहस्मान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके रहस्मान प्रतिफल से एसे रहस्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिख्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिएही

नतः नम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण हो, में उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (:) के ज़बीन, निम्नलिखिल न्यक्तियों, मधीन :--

(1) श्री पी० जगदेस्वर राव पिता पी० एस० राव, आदर्णनगर हैदशबाद।

(अन्तरह)

(2) श्रीमतीके शारदा रेड्डी पित नागेंदर रेड्डी, 153, विवेकनगर, बंगलोर-47

(अन्तरिती)

# को यह सूचना वारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों गए स्थान की सामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर प्रविक्त स्थानितमों में से किसी स्थक्ति स्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## धनुसूची

घर नं० 8-2-120/77/5 बी०, भोरूपेट, श्रोल्ड ज्युबिली हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण भूमि 577 ची० गज रजिस्ट्रीकृत निलेख नं० 4325/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगत मोहत ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां क : 6-3-1986

प्रकप नाइं.टी. एन. एस. -----

शास्त्र विकास मा प्रतिकार का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासम्, बहुरमक भागकर जायुक्त (मिर्यक्काण)

श्रर्जन रें के, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्चे । 1986

निर्देश सं० कार० ये० सी० सं० 945/85-86--यतः मुझे एम० जगन भोहन

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे स्वर्ध) इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिलका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/

भीर जिसकी सैंक कुला जो भेकपेट जूबिला हिन्स, में स्थित है श्रीर इससे उपाबड अनुसूचों में शौर पूर्ण ४प वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय 1/85 में भरतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन हैदराबाद

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य हे कव के स्थानन कित्यक के लिए अन्ति न की गई ही और मुर्फ यह विकास करने करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके परममान प्रतिफल से. एसे परममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण किष्वत में नास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुन्दै किसी शाव की, बानत, उन्नत अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कसी करने वा उसते वचने में सुविधा के सिक्ष; और/वा
- (क) इसी किसी आम या किसी धन या अभ्य जास्तिकों को भिन्हें आरतीय आयकर जीवनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधनियस, वा भग- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के सिए;

बंदा: अंध, उक्त अविनियम की भारा 269-च के अनुसरण को, को, सकत विभिन्नियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अर्ध अभीग, ज़िस्सुभिचित व्यक्तिमों, वर्षात् क्ष--- (1) श्री एन० राम प्रासाद पिता एन० सुन्धाराव चरडण्टली, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० शारदा रेड्डी, पति नागेंदर रेड्डी, 153, विवेकनगर, बंगलौर-47 ।

(श्रन्तरिक्**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

### डक्त सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बार्क्स रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूचींक्त व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति पुवारा;
- (ब) इसस्चमा के राजक्ष में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीगर उक्त स्थावर संपत्ति में विश्वस्थ किसी अन्य क्योंकत द्वारा अधोहस्साक्षरी के पांच विश्वस्य में किए वा सकींगे।

स्वच्छीकरण: ----इतर्जे प्रयुक्त सब्बों और वर्षे का, को उन्नस्व विभिनियम, के अध्यास 20-क में परिकासित है, कही अर्थ होगा को उस अध्यास में विका नवा है अ

## अनुसूची

घर तं० 8-2-120/77/2, णे प्ष्पेट, घोल्ड ज्यूबिली हिल्स हैदराबाद विस्तीर्ग भूमि 450 चौ० गत्र० रजिस्ट्री कृत विलेख नं० 4326/85 रजिस्ट्रीजर्ता म्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मो*ई*न सक्षम श्रक्षिकारी स**हा**यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **हैदराबा**द

सारी**क : 6-3-198**6

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) %र्जन रोंज, हैटराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राप्त ये० सी० नं० 946/85-86- स्यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एरजात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीन जिसकी सं उपर है, जो ऐक पेट स्रोत्ड अयु बिली हिल्स में स्थित है [(स्रोप हमसे उपाबद्ध सन्सूची में स्रोप पूर्ण रूप से विणित है), रिज-इनिर्मा स्थित स्थित से कार्यात्य हैदराबाद भारतीय में रिजस्ट्री करण स्थितियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन स्थास्त 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) भी एन० मं त्यसभा प्रशू पिता एन० सुन्वाराव, चीक हडपत्ली हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेसूरेड्डी स्ति हैं हिटसूब्बारेड्डी नर्राप्तगराव-पेट, गूड्र ताल् जिला नेलौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### जन्स्थी

घर नं० 8-2-120/77/3, शेंापेट, झोल्ड ज्यू बिली हिल्स हैदराबाट विस्तीर्ण भूमि 450 चौं० गज, रिकस्ट्रीतृत विलेख नं० 4294/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रविकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारार (1) के अधी र निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित हु--

नारीख: 6-3-1986

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्यन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986 निर्देश सं० श्चार० ये० सी० नं० 947/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृष्य 1,00,000/- क. से म्याधिक है

भीर जिएकी सं विष्ट है, जो मेकपेट भोल्ड ध्युबिली हिल्स में स्थित है (श्रीर इससे जपाबड अनसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिक्ष करी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिक्षित्रारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिक्षित्राम 1908 (के 1908 का 16) अधीन ध्रगस्त 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुन्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रति-कब से एसे देश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिष्ठत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तब पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिस्त उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया चया है हम्म

- (क) जन्तरण से हुई किली जाय की वावता, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बर
- (क) एसी किसी जाय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीपी० जोगेश्वर राव पिता पार्धसारथीराम बाई जीपीए श्री पी० पूरनमल 7, एस० श्रार० के० आलोनी, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० भारगिव रेड्डी पति रिवन्द्रनाग रेड्डी कौता पोस्ट ग्राफिम, तालुक वाकडू जिला नैस्लोर । (ग्रन्तरिती)

को सह त्यना बारी करके प्वॉक्त सम्परित की वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त सम्मति के बर्चन के सम्मन्य में कोई भी बालेंब :---

- (क) एस स्चना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राटा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अभोहस्तः भूरी के पास तिवत में किए वा सर्वेचे।

स्पाद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, अही अर्थ हैंगा जो उस अध्याय में दियां स्या है।

## जन्स्यों

घर नं० 8-2-120/77/5 ही । णेकपेर, स्रोत्ड अयूबिली हिल्स, हैदराबाट, विस्तीर्ण भूमि 268 भी । गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख 4385/85, रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मेहिन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ए**: 6-3-0986

प्रकप नाई<sup>\*</sup>. टी. एन. एत.-----

## जायकर नीमीनवन 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नभीन मुचना

भारत तरकार

## कार्यातय, बहायक आयुक्तर आकृत्त (निरीक्षण)

**श्र**र्जन रॉज, **है**दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

- निर्देण संब्हारव के सीव नव 948/85-86-या: मुसे, एमव जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवी इसके परचात् 'उत्तर अधिनिमाम' कहा गा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो शेकपेट, श्रोल्ड ज्यृबिली हिल्स में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाट में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिशिनयम. 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्स 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विस्थास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और जंतरक (बंतरकार) और (चन्तरित्या) के बीच एसे बन्तरूच के बिए तय नाया नथा प्रतिफल, निस्तिलित उच्चक्य से उच्त अन्तर्ग जिसका शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, उन्स नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा अथवे बनने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा जन्म के हिराकों को , बिजुई भारतीय बायकर विधिनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्ट विधिनयम , वा धन-कर विधिनयम , 1957 (1957 का 27) वे प्रयोचनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था , जिपाने के र्विधा के लिए, और/पा

अतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन . निम्मलिखित व्यक्तिवों . सर्थात :—— 48-36GI/86

(1) श्री कें ० एल० नरिमन्हा ग्रास्त्री पिता के ० एल० गनपति, लाट नं० 1-जे० एस० बी० एच० ग्राफिसर्स, कॉलमी, जिनक इपरुली, हैदराबाद।

(ग्रन्मरकः)

(2) श्रीमती ए न० भारगिव रेड्डी पति रविन्दनाथ रेड्डी, कोता पोस्ट श्राफिस, तालुक वाकडू जिला नेलीर। (श्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्चन के तिक् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन कर्डी वनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 विन की सवीध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाए;
- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष वृद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का ककेंद्रे।

#### बन्धुची

घर नं० 8-2-120/77/40, फ्रोकपेर मोल्ड ज्यूबिली हिल्स, हैदराबाद विस्तीर्ण भूमि 450 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4384/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

मारीख: 6-3-198**6** 

मोहर ।

प्रक्य जाई.टी.एन.एस. -----

भायकार मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन कुमरा

#### नाम्य गुरुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं ० आप ० ए० सी ० नं ० 960/85-86--अतः मुझे, एम ० जगन मोहन,

नायकर मंत्रिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उक्त निभिन्नमा' कहा गया ही, की कारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्थास कारने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिल्लका उक्ति बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी सं ज्वर है, जो वार्ड नं o 10 तार्डपल्ली विलेज में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्या ग्य मंगलगौरी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985 की पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार ब्रुच्च से कन के अध्यक्षक श्रीतक्षक के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वत करने का कारण है कि स्वाप्योंक्त सम्पत्ति का रिवल बाबार ब्रुच्च, इसके अध्यक्षक श्रीतक्षक के, एवं अववान प्रविक्र का पंत्र प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीक एसे वंतरक वंतरक किए तय पारा

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित

भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभारत सं हुई किसी नाय की वावकः उक्त यथिनियम से अथीन कर वेने से संतरक से शिवक्य सं कभी करने या उक्षमें नवने से सुविधा से शिक्षः जीर/वा
- (अ.) शामी किसी माम या किसी भन वा कन्य वास्तियों कर, है अपने भारतीय जामकार किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भनकार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निरुत्तीलिवृत व्यक्तियों, अधीट् :--- (1) श्री जी ॰ शेषय्या पिका रामस्वामी ताडेपल्ली गुट्टर जिला।

(अन्तरक )

(2) श्री जी व वें पटेरवण राव णिता सूब्बय्या, ताडेपल्ली, गुटुरजिला

(अन्तरिक्की)

को यह सूचना जारी करके पूजींकर सम्मत्ति को कर्णन के किए कार्यमाहिकों करता हूं।

### बच्च इंपरित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्याप:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकेंगं।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधावित हैं, बही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्ध्यो

घर नं ० 100, बार्ड नं ० 10---ताडेपली विलेज, गुंटरीजला विस्तीर्ण भूमि 272 वौ ० गज, रजिस्ट्री हत विलेख ठ० 2667/85, रजिस्ट्री हर्ता अधि हारी मंगत्रगीरी

> एम**ं जगत मोहन** सक्ष**म प्राधि**कारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाक्ष कोंट्, हैस्स्यास

नारी**ख:** 12-3-1986

प्रकल् आर्थः टी. एन . एस . ------

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधील सुमना

भारम् संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरोक्तण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ह 12 मार्चे 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 961/85—86—यतः मुझे, एम ० जगन मोहम

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उमित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर निका हो सं ० फ्लैट है, जो पैरामाजन्ट कन्द्रस्कान माहरानीपेट, बिच रोड में स्थित है (स्रोर इसमे उनाबड स्नुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णि १ है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारों के कार्यालय वैशाक में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित याजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्निजिति उद्देश्य से उच्त अंतरण लिक्टि में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (वा) एसी किसी ना किसी भन ना कला नास्तिनों को जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) ना उत्तर निभिन्नम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किना यवा भा ना किया जाना जाहिए था, क्रिक्ट में सुविधा के सिछ।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 262-थ की उपभासर (1) के अधीन,, निम्निचित व्यक्तियों, खर्थांत 4--- (1) मैसर्स पैरामाजग्ट कन्स्ट्रक्शाभस, बाई पार्टनर श्रीमसी बी व लक्ष्मी, विशाखापट्टभम

(अन्तरक)

(2) श्री के ०वी ० बी ० पंपात पिता के ० वें कटा राव, 64, फारेस्ट पार्क भुवनेष्यर-751 009

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

रनश्वकिरणः --- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पर्दों का, जो उनस विधितवन, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

#### नमृत्यो

फ्लैट घर नं ० 18-1-16, महारानोपेट, बिच रोड, वैझाक विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विसेख नं ० 7566/85; रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी वैझाक।

> एम ० जगत मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986.

## क्षेत्रम् सार्वु क की<sub>ली</sub> पुर्या प्रस्तान न स सम्बद्ध

# नायकर निर्माणकन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्यीन सूचना

#### माचा पडचाउ

## कार्याचन, बहानक मानकर मानुबद्ध (विक्रीक्रफ)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्वेश मं० आर० ए० सी० नं० 962/85-86—-यतः मुझे, एम ० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मधिनियम' कहा नया हैं), की भाष 269-व के मधीन क्यम प्रतिकारी को वह विकास करने का जाएंग है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जितकी सं ०/घर, जोहायस्कूल चो पडवारी स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीरइपरे उत्तबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाढ़ा में भारतीय रजिस्ट्रीयरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) ग्राधीन जुलाई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बूल्य से कम के अवकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विश्यों से उक्त अन्तरक लिखित में थाइतिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किशी आज की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित अधीकतयों, अधीक् हि—

- (1) मैतसं सीटी फारमा डिस्ट्रीब्यूटर्स बाई पार्टनर श्री जी ० उदयवारलू पिता लक्ष्मया
   (2) एम ० कससी विस्वनाथा गुप्ता पिता भूब्बाराव चीत्पाद्वारी स्ट्रीट, विजयवाडा-1।
- (2) श्रा एन ० सतीराजू पिता विरा राजू ग्रौर अन्य

  3. केअर आफ श्रीदेवि बुक काम्पलैक्स, मेन बाजार,
  विजयवाडा-।।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिह कार्यगाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तत्वाम्थ में कोई भी भाकोप :---

- (क) इस तुष्ता के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य स्थावत व्यादा अभोहत्ताक्षरी के वास तिस्ति में किये वा सकोंगे।

स्पक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अभीय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभीय में दिवा गया है।

## नन्त्री

घर नं ० 29-5-60 (न्यू घर नं ा 1-37-10) बार्ड नं ० 10 चीपाडाबारी स्ट्रीट,विजयवाडा, विस्तीर्णभूमि 278 चौ ० गज, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4822/85 रिजिस्टीकर्ता अधिकारी विजयवाडा

> एम ० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 1-3-1986

त्रस्य नाहै. टी. एन. एव.-----

## भागकार गरिनियम,, 1961 (1961 का 43) की पास 269-स [1] में स्पीद कृतम

#### भारत प्रच्यार

## कार्यासय, सञ्चयक बायकार बाधुमध (विद्वालिक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० आ२०ए०सी०नं० १६३/८५—८६——अन: मुझे एम ० जगन मोह्न,

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इस्कों इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा पता हा, की भारत 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति विकका उपित नाबार मृज्य 1,09,000/- का, के विधिक है

म्रांग ि उको सं ० घर है, जो टी ० पी० हाई स्कूल जारनर वार्ड नं० 5 में स्थित (भाँर इसम उपाबद्ध अनुतूची में प्रांत पूर्ण रूप में वर्णित है), प्रजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवादा में भारतीय प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

को प्लेंका सम्मित के उचित बाधार बृध्य से स्वा के नवस्तान प्रात्मक से निए संवरित की गई है और गुर्भे वह विस्वाब करने का कारण है कि ग्थाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उशके प्रकाशन प्रतिफल से, ऐसे प्रश्यमान प्रतिफल के पल्क प्रतिकता से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एचे अन्तरण के लिए तय पाया गवा कस रिज्यों अधिक उद्वेश्य से उनक अन्तरण कि बित में बास्तिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क्) अन्तरम् सं हुइं मिली बाव की बावतः, उनकः वीधीनश्रव के वधीन कर दोने के क्याइरकः के दावित्न में कमी करने या उससे वचने के सुविधा के लिए; बाए/श
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, विकृत आरखींन कानकार निभानियान, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वक्-कर नृष्टिक्क, 1957 (1957 का 27) को प्रमोचनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट कहीं किया कस १०१० विकास अर्था अर्थहिंग् था, छियाने में सुनिभा की क्रिक्)

(1) मैसर्स सीटी फारमा डिस्ट्रीब्यूटर्स बाइ पार्टनप श्री जी व उदयवारलू पिका लक्ष्मया 2. एम व कासी विस्वनाय गुप्ता पिता सूब्बापाव चोप्पादवारो स्ट्रीट, विजयवाडा-1

(अन्तरक)

(2) श्री एन ० सतीराजू पिता विरा राजू श्रीर अन्य 3 केअर आफ श्रीदेवि बुक काम्प्लैक्स, मेन बागर, विजयवडा-1

(अन्तरिती)

की यह स्थान कार्य करमें पूर्वीच्य कामित में नर्बन के लिए कार्वगाहिमां सुरू करता हो।

#### बच्च सन्तरित के कर्बन के संबंध में की है भी नामरेप र---

- (क) इव त्यमा के प्राचनम वो प्रकाशन की तारीय से
  45 दिव की नगीय ना तत्त्वभ्वनमी स्पनितमों पर
  शूचना की तानीय वे 30 दिन की नगीय, जो भी
  वर्षीय कहा में बनान्त होती हो, से भीतर पूर्वोत्तस
  स्वित्वकी में वे निजी न्यानित हनारा;
- (व) इव ब्रुचा के राज्यन में प्रकारन की दारीच के 45 दिव के भीतर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में हित्सकुए किसी अन्य स्पन्ति ब्रुचरा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकांगे।

लक्कीकारणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, वो उक्त मीध-ज़ियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होया, को उस सध्याय में विद्या गया हैं।

## वर्ष्या

घर नं ० 29-5-60 (नुव नं ० 11-37-16') वार्ड नं ० 5 टो ० प्रें ० हायस्कूल, कोरमर, विजयवाडा विस्तीर्ण भूमि 88 घो ० गज ० रजिस्ट्रोकृत विलेख नं ०4823/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नतः अधः, उक्त निधित्यम की धारा 269-व की नवृत्तरण नों, में अक्त निधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निध्मनिवित्त स्यक्तियों, अर्थात् :---

भागीख: 11-3-1**98**6

**१९७९ मार्च**्य होते. प्रदान प्रवास सम्बन

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के व्यक्ति त्या

#### AND PERSONS

## कार्यातय, तहायक बावकर बायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० आ२०ए० सी० नं० 964/85—86——यत: मुझें एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विस्ता उचित बाकार मृत्य 1,00,00/- क. से अधिक है

श्रीर निपकी सं ०भू सि श्रीर इसारत है, जो श्रमलापुरम विलेज में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद प्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), प्रिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमलापुरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) श्रधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए बल्तरित की नई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का क्यारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का क्यारण से प्रसे दृश्यमान प्रतिकल का क्यारण से प्रसिक्त से मिथक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल, 'निम्नलिकित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण सिवित में शास्तिक क्या से किया गया है :---

- (क) जन्तरण तं हुए किसी जान कर्त वायर्ग, उपत जिम्मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा अधिष्यः भीर/शा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन वा अभ्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, यह भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो ह्वारा प्रकट नहीं किया ववा का वा किया जाना जाहिए था, कियाने में ब्रुविशा के जिन्हें

जतः सथ, उसत जीभनियम की धार 269-ग के जनुसरण थे, औ, असत अधिनियम की धारा 269-थ की स्वचारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती पो ० जानकी देवि पति व्ही ० सत्यनारायण श्रीर अन्य (3) पार्टभर मैसर्स कमलेस्वरा सिनेम हाल, पोनामंडा, राझो । तालु ह, जिला इस्ट गोदावरी। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पाहोलू शेखर राव पिता नर्सिंग राव, बी० दादावरम, रक्कोल तालुक जिला इस्ट गोदावरी । (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां सूक करता हूँ।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की जवित्र मा तत्संबंधी ज्यक्तिमों पर सूचना की तामीज के 30 दिन की जवित्र, जो भी जवित्र वाद में समाप्त होती हो, के धीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (व) इस सूच्या के राज्यम् के अभाग्य की वारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित । ब्रम्भ किसी कम स्थावत स्थाया, अभोहस्ताक्षरी के । यान मिकिस में किस वा सकी ने ।

स्वक्रीकरण: ---- इतमी प्रयुक्त सन्दों जीर पर्दों का, को उक्क किंपि-निवम के अध्याम 20-क में परिनासित हैं,
वहीं अर्थ डामा. जो उस अध्याम में दिमा गय।
हैं।

## अनुसुची

कमलेश्वरा सिनेमा हाल डी ० तं ० 3-4-68/1 से 4, श्रौर घर नं ० 3-4-68/5, विस्तीर्ण भूमि एकर 1-12 सेंट्रंस, अमला-पुरम इस्ट गोदावरी जिला, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं ० 3211/85, रजिस्ट्रीकृति अधिकारी अमलापुरम ।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधि <u>ा</u>दी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैद**राबाद

तारीख: 11-3-86

प्रकप मार्च. ही. एन. एस. -----

# बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) में बधीन स्थान

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जावकर जायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० अर० ए० सी० नं० 965/85—86——यत: मुझो, एम० जगन मोहन

बायकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इससे इसके प्रवाद 'उक्त विधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 369-अ को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर स्थापित विश्वास विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर स्थापित विश्वास विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर स्थापित विश्वास विश्वा

्थीर जिसकी सं ० घर है, जो आरूणदलपेट गुंटूर में स्थित है (श्रीर इस सै उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),रजिस्ट्री क्रती अधि-कारों के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्री क्रण श्रामियम, पि908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित साबार मृश्य से काम के स्प्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते वह विद्यास कारते को कोशा है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रीत का उत्वित बाबार मत्य, उसके स्प्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकार से बाधिक हैं और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती 'वंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पावा नया प्रति-क्ष्म दिस्मालिखित उद्दोस्य ने उकत अंतरण सिखित में बास्त-स्थिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधितियम को अधीन कर वीने की **संतरक के** वासित्य में कासी करने या उक्क से कचने में स्विधाः की किए। अधिर सा
- (स) ऐसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीर अध्यक्तर शोधिनग्रम, 1922 (1922 का १९) या राम, क्षेत्रियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाम शाहिए स. जिल्लाम यो की सिए;

अस. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क वनुसरण भौ सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन... निम्नीनियत व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री के ० मुस्लीबर क्या क्ही ० मेललू 3/4' आरुणदल-पेट, गुंदूर।

(अन्तरक )

(2) श्रीमतो देवकी ऊमा देवी पति डी० रंगनाधम, केलपेट गुंटुर ।

(अन्नरिती)

को वह ब्यान बारी करके प्रॉक्त सम्मन्ति के मर्थन थे स्थिए कार्यवाहियां करका हुई।।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्योर्ड भी आक्षेप हरू

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियाँ में में किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी जन्म स्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी थें पास सिवित में किए का सकेंगे।

#### सर्वाची

घर नं ० 6-3-10, आरूणद वतेट, गुंटूर विस्तोर्ण भूमि 87 चौ ० गत रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 7681/85 रजिस्ढ़ीकर्ता अधि-कारी गुंटूर ।

> एम ०जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक: (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

**तारोख: 12-3-1986** 

## त्रक्य नार्यं हो, स्म ् स्व ्-----

## नाव्धार वीर्वाक्षण, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (१) के विधीय कृषणा

#### नारव प्रोचीन

## कार्मालय , तहायक बायकर बाय्क्ट (रिक्टीक्टक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं ० ग्रार ० ए० सी ० नं ० 966/85-86—यतः मु एम ० जगन मोहन

बारकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें 269-व के सधीन बंकन प्रापिकारी की, वंड विस्तात करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, विसन्ता स्थित वात्रार अन्व 1.00,000/- रा. से स्थित है

ग्रीर जिसकी सं०/घर है, जो कचीमंचीवारी आग्रहारम ब्लाक नं० 441-2 आमलापूरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के जार्यालय आमलापूरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम जुलाई 985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाधार मून्य है काम में सम्बद्धान प्रसिप्तक के लिए जन्तरित की गई है और मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि बम्मपूर्वोक्त सम्मित का अविद्य कामर जुन्य उसके सम्प्रात प्रक्षिक है हो इस्प्रेश का प्रतिकत का प्रसाह प्रतिवास स्थिक है और बंदरक (शैतरकों) और अंतरिती (बंतरितिवाँ) के बीच एवं बंदरक से विद्यु हम प्रमा यहा प्रतिक्रम, विकासितिया क्षुत्रोक है क्या बंदरक विश्वित में वास्तविक क्य से क्षीयत नहीं किया गया है :---

- (क्क) बन्तरम् तं हुन्दं मिन्नी बाय की बान्त्, जनस् विधिनिक्स के अभीत कार दोने के जन्तरक के कामित्व को कभी करने या उद्यसे बचने के नृत्रिका के लिए: और/या
- (क) एसी कियी जान ना कियी घर ना करू आस्थिती को, विक्तुं भारतीन वासकर गर्भिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त गर्भिनियम, या धन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती बुवाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिवाने में मुविधा के सिक्;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**क्ति व्यक्तियों, अर्था**ल म्न्य (1) श्री पी० तत्वभारायण मूर्ती भिन्न वी० जमनय्या, ग्रांर अन्य, कूचीगंचोवारी आग्रहारम, आमलापूरम, इस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरह)

(2) श्री बो र भूबा राव पिता भूबय्या, आइ र पोलावरम, मुमी बरवरम तालुक, जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरिती)

को वह सूचवा चादी कर्ज पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुई।

## **उन्ह सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बार्स**प :---

- (क) इस सुमना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सुम्बन की तानीन से 30 दिन की नविध, को भी अविध शह में समाप्त होती हो, के मीतर धूर्नोक्छ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के शावपण में प्रकाशन की तारीच के 45 वित के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किती क्ष्य काण्यि द्वारा वभाहस्ताक्षरी के शाव् जिक्कित में क्षिप्र था सकेंचे ।

स्थलीकरण:---इसमें प्रयुक्त ककों और वर्षों का, को उनकें अभिनियम के ज्ञान 20-क में पर्शितीया हीं, वहीं अर्थ होता को उन कथ्याण में दिया नदा हैं।

#### मन्सूची

घर नं ० 3-4-13, कुचीमंत्री वारी आग्रतारम, अमलापुरम तिना इस्ट गोरावरी, विस्तोर्ण भूमि 774 चौ०गच० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4236/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलापुरम ।

> एम० चगत मोह्न मक्षम अधि गरी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, **हैद**राबाद

वा**रीख**: 1!-3-1986

प्रकृष कार्य. टी. एन. एच्.....

# नायकर श्रीपनियन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के संधीन सूचना

#### THE RESERVE

## कार्याञ्च , सहायक आयकर आयुक्त (निह्निश्क)

अर्जन रेंल, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं०भार०ए०सी०नं० 967/85—86——यतः मुझे एम०जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क स' अधिक है

श्रीर जिनकी सं ० घर है, जो माधवधूरा विलेज सर्वे नं ० 45 (पार्ट) वैणाज में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय वैझाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाक्तर मृस्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितयों) के बीच प्रेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीकृषित उद्दर्शन से उच्च कन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृष्यित मही किया गया ही:——

- (क) जंतरण से हुन्द किसी बाय की बायत उक्त अधिक नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे दचने में मृतिका के िए कौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने इक्ष्णें जन्मी जन्मीहरी इवारा प्रकट नहीं किया ध्या था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविभा के किया

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन िगम्बित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 49---36GI/86

(1) श्रीमती बी ० लक्ष्मी बाइ पति आगेण्वार पास, ही ० नं ० 39-55-2ए, मुख्लीनगर, आए० इ० पोस्ट विषाखापटनम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें ० सननालु पति लक्ष्मी नरस्मिहा इमी, घर नं ० 31—22—3, दावा गाईनिम, विशाखापटनम । (अन्ति ती)

को कह क्षमा बाह्य कहके पृथाजित सम्परित के भूजीन के लिए कार्यवाहियां सुरू कारता हुए।

उन्न बन्धित के बर्चन के संबंध में कोई भी नानेप :---

- (क) इस ब्यूमा के राज्यम् में प्रकारम की तारीत हैं 45 दिन की भवीत या सरकम्बर्गी स्वित्सों पर ब्यूमा की संबीत से 30 दिन की स्वीम, के भी सर्वीय बाद में स्वास्त होती हो, के भीतर प्रवेतिस स्वित्वों में ते किसी व्यक्ति इतारा;
- (थ), इस कुमना के समयत में प्रकाशन की शारीक स 45 दिन की भीतर दनत स्थापर सम्मत्ति में हिस्बद्ध भ किसी जन्म कामित द्यारा जभोइस्ताक्षरी के अस सिवित में किए जा मकोंगे।

स्वक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पूर्वों का, यो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-स में परिशाधित हैं, बहुत वर्ष होंगा यो उस अध्याय में दिया एस हैं।

## धनुसूची

घर नं ० 39-5 2ए, माधवधारा विलेज, विणाखापटनम, सर्वे गं ० 45 (तर्ट) प्लॉट नं ० 86, विस्तोर्ण भूमि 266 2/3, ची ० गा, रिजिस्ट्रीक्वा विलेख नं ० 7648/85 एजिस्ट्री एती अधि-कारी विशाखापटनम् ।

> एम ागापमोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

्तरीख: 12-3-19**8**6

प्रकप आहे.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य , सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 968/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 196:1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इकके परचात् 'उनक अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है, जो न्यू कालोनी माधीनगर स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीकलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उपित बाजार नृस्य से कम के रश्यमाच प्रतिकाल के लिए अन्तिरत को गई है और पुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृज्य, उसके रहयभान प्रतिकास से, ऐसे रहयभान प्रतिकास के बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिखी (अंतरिशीचाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिरु तय वाया गया प्रतिकाल, निम्मितीखात उद्देश्य से उसत अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के फिल्ह; और/भा
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्वाप्त के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर किम्लिखित व्यक्तिकों, अधीत् :--- (1) श्रीमती ए० लक्ष्मी नारायणम्मा पतिलेट ए० रंगाराव और ग्रन्य, कालीवरम विलेज ग्रमदला वलसा मंदालम, श्रीकाश्रूलम जिला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० सोमेस्यर राव पिता ए० कृष्णा मूर्ती, कलीमा रोड, श्रीकाकुलम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भत्त के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभिया करसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दार्शक कं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्त व्यक्ति व्चारा अधोहस्ताकारी के पास किश्वित में किए वा सकोंगे।

स्यन्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उपका श्रीकितयम, के अध्याप 20-क में परिशावित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याप में दिया स्वाही।

## मन्स्ची

घर नं० 7--14 (1) 30 और घर नं० 7--14 (1)-31 विस्तीर्ण 607 चौ० गज, चौक वार्ड, न्यू कालनी गांधीनगर, श्रीकाकुलम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2502/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रीकाकुलम

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

**सारीख: 12-3-1986** 

शक्त नार्वाः की<sub>ल</sub> पुन्<sub>य</sub> पुत्र<sub>ार</sub> - त बननन

भागनार विवित्तिवृद्ध, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के वृधीन स्थान

#### SIZE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

हैवराबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1986

निर्द्रोण मं० श्रार० ये० सी० नं० 969/85-86---यसः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भास 269-व से वभीन वसन प्राधिकारी को यह विस्थाद करने का कारण है कि स्थानर कम्पीत , विषक्त विश्ति नावार कुन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पाटं म्राफ हाउस है, जो चप्पल बाजार, स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्णरूप से मिणित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय हैवराबाद भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) मधीन जुलाई 1985

को पूर्वोच्या सम्पर्ति के उपित बाबार बुक्य वे का के सम्मान अखिफ का के निय बन्तरित की नई है और मुक्ते यह विकास कारने का फारण है कि स्थापुर्वोच्या संपरित का उपित वाजार भूग्य, उद्ध है स्थामान प्रतिपाल सं, एसे स्थामान किफल का बाबार के बिएक है और बन्तरित (अन्तरितयों) व बीच एसे बन्तर्या के बिए तय बाबार निया गया प्रतिपाल, निम्निविचित उद्देश्य में उपत बन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्परक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा अभिर;

- (1) श्रीमती मुलताना कुदरत ग्राली पित मीर कुदरत ग्राली, 1. लैंकरे लेन, रीचमोंड टाउन बंगलीर (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री शिवराम यादव पिता विराप्पा यादव
  2. श्री सुदरशन यादव पिता विराप्पा यादव
  घर नं० 3-2-802, चप्पश्रवाजार, हैदराबाद
  (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्दा सन्तरित के वर्षन के सन्तरभ में कोई भी बार्स्ट x--

- (क) इस सूचना के समयम में प्रकाशन की शादीया से 45 दिन की नकीं। या तत्त्रम्मप्ती व्यक्तिकों पूर सूचना की वाजीन से 30 दिन की अन्ति, को भी महाभ नाव में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तिमों में वे किसी व्यक्ति इसाई;
- (क्) इस त्यता के राष्प्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्मूसि में हितवहब किती अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सर्वोंने।

स्यकालरण:— इसमें प्रवृत्त कर्मा गीर पर्यो का, को उपस सीमियन के सभाय 20-क में परिभाषिक ही<sub>(2)</sub> वहीं सर्व होगा थी उस सभाव में दिखा गवा हैंडी

### **मनुसूची**ं

घर का भाग, घर नं० 3-2-733, से घर नं० 3-2-736/ 1, घपलबाजार, हैदराबाद, विस्तीर्ण भूमि 202 चौ० गज, रजिस्ट्री-कृत बिलख नं० 4259/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षमप्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

कतात्र क्या, उपाय मीधीनयम की पारा 269-व के अमुखरम वा, मा, उपार अधिनियम की धारा 269-व को उपधाय (1) को संसीत मिक्किमिस स्थानित्यों, वर्षात् क्रिक्त

सा रीखा: 12-3-1986

**१५५**७ **नह**े डी., ५५., ५६., ००००

नावक ए व्यथितवन, 1961 (1961 का 43) की थाहा 269-न (1) के वधीन क्षना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर क्राक्यक (निरीक्त) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 970/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायक्र विभिन्निया , 196. (1961 का 43) (जिसे इक्षणें इसके परवात् विक्त विधिनियमें कहा गया है), जी वास्य 269-य के अवीन तक्षण प्राचिकारी को, यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थानर सम्बद्धा, विश्वास दिवत वास्यार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रपार्ट का हाउस है, जो चप्पल बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराकाद में भारतीय रिजस्ट्रो-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985

को प्योक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कथ के क्याबान विकास के लिए अंतरित की नई है और मृत्रों यह विववास करने कक्षों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जीवत बाबार शृश्व, उसके क्याबान प्रतिकृत हो, एसे क्याबान प्रतिकृत का बंदह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और बंदिरितों (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिविक स्, विकास है किया बंदिर वें बास्त्रिक कम से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरफ वे हुई सिकी नाम की वावत क्यार योध-पियम की मधीन कर दोने के बन्तरफ के दामित्व में कभी कर्तन वा क्यांचे क्या तो धुरिया के निम्ह बीर्/मा
- (थ) एथी किसी बाव या किसी धन या बन्य आहितयों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विविवयम, बा धन-कार विधिनयम, बा धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया का था या किया थाना कारीहर वा कियाने में ब्विधा की विद्यु

- (1) श्रीमती सुलताना कुदरत ग्राली पित मीर कुदरत ग्राली

  1. लोरेट लेन, रीचमोंड टाउन बंगलौर।
  (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री सी० नरसया यादव पिता मयसय्या यादव,
   2. सी० सोमन्ना पिता में सध्या यादव,
   घर नं० 3-2-544/1, चप्पल बाजार, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

कव्य बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राज्यण में प्रकाशन की तार्हीं से 45 दिन की शंक्षीय वा तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचन की तामीम से 30 दिन की नगीध, को भी नविध कर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स कानित्यों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस बूचना के राज्यपत्र में त्रकावन की तारीय से 45 विव को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बब्ध किसी क्या व्यक्ति ब्वास व्यक्ति की पास विवित में किए जा सकोंगे।

क्यक्कीकरभ्:—इत्तमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, यो उक्त विधिनियम, से बध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ष होता. यो उक्ष स्थाय में दिया वया ही।

#### वन्स्यो

धर का भाग, घर नं० 3-2-733 से 3-2-738/1, चप्पलबाजार, हैदराबाद, विस्तीणं भूमि 317 चौ० गर्ज, रजिस्ट्री इन्ना विलेख नं० 42/63/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबार

> एम० <mark>जगन मोहः</mark> सक्षम प्राधिकार्र सहायक श्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण] **मर्जन रेंज, हैदरादा**र

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण वा, मा, धक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 1/**2**-3-1986

मोहर।

## प्रकृष शाह .टी. एन. एस. ..... आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जामुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 971/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हैं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 5 1.00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं अपार्ट का हाउस है, जो चप्पल बाजार, में स्थित (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद भारतीय रिजस्वकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 198 को प्रभोक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के अध्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, किन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निए जित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिकित में वास्तिक क्ष्य से क्रियत नहीं किया गया है:—

- (फ) जन्तरण संहुर्दा कसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (ला) एंसी किसी शाय या किसी भण वा अन्य शास्तियों का, जिन्हें भारतीय शायकर श्रीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीभीनयम, या अनकर श्रीभीनयम, या अनकर श्रीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सूविधा श्री सिए:

कतः असे, उकत जीधीनथम की धारा 269-म की जनसरण में. में उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) में अधीन, निस्त्रीतिकित व्यक्तियों, स्मान \*\*\*

- (1) श्रीमती सुलताना कुदरत झाली पति मीर कुदरत झाली, 1. लीरेट लेन, रीचमोंड टाउन, बंगलौर। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री श्रीमती सी० बालामणी पति सी० महेंद्र यादव 2. श्रीमती जी० विकेटम्मा पति सी० यादवा, घर नं० 1-9-1063, श्रधीकमेंट, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

न्द्रों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन ने किए कार्यवाहियां करता हूं।

## क्क्स संवत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

रपथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त तब्दों बीर पर्वों का, को कस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ इोगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्त्रच

घर का भाग, घर नं० 3-2-733, से 738/1, सचप्पलबाझा, हैदराबाद, विस्तीणं भूमि 300 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4262/85, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम मधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैकराबाद

तारीख: 12-3-1986

## त्रक्त बाई बी . एन . एन . -----

## नावकर निर्मातमान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुवना

#### नारत तरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नामुक्त (किरीक्षण)

प्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० प्राप्० ए० सीं० नं० 972/85-86-श्राः म**झे,** एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रिक्षात् 'उक्त अधिनियम' आहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ओर जिनकी संविपार्ट प्राफ हाउम है, तथाजो चप्पलबाजार म स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता प्रविकार, के कार्यालय हैदराबाद भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिर नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत जुलाई 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का फारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, इसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुन्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

- (1) श्रीमती मुलताता कुद्यात ताली पति मीर कुद्दरत श्राली,
   तोर्रेभ लेन, रौजमोंड टाउन, बंगलीर ।
- (2) मास्टर सी॰ व्ही॰ राजेन्द्र भादव (माइरः) वाइ माइनर पर गार्डीयन पिता ग्रीरिश्री सी॰ यादव अं।२ फ्रन्स, चम्पलवाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिता)

(श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्कारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिना गया है।

#### समय जी

भू घर का भाग धर नं० 3-2-733 से 736/1, चप्पल बाजार हैदराबाद,विस्तीर्ण भूमि 323 चंठि गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4264/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) स्रजन रेंज, हैदराबाद

अस: अब, उच्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उच्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभाराः(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:——

तारीख: 12-3-1986

## प्रस्त बार्ड . टी., प्र., एड.,-----------

# बायकर लीभीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से लभीन सुचना

#### मारत परकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सो० नं० 973/85→86 - श्रतः मझे एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते शा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उचित बाबार भूस्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० मतमो दुष्ठा है, तथा जो नामपल्ली भी स्थित है (औरइससे उपावद प्रमुखी में भ्रीर पूर्ण क्य से बर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ना पिति अर्र के कार्याच्य हैन्सवाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1903 1903 का 16) के धर्धीन जलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के दूरयमान क्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुशे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का रिन्त आगर मृद्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योदय से उसत अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किशत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण तं कृषं किसीं बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने की अन्तरक के द्यवित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के निए; और/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को विक्ह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या वव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सविधा अस्तिए।

(1) श्री मोहम्मुद आज्ञमहील खान पिता खेट मोहम्मद रहीम खान, बेंद्रवोषटनम, हैदराबाद

(अन्तरकः)

(2) 1. हुमती बाद (2) बकीर हुमत पिता लेट श्री रोजक हुमा, की म कोठा, बसीरताम, हैदराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचेना जारी करके पृत्रीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति में वर्जन में संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज वें 45 दिन की नवीं या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इव व्यवा वे हाव्यक्त में प्रकादन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

#### मन्स्ची

मुलगी दुकान) नं० 5-8-107/बीं० नामणल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण भूमि 49.44 चीं० गण० रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3932/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारो महाधक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजन रेंग, हैक्सवाद

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरक मों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

**भारीख: 12-3-1986** 

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरग 269 घ (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकार कायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० प्राप्त ए० सो० नं० 974/85-86--श्रत: मुझे एम० जगन मोहन,

शायकर शिंधियम 1961 (1961 का 43) (विन्ते इच्चमें एसको पश्चात् 'उनस लिंधियम' कहा गया ही,, की धारा 269-व के सभीन स्वाम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का आहल है कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका उपित वाचार भूका 1,00,000/- क से सिधक है

आर जिसकी सं० घर है, जा मोसायटो कालनी में स्थितहै (और इससे उपाबद प्रतुस्वी में और पूर्ण रूप मे धाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता पश्चिमार्ग के कार्यालय, प्रोडटूर में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनिधम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मून्य ने काम के स्वयंत्र शिक्त के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मूकों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाक्तर मूक्त उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिवित से शास्तिक हैं भारतिक हमें

- (क) अन्तर्भ वे हुई फिली बाब की बावत, अवध् अधिवित्य के वशीय कर योगे के अन्तर्रक के शामित्य के कभी कर्य वा उच्च वस्पे में श्रीहणा के लिए; बॉड/बा
- (क) एंनी किसी नाय वा किसी धन या जन्य आरिसाकों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर निभीनवम्, 1922 (1922 को 11) या उन्त निभीनयम, वा धनकर निभीनयम, वा धनकर निभीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वौ सिष्ट?

अतः क्ष्या, अक्त विधितियम की धारा 269-ग को वन्सरण मा, सी, अक्त विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं लक्षीत्र, निम्नीसि**धत व्यक्तियों वधार**न ः----

- (1) श्रीमती डी० लक्ष्मी देवम्या कृष्णा मूर्ती, सामानदी कालनी प्रोडटूर, जला जिला श्रानंतपुर (१५ स्थ
- (2) श्री जे० लक्ष्मी रेड्डी पिता ज० व्यय्या, 8/92, श्री रामूलुपेट, प्रीडटर, जिला श्री असपुर। (जन्मन्ति)

को यह सूचना चारी करके पृशांकत सपत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां <sup>सूच</sup> करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की बंदीभ सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पनों का, जो उकत आयकरें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मम्स्ची

घर नं 3/250 सोपायटी काननी, प्रोडेट्र, प्रानन्तपुर जिला, विस्तीर्ण भूमि 465 ची गज, रिनर्स्ट्रीकृत विलेख नं 3964/86 रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी प्रोदाट्र ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (िरीक्षणि) ग्रजन रेंज, हैं-राबाद

तारीख : 12--3--1986

शक्य बार्ड , टी., एव*. व्*च.,-------

जायकर जीवनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

## कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशका) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० द्यार० ए० सी० नं० 975/85—86--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

नामकर निर्मागम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवास 'उन्त निर्मागम' नहा पया ही, की धारा 269-अ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

और जिसकी सं विष्कृत है, जो छेयनगर, नल्लाकुटा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय चिक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जलाई-1985

को न्वोंक्त संपरित के जीवत बाजार मृज्य से का के व्यथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके देण्यमान प्रतिफल से ,,एसे देण्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितवों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्वेष्य से उक्त बंतरण सिक्ति में बास्तीयक इप हो सिकत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ने हुन्द जिल्ली बाव की बावस, यावस जीप-निक्षम के अवींन कर दोने के जन्तरफ की स्वीताय को क्षश्री करने या उत्तत वचने को स्विधा के निए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी पन या जन्य जात्सियों को, चिन्हों भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिन्नियम, वा अवकर विभिन्नियम, वा अवकर विभिन्नियम, वा अवकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सविधा के विका;

सबत बाब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग को अनुसरण हैं, मी, उक्त जीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) ले लक्षीर गिम्मिकिवित क्विकार्यों अधीन 50 -36GI/8€ (1) श्री एन० मुख्याराच नन्दूरी काटेज, श्रीनियास नगर, यिजथवाडा

(धन्तरक)

(2) डा० श्रीमता गुनन्दा चालवेकर, घर नं० 1-8-725/ मो $\kappa/1$ , श्राचार्यनगर, नस्लकूटा, हैदराबाद-44 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

## उन्तर सम्पत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तर :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति , को धीं अविध बाद में समाप्त होती हो, को धीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 दिन के भीतर उकत सम्पत्ति में हिसक्स किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकी ।

स्थादिकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो विका श्रीभिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ हुरेशा जो जम अध्याय में दिखा। पदा ही।

## **अनुसूची**

घर न'० 1-8-725/बी6/1, श्राचार्यनगर, नल्लाकुटा, हैरएबार, चिस्तीण भूमि 365 ची० गज रिज्रस्ट्रीकृत विसेख नं॰ 996/35, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एस० जनम मोहन सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ुंध्रजेन रेंज, हैदराबाद

जरीख: -- 3-1986

## प्रकल कार्यः, दी. एतः एस......

## ह्याकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कायानय, तहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 976/85 - 86 - प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० इमारत, जो फीस मार्केट में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,श्रिध-कारों के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1985

को प्रॉक्त कम्मीत के उचित नाचार मृत्य से कम के क्यावान प्रतिकत के किए अन्तरित की गई और मृत्ते यह निक्यांक करने का कारण ही कि मणाप्रॉक्त कम्मीत का उचित नाजार क्या, उनके क्याना प्रतिकत से एरो क्यामान प्रतिकत का क्याइ प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और क्यारिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके बन्तरण के निष् क्या क्या गया प्रतिकत, निम्मीमाँचत क्यारेन से उक्य अन्तरक निवास में भारतीयक क्या से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संशुद्धं सिकी जान की शासत, स्था जिलियम के जभीन कर दोने खें अन्तरक के शायित्व में कजी करने या उससे ज्याने में गृविभा के लिए; बीर/या
- (क) एगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने को नृविभा को निए;

बतः सब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वा, भी, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) (1) श्रीमती एउ० सरिधा, ७२, दोवेटान रोड, बोलायम सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मावित्री सिंग, 7-1-731, मार्केट स्ट्रीट, मिकन्दराबाद।

(प्रन्तरिती)

को बहु कृषमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिस कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त राज्यित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीय थे 45 दिन की बविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 विव के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के शस निवित में किए वा सकेंगे।

स्पक्षीक रण: --- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उनते अभिनिवम् के नध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा भी उस अध्याय में दिशा विकासना हैं 🖫

## धमुसूची

वो मंजिल की इमारत महमारत नं० 7-2-793, ड्राथ फीस मार्केट मिकरदराबाद, विस्तीर्ग भूमि 41 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विखय नं० 259/85 रजिस्ट्रीकर्नी शिक्षकारी मिकरदराबाद।

> एम० जगत मोहन सक्षम श्रधिकारी सहाबक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

प्रथम बाइ"्. टी., एन्., एख्.,-----

बायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन तुचना

#### मारत श्रदकार

## कार्वातयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्तिक)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1986

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 977/85—86——यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00000/र रूपये से अधिक हैं

और जिमकी सं० भूमि है, जो नल्लाबंदागुडम चिल ज चीमीरेला बार्डर में स्थित है (और इससे उपाबर्द अनुसूची और पूर्ण कप घणित है), रिजल्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय को बार, में भारतीय रिजल्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूब्यमान प्रतिफल से, एसे रूब्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए रूप पामा गया अतिफल, निम्नसिचित उच्चरेय से उक्त अन्तरफ लिखित बालाबिक रूप म कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण वं हुई थिकी बाव की बावस स्वयं विध-विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उत्तरी वचने में सुर्देवधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या धन या करण वास्तियों की, जिस्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना चाहिए वा, जियाने ये मुनिधा ले सिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे बंधीन, मिम्नलिकिक व्यक्तिकों, कर्मक ड---

- (1) श्री इ० कोटस्था पिता नरसस्या और प्रन्य चीमीरेला चिलेज, कोदाधा तालुक कृष्णा जिला (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स एम० वी० इ० सी० कन्स्ट्रकशन (प्रा०) सि०, बाइ डाएरेक्टर श्री सचिव आजाद भुमार, कांग्रेस श्राफिस रोड, ग० हरनरपेट, विजयवाडा-2 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्यके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जनत सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई **भी वास्तर** :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकायन की वारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की वानीस से 30 दिन की अवधि, को भी सबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपृथ किसी बन्य व्यक्ति दुवारा वभाहस्ताक्षरी के पाव सिस्तित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकारणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रौर पदों का, को उच्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा

#### मन्त्रची.

वितीर्ण 4 एकर भूमि नल्लाबन्दा गुडेम चोमीरेला बाउन्डरी जिला नलगोंडा तालुक कोदाडा, रजिस्ट्रोक्कत विलेख सं ं 2199/35, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारो कोदाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा: 12--3--1986

## **एक्ष्य आह**्दी .पुष पुष्कु ,ा-रामानामाना

## नायकर निपित्त्वस , 14961 (1961 का 43) की भारत 269-व(1) के सभीन त्वना

भारत सरकार

## कांगीन्य, सहायुक कावस्य द कायुक्त (निरक्तिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 978/85-86-श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कारकर निर्मानक, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्यास् (उनत विधिनक) कहा पता है), की धन्न 269-क के नधीन सक्षम श्राधिकारी को वह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर संपर्तित, जिसका संचित वाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से नधिक हैं

और जिसकों सं विष्य है, जो सेलतानबाझा में स्थितहै (और इससे उनाबद अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय है इराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, जलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाधार मृत्य से कम के सम्बन्धान शित्रफल के सिए मन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास कारणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्यू, उसके स्वयमान प्रतिफल से, होसे स्वयमान प्रतिफल का न्यूड़ प्रतिकात से अधिक हो आरे बंद्रहक (मंबरकों) और बंद्रितिति (अंकरितियाँ) के बीच पूर्व कंस्कूड़ के लिख बन पाना क्या प्रतिकात निम्नुशिवाद स्वयूड़ के अपन बन्दर्स किवाद में स्वयूड़ स्वयूड़ के किया विश्वाद से स्वयूड़ के स्वयू

- (क) नामक्षण वं शुद्ध मिली जाय की पायकः। वश्य महित्रित्त्य के स्थीप कर दोने की जानका की वाजिया की विद्या नोक की करने वा क्यां वस्ते के वृत्या के विद्या नोक की करने वा क्यां वस्ते के वृत्या के विद्या नोक वी
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को विन्दी भारतीय बायकर मुश्तियन, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिविष्य, वा धन-कड अधिविष्य, वा धन-कड अधिविष्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती बुकारा प्रकट महीं किया एवा था वा किया आर्था आर्थि वाहिये था, किया में बुविषा में विष्र;

बार अंध, उन्त गिर्मियम की भारा 269-म के अमृतरण के, मी, उन्त मुभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के ब्रिश्तिक निकासित व्यक्तियों, क्येंद्र :---

(1) श्रीमती सत्यक्तना बाइ पिता जी विठल और ग्रन्य 5, 3-4-15/12-ए, डा॰ भूमका मार्ग, लिंगमपस्ली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री कृष्णा मुररका
2. श्रीमती सम्पत देवि माररका
4-5-840, बडो चावडी, सुलतान बाजार,
हैदराबाद।

(ग्रन्तिरतो)

का यह सूचना बाद्रा करके पूर्वोचन सम्बद्धित के वर्धित के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बन्द संपरित के कर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कै 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्थान्थी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की वविध, जो भी नविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
  पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

रन्कि का .— इसमें प्रमुक्त सम्बों सूरि पृत्तों का , जो स्वतं कृषिन विवस के मुख्याय 20-क में परिभाषित ही, वही सूर्व होता, जो उस मध्याय में दिया गया ही।

## भन्स्ची

घर नं० 4-2-107 से 110 सुलतान बाजार, हैदराबाद, विस्तर्ण भूमि 25 चौ० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4150/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रश्नधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरोक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

**तारीख:** 12-3-1986

प्रक्ष बाइ ु टी ु एवं ु एस्,ु-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जागुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० भार० ये० सी० नं० 979/85-86-यतः मुझे; एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

आँर जिसको सं०/घर है, जो उजली बाग, हान्सकोंडा स्थित है(और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वरंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधोन, जुलाई 1985

- को पृथोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के खिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित क्हीं किया गया है ं.──
  - (क) अन्तरण से हुई फिसी आध की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे बखने में प्रतिधा के लिए; और/वा
  - (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए॥
- अतः प्रभा, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपशारा (1) को अभीला, निम्मिसीयत व्यक्तियों, सभौत् क्र--

(1) श्रीमती ए० सरोजना पिता भाइलम्या और श्रन्य, 20-15-99, फोर्ट, बरंगल।

(प्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ नरसिम्हा रेड्डी पता, विरा रेड्डी और अन्य 7-7-148, ऊजली बाग, हानमकोंडा वरगल। (अन्तरिती

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध साद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपन के प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल-बद्ध किसी नन्य व्यक्ति य्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकतें।

क्थकिकरफ:--इसमें प्रयुक्त कर्जी और पर्यो का, को उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय। गया है।

#### मन्सूची

घर नं० 7-7-148, ऊजली बाग, हानमकोंडा, वरंगल, विस्तीर्ण भूमि 130 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 1587/-85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वरंगल।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निकीक्षण) श्रजन रोंज, हैदराबाद

तारीय: 12-3-1986

बच्च बाह्ये । यो । यद् । प्रवृत्तानानान

नायकर म्यिनियम, 1961 (1961 मा 43) की पाछ 269-छ (1) के मधीन स्थान

#### शारुष प्रकार

कार्याशव, सहावक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० श्रार० ये० सी० सं० 980/85-86--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ण्याट है, जो शेकपेट विलेज ज्विली हिल्म में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याच्य, हैदराबाद में रिजस किरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 85,

को प्रॉक्ष सम्मत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए मंतरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार कृष्य, असके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से मिथक है और कन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पामा गया प्रतिक्रल, निम्नीसिंख उक्षक्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्करण से हुई किसी आय की शावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खियल में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के शिष्ठ; जरि/वा
- (स) एंसी किसी बाय वा हैकसी बन वा अन्य जास्तियों को, चिन्हें अप्रतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विभिन्नियम या भन कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा वा विभ्या जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के हैंस्य;

अंतः वय, अक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, वी, उक्त विभिनियम की भारा-269-थ की उपभारा (1) के अभी।, निम्निनियस व्यक्तिसीं, अभीत् :-- (1) श्री नित्ती ग ग्रोधर पिता रमण, ग्रोधर, जीव्यीवए श्रीमिति गारदा ग्रोधर, ए~8/2, मल्टो स्टोरोड फ्लैट्स, ग्रारव केव पूरम, न्यूव देहली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोक फरीद पिता राम भ साहेब,
 3-222/8/45, मधूरा नगर, बेंगलराचनगर,
 हैदराबाद !।

(प्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तंपीत्त के अर्थन के विसर कार्यवाहियां करता हु∵।

उन्त बन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा मधाहरताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनुसची

ण्लाट सं 12 ए, जुबिलां हिल्स, को०-श्रापरेटिच हाउस बिल्डिंग मोसायटी लि०, हैं इराबाद सर्वे सं० (ओल्ड) 403/1, णेक्षपेट, विलेज, हैदराबाद, बिस्तीर्ण भूमि 945 चौ० गज, रजिस्ट्रो-कृत विलेख सं०3921/85, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-19**8**6

## प्रचन् बार्षः ठी । यन् । एव । ५००००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के सभीन मुचना

भारत सरकार

भागांत्रय, **सञ्चानक मानकार नान्त्रत (निरीक्षण)** श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

ृतिदींज श्रार० ए० सो० सं० 981/85-86-श्रतः मुझे, एस० जगन मोहन,

नायकर सिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (चिंचे स्वाचे इसके प्राचात 'उनत जीविनियम' कहा पमा हैं), की पाछ 269-च के नभीन सक्षम प्राचिकारों को वह विस्तात करने का फारण हैं कि स्वावर सम्बद्धि, विश्वक स्वीचा अध्यार भूग्य 1,00,000/- रा. से जीभक हैं

और जिसकी सं घर है, जो एम जो जो हो। नियर गोपालस्वामो टैम्पल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रिनस्ट्रोकर्ता पिधकारी के कार्यालय, वरंगल में रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 85,

को प्वॉक्स सम्मित के दिवस शवार ब्रुक से क्षम के इस्पमान । निफल के लिए बन्दिरत की नई है और मुक्के यह विद्यास कको का कारण है कि बचा प्यॉक्त क्षमति का खीतत वाणार ब्रुक्त असके दरयमान प्रतिकल से, एोसे दरबजान प्रतिकल के पन्तह प्रतिकत से अधिक है और बंदरक (बंदरकों) भीर बंदरिती (बंदरितियों) को बीच एोसे अन्तर्ज को लिए तय पाया गया । प्रतिकल, निम्निलियित उद्योग्य से अबंद बन्दरण विविद्य में वास्तिवक रूप से कियद नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त बीधित्यक के बधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/था
- (थ) ऐसी किसी नाय ना किसी धन या नम्भ नास्तियों को, जिन्हें शारतीय नाय-कार निवित्यम, 1922 (1922 का 11) वा जनस अधिनियम, वा यय-कार विधितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रधोकनाथ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वह या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के किय;

कतः अव, बज्रत विधिनियम की भारा 269-थ की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, जर्थात् :---  त्रोमकी जीव लक्ष्मी पित तरसय्या , माटेबाछा, वरंगल

(अन्तर्क)

(2) 1. श्रीमती एम० ामका पति कोमरथ्या 2. श्रोमती एग० सरोजना पति चन्दर राख, 14-1-52, नियर गीपाल स्वामी टेम्पल, एम० जी० रोख, वरंगल ।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना ब्राप्टी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्थन के तियह ज्यार्थशिक्तां कारका हुं।

रामक संपत्ति के अर्थन की संबंध की कार्ड की वार्क्षण हु---

- (क) इस तुमना के समयन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की सर्वीय या तत्वंतंत्री व्यक्तियों पर भूषना की तानील से 30 दिन की संदीय, यां की संदीय नाद में समाप्त होती हो, में मीतर प्रवॉक्त स्थिततों में से फिसी व्यक्ति ध्वारः;
  - (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी जन्म स्थायत व्यापा जधोहत्ताकरी के पात सिविस में किए या सकीचे।

ल्याधारण:—-इतमें श्रवृत्त सन्दों तीर पर्यो का, तो प्रवेश अधिनियम के अध्याय 20-क में परि गरिक ही, यही वर्ष होना को उस सम्बंध में दिखा सन्दाही।

## वपृत्यी

घर सं 014-1--52, नियर गोपालस्वामी टेम्पल, एम० जी • रोड, घरंगल,विस्तीणं भूमि 231 ची० गत. रिजस्ट्रीकृत विलेख सं 0 1517/85, रिजस्ट्रीकृती प्रिधकारी घरंगल ।

एम० जगन मोहन सक्षन प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुत्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, **है**दरा**याद** 

सारीक: 12-3-1986

मोहर

(अन्तरक)

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० प्रार० ये० सी० सं० 982/85-86--प्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पार्ट प्राफ हाउस है, जो चण्यत बाजार में स्थित है (और इसने जुलाई 'अनुसूचो में और पूर्ण रूप मे धणित है), रिजस्ट्रीकर्ता 'प्रधिकारी के कार्याक्षय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक आकर्ष 85,

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के जिन्त बाजार ब्रुग्य में काम के स्वक्षमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास अरने का कारण है कि यथापुंचींकत सम्पत्ति का उचित बाजार अस्प, उसके स्वयमान प्रतिफल को चंद्रह प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिहा में जास्तिक हम से किया नम्मी

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त कमी करने या उससे बचने वे सूबिधा के किए; नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, कियाने में सूबिधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमर्ता गुलताना कुन्त श्राली पति मीर शुदरत श्राली, 1. लौरेल जन, रीचमांड टाउन, बंगलीय
- (2) 1. श्री एस० गोपाल यादच पिता एस अंजया,
  2. श्रीमित यस० प्रमीला पति यस० गोपाल यादच,
  3-2-773, चप्पल वाजार, हैदराझाद
  (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 विस को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , को भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना को राजा न में प्रकाशन की सारीय वे 45 विन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्यव्दीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हंगा जो उस अध्याय में विवा पया है।

## अम्सूची

धर का भाग, घर सं० 3 · 2 · 733 मे 736/1, चप्पल-बाजार, हैंदराबाद, विस्तीर्ण भूमि 224 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4260/85, रिजस्ट्रीयानी अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राक्तिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेख, हैदराबाद

दिनांक : 12-3-19**8**6

मोहर ।

हक्त बाह्य हों, एन, एस,-----

नाव्यार विधितव्यः, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) वे व्योग ब्यान

## TEG SEE

# कार्यान्त्, बहायक नावकर मान्यत् (निर्यान्त्र)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

ग्रार० ये० सी० सं० 991/85-86-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निश्नियम, 1961 (1981 का 43) (निर्ध इक्ट इक्ट पश्चात उनत मीचिनश्च कहा गया है) की भारा 269-व में सभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्याब करने का कारण है कि स्थायर सम्बद्धित, विश्वका उचित बाबार नम्ब 0,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सीनेमा टाकीज, इमारत और दुकान है, जो कदरा टाउन में स्थित है (भीर उससे उपाबद्ध धनसूची में और पूर्ण रूप से विशत है), रजिस्ट्रीकर्ती धिधकारों के कार्यालय, कदारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7/85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम वे हुई जिल्ली नाम की जावता, अवत वीपीन्त्रम वे वापीन फर दोने के बन्तरफ के क्षतित्व वे कनी करने वा उवर्ष ज्याने में बृविधा के जिए; वार्य/ना
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, विन्हें शारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वाथ प्रकट नहीं किया नक वा वा किया नोता वाहिए था, कियाने में जिल्हा से विषष्ट;

सतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) वे वर्षान, निम्निसिक्त व्यक्तिकों, वर्षात :---51.--36GI/86

- (1) श्री साने बोनूर रेड्डी पिता पि० घरा रेड्डी, थम्बापुरम, सांगला, कदोरी तालुक, औन श्रन्य 3 (अन्तरक)
- (2) श्री ओ नाबासय्या पिता श्रादीनारायणा श्रप्पा, ग्रार० यस० रोड, कवीरी, श्रानन्तपुर जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू कराश हूं।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के प्रीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुषुची

1/6 थ शेर सिनेमा टाकीज, विजया टाकीज; और दुकान कुल क्षेत्रफल 2856 चौ॰ गज; कदीरी टाउन, प्रानन्तपुरा जिला, रजिस्ट्रोकृत विलेख सं० 3417/3418,3419 और 3420/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कवीरी ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोंक / 12-3-1986

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

**जायंकर मधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के अधीय सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक प्राप्ता अप्राप्तात (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986 श्रार० ये० सी० सं० 1020/85-86---यसः मुझे, एम० श्रारन मोहन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धरा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काएण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका लिखा लिखा हाएगर ग्रहरा

1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि है, जो नल्लाबंडागृष्ठम विलेज, चीमीरेला वॉण्डा स्थित है (और इससे उपाह्मद्व प्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोदाड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 7/85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुई किसी शाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिक्षा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिवियम, या धनकर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध— (1) श्री ई० कोटय्या पिता नरसय्या श्रीर धन्य 6, नल्लाबंडागुडम विलेख, चीशारीला, कोदाड सालुक, जिला नंलगोंडा र

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स यस० ह्वी० ई० सी०, पोली पैक प्रा० लि० बाइ मैंम नेजिंग डाइरेक्टर श्री सी० एच०, श्राजाव कुमार, कांग्रेस ग्राफ़िस रोड, गवर्नर पेट, विजयवाड़ा-2 (ग्रन्सरिती)

को ग्रह स्चरा शरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

जक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर राष्ट्र की कार्यों से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद के पामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना है, राजपत्र तें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदर टक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध फिमी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

विस्तीर्ण भूमि 4 एकड, नरुलाबडा गुडम विलेण, चीमीरेला बाण्ड्री, कोदाड तालुक जिला नलगोंडा, सर्वे सं० 337 और 338 रिजस्ट्रीकर्ता विलेख सं० 2198/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी— कोदाड ।

एम० जगतमोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

धिनांक : 12-3-1986

जगन मोहन,

प्रारूप क्षान टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

## कामीलय, सहामक जामकर जामकर (जिस्काम) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 मार्च 1986 ग्रार० ये० सी० सं० 1021/85-86--यसः मुझे, एम०

गायकर मधिनियम, 1961 (1961 कः 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 265-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ड्राय लण्ड है, जो थीमापुर विलेज, में स्थित है (और इसमें उपाबब श्रनुसूची में और पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, णादनगर, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 7/85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कक्करित की गई और मुभा यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोब्स सम्पत्ति का अश्वित बाजार मूल्य, उसके बर्यमान प्रतिफल से एने पर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अश्विक हैं और अन्तरक (अनसरकाँ) और अन्तरक (अनसरकाँ) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित यो अस्तर्य अन्तरण सिश्चित यो अस्तर्यका अन्तरण

- (क.) प्रकारण सामृद्धा किसी अप की कायस, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य को कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के किए;

अतः अधः, उत्कत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण थें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, शिक्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात ह—ः

- (1) श्रीमती श्रश्नपूरणा बलरामन पति टी० एस० बलरामन, 8-2-326/5, बंजारा हिल्त, रोड नं० 3, हैदराबाद। (मृन्तरक)
- (2) श्री रामप्रसाद गोयेंकर पिता श्री केशव प्रसाद गोयेंकर, 18, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता बाई जीपीए श्री प्रेम भूशन गुप्ता, 6-1-79, लकडीका, पुल, हैदराबाद । (ग्रन्तरिती)

का यह भूषना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमरा सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच के 45 विन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यकिसयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों दिसबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाद निश्चित में अन्य व्यक्ति या सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमं प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, शो उक्त जीवानियम के अध्यात 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

वंजर भूमि सर्वे सं० 101, विस्तीर्ण 3-36 एकड़, और सर्वे सं० III श्र एकड़ 1-4 पूँठे कुल क्षेत्र पांच एकड़, धीमापुर विलेज, णायकगर, तालुङ, महबूबनगर, जिला रजिट्रीकृत विलेख सं० 585/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी शादनगर।

एम् जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-3-1986

मक्स बाहुँ हो हो पुरु पुरु हुन है है है

बावकार मीर्पनिवय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुशीन सुमना

#### बार्क बहुन्त

# कार्याजन, सहायक नायकर वायुक्त (निर्याजा),

श्चर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1986

भार० ये० सी० सं० 1022/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन.

मानकर् भीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत भीधियमा' बहा गया ही कि धारा 269-च के मधीय उसम प्रतिकारी को यह निकास करने का कारण ही कि स्थायर अन्तिस, विचका क्षेत्रस वामार मुक्य 1,00,000/- रु. से मीधक ही

भौर जिसकी सं घर है, जो मुस्तीयरगंज, स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7/1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विष्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिसत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्ति विक स्पृ से क्यिश किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त किथिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्योजनार्थ अंतरिती क्यारा प्रकट मही किया गया था का किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के हिन्हों।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसित्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सुमिन्ना बेन पति दाया किशन गोयल 1-1-230/6, चीमकडपस्ली, हैदराबाद ।
- (1) श्री पी० शकरय्या पिता पी० शिवराणय्या, 21, हैदर बस्ती, सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरिती)

## को कह बुजना जाड़ी कुड़के पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के निष् कार्यपाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इ.स. सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शाद के जनता होती हो, के जीतर वर्षों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पढिज्ञीक रणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

घर सं० 15-1-513, 514, मुक्तीयार गंज, हैदराबाद, विस्तीर्ण भूमि 47.52 गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख वि लेख सं० 4215,85 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी\_ सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-3-1986

अक्षय जार्च ही धन हस अक्षय

नायकर निभिनिधम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

#### भारत त्ररकार

कार्यानव, त्रहायक बावकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 भार्ष 1986

मार० ये० सी० स'० 1023/85-8मैं--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गथा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,90,000/- रा. से सिथक हैं

और जिसकी न'॰ इमारत है, जो सलीमनगर कालोनी मलकपेट स्थित है और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भागतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 7/85,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्योख से उनत अन्तरण किवित में अस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ जिल्ती जाय की नावत, उनक जिल्लीनयम के जभीन कर दोने के अस्तरक के वाजित्य में कमी करने वा उत्तक क्याने में सूर्णिभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जात्तिर्वा का, जिन्ही भारतीय जाय-कर किमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वो निए;

बता वय, उक्त वॉभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरक कों, कों, उक्त अभिनियम को भारा 269-व की उपभास (१) के अभीन, निम्नीलिवित व्यक्तियों, अभीत्:——

- (1) श्रीमती बि० भारती देवी पति श्री रिवन्दनाय, 2-1-514/2, नल्लाकूंटा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीएम० के० झीनूलाबदीन पिता ती० ए० एम० खादर और अन्य ।

15-5-668, ग्रफजल गंज, हैवराबाद । (ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिध् कार्यकाहियां करता हूं।

अन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस बूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जनभि या तरसंगंभी व्यक्तियों पर बूचना की सानीज से 30 दिन की जनभि, जो भी नवभि नास में समस्त होती हो, को मीदर पूर्नोंकर काक्तिमों में से विकास का निकासना;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीवर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवयुथ किसी मृख का किस युवारा सधोहरूताक्षरी के पास विकित में किस का सकेंगे।

स्पन्दीकरण्:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, वो अवस विधिनियम, को शब्दाव 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

## अनुसूची

रो मंजिल की इमारत, इसारत सं $\circ/16$ -1-310/14/ए; प्लाट सं $\circ$  37, सलीमनगर, कालोनी मलकपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण भूमि 500 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं $\circ$  402,1/85, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

एम० मोगन मंहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन जर्रेज, हैदराबाद

विनोक : 14--3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदपायाद, दिनांक 14 मार्च 1986

न्नार् ये सो० सं० 1024/85 -86--यतः मुझे, एम० जगाः मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़्के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकीं सं ब्रह्म लैण्ड विथ हा के है, जो प्रशासहाड जिला रंगारेडुं: में स्थित है (और इसके जाउन्छ : नांची में और पूर्ण-रूप से विश्व है), किस्ट्रेंडकी एकिए। के जार्यालय, रगारेड्डी जिला में भारतीय कोस्ट्रेंडकण किकियम, 1908 (1908 का 16) के कोटी किसेंड प्रीहात प्रीहात

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. श्री कोर्नाराण ग्रामण
 ३. श्री स्पालिम ग्राप्तान,
 घर नं० 3-4-829/1, बरकतपुरा,
 हैक्सबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री दानोदरदास लाहिया गिता लेट रघुनाथ दरजा, घर नं० 15-7-247, बेगमा बाजार, हैदराबाद । (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

वं तरन्ति विस्तं र्षे 15-31 एकड़, गगमनाहाड़, र**गारेड्डो** जिला, मर्बे संव 163/ए, 169/ए 170 17/ए 177 और 173/विव परिष्**ट्री**जा दिलेज संव 4815/35 रजिस्ट्रायती दक्षिकारी रंगारेडी जिला ।

> ्षठ झगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर गायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांग : 14-3-1986

मोहर

प्रकृष बाद". टी. एन. एसं. -----

बायकार विधितिसक, 1961 (1961 की 43) की धार 269-व (1) के वधीन सूचना

## भारत दरकार

कार्यासय, सहायक बासकार बायुक्त (निरक्षिण)

यर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1025/85-86--श्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की पाए 269-या के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वान करने का धारण है कि स्थावर सम्बीत, जिसका जीवत बाबार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और तिसान सं० भूमि है, जो बंतारा हिल्स, रोड नं० 13 में स्थित है (और इसमे उराबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित है) रिजर्स्ट्रांकर्ता प्रिकार्रः के वार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, ज्लाई 1985

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कम संपत्ति का उचित बाजार बुल्ब, उसकी द्रायमान प्रतिफल ते एने व्यममान प्रतिफल का पन्दि प्रतिकृत से विश्व है और वह कि बंतरक (बंतरक) और बंसरिती रिती (बन्विरितियों) के बीच एते बन्तरण के लिए तब पामा नया प्रतिकृत, निम्मिनितित उद्योध्य में उक्त बन्तरण सिवित के वास्तिक एए में को दन नहीं जिल्हा नया है है

- (क) अन्तरक से हुई किसी नाव की वायत, उक्त विधिनियम को वर्षींग कर देने के अन्तरक को दायित्व के कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ब्राडि/का
- ि एसी किसी आय या किसी धन का बन्स बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धनकर कीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ धन्तिरोी प्रवास प्रकट नहीं किसा गया था ना किया काना साहिए था कियाने यो सविधा के लिए;

बत: केब, उक्त कीधनियम की धारा 269-न के वन्तरक कें, में, उक्त किधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कधीत, निम्निनियन क्योवस्यों, तथांत :---

- (1) श्री वी॰ वी॰ रामशर्मी,

  12-2-717/1/55,

  सप्तरगीरीनगर, नियर पी॰ एण्ड टी॰ कालोनी,
  रथी बाबली, हैदराबाद-28।
  - (भ्रन्सरक)
- (2) श्री एस० रामचन्द्रा रेड्डी, रोड नं० 13, घर नं० 8--2-674/2/बि4/4, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके प्वोंकत सम्मत्ति के वर्जन के निष्ध कार्यवाहियां करता हुं।

तक्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी सक्षेष ह-

- (क) इस ब्यान के राज्यन में प्रकाबन की रार्रीक के 45 दिन की नदीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् त्यान की तासील से 30 दिन की नदीं में औं नुवाध के में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तिता में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की तारीक् हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए या सर्जीय ।

स्थाक्ष्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो खक्छ बीधिनियम के बध्याय 20-क में परिशाशिक्त ही, वहीं शर्थ होगा, जो उस बध्याय वें विद्याः मवा ही ॥

#### व्यक्ष

भूमि और इमारत, नं० 8-2-674/2/बि/4/4, रोड़ नं० 13, प्लाट नं० 4, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 645 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1698/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जंगन मोहन सक्षमं प्राधिकारी सहायक श्रायक**र आ**युक्त (नि**री**क्षण) श्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

दिनांक : 14-3-1986

# प्रकृष जाहरी, हरी, प्रमृत्यक , ....

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के नधीन स्चना

#### THE SPACE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 मार्च 1986

निवेंश सं० भार० ये० सी० सं० 929/85-86-भत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बावकर निभिन्निन, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उनत निभिन्निन' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अभीन सक्षम प्राप्तिकारों को नह निस्थास करने का स्थारण हैं कि स्थापर बन्नीता, जिसका विश्व बाबाद मून्य 1,00,000/- रह. से निभक्त हैं

और जिसको सं ० शेड भीर इमारत है, जो गूनवलाक स्थित है (और इस दे उपाबद अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 7/85,

के व्योंकत सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के क्यानाय प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वोंकत संपत्ति का उधित बाद्यर क्या, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का धन्द्र प्रतिफत से विश्वास प्रतिफल का धन्द्र प्रतिफत से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वन्तरितिधाँ) के बीच एसे वन्तरण में निष् तय पाना गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण में लिखित बाल्लिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्बद्धमा थे हुई शिक्षी साथ की वावस उनक वरिवासिक की वर्णीय कहा दोने की सम्बद्धक की इतिहाद की कही कहने वा कवाचे बताने की सुविधा को जिल्हा की हुई की
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

श्रतः ज्ञा, उक्त श्रीधीनवर्ग की धारा 269-थ के अनुवरण हो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपनास हैं।) को अधीत, किलाशिक्षित लिक्सकों, जन्मि क्ला (1) मेसस सनशाद्दीन भेटल वर्कस, बाईं० मनेजिंग पार्टनर, ह्वी०सुरेन्द्रनाथ बेनरजी, माटो नगर, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुववरम इण्डस्ट्रीज लि०, (रिजिस्टर्ड आफ मदूराइ) बाई वेघरमन और मनेजिंग डायरेक्टर श्री झार० रत्नम, टी० वी० एस० बिल्डिंग, वेस्ट, वेली स्ट्रीट, मदुराई---625011।

(भ्रन्तरिती)

भी वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सञ्चरित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

दयत प्रकारित के कर्तन के प्रकार में कोर्च की स्थारि 🏤

- (क) इस क्यान के राजपन के प्रकारन की तारील के 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## भनुसूची

भूमि और मोड, इमारत, विस्तीण 1672 चौ० मो० और 2000 चौ० गज, प्लाट सं० 21, 22 और 47 और 48, मार एस० सं० 482, 483 और 484, गतदला, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 4747/85, रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी विजयवाडा।

एम० जग<sup>३</sup> मोह<sup>त</sup> सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, **हैद**राबाद

विनोक । 6-31986 । हिर प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

भार० ये० सी० सं० 930/85-86-यतः मुझे, एम० <mark>अगन</mark> मोहन.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० धर है, जो मोगलराजपुर्म स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वित है), रिजस्ट्री-

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, । धजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 7/85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के. लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अक्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिचित व्यक्तियों, नेपित् है—
52—36GI/86

(1) श्री कुलदीर्धांसण कदारी पिता सरदार श्रत्मा सींग, लब्बीट, चिजनवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० त्रसाद पिता चन्द्रया, मोगलराजपुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

घर सं०32-9-1, मोगलराजपुरम, विजयवाङा, विस्तीर्ण भूमि 633 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत चिलेख सं० 4726/85, रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारो चित्रयवाड़ा ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज हैंदराबाद

दिनांक : 6-3-1986

मोहर ।

प्ररूप आइ. .टी. एन. एस. -----

जागभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां रु ६ मार्च, 1986

निद<sup>\*</sup>श सं. आर. थे. सी. नं. 931/85-86—यतः मूक्ते, एम. जगन मोहन,

भावकार शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उकर अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का जारण हैं कि स्थातर सस्पत्ति, जिसका उछित ताजार स्वय 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं भूगी है, जो तूंगालम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनम्ची में और पूर्ण रूप से ग्रिंगत है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैझाक में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7/85

को पृथिकिस सम्परिस के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्सरित की गर्ड ही कोर मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण ही कि यथा पृथिकत संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके श्रूषमान प्रातफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिप्रत में अधिक ही कौर अंतरिसी (अंतरितियाँ) औ बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिक उच्चेष्य से उक्त अन्तरण तिचित में बास्क विश्व कम से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, ज़ब्त अधिनियम के अधीन ज़र दोने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भग ग जन्य व्यक्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर उधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भगकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया भा या जिया जाना चाहिए था, लियाने में मुलिया ये लिए;

जतः अर्थः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अनत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती घ० सूक्या लक्ष्मी पति गणपती राजू, हैदशबाद।

(अन्तरका)

(2) सेमर्स शिव शंकर इंजीनिय्सींग को. लि. बाइ श्री टी. सूब्बारामी रेड्डी, महोश्वरी और परमंदेवरी थेटर काम्पलंक्स्) रामकोट, होदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्थिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :--

- (क) इन स्वनां के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वभा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा किया किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम शिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अभूस्ची

भूमि विस्तीर्ण, 5 ए.घर, तेंगुलम, गीलामगर के सामने, विशाखानटभर, सर्वे० नं० 122/3, रजिस्ट्रं:हन, विलेख नं० 6290/85, रजिस्ट्रीकर्षा अधिकारी वैद्याक ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (किरीक्षण) अर्जाक्ष रेक, हैदशाबाद

दिनां क 6-3-1986 मोहर: प्रक्रम कर्

नाधकर जिमिनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

### भारत सूरकार

कार्यालय , सञ्चायक भावकर नामुक्त (निक्रीक्रण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० आए० ए० सी० वं० 932/85-86---अतः मुझे, एम० जगन मेहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण्य है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिनकी संव भूमि श्रौर इसारत है, जो पाटत्माटा, में स्थित है (श्रौर इसने उताबढ़ अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से बिणित है) रिक्ट्री क्ती अधिकारी के नार्यालय विषयबाड़ा, में रिजिस्ट्री करण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीक दिनांक 7/85

को पूर्वेविश सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शित्यक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के लाश्या है कि यथापृनांक्षित संपर्तित का उचित बाजार मूल्य अन्तर्भ के लाश्या है कि यथापृनांक्षित संपर्तित का उचित बाजार मूल्य अन्तर्भ के स्थायान प्रसिक्ता से एसे दश्यमान प्रतिकान का पन्सह अतिकान के जीवक हैं जीर अन्तर्भ (अंतर्थों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तब पावा क्या प्रसिक्त निम्निसिक उद्योदय से उक्त अन्तर्भ कि बिक्त से वास्तर्भ के स्थित वहीं किया द्या है अन्तर्भ के सिक्त

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाग की बायत, उक्त बिपिनियम के बभीन कर देने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने के सुविधा क निस्तर, और/बा
- (क) श्री किसो धाय या किसी धन वा क्य आहित शो को, जिन्हों भारतीय जाय-कर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ जिथिनयम या धनकर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोधनार्थ बन्दौरती द्वाध प्रकट नहीं किया व्या भा या किया बाना चाहिए था, छिपाने हो सुविधा के किए।

कत: कथ, उक्त अधिनियम की धारा 259-म है बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, वर्धात:——  श्रीमती एम > कमला पि। भरहारी प्रसाद, हैदराबाद ।

(अन्तर्ह)

मास्टर टी० श्रीनिवास (माद्यतर),
माद्यतर पर गागियन, श्रीर पिता
श्री टी० ब्ही० अष्पाराव,
विजयवाडा-1 ।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबस् सम्मरित के बर्जन के सम्बन्ध में फोड़' भी बाबोंड़ :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवश्वि, जो औ सूचिय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पंजींक्त स्वित्यों में से किसी स्पिक्त श्वाण;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पन्धिकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्धां और पर्यो का, को उक्त वीधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याद में विया गया ही।

## प्रनृ सूची

इमारा नं 16/132, सहामाहा, **वि**जय**वाडा, विस्तीर्ण** भूमि, 445 चेंकि विधिस्ट्रीकृत **विलेख नं** 4644/**8**5 रिजस्ट्रीकर्ता अधिका । विध्ययांडा ।

> एम० जगन महिन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-3-1986

## प्रक्य बाइ<sup>र</sup>.टी.एन.एस. ------

## श्रीयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-ध (1) वो अधीन सुमना

#### भारत सरकार

## कालीक्य, सहायक मायकर मायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० आर० ए० मो०नं० 933/85-86---अतः मुझें, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि ग्रीर इमारत है जो कांग्रेप आफिप रोड, गव्हरनटपेट, में स्थित है (ग्रीर इमम उपाद्ध अनुसूचो में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां 7/85

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृत्य से कम के दक्तबाव प्रतिफल के लिए जन्ति। की नद्दें हैं बार मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाय्नोंक्स सम्परित का उचित बाजार शृक्ष, उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, एसे क्ष्ममान प्रतिकल का निकार प्रतिकत से मिशक है और नंतरक (अंतरका) और नंतरिकी (अन्तरित्तिकों) के बीच एसे नन्तरण के जिए तब पाया नवा प्रतिकल, निक्नतिज्ञित उद्योग्य से उक्त कन्तरण सिकित में शास्त्रिक क्ष्म वे कवित नहीं किया नवा है क्र---

- (क) बन्तरण वे हुई फिसी आय को बाबत उक्त अधि-निवन के जमीन कर वोने के बन्तरक के बारियल में कमी करने वा उक्तसे बचने में सुविधा के सिए और/मा
- (च) द्वी किसी लाय या किती थन या लत्य जास्तियों करें, विक्ट भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा थन कर अधिनियम वा थन कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया थाया चाहिए था, क्रियान में सुविधा की किए:

अतः वंब, उक्त विधितियत्र की भारा 259-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :----

- 1. (1) श्री ए० भारतर श्रीनिवास
  - (2) श्री ए० चेनाकेणवास्वामी पिता बेंकस्या, विषयमाडा

(अन्तरक)

2. मैसर्स टी० एस० आर० ट्रस्ट, बाइ ट्रस्टी, श्री टी० सीतारामंजानेयुले पिता योना रामध्या, विजयवाडाना

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिध कार्यवाही करता हुंगू।

## वस्त सम्बद्धित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी जाओर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि दा तत्कम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी अविध बाद में सर्वाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्य व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सुमना के राजपन में प्रकावन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगीत में हित-क्यूम किसी अन्य कान्ति व्यारा मधोहस्ताक्षरी के पात सिविस में किए वा सकेंगे।

स्थळीकरशः---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, को अक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषिक हैं, बही वर्ष होगा को उस सभाय में दिया भवा है।

## अनुसूची

भूमि ग्रीर इमार् घर नं० 27-21-20 कांग्रेस आफिस रोड, गव्हरतरमेट् विजयवाडा, विस्ताण भूमि 385 चौ० गज ग्रीर 293, चौ० गज, कुलक्षेत्रफल् 678 चौ० गज रजिस्ट्रो-कृत विलेख नं० 4920/85 रिजिम्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन ेंज, **है**दराबाद

दिनांक: 6-3-1986

प्रकृप काइ .टी. एन. एस. -----

नायकर जीभीनथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

#### बारत सरकार

# कार्यालय, सहावक नामकर नागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निवेश मं० आर० ए० मी०नं० 939/85-86——या: मुझी, एम० जबन मोहम

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैट है, जो मोगलपाजपुरम, में स्थित है (ग्रीर इसमें अपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयबादा में भारतीय एजिसी करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7/85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एंस द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अन्यक , बार अंतरिक (अंतरिका) को प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अन्यक , बार अंतरिक (अंतरिका) के बीच एसे अन्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काथित महा किया गया है हिन्स ग

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उनक जिल्लाम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे ज्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, अक्त निधिमय की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निश्निसिंत व्यक्तियों, अधीत :---  मे तसं भानू बिल्डमं बाइ श्री को भारे ब्हा दुर्गा प्रसाद, मोगल राजपुरम् बिजयवाडा।

(अन्तरक)

 श्रीमती जी ० वेंकट सीतम्मा पित सुद्धा राव, फ्लैट नं ० ए-2, भानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह तुचना पारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षीप :--

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिशाधित है, वहीं अर्थ हाग( जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

फ्लैंट नं ० ए-2, भानुधिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजयवादाः विस्तीर्ण, 920 चौ ० फुट, रिजिस्ट्रीकृत विलेखनं ० 4701/85, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधि नारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **है**दरबाद

दिनीय: 6-3-1986

प्ररूप आहरें. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च :1986

निदेशसं० ग्रार० ए० सी०नं० 949/85-86——श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो श्रालीपुरम, में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री हर्ना ग्रिश्चि हारी के हार्यालय वैसाह, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक जुलाई 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) कन्तरण के हुर्घ सिकी शत्य आँ वातम् , उक्त विधितियम के अधीन कर दोने के अन्यरक का वाकित्य में कभी करने या उत्तत्व मचने में सुनिधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसत व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री एन० रामानुजम, पिता स्वर्गीय वैंकटचारी, घर नं० 31-33-29, दाबागाईन, विणाखापसनम ।

(श्रन्तरक)

2. श्री वाई० किशोर मुमार, पिता मरीया दासू, कान्द्रैक्टर घर नं० 34-9-24, ग्ननापूरम, विशाखापत्तनम ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना पारी काउने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की विष कार्यवाहियां सूक्त करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्वाध वाद में ममाप्त होता हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधेहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

खुली जमीन, वस्तीर्ण 533 चौ० गज, स्नालीपूरम, वार्ड बालया शास्त्री लेसाउट, विशाखापत्तनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8 161,85 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी वैमाक।

> एम० जगन मोहून् सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनाम : 6-3-1986

ब**स्य वाह**ै, टी. एर. एस .

बायकर सभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

#### मारत सरकाह

भार्यामय, सहायक कायकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं०  $950^{l}85/86$ —-श्रतः मुक्के, एम० जगन मोहन,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मृख्य 1,00,000/- स्त. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कुनाइवलसा, बोथापफली, विलेज गजपतीनगरम, तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्की में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय थेरलेम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनौक 7,85

क्ष्रं प्रबंधित सम्पत्ति के उचित काकार मृत्य से कम के क्ष्यमान कितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृथा, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल के छिह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नसिखित उद्धेष्य से उचित कन्तरण सिखित में वास्तर विक रूप से किया विष है क्ष्यमान सिखित में वास्तर विक रूप से किया नहीं किया वया है क्ष्यमान

- (क) अन्तरण तं हुई किसी मान की नावक, अन्तर स्थिनियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक बी दायित्य में कामी करने वा उससे नचने यें मुलिया को निष्, सरिं/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनसम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की शिर्धा

अत: अव, सकत जिथिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, सकत जिथिनियम की भारा 269-ग की स्पर्भारा (1) दे जधीन, निम्मसिषिण व्यक्तियों, संपर्धि ——

- श्रीसना के स्थाकतम्मा पति सत्य नारायण राजू श्रौर अन्य कोलालकी पी० श्रो० कांग्यतीनगरम, तालुक, विजयतगरम, जिला । (श्रन्तरक)
- 2 श्री ग्राई०. मुरली, फुप्णा राव पिता रंगानामकृत्, ग्रीर श्रन्य । थेरलम, तालुक, जिला विजयनगरम। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्परित के अर्थन के शिए अर्थकारियां अरका हों।

जनल संपरित के सर्वन से संबंध यो कार्य भी नाभेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पट्ट स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि प्रक्रियों से समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इन्ह सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिल है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के कि कि कि कि कि मार्ग मिलेंगे।

## अनुसूची

विस्तीर्ण 18-76 एकर, कृनाध्यलसा सर्वे नं० 3, 4, 5 श्रीर 19, बोंथापल्ली, विलेज, गजपतीनगरम, तालुक, जिला विजयनगरम, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 904/85, रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी थेरलम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक: 6-3-1986

प्ररूप बाइ. टी. एन. एव ुन्न------

मध्यकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कायत्त्रय, सहायक बायकर <mark>बायक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च, 1986

निवेश सं० ग्रार० ए० मं१० नं० 951/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० भूमि है जो कुनाइवलमा बौथापतली, विलेज, गजपतीनगरम नालूक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रलेम, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 85

को प्रॉक्त सम्पन्ति के उपित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार प्रत्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया बिफल, निम्मसिवित स्व्यंक्त से अंक्ष बन्तरण सिवित से गम्सिक क्य से कांचल नहीं विश्वा गया है ह---

- (क) बन्तरण से हुई कियाँ बाब की रावत, उत्कास अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक औं दायित्व में क्यी करने वा तससे क्याने में सुविधा के लिए; जीर√या
- (व) एमी किसी बाय या किसी धन वा बन्य शास्तिवाँ की क्रिकाँ भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 के १०० व्या ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, स्थितने में स्विधा के निए।

जत: लग, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को तथीन, निम्निनियत अयिक्तयों, अर्थात् :---  श्रीमती जे० सन्यवतम्मा पति सस्यनारायणा राज् ग्रौर ग्रन्य 5, बोंडापल्ली पीं० ग्रो० गजपतीनगरम, तालूक, विजयनगरम, जिला।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती श्राई० रामा देवी पति रंगानामकुलू श्रौर झन्य 2, थेरलम, तालूक, जिला विजयनगरम। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

दक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सभ्यन्थी व्यक्तिकों पढ़ स्वना की तामील से 30 दिन की बर्वाध, दो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठः लिखिस में किस् का सकोंगे।

स्वक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

## **प्र**म्मुची

विस्तीर्ण 18-76 एकर, क्नाइबलसा, घोँदापरुली विलेज, गजपतीनगरम, तालूक, जिला विजयनगरम, रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 903,85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी, घेरलम, सर्वे न॰ 3,4,5 ग्रीर 19, ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदरासाद

विनांक 6-3-1986 मोहर :

## प्रकृष बाह् , टी , हुन , एवं , करवारकार कार

शायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के श्पीन सूचना

#### नारत सरकार

भागसिय, सहायक मायुक्त मायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 952/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक्येपण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्ब 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं घरहै, जो वास्टीयर वार्ड, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण कः से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के वैझाक में कार्यालय भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक जुलाई 85

को पूर्वांक्त सम्परित के जिला बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किक्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की गवत, उच्च अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बर्द/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

वर्तः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण क्रें, क्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क्रें अधीन, निम्नसिधित, व्यक्तियाँ, अधित् ह---

53 ~36GI/86

श्री पी० हारी श्रारण दले,
 श्री पी० श्रीरामुलू, पिता ग्रानन्द राव,
 घर नं० 46-22-33, दोंडापारथी,
 विशाखापटनम ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती के भारदा कुमारी पति गाँधी राजू (कोंडा), मेन रोड, काकीनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं श्रे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में से किए वा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

#### मन्स्ची

घर नं० 7-5-6 सी०, बाल्टीयर वार्ड, विणाखापटनम, विस्सीर्ण भूमि 422 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8062/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी वैझाक ।

एम० जगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

विनौक: 6-3-1986

मोहर ३

## प्रकृष काइ . दो . एन . एक अन्यन्तरमञ्ज्ञात्रक

# शासकार अपिनियम् 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## माउत सडकार

## कार्बालय, ब्रहायक मायकर वामुक्त (निरीक्षण)

सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 953 | 85-86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके परणात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-द के अभीन सभाम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि श्रौर गैंड है जो पाटामाटा में स्थित है (श्रौर इससे उपायन अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यां लय विजयवाडा में भारतीय रिजिस्ट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 7/85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के क्रवमान बितफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूत्रोंकत संपन्ति का उचित बाजार मूच्य उसकी दरयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नचितित उच्चेक्य से उच्का कनारण किचित में बाल्स-विक क्ष्य से क्रिया नहीं किया नवा हैं:----

- प्रक) कलारक से हुन्दें किसी जाय की बाबता, उक्त किसी नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्विधाः के विवाहः की क्षी करने या उक्षसे स्वयं में स्विधाः के विवाहः की र्
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या अनकर निधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 2/69-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2/69-घ की उपधारा (1) इ अधीन कि विकास स्वित्वों, अर्थात ह  श्री जी० नरिसंग राव पिता राजगोपाल राव श्रीरे श्रन्य दो । जेट मरिचेंन्टस गाँधी नगर विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

श्री बी० नरसिम्हा स्वामी पिता सत्यनारायण पाटमाटा विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिखें कार्यवाहियां कड़ता हूं।

## **अवस संवरित के अवंग की संबंध में** कोई भी वाक्षेप र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपप में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी के पास सिविश में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

## प्रनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 690 चौ० गज टीन गेड के साथ धार० एस० नं० 196/1 पाटामाटा विजयवाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4665/85 रजिस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी विजयवाडा।

> एमं० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनौंक 6-3-1986 मोहर: प्रस्य बाइ. टॉ. एम. एस . .....

जासकार विधिनिवज, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के विधीन क्वना

भारत सरकार

क्षार्थालय, सहायक बायकरं बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च 1986

निवेश सं० मार० ए० सी० नं० 954/85-86⊶-म्रतः मुझे, ^एम० जान मोहन,

नायक जिम्मिनन, 1961 (1961 का 43) (जिले श्वामें श्वामें श्वामें श्वामें श्वामें प्रथात् 'उप्तत विधिनयम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् शाचार मूज्य 1,00,000/- रा. से मिथक है

ग्रौर जिसकी सं ० घर है जो नियर ग्रार० टी० सी० वस स्टैन्ड विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यांलय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 7,85

को पूर्वोक्त सम्पतिक को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वस्तान प्रतिस्थल को लिए बन्हारित की नई है जीर मुझे यह विक्लाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कम्मित का उचित बाजार नृक्ष, उसके स्थ्यमान प्रतिस्थल से, धूने स्थ्यमान प्रतिस्थल का नंबह प्रतिस्तत से अधिक है जीर जंतरक (जंबरका) बीद बंदरिशी (अन्तरितियाँ) को धीच पूर्व अंतरण को बिस्स तब बाया नया प्रतिस्थल, निम्निमित उद्योक से स्वत् अंतरण किवित में सम्यानिक कम से स्थित नहीं किया नवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, सकत विधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करते या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साम या किसी भन या जन्म आस्तियों की, भिन्ह अरितीय सामकर सभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनाई क्विरिती हमारा प्रकट नहीं किया गया भा या दि ए जाना माहिए था, छिपाने में हिया विभा से सिन्ह;

नतः तथः, उपस्य अधिधियन वर्षे पारा 269-व के अनुसरण में, में, उपर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) वे वर्धनः विक्रतिविद्य व्यक्तियों क्रिक्स हम्म  श्री एम० गोविन्द राव पिता शेष गिरि राव नायडू गंगम्मा स्ट्रीट गुडीवाडा (नाऊ एंट गब्हरनरपेट विजयवाडा)।

(ग्रन्तरक)

 श्री नरेन्द्र कुमार पिता हेमराजू पूलीपतीवारी स्ट्रीट विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी काशंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की विधि, को भी वविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-त्रव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास मिचित में किए जा सकी।

स्वक्रकरण प्र—-इसमें प्रमुख्य कर्कों और पवाँ का, वो उत्तर अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कच्याय में दिया यवा हैंं।

## प्रनुसूची

भूमि और इमारत नं० -27-37-8, मैन रोड, बंदर रोड, विजयवाडा, विस्तीर्ण भूमि 93, चौ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4872/85 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक 6-3-1986 मोहर:

# त्रक्य आहें ुदी . एवं . एवं . -----

बायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भागकर नाय्क्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च, 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० घर है, जो पाटामाटा, में स्थित है (श्रीर इससे उपायक श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक 7/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिए उद्देश्य से उचत अंतरण निचित में णस्तिक हम से किथत नहीं किया यया है:---

- (क) नंतरण ने हुइ किसी नाथ की वावत, उपक अधिनियम के बधीन कर वाने के अन्तरक क दायित्व में कीमी करने या उससे नवारे में स्विधा क रूप: मौर/था
- (क) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुनिया असिक्ट;

बत्त अन उन्ते निर्मित्यम की भारा 269-व की अनुसरण को, को, अन्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीत, निम्नलिबित व्यक्तियों, तभीत् ः—  श्री एस० वेंकटेण्यर राव पिता संजीवारायडू, पाटामाटा, विजयवाडा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के ० एम० आदीनारायण गर्मा पिता कोंडम राजू घर नं० 5/96, कोनर वारी स्ट्रीट, पाटामाटा, विजयवाडा।

(श्रन्तरिती)

को वह भूषना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन की सिप् कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कांद्र भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की वाधी, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यविदर्भों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारोब थे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थितित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिसा में किए था सकने।

स्वच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को जस अध्याय में दिया नया है।

## श्रनुसू<del>षी</del>

इमारत नं० 5,96, पाटामाटा, विजयवाडा, स्नार० एस० नं० 98,2, स्नोर 98,6, विस्तीर्ण, भूमि 352 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4628,85, रजिस्ट्रीकृती स्निधकारी, विजयवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक 6-3-1986 मोहर:

## प्रकृत नार्यं <sub>य</sub> दौ<sub>ा</sub> पुरु<sub>य</sub> एस<sub>ा</sub>--------

भावकर निभित्तियन. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीत त्यना

#### भारत चरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 मार्च, 1986

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 956/85-86—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है, तथा जो कोथापेटे, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुस्वी में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 7185

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता (अन्तरितिसी) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्वय पाया क्या प्रतिफाल, निम्निलिखित उद््रिम से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत, बक्क अभिनियम के अभीन कर्रदोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उग्रसे वक्ते में सविधा हो लिए, बीर/या
- (क) एंती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था जिपाने में सुनिधा के जिए;

कतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अमृतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री बी० रंगा राव ग्रीर श्रन्य 8, कोथापेटे, घर नं० 9-75-10, विजयवाडा। (भ्रन्तरक)
- श्रीमती जी० दुर्गाम्मबा, ग्रौर ग्रन्य दो, घर नं० 0~75~10~, कोथापेट, विजयवाडा ।

(म्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत त्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की वंगीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वना को ताजीस से 30 दिन की अनिथ, को भी जनीं बाद में समाप्य होती हो, को भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एकारा;
- (क) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकादन की दारीक के - 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध फिसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकों ने।

लाक्द्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्धां नीर पदों का, जो उनक अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यी

घर नं० 9-75-10, कोथापेट, विजयवाडा, विस्तीर्ण भूमि 390 चौ० गर्ज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4836/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक 6-3-1986 मोहर:

# प्रकृष कार्ष , टी , एन , एवं , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शा भारा 269-ध (1) को संभीन स्थता

#### भारत बरकार

## शर्यासय, सहायक भायकर भायकत (मिट्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैडराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च, 1986

सं० भ्रार० ए० सी० मं० 957/85-86:--श्रत मुझे,: एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है जो मोगलपालपुरम में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, विषयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिक्षण को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनों क्त सम्पत्ति का उमित बाजार बृत्य, अस्के असमान प्रतिकत से, ऐसे असमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से विश्व है नीर अन्तरिक (अन्तरिका) बौर अंतरिती (अन्तरिका) के बौच ऐसे जन्तरिक के रिस्ए त्य पाया पना प्रतिक का पन्त्रह किया पित्रवीं) के बौच ऐसे जन्तरिक के रिस्ए त्य पाया पना प्रतिक का पन्त्रह का प्रतिका के रिस्ए त्य पाया पना प्रतिका का पन्तरिका का पन्तरिका का पन्तरिका का पन्तिका के विश्व पर्व पन्तरिका के रिस्ट त्य पाया पना प्रतिका का पन्तिका के प्रतिका पर्व पन्तरिका विश्व का प्रतिका का पन्तिका का पन्तिका का पन्तिका का पन्तिका का प्रतिका प्रतिका का पन्तिका का प्रतिका का पन्तिका का पन्तिका का प्रतिका का प्रतिका

- (क) मृत्युष्य सं हुप् विक्षी सम्बद्धी सान्त्र, उपस् विविश्वस्य कं सुर्थान कर योगे से सम्बद्ध से विवरण भी कभी करने या उससे संपने में स्विशन के लिख; बीद/वा
- (क), धरेसी किसी बाब या किसी भन या करण बाहिसकों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर ब्रिश्तियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या वाब-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया जा वा किया जाना जाहिए था, जिपाने के सुविधा के लिए;

क्ट भव उक्त निमित्रक की शास 269-न की सनुकरण कि बंद उक्त निम्तिसम की धारा 269-न की स्पधारा (1) के अधीन निम्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—  मैंसर्स भानू बिल्डर्स बाई श्री कोमा रेडी६ी दुर्गा प्रसाद मोगलराजपुरस, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री पी० साइजी राव पिता शपाद्री, फ्लैंट नं० ए-1, मैंसर्स भानू बिल्डर्स, मोगलपुरम, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**ाहियां करता ह**ूं।

## बनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विज की व्यनि वा स्टब्सिनी व्यक्तिकों पूत्र सूचना की तानीस से 30 दिन की नवित, यो भी बचीय बाद में तनाफा होती हो, से भीतर प्रतिस्व क्षिसनों में से किसी क्षित्र स्मारा;
- (क) इस सृजना के राजपण में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हित्तवृष् किती जन्म व्यक्ति इनारा वभोहस्ताकृरी के पास सिवित में किए जा क्केंचे।

स्वक्षीकरण्:—इसको मृथुकद सकती बीड एवी क्षाता की स्वक्ष जीविश्वन, के क्ष्याण् 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा जो उस मध्याय में दिया ग्या है।

### **भनुपूर्वी**

फ्लैंट नं० ए-1, भानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 920 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4757/85 रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-3-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च, 1986

निर्देश स० श्रार० ए० सी० नं० 958/85-86--यतः मुझे, एम० जगनः मोहन,

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है जो कृष्णानगर गूंटूर में स्थित है (और इससे उपात्रद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गूंटूर में रिजस्ट्रीकर्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1985

को पृत्रों का सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या फानकर अधिनियम, या फानकर अधिनियम, या फानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने यें सुविधा के लिए;

्रजतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अर्गरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जे० सुक्रमन्यम, पिक्षा श्री लक्ष्मीनारायण और भ्रन्य, 20 कृष्णानगर, घर नं० 3-29-48/3, गूंटूर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम० जेगन मोहन राव पिता बाला कृष्णय्या, कृष्णानगर, घर नं० 3-29-48/3, गृंदूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्षत शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

इमारत नं० 3-29-48/3, कृष्णाक्ष्मण, गृंटूर, विस्तीर्ण भूमि 383 1/3 चौं० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 7809/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, गृंटूर।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6~3-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 959/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियक' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है जो कृष्ण नगर, गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः । ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के ल्यीन निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :—

(1) श्री एम० जेगन मोहन राव पिता बासकृष्णय्या, कृष्णानगर, गूंट्रर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० वेंकट रमन, पिता वेंकट सूब्बया, कृष्णानगर, घर नं० 3-29-48/3, गूंट्र।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थनं के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्रुची

इमारत नं० 3-29-48/3, कृष्णा नगर, गूंटूर, विस्तीर्ण भूमि 383 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10265/85 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गूंरूर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद*ैं* 

तारीख: 6-3-1986

# वक्ष वाह्<sup>र</sup>े टी<sub>ट</sub> हुन्, एक्<sub>ट</sub> = = = = =

# नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) वर्षी चार्य 269-म (1) के मुचीन सुन्या

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० प्रार० ए० सी० नं० 983/85-86--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर का भाग है जो चपलचार में स्थित है (और इसमे उपाम्रद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरिति ते ) के दौच ए उ मंतरण के लिए वम पावा नवा प्रविक्ष्म फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) असरण वं हुए कियी बाव की शबद , उपव वीधिनया में अधीन कर दोने के अमाइक के बादिए वो कमी कड़ने वा जवचे बजने में कृतिभा में दिवपः। अडि/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तिओं को, जिन्ही भारतीय आवक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनस अधिनियम, या भम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ मन्तिरती प्राय प्रसट महीं किया भवा वा वा वा किया भाग वाहिए था, स्थिमने में सुविका वे विद्या हि

सतः वस, सकत विभिन्नम की भारा 269-न को अनुकरण की, मी. शस्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् दं— 54 –36GI/86

(1) श्रीमती मुखतात कुदन्त आली पति मीर ए कुदन्त श्राली 1, लौरेल लेन, रीचमोंड टाउन, बेंगलौर।

(भ्रन्सरक)

- (2) 1. श्री सी० महेंदर यादव पिता सी० नरसय्या,
  - श्री राम कृष्ण पिता नरसम्या।
     1-9-1063, श्रङीकमेट,
     हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्थान कारी फरके प्वेंक्त नम्बत्ति के कवंत्र के जिल् कार्यमितियां करता हूं।

## एक्ट सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में सोर्द भी आकाष हु---

- (क) इस स्थाना को राजधन को प्रकाशन की तारीचा की 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, को बीं जनभि बाद तो तमाप्त होती हो, को भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों हो ते किसी कावित हुनाए;
- (घ) इत सूचना के उजपन में प्रकायन की सारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक किसित में किए या तकोंगे।

स्पष्कित्य ३---इसमें प्रमुक्त शब्दों बार पद्यों का, जो सम्बद्ध वृद्धिनयम् से बच्चायः 20-क में प्रिंपाधिय हैं, यही नर्थं होता, को उस सम्बद्धायं में दिया भवा हैं।

## अनुसूची

घर का भाग, घर नं० 3-2-733 से 736/1, चप्पल बाजार, हैदराबार, विस्तीर्ण भूमि 304 **घौ**० ग**ज,** रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-3-1986

**श्रम**्य **वार्यं ३ टी**., एम , एस, - = - = -

हारकड क्षित्यिय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क् (1) के अधीन सूचना

#### लास्ट संह्रकार

# कार्यांक्य, सहायक जावकर लाव्यस (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रार०ए०सी०नं० 984/85-86——श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रः से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या घर है जो स्रागापुरा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित नाजार मून्य से कम के ब्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूम्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिकल का रन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तर्रितंत्रयों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया बिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किथित बें शास्त्रीक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- [क) बाखरण संहुद किसी वास् की बास्त, उल्ला विभिन्न की अधीन कर योगे थे मुन्तरक के राजित्य में अभी करने या उससे वच्ने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी थन या बन्य आजियाँ को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मांकरा बे सिए;

श्रतः । **व उक्तः व्यक्तिमध्य की पारा 269-ग की बन्तर्यः** मं, मं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) निम्मलि∫ त व्यक्तियों नर्णानः —— श्रीमती मृत्तुझा बेगम,
 5-7-362, श्रंगापुरा,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मपीदा करीमृतिता बेगम, 11-2-555/1, के० श्रागापुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भवीन के सम्बन्ध में कोई भी नामांच रू---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सक्ति।

स्वक्रीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **प्रनुभू ची**

घर न० 5-7-361/1, प्रामापुरा, हैदराबाद, विस्तीणं भूमि 224 चौ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4114/85 रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहर्न, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12-3-1986

प्रकृष बाह्र दी एन एस 🚉 =======

शायकर नाभनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन स्थान

#### THE PERSON

भन्नयां भय, सहामक कायकार आयुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 12 मार्च, 1986

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 985/85-86:- - श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पलैट है जो तीरूमला टावर्स गोल कोंडा कात रोडस में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय चिक्कड़पल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए रिअस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उसते अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी भाग का किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाधनाय अन्योरती इवाडा अकट नहीं किया गया था या किया थाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा को विक्रा

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिस्थित व्यक्तिकों, अव्यति ध----  श्री एम० एस० चन्द्रया पिता बाल ऋिष्ट्या,
 1~1~593/सी, गाँधी नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृष्णा नागराज कौशिक पिता लेट के कृष्णा भायंगार फ्लैट नं० 21, बी ब्लाक, थर्ड फ्लोग्रर, तीरूमला टाँवर्स, गोल कोंडा, कास रोडस, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के बर्जन क लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ::---

- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा बुंबुंचे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो शक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना पदा हैं ॥

## नग्स्ची

पलैट नं०, घर नं० 1~4-1011, पलैट नं० 21, तीसर मजला, तीरूमला टावर्स,गोलकोंडा क्रासरोडस, हैदराबाद विस्तींर्ण प्लीथ एरिया, 1160 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 1171/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चौककड़पल्ली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राघिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12~3-1986

# मुक्तप् बार्ष्यु द्वी दुपन् पुराह्म -----

# शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

#### शारत बरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायकत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० म्नार० ए० सी० नं० 98 6/8 5-86--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थान,र संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या फ्लैट है जो श्राजीज टावर्स हैवरगुडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाग्रब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकत्ती श्रधिकारी के कार्यालय चीकड़पल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

कर प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान श्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरम का कारण है कि यथापूर्वोक्च सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल के पंद्र बंदह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती [अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया शांतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उस्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क्की नश्रद्धम ने हृद दिवती नाम की नान्त्र), बन्ध न्यिदिन्द्र में स्पीन कर योगे में कन्यप्रक के सीयस्य में कमी कड़ने ना अवसे नम्म ने सुद्रिया के लिए; और/या
- (क) ध्रेती किसी बाब वा किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त विधिन्त्रेय या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा से निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) को अधीन, निस्निसिंखत व्यक्तियों, अधीत :---  मैसर्स मालीक बिल्डर्स हैदरगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती विना राव
पति रवेश राव,
फ्लैट ए० चौथा, दूसरी मंजिल पे,
ग्राजीज टावर्स, घर नं० 3-6-290,
हैदरगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती) -

को यह सूचना जारी करके पृशंकित सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की जबिंग, को भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस स्थान के रावपन में प्रकासन की तारीय भं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिशवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का अक्तेंगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या पदा हैं।

## वन्सूची

फ्लेट नं० ए---चौथा इस मंजिल के दूमेरे तस पर, श्राजीज टावर्स घर नं० 3−6−290हैं दरगृडा, हैदराबाद विस्तीर्ण भूमि, 59.70 चौ० गज, रिन्स्ट्रीकर्त्ती ग्रधिकारी चीकड़-पल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ताीख: 12-3-1986

## **इस्य अर्थ** - टौंशु एवं .. एस ्न-----

# श्रायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

#### मारत बहुकार

# कार्यासम, सहायक भायकर नायुक्त (निर्धिकण) अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1986

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 987/85-86:--- प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिलकी संख्या फ्लैट हैं जो ऐरबान श्रपार्टमेंटस, नारायण गुड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चौक्कड़पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित प्राजार मृत्य से कास के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्तें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्योध्य से उक्त अंतरण मिक्ति में वास्तियक अस्त से अधिक व्याप्तिक से वास्तियक से वास्

- (क) नंतरण से हुई किसी भाष की वाबत, अक्ष मधिनियम के लभीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; धार/मा
- (क) ऐसी किसी अाय का किसी भन ६५ सहर जास्तिला को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जनः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरच कों, मीं, खक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (३) को वधीनः निम्ननिवित व्यक्तियों, वधार्तुःसन्  डो० श्रीमती डो० जेकाब पति एम० पो० जैकब, 207, ग्रीर बूस, श्रपार्टमेंटस, नरायण गुडा बिठाल बाडी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्रोमती वाई० मीरा रतनम
 207, नारायणगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरितो)

क्ये यह स्वाना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्परित के वर्षन को संबंध में कोई भी बाओप 🌤

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के \$5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिश्वा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रों क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ग) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sub>ै।</sub> वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

## धनुसूची

फ्लैट नं० 207 ए, दूसरा मजला, श्रौर बाम ग्रपार्टमेंटस, बिटलवाडी, नारायण गुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1187 चौ० गफूट रजिस्ट्रीकृत विलेख]नं० 1103/85 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी चौककडुपली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12~3~1986

# प्रस्प बाह्ये हो हु हुए हु हुए । १० व सम्बद्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीय कुमता

#### भारत बहुन्जर

भावांलय, इक्कायक जायकर वास्त्रक (निर्माक्षक) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्द्रोग सं० श्रार० ए० सी० नं० 988/85-86—-यतः मुझे, एस० जगन मोहन

कायकर धांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवण्णत् 'उस्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1.00.009/- का से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो हानूमान टेकड़ी में स्थित है (आँर इपसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई, 1985

का पूर्वितत संपरित के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दश्यकान नितकत के सिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करन का नारण हो कि यशापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पल्डह इतिक्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पामा गया अतिफल, निम्नलिक्त उप्रदेश से उस्त अन्तरण निविद्य को वास्तिक रूप से किंवत नहीं किया गया है क्ष्मन

- (क) अम्मरण में हुन्। किसी बाय की नावस, अप्रस अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तुद्रक के वाजित्व में काजी करने वा उससे जनने में बुविधा में तिए; बहु /बा
- (क) एकी किसी नाक या किसी धन या जन्य कास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) वौ अयोजनार्थ नन्ती रिती धुवारा अवद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिवाने में सुविधा वौ किया।

अप अब , अप अधिनियम की भाख 269-म की अनुसरण अं, माँ धारा निभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भूँ इ.भी.ट. निम्निसिय व्यक्तिकों स्थाप क्यार क्यार

- श्री जी० रूपा (श्रालीयास : रूपा देवी) त्रु ं 4-7-322/2, इसामीयामा झार, हैदराबाद (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमती एस० कलावती, 4-1-1210/10, बोगूलकूंटा, हैंदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथ्वेंचन संपत्ति के सर्वन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

हक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षण ह—ः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं बविध बाद में सजाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध । कासी बन्य व्यक्तिश ट्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य या करेंगे।

# **अमृस्**ची

घर नं० 4-1-204, हनुमान टेकड़ी, हैदराबाद, दैवस्तीर्ण भूमी 152 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4163/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-3-1986

मोहर 🕹

प्ररूप आर्ड्: टी. एस. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराश्राद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राप्य ए० सी० नं० 989/85-86--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कि यथाएवें कि सम्पत्ति का उचित बाजार 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लैट है, तथजो मातृश्री ग्रपार्टमेंट्स हैदरगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से

वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चिक्कड़गल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

मा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रोतफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विष्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन नाजार मृल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का भन्त्रह प्रतिशत में बांधक हो और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एते अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित सब्देश्य से उक्त अंतरण विस्ति में तास्यविक हम के किया नहीं किया नवा है के

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी नाम की बामन, उभक्ष सिनियम के स्थान कर दोने से जन्तरक औ दायित्व में करने या उससे अचने मी सिवधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 को 11) या उकत आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उत्कत अधितियम की धारा 269-व की हर्ग्ररण थें, में. अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— श्रीर्माणल पुजारी पितासी० पी० पुजारी,
 डी 1, म्यूर्णिपल कालोनी, बाम्बे

(भ्रन्तर∌)

2. श्रीमती हेमलता पति चन्यकान्त दाऊद, फ्लैट नं० 204, मातृश्री श्रपार्टमेंट्स, हैदरगुडा, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त मध्यस्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

उक्त सन्यत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र:--

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक र. 45 विम की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों दर स्वात की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेलिक क्यक्तिशों में से किसी व्यक्ति हुवाया।
- (ख) इ.स. स्चना क राजपत्र मं प्रकाशन को तारीख सै
  45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिसबबुध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास
  किकिए में किए जा मन्तेंगे।

स्यष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### जन्स्या

फ्लैंट नं० 204, मानृश्री ग्रपार्टमेंट्स, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 985 चौ० नफन्न, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1011/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चिक्कडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, यहाय हे प्रायक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

प्ररूप आह्\*.टी.एन.एस,-------

The street of th

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 990/85-86—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परभात् 'सक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० पलैंट है, तथा जो ए० जे० काम्प्लेक्स, एडन गार्डन, किंग कोठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मूम्य से कम् के क्याबान् प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूक्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रस्थित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिट में प्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं क्ष्म किसी शाय की बाबत , उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बंतुरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्कु, और/भा
- (च) एंथी किसी नाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आवकर अ?धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिनाने के धरियभ की जिए;

काः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की अक्षारा (।) की विधीन, निम्नितित व्यक्तियों, वर्षोत :--- 1. मैंसर्म ए० जे० बिल्डर्स, बाई श्री श्रजीज ग्रहमद, 5-9-31, बशीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद सीराजुल हसन पिता मोहम्मद श्रहमद हासन, 17-3-20/4, रानी बाजार, हैदराबाद । (श्रन्सरिती)

का वह ब्यमा पारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के व्यन् की विख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सन्तरित के ज्वीन के संबंध में कोई भी भारते हु-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क्ष) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानित ब्राया, जभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किसे या सकेंगे।

स्वचीकरण : - इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, को उकर विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र ही, वही कर्य होगा, जो उस स्थाय में दिशा विकाही ।

## नन्सूची

फ्लैंट नं० जी-5 एम० एच० नं०  $3-5-121/\sqrt{2}/4$ , एडन गार्डन्स, किंग कोठी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1220 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3939/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राप्तवर्गरी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रोंग, हैदराबाद

तारीख : 12-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 992/85-86--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के संधीन तक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारल है कि स्थायर सम्भित्त, जिसका अधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो ए० जे० काम्प्लेक्स, एडन गार्डन, किंग कोठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को प्रांचित बम्पित के अचित बाजार मृत्य से कम के क्याबां प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह जिल्लास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त तंपित्त का जीवत बाजार मृत्य, उसके क्यामान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से लिए त्यामान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से लिए हैं और जंतरिकों और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरक किए त्यापामा गया प्रति-फल, निम्निजिसित ज्वदेष्य से उक्त अन्तरण निस्सित में वास्ति-फल, निम्निजिसत ज्वदेष्य से उक्त अन्तरण निस्सित में वास्ति-

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की बीटरक की बाबित्य में कमी कहने वा उचने बचने में सुविधा कीरीसए; बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा क्रम्य कारिस्तर्ज्ञों को, जिन्हों भारतीय नायकर गाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

मैसर्स ए० जे० बिल्डर्स, बाई श्री श्रजीज श्रहमद,
 5-9-31, बसीर बाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती विकारितसा पति श्री मोहम्मद सिराजुल हासन, 17-3-20/4, रानी बाजार, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

सी वृद्ध सूचना चारी करके पृत्रोंकर अस्परित के अर्थन के जिल् कार्यनाहियां करता है।

·उच्छ संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**इ शक्षा**प छ—

- (क) इस स्वना के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्स्वी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींस्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस ब्रामना के राज्यभ में प्रकाशन की तारींच कें 45 दिन के भीतर अवस स्थानर सम्पत्ति में दितवयुर किसी अन्य स्थिति दुगरा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्ष्रीकरण:- - इसमें प्रयुक्त सकों और पदों का, थो टक्ट अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभावित है, वहीं क्ष्में होगा, थो उस अध्यास में दिन वजा है।

#### वन्स्वी

फ्लैट नं० जी 5, ए० जे० काम्प्लेक्स, घर नं० 3-5-121/ ई/4, एडन गार्डन्स, किंग कोठी, हैदरावाद, विस्तीर्ण 366 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3942/85, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी, हैदराबाद 1

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के लभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 993/85-86--श्रस: मुझे, एम० जगल मोहन,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसकें प्रध्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कीं भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाहर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो कांचन जंगा काम्प्लैक्स, कींग कोठी रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7/85

को पूर्वेनित संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान बित्रक के निष् अंतरित की नई है और मुओ वह विक्वास करने का कारण है कि समापूर्वेनित संपत्ति का उधित बाजार अस्य, उनके क्रयमान प्रतिफल के, एसे क्रयमान प्रतिफल का पश्चक प्रतिमत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) नीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय गया नया प्रतिफल, निम्निनिश्चत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किसत महीं किया गया है ..—

- (क) बन्तरथ संशुद्ध िकताँ काय की बायतः, अवल स्थितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शिवल्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बाह्य/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सकत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिनी ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाटिए था छिपाने में रिविधा के निए;

कतः वव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं. उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अभीकः, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मैसर्स यूलाइटेड कन्स्ट्रक्शन्स, बाइ श्री के० सूर्य नारायणा 5-9-261/2, कॉंगकोठी हैदराबाद । (ग्रन्सरक)
  - (2) श्रीमती स्राई० लक्ष्मीप्रमुप्ता पति स्राई नआरय 10-5-39, मा साब टन्क हैदराबाद। (स्रन्तरिती)

को बहु बुचना जारी करके पूर्वांक्ट सम्मृत्ति के सर्वन के जिए कार्यवाहिया गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नी आक्रोप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की वनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाय की तामील से 30 दिन की बन्धि, को भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो के व्यक्तियाँ में से किसी स्पाप्त हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगी।

त्थव्यक्तित्यः — इसमें प्रयुक्त अध्यां भीर पर्यों का वो स्वत्त्र अधिनियमं, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं क्षे

# अनुसुची

प्लैट नं० 203, कांचना जंगा काम्प्लैक्स, कींग कोठी रोड़, घर नं० 5-9-1115/1, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1220 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4095/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहत्र-सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

प्रवास कार्ड .टी .एन एम व नन्तर व्यवस्था

# भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के मधीन मुखना

भारत सरकार कार्यालय सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 994/85——ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्सें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य \$,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय का परीसर है, जो चन्दलोक काम्प्लक्स, ए.६० डी० रोड़, सिकदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधील 7/85

को बुबेलिक सम्मित्स के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान ।तिक सं को निए अन्तरित की यहाँ हैं और मुक्ते यह विश्वाक करने का कारण हैं कि यथाप्वों यत संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंसिरीती (अंतरितियों) को बीच के एसे अन्तरम के लिए स्थ पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण व्हें कि से निम्नितिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण व्हें कि से निम्नितिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण व्हें कि से निम्नितिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण

- (८६) अन्तरण स ड्वं फिसी साथ की शबर , सेक्ड अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कमी करने मा उत्तरे वचने में सुविधा के सिह: और/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भर या अन्य आस्तिओं की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भन्न अस्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भया या वा किया आना के दिए या, खिताने ही स्टिक्ट के किया किया आना के दिए या, खिताने ही स्टिक्ट के किया

जत: अथ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (१) डे अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) मैं सर्स स्वस्तिक कस्ट्रवंशनस को० 111, सरोजनी देवि रोड़ सिकंराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० प्रकाश पिता पी० राजय्या 15-8-417/1 घीलखाना हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोवत संपरित के अर्थन के सिध कार्यवाहियां करता हूं:

**उक्त** संपत्ति को अर्जन को संबंध में को**इ भी वाक्ष्य:--**-

- (क) इब सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वें 45 दिन की अनिथ मा तत्सवंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूमें कर व्यक्तियों में से किसी क्यें कित ब्वारा;
- (ध) इस सूचन ले राजपत्र ये प्रकाशन की तारोब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबदूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए जा सर्कारी।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुवस शब्दों और पदों का, जो उन्तर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका

#### अनुस्घी

कार्यालय का परीसर नं० 531 और 532 पांचवा मंजला चंद्रलोक काम्प्लैक्स घर नं० 1-7-234/241 एस० डी० रोड़ सिकंराबाद प्लींथ एरिया 1556 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4687/85 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

**सारीख:** 12-3-1986

प्रारुक मार्ड्<sub>ड</sub> टी., **एक्**य एक्यून------

हाथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269:म (1) के मधीन सुमनः

भारत तरकार

कार्यात्रय, सहायक नायकर नायुक्त (विरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 995/85-86--म्रितः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'सके पत्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा नया ह"), की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का जिसका है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट है, जो करण सेंटर एस्० डी० रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7/85

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुव्यमान प्रतिफल से एेस् एसे रुव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त विभिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिष्धु और/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आवकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) मैसर्स ऊमा करन और तेज करण 8-2-547 बंजारा हील्स हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ (श्रीमती) संदीया रूमी पति डा॰ वरीसूदीन रुमी 3-6-361/9 हीमायत नगर हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह स्वतः जारी कारके पूर्वोक्तः सम्मृतिः लोः वर्वन के तिथ कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

# नमृत्यी

यूनिट नं० 608 करण मेंटर छेटवा मंजला एस० डी० रोड़ सिकंदराबाद विस्तीर्ण 1250 चौ० फूट रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 254/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकंदरा-बाद।

> एम० जगन मोहन<del>•</del> -सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

प्रकृषाइ , दी. एन. एत.------

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** भारा 269-भ (1) **के मधीन त्**चमा

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बामकर बायुक्त (विदर्शकाण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 22 मार्च 1986

निदेश सं० ध्रार० ए० सी० नं० 996 /85-86-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भावकर मिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार नृस्य 1,00,000/~ रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान मायुर काम्प्लेक्स है जो गनफाउड़ी म्राबड्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रानूची में और पूर्ण रूप से वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता म्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्राधीन 7/85

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिकृत से बिधक है और जंतरिक (अंतरिकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत्य, निम्नुतिविद्य उद्वोद्य से उच्च दुन्तर्म, विद्युष्ट में बाब्द-दिन क्या स्था से किया नहीं किया नहीं है ---

- (क) सन्दर्भ वे हुई कि वी आनं की वायत अवस् धीस्-भिवाद के स्थीन कर वोचे से स्वाहक के कवित्य के सभी करने या उन्ते नवने में स्विधा के जिने; और ना/
- (स) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध बाह्नियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या भनेन कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया क्या भा वा किया बाता जाहिए जा किया वे बुविया से बिक्त

कत. जब, उस्त वीधीनयम की धारा 269-म की, अनुसरम में, में, उस्त विधिनयम की धारा 269-म की अपधारा (1) में वधीन, विकामिकिर विकासी, वर्षों करूर  (1) मैंसर्स मयूर काम्प्लेक्स, बाइ श्री श्रार० रामदेव राव, 8-2-616/1,ए, बंजारा हील्स, हैदरा-बाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनिल कुमार पिता बलवेबता, 2-5 ए, चैतन्यपूरी, हैक्साबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिह्स कार्यवाहियां करता हुं।

ड बद सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई-भी बाक्षेत्र इ---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों हर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, यो बी. जनभि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी स्थनित द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीन हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति हुवारा, जथोहरताकाड़ी भी गास निवित में किए का सकेंगे।

स्वाचिकरणः इसमें प्रमुक्त कर्जा औड पर्वो का, वो उनके विधिनयम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होना को उत्त अध्याय में दिवा गया है।

# भनुसूची

दुकान नं० ए-22, मयूर काम्प्लेक्स, गनफाऊंड्री, ग्रबिड्स, हैदराबाद, पिलीय एरिया, 247 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4200/85।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश मं० म्राग्० ये० सी० नं० 997/85-86--

श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट है जो करण सेंटर यस डी रोड, स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुस्ची में और पूर्ण रुप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकंदराबाद रिजीस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत दिनांक 7 जुलाई 1985

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र भाजार मूल्य से कम के दश्यमान वित्तिक के पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र भाजार मूल्य से कम के दश्यमान वित्तिकल के लिए उन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिशत में अन्तिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बाल ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अहः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,, निम्मिनिश्चित अधितयों, अर्थात् ध--- (1) मेसर्स उमा करण और तेज करण, 8-2-547, बंजारा हीलस हैदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) डी० श्रब्बास श्रली रिझवि पिता श्रब्दुल हासन रिझवि (2) श्रीमती कुमार श्रव्बास श्रली रिझवि पति श्रव्बास श्रली रिझवि पलाट ० 208 करण, सेंटर यस० डी० रोड, सिकंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुवित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# अनुसुची

यूनिट नै० 208 दूसारा मंजला, करण मेंटर यस० डी० रोड, सिकंदराबाद, प्लीथ यरीया 1250 चौ० फूट० रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 234/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकंदराबाद एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्धास्त्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद रघराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० श्चार० ये० सी० नं० 98/85-86--

स्रतः मृझे एम० जगन मोहन आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बहबाह 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. ते विधिक हैं

और जिसकी सं० पलंट है जो बजारा सदरन हीमायत नगर स्थित है (और इसमे उपाद श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रधि नियम 1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1985

क्षे पूर्विक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से एसे द्वयमान प्रतिकल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिकल निम्नसिविक उद्देश्य से उक्त बन्दरण तिविक्त में बास्तविक इप से स्विकत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी एय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर अयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनिवम, 1957 (1957 को 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न (1) श्रीमती जनाब खूटन जीपिए श्री ग्रालीपाजा 1, बंजारा कन्स्टल रोड, नं० 12, बंजारा हीलस् हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(1) श्री के० वेंकटस्वरलू ग्रर्जन पलट नं० 205, बंजारा सदन घर नं० 3-6-782, हीमायत नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्प्रत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्टि क्य क्लियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितणब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृशारा दशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमा के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगेर जो उस अध्याय में विमा मधा है।

#### धनुस्धी

फ्लाट नं० 205, बंजारा संदन, हीमायत नगर, घर नं० 3-6-782, हैरदराबाद प्लीथ यरीया चौ० फूट० रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1088/25 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैरदराबाद

दिनांक: 12-3-1986

# भारतकर श्रीभिनितम, 1961 (1861 का 43) की शरा 269-म (1) के अभीन क्वना

#### कार्य प्रकार

भायस्य, सहायक आयकर आयुक्त (पिरोक्षण) भार्जन रेंज, हैदराबाद

हैघराबाब, दिनांक 12 मार्च 1986 निर्देश सं० श्राई० ऐ० सी० न० 999/85-86--ग्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

वानकर वीधिनवम, 1961 (1961 का 43) विचे इक्कों इतके पश्चात् 'उनते अधिमिनम' अहा गमा ह"), की धारा 269-व के अधीय संज्ञान नाधिकारी को वह विकास कहुने का कारण ह" कि स्थानत कम्मीत, विकास अधित वाचार मूल्य 1,00,000/- एउ. से अधिक ह"

और जिसकी सं० फ्लैंट है जो सफारी कम्प्लेक्स जापल रोड, स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैरदराबाद में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

की नुवींक्त कम्मीत्त के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रमजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का स्वरण है कि वमायुवींक्त कम्मीत्त का उचित वाजात कृष्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे क्रमजान प्रतिकल का न्द्रश्च प्रतिकत से विभक्त है और वितरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) से बीच एसे जन्तरण से अब्द तय वासा गया प्रति-फ क निस्मितिक संस्थित से बावस बंदरण विवित्त में वास्तिक क्रम में क्षित नहीं किया यहा है है---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिविद्य के अपीय कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कनी करने वा उन्ते स्वतं में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर जिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती प्यारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में विधा के निए।

जतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुजारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्नित्वित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) मेसर्स सफारी बिरुडर्स बाई० श्री ए० दावेकर घन नं० 10-1-123/ए, मासाब टॅन्क, हैरदराबाद। (श्रन्तरिती)
- (2) श्रीमती जी उमा रेड्डी पिता जी० श्रीधन रेड्डी, 16/1057, पोगायोटा, नेलौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननुसूची

फ्लैट नं० 4, सफारी काम्प्लेक्स, चापल रोड, घर नं० 5-9-88/ और 88/2, हैदराबाद प्लीथ एरीया 2004, चौ० फुट० रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4056/85, रजीस्ट्रीकर्ता श्रिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1986

प्रकल्प आहे. २५ मून. एस. -----

# क्षायकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) माँ। शारा 269-भ (1) के मधीन सुचया

#### शारत सरकार

# कार्यालय, अहायक आयकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश मं० श्रार० ये० मी० नं० 1000/85-86--मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर िधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परेषात् 'उकत अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

ा.00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं फ्लैंट है जो महावी ग्रपार्टमेंट कींग कोठी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद, में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार ब्ल्य से कम वो स्वयमन अति प्रस्त के सिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके द्रयमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ गया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण संह्यं कि ली साम की भावते, उमस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा अंतिष्: शांर/कः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को फिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या है । अधिनियम, बा फन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा औ किए।
- कारा अवा अवस अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :— 56—36 GI/86

- (1) मेसर्स नटराज बिल्डर्स बाई० पार्टनर श्री श्रशोक कुमार जैन, 3-5-796, कींग कोठी हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुंतला देवी पति कन्यालाल, 21-2 663, ऊर्द् गरीफ चारकमान, हैदराबाद। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व केत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी धाराप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 निन की जनिए या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीर से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्ण में किने बर सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुखत शब्दों और पटरें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुव, कहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हुवै।

#### जन संची

पलैंट नं ० 302, जो 3रा मजला महाबीर श्रपार्टमेंटमेंट्स, कींग कोठी रोड, घर नं ० 3-5-796, हैदराबाद प्लीध एरीया 1000 चौ० फुट० रजीस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4140/85 रजीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-3-1986

प्रकम आइ. टी. एन. एस. -----

नामकर निपान, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्बालय, सहाबक आवकर आयुक्त (नियोजन) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1001/85-86--

ग्रसः मुझे, एम० जगन मोहन बायकार जीशियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इंडमें इसके पश्चात् 'उक्त जीशियम' कहा पना हों), की भारा 269-स ने जशीन तसाम शांधिकादी की वह विश्वात करने का स्वारण हो कि स्थावर सम्परित, विश्वका उपित शांचार मुख्य

1,00,000/- रा. से स्टिक्क हैं
और जिसकी सं० दुकान हैं जो विजय मेनशन तीलक रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में
और पूर्ण रुप में विजय है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908
(1908 का 16) के ग्रधीन विनांक जूलाई 1986
को पूर्वोक्त सम्पर्ति के जीका स्थान विनांक जूलाई 1986
को पूर्वोक्त सम्पर्ति के जीका स्थान विनांक जूलाई विश्वास
प्रतिफल के सिए अंतरिक की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि ग्रथाप्योक्त सम्पर्ति का उपित वाजार
म्स्य, उसके ध्रममान प्रतिफल है, एक्ते ध्रममान प्रतिकल का
प्रमुख प्रतिशत से निभक्क हैं नीर अंतरक अंतरकों; गौर अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा
प्रतिफल, निम्निकित उप्रदेश से उक्त अंतरण लिखित में
वास्त्रीयक रूप से कीयत नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई जिल्ली शांव की बाबत, उक्स विधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उसमें क्याने में सृतिधा के लिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्र आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वदः, उक्त विभिनियन की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म जपभारा (1) में कृगीयः, जिल्लिखित व्यक्तिव्यक्ति म्राज्यातः (1) श्री के० टी० भ्रतिल कुमार पिता तूकाराम 10-1-19/3, शांतीनगर, हैदराबाद।

(ग्रस्तरक)

(2) श्रीमती प्रसूचा पति के० टी० म्रनिल कुमार 10-1-19/3, शांतीनगर, हैदराबाद। (म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संयक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त इवारा;
- (क) इस सुचना, के रायपन में त्रकाशन की सारीब सं 48 किंग के मीखर उनक स्थापर सम्मरित में हिया-बहुत किथी जन्म व्यक्ति कुमारा नभोहस्साक्षरी के शब निविध में किए वा सकी।

स्वच्यक्तिरणह्न---इसमें प्रयुक्त कर्नी और वर्षों का, जो उन्त विधीनवर्ग के बध्याय 20-क में परिमाधित ही, क्ही वर्ष होता को जाद बध्याय में विका नवा ही.

#### नपुत्रची

दुकान नं० भ्रार-3, विजय मेनशन, घर नं० 4-1-938, तीलक रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1092 चौ० फुट० रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4071/85 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० **जग**न मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 12-3-1986

मुख्य बाह्", टी एन्, एवं, -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (;) भी अभीन सूचना

भारत वरकार कार्यासय, सहादक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाष, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्द्रोश सं० म्रार० ए० सी० नं० 1002/85-86—यस: मुझे, एम० जगन मोहन,

न। यक्तर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

और जिसकी सं० बुकान है, जो जिजयमेनशन तीलक रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय जिस्ट्रीकरण श्रद्धितय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी माय की बावस, उपल अभिनियम के बभीम कर देने के अन्तरक के समिरण में कनी करने या उत्तरे वचने में सुविधा वे आहर; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जस्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर। अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रवीचनार्थ जस्ति वस्ति ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने भे स्विभा के सिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1. डा० के० सुब्बास पिता के० तुकाराम, 10-1-19/ 3, शांतीनगर हैदराबाद।

(ग्रन्सरक)

 मास्टर के० सूजय माइनर जी० पी० ए० मदर श्रीमती के० द्यारुणा, 10-1-19/3, शांतीनगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शासीप हैं---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नवीं वा तत्त्वकाओं व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवीं , जो ही विविध नार में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विया में वे किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः इसमे प्रयुक्त सन्दी नीर पर्दो का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

दुकान नं० श्रार० 2, विजयमेंनशन, घर नं० 4-1-938/तीलक रोड़, हैदराबाद विस्तीर्ण 1092/ची० फुट, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 4070/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज, हैदराबाद

**तारीख: 12-3-1986** 

मोहर 🚁

प्रकृष आहु , दी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी'० नं० 1003/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, जो डायमंड काम्प्लेक्स, जे० एन० रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्त्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्त्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अग्रण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एमें स्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मूदिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अयं, उपने अभिनियम की धारा 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स डायमंड बिरुडर्स, बाई पार्टनर श्री शाबुदीन 4-1-824, जे० एन० रोड़, हैदराबाद। (ग्रन्सरक)
- मेसर्स प्रीन्स बार एण्ड रेटोरेन्ट बाई श्री रंजीससींग बसीरवाग, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्शित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रास स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राजित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त त्थातर संपत्ति के किता द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित मां किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 109 से 112, डायमंड काँम्प्लेक्स, घर नं० 4-1-824, जे० एन० रोड़, हैदराबाद विस्तीर्ण 2800 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4099/85, रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरबााद

तारीख: 12-3-1986

मोहर 🚁

1 15 1 12 - 717 12 1 1 ###M ###<u>1 #15 - 1</u>

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस ्------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निजीक्य)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986

्रैनिर्वेष सं० म्रार्० ए० सी० नं० 1004/85-86---यतः

मुझे, एम० जगन मोहन, अबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें क्रिक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट है, जो सफारी कॉम्प्लेक्स चापल रोड़, में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिकृतिक को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य ते उक्त अन्तरण सिचित में भास्तिबक रूप से कथित नहीं कमा गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अभिनियन के अभीत कर दोने के अन्तरक के दिन्दित में कर्नी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा दायित्व के लिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी अप वा किसी धन या अप अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विक्ष्य के निए;

्रअतः अव, उनत अधिनियम का धारा 269-ग को अनुबरक पँ, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे स्थीन जिन्निवित र किल्लें, स्थात् हरू

- मेसर्स सफारी बिल्डर्स, बाई श्री ए० दीवेकर, घर नं० 10-1-123/ए, मासाब टेंक, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्रीमती टी० राजेश्वरी पति टी० राज गोपाल रेड्डी,
   6-3-1089/ए/4, सोमा जीगूडा, हैदराबाद।
   (श्रन्तरिती)

को यह स्वामा बारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के वर्षम को विश् कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति से अर्थन से संबंध में कोई भी बाधोप हु---

- (क) इत त्यमा के राजपण में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नक्षि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास हिन्जित में किए जा सकेंगे।

गन्सची ∦

पलेट नं० 3, शफारी कॉम्प्लेक्स, घर नं० 5-9-88/1 और 88/2, चापल रोड़, हैदराबाद, विस्तीर्ण 2063 चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4057/85, रिजस्ट्रीकृती स्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, हैदराबाः

तारीख: 12-3-1986

## प्रस्कानाहरें, दी. एवं. एक. 🖻 🕫 🧸

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत रहका

# कार्यासय, सहायक बानकर नायुक्त (भिरीक्तन)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 1005/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने आ कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है, जो माहाविर श्रपार्टमेंटस कींग कोठी, रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

को प्रॉक्ट सम्पत्ति को जीवत बाबार मृत्य से कम के ज्यामान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है बार मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि यथाप्नॉक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार पृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एखे व्ययमान प्रतिफल का गंदह प्रतिग्रत से अधिक है और शंतरक (शंतरका) नौर गंतरिती (जन्तिरित्या) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिक रूप से कांगत नहीं किया नवा है है

- (क) ब्रुक्टरण वे क्ष्यू कियां बाच की नावधा, उपत श्रीवित्रम के श्रीत कर देने के बन्दारक के वास्तिक में कनी करने वा उच्छे ब्रुचने में ब्रुविधा के लिए; ब्रीड/वा
- (स) ऐसी किसी नांग या किसी अन या जन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम 1 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या अनकर अधिनियम पा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नांग जाहिए था स्थिनों में बृदिधा के लिए

कतः कव उत्तर जीभनिवन की भारा 269-ग के अनुवरण भों, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

- मेसर्स नटराज बिल्डर्स बाइ पार्टनर श्री श्रशोक कुमार जैन 3-5-796, कींग कोठी, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री रष्मीकांत तुलसी दास।
  - (2) श्री प्रफूलचंद तुलसी वास, पिता तुलसी दास माथूरावास, 10-3-101, सेंट जॉनस् रोड, सिंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किश्व कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बार्वन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिक स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से. 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पर्धांकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पद्यों का, भी उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया दवा हैं (8)

#### धनुसुची

796, कींग कं।छर्ठा हैदराबाद, विस्तीर्ण 970 चीं० फुट रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 4141/85, रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगत भोहन सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

मोहर।

# प्रकृष बाहै .टी .एन .एस . ------

मानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

#### मास्त्र बच्छार

# कार्याजय, सहायक जायकर वागुक्त (निद्वीक्षण)

श्चर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1986

निर्देग सं० धार० ए० मीं०नं० 1006√85-86----यतः भीने, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको संव दुकान है, जो मायूर काम्प्लेक्स गन फाऊंड्री श्रविड्स में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण कर के वर्णित है), रिनस्ट्रांकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारताय रिनस्ट्रांकरण श्रिधिक्यमा, 1908 (1908 का 1) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

- क्ति पूर्वो त सम्पारत के उचित बाजार मूल्य से क्ष्म के क्ष्मयान प्रतिकास के किए बन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरमान प्रतिकास से, एसे दूरमान प्रतिकास का पंचह प्रतिवात से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकास, निम्ननिवित उद्देशका से उक्त बन्तरण मिचित में बास्त-विक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है ----
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, आभत, खक्त श्रीधनियप के अधीन कर दोने के अंतरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
  - (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के सिए;

अतः अर , उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तिकों, नव्यक् क्ष-

- मेमर्स मयुर काम्प्लेक्स बाई श्रा धार० रामदेव रान, 8-2-616/1/ए, बंजारा हिल्म, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री सुमेस रेडड़ पिता डा० के० ग्रार० सी० रेड्डी, 3-4-556, नारायण गुड़ा, हैंदराबाद। (श्रन्तरिता)

भा नह सुवभा काली करनी पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं!

क्षण बंपरि के भर्चन के संबंध में कांचे की कार्यांव र---

- (क) इस स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्याँक्त में से किसी व्यक्ति ब्राग्ध;
- (ख) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पात निषित में किए वा संकीने।

रनव्यक्तियमः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उपत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### नगुसूची

दुकान नं० डी० 4, मयूर काम्प्लेक्स, घर नं० 5-9-273, गन्फाऊंड्रां, हैदराजद, बिस्तीर्ण 295, ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3930/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 12-3-1986

# क्ष्मा जान् की जा रहा . ----

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-न (1) में अभीन सूनना

#### भारत बलकार

# कार्यान व, सहावक जामकर जानुक्त (विश्वीक्रण) धर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, विनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 1007/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

गौर जिसको सं० पसट है, जो स्कायलार्क भ्रापार्टमेंटम, बसीर-बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्र श्रन्सूची है ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यास्य, हरक्कडपस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1985

को पूर्वीचत सम्पत्ति को अधित बाजार मून्य से कम के अध्यक्षण प्रतिक्रम को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि अध्यक्षण सम्पत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिक्रम से, एसे ध्रयमान प्रतिक्रम का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और मंतरक वंतरकों) और मंतरिसी (बंतरितियों) के बीच एते जंतरण के लिए तय वस्या प्रवा अतिक्रम, निम्निचित उद्वोधन से अबक मंतरण सिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कों) अंतरक से हुई कितीं बाय की बाजत, धनक धीय-विश्वेश की अभीन कर देने के जंतरक की कायरब में कभी करने वा उसके बचने में सुविश्व की फाए; जॉर/बा
- (च) श्रोती किसी बान या किसी घर या जन्त जास्तियों की जिस्ही भारतीय आनकर सीमिनमन, 1922 (1922 को 11) या उनदा निधीनसम, वा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वधिरती हुनाव्य अकत नहीं किया गरा था या किया बाना चाहिए था, कियाने में क्षिया के विवा;

बतः व्यव, उक्त विधिनिक्य की भारा 269-व के वन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) मेसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, बाई श्री कादर सुलतान, नसीर 3-6-309, बाग हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० बालतीपूर सूदरी, श्रई जे-11, येरामंजील कालोनी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निद कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अबीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी भवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां इसरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्षेट किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविधा में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उबल किंकि-नियम, के बध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बहुरे क्षे होगा को उस कथ्याय के दिवा नवा हैं।

#### ared.

पलैट नं ० 221, ए ब्लाक, स्कायलार्क आपार्टमेंटस् घर नं ० 3-6-309 बसोरबाग, हैदराबाच, विस्तीर्ण 1384 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1010/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चिक्कडपल्ली।

> .एम० जगन म<del>ोह्स्</del>म सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

# प्रकप थाइ'.दी.एन.एस्.-----

# भाषकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 12 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सो० 1008/85-86--यनः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदक अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का को अधीन मधाम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा तिचत बाजार मृत्य 1,00,00€/- क. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लैंट है, जो सागर श्रपार्टमेंट्स दोमलगुडा, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रोफर्ती श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद म रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1985

श्री पृथेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृशिवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एेसे दृश्यमान प्रतिपत्त के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्तन, निम्निलिवित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में सुविधा की निष्ह

भतः अव, उक्ट आंधिनयम, की धारा 269-ग के अनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- 57—36 GI/86

(1) श्रीमती नता शर्मा पति श्री णियप्रकाण शर्मा 21-1-436, रोकाम गंज, हैदरामाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमनिक लाल महा पितालेट मोहन लाल शाहा 305, क्षागर श्रपार्टमेंट्स, घर नं० 1-2-524, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संयंभू में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को ली अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी इस सं 45 कि भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकडुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरणः---इशर्म प्रमुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त जिल्होंन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्थी

फ्लैंट नं० 304, तोपर मज्या सागर अपार्टमेंट्स, घर नं० 1-2-524, दोमनगूडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट रजिस्ट्रोज़त विलेब नं० 4035/85, रजिस्ट्रोकर्सा अधि-कारी हैदराबाद।

> एम० जगन मो**हन** सक्षम प्राधिकारी बहायक श्रायकर श्रायुक्त) (निराक्षण) स्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

ब्रक्षः वाह्".टी.एन.एस.-----

जानकर जिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) जी जभीन सूचना

#### गारक नरकार

क्सर्थालय, **सम्राम**क आ**यकार नाम्क्स (निरामिन)** 

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० स्रार० ए० सी० नं० 1009/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा थया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाच करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो गागर ग्रपार्टमेंट्स दोमलगुड़ा में स्थित हैं (भौर इ.णे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रोहती ग्रश्निकारों के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रोहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, जुलाई 1985

का पर्वांक्त सम्पत्ति के उधित बाकार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई बार बुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि मधाप्बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बुन्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे अम्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अब्दत में अस्तिबक कम से कवित सक्षे किया कमा है —

- (क) अस्तरण में ह्न्क् शिक्की साय की नामतः, उन्नर अधिनिया के अधीन कर दोने के अध्वरण के दाधित्य में कमी करते या उन्नत वचने में नुष्तिया के जिला: अर्थन 700
- (क) एंनी किसी नाय वा किसी वन वा जन्म आरितको को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियस, सा धन-कर अधिनियस, सा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भ्या था दा किया चाना चाहिए चा, कियाने में मृतिथा के सिक्षः

(1) मेसर्स मागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरु संगत सिंह, पिता श्री चरण सिंह, 15-4-562, उस्मानशाही, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्प्रीत के सर्वन के सिए कार्यवाहिया सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कांध्रं भी बाध्येप :---

- (क्कं) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 विन की अविधि मा सत्सम्बन्धी अमिस्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीण से 45 दिन को भीतर उक्त भावर सम्पणि मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए जा सकींगे।

श्याका करणः — इसमे प्रयुक्त कर्को और पको का, को उकत कीथ॰ नियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याप के दिया गयर हैं.

# अनुसूची

फ्लेट नं० 201, दूसरा मंजला, सागर श्रपार्टमेंट्म, घर नं० 1-2-524,दोमलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण प्लीय एरीया 1000 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4192/85, रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम**े जग**न मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें<sup>ज</sup>, हैदराबाद

अतः कयः, उत्तः जीभीनयमः की भारा 269-गं अं कन्सरण कों, मीं, उथतः गर्भशीनयम् की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नकितिक व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

**लारीख: 12-3-1986** 

शरुष आहें, दी, एन्, एस्, - - - - -जायकर अभिनियम, 1961 (19ज् का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुवना

#### भारत बहुका

# पार्यास्य , सहायक आयकर वाष्ट्रक (निरीक्रण) अर्जन रेंज हैवराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रार०ए० सी० 1010/85-86 — यतः, मुझे, एम० जगन मोहन

श्रायकार औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों पश्यात 'लक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ति व के अधीन संध्या प्रीयकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो श्रीन्त श्रपार्टमेंट्स, माहारानी-पेट, में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वैझाग में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के बच्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दल्यमान प्रतिफल से ऐसे दक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्वेष्य से उक्त अंतरण लिखिट में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हैं। 11) या उर्क अधिनियम, या भन-र जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या भन-र जिल्हें। 11) या उर्क अधिनियम, या भन-र जिल्हें। 11) या उर्क अधिनियम, या भन-र जिल्हें। 1957 (1957 की 27) के भारतीय जिल्हें। विद्यालया प्रस्तिया जिल्हें। विद्यालया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण भ", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ड्र--- (1) मेसर्स पेरामाऊंट कन्स्ट्रकशन्स बाई श्रीमर्ता बी० लक्ष्मी विशाखापटनम।

(अन्तरक)

(2) श्री जी॰ कृष्णामूर्ति पिता सूर्यनारायण, गाँधी मार्केट, धनकापल्ली, वैझाक जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र<sup>ार्</sup>क्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करका हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजधाश म अन्ताशत को नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्यों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्साम्भरा के पाछ जिख्य में किए का सम्भीना।

स्वकाकरणः इसमें प्रमुक्त शब्द और १४१ का, ओ उक्त अधिनियमं के अव्याप १८०० मा परिभाषित हाँ, वहाँ सर्व हाना में उप अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसुधी

. फ्लैंट प्रीन्स अपार्टमेन्ट्म, घर नं० 16-1-16 बी० 7, तीसरा मंजना, विस्तोर्ण लोथ एरोया 900 बी० फुट रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 7568/85, रजिस्ट्री फर्ती श्रधिकारी, वैझाक ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 12-3-1986

प्र**कृत् वार्ष**्ट हो <sub>न</sub> **एक्** नु **क्**क नुप्रकृतका

नाथकर म्पिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन सुनदा

#### धाइद स्रकार

# कार्यक्षन, सहायक नायकर वायुक्त (रिन्टीक्षक)

श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० सी०-40/एक्यू० श्रार०-IVकल०/85-86---यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रशिकारी की, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्बत्ति, विश्वका स्थित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 16 है, जो नित्यधन मुखर्जी रोड़ में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध श्रनुस्ची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 22 जुलाई 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति को जीवत वाजार मून्य सं सम को स्थामान प्रतिकास को निए अन्धिति की सर्घ है बीए मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि नवाप्योंकत सम्पत्ति का समित नाजार पूर्व उसके कार्यनान प्रतिकाल से, एसे क्वमान प्रतिकास का रम्मह प्रतिकार से सधिक है और अंतरक (अन्यत्रकारें) और सन्तिर्देशी (अन्तिरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण को निए तय राजा क्या होतकम हिम्मिकिसिस क्यूडोक से क्यक अंतरण (अनिकृत में वास्तिर्यक क्यूडोक स्थारण स्था है।

- (क) बन्धरम् सं हुन्दं कियी कार्य की बान्त, जनस अधिमितम के संधीत कर वाने में मुन्तुरक के दानित्व में कमी करते या स्थरी बचने में सुविधा में सिए; मीर/या
- (व) एंडी किसी साथ मा किसी बन मा अन्य वारितयों को, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर स्थिनियम, मा अनस्य स्थितियम, मा अनस्य स्थितियम, 1957 (1957 भन्न 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट सही किया मण बा वा किया भ्रामा चारिए वा किया में स्थिमा के सिए;

अत: अब, उन्ते अधिनियम की शारा 269-ग के अन्सरण बें, बें, अकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्रीमती ग्रमिता रानी दाव।

(ग्रन्तरक)

(2) हुंगारजी प्रोजेक्ट प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्थित के वर्जन के निए कार्यवाहियां यूच करता हो।

# जनस सुन्पत्ति को सर्पन् को सन्तन्य में आदि भी बाबोप ह---

- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की सार्यक्ष के 45 दिस के मीतर जनत स्थायन सम्बद्ध के के हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्थाया, अभ्य स्तानारी के पास सिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वक्तिक रणः --- क्ष्मिनी प्रमुवक्ष कव्यों और पर्व शा, को बच्छ अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित कृं, तक्षी अर्थ झोगर को उस कथ्याय में विका गया है।

#### अनुस्ची

जमीन—18 काटा जमीन का साथ मकान, पता—16 नित्यधन मुखर्जी रोड़, थाना नथा जिला—हावड़ा दलिल मं० 1985 का 10709

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-4, कलकत्ता

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर जीधिनियम,, 1961 (1961 का 43) नी धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार कामलिय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० टी० भ्रार०-187/85-86/एस०एल०/1183 श्राई 0 ए० सी०/एक्वी०--1/ज्ल० यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन, आग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उद्धत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 102 ए तथा बी० है, था जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं (और इसरें) उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीजिंग प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20 जुलाई, 1985

की प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं भाय की बाबत क्षांक्त अभिनियम के अभीन कर होने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की निए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री बेनुलाल घोषाल, श्रीमती श्रनिता घोषाल, स्मरण घोषाल एवं स्वपन घोषाल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ मदन एवं विजय मदन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोर्ड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची

102 ए० तथा बी० पार्क स्ट्रीट में श्रवस्थित, 7 काठा 26 वर्ग फिट जमीन तथा मकान जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन आफिस में डीड नं० 1-10366 के श्रनुसार 20-7-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 13-3-1986

शक्ष्य मार्च , दी, यन , पुष्क , ------

नामका मिनियम, 1961 (1961 मा 43) की पाछ 269-म (1) के मधीन स्थान

#### STATE STATE

# क्षावांसव , तहावक बावकर बाव्क हिन्द्रीक्षणी

भ्रजीन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च, 1986

निर्वेश सं० टी० श्रार०-166/85-86/एस०एल०-1184/श्राई० ए० सी०//एकवी०-श्रार 1/-लल०-यसः मुझे, शेख नईमुद्दीन श्राकर निर्मिनमा 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इक्कों इक्कों परक्का (उसत निर्मिनयमं कहा गया हो), की भाषा 269-थ के सभीन मक्षान श्रीधकारी कि वह निर्म्थाल करने का नारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निषद माचार नृष्य 1,09,000/- रू. ने श्रीधका है

और जिसकी सं 181 ए एवं 181 बी है, तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित ,हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2 जुलाई 1985

को प्रोंक्त सम्बंधित के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान प्रिक्तित के लिए जन्सरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार पृष्ट उसके क्थबान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का क्वह प्रतिकास से अभिक है और अंसरक (बंतरकों) और अंसरित (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निश्निक क्य के शिय उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखिस में वास्त्रिक क्य से किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) नासरभू से हार्य किसी जान की नासका कर कराय व्यक्तियम के कथीय कह दोने के अन्यहरू के वाहितरव के कभी अपने या सत्तमें नवने में सुनिधा के लिए। अपिना
- (भ) शीन किसी नाय या किसी भन या अन्य जात्तियाँ नहीं, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के निए;

बत: बंब, उन्ते अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-म की मनभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिरहें, अर्थाव् क्रिक 1. श्री निशित कुमार ला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महम्मद जाहिर।

(ग्रन्तरिती)

को कह बुचका बहुती कपुन्ते पूर्वोक्स सम्बक्ति के अर्थन के तिथ् कार्यवादियां कारता हुई ।

क्या सम्मृति के नर्पन के संबंध में कोई भी मासेप :---

- (क) सब स्था से राजपन न से 45 हिए की वर्षी या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध मह में समन्त होती हों, के भीतर व्यक्तियों में से किसी स्थानस इन्दरा;
- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारी के 45 बिन के भीतार उनत स्थावर सम्पन्ति में छिए के बहुध कियी नन्त व्यक्ति स्थाय अभोहरताक्षरी के पास सिकिस में किए ज सकेंगा।

स्यक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय में विया स्याहित

#### ध्र<del>मुस्</del>वी

181 ए एवं 181बी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रब स्थित 6 काठा 6 छटाक 32 वर्ग फिट जमीन तथा मकान का श्रविभक्ष श्राधा हिस्सा जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन श्राफिस में डीड नं० I-9529 के ग्रनुसार 2-7-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

गेख त**र्हमृ**द्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, कलकत्ता

तारीख: 13-3-1986

मोहर.

प्रकृप आहे. वी: एव. स्टा. रहता

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, तहाबक बायकर बाव्यत (निर्देशण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्वेष सं० टी०श्रार०-167/85-86/एसएल-1185/ अर्डिएसी/एक्यू०-श्रार०-1/कल---यसः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विरुवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 182ए था 182बी है, तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), प्रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख 2 जुलाई 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से क्रम को करकतान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह निक्तास नारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उनके क्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का बंग्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण मिचित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है र—

- (क) अन्तरण से सुद्दे जिसी आय की बाबत, उसत नियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के दावित्य में यामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जरुः इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृक्ररण कैं, नें, उक्त अधिमित्रक की भारा 269-व की उपचारा (1) के सुधीन. निस्मीतीश्वत व्यक्तिकारों, अक्षान च— 1. श्री निशित कुमार ला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महम्मद गियासुद्दीन।

(श्रन्तरिती)

को यह स्**चना जारी करके प्**र्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन **के** लि**ए** कार्यवा**हिनां करला ह**ूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होता हो, के भीसर पूर्विक्त क्यों कित्यों में से किसी व्यक्ति सुत्राराः
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रमूक्त शब्दों और पदों का, जो जनत जीभीनयम, के मध्याय 20-क में दिस्भाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

#### अनुसूची

181 ए तथा 181 बी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रब स्थित 6 काठा 6 छिटांक 32 वर्ग फीट जमीन तथा मकान का श्रविभक्त श्राधा हिस्सा जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन श्राफिस में डीड नं∘ I-9530 के श्रनुसार 2-7-85 तारीख में रिजस्ट्री डुझा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I कलकसा-16

तारीख: 13-3-1986

प्ररूप कार्य , हो . एवं एस . ------

भागकर विभिन्नियस, 1961 (1961 का 43) वर्षी भाग २६०-२ (१) को सभीन स्थान

#### भारत शरकतर

# कार्याकर, स्वायक गायकर जान्वस (वैगरीकक)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कसकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

निदेश सं० सी०ए० 33/एक्यू० म्रार०-1/85-86/एसएल०-1186—-यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

जावकार गांधिनियम, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें एसको पश्चात 'उक्य भीभीनयम' राष्ट्रा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीत कल्लम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारणे का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित वाजार मृत्य 1,00,000/- का से जीधक हैं

और जिसकी सं० 6/1ए हैं तथा जो मथरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्रा-धिकारी (श्राई० ए० सी०) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ब्र्च्य से कन के दरवमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दर्धमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितिकों) के बीच देशे अन्तरण के सिए तब वाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बावत, उक्त अधिशिक्षम के लक्षील कर क्षेत्रे ने अल्करक के खायित्य में लक्षी कर्ज का लक्ष्म क्ष्ममें के तुलिशा के तिस् लोक क्ष
- (क) एंती किसी साम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जानकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुआरा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सर्विभा के शिक्षः

श्रक्तः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण तें, बी, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित स्यक्तिरां, वर्धातः :---

1. श्री संजय कुमार धन्ध।

(भ्रन्सरक)

श्री देवकी नन्दन हलवाई, सत्य भामा हलवाई।
(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखर से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की त्यारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी यन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिय<sup>\*</sup>√ गया ह<sup>3</sup>।

#### मन सची

6/1ए मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता-17 में अब स्थित मकान का दूसरा तल्ला में फ्लेट नं० 203 जिसका भ्रायतत 1525 वर्ग फीट जो मक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायकत निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 33 के अनुसार 15~7-85 तारीख में रजिस्ट्री हुम्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरो**द्धी**ण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीखः 13-3-1986

नीहर 🗈

ध्रुष्य बाह् .टी. एन. एस्. ------

शायकर अभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के स्थीन त्यका

#### भारत बरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० सी० ए०43/एक्यू० ग्रार०-1/85-86/एस० एस०-1187---यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त निधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति चिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० 25ए हैं तथा जो केमाक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (श्राइ० ए० सी०) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जुलाई 1985

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अन्सरित की गई

हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-प्रवेक्त सम्पत्ति का उचित वाषार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रति-कल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिफल से विभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के किए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निसिचित क्षूक्येय हैं उक्त अंतरण सिविस में नास्त्रिक क्प से किथा कहीं किया बाहै है—

- (क) अन्तरण से हुन्न किती जाय की शावत, जन्त अभितिषक के अभीन कर बंचे के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे श्वाने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाम या निस्ती धन मा नाम सास्तियों नारे चिन्हों भारतीय नामकर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधित्यम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांतनान नन्तिरिती कुतारा प्रकट नहीं किया पर्या ना या विभाग जाना धाड़िए था, कियान में सुविधा के लिए:

जत: लब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-क कै अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ले आधीन, विस्टितिकिस व्यक्तिमों, वर्धात टिल्ल 1. श्री कमल कुमार खाण्डेलवाल सथा राज कुमार जैन।

(मन्धरक)

2. श्री विरेन्द कुमार काणावात।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित से बार्वंद के जिल्ला

उपर सम्मति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आसोर ह----

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकालन की तारील हैं .45 विश्व की जनकि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासील वे 30 दिन की नविश्व, को भी अविश्व कर में समस्य होती हो, के मीदर प्रोंक्ड अधिनता में से किसी व्यक्ति कुशरा;
- (च) इस त्यान के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विध-वक्ष किसी कन्य व्यक्ति स्थापन अधोक्ताकरी के वास सिक्षित में किए वा समीने !

#### ग्रनुसूची

25 ए केमाक स्ट्रीट कलकत्ता-16 में अवस्थित मकान का 4 था तला में आफिस नं० 409ए जो सक्षम प्राधि-कारी (सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 43 के अनुसार 25-7-1985 में रजिस्ट्री हुआ है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकला-16

तारीख: 13-3-86

मोहरः

58---36 GI/86

प्रास्त्य बाई.टी.एम.एस. -----

# नत्वकर विधिनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के विधीन बुवना

#### भारतं संस्कार

# कार्यसम्, बद्दायक भागकर भागुक्त (निर्देशक)

ध्रर्जन रेंग-1, मलकता

कलकत्ता, दिनौंक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० सी० ए० 36 धारसी० ए० 57/85-86/ कम सं० 1188/भाई० ए० सी०/एक्यु० घार०<sup>I</sup>/कल० गतः मुझे ; शेखा नईमुद्दीन

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परनात 'उस्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उड़ित बाबार मूस्व 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 113 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद धनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकत प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (ग्राई० ए० सी०) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 18 जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए बन्सरित की गई है और मुखे यह फिनवास करने का कारण है कि ग्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवे दृश्यमान प्रतिफल का दंख्य प्रतिस्त से विभिक्त है और वंदरण से तिए तय पायर गया प्रति (वंतिरितियों) के बीच एसे वंदरण से तिए तय पायर गया प्रतिकत, निम्मिसित उद्देश्य से स्थत वंतरण विशिक्ष में बास्तियक रूप से काँचत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी शास की वास्तर, अंकत सीमिनियंत्र के अभीत कर दोने के बंदकक के वहिस्त्य में कभी करने या उत्तरी नक्षने में सुविधा के किए; भौर/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय नाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षित व्यविदयों, अधीत् :---

- मेसर्स मानन्दीलाल पोहार एण्ड सन्स लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रमित कुमार पाटनी।

(भ्रन्तरिती)

को सुद्द बुचमा चारी कारके पूर्वोक्छ स्व्यस्ति के मर्चन के सिम् कार्यनाहिमां करता हो।

# अवत बुज्यित के वर्षन के तत्र्यन्थ में कोई भी जाकीय क्रणा

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकासन की तारीय से 45 विक की सवीध या तत्सन्तरभी व्यक्तियों पर स्थान की तारीय से 30 विन की सविध, जो भी नविध सेल में समाध्य होती हुई, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों के से जिसी अधिकार होती हुई,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बबुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के गत सिविद में किए वा सकेंगे।

रन्द्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त बस्दों तीह पर्यों का, की उन्तर व्यविभिन्न के अध्याय 20-क में परिवारित हैं, कही वर्ष होना को उस अध्याय में दिया नया है।

#### अमुस्ची

113 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रवस्थित मकान पोद्दार पयेन्ट का दूसरा तल्ला में भ्राफिस प्रेमिसेस जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास मिरीयल नं सी ए० 36 एवं सी ए० 57 के भ्रमुसार 28-7-85 तारीख में स्जिस्ट्री हुआ।

(**गेख नई**मुद्दीन) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज- , कलकत्ता-16

तारी**ख**: 13-3-1986

# THE RIGHT WAS STAN STAN FORM

# नाथकर विभिनियमः, 1961 (1961 का 43), की पारा 269-म (1), वे व्यक्ति कुम्बा श्रीयार

# कार्यातय, सहायक आयकर बायुक्त (विश्विका)

भ्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० सी० ए० 35 श्रीर 56/85-86/एसएल० 1189/श्राई० ए० सी०/एक्वी० श्रार-1/कल--यतः मुझे , शेख नईमुद्दीन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाधार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 113 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्रधिकारी (ग्राई० ए० सी०) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18 जुलाई 1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ररतमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (व) इसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना नवा राधिनियम, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया याना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भे, इक्त आधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मद्धर्स झानम्द्री लाल पोहार एण्ड सन्स लिमिटेड। (झन्तरक)
- 2. मेसर्स धपूर्व द्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिथु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध को कोई भी बाक्सेप हन्न

- (क) धन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की बनिध, को और समित नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति। एकाचा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याद 20-क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय सा सिना पना है।

#### अन् म् ची

113 पार्क स्ट्रीट , कल हना में अवस्थित महानपोद्दार पयन्ट का दूसरा तला में आक्रिय प्रेमिनेय जो सक्षम प्राधि-कारी (पहाशक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंच-1, कलकत्ता के एम सिरीयल ने सार एवं 35 एवं मांव एवं 56 के प्रमुखार 18-7-85 तारील में रजिस्ट्री हुआ।

> भेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारा सहायक प्रायक्त आयुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेज-I, कनकत्ता-16

तारीख: 13-3-86

# वक्त बार्च छ दर्ब<sub>ा</sub> प्रम<sub>ा</sub> प्रम<sub>ा</sub> = - - ----

# भाषकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मेपीन स्पना

#### BEFF BER

कार्यासय, सहायक वायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० धार०-183/85-86/एस० एल० 1190/ धार्ष० ए० सी०/एसवी-धार०-1/कल०--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिट इसमें इसकी प्रवाद 'उक्त विधिनियम' कहा गया : हैं), की धारा 269-ए के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका स्वीत वाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 30 ए से 30 एफ० है, तथा जो मिराजा गालिब स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीन इससे उपावक अनुसूत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीध 26 जुलाई 1985

को पृश्वित सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकर के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का काउण है कि यश्पमान स्विक संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिकर से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिसत उद्देष्य से उक्त अन्वर्ण विविद्य में गस्तिक रूप से अप्रित मृत्ति निम्ना

- (क) अन्तरण ते शुर्च किसी जाम को बाबत, उसक अभिनियम के संभीत कर पेने के उत्तरक के दायित में कमी करने या उत्तर्ध बचने में स्विभा के जिए बार्-था
- (च) एसी किसी आय का किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों आपतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधि-ध्यम, या धनकर अधि-ध्यम, या धनकर अधि-ध्यम, या धनकर अधि-ध्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती द्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए वा चिपाद में स्विधा के खिला।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधास (1) ▶ क्थीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री एजरा जोसेफ गुब्बे, लरेन डेल गुब्बे एवं जोसेफ एजरा गुब्बे।

(ग्रन्तरक)

2. मि० भि० के० भाक्कर प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

कां बहु सूना। भारी करके प्यंक्ति संपत्ति है गर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षोप ए---

- (क) ध्रम भूषना के राजपभ में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अमीम या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्तां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवित्य, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति इंदादा;
- (व) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच है 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-श्रेष किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधाह/ताक्षरी में पस विधित में किस वा ककी ने।

स्वच्छीकरण -- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होंगा, बो उस अध्याय में दिया भया है।

#### भन्स्ची

30 ए० से 30 एफ० मिर्ण भानिब स्ट्रीट, कलकत्ता-में भ्रवस्थिर एक बींघा गेरह कारा एकुण वर्ग कीट जमीन तथा मकान तथा स्ट्राकचार जो कलकत्ता रिजस्ट्रेणन ग्राफिस में डीड नं० 1-20930 के अनुमार 26-7-1985 में रिजस्ट्री हुआ।

> णेख नईम्हीर्ने सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 13-3-1986

गं।हर:

प्रकृत वाही हो हो एक प्रकृत करान

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### बारत सरकार

# कार्याज्य, सङ्ग्रांक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 13 मार्च 1986

ित्रोंण सं० सी० ए० 25/एक्बी० ग्रार०-1/एम० एल० 1191/ग्राई० ए० सी०/एक्बी०-ग्रार०-1/कलः ---ग्रत, मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 7 है, तथा जो केमाक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपायद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मी०ए० स्राई० ए० सी० श्रर्जन रेंज-कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 11 जुलाई 1985

(1908 का 16) के अधान, ताराख 11 जुलाई 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; और/या
- ्थ) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य वास्तियरें को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195? का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रऋट नहीं किया गया था या किया जाना था हिए या, धियान में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरंण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :--

- 1. मेनर्स आजिमगंज एस्टेटस प्राईवेट लिभिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2 में नर्स लाईका लेबम प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ऋरसा हुं।

# उक्क संपत्ति के सर्जन हो संबंध में काहि ही बाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थावतमों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इस स्वना के राजभन में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यप्थ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकति।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रभूक्त शब्दों और पदों का, को उधक शीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक्ष ही, वहीं कर्य होगा. जो उस अध्याध में दिवा गया है।

#### श्रनुसूची

7, कैमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का दुसरा तरूला में 277.84 वर्ग मिटर श्रायत्त जराह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्राय्कृत निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकता के पास सिरियल नं सी ए 25 के श्रमुसार 12-7-85 तारीख में रिजस्ट्र हुश्रा।

शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 13-3-86

प्रकृष नार्ष् छ डी... हुन्, एर्ड : - = - =-

# बावकार विधिनियन । 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याजन, बहायक नायकर नायक्त (निवृत्तिक)

अर्जनरें ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मार्च, 1986

निदेश सं० आई ए० सी ०/एक्यू०रें ज्-।/नलबत्ता—सी ० ए० 31/85-86/ सी रियल नं० 1192— अतः मुझे, शेख नईमहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिनकी सं० 25 ए, है नथा जो कमां क स्ट्रीट, कलकत्ता-25ए में स्थित है (ब्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी ०ए०, आई०सी०,ए० अर्जन रेंजब2, कल कता में, रिजिस्ट्री करण अधिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कत के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास का कारण है कि समान्यों कर सम्पत्ति का अधिक वाणार मृख्य हिसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए ने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अ्व्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कृषिनिवृत् के अचीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कभी करने ना जबसे वचने में जुनिधा के जिए; अप्रिंगः
- (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व विद्या

मतः अन, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमिति हेमलता जैन, मिनिता जैन, बिमला देवी जैन, (अन्दरक)
- (2) मेसर्स ए०एल०एम०(रियल स्टेट), प्रा०लि ०। (अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई' भी नामप ा---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से.
  45 दिन की क्यफि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर
  स्वा की तामील से 30 दिन की अविभ, वो भी
  भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका
  स्पन्तियों में से किसी स्वक्ति क्षवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पाच लिसिस में किए जा सकेंगे।

अन्दिकिरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बका हैंं.

#### धनुसूची

25 ए, क्रमाल स्ट्रीट, कलक्ता में अब स्थित मकाम का तीसरा हिस्सा (उरो मंजिल) में आफिस नं ० 302, जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण), अर्जनरेंज-2 कलकत्ता के पास सीरियल नं ० सी ० ए ० 32 के अनुसार 25-7-85 तारीख में रज्स्ट्री हुआ है।

> शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी भहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रें जब2, कलकत्ता

तारीख: 23-3-1986

प्ररूप आहू .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेन्ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०रेंज-1/कलकत्ता—-सी० ए,० 20/85-86/सोरियल नं० 1193—— अतः मुझे, शोख नईमुहीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000 ∕ - रक∞ से अधिक हैं।

भीर जिमकी मं० 28 ए हैं तथा जो पार्क स्ट्रोट, कल कत्ता में स्थित है (श्रीण इसके उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० आई० ए० सी० अर्जन रेंज-2, कल क्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1985,

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण े, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ॥—— (1) मेसर्सं युजा विनियोग लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमि स्वर्गियता दत्ता।

(अन्तरितो )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविभ या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में सथा परिभा-षित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

28ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित मकान का 6ठा तल्ला में प्नाट नं ० 6-ई कौ छत जो सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरें ज-2, कलकत्ता के पारू मिरियल नं ० सी ० ए ० २० के अनुभार 23-3-86 नारीख में रिकस्ट्री हुआ।

> मेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 23~3-1986

मोहर 🕉

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

अगयकार अभिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

भागांलिय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जमरें ज, जलकत्ता

कलकत्ता, दिशंक 23 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०आर-1/कलकत्ता— सी०ए०/30/एक्पू०रें ज-।/1194— अतः मुझे, शेख नईमुदी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विकोध कर्म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धित, विसका उपित बाबाद बुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० 3 धरता जो आपार 3 री स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रॉर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण कर से विणित हैं), रिजस्ट्रोक्ता अधिकारी के कार्यालय, मी०ए० आईस ए० सी० अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, नारीख 25-7-1986

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असहो दश्यमान प्रतिफल को शंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अभि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूजिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधितृ, विमनिकिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् उ—-

(१) पारेख प्रापर्टीज ।

(अन्तर्जः)

(2) णेख युभूक णेख आबदेआाल तथा अन्य स्यक्ति । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भ 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्रवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ह<sup>3</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **प्रनुसूची**

3 आपार 3 री स्ट्रीट, कलबत्ता में अब स्थित मकान का एक कल्ला में अब स्थित 797 वर्ग फिट आयतन का आफिस स्पेम युनिट नं ०2.2 जो सक्षम प्राधिकारों (सहायक आयकर श्रायुक्त तिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं ० मो ० पों ० 30 के अनुसार 25-7-1985 को त'राख में एजिस्ट्रों हुआ।

शेख रईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आययुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंजब2, कलकत्ता-16

तारीख: 23-3-1986

मोहराः

प्ररूप कार्इ.टी. एन. एस. ------

**जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** 

# की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वात

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, कसकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मर्प्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०रें ज-।/कलकत्ता— टीमें आर०/85 85ब86/ सीरियल नं० 1195—— ,नः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हुने), की भारा 269-स के उभीन सधम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हुनै

स्रीर जिसकी सं० 228 है नथा जो डा० लाल मोहन भट्टाचार्यंब रोड, जलकत्ता में स्थित है जीर इसमें उपाबद्ध अनुमुनी में स्रीर पूर्णभप से वर्णित है), रिजिस्ट्री नर्ता अधि गरी के कार्यालय, कलकत्ता में स्थित है रिजिस्ट्री स्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 28-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश्व की गई जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई सिवी बाव की बावत उक्त वर्षि-नियम के कथीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससं वन्ती में सविधा के लिए शर्रा
- (भ) एवी किसी अब मा किसी भग वा अन्य बास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय जाय-कर मींभीनवन, 192? (1922 का 11) या उक्त जीभीनवन, वा भय-कर वीभिनिवन, वा भय-कर वीभिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में भ्विभा के निक्य;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) अ अधीन. जिस्तिविस स्विक्तियों अधीत ह— 59—36 GI/86

(1) श्रीमिति हेमा बीस ।

हअन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार सेन।

(अन्तरिसी)

को यह कुणना जारी करके पृत्राँक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवादियां कुण करका हूं।}

उन्हा सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविकत द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निचित्त में किस का सकोंचे।

स्थव्यक्रिकरणः----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उच्छ किश्विमम के अध्याय 20-के में पॉरभावित हैं, यही कर्य होगा को जब कथ्याव में विवा भेदा होंग्रेग

#### जनसर्वी

228, डा॰ लान मोहन भट्टाचार्य रोड, कलकत्ता में अब स्थित 2 बोघा 8 काठा 2 छिटांक 5 वर्गफिट जमीन तथा मकान का अबिभक्त आधा हिस्सा जो रिजस्ट्रेशन आफिस, कलकत्ता में डीड सं०।-22525 पी० के अनुसार 28-7-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> णेंख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-2, कलकत्ता

नारीख: 23-3-1986

**शक्त नाष्**रे, हो. एवं. एकं.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### गारद परका

# कार्यालय, सहायक बावकर बाव्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकसा कलकत्ता, दिशांक 23 मार्च 1986

निर्देश सं ० आई ए० सो० /एक्यू० आर-1/कल/टी० आर०186/85:86---निरियल-1196--यतः मुझे, शेखा नईमुद्दोन
आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परकात् 'उक्त विधिनयम' कहा क्या हु"), की भारा
269-स शे वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति विसका उपित नाकार मृत्य
1,00,000/- रु. से विधिक है

भीर जिसकी सं० 228 है, तथा जो डा०साल मोहन भट्टाचार्य रोड़, कलकत्ता में स्थित है (आंर इसमे उपाबद अनु सूची में आं? पूर्ण रूप बर्णित है ), रजिस्ट्रीजती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई 1985 को वृत्रीकर तम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कन के स्वमान शिल्यत में सिए अन्तरित की गई है जीर नृत्रों वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का डिचत बाबार कृष्य, उसके स्थमान प्रतिपन्न से, एसे स्थमान प्रतिपन्न के स्थमान प्रतिपन्न से स्थाप अधिक है और बंतरक (जंतरक्रों) और बंतरिती (जंतरितिवर्ग) के बीच एसे बन्तरूण के लिए सब बाबा प्रवासित का निम्निसित उद्योग से उसके बन्तरूण के लिए सब बाबा प्रवासित का बीचत नहीं किया बना है है----

- (क) नंबरण के हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने वा बद्दवे वचने में बृद्धित के बिह, अधि/वा
- (क) एवी किसी बान वा किसी धन वा नम्प नास्तियः को किन्तुं भारतीय नावकार निधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उचत मधिनियंत्र, वा धन-कार निधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ नगरियों दुवारा प्रकृट वहीं किया नवा वा किया काना वाहिए वा, कियाने में वृतिधा ने सिक्षः

बंत: नव, उक्त वीभीनयम की भारा 269-न के अनुसरण वी, मी, उक्त वीभीनयम की भारा 269-न की उपधारा (1) के वधीन, निर्म्तनिवित व्यक्तियाँ, वजीत : 1. श्रीमती बीना मिश्र।

(अन्तरक)

2. श्री अभिल कुमार सेन।

(अन्५रितो )

को बहु बुचना बारी करके प्रबंधित सम्मतिस के गर्थन के निष्क कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त बन्गरित् के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी मार्खेष:---

- (क) इस स्वात के स्वयंत्र में प्रकाशन की सारीय हैं

  45 दिन की नवींथ या संस्थेती व्यक्तियों पर
  स्वयंत्र की सामीत के 30 दिन की व्यक्ति, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वावय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूराए;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-जिली क्षा व्यक्ति इवारा अधोइस्ताकरी के शक्क सिक्ति में किए वा सकेंगे।

## मनुसूची

228, डा० लाल मोहन भट्टाचार्य रोड़, कलकत्ता में अबस्थित 2 बिधा 8 काठा 5 वर्ग फुट आयसन का अमित तथा मंत्रान एवं स्टाक्तार जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन आफिस में डीड नं० 12526पी-2 के अनुसार 18-7-1985 तारीख में रिजस्ढ़ी हुआ।

> हूगेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 13-3-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

बाधकर लिपिनवन, 1961 (1961 का 43) की धहर 269-व (1) के बबीन सूचना भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आवकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कक्षकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० सी० ए० 40/एन्यू० आर०ना/85-86/एस ैं एन-1197—यत सुझे, शेख नईस्हीन,

बावकर बीवनिजय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 200-व से अधीव प्रकास प्रजीपनात्ती को यह विस्तास करने का कहा है कि स्थानर सम्मास, विस्तास बहित्य कालह भूगा 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 7 है, तथा जो केमाक स्ट्रीट कलकत्ता-17 स्थित है (श्रीर इंससे उपाधक अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी ए, IAC, एइर्० आर०1/हन/ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 ) के अधीन, तारीख जुलाई

में व्योक्त संस्थित से जिया नामार मृत्य थे क्य के व्यवमान ही स्थान के सिक्ष अन्तरित की गई है और वह विवयस करने का क्षरण है कि स्थापूर्वीकत सम्मत्ति का जीवत वाचार रूका, उथके ध्रथमान प्रतिफल का क्षरण है कि स्थापूर्वीकत सम्मत्ति का जीवत वाचार रूका, उथके ध्रथमान प्रतिफल का क्षर प्रतिफल का क्षर प्रतिफल का क्षर प्रतिफल का क्षर प्रतिफल के विवय से विवय है और विवरण (अंक्षरका) की वीच एसे अन्तरण के निष् तम भाग नवा अधिका, विवयतिका उन्तर्थमों से स्थल बन्तरण विविचत के सामार्थिक कर से कवित्र वहाँ किया क्या है है

- (क) करवास से हुई फिटी दान की नामक करन अभिक भिष्म की बचीच कर दोने के बच्चरक के दायिएंड में कभी कहने वा करते क्यमें में युचिया की विद्या। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों आरसीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया का भा का किया बाबा वाहिए था, कियाने के समिन के किया;

बार क्र्य, क्ष्मत की भीष्यम की भारा 269-म को अफूबंबफ भो, मी, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारत (-) के अभीम, निम्नतिखित व्यक्तिकरों के मन्त्रीत् क्षमा

- 1. मेसर्स आक्षिमगण एस्टेट प्राईविट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्री आम्बालाल फेमिलि ट्रस्ट। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्थन के लिए कायगाहिकों करिया हुँ।

# उपर राज्यक्षि के अर्थन में राज्यन्य में बीवर्ष की बार्बन 🕒

- (क) इस जूनका में समयत में प्रकारण की स्वारीय स 45 दिय की नकीय वा स्त्योंकी कार्यकों पर तूनका की तालीय से 30 दिन की बनाय, वो भी अविध नाम में सम्बद्ध होती हो, के बीतार प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी कार्यक कुनारा;
- (क) इस भूजना में सजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 किन के जीवर उनक स्थालर सम्बद्धि में द्वित-नक्ष्य कि.ती शंन्य व्यक्ति द्वारा वभोहत्ताकारी के यंक्त सिकिट में किए वा संकंति।

लक्किक्यः—इसमें प्रयुक्त क्यां और वहां का, को क्या लिकियन, के अध्याव 20-क में वरिधाणित हैं, वहीं वर्ष होना. को उस अध्याय में विद्या क्या हैं।

#### वपुसुची

सम्पत्ति जो 7, केंमाक स्ट्राट, कलकत्ता में अक्रस्थित मकान का 5 तल्ला में 292.29 वर्ग मिटर आयतन का जगह जो सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुत निरीक्षण) अर्जन रेंज:2, कलकत्ता के पाम मिरोयल नं० सी० ए० 40 के अनुसार 22-7-1985 में रजिस्ट्र हुआ।

> (शेख नईमुद्दीन) सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता 16

कारोख 13-3-1986 मोहर : **ब्रुक्, बाइं. टी. ए**स. एवं.----

बायकः अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) में अधीन स्वमा

भारत सरकार

# बहायक नामकार जानुक्त (निर्देशकी

अर्जन रेंज-I, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च, 1986

निदेश सं० सो० ए० 41/एक्यू० आर०-1/85-86/एम एल 198--्यतः मुझे शेख नई भृदीन

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इतमें इतके प्रकाद 'उन्त कि अधिनियम' कहा गया हैं), की पार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, विसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रहा से निधक है

भौर जिसको सं० 7 है तथा जो केमाक स्द्रीट कल कत्ता-17 स्थित है (भीर इसल उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप में अर्जित है),रिक्टिइकिर्ता अधिकारी के बायिल्स सी ए० आई ए सी अर्जिन रेज, कल कत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के अधीन, रिख्य 22 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उपित वाकार बृज्य से क्या के धरवजाब प्रतिकास के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संस्थाति का उपित वाकार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे अवस्थान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तक्का) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिकास निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित के वास्तविक रूप के किथत नहीं पामा पना है :---

- (क) वन्तरण से हुन्दै किसी जान की वावस, उपस निवित्तम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्त में कमी करने या उससे सपने के सृदिधा के लिए; जार्रि/या
- (अ) एसी किसी आम वर किसी पंत्र वा अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियान से व्यक्तिया की किसा

सवः त्रवः, उक्तः सभिनियमं की भारा 269-ग के समुद्ररण भौ, तौ, उक्तः सभिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (१) कृष्णीन, निम्निचित स्पक्तियों, वर्षात मुल्ल

- मैसर्स आजिम्गंक एस्टेट प्राईक्टि लिम्टिंड। (अन्तरक)
- 2. मेंसर्स आम्बालाल फेमिलि ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को सुद् सुष्या बादी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्यत बुल्लीत के बर्चन के तंत्रंभ में कोई भी माक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीस क्षें 45 विश् की अविध या तत्संबंधी स्पक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 विन की अविध, सो और स्वीय बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर न्वोंक्स स्पक्तियों में से किसी करिक्त व्यारा:
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की सारी से 45 विन के जीतह स्थान स्थानर सम्पत्ति में दिस्तवहुध हैं केशी कन्य स्थानर व्यास, ज्योहस्ताक्षरी की पाड सिवित में किए या सकेने।

स्वाक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वो उक्क विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नपुष्ट्यी

सम्पत्ति जो 7, केमाक स्क्रीट, कलकत्ता-7 में अबस्थित मकान का 5 तल्ला में 292.29 वर्ग मीटर ा जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-ककलकत्ता के पास सिरीयल नं० सी एमें 42 के अनुसार 22-7-19-5 आफिस में रजिस्कु हुआ।

> यो ख नईमुद्दीनं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-क,कलकत्ता-16

**तारोखः 13-3-19**86

#### प्रकार बार्च । दर्भ , एक , एक , ------

### माधकार मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के वधीन मूखना

#### भारत करकार

### बार्याजन, प्रकृतक कार्यक्त थानुम्य (निवर्तकक)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

निवेश सं० सी० ए० 34/एक्यू० आर-1/85-86/एसएल 1199--यतः मुझे शेख नईमृद्दीन

कायक र अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें स्क्रा प्रसाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० 6/1ए है तथा जो मयरा स्कृटि कलकत्ता-17 में स्थित हैं (म्रौर इससे उपावड अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी ए आई० ए० सी० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के क्षित बाबार भूग्य से कन के ज्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की नहीं हैं और मुख्ये यह विश्वास करने का कारक है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार भूग्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे का नाम प्रतिफल का क्ष्मश्च प्रतिकृत से जिनक हैं और बंत के (बं. रका) और वंतरिका (बन्तरितियाँ) के बीच होंसे जन्तरम के लिए व्यय पाया नया नया प्रतिकृत निम्नभिष्ति स्वृद्धेय से उन्त बंतरम बिवित में राख्यिक क्ष्म से क्षिक ब्रह्में किया क्ष्म हैं क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**वित व्यक्तियों, अधी**त् :—

- 1. श्री देवकी नन्दन हलवाई, सत्य भामा हलवाई। (अन्तरक)
- 2. श्री प्रमोद कुमार चौधरी, रेनु घोधरी। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृत्रों क्या सम्परित के अर्थन के किया कार्यवाहियां करता हूं।

#### उन्त सम्मरित है बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप-

- (क) इत सूचना के राधपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तार्धाल से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिकरण :----इसमें प्रयुक्त संब्दों और न्यों का, जो उक्त अधिनियम के तिया ५०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ ह ना जो उसे अभ्याय में विया ववा है।

#### पगस्त्री

6/1ए मथरा स्ट्रीट , कलकत्ता में श्रवस्थित संजान का दुसरा तल्ला में 1525 वर्ग फीट का फ्लेट नं० 203 जो मक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता के पास सिरायल नं० सी० ए० 34 के अनुसार 19-7-1985 द्वारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> सेख नईमुद्दीन नक्षम प्राधि घारी (सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारी**ज** 13**-3**-1986 मोहर: प्रकप नाहाँ. टी. एन. एसं. -----

बायकर बॉमिनवंग, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन स्वना

#### पाएड सम्बद्ध

कार्यासय, सहायक आयंकर वायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिशांक 13 मार्च 1986

निदेश सं० सी० ए० 37/85-86/एक्यू० आर.०-1/कल/ एसएल० 1200——यत: मुझे, शेख नईमुदीन

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसनें पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा पता ही, की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राभिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रह. से विभिक्त ही

भीर जिसको सं ० 18ए हैं, तथा जो पार्क स्कोट कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्त अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप में विजित्त हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सी०ए० आव०एमें सी० अर्जन रेंज-1, बलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधी, तारीख 18 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्मित का जियत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए त्य पावा क्या अतिफस, निक्तमिविक उद्देश्य से उस्त बन्तरण निष्कित में बास्तविक रूप से कांचित नहीं किया पाया है ——

- (क) शंतरण ते हुई कियी भाष की वाबत, अवस शीधनियम के सभीन कर दोने के अंशरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा कांसए; और/मा
- (क) श्रेती किसी नाव वा किसी धन वा करन जास्तियों कार्ग, जिन्हें भारतीय जायकार जीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनयम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ जन्तिरियों क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा विश्वा जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए;

सरत सर, उन्त सीपीनवन की बारा 269-न के सनुसरन के, में, उन्त मीपीनवन की भारा 269-च की उपधारा (१) के करीत, निम्नितियित व्यक्तिकों, अर्थाट 1. मेसर्स सुजन मिनियोग लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री चन्दन कुमार मुखर्जी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

उक्त बम्परित में बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शालेंच क्र--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अन्धि, को भी जनिय वाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वेच्य व्यक्तियों में से सिक्ती व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपूत में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन के भीतर उनके स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य म्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताक्षरी के बाब सिकित में किये जा सकाये।

स्वक्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कथितियम को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही क्यें होगा को उस कथ्याय में दिवा नवा है।

### अनुसूची

18ए पार्क स्ढ़ीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का छवां तत्त्वा (6th Floor) का फ्लेट नं ० 6-1 का छत जो सी०ए०, 1थ्राई ए०सी०, एक्यू० आर-1 कलकत्ता में के पास सिरीयल सी ए० 37 के श्रुसार 19-7-1985 में रिजस्ढ़ा हुआ।

> शेखनईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

नारी**ख**: 13-3-1986

प्रकम बार्ड .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

### कार्यांसय, सहायक वायकर आयुक्त (निरोधक) अर्जभ रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मार्च 1986

निदेश सं० सी ०ए ०-24//85-86/एक्यू **प्रा**र-1/कल/ 1201 अतः मुझे, **गो**ख नर्धमुद्दीन,

बायकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 38-ए० तथा जो मेटकीफ स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाधा अनुसुची में श्रीर पूर्णरूप ने विणित है, रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० आई० ए० सा०अर्जन रेज-2, कलकत्ता में, रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 22 जूलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य ते कम के करवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिसत्त से साथक है और बंबच्च (अंशरकों) और बंद्ध-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के किए तब पाना नमा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उन्त बंदरण कि कित में बास्तविक क्य से कविश्व नहीं किया नमा है :—

- (क) अतिरण से हुइ किसी जाव की वास्त, सम्बद्ध विध-नियम के अभीन अर दोने के अंतरक के दायिका में अभी करने ना स्वत्ते वचने में सुनिधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग ना किसी भन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम का भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंवरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बन, उन्त निधिनियमं की धारा 269-न के बनुसरण वां, मीं, एक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बकीम, निज्ञीविक्त व्यक्तियों, बज्जीत मे— 1. श्री अशोह कुमार जैता

(अन्तरक

 मैं ० जभप्रिय फाईनान्स एण्ड इण्डस्ट्रियल इन्वेस्ट-मेंट (इंडिया) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को शह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यनाहियां चुक करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी शाखेंपूर--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तायज से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वच्यांकरणः इसमें प्रयुक्त बन्दों और पश्चें का, को उक्त आधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं वर्ष होना को उस सुध्याय में दिया नवा हैं।

#### मनुसूची

34-ए० मेटकाफ स्ढ़ीट, कुल क्ला में अवस्थित मकान का दूसरा तल्ला में 393 वर्ग फिट आयतन का जगह जो सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, कलकला वे पास सीरियल नं० णि० ए०-28 के अनुसार 22-7-85 नारीख में रजिस्**द्री हु**आ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज-2, कलकत्ता

तारी**ख:** 23-3-1986

### त्रक्य बार्ड . ही . एव् . एव् . .....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत बडका

कार्याख्य, सङ्गायक **बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 23 मार्च 1986

निर्देश सं० सी० ए० 23/85-86/एक्यू०-झार०—I कला० सी० नं० 1202—-अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 3 00,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 34-ए० है, तथा जो मेटकाफे स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमें उपायद अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० आई० ए० सी०, अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1985

भ्यं पूर्वोक्त संपत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के द्रममान गितफल के लिए अन्तरित की गई आरे मूक्ते यह विभवास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिवत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क्यें) बलाइक से हुइ किसी बाय की बायत, स्वक्ष विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्) एति किसी शहर वा किसी भन वा कवा बाध्यवाँ को, विन्हुं भारतीय जाय-कर व्यक्तिवयम, 1922 (1922 का १६) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्सारती ृताय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाकिए था, कियाने में शृविधा के लिए;

आतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) के अभीग, निकालिसित व्यक्तिक , अर्जीव अ—— 1. श्री संजीव कुमार जैन।

(अन्तरक)

 मै० जनंत्रिय फाईनान्स एण्ड इण्डस्ट्रियल इन्बेस्टमेंट (इंडिया) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी कर्क वृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्ध बंदरि के वर्जन के संबंध में कोई जी बाबोंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील हैं 45 विन की जनींथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की जनीथ, जो भी जनीथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरीं के पास विविध्त के किए या सकते।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रमुक्त सक्यों और पदां का, को उक्त जीधीनयम के जभ्मान 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्यास में दिनः पदा हो।

### ननुसूची

सम्पत्ति जो 34-ए० मेटकाफें स्ट्रीट, कलकत्ता में जबस्थित भकान का दूसरा तल्ला में 800 वर्ग फिट आयतन का जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी० ए० 23 के अनुसार 22-7-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेंख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंण-2, कलकत्ता

तारीख: 23-3-1986

प्रकृप बाद् .टी. एन . एस-----

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सर्कार

### कार्याजय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 23 मार्च 1986

निर्देश सं० सी० ए० 22/85-86/एक्वि० आर०-1/कल०/सी० नं० 1203--अतः मुझे, शेख नईमुदीन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांर जिसको सं० 34-ए है तथा जो मेटकाफे स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० आई० ए० सी० अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्डे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह्-प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, जायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

1. संजीव कुमार जैन ।

(अन्भर्क)

 मैं० जनप्रिय फाईनैन्स एण्ड इण्डस्ट्रियल इन्वेस्ट-मेंट (इण्डिया) लिमिटेड।

(अन्तरिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रंक्ति सम्पत्ति के अर्जन क । लए कार्यकाहियां करता हुं।

उपता सम्मिष्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कां) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर कुर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब शिकित में किए जा सकोंगे।

स्पञ्डीलक्ण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनितम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### वम्स्ची

34-ए, मेट जफे स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकात का दूसरा तल्ला में 800 वर्ग फिट आयत्तन का जगह जो सक्षम प्राधिकारी (पड्यायक आयक्तर आयुक्त किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 22 के अनुसार 22-7-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायऽ आयज्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, कलकत्ता

तारीख: 23-3-1986

### वरून नाहीत् कीत् **एस**् एकं तुन्नवन्त्रनात

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यानय, सहायक भायकर नायक्त (निर्दाक्तक) श्रर्जन रेंज-2, जलकत्ता

कल हत्ता, दिशांक 23 मार्च 1986

निदेश सं ० आई ० सी ० ए **० 2**7/85-86/सी ० 1 2 0 4--अत: मुझे, शेख नईम्*दीन*,

भागकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियस' कहा गया है), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00 000/- रह. से अधिक है

ग्रांश जिसकी सं 34, है तथा जो इलियट रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रांश इपने उपायद्ध अनुसूची में ग्रांश पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मक्षम प्राधिकारी (आई० ए० सी०) अर्जनरेंज-2, कलकत्ता में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है जीर मूझे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) जीर जंतरियीं (अंतरिक्षिणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिकक, निक्तिशिवत उन्हें के उच्च बन्दहम दिविक में मल्तिक कर से अधिक वहाँ विकार क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उपच वीधितवय के नभीन केंद्र दोने के अन्तरक के कांक्रित्व के क्यी कर्तने वा उचसे वचने ते सुविधा वे क्षित्र; नीड/मा
- ा) ऐसी किसी बाय या किसी थन वा बन्च अरिस्तकों को जिन्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में मीवार वे किया।

बधा ४४, ७वत विधिनयम, की पास 269-य के बनुक्रण में, थें। उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधास (1) बो क्रेशिय, निस्मीसिविव व्यक्तियों. बचार क्र--

- श्री शंकर कुमार दास, डा० रमा संश्कार । (अनाराज)
- 2. श्री अमर मेन, प्रतिक कुमार सेन। (अन्तरिती)

को गइ गुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाओप :-

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी कस्य स्थावत द्वारा मधोहस्ताक्षरी के वाह सिवित में किए वा दक्षेत्रे।

#### धनुसूची

38, इतियट रोड़, कलकत्ता में अवस्थित 3 काठा 2 छटांक 22 वर्ग फिट जमीन तथा मकान जो सक्षम प्राधिकारो (महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी० ए० 27 के अनुसार 22-7-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईसुदीन सक्षम प्राधिकरी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, कलकत्ता

तारीख<sup>े</sup> 23-3-1986 मो हर प्ररूप थाई.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 23 मार्च 1986

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्टिय० रेंज-1/कल०/ सी० ए० 38/85-86/सी० नं० 1205--श्रतः मुझे शेख नईमुद्दीन

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवर्ष क्लकें इसके पर्वात् 'उक्त जीधिनियम' कहा गया हैं), की दारां 269-च के अधीन सक्षम प्रभिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्वावर सक्पत्ति, विसका उचित वाबार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 28-ए० है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (श्राई० ए० सी०) श्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 29-7-1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाचार मुख्य से कम के बद्दबनान प्रतिक्षण को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित कावार मूख्य, उसके दृदयमान प्रतिक्षल से, एसे दृद्धवान क्रीतक्षस के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के सिए तय पावा जया प्रतिकृत निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त बंतरण विक्रित में शब्दिक इस से कथित नहीं किया गवा है

- (क) अन्तरम वं हुई भिन्दी बान की बानवा, बच्च विभिन्नम के सभीन कर दोने के बन्दरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी साम ना किसी पन ना केन्स बॉस्सियों को, बिन्हों प्रार्थीय जान-कर्य अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनयंत्र, मा चन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा ना का किया नाना चाहिए था, कियाने में स्विया स्विया के सिन्ह;

बार: शहर, सक्त विधित्यम की बाच 269-न के बन्दरन को, मी, उक्त विधित्यम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स सुजव जिनियोग लिमिटेडी।
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती निर्मेला शर्मा

(अन्तरिती)

को वह ब्रुच्या नार्या कारके पृत्रीक्त सम्पारित के वर्षन के किए कार्यवादियां ब्रुक्त करता हुई ।

जनत सम्पर्ति के वर्षन के तंबन में कोई भी बाबने ह-

- (क) इस ब्रुचना की राज्यन में प्रकाशन की दारीज से 45 दिन की वनींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनींच, जो भी सर्वाच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों को व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रासा;
- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्च न्यन्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए वा सकते।

स्थर्धिकरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का को उपक अधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा भग है।

#### अनुसूची

28-ए० पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का 6 तल्ला (6ठा फ्लोर) में फ्लैट नं० 6-जे० का छत का श्रविभवत हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2 कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी० ए० 38 के श्रनुसार 29-7-1985, तारीख में रजिस्ट्री हुश्रा।

शेख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 23-3-1986

प्रथम् आह<u>े. टी. हम्. एक.</u> वर्णान्यसम्बद्धाः

बायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### शारत बरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (पिर्यावक) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निदेश सं० ए० सी० /रेंज-2184/एक्वि भार०-3/ कस०/85-86--अतः म्झे शेख नईम्हीन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह") की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाब करने का कार्व है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै ग्रौर जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरनी कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 11-7,-1985 क्यों पूर्वों कर सम्पत्ति को उद्दित बाबार मूल्य से कम को उपयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मुल्य, असको दूरममान प्रतिफल से, एसे दूरकमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरम के निए तय पाया भया प्रतिफल, निम्न्तिवित उद्दुवेदय से उक्त अन्तरम निश्चित में

बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया 🕊 🖫

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बावत, उक्त अभिनियम के ब्रुपीन कर दोने के बन्तर्क के वायित्य में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; और/वा
- (म) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तिहिंदी इवारा प्रकट वहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के वनुसरण कें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तित्यों, अभीत्:—

- 1. मेमर्स रामगोपाल गानेरिवल प्रा० लि० एवं प्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सीला पार्टनर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संवरित के अर्जन के लिया कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) ह्व क्ष्या में शाव्यक में प्रकारन की तार्डीय के 48 दिव की अवर्डिय वा तरकाम्मी म्यूनिययों वर क्ष्या की तानीय से 30 दिन की नवीय, को भी अविध् वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयक्ष महिन्दा में वे किसी मानित बुनारा?
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का को अवह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया गया है।

### वर्त्त्वी

यूनिट नं० 6 एक तला, 272.14 वर्ग फुट 2 नरेन्द्र चन्द्र वत्त सरीन कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 11-7-1985 में रजिस्ट्रीकरण हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज-3, कलकत्ता

सारीख: 14-3-1986

### प्रकृपः वार्द्वा, द्वा, पुरा -------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमन

#### भारत सरकार

### कार्यांचय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्याक्त) अर्जन रेंज-3, कलकता

कलकत्ता, दिनाँक 24 मार्च 1986

निदेण सं० ए० सी०/रेंग-2185/एक्टिंग ग्रार०-3/कल०/85-86--म्रतः मुझे शेख नईमुद्दीन श्रास्कर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें 'क्ष्मात् 'उत्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के विधान स्थान प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रङ से अधिक हैं ग्रीर जिसकी नं० 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरणी कलकत्ता में थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कायदेशय आई० ए० मी० एक्विंग रेंज-3 कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-7,-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए उल्लिरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके स्थयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण जिलिक में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्ट अभिनियम के सभीन कर दोने के बंतरक के दाक्तिय वो कभी करने या उससे बचने में तृष्टिभा के लिए; बार/या
- (थ) एंसी किसी आय या किसी भन या बन्य जास्तिनों कार, चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत विभिनियम, बा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं. कैं. उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) लेशिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेसर्स राम गोपाल गानेरीवाला प्रा० लि० भौर श्रीमती लीलावती देवी गामेरीवाला।

(श्रन्तरक)

2. मास्टर संद्रीप कुमार मित्तल ग्रौर ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उद्दर् स्टाति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टाएीस है 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस भूकमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंने।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### गन्स्पी

यूनिट नं० 8 क्षेत्र 303.47 व० फु०।

येख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, कलक्सा

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एव ु ⊬----

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्याक्षय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III कलकता,

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निधेग सं० ए० सी०/रेंज-2186/ए विव० रेंज-III/ कल०/85-86--श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

कावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १,69-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2 हैं तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरणी, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वि० श्रार०→III कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने फा कारण है कि ब्याप्वोंक्त स्माति का उचित बाजार यून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेद्य से उक्त जन्तरण किश्वत में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया वया है है—

- क्विं वृत्यक्ष्य व हुई किसी बाद की वायक्त उपक वृत्तित्व्य च वृत्तित्व कुछ क्षेत्र में वृत्त्रक के करित्य में कृती करने या शब्द बलने में सृत्यिम के लिए; मूरि/मा
- (व) ऐसे किसी नाथ या किसी वन वा नाम बास्तुवों को किस्तु भाउतीय नायकर नृषिनिष्त्र, 1922 (1922 का 11) या उच्छ निष्तिय्य, वा ध्नु-भूष्ट अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोधनार्थ बन्तुरिती व्वाय प्रकट नृहीं किया नया था या किया नाम जानिष्य था, कियाने में सुनिधा की सिष् ::

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स राम गोपाल गानेरीवाला प्रा० लिं० श्रीर श्रीमती लो गवती देवी गानेरीवाला। (प्रत्तरह)

2. मास्टर राजेश जैन ग्रीर श्रन्य।

(भन्तरिती)

का यह सूचना बारी रूपको पूर्वीकन सम्पत्ति के वर्जन के जिल्क कार्वनाहियां सुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राधपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्वित्यों में से किसी स्वक्ति व्वारः.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो अक्त जिभीन्यम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिवा। गवा ही।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 5, क्षेत्र 369.97 व० फु०।

शेख नईमुद्दीन सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 14-म-1986

मोहरः

## ब्रह्म ब्राइंड टीड एनड एस.ड-\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\* वायकर विधितवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन ब्युक्ता

#### बाइत सहस्रह

### कार्याचन, सङ्गानक नामकार नामुक्त (निक्र**ाधक)**

ार्जन रेंज-3, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० ए० सी ०/रेंज-2187/एक्षि० आर०-3/ कल ०/1985-86--अत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बातकार सिंभीन्य्न, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके प्रचात (उक्त क्षिनियन) कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मुस्स्स् 1,00000/-रा. से स्थिक है

ग्रांर जिसकी सं० 2 है, तथा जो नरेन्द्र चन्द्रद ी कलकत्ता में स्थित है (ग्रांर इससे उपावस अनुसूची में ग्रांर पूणं रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एक्विंक रेज-3, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 11-7-1985

की पूर्वेक्स संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के उस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है बार मुझे नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके ध्रुयमान प्रतिफल से एसे ध्रुयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-एन के सिए तथ पाया गया प्रतिफस, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्य बंतरण मिचित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) बन्तद्रम सं हुई किसी भाग की बाक्स , उत्त निभिनियम के निभीन कर दोने के अन्तरक अर्थ शामित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा चे किए; बीर∕या
- (थ) र्मी किसी बाध या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाना चाहिए था, जियाने के सुविधा भी किए।

नत. २व, उनत निधिनियम की धारा 269-ए की सन्सर्व हो, मी. उनत निधिनियम की धारा 269-ए की उध्धारा (1) के कथीय, निध्नतिविद्या स्थानित्यों, वधृति क्र---  मेनर्स राम्गोपाल गानेरीवाला प्रा० व्यार श्रीमती लीलावती देवी गानेरीवाला।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स बंकिम प्रसाद घोष एण्ड को०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त क्रमित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीं व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हितवह भ किसी बन्य स्थावत क्याय नभोहस्ताकही के नाध सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सक्क विधिन्सम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा वया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 7, क्षेत्र 361.80 व० फुट।

येख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

राप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकता, दिनौंक 14 मार्च 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-2188/एक्विं आर-3/कल०/1985-86-अा: मुझे, शेख नईमुद्दीन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन तक्षक प्राधिकारी की कह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं भ्रोर जिसकी सं० 2 है, तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरणी, कल पांच इपने उपावड अनुभूची में भ्रार पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्विं आर०-3, कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, इसके अध्यमान प्रतिकल ते, एसे इस्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर्ते बचने में सूबिधा के लिए; और्यां
- (का) एसी किसी जाभ वा किसी अन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---  में मर्स रामगोधाल गानेरीबाला प्रा० लि० और श्रोमती लीलाबती देवी गानेरीबाला।

(अन्तरक)

2. मेमर्स जे० बी० इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह नुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

यूनिट नं० 5, क्षेत्र 301.38 व० फुट।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकसा

तारीख: 14-3-1986

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986 निवेश सं० ए० सी०/रेंज-2189/एक्वि० आर०-3/ कल ०/1985-86--अत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद (उक्त विधिनियम) कहा पथा है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० 2 है, तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरणी, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि आर०-3 में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7~1985

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकश के लिए बन्दरित की गई है जीड़ मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित वावाद कृष्ण, उनके स्वयमान प्रतिकाल है, देखे स्वयमान प्रतिकत का चलह प्रधिस्त से अधिक है जीड़ संतरक (संतरकों) और संतरिती (संतरितियों) के बीच एक्ते संतरक के लिए यह पाना यवा प्रति-कत्, निम्मिन्दित स्कृष्टेस्ट से स्वयं बन्दर्स कि स्वयं वी

- (क) अन्तर्क्षण वं हुद्दं विक्तीं बाद की वावच्, वन्तर विवितृत्व में अवीत् कर वाने में नृत्यस्क में व्यक्तिय में कती करने वा उच्छे वचने में सुविधा के लिए; वीदः/वा
- (व) इसी किसी जाय वा किसी यन या अन्य आस्तियों जा, विम्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रीवनार्थ अन्तरियों दुवारा शक्य बहुन किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत्म नवं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थं के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थं की उपधारा (1) के अभीतः, निम्नलिचित व्यक्तियों, स्थात् :--- 61-36GI/86

 मेसर्स राम गोपाल गानेरीवाला प्रा० लि० धौर श्रीमती लीलावती देवी बानेरीवाला।

(अन्तरक)

2. मेसर्स शुभलक्ष्मी प्राजैक्ट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्ड सम्मत्ति के अर्जन के निष्

जबत बम्परित के बर्बन के बम्बन्ध में कांद्र भी नाक्षेत् 8-

- (क) इस स्थान के राष्प्रभ में प्रकाशन की तारीच है 45 स्थि की व्यक्ति का उत्स्थानकी व्यक्तिकों पर स्थान की तानील से 30 दिन की वन्धि, वो जी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तिकों में है किसी स्पृतित द्वाराह
- (व) इस क्षमा के राज्यम् में प्रकारक की तारीच वें 45 दिव के तीवर उच्छ स्थादर कम्परिक में हितवहुष किसी अन्य अधिक ह्यारा मुश्हेश्साकाडी में पास दिवत में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त घट्यों बौर पर्यों का, जो उपके वर्षितियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विवा गर्या.

### जन्तु जी

यूनिट नं० 9, क्षेत्र 1390.06 व फुट।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीखा: 14-3-1986

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269 व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० ए० सी ०/रेंज-2190/एविव ० आए०-3/ कल ०/1985-86-अत: मुझे, शेख मईसुद्दीम,

नायकार मधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उसत मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के भंधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाबार म्स्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरणी, कलकत्ता में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि० रेंज-3, कल्प ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्रं वाचार मूक्त से कान के अस्वजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि

सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके असमान प्रतिकास है, होडे अस्पनाम प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकास से महिषक है और अंतरक (अंतरकाँ) और संतरिती (अंतरितियाँ) के बीच होडे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मिसियित सब्दोरेस से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कियत महीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी शाम की शायत, उक्त निमित्रम के नभीन कार दोने के जन्तरक वे दाजित्य में कभी करने या उससे अपने में सुनिधा के सिक्टु और/वा
- (क) एती किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवासनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

. जलः सवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के वनुवरण जै, मैं, उपत विधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) व्हें वधीन, निम्नीसिक व्यक्तिवों, वया कुल्ल  मेसर्स राम गोपाल गानेरीवाला प्रा० लि० फ्रीर श्रीमती लीलावती देवी गानेरीवाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती क्षन्तीय देवी हरलालका

(अन्तरिती)

को बहु बूचना बारी करके वृधेंक्त बन्धित के वर्षन के कि। कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्य 🚈

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच स 15 दिन की जनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृषना की तानीस से 30 दिन की संबंधि, को भी धनिथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बुबना के राजपन में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उचत स्थापर बंपरित में दिवबद्ध किसी जन्म व्यक्ति क्यारा स्थाहस्ताकरी के पास निवित में किए या सकते।

क्ष्मकीकरणः — इसमें प्रमुक्त कन्दों और पर्दों का वो वक्ष विधिनियम, के बध्याय 20-के में पीरभाषिक ही, वहीं कथे होगा को उस अध्याय में दिवा क्षम ही।

### मन्सूची

यूनिट नं० 7, क्षेत्र 296.95 व० फु०।

शेख नईमुहें मिला निर्मा प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्रकृप नाई .टी .एन .एस . ------

स्रायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं ० 2191/एक्ट्रिव ० रें ज-III/कल ०/1985-86---अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गवा हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 15-सी व है तथा जो बेलटोला रोड़, कल कत्ता-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूषी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि अधावतिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्स अंतरण लिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क\ अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अक्रैंश्रीया
- (क्ष) एंसी किसी आब बा किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 19.22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घं कि कर अधिनियम, या घं कि कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

जतः ३ ज, उक्त अभिनयम की धारा 269-ग के जनुसरण र्रकों, में, अक्त अभिनयम की धारा 269-च की उपधारा (⁴ं के अधीर \नम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :--- ा श्री सनत कुमार घोष।

(अन्तर्क)

2. मैं। में म० बीं एसोनिबेट्स।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी क<u>र</u>को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की निष् कार्यवाहियां करता हु<sup>\*</sup> 1

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्रेप ट---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तिया;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सू पी

जमीत 5 काडा 13 छटांक एवं 21 वर्ग फुट। 15/ सी० बेलटोला रोड़, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-1985 तारीख में रजिस्टर्ड हुआ।

> **शेख नईमुदीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीखा: 14-3-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निवेश सं० ए० सी०/रेंज-2192/एक्वि० रेंज-II/
कल ०/1985-86--अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,
भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से निधक हैं।
गौर जिसकी सं० 15 सी० हैं, तथा जो बेलतला रोड़,
कल क्ता-26 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची
में गौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, इसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सनत कुमार घोष

(अन्तरक)

2. डाक्टर बिरेन्द्र नाथ दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मनुज्ञी

फ्लाट नं० सी-2; तिनतस्ला, 15-सी०, बेलतसा रोड़, कलक्ता-26, 1182 वर्गफुट, सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईम्हीस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

### इक्य बार्ड ्टी, एन . एच . ------

1. श्री अजित कुमार घोष व अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

2. मैं ० स० बि० एसं(नियेट्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्श)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनां ह 14 मार्च 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-/कल/1985--86 ग्रत मुझे शेखनईमुदीन,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्यात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 22-ए हैं तथा जो बेलतला रोड़, कल कता-26 में स्थित है (प्रौर इपने उराबद्ध अनुसूची में प्रोर पूर्ण कर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-85 का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूचमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविक्त उद्वर्षय से उक्त अंतरण लिखित ये वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे व्यूने में सुविधा के निष्ठ; और√या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अंतरिती इवारा प्रकट कहीं किया गया था या किया बाजा बाहिए था, छिपाने ये सुविधा के सिए;

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिष्टु कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के धायपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वयक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

#### अनुसूची

जमीत 3 काटा 3 छटांक एवं 5 वर्ग फिट, 92-ए, वेलतला रोड़, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-85 सारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> योख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकसा

कतः कव, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के वनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

तारीख: 14-3-1986

प्रस्त बाइं. टी. एन. एस. ------

नाधकर त्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-प (1) के नधीन स्था** 

#### वारक खास्त्रर

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2194/एक्वि ० रेंज-3/कल ०/1985-86---अतः मुझे, शेख नईमुहीन,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

म्राँर िशकी सं० 1/47 है तथा जो गरियाहाट रोड़, कल हत्ता-68 में स्थित है (ग्रीर इपसे उत्तबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीति अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधि किरीमें, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला. 16) के अधीक, तारीख 5-7-1985

का पूर्वे कत सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित का गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त सं, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का प्रमुद्ध प्रतिशत से अभिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्थ के जिए तय शया गवा प्रतिकत्त कि निम्नितियों विश्व दृष्ट देस से अवत बन्दरण निवित्त में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गवा हैं दे—

- (क) बन्तरण वे हुई जिली बाथ की बावत करत वाय-रिवय के अपीय कर दोने के बन्तरक के दाबित्य वे कमी करने या उत्तवे व्यन वे स्विधा के लिए; स्री./या
- (स) एंसी किसी काथ वा किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया नया था ना किया याना चाहिए या, कियाने में सनिधा के लिए;

जतः जय, उक्त वरिधनियम की धारा 269-न के जनुसरन में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिकित व्यक्तियों, जर्थातः —- 1. मैसर्स दुरिपद दुरिम सोसायटी

(अन्तरक)

2. श्री आशिष घोष।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्मतित के बर्चन के सम्भन्ध में कोई भी भाषीप:---

- (क) इब सूचना के श्वथम में प्रकासन की वारीय से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी म्यन्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बबिध, को भी बबिध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन के भीतर उच्च स्थानर संपत्ति में दिया। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकर्ष।

#### अनुसूची

फर्लंड नं० 408, 1220 बर्गफुट, पावनल्ला 1/46, गरियाह्नाट रोड़, कलकत्ता-68 सक्षम प्राधिकारी के सास 8-7-85 तारीख में रेजिस्ट्रीकरण हुआ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 5 % 3-1986

प्रकथ बाइं ु टी. एन. एक.------

भावकर न्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के नभीन स्वमा

#### भारत संस्थाप

### कार्यम्य, बहारक भारकारु भारत्य (निर्योक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकसा, दिभांक 14 मार्च 1986

निर्वेश मं० ए० सी०/रेंज-2195/एक्यु० आ२०-ÎII/ कल ०/1985-86---अन: मुझे, शेख नईस्हीस,

नायकर गिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है । क स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-क से विधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 8 है सथा जो अभय सरकार लेन, कलकत्ता-20 में स्थित है (म्रोर इसके उपाबद्ध उनुसुची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारों में, रिजस्द्रीवरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख

को पूर्वेक्स सम्मित के असित बाजार नृत्य से कान के सरवाज विकास के निष् बन्तरित की गई है जोर भुने यह विवयत करने का कारण है कि समाप्रवेक्त सम्मित का उपित बाजार बृत्य, उसके स्रयमान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिक्रम का पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और बंतरिकी (अंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकत, निम्मीसिक्स उद्शेषय से उपल मन्तरण किविद में बास्तविक स्था में कियत नहीं किया गया है हु---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी कार की नानग्र, उन्त निविद्युक को स्वीक कुछ दोने को अंबह्नक को नावित्य में कानी करने ना उन्नते वचने में सुविचा के सिए; नौर/या
- (क) ऐकी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, विक्षुं कार्यति जावकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा जा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा जै लिए;

ा. मैं० लैण्ड एवं कस्**ट्रक्**शन क०

(अन्तरक)

2. श्री प्रसिन चन्द्र पि० साहु एवं अन्य। (अन्तरिती)

को बहु क्षमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के मर्पन के निय कार्यवाहिनां कुक करता है।

उन्ह सम्मत्ति के नर्पम के सम्बन्ध हो कोई भी आसोप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच र्च 45 दिन की अविधि या तंत्रसम्बन्धी स्थानितमों पर बूचता की ताबीस से 30 दिन की नविधि, को भी संबंधि नाम में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानता में से रैक्सी स्थानत हुयाना;
- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व के जीतर उनते स्थावर सम्पत्ति में हित-वृत्व किंदी व्यक्ति बुगरा, अभोहस्ताक्षरी के पाव तिवित में किए वा सकेंगे।

रवधाकरण: — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जा उन्क बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय जे दिया गया हैं।

#### अनुसूची

830 वर्ग फुट फ्लट दो तल्ला, 8 अभय सरकार लेन, कलकत्ता-20 ,सक्षम प्राधिकारी के पास 11-7-85 तारीख में रुजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेर नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैय रोज-3, कलकत्ता

कतः जन, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) ध्रे सभीभ, निम्नीसनित व्यक्तियों, जभीत्:—

नारीख: 14-3-1986

वस्त बार्च हु हो , एन , एक ,

### वार्यकर स<u>र्रिपनि</u>यम, 1961 (1961 का 43) की पाउर 269-व (1) को स्वीप क्यार

#### **4144 4348**

### कार्यांचन, सङ्घनक कारकर बावुक्त (विरोधन)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

भिवेष सं० ए० सी०/रेंज-2196/एक्यु० रेंज-III/ कल ०/1985-86--अत: मुझे, शेख नईमृद्दीन,

कायकर मिशिनयन, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयन' कहा गया है), की भारा 269-सं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार जूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

मौर जिसकी सं 0 1-ए 0 है, तथा जो लाभलक प्रेस, कलकत्ता में स्थित हैं (प्रीर इससे उपाश्वत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को नुर्वेक्त कमित के अधिक बाबार मुख्य से कम के स्वयान प्रतिपक्त के तिक् सम्बद्धिक की कई है और सुर्वे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्बद्धि का अधित बाजार मृत्य उसके कावान प्रतिपक्ष से, एवं स्वयमान प्रतिपत्त का पन्तह प्रतिकत ने स्थिक है और विवरक (संतरकों) और संतरिती (अन्तर्तित्यों) के बीच एवं सम्बद्ध के शिए तब पाता गवा प्रतिपत्त विश्वासिक स्वयोग्य के स्वया सम्बद्ध किवित में बास्तिक रूप से स्वीवत नहीं किया नवा है ए--

- (क) नन्तरक ते हुई किसी बाव की बावत, उक्त वीत्रीत्वन के वधीन कर दोने के बन्तरक की कवित्व में कहीं क्युने वा दख्ये वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ग) एंबी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम 1922 (1922 का 11) का उच्छे अधिकियम, बा जल-कर जीधिकियम, बा जल-कर जीधिकियम, 1957 (1957 का 27) के जयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किरा नदा जा वा किया आवा जाहिए था, जियाने में स्टिंगा के शिए;

बसः वयं, उस्त विधिनयम, की भारा 269-म व बनुसरम बें, उस्त विधिनयम की भारा 269-म की उरस्तारा (1) इक्षीतः जिल्लावित व्यक्तियों, बर्मात् ह— ा. श्री राम निवास लाखोटिया

(अन्तरक)

2. मैं ० दि इन्डियान कैंबल को ० लि ०।

(अन्तरिती)

का यह तूनमा भारी करके न्यॉक्त संपृत्ति के वर्षम के जिल् कार्यमाहियां करता हो।

### क्या कुम्रोत्व औ सर्वन थे कुम्रान के खेड़' की बार्बान्ध=

- (क) इस त्या के प्रकार में प्रकार की तार्थि है 45 दिन की नगिए या तत्वंतंभी व्यक्तियों पर स्वाप्त की कार्याम के 30 दिन की नगिए थों भी स्वाप्त की दिन की नगिए प्रकार प्रकार की दिन की नगिए प्रकार प्रकार की दिन की नगिए प्रकार प्
- (व) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की दारीय से 45 दिश के बीहर उन्नर स्थावर संपत्ति में द्विवयूच विक्री नम्ब स्थावत द्वारा, नभेद्वस्याक्षरी के वास विविद् में किस् था क्यींगे।

स्वकोकरण: ---इसमें प्रवृक्त सन्दों नीर पदों का, वा अवत निर्धानयम्, के जण्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा क्वा है।

#### वन्स्ची

क्षेत्र 2759 व० फु०, डीड सं०-I 11294, ता० 31—7—1985 अनुसार निबन्ध हुआ।

> शेख नईमृहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, कलकत्ता

तारी**ख:** 14-3-1986

शब्द बार्ड. टी. एन. एवं.

मायकत मिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के मधीन सूचना

नारत सहकार

भागांतर, सहावल बायकर बाइन्स (निर्शामा)

अर्जन रेंज-3, क्लङ्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० ए० सी ०/रें ज-2197/1 ए क्यू० आर ०-3/ कल ०/1985-86--अत: मुझे, शेख नईमउद्दोन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, तक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० 34/4 है तथा जो 54 बालीगंज सर्कुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रांर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विण्य है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के इत्यमाल शितक्य के लिए बन्दरित की यहाँ हैं और मृत्ये वह विश्वक्य करने का कारण हैं कि सवाप्योंक्त संपत्ति का समित बाबार मृत्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिकत का संप्रह् शितकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा पता शितकत, विम्मिकित उद्ववेष्य से उच्च बन्दरण विश्विष्ट में वास्त्रिक संग से कीशत वहीं किया पता हैं कुन्न

- (अ) ऐसी किसी आय या जिसी धन या जन्य बास्तियों जो, जिन्हों भारतीय अव-कर प्रीप्रियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त जीपनियम, 1927 का 27) के ज्यांचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिख:

62-36GI/86

- 1. श्री गुनेन्द्रपत सिंग कुयार श्रोर अन्य। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स आदित्य सविसेस प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करक पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां १७% करवा हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाम्रोप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम् मा प्रकाशन की टारील सं 45 किन की क्षतीय वा तत्त्वक्षनमी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविधि, जो भी अवधि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यात;
- (खं) इस स्पना के राज्यत्र में प्रवस्तान की तारील से 45 दिन के मीहर उक्त स्थावर सम्मत्ति हो दिन ब्रह्म किसी कन्य अपोक्त दूनार अधोहस्ताकरी के जस लिखित में किए जा सकांगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थी उसल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ इोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनसूची

दो तल्ला महान ,जमीन --11 क:में 20 व० फ०, डीड नं० 12006, ता० 11-7-1985।

> शख तईमउद्दीन ्क्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

### इक्ट बाइं, टी, एन्। एस.

भारत का राजपत, ग्रप्रेंच 26,

### बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीर स्वत्रा

#### THE REPLE

### कार्यानय, सहाबक गायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांत 14 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० सी ०/रें ज-2198/एवियू आ२०-3/ कल ०/1985-86-अत: मुझे, शेख नई मउद्दीन,

बायकर विविध्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करत का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. में अधिक ही

स्रौर जिसकी सं 0 13/3, है तथा जो प्रेमवण वरुआ न्रूपणी कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इसमे उपावढ अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीयती अधिगारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीयरण अधिशियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि स्थाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके स्वयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निविवत उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित वें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की यावत उपल विभिन्नम के मधीन कर दोने के जन्तरक के वाणित्य में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए: धीर/या

अत: अत। उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अतम्मण में. में, प्रकृत अधिनियम की धारा 269-घ को उपधार (1) के अधीन जिस्तिनियम नाकिन्यों. अधीन :--

1. श्री हरीन्द्र नाथ दत्त ।

(अन्तर्क)

2. श्री जीतमल दुगार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनक सम्मृतित को सर्वन को लाकम्थ में महोदें भी आक्षेप :---

- (क) इब स्थान के राज्यन में प्रकारण की तारीन से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्यारा.
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित ही. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही.

#### वन्स्यो

1/8 श्रंण का 1--13/3 एक्कोण बरुआ सर्णी, कलकत्ता डोड नं र 1/10003 पर 11-7-1985 अनुगर भिवन्ध हुआ।

शेख नईमुद्दीन ंक्षम प्राधि गरो सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रोज-3, कलण्ला

**ारीख:** 14-3-1986

मोहः :

प्ररूप काइं दी एन, एस.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

**प्र**र्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनिक 14 मार्च 19छ6

निदेश सं० 2199/एडिव० स्नार०-3/कल०/85-86---भ्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रथात (उनत मिधिनियम) काहा गया है), की भारा 269-च की अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कारन का कारण है कि स्थानर समादित, जिसका उचित अजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 7-सी है तथा जो किरव शंकर राय रोड़, कलकसा में स्थित है (श्रीर इक्ते उपाबद्ध श्रनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकता श्रिधकारी के कार्यालय, मक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5-7-85 को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्तह प्रियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल, निक्निसिवत उद्देश्य से उसत अन्तरण निचित में अस्तिक रूप में किथात नहीं किया गया है:---

- (क) बलारण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बिधिनयब के अधीन कर दोने के बलारक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; बहि/बा
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने या मृतिका से लिए;

जतः जब, उक्त बींधीनयम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीसिखित व्यक्तितां, अधीत्:-- 1. मेसर्स हेस्टिंग प्रोपर्टी

(ग्रन्तरक)

2. श्री बिनोद कुमार कानडौ

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हो।

जयत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रच नृचना की तामीन सं 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्पाक्ष्टीकरण:---६२० प्रयुवन शब्दों और उर्जी का, **जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष** ही, यहाँ अर्थ हुरेगा जा उप अध्याय **मी दिय** ग**ा**; ही:

#### अनुसुची

त्राफिस स्पेस नम्बर 15 चार तीसरी, 449 वर्ग फिट। 76, किरन शंकर राय रोड़, कलकत्ता-1, सक्षम प्राधिकारी के पास 5-7-85 को रजिस्ट्रीकरण हुझा।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, कलकत्ता
कानकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986
निदेश सं० ए० मी०/रेंज-2200/एक्यू० आर०-3/
कान०/85-86--श्चरः मुझे, एस० नईमुद्दीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर भंपोत्त जिसका उचित बाजार मृल्य
1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 15/मी० है, तथा जो वेश्वटरूना रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वि० श्रार०-3, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, तारीख 22-7-1985

को पूर्वीका संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में नास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. ा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपागरा (६) इं कथीन, निम्नलि।खत व्यक्तियों, अधिशुः;—— 1. श्री मनत कुमार घोष

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती अुजाता सेनगुप्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त जर्क्या और पर्दो वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विधा गया है।

### अन्स्ची

सम्पत्ति जो एग्रीमेंट द्वारा निबन्ध हुआ है, एग्रीमेंट ता॰ 13-3-1985।

> णेख नईमुद्दीत सक्षम प्राधिकार्स्स सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3,कलकसा

तारीख: 14-3-1986

प्रकृष **महर्द** दी देश देखा -----

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजान रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता. दिनांक 14 मार्च 1986

मझे, शख नईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 1,00,000 / - रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 15/सी०, है तथा जो बेलतला रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ब्यीर इनसे अनबद्ध ब्रन्सूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्ति अधि जरी के कार्यालय, एक्वि रेंज ०-3, कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22-7-85

अर्प पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्हरित की गई हैं जोर मुन्ने यह दिल्लास करते **का कारण है कि यथा** प्रविक्त संपत्ति का बाषार मृख्य, उसके रुक्यमान प्रतिकल धर्मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ह° नीर मंतरक (अंतरकों) बीम अंतरिती (मंतिरिस्यों) **पीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलियित** संबुद्धदेश्य से अक्त अन्तरण निषित में वास्तविक रूप से काशिक नहीं किया गया है है---

- (क) जन्तरप से दुर्घ किसी जान की वानत्, डक्स अधिनियम के सभीन कर दोने से सम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्: बरि/यः
- (था) एरेसी किसी बाम वा किसी भन वा अन्य आस्तिकां कां, जिन्हें भारतीय साय-कर अभितियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, वा वनकर मीवनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रवोजनार्थं अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा भायाकिया भागः चाहिए था, खिपाने ये सुविधा के लिए:

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, ैनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

1. श्री सनत कुमार घोष।

(फ्रन्तरक)

2. डा० समब्धा गृह ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्घन के जिए कार्यवाद्विमां करता हो।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सम्पना के राज्यात सं अकाशन की तारीय सी 45 दिन की अर्था अ भा मन्त्रंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना को तासील ए 30 दिन की समीध, मां भी अविध बाद भे समस्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यायलयों जो से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ल) इस सुबात के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी**ख से** 45 बिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिलक्ष **फिली** काय ज्यक्ति दुनारा अधीहरताक्ष**री** के पास लिकित में किए वा सर्वोगे।

स्पक्कीकरण:--- व्रमा प्रथमित यावाँ वर्षर पदौ का, जो उनत अधिनियम, हे अधाद 20-क में परिभाषित **डै**, बही अर्थ होगा को उस अध्यास में बिका गया द्वी⊦

#### अनुसूची

सम्मित्त जो एग्रीमेंट ना० 11-3-85 द्वारा एक्वि० श्रार०-3, कलकत्ता दफ्तल में निबन्ध हथा।

> शेख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जंभ रेंज-3, कलक**त्ता**

दिरां ए: 14-3-198G

माहर:

प्रकापः, बहर्षः, टी. एन. एस्. - + - - -

 मैसर्स मिफटकन बिल्फडर्स लिमिटेड । (अन्तरक)

2. हमेन्त सिंह, पाथेनिया।

(भ्रन्तरिती)

नासकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-क (1) के अभीद स्वना

#### नारक प्रत्याह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० एक्यि० नेज-3/1985-86---श्रतः मुझे शेख नई मुद्दीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाबार भूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं पी-17 ए है, तथा जो म्रागुतीय चौधुरी, एवन्सु, कलकत्ता में न्थित है (म्रौर इतन उराबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकर के म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, दिनाँक 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांत्रशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्तिसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निवित में वास्तिक स्था वा वा से स्था नवा है हम्म

- पूँकी नन्तक्षण श्री हुए किया बाय की नावस्त, उन्नर अधिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के सामित्य में काली कारने या स्थल बच्चने में सुनिधा के लिए, अदि√श
- (ण) एमी किसी जाम मा फिसी धन या जन्म जास्तियां जा, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिरानयम, 1922 (1922 का 11) था उक्त जिथिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2,) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृंगरा प्रकट नहीं किया गढ़ा था या किया जाता जाहिए था, न्वियान में स्थित औ जिए?

बत: बब. उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, पी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तित्यों, अर्थात :---

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

बन्त बन्दींत के वर्षन् ने संबंध में कोई भी वालीय :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील हो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्श स्थान्ति में से किश्ती स्थानित हमारा;
- (का) इस मुख्या के रामपत्र में प्रकारण की सारीक से 45 किन को भीतप उपने स्थापर सम्परित में हितबक्ष किसी व्याप का कि कि के पास कि किस में किए जा मुक्ताने

स्पष्कीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त किषिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

#### वन्स्ची

यूनिट संख्यासी, 6वीं मंजिल, पी-17 ए, श्राणुसोष चौधुरी एबन्यु, कलकत्ता-19, 1800 वर्ग फीट। सक्षम प्राधिकारी के पासदिनाँक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया।

> शेख नई मुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, क्लकत्ता

दिनाँक 14-3-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

061 /1061 ਲਗ 42) ਲ**ੀ** ਬਾਹਾ

लाग का भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2203/एक्यू/रेंज-11/कल०/85-86---श्रतः मुझे शेख नईम्हीन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एयन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- ਨ. से अधिक है

भ्रौरजिमकी सं० पी-17ए है, तथा जो प्राण्यतीय वींध्रिरी एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 11-7-1985

को पूर्विक्स संस्थात्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान अतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एांसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाः) के बीच एस उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशें जत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तिये करे, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्ष्णेजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्तिया के रिष्णु।

अतः अद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. माफिलकन बिल्डर्स, लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. मं ० विजयालक्ष्मी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अर्थीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट संबी, पांचवी मंजिल, पी-17ए, श्राणुतोष चौधुरी एवेन्यु, कलकत्ता-19 में, 1442 वर्ग फोट। सक्षम प्राधिकारो के पास 11-7-1985को रजिस्टर्ड हुश्रा।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक: 14-3-1985

मोहरः

प्र**च्यान स्वाध**े १६ पुन १६५

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भाष 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्याभव, सहायक बायकर भाग्वत (निर्दाक्तक)

सहायक आवहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3.

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्चे, 1986

निर्देश सं० 2204/एक्य् ०रेंज-III/कल०/85-86---श्रतः मुझे, शेख नईम्हीन,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त बरिपनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीय सक्षम पाधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से लुधिक है

म्रीर जिसकी सं ० 2 है, तथा जो में डेबिल्ला गार्थेन्स, कलकत्ता-19 में स्थित है (भ्रीर इसरे उपावत प्रनुप्त्ती में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ड्रो उर्जा अभ प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रश्रितियस, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनाँक 1-7-1985 को

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उतित आजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्नास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उध्यत बाजार महर्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक्रेश्यित से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्शोवय से उक्त अंतरण सिसित में बासियां कर में किया गया है:—

- (क) बन्तरण पे हुई किसी बाव की बावत, उक्त सीर्थितक से अभीत कर देने के बन्तरक से दर्शितक से कारि फलन गा एक्स समा में स्विधा के लिए; और/पः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों धः विन्ही भारतीय शासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने मो सुविधा के लिए;

बर: थव. उक्त विधिनिधम की भारा 269-म के बन्सरण भा, मो, उवत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- ा. डाक्टर ग्रजय कुमार मिला ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती भिल्ली दत्ता

(भ्रन्तरितो)

को यह तुषना जारी कारके पृद्धोंकत सम्बन्ति को वर्णन के शिष्ट कार्यवाहियों कारता हुः

------

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनीध ना तत्तंतंत्री व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की जनीध, जो भी अर्जीध अर्थ को समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत अर्थिता को से किसी व्यक्ति होता;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण :— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदी का, भो उत्तव अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होशा को उस प्रभ्याय में विका स्या ही।

#### अनुसूची

पलाट नं० एफ, तीसरी मंजिल, 780 वर्ग फुट, प्रेमीसेस नं 2, मेंडेमिल्ला गार्डेन्स, कलकत्ता-19 को सक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्रोकरण हुन्ना।

दिलल मंख्या आई-9479, दिनाँक 1-7-85

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी अहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक : 14-3-1986

मोहरः

### असम बाहु ्डी एन एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

### भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

#### मारत हरकार

### कार्यात्तव, सहायक बायकर बायुक्त (निन्धेशक)

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3,

कल कत्ता, विनाँक 14 मार्च, 1986 निर्देश सं० 2205/एक्यू०/रेज-III/करू०/85-86--श्रतः मुझे, शेख नर्द्दमुद्दीन,

्कायकर निभानसम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के निभीन सक्षय प्राधिकरों को यह विश्वासं अक्षेत्र का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/-छ। से अधिक हैं

और जिसकी सं० 116 है, तथा जो मेचनाद स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसस पाँछ ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 22-7-1985

भी पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित शाषार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए बंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वाल करने का कारण है कि यथायूर्वेक्त संवति का उचित बाबार भूका, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिचात से अभिक है और बन्तरक (अन्त्रकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) को बीच एसे बन्तरक की लिए सब पाना गवा प्रतिफ स्मीस्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ज किवाल में बास्तिक क्य से कथित नहीं किवा गवा है :—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाप की वावता, उससे अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के वाकित्य में कभी आरमें या उसके अधाने यों सुविका के सिए; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन अनकर अधिनियम, या अन अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--63---36GI/86

श्री रमेण महाजन।

(म्रन्सरक)

2, श्री लिलत कुमार चेईनवाला

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाह्येंचे 🏣 🤊

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटाबब्ध किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए या बकोंगे।

क्षध्वीकरणः ----इसमें प्रयुक्त धव्यों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधिक इ<sup>®</sup>, बहु अर्थ हांगा को उस कथ्याय में क्थित भया इ<sup>®</sup> 1

#### **मन्**स्ची

प्लाट नं० 13 एक, 800 वर्ग फुट, प्रेमिसेस,ग्राकार 116, डाक्टर, मेघनाद सरिन, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पान, 22/7/85 को रिजस्ट्रोकरण हुआ।

> शेखनई भुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, 3, नई विकली

धनाँक : 14-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आह्रै.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1986

निर्वेश सं० 2206/एक्यू/रेंज-III/कल ०/85-86---ग्रतः मुझे; शेख नईम्हीन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं 117 ए है, तथा जो मोनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूनी में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध हारी के कार्यालय, सक्षम प्राधि हारों के कार्यालय कल हत्ता में रिजर वेकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक, 3-7-1985 को पूर्वक्ति सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक ल से एसे दृश्यमान प्रतिक ल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धदेश से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ण फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, गै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अपीन, निप्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् — ा. श्रीमती उपा रानी।

(श्रन्तरक)

2. श्री राय घोष ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### अनुसूची

जर्मान 2 काठा 11 छटाक प्रेमिगेस नम्बर 1170 मोनोडोर प्रकार गोड, कलकत्ता-26 स. 2 ए. कलकत्ता के पास रजिस्ट्रोशन हाुआ 3-7-85 तारीख मों। दलिल संख्या 1-9640

> शेख नईमुई। सक्षम प्राधिकारो सदायक स्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजन रेंज-3, कलकत्ता

दिनौंक: 14-3-1986

प्रथम ब्राह्म हो, युवः एस् व्यवस्थान

### (1) सनल कुमार घोष।

(अन्तरक)

(अन्तरितो )

### वायसर विविद्य , 1961 (1961 का 43) की बाग्र 269-व (1) के ब्बीय ब्लग

#### 

### कार्जसन, सहायक नायकतु नाय्क्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देग सं० 2207/प्रक्षिय धार--3/कलकता/85--86---शेख नईम्हीन,

बायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से बिधिक है

और जिसको मं० में15/सी० हैतथा जो वेलटोल रोड, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है). <u>रक्तिस्टाकर्ता</u> अधिवार्ग के वायलिय एक्कि आए-- 3 कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 15) के प्रधीन दिनांक 1--3-86

को वर्षोक्त संपत्ति के उचित बाबार मध्य से कम के शर्यकार अविकास के भिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्यास कारभे का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मारित का उचित बाजार मस्य सराके ध्रयमान प्रतिकत थे, एस ध्रयमान प्रतिकत् का बन्द्रह प्रतिश्रद से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) गौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरन के जिए अयु पाया गुवा ब्रियाल, निम्नीनिवाद उद्देश्य हे उक्य वस्त्रपुर विकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है अ---

- (क) बन्तरण से इन्हें किसी बाय की शबय, उपल अधिभियम के अधीन कर देने के अन्तरक से धामिएय में कुनी कुरने या जससे बजने में बुविधा बे विष: बॉट/या
- (स) होती किसी जान या किसी दल या अपने गारिएको का, जिन्हें भारतीय नाय कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्णनार्य अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा ने सिए;

बक्कः अथ , बक्त विधिन्तम की पारा 269-व से अनुब्रहरू , यें, उक्त ऑभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन , निस्मसिखित व्यक्तिको अभीत । ---

क्री यह बुभना जारी करके प्रशॉक्त संपृत्ति के वर्षन के तिह

(2) रजनीकान्त एम० शाहा

कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्स सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ औ जाक्षेप :---

- (ক) इस सूचना के राजपत्र भं प्रकाशन की तारीस सं 4.5 विन की अवधि मा शहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से फिली व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस स्थान के राभपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्परित में हितबवुध किसी अन्य भ्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखितं में किए था सकोंगे।

**व्यव्योकरण:—इसमें प्रयान्त शब्दों और पर्दाका, जो अक्स** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को उस भ्याय में दिया गमा 🗗 🗅

#### प्रनुमुची

सम्पत्ति जो, एपीमेन्ट वारीत 1-3-1986 द्वारा श्राई०ए० सी० अभित्र 'प्रार०-III दफ्तर में निवन्ध हुआ।

> शेख नईभृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 14-3-1986

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.----

(1) सनत कुमार घोष।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

(2) रभेश **एस**० शाह।

(भ्रन्तरितं)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2208/अक्षिय आर्--3/कलकत्ता/85--86---श्रतः, मुझे, शेखन्दीस्तुनिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अंभिक हैं

और जिसकी सं 0 15/सी है जो बेलता रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर से विशित है), रिजिट्ट्रीकिती पिधिकारी के कार्यालय आई०ए०सी० अधिव प्रार-3 वालकत्ता में रर्जास्ट्रीकरण प्रधिनिधम 1908 का 16) के प्रधीन विनोक, 22-17-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिफास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के संहरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सूर्विभा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के 'लिए;

चतः वय, उच्त विभिनियव, की धारा 269-त की बन्धरक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### बक्त कर्मात्त के वर्षन के संबंध को कार्य भी मार्थन अल

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नम्स्यी

सम्भक्ति जो एग्रिमेंट तारीख 26-5-1985 द्वारा **प्राई०** ए० सी० प्रक्तिय प्रार-3 कलकत्ता दफ्तर में निजन्ध हुआ है।

> शेखनईम्पुस्न मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 14~3~1986

मोहर ।

### प्रकृष सार्व है हो है हुन र प्रकृत र स्टब्स्ट र स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वर्षीय स्वना

#### HISR HISHIS

### कार्यालनः सद्दायक आयक्तर नायुक्त (सिरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेग सं० 2209/प्रिक्वि प्रार-∙3/कलकत्ता/85-∙86----श्रत:, मुझे, शेख नईमुद्दीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधवात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विस्तका अधित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंद जिसकी सं० 6 है जो साउथ एण्ड पार्क कलकत्ता-29 में खिरत है (और इसके उपायद्ध, प्रमुर्जा में और पूर्ण हां के विचार है), रिजर्स्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय ग्राई० ए० सी० अधिव आर-3 कालकत्ता में र्जास्ट्रांकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के सिए मन्तरित की गई है और मुभी वह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्थमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकात ते अधिक है और वंतरक (बंतरका) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के सिए तय पादा गया प्रतिकल निम्निसित उद्योग से उसते अंतरण के सिए तय पादा गया प्रतिकल निम्निसित उद्योग से उसते अंतरण के सिए तय पादा गया प्रतिकल निम्निसित उद्योग से उसते अंतरण के सिए तय पादा गया प्रतिकल में के सित नहीं किया यथा है ए—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी आप की बाबत उपक अधि-नियम के अभीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उसके वचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे सिए;

जतः जन, उक्त विभिन्नय की भारा 269-म के अनुसरक में, में, धक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वभीन≟ निम्निविद्य व्यक्तियाँ, वर्षात् क्र---

- (1) साउथ एण्ड एस्टेटस प्रा० लि०। (धन्तरक)
- (2) भुधोर ढिबरेबाला और भ्रन्थ ऽ (भ्रन्सरितो)

को यह बुचना आरी करके पृक्षेत्रत स्वयत्ति के वर्धन के तिए कार्यवाहियां सुरक्ष करता हूं।

### वनद बन्तारह के बर्बन के हम्बन्य में कोई भी नाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त स्थितियों में से दिस्ती स्थानद हुवास;
- (ब) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीब औ 45 विष्य के भीतर उमत स्थावर संपत्ति में हित-व्यूथ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा स्थाइस्ताक्षरी के वास निर्वित में किए वा बकाने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विशा चवा हैं।

### नगुल्ली

श्ररातः जमीन

पता-6, साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता एग्रिमेंट तारोख 22--7--1985 भनुसार निबन्ध हुन्ना।

> योख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,क्लकक्ता

दिनांक: 14·3-·1986

### प्रका शासी, धी, पुण, पुण , ------

### शाजकर स्टिगिश्यम, 1961 (1961 का 43) करे याचा 269-व (1) के अभीत स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेण सं० 2210/श्रक्ति श्रार-·3/कलकत्ता/85-·86---श्रत: मुझे, शेख नईमृद्दीन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 22 है तथा जो कविभारति सरिश्वलकत्ता में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रुप ने विणत है), रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० 2 ए, कलकत्ता में रिजर्स्ट्रोंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-7-1985

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के जलमान प्रतिफल के तिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बल्क्स प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बल्कारिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब समा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया बचा है —

- (क्क) विश्वारण के शुक्र जिल्ली शहर की, बलात, कनत विजिनका के विश्वीत कर की के जन्तरक की वादित्य में अभी करने ना उससे कमने में सुविधा के सिए; क्रीय/वा
- ्रिय) होती जिल्ली थान वा विस्ती थन ना अन्य वारीकार्यों को निल्हें भारतीय जायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उनत मिनियम, वा धर-कर मीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या विस्ता चाना चाहिए था, कियाने में तुविधा कैरिका;

जत: वर्ज, उक्त जीवनियम की भारा 269-ग के अभूसरण भी, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, भिन्निसिक्क व्यक्तिकम्हें, क्यूकी कर्

- (1) कुट्टिकाट वेल्याउधीन शंकरनारायण । (अन्तरक)
- (2) मुल्टिफिन कन्सल्टटेन्टस लिमिटेड (श्रन्तरिता)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्पन्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इत स्थान के राज्यन में प्रकासन की राज्या के -45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी व्यक्ति कुवास;
- (ख) इत्तर्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में तिलवद्ध किसी कन्य व्यक्ति क्वारा वभोद्दस्ताक्षरी के खंच सिसिश्च में किस्स जा सकाये।

स्पक्तिकरण: — इक्षमें प्रमुक्त कर्का और पर्यों का, को स्वक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, नहीं क्षों होना को उस अध्याय में दिसा क्या हैं है

#### अनुसूची

जमोत-6 काठा 13 वर्ग फुट तिनतला बाडी 1 प्रेमिसेस नवर 29 वर्षि भारित सरिन, लककत्ता-29 सं० 3 ए, कलकत्ता के पास 73-7-1985 तारोख में रजोस्ट्रीकरण हुआ।

विलल संख्या- 9639 ता० 3-7-1985

शख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 14-3-1986

#### प्रस्य साथ . टी . स्य . एक . ----

आयंकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार.

### कार्यासयः, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्तिक)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिभांक 14 मार्च 1986

निदेण सं ० ए० सी ०/एम्बी III/रें ज/कल हत्ता/85-86---यतः सुझे शेख नईमसदीन

आयकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार नृश्च 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्नीर जिसकी सं 17 बी है तथा जो मोर एवन्यू फल/ किल हाना स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है रिजिस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजीस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधील दिसांक 11-7-1985

को पूर्वेक्ति संस्पति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिक स को सिए बंतरित को गई है और मूझे यह विद्यास करने का कार्ज है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाबार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकस से, एसे अस्ममान प्रतिकस का पन्तह प्रक्षित्रत से प्रधिक है बीर धन्तरक (बन्तरकों) भीर धन्तरिकों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरच के बिए तम नामा स्वा प्रति-क्य विस्वतिबित सदेश्य से उच्त धन्तरच विवित में वाक्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण से हुई हिकसी नाव की वावबः, बलब अभिनियम के नभीन कर येने के नंतरक के दायित्व में कसी करने था उससे वचने में सुविभा के बिए; बीर/बा
- (व) एती किसी शाय या किसी भन या करन शास्तियों का, जिन्ह भारतीय भायतर भक्तिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रविविचम, जा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ करतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया का भारति भारति वार्थ पर्दे किया में किस के किया ।

बतः अवः, तयत विधिनियम की भारा 269-व के वनुवरण वी, मी, तक्त अधिनियम की भारा 269-व की तप्तास (1) के अर्थन, विक्निजिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दीपक कुमारबोसा।

(अन्तरक)

(2) ची सि॰ आर॰ बैध्यानाथन एण्ड अन्य। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संगंधी ज्यक्तियों वंद सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारत;
- (क) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए का सकोंगे।

स्थम्बीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में धपा परिमाल्यत ही, वहीं अर्थ होगा को नास अभ्याद सें जिल एया है।

### भ्रनुसूची

जमीन 7 काठा 1 छटाक 58 वर्ग फुट 1 प्रेसिसेस नावार 17 बी०म्र एमिनिई धलकत्ता 40 सक्षम प्राधिकारी के पास 11--1985 गारीब में रिजिन्हेणन हुआ।

> णोव नईमउद्दीन नक्षम प्राधिकारी महायह आयहर अ¦युक्: (भिरीक्षण अर्जनरेंज- , हल्हना

বিলাক: 14-3-1986

माहर:

### प्रकृष आहे .. रहे .. एत् .. एत् .....

## भायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन क्षता

#### तारत चरकार

### कार्यालय, सहायक आयकार भागमत (निर्देशका)

अर्जन रेंज्<sup>III</sup>, कलकत्ता कत्रकत्ता,पदिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० ए०सी/रेंज-कल/1985-86
अतः मुझे, शेख नईमउद्दीन
आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० 2/6 है तथा जो अरत बोस रोड, कल स्थि। है (श्रीर इसो उनाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण इस से विणित है), रिज ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय भाई०/एक्बी/III ए०सी०/आर-3 कलकत्ता में रिजिस्कोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एप्या गया प्रतिफल, निम्नलिकित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ंतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिंदः व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो धनस्याम दास शिरानी

(अन्∺रक )

(2) चन्द्र बदन देशाई कर्ता एच एफ में फ्रींट अन्ध । (अन्तरिती)

### की वह तुमना बारी करने पृश्तेंक्त सम्पृत्ति में वर्षन् ने जिल्ला कार्यमाहियां करता हुए।

#### उक्त सम्मरित में वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी आहेए ह---

- (क) इस सूचनाक राजपत्र भें प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास किस्थित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्तु वर्ग

स्पेत नं 3, 4, 7, और 8, फ्रौर गेरेज क्षेत्र-5428 वर्ग फुट क्षेम्प्रेमना साठ 24-6-1985 अनुसाइ निवन्ध हुआ।

शेख नईमृद्धिः। सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-III कलकत्ता

दिभांक: 14-2-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंजाII, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986 निदेश सं० ए० सी/अक्वि/रेंज/ कल० /85-86-अतः मूझे शेख नाईम्हिन

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रः. से अधिक **हैं** क्रौर जिल्की सं० 21 है लया जो आगुतोष मुखरजी क्षेत्र रोड, स्थित है। (प्रौर इसमे उपाबड अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रुप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37ईई/एक्य-रेंज-III (1985 में रजीस्द्रीकरण अधिनियम का 16) के अधीन दिनांक 1908 (1908 15-5-1985

को पर्गोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुला से कम के दश्यमान प्रतिफंश के लिए अंतरित की गई है और भूभो यह विख्वास करने का कारण ह<sup>2</sup> कि यथापूर्<del>वीक्त</del> संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रश्तिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तीरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; मौर/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भून या अन्य शास्तिकों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविषा के सिए;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन : जिल्लेखिसित व्यक्तियों , अर्थात् :--64-36GI/86

(1) अनजिन गांगुली प्रांर अन्य।

(अन्सरक)

(2) केशर देवी आहोटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की सारीब 4.5 दिन की अवधि या तत्संचंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो<del>य</del>स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों बौर पदी का, जो धचड मिनियम के मध्याय 20-क में परिशामित हैं, बह्नी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है ।

## अन् सूची

(म्पत्ति जो एप्रिमेंट द्वारा निबन्ध हुआ है ता० 15-5-1985 I

> शेंख नाईमुहिन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजााा, कलकत्ता

दिनां है। 14-3-1986 मोहर:

## प्रकृष वार्षेत्र होत् पुष्य पुष्य व्यवस्थान

## भाषकंड वृश्चितियम्, 1961 (1961 का 43) की नाहर 269-व (1) की वर्षीय सूचना

#### THE PERSON

## कार्यक्ष, बहारक नाम्कर मानुक (रिंगरीक्ष्य)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं०ए०सी०/एकवी० रेंज-III/कल/85-86, यत्तः मुक्ते शेख नाईमजद्दीन,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वक्चार् 'उक्त अधिनियम' नहां गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाबद वंपरित विश्वका उचित नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 13/3 है सथा जो प्रमणेश बच्या सरणी कल० में स्थित है (भौर इसते उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनां र 11-7-1985

को पृथेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिक्ति के निए जन्तिएत की गई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि उचाएबोंक्स संपर्दित का समित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरतीं (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निन्तिसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एक भा या किया जाना चाहिए वा खिमाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिरियम की धारा 269-व को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तिक्कों लख्डीं चर्म- (1) हरिन्द्र नाथ दत्ता।

(अन्तरक)

(2) बाधूलाल बिनयाकिया।

(अन्तरिती)

को **यह तुक्**ना **कारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति को अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियाँ करता हुं।

## क्वत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में करेड़े भी आक्रेड ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समीध, वां भी समीध कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कार्यकां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूक्षा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभीहस्ताक्षरी के पास किसीसत में किए या सकेंगे।

## अनुसूची

1/8 भ्रंग सम्पत्ति 10700 वर्ग फुट-क्षेत्र

णेख नाईमउदिन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- I, कल हत्ता

दिनांक: 14-3<del>-</del>1986

स्थ्य आहं'⊞ डी. प्रयुत्र एख<sub>ा</sub> ----

मायफर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा '269-म (1) के बचीन स्पना

#### शास्त्र उच्छार

## न्ययोगर, बहारक वानकर वात्रत (निरीक्त)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निवेण सं० 2215/एक्बी • म्रार • - 3/85 - 86 -- मत:, मुझे शेख नईमुद्दिन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 🖙 स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 140/10 है तथा जो नेताजी चन्द बोस रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रानसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 2-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभिन्न सावार मृत्य तै कन के व्यवसाम श्रीतकत के जिए बंदरित की नहीं ही नौर मुझे यह विक्यास करने का कारण 🐉 कि वभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अरूप, **उधको सरम्यान प्रति**फर्स सं, धुँसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिवात से अभिक है आरे अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्हरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मधा अधिका, निरुपित्र क्षिप्रेस समुद्रियों से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) बन्तएक् से हुई किसी नाथ को बावस, अधिनिर्म के अधीन कर दोने के बन्तरक को समिल्य क्रों क्रमी क्यूने या उत्ते वचने में त्रिभाके दिए; भौर/या
- (त) एंनी किसी बार या किसी भन या अन्य अस्तियाँ कर, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रभोधनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा सा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में ग्रियमा के किए।

अस. अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीन, निकानीयां कर कारिसयों, वर्धात् ए---

(1) ज्योति सेन

(भ्रन्तरक)

(2) मानस राय चौधरी।

(घन्तरिती)

का यह सूचना वारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन और जिल्ल कार्यवादियां शुरू कारता हूं।

उक्द संबुद्धि को वर्षन को संबंध में काई भी आहोप :---

- (ह) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस है 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबवुध किसी बन्य व्यक्ति इथारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए का सकेंचे।

भो सक्त विधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं कर्ष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया दवाहुँ।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जभीत ६ कट्टा 10 छटाक (लगभग)

शेख नईम्द्दिन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्राय्वत (निरीक्षण) **श्र**र्जन रेंग, कलकता:

दिनांक : 14-3-1986

मोहरः

प्रकृष वार्ष<sub>ः</sub> टी<sub>ं</sub> एतः एस<sub>ः====</sub>

आयकर विप्रित्यम : 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यानयः, सहायक बायकतुः बायुक्त (हिन्दीकर्ण)

मर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निवेश सं० 2216/एकवी श्रार०-3/कलकत्ता/85-86---श्रतः, मुझे, शेख नईमुधिन,

नायकर निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके प्रकात 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित वाचार मृज्य 1,00,000/- रह. से निषक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो आशुतोष घोधरी एवेन्यू कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्णक्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-7-1985

करें पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दरयमान प्रतिकाल से, एसे दरयमान प्रतिकाल का बन्द्रह प्रसिद्यत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद्ध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दारियल में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किली आय या किली भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधि क्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि क्यम, या भनकर अधि नियम, या भनकर अधि नियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिये थ, जिपाने में वृत्तिया च विषयः

अनः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शेख लाडोमियां।

(ग्रन्तरक)

(2) कंचन देवी एवं ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां बारू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी वाक्षंप :----

- (क) इस सूचना के हाजपत्र भें प्रकाशन की ताड़ीज चे 45 विन की जनभि का उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के श्विपत्र में प्रकाशन की तार्तिक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 6 क**ट्टा** 10 छटाक, 5, ग्रागुतोष चौधरी एवेन्यू कलकत्ता ग्रार० सं० कलकत्ता के पास 5-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुग्रा दलिल सं० 9741 दिनांक 5-7-1985

> शेख नईमृदिन सक्षम प्राधिका<del>री.</del> सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कलक**रा**।

दिनाँक 14-3-1985

## प्रकर नाइंट टी.: एक्: एक्: :::---:::

#### (1) वेस्टले हा उसिंग कार्पीरेशन।

(प्रन्तरक)

ब्रायकर मिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

## (2) गजानन्द ग्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

#### भारत करकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--ाात्रलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2217/ एक्षी म्रार०/3/85-86--म्रातः, मुझे शेख नईमृद्धिन

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्स अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 52 ए, है या जो एम्भुनाथ पन्डित स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 9 सी० एक्बी आर०-3 कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरअ अधिव नियम 1908 '1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को लोधत बाजार मूल्य सं काम से क्ष्मधान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का काम प्रतिफल का प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ बाजा गया प्रतिफल, जिम्मिनियक उन्नदेश से अध्य ब्रुक्टरण किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुर्द किती धाय की बाबत उक्त अधि-नियम के सभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व, में कनी कारने या उससे वचने में सुविभा के तेस्ए; वरि√य।
- (था) ऐसी किसी भाय या किसी भन या जन्य जास्सियों कार, जिल्हों भारतीय जायकार जिल्हों भारतीय जायकार जिल्हों भारतीय जायकार जिल्हों भारतीय जायकार जिल्हों भारतीय या जनत अधिनियम, या भनकर जिल्हों किसी किसी किसी किसी किसी किसी जानी चाहिए भा, स्थितन में मूर्तिभा भी सिद्धः

बतः शवा, उक्त जीभिनियम की भारा 269-न की अनुसरण की, जी अवस अर्थिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अभी निम्नलिखित व्यविसयों, अर्थात :---

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्रों भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकासन की तारीच हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  स्चिता की तामील से 30 दिन वरी वर्वीच, जो भी
  वर्वीच बाद में समान्त हांसी हो, के भीतर पूर्वोंक्त
  ध्यक्तियाँ में से किसा व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना की प्राचपन में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्मति में हिस्द महभ किसी अन्य व्यक्ति स्थाप अभन्नेहस्साक्षरी को पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता उस रूप्याय में विका गया है।

## **अनुस्**ची

फ्लट नं० 4 ए, क्षेत्र 1349 वर्ग फ़्रुट एग्निगेंट ता० 31-5-1985।

शेख नईमृद्दि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 14-2-1986

मोहरः

## मुक्त बार्यं हो। कुर हिस्स ----

# नायकपु समिनियमः 1969 हैं ⊋961 का 43) की भाक 269-च (1) से अभीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यात्रयः, सहायक आयक्तर वायुक्त (पिर्राक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निवेण सं० 2218/एक्की धार०/3/85-86--धतः,मुसे, शेख नईमुद्दिन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उन्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन संज्ञान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका स्वित बाजार जूल्य 1,99,000/- रु. से जीवक हैं

और जिसकी सं० 52 ए, हैं तथा जो शम्भूनाथ पन्छित स्ट्रीट में स्थित हैं (और इसमे उपाह्मद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कतकता 9 एक्वी श्रार०-3 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 31-5-1985

को प्रामित संपत्ति के उपित बाबार मुक्य से कम के अववास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाबार मुख्य, उत्तके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिकत का बल्द्ध प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के योग एसे अन्तरण के सिए सय पत्ता गमा प्रतिकत, निस्मनिचित उप्ने हे उन्त अन्तरण किश्वत में बल्दियक कप से किथित नहीं कि , गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाव की बाबत, उत्तर अधिषियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के काजिका में कनी करने या उसते बचने में सुविधा से सिक्; सांड/बा
- (क) एंसी किसी बाम मा किसी थम मा अभ्य जारिस्तर्यी करे, जिन्हें भारतीय जामकर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिन्यम, वा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्य,

नतः अब, उक्त सिंगिनम की भारा 269 ग के अनुसरण भं, में अक्त सिंगिनम की भारा 269 म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) वेस्टले हाउसिंग कार्पीरेणन

(ग्रन्तरक)

(2) बिहारी लाल सान्थालिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता है।

#### उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी मानोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितवाँ में से किसी स्यक्ति वृकारा;
- (क) इस भूजना के राजपण में श्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उजत स्थाव पंपणि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा संकंति।

स्वव्यक्षिकरण: — इसमें त्रयुक्त कब्बरें और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के कथ्याय 20 का में वथा परिमाणितः है, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय म दिया कवा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 2 सी० क्षेत्र 1314 वर्ग फुट एग्रिमेंट ता० 31-5-1985 श्रनुसार निबन्ध हुश्रा।

> गोख नईमुहिंदू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बलकत्ता

दिनांक: 14-3-1986

मोहरः

प्रकप भाइ. टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

## कार्शालयः, सहायक माचकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2219/श्रक्तिय श्रार०-3/85-86--श्रत: मुझे, शेख नईसृद्दिन

आयकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मुस्स 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं 0 18/2 है तथा जो गारियाहट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजीस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनौंक 22-7-1985

की प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम में अवजान करिक्क के लिए जन्तरित की गई है जीर मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके इच्यमान प्रतिकल से एसे इच्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिसत से अधिक है जीर जंतरक (अंतरकों) जीर जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उब्बेच्य से उन्ते अन्तरण शिक्षित में बास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाय की वायत, बक्त नियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य बास्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रेकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

(1) भीके प्रोपर्टींग प्राइवेट लिं०।

(भ्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान लिमार लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुष्या भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के जिल्ल कार्यबाहियां करता हुई।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हु---

- (क) इस सुबना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुबना की तामील से 30 दिन की बविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स स्वक्रियों में से किसी स्वक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के नाड सिवित में किए जा तकेंगे।

स्यव्यक्षिकरणः --- इसमें प्रवृक्ष्य शब्दों और पदों का, थो उक्क श्रीधनियम्, के बध्याय 20-क में परिश्राविद्यां हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा सकत है।

#### बन संची

पर्लौट नं० 9 बी० 1350 वर्ग फुट प्रिमिसेस नंबर 18/2 गरियाहाट रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधि कारी के पास 22-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुम्रा।

> शेख नईमुद्दिन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

नतः अव, उन्त निधित्यमं नी धारा 269-ग के नशृक्षका में, में, उन्त अधितियमं नी धारा 269-व की स्पधारा (1) के अधीतः, निध्नतिकित व्यक्तित्वों, अर्थातः:----

दिनौंक: 14-3-1986

प्रकृष आहे न हो न पुत्र न पुत्र न्यान्य न्यान्य

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वभीन स्थान

#### ताइत चर्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) भ्रजान रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2220/प्रक्षिय ग्रार०-3/85-86--ग्रतः मुझे, शेख नईमृद्धिन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2/6 है तथा जो मुख बोस रोड, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से बणित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यीलय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नम्बद्ध प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाम बना अतिफल निम्तिस्थित उद्देश्य से उक्त अंतरण किश्वस में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्धरण वेहूद किसी नाम की शावत, उक्त विभिन्निक के वधीय कर दोने के अप्सर्थ के दायित्व में कमी करने या सत्तते वचने में श्विधा के हिए; बांड∕वा
- (क) एंसी किसी जान या किसी धन वा अन्य जास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय अधिकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्यरिती द्वारा प्रकार रहीं किया नया भा वा किया असी वाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए:

बत: तब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण भी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) वे वधीर, निम्नविधित व्यक्तिमाँ हु अभीत् 3--- (1) घनण्याम दास निरानी।

(भ्रन्तरक)

(2) स्रादर्ग कुमार दालबेसिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करकें पूर्वोक्त संपत्ति कें वर्षन को किहा कार्यवाधियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तूचना को राजपन में प्रकासन की तारींच चे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति को भी सर्विध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानार संपर्तित में हितनपुष किसी कन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकन्य।

स्थळतेक रणः -- इश्वर्से प्रयुक्त शब्दों काँर पर्वों का, जो उपक्ष विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिशाणित ह कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गका है।

#### अनुसूची

स्पेस नं**ब**र 5, पाँचतला 1996 वर्ग फुट। प्रिमिसेस नंबर 2/6, सरत बोस रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी केपास 22-7-1985 तारीख़ में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना ।

> शेख<sup>े</sup> न**ईमृह्दिन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

विनाँक: 14~3~1986

मोहर 🛭

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बावकर बाव्यत (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाँक 14 मार्च 1986

निवेण सं० 2221/ग्रक्विय ग्रार०—III/कलकत्ता/85—86--ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दिन

कायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गारियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपावट स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी के रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22/7/1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिकाल का शन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब नाया नया प्रतिकास, जिन्निसित उद्योक्त से उसते अन्तरक शिक्त में नास्तिक क्य से कायत नहीं किया गया है:

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तवे वचने में सुनिभा के सिए; बॉर/वा
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 65-36GI/86

- (1) भीके प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड। (प्रन्तरक)
- (2) हिन्दुस्तान लिमार लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त संपत्ति के अर्थन संबंध में कोई भी बालोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (प) इस् सूचना में राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य स्थावत क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए वा सकांगे।

स्पार्कीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लैंट नं० 9 ए, 1119 वर्ग फुट, सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुन्ना

प्रिमिसेस नं 18/2 गरियाहाट रोड, कलकसा।

शेख न**ईमुद्दिन** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनाँक: 14-3-1986

## प्रकप आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, कल-क्ला

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2222/ग्रक्षिय ग्रार०-3/कंलकता/85-86--ग्रतः मुझे, शेखा नर्डम्हिन

नावकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 230 अ है, तथा जो आवर्ष जगवीम चन्द्र बोम रोड, इजक्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्कर्ता मधिकारी, के कार्यालव, सक्षम प्राधिकारी में भारतीय रजिस्करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिन्ति 19-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृख्य से कम के क्षमान प्रतिपत्त के उचित बाचार मृख्य से कम के क्षमान प्रतिपत्त के विषय अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाचार मृख्य, उसके इश्यमान प्रतिपत्ति से एसे एसे इश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ति, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उकत विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/था
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसूरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

- (1) कापुर देमी खाड़ेलवाल ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) ट्रिडेंड ट्रेवलम एवं टुरम प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह तृष्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## तकत सम्पत्ति के क्षर्यन के संबंध में काई भी आकेंद्र :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना कर दार्श, स से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि वं । यें सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति वृवाद्य?
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्राची

स्पेस नंबर 3, पाचतला 500 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नंबर 230 ए, ग्राचायेवे जगटीश धन्द्र बोस रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-7-1985 तारीख में रजीस्ट्री-करण हुआ।

> शेख नर्डमुह्नि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कलकत्ता

दिनौंक: 14~3-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

## कालकर वृणितियुग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-नं (1) के वृत्रीयं सूत्रमा

भारत सरकार

## कार्याजय, तहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिक्)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनौक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2223/एक्बि झार-3/कलकता/85-86---अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की पार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका श्रीवर वाचार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं 1 है तथा जो बिटिस इंडिया स्ट्रीट फलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप में से बॉणत है रिजिन्ट्रोकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनयम (1908 का 1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक 5-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान शितफान के लिए बंदरित की गई है और बुक्ते यह निश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार बुक्य, उसके ध्रयमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का अन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंदरिती (बंदरितियों) के बीच एसे बंदरण के निय तय पासा प्या प्रतिकास निकासिक उक्षेत्र से उन्त बन्तरण निविष्ठ में शस्त्रिक ध्रव से कथित वहीं किया क्यों हैं ---

- (कां) बन्तरम सं शुर्द किसी नाम की बान्छ, श्रन्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के नन्तरम के समित्र में कनी करने या उससे वचने में सुविचा क्ष किए; बीह्रा/बा
- (क) ऐसी किसी जांव वा किसी पन या जन्त जास्तिवीं की, जिन्हों भारतीय जाव-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उनकु अधिनियन, वा वन्-कर अधिनियन, वा वन्-कर अधिनियन, वा वन्-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया यथा वा वा किया जाना वाहिए वा, कियान के स्विधा के लिए;

नतः नव, उनत निधिनयम की भारा 269-म के नवृत्रहरू में, में, उक्त निधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित स्थिनतथों, नमित्

- (1) मेसर्स डबल्यू निक्कमान एवं को० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स गणेश प्रोपर्टीज प्रा० लि०। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुं।

### अवत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाह्यप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः
- (क) इस सृक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षारी के पास सिकित में किए वा सकीये।

रवच्छीकरण :— इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्ब होना जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### अनुसूची

प्रेमिसेस नंबर 1 ब्रिटिश इन्डिया स्ट्रीट कलकत्ता-1 सक्षम प्राधिकारी के पास 5-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुआ।

> षेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनाँक: 14-3-1986

मोहरः

## त्रकप् वार्षं हो एत . एव . ----

## भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) भी अधीम सुभाग

#### भारत सरकार

कार्याक्य, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनाँक 14 मार्च 1986 निर्देश सं० 2224/एक्व० ग्रार-3/कलकत्तारि85-86--श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति।, जिसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 18/3 है तथा जो गरियाहाट रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय स० 2 ए कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन दिनाँक 18-7-1985

को प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाबार ब्रुब से कम के क्यमान प्रतिफल, का लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार ब्रुब्स, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उचक वर्षिनियम के अधीन कर वाने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृविधा के चिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :—— (1) श्री मुभिरतको० श्रापारेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार घोष।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता। हुं।

जक्त सम्पत्ति के गर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभ वा तत्संबंधी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वभि, को बी बविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया गया है।

#### यम्बर्गी

870 थर्ग फुट फ्लैट, प्रेमिसेस नम्बर 18/3 गरियाहाट रोड, कलकत्ता-19 सं० 2 ए कलकत्ता के पास 18-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुआ। दिलिल संख्या I 10522 सा० 18-7-1985

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनौक: 14-3-1986

प्रकल बाह्य हो , एन , एक ,-----

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-थ (1) के अभीन क्वना

#### डास्ट बरकार

## कार्याजय, बहायक जायकर नागुक्त (निरीक्त)

श्चर्णन रेंज कलकत्ता कलकत्ता दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2225/एवि० श्रार-3/कलकत्ता/85-86--श्रतः मुझे । शेख नईमुद्धीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'अकेत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार अन्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 180 है तथा जो रास बिहारी एवेन्यु कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 ▼ 1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 22-7-19≅5

की व्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान
ूस्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य,
बसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अप्लिंगित्याँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गवा
प्रतिफल, निम्नितिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिषित के
शास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सविधा खे सिह;

बतः शृंब, उक्त विभिनित्रम की धारा 269-न की, वनुसरक वी, मी, उक्त विभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---- (1) ग्रार० कार एवं एसोमिएटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजया देवी कोठारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति ने नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की जबिध, को भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा कवा हैं।

#### **ग्र**नुसूची

फ्लैट न० डी-5 वर्ग फिट प्रेमिसेस नंबर-180 रास बिहारी एवेन्यु कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुम्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनौंक: 14~3~1986

## त्ररूप आहें हो . एन , एस . ----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के जभीन स्चना

#### भाइत बहुकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्त)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलक्सा, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्वेश सं० 2226/एवि० ध्रार-3/कलकत्ता/85-86--श्रतः मुझे शेख नईमुद्दीन

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मुधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गरियाबाट रोड कलकला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन दिनक्षि 22-7-1985

की पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य ते कम के उस्प्रधान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृश्वें यह विस्तास करने का कारण है कि समापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंशरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया न्या प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश्य से उच्त अंतरण किया व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवय भी सभीप कर दोने के बंतरक के खावित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीड्र/वा
- (च) एती किसी नाव या किसी भन वा नन्त नास्तिवों को, चिन्हें भारतीय सामक्ष्य व्यवित्वन्, 1922 (1922 का 11) वा सकत नीमिनियन, वा भूतंत्र कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रसोधनार्थ सन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया चाना पाष्ट्रिए था, क्रियाने में सुविधा के बिए;

ब्दा मन, उन्त निपिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, मै, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) वी०के० प्रोपर्टी जप्राइवेट लिमिटेश।

(ग्रन्तरक)

(2) हेलेन ग्रभृता सिंदु

(भन्तरिती)

वा वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षन के सिह कार्यवाहियां करता हुन्।

अक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सन्दौत्त से 45 दिन की अनिध या संस्थानका व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जबिध नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के सचपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्देश में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति ह्वास अधाईस्ताक्षरी औं पास लिखित में किस का सकींगे।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, वा उस वध्याय में विकर्ण नमा है।

#### बगुसूची

1255 प्लाट-नं० 6 बी० सात-तल प्रोमिहनेस नं० 18/2 गारियाहाट रोख, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी केण्पास 22-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुआ है।

> गेख नईमुद्दीन सक्षम प्राक्षिक्री सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज; कलकला

दिनाँक: 14-3-1986

मोरः

प्रकप भार्<u>ः</u> टी. एनः एसः -------सावकर अधिनियम, 1981 (1**961 का 43) की** धारा 2**6**9-च (1) के स्पीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, १दमांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2227/अक्टि श्रार-ना[/कलकता/85-86---श्रेस्मिने शेख नईमहीन

नायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 11-ए हैं तथा जी पाम एमेनिई कलकता में स्थित हैं (और इससे उपागद्ध प्रतुस्वी में अहर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के स्वयंतिय संजन प्राधिकारों के रजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम 1908 1908 का 16) के श्रधान दिनांक 11-7-1985

करें प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ते कम के ज्याबात ब्रित्कल के जिए अन्तरित की नहीं ही और मुझे यह विवशास करेंके का कारण ही कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित वाचार ब्रुच्य, उसके उस्प्रमान प्रतिफत्त से, एसे अस्प्रभाग प्रतिफत्त का क्ष्मह प्रतिकत से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अंतरण के सिक्ट स्थ वाचा वचा प्रीध-फल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बच्चरण वे हुए फिली जान की बावब, चन्छ जिलिनक के बचीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में क्रमी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिल्हा वर्षः/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भग या अन्त वास्तिसों को, विन्हों प्रारतीय जावकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियन वा भमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया नमा वा या किया बाना वाहिए था, कियाने से सुविधा के लिए;
- Seal: अन्तः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीजियित स्वयित्यों, वर्षात् ह—

- (1) के० न० प्रापर्टीन प्राइवेट लिपिटड। (श्रन्तरक)
- (2) तारा चन्द्र गुलाटी एवं धन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करफे पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन को विष् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन् की अवधि या तत्सम्बन्धी का जित्यों पर मुक्स की साबीब से 30 दिन की अवधि, वां भी वनिष वास में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ष व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हिट-वहुद किसी जन्म न्यमित द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के बाज जिल्लित में किस् का सकान !

स्पक्तीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नधीं होगा जो उस मध्याय में दिया गया ही।

#### नन्त्र्यी

प्लैट नं० 10ए, एगारो तला 11-ए, पाम एँमेनिई कलकता सक्षम प्राधिकारी के पाम 11--7--1985 तारीख में रजास्ट्रीकरण हुआ।

> शेख समुईद्दीन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 14--3--1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचनों

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2228/प्रिक्थि ग्रार-III/कलकाता/85-86---ग्रत: मुझे शेख नईमुद्दीन श्रायकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ब

पायकर आधानयम 1961 (1961 का 43) (जिस इसम पायकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्नावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी संव 34/IV बीव है तथा जीवालि गंज सार
कुलार रोड़, कलकता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी
के हार्यात्रय सजन प्राधिकारी के रुओस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5-7-1985
को पूर्वक्स संम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्शित का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एोसे रूपमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्नलिकत उद्देश्य से उचत अन्तरण चिकित में वास्तिवक
क्य से कथिए महीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (क) पंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का,11) या उक्त अधिनियम, या धन- धर अधिनियम, या धन- धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण क, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों; अर्थात् :--

- (1) जोगन्द्र पुक्त सि० दुगार एवं सन्स। (श्रन्तरक)
- (2) श्रादित्य मिम प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर्र सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## जम्सूची

तीत तला बाढ़ी जिमन 11 काठा एवं 20 वर्ग फुट प्रेमिसेस नंबर 34/1वो० बालो गंज सारकुलालर रोड, कन कता सक्षम प्राधिकारी के पाम 5-7-1985 नारोख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दी न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 14--3 ·1986

प्रकरः बार्डः दीः एतः एसः = = = =

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेग सं० 22/29/अनित्र आएमा/कालकता/85-86 ---शेख ाईमुद्धित

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/6 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों में रजीस्ट्रोकरण प्रविभिध्म 1908 (1908का 16) के अवीत विनोक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रायमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रायमान प्रतिफल से, एसे क्रायमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में धास्तीबक रूप से कथित नहीं किया यहा है कुन्त-

- (क) मन्तरण सं हुई किसी बाव की बायह, उक्त निधिनियस के स्थीन कर देने के क्लारक के दायित्व में कभी करने वा उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना जाहिए था, खियाने बंग स्विधा के लिए;

बत् अव ह उक्त जीवनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , उक्त जीवनियम की भारा 269-घ की उपधारा (११ प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) घनश्याम दास निरानी।

(ग्रन्तरक)

(2) आदर्श कुमार दालश्रथसिया एवं श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के नाम विक्ति में किए वा सकने।

स्वध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया वया हैं ॥

### जन्स्ची

स्पेस नंबर 6 पांचतला 2353 वर्ग फीट प्रेमिसेस नं० 216 सरत बोस रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-1985 तारीख में रजीस्ट्रीकरण हुम्रा।

> शेख नईमद्धिन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक। 14-3-1986 मोहर।

## प्रस्त्व बाह् , दी, एव , ६६, ०००००

## कावधार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) को विधीन सुवना

#### HIST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० 2230/धिषय धार--III/कलकत्ता/85--86----धत: मसे शेख नईमुद्वीन

भावकर सिंभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसने इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही, को कि भास 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 72 है तथा जो गोधपुर पार्क कला० मियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारा के कार्यालय कता० में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूच्य से कम के दम्यमान शितफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह किवास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मूच्य, उसके दम्यमान प्रतिफल सो, एसे दम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण हे हुइ िकडी काय की बाबल, उक्त बीधिनयम के अधीन कर होने के सन्तरक औ दाधित्य में कमी करने या उत्तर्भ अपने में स्विधाः के निए; और/या
- (क) ऐसी फिली बाय या फिली धन वा अच्य ब्रास्तिबाँ गिधिनियंग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपार के मुखिया के म्मए;

कतः, अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-य को अनुसरण भा, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारः (१) है अभीतः, निस्तिसित स्पृतितयों अभातः क्षा--- (1) श्री प्रगोक कुमार गुप्ता,

(प्रकारक)

(2) झिन्ग्धा चौधरा ।

(थनारिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उपत सम्परित के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप ट--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्येच्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणिश है, वहीं वर्ष होगा. जो उस अध्याय में किल्ल गया है।

श्रनुसूची

पतैट नं० 3 ए, क्षेत्र 1046 वर्ग फूट।

णेख नईमुद्धिन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेंज, कलकक्तर

दिनांक: 14-3-1986

प्रस्प बाइ .टी.एन.एस. -----

## शायभर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्मन्रेज-3 कलकता कलकत्ता, दिनौक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2231/एनयू/रेंज-<sup>III</sup>/कल०/85-86 यतः, भृक्षे, शेख नईमुहीन,

आरंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० 5 बी है तथा जो फकीर हालदार लेन, कल कता में स्थित है ) और इतसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनाँक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाकार मून्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्नास कारने की कारक हैं कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एते दश्यमान प्रतिफाल के बन्द्रह्म प्रतिकास से अधिक हैं और संसरक (संवरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नसितित उन्देश्य से उन्तर अन्तरण मिलित में वास्त्रिक क्य से किथा वहीं किया बना हैं इ—

- (क) बन्दरण वे हुद कियों नाम की वावतः उत्थत महिन्दम के स्थीन कर दोने के सन्धरक के दासित्व में क्यी करने या उसके वचने में सुनिधा के सिए। म्रीप्टिंग
- (क) इसी किसी अप वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना काहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री प्रशांत कुमार वर्द्धन,

(ग्रन्तरक)

2. श्री दिनीय कुमार ताहा

(ग्रन्तरितो)

को यह त्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्परिष्य के वर्णन के विष कार्यमाहियां सुक करता हुई।

उक्ट सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :— (क) इस सूचना के राष्ट्रांत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हुन्नों, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक इवाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकती।

स्पष्टीकरण: ---इसमी प्रयुक्त काळारे और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

तीन तल्ला, मकान सादा जमीन 1 कट्टा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 14-3-1986 मोहर:

## प्रकार हार्ड हो . एक . एक ..-----

## वानकद्व अभिट्रिनवस, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के अभीत स्थान

#### पाइत बहुकाह

कार्यालयः, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, कलकता कलकत्ता, विनाँक 14 मार्च, 1986 निर्देश सं० 2232/एक्यू/रेंज-I<sup>II</sup>/कल०/85-86—श्रतः मुझे शेखा नईमुद्दीनः

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सम्भाम प्राधिकाड़ी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैंड/६ है, तथा जो गरद बोस, रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिस्त से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंबरण के निए तय पाया गवा प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूम से कथित नहीं किया गया है 2—

- (क) मन्तरण हो हुन् किसी भाग की बाव्य उत्तर विधिनियम को सभीन कर दोने के सन्तरक को दासिस्य वो कसी करने था उसके बजाने वो सुविधा को सिए; सरि/वा
- (ण) एसी जिसी थान वा जिसी भन वा कत्य नात्तियों को, विमर्द भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्ति हैं विद्या गया था वा किया जाना थाहिए था, जियाने से स्विधा ने जिन्ह;

नतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री घनश्याम दाप्त शिरानी,

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुकुन्द लाल

(भ्रन्तिरती)

को वह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मरित के नर्जन के सिध् कार्यमाहियां सूक करता हूं।

उक्त बम्पीत के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस त्यना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पिर सृष्यना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्यों जीर धर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया। प्रया ही।

## **ध**नसृषी

स्पेस नं० 2, क्षेत्र० 1124 व० फु०, एाँग्रिमेन्ट द्वारा निबन्ध हम्रा है।

> शेख नईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक 14-3-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्वना

#### मारत सरकार

काबासिय, सहायक कायकर जाय्क्त (निरीक्षण) सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3,

कलकता, दिनाँक 14 मार्च, 1986 निर्देशसं० 2233/एक्यू०/<sup>२ेज</sup>-ПП/कल०/85-86-~ग्रतः मुझे शेख नईम्हीन

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चाए 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बस्व 1.66.000/- रु. से जिल्क है

और जिनकी सं ज 13/3 है, तथा जो प्रमणेटा, वरूया नारणी, कल तत्ता में स्थित है )ओर इससे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण का ने विणात है रिकस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यीलय कल तता में रिकस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक 11-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का अभित अजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए सब पाना गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश के उपन अन्तरण सिचित में वास्तविक कप से कमित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की आयत, अकः अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तर्क के दासित्य में कमी करने मा उन्नत्ने बचने में बृणिया के सिए। बॉर वा/
- (क) एसी किसी बाद या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण भ , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिराँ, अर्थात् :-- 1. श्री हरिन्द्र नाथ दत्त

(श्रन्तरक)

2. कनद कुन्दलिया

(म्रन्तरिती)

का वह सूचना बाही कारके न्वॉक्ट संगरित के वर्षन के लिए कार्यमाहिता करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के संसंभ में कोई भी बाक्षेप 🎞

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की जनिथ, को भी अनीव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शक्ष स्थित में किए वा सकर्ग।

स्वक्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा है उस अध्याय में दिसा नथा है।

#### मन् सूची

1/8 अंग सम्पत्ति जो डीड नं ।, 10131 दिनौंक 11-7-1985 स्रनुसार निबन्ध हुस्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक 14-3-1986 मोहर: इक्य बाइं. टी. एम. एस. सननन

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के विधीन सूचना

#### भारत सरकाङ

कार्यालयः, सहायक सायकार नायुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,

कलकत्ता , दिनाँक 14 मार्च, 1986 निदेश सं० 2234/एक्य/रेंज-Ш/कल०/85-86---श्रतः मुझे शेख नईम्हीन

शायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रभात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मृतित, विस्का जीवत वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो मदन मोहन बर्मन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यां क्य, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनकि 12-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्ति से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- [क) वंदारण हो हुद्द किसी बाय की बाव्या करता बादिनवान की बधीन कर दोने के अन्तरक भी दादित्व में कमी करने या उद्युख न्यने में मृदिधा को लिए; बार/वा

बत: बत, उबत अभिनियम की धार्य 269-म में बन्धरण बं, में, उबत अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे बचीन, निम्नविधिट व्यक्तियों, क्यांव के स्व 1. चम्पा प्रापर्टीज, लि०

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स बलराम प्रापर्टीस प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के विषय कार्यनाहियां गुरू करता हूं।

क्कड सुम्परित् के वर्षन के संबंध में कोई भी बाऑप :---

- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सहिष्, जो भी कविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यम है।

### यम्बुद्ध

दो तला, मकान सहजमीन 12 क० 11 छटाक, 37 य० फु० है।

> शेख नईमुद्दीन∽ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-3, कलकत्ता

दिनकि 14-3-1986 मोहर:

## प्रकार वार्ष्य दी प्रकार प्रवासन्तर सम्बद्ध

आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-ए (1) के सभीत सुभूता

#### BUCK STANS

## कार्यासय, सहायक कायक र कायुक्त (निरीक्षण)

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३,

कलकत्ता, दिनिक 14 मार्च, 1986

निर्देश मं० 2235/एक्य/रेज-III/क्षम०/85-86—-श्रतः मुझे शेख नई मुद्दीन

भायकर वाधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित का बार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 224, 224/1 है, तथा जो श्राचार्य जगदीण चन्द्र बोस रोड, कल कत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1901 का 16) के स्रधीन दिनांक 22-7-85

को प्रवेकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कह ये दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पलाह प्रतिकात से विश्वक हैं और अन्तरक (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंतरितिकांं) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना पता प्रतिकात हो लिक्सिकांं के बाक्सिकां के बाक्सिका

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अश्यः. (त्रभ्वतिकात स्वास्तिका, अर्थात क्र---

- 1. भी ० के ० उक्तर प्रापर्टीज (प्रा०) लि ० (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स कृष्णा कुमार बामारिया। (अन्तरिती)

को बहु स्वा भारी कर्क पूर्वो स्त सम्बत्ति के सर्वन के सिर कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति इबास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वप्स्ची

प्लाट 'ई' क्षेत्रफल 1870 वर फुरु।

शे रक नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 14-3-1986 मोहर: प्र**रूप बाइ** े टी. एन. एस ूनव्यतन्त्रन

ज्ञायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यासक, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिक)

प्रर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनौंक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2236/एसयू०/रेज-III/कल०/85-86--- ग्रतः मुझे शेख नईमृद्दीन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व को मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उणित बाकार मूक्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० 13/3, है, तथा जो प्रेमिसेज बस्या, सरीन, कलकत्ता में स्थित है ) ओर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में शौर जो पूर्ज रूप से विणित है ) रिजिप्ट्रीकिन अधिकारी के कायदेलय, सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिकिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्षास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिचत उद्देश्य से उनत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वंदरण वं हुइं किसी बाय की बायत, उक्छ विधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में आमें करने या उउसे बनावे में सुविधा के लिए; वरि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन वा जन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192-2 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भन-का अधिनियम, या भन-का अधिनियम, या भन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः सव, उस्त विधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उस्त विधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारः (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. दरिद्रनाथ दत्त

(अन्तरक)

2. अलोक विनाकिया

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्मत्ति के कर्जन की सम्बन्ध में काई भी लाक्षप :---

- (क) रस स्वा के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की वर्षा थे, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से अविध व्यक्तियों में स
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगे! जो उस अध्याय में विया गया है।

## भ्रनुसूचौ

प्रेमिसेम नम्बर, 13/3, प्रेमिनेस बस्या यरीन, कलकत्ता सक्षम प्राधाकारी, कलकत्ता के पास, दिनाँक 11-7-85 को रजिस्ट्रेणन हुन्ना।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम शाधि वारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजी रेंज-3, कल इना

दिनौंक 14-3-1986 मीहर:

## वक्द बार्च.टी.एन.दम्.------

## भाषकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

## भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक जायकार वायुक्त (नियीज्य)

भ्रजीन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

निर्देश सं० 2237/एक्यू०/रेंज-III/कल०/85-86---प्रतः मुझे शेख नईम्हीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/2 है, तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त नाजार मूक्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार भूका, उसके क्यमान प्रतिकत है, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पत्तक प्रतिचत से निभक है और नंतरक (अंतरका) और जंत-रती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) शंखरण संशुद्ध सिक्सी साथ की बाससा, उकत अभिनियम के स्थीन कार दोने के अंतरक की दायित्व में कभी कारने या उससे बस्तने में सुधिना के किंद्र; बीर/बा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हात: अस, इक्स अधिनियम की भारा 269-न व अवृद्धरम् ने, में, उन्तर अधिनियम की भारा 269-च की उपधादर ११) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---67-36GI/86 1. भीके प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(श्रन्तरक)

2. हिन्दुस्तान लिमार लिमिटेड,

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मित के वर्णन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उनका सम्मतित को मर्चन को सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में श्रकाशन की तारीय सं 45 दिल की जनीथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी नक्दीथ नाय वें समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से वित के भीतर जमत स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ण किसी कम्प व्यक्ति स्वारा, वधोहस्ताभरी के पाक विविध में किये वा सकी है।

#### ध्यक्ती

प्लाट नं० 7 बी , 18/2 गरियाहाट रोड, कलकत्ता। विस्तीर्ण 1413.80 वर्ग फुट, मक्षम प्राधिकारो के पास दिनाँक 22-7-85 को रजिस्टर्ड हुग्रा।

> णेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक 14-3-1986 मोहर: प्रकृष् भार्च . टी . युन् . युन् . --------

जाशकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43<u>)</u> की

## 1. घनश्याम दाम निरानो,

(भ्रन्तरक)

2. भ्रादर्श कुमार हालवेभिया।

(भ्रन्तरिती)

#### SPICE COMP

भारा 269-ए (1) 🚽 स्थीन स्थान

## कार्यालय, शहायक मायकारु भाव्यक (निद्धालक)

श्चर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकक्ता, दिनौंक 14 मार्च, 1986

निदेश सं० 2238/एक्यू०/रंज-III/कल०/85-86----म्रतः मुझे, शेखा नर्दमुद्दीन,

गायकार मिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसने वक्ष्मान् 'उक्त की भिनिक्स' काहा नवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिमकी सं० 2/6 है, तथा जो मरत बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसम उपाब ब्र ब्रनुसूकी में और जो पूर्ण क्य से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए गंतरित की गई है और मुक्ते यह विदशस करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार नृत्य उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पत्तक प्रतिसत से अभिक है और बंतरक (बंतरका) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तस पासा नवा प्रतिफल, निम्निसिखत उद्दोक से उक्त अन्तरण निवित यो वास्तिक रूप से कर्मुंबत वहाँ कि वा बवा है 4—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की बाबत, धक्त शोधीनयम के बधीन कार दोने के अन्तरक के धारियक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बड्डि/बा
- (अ) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आफितयां को, जिन्हों भारतीय आमकेर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभाषी अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

बतः पत्र, उन्त नीधीनवसं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. बनत नीधीनवसं की धारा 269-ग की बनशारा (1) के अधीय, निस्तरिकत स्थापतयों, अधीत दे—- की बहु बूचना बाड़ी करके पूर्वांस्त सम्मत्ति से वर्धन के किस कार्यवाहियां स्क करता है।

उक्त संपत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल-ब्रह्म किसी अस्य स्थानत ब्रह्मश अभिकृत्ताकारी के शक्क सिविद्य में किए जा सकेंगे।

अस्त्रहीक त्लाः -----व्रसमें अपूर्वा कर्न्दों बहिर अही का, त्यां क्रमच अधिद्वीषयमं औं सम्पास 20 न्क में दरिशायित ह्री, मही वर्ष होगा यां अभ्यामं में दिवां स्था हैं।

#### वनुद्वी

बेम नंबर 1, पाँच ततला, 1417 वर्ग फुट, प्रेमिसेज नं 2/6, सरत बोस रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के यहाँ दिनौंक 22-7-85 को रजिस्ट्रीकरण हुआ।

**गेख नईमुद्दी**ने **सं**क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयु<del>क्</del>न (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कनकत्ता

षिनौंक 14-3-1986 मोहर: प्रथम बाहो, ठी-, एन , बुद्ध , ------

बावकार व्यथिनियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 (व) (1) के वर्षीन क्षान

#### बारतं वरकार

## कार्यासम, तहायक नायकर बाव्यत (विद्राक्षिण)

श्रर्ज न रेंज-3, कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

्र निर्देश सं० 2239/म्रर्जन रेंज-I<sup>II</sup>/कल०/ 85-**४**6--म्रतः मुझे, **मेखा नई**मुद्दीन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्ने वर्षात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया ही, की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 72.है, तथा जो शोधपुर पार्क, कलकला में स्थित है (डौर इसस उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता हू रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 19-7-1985

की पूर्वोचित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान शितकास के हिनए जंतरित की गई है जोर गुर्क यह विश्वास करने का कार्ज है कि वचाप्योंनेत कम्मीत का अधित वासार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्रयमान प्रतिकास का क्ल्यू प्रीएकत के कथिक है और अंतरक (जंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया विश्व प्रतिकास निक्तिकास कृष्यका के क्यत बंतरण किवित में वास्तिका क्या से क्रिया ग्राही किया ग्राह के—

- (क) नंतरण से हुई किसी भाव की वास्ता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा देशिए; और/मा
- (था) पंची किसी बाब या किसी भन या बन्ध बास्सियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रियलार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिया की लिए;

अतः अवः, उक्त विभिनियम, की भारा 269-य के अनुसरण किं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) वे अभीक, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् ध---- 1. अशोक कुमारगुप्त।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हीरेन चौधुरी

(भ्रन्तरिती)

## व्या बहु शुक्रमा वाष्ट्री करूने पृत्तीयत् कम्परित् के वर्धन के विश् कार्यनाहिंगी करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अयिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंग।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### म्मूची

पलाट नं० 3 बी, क्षेत्र ० 921 व० फु० है।

गेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

षिनाँक 14-3-1986 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन्. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 198 6

निदेण सं० 2240/मर्जन रेंज-III/कल०/85-86---मतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 100 है, तथा जो साउद्रन एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनौंक 26-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्येक्तियों, अर्थात् :--

1. केशव चन्द्र बस् भौर भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. प्रीति ची० को-प्राप<sup>7</sup>टिव हार्जीसग सोसायटी (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखां 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का शारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर- र्रें जिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

5 ततस्ला, मकान सह० जमीन।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनाँक 14-3-1986 मोहर: प्रकार कार्याः, द्वीः, एसः, एसः, ---------

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें 🤊 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1986

सं० ए० ए० मी०/रेंज/फल/1985—86:—— अत, मुझे शेख निर्हमहोन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 48/31 ए है तथा जो पूर्व चक्र मित्र लेत, वल स्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिप्स्ट्रीवर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, प्लाट 2 आलिपोट्ट में, पिल्स्ट्रीवरण अधिकिरम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 11-7-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार एसे ध्रवमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से ध्रक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया भवा है ८—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उपस नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) इसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियी की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की स्पथारा (1) को अधीन, निम्नलिसित स्पित्तस्यों, अर्थात् :--- ा. श्रो अमरेन्द्र भाकर

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुणील कुमार गुरूराय

(अन्सरितो)

को यह स्थाना जारी करके पृथींवत सम्पत्ति के कार्यन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उस्त अधिनियमं, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्यी

प्रेमिसंस नम्बर 48/31 ए, पुनचन्द्र मिस्त्रि लेन, कलकत्ता 33 एरिया 3 काठ 9 छटाक, स 2 आलिपोट को पास 4-7-85 तारीख सं रजिस्ट्रीकरणहुमा।

दलील संख्या 5613 तारीख 4 जुलाई, 1985

णेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

**भारीख: 14-3-198**6

प्रकप बाइँ टी. एन. एसं ------

भक्कर जीवीनवान, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## काबालब, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलक्ला

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1986

सं०ए० सी० रेंज/कल⊷/1985—86:——यत मुझे, शाख तर्हमुद्दोम;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आचार मून्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

फीर जिसकी सं० 5 है तथा जो लोयर रोधन स्ट्रीट कल कत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, स 2 ए, कल कत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1986

को प्रतिकत कर्णीरित के तिकत काकार भूल्य म कम के रण्यकान विकास के लिए अन्सरित की मही है और मुझे यह निश्वास कर्ण का कारक ही कि वभापूर्वीमत तम्परित का जिल्ला वाकार क्ष्म, तथा के स्वयं अविकास अतिकास ते, एते रश्यकान अतिकास का ग्रेह प्रतिकास से वाभिक ही भीर अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नतिस्ता उद्देश्य से सक्त अन्तरण कि विविध में सास्तिक रूप से क्षित गृहीं किया क्या है द—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की वाबत उक्त विधित्तियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दावित्व में कमी करमे या उससे वचने में स्टीवधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियन, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृविष्ण के सिए;

बतः बंब, उक्त विधिषयमं की भारा 269-ग के बनुसरण म", मैं", उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नसिक्तिः व्यक्तियों, वर्षात् क्र— 1. श्री मानिक चन्द्र

(अन्तरक)

3. हिन्दुस्तान लिमार लिमिटेड।

(अन्तरिती)

 व्यास्त क्ष्मण भारी करके पुत्रास्ति सम्पत्ति के भवन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्ध बन्धरिय के शर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की संबंधि मा तत्संबंधी स्पन्तियों पा सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस त्वना के राधपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी स्था व्यक्ति इवारा नभोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए वा सकेंचे ।

रिकारिक रणः ---इसर्जे प्रकृततः सन्दर्भ होत प्रकृति का उत्तर श्रीभित्रियम को अध्याय 2०-क थें परिभाषित ही, यही अर्थ होगा को उस अध्यक्ष में दिया गया ही ॥

#### -

2307 वर्ग फुट, प्लाट नम्बर 4, आटतला, 5, लोयार रा**ईड**न स्ट्रीट, कलकत्ता, स 2 ए कलकत्ता को पास 3—7—85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण दलील संख्या 1—9569तारीख 3—7—1985।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकाची सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोंज कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

क्ला बार्स <u>। इ. ह्</u>ना पुरा 🗈 🗈 🚥

नरवक्तर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नवीन द्वारा

भारत सरकार

## कार्यासर्थ वर्षायक भागकर भागुन्त (विरोधान)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

सं० ए० सो०/रेंज/कल/19:—यन: मुझे, शेख नईमुहोन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिमको मंख्या 13/3 है तथा जो प्रोमेसीस वस्त्यामरणो-कल्कत्ता में स्थित हैं (म्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय कलक्ता में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन ठारीख 11-7-1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित वाधार मृत्य ते कम के सामाध्य हित्यक से निष् कम्परित की गई है और मुखे वह विश्वास्य स्थान का कारण है कि वधान्वींकत कमारित का उचित्र वाधार वृद्य, उतके क्ष्यमान प्रतिक्षण है, एवे स्थानम प्रतिक्षण का पन्त्रह प्रतिहात से मिथक है और वस्तरक (अम्बरकार) और वस्तरित (अन्तरितिवार) के बीच एते वस्तरक से निष् ध्य वाथा गया प्रतिक्षण, निम्मतिथित उद्योक ने उक्त वस्तरक निष्टित वाँ गस्तिक स्थान के स्थान का प्रतिक्षण में स्थान का स्य

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाव की बावत उपत विधिषय में वधीन कर दोने के जन्तरक के दाविश्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; जरि/वा
- (थ) शोती किसी बाय या किसी वस वा बन्ध नास्तियों की विन्दू नारतीय नासकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे अध्येषार्थ नक्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में क्विया के लिए:

बतः अध , उक्त विधिवन की भारा 269-न के विकृत्यक वें, वें, उक्त विधिवन की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- 1. श्री हरिन्द्र भाष दत्त
- (अन्तरक)
- 2. श्री विनोद कुन्डालिया।

(अन्तरिती)

की यह सुमना चारी करके पूर्णेक्य सम्मृति के अर्थन के निए कार्यवाहितां भूक करता हो।

दम्स तम्मति के सर्वत के बन्तरथ में बादि भी महारेष हु---

- (क) इस स्थान के प्रधान के प्रकारण की तारीं से 45 दिन की अविभि या तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर तृष्णा की तालीं से 30 दिन की अविभ, को भी जनकि शर में राजाना होती हो, से भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में सार्वित विभाग के साम कि सा
- (क) इत सूचना ने राज्यन में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्बत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण: ----इसमें प्रयूवन गढ़कों और पदों का, जो उक्कर विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

## अनुसूची

1/8 श्रंण- सम्पत्ति जो डीर्ड नं० 10130 तारीख 11-7-1985 अनुसार निबन्ध हुआ है।

> शेख नइमुद्दीन मक्षमप्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 कलकत्ता

नारीख: 14-3-1986

## प्रका मार्च ही एन एक् -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1986

सं 0 2244/एसी क्यू आर-III/कल/85-86:-- अतः मुझे शेख ईम्हीन,

त्रयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने के कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रांर जिसकी संख्य 72 है तथा जो शोधपुर पार्क, कलकत्ता में स्थित है (म्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय कलकत्ता में रिलस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाण प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, इसे दश्यमान प्रतिकल के पेदह प्रतिकात से अधिक है

करेर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उक्विय से उक्त अन्तरक सिसित में नास्तिकिक रूप से कथित ही किया गया है :---

की भिनिष्म के सभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविभा के लिए; और/वा

(क) एसी किसी नाम वा किसी भन वा अन्य आस्तियों करें, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्ट;

बतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपध्या (1) कै अभीन, निम्निनिबिट अविस्थां अर्थाहः :--- ा. श्री अशोक कुमार गुष्धा

(अन्तरक)

2. दिल्ला मेन गुप्ता।

(अन्परिता)

ना यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नगुसूची

प्लाट नं ० 4 ए क्षेंच्र 1047 वर्ग फुट

शेख **नाइम्,द्दी**स, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 3, कलकत्ता

**ता**रीख: 15-3-1986

प्रकृष वाह्न . टी . एम . एस . ------

बायकर विभिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

काय<sup>ं</sup>नय, सहायक कायकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंल, लवहना इल इना, दिशांक 14 मार्च, 1986 सं० 2245/ए सी नयू आए III/कल/85-86:--. मुझ, मख न ईमुद्दीन,

अायकर किंविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके क्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से गिधिक हैं

वार जिसको संख्या ७२ है अथा जो मोधपुर सर्च, कलऊत्ता में स्थित है (और इयने ात्राधद्व अनुमूची में श्रीर पूर्व का किंदि है), रिजिन्हो तर्वा अधि गरी के ार्यालय में पिकड़ी प्राप्त अधिनियम, 1908 (1908 के 16) कें अधीन, नारीख

कां पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के उदयजान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथाप्तिकत सम्पति का उचित बाबार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ए'से इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भीतफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया श्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है :--

- (क) ब्लारन से हुई फिसी बाद की गावत, उक्त विधिनियम के अभीत कर दोने के मन्तरक । वायित्व में कभी करने वा उसने वक्त में बृधिया के विए; और/या
- (श) ऐसी किसी नाम वा किसी वन का बन्य नारिसयों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बानः बाहिए था, फिराने में लुबिधा के किए.

अत: लख, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरक नै, स<sup>4</sup>, उक्त विधिनियम फी भारा 269-**प की अप**भारा (1) के अधीन निम्मतिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :- 🔻 68-36GI/86

ा श्री अशोह कुमार गुणा

(अन्तरक)

2. श्री अमिताप घोषाल

(अन्:िस्ती )

को बह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

सकत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त** व्यक्तियों में से रेकसी व्यक्ति य्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब खे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-अवृष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधिहस्ताक्षरी के पास निवित थें किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिभिनियभ, भी अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ववा है 🖫

अनुसूची

प्लाट नं० 4 सी क्षेत्र ० 921 वर्गफुट।

गेखा नइमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज 3, कलकत्ता

नारीख: 14-3-1986

मुक्य कार्यः, टी. एन., एव., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

सं० 2246/ए० सी० क्यू श्रारा∏कलकत्ता/85-86:∸-श्रतः मझे, शेख नईमहीन,

बायक र काँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की भारा 26.9-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1, 110,000/-रा. से अधिक हैं

म्रीर जिनकी संख्या 72 है तथा जो मोधपुर पार्क, कल हत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 19-7-1985

का पृशांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य ते कम के सरयमाण् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, होसे ४ स्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुए किसी थाय की वावत , उन्ध जीविनियत के जभीत कर दोने के जिएक के दासित्व में कभी करने या उससे नचने में स्ट्रेनफ के सिए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धव वा बन्ध बारिसवाँ को, जिन्ह भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को बनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् क्र-- 1- श्री प्रशोक कुमार गुला

(भ्रन्तरक)

2. श्री चम्पा राय

(अन्तरिती)

को वह सूच्या बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन थे जिल्ला कार्यवाहियां करता हो ।

उच्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई औ बाधोप :---

- (क) इस त्यमा के प्रथम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नगीं या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र ब्यान की तासीस से 30 दिन की नगीं में भी नगीं वाद में तथाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्याग;
- (क) इस नुषना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी बचा व्यक्ति इंदारा बधाहरताक्षरी के पास निवित में किस वा स्कीचें।

क्षण्यक्रिका है—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या ही।

**म**न्मुची

प्लाट नं० 1 की क्षेत्र: 921 वर्गफुट

> शेख नाईमुद्दीन, मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 3 कलककार

सारीखा : 14~3−1986

मोहरः

प्रकण बाह्यं.. टो.. एव .. एव ..-----

नायकर नर्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### RIEG TENIS

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्माक्त)

ग्रर्जन रेंज, कलक्ता

फलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

सं० 2247/ए० मी० क्यू० प्रार-III/कलकत्ता/85-86:--यत मुझे, शेख नाईमुद्दीन,

हायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 72 है तथा जो शोधपुर पार्क कल हता में स्थित है (ग्रौर इउसे उपाबद्ध अनुसूची में, ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 19-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहेयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहेयमान प्रतिफल से एसे रहेयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, अवस अधिनियम की धारा 269-म क अनुसरण में, नै., उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुभात् ।——

श्री प्रशीक कुमार गुण्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती बन्दना मन

(श्रन्तरितं।)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ष्लाट न'० 1 ए क्षेत्र 1046 वर्ग फुट

> भेव नाइमुद्दीन, गक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज 3; कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप कार्य । टी., एवं : एक :-----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) **वे अभीन त्यमा** 

#### नारवं बुडकाड

कार्यालय, सहायक जाएकर धायुक्त (निश्रीक्षक)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

सं० 2248/ए सी क्यू भ्रार-11/कल $\circ/85-86$ :--- यतः मुझे, शेख इमुद्दीन

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रः से विधिक है

भौर जिसकी संख्या 13/3 है तथा जो प्रमयेस बरूया सरणी में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कत्ती श्रीय कारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सभीन, तारीख 11 जुलाई, 1986

को पूर्वेक्त सम्बक्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकास को निए अन्तरित की गई है कि मुख्ये वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए विद्या गया गया प्रतिकाल, निम्नतिचित उच्चेश्य से उच्चे अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय को शबक, डव्क्ट अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उत्तरे प्रचार की बादिया के बिए; बीड/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनु-कार बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना था, कियाने में सुविधा है सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थातः 1. श्रो हरिन्द्र नाथ दत्ता

(प्रनारक)

2. श्री जुमई जैन (बिमयकिया)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जि कार्यताहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेप हुन्य-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीं इसे 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 थिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे ।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को खक्क विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा क्या हूँ॥

## अनुसूची

1/8 ग्रंगतः समाप्ति क्षेत्र 10700 डोड नं० 1 10134 तारीख 11-7-1985।

> शेख नाइमुहीन, गक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज 3 कक्षकत्ता

तारीख: 14-3-8**4** 

granding four for the magnetic formations of

मकप्त मार्च होत् प्रदार प्रसार -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, महासक आयकर जाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौक 14 मार्च 1986

सं० 02249/ए सी० क्यू० श्रार-III/कल/85-86:--श्रतः मुझे, गेख नाइमुद्दीनं,

क्षेत्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पृश्वाध् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-छ क्षे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ ित स्थानर संभाति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 13/3 है तथा जो श्रीमेस बस्या प्लाट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूजी में श्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय से 2 ए कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 11-7-1985

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफस के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्व प्रविचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकः) हिर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिकान निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त बंतरण निविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त गिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने ला उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (य) एंसी किसी आय या किसी भग शा बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जिपाने वें सुन्या के सिए;

्वतः वन, उसत किभिनियम की धारा 269-ग के नन्मरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री हरिन्द्र नाथ दत्ता

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मदन दवी कडालिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिक्ष कार्यशिहियां सूक्ष करता हूं।

### उनत सम्पत्ति के नर्भन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहन्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्श का, वा स्वच्य अभिनियम के अध्याय 20-क में परिश्विष्ट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यथा है।

### अनुस्ची

प्रेमिसेस नम्बर 13/3, प्रीमसेस बरूग्रा सराय, कलकत्ता, स 2 ए कलकत्ता को पास 11-7-85 तारी खमें रजिस्ट्रीकरण हुआ।

दलील संख्या I-1012 तारीख 11-7-1985।

शेख नईस द्दीन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्रकल बाइ ुटी, एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 268-म (1) के प्रधीन सुचना

#### बार्ड बहुकार

कार्यात्रम, सहायक नायकर नागुक्त (निडीसक) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौँ। 14 मार्च, 1986

सं ० 2250/ए सी क्यू ब्रार० - | तलकता/85-86:--यत, मुझे, शेख नाईमुदीन,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थावर मम्परिस, जिसका उचित शासार मूज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 1 है तथा जो एतिनशे रोड कलकता में स्थित है (श्रीर इपो उमाबड प्रमुखो में श्रीर पूर्ग कर से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिक्षाणी के कार्यालय श्राई ए सी ए सी क्यू आरू 111 कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिक्ष नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, तारीख 11~7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पत्ति प्रतिकाल से प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा प्रमा प्रतिकान निम्नतिचित उद्दोश्य से उन्त अंतरण निचित् में बाइतिका कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत उक्त कथि। नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शियस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; कौड़/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी थन वा क्य कास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वी किए;

1. श्रीमतो कला गान्ति देवी छाबरिया

(ग्रन्तरक)

2. मालटिकन बिल्इसं लि०।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना बारी ऋष्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन व विष कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप १--

- (क) इस सूचना के उपजपन में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की मन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर यूचना की तामील से 30 दिन की नम्धि, जो भी नथींचे वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपून में प्रकाशन की तार्थि के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए वा कर्षोंगे।

ह्मध्योकर्णः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उनत निध-निमम के सभाष 20-के में परिभाषित हैं हुन् बही नर्थ होगा, जो बस कथ्यम में दिया गया है।

### ग्रनुमुची

ग्रंणः निरन्तर ग्राष्ट्रर श्रंशतः चारत ला मकात नं० जमीन, एग्रीमेन्नट तारीख 18-6~85 श्रनुमार निबन्ध हुग्रा है।

> शेख नाइक्षुद्दीन, सक्षम प्रावि कारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

क्ष: धव उमल विधिनियम की धारा 269-न की वनसरण व", व", बक्त विधिनियम की भारा 269-च की स्वधादा (1) में वधीन, निम्नलिबिंग व्यक्तिदवाँ, व्यक्ति क्ष--

तारीखा: 14--3-8 %

### प्रकार वार् . हो . एव . एवं . नवन-वन्त्रवार

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अभीन सूचना

#### भारत चरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 14 मार्च, 1986

्रिनदेश सं ०२ २२51/एक्यू०रें ज-III/ कलकत्ता/ 85-86---श्रतः मुझे, शेख नईमृद्दीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी मं० है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रन्सूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय,

में, रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रेद्धिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरक से हुई किसी आय ) वाबत, उक्त जीध-विसम के जधीन कर दोने के जंतरक के वासित्य के कसी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बार/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कि जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में तृतिभा के किए;

भतः भव, उसत अधिनियम की धारा 269-न के बनुसरन कैं, मैं, उसर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मिनिकेन बिल्डर्स निज्

(ग्रन्तरक)

(2) हैमन्त निष्ठ पात्रातिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की कविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की समील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर रूप्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **षो उक्त अधि-**नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

यूनिट नं ० नम्बर-सो, भार्त तला , पी-17ए, श्राशुतीष चौधरी एमे नई कलाक्ता-19, 1800वर्ग फिट। सक्षमप्राधिकारी के पापतारीख 27-7-1985को रिजिस्ट्रेशन हुआ।

> णेख न**ईमुद्दीन** सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंगे, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

मोहरः

प्ररूप भार्द्र, टी. एन ् एस. -----

(1) नारक बालाश्राध्य एवं श्रन्य।

(म्रन्तरक)

आयकार् अधिनियमः 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269 व (1) से अधीन सुकता

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, क**ल**कत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 14 मार्च, 1986

निदेश सं० 2252/एक्यू० रेंज-III/ कलाहत्ता- 1985-86 श्रतः मुझे, णेख नईमुद्दीन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनयम' कहा गया है), की धार १,69- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ० 21 है तथा जो प्राणनाथ पंडित स्ट्रीट, कल हसा में स्थित है। (स्रीर इयो उगाबद स्नुभूवों में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रो हर्ता स्रिधि हारी के कार्यालय, तक्षम प्राधिकारी स्रार्जन रेंज, कल हता रजिस्ट्रो हरण में स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यदान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिक रूप से कथित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है है—

- (क) अल्प्ट्य से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व के अभी करने या सबसे वचने के स्विधा के भिन्छ; कौर/या
- (यः गंधी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

(2) मिनोर कुडलिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्रोंकत सम्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक। सम्पत्ति के वर्षान के संबंध में काइ भी बाक्ष्य :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्मभ्वन्धी व्यक्तित्वों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं विषयि याद में समान्त हांनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उवंत स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

#### **प्रत**मुची

जार्म--11 काठा 15 छटाक 28 वर्ग फिट, प्रेमिनेस नाम्बर--21, प्राणनाथ पंडित स्ट्रीट, कलकता। नजन प्राधिकारी के पात 11-7-1985 नारोख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीन गञ्जप प्राश्विकारी सहायक स्नायकर स्नायुद्धन (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, कलफत्ता

बत. बब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ए की अनुस्रक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह →

तारीख: 14-3-1986

मोहरः

प्रकप् , बार्च , टी , एन , एस , ----

(1) अशोक कुमार गुप्त।

(2) विश्वनाथ कोले।

कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

(भ्रन्तरक)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

### ।) ना जनान सूचना

(भ्रन्तरिती)

#### भारत तरकार

भागांतन, सहायक आयकर नावृक्त (निर्देखन)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

निदेश सं० 2253/ एक्यू० रें ज- III/कलकत्ता--85-86--अत: मुझे, शेख नर्षमुद्दीन,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चाए 'उच्त अधिनियम' काहा गया ही), की पारा ८69-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उणिए आधार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो

में, स्थित है धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय,

में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख:

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्याधा करने का कारण है कि यथमपूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से. एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिकास, निम्निसिचन सद्देश से उक्त अन्तरण है लिए तम पाम प्रतिकास, निम्निसिचन सद्देश से उक्त अन्तरण है सिखा में वास्तिक क्ष्म से कमित नहीं किया गया है ध-

- (क) बंतरण से हुइ किसी आग की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार को के कन्तरक औ प्रावित्य में कभी कारने या उससे अभने में सुविधा शे लिया; और/धा
- (स) एति किसी साय या किसी धन या अन्य आरितयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भरक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तर्गिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सविधा वे लिए;

करा: भव. उक्त अभिनियम की भाग 269-ग की अनुसरक में, माँ, उक्त अभिनियम की अधा 269-म की अपपारा (1) के अभीन, निष्की एपित व्यक्तियाँ, अर्थात :—-69—36GI/86 बक्त संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी नासरे ह---

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए

- (क) इस स्थान के त्रवर्ग में प्रकाशन की ताड़ीय सें
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थवितयों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिस
  स्थवितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पार लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु विक् होगा, चो उस अध्याय में दिवर स्था है।

### नन्स्ची

फ्लैट नं ० - 2ए, तिनतल्ला, 1046 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर-72 जोधपुरपार्क, कलकत्ता-68, सं ० 2, म्रलीपोर के पास 19-7-85 नारोख में रिजिस्ट्रोकरण हुन्ना।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकता

तारीख: 14-3-1986

### प्ररूप कार्द. टी. एव. एव. ।

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जनरेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँ ह 14 मार्च, 1986

निर्देश सं० 2254/ एक्य्० रें ज-HI/ कलकत्ता/85-86-~ श्रतः मुझे, शेख नर्हमृद्दिन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भृल्य 1,00,000/- रा. स प्रसिक हैं

म्रीर जिसको सं । 18/3 है तथा जो एरिया डाट रोड, कलकत्ता में स्थित है। (ओर इपने उपाबद्ध भ्रनुसूचो में म्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्री क्ली मिश्वभारी के कार्यीलय, म्रालिपुर, कल क्ला में रिजस्ट्रीकरण म्राधितियम, 1908 (1908 का 16) के मुधीन, तारीख 18-7-1985

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान । तिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया नवा प्रतिक्थ एक उम्पर्शनां सत उद्देश्य से स्था अन्तरण चिवत में बास्तियक स्म से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तर्थ सं हुई फिसी माथ की बावए, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्थ में कमी करने या उससे व्यव में सुविश् के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृशास प्रकट नहीं किया या था या किया आतः धारत्य था, जिल्पाने अ

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण प्रो. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीर, निमालियित स्थिकतमा, अधारा :--

- (1) समिम को०-म्राप हाउसिंग सोशाइटी लि०। (भ्रन्तरः)
- (2) मुक्तन्या राय एवं श्रन्य। (श्रन्तरिती)

### को क्य सूचना जारी करके पूर्वोक्य ब्रम्मीत्य से वर्षक से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त सम्मृतित के वर्षन् के सम्मृत्य में कोई भी भावत्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकी।

स्थल्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यां बीर पर्यों का, जा उक्क विधिनयम के अध्यास 20 का में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। स्या है।

अनुसूची

870 वर्ग फिट प्लाट, प्रामिनेन नं ० 18/3 गारियाहाट राख कलारुता-19 मं० ए० कलिकना के पाप 18-7-1985 नारोख में रिजम्देशन हथा।

दलील सं०~ I 10523 तारीख 18-7-1985

णेख नईमृह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजनरें ज्यक्त क्ला

तारीख: 14-3-1986

### प्रक्य नार्च .दी . एत . एत् . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

### भारत शरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 2255/एक्यू० श्रार-।।।/ कलकत्ता/ 85-86---श्रतः मुझे, शेख नर्दम्हीन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ० 13/3 है तथा जो प्रेमियसेम बरूमा सारित कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नुमूचो में स्रौर पूर्ण-रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स०र०ए० करलंकत्ता में रिजस्ट्रीकरण स्रधि नियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 11-7-1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के खरयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी ज्या या किसी भन या अच्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती औ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

कक्षः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) हरिन्द्रा नाथ दत्त

(श्रन्तरक)

(2) मिलय विन्याकिया।

(अन्तरिती)

का वह भूपना जारी करके पूर्वोक्त कन्यरित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विश के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

### वयस्यी

13/3 प्रेमियसेज ब्रस्या सरीन कलकत्ता म० र०ए० कलकत्ता केपास 11-7-1985को नारीख में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना। दलील सं०--- 10128 तारीख 11-7-1985।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग; कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

मोहरः

प्रकृष आहे<sub>ं</sub> टी<sub>ड</sub> एन<u>ः</u> एस<sub>ः</sub> त्य-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-भ (1) के वभीन सूचना

#### 2130 ES-41

काशंसव, तहायक मायकर वायुक्त (निर्शासक)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता क्लकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986 निर्देश सं० 2256/ ग्रर्जन रेंज-III/85/86--- ग्रतः मुझे, शेख नईमुहीन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' । महा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षेत्रे, यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्थावर सम्परित, जिनका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 25 है तथा जो बालिग जं सारकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्यमान अतिफन के लिए अंतरित की गई है जरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्र्योचनार्थ बन्तिरती युवारा प्रकट नहीं विकास नवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के सिए;

बतः श्रवः, स्वतः विभिनियम की भारा 269-ग से बनुसरण वे, से, स्वतः विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) वे विभीतः, निस्नतिविक व्यक्तियों, विभीतः क्र— (1) सेन्द्रल मशीन टुल्स एजेन्सी।

(ग्रन्तरक)

(2) हेमन्त शर्मा एवं ग्रन्य।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के बच्चाव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विधा नवा है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 5 सी 3173 वर्ग फिट 6 टा तला। 25 वर्ग गज सरकूलर रोड कलकत्ता। सक्षम प्राधिकारी के पास 22-7-85 तारीख में रिजस्ट्रेशन हुन्ना।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंगे कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

मोहर ।

### क्ष्म अर्थः ही युन १४ .....

## बावकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में जभीन स्वया

#### RICE STATE

### कार्याजन, सहायक आवकर आयुक्त (निर्याजन)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता दिनौंक 14 मार्च 198

निर्देण सं० ए० सी० 117/ग्रर्जन रेंज-II/ कलकता/85-86---ग्रतः मझे, गोख नईम्हीन

कावकर अभिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें इसके स्थाद 'उन्हा निर्मित्तम' कहा क्षण हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षम श्रीभकारी की वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्ता उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 10 है तथा जो बेलने डियार रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-7-1985

को प्रांतित सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों सम्पति का उचित गजार मूच्य, असके रूपमान प्रतिफल के एसे रूबमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नीलिन्त उद्देश्य से उवत अन्तरण लिहित में वान्तियक स्प ने किंपित नहीं किया एया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भौभौनन के स्पीत कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कभी करने वा उसके दकाने में दृषिना के सिन्द; और/मा
- (य) होती किसी काथ या किसी जन या अन्त आफ्तियों करों: चिन्हों भारतीय आस्याद अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, मा अनकार अभिनियम, 1957 (19: / का 27) को प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था जा किया याना पाहिस था, कियाने में बृद्धिया के तिस्य;

सर्व अंत्र , उपल अधिनियम की पास 209-ग के अन्तरण हैं. भें लक्त किपिनियम की भाष 269-य की सपश्च (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों , अर्थत् k—-

- (1) हनुमान इन्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) राजीव चान्द और म्रन्य। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तन्यत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में अवस्थान की तारीस स 45 किन की संगीध ना शस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की संगीध, जो भी संगीध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित्त स्थानित्यों में से किसी स्थानित हुवाय;
- (च) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हितबबुद किसी अन्य व्यक्ति व्यास मानेहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकें

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

#### भन्स्ची

10 बेलभेडियार रोड, कलकत्ता-27 में भ्रव स्थित 1562 वर्ग फिट प्लाटनं० 10-बी, सक्षम प्राधिकारी के पास 2-7-85 तारीख में रजिस्ट्री हुंग्रा। रजिस्ट्री क्रमिक सं० 1985-86 का 23 ।

शेख नईम् द्दीन सक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष 6) [श्रर्जन रेंज-1<sup>1</sup>; कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### बाइट ब्रह्म

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- ,कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च 1986 निर्देशसं० ए० सी०-118/ प्रार्जन रेंज-11/ कलकत्ता/85-86

ानदशस० ए० सा०-118/अजन रज-11/ कलकता/85-86

ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

संवक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह निकास कारणे का धारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो बेलमेडियार रोड, कलकला-27 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजेस्ट्रोकर्ता ग्रिश्चिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजेस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2-7-1985

ी प्रॉक्त सम्मत्ति के अभित दाकार मृत्य से कम के सम्मान
अतिफल के लिए संतरित की गई है और मृक्षे यह निष्याद
करने का काउन है कि समाप्नॉक्त सम्मत्ति का उचित मानार
मृत्य, उसके सम्मान प्रतिफल से एसे सम्मान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकत से स्थिक है और संतरक (नंतरकार) और नंतरिती
(अन्तरितियाँ) के भैच एसे बन्तरम के लिए तथ पादा का
पतिकस, विम्नसिविद उद्देश्य से स्वत्य सन्तरम हैं कृतिक
प्रोचकस, विम्नसिविद उद्देश्य से स्वत्य सन्तरम हैं कृतिक

- (क) अंतरण सें हुई किसी जान की बावरा, उनक अधि-विकास में जभीन कर बोने के अंतरफ के वास्थित में क्यों करने वा उनसे बचने में सुविधा में [त्यू] और/वा
- (थ) एती किसी अाव या किसी अन् वा अञ्च वास्तियों की विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया जाना जाहिए था, जियामें में बुविया के सिए।

श्रतः स्वतः, अन्ततः स्थिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उस्त स्थिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) है स्थीन, निस्तिचित स्थितिक अभित् स्थानि

- (1) हनुमान इन्डस्ट्रीण (इण्डिया) प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) युष्पा चाँद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत स्थान के हायपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद
  स्थान की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी
  सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा दक्षेत्रे।

ल्ब्यक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्यो का, वो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस बध्याय में विवा नवा हैं।

### वन्त्र्या

10, बेलमेडियार रोड, कलकत्ता-27 में श्रब स्थित र्1562 वर्ग फिट प्लाटनं∘ 10ए। सक्षमप्राधिकारो के पान रे-7-1985 में रजिस्ट्री हुग्रा है। रजिस्ट्री का क्रमिक सं∘ 1985-86 का 24

> शिख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज,कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

दस्य बार्', हो. ६व. ए४.-----

## नायकर समिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1986

निर्देश सं० पी० घ्रार० सं० 444/एक्यू 23/85-86- - घ्रतः । भूमे, पी० डी० खण्डेलवाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्प्रें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के ज्भीन सभाम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं व दुकान सं 20, बोम्बे माकिट है तथा जो सूरक्ष में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक तारीख 31-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मृत्ये यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे उध्यमान प्रतिकल का

मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिसी (अन्तरिसीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निय्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण किसिन निय्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण किसिन के सिन्तर्थण किसिन किसिन के सिन्तर्थण किसिन के सिन्तर्थण किसिन किसिन के सिन्तर्थण किसिन के सिन्तर्थण किसिन किस

- (क) बन्सरण ते हुई किंसी बाय की बाबस, उक्स जीभनियम के अधीन कार धोने के जन्कर्क ़र्ब समित्य में कथी कुदने वा उक्के क्याने में सुविधा के लिए; और∕मा
- (ल) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्षार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में क्षिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:— (1) राज्य श्री गुहा।

(भ्रन्तरक)

(2) महेण पोरिवाल श्रीर अन्य।

(भ्रन्सरिती)

को यह तुम्ना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यारित के वर्षन् के क्रिय कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्द बम्पीत् के नुर्वन के वंबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इब तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तासीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुवारा;
- (क) इस सूचना को राजवश में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

त्वच्छीकरण ----इसमें प्रयुक्त प्रध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृत्रा हैं।

### श्रनुसूची

17/1 मि॰ आलिपुर रोड़, कलकत्ता-27 में श्रवस्थित 1540 वर्ग नं॰ 2 - सक्षम प्राधिकारी के पास 31-7-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ है।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधि रारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनिरें ज, कलकत्ता

नारीख: 14-3-1986

मोहरः

वस्य बार्ड, टी. एव. एस.,------

# नायकर जीभीतयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार कार्याजय, सहायक जायकार जायकाः (निरीकाण)

अर्जनरेज, बलकत्ता

कलकत्ता, दिभांक 14 मार्च, 1986

निधेश सं० आई०ए०सी०-130/ अर्जन रेंज/ कलकत्ता/ 85-86--- अत: मुझे, शेख नईगुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल् 'उक्त निधिनियम' काह्य गया हैं), की धारा 269-का को अधीन स्ताम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्राप्त सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मूलक 1,00,000/- रु. से निधक हैं

और जिसकी सं० दुकान सं० टी०-2119 है तथा जो रिंग रोड, स्रत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-7-1985,

को प्रतिकृत संपत्ति को जीवत बाबार मूल्य से कम को स्वक्तान प्रिक्षिल को लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्तर (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-विषय के अधीन कर दीने के बस्तरक के दाबित्थ भी जनी करने या समसे वचने में स्विधा के किये; भीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या अस्य जास्तियों की, जिस्हाँ भारतीय आयकर सिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रश्लोजनार्थ अस्टिरिती युवारा प्रकट महीं किया क्या का का का किया जाना चाहिए था. विष्णाने में सिन्धा व्या की सिस्टा;

अत: अब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिल प्यक्तियों, अर्थात् — (2) शुभम त्रापट्रोस

(भ्रन्तरक)

(2) ब्लो प्यास्ट लि ० ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्मृति के वर्षन् के सम्भन्न में कोई भी बाक्षीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक वें 45 दिन की जबभि का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज तें 30 दिन की अवभि, को भी अवभि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूजोंकर ध्यक्तियों में से जिस्सी व्यक्तिय ब्नारा;
- (क) इस स्थान के राष्प्रत में प्रकारन की सारीक से 45 पित्र के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोह्स्साक्षरी के पास निकार में किए जा सकींने।

ह्यस्वरिकरणः - इ.स.में प्रयुक्त कथ्यां और पर्वो का, धां उच्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>2</sup>ं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

### अनुसूची

19 बो, आिनार रोड़, कल हता-27 में अवस्थित 1230 वर्ग फुटप्लाट नं० वि सक्षम प्राधिकारी के पास 3-7-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ है। रजिष्ट्री का क्रमिक सं० 1985-86 का 34

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, रूस कत्ता

**भारीख: 14-3-198**6

### प्रकृष काइ . टी . एन . एव-------

वाधकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत त्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिशांक 14 मार्च, 1986

निदेश सं० पी० भार० सं० 495/II/85-86-- श्रतः मुझे, 85-86-- अतः मुझे, शेख नर्षमुद्दीन,

सामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें एपके प्रवाद 'उक्त निर्मितन' नहा का हैं), की नाच 269-व के नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निर्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित वाजार जूल्य 1,00,000/- रा. से निषक है

भ्रांर जिसकी सं 04 है तथा जो क्लाइय रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब ब्र भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 24-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उष्यत अजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल में, ए दृश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निविषत उष्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

अतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) फे कधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ए----70---36GI/86 (1) आर० एव० जे० प्रापस्टील लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) सन्त कुमार जुनजुन वाला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बर्बीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीज से 30 दिन की संबंधि, को भी बर्बीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-वृष्य किसी मन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:----इतमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्क विभिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिवा नवा है।

### अनुसूची

4, क्लाइय रोड, कलकत्ता में अबस्थित 1568 वर्ग फिट प्लाट का साथ चाकार आवास श्रीर गाडी रखने की जगह सक्षम प्राधिकारी के पास 24-7-1985 तारीख में रिष्ट्री हुआ। रिक्ट्री का क्रमिक सं० 85-86 का 49।

> शेख नईमृद्धीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, कलकता

**दिनांक** : 14-3-1986

### THE RIFERLEY, GO. ST.

बाथक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्थाना

#### BILL MARKE

### कार्यानय, सहायक नायकर वायुक्त (विरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिशंक 14 मार्च 1986

निवेश सं ० आई ०ए ०सी ०-122/ अर्जम रेंज-11/कलकत्ता 85-85--अत: मुझे, शेख अर्हमृद्दीय,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

ग्रांर जियको सं० 7ए है तथा जो जाजेंस कोर्ट रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (तथा इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्री एती अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 2-7-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एते अंतरण के जिए तम वादा गया प्रति-क्षा, निम्मीसचित उद्देश्य से प्रकृत सन्तरण निवास में प्रास्त्रिक क्षा, निम्मीसचित उद्देश्य से प्रकृत सन्तरण निवास में प्रास्त्रिक

- (क) मन्तरक वे हुइ किसी नाम की बावत, उक्त किसिया: के अधीन कर दोने ही सन्तरक की करियल में कमी करने या उससे बचने में सुदिधा ही निए; ब्रोट/बा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या बच्च ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय कातकार अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियस, या धन-कर जिधिनियस, या धन-कर जिधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था. कियाने में मुजिधा के लिए.

अतः अवं, उत्त जिमिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, धक्त जीविनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) कें वधीन, निकासिश्वित व्यक्तियों अर्थात (1) नगम नहिसी।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. कथाल लिलाराम जहजरा, (2), कबोर हिन्स । (श्रन्तरिती)

का नइ न्यना वारी अवके पूर्वीक्त सम्पर्शित के अर्थन के क्रिप्ट कार्यवाहियां करता हूं।

क्या सम्बक्ति के क्यांन के संबंध में कोई भी आक्रोप हु---

- (क) इस त्या को रायपण में प्रकाशन को बारीस से 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की समिथ, जरे भी जनिश्व को समाप्त होती हो, के बीतर कृतीं का जनितयों में से किसी जासित द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकारण की वारीस से 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा नभोहस्ताकरी के पास तिस्ति में किए या सकते।

स्वच्छित्यः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पश्चें का, जो सक्त निधीनयम, के अध्याय 20-क में दिशायिक है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा मना है।

### भ्र<u>न</u>्सू ची

7ए जाजेस कोर्ट रोड, कलकत्ता 27 में अब स्थित 1677 वर्ग फुट प्लाट नं० (सी, सक्षम प्राधिकारी के पास 2-7-85 तारीख में पिल्ट्री हुआ है। रिप्ल्ट्री ताक्रमिश सं०85-86 ए। 321

> शेख नईमुही संस्थान प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, स्वास्ता

तारीख: 14-3-1986

### प्रकृप **वाह**ै,ठी, एवं, एचं,, ------

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

### भारत चरकार

### कार्याच्य, सहायक बायकर बायकर (निहासिक)

भ्रर्जन रें ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०-123/ग्रर्जन रेंज-II/ कलकता/ 85-86--- श्रतः स्झो, शोख नईमुद्दीन,

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं ० पो-65 है तथा जो सो ० भ्राई० टी० रोड, स्कीम V1 (एम एस० में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णक्य सं विणित है), रजिस्ट्रोकत अधिकारों के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारों, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्प, उसके ध्वयमान प्रतिफल से ऐसे ध्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (बन्त्रका) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए एव पांचा बया पतिफल, निम्निलिखत उव्योक से उक्त अन्तरण है लिए व

- (क) जन्तरण से शुद्ध किसी जाय की वावत, उक्त जिथानियज को जभीन कर दोने को जंतरक को दायित्य में कमी करने वा उससे बज़ाने में सुविधा की निरु; अरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए वा, जियाने में सुविधा के सिए;

नत: मन, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है अधीन, रिनम्निविचित व्यक्तिस्था, अर्थात कुन्न (1) सुमन लाल पारिख ग्रौर ग्रन्म।

(ग्रन्तरक)

(2) विजय कुमार टिबेवाल ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### बक्द सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी वार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी बन्य विकत व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अवदः जीधीनव्य, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### **भ्रनुसू** घी

री-65, सी० ग्राई० टी रोड, स्कीम एम एस कलकता श्रव स्थित 865 वर्ग किट प्लाट सक्ष म प्राधिकारी के पास 26-7-85 तारीख में हुग्रा। रिजस्ट्रो का ऋमिक सं०---1985-86 का 50।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, ग्रहमदाबाद

तारीख : 14-3-1986

प्रकल नाहरे हरि एमः एत्. ------

बावकर जि.भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### श्रारत सरकार

### कार्यातव, सहायक भायकर वायुक्त (निरावाण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलफत्ता, दिनौंक 14 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०-124/ग्रर्जन रेंज-II/ कलकत्ता 85-86-- ग्रतः मुझे, शेख नईस्ट्टीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 36 बी० है तथा जो निउ लोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कृत स्रधिकारी के कार्यालय, एस० स्नार ० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्री करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 17-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कब के दश्यमान ब्रितिफल के लिए बन्तरित की गई बार मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार करने का करमान प्रतिफल का पन्ति प्रतिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बार बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नीमिश्वित उच्चेक्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई फिसी माय की बाबत, उक्त मिनियम के मधीन कर देने के अन्तरण के वाबित्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; मौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुआरा प्रकट नहीं किया दवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृषिधा के शिए;

णतः कंब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंधत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भुरेश चन्द्र राय।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीलेखा मोहना।

(मन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के त्लए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सुरुपति को वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाओप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए का सकतें।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही कर्ष होगा. वो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

21 काटा 40 वर्ग फिट जैमीन का ग्रंब स्थित 1/25 श्रंश 36 वो, तिऊदोड, ग्रंलिगुर कल कता-27 म ग्रंब स्थित है। दलोल सं०च-एन० श्रार्० ए० कनकता का 1985 का ग्राई 10494

> शेख नईमुद्दीन पी० डी० खण्डेसवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्रकल कार<sup>®</sup>् टॉ<sub>ड</sub> प्रव<u>ा प्रवास</u>

भाषकर नीभीतवन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

क्लकत्ता, दिनौंक 14 मार्च, 1986

निह्मणसं० ग्राई०ए० सी०---125/ग्रज नरें ज-।। कलकत्ता / 85-86--- भ्रतः मुझे, शेख नईमुद्दोन,

जायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269 के विधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं कलास्टार-VII है तथा जो साल्ट लेक, सेक्टर-14, कलकत्ता-91 में स्थित है (ग्रारइससे उराबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-7-1985

कों वृजोंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिक्त को निए मन्तरित की गई हैं और मूझे यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूक्य, उसके ब्रयमान प्रतिक्त सं, एसे ध्रयमान प्रतिक्त का बंद्य प्रतिक्त के ब्रयमान के ब्रयमान प्रतिक्त के ब्रयमान प्रतिक्त के ब्रयमान प्रतिक्त के ब्रयमान के ब्रयमान के ब्रयमान प्रतिक्त के ब्रयमान क

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की नावत उक्त अधि-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निए?

कतः श्रथ, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण रजें, में धक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तिगों, अधिश्व क्रिक्स (1) मेजर एम० निजामुद्दीन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति निर्मला चापेरिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है—-

- (क) इस स्वभा के राजपण में अकाशन की तारीच से 45 दिन की मंत्रीभ मा तत्संबंधी स्मित्यों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति स्वित्यों में से किसी स्यक्ति ब्याया;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्री के पास निवित में किए जा सकांगे।

भ्यक्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त कव्यों शीद्र पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिशाणिक हाँ, वहीं अर्थ होदा जो उस अध्याम में दिवा नगर हाँ।

### **भ**नुसूची

बी बी एवं टाईप का प्लाट नं टी-7, पूर्वीचल हाउसिंग इस्टेट क्लास्टर-VIII साल्ट लेक सेक्टर-14, कलकता 91 में ग्रंब स्थित।

श्राई० ए सी० श्राकुईजिशान रेंज-III, कलकत्ता के पास 22-7-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, कलकत्ता

**तारीख: 14-3-198**6

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के बधीन स्वमा

भारत सरकार

### कार्यावय, सहायक जायकर बावकर (निड्रीक्रण)

ग्रर्जन रें ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 मार्च, 1986

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/126 ग्रार-II/ कलकत्ता/
85-86— ग्रतः मुझे, शेख नईमृहिन,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ग्रीर जिसकी सं० 1 है तथा जो न्याशानाल लाइब्रेरी ग्रिभिनिउ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत
है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी,
रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1903 का 16) के ग्रिधीन,
तारीख 2-7-1985

कां न्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्का अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन धा उन्य अर्जनिया करो, जिन्हों भारतीय आयकर अन्योत्याम, 1922 २१९२२ का १३) या १२४१ का प्रतियाम, या धन-कार मिनियाम, 1057 (1957 जर 22) प प्रयोजनार्थ अन्तर्भारती द्वारा अकट नती किया गर्भ-था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विद;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बलदेव राज टंण्डन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केदार नाथ बर्मन।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयाः हैं।

#### बनस सी

1, न्याणानाल लाइब्रेरी घिभिनिट कलक्**ता-27, याना** ग्रिलिपुर में अब स्थित कास्ट फ्लोर पर 2000 वर्ग **फिट क्षेत्र** उत्तर भाग में। सञ्जय प्राधिकारों के पास 2-7-85 **तारीख में** रिजस्ट्री हुग्रा। रिजस्ट्री का क्रमिक सं० 85-86 का 331

> शेख नईमुद्दिन ाक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण ) स्राजैक रेंज, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

### याथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन भूपता

भारत सरकार

### कार्याचय, सद्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

अजन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिर्मात 14 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए०सी०/ 27/अर्जन रेन-II/कलकत्ता 85-86--अनः मुझे, णेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विभिनियम' कहा गया है"), की भाषा 269- व की वाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विववास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **है** 

र्श्वार जिसकी सं० 4 है तथा जो क्याइड रोड, हलकत्ता में स्थित् है (घीर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है)-रजिस्द्रीवर्ता अधिवारी के वायलिय, सक्षम प्राधिकारी, में रजिस्द्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1986

को पूर्वोक्त संपरित को अभित बाबार भूस्य से कम के स्थ्यभान प्रतिप्रक को सिए अस्तुरित की गुष्टें हैं और मुक्के मुद्द विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मल्य, उसके व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकास का पंत्रह विविचय से विभिक्त है और वन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिश्वित में बास्त-विक क्य वे कथित नहीं किया गया हैं..--

- (क) मन्तरूप से हुए किसी शाम की बाबता, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वाजित्य में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा ॐ सिष्; बद्रि/मा
- (क) एसी किसी वाभ या किसी धन या अन्य अहस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधितियम मा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया साना चाहिए था कियाने में तुमिशा के लिए;

- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 260-घ की उपयान (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) आर० एन०जे०प्रापरटील प्रा०नि०।

(अन्तरक )

(2) गोउ कुमार जुनजुन वाला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (बा) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश की बवीप ना तत्त्वंगी व्यक्तिमों पर क्षना की रामीस से 30 दिन की बद्धि, यो औ बच्दीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन के भीतर स्वत स्थानर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी अन्य व्यक्ति वृताय अभोत्तरताभारी के पास बिवित में किए पासकेंगी।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, बही अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया **5**3.11

### जन्स्यो

4, क्लाइड रोड, कलकत्ता में अब स्थित 2035 वर्ग फिट लाटनं ० 204 प्लाट के माथ चा कर क़ावाम श्रीर दो गाडी रखने का स्थान । सक्षम प्राधि हारी के पास 16-7-1985 सारीख में रजिस्दो हुआ। रजिस्दी का कमिल सं० 85-86 का 41

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज- कलकत्ता

तारीखा: 14-3-1986

### क्षम बाह्र हो एम दस् हन्द्रन्तन

नायकार जीभीतयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सचता

#### भारत संदुक्त

### कार्यासंग, सहायक बायकार वायुक्त (निश्राक्रक)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 14मार्च, 1986

िंदेण सं० आई० ए० सी०-128/अर्जन रेंजः ांक्सकत्ता/ 85-86-- अतः मुझीं, शींख नईमुद्दीन,

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसके इसके पश्चात् 'उकत बिधिनियम' कहा नया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका ज्ञित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पो-201 है तथा जो सी० आई० टी० रोड, किजम VIII में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण कृप से निकाहे); रिजिस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालच, एस० आर० ए० कल कत्ता में रिजस्ट्री उर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 3-7-1985

को पूर्वोक्त संपरित के स्थान बाबार मृत्य से कम के स्वयंत्राम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपरित का उपित बाबार मृत्य असके स्थयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीच एसे अन्तर्थ के किए एय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य में सम्बर्ध मन्तर्थ के बास्तिक रूप से कीयत नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई सिसी आय की बावत छन्छ अधिनियम के लभीन कर योगे के अन्तरक के शांकित में कभी करते या उससे बचने में शुविका के लिए; और/या
- (क) एरेरी किसी आय वा किसी भन या कन्य जास्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आव-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-वार्थ क्लारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था कियाने में स्विधा स्व

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीता, निम्निसिस काक्षितयों, अर्थात् :-- (1) श्री पवन कुमार आहुजा।

(अन्तरक)

(2) इन्द्रमिन बिल्डसं प्रा • सि ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उपत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस ्त्री
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों न वर
  ब्यान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी
  बवधि बाद में समझ्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
  व्यक्तियों में से किसी स्पवित दुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारींच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी क्या व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिंधित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

### **प्रनुस्**ची

448.55 वर्ग मीटर जगीन के साथ मकान पी-201, मो० प्राई०टी० रोड, स्कीम- VIII थाना—मानिकनला कलकत्ता में अब स्थित है।

्दलीन मं०एस०आए०ए० रूल्रुला का 1985 का आ**ई** 9610।

> शेख नईसुद्दीत सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निचीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः अञ्चयक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, टलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० आई०ए० सी०-129/आर- / जलक्ता/ 85-86— अत: मुझे, शेख नईमुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 16 है तथा जो बेलपेयिडार रोड, एलएता में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिष्ट्रीजित अधि ारी के नार्यालय, एग० आर० ए०, कनकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख 22-7-1985,

को भूजेंक्त् सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और पृष्ठें यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित पे गस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत उक्त बांच विस्ति के बन्तरक के दायिएन में क्यी करने या उनमें अचले में मृतिया के निए: शीर/था
- (क) एसी किन्धी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकिक व्यक्तियों. अधीत ह—

'1) प्रान गोपाल बोराल।

(अन्तरक)

(2) पोद्दार नमनीज प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळ्डोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया पया है।

**ग्रन्**म्यी

1 बीबा 17 काठा 3 छटा 3 22 वर्ग फुट जमोन के साथ महारा हा त्रिभका 1/3 प्रंप 16, बेतिमेडियार, कल कत्ता में अब स्थित है। दलीत सं०एम० आर०ए० हल हत्ता का 1985 का आई 10657।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधि हारी सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेंज, कल कत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, कलकत्ता

कल हत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेण मं० आई०ए०सी०/130/अर्जनरेंज-Ш/कलण्या⊷ 85-86-- अथ: मुझे, शेख नईमुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

भ्रांत जिसकी सं ० 113/112 है तथा जो डी ०एच ० रोड, बेहाला, कल कत्ता में स्थित है (भ्रांत इसमें उताबद अनुसूची में भ्रांत पूर्ण क्य में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, नारीख 4-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निप्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) डी०आर० के०कारनानि।

(अन्तरक )

(2) मेसर्स हाबिटाट।

(अन्तरितो )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

लगभग 3 बीघा 7 कठा जमीन का साथ म कान 113/ 112 डी॰ एच रोड, बेहाला कलकत्ता में अब स्थित। सक्षम प्राधिकारी के पास 4-7-85 तारीख में रिक्स्ट्री हुआ। रिजस्ट्री का कमांक सं० 85-86 का 26

> शेख नईमुद्दीन् मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्य कृायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

**नारीख**: 14-3:86

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस.; -----

# भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### BISS SERVE

कार्यालय , सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश मं० ए० सी०/141/अर्जन रेंज-॥/ कलकत्ता/ 85-86-- अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

सावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धा. जिसका जीवत बाबार मून्य 1,00,000/रु. से अधिक हैं

न्नीर जिसकी सं ० प्ताट नं ० 29 है तथा जो ब्ताक ए, मल्ट ब्लेक सिटी में स्थित है (श्रीर इत्ते उपाजद अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्ष्य में बिणित है), रिजिस्ट्री क्रिती अधिकारी के कार्यालय, एस ० आर ० ए० कल कत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख 31-7-1985

को पूर्वेक्सि संप्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूध्य, उसके स्वस्थान प्रतिफल से, इसे स्थमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब बावा चना प्रदि-स्वस् विश्वासित उद्देशिय से उक्त अन्तरम् विधित में बालाविक स्य से स्विध्य बद्दी क्षिणा कम हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव का बाबत, उक्त सीधीनवस्थ के व्योग कर दोने के बन्तरक के राक्तिक में कभी कारने या उसके व्यवन में सुनिधा अंतिस्थ, कीक्न/बा
- (क) श्री कि जी बाद वा कि जी घन वा कुन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय बाद-कर विविद्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भैं, सक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमयों. अधीन ६——

(1) श्री अजय कुमार चऋवर्ती।

(अन्दर्क )

(2) श्री नारायणदाम बजाज श्रारअन्य।

(अन्तरितो )

को यह सूचना चारी करकै पूर्वोंक्ठ सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उन्त राज्यक्ति के अर्थन के राज्यक्त मां कार्य भी मार्काय हु---

- (क) इस सूचना के एक्पन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की नवीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की नवीभ, जो भी ववीभ नाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में वे किसी व्यक्तिस सूचारा;
- (क) इंड स्वान के स्वयं में प्रकावन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकों ने।

स्वाकरणः -- इसमे प्रवृत्तत् वश्यो स्वीर वर्षो स्वानः स्वी स्वत्व प्रद्विवृत्वत् स्वी स्वानः 20-क में वृत्तिसम्बद्धः हीता यहीं सूर्वः स्वोतः स्वोतः सम्बद्धाः में दिवा समा हो।

### **मन्त्र्यों**

5. 2652 वधा जमीत का साथ मकात प्लाटनं ० 29, व्याक ए०बी० सस्टिनेक सिटीरोड, कलकत्तो में अब स्थित है। दलीतमं ० ए५० आए०ए० कलकत्ता का 1985 का आई 11219

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीखा : 14-3≣1986

प्ररूप बाइ".टी.एन.एस.-----

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

तिदेश सं० ए० मी०-132/अर्जन रेंज-H बलयक्ता/ 85-86- अतः मुझे, शेख नईम्होन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० 19 वो र १था जो अलिपुर रोड, कल ६ता 27 में स्थित हैं (स्रॉल्ड्जिस उपाबद्ध अनुसुची में स्रंटर पूर्णका के विजत है), रिजिस्ट्रोकिसी अधिकारी के कार्यालय, रक्षम प्रोधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नारीख 26ब7-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से **हुई किसी** आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अंतरक के क्षियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (व) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्स जास्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के जिधु;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण .', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) नूभम प्रापरटीज।

(अन्धरक )

(2) प्रशांद कुमार दत्ता।

(अन्दर्ग)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हः--

- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्त्रकी

ाबीका ६ तटा 20 छटात 28.5 वर्गफिट जमील तता गाबिहारी एकार 26-7-85 तारीख में रिजस्ट्री हैं। रिजिस्ट्री राक्रमित सं० 85-86 का 51

> शेख त**ईमुद्दी**न सक्षम प्राधिकार्गक्ष सहाय व मायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, उलकत्ता

नारीख: 14-3-1986

मोहर 🗯

### प्रकृप **वार्ष**ः हो <sub>त</sub> एव . **एव** , जन्म----

अध्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन वृत्या

#### भारत सहस्रार

कार्यारुष, सहायकः जायकर जावृत्रतः (दिन्द्रीकण) अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

विदेश स० ए० सी०-133/ अर्जन रेंज-II/ कलकत्ता/ 85-86--श्रा: मुझे, शेख वर्षमुद्दीन,

शायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके पश्चाक्ष 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की शारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार स्थाय 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 80 है तथा जो हालिगंज सारकुलार रोड में स्थित है (श्रीर इनमें उपायद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजिस्ट्री क्रिता अधिकारी के कार्यालय, एस व आर व रोड, अलिपुर, परगता में रिस्ट्री करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दारीख 24-7-1985

कृतं पूर्वोक्तः सम्पत्ति के उभितः वाकार मूल्य संकन के अवकार प्रतिफराके लिए अंतरित की गई हैं और मध्ये

मह बिरवास करमें का कारण है कि संधाप्तेंक्त सम्मित्त का शिकत बाजार मृस्य, उसके स्वसमान प्रतिकल हैं, एखें सब्धान शितकल का पंत्रह प्रतिशत से मिथक हैं और मन्तरक (बन्तरकों) और मन्ति।श्ति (मन्तिरितियों) के बीच एसे मन्तरक के निए हब पासा ।या प्रतिकत निम्नितियत स्वाबंद के सकत मन्तरक विश्वत में सारविषक सन् से करियत नहीं किया बना है है—

- 'क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की धायत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा था या किया बाना वाहिए था किया ने जुनिया है लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वर्षका निम्नसिवित व्यक्तियाँ अर्थात्।— (1) मस्तिमय राय चौधरी।

(अन्तरक)

(2) हरीराम अग्रवाल नावालक पुत्र मास्टर विनोद अग्रवाल के लिए।

(अन्तरितो )

को यह स्थाना चारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त र्रपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति भें दित-वस्थ किसी कत्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए वा सकर्य।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सबा है।

### **भ**नुसूची

3 कठा 14 छटाक 10 वर्क फिट जमीत का अविभक्त 1/7 श्रंण का साथ 650 वर्ग किट प्लाट 80, टालीगंज सरकूलर रोड, थाना जिउ अलिपुर, कलकत्ता 53 में अब स्थित है। दलील सं० एस० आर० अलिपुर, 24 परगना का 1986 का श्राई 6375

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण ) अर्जन रेंज, कलकक्ता

तारीख: 4~3~1986

### प्रकल् बार्ड . टी . एन् . एस् . ------

### भाषकर अधिनियम, 1961 (1**961 का 43) क**ै धारा 269-म (1) के बधीन स्वनः

### मार्क्ष दश्काउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षिक) श्चर्णन रेंज-II कलकता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1985

तिदेश म० ए० सी०-134/ अर्जत रेंज-॥/कलकता/ शेख नईमुद्दीत,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 सत्र 43) (**विशे इसमे** इसके परचात 'उक्त विधिनियम्' कहा भगा ही, की भाष 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को बहु जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विश्वका उचित वाचार मुक्त 1,00.000/- रा. से अधिक है

क्रोर निस्की प० 80 है पथा जो ट⊨लीगठक सरकलर रोड, में स्थित है (ग्रीरइमने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप मे वर्णित है ), रजिस्ग्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम ० आ ४ ० ए ३ अलिपुर 24 परगना में रिनिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीत, नारीख 24-7-1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया हैंः--

- (क) बळारच हे हुई किसी बाप की वावत , उनते मिधिनियम को बधीय कार दोने के मन्तरक के दावित्व को कामी करने या उन्नय यचने में सुनिधा **∉े/मए; और∕या**
- 📹) एोसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियौ को, जिन्हें भारतीय बाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🖹 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :--

(1) सांन्तिमय राय चौधरी।

(अन्तरकः)

(2) हरिराम अग्रवाल नाबालक पुत्र मास्टर दिनेश अग्रवाल केलिए।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भौ वनीथ् बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा संकेंने।

स्पष्टिकरणः --- इसमां प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकेहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 - कर्मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **प्रनुस्**ची

3 कठा 154 छटाक 10 वर्गफिट जमीन का अभिवयक्त 2/7 ब्राटम कासाथ 1450 वर्ग फिट फ्लाट 80, टालीगज सरकुलर गा, कलकत्ता 53 में अब स्थित है।

दलीन म०-एम० आर० अलिपुर, सरकुलर 24 परमना का 1985 का 6376

> शेंख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकी दी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्त्रय

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2 कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० एस०-135/म्रार०-II/कल/85-86--म्रतः म $\hat{H}$ , शेख नईमहीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 80 है तथा जो टालिगंज सर्कुलर रोड स्थित है। (और इससे उपाबद प्रतसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस० प्रार० प्रालि-

पुर, 24 परगना में रजिस्द्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन तारीख 24 जुलाई 1985
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रोत्तफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य
गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्दह प्रतिशत में विभिक्त है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चृद्देश्य से उक्स अंतर्ण जिखित में अस्तिकक
च्या में कथित वहाँ किया गया है क—

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाम की वाबस, जबक सीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक दासित्य में करने या उससे स्चने मी स्टिंड ह के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ोडियाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न सै सन्सरक भ्रों, मी. अक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिक्ति स्यक्तियों, अर्थात अस्ति 1. श्री सान्तिमय राय चौधरी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय कभार ग्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गार्धप:--

- (क) इस स्वार के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वार की ताबीज से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्श व्यक्तियों में से किसी स्पित्त द्वारः।
- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

3 कठा 14 छटाक 10 वर्ग फुट जमीन का भ्रविभक्त 1/7 अंश का साथ 1200 वर्ग फुट प्लेट 80 टालिगंज सर्कुलर रोड कलकत्ता-53 थाना निउ ग्रालिपुर में भ्रवस्थित है।

दलिल संख्या--एस० भ्रार० श्रालिपुर का 1985 6377।

> शेख नईमहीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-2 कलकत्ता

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप आर्डे.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० सी०-136/श्रार०-11/कल/85-86--यतः मुझे शेख नईम्हीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् 'तक्तु अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00 000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 80 है तथा जो टालिगंज सर्कुलर रोड स्थित है।(और इससे उपावद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० श्रालि-पुर 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 24 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्यत्ति का उाचित वाबार भून्य, उत्तके क्रममान प्रतिकत्त से, एसे क्रममान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तथ पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्भय से उक्त अंतरण लिखिर में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत , उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बंधरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए, और/या
- (च) एपी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था., खिजाने में भृविभा के लिए;

म्तः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मैं, मैं, उक्त निधनियम की धारा 269-व की उद्दर्भारा (1) को वभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियाँ, अथौत:---

श्री सान्तिमय राय चौध्री।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार श्रग्रवाल।

(श्रन्तरिती)

का बहु सुमना मारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मित्त के जर्भन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्या

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन करी तारीख सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वनाकी तामील से 30 दिन कि अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये वा सकें ने।

स्वच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हुँ, बहुी अर्थहोगा, जो उस अध्याय में विधा प्या 🐉 ।

#### मपुस्पी

3 कठा 14 छटाक 10 वर्ग फुट अमीन का श्रविभक्त 1/7 अंग का साथ 1200 वर्ग फुट फ्लेट नं० 80, टालिगंज सर्कुलर रोड थाना न्यू भ्रालिपुर, कलकत्ता-53 में श्रवस्थित

दलिल संख्या--एस० ग्रार० श्रालिपुर, 24 परगना का 1985 南丁 6378 日

> शेख संइम्हीन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 14-3-1986

मक्त भारति हो । सुन्त सुन्द । सन्त सन्त सन्त

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्या धारा 269-व (1) के मधीन सुनवा

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 14 मार्च 1986

निर्द्रोग मं० ए०मी०-137/फ्रार०-ार/कल/85-86--यतः मझे शेख नईमदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 80 है तथा जो टालिगंज सर्कुलर रोड स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० आलिपुर 24 परगना, रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 24 जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का अंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिथाँ) के सीथ एसे बंतरण के सिए अय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

अस्तरण से इति फिलो अस्य की नामत, उन्ह अभिनित्तम के अधीन कर दोने के बन्तरक को श्रीरूप भें कभी करने या उन्हों बनने में मुचिना के लिए; मीर/मा

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अप्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, वा धन-कर किभिनियम, वा धन-कर किभिनियम, 1957 (1957 का 27) या पर्याजनार्थ अन्तरिशी द्वारा शकट नद्वार किया नया था विद्या जाना वाहिए का, कियाने में स्तिका से सिए।

कतः अतः, जन्म अधिमियम की धारा 269-म के वनुष्यस्य मो, मी. अस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्षात् :--77--36GI/86

1. श्री मान्तिमय राय चौधरी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरेण चाद प्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

का यह श्वना बार्री करके श्वीवश सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यमहिन करता हैं।

उन्हां सम्मति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ुम्म

- (क) इस भूषना के राजपत्र में त्रकाकन की तारीख के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की जनिथ, को धी अनीथ नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रतिका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापः;
- (व) इत सूचना के धजपत्र में प्रकाबन की तारीत वे 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्मत्ति में हितनवृथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जयांहस्ताक्षरी के पाष तिकित में किए वा तकोंगे।

स्यव्यक्तियम :----इसमें प्रभूतन शम्यों भार प्रधां था, जां जन्म अभिनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषिष् हैं, वहीं अर्थ होता, को त्या अभ्याय में विमा गमा हैं।

### **अम्स्ची**

3 कटा 14 छटांक 10 वर्ग फुट जमीन श्रविभक्त 1/7 अंग का साथ 600 वर्ग फुट फ्लेट नं० 80, टालिगंज सार्कुलर रोड. थाना न्यू श्रालिपुर, कलकत्ता-523 में श्रवस्थित है।

दिलिल संख्या---एम० भ्राट० श्रालिपुर, 24 परगता का 1985 का 638 ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, कलकत्ता-10

तारीख: 14-3-1986

### <u>್ ಪ್ರಾಥಾಗಿ ಅವರ್ಷ-ಅವರ್ಷಕರಾಯದ ರಾಜ್ಯಕರಾಯ ಮಾಡಿದಾರಿ ಮಾಡಿದಾರಿ ಅರ್ಷ ಕಾರ್ಯವಾದವರ್ಷದ ಪ್ರತ್ಯವಾಗಿ ಅವರ್ಷ ಅರ್ಥಿಕ ಅರ್ಥಕ್ಕೆ ಅ</u> मक्ष्य आव" हो . एवं . ध्रा . व्यवस्थानका

जापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1985

निर्देश सं० ए०सी०-138/ग्रार०-1/कल/85-86---यनः मुझे शेख नईमुहीन भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-व के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 /- र<sub>ि</sub>. से अधिक ह<sup>€</sup>

और जिसकी सं० 80, है तथा जो टालिगंज सार्कुलर रोड स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय एम० आर० श्रालिपूर, 24 परगना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) कि ग्रधीन, तारख 24 जुलाई, 1985

का प्वंक्ति संपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के सर्यमान श्राप्तफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल के पंद्रह धक्त प्रतिवास सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बाबत, उ**क्त** मधिनियम को अधीन कर डोने को मनररक 🐗 वाधित्व में कभी करने या उसमें सचने में सविधा के लिए; गरि/या
- (भ) ऐसी एकसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 र1922 का 11) या उक्त अधिनियम या जन्मः अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सान्तिमय राय चौध्री।

(ग्रन्तरक)

श्री महेश श्रयवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यगाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर खुवनाकी सामीन से 30 दिन की वर्नीथ, **वो भी** अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक श्री 45 बिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में द्वितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिथित में किए श तकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

3 कठा 14 छटांक 10 वर्ग फुट जमीन का प्रविभक्त 1/7 अंग का साथ 1200 वर्ग फुट प्लाट 80, टालिगंज सर्कुलर रोड, थाना न्यू भ्रालिपुर कलकत्ता-53 मे भ्रवस्थित है। दलिल मंख्या--एस० ग्राउ० श्रालिपुर, 24 पर्गना का 1985 का 63801

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 14-3-1986

प्रकम कहाँ । टी., एम्., एसं. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन सुषमा

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भागकर आगृत्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1985

निर्देश सं० ए०सी०-139/म्रार०-II/कल/85-86--यतः मुझे, शेख नहैंगुद्दीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 80 है, तथा जो टालिगंज मर्कुलर रोड स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रालि-पुर, 24 परगना, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 24 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित आजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निह सित उद्देश्य में उक्त अंतरण निवित्त में वास्तिकिक स्म से कथित नहीं किया गवा है रू—

- (क) बंतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी नाम का किसी भन का गाम जासिएटी कां, जिन्हों भारतीय जामकर जिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए।

बतः बन्धः, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग की बनुतरक कों, मीं, इक्तं अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीर: निम्नेलिखित व्यक्तियां, कथारि:--- 1. श्री सान्तिमय राय चौधरी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी श्रग्रवाल।

(अन्तरितो)

का यह सुका जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सन्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्य

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस इं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा है।

### श्रनुसूची

3 कटा 14 छटांक 10 वर्ग फुट जमीन का श्रविभक्त 1/7 अंश का साथ 650 वर्ग फुट फ्लेट 80 टालिगंज सार्कुलर रोड, थाना न्यू भ्रालिपुर कलकत्ता-53 में अवस्थित हैं।

दलिल संख्या—–एस० श्रार० श्रालिपुर, 24 परगना का 1985 का 6379।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 14-3-1986

प्रकृष कार्ष. टी. एत. एत.------

पायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

### बार्ड बरकाउ

भारा 269-व् (1) के मुधीन सुन्ता

### कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षक)

ग्रजंन रेंज-II, कलकत्त

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० 🖁 ए.०सी/रेज-IV/कल/85-86--श्रतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ०-7 है तथा जो शाही ब्रास्ताबल लेन में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध ब्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्द्रीकर्ती ब्रिधिकारी के कार्यालय एस० ब्रार० ब्रालिपुर 24 परगना में, रिजम्द्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन, तारीख 30 7-85

को पूर्वित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27) कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वादा प्रकट नहीं किया गया आ या किया आना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः मण, उक्त आँभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री शामजुद्दीन खान।

(भ्रनरिती)

2. श्री परमेण्वर लाल शर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन **के तिस** कार्यवाहियां क<u>र</u>ता क्ष्ट्री

### उपत तंपति के वर्षन के संबंध में कोई भी वार्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां प्रषे सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाधा होती हो। की भीतर ध्वींकर व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए या उक्ति।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उनत क्ष्मयकर किया 20 के में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उन्न अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

.0225 डेसिमल जमीन का साथ मकान एफ 7 शाहि भ्रास्ताबल लेन, गार्डन रिच, कलकत्ता-24 में भ्रवस्थित है। दिलल संख्या—-एस० श्रार० भ्रालिपुर, 24 परगना का 1985 का 6495।

> भेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक: 14-3-1986

प्रकथ स्वर्षः, स्वर्षः, त्रः । त्रः

काणकर अधिनिरास, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को क्षभीन सुचना

### भारत सरकार

निर्देश सं० एस०141/म्रार० II /कल/85-86—-म्रतः मुझे सेख नईम्हील

हिताकार कि शिवा । (1961 का 43) (जिसे इसमें) इसके पश्चात 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के भणीन सक्षम प्रापिकारी को यह विकास कारने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार स्टब

1.00,000/- ए. से **हिंभिक हैं** और जिसकी सं० तथा जो चाकमिरा, थाना महें तजा स्थित हैं (औं इपने उपाबद्ध अनुसूचि में औं पूर्ण क्ष से बिंगत है), रिजिन्ट्रकर्ती अधिकारी के कार्याचा अडिशानल अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जुलाई, 1985

की पर्वावस सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के एरममान प्रतिए प के लिए अन्तरित की गई है और मूझे पह विक्वास करने का कारण है कि गंधानवींक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, लक्षके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत में विध्य है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पामा गंधा प्रतिफल, निक्तिविद्या उद्योध में उक्त अन्तरण निक्रित में कार्य कर में व्यक्ति उद्योध में उक्त अन्तरण निक्रित में

तं हुइ किसी बाय की शमझ, उपक बांधियम से सपीन कार को की सन्तरक ने वरिक्त में को का सम्बंध उपको दचन में सुविधा के लिए; मीर/बा

(स) एंगी किसी बाथ या किसी धन या किसी जास्तियों करो, जिन्हें भारतीय साय-कर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, सा जन-कर अधिनियम, सा जन-कर अधिनियम, सा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ जन्यरिकी ध्वादा प्रकट वहीं किया नमा भा मा किया धामा दाहिए था, कियान में स्विधा के सिए;

1. श्री हनेमाल दास मोहना।

(अंतरक)

2. श्री श्रणोक कुमार सिभचसनभ और भ्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अवल संपत्ति के अर्चन के संपत्त में आंध्रे भी गार्धंप ---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनल स्थावर संपत्ति में हिएबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्यक्तिकारी के एम जिल्ला में किए या सकों।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में गया है।

### अनुसूची

10 कठ 5 छिटांक जमील चाकमिरा, थाना महेगतला, 24 परगना में श्रवस्थित है।

दलिल संख्या—-ग्राडिणानाल डिस्डीकट एस० ग्राप्० बेहाला, 24 परगना का 1985 का ग्राई 990।

> भेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जल रेंज-2, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त ऑधानयम की भारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिक पानितयों, अर्थात् ;---

तारीख: 14-3-1986

१ .... प्र**क्ष आहुँ ट**ि एक एक ....

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-छ (1) के अभीन सुखना

#### ब्राह्य ब्रह्मात

कार्याज्ञय, सहायक नायकर नायका (निडीकन) भूजीन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-142/ग्रार०-II/कल/85-86--ग्रत: मुझे, ऐख नईमुद्दीन

आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परफात् 'टाल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह जिस्तास अपन का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो बेलभेडियार रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस० प्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22 जुलाई 1985 को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का बन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिवित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए फिली बाध की बायत, उपके अधिनियम के अधीय कर वंते के अन्तरक के बायित्व में कभी करने था उसके अधने में जुलिया क (क्या) और/मा
- (क) देती किन्दी बाय या किन्दी धन या बन्य बास्तियों करी, किन्दी भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर विश्वियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोधनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बास वाहिए था, किया में कृषिधा के सिए;

मतः भन, उसत म्हिनियम् की भारा 269-न के मनुस्रम में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रान गोपाल बोराल।

(ग्रन्सरक)

2. श्री पोद्दार ग्रनुभव प्राइवेट लि०।

(भन्तरिती)

को वह सुचना जारी करके पूर्वोचल सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्मरित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर एखना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों भी से किसी स्थित ब्वाय;
- (क) इस भू बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्षा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निर्माण में किस का सकेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 2.7-क में यथा एट्रि-भाषित हैं, यहीं कर्थ होगा, को उद्घ अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्सूची

1 बिघा 17 कठा 3 छटांक 22 वर्ग फुट जमीन है प्रविभक्त 1/3 अंग का साथ मकान 16, बेलडियार रोड; कलकता में ग्रवस्थित है।

दिलिल संख्या--एस० भ्रार० ए० कलकता का 1985 का भाई 10655।

> णेख अईभूत्भेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, क्लकता-16

तारीख: 14-3-1986

इस्त बाइं हो हो एन . एस . ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्पना

#### माउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्स (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च, 1986 लिर्द्रेश सं० एस 143/ग्रार-II/कल/85-86--ग्रत:

मुद्धी शेख तई मुद्दीन, जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रहा. से जिथक हैं

और जिसकी सं० 16 है तथा जो चेलभेडियार , कलकत्ता स्थित है। (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक ि ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधील, तारीख 22 जुलाई 1985
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सामित्य में कमी करने या उत्तस बचने में स्विधा के सिद्ध; कीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा शा-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनीय अजिस्ति इनारा प्रकाट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, खिचाने में मुविधा के लिय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ज्ञपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्: 1. श्री प्रान गोपाल बोराल।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स पोद्दार प्रतिक प्राईवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके प्योंक्स सम्पृत्ति के वर्षन् वे निष्

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में केंद्र थीं बाक्षेप क्र-

- (क) इस स्वत्र के रावपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिव की वनिध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी जनिय बाद में दमस्य होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस स्वना के प्रवप्त में प्रकाशन की तार्तीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए का कुकेंगे।

अपद्भितरण :—इसमें प्रयुक्त कव्दां और पदां का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिवा मया है।

### बन्स्यी

1 विघा 17 कख 3 छटांक 22 वर्ग फुट जमीन का ग्रविभक्त 1/3 अंश का साथ मकान 16, चेलभेडियार रोड, कलकत्ता में ग्रवस्थित है।

दलिल सख्या--एस० म्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का म्राई 10656।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्क (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 14-3-1986

### प्रकृष आहे. टी. एवं एस् ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । गरा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### नारत शरकार

### कार्यातय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिलांक 14 मार्च, 1986

निर्देश सं० एसी-144/म्रार-1/कल/85-86---म्रतः मझे शेख नईम्हीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्ता अधिनियम' कहा गया हैं). की भाषा 269-ख को अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास कारले का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जोचत बाजार मूलें 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसानी सं० पी०-142 है, तथा जो जी० ब्लाक, यू म्रालिपुर स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय म्रार० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 16 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के द्रियमान पतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का अचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एने क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक हैं और खंतरक (अन्तर्कों) की बच्च एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उक्दिण्य से उक्त अंतरण का जिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उक्दिण्य से उक्त अंतरण का जिए तम पामा गया अतिफल, निम्निसित उक्दिण्य से उक्त अंतरण का जिए तम पामा गया मामा हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की सक्त , उथत कीर्यस्थम के वधीन कर देने के कन्तरक के सामित्य में ककी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/वा

अत. अब, उवल अधिनियम की धारा "69-ग के अन्सरण को, मैं, अबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती मिना सुत्रमिनयाम और ग्रन्य।
   (ग्रन्सरक)
- 2. श्री ललित कुमार सराफ और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पन्ति के नर्जन के किए कार्यनाहियां करता हुए है

उक्त सम्मत्ति के बुर्जन के संबंध में कोई थीं नाक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तानीस से 30 दिन की बविध, को भी जब्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित्र के श्रीकर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्यूष् किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, व्यहिस्ताक्षरी के गास विश्वित में किए जा स्केंग।

स्पच्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उचक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गबा हैं!

### प्रनुसूची

5 कठा 9 छटांक 24 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान पि-142, जी-ब्लाक न्यू ग्रालिपुर, कलकत्ता-53 में ग्रवस्थित है।

दिनल संख्या——ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का ग्राई——10437।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारोख: 14-3-1986

प्रारूप साइ .टी.एन.एस. -----

1. श्री पी: ए. वमयंती।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन स्चना

2. श्री धीरजनाल के. बह्आ

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बद्द, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्षेश सं. आई-3/37-ईई/22764/84-85—यत: मुझे ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं फलंट नं 34, जो, 1ला रास्ता, दफ्तरी रोड बी-2, बचानी नगर को-आग हाउसिंग सोसायटी लि , मालाड (पूर्व), दम्बद्दं-97 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बद्दं स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं

तारीख 1-7-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई और मूओ यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एेसे दृष्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब याया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिस नदीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. डिगाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीच निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुस्ची

फलेट नं. 34, षो 1ला रास्ता, वफ्तरी रांड,, बी-2, बचानी नगर को-आंप हाउसिंग सोसायटी लि. मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की विलंख सं. 2358/81 और जो उप-रिजस्ट्रीर, बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-३, बम्बर्ड

मोहर : दिनौंक 14-3-86

37-36GI/86

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज-3, बश्बई

बम्बई, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22384/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन का हिस्मा, जियका सी० एस० नं 454, बिलेज वालनाय (आर्लेम), मालाड, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ग रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 1 जुलाई 1985

मो पूर्वोक्त संयत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि ग्रभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्रय पाया ग्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. कुमारी जनेपी० फेरेरा धौर अन्य

(श्रन्तरक)

2. मेलर्स यू० के० जिल्डर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स ध्यिक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन के भीतर उपत स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी० एम० नं० 454, बिलेज बालनाय (भ्रोर्जेम), मालाड बम्बई मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-3/37-ईई/22384/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायंक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्राजन रोज-3, बस्बई

दिनाँक: 12-3-1986

प्रारूप आर्षं .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/22360/85-86--- स्रतः मुझे, ए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी संजपलेट नं 12, जो विरामणि को-भ्राप हाउसिंग सोसायटी लिं , पेस्टम सागर सिनेमा के सामने, चेंबूर, बस्बई-89 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रीर जिसका करारनामामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन; बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है; तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तुविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की, बावत, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाग्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा केंसिए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निष्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- मेसर्स विरामणि को-म्राप० हाउसिंग सोतायटी लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री किणनलाल जे० जैन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## रक्त सम्मृति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासंध :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इत मुचना के राजपण भी प्रकाशन की तारीख -45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकीनी:

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

### अनुसूची

प्लेट नं ० 12, जो, विरामणि को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, पेस्टम सागर सिनेमा के सामने, चेंबूर, वस्वई- 89 में स्थित है।

श्रनुसुवी जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22360/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ैं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/22253/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बगजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं पलेट नं 19, जो, 4थी मंजिल, विरामणि को-श्राप होर्जिस सोनायटी लिं , पेस्टम सागर, चेंबूर, सम्बई-89 में स्थित हैं (श्रीर इससे जनावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, सम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्लीसिश्चत व्यक्तियों, अभित् ः---

- मेसर्स विरामणि को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०। (म्रन्तरक)
- 2. श्री भुपेंद्र लोदया

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदर टक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्स्ची

फ्लेंट नं० 19, जो 4थी मंजिल, विरामणि को-माप० हार्डीसंग ससोसायटी लि०, पेस्टम सागर, चेंबूर, बम्बई89 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22253/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 6-2-1986

मोहरः

## प्रकार सार्पं क द्वी । प्रमान प्रकार साम्य

# नायकर वॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/22923/85-86—न्त्रतः; मुझे ए० प्रसाद,

भागकर मीं भीनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मीं भीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं गाला नं 206, जो, 2री मंजिल, हिरा-नंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, काँजूर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) /श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधकारी के कायदेलय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अगस्त, 1985

की पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार शृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे सम्मान प्रतिफल सा अन्तर्ह प्रतिखत से विश्व है और वंतरिकी (वंतरितों) से बीच एसे बन्तर्म के सिए तम पामा प्रमा प्रतिकत्ति, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त बन्तरम सिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया यथा है है—

- (क) कल्तरण वे हुई कियाँ वाय की वायत अवत वाहिष्य नियम के वधीन कर दोने के बलाएक के दायित्व में कभी करने वा वससे वचने में सुविधा के लिए; लोड/वा
- (व) एती किसी साम वा किसी धन वा सन्य धास्तिवों को, धिनहां भारतीय सायकार सिधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उनक सिधिनयन, वा मूल्ड कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किसा झाना चाहिए ना, कियाने में सुन्धि। से धिय:

वतः स्थ, उक्त वीव्यविक्त को पातः 269-म के धवृत्तरम जे, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभादः (1) के अभीतः, निम्नुनिषय स्थानितयों, वर्षात् ४--- मेसर्स हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायजेस
 (अन्तरक)

2. में सर्स कर्माणयल मिनी फोटोज

(अन्तरिती)

को नह स्थान थारी करके प्रतिक सम्बद्धि से वर्षन के स्थि कार्यनाहियां करता हूं।

वनत् सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय:--

- (क) इत युवना के रावपन में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन की जविष या तत्त्वस्थानी स्पनितयों पर सुवना की तायीं से 30 दिन की जब्धि, को भी जब्धि वाद में बबाव्य होती हो, में श्रीत्र पूर्वों का स्पित्यों में से किसी व्यक्ति इताहा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्ध किसी कम्य क्यक्ति दवारा, जभोइस्ताकरों के पाइ सिचित में किए वा सकते।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूसूची

गाला नं० 206, 2री मंजिल, हिरानंबानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, काँजुर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-3/37-ईई/22923/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा द्विनौंक 1-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 19-2-1986

मक्प नाइं.टी.इन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वें (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

नार्यालयः, सहायक नायकर नायकः (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्वई

बम्बई, दिनांक 19 फ़रवरी, 1986

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिम्ही संश्राला नंश्यात, जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपावड प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 1 ग्रगस्त, 1985

भी पूर्वोकत बंबत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के द्रव्यक्तान निवस्त को निवस्त की वहां हैं और कुछे वह विस्तात करने का कारण है कि व्यवस्त्रों कर कम्प्रीत कम्प्रीत कम्प्रीत का सीवत कावार क्ष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकाल के क्षेत्र क्ष्यमान प्रतिकाल के क्ष्यक्र प्रतिकाल के विषक्ष हैं और बंबरक (जंबरकों) और अंवरित्री (अन्तरित्रियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में जंबरकिक रूप से काथत नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी जान की नास्त, इस्त जिम्मीनसम के जभीन कर दोने के जन्तरण के दामित्व में कमी करने या छत्तसे नचने में तृतिभा जॉर/सा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बावा चाहिए था, कियान में सुनिभा वी विद्या

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो. मी, धक्त विधिनियम की धत्रा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, जर्वात् हि—

- 1. मेसमं हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायजेस। (ग्रन्तरक)
- 2. मेसेंं हरीश ढ़ेंडिंग कंपनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के एकपत्र में प्रकासन की सारीय स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की समीन से 30 दिन की अवधि, वी भी वन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर त्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए। . गवा है।

### नग्सूची

गाला नं० 217, जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टैट, कांजूर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/22930/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम .प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 19-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/22929/85-86—-ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

मामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इत्तर्भ इत्तर्भ पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया ही की भारा 269-क के अधीन संसम प्राधिकारी को यह निष्मास करने का भारत ही कि स्थावह संपरित, विस्ता उपित नावार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० गाला नं० 144, जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 1 अगस्त 1985

की पूर्वाक्ष्य सम्पर्ति के विषय बाजार मूल्य से कम के अलगान प्रतिप्रत को निए अन्तिरित की नई है और मुम्मे, यह विश्वास शहने का कारण है कि बचाप्चोंक्य सम्मरित का उपित्त बादार मूल्य, उसके स्वकान प्रतिप्रत से, एते प्रयमान प्रतिप्रत का बंद्रष्ट प्रतिपात से विभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के निए तम पाम नवा विश्वास, निम्निविश्वास उप्वदेश से उन्तर क्नतरण कि बित्रत में अन्तरिक क्या की सीच एसे किया क्या है :---

> (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उपल अधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने मा उससे वचने में सृतिभा के भए: नीत/या

उपरे िक्सी क्षाय वा किसी भन या क्षण वास्तिकी का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 के दे के कि का प्राप्त किया किया का प्राप्त किया नियम, या वस-कार अधिनियम, या वस-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अवोकतार्थ कन्तिरती इंचाएं। भ्रष्ट महीं किया प्रशा था या किया जाना चाहिए था, कियाने जे स्वित्य के लिए:

अक्ष अब्ब, उक्स विधिनियम की धारा 269-व को अनुसरक मं, मं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिंश व्यक्तियों, वर्षाद :--- 1. मैयमं हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायजेस । (धन्तरक)

2. मेसर्स ए० एफ० चौधरी फिमली ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)

को यह गुणना चारी कथके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्षात के जिल्ला कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्बन्धि के कर्षन के तस्त्रम्थ के कोई श्री बार्क्षण हु----

- (क) दक्ष प्रकार के शक्षक में प्रकार की ताड़ींक हैं 45 किए की अन्दिक ना तत्कक्षकों क्षितकों एवं कृषका की ताबील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी क्ष्मीय नाव में समान्य होती हो, के धीतर पृत्रोंक्स क्ष्मीक्षकों में से किसी व्यक्ति हुवाहा:
- (वा) इस क्यान के वाजका में प्रकारण की वारीस से 45 किन के सीसर स्वत स्थानर सम्पत्ति में हितनक्थ दिक्की क्या अधिक क्षेत्र क्षानर स्थानर सम्पत्ति में हितनक्थ किना अधिक के सिक्स का क्षेत्र का क्षेत्र हैं।

स्थानिक रण:---इसमें प्रयुक्त घन्यों और पर्यों का., जो उत्तर विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ वर्ष होया, को उन जध्याय में विया वया है।

### मन्सूची

गाला नं० 144, जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांज्र मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/22929/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 19-2-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

े बम्बई, दिनांक 7 मार्च 19

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/7454/85-86——ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1370, जो, इमारत नं० 50, एम० श्राई० जी० श्रादर्श नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपावद्व श्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) /और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार बृक्य से कम के स्वयमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्ल, उसके स्वयमान प्रतिफल का चेवह प्रतिक्षत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, अक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् ६--- 1. श्री राजिंदर पाल हुकमचंद दुगल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता लोधा।

(भ्रन्तरिती)

- 3. अंतरका
  - (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. अंतरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## बन्स्ची

फ्लेट नं० 1370, जो, इमारत नं० 50, एम० आई० जी० श्रादर्श नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि सं श्रई-1/37-ईई/7008/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्ब§

दिनांक: 7-3-1986

## भक्षा कार्द्र <u>, दर्</u>ग , एक , <sub>"स्वयनसम्बद्धाः</sub>

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरक्तिक) प्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० प्रई-1/37-ईई/7198/85-86--श्रत:, मुझे, निसार श्रहमद,

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के वस्त्रमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य से कम के वस्त्रमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्न से, एसे दश्यमान प्रतिपत्न का वस्त्रह प्रतिग्रत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब स्त्रमा गवा प्रतिपत्न , निम्नितिचित उद्वदेय से उच्च अन्तरण के विकार करने से किया गवा है ----

- (क) जल्लास्य ते हुइ किसी बावाकी वावता, उत्तर बॉधिनियम के कधीन कर दोने के वात्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तम क्यने में स्विधा के लिए; बॉट√वा
- (स) एसी किसी आय या िन्सी भन पा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए:

अतः अवं, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीर निकासिसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 74---36GI/86

1. श्री सुरनसिंह ठाकुर।

(भ्रन्तरक)

2. सुधा सदाशिव कामथ।

(ग्रन नरिती)

सेलर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन से सिए कार्यवाहियों करता है।

चक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्गे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रमुक्त कस्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुमुची

फ्लेट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, हिमालय इमारत, सी० फ़ेस रोड, वरली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-1/37-ईई/6762/85-86 और जो उक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 5-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

मोहर

# **१७न् नाषु**्टी<u>, युन्, युस्</u> ्----क्रा

मासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्ठ 269-म्(1) के मुमीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (दिशीक्षण)

धर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० भ्रई-1/37-ईई/7473/85-86—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिने इसमें इसके पश्चाल् 'उनत् मधिनियम' कहा गया हैं), भी नारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बंजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० सी०-51, जो 5वीं मंजिल, इमारत नं० सी०, हायबे अपार्टमेंट, प्लाट नं० 2डी०/23, रोड, नं० 29, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रचिधकारी के का कार्यालय में रजिस्ट्री है.तारीख 26 जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वस्तान श्रीतफल के लिए मन्तरित की गर्म है बीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थमान श्रीतफल से, ऐसे स्थमान श्रीतफल का पंत्रह श्रीतशत से अधिक है और अंद्रुद्ध (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरूण के बिए तब पावा बया श्रीतफल निम्नितिचित उद्देश्य से उच्च बन्तरण विचित में शास्त्रिक रूप में कथित महीं किया बना है हिन्म

- (क) नन्तरण वे शुर्ह किसी नाव की वावस, उपन वीपनियम के वधीन कर दोने के वृत्यपुरक को राजित्व में कभी करने या उससे नचने में सुनिधा के निष्टु करि/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर जियम नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिब था, कियाने में तुविधा जी निए;

बतः बन, जनत निधिनियम की भारा 269-य के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीया निम्निलिखिस व्यक्तियों, दर्भनाः— 1. श्रीमती विजया एस० स्रहिरेकर।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती लिलावंती भुपतलाल शहा और भूपतलाल नंदलाल शहा।

(ग्रन्तरिसी)

को यह वृचना बाटी कटके पूर्वोक्त सम्महित के बर्बाय के बिधु कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वक्त संगरित के वर्षक के संगंभ में कोई भी बाक्षण है---

- (क) इस त्यान को राअपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रविक्त स्थानत्यों में से किसी स्थानत स्वादाः
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- वहुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकीने।

लाकीकरण:---इसमें प्रमुक्त ककों और पूर्वों का, जो सबस अधि-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया गया है।

## मन्स्**ची**

फ्लंट नं० सी-51, जो 5वी मंजिल, इमारत नं० सी०, हायने श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 2क्षी०/23, रोड नं० 29, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि कि सं० भ्रई-1/37-ईई/7027/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमट ' सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज -1, बम्बई

दिन कि 7-3-1986 मोहर : प्रकम कार्ड , दी. एन , एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत बरकार

## कार्यातवः सहायक वायकर वायुक्त (निर्याक्त)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1986

निद्रेश सं० मई-1/37-ईई/7187/85-86—मत: मुझे, निसार महमद,

हायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/र रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संव प्लेट नंव बी/25, जो, सुप्रभात अपार्टमेंटस को-श्रापक हार्जसंग सोसायटी लिव, ज्ञान मंदिर रोड दादर, बम्बई-28 में स्थित हैं (और इससे उपायद अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269क, के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अचिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया इतिफल, निम्निसितित उद्वेष्य से स्वतः अन्तर्भे सिचित वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत उक्त विध-विधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बनने में सुनिधा के लिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या भन या अन्य बास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा है सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मो, उवत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) वे अधीन, निक्तिसिक क्यांबिक्यों, अथित क्यांबिक्यों 1. श्री मोहन वसंत शिरधडेकर।

(भ्रन्तरक)

श्री लक्ष्मणराव तुलजाराम जोईजोडे।
 श्री प्रकार

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर्की पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मित्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस तुष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की जविभ या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियें, में से किसी स्पक्ति खुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिसबव्ध
  किसी जन्म व्यक्ति बुवारा जभाहेस्साक्षरी के पास
  सिचित में किए या सकोंगे।

स्थव्यक्रियणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पदों का, वा उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा नवाही॥

### वन्त्र्या

फ्लेट नं० बी/25, सुप्रभात भ्रपार्टमेंटस को-भ्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि० ज्ञान मंदिर, रोड, दादर बम्बई-28 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंशिक कि सं० ग्रई-1/37-ईई/6753/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रंज-1, बम्बई

दिनांक. 7-3-1986

प्रका बार्' डी. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-मृ (1) के जभीन स्थाना

#### भारत सर्द्रकार

कार्याक्तय, सहावक आयकर वायुक्त (जिर्दाक्रण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/7194/85-86**--**

निसार ग्रहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, जो 3री मंजिल, हिमाचल हाउस, 239, डा० स्रनी बेझंट रोड, वरली, बम्बई-400025 में स्थित है (और इससे उपावद्व स्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)/और जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4 जुलाई

को गुवाँकत संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थ्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त क्षम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक ( बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त बंतरण निम्निल में बास्तविक स्प से अधित नहीं किया गया है हिला

- (क) अन्तर्ज से हुई किसी नाव की वावत, उन्त निध-जियम के संधीन कर दोने के अन्तर्थ के खींबल में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (वर्ग) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिवां का, जिन्हां भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में हिन्या के दिवए;

बतः जव, उक्त विधितियम की धारा 269-गः के अनुसरक तं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ﴿ विधितियमित व्यक्तिकां, अर्थाव ३--- 1. श्रीमती माविस सिल्बीया पिटो।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती विना रतनलाल डोग्रा और श्री रतनलाल दुर्गोदास डोग्रा।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां चूरू करता हूं।

### क्क क्यारि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी करकेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं
  45 विन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकति।

स्थाद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वया है।

### ध्रनुसूची

पलेट नं० 23, जो 3री मंजिल, हिमाचल हाउस, 239 डा० भ्रनी बेझंट रोड, यरली, बम्बई-25 में स्थित है। ' भ्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/6758/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक ' 7-3-1986 मोहर प्र**स्था बार्य**ः द्वीतः प्रसन्तानसम्बद्धान

क्रथकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 माचं, 1986

निवेश सं० प्रई-1/37-ईई/7188/85-86--- प्रत: मुझे, निसार प्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 9, जो, 3री मजिल, जोत को आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जोतिना फूले रोड, नायगांव दादर, बम्बई-14 में स्थित हैं (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 26 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जिकत नाकार मून्य से कम के क्याबाय प्रतिफल के द्विए जन्ति रित की गई खेर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मून्य, उत्तके क्यमान प्रतिफल से एरो क्यमाय प्रतिकल का बन्ध्य प्रतिचत से स्थिक है और जन्तरक (बन्तरका) और बन्धरिती (जन्तरितिया) के बीच एवा बन्सरण के जिए स्थ बन्धरिती (जन्तरितिया) के बीच एवा बन्सरण के जिल्ल स्थ बन्धरिती को नास्तिकक रूप से विश्वक नहीं किया गया है ह——

- (क) जन्तरण ते हुइं किसी बाद की बावत, उत्थ सभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्थर अवने में बुर्वित्र। के निए: बीट/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर निर्धितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निर्धितियम वा धनकर निर्धितियम का धनकर निर्धितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मना भा या किया बाना जाहिए था क्रियाचे वें सुविधा के सिए;

न्तः वन उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) ाःश्री बालानी के० के०।

(मन्तरक)

2. श्रीमती समतानी विद्या ए०।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारौँ करके पूर्वोक्त तस्पत्ति से सर्वन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय है

- (क) इत सूचना के राजपत्र में श्रकावन की तारीय हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ वक् सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वाना के हानपन में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निविता में किए का सकेंगे।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों बार पर्वो का, जो उक्त विधिन्दम् के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया दिवा पर्वा है है

## **प्रमुस्**ची

फ्लैंट नं० 9, जो, 3री मंजिल, जोत को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, जोतिना फुले रोड़, नायगांव, दादर, बम्बई-1 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि %० स० ग्रई-1/37-ईई/7015/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टड किया गया है।

निसार ग्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंग-1, बस्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकप् बाह्"ुटी एन , एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7191/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, जो, 2री मंजिल, गरेज नं० 3, विधामालय, प्लाट नं० 152, साग्रन रोड़, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावह प्रनुसूची भें और पूणं रूप से विणित है)/और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 4 जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इब्दिश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तियक रूप ते कियत महीं किया गया है —

- (क्ष) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उकत अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड्/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए;

बतः जन, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त जीधीलबस की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री शशिकांत एम० रावी, श्री किरीट शशिकांत वोरा, और श्री श्रजय शशिकांत वोरा (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विरमती मेघजी सागर, श्री नरेश मेघजी सागर और हरेश मेघजी सागर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

फ्लेंट नं० 5, जो, 2री मंजिल, गरेज नं० 3, विश्वामालय, फ्लाट नं० 152, सायन रोड़, सायन (पूर्व), मीहै-22 में स्थित है।

धनुसूची जसाकि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/6756/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> िसार ग्रहमध , सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

## NEW MIN' ET LET LET .....

कावफर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

### बारत बद्रकाह

कार्कानव, बहानक बावकाड नामृक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनाँक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० ग्राई-1/37-ईई/7189/85-86--श्रेतः मुझे निसार श्रहमद

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रवाद (उन्हें किया किया कहा थवा है), की भाषा 269-त के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार अस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 210, जो कालियन दास उद्योग भवन, प्लाट नं० 1082, सेंजूरी बाजार के पास बम्बई-25 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाश्वत्व श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका कराग्नामा ग्रायकर ग्रधिनिथम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय हु रजीस्ट्री है, दिनौंक 4-7-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कन के बच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निक्तास करने का बारण है कि यथाप्यॉक्त संपत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, एसे बच्यकान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से किथक है और जंतरिक (बंतरिकों) और वंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया जमा प्रतिफल निम्मीतिवत उद्योक्त से प्रका अल्डर किथा के बाला की कार्य के बाला कर बाला की बाला की बाला कर बाला कर बाला की बाला कर बाला की बाला की बाला कर बाला

- (क) नंतरण से हुई किसी बाव की बावस,, उच्छा विधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के रामित्व में क्यी करने ना उन्नवें वस्ते में सुविधा के बिए; बॉर/सा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी अन वा अध्य क्रास्तियों की, चिन्हों भारतीय आयकर किशीनवज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनवज्ञ, वा धनकर किशीनवज्ञ, वा धनकर किशीनवज्ञ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्वा था या किया बाना चाहिए था, छिणज स्विभा के बिद्ध;

बतः अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, बी, जनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रकबरखान मुल्ली गुलमोहमद।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रक्षिमा प्रब्दुल रज्ञाक कासकर

(ग्रन्तरितो)

(3) मेसर्स कॅपसिलेक्ट (रिजस्टर्ड फर्म) (वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुक्ता बादी करके पृक्तिक कर्मांत्र के वर्षन के विष्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त संपरित के अर्जन के सम्बज्ध में कोई भी जाओप r--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकावन की तारीस थे 45 दिन की संघीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिए, जो भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इसारा;
- (वा) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन को भीतर जक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्ष्यक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों नीए पकों का, को स्वक् प्रिक्षियम के वश्याब 20-क में परिव्राक्ति हो, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिवा स्वा ही है

## अनुसूची

युनिट नं० 210 जो कालियनदाम उद्योग भयन, प्लाट नं० 1082, सेंचूरी बाजार के पात्र, बम्बई-25 है स्थित है.

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-1/37-ईई/6754/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनाँक: 7~3-1986

प्रकृत साह" ही हम . एवं .....

वासकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-ए (1) के वचीद कुचना

### PER STATE

## क्यांकर, ब्रायक रायकः नायकः (रिप्रीयम्)

ग्रर्जन रेंज~1, बस्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37~ईई/7/81/85-86~-मतः मुझे निसार ग्रहमद

कानकर लिपनिनन, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके रस्थात् 'उसस मिथिनियां कहा यस ही, की समा 269-च से मधीन तथान क्राविकारी की, यह विश्वास करने का कारम हो कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वास श्रीपंत नावार मृज्य 1,00,000/- का से स्थापन ही

- (क) सम्बद्ध व हुई मिली साम की बालका, लबक समिषिक्य के सभीन कर दोने के सन्तरक के दासिए में सभी क्युंटें ना उन्नवं न्यूने यो कुन्निभा के सिद्ध; क्षीर/का
- (क) एकी कियी नाम वा कियी पन ना सभा नाकियों को, निन्हों भारतीय नामकर निर्मितन, 1922 (1922 का 11) वा उनत बीचियका, का वम-कर निर्मितना, 1957 (1957 का 27) से प्रवोचनार्थ नन्तरिती हुवाय प्रकट नहीं किया ग्या भा ना किया जाना नाहिए था, कियाने के विश्वा के किहा

म्ल: स्थ बक्त विभिनियम की थारा 269-म भी वन्तक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ह अभीत, जिम्मीलिक क्योंपर्यों। अधीत क्

(1) मेसर्स सींचुरी इंटरशायजीस

(भन्तरक)

(2) डा॰ सुगोल बसंत पाटकर और भी मती भुनीता बसंत पाटकर

(बन्तरिती)

को नह स्वाग जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के सिन्ने कार्यवाहियों करता हुं।

## उन्त बन्दरित के नर्चन के बन्दरभ में कोई वाक्षेप हु--

- (क) इस तुष्मा के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की भनीच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्चना की तासीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां इताहा;
- (क) इस स्वान के रायपय में प्रकाशन की हाएलेंच है 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिलावृष् किनी सम्य व्यक्ति द्वारा मधोइस्ताशरी के पास विविध में किए था सकति।

रपक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनियम, के अध्याय 20-15 में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याव में दिवा नेता हैं।

#### अनुसूची

पर्लंट नं० 603, जो 6ठी, मंजिल, भवानी कम्प्लेक्सँ इमारत "बी॰", निर्मानाधिन इमारत भवानी एकर रोड, वादर (प), बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसुची चैसाकि क० सं० श्रई-1/37-ईई/67 47/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनौक 4-7-1985 को रजिस्टई किया गया हैऽ

> नितार **प्रहम्पर** यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-1, बस्बई

धिनौंक: 6-3-1986

मोहर 🕹

### प्रकृष वार्षं, ही . एन . एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269- (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंजें-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/7184/85-86--**ग**तः

मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं युनिट नं 201 ए, जो, 2री मंजिल, वडाला उद्योग भवन 8, नःयगाँव कास रोड, वडाला, बम्बई – 31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाँक 4-7-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिंपाने में स्विधा के के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थाता :——
75—36GI/86

- (1) श्रो मती पुष्पा देश पांडे, कन्स्टीटयुटेड ग्रॅटनी श्राफ श्री श्रमर लाल निचलदास डेम्बला और श्रो श्रोलन दात पारूमाल।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स नेशनल इन्क्स एण्ड एमूलसन कंपनी। (अन्तरिती)
- (3) श्रन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियें पर अविध बाद में सभाष्त हारेती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजभंत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

युनिट नं ० 201 ए, जो 2री, मंजिल, वडाला उद्योग भवन, ८, नायगाँव कास रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-3-1986

# शक्त त्राष्ट्रं <u>द्रौ प्रच्यात्र</u> प्रकार

भावकर मुश्रिमधन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

#### THE REPORT

कार्याञ्चन तहासक बायकर बायकर (निर्वाज) प्रजैन रेंज 1, बस्वई

बम्बई, दिनाँक 7 मार्चे 1986

निर्देश र्स० मई 1/37 ईई/7155/85-86 मतः मुझे, निसार महमद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसके इसके इसके इसके इस्कात् 'उकत विधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाचार ब्रूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं प्लैटनं ए/85 जो 8वीं, मंजिल, हायवे ग्रगटेंमेंट इस्टर्न एसन्प्रेस हायवे, सायन (पूर्व), सम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रन्सुनी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम घारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है,

दिनौंक 3-7-1985

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के अवस्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे अवस्थान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-क्क ट्रिन्निविच उद्येष्य से सन्त अन्तरण शिक्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नवा है हि—

- (क) अन्तरभ नं इन्द्रं किसी साथ की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाविस्थ में कभी करने वा उससे वचने में सुकिया श्री तिष्ठ; शरि/वा
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 रूप 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं जिल्ला नवा था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने प्रविधा वे विद्या

बरा वव, अक्त विधिनियम, की भारा 269-व के वन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्रमोद बसमंत दलनी।

(अन्तरक)

(2) महेश हीरालाल भाटीया।

(भ्रन्तरिती)

क्षा वह बुचना आयों करके पूर्वोक्त सम्मत्ति सी वर्धन के विष् कार्यनाहियां करता हूं।

## क्ष्म ब्रम्पति के वर्षन् के व्यक्त में कोई भी नामेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पब्ति इंशाए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए वा सर्वेंगे।

स्यख्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

### अनुसूची

प्लैट नं ए/85, जो 8वीं मंजिल, हाइवे श्रपार्टमेंटस इस्टर्न एक्सप्रेस हायवे सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाको क० सं० श्रई-1/37-ईई/6720/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाँक 3-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निभार म्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) म्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रसम् नाहर्ः द्री । एव । एष \_------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, तहायक आयकर आयक्त (निर्धाण)

अजन रेंजं⊶ा, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० अई -1/37—ईई/7150/85—86——अत:, मुझे, निसार अहमद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके पश्चास 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धास 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु से विधिक है

और जिसकी सं० युनिट न० 136 जो 1ली, मंजिल, कालियन कास उद्योग भवन सेंचुरी बाजार के पास बरली बम्बई-25 में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है) ब्रीर जिलका जरायतामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारी 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 3-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उणित बाजार मून्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिस्रत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तिरती (अन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरक के जिए तब शामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिचित्त में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण के हुन्दें किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वी प्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निह;

भतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्षे कथीन, निम्मनिविद्य व्यक्तियों, अधिक् ड— (1) मेसर्स मैजिक फिगर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदरजीत गौरी।

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी माक्षोप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

यूनिट नं ० 136 जो 1ली, मंजिल, कालियनदास उद्योग भवन सेंचुरी बाजार के पास वरली बम्बई-25 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कि० मं ० अई-1/37-ईई/6715/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को रजीस्टड किया गया है।

िमार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, अम्बई

·दनांक: 7-3-1986

मोहर 🗓

## ज्ञकतः बाह्यः बी...एव ..एव ...------

## जावकर विधिनवन,: 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वंभीन सूचना

#### ग्रापक करकार

## कार्यास्य, सहायक वायकर वायुक्त (विशीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई.

बम्बंह, दिनांक 12 मार्च 1986

निषेश सं० अई-1/37-ईई/7188/85-86---३त: मुझे निसार अहमद

वासकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269--व के अभीन-तक्षत्र प्राधिकारी को वह वैवस्तात करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उंचित बाजार मृत्य 1,00,000/-क. से सिधक हैं

प्रौर जिसकी सं 0 1/सी जो 0 1ली, मठिजल, मेकर अपार मेट 232, वालके शवर रोह, बम्मई ~6 में स्थित है (प्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण हर से विणित है), प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 17-7-1985 की वृश्वें कर संपरित के जिस्त बाबार मृत्य से कम के स्थमान शिकल के निए अनारित की पूर्व विषय सं प्राप्त का उपित वाजार करने का कारण है कि वजाप करने का कारण है कि वजाप संगरित का उपित वाजार करने का कारण है कि वजाप संगरित का उपित वाजार करने का कारण है कि वजाप सं विषय सं अन्तरकों) बार क्यारित (अन्तरकों) के बीच एते बम्हरण के लिए तय वाजा शिकल में वास्त्रक कन वे कियत वहीं किया गवा है ध-

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाथ वर्ष वावतः, उत्तरः व्यक्तियतः के वधीत कर देवे के वन्तरक की वावित्व में कमी करने वा उत्तसं वचने में सुविधा के सिष्णु वार/वा
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के निए;

वर्षाः नव्, क्यतः विभिनियमं की भारा 26%-ग के अनुसरकः में में, उपल विभिनियमं की भारा 26%-म की उपभारा (1) हे अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, संवर्ताः— (1)श्री वसंतलाल मोतीलाल झोंटा।

(अन्तरक)

(2) भैमर्स मंखला फेंमिली ढ्रस्ट।

(अन्तिरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भी यह सूचना जारी करके पूचींक्त सम्परित को अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुई।

## उक्त सम्मति के वर्षन के संबंध में कीई भी जाशोप :---

- (क) इव त्याना के समयन में प्रकारत की तारी से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी जवधि नाव में समस्य होती हो, के जीतर प्रोंकर स्थानता में से कि सी स्थान प्रांतर प्रांतर स्थानता में से कि सी स्थान प्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
  45 दिन के भीकर उनत स्थावर सन्पत्ति में हितबबूध
  किसी क्ष्य व्यक्ति वृतारा नथोहस्ताकरी के पात
  जिलास में किए या सकतें हैं।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, थो उक्त अभिनियमः, के अध्याय 20-क में परिधारिक ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पर्लंट नं ० 1/मी ० जो, 1ली, मंजिल, मेकर अपार्टमेंटस 232 वासकेश्वर रोड, बम्बई-- 6 में स्थित है।

अनुसूची जसाकि ऋ० सें० अई-1/37-ईई/6925/85-86 अंदि जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> नितार अहमद सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज⊶ा, बम्बई

दिनांक: 12-3-1986

माहर:

# प्रकार कार हो। एन**ः वर**्षाना

# कामकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्त्रना

#### भारत सरकार

कार्यासम, सहायक गायकर गायुक्त (निरीमण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986 निवेश सं० अई--1/37-ईई/7289/86-86--अतः भुभो निसार अहमद

शामकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात् 'उन्त मिंपिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्ष्मरण हैं कि क्षमप्रकेंक सम्बक्ति का उनित वाकार मूल्य 100,000/- रा. से मधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पर्लैट नं 7, जो तल माला, मोहीनों मेन्शन कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीम्ट्री है दिनांक 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाकार मृत्य से काम के दरयमान श्रीतफल के निस् संतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने यह कारण है कि समापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाकार शृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एति यस्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात अभिक है और अन्तरक (जंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निस् तय बाबा गया प्रतिफल निम्नीलिस्त उद्देश्य से उसत अन्तरण किचित में बास्तोंबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की भावता, जक्त जीभीनयम के जभीन कर पोने के जन्तरक के श्रीयत्व में कभी करने या उससे प्रथन में श्रीविधा के चित्रः, और/या
- (क) ध्रंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिक्षी द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए?

कत: जब, उक्त बाँधानियम की भारा 269-म के अनुसरक मो, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी मुक्ताबेन सी० चिनाय।

(अन्तरक)

- (2) शेख अब्दुल सलाम एन० हनीफ भ्रीर राहत बानू शेख अब्दुल सलाम एन० हनीफ की परनी। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह बूजना बादी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के रिसम् कार्यवाहियां कारता हुई ।

उन्तं सन्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की जबिस या तत्मम्बर्गी व्यक्तियों पर स्थान की तामाल अ 30 दिन की बबिस, जो भी लबिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर संपरित में हिस्तबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिचित में किए या सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: --- इसमं (युक्त शब्दों का, पदों का, जो सवव विधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो एस वध्याय के दिसा गया हैं

## वनुस्ची

क्लैटन ०७, जो, तल साला, भोहीनी मेणान कुलाबा बम्बई—5 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6846/ 85--86 औरजो सक्षम प्राधिारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिल्टई दिया गया है।

> ियार अहमद सक्षा प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिगांक: 12-3-1986

माहर:

# 

## क्षाप्कर विभिन्निक, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-व (1) के वभीन क्वना

#### PINCE STREET

## कार्याबय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7119/85-86--अतः मुझे निसार अहमद

बायकर सिंपिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अभीन सक्षक प्राणिकारी को, यह विश्वात व्यान का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका स्थित बाबार मुज्य

1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० ७, जो तल माला, पुष्पा भवन
टलीकोन एक्सचें ज के पास कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है,

(ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)

ग्रीर जिसका करारनामा आर्यकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजीस्ट्री है विनंक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाचार मूख्य से कम के स्वयमान प्रीक्षण के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विचनास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकास है, ऐसे दश्यमान प्रतिकास का पृत्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (बन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निष्ठ सब पाया चना प्रतिकास, निम्नानिस्ति उद्वीका से अन्त बंतर्ण सिस्तित में बास्त-विक क्ष्म से किथान नहीं किया वसी है किन्न

- (क) बलाएन ने हुए कियो बाब की बानव, उपन क्षिप-रियम के नवीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उधरो बचने में शुनिधा के लिए; बीड/वा
- (स्त) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिद्ध;

अक्षः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिमों, अधृति हिन्स (1) श्री मार्विन रोझ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भूशीला आर० अंगतियानी। (अन्तरिती)

(3) अन्तरितो।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती प्रौप श्री गुल आर० जगित्यानी। (वह ब्यक्ति जिसके बारे में क्षश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के श्रिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

यस बन्धिता के मर्जन के स्थान में कोई' भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रधानान को शारीच से 45 वित की अवेधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साबीझ से 30 विन की जन्मि, वां भी अविद वां से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाइए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र के बहुध कि ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारों के पात लिकिस में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

पलैंट न० 7 जो तल माला पुष्पाभवन,टेलीफोगए+कचेंज के पास कुलावा,बम्बई ⊷ 5 में स्थित हैं।

अनुमूची जैनाकि कर संर अई-1/37-ईई/6684/85 86 ग्रीर भी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> िनाण अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड्ः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/7195/85-86--अतः मुसे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लैंट नं० 10, जो नारायण निवास को ०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 167/ए, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित हैं (फ्रांस इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण घर से विणित हैं), और जिसका जरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ह, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं दिनांक 5-7-1985

को एवेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—

- (1) श्रीमती आणा देवी श्री चुगश्रॉफ। (अन्तरक)
- (2) श्री अमरनाथ फर्कार्थ चन्द हरजाई। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती श्रीर उसका परिवार।
  (बह व्यक्तिपणिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त तस्पत्ति के अर्थन के लिए
  कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

## अनुसूची

पर्लंट नं ० 10, जो 3री, मंज्ञिल, नारायण निवास को ० आप ० हार्जेसिंग सोसायटी लि ० प्लाट नं ० 167 ए सायन (प), बम्बई: 22 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई--1/37-ईई/6759/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजीस्टर्ज किया गया है।

> निमार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1986

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीत सुभाग

भारत स्रकार

## कार्यालय, सहायक भागकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जभ रेंज-1, अम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/7367/85-86---अनः मुझे, भिमार अहमद

मायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की शरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 105, तो 1ली, मंजिल, इसारत एफ० शितल, नारायण नगर सायन ट्राम्बे रोड, बम्बई—22 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका लगारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 17—7—1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उचके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और वन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के चिए नय पाया गया प्रतिकत्त निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण विकित में गास्तिकर स्प से कथित नहीं किया बवा है :---

- (क) मंदरण वं हुन किनी बाद की बावत, इसक निधिनियम के अपीन कार दोने के अन्तरक के दासिन्द में कभी करने या उससे नक्षी में ग्रिक्श के लिए: बहर/मा
- [का) एसी किसी वाव वा किसी पन या अन्य जास्तिकी वर्षे, जिन्हों भारतीय आय-तार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-शार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोधनाओं कन्तरिक्षी द्वारा प्रकाद नहीं किया नाम या या विश्वा जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विमा के नियः।

भत्य अब उनत विभिनियम की भार 269-न के अनुसरण को, ही, डामर विभिनियम की भारा 269-च की उत्तरहरूर (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जथित :----

(1) श्री रामास्वामी कृष्णम ।

(अन्तरक)

(2) श्री शक्षि कान्त सी० व्यास श्रीर श्रीमती ज्योती एम० व्यास

(अन्तरिती)

(3) अन्तर्फ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को वह सूचना नारी करके प्रविक्त संपरित के अर्थन के स्मिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वोक्त का जावार में कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से &\$ दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताकरी के पास विकित में किए था सकीं।

स्पष्टीकरण:-- इतमें प्रयुक्त शन्दों और पद्यों का, जो उनत कींजिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा को अम अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

फ्लॅंट नं० 105, जो 1ली, मंजिल, इमारत एफ० मीतल नारायण नगर, सायन ट्राम्बे रोड, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकि कर गं. अई-1/37-ईई/6924/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनंत 17-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद यक्षम प्राधि नरी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1986

प्रकम बाह्र . टी. एम. एस.-----

# नारकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बबीन संबना

#### मार्ग्स सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1. बम्बई बम्बई, दिनौंक 12 मार्च, 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/7423/85-86--श्रतः मझे,

निसार महमद,

बामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवे इसके परचात् 'उक्त अधिनाम' कहा गाहि"), की धारा 269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- एत. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, जो, सुनीता, न्यू सुनीता को-मापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिं०, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरजो पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-7-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिकास को सिए जंतरित की गई है और मुओ यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य मुख्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाया नवा प्रतिफल, निम्नसिकित उत्दर्भय से उक्त कलारक निकित बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया नवा है "----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कभी करने वा उक्के क्यने में सुविधा के लिए; नौरं/वा
- (ब) ए"सी किसी जाब या किसी भन वा अन्य ३.)रिस्तयों को, चिन्हें भारतीय भारकर मिश्रियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कि नियम, सा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्ज जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया क्षा या किया चाना चाहिए था, फिपाने ३ ६ किया के लिए; और/बा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के कभीतः निम्मलि**सित व्यक्तियोः नर्भात**ः—— 76-36GI/86

में, में, सक्त विभिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1)

1. श्री पी० वि० सरमा।

(ग्रन्सग्र)

2. श्री पी० जी० मसंद ग्रीर जया पी० मसंद।

(ग्रन्सरिती)

ग्रन्तरितियों ।

(बह व्यक्ति (जिन्के प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाओप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी दा से 45 विन की संविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जवीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकरा म्यक्तियां में से किसी म्यक्ति जवास;
- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास कि चित्र में किए वा सकें थे।

ल्बक्टीकरनः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ष होया को उस कथ्याय में दिया यया है।

### बमुबुची

फ्लैंट नं० 41, जो सुनीता, न्यू भूनीता को-स्राप० हा उसिंग सोसायटी लि॰, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

भ्रतसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/6977/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निपार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहाबक भ्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्चर्जन रेज-1, बम्बई

दिनौक: 12-3-1986

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनाँक 12 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/376-ईई/7213/85-86~-ग्रतः मुझे,

निसार ग्रहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टेनमेन्ट नं० 783, जो; इमारत, नं० 35, धादणं नगर, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (भ्रीर इससे उम्बद्ध मनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनौक 8-7-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंधधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-य की उपधारा (1) के कधीनः निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री बी० एम० मेट्टी।

(अन्सरक)

2. श्री चन्द्र मोहन शंकर नाईक

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वास्त्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

टेनमेन्ट नं० 783,जो इमारत नं० 35, श्रादर्श नगर, प्रभावेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अर्द-1/37ईई/6777/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाँक 8-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार **घहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, बस्बई

विनांक 10-3-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.------

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनौक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई-1/37ईई/7408/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

हायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च को अभीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से लिधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 504, जो प्रभादेवी, शिल्पा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 22-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्यमान प्रतिक्षत्र से, एस क्यमान प्रविक्त का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच हो बंतरूच के लिए इब पाया प्रवा क्षक्य, निम्न्दिमिक्त उद्वारेष से क्या बंतरूच विश्वत् में बास्तरिक रूप से क्षित् नहीं किया हुना हुना हुना

- (क) नंदारण संसूत्र किसी बाय की बायक, उत्तर ऑक्ट्रियम के नचीन कर दोने के बनाएक के दायित्व में कमी कारने वा उत्तरों कृष्ण में बृष्णिया के बिए; ऑर/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों जनकर अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती बुवारा प्रकट नहीं किया को, चिन्हें गारतीय आस्कट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या कवा भा वा किया डीवा कीहिए वा किया में स्विधा भी निया,

नत् श्व, स्थत जाँभनियम की भारा 269-न के अनुसरण वा, जो, स्वत अभिष्यम की भारा 269-च की लपुभारा (1) की अधीन, निम्निल्मित व्यक्तियों अर्थात् कच्च 1. श्री श्रजीत कुमार पी० साध

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दमयंती चंपकलाल कोठारी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बुम्मरित् के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई थी बाक्षेप उन्न

- (क) इस श्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जनभि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र स्वा की तामील से 30 दिन की अवभि, जो भी नवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-वहुभ किसी बन्य व्यक्ति व्याप, वभोहस्ताक्षरी र राख विविद्य के विकास वा वक्ते ।

स्वयाकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, थी उक्त विश्वित की कथ्याय 20-क में परिभानित की है। है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 504, जो प्रभादेवी शिल्पा को-म्राप०हाउसिंग सोसायटी, लि०, अम्बई-28 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्राई-1/37-ईई/6963/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा, दिनौंक 22-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनौंक: 10-3-1986

मोहर 🏻

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहाबक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० आई-1/37ईई/7269/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 12, जो प्लाट नं० 253, चिमन निवास, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बिणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्राथकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कखा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योजय में रिजस्ट्री दिनाँक 10-7-1985

की पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वीक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिस्ता से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किशा म्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, छक्ड और नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

'जंत: जंज, 'अपत विभिन्नियम की भारा 269-ग के बनुसरण जो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री सी० एन० कृष्णन

(अन्तरक)

2. एस० गणेशन,

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके प्वोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थक्किरचं:— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

## अनु**स्**ची

ब्लाक नं 12, जो प्लाट नं 253, चिमन निवास, सायन, (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई-1/37ईई/6831/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 10-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ब्रहमदँ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 12-3-1986

प्रकार कार्यो है है है हुन , एस है कार्यक्रमान कार्य

, कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

जार्यालय, सहायक माधकर बायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 12 मार्च, 1986

निदेश सं० आई-1/37ईई/7245/85-86→-अतः मुझे, निसार भ्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 26% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 100,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसको सं० प्लैंट नं० 24, जो 3री मंजिल, हिमाचल हाउस, 239, डा० ए०बो० रोड, बरली, बम्बई-25 में स्थित हैं (भीर इसमे उपाबद्ध भ्रनुस्ची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) भीर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायदेलय में रजिस्ट्री हैं दिनाँक 9-7-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकृष्ट से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, जिम्मसिवित उद्योग से उक्त अन्तरण किकित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की गयत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या क्य अतिस्तर्यों को जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए भा, छिपाने में सुविधा के निए;

वान्त्र तथा, उक्त वृद्धिनियम की भाषा 269-ए के अपूतरण को, भी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए की उपभाषा (1) को अभीग, मिस्न[स्विद्ध, व्यक्तियों], अर्थात् हान्स 1. श्री रतन लाल होग्रा।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गंगा नारायण शेट्टीगर भीरश्री नारायण बाबू शेट्टीगर।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्मत्ति के अवनि के संबंध में कोई कार्यप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश शे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविध में से किए था सकोंगे।

स्वच्छित्यः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों वाँर पर्यों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वच्चनीं

पर्लंट नं० 24, जो 3री मंजिल, हिमाचल हाउस, 239, डा० ए० बी० रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

ग्रन् सूची जैसा कि क० सं० ग्राई-1/37ईई/6808/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 9-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण ) श्रर्जन रेंज-1, सम्बद्ध

दिनाँक 12-3-1986

प्रकृष बाह्य हु टी ः एत ः एव ः प्रकृष्णक

नायकर निधित्तियस, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-व (1) के निधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनाँक 12 मार्च, 1986

निदेश सं० श्राई-1/37ईई/7443/85-86----ग्रनः मुझे निसार ग्रहमद

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सभग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ज्यूल है नं 1001, जो 10 वीं मंजिल, निमाना धीन इमारन, प्रब्दुलहुसेन, पोटीया, प्रपार्टमेन्ट, 292, बेलासिस रोड, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसपे उरायद्ध प्रनुसूचो में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के प्रयोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री हैं दिनौंक 25 7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके श्रमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरित (अन्तरितों) को धीन एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिथित में बासाविक रूप से किवत नहीं किया गया है देन

- (क) अन्वरण वं हुई निव्धि भाग की बाबत, उनत विभिन्न के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उसके वभने में सुविधा के लिए; ब्रोह/मा
- (क) एसे किसी आम मा किसी भन या अन्य आस्तिवां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जंदरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए का, कियाने में सुविधा से किया

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण वी बनुतरक कों, मीं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) कों बभीन, निस्निसिख्त व्यक्तियों, वर्षात् हरू-- 1. युसूफ ग्रब्बासभाई ग्रत्तरवाला,।

(म्रन्तरक)

2. ग्रस्फल इस्माईल ।

(भ्रन्तरिती)

3. मैभर्स स्टलिंग इन्टरप्राइजेस।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स स्टलिंग इंटरप्राइजेस।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना जारी करके प्योंक्त सम्परित के वर्जन लिए कार्यवाहियां भूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र यें प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, वो भी वविध बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किये वा सकने।

स्पद्धीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्सर अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

पर्लंट नं० 1001, जो 10 वीं मंजिल, तिमशणाधीन इमारत, श्रब्दुल हुसेन, पोटीया श्रपार्टमेन्ट, 292, बेलासिस रोड, बम्बई में स्थित है।

त्रम् जीसा कि कि सं व्याई-1/37-ईई/6997/85-86 भीर जो सक्षम प्राधि कारी वम्बई द्वारा, विनाँक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक्क) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक 12-3-1986 मोहरः

## अक्स सार्वः दीः पुषः पुषः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### नारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनाँक 12 मार्च, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7411/85-86---अत मुझे, मिसार प्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिरा इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उन्त अभिनियम' बहा गवा ही, की बारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 3, जो 3री मंजिल, डुंगरसी क्राम लेन, वालकेष्वर बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिस ता करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यीलय में रिजस्ट्री है दिनौंक 23-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ये काम के स्रयमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई हैं और मुम्हें यह जिस्कास करने का कारण हैं कि युथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जुन्म, सत्त्वे स्वयमान प्रतिकाश से एसे सम्यान प्रतिकास का शुन्क प्रतिकृत में वीच एसे बनारण में लिए सन साथ गया प्रति-का विभावित्वित स्वयोग्य में स्वयं बनारण मिल्ल में बाक्य निक कम विभावित्वित स्वयोग्य में स्वयं बनारण मिल्ल में बाक्य निक

(क) कल्लारण संक्ष्म किसी नाम को नामत अन्य सभि-निवध को सभीन कार दोने के नंतरक के दायित्व में कामी कारने या अससे वचने में सुविधा के लिए बील/सा

एंग्री किस्सी बाब का किसी कर वा बन्ध कारिस्पूरी का, विमह बारसीय नायकर विधित्तमम, 1922 (1922 का 1:) या जकत विवित्तमम, रा धर-कर विधित्तमम, रा धर-कर विधित्तमम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोधनार्थ बन्दरिसी स्वाध प्रकट नहीं धिका गया वा वा विद्या वाचा चाहिए था, किसान के वृधिका की लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. शहा मुकेश बन्सीलाल।

(भ्रन्तरक)

2. स्रवंतीलाल काँती जाल दोशी ।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वता आरी करके पूर्वोक्त संपस्ति के वर्जन के सिए कार्यजाहिया शुरू करता हुं।

### उनक संपरित के नर्जन के संजय में कोई भी आक्रोप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पटिकीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>2</sup>।

### अनुसूची

पर्लंट नं० 3, जो 3 री मंजिल, डुंगरशी क्रासलेन, वालकेश्व बस्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० आई-1/37-ईई/6966/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनाँक 23-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है '

> ्री निसार ग्रह्मद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनौंक 12-3-1986 मोहर प्रारुप आई.टी.एम.एस.-----

आयदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनौंक 7 मार्च, 1986 निर्देश सं० श्रार्ड-1/37-जी/5266/85-86---श्रत मुझे नसीर श्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य श्रीर जिसकी सं प्लाँट नं 295ए, दादर माटुंगा, इस्टेंट, जिसका सी एम नं 231/10, माटुंग, डिबीजन, जो इमारत, ''सैमिश्रा'' के साथ बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाह्मद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्पहेंसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यांक्य सम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 22-7-1985

को पूर्वावस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वाबतः, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीन दालकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्स अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में मुविधा है लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग को अनुसरण को की, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (†) को रात्ति, निम्नी प्रसिद्ध व्यक्तिकों, अर्थात् क 1. श्री राज प्रकाश मत्यव्रत कामदार भीर कीर्तिकुमार सत्यव्रत कामदार ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शांतीलाल जागशी।

(भ्रन्तरिती)

3. भाष्ट्रत ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड् भी अक्षपे :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की जविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वतीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों को थो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसुची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संव्यम्बई 671/80 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई क्रारा, दिनाँक 22-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निहार श्रहकडू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -।, बम्बई

दिनौंक 7-3-86 **मोह**र : प्ररूप बार्ड .टी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986
निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7437/85-86--श्रतः
को, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचार 'उथल अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ज के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० पलाट नं० 304, जो उरी मंजिब ए-2, इमारत पूनम पार्क, प्लाट नं० 6, लाल बाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, लाल बाग, बम्बई-12 में स्थित हैं (और इससे उगाब इ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका

उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 25-7-1985 को पूर्वों का सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकृत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विस्तित में तारतियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धास १६०-४ के अर्गरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-७ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---77--36 GI/86 (1) पूनम बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीनाथ केदारनाथ शेठ.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधीः व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनसरी

फ्लाट नं० 304 जो 3री, मंजिल, ए-1, इमारत पूनम पार्क, प्लाट नं० 6 सी० एस० नं० 7/50, लाल बाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, लालबग बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37—ईई/6991/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्धारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष**क्ट्र**) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-3-1986

मुमे, निसार ग्रहमद,

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7435/85/86---म्रतः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चार् 'उक्त अधिनियक' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00 000/- रा. से अधिक ह और जिसकी सं० पलाटनं० 302, जो 3री, मंजिल इमारत नं० ए-2, पूनम पार्क प्लाट नं० 6, लाल बाग बम्बई-12 में स्थित है इंडस्ट्रियल इस्टेट, लालबाग, और इससे उपाबद्व प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी दिनांक 25-7-1985 के कार्यालय में रजस्ट्री है को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सर्य पाया गया

प्रीतफल निम्नलिकित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्थिधा के लिए;

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के उपोग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—→

(1) पूनम बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमता कमला देवी भावूतमल जैन (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरकों (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्स क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के रंजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>ड</sup>, वही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>ड</sup>।

### मन्स्ची

पलाट नं० 302, जो 3री, मंजिल, इमारत नं० ए-2, पूनम पार्क प्लाट नं० 6, सी० एस० नं० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, लालबाग बम्बई-12 में स्थित है, भ्रनुसूची जैसाकी क० सं० भ्रई-1/37-5ई/6989/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है.

निसार **श्रहमैव** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज~1, **बम्ब**ई

विनांक: 10-3-1986

मोहरः

प्रका बार्', डी. एव , इसं, तत-------

वासकार विधितिसन, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के विभीन क्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामुक्त (निर्मालक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7436/85-86--**मत**:

म्से, निसार श्रहमदः

बाहुकर विभागितवन, 1961 (1961 का 43) (जिये इस्वी इसकी परणात् 'राज्य विभागित्यन' कहा वसा ही, की भारा 269-स के सभीत सकाम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् वाधार मूख्य 1,00,000/- रा. से विभन्न है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो 5वीं, मंजिल, इमारत नं० ए-3, पूनम पार्क, प्लाट नं० 6, लाल बाग इंडिस्ट्रियल इस्टेट, लाल बाग बम्बई-12 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं विनाँक 25-7-1985

की पूर्वोस्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के क्रममन प्रतिक्रम के निश् वृत्वद्वित की नह है और मृत्र वह निश्वाब करने का कारण है कि बनाप्रॉक्त सम्मत्ति का अधिक बाकार मृत्य, उसके क्रममान प्रतिक्रम से, एसे क्रममान प्रतिक्रम का पंद्र प्रतिक्षत से बीधक है बीड बंतरक (बंदरका) थीर बंदरितों (बन्दरितयाँ) से बीध होने बंतरण के बिए तब पाना पदा प्रतिक्रम , निम्मतिनित स्पूर्वक से स्थल अंदरण विश्वित से बालांगिक क्ष्म से क्षित्व नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्थ से तुर्ं किसी जाम का बायक, उनक वीधीनवम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए: जीर/वा
- (त) एसी किसी कान या किसी धन या बन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नामकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकत निधिनयम, या चन-कर निधिनयम, या चन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किना नया भा ता कि ना आनी चाहिए था, कियाने में ज़िनिधा के सिद्धः

नतः जन, उन्ध जिपिनियम की वारा 209-म की नगुराण हो, मी, उन्त अधिनियम की बारा 269-म की स्पनारा (1) हो अधीन विकासिक क्षिक्कों हा स्पन्ति हेन्स (1) पूनम बिल्डर्स प्राइवेट लि ।

(ग्रन्तरक)

(2) निर्मेला बहुन मेचजी संगोई ।

(मन्तरिती)

(3) मन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के जिए। अर्ध्ववाहियां करता हो।

उच्च बंपीत के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इसं स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारीं हैं
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  चुवन की राजील से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर बुर्वोक्स
  स्वीक्तयों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की बारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-म्बूथ किसी बन्ध स्थावित द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकति।

स्वक्रिकरण इ— इसमें प्रमुक्त कक्षों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं जर्म होया जो उस बच्चाय में दिया मेजा हैं।

### पनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो 5वीं, मंजिल, इमारत नं० ए-3, पूनम, पार्क प्लाट नं० 6, सी० एस० नं० 7/50 लाल बाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, लाल बाग, बम्बई 12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/6990/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंब रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 10~3-198 6

मोहरः

ेप्रक्षः नार्दः सी. एव. एव. -------

## शायकर गीर्भानयत्र, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-न (1) के नभीन स्थान

### नारत बहुकार

कार्यासय, सहायक आयकर नामुक्त (मिरीक्षण) श्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 मार्चे 1986

निदेण सं० ग्रई-1/37-ईई/7321/8 5-8 6--ग्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं कार्यालय प्रिमायसेंग नं 541, जो, बॉम्बे मार्केट ग्रपार्टमेंट को ऑप हाउसिंग सासायटी लिं , ताडदेव रोड, बम्बई—34 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्राय हर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है दिनौंक

12-7-1985

को पूर्वेषित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोषित समपतित का उचित बाजार कृष्य, असुके दृश्यमान प्रतिफल को पत्ति का प्रतिफल को पत्ति विश्वास सित्ति के बाध के बार कन्तरक (जन्तरकों) और बंठरिती (अन्तरितिकों) के बीच एते जन्तरक के जिए वर्ष पाया गया विश्वास के कार्याप्य के सिक्ति के बार कर्वर के जिए वर्ष पाया गया विश्वास के कार्याप्य के सिक्ति के बार्याप्य के सिक्ति के सिक

- (क) असरण से धुर्द किसी बान की नानत, उनक विधितियम के स्थीन कर दोने के अस्टिरक से शियत्व में केनी करने गाँउ खर्च ने पर्ने होंगिया के लिए; बीर/ना
- (थ) एसी किसी बाय या किसी भन या कर्य कास्तिमें कर्त, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

न्तर अब स्थत विभिन्निय की भारा 269-न की वनुबर्भ में, भी, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन . निस्तितिश्वित व्यक्तियों, वर्धति :---

- (1) श्रा जयंतीलाल खेतशीभाई शहा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नवीन चन्द्र धर्म चंदर्शिहा धौर श्रीमती उर्मिला बहन नवीन चन्द्र णहा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

इक्ट सम्बन्धि के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन की नवींच ना इत्त्रकाली व्यक्तिकों पुत सूचना की तानीब से 30 दिन को नवींच, को भी वंधीय नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पुत्रों नव व्यक्तियों में से कियी व्यक्तियु ब्लारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर केम्पीत में दिवावद्य किसी केच व्यक्ति द्वारा सभीहर्णतासरी के शास निश्चित में किए जा संस्थान ।

ं श्रेनकी करणः क्षेत्रकों समुख्युं क्षेत्रकों स्तिहर खेडी का है। श्रे क्षेत्रक्षेत्रका की विश्वासित हैं, निर्देशिया को स्ति के का क्षेत्राय में दियां गया है।

### ग्रमुभूची

कार्यालय प्रिमायमेस नं० 541, जो बाम्बे मार्केट श्रपार्टमेंट को० ऑप० सो गयटो लि० नाडदेव रो७, बम्बई-34 में स्थिन है।

ग्रन्सूची जैसाकी कि० सं० ग्राई-1/37-ईई/6878/85--86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनाँक 12-7-1985 की ईरजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमुद सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸1, बम्बई

दिनाँक: 10-3-1986

\_\_\_\_

# प्रकर आहे , दौ . एव<sub>ं प</sub>र्मु <sub>:</sub>-----

नायकर विधिनियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के विनित्त सूर्वना

#### मारत सहकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (पिरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7113/85-86-- ग्रतः मसे निसार श्रहमद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 47, जो 4थी मंजिल, मंत्री कार्नर को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० स्यानी रोड, और गोखले रोड का जंक्शन बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपाबत ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित और जिसका करारनामा

म्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है दिनांक 1-7-1985

की पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित बाजार सृस्य, उसके द्रयमान प्रतिकृत से, ए'से द्रयमान प्रतिकृत का प्रतुष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से जन्मरण के लिए तथ पामा प्रवाप्तिकत, निम्नलिखित उद््य से उक्त अन्तरण निस्तित में बाल्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध——

- (क) अन्यारण से हुई किसी आयु की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यारक क दायित्व में कमी करने में। उससे बचने में भित्रका के लिए; और/मा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'खक्त अधिनियम, या धनकर ज्यिनियम, 1957 (1957 ंका 27) से प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में ज्यिना से जिए;

्श्वतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म औ अनुदरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती राजदेवी सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामभया मृत्तैया गाजूला।

(भ्रतरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरिती और उनके परिवार सदस्य।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता ्री कि वह स्म्पत्ति में हितबहुध हैं)

को यह सूचना जारी करके प्वाबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
  45 विन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
  सूचना की तानीज से 30 दिन की वनिभ, को भी
  वनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दकारा;
- ा(ब) इस ब्रुक्त के स्थापन में प्रकाशन की तारीब हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए णालकों में।

ल्बच्चीकरणः --इसमें प्रयुक्त कंटों जीर पर्यों का, जो उपके जिमितयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होकेंद्र को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्स्यी

फ्लैंट नं० 47 जो 4थी, मंजिल, मंत्री कानेर की० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, स्यानी रोड और गोखले रोड का जंक्णन, बम्बई-25 में स्थित है।

यनुसूची जैसाकी कि सं० म्राई-1/37-ईई/6678/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-7-1985 की रजजस्टडं किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-3-1986

मोहर

# प्रकार जारित हों, प्रमुख प्रस्य कार्यकार जिथितियम्, 1961 (1961 का 43) की प्रश्रा 269-म (1) के जभीत स्वता

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० श्रर्ह-/137-ईई/7154/85-86-- श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

'आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 150, जो पहली, मंजिल, इसारत नं० 4, दि वरली प्रांबेडकर नगर को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 3/52 आंबेडकर नगर वरली बम्बई—28 में स्थित है और इससे उगबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित स्क्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफ ल से एसे दर्यमान प्रतिफ ल का यन्द्रह प्रीत्रशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निसिश्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निसिश्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्निस्त में आस्त्रीयक स्था से किसत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियन के जुधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य में कनी करूप वा उच्चे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या करण आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्याने जे सुविधा के लिए;

अतः बन, उनत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उनत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--मोहर । (1) पुटोडर कोरागा कामथ

(भंतरिती)

(2) श्री मित हराखवंती गांगजी गांगर और गांगजी वी० गांगर

(श्रंतरिती)

(3) धन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4)श्रन्तरक

्र वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

भी यह सूचना चार्री करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त स्म्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किया व्यक्तिर दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-श्रद्ध किसी अन्य स्थित इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याव में दिया गया है।

# अनुसूची

पर्लट नं० 150 जो 1ली, मंजिल, इमारत नं० 4, दिवरली भ्रांबेंडकर नगर को०-ग्राप० हाउँ सिंग सोसायटी लि०, 3/52, श्रांबेडकर नगर, वरली बम्बई-1 में स्थित है भ्रनसूची जैसाकी ऋ० सं० भ्रई-ई/37-ईई/679/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्धारा दिनांक 3-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

निसार ग्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, बम्बई

दिनांक 10-3-1986 मोहर प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, धिनांक 12 मार्च 1986

निवेश सं० श्र $\mathbf{\hat{z}}$ -1/37-ईई/7288/85-86--श्रतः मुक्षे, िसार श्रहमद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिष्ट्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० पलैंट नं० 18 जो 3री मंजिल, पीटर मार्केल अपार्टमेंटस, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित हैं। (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूण रुप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिजस्ट्री हैं
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) निकोलस डिसोझा

(अन्तरक)

(2) रजनी एक्स देसाई

(ग्रन्तरिती)

(3) बन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्वी

फ्लट नं० 18 जो 3री,मंजिल, पीटर माकल श्रपार्टमेंटस प्रभादेवी बम्बई—25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6845/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 10-3-198**6** 

भागकः विधिनियतः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थाना

#### भारत तरकार

# कार्वालय, बहायक वायकर नामुक्त (निर्माक्तक)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई क्षम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० श्चई-1/37-ईई/7336/85-86---श्चतः मुझे, निसार श्रहमद,

मायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्तें इसके परभात् 'उनत अभिनियम' कहा नवा हैं), की धाड़ा 269-ए के अभीन समान प्राधिकारी कहे, वह विश्वास करने के काएन हैं कि स्थानर तस्पत्ति, जितका उचित बाबार सूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लंट नं 235 जो इमारत नं 15, श्रादर्ण नगर को श्राप हार्जीस्य सोसायटी लि श्रभादेवी बम्बई – 25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रम् सूची और पूर्ण रूप से विणत है). और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 15-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के स्थमका वितिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मृत्य असके दृश्यमान प्रतिकत्त से एसे दृश्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत्त , निम्नितियात उद्वोक्य से उनत अक्तरूप विश्वित में बास्य- किस स्थ से क्रियत वहाँ किया व्या हैं—

- हिन्तरक संहुद्दं किसी बाव की वावतः, अक्त अधिनियम के कधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध कवने में सुविका
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य ब्रास्तिकों करो, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्राधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था जिन्मा में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन ् निक्कितिक व्यक्तिकों, वर्षात क् (1) श्री चंदुलाल एल० गोसरानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती साशि ज्ञान णर्मा और श्री भाउ वी० सर्मा

(श्रन्तरिती)

(4) भ्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्स संपरित के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

# जनक् संप्रिक्तके वर्षणः कैं:संबंधः में कोद्री भी वाक्षद्ः →--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविधि वा तरसम्बन्धी स्वित्यों पर सूत्रना की ताबील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (का) इस सूत्रजा के राष्ट्रसत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी के 'पात सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्ध किंग्ररण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्राकृतः

# मनुसूची

फ्लट नं० 235, जो इमारत नं० 15 म्रावर्ण नगर को० म्राप० हार्डीसग सोलायटी लि०, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है।

प्रतिभूवी जैसाकि कि० सं० प्राई-1/37—ईई/6894/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7—1985 को रज़ीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 12-3-1986

मोहरः

# प्रक्य बाइं.टी.एन.एस.-----

# भाषकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० अई-1/37-ईई/7223/85-86--मुझे भिक्षार अहमद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' सङ्घागया ह"), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मस्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ई-10/बी०, जो० संगम भवत को० आ२० हॅं(डिसिंग सोसायटी लि० कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है, फ्राँप जिसा करापनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री **दिनोक 8--7-1985** 

की पूर्वोक्स सम्प्रांत के उपित वाचार भूत्य से कम के व्यथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मु**फ्रेयह वि**ष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी नाय को शबत उक्त बीप नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाधिल्य में कामी कारने वा उसस वयने में सुविधा के लिए: गौर/या
- 镧 रिसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयाँ का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था था किया जाना चाडिए था छिएएने तो मुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

🛩 अभीर, विभवितस्वितस्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्रोमती सरस्वती जो० मनमुखानी।

(अन्तरक )

(2) श्री हीरो एम० िरपलानी।

(अन्नरिती)

(3) अन्त्र।

(बहुव्यक्तिजिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

**की वह सुचना जारी करकें** पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षी :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरभम्बन्धी व्यक्तियों पर सुष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **वर्ग गद में स**माप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यावतयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) ﴿सं सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

पर्लंट नं० इ— 10-स्वी०, जो० संगम भवत को० आप० हां जिन्म सो शायटी कुलाबा बम्बई – 5 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6787/ 85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-3-1986

# प्रकथ नाई. ही. एतं. एसं. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक शायकः वायकः (निर्देशकः)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेण सं० अई-1/37-ईई/7204/85-86--

अतः मुझे, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य वाजार मृल्य वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० पलैट नं ० 10 जो ए-विंग, भागनारी को ० आप ० हाउसिंग सोसायटी लि ०, चुनामट्टी बस्बई, 22 में स्थित हैं (श्रीर इसम उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विंगित हैं, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अश्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजीस्त्री हैं दिनांक 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित सामार मून्य से कम के दिश्यमान्न प्रतिका को सिए जन्तरित की गर्ड में बीर मूक्ते यह दिश्यास करने का कारण है कि अथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दिश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है जीर जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितयों) को बीच एसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जन: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणा में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (३) के अभीन, निम्नीलिक्षित व्यक्तियों, वर्षात् ह—

(1) श्री तारा चंद एल॰ छेडा ग्रांर र्श्वामती प्रेमलना बेन एल० छेडा

Market Stranger Commerce (1985)

(अन्धारका)

(2) श्री अशोक एस० गहा

(अन्तिनितीः)

का यह सूचना बासी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिय कार्यवाहियां करता हुं।

सकत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- -

- (क) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के अठ विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवहुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मार पदों का, वां उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं ० ए-10, जो ए-विंग, भागनारी को ०-आप ० हाउमिंग सोमायटी लि० चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जसारि ऋ० सं० थई-1/87-ईई/6168/ 85-86 झींग जो सक्षम प्राधितारी बग्बई द्वारा दिखा 5-7-1985 को ग्लीस्टई हिया गया है।

> निमार अहमद्व सक्षम प्राधिारी महासस्य प्रशासकर आसुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 12-3-1986

# प्ररूप माइ.टी.एन.एस.-----

भागभूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जल रेंज-1 अम्बई बम्बई दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० म्राई-1/37-जी/5257/85-86---म्रतः मुझे, लिसार म्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव जमीन का हिस्सा, प्लाट नंव 48, दादर मादुंगा (उत्तर) इस्टेट, उत्तर-पूर्व प्लाट नंव 19, प्लाट नंव 49, 50 47, तथा सर्वे नंव 814, और सीव एसव नंव 439/10, मादुंका डिबीजन, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक 15-7:85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती स्विताबेन, धनेष्वर, व्यास, श्री गिरीश जटाशंकर त्रिवेदी, किशोर, जटाशंकर त्रिवेदी, श्री त्रिपिन जटाणंकर त्रिवेदी, श्रीमती कुमुद्दांप्रविणचन्द्र द्वे, श्रीमती पुष्पा नविणचन्द्र जानी और श्रीमती रेखा, नरेंन्द्र मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रचागजी जादवजी ठक्कर, और श्रीमती कस्तुरवेन प्राग जी ठक्कर (सोनेटा)।

(ग्रन्तरिती)

भचड्त ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुभूची

श्रतुसूत्री जैसा कि विलेख सं० बाम, 2306/78, और जो उन रजिस्ट्रार, अम्बई द्वारा, दिल्मक 15-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया र ।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (लिरीकाण) ग्रर्जनरेंज,1, बम्बाई

# प्रमा पार्च हो हो। प्रमा प्रमान

# नापकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### भारत सहस्रह

# कार्बामय, सहायक जायकर जायकत (निर्यालक) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० श्राई-1/37हजो/5269/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,30,000/- रुपमें से अधिक हैं

और जिसकी संब्खुला जमील का हिस्सा, जो इमारत, के साथ प्लाट नं 210 ए, दादर माटुंगा, इस्टेट, और प्लाट नं 210 तया सर्वे नं 2/872 और सी एस । न 189/10, माटुंगा डिबीजन, बम्बई स्थित है )और इससे उपायद प्रमुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत दिनां क 23-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनिक्त के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमने में सुविधा के लिए।

अल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधित, निम्निनिचिट व्यक्तियों अर्थात क्र--- 1. श्रीमती जयलक्ष्मी जीवनलाल गांधी

(भ्रन्तरक)

- श्रजीत गोपालदास ठक्कर, और कल्पना ग्रजीत ठक्कर (श्रन्तरिती)
- 3. भाडूत

(वह व्यक्ति जिसके स्रभिथोग में दाम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाष्ट्रियां सुरू करता हुं।

उन्ह सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध , जो भी अविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पथ्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदौ का, जो उच्छ अभिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्व गया ही।

#### arn d

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बास 785/853, और जो उन रिजिस्ट्रार बम्बई द्वारा, दिनांक 23-7-1985 को रिजस्टार्ड किया गया है।

> निहार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्श (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

प्ररूप आर्हा, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई बब्बई दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं०ु आई-1/37-जी/5263/85-86--- श्रत: मुझे; निसार श्रहमद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० अमीन का हिस्सा, जो इमारत, के साथ "संभव" जिसका प्लाट नं० 41, सिवरी वडाला, जिसकी सी० सर्वे नं० 599, माटूगा, डिविजन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 25-7-85

को पूर्विक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उज़ित बाजार मूल्य बूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) बौर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तब पावा ग्या प्रतिफस निम्नविधित उज्ज्वेस्य से उन्तर सम्बर्ध निवित में बास्तिक स्प से कवित नहीं सिवा पना है।

- (क) अन्तरण से हुई किती आभ की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के दिलए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिभा के सिए;

बतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के क्रधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ■—  श्रीमती ज्योतिनि कुमारी वोरा, और श्रीमती मधुबेन सनतकुमार कोठारी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विपिन जीवन दास संपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी प्रिक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रम्परा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय़ जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त घट्टो और पदों का, जो उक्त अधिनियम., के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंख्ये

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 337/79, और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई क्वारा, दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> निसार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

#### माहत संस्थाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई-1/37-जी/5272/85-86—-ग्रतः मुझे निसार श्रहसद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पणनास 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्तका उचित्त बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा नया सर्वे- नं० 1-ई/2563, सी, सर्वे नं० 106 और (श्रंज), 1/105, परेल सिवरी डिविजन बम्बई में स्थित है (और इसमे उए बढ़ अनुसूचों में ग्रांगिजा पूर्ण कर नं विजित है) रिजर्स्ट्रीमित्री अधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीफरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक 22-7-86 का पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ बामा यया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (%) शन्तरण से हुइ किसी बाथ की धावत, उक्छ सीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से शाधित्य में कमी करने था उससे रणने में शिवधा से किस; मीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या काय आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाम चालिए;

बत: बंब, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त विभिन्नियम की भारा 269-च की उपभारत (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— श्रीमती बाईमाई, रूस्प इराणी।

(अन्दरकः)

2. श्री मर्नालाल पालत मारू श्रौर श्री विश्वतर्जी पालन मारू।

(अन्दरिती)

3. **भाउ**हा ।

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासपे :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संत्री स्मिक्तमों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तिओं में से किसी स्मिक्त द्वारा;
- (ख) इत स्वना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के काल जिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, भी उस मध्याय में दिया गया हैं।

#### मभ्स्ची

अनुयुची जैसा कि विलेख मं० बी-730/84, श्रांर जो उप रिजम्ट्रार बम्बई द्वारा, दिनांक 22-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निमार अहमुद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

# प्रकृत कार्ष्ट्र .टी. एनं . एस . -----मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अर्थान मुचना

#### भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जम रेज-1.

बम्बर्ड दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं ० आई-1/37-जी/5?65/85-86--अन: मुझे निसार अहमद

काद्भर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संरुजमीन बाहिस्सा जिस्हासीर यदें नंद 1/2475 428, 429, आंस् 427, परेल टॅन्क गोड, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरजो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिकल्टीर्ट्सा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्रीलरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-7-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसितं उद्देश्य में उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक क्ष्य में किपात तहीं किया गया है :---

- (फ) अन्तरण म हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियभ के बाधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बाँर/या
- (ए) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय झायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो नविभा थे लिए:

वतः वर, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भौ. मी जक्द अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा <equation-block> के अधीन, निरमीसिकत प्रक्रितकों सभात

 श्री विजय रामदत्त देशाई, रामन रामदत्त देशाई, लतिका खंडेलराय विजयकर, संघा, विटठल वैद्य, प्रतिभा रमेश कोठारे, श्रीमती विना जयन्त देलाई, अशोक जयन्त देमाई, चितामणि जयन्त देमाई, श्रीमती विद्या जयपाल कोठारे,

- 2. (1) उमासन्स एक्स-रे इक्युपमन्ट, प्रायवेट लि०,
  - (2) सिल्बर लाईट मिलेप्बेअर इंडस्ट्रं ज प्रायवेट लि ०
  - (3) मैसर्स आयनं देडर्स।

(अन्यरितो )

3 भाइत ।

(बहु ब्यक्ति जिसके अभि गि में सम्पत्ति है)

का यह सुचना जारी कारके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

# उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी प्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी बन्य भ्यक्सि दवारा अभोष्टस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विदा गया है।

# भन्**स्थी**

अनुभूची जैसा कि विलेख सं० वाम 2567/79 और जो उप रिजम्दार बम्बई द्वारा, दिनांक 30-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 7-3-1986

त्रकतः, बार्षः, दीः एतः एतः -----

भावकार अधिनिक्ज, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) से नधीन क्षमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (विश्रीकरू)

अर्जनरेंज-1,

बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० आई-1/37-जी/5268/85-86---अतः मुझे निसार अहमद

कायकर विभिन्नियम, 196. (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमः कहा गया है'), अभी वास 269-व के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विकास कारने का कारण है कि स्थानर बम्पीस, विकास उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं ं 178, सायन रोड, (पश्चिम), नया सर्वे नं ० 752, 753 और सी० सर्वे नं ० 178/6, सायन डिबीजम, प्लाट नं ० 178, सायन माटुंगा, इस्टेट, बम्बई में है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रांद इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रांद जो पूर्ण कप में विणित है) रिजस्ट्री नित्ती अधिकारी के कार्यालय, उन्हीं, में दिनस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-85

को प्रोक्त सम्मत्ति के अभित नामार मृत्य से कम के अपनाम विकल के लिए अंतरित की नहीं है और मृक्षे वह विकास कार है क्क्षे का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित आधार मृत्य, उसके क्यमंत्रन प्रतिकश्च से, एचे अपनान प्रतिकश्च का वंद्रह प्रतिचत से वर्षिक ही बीर अंतरक (वंदरकों) नीर वंतरिती (अन्तरितिओं) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पावा नया अतिकस्त, निम्नतिचित उद्दर्श से उच्या अन्तर्ण कि वित में वास्तिक कम से अधित नहीं किया नया है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिली नाम की बावत उनत निक-विवस के बचीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्हों क्याने में बृतिका के जिए कीए/या
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी भन या जन्य वास्तिकों की, चिन्हों भारतीय जाब-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, वा भन-कर विभिन्नियम, वा भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती वृवारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना काहिन् था कियाने में स्विभा के विस्तु

1. बादी बाई नानाबाई पश्टलकर।

(अन्दर्भ )

2. स्थाकण एस ० फुण्डे ।

(अन्तरिती)

उ. भाष्ट्रत ।

(बहु व्यक्ति जियके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासोन र्रेक्ट

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रवाजित की तारीज से 45 दिन की जयिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जबिंग, को भी अन्तर्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजन व्यक्तिस्थी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की वारीय सं 45 बिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्षुण किसी कन्य न्यक्ति कुमारा अथोइस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

क्ष्यां कर्षः — इसमे प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उन्हें विधिनियम, से सध्याय 20 के में परिभावित ही, बहुर कर्ष होता. जो उन्न जासका में दिस्स समा ही।

अनुसूची

अनुसुची जैसा कि कि विलेख सं० बाम-3383/82 ग्राँग जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनां के 22-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

अतः अस्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-3-1986

# प्रकृष् वार्<u>ष</u>े दौ<sub>ा</sub> एक् प्रवृ<sub>ावस्तरमञ</sub>

# नायकर निभिन्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के तथीन सुमना

#### SIZO SERIO

# कार्याक्य, सहायक नायकर जानुक्त (निद्वास्त्र)

अर्जनरेंज-1,

बम्बई, दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० आई-1/37-जी/5267/85-86--अनः मुझे निमार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भाषा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का सारम हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं ० शिवशंकर, भवन, जो प्रभादेवी, के पास, खें डगल्ली, काका साहेब मार्ग, टी०पी० एस०, नं० 4, माहीम डिविजन, प्लाट नं० 1020, सी० एस०, नं० 1298, लोअर परेल, डिवजिन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंब अनुसुची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजस्ट्री कर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्दित बालार मृत्य ने कन के परयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास सरने का कारण है कि बजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसको खयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नेव्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदय से उपत कन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्यित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आंव की बाबत उक्त अधि-निवास के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रेण्यार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के निए;

जतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् ः—

79-36GI/86

 श्रीमती रितुराग रामिकशन सिंग, श्रो शिवणंकर सिंग, राम किशन सिंह, श्री सुर्यभाष गिंह, राम किशन सिंह, नूलब देवी, राम किशन सिंह, श्रीर सरीज देवी रामिकशन सिंग ।

(अन्तर्क)

- 1. (1) रामजोवन एस विवारी,
  - (2) रामनाथ एस० तिवारी, श्रौर
  - (3) रामेश्वर एम० तिवारी।

(अन्तरिती)

3. भाडून ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का बहु चूथना ब्राडी करके पूर्वांक्स सम्पृत्ति के नुर्वन के सिष् कार्यवाहियां सुरू कारका हुई।

उनक जन्मरित की वर्णन की संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्रूचन के राज्यन को जन्मजन की तारीब से 45 दिन की बनीब ने तत्वस्त्रन्थी न्यन्तियों वर्ष सूचन की ताबीब से 30 दिन की बनीब, के बी बनीब नाद में समान्य होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी यानित स्वारा;
- (व) इस बुक्ता के राज्यक्य में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व के भीतर उच्च स्थावर शम्मीत में हिस्वव्य किसी जन्म व्यक्ति स्वाद्य अभोहत्ताक्षरी के शब लिखित में किस जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पृष्टी का, यो उनक मृथिनियम, के मध्याय 20-स में परिमाणित ही, बह्दी कर्य होगा जो जस मध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

अनुमुची जैसा कि विलख सं० बाम-2209/80 श्रीर जो उप रिजस्द्रार, बम्बई, द्वारा विनांक 22-7-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> निहार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-3-1986

प्रकार , बार्ड , टी<u>ड एक्ड एक</u>ड का का का

# भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के मधीन स्वना

#### भग्**रत सरकार**

# कार्यासय, सहायक भावकर बाव्यक्ष (निर्देशक)

प्रजीत रेंज-2, अम्बर्ष

बम्बई, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निर्देशका सं० श्रई-2/37-ईई/22141/84-85---यतः मुझे, प्रशाँत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी बं पलेट नं 33, इमारत नं 23, ग्राणिण, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध ग्रमुमी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्रोंकत सम्पत्ति को उभित बाजार मूक्य से कम के ज्यमाय प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मुक्तें यह विश्वाध करने का कारण है कि यथाप्नोंकत सम्पत्ति का उभित बाचार मूक्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितेयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गवा प्रतिफल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिसित में वास्तीवक रूप से किया नहीं किया गवा है।

- (क) अन्तरका से हुई किसी आस्य की कास्तर, उनके अधिनियम की अधीन कर दोने को अस्तरक सी दामित्व में कसी करने या उससे क्यूने में स्विधा के लिए; और/या
- (वा) ध्रेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था स्थिपाने में सुविभा अने लिए;

क्ष्तः अ**व उ**क्त विधिनयम की बारा 269-य व वक्तरच मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) निम्नलि न व्यक्तियों प्रथित :---  श्री राहुल एम० शर्मा श्रीर श्रीमतो नरींदर ग्रार० शर्मा

(ग्रन्तरक)

2. श्रो ग्रानंद प्रकाश वर्मा

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपत सम्पत्ति के वर्षन में सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🎞 —

- (क) इस स्वाना के राषपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्तीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्पन्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए वा सकीये।

स्वध्योकरव : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसू**ची

प्लेट नं० 33, जो इमारत नं० 23, श्राणिण को-श्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटे, गुरू नगर, चार बंगलोज, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-2/37-ईई/22141/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 11-3-1986

प्रकृप बाह्र , टी., एन., एत.,------

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन स्वना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  $\pi$  प्रतिन रेंज-2, बम्बई $\left| \frac{1}{2} \right|$  बम्बई, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22270/84-85---यतः मझे प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जी-67-ए, मनीक मोती, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रायिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4 जुलाई 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान भितिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तक्ष्मान प्रमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से शुक्त किसी बाब की बाबत उपकर जीध-नियम के बभीग कर दीने के बन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उसके बचने में सुविधा को सिये; बीर∕या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आंस्त्रियों को, भिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या भा मा किया नाना नाहिए था, कियाने में सुविधा ने लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रेअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री राजेन्द्र मिह विजय

(ग्रन्तरक)

\_\_\_\_\_\_.

2. श्रो नेमान्त्ला कूरेशी

(अन्तरिती)

को यह सुबना धारीं करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपक्षित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध मा उत्स्वंभी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा, परे उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

फ्लेंट नं जी-67-ए, जो मनीक माती श्रपार्टमेंट, सरला को॰ श्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटे॰, ्लोट नं ॰ 29-ए, यारी रोड़ वसीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० भ्रई-2/37-ईई/22270/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वोरा दिनाँक 4-7-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

# प्रका नार्द्<sub>त दर्भ प्रस्तु प्रस्तु सम्बद्धाः</sub>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) को अधीन सूचना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22287/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय.

नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) (किन इसमें इसके परचात् 'उन्ता निधीनयम' कहा गना हैं), की नारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का वह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिनका शिवत नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 46, बी० विग, स्रवितास, स्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यौलय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाबार मूक्य से कम के बश्यमान मिरफस के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाबार पूर्य, उसके सम्प्रमान प्रतिकल से एसे सम्प्रमान प्रतिकल का बन्दह प्रतिकत से अधिक है और बन्दरक (बन्दरका) और अंतरिती (बंदरितियाँ) के बीच देशे सन्तर्क के लिए सब दावा ज्या प्रतिकल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्दरम सिवित में नास्तिवक रूप से कांधित मही किया पता है :---

- (क) जन्मरण वे हुन्दै किसी नाव की बावत सकत स्थित नियम के अभीन कर दोने के बलरफ के बायित्व में कमी कर्ने या उपसे वचने में सुविधा के निर् वृदि/वा
- (स) एंसी किसी बाय वा किसी भन वा बन्य कास्तिकों को, चिन्हें भारतीय बायकर किमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भनकर किमिनयम, या भनकर किमिनयम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए बा, छिपाने में सुविधा के बिद्ध;

भेतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्हरूप में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) क्षे दर्यात, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, जधाँत:— 1. श्रीमती एस० जी० शर्मा

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती बोलार वासंती राव ग्रीर श्री ए० एस० के० राव

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धित के अर्थन के विष्यु

उन्त सम्मत्ति के सर्वम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इक बुक्जा के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 विन् की स्विधि से 15 विन् की स्विधि से 15 विन की स्विधि से 15 विषय के स्विधि से स्विधि को भी अविधि वाद में स्वाच्य होती हो, के शीतर पूर्वोक्य क्वित्यों में से किसी कावित स्वाच्य होती का
- (व) इस सूजना के राजपण में मुखाबन की ताशीच के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध फिसी करू व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए था सकोंगे।

# अनुसूची

पलैट नं० 46, ,जो चीथी मंजिल, बी० विंग, श्रविनाण, सात बंगलोज, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। श्रनुस्ची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/22287/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-3-1986

# प्रथम बाह् ु दौ हु पुन् हुम हुन-न-----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के ब्रभीन सुब्का

#### साइव ब्रह्मसूड

# कार्याबन्, यहायक नायकर नामुक्त (निर्हाकन)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निर्द्रोण सं० ग्रई-2/37-ईई/22297/84-85~-प्रतः [सुझे, प्रशाँत राय,

श्रीमकड श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे द्वाने द्वाने प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण थे कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का स्वित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, सी० ग्रीन, श्रिधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रिबीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4 जुलाई 1985 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मून्य से कम के रहममान शितका के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके रहयमान प्रतिकत से एसे रहममान प्रतिकत का मन्द्रह प्रतिशत से मिथक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम बमा प्रतिकत, निम्नतिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि नियत पाम वसा प्रतिकत, निम्नतिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि नियत पाम वसा प्रतिकत, निम्नतिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि नियत वसा वसा वसा के स्थान का का स्थान कर से किथत वहाँ किया पता है द—

- (क) बन्तरण से हुई किया बाय की बावक, उनक वृधिनियम के संबीत कर दोने के बन्तरक के साथित्व में कानी करने वा उन्ने क्या में बृधिया के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तिनों नो, विन्हीं भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम या धन-कर निधिनयम या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना नाहिन्द था कियाने में धरनथा के निका

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) 1. श्रीमती मलैक शौकत श्रली दींगनकर।

(ग्रन्तरक')

2. श्रीमती माधवी त्रानंदकमार ग्वालानी।

(भ्रन्तरिती)

की वह शूचना धारी करने पूर्वोंनत् सम्पृत्ति के नर्चन् के निष्ट कार्यनाहियां करता हुं।

# क्ष्मत सम्मत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पटिकोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### -

फ्लैंट नं० 506, जो सी० ग्रीन, जे०पी० रोड़, सात बंगलोज, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कि० सं० प्रई-2/37-ईई/22297/84 85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रंजन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 11-3-1986

भायकर विधित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के वधीन स्वता

#### बारट सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 21 मार्च, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-2/37-ईई/22298/84-85--न्न्रतः मुझे, प्रणाँत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, विश्वका उपित गाणार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० ए-25/101, गीरनार, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य ते काम के जनसभाव प्रतिकत को लिए अंतरित की गई

है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, शूसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विश्वक है और भतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंचे बतरण के निए तय पाया गया प्रतिफन, निस्नसिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण निखित में बास्तिवक रूप से किन्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के वार्षित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या कसी अन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं कारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा खे लिए:

कतः अन, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उमत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कं क्षीण, गिल्लीलिक्ट व्यक्तियों सर्थात ॥—— श्री एन० एम० तेजवानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लाल जे० लालवानी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन में सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राअपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में क्रिया गया है।

#### श्रनुभूची

पलेट नं॰ ए-25/101, जो गीरनार, ग्रयना घर, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी कि सं अर्ध-2/37-ईई/22298/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाँक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2: बम्बई

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

् निर्देश सं० भ्राई-2/37-ईई/22393/84-85--श्रतः मुझे प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 4, मी केस्ट सोमायटी संघेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (स्रौर इसो उपायद्ध स्रनुसूची म स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर स्रधि-नियम की धारा 269 के, खे के स्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25 जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यकान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्नरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तिक क्ष्य रे कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काष्ट्रिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः प्रज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्ष्म अधिनियम की भारा 269-घ की उपात्तरा (1) के अभीरा, निवर्गलिखित व्यक्तियों, अभीत् हरूर 1. श्री एचं० पी० गुप्ता।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजन नारमेला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता क्ष्मिक किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोंन।

क्रक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कम्लों और पत्रों का, को उपस अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावितः हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्यत्रय में दिया। गया है।

# **म**न्स्**ची**

शाप नं० 4, जो सी० ऋस्ट को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भात बंगलोज, जे० पी० रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई -400061 में स्थित है।

श्रमुस्वी जैसाकी कि सं श्रई-2/37-ईई/22393/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशौत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्यई

तारी**ख**: 11-3-1986

प्रक्ष कार्युं ही । एन । एक . -----

नावकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत चडुकार

कार्यासय, सहायक कायकर जायकत (निराधान)

म्राजिन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 मार्च, 1986

निद्रेश सं० श्रई-2/37ईई/22435/84-85--- म्रतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उपित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लैट नं० 4, गौतम वर्णन, श्रन्धेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 260क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है तारीख 5-7-85

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पहसमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्ते वह विद्वास करने का कारण है

कि सथापूर्वोक्त सम्बर्ति का उषित वाजार मृस्य, उसके वश्य-मान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निक्त-सिरिवत उच्चेश्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाब की वावत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के श्रीवरण में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए? जीट/वा
- (था) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा धा या किया वाना चाहिए था खिपाने में भ्विभा से निए:

कतः। कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मं, भं उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ( ) प्रतिसर्वे स्रानार्त फूडस प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिक)
  - (2) श्री कृष्ण कुमार तयाल (ग्रन्तरिती)

की वह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सुन्यत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां सुक्त करता हुं।

उक्क कुल्लील के बर्जन के कम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस त्वता को रावपन में प्रकाशन की ठारीब में 45 दिन की बर्बीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नाम स्वता की तामील से 30 दिन की बर्बीय, जो भी वर्बीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र को प्रकाशन की सारीक के 45 किन के जीतर उपल स्थादर सम्मेरित में हिस्तकृष कियी अन्य व्यक्तित व्यारा अभोहस्ताकरी के पाव .सास्त मां किए जा सकीये ।

स्वक्यकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पर्यों का, जी अवस्य विभिनियम को जभ्याय 20-क में परिकाणिय है वहीं वर्ध होगा, जो उस अभ्यास में विदस वसा है ॥

#### वन्युकी

फ्लैंट नं० 4, जो तल मंजिल, गौतम दर्शन, सात बंगलोज, बसोंबा रोड, ग्रंधरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

धनं सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/22435/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 5-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 11-3-1986

क्षण्य **महा**े जी हु हुन . एतं . • • • ००००

भागकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की परख 269-म (1) के समीन क्यमा

#### STEEL SECTION

कारीकर, सहारक नारकर बार्क्स (निरीक्षण)

ग्राजेंन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 11 सार्च 1986

र्षे निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/22471/84-95---भतः मुझे, प्रशांत राय

भारकर विधिनमम, 1961 (1961 का 43) विभिन्ने इसमें इसके नरवात् 'उन्द्र स्थिनियम' बहा गया ही, की भारत 269-स में वधीन समान प्रतिकारी की वह विकास करने का नक्ष्म ही कि स्थानर संस्थित विश्वका स्थित नामार भूका 1,00,000/-रु. से विभिन्न ही

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 128/ई, मधुबन, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा भायकर भिधिनियम की धारा 269क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 8-7-85

को पूर्वेक्त तम्पित में उचित बाबार मूच्य वे कव के बक्तजान विकास के विक् मण्डिक की गर्द हैं और मुन्ने यह विकास करने का कारण हैं कि वचम्युक्तिय कम्मीक का बिनात बाकार मूच्य, उसके क्ष्मयमान प्रविक्ता से पूर्व क्ष्मयान प्रतिक्ता का प्रवृद्ध प्रविक्षय अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे कम्बरण के सिए तथ यात्रा गया इक्तियन, निम्मिसिक स्वरूपेश्य से उसका बन्तरण किक्तिक पंजाकित क्षम से समित महीं किया बया है कम्म

- (का) अन्य / का है । अपूर्व किन्द्री बाव की बार खा, क्या विश्वित के अधीन कर दोने के अध्यक्त के स्वित्त में काश करते या उससे अधान में सुविधा की लिए;
- (क) इंसी किसी बाम मा किसी थण मा तक कारिसाली को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवांग्लार्थ करूरिसी क्कारा प्रभाट नहीं किया क्या था मा किया जाना याहिए था. क्यान् वे स्थिया के हिन्दु:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की ग्रंपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---80---36GI/86 (1) श्रीमती नफीसा ए० हमीद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनीस खान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्ट संपक्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्ती में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अभूस्पी

फ्लैट नं 128/ई, मधुबन, इंडीयन घ्राइल नगर के पास, जै पो रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। प्रमुखी जैसा कि क० सं श्राई-2/37-ईई/22471/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाँक 8-7-85 को रजिस्टर किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक: 11-3-1986

म्रत: मभी प्रशांत राय

# प्रकार कार्य है ही, एवं, एवं, \*\*\*\*\*

बायकर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वमा

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरक्षिण)
प्रजंन रेंज-2 बम्बई
बम्बई दिनांक 11 मार्च 1986
निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/22480/85-86--

भागकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 'कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० बी० 24 गंगा भवन अधेरी (पिं बम्बई-6ह में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूणं रुप से विजित और जिसका करारनमा प्रायक्तर प्रिवित्यम 1961 को धारा 261 क, ख के प्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 8-7-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार बूस्प वे कम के क्यमान बिश्मिल के लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बूस्प, उसके देवयमान प्रतिकल से ऐसे देवयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पावा गया दित्रल निम्नसिचित उद्देवय से उच्त बंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, जरूर जिथितियन के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा से सिएह बाँड/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, चिन्ही भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धार्य 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिसिक्त व्यक्तिओं, सर्थात् मान्स (1) भरे गोपाल एस० नारंग।

(भन्तरक)

(2) बेगम तसरीन महमद खात और महारुख खान।

(भ्रन्तरितो)

को वह तुवना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त इस्पत्ति के अर्थन के तंत्रंथ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्त्रज्ञन्थी स्विक्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संघाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त स्विक्तयों में ते किसी स्विक्त द्रायः;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवध किही बन्ध व्यक्ति वृशारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए या सकेंचे।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकतः जिथीनयम के जभ्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया वस हैं।

# गगुसूची

पलैट नं० बी--24 जो 2रो, मंजिल, गंगा भवन जय रोड, वसींवा घंधेरी (पी), बम्बई 400061 में स्थित है। ध्रनुसूची जैमािक ऋ० सं० धई--2/37--ईई/22480/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 8-7--1985 को रजीस्टर्ड किया गया है

> प्रणांत रोय सक्षम प्रात्धका सहायक श्रायकर धायुक्त (िरीक्षण) श्रजेत रेजें 2,

दिनांक। 11-3-1986 मोहर। प्रस्म बाइ. टी. एन. एक. -----

# बायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सुमना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेण सं अई--2/37--ईई/22494/84--85---

मत: मुझे प्रशांत राय

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्स इसके परवात् 'उकत निधीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-द के नुधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

और जिसकी संव फ्लैट नंव 1304 कांचन गंगां प्रधेरी (पई, बम्बई-68 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूटों में और पूर्ण रुप से बणित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजस्टों है। दिनांक 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गना प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण निजित्त में अन्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते क्वने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के रिए;

अतः अदः, नक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के, बनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिकित स्थितकार, विकास स्थापन स्यापन स्थापन स

(1) श्रीमतो सीता बाई एम० डीसोजा ऑर श्रो श्रशीक एम० डोसीजा।

(श्रन्धरक)

(2) श्रोमती उषा प्रभाकर समाजी और कुमारो और कुमारी उलका प्रभाकर समाजी। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी जन्म स्थानित स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में से किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका पत्रा है।

#### सगत्त्वी

पलैट नं 1304 जो तेरह्वीं मंजिल, कांचा गंगा कांचन गंगा को श्राप हाउमिंग सोसायटो लिन्टिंड प्लाट नं 9-10 जे पी रोड, श्रधेरी (पी), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं० श्रई-2/37-ईई/22494/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सेक्षम प्राधिकारी संद्रायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज--2, बस्बई

दिनांक। 11-3-1986

मोहर।

# प्ररूप बार्च, टौ. एनः एस अन्न-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### THE TRUE

कार्बासम, सहायक बाधकर जानुक्त (निरोधन)

श्चर्जन रेंज⊷2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986 निवेण सं० श्वई--2/37ईई/22495/84~85---श्रहा मुझे, प्रणात राय,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके प्रशास 'उक्त विश्वितमम' कहा गया हैं), की धारा 269-स वे अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त हैं

और जिसको मं० पर्लंट नं० 115/116, इमारत नं० 42, डो० विग प्रमुख कुपा सीसायटो, प्रधेरी 

[(प), बम्बई 58 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विशिष्ठ हैं, और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं दिनाक 11--7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मूझे यह विस्थास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का अवित बाजार पून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गवा बिकल , निम्निसित उद्देश्य से उच्च अन्तरण किवित के बास्यविक रूप से कीवत नहीं विका वदा है हिला

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की दावत, स्वयं अभिनियम के अभीन कर दोने से बन्तरक बो वाजित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुनिया के लिए; शैर/या
- (च) ऐसी किसी नाम मा किसी भन मा बस्यः नास्तिवाँ की जिन्हों भारतीय आयकर मिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना चाहिए ना, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियमें, वर्जात ह— (1) श्रो एम० एच० मीब्रा और श्रोमती मीरा मीब्रा:

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो महम्मद युमुफ ए० ढोलाकीया श्रो मोहम्मद इकबाल ए० ढोलाकीया और श्री सज्जदला ए० ढोलाकीया ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्बद्धि के वर्षन से सम्बद्ध में कोई भी नाकर ए---

- (क) इस त्याना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जबीध या तत्त्रम्यप्ती व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थीपत ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीकः से 45 किन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए या सकोंगे।

स्वक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त कक्यों और पर्यों का, को उपक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक्ष हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

# प्रनसूची

फ्लैट नं० 115/116, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 42, डी०, बिग प्रमुख कृपा को०---श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मनीश नगर, जे० पी० रोड, अधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाके कि० सं० श्रई-2/37-ईई/22495/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रमात रागु सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनौंस 6-3-1986 मोहर। प्ररूप नार्षं. टी. एन. एस.------

नावनर निधिनयन; 1961 (1961 ना 43) नी भारी 269-न (1) के नधीन सूचना

# भारत सरकार

# कार्याजन, सहाजक नावकर जासूक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश सं० घई-2/37-ईई/22535/85-86---धहा: मुझे प्रशांत राय,

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें शकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्भावर तम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अभिक है

भौर जिसको सं० फ्लैंट नं० 1 रतनदीय प्रधेरी (प), बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुभूची में पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के प्रधीन बस्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है दिनांक 11-7-1985

को पूर्वोक्त तस्पीस के उपित बाजार मूल्य से कान के क्षवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तस्पीत का उपित बाजार मूल्य, इसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का कंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकत, निम्नतिसित उपयोध्य से उच्या अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुन्द्रं किती आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उत्तरी वचने में बृविधा के लिए; औरं/बा
- (क) एरेती किसी आब वा किसी भग या जनमा आरिस्तवों को , जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम , या भनकर अभिनियम , या भनकर अभिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था , डियाने में सुविधा के रिसंद;

अक्ष: अवं, उक्त औधनियम की धारा 269-ग के अनुबरण कों, कीं, उक्त औधनियम की धारा 269-वांकी उपधारां (1) कों कभीन, निकालिकित व्यक्तियों, क्यांक् क्र-- (1) भुनांका वानस्ट्रक्कान को०

(श्रन्त्रप्रक्र)

(2) श्रां मती गैला श्रार० डोसोना और श्री रामसे जे० डिसं।जा

(श्रन्तिरिती)

को नहं सूचना जारी करके पूर्वीवत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वस्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

#### मनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो पहली मंजिल, रत्नदीप, 27 सी जर रो, अंधेरी, बम्बई में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37-ईई/22535/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांकः 11-7-1985 को राजस्टई किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राप्तकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 11-3-1986

# प्रकर प्रार्थ हो .हर .एव ..----

# नामकर निवित्तनम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूनना आफार अध्याद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

मतः, मृशे प्रशांत राय, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधक हुं
भौर जिसकी सं० फलेंट नं० 33 ए, सन एन० सी०
प्रधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित हैं), और जिसका
करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री हैं दिनांक 11-7-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान
प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्दोष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्ट; बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्स आस्तियां की, जिन्हें अरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भे अधीन, निम्निशिक्षित व्यक्तियों, अधीक :-- 1 श्री जयरग बनाजी

(भ्रन्तरक)

2. श्री कान्तीलाल जयन्तीलाल वोराऔर श्री धनराज कान्ती लाल धोरा

(मन्तरक)

का यह स्वमा जारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताथील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षाया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किनी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्टिन्त में किए जा सकोंगे।

स्वयोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 33-ए जो छठवी मंजिल, ए बिल्डिंग, सन-एन-सी, प्लाट नं25, जयप्रकाश रोड, वसौंबा रोड, बम्बई-40006 में स्थित है

प्रनुसूची जसाकी करु सं० प्रहै-2/37-ईई/22593/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक जो 11-7-1985 को रजीस्टर्ज किया गया है।

प्रशांत<sup>र्च</sup> राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

धिनांक 1-3-1986 मोहर:

# प्रकार बाही, टी. एन. एस. -----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च, 1986

निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/22593/84-85-- - यत: मुझे प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 604 सागर कन्या बिल्डिंग अंधेरी (प) धम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करार नामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 11 जुलाई 1985

को पृथोंक्त सम्मित को उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयनाल प्रतिकल को निए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भात का उचित बाजार मृत्य, जरके द्रयमान प्रतिकल से पृत्ते क्रयमान प्रतिकल के पंक्ष प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अक्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाम। गवा प्रतिकल मिन्नीवित उद्वंश्य से उन्त बन्तरण जिल्हा में बालादिक रूप से काथत नहीं किया गवा है है

- (क) अन्तरण से इ.इ. किसी आव की बाबत, अक्त नियम के लधीन कर दोने के लंतरक के दाबित्थ में कमी कदने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कें जिए?

अंधः वसः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मैं. में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधासः (1) के उधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अभीत् :—- 1. श्री एन० के० गूलाटी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बीना सी० राव।

(भन्तरिती)

अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, जो भी श्राची वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र म श्रकाशन की तारीस सं 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य कथित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्राकरण:---इसमें प्रश्वक्ष शब्दों और पर्वो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

# अपूज्यी

फ्लेट नं० 604 जो दूसरी मंजिलक्क सागर कन्या विलिडग सात बंगलोज जे०पी० रोड अंग्रेरी (प) बम्बई-400061 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-2/)7ईई/22593/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 11-3-1986

मोहर.

प्ररूप बाइ. टी. एव. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन र्रेज-2, बम्बहै

बम्बहैं दिनांक १ 10 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-2/37-ईई/2260/84-85--स्रतः मुझे, प्रणांत राय

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर करपति, जिसका उपिक बाबार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० बी. शबनम, बिल्डिंग मधेरी (प), बम्बई-58में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची और पूर्ण हप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकम के लिए संतरित की गई है और मूक्षे वह विश्वास कच्चें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दासिका में कभी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती खबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सृविधा के न्लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्मसिषित व्यक्तियों, जर्थात्:— (1) श्री डेरीयस इंजीनियर

( बन्तरक)

(2) श्री मती विरमती कांचनलाल और श्री अमंत के॰ चीनीवाला

(झन्सरिती)

की यह प्यमा बारी भारके पूर्वोचल सञ्जीत के वर्षन के विका कार्यवाहियां करता हो।

उन्त राज्यीत के नर्जन के साजन्य में कोई भी नालेंग हन्न

- (क) इस सूचना के राजधन में त्रक्तकान की तारीस ते 45 दिन की समीच या तत्कम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तानीज से 30 दिन की अमीध, को औ अमीध बाद में क्याप्त होता हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति क्याप्त;
- (व) अब क्ष्यम के समयन में प्रकारन आहे तारीय के A5 जिल के औतर इक्त कामर कम्पीरा में हिस्कान के विकास का का किस क्षारा निर्माणकारण के शहर शिक्त में किए या वर्षों ।

स्वक्रीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, को अवध जीभीनवात, के अध्याय 20-क में परिधानिकत हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विधा नवा है।

# नगृत्वी

पलैंट तं० बी० /16/जो० पहली मंजिल शवतम बिस्बिंग 18 ग्राफ जुहू सेत, ग्रिश्चेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्राई-2/37-ईई/22601/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रार्यं सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 10-3-1986

मोइर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बस्बई

बम्बई दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/22610/84-75--

म्रतः मुझें प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० बी०-21 साई० श्रपार्टमेंट श्रपार्टमेंट श्रपार्टमेंट श्रपार्टमेंट श्रपार्टमेंट श्रपेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 क, खं के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 17-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिवित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, अक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधी कि निम्निसिवित व्यक्तियों, अधिक् हि——
8 1—36GI/86

- (1) मेमर्स सी० एक० जैन फैमिली ट्रस्ट (भ्रम्लरक)
- (2) श्रीमती गायली दास और श्री बी० के० दास (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकीं।

स्पब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्थी

पल ट नं० बी० 21 जो साई प्रपार्टमेंट को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड वर्सीवा रोड, सात बंगलोज प्रघेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० भ्रई-2/37-ईई/22610/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है.

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजंन रेंज-2, बम्बई

चिनांक: 10-3-1986

प्रकल बार्च .टी.एन.एस. -----

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वभीन न्थना

#### नारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) फूर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 11 मार्च 1986 नर्दोंग सं० फ्रई-2/37-ईई/22611/84-85--

**प्रत मुझ**े प्रणांत राय

क्षेयको भिनियम, 1961 (1961 का 43) (दिसे इसवी इसको परवास् , 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, चिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० एफ० 19 एवरणाइन नं०
2 प्रधेरी (प), बम्बई-58 में ल्यित है (और इससे
उपागद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और
जिसपा वारारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 को
धारो 269 के, ख के प्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिएही हैं 5 दिनाक 11-7-198 5
को पूर्वोक्त कम्बित के अधित बाबार कृष्य से कम के प्रवक्तव
विश्वक के सिए अन्तरित की वह है और कुछ यह विश्वनस
करने का कारण है कि अधावाँ के संपत्ति का उपित बाबार
कृष्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का
विश्व प्रविचत से बिषक है और जैतरक (जैतरक) और संवरिती
(बम्बरितियों) से बीच एसे बन्तरण से लिए तब पाना प्रतिकम निम्बतिविध उन्होंने से उपा कमारण कि बिह्न में वास्तुविश्व कम ने स्वित्त वहीं किया कम है !---

- (क) मन्तरण से ष्टुड़ों किसी बाय की बाबत संख्या स्वीध-विश्वल में वधीन कर बोने के सन्तरक के वाविश्व में कनी करने वा सबसे बचने में बृश्विमा के फिल्; नार/या
- (क) ऐसी किसी जांव वा किसी धन या जन्त आस्तिनी की, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त वाधिनियम, ग्रांधन कर विधिनियम, ग्रांधन कर विधिनियम, ग्रांधन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गर्वा था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा की विद्या

कतः अथ उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुतरण में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, जर्भात् :---- (1) श्री धार० एस० सोधानो

(श्रन्तरक)

(2) श्रो एम० दिन्श्वनाथन

(भ्रन्धिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति वे वर्षन के जिल्क कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तम्परित में विर्वेत के तेविथ में काई भी नामेंप :---

- (क) इंस पुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की जनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिथ, को और नविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हिसकेष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वांग अभोहस्ताकारी के पांच निकास में किए जा सकती।

स्वकारिकरणः--इसमें प्रमुक्त शब्दों बार पदा का, को स्वयं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही बर्च होगा को उस सध्याय में दिना गया हो।

# अनुसूची

फ्लैट नं प्फिल्म 19, जो बीयो मंजिल, एवरणाइन नं 2 को अपि हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं 142/2 ए और बोल जय प्रकाण रोड, प्रधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसार्कः ऋ० सं० आई ·2/37-ईई/22611/ 84-85 और जो सक्षत प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजास्टर्ड किया गया है।

> प्रणास राध सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राधकर श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेंज--2, बम्बई

दिन्तंक : 11-·3-1986

# प्रकृप् जाइ .टी.एन. एस.-----

# भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन तूमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीकण)

श्रर्जन रेंज→2, बम्बई बम्बई, दिन्तंक 11 मार्च 1986 निदेग सं० श्रई--2/37--ईई/22631/85--85---ेश्रत: मुझे प्रणॉल राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/-र. स का धक हैं
और जिसकी सं० पर्लंट नं० 11 श्रू लंबेला को० श्राप० हाउ सिंग
सोसायटी लिमिटेड ग्रेंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (और
इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणत हैं),
और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के श्रद्धीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजोस्ट्री हैं दिनांक 11-7-1985
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से विधक हैं और अंतरक (अंतरकार्रे) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, खनत बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरक में, में-, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की जपधारा (1) के अधीत, निम्नीलिखित व्यक्तियों वर्षात :--- (1) प्रफूल नारायन रंगायगोनको ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रवण कुमार वासंत साजवी।

(प्रस्करितंत)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां सूरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

# प्रनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो तोसरी मंजिल, ग्रलबेला कोी, ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड जूह लेन अंधेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित है

जनुसूची जैसाको कर संर श्रई-2/37–ईई/22631/84–85 और जो सक्षम प्रशिधकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11–7–1985 को रजीस्टर्ड किया गया है

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 11--3--1986

मोहर : ं

प्रारूप बाह् .टी.एन.एस. . . . . . . . . . .

जायंकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के जभीत सुवना

#### भारत चरकार

कार्याजय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० मई--2/37--ईई/22802/84--85---मत: मुझे प्रशांस राय,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 37 इमारत नं० 34, बो विंग भेंबेरो गुरूछाया मनोग नगर भंधेरी बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के 'अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारों के कार्यालय में रूपेस्ट्री है, दिनांक 18-7-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

भूभो यह विषयासं करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निनिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया नया है है ---

- (क) जन्तरण ते हुई कितीं जाग की गावतं, उक्त अधिमिश्रम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर्/का
- (भ) ऐसी किसी आय वा किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था अध्याने में स्विभा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयंता कुमार नंदा

(भन्तरक)

(2) श्रामती सर्विता सिन्हा राय

(अन्तरिता)

की वह सूचना <u>चारी कुरके प्वॉक्त सम्भित्त के विष</u> कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बयत बन्धील के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयवृष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा व्योहस्तः भूरी के पास सिवत के किए का सकेंचे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ श्रेणा जो उस अध्याय में विया स्या है।

# जन्स्की

पलैट नं० 37, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं०
34 बी० विंग अधिरो गुरूछाया को० आप० हाउसिंग
सोसायटो लिमिटेड, मनीश नग, चार बंगलोज जे०
पी० रोड, अधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं
अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-2/37%ईई/22802/
84-85 और जो संक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक
18-7-1985 को जीरस्टर्ड किया गया है

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, बम्बई

दिनांक: 11-3-1986

# प्ररूप जाई.टी.एन.एस.------

# आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986 \_िन्दिंग सं० श्रई--2/37--ईई/22895/84--85----

श्रतः मुझे प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

और जिसक। सं० फ्लैट नं० बा--10 सह्थाद्वो, प्रधेरो (प), बम्बई--58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूचों में और पूर्ण रूप के विणित हैं), और जिसका करारनाया प्रायकर प्रधिनियम 1961को धारा 269 क, ख के प्रयोग बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं दिनांक 11--7-1985

-का प्रांक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांक्ति सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके बर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आम मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिचित स्पक्तियों, अर्थात् --- (1 श्रो विष्गु पूडलीक कामधा

(अन्सरक)

- (3) श्रामतो विधालक्ष्मो पूडलाय कानो (ध्रहारिता)
- (3) श्रा बांव पांव कामथ। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्परित में द्वितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पवाँ का जो उन्नत निधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### सरसंची

फ्लैंट नं० बो०-10 जो सहयाद्रो को० ध्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लल्लूभाई पार्क ध्रधेरो (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

धनुसूचो जैसा ऋ०िक सं० ध्रई-2/37।ईई/22895/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बस्बई

दिनांक: 11-3-1986

# क्ष्मा जाद<u>ी. दी. एव. एव.</u> .-----

# बायकर वरिशियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (१) के बधीन सुचना

#### भारत तरकाड

# कार्यानन, तहानक नामकट नान्तत (गिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 11 मार्च 1986

निदेश सं० श्र**ई**→2/37—ईई/22**9**45/**84**→**8**5→-श्रनः सुझे, प्रशाँत रायः

कायक र जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उसत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 22, इमारत नं० 24, श्राशिण, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीर जिनका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, की धारा 269 क. ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 19-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार बूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिश्चित के बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया वना हैं

- (कः) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विभिन्न निम्निलिखिए व्यक्तियों, अथॉत :--

1. श्री के० महादेवन।

(भन्तरक)

2. श्री श्रनवर महमद हुसेन मर्चेट।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी, वासीस वास में स्वास्त होती हो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इव सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व वे 45 दिन के भीतर उक्स स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभाहेहसाक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

# अनुसूची

पलैंट नं० 22, जो, तो उरी मंजिल, इमारत नं० 24, स्नाभिश को० आप० हाउसिंग सो नायटो लिमिटेड, चार बंगलोज, गुरु नगर, संघेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37-ईई/22945/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रोय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11~3~1986

प्ररूप बाइ". टी, एन. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रई 2/37 ईई/22967/84-85 श्रनः मुझे, प्रशांति राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 602, शंग्रीला श्रपार्टमेंट अंधेरी (प०) बम्बई-61 स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा कालए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्रीमती ग्रमित कौर ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री डी० एन० सवाई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों ता सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

# उक्त तम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वासरे ---

- (क) इस त्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित्त में किये जा सकेंगे

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं के होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अनुसूचा

प्लैट नं० 602, जो शंग्रीला श्रपार्टमेंट 2, सात बंगलोज, अंधेरी (प०), बम्बई-40006 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं ध्राह-2/37~ईई/22967/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 22-7~1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर **शा**युक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 10-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनौंक 11 मार्च 1986

निह्नश सं० श्रई-2/37-ईई/23006/84~85--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, पश्चिम, पूरव पश्चिम सोसा-यटी, श्रंधेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मेंरजिस्टा है दिनाँक 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्रयमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिकान से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गण्धा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औं अधीन, निम्नीलेखिन श्रावितयों, अर्थात् :--- 1. श्री वीना दोसाभय रंडेरीया।

(प्रन्तरक)

2. मैं सर्भ एजेंसीज भराउण्ड

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्तित, जिनके ऋधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के ्रिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृषेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्दर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्यब्दिकरणं: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

शाप नं० 4, जो, पश्चिम पूरव पश्चिम को-भाप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, गीलवर्ट हिल रोड़, भवन्स कालेज के पास, श्रंधेरी (प०), बम्बई-4000058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई-2/37-ईई/23006/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 22-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम **प्राधिका**री महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-3-1986

मोहरः

प्रकथ बाह्".टी.एन.एस. ----

नायकत् वृत्तित्वम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### RIZO SZANE

भार्यांतय, सहायक जायकर बावकर (निरांशक)

ग्रज<sup>\*</sup>न रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनौंक 11 मार्चे 1986

निर्वेश सं० धई-2/37-ईई/23023/85-86--- घतः मुझे, प्रशांत राय,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निय्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिलत बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-12, भाषर होम को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कृप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

भी पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित वाकार मृत्य हे कम भी क्षताल प्रतिकान के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुझे यह विश्वास अरने का कारण ही कि वधाप्नोंक्त संपत्ति का उचित वाबार मृत्य,, उसके क्षवचान प्रतिकात हे, एसे क्षयमान प्रतिकास को पंचह प्रतिवात से अधिक ही बौद नंतरक (वंतरकों) नीर बंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना गता प्रतिकात,, निम्नकिवित सब्देशन से क्षया अन्तर्थ निवित्त में वास्त-विक कम से कथित नहीं किया पना है है—

- (क) बन्धरण संदूर्ण किसी बागकी बावकः बन्धः निधानयम् के नधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कनी करने वा उत्तरो नचने में कृतिधा चे निष्: बार/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नम्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाजे में कृष्णा से जिस्हा

शतः शव, उत्तर विधितियम की भाग 269-म के अभूबरण वं, में, उत्तर विधितयम की भाग 269-म की उपधारा (1) वं सभीतः निम्मसिखिक व्यक्तिकां, अपीत् क्रिल्ल 82—36GI/86  श्रोमतो लक्ष्मी कुट्टी श्रम्मा श्रीर श्री भार० श्रार० बोरियर।

(ग्रन्तरक)

 श्री जीवतराम श्रार० के० कलवानी ग्रीर श्रीमती इंदिरा श्रार० कलवानी।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

क्ये क्यू सुचना जारी करके पृशांकत तस्परित के अर्चन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

# अवत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासी :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीन से 30 दिन की अवभि, जो भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासम की तारी ह है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहर किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षां करण: इसमें प्रयूक्त सन्दों और पवाँ का, वो उक्ष अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा सवा हैं।

# अगुजुर्थी

फ्लैट नं० ए~12, जो; दूसरी मंजिल, श्रावर होम को-श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटड, सहकार गर, ज० पी० रोड़, श्रंधरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से कि प्रई-2/37-ईई/23023/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वास दिनौंक 25-7-1985 को रिषस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

प्रकष नाइं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 11 मार्च 1986

निवेण सं० ग्रर्ह-2/37-ईई/23025/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी मं० फ्लैंट नं० 17, इमारत नं० सी-4, गुलगन, अंधेरी (प०), बम्बहै-61 हु स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंत्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तम पामा गमा प्रतिफाल, निम्नलिश्वित उव्वदेष से उक्त अन्तर्थ लिश्वित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त जिथिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

आत: अब उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण पों, मीं, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्मिलि**वित स्यक्तियों, अधीत** है— श्री भ्रब्दुल करीम राजमहमद पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रब्बाम दोस्तमहमद मार्कानिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील एं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अन् अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन करें सारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकी गें।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **प्रनुसूची**

फ्लैंट नं∘ 17, जो, घोषी मंजिल, इमारत नं∘ सी-4, गुलगन को-म्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, यारी रोड़, वर्सोका, अंधेरी (प॰), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि कि में श्रई-2/37-ईई/23025/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आई ,टी. एन. एस . -----

 मध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/23032/84-85-- मत: मसे, "प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरुधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 108, इमारत नं० 1, अकारिया श्राधाडी नगर नं० 1, अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बाई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18∽7-1985 को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में द्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- को अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय वाधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 😘 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 🗥 के प्रयोजनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं ाकरा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मुँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री साजिद जफर खान।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती सयीदा रेहमान

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्धीत से बर्चन 🖆 🕬 कार्यवाहियां करता हूं।

#### दक्त बम्पील के वर्षन के इम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस 45 विनुकी जनभियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों **त्**चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिंभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इक्ष स्वना को राजपत्र में प्रकाशन को सारीस सं 43 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी वृत्य व्यक्ति दुवारा वभोहस्ताक्षरी के ाह मिक्ति में किए का सक्तेये।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित **द<sup>8</sup>, बहु अर्थ दारेगा, जो जस अध्यास में** दिस् तथा हैं।

#### न्त्यो

पर्लंट नं० 108, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 1, इनकारिया भाषाडी नगर ने० 1, को-श्राप० हाउसिंग सोनायटी लिमिटेड, गुलमोहर गार्डन, यारी रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

**ग्र**नुसूची जसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/23032/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11~3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं॰ भई-2/37-ईई/23033/85-86--भतः भुक्ते, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 214, जो इमारत नं० 2, फ्लैंट नं० 108, इमारत नं० 1, कारिया ग्राघाडी नगर नं० 1, अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रप्यकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन. बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती कांता विद्यासागर जंगवाल

(भ्रन्तरक)

2. श्री साजिद जफर चान

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 214, जो इमारत नं० 2, और पलैट मं० 108, जो इमारत नं० 1, जकारिया द्याघाडी नगर नं० 1, को-द्याप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, गुलमोहर गार्डन यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/23033/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> प्रशांत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंग-2, बस्बई

तारीख: 11-3-1986

# शक्त बार्य हो . एव . एव . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के संभीत सूचना

#### STATE STATE

# आर्थानन, बहानक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

'निवेश सं ॰ ग्रई-2/37-ईई/23080/85-86--ग्रतः मुझे, प्रशांत राथ,

वासकर विधित्वन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सकी पश्चात् 'उनत विधित्यम' कहा गया हैं), की धारा १69-च के वधीन सकन प्राधिकारी की यह विकाध करने का करण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से वधिक हैं

और जिसकी में० फ्लट नें० जी०-1 वर्सीया ओणियानीक अधेरी (प०) बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 161 की धारा 269क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त बन्गरित का उचित बाबार मूक्य उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पल्क्ष्ट प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा जया प्रतिकत, निम्नीसिंग उद्देशों से उच्छ बन्तरण किस्तित में बास्तिक कम से किस्ति महीं किया बना की :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अधे वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए: बार/या
- (थ) ऐसे किसी बाग या किसी धन वा जन्य आस्तियों को, चिन्हें धारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिवार्ण जिल्ला विद्या था या का विद्या वाना वाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के बिए:

वत: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग को अनुकरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के वभीन, निम्नविदित व्यक्तिकों, ब्राम्बं ु⊶  श्रीमती सीरीन ग्रार० नानावती और श्री रूमी ग्रार• नानावती।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बासू घटर्जी

(मन्तरिती)

का बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्वगाहियां गुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के कर्बन के समभ में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुकान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वा है।

## प्रभुवी

फ्लंट नं० जी-1 जो तल मंजिल वसींवा ओशियानीक को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड श्राद्व सात र्बगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं० भई-2/37-ईई/23080/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, सम्बर्ध

तारीख: 11-3-1986

मोहर : .

प्रकृप कार्ड . टी . एन . एव . ------

# बायकर वीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के समीन कुमना

#### शाह्य बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्रा**र्जन रेंज-2, बम्बाई

बम्बई, दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्वेश सं० अई-2/37-ईई/23134/84-86--- म्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किथिवियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका बिश्त वाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी/24, शालीमार ग्रपार्टमेंट, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपबाद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 25-7-1985

को पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित्त बाजार मून्य से कम के स्थमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ण का कारण है कि यथामूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्मन से एसे स्थमान प्रतिष्मन का पत्यह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे सम्बर्ग के विश् तब तबा गुमा प्रतिष्मा, निम्मिचित उपूर्विस्स से स्थत कृत्यस्य सिचित में वास्तविक रूप से कीचत नहीं किया वचा है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स बिधिनयम के बधीन कर देने के करावक के दाशिक में कमी करने या उत्तरसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एंसी विश्वी बाय था किसी वन या शब्य बास्तिकों को चिन्हों भारतीय नावकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती कुकरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियान में स्विधा

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) दें बधीन, निरुप्तिवित व्यक्तिकों, वर्षात के--- 1. श्रीमती डोली मनेक दस्तूर

(भ्रन्तरक)

2. श्री सोहराब रस्तमजी सरकारी

(भ्रन्तरिती)

्यी बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी उन्य क्रिकेट द्वारा अधीहरताक्षरी के पास
  37 अत के भी सा सकेटी

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितों ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया

#### अमुसुची

पलैंट नं० बी/24, जो शालीमार श्रपार्टमेंट की-श्रपा० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, 211-ए, एस० बी० रोड़, श्रंधेरी (पं०), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंगा कि कि० सं० ग्रई-2/37—ईई/23134/80-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 25-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशातृराय ्रीसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

पारूप नाप्र. टी. एन . एन . ----

भायकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 थ (1) के अधीन एखरा

वर्गस्य स्थान्तर

कार्यालयः, ग्रहाबक आधकर बाब्वस (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 11 मार्च 1986

्निर्देश सं० ग्रई~2/387—ईई/23140/86~86~~ग्रतः मुझे, प्रणांत राय,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का का का का राष्ट्र है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो राहुल श्रपार्टमेंट, श्रंधेरी (प०), बम्बई 58 . स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ये वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितियम, 1961 की धारा 269क, जा के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्तोंकत संपरित का उपित बासार इं. क्यें, उसके इत्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफाल के विश्वास प्रतिकात से स्थिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा गवा बतिकात, निक्नीसिवात उद्योकों से इक्त बन्तरण विश्वास में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरम् चं हुन् किसी बाय की वायतः, सम्ब मिथिनियम के बभीन कर दोने के जम्मरक को त्रिक्त में कभी करने वा उससे यचने में मृतिभा के लिए; सार/भा
- (ण) एकी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकी की जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना पाहिए था, कियाने में सुविधा के लिक:

कतः अव. उक्त माधनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण को, र्म, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भीमजीभाई दयाभाई पटेल।

(भ्रन्तरक)

 श्री बतूक रतनणी मनीयर श्रीर श्रीमती पूर्निमा बतूक मनीयर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप ;---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन की अविभि या तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीस से 30 दिन की बविध, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकाय;
- (व) इस सूचना को राजपण को प्रकाशन की तारीश्व है
  45 दिन को भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य स्पन्ति ब्वारा वभाहस्ताकरी के शस

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रमुक्त क्षम्यों बहि पद्यों का, को स्वक्ष्य व्यक्तिमध्य के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा यो उस सम्बाह में दिव्य प्रसाह हैं हैं

#### अनुसूची

फ्लैट तं० 401, जवे चौथो मंजिल, राहुल श्रपार्टमेंट, ग्रंबर ग्रांश्कर फिनेना के नामने, एन० बी० रोड़, श्रंडेरी (२०), बम्बई- 400058 में स्थित है।

ग्रनुस्नी जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/23140/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राढिकारी, वस्बई द्वारा दिनॉक

25-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज-2, बम्बर्ड

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 2, बम्बई अम्बई, दिनाक 11 मार्च 1986

निर्वेश सं० प्रई-2/37-ईई/23156/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, झकारिया श्राघाडी नगर नं० 1, अंधेरी (प०), बस्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखा 25⊸7→1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विए तय पान नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किती आय की बाबत उक्त अधिनियत्र के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19>2) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारार (1) के अधीम, निस्मिमित व्यक्तिवों, अर्थात्ः— 1. श्रीमती ईश्वरी रामचन्द कर्ना।

(मन्तरक)

 श्री ग्रणोक कुमार श्रो वास्तवा ग्रौर श्रीमती मंज् श्रीवास्तवा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नानोप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकर्गे।

स्वकाकरण: — इसमें प्रमुक्त सन्तों और पदों का, को उक्ता कि विधानियस के अध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिशा कवा है।

#### नगृत्यो

फ्लैट नं 4, जो, तिसरी मंजिल, झकारिया माणाडी नगर नं 1, इमारत नं 3, गुलमोहर गार्डन, यारी रोड़, वसोंबा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ ऋई-2/37-ईई/23156/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

तारीख: 11-3-1986

मोडर 🌣

\_\_\_\_\_\_

# प्ररूप बार्ड .टी. एन . एस . -----

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज~ 2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 10 मार्च 1986 निर्देश सं० श्रई~ 2/37~ईई/23198/84~85~--श्रतः मुझे, प्रणौत राय,

अस्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का .: 3) (जिसं इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-के के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, श्रंधेरी महावीर दर्शन श्रंधेरी (प०), बम्बई~58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रंधीन, बम्बई स्थित उक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिफ्ट्री है, तारीख 26-7-1985

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिक्षिफल के लिए जन्हीरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधित जौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्या गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसने बचने में स्तिधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की, अनुसरण भो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपध्या (1) हो अधीन निम्निविस्त व्यक्तियों, अर्थात् .---

83-36 GI/86

1. श्री रमेश कांतिलाल शाह।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री साराभाई मनीलाल णाह (एच० यू० एफ०) (म्रन्तरिती)
- 3. भन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संबंधित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूच्य करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्त्रं संधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षण की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिरभाषित है, वही अर्थ हागर को उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुपू**ची

पलैट नं० 8, जो, दूसरी मंजिल, अंधेरी महाबीर दर्गन को-ग्राप० हार्जिसम सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 5, जुहु, लेन, ग्रंधेरी, (प०), बम्बई -400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/23198/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 26-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्य (निरीक्षण) भ्रजन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 10~3-1986

प्रकण मार्ची, द्रौत एन , एवं , क्ल्प्न

अ(यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नारत चरकार

# काषीयन वहायक वाषणार पान्यत (निर्देशको शर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/23212/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राय.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें प्रश्नात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया ही,, की वारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, रूक्मनी को०-ग्रप० हाउसिंग सोमाइटी० लि०, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन, , सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 26-7-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथानुकोंक्त मंपित्त का लिए बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल के रुक्ष प्रतिकृत से विध्य है और कन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे बन्तरम से लिए तथ बाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उच्चेक्य से उचत बन्तरम के लिए तथ का गया प्रतिफल, निम्निसितित उच्चेक्य से उचत बन्तरम

- (क) वंशरण ते हुई किसी शाय की नामत, उनत अधिशियम के वधीन कर दोने के अन्तरक से रामित्व में कभी करके ना उनमे नचने में सुक्षिया से सिए; सीर/सा
- (क) देती किसी मान या किसी भन या जन्म आस्तियों की चिन्हें भारतीय नायकर अभिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियमः, या भन-कर अभिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गना भा या किया अना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निक्:

चतः भव, क्वत वीधिनवन की धारा 269-न के बन्दरम् ने, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिकित व्यक्तियों, संधीत है—- (1) श्री शीतल दास सी० ज्ञान चन्दानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद एच० शाह श्रौर श्रीमति मयूरी डी० शाह (श्रन्तरिती)

को वह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के सर्थन के जिल् कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त संपत्ति ये वर्षन के दर्बंध के कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नगींभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नगींथ, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकावन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपति मेथे हिनवव्य किसी बन्ध स्थावत व्यारा बचोहस्ताक्ष्री के पास निचित में किए जा सकी।

रवध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्यों और वयाँ का, को जन्ध विधिनियम के लभ्याय 20-क में परिभश्विष्ठ ही, वहीं अर्थ होगा को उस सभ्याय में दिवा नवा है।

#### नस ची

फ्लट नं 2० 504, जो रूक्मनी को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 21 जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/23212/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनौंक 26-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

प्रारूप आहें .टी.एन.शुस. 🔈 . . . . . .

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289 व (1) की अभीन मुख्या

भारत व्यक्तिर

# कार्यालय, सहायक अध्यक्त र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/23230/84-85~~ ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

नामकर गणिनिया, 1961 (1961 का 43) शिवारे स्थापे इक्रमें परवार, जिस्स गणिनिया का पता ही, की फाछ 269-व के गणिन एक्स प्रतिबक्तरी को क्स विपनाय कार्य का कार्यक है कि स्थापर संपीत्क, विकास समित नामार मून्य 1,00,000/- रा. ये गणिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० ए-404, बेन-हूर, श्रंबेरो (प), बम्बई चे 58 में स्थित है (श्रीर इतने उनावब अनुसूचो में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29-7-1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त से ठिक्कि वर्षाच मूज्य से कन के क्रयमान मृतिक्य के सिम् क्यादित की वर्ष है ब्री. मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि व्याप्योंक्य बंदित का अवित नामार मूल्य, उन्हें कारमान इत्यापन से, एसे कार्यका प्रतिकास का क्यादित प्रतिकार से विकास है और व्यापक (बंदरकार) और बंदिरती (बन्दरितेक्यों) के बीच होते बन्दरम् से किन्द्र से पाना स्वाप्ति का विकासिक क्यादिक का विकासिक क्यादिक से व्याप स्वाप्त निविद्य में दास्त्-निक्त कर ने कवित नहीं किया न्या है :---

- (क) सम्बरण संबद्ध निर्माशमा सी वास्त्रः, उत्तव अपिनियम में स्पीत कर योगे से सम्बर्धक के स्वतिस्त्र में सभी सहते से स्वतं ने स्विधा में सिद्धः शीप/या
- (क) ऐसी कियी बाय या कियी भूत या कृष्य जास्तियों को, विष्टू नारतीय नाब-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर विधिनियन, या अनकर अधिनियन, या अनकर अधिनियन, 1957 (1957 कर 27) के प्रवोधनार्थ बन्द्ररिती ब्वास प्रकट नहीं किया क्या था वा किया वाला चाहिए था कियाने वे स्थित्य वे क्या वे क्या

चतः थवः, वभतः महिन्तिकः की वाद्य 269-व को, सनुवरकः भाः, भीः, उक्तः विभिन्नियमं की वाच 269-व की उपभाषः (1) वे सभीन भिन्नतिविक व्यक्तियों सम्बंधः स—ः (1) श्रीमति ईश्वरी बाई सत्यवान तिलवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति ज्योति राजेनद्र वीज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा **बारी करके पूर्वोजक सम्मरित के वर्षन के फिए** कार्यवाहियां भूक करता हुं।

जनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोहाँ भी जाकीप :---

- (5) इस सूचना को राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बङ्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास, सिवित में कियू जा तकोंगे।

#### मन्सूची

फ्लेट नं० ए- 404, जो, 4थी मंजिल, बेन-हूर, को०-प्राप ० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 15/8, चार बंगलाज, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37णईई/23230/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनौक 29-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

प्रकृष नाहर्तुं, टी. एन. एस.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ के अभीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निह्मण सं० श्रई-2/37ईई/23234/84-85→ अतः मुझे, प्रशाँत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रन. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 9, इमारत नं० 17, मनीश नगर, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थिन है (और इमने उगबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षनम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है तारीख 29-7-85 क्ष्रे पूर्वोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्वेष्य से खक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरभ ते हुई फिटी शाम की शासह, उसत अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को शामित्य में क्यी करने वा उसते वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विधिनयम, या भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा से लिए;

जतः दवः, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तियों, जर्थात क्ष्म (1) श्रीमति एस० एम० मिश्रा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित ए०पी० ग्रौर, श्रीमिति एप० के०, मूर्थी, ग्रौर के० महादेवन ।

(ग्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए कार्यग्रहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में ममाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्ते अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लेट नं ० १, जो, 1 ली मंजिल, इमारत नं ० 17, मनीश नगर, चार बंगलोज, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

म्रानुसूची जैंगा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/23234/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 29-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रमांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

मोहःर

प्रकप नाइ". टी. एन. एत्.-----

शायकर निपिन्यून, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्भीन स्चना

#### THE WATER

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दोक्तन)

श्रर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निह्नाँश सं० श्रई-2/37ईई/22149/84-85→ श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थत 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वरम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिनकी सं० फ्लेट नं० डी/ए, योजना को०-श्राप० हाउनिंग सोसाइटी० लि०, जोगेश्वरी (पु), बम्बई-60 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्गित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शेष्ट से उक्त बन्तरण निचित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बाबत अक्त अधि-नियम में अधीन कड़ दोने की बन्तरक को शिवरण में अभी करने वा इससे बचने में हिविया है निए, मोह/वा
- (क) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत शव, उक्त अधिनियम की धोरा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीर निकासिकत चिकाली, स्थात क्र- (1) श्रोमित शमाविश्वताथ उचील।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित सुमाप बाल हुःण पालाडे।

(अन्तरिती)

की वह स्थल कारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के कर्बन के सिए कार्यवाहिक बारना हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बासरे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स क्षित्रत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) धस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विका

# वन्त्वी

फ्लेट नं० डी/6, 1 लो मंजिल, योजना को०-श्राप० हाउसिंग सोक्षाइटी, लि०, नटवरागर, रोड, नं० 1, जोगेश्वरी (पु), बम्बई-60 में स्थित है।

प्रमुखी जैमा ि कि के सं अई-2/37ईई/22149/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई बारा दिनाँक 1-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आहु .टी. एन. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मं (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 11 मार्च, 1986

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/22216/85-86/→ श्रत: मुझे, प्रशाँत राय,

बावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचाए 'उनत विभिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिप्तकी सं० फ्लेट नं० 1, हरदेवोबाई को०-स्राग० हाउति सोताइटी लि०, संवेरो (प), बम्बई-60 में स्थित है (स्रौर इपसे उपाबद्ध सनुसूचों में स्रौर पूर्णका से विज्ञात है), स्रौर जिनहां करारनामा स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 हव के स्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारीख 1-7-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अताः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

(1) श्रीमिति संकुंतला रघुनाथ जोशो ग्रौर कृमारी वैशालो ग्रानन्द वर्षे

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित सुगीला कारहोवाले

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु तसे 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शीनर उक्त रथावर सम्पत्ति मो हित-वहा दिन्सी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के एक विश्वित भी विद्या जा सकीए।

स्पर्धकारणः - इसमे प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्ते जिल्ला कि जिल्ला की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननस्ची

फ्लेट नं ा, जो, तल मंगित्र, ह्रदेवोबाई, को०-आव० हाउतिम सो गइटो नि०, अगो हा रोड, प्राक्त केव्हुग रोड, जोपेश्वरी (पू), बस्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैना हि क० मं० अई-2/J7ईई/22216/84-85 श्रोर जो मक्षाम प्राधि तरी, बमबई द्वारा दिवाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रणीत हास नत म प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरींत ण) स्रजीतरंज-2, वस्बई

तारीख: 10-3-1986

. भूरच बाइं. टी., बुन - पुरा - लक्नेन्ट्रच

बावकाः विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भार्य 269-म (1) के बभीन सुमना

#### भारत बरकाइ

# कार्याख्य, सङ्घावक बायकर बायकत (निराक्षण)

श्चर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/22295/84-85— ग्रतः मुझे, अंशांत राय.

नायकर निर्धानम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीवितियम' कहा त्या हैं), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थापर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-ंदर से निधक हैं

श्रौर जिसकी सं व्यूनिट नं 16, देश, उद्योग मंदिर, प्रिमायक्षेस जोगेश्वरी (पु), बम्बई-60 में स्थित है (श्रौर इनक्षे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4-7-1985

को पृथा नित संपरित को उपित बाजार मुख्य से कम के क्रवजान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथाप्योंक्स संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रवजान प्रतिकल से एंसे क्रवजान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकत से विधिक है और वह कि बंधरक (बंधरका) और बंदिस्ती रिसी (अन्तरिवियों) के दीय होने क्रवरण के लिए तब वाया नवा प्रविकल, निम्नितिविद्य उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्ष्म से किंप्स नहीं किया गया है है-

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाब की बावत, उक्त विधिवयं के संधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के तिस्; बीर/बा
- थि) हसी किसी आव मा किसी पन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1622 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किस्टों जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निएए

बता क्या , उस्त का भिनिषय की भारा 269-न के बनुसरण कें; में, उस्त की भीनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीत निम्नीलीमत व्यक्तियों, अर्थात निम्नीलीमत व्यक्तियों, अर्थात

(1) मेसर्स नीलम इण्डस्ट्रीज

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयन्ती लाल बी० शाह

(ग्रन्तरिवी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के कियू कार्यवाहियां करता हुं।

उनत राज्याति के वर्षन के सम्बन्ध में केंद्र औं सम्बन्ध ह—

- (क) इस स्वाम के स्वापन में प्रकारण की सार्रीत है 45 दिन की नवींग वा सरकारणी कानिस्तों पड़ स्वापन की सार्वास के की नवींग को की नवींग को की नवींग को के सार्वास को की सार्वास के की सार्वास को के सार्वास की की का नवींग का के सार्वास की की सार्वास क्यां का सार्वास की सार्वास का सार्वास की सार्वास की सार्वास की सार्वास का सार्वास की सार्वास की
- (क) इत त्यना के ग्रायम में प्रकारण की सारीक है 45 दिन के भीतर उनत स्थावड़ सम्पत्ति में दिवनक्ष किसी मन्य स्थावत व्वाय सभोहत्वाक्षरी के साथ विवस्त में विवस्त मा स्थावत व्याय सभोहत्वाक्षरी के साथ विवस्त में विवस्त मा साथ मा स्थावत है।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रवृक्त कट्यों और पदों का, को क्या अधिनियम के अध्याय 20-क में विद्यार्थिक हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# न्त्वी

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 16, जो देश उद्योग मंदिर प्रिमयासेस को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 5, केव्हज रोड, जोगेश्वरी (पू), बम्बई-60 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/7ईई/22295/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

# प्रकृष का अ . भूम . पुत्र . ------

बायकर बर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) को मधीन सूचना

#### ब्रारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/22325/84-85-- ग्रतः मुझे, प्रमाति राय,

शायकर गिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उजिस बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिनकी सं ए फ्लेट नं ए ए 501, लोला मार्टमेंट, अंबेरी (पु) सम्बई-60 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिनका करारनामा श्रायकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कव के अधीन, वम्बई स्थिन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 4-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ट्रियमान शिकस के लिए जन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार

कृष्ण, उसके क्यमाय प्रतिकाल से ऐसे क्यमान प्रतिकाल का पत्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अदि अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिकास निम्नसित्तित उद्वोदय से उस्त अंतरण सिवित में वास्त-विकास्य से कीभत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राधित्य में क्यीं । के लिए; शीर/या
- (अ) ऐसी किसी आय वा किसी अम ए। जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया क्या का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवास के किए।

करु: कव, सकत काँधनियम की धारा 260-म हो जनसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपरारा (1) वे बुधीय, निम्नकिश्वित व्यक्तियों, क्यांत :---- (1) श्री ग्रंसारी महमूद लैंक्धीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति वोयलेट से वैरीन डिस्ना।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के जिल्कार्यवरिहर्या शुरू करता हूं।

उन्त तन्त्रति के वर्षन के संबंध में कोई भी आसेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब जैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्चभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-निश्चम को अध्याय 20-क में परिप्राध्ति ही, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है [8]

# **श्रनुस्यी**

फ्लेट नं० ए/501, जो, लीला प्रवार्टमेंट गुल पोहर गाडन के सामने, यारी रोड, वर्सीवा, श्रंबेरी (पु), बन्वई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० श्रई-2/37ईई/22325/84-85 श्रतः मुझे, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया कृया है

> प्रशांत र्यंय सझक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

# मक्त बार्षः हो. दुन् । दुन् , ४ - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-भ (1) भी अभीन सुभना

#### नारत श्रेरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 11 मार्च, 1986

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/22408/84-85--- अतः मुझे, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार म्रह्म 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० शाप नं 25, मक्का हाउस, जोगेश्वरी (प), कम्बई-60 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्व वे कम के अवगार शितफल के निए बन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाहार मून्व ते कम के अवगार शितफल के निए बन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाहार मून्व, उसके करमान प्रतिफल से, एसे अवगान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरोकों) और वंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के तिए तब बात प्राधिक , निम्मीनिवात उक्विय से उसत अन्तर्भ किवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती जाव की वावव, जनत विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सृविधा वे विक; करि/वा
- (च) एसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्न-कर अधिनियम, या धन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रअक्तिकाई अन्तरिती व्यक्ता प्रकट नहीं किया प्रमा अन मा कियम जाना आहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्षीन, निम्निलिबित व्यक्तियों क्षीत द——84—36GI/86

(1) श्री भ्रमोक कुमार केवल चन्द्र कथार

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्धूनाकर उस्मान मल्कानी

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस ने 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवप्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, औं उक्त जिथितियम को अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो तस अभ्याय में विका गया है।

**प्रनुसूची** 

हैशाप मं० 5, जो, तल माला मंजिल, प्लाट नं० 1, मक्का-हाउस, करीमी पार्क, श्रोशिवरा गार्डन रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/ 22408/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 5-7-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-2, बम्बई

**तारीख:** 11-3-1986

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

आमभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### नारत बहुनार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 मार्च 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22452/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आसंसर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को मह निश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, विश्व शान्ती सोसायटी, ग्रंधेरी (प०), बस्वई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-7-1985

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिज्ञत से अधिक है और बंतरिक (बंतरिकाँ) और अंतरिती (बंतरितिवाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीनिधिस क्ष्य से उन्त बन्सरण सिधित में बास्तविक स्थ से व्यथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से इं.इं. किसी आव की बाबस्न, स्वक्त विधिनियन के अभीत कर दोने के अन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सृविधा के लिक्; बार/या
- (च) एेसी किसी बाब या किसी धन का बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम. १११ (1922 का 11) या उच्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, संक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री रमेश प्रसनवास रावतानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दक्षा प्रकाण देसाई ग्रीर श्री प्रकाण एवं ० वेसाई।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार:
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी कन्य क्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगै।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

प्लैट नं० 101, जो विश्व भान्ती को-ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 65-66, सात बंगलीज रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि मं श्रई-2/37-ईई/ 22452/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दि कि 4-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रयांत रौंय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्राजन रेंच-2, बम्बई

तारीख : 11-3-1986

प्रचल कर्नु हो , दर्व हु दुव हुन------

अधकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वना

#### नार्यं स्टब्स

# कार्यालय, सहायक बावकर वान्क्य (निष्टीकक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाँक 10 मार्च 1986 निर्देण सं० ग्रई-2/37-ईई/22663/84-85--ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सार्थ है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित वाचार वृश्य 1,00,000/- रा. से सिथक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 17, प्रेम-सन्म इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगश्वरी (पु०), बम्बई-60 में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोवत सम्मिरित के अधित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान वित्रक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरमें के आरण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य का सके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और असरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब वावा चया प्रतिफल जिम्निसिवित उद्देश्य से उच्य अन्तर्ण निष्कं निष्कं में वास्त्रिक क्य से कांच्य महीं किया व्या है अन्तर्भ से वास्त्रिक क्य से कांच्य महीं किया व्या है अन्तर्भ से साम्तरिक क्य से कांच्य महीं किया व्या है अन्तर्भ

- (क) अन्तरण थे हुई फिली आन की बावस्ता अवत निविध्यम के नधीन कर वेचे के जन्तरक की वासित्य में कमी करने या उससे जचने के सुविधा के डिस्ट्र और/सा
- (स) एसी किसी बाथ या किसी थण या बन्ध वाहिस्तानी कां, जिल्हों भारतीय वाय-कर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उच्च व्यथितवम् वा थम्बद्ध विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्यरिती द्वाय प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने से वृत्तिथा के विद्यु;

कतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की वनुसरक को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) की नभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्षातः :--- 1. मेसर्स प्रेम बिल्टर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स मून इंडस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुई।

क्वत क्यारित के वर्षन के ब्राम्थ में कोई भी नाबोंन् :---

- (क) इव सूचना के एकपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की वर्षीय या तत्स्वस्वरणी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वीय, जो भी नवीय बाद में सनाप्त होती हो, के भीत्र प्रवॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के वास मिथित में किए का सकेंचे।

स्थाकिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त कवाँ और पवाँ का, वा अक्स विश्वितयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विषा गया है।

#### **प्रनुस्**षी

यूनिट नं० 17, जो तल मंजिल, प्रेम-सन्स इंडस्ट्रियल इस्टेट, केन्ह्रज रोड, जोगेश्वरी (पु०), बम्बई-400060 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37—ईई/2266384-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

1. मेंसर्स प्रेम बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स डॉन एन्टरप्राईज।

(मन्तरिती)

आयकर क्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीत स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्देशिक)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-2/37-ईर्ड/22664/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राम,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 16, प्रेम-सन्स इंग्रस्ट्रियल इस्टेट, जोगेग्बरी (पु०), बम्बई-60 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिमका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह बित्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में ।।स्तिवक रूप से अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायक । जनत के जभीन कर दोने के जन्तरक के दाबिक्ल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमं किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय भाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्ध अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना आहिए था, जियाने में कृषिया के लिए;

बतः वाष्ट्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के की वर्धान, निम्नलिकित ध्यक्तियों, अधित ध्र--

को यह सूचना बारी करेकी नुर्वीक्त सम्मर्टित के अर्थन वे निए कार्यगरिहमां सूक करता हूं।

र्वक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेंप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से क्षेष्ठं दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के शीत्र पूर्वेक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल बंधूभ किसी अन्य स्वक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किसे का सकती।

स्थळीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त जिभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका वया हैं।

# वम्सूची

यूनिट नं 16, जो तल मंजिल, प्रेम-सन्स इंडस्ट्रियल इस्टेट, केव्ह्रज रोड़, जोगेश्वरी (पु०), बम्बई-400060 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22664/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 की रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप बाई.टी. एन. एस. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, संहायकं आयंकर वायक्त (निर्देशकं)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश सं अई-2/37-ईई/22932/84-85--ग्नतः मुझे ; त राय

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402 बी० सेक्टर इमारत न० 18, वैशाली नगर, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-7-1985

को प्रोंक्त सम्मित के उपकत बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान वितिष्ठल के लिए अस्तरित की नई है और मुझे यह विद्याध करने का धारण हूं कि यथाप्योंक्त सम्मित का उचित बाजार मुख्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बाल्सीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुन्दें किसी आवः कर्त वावतः, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) ध्रेंची किसी काम मा किसी का मा का बास्सियों को, किन्हें भारतीय बायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) में उनत बिनियम, का काकस्य गीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्धरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, कियाने में बुनिधा के शिए;

श्रत: अब, उक्त ऑभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :-- 1. श्री विजय जगन्नाय भाषार्थ।

(मन्तरक)

2. मेसर्स श्रफताच कीट्रक्टींग एण्ड ट्रेडिंग को० प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को बह तुमना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वश्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

# बग्स्की

फ्लैंट नं० 402, जो, सेक्टर बी, इमारत, न० 18, वैशाली नगर, एस० वी० रोड, जोगेश्वरी (प०), बम्बई--400102 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० मं० ग्रर्ड-2/37–ईहै/22932/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19–7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-3-1986

# प्रकम बार्च टी. एन. एत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के विभीत सुप्रता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-2, धम्बई बम्बई, दिनाँक 11 मार्च 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22943/84-85--ग्रतः मुझे,

प्रशांत राय, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० सी-4/8 9, मूलधन, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायदेलय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-7-1985

1,00,,000/-रत. से अधिक है

को प्वांक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार बूक्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसियित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) जन्तरम् हो सुद्धं किसी जान की बायकः स्वकार के क्यार कर दोने के वन्तर्रक के बायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; जार/या
- (था) एस जिस्सी आय या जिस्सी धन या जन्य जास्सियी का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तिसीं, अधीत :--

श्री प्रब्दुल रजक गुलाम रसूल दौवा

(ग्रन्तरक)

2 श्री सुलेमान मीयाजी चौधरी

(भ्रन्तरिती)

3 श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुस्ची

पजैट नं० सो0/4/9, जो दूपरो मंजिल, कको० स्नाप० को० स्नाप० हाँउमिंग सोमायटी लि० जोगण्यरी (प), बम्ब $\mathfrak{T}-400058$  में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं ग्रई-3/37-ईई/22943/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 की ररजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत ृ **≜राय** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, **बम्बई**

दिनाँक: 11-3-1986

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.,-----

भायकर अधि<u>नियम</u>, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 10 मार्च 1986निर्देश सं० प्रई-2/37–ईई/23062/84–85––

मतः मुझे प्रशाँत राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विकार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 17 जो प्रेमसनस् इंडस्ट्रियल इस्टेट जोगेश्वरी पू०, वस्बई-60 में स्थित है (श्रीर श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनौंक 25-7-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याना मितफात के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुझे यह जिक्याम करने का कारण हैं कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे व्ययमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में मृतिभा वी किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जम्मरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वरी उपधारा (1) के अधी ै, निम्निबिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) मेसर्स प्रेम बिल्डर्स

(प्रन्तरक)

(2) मनीवेन लक्ष्मीचन्द्र गाह फैमीली ट्रस्ट (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# जनत तंपत्ति के नर्जन के बंबंध में कोई भी नालोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

भ्याव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पवा का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

# अनुसूची

यूनिट नं० 17, जो, तल मंजिल, प्रेमपतस् इंडस्ट्रियल इस्टेट प्लाट नं० 65/67 सी० टो० एम० नं० 81 केव्ह्रज रोड, जोगेश्वरी (पू०), बम्बई-400060 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/23062/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 25-7-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> प्रणौत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनाँक: 10-3-1986

प्ररूप नाही. टी. एन. एस. -----

# वारकर अधिनियम, 1961 (1981 **पर 43) थी** धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय:, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 14 मार्च 1986 निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/22157/84-85--

म्रतः मुझे प्रशांत राय

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्वे इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं 2, स्वीट होम, जे० वी० पी० डी० स्कीम बम्बई 49 में स्थिटत है (ग्रौर इससे उपादन श्रनसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्दो है दिनाँक 1-7-1985

को पृथों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के **स्थ्यमान** प्रतिफल के लिए इन्त्रित की गुर्ह है और मृझ्येष्ट विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिधत स मधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) वं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलि सित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिस्ति में बास्तविक रूप से करचल नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/भा
- (स) एरे ही किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागर किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं उक्त अधिनियम की भारा 2.69-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों <sub>ए</sub> सर्थात्—

- (1) श्री राजेश मिलल ग्रीर श्री श्रिजमोहन मिलल (भन्तरक)
- (2) श्री रमन कें जैन (घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़े भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्चना के रम्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रमुक्त शादों और पदों का, को उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्वास में दिया गया है।

# बन्स्ची

फ्लैट नं० 2, जो, तल मंजिल, स्त्रीट होम न्यू युन्दावन को-ग्राप० हार्जिसग सोक्षायटी लिमिटेड प्लाट नं० 5 जै० बी० पी० डी० स्कोम बम्बई-400049 में स्थित है।

ग्रन्*स्*ची जैनाको क० सं० ग्र**ई**-2/3**7-ई**ई/22157/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक भागकर भागकत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक: 14-3-1986

मोहर .

भतः मुझे प्रशांत राय

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्राजीन रेंज-2, सम्बर्ध सम्बर्ध, दिनौंक 14 मार्च 1986 निर्दोश सं० श्राई-2/37-ईई/22305/84-85--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जमत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रधावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फलंट नं० 7 ए दिव्यस्मित जुह बस्बई-56 में स्थित है (और इनमे उपाबद्ध जन्मूची में और पूर्ण रूप वणित है), और जिलका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 5→7~1985 की पर्वोक्त सम्पन्ति के उपायत कार्यार मृत्य से कम के स्वयमान की तक के लिए बन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास

- करन का कारण है कि स्थाप्योंका संपत्ति का उचित याजार कृत्यः, उसके त्यस्मान प्रतिफाल से एसे क्यसान प्रतिफाल का अध्यक्ष प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिसियों) के नीच एसे अन्तरण की निए स्थ पाया अथा वितिष्यन, निम्नालिक कृद्यरिय से उस्त प्रन्रपण जिल्लिए में वातानिक रूप से कथिल प्रहों किया क्या है हिल्ल
  - (क) अंतरण से हुन्दें जिसी। आय की वाबत, जनत विधिनियम के बाधीन कर दोने के अन्तरण क दासित्व में क्ष्मी करणे प्रशासने अक्षमें में सुसिका के लिए; और/या
  - (क) एति किस्सा नाम वा किसी धन या नन्य वालियाँ कर्त, जिल्हों भारतीय जावकर विभिन्नस्थ. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर संधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तर्गति अगरा प्रकार संदित्ति किए। एटा था या किएए काना चाहिए था, कियाने में सरिका के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण क्षें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 85—36GI/86

- (1) श्री मतो गुलागत गुलामलो मोरानो (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दूरलाभजी गोरधन मलाविया

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित्बृहुध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए आ सकर्गी।

स्पव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना। जवा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं०  $7/\nabla$ , जो तोसरी मंजिल, विव्यह्स्मत प्लाट नं० 2, इस्ट वेस्ट रोड, नं० 2, जुहू, बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० घई- 2/37-ईई/22305/84-85 और जो पक्षम प्राधितारी वस्बई द्वारा दिनौंक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजें → 1, बस्बई

दिनौंक 14-3-1986 मो।(र:

# प्रका भार्च हो. एवं, प्रसं, प्रकार व्याप्त

# भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष बम्बर्फ, दिनौंक 13 मार्च 1986निर्देश सं० ग्रर्फ-2/37-ईई/22431/84-85---

मतः मुझे, प्रशाँत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्दित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, पाँचवीं, मंजिल, साँताकुज (पूर्व) बम्बई 54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपात्रद्ध ग्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वाणित है), ग्रीर जिपका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनौंक 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिभ-बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाधित्य में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के बिक्ट;
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए; और/या

करा अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीः निम्नुलिसित व्यक्तियों. अर्थात्:—

- (1) मेसर्स जय डेवलोपमेंट कोरपोरेशन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विजय वाजीलाल शाह ग्रीर श्री मती नैना विजय शाह।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री एस० एम० मलूभोय। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिएँ कार्यवाहियां करता हुं।

# राक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उन अध्याय में विया क्या हैं।

# बन्स्ची

फ्लैंट नं० 506, जो पाँचवां मंजिल, फायनल प्लाट नं 32, टी० पी० एस० 5, सीटी सर्वे नं० 108 से 108 सान्ताकुज (पूर्व) बम्बई 400054 में स्थित है। ध्रनुसूची जैसाकी क० सं० ध्रई-2/37-ईई/22431/85-85 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन्ति

5-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** 

दिनौंक 13−3−198 6 मोहर ∌

# भक्त वार्<u>ष</u>्टी, युन्, युद्ध, ------

# बावकार विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत सुपना

#### भारत चरव्यार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्माण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 13 मार्च 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37~ईई/22441/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्रद्भुक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मृश्य 1,90,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, पहली, मंजिल, सान्ताकुज (पू), बम्बई - 54 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजीस्ट्री हैं दिनॉक 8-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्र प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निश्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्अ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या फिसी भन या बस्य बास्तियों की, बिस्हें भारतीय बाव-कर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था था किया बाना चाड़िए था, छिपाने में सुविधा के सिस्;

भतः अतः उस्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, में, उस्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीत, निम्मक्रिकित व्यक्तियों, वर्षाक्ष क्र--- (1) मेसर्स जय डेबलोपतेट कोरपोरेणन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गा देवी झुनझुनवाला।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री एस० एम० मलूभोय। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के कर्जन के निष्टु कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

# उक्त स्थ्यति के अर्थन के स्वन्ध में कोई भी नाक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निकास में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मन्स्ची

फ्लैंट नं ० 103, जो पहली मंजिल फायनल प्लाट नं ० 32 टी ० पी ० एन ० नं ० 5, सीटो सर्वे नं ० 108 से 108 (12) सान्ताकुज (पू), बम्बई 400054 में स्थित अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-2/37-ईई/22442/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 8-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶2, **सम्बर्ध** 

विनॉंक 13-3-1986 मोहर ः।

# प्ररूप बार्ड . ट्री . एन . एस ... -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन

#### भारत बहुक्त

# कार्यास्त्र . तहायक वायकर वायकः (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 मार्च 1986

निर्देश सं० श्र**६**-2/37-ईई/22443/85-85---

**मतः मुझे** प्रशाँत राय

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उनत निविधम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के वधीन तकान प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मर्थित, जिसका जीवत नावार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, पहली मंजिल, मान्ताकुज (पू), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध प्रानुष्तों भौर पूर्ण रूप से विण्ति है), ग्रौर जिसका करारतामा आयकर भिधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के ग्रधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनौक 8-7-1985

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान कि कल के लिए जन्तरित की गर्य है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिशिवन के अधीन कर भी के जलारक के द्वीतत्व को कभी कारले वा उत्तससे त्वन में सुविधा के लिए; अड़ि 'ा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन का कन्य कास्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा पकट नहीं किया गया धा-सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृतिका की किए।

नतः वंद, उनते विधिनयम की धारा 269-ग सै वन्सरण को, ती, उनते अधिनियम की धारा 269-क की उपभादः (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) मेनर्स जय डेवलोपमेंट कोरपोरेशन। (ग्रन्तरक)
- (2) मनीश सुनझुनवाला।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री एस० एम० मलूभाँय (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्मीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उपल अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, यही कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 104 जो पहली मंजिल, फायनल प्लाट नं० 32 टी० पी० एस० नं० 5, सर्वे नं० 108 से 108 (12), सान्ताकृजं (पू), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22443/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 8-7-1985 की रजोस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 13-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सर्थः শুचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बाई, दिनाँक 13 मार्च 1986

निह्नश सं० श्रई-2/37~ईई/22444/84~85~-श्रतः मुझे प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्ण 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 209 दूपरी मंजिल, सान्ताकुज, (पू), बम्बई 54 में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वॉणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रिधिनियम 1961 की धारा 268 क, ख के श्रश्नोत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं दिनाँक 8-7-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कर्य , निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्दिव मॅकमी करने या उससे अपने में सुविभा के लिए; और/या
- (व) एंबी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, किस्सो में तुनिधा को सिए:

बतः अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 262-घ की उप्भासर (1) के बभीम,, निश्निचित व्यक्तियों, जथाँत थ— (1) मेशर्स जय डवलोपमेंट कोरपीरेशन।

(अन्तरक)

(2) डा० मोहन रघुनाथ गोखले श्रौर श्री मतो सूरेखा मोहन गोखले।

(भ्रन्तरिती)

(4) श्रो एस० एम० मलूभोय (यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीक से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

फ्लैट नं० 209, जो दूतरो मंजिल फायनल प्लाट नं० 32, टी० पी० एस० 5, सोटो पर्वे नं० 108 से 108 (12), सान्ताकुल, (पू), बम्बई-400054 में स्थित है

प्रनुसूची जैसाकी  $\frac{1}{7}$ 0 सं० ग्रई- $\frac{2}{37}$ -ईई $\frac{22444}{84}$ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 8-7-1985 को रजिस्टई किया गया है

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2, बस्बई

दिनौंक: 13-43-1986

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर कशिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 13 मार्च 1986 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/22467/84-85---श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **है** 

श्रीर जिलको सं प्रतिष्ट नं 1, सूमन संध्या सान्ताकृज, (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इसले उताबक अनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), प्रार जिनता करारनामा भायकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाँक 8 ~ 7~ 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, ऐसं श्रथमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ नामा गया श्रतिफल, निम्निसित् उव्योदय से उस्त अंतरण जिस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ...—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभि-निवम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में याजी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिबित व्यक्तियों, जबति :—

- (1) श्री सैयद नजीर सैयद परि ग्रीर श्रीमती हजारा बी० महमद पीर।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा पूर्व हान्त कन्यालाल सङ ग्रीर श्रानिल कुमार गाँतीलाल मोडी थ

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति चितकं अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहिष्यं अनुदाहर् ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिन-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट नं 1 जो, पहलो मंजिल सूमन मंध्या, लिकिंग एक्सटेंगन सान्ताकृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसाकि का सं ग्राधिकारो बम्बई द्वारा क दिनाँ 8-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, बम्ब**र्ध** 

दिनाँक: 13-3-1986

त्रकथ बाई , टी. एन . एस . .....

भागकार गाँधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वनः

#### सारवं चरकार

कार्यानयः, सहायकः आयकार आयकाः (निरीक्षणः)
प्रार्जन रेंज-2, अम्बर्धः
अम्बर्धः, दिनांकः 14 मार्चः 1986

ृ - निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/22542/84-85--ग्रातः मुझे, प्रशांत राय,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्समें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिक्ष्वान करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, विक्रका जवित शाबार अस्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० शाप नं० 10, कैलाश ए, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनौंक 11-7-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयसान प्रतिकस के सिए कस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार क्ष्म, उसके क्ष्यभाव प्रतिकस में, एसे क्ष्यभान प्रतिकस का बंद्रह अतिकत से कभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बौच एसे बन्तरण के सिए तस पाया गया प्रतिक कस निकासिकत उच्चेयम में सक्त अंतरण जिसिस में नास्त्रीयक कम से कथित नहीं किया गया है :----

- (का) तम्लापण यं हुपूर्ण विक्रती आध्य की बालल तकल सणिनियम की अधील काए कोर्स की सन्सङ्क को दायित्य में कारी कारने वा उससे वक्षने को तृतिथा को लिए; बीर/बा
- (क्ष) इ.सी. किसी आय या किसी पन भा अस्थ आक्रियों के किसी आया कर का किसी समा किसी (1922 का 11) या उसत अधिनियम, बा शनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ के, अनुसरण कों, कों, उक्त अभिनियस की धारा 269-म की उपधारा (1) कों अभीन मिल्लिफिलिक स्विक्तकों, रुशीत :---- (1) पोषटलाल भिमशी शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा भूपेंद्र बोधा।

(श्रन्तरिती)

को वह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी क्यक्ति ख्वारा;
- (स्) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जना व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकोंने।

स्वष्टिश्विरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है,

# अनुसुची

शाप नं० 10 जो तल मंजिल, कैलाश ए, जुहू चर्च रोड, जूहू-बम्बई, 400049 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० **प्रर्ছ**→2/37**~ईई**/22542/ 84—85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 11—7—1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक: 14-3-1986

# **प्रकृत बार्ड्ः दी. एव**ं एतः - - - -----

# बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्योग स्वना

#### नारत सरकार

# फार्नासन, सहायक बावकर वाय्वत (निर्याक्त)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 13 मार्च 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/22676/84-85--मत: मुझे, प्रशाँत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा प्रमाही, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्णौर जिसकी सं० शाप नं० 7, पारसरामपुरी श्रपार्टमेंट, सान्ताकृज, बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं दिनांक 12-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्यों से उक्त जन्तरण लिखित में बाह्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वृद्गियत्व यों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य, िषान्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कं अभीन, जिस्तिवित अधिकार्यों, जुर्भात् ॥—

- (1) पारसरामभुरीया इस्टेट डेवनोपर्स प्रायवेट सिमिटेड ६ (श्रन्तरक)
- (2) श्रीधर धर्म राव मेश्राम। (श्रन्तरिती)

(4) ग्रन्तरक (यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ह कार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध , जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् तिबित में किये जा सकोंगे।

स्वकाष्ट्रियाः — इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त निभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सन्स्**ची**

शाप तं० 7, जो पारसरामपुरीया भ्रपार्टमेंट, प्लाट नं०, 65 लिलन सिनेला के पास, सब वे लेन, नं० 1, सान्ताऋन्ज बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रमुम् जो सा की ऋं० सं० प्रई-2/37—ईई/22676/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विलाक 12-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांदः 'राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक. 13-3-1986 मोहरः प्रक्ष नाइ. टी. एन. एस.-----

# भागकार नर्भिनिजनाः 1961 (1961 का 43) की पाता 269-न र्था) के वचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर वायुक्त (निरक्षिण)

बम्बई, दिनोक 13 मार्च 1986 निदेश र्स० म्रई-2/37-ईई/22677/84-85---ग्रत: मुझे प्रशांत राय

वाक्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्यों इसके परनास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं, की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हुं कि स्थापर सम्मत्ति चिसका उचित वाजार मृज्य 1,09,000/- क. चं विभक्त हुँ

और जिसकी सठ० पलट नं० 103, पारसरामपुरीम अपार्टमेंट सान्ताकुज, (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व प्रनुभुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 12~7—1985

को प्लॉका सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कव के नहवमान प्रतिक्त के लिए संतरित की गई है और मुक्ते वह नेववाल करने का कारण है कि यथाप्तोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अराके उद्देशमान प्रतिफल से, एसे उद्देशमान प्रतिफल के पत्तक प्रतिकृत से निषक है और अन्तरक (बनारकों) और (बन्तरित्यों) से नीच एचे अन्तर्क के निष्ट तय पाया गया क्षम विन्तरित्यों से नीच एचे अन्तर्क के निष्ट तय पाया गया क्षम विन्तरित्यों से कीचत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई विश्वी नाय की बावत, उचत जीभीनवस के बभीन कर बोने के बन्धरक के प्राप्तित्व में कभी करने या उसने धवाने के सुविधा क लिए, आर्/ा
- ्लं, एस किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तिको की, जिन्ही भारतीय कार्यकर जीभीनका, 1922 (1932 की 11) का उठेल जानानथम, दा धन-कार व्यक्तिकवा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा मा सर्विका की लिए।

- (1) पारसमपुरीवा इस्टेट डेवलोपर्स प्राय**व्हेट** (शन्तरक)
- (2) सन्दीप कुमार कमल कुमार खेतान।

(मन्तरिती)

(4) ध्रन्तरक।
(वह व्यक्ति जिसके बारे ; ध्रधोहस्ताक्षरी
किंप्वह सम्पत्ति के हितबद्ध हैं)

की वह समनः कारी करके पूर्वीक्त सम्मात्त वो वर्षन वो सिव् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

# बक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कीहा भी आलोग ह----

- (क) इस स्वमा के राजपत में प्रकाबन की तारीब है 45 बिन की नगीभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धद स्वमा की तामील से 30 बिन की नगीभ, वो और वर्षीय नाद में तजाप्त होती हो, के शैतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की वारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिठवपूर किसी अन्य व्यक्ति दुकारा अधाहस्साक्षरी के पास विवित में किए वा सक्षी:

लक्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, वो उपन विश्व-निवम में कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना, को उस कथ्याव में दिवा गुना है।

# अनुसूची

 फ्लंट न'० 103, जो पारसरामपुरीया ग्रपार्टमेंट प्लाट नं 80-81 टी० पी० एस० नं० 6, सण-वे सेंन सानताकुल (प) बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं० है-2/37-ईई/22677/84-85 और जो सक्षमद्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को जस्टः किया गया ।

प्रशांत राय सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख: 13-3-1986

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

बावकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की ।যাতা 260-ছ (1) को बधीन ग्यना

#### बाह्य उत्सार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1986

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/22678/84-85--- म्रत: मुझे, प्रशांत राय

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उल्ला अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्पति. जिसका उचित बाबार मुस्थ 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, पारसरामपुरीया ग्रपार्टमेंट सान्ताकुज, (प), बम्बई 54 में स्थित है (और और इससे उपाब इ ग्रनुमुखी में ऑर पूर्ण रूप से विष्क्त है ), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिन्यम 1961 की घारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के रिजस्ट्री है। दिलांक 12-7-1985

के प्वांक्त सम्मंति के जीवत बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाबार मृत्य, इसके क्यमान प्रतिफल हो, एसे उध्यमान प्रतिफल का कारक प्रतिफल के विश्वास प्रतिफल का कार्यक प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पावा गया प्रविफल जिम्मलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- हैका) मन्तरूप के हुए किका बाव की नक्त उच्छा अधितिक्षण **से सनीत कर दोने के सम्बद्ध से** कावित्व में अभी करने का उच्छो स्वयं में सुविधा से **जिए; जैद**ंबा
- (का) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंगा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-4 के अनुकरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारः (१) के अधीन, निस्तिवित स्थीकत्यों, अर्थाव् ८—→

- (1) पारसरामपूरीया इस्टेट डेवलोपर्स प्रायब्हेट (मन्तरक)
- (2) सुमित्रा देवी कमल कुमार

(मन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रन्तरक।
(यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानसा है कि यह सम्पत्ति में द्वितबद्व है)

को यह सूचना बार्री करके पूर्वोक्त सज्यस्ति केंःवर्षन के तिथ् नतर्थनाहियां करता हो।

उच्छ सन्परित के नर्बन के सन्वयन में खोर्ड भी शक्की है-

- (क) इस स्वाम से राज्यन में प्रकाशन की तारीं वें
  45 विन की जनकि या तत्सम्बन्धी स्विक्तमों प्र
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकास गया हाँ।

# मनुसूची

पसैट सें नं 102, जो पारसरामपूरीया श्रपार्टमेंट प्लाट नं 80-81, टी० पी० एस० 6, सब-वें लेल नं 1, सातनऋज, (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37—ईई/22678/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किदा गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13-3-1986 मोहर इष्ट नार्द्ध दी. एन. एस.-----

वासकर विभिनित्त 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के ब्योन क्यांग

#### STATE STATE

कार्यासन, बहायक नायकर वातृत्व (पिर्याक्त) प्रजैन रेंज-2, बस्बर्ध बस्बर्ध, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं॰ भई-2/37-ईई/22696/85-85--भतः

मुझे, प्रशति राय,

बायुक्र विश्वनित्तन, 1961 (1961 का 43) (विसं इस्कें इसके परवात उक्त विविधितन कहा गया हों) की भारा 269-स में अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कारने का कारण हो कि स्थापर सम्बद्धि, विश्वका उचित वाचार मृख्य 0,00,000 रा. सं अधिक हों

भीर जिसकी संशाप नं 29 सुपर बाजार सान्ताकुज (प०), बम्बई 54 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्री है। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ष्रध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमों वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का अधिक है और अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्या में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए कियी वाय की वायस्त, उपस् विधिन्त्रक की वायीद क्रय को में सम्बद्ध को व्यक्तिक में कभी करणे वा अवर्ष मुख्ये में सुविधा के निष्कु। विद्यां/ला
- (क) एसी किसी काय या किसीं अन या अव्या आस्तियों की. विवह अरस्तीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्नरिसी ब्वाध प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना चाहिए जा, कियाने में ज्ञीचवा के लिए;

अत: अब:, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत: जिम्नीलिक्द क्यीन्तकों, वर्षाद :— (1) श्री विक्रम एष० संपत और श्रीमती वर्षा वी० संपत।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रीका ए० कनानी और श्रीमती रूपा पी० कनानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कर⊭∉ हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस सूष्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के प्रीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूर्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो बस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

शांप नं० 29, जो तल मंजिल, सुपर बाजार स्टेशन रोड, सान्ताकुज, (प), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० श्रई-2/37-ईई/22696/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा-दिनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक: 14-3-1986

प्रकृष जाहाँ है ही<sub>लें</sub> प्रस्तु प्रस्तु न व व क

भावकार निधीननय, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के मुधीन सुचना

#### शास्त्र करका

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण).

भ्रजंत रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 14 मार्च 1986 निर्देश सं० भ्रई-2/37-ईई/22722/84-85--श्रतः मुक्ते, प्रशांत राय

बावकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उसत मीपीयका' कहा गया है कि पाद 269-य के संधीय बसन प्रतिभूकारों को वह विस्थाय करने का सारण है कि स्थावर उन्मीत, विश्वका स्थित वाबार मृत्य 1,00,000/- का से मीभक है

मोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, सौराष्ट्रा सोसायटी सान्ताकुज (पू), बम्बई 55 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनौक 15-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितिबों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्रिथत किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा भा का किया चाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के किया.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री बाबुभाई बी० वैधा।

(म्रन्तरक)

(2) घनश्याम के० शाह।

(ग्रन्तिरती)

(3) मन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुत्रना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां कारता हुते ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी वाद में धमाप्त होती हो, के भीत पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक में।

स्पटनीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### वन्स्यी

पलैंट नं 11, जो, सौराष्ट्रा को०-धाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड चौथा रोड, टी०पी० एस० 3, सान्ताकुज, बम्बई 400055 के में स्थित है)

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-2/37-ईई/22722/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 15-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत -रांच सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज- 2, बम्बई

दिनांक: 14-3-1986

प्रकप नाइं.टी. एन. एस. ------

भागकार विभिन्तिक, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के बचीन त्यवा

#### मार्था दशका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज⊷2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निवेश सं० प्रई-2/37-ईई/22981/84-85/-- झत: मुझे, प्रीकृति राय

नामकर निष्याम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उनत विधितमम' कहा गया ही, की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निष्यास कारने का स्नारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से निषक है

और जिसको मं० णाप नं० 27, सूपर बाजार प्रीमायसेस सान्ताक्षुज (प०), णम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा धायकर घिनियम, 1961 का घारा 269क ख के घिति, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्रों है, तारोख 22-7-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाकार मृत्य ते अस के क्यामाध्र प्रशिक्षण के लिए जन्तरित की गई है बीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि नयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाकार मृश्य, इसके व्ययमान प्रविक्षण थे, एसे व्ययमाय प्रविक्षण का पंद्र प्रतिकात से निधक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में गास्तिक रूप से किथत गहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तपुर **पं शूर्व कियाँ वाय की पानकः, उपय** कचित्रपण **ये वर्षीय कह दोने से संस्टरण में** अस्तिरस्य में कभी करने वा उससे वचने में स्**विधा** और स्टिस्ट, अस्तिरस्य
- (६) श्रुषी किसी नाम या किसी भन या करूम वास्तियों की, जिल्हें भारतीय नामकार निवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नसम, या भनकार निजित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंशीरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना द्वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उपल विभिनियमं की भारा 269-म में बनुसम्भ में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभास (1) के अधीन, निम्निविश्वक स्थितियों, वर्षांत् र—

1. श्रोमतो चारूलता श्रार० घिर्या

(भ्रन्रक)

2. श्री बिहारो धार० घोग्रेंजा

(प्रन्तरिती)

भा यह सूचका जारी करके पूर्वोक्त कमाति के क्षेत्र के किस् कर्मकाहिमां करता हो।

#### उन्त संपरित में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रच्यां करणः —-इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदी का, यो स्वयः महिनदिन के सध्याय 20-क में परिवासिक है, नहीं वर्ष होगा यो उस तथ्याय में दिया पुना है।

#### वन्यूची

णाप नं० 27, जो सूपर बजार प्रीनियसेस को-म्राप० हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, स्टेगन रोड़ केयमने, सान्ताय-कुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

धनुसूचो जैसा कि क० सं० ध्रई-2/37-ईई/22981/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 22-7-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) शर्जन रेंज⊶2, बम्ब**ई**

तारीख 14-3-1986 मोहर। प्रकप नार्च . दी . एन . एस . ------

## कामकरः निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की नास 269-म (1) में मधीन सुधना

भारत सरकार

## कार्यांतव, उहायक बायकर बाव्यत (निर्देशक)

श्रर्णन रेंज--2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-2/3 -ईई/23010/84-85---श्रतः मुझे प्रशक्ति राथ,

हाबक्तर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उनत विभिन्नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन स्क्रम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार गुल्क 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० पर्लंट नं 4, जो, प्रोरता मंदिर, सान्ताकुज (प०), बम्बई--54 में स्थित है (और इससे उपाणद्ध प्रनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनाम प्रायकंर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारोख 23-7--1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृत्य से का व स्वस्थान् वृतिकत्त के लिए नंतरित की गई हैं जौर मुळे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वल्क प्रतिचल से न्याक है जौर वंतरिक (वंतरिता) जो बीच एसे वंतरण के लिए एस पाना नवा प्रतिक क्य विकासिक उपूर्वेस से द्वार वंतरण विश्वास में वास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्दंस के बधीन कर दोने के अंतुरक की बादित्य में कासी कारने मा उन्नहें नचने में स्विध्य के निक्: और/बा:
- (क) ऐसी किसी आय ए किसी धन या अस्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय नेयक र अधिनियम, 1922 (1922 का १९) या नक भोधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए ना, कियाने में सुविधा की लिए।

श्रुतः, श्रथः, श्रामतः स्वीधीनयमः की धारोः 269 त्यः की समृद्धरणः कां, भी अस्त अधिनियम की धारा 269 व की उप्धारा (1) स्थान, निम्निसिंग्य कित्तानां, नर्थात् स्—

- श्रां प्रजेतराको राम गणदलानज, प्रशोक पहेलाजरा गोपालानी और महमद विश्नूदास श्रलवानो। (प्रन्तरक)
- 2. श्रोमतो निरूपा नरेन्द्र गाह।

(अन्तरिती)

को नह तूचना आरी कार्ज पूनोंचत कमाति के वर्धन के किय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परितः के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्नेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से: 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसमें पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्वित्यों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वित-बद्दा किसी जन्म स्पन्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों कांग्रे कांग्रे क्वा विक्रियम के वश्याव 20-क मी परिभाविक इ., बही वर्ष झोग्रा, को उस सध्याय औ विवा वर्षा ही।

#### वप्य

पलैट नं० 4, जो प्रेरना मंदिर को-भ्राप० हाउसिंग सोसाथटी निनिटेड, एम० बो० रोड़, कालटेक्पोट्टीत स्था के सामने, सान्ताकुज (प०), बम्बई--400054 में स्थित है।

ध्रनुसूत्रो जैसा कि कि सं प्रई-2/37-ईई/23010/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा ।दनांक 23-7-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय् सक्षम प्राधिकरा सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) र्जन रेंज-2, बम्बई

सारोख। 14--3--1986 मोहर। प्रकार बाह् .टी.धन.एड. ------

श्रो प्रजोज ग्रब्दुल्ला चूनाला

(भ्रन्सरक)

2. शेख ध्रदम सबजू

(भन्तरिती)

वावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 49) की भारा 269-व (1) में वधीन शुक्रमा

#### माहरू चत्रकार

कार्याययः, यद्मासक बायकर बाब्यक्त (निरीक्त्य) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1986

िनिदेश सं० **मई**-2/37मईई/23019/85-86----म्रतः मुझे, प्रणात राथ,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रकार 'तकत विधिनयम' कहा नया हैं), की भारा 269-व के वर्धीन सक्तम प्राधिकारों की, यह कियास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विस्तार कीत वाचार गुर

1,00,000/- रा. से अधिक है

अगैर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, ए विंग, फीरडोस अपार्ट-मेंट, विले पार्ले (प०), बम्बई--56 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारों के कार्यालय में राजस्ट्री हैं, तारीख 23--7--1985

को पूर्वोक्त संपरित के विश्वत वाकार मृत्य से कन के रखमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि विश्वास सम्बद्धित का विश्वत वाकार बृज्य, उसके अवमान प्रतिपाल से, एखे क्यमान प्रतिपास का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितिकों) के बीच एखे बंदरूप के लिए स्व वाका पदा प्रतिप कर निम्मीसिवा प्रकृषित से क्यम सन्दर्भ निवित में नात-विक कम से कवित नहीं विश्वा पदा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) होती किसी जाय या किसी भन या क्या जाकित को को , जिन्हों भारतीय आग्रकार जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधित्यम, या क्या क्या जिथितियम, या क्या क्या जिथितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ वृत्तरिती ह्वाड़ा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया वाता जाहिए था, क्रियाने के द्विया के सिए;

चनः शव, इसत विधिवयम की वारा 269-न के वन्वरन में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थाल् ह—— का यह बुजना बारी करने पुतांबत वंपरि में सर्वाय के किस कार्यवाहियां करता हूं।

## क्ष्म क्ष्मीत्व के वर्षन के क्ष्मण्य में कोई श्री बार्क्स ए---

- (क) इत ब्यूचना में शंक्यम में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी स्पत्तिकों पर ब्यूचना की समीव से 30 दिन की वर्षीय, को औं समीथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकारन की शारीब के 45 दिन के मीतर अन्त स्थानर सम्पत्ति में दिवनक्ष सिती सन्द स्थानत स्थान जनास्ताकरी के शक्क विकास में किए का सकीने ।

स्वच्यक्रियुनः :---इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पर्वो का, श्री उत्वश्व अधिनियम के अध्याय 20-क के यथा परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा श्री दव अध्याय के दिका वशा ही।

#### **अनुसू<del>ची</del>**

फ्लैंट नं० 401, जो, चौथो मंजिल, फोरडोस श्रपार्टमेंट स० बो० रोड़, इर्ली, विले पार्ले, (प०), बम्बई-40005 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा ।क कि० संक प्रई-2/37-ईई/23019/ 84-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-3-1986

मोहर ।

मक्ष्य बार्ड , बी. एन., एस.,

## भावकर वर्षितिभव, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में बनीन क्यार

#### राज्य प्राम्त

## भायां तय, सहायक जायकर वायकत (विरोधक)

श्रर्जन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निदेश सं० श्राष्ट्र-2/37-ईई/23048/85-86--श्रतः मुझे प्रशांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाद 'उक्ट मिनियम' कहा कवा हैं), की पाड़ा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, विस्का जीवत रावार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० सो० टी० एस० नं० 1581, वेस्ट गावधन विले पार्ले, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधि। नयम, 1961 को धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टर्ड है सारीख 25-7-1985

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित वाधार मृत्य से कम के उपयान प्रतिकत की निर्म करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपतित का उचित वाधार मृत्य, उसके उपयान प्रतिकत से, एसे उपयान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिधित स्वार्थित से उच्न कन्तरण सिवित में वास्तिबक्ष कप से किन्त का का है है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन मा बन्य गास्तियों की जिन्हों भारतीय गाय-कर गीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्हर मिनियम, वा धनकर निर्धिनयम, वा धनकर निर्धिनयम, 1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्मितियों कुषाहा प्रकट वहीं किया भवा था या किया में ब्रिया की विद्युष्ट

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, रिम्निटिशेषक व्यक्तियों, अधीत :--

1. डा० अब्दुल रहोम काजो

(भ्रन्तरक)

2. मेसस पटेल बिल्डर्स

(प्रन्तरिती)

को सुद्द श्रृणका बारी क्रांस्क प्रशासित संप्रतित सं नर्जन सं जिल्ला कार्यवाहियां कारता शूर्ण।

## उक्त इंदृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इत सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, यो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवादा;
- (थ) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्रीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्ध स्थावत व्यारा ब्थोहस्ताक्षरी के पास किथित में किए या वर्षों ने।

स्वाकरणः-इतमे प्रयुक्त सन्दों बौर पदों का, वा सन्द अधिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, वो उस सभ्याय में दिशा पदा है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सो० टो० एस० न० 1581 स्ट्रीट नं० 219, वेस्ट माघधन, विले पार्ले, बम्बई हैं। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/23048/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 25-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत्र्राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

सारोख: 14-3-1986

अक्षम नाही, की. एन एस. पारास्थ्य

## मान्याण व्यथिनिक्य, 1961 (1961 नव 43) वर्षे पाञ्च 269-न (1) में नवीन स्वना

#### NITE STATE

## कार्यासय , सहायक वायकर सामृक्त (निर्देशक)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 14 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रर्श-2/37-ईर्श/23185/85-86--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आवक्तर जीधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये असर्जे 269-ल के अधीन वक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हुं कि अधान अस्परित, निमान जीपत नामार सूच्य 1.00.000/- रा. से जिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, दि सूकमी को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सान्ताकुज (पु०), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-7-1985

ना। पूर्वोक्त सम्मित को उचित नावार मूल्य वे नाम को दक्यमार प्रियक को सिए अन्तरित की नद्यों हैं स्पेर मुक्ते यह विक्वाल करने का कारण है कि बन्तपूर्वोक्त कम्मित का व्यक्ति क्यालर ज्ञा उनके दक्यमान प्रविक्रम की हो दे दक्यमान प्रविक्रम का प्रमुद्ध प्रतिक्रत समिक हैं कौर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (वंतरितियाँ) को बीच एसे जंतरण को जिल्ला क्या क्या प्रतिक्रम, विक्रम क्या क्या प्रतिक्रम, विक्रम क्या क्या प्रतिक्रम, विक्रम क्या क्या प्रतिक्रम के स्था क्या क्या प्रतिक्रम क्या क्या क्या क्या क्या हैं :---

- (क) सन्तर्भ से हुई भिन्ती बाम की बाक्स, उपक विभिन्नियम की मधीम कई दोने के अन्तरक वें ग्रांप्तिय को कमी कम्मे या उसमें क्याने मं मुक्तिमा की निन्तः। और/या
- ्रभं एसी सिक्षी जाय या सिक्षी ५ म २८ जन्म आस्तियों का, विन्हीं भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरिकी द्वार प्रकट गहीं किया गया भा जा किया जाना चाहिए था, छिपान में मुसिका के सिक्ष;

1. श्री ठक्तर भारत वननजी मनेक

(प्रस्तरह)

2. श्रो राजेश मधुकर गोयसे

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बाड़ी करूबै पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के विषु कार्यवाहिको करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के तम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :----

- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन को अवध्य या सत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर मूच्या की ताजीन ते 30 दिन की व्यक्ति को भी अच्छि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवादा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीतर उपस्य स्थायर सम्भति में दितववृष विक्रती बन्ध् अभित क्यांच वभोहस्साक्षणी के बाब स्थितिहरू में किए का बकोंचे।

#### नगृत्त्राची

गाप नं० 3, जो तल मंजिल, ब्री सुकर्मी को-श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 127, टी० पी० एस० नं० 5, प्रभात कालोनी, सान्ताश्रुग (पु०), बम्बई-400055 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/23185/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिहारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 29-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बस्बर्ष्ट्

तारीख: 1−3−19856

## प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

श्रायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायन आयल,र आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 14 मार्च 1986

निह्नग सं० भ्रई- 2/37-ईई/23235/85-86--भ्रतः मुझे, प्रगौत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 4 श्रौर 5 है, बालाजी दर्णन, सान्ताकुज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रौर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांचय सम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-7-1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बिक्ट में अभी करने वा उसमें अधने में प्रतिपा के लिए; बॉर/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्वो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कें, कें. उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसयों, अधित —— 1. श्रीमती दमयंती दुर्गेशी गदा

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स प्रार० के० ट्रेडर्स

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

कं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पर्कोकरंग: --- ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, त्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुस<del>ुची</del>

णाप नं० 4 फ्रौर 5, जो तल मंजिल, बालाजी दर्शन, लिंक रोड़, णौताकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित हैं

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं 2/37- 1/2

प्रशांत रायं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-3-1986

प्रकप भाइं. टी. एन. एस. - - -

नायकार विधित्तवन, 1961 (1961 का 43) की पाछ। भारा 269-म (1) के अभीन अनुवना

#### शास्त्र **क्रम्म**

## व्ययंत्रय, बहायक वायकर बाधुक्त (निहासक)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1986

निह्मण सं० श्रई~2/37—ईई/23447/85—86∹ -श्रतः मुझे, ्रश्रांत राय,

बावकर निर्धानियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00.000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० णाप नं ० 2, जो, पारम रामपुरिया श्रपार्ट-मेंट, सान्ताकु ज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुन्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायवेलय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूम्में ग्रह विश्वास करने का कारण है

कि बंधा पूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यक्षान प्रतिफल से, एरेसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल किया से एक्स बंदरका किया या प्रतिफल के किया गया है "——

- (क) अन्तरण स सुद्ध किस्त अन्य की बाब्त न उनके ब्रिबिनियम औं अधीन कर दोने के जुन्सहरू ने स्वित्य में कमी करने वा उनके वचने में सुविधा ने लिए; बाह्य/या
- (खं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयं था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण मों, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्रो पारनरामपुरिया इस्टेट डेबलपर्स प्रा० लि० थ (श्रन्तरह)
- डा० श्रीमती स्नेहलता मन्धाने ग्रौर श्रीमती शोभना मन्धाने।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन में सिए कार्यवाहियां करता हूं

## डबर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेत्र #--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पाळा किनरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विश्वा है :

#### बबुल्यी

णाप नं० 2, जो पारसरामपुरिया इस्टेट श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 63, टी० पी० एस० नं० 6, सब वे रोड़ नं० 1, मिलन सिनेमा के पास, सान्ताऋज (प०), बम्बई 300054 में में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/23447/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-3-1986

वक्ष शाही.टी.एन.एस.....

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### श्राप्त वंरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनौंक 13 मार्च 1986 निह्यम सं० धई-2/37-ईई/23513/85-86---ध्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उन्ह मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ क मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्हास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 106, पहली मंजिल, सान्ताकज (पु०), बम्बई-54 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), और जितका करारनामा भायकर श्रीधिनियम, 1961 की धाराय269क, खके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कादेलय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्छ से कन के क्रमनान् श्रीवक्तन के सिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विक्वास कर में का कारण हैं कि स्थापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उच्चे स्वकान श्रीतफंत से, एसे स्वयमान श्रीतफंत के पन्नह श्रीतबात से स्थिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के नीच एसे अन्तरक के बिस् स्य बावा पदा श्रीतक्ता, निम्नितिबत उन्तरिय से स्वस्थ अन्तर्क विविधा में सम्बद्धिक कम से कृतिक महीं किया नथा है हिन्स

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की नावत सकत बहुन-नियम को अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी कपूने या उससे वचने में स्वित्य के लिए; बीप्र/बा
- (ब) होती किसी बार या किसी भन या अन्य आहितयाँ को, विन्ही भारतीय आमक्टर आधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अन्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा से बिक;

बर्ध: अब, सक्त अधिमियन की भारा 269-व है अनुसर्थ वा, भी, सक्त अधिनियम की भारा 269-व की जयभारा (1) व् स्थीन, निम्निन्धित व्यक्तियों, व्यक्ति क्रिक्त 1. मेसर्स जय डेवलीपमेंट कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार बी० शर्मा श्रौर श्रीमती शकुन्तला श्रार० शर्मी

(भ्रम्तरिती)

4. श्री एत० एम० मलुभोय

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हु हितबद्ध है)

 श्रे यह स्थान वारी करके प्रॉक्त सम्मत्ति के नर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्रित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस ब्रम्या के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की अम्रीध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचन की तामील से 30 दिन की मन्नधि, जो भी अवधि साथ में स्वाप्त होती हो, को भीतर प्रवेकिश व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति सुवासा;
- (ब) इस स्थान के राजनत्र के प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-क्यूम किसी अन्य व्यक्तिय वृद्यारा वशेहस्ताकरी के पात विश्वित में किए जा सकतें।

#### नगत्त्रची

पलैट नं० 106, पहली मंजिल, फायनल प्लाट नं० 32, टी० पी० एस० 5, सी० टी० तर्वे नं० 108 से 108 (12), सान्ताकुण (पु०), बम्बई-54 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37~ईई/23513/1 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंठ 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राग सक्षम प्रा**धिं कारी** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख: 13-3-1986

मोहरः

प्ररूप शाहाँ, दी, एन, एक, ----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के गधीर यचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, बम्बर्घ

बम्बर्ह, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ड-2/37र्ड्ड/22277/85-86.— अत: मृझे, प्रशांत राय:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसी इसमें

आयंकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने क कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वं नं. 126/ए, हिस्सा नं. 1/8, अंबि-वली विलेज, अंधेरी, बस्वर्ह में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, गम्बई में रिजस्ट्री है तारीस 5-7-1985

को प्वामित सम्मति को उचित बाजार शृष्य ते कम को द्वयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित जाजार बृद्य उसके द्वयमान प्रतिकल से एसे द्वयमान प्रतिकल का बन्द्य प्रतिकात से प्रिक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिक के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिवाद उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिक क्य से किचत नहीं किया वया है:——

- (क) बन्तरण ले हुई किसी अपन की शबत, उक्त बीधनियम के वधीन कर को के बन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उसने वचने में सविधा के लिए; बीड/वा
- (क) एंगी किसी आय ना किसी थन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनिनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभी के निम्मनिषित अधिकारों, वर्षांष्ठ थ—

(1) पोल अन्थोनी डीमेलो और

(अन्तरक)

विनसॅट डोमीयन डीमेलो।

(अन्तिरिती)

(2) मेसर्स इटरीटोल कनस्ट्रक्शन।

की यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों ९१ सूचना की सामीच से 30 दिन की बद्धिंग, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधीहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा सकोंगे।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा सबें नं. 126/ए, हिस्सा नं. 1/8, सीटी सबें नं. 315 और 340, आंबिवली विलेज, अंधेरी, बम्बई हैं। अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37-ईई/22277/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बर्ड

तारींच : 14-3-1986

### हरूम बार्ड .टी. एवं . एवं . . ...........

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भाइत शरकार

## कार्यातय, तहायक जावकर वायुक्त (निरक्तिक)

अर्जन रंज-2, बम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्द-2/37-ईई/22783/85-86.--

अत: मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 46) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' नद्धा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, चिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- उ. सं अधिक ही

और जिसकी सं. सी टी एस नं. 1104 (पार्ट), वर्सीवा, अंधेरी

(प), बम्बई -61 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्री है। तारीस 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्बेक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार ब्रुच्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुए जिसी नाम की शावक, असक वीधियन के नदीन कर दोने के नन्तरक के वार्थित के कती करने मा जन्नचे मण्डी में बीट्र/का
- (स) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आरुकर अधिनियम 1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सरोज विनोद भट और

(अन्तरक)

अजीत नानालाल भट।

(2) इवान प्रोपटींस प्राइविट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना बारी करबी पृशीक्त कम्परित में वर्णन के जिल्ला कार्यगाहियां करता हो।

वक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध वो कोई जी बाक्षेप:---

- (क) इस प्रथम के राज्यम में प्रकारन की हारीय से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि याद में नमान्य होती हो, के जीतर प्रांकत कांग्रनमाँ में से बिल्ली व्यक्ति हथारा;
- (व) इक स्वना के राजवत में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थापन सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकारी के पास किस्ति में किसे का स्पर्तिने।

रबच्चीकरणः इसमें प्रयुक्त सम्बाधित पर्यो का, वा उपस् सीधीनयम के सभ्यात 20 को परिधानिक हाँ, नहीं सर्थ होता को उस अध्यात से विका सवा हाँ

#### अभूसूची

जमीन का हिस्सा जो सी टी एस नं 1104 (पार्ट),, 51, जयप्रकाश रोड, वसीवा, अंथरी (प), बम्बई -400061 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा की क. सं. अई-2/37-ईई/22783/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रक्षंते राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, बम्बर्स

तारीख: 14-3-1986

### प्ररूप गाइ . टी. एन. एस.-----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/22822/85-86.— अतः सूझे, प्रशांत राय,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, सी टी एस नं. 1069, विलेज वसंवा, अन्धरी (प), बम्बई में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं। तारीख 19-7-1985

को पृष्टिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक हुए में किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/मा
- (का) दोसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थ: या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा कें लिए;

अतः इ.स., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269 में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रीमती बालागौरी चीमनलाल शाह।

(अन्तरक)

(2)अजीत चीमनलाल शाह और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) भाडोत्री।

(यह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके प्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फब्हीकरणः ---इसमाँ प्रयंवत शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा स्ट्रक्चर के साथ जो 37 वर्सोंना बीच राड, विलंज वर्सावा, सी टी एस नं. 1069, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37-ईई/22822/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दवारा दिनांक 19-7-1935 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, बम्बई

तारीख: 14-3-1986

## **तक्य भार्य**ः दी<sub>ल</sub> पुरस्त पुरस्त वर्णाना

## नावभर निधानयम, 1961 (1961 का 43) **ब**ी पाछ 269-प (1) से सपीन सूजना

#### भारत सरकार

कार्याक्रम, महायक आयन्त्रर वाय्क्त (निरीक्षक) अर्जन राज-2, बम्बह

बम्बर्ड, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ड-2/37-ईई/22142/85-86.--

अतः मूझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया ही, की 269-स्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर नैपरित विसक्ता सचित वाजार भ्रष्ट

1,35.800/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 2, सी क्वीन, घिलेज द्वांडा, बांद्रा,

**बम्बर्इमें स्थित ह**ै

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी हैं। तारीख 1-7-1985

को प्रवेकित सम्पन्ति के उपित बाजार मुख्य से कान के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जुझे वह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपितः शाकार भूल्य, उसके बदयमान प्रतिफल से एसे बदयमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच उत्ते, बंतरण के लिए तय पादा गया प्रक्रिकरूपः, निम्नलिकित उद्देवदेश से उवल अन्तरण लिक्कित औ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरभ से इन्हें किसी काश की बाबत उपल श्रीय-नियद के वासीम कर बोने के बन्तरक के दाबिल्स मे कामी कारने या उसने वाचने में सुविधा की फिल्कं: भीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अभिनियम, (1922 को 11) पाउन्त विभिनियम,, या भन∞ कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती **द्यारा प्रक**ट न**ह**ि किया यदा भावाकिया चानाचाहिए भा क्रियोने में सविधा हो सिए:

बतः, बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ने सथीतः, निम्नानिसितः स्वविसर्वाः, कर्याहः

(1) अबार हुरान म्मताज हूसन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमनमाल कन्हैयालाल सन्ना।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकः

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) विश्नु मोसीराम चींबाईकर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध हैं)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के निध कार्यवाहियां कारता 📺 ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड्ष किंसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सक्ये

<del>एपक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्ब</del>ासीर पदी का, थी उक्क विधिनियम, के मध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिवा नमा 📢

फ्लंट नं. 2, जो चौथी मंजिल, सी क्वीन, 48-बी, चीमबाई रोड, विलोज दांडा, बान्या, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अर्ड-2/37-ई र्ड/22142/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बद

तारी**ब**ः 11-3-198**6** 

मोहर 🖰

त्रक्रच ःवार्द्र . टी . एन . एस . ----------

**अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### मार्च बर्चार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बहाँ

बम्बर्ड, दिनांक 25 फरवरी 1986

निर्दोश सं. अर्द-2/37-इंदिं/22174/85-86.—— अत: मझे, प्रशांत राय,

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे रसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया ही, की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका खींचत बाजार ब्रुख

1.00,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी से. पलेट नं. ए-1, गुरूकूपा अपार्टमेन्ट, अधिरीं

(प), बम्बर्ड-58 में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है। तारींख 1-7-1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दारंसजान इतिकस के लिए अंतरित की गई है और सभी वह विस्थात इस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त तस्त्रीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के क्ल्यूड प्रतिहत्त ने अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और इंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पावा बया प्रतिफल, निम्नितियात उद्दिष्य ते उक्त जन्तरण लिखित के वास्त्रविक इन वे अधिक नहीं किया गया है दे

- किं) सम्तरण से हुई फिलीं बाब की बावत , वनस सिंपनियम के संधीत कर योगे में सम्हारक की साबित्य में कमी करने या उससे उचने में विनेधा के मिन्ह; भीर/बा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी भन या अन्य बास्तिवाँ की चिन्हाँ भारतीय शावकर विभिन्नियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्षिनियंत्र, या भन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया जवा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे सिक्षि

बतः बद, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नसिसित व्यक्तियों, अभीत्:——
88---36GI/86

(1) मेसर्स वैभव बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) शिल्पा सदाशीव वैरकर।

(अन्तरि**ती)** 

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पृत्रॉक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

धवड सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विषय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राष्ट्रभ में प्रकाशन की सारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अशंहस्ताक्षण के पास सिक्षित में किए का गर्योगे:

स्थव्यक्षिरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्विषय के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं यही वर्ष होगा वो उस वध्याय में दिया गवा

#### 4774

फ्लोट नं. ए-1, जो गुरू कृपा अपार्टीमेन्ट, श्रीरा देसाई योड,, सी टी एस नं. 80, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37-ईई/22174/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-2, बम्ब**र**

तारीब : 25-2-1986

मोहर

## प्रसम बाह्य हो ् पुर्व पुरुष करण्यस्था

# भायकार लिभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-म (1) में भूबीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बर्ड

बम्बर्द, दिनांक 11 मार्च 1986

निवाँश सं. अर्घ-2/37-ई.घ./22218/85-86.—— अतः मुझे, प्रशांत रायः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 512, इमारत नं. बी-2, देवादीगा सोसायटी, अंधरी (प्), बम्बर्झ में स्थित है

सासायटा, अधरा (प्), बम्बद्दा मा स्थित हा (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),

और जिसका करारेनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बर्क में रिजस्ट्री है।

तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यबाध अरितफ्स के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्तह शितवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के बिए तथ पावा गया पतिफल, निम्निविवित उद्देश्य है उन्तर अन्तरण कि निम्निविव वे स्तरिविव के सम्तरण के बार अन्तरण कि निम्निविव के सम्तर्भ के सम्तर्भ क्या से सिविव

- (क) नंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उकत विध-विवय के बचीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में किसी कार मा उससे बच्चे में निष्या में बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ अस्तिरियों विषाय प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना थाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इंडीको कनस्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री होनरी जीसोजा और श्रीमती मॅबल जीसोजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्थाति के वर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी नाओंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी कें शव विविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकारण ह— इतमें प्रवृक्त कव्यों जीर वर्षे का, वो उक्क व्यक्तिका के कथाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया दवा हैं छ

#### वन्त्या

अनुसूची औसा की क. सं. अह $^{2}$ -2/37- $^{2}$ ईं $^{2}$ /22218/85-हाउसिंग सोसायटी, इमारत नं. बी-2, सहार, अंधेरी (पू), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि. सं. अर्ह-2/37-ईई/22218/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-2, बम्बर्ड

तारीस : 11-3-1986

प्ररूप बाह्रं.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वभीन व्यक्त

#### धारुव सुरकार्ड

## नप्रयोगय, बह्वयक माननार आपूर्य (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, बंबर्ड

बंबर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ध-2/37र्द्ध/22219/85-86.--

अहः मृत्ते, प्रशांत राय,

मनेवकर र्रीपेनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे प्रयुक्ती इन्न वरवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया ह"), की बाहा 269-व के अभीत तकान प्राधिकारी को नह निश्नाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मुक्क 1,00,000/- रह. से अधिक **है** 

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 102, इमारत नं. ए4, विद्यादानी सोसायटी, अंधेरी (पू.), बंबर्क में स्थित है (और इससे उपाबदध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के. ख

के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्दी है तारीख 1-7-1985

क्रो पृथ्वित तस्पीता के उपित दावार मृत के कम के व्यवसाय इतिफास को लिए अंतरित की गई है और मुओ वह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसको इस्त्रभान प्रतिफाल से, एसे इत्यमान प्रतिफाल का रन्द्रह बतिचत ते निभक है और जन्तरक (जंतरकों) नीर अंतरिती (बन्तरिशितमों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तक पाना नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधिक कप से करियत नष्टी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ, किओ आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी 'तत या जन्म जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकार बिधिनियम, (1922 का 11) या उच्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (195**7 का** 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया क्या का या किया जाना चाहिए चा, कियार में स्विधा व विष्ः
- वक्ष: बव, अक्त विधिनियम का भारा 269-ग के वन्तरफ ्रमैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

मेसर्स इंडिको कनस्ट्रक्शन को.

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभा जनार्थन सावकार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकालन की तारीच तं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयक्तियों पर क्चनाकी तामील से 30 दिन की शवभि , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त न्वक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताकारी के पश मिषित में किए वा सकेंने।

स्पच्डीकरण:--इसमं प्रयक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही जर्थ होगा जो उस अध्यक्ष में दिया नया है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं. 102, जो पहली मंजिल, इमारत नं. ए4, विद्या-दानी को आप हाउसिंग सोसायटी, चकाला, अंधेरी (प्.), बंबर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अर्ह-2/37र्हर्ष/22219/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, बंबई

तारीख: 14-3-1986

## प्रस्य आहु<u>िंदी शुन स्थात</u>्रमञ्ज्या

## जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### शारत तरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायका (निरीक्त) अर्जन रंज-2, बंबर्ड

बंबई, दिनांक 11 मार्च 1986

निवर्षेश सं. अर्ध-2/37-ईर्ध/22488/85-86--- अंतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे क्या के दिसके परचार् 'उनत विधितियम' कहा गया है), की वारा 269-च के नृधीन तकाव प्रधिकारी की, वह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, विश्वका दिवस वासार मूज्य

1,00,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 7, इमारत नं. 2, मसालाबाला सोसायटी, माहीम, बंबई-16 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क स के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री हैं तारीस 8-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जोचत बाबार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,

एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे वंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उष्वेदय से अवत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुइ किसी आय की वाबता, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के सिए; बॉर/बा
- (भ) ऐसी फिसी बाय या किसी धर या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना चाडिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती कालसुमगाई अफरली भगानी

(अन्तरक)

2. श्री मोहन अवतराम भौतरमानी

(अन्सरिती)

का नह सूचना जारी करके पूजीकत सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति की अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत हु---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की तारीस के 45 बिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

पर्लंट नं 7, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं 2, मसालावाला को आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटोड, प्लाट नं 281, मोगल लेन, माहीम, बंबई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अई-2/37-ईई/22488/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्रापिक्रारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण**) अर्जन रॉज-2, बंबर्झ

तारीस : 11-3-1986

## प्रथमिन्द्राष्ट्रि डॉफ् एमें . यस ८ वट-०००

अत्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### बाइच् सुरुवात

## कार्यात्तव, श्रहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तज) अर्थन राज-2, संबद्ध

नंबई, विनांक 11 मार्च 1986

निर्वोश सं. अर्घ-2/37र्घर्य/22566/85-86 — अतः मुझो, प्रशांत रायः, वायकर विभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित बाषार मूच्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 11, एमप्रेसं बिल्डिंग, बान्द्रा, बंबई-50 में स्थित है

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्री हैं सारीख 12-7-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के दरममान श्रीतफल के लिए अंतरित की नद्दं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का काउन है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृद्ध उसके ददयमान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल का क्लाह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गरतिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने के सुविधा

कतः अभ, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री लालजी भगवानजी कजानी

(अन्तरक)

 श्रीमती यस्मीन महब्ब संव्रानी और श्री महब्ब सबजाली संद्रानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्वनाहिमां करते हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वृष्धि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविष्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाहा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिस-व्यथ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकरेंगे।

स्पाकित्यः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा अवल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

#### वनसूची

फ्लैंट नं. 11. जो तीसरी मंजिल, एमप्रेस बिल्डिंग, प्लाट नं. 104सी, टी पी एस 3, चौबीसवां रोड, बान्द्रा, बंबई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अर्ध-2/37र्ड्ड/22566/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबर्ड व्वारा विनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, बंबई

तारीब : 11-3-1986

## प्र<del>कार पार्च ,टी. युन्, एव , - - --</del>

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अधीन स्वजा

## माहल पहलाह कार्यासय, बह्मयक नावकद्व वास्क्त (निर्दोक्तक)

अर्जन रोज-2, बंबर्ड बंबई, दिनांक 11 मार्च 1986

निवर्ष सं. अई-2/37ईई/22630/85-86.--

अतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कह्म ग्याहै), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- सः. से अधिक **हैं** 

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 501, माउंट मेरी अपार्टमेंट,

बान्सा (1), बंब $\xi^{2}$ -50 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्री है **सारी**ख 10-7-1985

को पृत्रंक्ति सम्पत्ति के अचित बाचार मृल्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई जिस्सी साथ की बाबत, उक्त स्थि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; बरि/या
- (च) ए`सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित स्पवितर्यो, अर्थात् ः---

- 1. श्री सष्धीन हबीब विरानी, श्री नसीर सबुधीन विरानी और श्री शीराज सद्धीन विरानी
- 2. श्री शेराली महोरली मंचीट

(अन्तरक)

(अन्सरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवादियां करता 📺।

## बन्द सम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तानील से 30 विन की अवधि, ची भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत म्यक्तियाँ में से किसी म्यक्ति वृजारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिधानित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

फ्लैंट नं . 501 , जो पांचवीं मंजिल , माउंट मेरी अपार्टमेंट . बान्द्रा (प<sup>.</sup>), बंबर्ध-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अर्ड-2/37र्ड्ड/22630/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 10-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बंबई

तारीख : 11-3-1986

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बंबर्ष

बंबर्ड, दिनांक 11 मार्च 1986

निवांश सं अर्घ-2/37र्घर/22726/85-86 .---अतः भूको , प्रशांत राय ,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 204, नवजीवन गह सोसायटी,

आर जिसका सं. पलट नं. 204, नवजावन जुह सासायटा, सान्ताकाज (प.), वंबई-54 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क स

के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजिस्ट्रों हैं तारील 15-7-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूनिधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती स्थीली आर. अगतीयानी

(अन्तरक)

2. श्रीमतो नसीमंबान् महमद इबाहीम

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थाना जारी करको प्रबोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख ते 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

## नपुत्री

पलैंट नं 204, जो ब्रूसरी मंजिल, नवजीवन गृह को आप. हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं 26, एस. बी. रोड, सान्ताकुज (प.), बंबई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अर्ड-2/37र्ड्ड/22726/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, क्षेत्रर्ड द्वारा दिनांक 15-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बबर्झ

तारील : 11-3-1986

प्रकार आर्द: की. एवं , एकं , प्रमानमानामाना

बायकार लॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269--च (1) की वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज-2, बंबर्ड

बंबई, विनांक 14 मार्च 1986

निदर्रेश सं. अर्द-2/37ई डि/23064/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

प्रायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्थाल करने का कारण ही कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित ग्राधार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 202, अमितं अपार्टभेंट, **विले** पार्ले (ए), बम्बर्ड-56 सें स्थित **ह**ै

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री है तारीक 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्बंदित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अवने का कारण है कि अभाप्योंकत सम्बंदित का उचित बाजार भूग्य, उच्चे अध्यान प्रतिफल से, एंडे अध्यान प्रतिफल का प्रविक का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकत का प्रविक है बीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरिका) की बीच हो अन्तरक वी किए क्य प्रवास प्रवास प्रतिकत में अन्तरिका निम्मितिकत छ्यूरेश वे वस्त अन्तरक निम्मितिकत में अन्तरिक कम से अधिस स्था विश्वास प्रवास की

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बावस समय विश्व-रियम में अभीन कार दोने जो अन्तरक के समित्य में अभी करणे या कससे अवने में ब्रियम के जिए; महिद/या
- को शेली किली मान वा किली पन वा बन्य वारितामी -को, विन्हीं कारतीन नामकर विविधियम, 1922 (1922 का 11) या उपता किमिनियम या धन -कार विभिन्नियम या धन -कार विभिन्नियम या धन -कार विभिन्नियम 1957 (1957 का 27) -के प्रवेच- मार्च करविधी क्लाय प्रकट नहीं किया पना वा वा वा किया जाना वाला एए या कियाने में सविधा के निष्ट;

1. उवा बालकृष्ण कलसामकर

(अन्तरक)

2. आशादवी डी. ठाकार

(अन्तरिसी)

की वह क्षमा पारी करके प्रांपत बलास्त से सर्पम के सिक् कार्यराष्ट्रियां करवा होतुः

उच्छ जन्मील में अर्थन के बन्नम्य भी जाएँ की सम्बंधन---

- (क) इक क्षत्र के क्षत्रक में अक्सवन की तारक वे 45 दिव की संबंधि ना तरक क्ष्मणी स्थितियों नर स्थान की दावील ने 30 दिन की नवीच, जो भी संबंधि दान में कारक होती हों, के बीटन प्रवेका कामसभी में से विश्ती स्थानत नुवाह;
- (अ) इच अ्त्रता के चयनन में जनस्वन की सामीय के 45 दिन के भीतर उनके स्नामर बन्मीरत-में हिद्यम्बन किसी अन्य ज्यक्ति क्षाइंग अक्टेस्स्मारी के नाम विक्रिय में किए वा क्षांचे ।

श्यक्तीकरणः—हवजे श्रवुकत कर्णा बीट वर्षा का, की करत वार्णिक्षण की कथाल 20-क को व्यक्तिका वृत्ति, बहुत कर्णा को क्षित्र कथाल के विका प्रकारकी की

भन्सूची

फ्लैट नं. 202, जो दूसरी मंजिल, अभित अपार्टमोंट, दादाभोय क्रोस रोड नं. 3, विले पालें (प.), संबद्ध-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अर्ड-2/37र्ड्ड/23064/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबर्ड द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज-2, वं**नद** 

तारीब : 14-3-1986

मोहर 🞉

अत: जब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण त्रं, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) वे अपीन, निकासिक व्यक्तिकी, वसीत अस्म

### पुष्प नार्षेष्ठ सी <u>त</u> एष्ठ हुव उन न स सम्बद्ध

## भाग्णेड विभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सुभ्ता

#### **साउव इ**डक्ट

भार्यान्य, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बंबर्ड

बंबर्ड, दिनांक 11 मार्च 1986

निव्यों सं अर्ड-2/37-ईई/23108/84-85:--अतः यहो, प्रशांस राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. सी-82, सूरज सोसायटी, जुहू तारा रोड, बंबई-49 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री हैं। तारीख 26-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफस निम्नसिवित उद्देश्य से उन्तर अनुरूप विविद्य में पाद्यिक कर ने कवित मही जिला क्या है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा उद्धे सिए; बार/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया भाषा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृतिभा के सिए;

असः अब जन्म शिभिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण में, में, उसत अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन. निम्बिनिवित व्यक्तियों, बधीन है—--

1. श्री सुभाष खुराना।

(अन्तरक)

श्रीमती गोदावरीबेन शामजीभाई कलसारीया,
 श्री शांतीलाल शामजीभाई कलसारीया,
 श्री हरशद शामजीभाई कलसारीया और
 श्री धीरजलाल शामजीशाई कलसारीया।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बार्री करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षान के सिय कार्यवाहियां कारता होता।

उक्त कम्पति के वर्षन् के सम्बन्ध में कार्द भी वाक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकशन की तारीज वें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षाज्य;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति इकारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोगें।

स्यव्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदौं का, जो उक्त जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं. मी-82, जो दूसरी मंजिल, सूरज को. आप.-हाउसिंग सोसायटी, जुहु तारा रोड, वंबई-400049 में स्थित ही।

अनुसूची जैंसा क. सं. अई-2/37-ईई/23108/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रिजस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरोक्षण) अर्जन रज-2, वंबर्ड

तारीव : 11-3-1986

## मक्त बार्यः सी. स्व . एतः .------

भागकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### शास्त्र प्रकार

कार्यां नय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बंबर्ड

बंबर्इ, दिनांक 11 मार्च 1986

निवर्भेश सं. अर्ड-2/37-ईई/23162/85-86:---अतः मुझे, प्रशांत राथ,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रभिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, विसका उचित बाजार भूक्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2463, इमारत नं. 52, बांद्रों साई दर्शन सीसायटी, बान्द्रा (प्.), बम्बई-51 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बंबई में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-7-1985

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिवफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर्भ के क्ष रूप से अधित नहीं किया गया है हि—

- (का) बन्तरण से कृदं किसी बाय की बावत, उक्त विकित्य के नधीन कर दोने को अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या सबसे वृज्यों में सुविका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों सविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जीभनियम की भारा 269-न के जनसरण के, में, उक्त जिभनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) है अच्छिन, निम्निविधित व्यक्तित्वीं वर्णात क्र-ल

- 1. श्री जगन्नाथ कुडप्पा घोरीयन।
- (अन्तरक)
- श्रीमती स्मीथा सूवर्ना और श्री रमन्ता सूवर्ना।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(गृह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

सी बह श्वा बारी करने पृश्वीनय श्रम्पीत्य के वर्षन के दिए कार्यवाहियां करता है।

## क्ष्मत सम्मति भी वर्षन् भी क्षम्मन्य में सोई भी मासोर मर्न्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए वा सकेंगे।

रचक्कीकरण्ड--३समी प्रयुक्त शब्दों बीर श्यों का, वां उक्त विभीनयम के बच्याय 20-क में वरिभावित हैं बही वर्ष होता वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं. 2463, जो इमारत नं. 52, बांद्रे सार्क वर्शन को. आप. हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गांधीनगर, हाउसिंग बोर्ड आफीस के पास, बान्द्रा (पु.), बम्बर्क-400051 में स्थित है।

े अनुसूची जैसा का सं अर्ड-2/37ईई /23162/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत , राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बंबई

तारीख: 11-3-1986

प्रारूप माई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीस्रोश जी. छब्रीया।

(2) श्री अफजल ए. बंदाली और

श्रीमती शिरीन ए. बंदाली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-म (1) के बभीन बुम्मा** 

#### राहर रहका

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन र्जन-2, बम्बर्ड

बम्बर्ड, विनांक 11 मार्च 1986

निवर्भेश सं. अर्ह-2/37-होर्ह/23203/85-86:---यत: मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अर्टेभनियम' ब्रह्मा गया हैं), की भारा 269-ज क अभीन सक्षम प्राधिकार् को यह विश्वस्य करने का कारण धै कि स्थावर संपरित जिसका उज्जित बाजार मक्त

1,00,000/- रत. से अधिक ही

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 9, ए-विंग, वर्सीवा ज्योती, अंधेरी

(प), बम्बइ⁴-58 में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख 1-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नृत्याप्य ने हुए किसी बाय की बायतः, बाइक अपित्या के ब्योप्य कर वाने के बंदरक के न्यीतत्व में करी क्याने वा क्यूब्र ब्याने में कृष्णा के विकार बीड़्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, विक् आरतीय वावक है विविवस, 1922 (1922 का 11) या उनता विभिन्नय या भन-कर विभिन्नय, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट वहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- को बहु बुचवा जादाँ शदुको पूर्वोक्त कम्पत्ति के बर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

## **उस्त बंगरित के बर्ज़न के सम्बन्ध में कोई भी जाक्ये :---**

- (क) इस स्चेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की सर्वाम या तत्सवधी व्यक्तिनों पर स्वाम की तामीस से 30 दिन की सविध जो भी अविद वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उसके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनृ/सूची

फ्लैंट नं. 9, जो ए-विंग वसीवा ज्योती को. आप. हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सात बंगलोज, वसीवा, बम्बई -400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क. सं. अई- $2^{1/3}$ 7-ईई/23203/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया 8।

प्रशति राया सक्षम प्राधिकारि सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-2, बंबर्ड

**ारीस: 11-3-1986** 

## शक्य मार्ड की एन एक -----

## जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

#### STEE SERVE

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बर्स

बम्बद्दं, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्घ-2/37-ईर्घ/22289/85-86 ---अत: मुझे, प्रशांत राथ,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसक्ते परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हु"), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उजित वाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), बम्बई-50 में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप री वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं

कारिक 5-7-1985
को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम से स्वयमान
प्रतिकल के सिए अस्तरित की नहीं हैं और अभे वह विकास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक
कल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविकार कप से कथित नहीं किया नया है ह——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दारियल में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी थय वा अन्य कारिकार की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए था. किया में स्विधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपआरा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

(1) श्रीमती कोरी अने शेलार।

(अन्तरक)-

(2) श्रीमसी झूलेखाबाई इशक कीलंदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता क्ष्री

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूरवा के राज्यक में प्रकाशन की टार्स के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यारा;
- (व) इस सूचन के राजपय में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्त्र किसी मन्य स्थायत इतारा, अथोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए या सकों में।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस कथ्याय में दिया

## अनुसूची

फ्लंट नं. 203, जो दूसरी मंजिल, परीचय को. आप. हाउ-सिंग सोसायटी, शरली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37-ईई/22289/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्वारा दिनांक 5-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 14-3-1986

मोहर 🙁

प्ररूप बाह्", टी. एन. एस. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-2/37-र्हर्ड/22324/85-86 .----अत: मुझे, प्रशांत राय,

षायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 50 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सी विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 5-7-1985

को पूर्वों कर सम्बक्ति को उचित बाजार मून्य से कम को क्यामान प्रतिफल को लिए उन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापुर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य, इसके स्थमान प्रतिफल से एसे क्यामान प्रतिफल का प्रक्र प्रतिस्त से अधिक ही और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एसे बस्यरण के जिए तब पात्रा बस्य प्रतिस्ता, जिन्दी कि उद्धें बस्यरण के जिए तब पात्रा बस्य प्रतिस्ता का विकल, जिन्दी का उद्धें बस्यरण के जिए तब पात्रा बस्य प्रतिस्ता का विकल, जिन्दी का उद्धें का कार्य का विकल कर से कायत नहीं का वास्तिक का

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के निए;

(1) श्रीमती मनी जाल मिस्त्री और श्री परवस एफ. मिस्त्री।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूजा विजय सूखीजा और श्री विजय परशोरम दास सूखीजा।

(अन्त**िरती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्से बंधी स्थाबितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थाबित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीतरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लंट नं. 5, जो तीसरी मंजिल, बीस बिल्डिंग, इकतीसवा रोड, बान्द्रा, बम्बर्झ-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ছ-2/37-ई्र्ड/22324/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया हुँ।

प्रकांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रोज-2, बम्बुईी

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-3-1986

मोहर

## प्ररूप बाह्".टी. एन .एस्. व व्यवस्थानमञ्जू

# नामकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन सुनना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-2, बम्बर्डा

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्ष सं. अर्ह-2/37-ईई/22426/85-86.—

अतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),

50 में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सी वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीर सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है

तारी**व 5-7-1**985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार बूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे अवयमान प्रदिक्त का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब बाया गया प्रक्ति-फल, निम्निसिक्त ज्यूबोक्य से उच्य स्थापन निम्तित में बास्टिस्क स्था से कचित बहीं किया स्वा है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बर्मीवरण में कनी करने ना उन्हों नजने में सूचिया के किय; कांद्र/वा
- (च) दोती किसी भाव वा किसी भन वा कम्य आस्तियों का, विन्हीं आरतीय आवकर नहें भीनवनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-अद अधिनियम, या वन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में ब्रिया के सिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की अक्त कीधीनवम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मेसर्स आर. के. कनस्ट्रक्शनस।

(अन्तरक)

(2) डा. जे. एम\_ सलङान्हा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

दनत सम्मति के शर्दन के सम्बन्ध में कोई भी माखेप ह—

- (क) इस स्थान के रायपन में मक्तायन की तारीय हैं

  45 दिन की नवींभ वा तत्त्रस्थाभी स्वित्वयों विदेश स्थान की मानीय से 30 दिन की अविभि, यो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### **अनुसूची**

फ्लंट नं. 8, जो पहली मंजिल, सेसीलीयन विल्ला, प्लोट नं. 209, कांतवाडी स्कीम, पाली मार्कीट रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ध-2/37-ईई/22426/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत रायः सक्षम प्रार्टिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, बम्बर्ड

तारीख : 14-3-1986

मोहर "

प्रकार कार्<sub>छ</sub> टी<sub>छ</sub> पुरानु एस्<sub>र</sub>प्रधनना

बाजकर विभिनियम, 19'61 (1961 का 43) की भाष्ट्र 269-व (1) के वधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जावकर जायकरा (निद्धीक्रण)

अर्जन रोज-2, बम्बर्ध

बम्बर्ड, विनांक 14 मार्च 1986

- निवांश सं. अर्घ-2/37-इंडि/22481/85-86.--**बतः** मुझे, प्रशांत राय<sub>ः</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके परधात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्परित, विस्का जीवत वावाद मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक ही

और जिसकी सं. आफीस नं. 11, रीजेंसी बिल्डिंग, बान्द्रा,

बम्बई -50 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 8-7-1985

को नुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य हो ऋग सै व्यवसाय प्रक्रिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सामार मन्य, उसके अवमान प्रतिकल से एते अध्यमान प्रतिकर का नेम्बड प्रविश्वत से विभिन्न ही बीर अंतरक (जंतरकाँ) बीर बंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच क्षेत्र बन्तरम के लिए तय पाया गवा प्रतिकास, विक्रांसिया उत्तर्वस्य से उत्तर कन्तुरून विविध ने नास्तिनक स्व हो कथिश नहीं किया गया है ह--

- (क) अन्तर्भ से हुन्द किसी बाद की बादछ<sub>ा।</sub> उपस् वीधृतियम् से बधीन कह दोने के सम्बरक से वाकित्व में सभी कड़ने वा उपने वचने में सुविधा **बे** तिए; शौर∕या
- (क) ए'ते किली जाव था किली भन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जावकार जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं बंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा 🖣 सिए४

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण **वॉ. मॅ. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)** भे जभीतः निस्तिसित अवस्तिस्य अवस्ति अक्ता

(1) मंसर्स कावोरी कोरपोरोशन।

(अन्तरक)

(2) तंजुजा फेमीली दुस्ट और कामारी प्रिया अशोक तेज्जा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

बक्द कुल्हिंद के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप उन्ह

- (क) इस सुभना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्क्क्या की दाजींस से 30 दिन की अवधि, जो औ वयीं भाव में तमाना होती हो, के भीतर पूर्वोक्स **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस अभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ष्ठित-ब्रुप किसी व्यक्तिय दुवारा, वशोहस्ताक्षरी के पास निविद्युमें किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

आफीस नं. 11, जो पहली मंजिल, रीजेंसी बिल्डिंग, नेशनल लायबरोरी राडि, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क<sup>्</sup>सं. अर्द-2<sup>-/</sup>37-र्द्द्द<sup>/</sup>/22481/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बस्बर्द

तारीख : 14-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्षा सं. अई-2/37-ईई/22487/85-86 ---

अतः मुझे, प्रशांत रायः,

जायकर सिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लेट नं. 4, कटयानी सोसायटी, माहीम,

बम्बई-16 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्री है तारीख 8-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान अविकत को सिन् बन्तरित को गृह है बार जूने वह विक्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसिस्ति उद्विश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुद किसी बाग की बावत समस विभिन्नियं के अवीत कर वाने के बुन्दरक से स्वित्य में कमी करने वा उसके वकने में सुनिधा के सिए; बॉट/सा
- (क) एकी कियी बाद या कियी वृत्त या कृत्य शास्तियमें कां, जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता निर्धानयम, या धनकर निर्धानयम, या धनकर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया यथा था या किया बाना बाहिए वा कियाने में सुविवा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कल्पेश एच. चावला।

(अन्तरक)

(2) श्री आश्विन देवचंद नागडा और श्रीमती जयशी आश्विन नागडा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ट---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नेद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म स्मित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मनुसूची

फ्लैंट नं 4, जो दूसरी मंजिल, श्री कटयानी भवन को आप हाउसिंग लिमिटेड, 223-ए, टी. एक कटारिया रोड, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ছ-2/37र्ছ है/22487/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रश्नाच राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-2, बम्बई

तारींब : 14-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ध-2/37-ईई/22515/85-86.--

अत: मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

और जिसकी मं. आफीस नं. 61, रीजेंसी बिल्डिंग, बान्सा,

बम्बई -50 में स्थित है

(और इससे उपाबत्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है तारीख 11-7-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभी यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे उश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनसरग तैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---90 -36 GI/86

(1) मैसर्स कावेरी कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री जयराम जयिकशनदास रजनी और डा. रमेश जयराम रजनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी की पास निश्चित में किए आ सकों गे।

स्पत्त्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो अन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यहीं अर्थ होगा जो उस्स अध्यास में विमा गमा है।

### नन्स् ची

आफीस नं. 61, जो छठवीं मंजिल, रीजेंसी बिल्डिंग, भोयवाडा राडि, बान्त्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अर्ध-2/37-ईई/22515/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारी**ख**ः 14**-**3-1986

## भक्त आर्थ*े हों. पुर*ु हुन <sub>अ</sub>न्तर-४०४०क

## वायकर हरिप्रीयका, 1961 (1961 जब 43) की भारा 269-त (1) क्षेत्रजीत ज्ञाना

#### भारत बहुकान

## कार्याचन , बहायक भावकर बावक्त (विरक्षिण)

वर्जन रोज-2, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ड-2/37-इर्डि/22559/85-86:---अतः मुझे, प्रशांत रायः,,

मामकुर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा अर्थान सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्रमानर संपत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अभिन्न है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 25 गुरू कृपा अपार्ट मेन्ट, दादर (प), वम्बर्श-28 में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करास्तामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री हैं तारीख 22-7-1985

क्रो प्राचित क्रम्पत्ति के उपित बाजार ब्रुट्य से कर के क्रथबान प्रक्रिक को मिए सन्तरित की मद्दी है और सुभी यह विस्थात कुरने का कारण है कि यशस्त्रवेक्त सभ्यत्ति का उपित बाबार मुल्ब, बसको दश्यमान प्रतिकत से, होसे प्रश्वमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रोतकत से प्रभिक ही और बंतरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एंडे बन्तरच के किए तथ पादा बड़ा **५१तफल, निम्नसिचित उद्दोश्य से** जबत अंत्ररण निम्मन म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पदा है र---

- (क) बन्तरम से इ.प. किसी बाद की नावत करक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वारित्य में सभी करने हा उत्तरी बलवे में समिशा भी जिल्हा सहित्र वा
- (अ) पंची किसी बाब वा किसी धन वा समर प्रास्तियाँ को चिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, (1.922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर निभीनयन, 1957 (1957 का 27) क्षेत्रयोवनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या विकास साना पाष्ट्रिय था, क्रियाने हो ब्विभा के लिए;

बतः थवः, उक्त वीर्धनियमं की भारा 269-न में बनस्टरन मैं, मैं, उक्त विभीनयम की भारा 269-व की उपधारा (1) क् अभीतः, निस्तीलीखन् व्यक्तियोः, स्थानः 🛶

(1) मैसर्स बिलकान कारपोरांशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सारिका लाव करलकर।

(अन्तरिती)

क्षा क्षा सुक्षका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादियां ऋत्या 💽 🕮

#### बबत क्षम्यति के बर्चन के बंबंध में कोई नी बाधोप ---

- 🚾 अस व्यक्तमा 📽 क्षाप्तात हो सकासन की तार्राव 📽 45 विश की अवधि या तत्वात्रवस्थी व्यक्तियाँ मर ब्चना की दामीन से 30 दिन की नविभ, यो भी क्षरीय बाद में प्रमान्त होती हो, को बीतर पूर्वीका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकादन की तारीय से 45 दिन के बीतर जनत स्थावत सम्बन्धि में द्वित-बबुध किसी अन्य व्यक्तित दुवारा अधोहस्ताकारी के पास निक्रित में किए आ सकों में।

रणक्रकोक एवा:—-इश्वचे प्रयुक्त वर्ष्या कौर पर्यो का, मा उक्त बीधीनवब, खेबभ्याच 20-इ.स. परिभाविस ड़ी, बही वर्ष होया थी उस मध्याव में दिना अया है ।

## वन्त्र्यी

पलैट नं . 24 , जो छठवीं मंजिल, गुरू कृपा अपार्ट मेन्ट, एन ा सी. कोलकर रोड, वादर (प), बम्बई-400028 में स्थित ही।

अनुसू**ची जैसा क**िक. सं. अर्ছ-2/37-ई र्ছ/22559/85-86 और ओ सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्वारा दिनांक 22-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बद्धी

तारीख: 14-3-1986

## হজৰ ৰাষ্ট্ৰ হাঁত দুৰত দুৰত্ব-----

## शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) में वभीन ह्युचना

#### भारत तरका

## कार्यात्तय, सहायक भायकर नावृक्त (निहुक्तिक) अर्जन रॉज-2, बंबही

बंबई, दिनांक 14 मार्च 1986

निवास सं. अर्ह-2/37-ई. है / 22562/85-86:— सत: मुक्ते, प्रशांत राय,

बावकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसमें इसके प्रकाद उन्त वाधिनियम सहा न्या है), की पारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति विस्ता विस्ति वासीर मुख्य

४,00,000∕- रु. से अधिक **ह°** और जिसकी सं. सर्वे नं. 316, सीटीएस नं. 1633, पाली दांडा रोड, बान्द्रा, बम्बर्द में स्थित ह**ै** 

(और इससे उपाबध्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी केकार्यालय, बंबई में रिजिस्ट्री है तारीड़ 5-7-1985

को पूर्विकत सम्पिक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रियमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एमें द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्दोश्य सी उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर योग के अन्तरक के दायिस्त में अभी करने या उसमें अभने में सुविधा अंतिय; श्रीर/मा
- (अ) ० भी िल्ली आय या जिसो धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खता व्यक्तयों, अर्थात् ध—— (1) श्रीरेशम सिंग।

(बन्तरक)

(2) श्री के. जे. यंस्दास।

(अन्तरिती)

(3) अन्सरिसीं।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी कर्जी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई (8)

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी गाजरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीच सें 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की वविध, वो धी वविध बाद में तमाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्लारों;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं तैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानस द्वारा अधोहस्साक्षरी के पात लिश्वत में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसुची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वो नं 316 हिस्सा नं 1 (पार्ट) सी टी एम नं 1633, पाली दांडा रुड़, बम्बर्ड है। अनुसूची जैसा कि के सं अर्ड-2/37-हीड /22562/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबर्ड द्वारा दिसंक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-2, बंबर्ड

तारीख : 14-3-1986

मोहर 📜

77. TO SECTION

प्राप्त्य आर्च्टी एन एस . -----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269न (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बंबर्ड

बंबई, दिनांक 14 मार्च 1986

निदांश सं. अर्ह-2/37-र्हर्ह/22613/85-86.--अतः मुझे, प्रशांत राय,

शासकर विधानिका, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्कों इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के सभीन बसम शिकारों को, यह विकास करने का कार्य है कि स्थाप्त सम्मान, जिनका प्रवित समार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेंट नं. 7, श्याम निकेतन, खार, बंबई -52 में स्थित है

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री है तारीस 11-7-1985

को पूर्वोक्स संवित्त को विषय बाजार मुख्य से कह के स्वयमान हिष्क्रम को सिए कम्बरित की गई है और मुझे यह निरवान करने का कारण है कि वंजान्वोंक्स समाति का उपित नाजार शृत्य, उठ्यो क्याबान प्रतिक्षम है, ए से क्याबान प्रतिक्रम का पेश्वर इंडिक्स के विषय है जोर व्यवस्थ (व्यवस्था) जोड़ बंदरिती (वन्तरित्यों) से बीच ए से वन्तरित के सिए स्व शामा थवा प्रति-क्ष्म निर्माण को सिंदर्स के स्वयं स्वयं

- (क) बच्चरण वे हुई किसी बाव की बावच, बच्च विभिन्नियम के नशीन कर वोचे के बंतरक के दावित्य में कमी करने वा अवते वचने में कृतिभा के निए; नडि/वा
- (क ऐसी किसी धान वा किसी धन या बन्न धारितमी को, धिमहें धारतीय नायकर अधिष्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिष्यम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रवोद्यार्थ अन्तरिती द्वारा हकः नहीं किया गया धा किया बाना वाहिए था, कियाने में वृद्धिया के दिवह;

बत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कं: क्षागरा (1) के अधीय विकासित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) चन्द्रकांत जथामल पटल।
- (अन्तरक)
- (2) भागचंद टी. रगवानी≀

(अन्सरिती).

को यह सूचना बारी करबी पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेत्र:----

- (क) इस स्वान के अवस्थ में प्रकाशन की उग्नीय है 45 दिन की नवधि या उत्स्मानी व्यक्तियों कर स्वान की सामीस से 30 दिन की नवधि, को भीत मार्थ होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में के किसी स्वतिस बुवास;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की सार्थित से 45 दिन के भीतर समय स्थादर सम्मति थें। हित-व्यक्ष कियाँ क्या क्यांकर स्थाप क्यांकर थें। हित-व्यक्ष कियाँ क्या क्यांकर स्थाप क्यांकर श्री के पाण सिवित में क्या स्थाप स्थाप ।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रवृक्त कर्य और पर्यों का को उक्त विधिनियम, के नध्याय 20-क में गरिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विद्या प्रवाहीं

#### वर्दर्भ

फ्लंट नं. 7, जो तीसरी मंजिल, स्थाम निकेतन को. आप. होउसिंग मोसायटी लिमिटोड, प्लोट नं. 627, बार पाली रोड, खार, बंबई-400052 में स्थित हो।

अनुमूची जैसा कि कि. सं. अई-2/37-ईई/22613/85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा विनांक 11-7-85 को राजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकांदी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, बंबई

तारीख: 14-3-1986

प्ररूप बार्ष: दी. पुन. प्स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्श्रयांच्या, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-2, बंबर्द

बंबई, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-2/37-ईई/22614/85-86.—

अतः मुझे, प्रशांत रायः,

णाबनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अप के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 7, और गेरोज नं. 14, कोनकोर्ड अपार्टमेन्ट, बान्द्रा, बस्वई-50 से स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी केकार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री है तारीख 11-7-1985.

को प्लेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रातिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंदाह प्रतिज्ञात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(जन्तरितियों) अे बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल मिम्नलिचित स्व्वेश्य से उक्त अन्तरण लिचिता में बास्तीबक क्य से कांचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, खनत पियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कभी करने या उससे स्थन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहें किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

शत: सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधोम, गिम्नोलिशित व्यक्तिसमी, अधीत प्रस्त (1) श्री नटराजन विश्वनाथन।

(अन्तरक)

(2) श्री डॉरीयस के. कामा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना शारी करके पूर्विक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्दीकरणः -- ६समें प्रयुवत रुद्धां और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ कृभा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

पलेट गं. 7. जो सानवीं मंजिल, और गेरोज नं. 14, जो कोनकोडी अपार्टीमेंन्ट, बूलोक रोड, बन्ड स्टांड, बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित हो।

जनुसूची जैस की कि. सं. अई-2/37-ईई/22614/85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 11-7-85 को रजिस्टर्ड व्याग है।

> प्रशांत राय सक्षम गाधिकारी सहायक आयकर आयक्त (नेरीक्षण) अर्जन रॅज-.२. वंबई

तारीख: 14-3-1986

माहर:

## धक्य आहु<u>ँ टी एवं एस</u> .........

## नायकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) में नधीन सुमना

#### ALL STATE

## कार्याक्रम, तहायक आयुक्त जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-2, बंबर्च

बंबई, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-21/37-ई. ई. 22616/85-86 -- अत: मझे, प्रशांत राग,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निविचम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन संसम् प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारभ हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 603, ए-विंग, कांसी अपार्टमेन्ट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क स के अधीन सक्षम प्राधिकारी केकार्यालय, बंबई में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर निर्मित्यम, या धन-कर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाराश (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— (1) श्री किशीनवास विशीनदास।

(अन्तरक)

(2) श्री छाट महमदली सोपारीवाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती और उनके परिवार के सदस्य। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत संपरित के वर्षन के सिड् निए कार्यवाहियां कपता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृक्ष किसी अन्य स्थिकि द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेंट नं. 603., को छठवीं मंजिल, ए-विंग, कांती अपार्ट-भेन्ट, माउंट मेरी रोड, बान्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37-ईई/22616/85-86 और को सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 11-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिक्य्र्री सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, बंबर्ड

तारीख: 14-3-1986

## प्रकृत बाहु ,टॉ. पुन्, पुन्, क्रान्य व्यवस्था

भावकर मौभनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भाग 269-व (1) के सभीन स्वना

#### भारत बहुकार

## कार्यासयः, सहायक मायकर नावृक्त '(निर्द्रीकाण)'

अर्जन रंज-2, बम्बंह

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निव र्षा सं अई-2/37-ईई/22651/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय, भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वाल् 'उक्ल अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मु<del>स्य</del> 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 57/552, एम. आय. जी. कालोनी, बान्द्रा (प् ), बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाबवुध अनस्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम की भारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारी**न 11/7/198**5 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एेसें जस्तरण के सिए तब पाया च्या प्रतिफास, निम्नलिखित खबुदोध्य से उक्त जन्तरण सिचित में

शस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया 💕 🖫

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने तें म्विका की किया

अत: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्रीमती रीटा पौल।

(अन्तरक)

2. श्री जयमल मोतीराम छड्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्मत्ति के कर्णन के तंत्रंथ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ह्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसूची

फ्लैंट नं 57/552, जो एम आय जी कोलोनी, गांधी नगर, बान्त्रा (प्.), बम्बई-400051 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ছ-2/37-ईर्ছ/22651/84-85 और ओ सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11/7/1985 को रिजस्टर्ङ किया गंया है।

प्रकांस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रौज-2, अम्बर्झ

तारीख : 14/3/1986

प्ररूप कार्ष, सी. एम. एस. -------

## बावकर विधिवयंत्र, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के बंधीय सुख्या

#### भारत सरकार

## कार्यक्रम, सञ्ज्ञायक जागापर सामृक्ष (विरक्षिण) अर्जन रॉज-2, बम्बंही

बम्बर्इ, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्देश सं अर्ध-2/37-ईर्ड/22671/84-85--अतः मृझे, प्रशांत राय, बायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 100-7, जेथीबेन कोलोंनी. माहीम, बस्बर्ध-16 में स्थित हैं

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बर्ध में रिजिस्ट्री हैं तारीख 12/7/1985

कों प्रजेका सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गृह है रहेर गृहि यह रिस्कास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य ससके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पंग्रह प्रतिशत से अविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के तिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिया कम से अभिन्न गहीं किया पंगा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाकित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के सिए; औष्:/गा
- (या) एची किसी जाप या किसी पम या अल्य आस्तियाँ को, जिल्हाँ भारतीय कायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जण्त अभिनियस, या असकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अधिकार्य अस्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया सवा भा या किया जाना काक्षिए था, कियाने में स्विका के सिका;

मतः जब, उक्त किषियक की भारा 269-ए के अनुकरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री तक्ष्मन रोझमल करमचंदानी।

(अन्तरक)

2. श्री ग्लाबराय टी. मिरपूरी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोंग में सम्पत्ति हैं)

का यह मुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः 🛶

- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकावन की तारीच से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर भक्त स्थापर सम्पत्ति में हित्यपुर किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमित्वम, के अभाव 20-क में परिभाविका है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया सक्षः है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं 7, ओ तिसरी मंजील, ब्लोक नं 10-ए, जेथीबेन कोलोनी, मोरी रांड, माहीम बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37-ईई/22671/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12/7/1985 को रिजस्टिंग किया गया है।

प्रशार्ति राय सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारोंक : 14/3/1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-2, बम्बंड्

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

्रनिद<sup>क</sup>्ष सं. अर्ध-2/37-ईई/22675/84-85— अतः मुझे, प्रशांत राय,

सायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' बढ़ा गया हैं), भी भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार गरम 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 9, माहीम मेरी निकेतन, माहीस, बम्बंई में स्थित ही

(और इससे उपाबव्ध अन्भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्री है तारीख 12/7/1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूस्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में गस्तियक हुए से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्या अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवधा के लिए।

तत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन जिल्लिकित व्यक्तियों , अधीत् ;----9---36GI/86 । अो सिद्यीयः नूर महमद करूरोशी।

(अन्तरक)

- 2. श्री महमद नसीम स्वान महमद मिश्वीक स्वान। (अन्तरिती)
- अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसको अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं. 9, जो तिसरी मंजिल, माहीस मोरी निकेतन की-आप. हाउसिंग सोसायटी, प्लोट नं. 689, टी. पी. एस. 3, माहीस, बम्बर्ड में स्थित है।

अन्सूची जैसा की क. सं. अर्ध-2/37-ईर्घ/22675/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्घ द्वारा दिनांक 12/7/1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, बम्बई

तारीम : 14/3/1986

# अक्ष्म बार्ड, टी. एन<sub>ा</sub> एस.-----

## बावकर विधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के विधीन कुणना

#### STORY WORK

# कार्यासय, सहायक जानकर भाग्यत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बर्द, दिनांक 14 मार्च 1986

निद<sup>क्</sup>श सं. अङ-2/37-र्इ $^{2}/22728/84$ -85— अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्बत्ति, विश्वका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 14-बी, बालमोरल होले, बान्द्रा, बम्बर्ड-50 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारेनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं। तारीस 15/7/1985

को पूर्वेकत सम्पत्ति के उचित शाकार मृश्य ते क्षम के दश्यमान वितिक्त के निए अंतरित की नई है और मुझे वह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिक्रस से, ऐसे ध्रयमान प्रतिक्रस का पंद्रह प्रतिक्रत से बीधक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के सिए सम पामा शितिक्रल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में के बोस्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है उ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा की लिए;

नतः नव, उक्त निधीनयम की भारा 269-ग के नमुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित करिक्तयों, अर्थात ह——

- 1. श्री रहमत्ल्ला एच. मिथा।
- (अन्तरक)
- 2. श्री कबीर आर. मिथा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिप्ती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोंग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त क्रम्तित् के क्षर्यंत के क्रमान्य में कोई मी मार्थाप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब के 45 दिन की बंबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति दें में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्भ किती अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वयद्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उपन किश्वितसम्बद्धे अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिवा नवा ही।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं. 14-बी, जो बालमोरल होल, चौंदवी मंजिल, 7 माउन्ट मेरी रांड, बान्द्रा, बम्बर्श-400050 में स्थित है। अन्सूची जैसा की क. सं. अर्ध-2/37-ईर्ছ/22728/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ध द्वारा दिनांक 15/7/1985 को रजिस्टर्ड किया गंया है।

प्रशांत राय प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, वस्बर्झ

प्तारीच : 14/3/1986

## त्रक्य आई.टी.एव.एव.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-जं(1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, बम्बंई

बम्बर्घ, विनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ड-2/37-र्डर्ड/22729/84-85--थुतः मझे, प्रशांत रायः,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 403, चौथी मंजिल, बीर सावरकर मार्ग, दादर, बम्बई में स्थित है।

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, खे अधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं

तारील 14/7/1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते यह विद्वास करने करने का कारण हैं कि सभापृष्टित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, ऐसे दूरमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथ पाया नवा प्रति-कस निम्नलिखित उच्चेय से उक्त जंतरण शिवित में बास्तविक कप से अधित महीं किया नवा है ए---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाव की वाबसा, उपस् विविध्य भी सचीन कर देने के जन्तरक नी दासित्य में कमी करने या उससे व्यन में सुविधा नो विष्; वरि/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धम वा अप्य आस्तिवाँ को, विन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः स्व, उच्च निधिनियमं की धारा 269-मं के बनुसूरण में, में, धक्त निधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, अधीत क्च्च

- 1. मेसर्सबी. ए. नेरूरकर एण्ड ए. एम. ख्वाजा। (अन्तरक)
- 2 श्री महोन्द्र ए. पोटील ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन में संबंध में कोई भी बाजंब ६---

- (क) इब ब्रुचना के रावपन में प्रकादन की तारीच हैं 45 विन् की सर्वीच वा तरहान्त्री व्यक्तियों पृष्ट तृष्ट्या की तामील से 30 विन की सर्वीच, को भी बर्वाच बाद में स्नाच्द होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इब अ्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी बृन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त निर्देश में किस् वा सक्षेत्र।

स्वरक्षीकरणः --- इसमें प्रभुक्त वन्दों और पक्षों का, को उन्नर विभिन्नियम दे अध्याय 20-क में वीरभाविक ही, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याम में वियाणका ही।

## अनुसूची

फ्लीट नं. 403, जो चौथी मंजिल, टी.पी.एस. 4, वीर सावरकर मार्ग, दादर, बम्बई में स्थित हो।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अर्ছ-2/37-ईर्ছ/22729/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 14/7/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांस राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, **बम्बई** 

धारी**ल** : 14/3/1986

प्ररूप बार्च. दी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

1. श्री राम निवास जे. रथी।

(अन्तरक)

2. श्रीजी.सी.मिसिजा।

(अन्तरिती)

# कार्यालय, सहायक नायकर भाष्ट्रक (निर्देशका)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निच<sup>\*</sup>श सं. अर्द-2/37-ईई/22817/84-85--

अतः मुझे, प्रशांस राय, आयकर किभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अभिजियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण हैं कि स्थावर समास्ति, जिसका उधित बाचार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 3, बेन्ड्रा धूप छाव को-आप. हाउसिंग

सोसायटी, बान्द्रा, बम्बर्ड-50 में स्थित है

(और इससे उपाबव्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री हैं तारीख 18/7/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धक्त मान प्रतिकल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिकल सं, एने क्यमान प्रतिकल के बल्ग्रह प्रतिक्षत से बचिक हैं और अंतरक (बंतरकों) बौर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के मिए तम पाया दया प्रतिकम, निक्निसित्तत्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया प्रयाह :---

- (का) बन्तरण से दूर्व किसी शाम की बाबत, रक्तर अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक थे दायित्व में कसी करने या उत्तरो बचने में सुविधा को विद्यु औष/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, जा धनकर विधिनयम, जा धनकर विधिनयम, जा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, कियाने में मूनिभा के शिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बमुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टांकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.1]

## अनुसूची

फ्लंट नं 3 , जो बेन्ड्रा धूप छांत्र को-आप , हाउसिंग सोसा- यटी, प्लोट नं 201, टी.पी.एस , 3 , अठाइसवा रोष्ठ , बान्द्रा , बम्बर्ड-400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37-ईई/22817/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/7/ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, बम्बर्ड

तारीख : 14/3/1986

**प्रकृप ब्राइ**ं, दी. एन. एस.. - - -

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269 म्(1) के बभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजे-2, बम्बई

बम्बर्ह, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अई-2/37-ईई/22849/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209- व के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मूल्य

1.00.000/- रु. सं अधिक है और जिसकी सं. आफीस प्रीमायसंस नं. 6, बंला-वीस्ता, बान्द्रा,

दम्बद्ध-50 में स्थित हैं

(और उससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री हैं तारीख 19/7/1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप क्य के क्षित् वहीं किया प्या है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्रक्ष अभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधः के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था क्रियानं में सुविधा के सिए;

बाराः वया, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग अ अनुसरण हो, हो, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री अंभतमल पृहुमल परीयानी और श्री मोतीलाल जे. परीयानी।

(अन्तरक)

2. श्री इस्वर लालदीन म्ल्हात्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भवद्दीकरण :----इसमो प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, आ' उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मा दिया गया है।

## अनुसूची

आफीस प्रीमायसेस नं 6, जो तल मंजिल, बेला-वीस्सा को-आप हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, एस. वी. रोड, बान्द्रा, बम्बर्ছ-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ছ-2/37-ईं  $$^{\prime}/22849/84$ - 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19/7/1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, बस्बर्झ

तारीख : 14/3/1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक श्रायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज-2, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निद<sup>\*\*</sup>श सं अर्द-2/37-र्दर्द'/22859/84-85--

अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1.00.000/- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 1, अलीन अपार्टमेन्ट, बान्द्रा (प.),

बम्बई-50 में स्थित हैं।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजरट्री है तारील 19/7/1985

करों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एो से रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) नंबरण से हुई फिली बाय की बाबत, अक्षर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विया के सिष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 शीए. बी. जे. पररा।

(अन्तरक)

2. श्री सावक बेजानजी महता और श्रीमती विल् सावक महता।

(अन्तरिसी)

3 अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभौग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त कम्पर्टित को अर्थन को संबंध में कोई भी वाक्रोप १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार।;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं. 1, जो पहली मंजिल, अलीन अपार्टमेस्ट, सेस्ट जोसेफ रोड, बान्द्रा (प.), बम्बई-400050 में स्थित हुनै।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ছ-2/37-ईर्ছ/22859/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्वारा दिनांक 19/7/1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख : 14/3/1986

## प्रकल बाह् , शी. एव . एख . -----

# भागपर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुमना

## गाउत रहकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वाय्यत (निरक्षिण)

अर्जन रॉजं-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निद<sup>भ</sup>श सं. अर्ह-2/37-ईर्ছ/22874/84-85—-

अतः म्झे, प्रशांत राय,

कारकार विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रकात 'उकत विधियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सभास प्राणिकारी को यह विस्ताय करने का आरख हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता लिजत लाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आरे जिसकी मं. फ्लैंट नं. 9, गोविंद भवन, खार, बम्बई-52

में स्थित हैं।

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री हैं तारीख 19/7/1985

- ्रक्षे पूर्वोद्धत सम्मित्त के उपित पाषार मृश्य से का के ध्यवधान
  प्रतिकत्त के लिए अन्तरिती की पद्द कार मृश्वे यह विश्वास
  कार का कारण है कि यथान्युकोंका सम्मित्त का उपित वाबार
  मृश्य, उसके स्यान प्रतिपन से, हो अन्यान प्रतिपत का
  पन्यह प्रिएकत से अधिक है और अन्यास (अन्यासकों) और
  अन्यासिती (अन्तरितियों) के भीच एवं अन्यास्क के निर्द तक
  गाम यस प्रतिपत्त विश्वासिक उद्देश्य से उसके अन्यास्क
  लिसित में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है :—
  - (का) बन्तरूप से हुन्द्र भिन्नी बाब की वायत , क्या विभिन्नियम के वर्षीन कर प्रेचे के अन्तरूफ के आधिस्थ में क्यी करने या समने बचने में सुविधाः के लिए; बॉर/या
  - (ख) एंसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रमाज-नार्थ अंतरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निम्मिमिकित व्यक्ति क्यांत क्र

1. श्रीमती सुशीलाबेन लूल्ला।

(अन्तरक)

 श्री भारत भगनलाल लंगालीया और श्री जयेश मगनलाल लंगालिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिसी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोंग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की बचीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वा की ठावील से 30 दिन की अवदि, वो भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायह सम्मत्ति में हितवस्थ किती बन्य व्यक्ति व्याग अभोइत्ताकरी के पास तिचित में किए वा सकीं है।

स्वक्योकरण:--इसमें त्रयुक्त संक्यों बार पर्के का, जा क्षकत अधिनिभय जो बच्चान 20-क में परिधानित है, कही वर्ज होना, को उत्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पर्लंट नं. 9, जो दूसरी मंजिल, गोविंद भक्षन, प्लोट मं. 131. पाच्या रोड, खार, बम्बर्ड-400052 में स्थित है। अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ड-2/37-ईर्ड/22874/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 19/7/ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-२, बम्बर्ड

तारीय : 14/3/1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. ------

वाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्थालय, सहायक बायकर नाग्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 14 मार्च 1986

निद<sup>\*</sup>श सं अर्ध-2/37-र्डर्ड/22918/84-85---

अतः मुझे, प्रशांत राय,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं आफीस नं 12, दी रीजेन्सी, बान्द्रा (प.),

बम्बर्ड-50 में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269 क, ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अंबर्क में रिजस्ट्री है तारील 19/7/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

पतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं।

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पारत का उचित वाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उव्ववेय से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में भ्रिका में जिए;

1. मेसर्स कावेरी कारपोर शन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंजना जगवीश कपाडीया और श्री जगदीश मनीलाल कपाडीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वासीप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्थिकत व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्या, है।

### अनुसुची

आफीस नं. 12, जो पहली मंजिल, दी रीजेन्सी बिल्डिंग, ओल्ड भोयवाडा रोड, नेशनेल लाइब्रूरी रोड, झान्द्रा (प.), बम्बर्ह-400050 में स्थित है।

अन्मूची जैंगा कि का सं अर्ध-2/37-ई र्घ/22918/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 19/7/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (हिरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बर्झ

भतः सब उत्तर मिशियम की गरा 269-र के मिर्फर्स से, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) सु उपीत् निम्नसिंखित व्यक्तिकों, वनाँग रूप

तारीख : 14/3/1986

ग्रह्य काइ<sup>क</sup>. दी. **ए**सं., एसं.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सुचना

### भारत चरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 सार्च 1986

निर्दोश रां. अर्घ-2/37 हो 22927/84-85.--

अतः मुभ्ते, प्रशांत राय,

ूरायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधींन सक्षाय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका अधिक वाजार मृत्य,

1,00,000/- रज्पये से अधिक है

और जिसकी सं. फर्लंट नं. 12, कृष्णा काटीर, खार, बंबई 52 में स्थित ही

(और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आएकर अधिनियम की धारा 269 क, स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री हैं साद्भीस 19/7/1985

की प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि राजाप्वोंकत संपत्ति का अधित लाखार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकों (जन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्या गिम्निसित उद्योग से उच्च जन्तरण शिक्ति में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जनारण भे हार्ड किछी प्राय की शासता, अपता विभिनियम के जभीम कर वोने के अन्तरक की वासित्य में कभी करने या उससे वजने में सुनिया की लिए: सीर/या
- (क) एसि किसी आय या किसी भन या क्या लासियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में यित्रधा स्वार स्वरूप

(1) भागचन्द टी. रंगवानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांचन कांट्यानी और श्रीमती विद्या मृसाले

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का वह स्चना जारी कारके पृत्रोंकत संपरित थें। वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप 🏗--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

एल्टे नं. 12, जो बूसरी मंजील, कृष्णा कूटीर को. आंप. हाउसिंग सोसायटी निमिटेंड, प्लोट नं. 745, खार पानी रोंड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अह -2/37ई है /22927/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्ब है व्वारा दिनांक 19/7/1935 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन राज-2, बम्बद्धी

नारोख: 14/3/1986

गोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-2/37ई र्ह/23018/84-85 --- अतः मुभ्ने, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उज़ित बाज़र मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 1, सी क्वीन, बान्द्रा (प), बम्बई मैं स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री हैं तारीब 23/7/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, रिम्निलिखित उद्देश से उवत अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय अप्य-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के सिए;

णवः थव उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण म. म. अदल अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) इ.स.चेप, निम्नाविधित व्यक्तियों, अर्जीप ६1. अबार हासन म्मताज हासन

(अन्तरक)

2. अहमद दायूद सीलंकी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

4. विष्नू मोतीराम चींबलकर और अन्य (वह व्यक्ति जिसके बारों में अधोहस्ताहक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लंट नं. 1. जो पहली मंजील. सी क्वीन. 48-बी, ची बाई रोड, विलेज दांडा बान्द्रा (प), बम्बई में म्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37-ईई/23018/84 85 और जो सक्षय प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 23-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रॉज-८ बस्बर्द

तारीब : 14/3/1986

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर माय्यत (निरक्षिण)

अर्जन र ज-2, बम्बइ

बम्बई, दिनांक 14 मार्च 1986

निक्रेंश सं. अर्ड-2/37-र्डार्ड/23063/84-85.~-अतः मुक्ते, प्रशांत राय,

अध्यकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त 'धिनयम' कहा गया है') की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी यं. पलंट नं. 2, ए विंग, कांती अपार्टमींट, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है

(और इससे उनायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य, बंबई में रजीस्ट्री हैं तिरीक 25-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रकृतफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह जिल्लास करने का कारण ही कि यथाएबेकित सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, असक हरयमान अतिफल सं एमि इश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकात से अभिक हो और अन्तरफ (अनतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्वंश्य से उन्त उन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथा गरी किया गया हो:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचरे में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय था किटी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ लन्नीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री गोरधनदास वेराहमल

(अन्तरक)

2. श्री अमीरली वंलजीभाई विरानी और श्रीमती परोन अमीरली विरानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काह भी नाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र औं प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रभुक्त शन्वों और पर्वों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्प गया हैं।

## अनुसूची

पलंट नं 2, जो तिसरी, मंजील, ए विंग, कांती अपार्टमोंट, माउंट मेरी रोड, बान्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की कि. सं. अर्ड-2/37-ईई/23063/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 25/7/1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बस्बाई

वा**रो**ख: 14/3/1986

प्रकल आहे, दी, एवं . एवं . -----

माथ्कर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुमना

## मारत स्रकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निद्राध्यण) अर्जन रोज-2, बम्बर्ছ

बम्बर्ष, दिनांक 14 मार्च 1986 निक्रोंश सं. अर्ष-2/37-ई र्षे /23144/84-85.—— अतः मुक्ते, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सकाम अधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लेट नं. 6, बीस, एस वी. रांड, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर ऑधनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री हैं तारीख 26/7/1985

को प्रेक्ति सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया नथा प्रतिक कल निम्निचिसत उद्देश्य से उभत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्धरण से शुर्व किसी धाव की वावत उपस क्षिप् निवंस के अधीन छार दोने के अन्तरक की दानित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए?
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिल्हें भारतीय अग्यश्वर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, या धन जिल्हें भाषित्रका, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ जन्तरिंदी धुनारा प्रकट नहीं जिल्हें प्रभाषा या किया बाना वाहिए वा, स्क्रियन में स्थिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

1. श्री परवंज मिस्त्री

(अन्सरक)

2. श्री हिरू परमानंद शहानी और दो अन्य (अन्सरिती)

(3) अन्तरिती (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बहु धुक्ता कारा करके पृष्ठांकत सम्बोरह के वशन के किए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्र अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास विखित में किस जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिख्य गया है।

## अनुसुची

प्लंट नं. 6, जो तिसरी मंजील, बीस, 235-बी, एस.वी. रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा की क. सं. अर्ह-2/37-ई्र्ड/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 26/7/1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय≠ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 14/3/1986

and the state of t

प्रकृष बार्ष , दर्ग , युव्य प्रवाह नामाना नामान

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीर सूच्या

### HISG TYPE

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बर्द, दिनांक 14 मार्च 1986

निवर्ष्य सं. अर्घ-2/37-वर्ष्य/23180/84~85.-- अतः मूक्त प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परआए 'अक्त मिधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिक्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिस्की सं. प्लंट गं. 104, न्यू सी गल कमशीयिल प्रीमाय-संस, खार (प), बम्बई 52

(और इससे उपानद्ध अन्सूची से और पूर्ण रूप से विणित है), (और जिसका करारनामा आगकार अधिन्यम की भारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वंबई में रजीस्ट्री है तारीख 26/7/1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्षेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नृतिवित उद्योग से उचत अन्तर्म विवित् अं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) कलाइक से हुई किसी बाब की बावत, उल्लेख की ध-ज़ियब के बधीन कर दोने के बन्तरक को बाबिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रोर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी थन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत निधिनयम, या धनकर के प्रियोजनार्थ कन्तरितौ ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना शाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के विष्;

चतः, अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसर्घ मो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों∫, अर्थात् ३श्रीमती निर्मला नारायनदास अंबवानी,
 श्री महोश नारायन्दास अंबवानी और
 श्री मंदलाल पी. मोटवानी

(अन्तरक)

 श्री लक्ष्मन रधूनाथ पहाँचा और श्रीमती बीपा जे. पहाँचा

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति औं वर्जन के तिव् कार्यवाहियां शूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदी का, वो उपके विभिन्यम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया; क्या हैं।

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की समील से 30 दिन की अनुधि, को औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अवोहस्ताक्षरी के 45 बिन के शिवा उपत स्थायर सम्परित में हित-पास निश्चित में किस् आ सर्वेंगें।

## अनुसूची

प्लंट नं. 104, जो पहली मंजील, न्यु सी गल कमशीचिल प्रीमायसंस सोसायटी लिमिटेड, खार (प), बम्बर्ड 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अर्ड-2/37-ईई/23180/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26/7/1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत रायः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बम्बई

तारीस : 14/3/1986

मोहर 🗯

## प्रकृत नाहर् हो. एन. स्त - नामना व्याप

# बायकड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत रहकाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंब-2, वम्ब*ई* 

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निद<sup>\*</sup>स् सं : अर्ड-2/37-र्डार्ड/26581/84-85 · - -

अतः मुक्ते प्रशांतं राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह भेकानास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 1,00,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट, आठवी मंजिल, निवाना अनेक्स बान्द्रा,

बम्बइ 50 में रिश्वत है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका कर्रारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हो

तारींब 25/10/1985

को प्रबेंबत सम्पत्ति के उचित नामार मृत्य में बान के प्रायमा प्रतिफाल के निए अन्तरित की गई ही गरि गून्ये प्रह जिल्हार करने ता कारण ही कि यथागृजीका संपत्ति का उपलित काला मृत्य, उसके दार्थमान प्रतिफाल से, एरे दार्थमान प्रतिकाल स्थ पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और धन्त्या (वार्थमा) के बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बोच एमें अन्तरण के निष्य प्रवेष पाया गया प्रिफाल, निम्नितियत उद्योध्य में इत्तर अन्तर्थ मिलत में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा नससे बन्धे में हिश्थि। के सिए; बाह/बा
- (क) एंसी किसी आय मा किसी धन मा लन्य आहिता को जिन्हों भारतीय आयक्तर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया आगा बाहिए था, छिपाने में स्वैतिशा वे तियः

बतः अब, सन्द अधिनियम की भाग 269-व की अनुवरा मों, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. सी नारायन एण्ड को.

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती विद्या जे. मिरचन्दानी और श्रीमती जसोतीबाई रोचीराम मिरचन्दानी' (अन्तरिती)
- 3. निवाना को. आप. हाउँसिंग सोसायटी लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

## उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिता हो से कि स्थान स्थान
- (ख) 5स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सक्षी।

—हराजें प्रभूमत शब्दों और पदों का, जो उक्त शिथिनियम, के अध्याय 20-क भें पीक्राधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट जो आठवी मंजिल, बिल्डिंग नीबाना अनेक्स, एस. नं. 257, हिस्सा नं. 4, दांडा, पाली हिल रोड, बान्द्रा, वस्पर्इ-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क..सं. अई-2/37-ईई/26581/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, यस्बई स्वारा दिनांक 25/10/ 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

तारीख : 25-2-1986

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बाइ<sup>६</sup>

बम्बई, विनांक 14 मार्च 1986

निर्दोश मं. अर्ड-2/37-र्ड्ड/33558/84-85 —— अत: म्फे प्रशांत राथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्राजात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रुपये से अभिक ह

और जिसकी सं. प्लाट नं. 593-बी, खार पाली शोड, वान्द्रा, अमब $\epsilon^2$  50 में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, क के अंधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बद्दें में रिजस्टों हैं। तारीब 2/7/1986

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्यास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्ता सम्पति का उचित बाजार मृल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एमे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्ररिप्शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत- अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, फ्रिनिटियस व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. नव-पलीमा को. आंप. हाउसिंग सोसायटी (अन्तरक)
- 2 : र आज होडर्स

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञातियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अयिध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी शन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिप्ति में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लाट नं. 593-बी, जो बान्द्रा टाउन प्लानींग स्कीम नं. 3, जंक्यन आफ खार पाली रोड और इक्कीसवा रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा की क. सं. डर्ड-2/37-ईई/33558/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/7/85 को रजीस्टर्ड किया गगा है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

तारीस : 14/3/1986

प्रकप आर्च. दी. एन. एस. -----

or a second control of the control o

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महाएक गायकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन र ज-2. बम्बर्ड

बम्बई, दिनंक 13 भार्च 1986

निर्दोश सं ए आर-2/37-जी/3797/जुलाई 85--अत: एक्टे प्रशांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रापयं में अधिक हैं।

और जिसकी सं सबडीवायंडीड प्लाट नं 37-बी, फायनल प्लाट नं. 37, टीपीएस 1, पोदार रोड, विवेज दोडा, सान्ताक्रुज (प), बम्बर्श में स्थित हैं।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बर्च में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

**सारी**ल 23-7-1985

को पर्वोक्श सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्ममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि धथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित काबार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतियात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उत्बोद्ध से उक्त मंतरण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर धने के मंतरक के धामिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एक्ट्री किटी अध था किसी भव या जन्य मास्सियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागिकिया जाता चाहिए **था, छिपाने में सुविधा** चं निए:

अस्तः थब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की सुप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री त्रिभ्वनदासं गोकलदास पटल और मध्सदन जगनन्नाथ देशपाड

(अन्तरक)

2. सांताकाज डीपल को. आप. हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

 सोसायटी के सदस्य (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

अनुसूची जैंसा कि बिलेख सं. एस-414/77 और जो उप रजिस्ट्रार बंबई द्वारा दिनांक 23-7-1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बर्ष

तारीब : 13-3-1986

भोहर 🚁

# हरू मार्च 🗷 धी<sub>ल</sub> सुद्धः एव :-----

# बारकार वृत्तिग्रिय्त, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बस्बक् बस्बक्क, दिनांक 13 मार्च 1986

जिंदोंश सं. एआर-2 / 37-जी / 3802 / 85 .---जतः मुझे, प्रशांत राय,

बानकर विधानियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे क्षत्र वे क्षत्र वे परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को वधीन सक्षम प्रतिभव रो को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार कृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं एस नं 67/5, 59/2, सी टी एस नं 105, गृंडविली विलेज, अंधेरी, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 1%) के अधीन, तारील 13-8-1985

को पूर्वोकत सम्मित्त की उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रीक्षित को सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब वामा गथा प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उसत कन्तरण जिला में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (भ) सम्बद्ध वे हुई कियां नाम की नामक, उपक अधिनियम में अभीन कर दोने में जन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उससे अपने में सुनिधा के विद्य: कीर/वा
- (क) ध्रेसी किसी बाव या किसी पन या नाम नारिक्यों की, जिन्हीं भारतीय वायभर विजितवन, 1922 (1922 का 11) या स्वस्त विधिनयन, दाः ध्रम-कर विधिनयन, 1957 (००५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में द्विया के विद्रः

बरः तब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में', उक्त अभिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अभै म निम्नीलिसित व्यक्तियों, नशीत् :---93---36GI/86 (1) हिमतलाल कशवजी जयराम और अन्य।

(अन्तरक)

(2) भर्मैदा (काक भाई) के. प्रंजापती।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त विकाशों में से किसी अविक्त व्वारा;
- (च) इभ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास रिजेचित में किए जा सकोंगे।

स्विकारण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा हाँ।

## अनुसूची

अनुसूचि जैसा की विलेख सं. एस-1828/80 और जो उप-रजीस्ट्रार बम्बई व्वारा दिनांक 13-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजें-2,, बम्बर्ड

त्रारीख : 13-3-1986

प्रकृप आहें हो . एन . एच . ------

बायकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बस्बह<sup>र</sup>

बम्बर्इ, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्वोश सं. एआर-2/37-जी/3804/85.— अत: मुझे, प्रशांत राय,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से विभक्त है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 12, हिस्सा नं. 8, सी टी एस नं. 75, बाम्हनवाडा, विलं पीलें (पू), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारील 12-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृष्य, अवने दृश्यमान प्रविक्त है, होसे दृश्यमान ब्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गवा है।:---

- सिंधी जनाइन वे दुर्दे निर्मी जान की नाजवा, उक्त गीधनियम के अधीन कर दोने के असारक के व्यक्तिक में कारी कारने वा स्थल क्याने में साजभ जी निर्माह अस्तिकार
- (ज) देखी किया बाय या किसी भन वा बन्य ब्रास्तिक को, जिल्हें भारतीय आयकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर व्यभिनियम, या भनकर व्यभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

णतः भव, उस्त विभिनयमं की भारा 269-त के अन्यरण मों, मैं, उत्तर अधिनियमं की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) हरिकशन गोबिंदराम मलकानी और श्रीमती बिंदिया हरिकशन मलकानी।

(अन्तरक)

(2) यूनिर्वसल हांटलस् प्राईविंट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूजीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिमां सूक करता हूं 1.

बन्द धम्मति के नर्पन के संबंध में कांद्र भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अंबधि, थां भी संबंधि यद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजधन में नकाशन की दारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यक्ति मोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

## व्यव्य

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस-3907/84 और जो उप रजीस्ट्रार बम्बर्झ द्वारा दिनांक 12-8-1985 को रजीस्टर्झ किया गया है।

> प्रशांक राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2., बम्बर्झ

तारी**व** : 13-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र<sup>5</sup>ज-2, बम्बद्ध

बम्बर्ड, दिनांक 13 मार्च 1986

नियां सं. एआर-2/37-जी/3817/85.—
अतः मुझे, प्रशांत राय,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य

और जिसकी सं सीटीएस नं 56, 57/1, बामनवाडा विलेज,

सहार, अंधेरी तालुका, बम्बई में स्थित है

1,00,000/- रु. से अधिक है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविद, रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः रुवः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वैं, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-च करी उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्रीमती मेरी आई. परोरा और डा. एच. पी. रीक्षेते।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. एस. एमीनाथ।

(अन्तरिती)

(3) भाडात्री। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🦫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाककिरण:---इसमें प्रयमित शब्दों और पदों का, जो उक्त शिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वम्स्ची

अनुसूची जैसा विलेख सं. 642/77 और जो उप रजीस्ट्रार अम्बर्ध द्वारा दिनांक 9-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बर्ड

तारीं**स** : 13-3-1986

# प्रकृष् वाद्री\_दी\_एव\_पृक्ष\_-----

# काथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुवता

#### भारत परकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, जम्सर्ष

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवर्षः सं. अर्ध-4/37-दर्धः/20823/85-86 — नतः मुक्ते, लक्ष्मण दासः,

नायकर निधिनयम, 196/1 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. कार्यालय नं. 18, जो, 1ली मंजिल, गोयल शापिंग आकेंड, एस. वि. रोड और एल.टी. रोड का जंक्शन, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खन्के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आप की बाबक, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य निस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृतिभा के लिए;

जता जन, उन्त जभिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उन्त जभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्मिणित स्वीकतामें, उपकार रूप

(1) श्री हिलेन्द्र उर्फ एच. के. दोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री एम एस महेला।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भारते :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की जनभि या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अभ्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए जा सकेंगे।

त्यव्यक्तिकरणः ----इसमें श्रयुक्त शब्दों कोर पदों का, जो उक्त्य कियाय 20-क में परिभाषिक हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुषुची

कार्यालय नं. 18, जो, 1ली मंजिल, गांयल शापिंग आकेंड, एस. वि. रोड और एल.टी. रोड का जंक्शन, बोरिवली (प), बम्ब $\mathbf{s}^{\circ}$ -92 में स्थित  $\mathbf{g}^{\bullet}$ ।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-4/37-ईई-/20823/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रार्थिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बस्बई

दिनांक : 28-2-1986

प्रकम् आइं.टी.एन.एस. -----

बाब्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यातम, सहायक जामकर आवृत्त (निरीक्ति)

वर्जन रोज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ध-4/37-ईई/20738/85-86.--अतः स्फे, लक्ष्मण वास,

नायंकर निभिन्नम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उन्त विभिन्नमा' कहा गया हैं), की जारा 269-च के सभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य

1,00,000/- सः. से मधिक हो

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 37-सी, जो, 7वीं मंजिल वस्त्रंधरा इमारत, मूलजी नगर के सामने, सर्वे नं. 161-2/5, एस. वि. रोड, व्हिलेज मागठाणे, बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्रणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

करें पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कन के ध्रयमान पित्रकल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण किक्स में बास्तविक क्य से कृषित नहीं किया गया है क्या-

- (क्क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वायत, उक्त विधिनयम के नधीन कर दोने के अन्तरक के वार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (क) एंसी किसी अग्य या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स एम . चि. कार्पोरोशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशिलावंकी चौधरी और श्री एसः चौधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्नारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकितरण : — इ.स.मॅं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

## अभूस्ची

पलैंट नं. 37-सी, जो, 7वी मंजिल, वसुंधरा इमारत, मुलजी नगर के सामने, एस. नं. 161/2/5, एस वि. रोड, व्हिलेज मगठाणे, बोरिवली, बेम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्ह-4/37-हर्क्ट/29738/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ह द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-4, बम्बई

दिनांक : 6~3-1986

# प्रकृत सार्व जी पुरा एवं ......

वायकर मोभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा बाह्य 269-व (1) की न्योद ब्रांगा

## शारत वहरूड

## कार्याच्या, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण्)

अर्जन रोज-4, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्दोश सं. अर्ह-4/37-इर्ज़्रि/20818/85-86 — अतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

बायकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (विन इसके इसके परवात् 'उक्त विधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीय सक्तम ब्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान्द सन्मति, विस्का जीवत बाबार नृश्य 1,00,000/-तः से निधक हैं

और जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं 7, (अंश), 6 (अंश), सर्वे नं 119, सी टी एस नं 988, व्हिलेज एक्सार, बोरिवली तालुका, बम्बई भें स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिक्षण के निए बन्तरित की नम् है जार अन्ति वह निरवाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाकार मून्य, उसके वर्धमान प्रतिफत्त से एसे धर्ममान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकृत वे विभक्ष है और वन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिकों) के बीच एसे वन्तरक विष् क्ष्य वाका पंकर वृद्धिका, विकासिया ज्ञूबोक से उस्स बन्तरक विद्शास के बास्तिक रूप से क्रिकत नहीं किया गृह्या है :--

- (क) त्रणाहण वे हार्च विक्री वान को वान्तु, उपत मामित्व के वधीय कह वीगेंं के सन्तुरक के वादित्य में क्वी कहने वा उन्नहें वृत्रमें में सुविधा के विक्: बॉर/वा
- (स) होती जिली नाल ना देखती एक वा ज्ञान आहित्यकों को, जिल्हें बाइसीय नाव-कड अनिवेशका, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्धानका, वा प्रकृत्य अभिवेशका, वा प्रकृत्य अभिवेशका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनीय जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं फिला नवा था वा किया वाना चाहिये था. कियाने ने स्विधा के जिल्हें।

कतः जय, उक्त विभिनियम की भाष 269-व के अवृत्रूरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीटी. एम. पाल और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स समृाट बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को सह सुख्या ताड़ी करके प्यॉक्स स्म्युटिस के स्वंत के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुई (I)

## डमस सम्परिक के वर्तन के सम्बन्ध के कोई भी वाधोए।--

- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीश हैं

  48 दिन वर्षी अनुतिन का तस्त्रज्ञानी व्यक्तिस्त्रों पर
  क्षान की तानील से 30 दिन की सर्वाप, जो भी
  अवधि बाद में संज्ञाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर
  व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हुआराह
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी बस्स व्यक्ति द्वारा व्यक्तिकारी के शस निवित में किस वा सकोंगे।

स्यक्करेकारण:---६समें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, वो उक्के अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा क्या हु<sup>6</sup> में

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं. 7, सर्वो नं. 119, एच. नं. 6 और एच. नं. 7 (अंश), सीटीएस नं. 988, व्हिलेज एक्सार, बोरिवली तालुका, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-4/37-ईई/20818/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्अई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणू दास सक्षम प्रक्रिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्ड्स

दिनांक : 28-2-1986

मोहर 😹

प्ररूप आर्धः.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्द

बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्दोश सं. अर्क-4/37-र्क्ड/20819/85-86 --- अतः मुफ्ते, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट तं. 6., सर्वे तं. 119, एच. तं. 7(अंश), सीटीएस तं. 987, व्हिलेज एक्सार, तालूका बोरियली, बंबई में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए!

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) डा. (श्रीमती) टोरोसा पाल और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सम्राट बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनिहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गों।

स्पच्छीक्ष रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगंबर्ध

जमीन का हिस्सा, जिसका, प्लाट नं. 6, एस. नं. 119, एच. नं. 7 (अंश), सीटीएस नं. 987, व्हिलेज एक्सार, तालुका बोरियली, बस्बर्ह में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि के. सं. अर्ड्-4/37-हेर्ड /20819/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

मांहर 🖫

प्रक्प वाद् . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्याक्रयः, सहायक आयक्कर बावुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्धांश सं. अर्घ-4/37-इंडि/21278/85-86.—अत: मुभ्के, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

में स्थित है

और जिसकी सं. भूमि का हिस्सा, जिसका एष. नं. 3-ए, सीटीएस नं. 1318, व्हिलेज एक्सार, बोरिवली बम्बइं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोजत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाल मुखे यह विश्वाल करने का कारण है कि क्या पूर्वोचत संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके क्रवाल प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से जिनक है और अन्तरक (अन्तरकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निविच्छ क्ष्यचेय से उच्त अन्तरण जिच्न में बास्त विक क्ष्य से कविन्न महा

- (क) तन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, उपधं विभिन्निय के वंभीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीसित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीमती सुशिलाबाई के. श्रीकर और अन्य

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जयश्री इंटरप्रायजेस।

(बन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जार्वमहिन्दों करका हूं।

उक्त सम्मक्ति के क्वान के सम्बन्ध में बांद्री की बांद्रीय 📟

- (क) 'इत क्षणा के राज्यम में 'प्रकाशन' की 'तादीव' उड़े 45' दिन की नदींथ वा तत्त्वकाणी व्यक्तियों 'यर क्षणा की तानीम से 30 दिल को 'जनीय, को की वयनि याद में क्षणाय होती हो, 'के मीतर क्षोंकर व्यक्तियों में हो किसी व्यक्तिया हुवारा;
- (वाँ) इस क्ष्मा के प्रमापन में प्रकाशित की वार्षीय वें
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विश्ववेत्थ किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अभोहस्ताक्षरी के
  पाक किथित में किए वा बक्ते थे।

# नुसूची

भूमि का हिस्सा, जिसका एष नं 3-ए, सीटीएस नं 1318., ऋिलेज एक्सार, वॉरिवली, बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्घ-4/37-इर्घि/21278/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बर्घ ब्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धीस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्णन र<sup>3</sup>ज-4, बम्बद्

विनांक : 28-2-1986

मोहर 🖫

ब्रक्त बाइ. टी. एन. एस.-----

# अध्यक्तर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वभीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बद्द

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्दोश सं. अर्ह-4/37-ईई/20942/85-86.--अत: मभ्ये. लक्ष्मण दास.

कांग्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

में स्थित हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 322, जो टीपीएस सर्वों नं. 23, एच. नं. 1 एक्सार, बॉरिवली (प), बम्बई-92 और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), में स्थित हैं और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

की प्रतिकत सम्परित के उपित काकार मस्य से कम के उपयमान स्क्रु प्रतिफल के लिए बन्तरित की मौर विश्वास करन क्ता कारण पुर्नोकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे द्वायमान प्रतिकास को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य ते अक्त कश्तरण किकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गमा 💕 ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए और/गा
- ्ष) एसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्ह अरितीय अध्य-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में मृतिभा औ लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- 94-36GI/86

- (1) श्री चंद्रकांत गजानन जांगलेकर और अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स वि वाम्बे होम प्रोजेक्ट्स प्रायवेट लि.। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

# उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध को कोई भी आक्षेत्र हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: -- १ समें प्रयुक्त कवा थीर पदों का, जो उक्त जीर्धनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

## **मनुषुची**

प्लाट नं. 322, टीपीएस 3, सर्वे नं. 23, एक. नं.1, एकसार, ब्रॉरिवली (प), बम्बर्ध-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक फ. सं. अई-4/37-ईई/20942/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन राज-4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

माहर 🖫

प्रकृष बार' टी गुप

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायत आयकर आयहत (निरोधक)

अर्जन रॉज-4, बस्वर्ड़ बस्बर्ड, दिनांक 6 मार्च 1986

निवाँश सं. अर्ड-4/37-ईई/21331/85-86--अंत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-सं के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वा उक्ति वाजार भून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 101. जो, 1ली मंजिल. गाणेक नगर-2, एम. जी. रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पर्ण रूप से विधित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनिशंक, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सहाम शिधिकारी के कार्या-लय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वो कित सम्पतित के उचित बाजार शरा भे उम को रख्यात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और राहे उह किव्यास करने को कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्क, असके रख्यान प्रतिफल से एसे इक्यमन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमान से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देष्य से उक्ष अंतरका भिम्नित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की लावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर पाँचे वो अंतरक की दायित्य मों कमी करने या उससे बलन को स्विधा के लिए, के लिए, और/या
- को जिन्हें भारतीय रायका किसी गार्य अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय रायका किसी राय अवश् (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 हा 27) के था या किया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा

। मेसर्स जी वि कन्स्ट्रवशन।

(अन्तरक)

2. श्री छोटालाल डी. ओझा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया कृष्ट करता हो ।

उबत सम्मित्त की अर्जन क महस्याप में कीई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्ति\*यां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीत र्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीस से किस के किस किस के किस कि

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निरम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एषा है।

## अनुसुची

पत्तैट नं 101., जो 1ली मंजिल, साणेक नगर-2, एम.जी. रोड, कादिवली (प), अम्बर्झ-67 में रिथत है।

अनुसूची जैसा कि क. र अर्ड-4/37-ईई/21331/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्तर्क द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (जिरोक्षण) अर्जन रॉज-4, वस्बर्झ

दिनांक : 6/3/1986

प्रकथ नाइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269 के (1) की अभीन नुवना

#### भारत तरकार

## शायनिय, तहायक आयकार शायनत (निर्दोशन)

अर्जन रंज-4, बम्बर्ड

लम्बद्दो, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्दाश सं. अर्ह्य -4/37-र्हें  $\frac{1}{2}$  1114/85-86 --- अंत: मुझं, लक्ष्मण दास,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रथ्मात् 'उन्धा विभिनियम' कहा भया है), की धार 269-ख के वधीन कभम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. ख्वा जभीन का हिस्सा, जिसका सीटीएस नं. 459ए, 459वी (1 थे 4), फिह्तेक मानाड (उत्तर), शंकार लंग, कादिवली (ए), बम्बई-67 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप संविणित हो), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियंग, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन तम्बद्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य मो रिजन्दी हो, तारीख 1-7-1985

को पूर्धिक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिपःल को लिए अंतरित की गई ही और मुभो यह विश्वास

करनं का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उकके अस्यमान प्रतिफल से एसे ध्रवसान प्रतिकल का अन्त्रह प्रतिश्वत र व्यभिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्नितिश्वत उप्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किंत्रित प्रही किया गया है :—

- (क) अन्ध्रिक संदुर्व जिल्ली जीव की वायत, जनत अभिनेत्रक को अभीत कर दोने के अन्तरक को दास्तिक में कभी करने या उल्लंख स्थान को स्विधा क निर्शाकीर/मा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन पर कन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव अवतः अधिनियम कौ भारा 269-ग कौ अनुसरण भेन, भी, अल्टा अधिकियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए--- 1. श्री ओधवजी जे. नंधा और अन्य।

(अन्सरक)

2. मसर्भ अक्तर कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिती)

को भट्ट सुष्यमा आधी करको पृथीकत सम्पत्ति को वर्षम को लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुई।

उक्त सम्मात्त के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन-

- (क) इस स्थना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है कि विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नविध, को भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रविका व्यक्तिस्तारों में से किसी व्यक्ति सुवानाः
- (वर्षे देव वृष्यम के राज्यम के प्राचन की शारीब है 45 विन के तीव्य क्षमा स्थाप्य क्षमाया में हित्सकृथ दिवसी क्षमा कार्यित द्वारा म्योहरवालकी के शास व्यक्तिया के जिल्ह का सकत्त्री हैं

प्रकार किया :-- इसकी प्रमुख्त श्री कार वर्षों का, वा स्वयद्ध श्रीधनियम के संध्याय 20-क में परिज्ञापित हैं। बहुद्दि अर्थ होता को एक सम्बाद में विकास गा है।

## अनुसुची

खूला जमीन का हिस्सा, जिसका सी टी एस नं. 459ए, 459बी (1 × 4), दिहलेज मालाड (उत्तार), शंकार लीन, कांदिवली (प), बस्बर्ड-67 म स्थित है।

अन्म्ची जैसा कि के. सं. अर्द्ध-4/37-**र्द्ध**/21114/85-86 और को सक्षम प्राधिकारी सम्बद्ध द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ल**क्ष्मण दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-4, अम्बद्ध

दिसांक . 28 2-1986

# शक्य कार्<u>द्धीः एव . एक . -----</u>

# भागकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के क्षीन बुचना

#### MIN NUMBER

कार्यालय, सहायक **आयकर आयृ**क्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज-4, बम्बर्द

बम्बर्इ, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवाँश सं. अर्ड-4/37-**इं.इ**-/21332/85-86 ---अंत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आए 269-ध के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विध्याम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका चित्रत बाजार नृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं. प्लांट नं. बी-आय, जिसका सर्वे नं. 149-ए, सीटीएस नं.792, शिम्पोली रोड, बॉरियली (प)., बम्बई में स्थित है

(और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियंग, 1961 की धारा 269 क, व के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को प्यों क्स तथ्यति के अधित बाबार मृत्य से कम के अध्यान मितिफल के लिए अन्तरित को गर्य है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्यों क्स संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पत्त्रह्म प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अस्तिका का वस्तिका कर में अभियत नहीं किया गया है व्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व या कभी करने वा उच्चे वसने में सुविधा के लिए; कड़ि/आ
- (ण) एसी विक्री बाय या किसी धन या बन्य शास्तियीं करे. जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्यं प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकळ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । अपाने में स्थिभ वै विक्रः

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिस्थित व्यक्तिकों, अधीत क्रका 1. श्री जाम होभियरी वर्क्स प्रायदेट लि.।

(अन्तरक)

2. जशू इंटरप्रायजंस ।

(अन्सरिही)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्ति था तत्संग्रेथी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों वे से विज्ञी व्यक्ति हुंगा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रणब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ववा हैं।

## अन्सूची

प्लांट नं. बी-आय, जिसका सर्वो नं. 149-ए, सीटीएस नं.: 792, शिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के. सं. अई-4/37-ईई/21332/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ङ किया गया है।

> लक्ष्मण् दास सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-4, ब्रॉक्स्स्

दिनांक : 28-2-1986

प्र**कप आह**ै.टी.एन.एस. ------

भाषकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्वता

#### भारत संस्कार

कार्याजव, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशिका) अर्जन रॉज-4, बम्बद्दी

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

्र्य-िवर्षेश सं. अद्यो-4/37-ईई/21191/85-86 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269 व के अधीन समम प्राप्तिकारी को यह विश्वास कर्व का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. ब्लाक नं. 27, जो, तल माला कांदिवली निर्मल कां-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., शकर लन, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हो

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियंम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लिय में रिजस्ट्री हैं, तारील 1-7-1985

को व्योंक्स संपत्ति के डीवत बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिकत्त के सिए अंतरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षाप्योंक्त स्थाल का उ.कार कारण है कि रक्षाप्योंक्त स्थाल का उ.कार कारण का पत्थक का पत्थक किता के प्रतिकत का पत्थक वित्तित से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक से सिए उस पाना गना वितिकत , निम्नतिवित उच्चक्त से उनत अन्तरण निवित्त में वास्तिविक रूप से कथिए महीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को वायत, उक्त विध-विधिनियम के अभीन कर वेने के अभारक के दक्षित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (च) प्रेती किसी नाम ना किसी भन्न मा जन्य नास्टियां को, विन्हें भारतीय जान-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-ग्रंट जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में में , उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, भिक्क अधिन स्वित स्वीक्तमों, अभीत् क्रिक

1. श्रीमती कल्पना प्रफुल पारेख।

(अन्सरक)

2. श्री छगनलाल आर. गोहील और अन्य ।

(अन्तरिसी)

का वह बुचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अञ्चलका निव कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी नामाप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्रिणी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ट स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारः
- (क) इक स्थान के रावपण में प्रकाशन को तारीं के 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में द्वितवह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

## अनसूची

ब्लाक नं. 27, जो, तल माला, कांदिवली निर्मल कां-आप, हाउसिंग सोसायटी लि., शंकर लेन, कांदियली (v), वम्ब $\hat{v}$ -76 मं स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि. सं. अई-4/37-ईई/21191/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी नम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बाई

दिनांक : 28-2-1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज-4, बम्ब**र** 

वम्बद्धः, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवर्षा सं. अर्ड-4/37-र्ड्ड/21169/85-86 ---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी मं. फ्लंट नं. ए/5, जो. । जी मंजिल, मोहनराज को-आप. हाउभिंग सोसायटी जि., 3, हाम्कलानी काम रांड, इराणीवार्ड बांदिवली (प), बम्बर्ड -67 में स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और भूर्ण रूप सी वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बद्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्त्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वे किस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तीबक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ह भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लए;

अतः अब अक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री प्रलहाद एन. भिवंदी।

(अन्तारक)

(2) श्री ग्णवन्त वि. शहा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष्म स् 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त हांनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं के अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुधो

फ्लेंट नं. ए/5, जो, ाली, मंजिल मोहनराज को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि. 3, हॉमूब्रलानी कास संड, इराणीवाडी, क्रांदिवली (ग), बम्बइ -67 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमाकी क. मं. अई-4/21169/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-7-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्रा्र्टिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-4, बम्ब**र्ड** 

दिनाक: 28-2-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई'.टो.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, वम्बर्ड

वम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

, निर्देश सं. अर्ड-4/37-र्डर्ड/21085/85-86.--अर्तः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशास 'उंक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फलेट नं. 31-ए, जो, 3री मंजिल, सी टी एस नं. 1305, सावित्री अपार्टमेन्ट, एम. जी. रोड, कांदि-वली (प), बम्बई 67 में स्थित है

(और इससे उपार्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सी वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमार प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृजीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तथ वामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तथ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोगे के उन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किनी जाग या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 १००० को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्हा गण था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में मुकिन्द्र के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अ. अधारा निम्नितिमित व्यक्तियों, अथितः :— (1) रघ्वंशी एसोसिएटस।

(अन्तारक)

(2) बाब्राम डी. भोसले।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यनाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति से वर्षनं के संस्थानं में कांद्रं भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स वामित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की साइति से 45 विन के भीएर उक्त स्थादर संपत्ति में हिस-विभ किसी अन्य व्यक्ति इसारा बभोइस्ताक्षरी के याद जिस्ति में सिए का सकेंचे।

क्ष्मक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभ्राधिक हैं, वहीं अर्थ होगें?, भी उस अध्यास में विक. गया हैं।

## अनुसूची

फ्लंट नं. 31-ए, जो, 3री मंजिल, सी टी एस नं. 1305, सावित्री अपार्ट मेन्ट, एम. जी. रोह, क्लंदिवली (प), बम्बर्ट- 67 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कं. सं. अई-4/37-ईई/21085/85- और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्डी

दिनांक: 28-2-1986

मोहर '

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 घ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकार काय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बद्

बम्बई, दिनांक 28 फरबरी 1986

निर्दाश थं. अर्घ-4/37-ईई/21178ए/85-86:----अतः मुक्ते, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विश्व श्सरों श्सरों श्सरों पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-क के बभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निकास कर्ने का कार्यक हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रू. से विधिक हैं

और जिसकी सं. दूकान नं. 1, जो, सृंदरम अपार्टमेंट, 3., रयाणी ग्राम, किस्पाली राष्ट्र, बोरिवली (प), बम्बई- 92 में स्थित हो।

(और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, हा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में राशिन्त हैं, तारील 1-7-1985

को पूर्वाक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य अन्यके अवसान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्शित्यकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में अम्बरिक क्य में कथित नहीं किया गया है :—

> जनरण में सुर्फ किसी भाष की बाल्धा सकत जीवनियम की अभीत कर दोने के बन्दर्क भी वर्तमान में कमी करने वा उन्नसे बचने में स्विधा भी निष्; बोहर्गा

श. हाडी किसी नाम मा किसी भन था नन्य नामेस्ययों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबस निभिनियम, मा पननाम किथिनियम, मा पननाम किथिनियम, मा पननाम किथिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाम निम्मित विद्यारा प्रकट नहीं किया था था किया जाना चाहिए था, लिएपान में सुविधा अं लिए:

क्षत कल, अब**त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरभ** या, ं रक्षत अधिनियम **की धारा 269-म की उ**पधारा (1) चे आरोप प्रशासिकात वाक्सियों सथानि क्रमा

- (1) श्री रामजीभाई डी. गोहील और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री विनादभाई लक्ष्मीभाई जाधव। (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना चारी करको पृषाँकत सपीत को अर्थन को लिए कार्यवाहियां पुरू करता हुई।

## तकत तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वार्धव ।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की ज़ब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अब्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## **अनुसूची**

दुकान नं. 1, जो, मुंदरम अपार्टमोंट, 3,, रयानी ग्राम, शिम्पाली राडि, बारिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अन्यूची जैसाकि के. सं. अई-4/37-ईई/21178ए/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्यारा विनांक 1-7-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> लक्ष्म्≹दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

# प्रका **वाष्ट्र**ं हों हुन्<sub>ले</sub> पुराहरणकारक

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-न (1) में नपीन स्वया

#### नाइत प्रस्कर

# कार्यासन, बहायक सामकर नायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रोज-4, बम्बही

बम्बर्ड, दिनांक 28 फरबरी 1986

्रीनवर्षेश सं. अर्घ-4/37-इंडि/21339/85-86:—-

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का थ3) (विसे इसमें विसके परवाद उपत व्यथितियम क्या गया ही, की वाल 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित वाचार भूका

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 5, जो, ए-विंग, बॉरिवली श्री नेमिनाथ को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., शिम्पोली रोड,

नारियली (प), बम्बई-92 में स्थित है)

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

हैं को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार सुल्य से कम के छ्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नतिस्थित उद्देश से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नतिस्थित उद्देश से उक्त अंतरण

- (क) बनारण वे हुई किली वाल की वावया, उनता वीधीयसम्बद्धे वधीय कह दोने में सन्तरक को धनित्व में कमी करवे या उससे बचने में सुविधा के खिए; बॉर्ट/क
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या नय 'आरिस्तयों क्या निम्ह भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) जा क्या अभिनियम, वा भव-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया।

(1) श्रीमती सविता डी. मणियार।

(जन्सर्क)

(2) श्री जवाहर एच शहा।

(बन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियों करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी करकी है--

- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकावन की तारीक की 45 दिन की जवींच या तत्संबंधी क्योंक्तमाँ वर्ष स्वा की तामील से 30 दिन की जबींच, जी भी जबींच बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त ब्वाराह
- [व] इस ब्रुवना वे हान्यून वे प्रकार की तारी वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव विश्वत में किए या सकरें।

स्पटिकिएण: इसमें प्रयुक्त सकते और पदी का, को उनके सिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, नहीं अर्थ होगा, को उस कथ्याय में विया गया ही।

### वन्स्ची

फ्लैंट नं. 5, जो, ए-विंग, बोरियली श्री नेमिनाथ को-आप अ हाउसिंग सोसायटी लि., शिम्पोली रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क.सं. अर्ह-4/37-ई र्ह्र/21339/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ङ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-4, बम्बई

बतः जव, उन्त अधिनियम की आरा 269 म से अनुसरम में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधार (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 28-2-1986

मोहुर 🚜

प्रकार बाइ .टी .एन .एस------

वानकर विभिन्नक, 1961 (1961 का 43) की थारा 289-व (1) में बधीन बुजुना

भारत परकार

कार्याचन, बहायक आधका कार्याच (रिवर्क्सक)

अर्जन रॉज-4, सम्बद्ध

बम्बद्दी, दिनांक 28 फरबरी 1986

निवरिंग सं अर्थ-4/37-ईई/21136/85-86:---

वतः मुभ्दे, लक्ष्मण दास,

बासकर विधिनयम, 1901 (1961 का 43) (विको इक्टो इसकी परकार् 'वनस वर्षिनियम' बहा गया ह"), की धास 269-व के वर्णान सक्षव प्राणिकारी को वह निरंपाच करने का कल्पल ही कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उप्पत्त बाकार अनुस्य 1,00,000/- रह. वे विभक्त ही

बौर जिसकों सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सीटीएस नं. 548 (1 से 6), 549, सर्वे नं 19, व्हिलेज काहरी, तालुका बारियली (पूर्व), बम्बद्द में स्थित हैं

(कौर इससे उपाबद्दध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की भारा 2/69 क, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजीस्ट्री हैं, तारीस 1-7-1985

को पूर्नोक्त सम्पन्ति के उत्तिस बाबार शुभ्य से कन के के लिए बन्चिस्त की नदंह त्र तिपाल निष्यास करने न्द्र कारण कि यथा पूर्वोत्तर सम्बन्ति का अधिक बाबार मुख्य, उपने करवजान अधिकार से, एसे व्ययमान प्रतिकास के बनाइ प्रतिकात के मीधक ही नौर वंतरक (बंतरकों) और बंतरिकी (बंतरितियों) के किय एते अन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिकास, निकासियत अवृष्टेय हे उक्त अन्तरन निष्टित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं कियागवाहै:---

- (क) मन्त्ररण संबद्ध किसी काथ नदी बाक्स, उक्स लियिनियम के जयीन कर दोने के बन्धक्रक के काष्टित्व में कामी कारने का कक्का वे बचने में ब्रुनिका के निए; और/वा
- (च) रोसी किसी माथ वा किसी भन वा अस्य अवस्तियों को, जिल्हें भारतीय जानकार जीधनिज्ञज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनिक्स, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपान में होतिक। में क्षिए;

नेत: जब, उक्त नीधीननम की भास 269-ग के बनुसरण में, में, उच्छ मर्थिनियम की भारा 266-म की क्वथाराँ (1) के **वर्था**न निस्तिषित व्यक्तिकों, अर्थात्:---

(1) भाई लालभाई मंगल और अन्य।

(अन्तरक)

(2) बिपीन एच. शहा, (हिं.अ.क.)

(अन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पूर्वीकत सम्बक्त के वर्षन के सिव् कार्यवाहियां नच्या 💆 🖰

उनक क्लाक को बहुन के सूर्यक में कोई भी नाकीन ह

- (क) इस ब्रुवा के रावपत्र में त्रकारन की तार्रीय वे 45 दिन की अवधि या इंट्लेबंधी व्यक्तियों रह ब्रुवना की तामीस वे 30 दिन की नवीय, और औ क्किप बाद में बनावा होती हो, के शीवर पूर्वीवर व्यक्तिकों में विक्री व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्थान के राज्यम में प्रकायन की दारीय वं 45 दिल के भीतर जकत स्थापर संवत्ति में हितक्ष्य किशी कल्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए वा सकींगे।

रक्टीकरण:--इक्से प्रवृपत करों और पर्यो का, को उपर अपिनियम, के अभ्याय 20-क में परिनारिक्क है, मही वर्ष होगा को उत्तर वश्यास में विका वया हो अ

## वनसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सीटीएस नं. 548 (1 से 6), 549, सर्वें नं. 19, व्हिलेज कान्हें-री, तालुका बॉरियली (पूर्व), बम्बर्इमें स्थित है।

अनुसुची औंसाकि के सं अर्ছ-4/3**7-ईर्ছ/2113**6/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम अर्धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्ध

दिनांक : 28-2-1986

# कुन सर्व <sub>थे</sub> स्रो<sub>त स्रोत</sub> प्रकार • • • • • •

# नाव्याः वरिवृतिवृद् , 1961 (1961 व्य 43) वर्धे भाषः 269-व (1) वे वर्षीय वृक्ष्या

## THE REAL PROPERTY.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बर्ह

बम्बई, विनाक 28 फरबरी 1986

निद<sup>र्</sup>श सं. अर्घ-4/37-४ र्घ/21279/85-86:—

अतः मुभ्ते, लक्ष्मण दासं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के स्थीन सभाव प्राधिकारी को यह विस्थाप करने कर कारण हैं कि स्थानर सभ्यति , विश्वन अधिक नावार कृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लैंट नं. 1306, जो, कस्तूरबाग, प्लाट नं. 24 बी/1, टी.पी.एस. आस, बॉरियली (प), बम्बई-92

मं स्थित हैं।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई रिध्त सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

मिं प्रॉक्त सम्मित से उमित बाबार मृत्य से कम के स्थमान अतिकास के लिए अभारित की नहीं ही और मृत्रे यह विक्यास कारने का कारन ही कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उम्बंध बाबार मृद्ध, उस हे स्थमान प्रतिकास से, एमें स्थमान तिकान का प्रमुख प्रविक्त के सिका है और अभारक (बन्धरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियों) र शीच एमें जन्तरम के बिए तब नामा नवा प्रतिकास, निम्निसिनित सम्बोधन से अभत अम्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा अहे प्रिप्रः

कतः क्षेत्र, उपत वीधीनवन की धारा 269-य कें। वनुस्रक तं, सं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व को वपभाष्य (1) मुंब्रभीयः, विक्तिविक्त व्यक्तिकों, वर्षाद्य क्षेत्र (1) स्काय-बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तर्क)

(2) श्री छगनलाल के साल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिड़ कार्यवाहियां करता हूं।

# उपयु सुन्युत्ति से स्वीत् से सम्बन्ध में कार्य मी बार्याप हु---

- (क) इंड सूचना के हाजवन में त्रकावन की बारीना से 45 दिन की न्यपिया तस्त्रामन्त्री व्यक्तियों एक सूचना की दानीन से 30 दिन की नव्यप्ति, को सी अविध बाद में समान्त होती हो, के शीक्षर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्याह्य;
- (स) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मृति में हितवब्ध फिती मन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्तासरी के पाल निवास में किए या सकोंगे।

# अनुस्ची

फ्लेट नं. 1306, को कस्तूरबाग, प्लाट नं. 24 बी/1, टी.पी.एस. आय, बोरियली (प), बम्बर्ड-92 मो स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि. सं. अर्ड-4/37-ईर्ड/21279/85-86 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बस्बई दूधारा दिशंक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 28-2-1986

माहर 🖫

# 

# भाषकर वरिपानिक्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन क्याना

#### नारत प्रस्तार

# कार्याक्य, सहामकं नाम्कर नाम्कर (किरीक्षक)

अर्जन रंज-4, बस्बद्ध

बम्बद्दी, दिनांक 28 फरबरी 1986

निद<sup>र्</sup>श सं. अर्घ-4/37-ईर्ड/21069/85-86:—— अतः मुक्ते, लक्ष्मण वास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4:3) (जिसे इसमें प्रथास 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित्व बाजार मुख्य

1.00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 402., जो, 4थी मंजिल, जय जलाराथ अपार्टमेंट्स, प्लाट एस. नं. 49, एच. नं. 8(अंश), सी.टी.एस. नं. 1103 व्हिलेज दहिसर, वामणराव सावंत रोड, दहिसर (पू), बम्बई -68 में स्थित ह

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का भारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी आय को नावत, उक्त व्यथिनियम के वधीन कर दोने के लंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) राजदीप इंटरप्रायजेस।

(अन्तर्क)

(2) श्री बी. जार भाटानी और जन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों अपन् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी बविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों वा, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यक्ष परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याभ में विवा गया है।

### अन्स्ची

फ्लंट नं. 402, जो, 4थी मंजिल, जय जलाराम जपार्ट में इस, जिलाट नं. एस. नं. 49, एच. नं. 8 (अंश), सी.टी. एस. नं. 1103, व्हिलेज दिहसर, वामणराय सावंत रोड, बहिसर  $(\mathbf{q})$ , बम्बर्ह -68 में स्थित ही।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अर्ह-4/37-हर्ह1/210/69/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बर्ह द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणू दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-4, बम्बद्द

दिनांक: 28-2-1986

प्रारूष बाइं.टी.एन.एस.-----

# कारकार निधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूधना भारत धरकार

## कार्याजय, सहायक गायकर नायका (निक्रीकन) अर्जन होत-4, सम्बद्ध

बम्बर्ছ, दिनांक 28 फारवरी 1986

निव<sup>क</sup>र सं. अर्ड-4/37-इ<sup>\*</sup>र्ड/20979/85-86.---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्त अधिनियम कहा गया ही), की भारा 169-च के अधीन सकत प्रधिकारी को यह विस्थास करने का कारच ही कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका जिसके बाधार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 501, जी, 5वीं मंजिल, जय जला-राम अपार्टामेंटस, प्लाट एस. नं. 49, एच. नं. 8(अंश), सी. टी. एस. नं. 1103, व्हिलेज दिहसर, वामणराव सावंत रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम् प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वों वर्ष सम्पत्ति के जीवत बाबार जून्य से कन के क्षत्रधान अतिक न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों का क्षर्यात कर जीवत बाबाइ क्ष्या, उसके क्ष्यमान प्रतिक न का वन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और ८-५३१क (अन्तरकार्डे) और अन्तरित रही (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्य के निए त्य पाया गया अधिक निम्नित्यों के बीच ऐसे अन्तर्य के निए त्य पाया गया अधिक निम्नित्यों के बीच एसे अन्तर्य के निए त्य पाया गया अधिक निम्नित्यों के बीच एसे अन्तर्य के निम्नित्यों की कीच वहाँ किया गया है हम्म

- (क) वन्तरण सं शुर्व किसी साव की नावत , तक्त विधिन्यम के अधीन कर दमें के बंदारक के वासिरव में कनी कर्ड़ या तबके वचने वो सुनिया के किए; मीट/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आरित्यों को, बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कार वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोकनार्थ बंतरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए वा, कियाब वें सुविधा के स्थि:

शबः व्या, उक्त विधिनित्रण की भाग 269-ग के अनुसरफ की, की, अक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) हो विभीन, निकासिया व्यक्तियों, विश्वति रूक्त (1) राजवीय इष्टरप्रायंजसः

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपी थी सुरोग।

(भन्तरिती)

न्त्री नह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वीयक कम्मीरत के वर्षक श्री कियू कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उक्त सम्परित् भी वर्षन् के सम्बन्ध में काहि भी नाबीप् ह---

- (क) इस सुक्ता के राजपन में प्रकाशन की हार्यक् से 45 दिन की जनभि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों गढ़ भूषना की तासीन से 30 दिन की स्वभि, को भी भूदिय बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रजित्व भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- पूँच) इस स्चना में राजपुत्र में प्रकाशन की तार्तीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थावत सम्पन्ति में दिवस्तुक कियी सन्य स्थावत दुवारा, जभोहस्ताकती से वास मिलिस में किए या सकेंगे।

स्वाधिकक्ष :---इसमें प्रयुक्त कन्यों ब्रीड वर्षों का, को उक्स निप्तिकत, के नध्यात 20-क में परिभाविक हैं, वहीं नर्थ होंगा को सस नध्यात में विका मना हैं।

## अनुसूची

फलट नं 501, जो, 5वी मंजिल, जय जलाराम अपार्टमेंटस, प्लाट एस नं 49, एच नं 8(अंश) सी टी एस नं 1103, व्हिलंज वहिसर, धामणराव सावंत रोड, वहिसर (पू.), बण्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची गैसाकि क्रम सं. अई-4/37-ईई/20979/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड़ किया गया है।

> लक्ष्मण वास संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बस्बई

दिनांक : 28-2-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

## कार्यातव, सहायक आवक्तर ज्ञायूक्त (मिरीक्स्प) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवर्षेश सं. अर्ह-4/37-हें र्ह/20879/85-86.--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर विभिन्न , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिषकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं कमरा नं 76सी, जो तल-माला, रघुकुल, एस. वि. रोड, विहिसर (पूर्व), बंबई-68 में स्थित है

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीस 1-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित् बाजार मूल्य से कम को स्वयमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नसिचित उद्वेद्य से उसत अंतरण शिचित में बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने मैं सूविभा के लिए; और/मा
- ूँ घं ऐसी किसी बाम वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, स्थिमाने में सुविधा के सिए;

चरा ज्ञान, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण चे, में, उक्त जीभीनवम की भारा 269-च की उपभारा (1) मुंबभीन, निम्नीनवित स्था<del>किन्टें पर्यात</del> थ—— (1) राहुल बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेखाएस. बोरोले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 कि विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिथ, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विविद्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विविद्यक्ति व्यक्ति विविद्यक्ति व्यक्ति विविद्यक्ति व्यक्ति विविद्यक्ति वि
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 चिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पासु सिसित में किए जा सकोंगे।

## अनुसूची

और जिसकी सं. कमरा नं. 76सी, जो तल-माला, रघूकूल, एस. वि. रोड, दिहसर (पूर्व), वंबई-68 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि कम सं. आई-4/37-ईई/20879/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई व्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड़ किया गया है।

लक्ष्मण वास् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-4, बम्बर्स

दिगांक : 28-2-1986

मोहर 🗓

प्रकार मार्थः, टी. प्रदः, प्रवः, स्टब्स्यान्य

## बाय्क र वृभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नभीत सूचना

मारत बरकार

कार्यालयः, सहायक आवक्कर आवृत्यः (निराक्षिण)

अर्जन रोज-4, अस्त्र**ह**ै

बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवर्षा सं. अर्ध-4/37-इंड्र /20990/85-86 --- मत्य स्झे, लक्ष्मण दास,

भागकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (विश्व देववें इसकें पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-द के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद कहा का कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से सिक्क है

जार जिसकी सं. कृषि भूमि, जिसका सर्वो नं. 318, एच. नं.। 6, सीटी एस नं. 1400, व्हिलेज वहिसर ताल्का बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

(और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयक र अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को नुवोंकर तस्परित के उपित बाजार मूल्य वे का के दरमकान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्यांच करने का कारण है कि स्थापना के तस्परित का उपिय बाजार मूक्य, सक्ष्में दरवमान प्रतिकास से देवे दरवमान प्रतिकास के पत्त प्रतिकास के पत्त प्रतिकास के विकास में अंतरित के विकास के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया नवा अतिकास निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में धारतिकास क्य से अध्या नवा है कि—

- (क) अन्तरण से इुष्ट्र किसी बाव की बाबत, सकत अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतक को वावित्रय को कमी करने या उत्तसे वचने में बुविधा के विष्ट्र; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाब वा किसी धन वा अध्य जारितयों को जिल्हों भारतीय वायकर वर्डिनेन्द्रण, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनयम, या व्यक्तपुर विचिन्द्रम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोचनार्थ अन्तरिती वृद्धार प्रकट मुद्दी किना गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बत्तव वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुवक्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तुलाराम धर्मान पाटील।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स नेशनल कन्स्ट्रक्सन्स ।

(बन्तरिती)

कर्म सङ्ग्रह्मया चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहिकों स्वरत्ता हूं।

उन्त सम्पत्ति को नर्पन को संबंध को कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इत ब्रूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनभि या तत्त्रस्थाओं व्यक्तियों पर ब्रूचना की तामील से 30 दिन की अवभि, को भी बक्षि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्वक्तिश्ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्बन्धि में हितकक्थ किसी बन्य स्थावत ब्याचा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए बा सकोंने !

स्वानीक रण: — इसने प्रतिकत भवा और पदों का, पा उचता जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### वनस्ची

और जिसकी सं. कृषि भूमि, जिसका सर्वे नं. 318, एक. नं. 6, सीटी एस नं. 1400, ब्रिहलेंज दहिसर, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची असािक क. सं. अझें-4/37होंई/20990/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टकें किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-4, बस्बद्ध

दिगांक : 28-2-1986

मोहर 🖫

## मुख्य नार्षेष्ठ स्रोत सुर्वः सुर्वः वरन्यः

## नायकारु वीधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) ने अनीन सुवना

#### ब्राइट ब्राइकार

## कार्याक्षय, **सञ्चायक आयक्त काय्क्त (भिरीक्षण)** अर्जन रोज-4, बस्ब**र्ड**

बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

निद<sup>\*</sup>श सं. अर्ह-4/37-इंड<sup>\*</sup>/20779/85-86.--अतः मुझो, लक्ष्मण दास,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किया पश्चात् 'उनत् अधिनियम' कहा गरा ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं. खुला भूमि का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 189, एचं. नं. 11 (अंश), सीटीएस नं. 1743 और 1744, विहलेज व हिसर, तालुका बोरिवली बम्बई में स्थित है

(और इससे उपाजव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारमामा आयक र अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार ब्रुक्त हो कम को क्यानाल प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्त, उसके इयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) को बीच एसे अंतरण को लिए तम पाना गया प्रतिकत, दिनमितिक उद्देश्य से उच्त बंदरण विवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधियम् के संधीय कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के किए; ब्रीडि/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, मिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ करतीरती द्वारा प्रकट पहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था किया ने सुविधा वे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री आर. एन. शोसानी ।

(बन्सरक)

(2) मेसर्स अमान बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारक वृष्ट्रीयत स्थ्यीत में न्यन में ज़िल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

## धवत बुक्तित हो वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी कार्यन हा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी संबंधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर शब्पति में हिल्क्स्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहरताशरी के पाछ सिचित में किए वा सकी

## अनुस्ची

और जिस्की सं. खुला भूमि का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 189, एच. नं. 11 (अंश), सीटीएस नं. 1743 और 1744, व्हिलेख दहिसर, तालुका बोरिवली बस्बई में स्थित है

अनुभूची जैसािक क्र. सं. अई-4/37ईई /20779/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बस्बई

विनांक : 28-2-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यात्तम, तहायक भागकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-4, बम्बद्द

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवर्षेश सं. अर्ड-4/37-इ<sup>र्ड्</sup>ई/21203/85-86.—-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकार विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इवकों श्राक प्रथमत 'उनत विधिनयम' कहा नया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिस्की सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 37, एच. नं. 1 (अंश) और सर्वे नं. 39, एच. नं. 6 (अंश), सीटीएस नं. 973, एस. वि. रोड, तालुका डोरिवली, दिहसर, बस्वर्ष में स्थित है

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री ही, तारीस 1-7-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काल के क्ष्यकाल ग्रीतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ अरि मूक्षे यह निर्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का रचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बार जैतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल निम्मिलिश उद्देश्य वे खन्त अन्तरण किश्वित में वास्तिमक रूप वे कीणण नहीं विचा गया है

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की सावत, इपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा भे बिक; क्षेत्र/बा
- रिक्ष) ऐसी किसी आय या रिक्सी धन या अस्य आस्तिवीं की, खिन्हों भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ कन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीन :—— 96—36GI/86

(1) मंसर्स जी वी कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) दि डेक्कन मर्चन्ट को-आप. बैंक लिमिटेड। (अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिबं कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यभि, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर कामित्यों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकी।

स्मण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त कच्यों और वर्षों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इ<sup>†</sup>, वहीं कर्य होगा वो उस कथ्याय वे विका पका है।

### बनुत्रची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वो नं. 37, एच नं. 1 (अंश) और सर्व नं. 39, एच नं. 6 (अंश), सीटीएस नं. 973, एस वि. रोड, तालका बोरिवाली दहिसर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्द्ध-4/37र्द्धः 21203/85-86 और जो सक्षमः प्राधिकारी बम्बर्द्ध द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

सक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बद्

दिगांक : 28-2-1986

प्ररूप आई .टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्ात (निरोक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्द बम्बर्द, बिगांक 28 फरवरी 1986

निदंश सं. अर्घ-4/37-दं र्घ/20797/85-86.--अतः मझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 14, जो, एस नं. 21/2, सीटीएस नं. 209, व्हिलेज मंडपेशवर, बोरिवली (प), बस्सर्फ-103 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण ल्य से विणित हैं), और जिस्का करारनाया आवकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृल्य सं कम के क्यामान प्रतिकल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उांचत माजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से पन्तह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिकी (अंतरिकां) के वौध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्दीलिकत उद्वेष्ण में अक्त जन्नरण निष्टिण में वास्तिवक कप से कथित वृक्षों कामाया है:——

- (क) जनतरण में हुइई किसी जाय कर बाबस , उनस जीभानियम के अभीन कर बाने के जन्तरक के दायित्य मो कभी करने या उससे अपने में मुजिया के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनिधम, या धनकर बाधिनियम, या धनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहां विधा गया या किया जाना चाहिए था, छिपान मा अधिक के निए,

जेत. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) मेसर्स सहयोग बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डी. एन. कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारा करके पूर्वाक्स सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परे सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

एलंट नं 14, जो एस नं 21/2, सीटीएस नं 209, खिलोज संडएंड्यर, बोरिवली (प), बम्बहें-103 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि के मं अर्ड-4/37-हर्ड/20797/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणू बास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-4, बम्बई

हार**ोव**: 28-2-1986

प्रकृष कार्यः टी. एन , एवः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सूचना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

774, 14112 12 111 1300

निविष्य स . अर्ड-4/37-एर्ड/20766/85-86--अत : मुझे , लक्ष्मण दास ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्का प्रदान के कि स्थितियम कि अधिन मदा है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, विसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. सी-1-2, जो, 1ली मंजिल, लक्ष्मी शापिंग सेटर, दत्तपाड़ा रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्ब $\mathbf{r}^2$ -66 में स्थित  $\mathbf{r}^2$ 

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकार अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री ही, सारील 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उपकं स्थ्यमान प्रतिफल सं, एते स्थ्यमान प्रतिफल का परस्थ प्रतिशत से निधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शहरीयक रूप में किथत नहीं किया गया है है—

- (क) सम्तरम व हुएं फिकी साव की वायक, उपल स्थितियुक्त के स्थीन कर दोने के अन्तरक के शिवरण में कारी करवे या उससे वायने में सुविधा के लिए;
- (क) हारी किसी बाब या किसी बन या बन्न कास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विभिन्नियम, या भन-कर विभिन्नियम, या भन-कर विभिन्नियम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, छिपान से मिन्धा को विक्र।

नश्य भव, उक्त अधिनियंत्र की भारा 269-न के वव्तरूष वे. में, उक्त अधिनियंत्र की भारा 269-व की उपभाय (1) के अधीन, निम्नतिवात व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्रीमती एच. एच. छोड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूष्पा डी. शेठ।

(अन्सरिती)

को यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षान् के सिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बहाप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की जनिथ सा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासीच से 30 दिन की अनिथ, जो भी मन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रितन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के श्वपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाट जिस्सा में किए था सकींगे।

स्वस्तिकरण : हराय प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो तक्य अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अभ्याय में दिया गया हैं।

## अमुसूची

फ्लैंट नं. सी-12, जो 1ली, मंजिल, लक्ष्मी शापिंग सेंटर, दत्तपाडा रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्रं.सं.अर्ह-4/37-**र्ह्ह/207**66/85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्**ड द्वारा विनांक 1-7-1985 को** रिजसटडे किया गया **है**।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बर्झ

तारीख : 12-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

## नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज-4, बम्बर्द

बम्बई, विनांक 12 मार्च 1986

निद्रोश सं. अर्ह-4/37-होर्ह/21233/85-86.--अत: मुझे, लक्ष्मण वास,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, प्लाट बी जिसका सर्वे नं. 67, एचं नं. 2, सी टी एसं. नं. 1394, दहिसर, सालका बोरिवली, बम्बर्द. में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिक को निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपकत अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— (1) मंसर्स नार. एस. बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स न्यू इंडिया बिल्डर्स एण्ड जेव्हलोपर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुसूची

जमीन का हिस्सा, प्लाट बी, जिसका सर्वो नं. 67, एण नं. 2, सी.टी.एस. नं. 1394, दिहसर, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.सं. अर्ड-4/37-ईई/21233/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बइ व्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण **∦तस** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) **अर्जन रज-4, बम्बद** 

तारीस : 12-3-1986

## THE RIE OF STREET

## बारकार विभागवन्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4 , बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

्रिनर्दोश सं. अर्ड-4/37-ईई/21150/85-86.--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इक्सें इसकें पश्चात 'त्रक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन संकाम प्राधिक री को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रा से अधिक है

और जिसकी सं. बुला जमीन का हिस्सा, जिसका सी.टी.एस. नं. 1246, और एस.नं. 60, रोव्हीन्यू व्हिलेज, दिहसर, तालुका बोरिवली, बम्बई जिल्हा में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

स्ते पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गर्द ही और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि चित्रत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) बन्तरभ के हुई किसी जार की वाबत, उसक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; कॉर/स
- (क) एंधी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों को, चिन्हीं भारतीय नासकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियन, या पन-अप अधिनियम, 1957 (१९५७ का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्लारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इविधा के थिए;

बत: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धाः 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्नीलखित व्यक्तियों, कथीत् :--- (1) त्रीमती बानुबाई आर. इराणी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मल्हार डोव्हलोपर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकेंगे।

स्पर्विकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वक्षा है।

#### अनुसूची

स्रुला जमीन का हिस्सा, जिसका सी.टी.एस. नं. 124/6! और एस. नं. 60, रेव्हीन्यू व्हिलंज, दिहसर, तालूका सोरि-वली, बस्बई जिल्हा में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क.सं.अई-4/37-ईई/21150/85-86 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण **वास** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन **र**ज-4, **बम्बई**

तारीख : 12-3-1986

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज-4, बम्बद्द

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश मं. अर्झ-4/37-ई र्झ/20835/85-86.--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मृस्य 1, ( 9,000/- रह. से अधिक हैं

और जिपकी सं. दुकान नं. 7, जो, स्मीनू कस्त्र, बोरियली

(प), बम्बइ -92 में स्थित हैं।

(और इससे उपावद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राणिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी हैं, तारीख 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पंति के उणित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, अधके दश्यमान प्रतिफल सं, एके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बंश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्य में किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्द्राहण से धुन्द किसी नाम की बायक, उन्हें अधिकास की अधीन कर दोने के अध्वरक के वादित्य में कमी करने या उससे बचने में सोजभा से लिए; और/या
- का) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तिम कर्ता, जिम्हें भारतीय आवकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यार प्रकट नहीं किया गर्या था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जब: जब; जब, उन्नत अर्थिनियम की भारा 269-न में अनुसरण मा, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-य की सम्मारा (1) को अधीन, निस्तिवित स्वितियों, अर्थान '---- (1) मन्बरभाई एस. माली।

(अन्सरक)

(2) गोपाल बी. सत्री (हिं. अ. कु.)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुको पूर्वोक्त सञ्यक्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी शक्कोप :---

- (क) इत सूचना के यचपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, बों भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकेंस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वशरा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

### वन्त्र्या

दुकान नं. 7, जो, स्मीनू कस्तूर बाग, बोरियली (प), बम्ब $\frac{1}{2}$ -92 में स्थित **ह**ै।

अनुसूची जैसा की क.सं.अई-4/37-ईई/20835/85-86 और जो सक्षम प्राणिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणे दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरोक्षण) अर्जन रज-4, बम्बर्ध

वारीन : 12-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 12 मार्च 1986

निच<sup>\*</sup>श सं. अ**र्ड**-4/37-**ईर्ड/**20783/85-86.--अतः मुझन, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1., 00 . 000/~ रा. से अधिक है

और जिसही सं. प्लैट नं. 402, जो, 4थी मंजिल ए-इमारत, मेघा अपार्ट गेन्ट, होली कास रोड, माउंट पोर्ड भर, आय. सी. कालानी, बोरिवली (प.), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),

करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बर्द में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्दी ह<sup>\*</sup>, सारीख 1-7-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह र तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविद, रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंड़<sup>4</sup> किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बार/वा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या जबत अधिनियम, धनकर अधिनियम., 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: उब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ धनी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) संसर्भ संदा विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2)श्रीमती धरेसा गाम्स और अन्य।

(अन्तरिती)

को यहस्यता अधाराकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्र-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त **जभिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित** हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं 402, 4थी मंजिल, ए-इमारत, मेघा जपार्टमेंटस होली कास रोड, माउंट पोईसर, आय सी. कालोनी, बोरि-वली (प.), बम्बर्ছ-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अर्ड-4/37-**र्डार्ड**/20783/85-86 और जो सक्षम अधिभकारी, बम्बई दुवारा दिनांक 1-7-1985 कां रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बई

तारीख : 12-3-1986

## प्रकल जार्च . टी . एन . एख . -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### शास्त्र बरकार

## फार्याभय, तहायक बावकर बाब्क्स (निर्राधिक)

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ह

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्वोश सं. अर्ह-4/37-ईर्ছ/20772/85-86 -- अतः

मूझं, लक्ष्मण दास. जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित धाजार मृत्य 1,,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 203, जो, 2री मंजिल, एफ-इमा-रत, गणेश प्रसाद को-आप. हाउत्तिंग सोसायटी, नवागांव,

मंडपेशर रोड, दिहसर, बम्बई -68 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की कहा है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिकत से बाधक है और अंतरक (बंतरकों) और अंत-क्ति (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के बिह्न तम पाया गया प्रतिकत, निक्तिकीक उन्नवेक से क्या बंदक्य शिवित में बाल्यिक कम से अध्या नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-निषम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एति किसी बाग या किसी भन वा बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए जा, कियाने में सुनिभा के लिए;

अक्श जब, उन्हें निभिन्न की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्हें जीधीनयम की धारा 269-व की उपधार 'ंं वे अभीन कु विकासिक व्यक्तिकों, व्यक्ति कर-

- (1) श्री हर किशनवास मिस्त्री।
- (अन्तरक)
- (2) मेसर्स एस. डी. बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य स्थित ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथ-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

पलैंट नं. 203, जो, 2री मंजिल, एफ-इमारत, गणेश प्रसाद को-आप. हाउन्सिंग सोसायटी, नवागांव, मंडदेवर रोड, दिहसर, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.सं. अई-4/37-ईई/20772/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिज़स्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास सक्षम प्रास्थिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बस्बद्ध

तारील : 12-3-1986

## म्बर् आर्ड्, टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-4/37-शी/2679/85-86.--अत: मुझे, लक्ष्मण वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि, जो, व्हिलंज दहिसर, रेव्हीन्यू तालुका एस. नं. 317, 336, 341 और 340 (अंश), बोरि-वली, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही) रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बर्झ में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 12-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

97-36 GI/86

(1) श्री डी. एस. राजपुरकर।

(अन्तरक)

(21) श्री पी. एन. गावंड।

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त हहोती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मगसची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. एस-1845/84 और जो उप-रिजस्ट्रार, इम्बर्ड व्वारा विनांक 12-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रज-4, बम्बाई

दिनांक : 11-3-1986

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहासम्ब आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्क-4/37-जी/110/85-86.--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात: 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमको सं. सर्वों गं. 60, एचे. नं. 4, सी.टी.एस. नं. 422, सब डिस्ट्रिक्ट आफ बाम्बे, व्हिलेज बोरियली, बम्बई में रिकाल व्यो

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत दृष्ट्रिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप ए किथत वृह्टें किया म्या है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्रानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धनं या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1902 (1902 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयादनार्थ जन्ती रही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता अधिए था, छिपानं में मुनिया के लिए;

भतः सन, स्थतः विभिन्नमं की भारा 269-गं के कन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) शी गिटर ए. भवनान।

(अन्तरक)

(2) श्री आर. डी. जाशी और श्रीबी. डी. जाशी।

(अन्सरिती)

का यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्ति में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणं:---इसमें प्रग्रस्त शब्धों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अभृसुची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. 69/83 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बद्दें बुवारा दिनांक 23-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण<sup>्</sup>दास सक्ष्म ग्रानिदारी सहायक आयकर शास्त्रकाः (विशोक्षण) अर्जन रॉज-4, बस्बर्क

दिनांक: 11-3-1986

में:हर:

## CONTRACTOR OF STATE O

## भारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यक्त 289-म (1) को स्पीत मुख्य

#### RISE SERVE

कार्यासय, सहायक शायकर शायकत (निरीकाण)

अर्जन रॉज-4, बम्बर्स बम्बर्स, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ड-4/37-जी/105/85-86 --- अतः मजे, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरमात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), अधि भारा 269-श्रा को अधीन सकाम शाँचकारी को यह भिरवास करने का अधूरण हैं कि स्थावर अध्यक्ति जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सी.टी.एस. नं. 640 और 640/1 सं 37, बोरियली व्हिलेज, तिलक रोड, बोरियली, बम्बर्झ में स्थित है।

(और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कब के बर्धमान श्रीवफल के सिए बन्दरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूक्य, उसके सस्यमान प्रतिफल से एंसे स्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकाद सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के श्रीक एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा श्रीक्रस, निम्नांशिवित उद्देश्य से उस्त अन्तर्क कि सिल में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गमा है है—

- (का) अकर/रक्ष में इन्हर्य किंग्सी जाय की शास्त, उपका किंगिनसम्बद्धे अभीन कर दोने के जन्तरक के दिस्तिन मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अर्थ €ंशा
- (क) एंची किसी जास या किसी धन या कर कारिसची को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोध्नार्थ जन्दी स्वी कुम स प्रभाद महाँ किया क्या या या विका जाना अधिक्र था. कियाने वें सीवया के विद्

असः अक्षः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) के. के. दासारी।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स जे. एस. एण्ड एम. एफ. बिल्डर्स। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के अर्थन के सि कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची विलेख सं. एस-1046/80 और जो उप-रिजर-ट्रार, बम्बई व्वारा विनांक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बहर्

दिनांक : 11-3-1986

प्ररूप माइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्षेक्ष सं. अर्ह-4/37-ईई/21201/85-86 --- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पलैंट नं. 6, जो, 1ली मंजिल, गोक लक्षाम इमारत नं. 1, राधाकृष्ण गोक लक्षाम को-आप. हाउनिसंग सो-सायटी, एस. वि. राष्ट्र, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, क के अधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीस 1-7-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिज्ञ निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से मुर्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थ/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रों कथीम, निम्नलिकित व्याधितयों, अर्थातः—— (1) श्री वि. जे. जेटवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री मती डी. एम. पटानी और अन्य।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैट नं. 6, जो., गोक्तुलधाम इमारत नं. 1, राधाकृष्ण गोकुल को-आप. हाउर्जिसंग सोसायटी लि. एस. वि. राष्ट्र, बोरिवली (प), अम्बङ्-92 में स्थित है।

जैसा की क.सं. अई-4/37-ईई/21201/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-4, बम्बर्झ

दिनांक : 12-3-1986

प्ररूप बार्द, टी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्शाक्त)

अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड अम्बर्ड, दिनांक 13 मार्च 1986

निवर्षेक्ष सं. अर्ध-4/37-इडि/21036/85-86. --- अतः मुक्को, लक्ष्मण दासः,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से लिथिङ हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 416, जो, डी-विंग, 4थी मंजिल, साई दर्शन को-आप. हाउजिसंग सोसायटी लि.., एस. वि. रोड, बोरियली (प), बम्बई-400092 में स्थित हैं।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उदके क्यमान प्रतिफल है, एवं क्यमान प्रतिकास का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एवं कंद्रुण के लिए दव पार क्या शांक्फक, निम्निविद्या इक्टोब्य से वस्त बंदर्ण सिमित् में बास्तिक, जिन्निविद्या नहीं किया गया है:--

- (क) क्षेत्ररांग संधूर्ध किसी बाय की बाबता, उत्तर, आंधिनियम को अधीन कर योगे को अन्तरक को दायित्य मं कभी कारने वा अधाने मुख्यों में लुविचा को किए; भार/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों धनकर विधिन्यभं, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया को, बिन्हें भारतीय वायकर विधिन्यमं, 1922 (1922 का 11) या अक्त विधिन्यमं या गया था वा किया जावा जाहिए या कियाने में स्विभा के सिए,

जतः शव, उक्त वौधीनयम की भारा 269-न के बनुसरण कं, में, उक्त अधिमियम की धारा 269-च की रूपधारा (1) को जधीन, निस्निमित व्यक्तियों है अर्थीत् कच्च (1)श्रीमती एस. के. शहा।

(अन्सरक)

(अन्तरिती)

(2) श्री एन. पी. पारीख।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई जी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज हैं
  45 दिन की जनींथ मा उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़
  मृजना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी
  जनींथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताकरी बे पास विविद्य के रिका का वर्की ने 1

स्वव्यक्तिश्यः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, वां उक्त विश्वन मित्रम के वश्याय 20-क में परिभागित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्या नथा हैं।

#### अनुसूची

फ्लोट नं. 416, जो, डी-विंग, 4थी मंजिल, साई दर्शन को आप. हाउनिंग सोसायट लि., एस. वि. रोड, बोरिवली (प), टम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि. सं. अई-4/37-ईई/21036/85~ 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 1-7-1985 का रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-4, बम्बई

दिनांक : 13-3-1986

मोहर 🖫

प्रकार बाह् हुनी, प्रतः एव , -----

(1)श्री दत्तराया सूत्र्य भट।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश एम. वाघेला।

(अन्तरिती)

श्रायकपु विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीद संख्या

#### ब्राह्मत करकार

कार्याभय, अक्षानक अधकर आयुषक (निर्यक्रिक)

अर्जन रॉज-4, बम्बर्झ बम्बर्झ, दिनांक 13 मार्च 1986

निवंका सं. शर्द-4/37-इंडि20833/85-86---अतः भुक्षे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (चितं इसमें इक्क नक्षात् 'उन्त मधिनियन' कहा गया ह"), की नारा 269-म के मधीन सक्षम प्रतिधन्त्रारी को, यह नियमान करने का कारक है कि स्थायर सम्बत्ति, भितका उचित नाकार मुख्य 1,00,000/- का से मधिक है

और जिसकी सं. पलंट नं. 205, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 1, लक्ष्मीनारायण लगर, एक्सार रांड, बोरिवली (प), बम्बर्ड-92 में स्थित है।

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आवकार अधिनियम 1961 की धारा 269 के. स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्स संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान बिक्क में सिए क्यारित की नई है बीर यूने वह विकास करने का कारण है कि वजावूर्वेक्स संपरित का बीचित वाबार भून्य, उदावे क्षयमान प्रतिकत से, एोसे क्षवमान प्रतिकत का बंद्ध प्रतिकत से मिक्क है नार अन्तरक (अन्तरकों) नीर कन्तरिकों (अन्तरिक्षिण) से बीच एसे मन्तरन के सिए तम बाबा बना प्रति-क्षा दिल्लीसिक उप्रदेश से उन्न कन्तरन किविक में नाम्स्रीनक सम से क्षिक महीं जिला क्या है है

- (क्क) मन्तरण वं क्षूष्ट्रं निक्की काम, की धामराः, शामराः मीपीयम्थ चे अभीत कर वादे के बन्दरक के शामित्व में अभी करने वा समने य्याने में स्तिभा के सिन्। बार/मः
- (वा) एंडी फिसी अध्य था किसी पन वा सम्य आरिस्टर्श करें, चिन्हों भारतीय नामकर विविध्यक, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिक्रिक, का धन-कर अधिक्रिक, का 27) के प्रशासनार्थ अन्तुरिती ब्तार प्रकट नहीं किसा एवा वा वा किसा का बात चाहिए जा, कियाने में ग्रांवधा के लिया;

ारण अब उन्त अभिनियम की धारा 269-व की अनुसरम मीं, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कुं सकीन अन्निसिक्ड क्षेत्रिकों अमृति र— को यह सूचना पाद्री करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्धन के सिये कार्यवाहियां करता हूं।

## ड क्स बम्प्रीत के अर्थन के बस्वन्थ में कोई वालोप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस नुष्ता के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्वप् किसी सम्ब व्यक्ति इवारा वभोहस्ताक्षरी के पास तिविश्व में किए का सकति।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ऊ में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा वो उस वध्याव में दिना स्वा हैं।

## अनुसूची

पलंट नं. 205, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 1, लक्ष्मी-नारायण शगर, एक्सार रांड, बोरिक्ली (प), बम्बर्ड-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्ष. सं. अई-4/37-ईई/20833/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बइ द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-4, बम्बर्स

दिनांक : 13-3-1986

मोहर 🛚

## प्रकृष वार्ष**्ठीः एन**ः एष*्वनश्र*मण्डन

कावफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बजीन सुमना

#### श्रारत श्ररकान्

कार्यस्य, सहायक जायकह आव्यत (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बस्बही

बम्बर्घ, दिनांक 13 मार्च i 986

निवर्षेश सं. अर्ड-4/37-ईर्ड-21226/85-86.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकोर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त अभिनियम' अहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसंकी सं. फ्लंट नं. ए/801, जो, जयदीप अपार्टी मेन्ट, कोरा कोन्द्र के पास, एस. वि. रोड, ताराबाग के पीछो, एफ. पी. नं. 735, टी.पी.एस. 3, बोरिवली (प), वस्बई-92 में स्थित हो।

(शीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, ग्रिरीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मूच्य से का के बहरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उभित् बाजार मूच्य, उसकी बहरमान प्रतिफल से, ऐसे बहरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकक्ष से अधिक है और नंतरक (अंतरिकों) नौर नंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए त्य पाया प्रतिफल निम्मतिथित उद्देश्य से उक्त जनसरण निम्मतिथात उद्देश्य से उक्त जनसरण निम्मतिथान प्रतिका क्ष्म से क्षित नहीं किया प्रता है :----

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की वाबत,, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के बंतरक के बाबित्य में कमी करने ना उबके नक्सों में सुविधा के बिए; वॉट/ना
- (क) ऐसी जिसी जाय या किसी भन का अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार जभिनिज्ञ , 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, प्रधानकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोवनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नड़ी कि का नवा भी या किया जाना वाहिए था, कियाने प्रविचा की जिस्

अतः जब, सक्त जीधीनयम की धारा 269-य से अनुसरण भं, भं, अक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधील, निम्नुसिधित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) अथ दोष डेलहलापर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धनलक्ष्मी अशाक शहा और अन्य।

(अन्तरिती)

की यह सूचना अपने करके पूजीकर सम्भीत के वर्चन की लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्ष्मे :---

- (क) इब स्वना के राज्यन में प्रकासन की तारीस धै 45 फिन की वसीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खन्नीभ, जो भी वसीथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख क्षे 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भ्रीत में हिल-ब्रुथ किसी भन्य व्यक्तिस द्वारा अभोहम्लाक्षरी के गस विकित मों जिल्ला सकत्रों।

रचक्की करण तन्न हसमें प्रयुक्त सकतें और पतों का, जो उच्छे गैकितियम के बच्चाम 20-क में परिभाजिल ही, नहीं अर्थ शामा आ उसा अध्यास में दिया मुख्य ही क्षे

## अभूसूची

फ्लंट नं. ए/801, जो, जयदीप अपार्टमेन्ट, कोरा केन्द्र के पास, एम. बि. रांड, ताराताग के पाछ, एफ. पी. नं. 735, टी.पी.एस. 3, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूची जैमा की क. मं. अई-4/37-ईई-/21226/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्यारा दिस्तंक 1-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रविकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बद्ध

दिनांक : 13-3-1986

माहर :

श्रुक्ष्य जाहा . दरी . एर . एन . -------

## आयंकर व्योधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

#### हारत सरकार

कार्यासय सहायक बायकर जायका (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्स

बम्बर्ছ, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्वोश सं. अर्ह-4/37-ईई/21227/85-86.---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रथात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लंट नं. बी/2, जो, जयवीप अपार्ट मैन्ट, कोरा केन्द्र के पास, एस. वि. रोड, साराबाग के पीछो, एक. पी. नं. 735, टी.पी.एस. 3, बोरिवली (प), बम्बर्ह में स्थित है।

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), करारनामा आवकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीस 1-7-1985

को पूर्नोंक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के धरममान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके धरमान प्रतिफल से, एसे धरमाम प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-क्षक निम्निवित उद्देश्य से उन्त बन्दुरण सिवित में बास्तविक स्म से कथित नहीं किया यथा है है—

- (क) बन्तरण ते हुइ विश्वीकात की बाबत, हक्त विभिन्निय के स्वीम कर दोने ही बन्तरक ते दाबित्त के कशी करने वा स्वतं क्यने में भृतिका वे विष्टु; क्षरि/वा
- ्ष) एसी किसी बाय या फिसी धन या कर्ण आरितयों की, फिल्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर वर्धिनियम, या अवकर वर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती बुनारा प्रकट नहीं किया नना था वा किया नाना वाहिए वा, क्रियाने प्रतिकास की किया

कतः कव, अवत विधितियम, की भारा 269-ए को कर्बार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात १---

(1) जय दीप डोबहलांपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री यू. एस. मंडाविया और अन्य।

(अन्तरित**ी**)

को यह जुलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति सै अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

## बच्छ सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तः व्यक्तियाँ में है किसी स्पब्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, महीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

पलेट नं. बी/2, जो, जयदीप अपार्टमेन्ट, कोरा केन्द्र के पास, एस. वि. रोड, ताराबाग के पीछो, एफ. पी. नं. 735, टी. पी. एस. 3, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैंगा की क. सं. अई-4/37-ईई/21227/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्रकृष्कारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4 , बम्बई

दिनांक: 13-3-1986

त्रकृष् कार्ड . टी . एन् . यस , नगन्नवण्यनवण्यन

भाषकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्थना

## गाउँत स्टब्स

कार्याजय, प्रद्वापक जायकर जागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, खम्बर्द

बम्बद्दी, दिनांक 13 मार्च 1986

निद्रों सं. अर्ड-4/37-ईई/21113/85-86.---अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 3, जो, तल माला, जी. के. नगर इमारत नं. 3, शंकर लेन, कांदिवली (प), अम्बर्ङ में स्थित

ए (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मों रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वित्रक के लिए जन्तरित की गई है और नुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूस्स, उसके क्रयमान प्रतिक्त ते, ऐसे क्रयमान प्रतिक्त का क्लाह प्रतिकृत से जीभक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्वा प्रतिकृत, निम्निस्थित उद्योक्त से उस्त सम्तरण निम्नित व वास्तरिक क्य से कीचत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुए किसी बाय की बाबत, उक्त श्रीधिनियंत्र, के बंधीय कर दोने के अप्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे क्याने में सुविधा के जिए; बीर/वा

अतः अव, उपत मधिनियम की भारा 269-ग में सम्बर्ध व' में एकत अधिनियम का श्रेटा 269-में की उपधारा (1) में अधीन, निम्मीलिकित व्यक्तियों, अधीत :---98-36GI/86 (1) मेसर्स जी. के. डंव्हलोपमेन्ट कारपोरशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीजी वि. पोपट।

(अन्तरिती)

की वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त उभ्यक्ति के नर्चन के जिल्ला कार्यमाहियां गुरू करता हुए ।

## क्षमत संपत्ति से बर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी साक्षेप -

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनीय ना तत्सकरन्थी व्यक्तियों दर क्वा की पामीस से 30 दिन की जनीय, को भी विकास की नाम में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविक्त काक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राज्यन के प्रकाशन की तारीस से 48 ज़िल् के ऑसर क्यार स्थाप्त सम्मास्य के हितवपुथ ज़िल्ही कम्यु म्यूपित स्थारा मध्येष्ट्रस्ताकारी के शास हितवित में किए का समीचे !'

स्यंक्षीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त अधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस बच्चाद में दिवा पूजा है।

#### अनुसूची

प्लेट नं. 3, जो, तल माला, जी. के. नगर इमारत, नं. 3, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई 67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की फ. सं. अर्घ-4/37-ई र्घ/21113/85-86 और को सक्षम प्राधिकारी, बस्बर्ध द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 13-3-1986

प्रकृष आहे टी. एन , एस , -----

मंसर्स वर्धमान डेव्हलोपमेन्ट कार्पोरोशन।

(अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र सी. शेठ और अन्य।

(अन्तरिती)

कायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभा

#### भारत सरकार

काशनिय एहासक आध्यार शास्त्र (जिल्लेक्सण) अर्जन रॉज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 13 मार्च 1986

निद<sup>\*</sup>श सं. अर्ध-4/37र्ध्य/20862/85-86---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1965 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राण्याणी को बर्ग जिल्लास करारे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अस्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं फ्लंट नं 203, जो, 2री मंजिल, ए-इमारत, धर्भमान अपार्टमेन्टम्, मोडावाला लेन, एस नं 2, 3, 4, एच नं 14, बोरिवली (प.), बर्म्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण एप में विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, सारीख 1-7-1985

मा प्रवेकित सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य स फस के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की एई हैं। और स्फें यह विश्याम करने का कारण हैं कि यथापृतिकत सम्पति का उचित अजार मृत्य, उसके दश्यमान एतिफल भी, एने रश्यकान प्रक्षिक का पन्द्रस् प्रतिफल सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिन के बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरण में हार्ष किसी काय की बाबल, उस्त अधिनिधम की अधीन कर योगे थे उन्तरण की दायित्व में कमी करने या उत्तर प्रचने मां भ्विता की लिए: और/या
- (म) ए ती जिसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1951 (1957 को १७) है । शास्त्राध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या चित्रा आगा थाहिए था, हिल्पान में कविवा के लिए

को बहु सूचना चारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यकाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रश् सूचना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथेकित ग्रावित्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए जा सर्हेंगे।

स्पष्टोकरणः---इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क मीं परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय मा विद्या गया है।

#### अनुसूची

पर्लंट नं. 203, जो. 2री मंजिल, ए-इसारत, वर्धमान अपार्टमेन्टस्, सोडावाला लेन, एस. नं. 2, 3, 4, एच. नं. 14, बोरिवली (प.), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अन्सूची जैसाकी क. सं. अई-4/37-ईई/20862/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधि हरी सहायक अध्यक्षर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

नतः नव, उक्त अधिनियम को धारा 260-भ के अर्भरण में, में, उक्त रुधिनियम की धारा 260-थ भी उपस्प (:) के रुधीय, निम्निखिसित व्यक्तियों, नर्थात् ३ —

िंदर्गक : 13-3-1986

16849

अ**रूप बार्ड**, दी, एन, एस,------

## श्रायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### शरत प्रत्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्ष

बम्बर्इ, दिनांक 13 मार्च 1986

निद<sup>न्</sup>श सं. अर्घ-4/37-ई/ई/20864/85-86--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, .

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 26')-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 201, जो, 2री मंजिल, ए-इमारत, वर्धमान अंपार्टमेन्टस्, सोडावाला लेन, सर्वे नं. 84, 2, 3, 4, एच. नं. 14, बोरिवली (प.), बस्बई-92 में स्थित हैं (और इसमें उपायद्थ अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की भारा 269 क, ल के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारील 1-7-1985

की प्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को कर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मूक्के यह विस्वास करन का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध दय मं उक्त अन्तरण किकित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण स हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उक्से बचने हीं मुविधा के लिए, बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए,

अला भव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मा, माँ, उन्नत किंपिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) क्षेत्रकोता निमाधिकोत्र व्यक्तियमों, जर्थान् :--- 1. मेसर्स वर्धमान डेव्हलोपमेन्ट कार्पोरोशन।

(अन्तरक)

2. श्री आर. सी. शंठ।

(अन्तरिती)

भा यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यनाहियां करता हूं।

उनते संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख है 45 दिन की अविध या तत्से अधी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र मा प्रकाचन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं 201, जो, 2री मंजिल, ए-इमारत, वर्धमान अपार्टमेन्टम्, सोडावाला लेन, बोरिवली (प्), सर्व नं 84, 2, 3, 4, एच नं 14, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं अई-4/37-ईई/20864/85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड्स

दिनांक : 13-3-1986

## प्रकृष नाइ . सी. एन . एस . ------

## बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बचीन स्वाम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अंजन रोज-4, बम्बर्ष

बम्बर्ध, दिनांक 13 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ध-4/37-ईई/20863/85-86--अतः मुझो, लक्ष्मण दास, **बायकर की**पेनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 202, जो 2री मंजिल. ए-विंग वर्धमान अपार्ट मेन्टम् , सोडावाला लेन , सर्वे नं . 84 . 2 . 3 . 4 , एच. नं. 14, बोरिवली (प.), बम्बर्ছ-92 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की शारा 269 क, ख के अधीन बम्बंई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारील 1-7-1985 बारे प्योक्त समानि के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिपाल से एसे रूपमान प्रतिफल को पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाें) के दीच एसे अन्तरण के लिए प्तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नित्तिशिवत अधितयों, अर्थात ह—

- 1. मेसर्स वर्धमान अक्हलोपमेन्ट कार्पोरोबन।
- 2. श्री प्रवीपकृमार सी. शेठ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को बहु बुचना बादी करके पूर्वीक्त सम्मृति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## इक्त कुम्पाँत में बर्चन में सम्बन्ध में कोई भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन्सची

फ्लैंट नं. 202, जो 2री मंजिल, ए-विंग, वर्धमान अपार्ट मेन्टस् सोडाबाला लेन, सर्वे नं. 84, 2, 3, 4, एच. नं. 14, बोरिवली (प.), सम्बद्ध-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी कः सं अर्ह-4/37-ईई/20863/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज-4, **बस्बई**

दिनांक : 13-3-1986

प्रकृष भाष" . ट्रॉ. एव . एव . ०० ०० ०० ००

बानकर महिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थना

भारत सरकार

## आर्थातम, बहायक मानकर नागुक्त (निरीक्तन)

अर्जन राज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 मार्च 1986

**ैनिद**ेश सं. अर्ध-4/37-ईर्ष्ट/21101/85-86---अक्ष: मझे, लक्ष्मण दास,

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्तर्वे इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 6, जो, 1ली मंजिल√, मानसी कस्तूर पार्क, बोरिवली (प्), वम्बर्ड-92 में स्थित हु (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बर्श स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्द्री हैं, सारीख 1-7-1985

का पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य ने कम के उत्प्रमान प्रतिकास को सिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथाप्येंक्स मन्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, ऐसे क्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्ति स्ती (अंतोरितयों) के बीच एंडे वंतरूच के ज़िए सब काम कवा अधिक कत, निम्नसिवित संद्रवेश्य से **सम्बद्ध श्राव्यक्त विविद्य में नारद्यिक स्प स कि भित नहीं मिला गवा है ध**नन

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की वावत, उक्त वॉलिंग्ड्स के बचीन कर दोने के सन्दर्क के दावित्य में कभी करने वा उससे वयने में सुनिया के लिए: बार/या
- (का) एसी किसी बाम या किसी धम मा बन्म आस्तिवाँ को जिन्ही भारतीय जाय-कार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिभनियम या व्यक्तर श्रीविन्वन, 1957 (1957 का 27) के श्रीकृतार्थ वन्त्रीरिती व्यारा प्रकट नहीं किया बबा या वा किया बाता वाहिए था, कियाने में वृत्तिथा के विद्

कतः अवः, उकतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थातु :---

1. श्री हरीश वि. साबंत।

(अन्तरक)

2. मेसर्स एल. के. बिल्बर्स।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुई।

तक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाध्ये हु---

- (क) इस सन्दर्भ के राज्यम में प्रकादन की तारीच है 45 दिन की नवींभ मातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चलाकी दानील से 30 दिन की श्रवणि, श्रीनी वक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्येक्ति न्यवित्यों में से किसी म्यक्ति बजारा;
- इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की शारीस थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए वा सकेगें।

स्पन्डीकरण :---इसमें प्रयक्त शन्दों और पदों का, जो उत्क विधिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्यास में दिया गयः 

#### अनुसूची

फ्लॅंट नं 6, जो, 1ली मंजिल, मानसी, कस्सुर पार्क, बोरिवली (प.), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अर्ध-4/37-ईई $\frac{1}{2}$ 1101 $\frac{1}{85}$ -86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिअस्टर्ङ किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सह्यक अ≀यकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बद्दी

दिनांक : 6-3-1986

entre d'aboute spétiment le prés plus se le la grande à la grande de l

----

## प्रकृप बाइ .टी. एन . एस -----

बाधकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (जिस्चिया)

अर्जन र ज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निद<sup>र्भ</sup>श सं. अई-4/37-ईई/21280/85-86---अत: मोहो, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). को आरा 269-खं को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित नानार मन्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैट नं. 5. जो, तल माला. बी-विम, शांतीनगर, इमारत नं. 4. सीटीएस नं. 1654/1 से 5. एस. बि. रोड, दिहसर (पू.), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हों), और जिसका करारनामा अधिकर अधिनिधंस, 1961 को धारा 269 के, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के आर्थानस्य में सीजस्ट्री हैं, तारीस 1-7-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जिर मुक्ते वह गवहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति वह राज्या आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एके राज्याक विकास का का का प्रविक्त का जन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक विकास के विकास गया प्रया प्रवा प्रतिकल, निम्नतिस्थित उद्देश्य में उक्त अन्तरण दिविस्त में बास्तिक रूप से किमत नहीं किया गया ही कर से का

- ्ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अना आस्तियों का, जिन्हों नारतीय रामका धि त्रि, 1 22 (1922 के 11) के किसी किसी कि धन-कर अधिनयम, 1957 (1057 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राक्षी क्षण्या किया जाना चाहिए था किया में स्विधा के निष्;

अत: सम्ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-ए की नक्षारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्षांक्तयों, अधात् :---

1. श्री सामसुद्दीन एस. वासानी।

(अन्तरक)

2. श्री रहीमभाई मामजी ध्का।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहमां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थव्हीकरण:- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

फ्लैंट नं. 5, जो, तल माला, बी-विंग, शांतीनगर इमारत नं. 4, सीटीएसं नं. 1654/1 से 5, एस. वि. रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-4/37-ईई/21280/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, वस्बर्झ

दिनांक 28-2-1986

मोइर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निय<sup>\*</sup>श सं. अई-4/37-ईई/20955/85-86--अतः मझे, लक्ष्मण दास.

- बायकर अधिनिय्म , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1., 00, 000/- रु. से अधिक ह

और जिसकी सं फ्लैंट नं 36, जो, 3री मंजिल, अपार्ट में स्टम्, प्लार सीटीएस तं. 791, म्हात्रवाडी, दिहसर (प.), तम्बई -68 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, 1-7-1985

की पृष्टंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके कर्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रहर प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण में लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. में., उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उन्धारा (1) के सभीन, निक्तिविश्व व्यक्तियों, वर्णांस् हे---

1. भान्दंत एच. महता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंज्लाबेनं विं. काकड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पात के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समण्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त भवां और पदां का, अधिनियम, गं अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लैंट नं 36, जो, 3री मंजिल, अनन्त अपार्ट मेन्टस्, प्लाट नं. सीटीएस नं. 791, म्हात्रे वाडी, दिहसर (प.), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-4/37-ईई/20955/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बइ

दिनांक : 28-2-1986

माहर

प्रक्रम बाह्", क्ष्मी, एन, एक, हन न ----

## बायकर विचित्रियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-म (1) के बचीन क्षमा

#### बाह्य बहनाडु

कार्याजय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्दोध सं. अर्द-4/37-ईई/21281/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसकें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 13, जो, 4थी मंजिलं, गृलिस्थान अपार्टमेन्ट, एसः वि. रोड, सीटीएस नं. 1053, 1053/1 में 7, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की भारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीस 1-7-1985

का प्यांक्त नम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रिएफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का फारण हा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निस्निजियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि किल के बाल से सामानिक क्य से काजर नहीं किया नवा है अन्तर

- (क) वन्तरण वं हाई फिजी बाध की वायक, क्या अधिपियम के अधीन कर बोने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में मृतिभा के लिए भार/था
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्च बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय पाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-राध अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था खिपाने में स्विभा के किए:

क्षकः सन्, उत्तर संधितिसम् कौ धारा 269-न सै सन्सर्थ मा, भी, उत्तर अधिनियम की भारा 269-न की स्वधारा (१) के सधीर, निस्तिसिक्ति व्यक्तिकी संधीर्य (— 1. श्री मन्सूरअली पी. दांढीया।

(अन्तरक)

2. श्री ताजदीन एनः मक्नोजिया।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्बन के जिए कार्यवाद्रियो शुरु करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के क्वान के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की जनभि, वो ं ंधी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वास;
- (ख) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-वब्भ किसी अन्य व्यक्ति इवाच कभोहस्ताक्षरी खे यक जिलात में किए का सकेंगे।

स्थव्हीकरण — इसमं प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो अक्त जिथानियम, के जभ्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, वो उस अभ्याय में विवा

#### **मन्**त्रची

फ्लैंट नं 13, ओ, 4थी मंजिल, ग्लिस्थान अपार्ट मंन्ट, एस. वि. रांड, सीटीएस नं 1053, 1053/1 से 7, दिहसर (पूर्व), बम्बर्ड-68 में स्थित है।

अन्सूची जैसाकी क. सं. अर्ध-4/37-ईई/21281/85-86 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 28-2-1986

**१क्न. बार्य**ुटी, **एन्. एत्** उन्थनन

नायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) में वधीन स्वना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बस्वर्द

बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं अर्ड-4/37-ईर्ड/21092/85-86—
अतः मुझे, लक्ष्मण दास,
अयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृल्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं दकान नं 1, जो, ब्ल्यू स्टार अपार्टमेन्ट, आय. सी कालनी, होली कास लेन, बोरियली (प.), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में में विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

प्राधिकारा के कायालय में रिजस्ट्रा है, ताराख 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के बच्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मृश्वें यह विकास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निवित स्ववंदिक स्ववंदिक से विकास वे उचित अन्तरण ने लिए तय प्रतिकास में बान्तविक स्ववंदिक स्ववंदिक सार्विक मार्ग है किया गया है

- (क) अन्तरण संसूर्ध किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व मीं कमी करने या उससे अचने मी सिरिश्त के रिजा वरि/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो. जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, 1922 का 21) या उक्त लिधिनियम, हा धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुलारा प्राप्ट नहीं किए। गण पा किया जाना चाहिए था कियाने यो के सिए;

कतः शव, उकत अधिनियम की भारा 269-ण के जन्तरण हो, में, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निस्तितिखत व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 99-36GI/86

1. श्री रमाशंकर यादव।

(अन्तरक)

2. श्री कमलाप्रसाद बी. उपाध्याय।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बाड़ी क्र्य है पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां कड़ता होतू थे

यक्त सम्बद्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस भूषना के राज्यन में प्रकायन की शारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुचना की तामील से 00 विन की उपित, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ब) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस लें 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: -- इस्तर्ने प्रयुक्त शब्दों और पत्ने का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका प्रवाह है।

### अन्स्धी

बुकान नं. 1, जो, ब्ल्यू स्टार अपार्टमेन्ट, आय. सी. कालनी, होली कास लेन, बोरियली,  $(\mathbf{u}_{\cdot})$ , बम्बर्ध-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अर्ছ-4/37-ई्र 21092/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक १०७०-१985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुका (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बई

दिरांक : 28-2-198**6** 

मीहर:

a returned a texture of the

## प्रकृषः बार्षः हो । एत , पृष्ठ् ,,------

## बायकर बीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) से अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यांशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

्बम्बईः, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्दोश सं. अर्ह-4/37-ईई/21104/85-86— अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 4/7, जो इमारत नं.  $\psi/6/3$ , ग्रोव्हजं को-आप. हार्जिसग सोसायटी लि., जीवन बिमा नगर, बोरिवली (प.), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

क्ये पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्त को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्षियित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; अपेर/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तरे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अपना चाहिए था, छिपाने में मुतिधा के लिए;

भेर: संस, अंस्त जीभीनेसम की भारा 269-ग के अनुसरण में, सं, उथत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित :--- 1. श्री जगवीश सी. सीगल।

(अन्तरक)

2. श्री मालती एमः एमः वर्दो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

फ्लैंट नं 4/7, जो, 3री मंजिल, इमारत नं ए-6/3, ग्रोव्हज को-आप हार्जीसग सोसायटी लि , जीवन बिमा नगर, बोरियली (प ), बम्बर्द्ध-103 में स्थित है।

अन्सूची जैसाकी क. सं. अर्क-4/37-ईर्क्ट21104/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्क दुवारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्क किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बस्बर्ड

**दि**नांक : 28-2-1986

मोहर ;

## प्रकाष बार्च • टी • एन • एत् • ——

## भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भाग 269-ए (1) के ब्योप एक्वा

#### भारत सरकार

## कार्यासन,, सद्दावक नावकर नावृक्त (गिर्याक्रक)

अर्जन रोज-4, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986

ू निवर्षेश सं. अर्ध-4/37-र्डर्ग/20827/85-86---अतः मझे, लक्ष्मण दास,

वाशकर मिथिनियम 1961 (1961 का 43) (विते इसके इसके प्रकार 'उपत अधिनियम' प्रकार वहा प्रमा हैं), की पाप 269-व के नेथीन सक्षम प्राधिकारों को वह विववस कहने का कार्र हैं। कि स्थावर सम्पत्ति विवका अधित वाचार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं गोडाउन नं 1, जो, स्टार ट्रेड सेन्टर की-आप प्रिमायसेस सोसायटी लिं, प्लाट नं 57, एस वि गी. रोड, बोरिवली (प.), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को पूर्वीयत सम्परित के उचित काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कर. का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक स्व त कथिक नहीं किया गया है:—

- (क) धनारण से हुई किसी नाव को बावह, उनका विश-निवस में विभीन कर दोने से बनारण के वासित्व में कभी करने वा उक्क बचने में कृषिण के लिए; शीर√भा
- (व) एसी कियी भाष या किसी भन या जन्म वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जानकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त जीभिनियम, वा भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्दिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया बया वा वा किया बाना चाहिए था. जिमाने में स्विधा में सिका।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. मेसर्स कुसुम मोदी एण्ड आसोसिएटस।
- (अन्तरक)
- 2. श्री प्रकाशचंद्र टी. सवानी।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्प्रपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी बु से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन का तारीं से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी काथ व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास विविद्य का सकों है।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

गोडाउन नं. 1, जो, स्टार ट्रंड सेन्टर को-आप. प्रिमायसेस सोसायटी लि., प्लाट नं. 57, एस. वि. पी. रोड, बोरिवली (प.), बम्बई-92 में स्थित है।

अन्सूची जैसाकी क. सं. अर्ছ-4/37-इर्ছ/20877/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ছ द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, **बम्बई**

दिनांक: 28/2/1986

प्रवाद कार . टी. प्रम . एस . -- व्यादाना व्यादा

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) चूँ बधीन बुज्जा

### ATIO COUR

कार्बान्स, सहायक बायकर बायुक्त (विरोक्सण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निद<sup>\*</sup>श सं्। अर्द-4/37-र्दार-20811/85-86---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

णायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सार्थ हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,090/ र रा. से विधिक हैं

और जिसकी संक्षेत्र जमीनं का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 20, एच. नं. 3, सिटी सर्वे नं. 1187, कांदिवली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल की लिए विश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितीं (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उट्टिंगियां वास्तिक रूप से किथ्त नृहीं कि विषय अन्तरण

या गया है :---

(क) बन्तरण से

हुई किसी आय की बाबत, उन्ते ते .बान्यस के ब्योन कर देने के बन्दरक की बाबित में क्वी करने या उससे वयन में सुविधा को जिए; कीर्ट/या

(श) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवस के लिए:

बतः जब , उन्त जिथिनियम की भारा 269-व के जनसरण में , में , अवत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियर जभीत 1. श्रीमती विमल पी. राणे।

(अन्तरक)

2. श्री एस. जी. जग्गर।

(अन्तरिती)

## का यह शूचना बादी करके पूर्वों कर सम्मतिए के वर्धन के जिए उनक बुम्मतिक के बुधन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पत् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साक्ष विखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धिकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों की अधिनियम, के ्र पदों का, जो उक्द, शाबिक , अध्याय 20 का में यथा परि-, ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भिद्रा गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 20, एच नं 3, सिटी सर्वे नं 1187, कांदिवली, वम्बई मे स्थित है। अनुसूची जैसाकी क. सं अई-4/37-ईई/20811/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 12-3-1986

## ाक्ष्म क्षा ्रह् ु हो, दन, एस, प्रसार

1. श्रीमसी बी. डी. गांधीं और अन्य।

(अन्तरक)

2 श्रीपी वि. पारेखं।

(अन्तरिती)

## शावकर विधितिव्यं। 1961 (1961 का 43) की भारा 269-5 ्र (1) से समीत कृष्ता

#### भारत प्रकार

## कार्यासर्यः वहायक भागकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रंज-4, बम्बई

क्षस्य ई. दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्षेश सं . अझी -4/37-इई/20802/85-86--अस्क्र मुझे , अक्षमणा दास .

लावकर वर्ष शिल्यम के 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें पर्यात्राह्य) 'रावस अधिनियम' नद्या गया ही, की पारा 269-के के किमीन ।सक्षात्र जारिएकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि एका स्वास्त समित्र समित्र का जीवत वाकार मृत्य 1500,000/- (रा. सी अधिक ही

और जिसकी सं., फ्लैंट नं. 305, जो, 3री मंजिल, चंद्रलोक को-आप. हाउरि ग्रंग सांसायटी लि., बालिका विद्यालय मार्ग, अहुस. मोदी रो ड., कांदिवली (प.), बम्बई -67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 209 क, ब के अधीन बम्बई रिस्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हों, तारील 1-7-1985

को पूर्वो वस सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बिजराज (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, किल्लिकिविस व्यक्तियों, अधीत :— को बहु बुचमा जारी करने पृथ्विश बंपरित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुई।

## उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कार्ड भी वासेंद र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस छे 45 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की ताबील से 30 दिन की श्रवित सो भी। स्विभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियाँ के से किसी व्यक्ति इसाउ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख श 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाख लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकरण, के बभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस बभ्याय में विद्या नका

## मन्त्र की

फ्लंट नं 305, जो, 3री मंजिल, चंद्रलोक, चंद्रलोक को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., बालिका विद्यालय मार्ग, एस. मोदी रोड, कांदिवली  $(\tau)$ , बम्बई -67 में स्थित है।

अन्सूची जैसाकी क्र. सं. अर्द-4/37-ईई/20802/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई व्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र<sup>न</sup>ज-4, बस्बई

दिनांक : 12-3-1986

माहर:

## 

# नावकर मध्तिनवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सूचका भारत सरकार

## कार्यास्त , बहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्घोश सं. अर्घ-4/37-ईई/20817/85-86---अत: मझे, लक्ष्मण दास,

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से लिथिक हैं

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 81, एचं. नं. ए/3, सी. टी. एस. नं. 153 और 153/1 से 153/3, विलह ज बोरिवली, अम्बर्ध में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो हैं, तारीस 1-7-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के तिए तब श्या गया प्रतिफल, निम्निनिबित सद्देश्य से उक्त अन्तरण देलियत में वास्तविक रूप से किंचत नहीं कमा गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई ज़िल्ली शाय की वायत, उक्त जिम्मिनयंत्र ही अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरो क्याने में तृतिभा दायित्व के सिए; और/भा
- (श) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा है लियु;

बतः भव, उपत विश्वतिषय की भारा 269-मं के बंगुकरण भं, भें उपल अभिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नसिकत, व्यक्तियों, वर्णात् ६——

- 1. श्रीमती मुक्ताबेन एम. चोकसी और अन्य।
- (अन्तरक)
- 2. श्रीडी वि. मेहसाऔर अन्य।

(अन्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहिक सुरू करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षाय के सम्बन्ध में कोई भी वालोग ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्षी तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उक्त :

श्रीभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ
हैं वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया
गया है।

## वन्त्वी |

सूला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 81, एच नं ए-3, सी टी एस नं 153/3, व्हिलंज बोरियली, बंग्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-4/37-ईई/20817/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बस्बई

दिनांक : 12-3-1986

प्ररूप बा**र**्ड टी. पुन**ु पुर**ु न्यास

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

#### भारत तरकार

## कार्याच्य, स्हायक भागकर नायुक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्दोश सं. अई-4/37-ईई/21120/85-86---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट तं 15, जो, ब्लाक एबीसीडी, एस. तं 70-इ, कांदिवली गव्हर्नमेन्ट इन्डस्ट्रीयल इस्टेंट, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा गया प्रति-फल निम्निलियित उद्देश्य से उसते अंतरण निचित में बास्तविक भूप में कथित नहीं किया जवा है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में स्विधा है लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: बब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के बब्धरण वें, वें, अक्क अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल 1. श्री एमः एमः भालराव।

(अन्तरक)

टोक्स-ट्युब मैन्युफेक्चरीं ग कम्पनी।

(अन्सरिती)

की वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ६ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में में किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाश वधोहस्ताक्षरी के वास निचित्त में किए वा सकोंगे।

म्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वता है ।

## मनुसुची

प्लाट नं. 15, जो, ब्लाक एबीसीडी, एस. नं. 70-इ, कांदिवली गव्हर्नमन्ट इन्डस्ट्रीयल इस्टोट, बम्बंई में स्थित है।

अन्सूची जैसाकी क. सं. अर्ड-4/37-डॉर्ड/21120/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बर्ड द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 12-3-1986

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 . नहालचंद लाल्चंद प्रायवेट लि ।

(अन्तरक)

2. जयश्री आसोसिएट।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 13 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्घ-4/37-ई के /20836/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारकार हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य विरुट्ट 00.000/- रुट से अधिक हैं

ा ,00,000/- रंग्य से अधिक है और जिसकी सं फ्लैंट नं 703, जो, बी-विंग, 7वीं मंजिल, स्रोन्द्र नगर, को-आप हाउँ मिंग सोसायटी लिंग, राम गल्ली, कांदिवली (पं), बम्बईं-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से बिंगित है), और जिसका करारनाम आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के अधीन बम्बईं स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान 'प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास 'करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, दृशके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का 'पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्मिलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पड्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं 703, जो, दी-विंग, 7वीं मंजिल, स्रोन्द्र त्रगर को-आपं हार्जीसग सोसायटी लि , राम गल्ली, कांदिवली  $(\mathbf{v} \cdot)$ , बम्बर्श-67 में स्थित है।

अन्सूची जैसाको क. सं. अर्द-4/37-ईई/20836/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रेडिधिकारी सहायक श्रायकर प्रापृकः (किरीक्षण) अर्जन रॉज-4ा, बस्वर्द

दिनांक 13-3-1986 मोहर : शक्य नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन मधन

#### भारत सरकार

# कार्यासन, महानक नायकर नान्त्रस (विरीक्त)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बइ, दिनांक 13 मार्च 1986

निद<sup>2</sup>श सं. अर्ह-4/37-ईर्ह/20837/85-86.--अतः मूर्स, लक्ष्मण दास,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्सने प्रकात 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का का कारण हैं कि स्थाप्वोंक्स संपत्ति का उपनत श्राचार मुख्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं 704, जो बी-विंग, 7वीं मंजिल, सुरेंद्र नगर को-आप . हाउसिंग सोसायटी लि ., राम गल्ली, कांदिवली (प), बम्बर्ड -67 में स्थित है।

(और इससे जिपाबद्वंध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित अपार कृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के अतिकत से गिथक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गवा अतिकल, निम्नसिविक उपयोक्ते है बच्च अन्तर्भ विविद्य भी वास्तरिक रूप से कायान नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ ने हुई विसी बाम की शावत, अक्क विधिनियम के स्थीत कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसते अपने में सुविधा के लिए। शौर/या
- (ग) ऐसी किसी बाप वा किसी वंश वा जन्त आरिता की जिल्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम, वा अन-कर विधिनियम, वा अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या विका बाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा की लिए;

क्स: अब, उक्त ग्रोधनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण कों. मं, अक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- 100—36 GI/8\*

(1) श्री नहालचंद लालचंद प्रायवेट लि ।

(अन्तरक)

(2) जयश्री एसोसिएट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# दक्त सम्मति से वर्षन से सम्मन्य में कोई भी नासंप :---

- (क) इस स्वान को राजपन में प्रकाशन की तारीच थं 45 दिन की बंबिंभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की बंबिंग, को भी बंबिंग बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थीक्त देवाय;
- (थ) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 थिन को भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुथ किसी जन्म व्यक्तित स्थाय वभोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किस था बकोंगे।

### अनुसूची

फ्लैंट नं. 704, जो बी-विंग, 7वी मंजिल स्रेन्द्र नगर की-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., राम गल्ली, कांदिबंली (प), बम्बर्इ-67 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क्रम सं अर्ह-4/37-ईई/20837/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-4, बम्बर्ह

दिनांक : 13-3-1986

मोहर 🖫

#### प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आग्रास्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्देश सं. आई-1/37-ईई/7144/85-86.——अतः मझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का स्थावर संपरित जिसका बाजार मृल्य 1,00,,000/- से अधिक है और जिसकी संफ्लैंट नं. 40, जो, 5वीं मंजिल, सागर तरंग इमारत, 689, भूलाभाई राड, बम्बई-36 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 2-7-1985 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्य, इसके अपमान प्रतिकत से, एसे अपमान प्रतिकत का पंक्रह प्रतिशत स अधिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए सर्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्पविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित:--- (1) श्रीटी. एच. चोकशी।

(अन्तरक)

(2) श्री कल्पना श्रीपाल मोराखिया ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके प्याँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों अनु सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पवाँ का, जो उक्त विधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं 40, जो , 5वीं मंजिल , सागर तरंग इमारत , 689 , भुलाभाई रोड , बम्बई -36में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अर्द्द-।/37र्द्द्द्रं/6709/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्द्द द्वारा दिनांक 2-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण**्दा**स, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 17-3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बद्दं, दिनांक 17 मार्च 1986

निवर्षः सं. अर्ह-।/37-ईई/7242/85-86.—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

पलैट नं. 64 और 64ए, जो, 6ठी मंजिल, ओसियनक्रेस्ट, इमारत 85 भूलाभाई व साई रोड, बम्बई-36 में स्थित हो। (और इससे उपावद्बंध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित ही) और जिसका करारनामा आयक र अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी ही तारीस 9-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्ब से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे हर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधाराए (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधित् हम्म (1) श्रीमती विमला कांतीलाल मेहता, श्री पंकज के. महेता और श्रीमती मितापी. महेता।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील रतीलाल घोट, श्री जगवीश आर. घोट, और श्रीमती शारवा जे. घोट, ।

(अन्तरक)

(3) अन्तरितियों । (यह व्यक्ति, जिसको अधिभाग में सम्परित है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपस्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधि व नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं. 64 और 64ए, जो 65ी मंजिल, ओसियनऋस्ट, इमारत 85 भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई -36 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ. सं. अई -1/37ईई /6805/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रखीस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बद्द

विनांक: 17-3-1986

मोहर 🖫

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, बम्बर्ष

बम्बर्ड, दिनांक 17 मार्च 1986

निद<sup>4</sup>श सं. शर्ड-1/37-ईई<sup>4</sup>/7259/85-86.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 31, जो मियामी इगारत, मूलाभाई दोसाई रोड, बम्बई-26. में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियमं, 1961 की धारा 269 के स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीस 9-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972) का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन निम्मलिखित स्पक्तियों, अर्थात :— (1) श्री डी. बी. कोटीयन (हिअंक्)

(अन्तरक)

(2) श्री विद्युत डी. मेहता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मे समित्ति है)

(4) अन्तरिक्षी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारोमें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त व्यभिनियम के अध्याय 20-क में यदा परिभागत हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

# अमुस्ची

फ्लैट नं 31, जो उसी मंजिल मियामी इमारत, मियामी को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि. मृलाभाई दोसाई राउ, बम्बइ- $2^{l}6!$  में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अहर्-1/37-ईई /6821/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ख्वारा दिनांक 9-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

**सह**मण<sub>्</sub>दार सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-4, बम्ब**इ** 

दिगांक 17-3-1986 मोहर :

# 

# नावकार निधानिवास. 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्थीन युवना

#### तारतं चरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (जिर्यकाण)

अर्जन रोज-4, बम्बद्दां

बम्बर्ड, विनांक 17 मार्च 1986

निद<sup>3</sup>श सं. अर्घ-1/37-ईई/7364/85-86.—अतः मभ्ते, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूख्य 1.90,000/- रु. से अधिक हैं

आर जिसकी सं. फलैंट सं. 102, जो, 1ती मंजिल, काह्ती हाउस, 36-36-ए, बेनहम हाल लेन, डा. डी. डी. साठे मार्ग, वम्बर्ड-4 मो स्थित है

(और इसमो उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 16-7-1986

को प्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास फरने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित वे वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

एसी किसी नाय या किसी धन या नम्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधानयम, 1922 (1922 की 11) या उनत अधिनियम, या उन-कार निधानयम, 1957 (1957 वा 27) अधिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, सिपाने में स्विषा में स्थिता में स्थिता

कतः कत उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मा, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभी। निम्मकिश्वित व्यक्तियों, वर्षांच र— (1) कोहली बिल्डर्स प्रायवंट लि.।

(अन्तरक)

(2) श्री पी. एन. काश्रिरी और श्रीमती पी. काश्रेरी, मेतीलाल बी. शाहा।

(अन्तरिली)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के कम्बन्त में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिभ बाब में स्माप्त होती हो, के भीतर पृवेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिन्दक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किस का कवाँचे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त सभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अभ्याय में दिवा गया हैं.।

#### जर संची

फ्लैंट सं. 102, जो, 1 ली मंजिल, कोहली हाउस, 36-36 ए. बेनहम हाल लेन, डां. डी. डी. साठे मार्ग, बम्बई-4 में स्थित हैं।

अन्सूची जैसािक क. मं. शर्द-।/37-ईर्द्द/6921/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्द्द द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-1, अम्बद्ध

दिनांक 17-3-1986 : मोहर : प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत बरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर बागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-1, बम्बई

बम्बइ, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ह-1/37-**र्हर्ह**/7362/85-86.—अतः मुफ्ते, निसार अहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं

फलट सं 402, जो, 4थी मंजिल, कोहली हाउस बेनहम हाल लेन डा. डी. साठ मार्ग, बम्बई-4 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयक अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम वाबा गया इतिफल, निम्नीलीचत उच्चेक्य से उच्त बंकरण जिवित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कारी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए

बतः अब, स्वतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्पधारा (1) के अधीन, निक्निलिवित स्पितमों, अधीन :-- (1) कोहली बिल्डर्स प्रायवेट लि.।

(अन्तरक)

(2) रक्मीन कुमार मनसूखलाल शहा और जयेश बी. महता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां कार्यचाहियां

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट सं. 402, जो, 4थी मंजिल, कोहली हाउस बेनहम हाल लेन डा. डी. डी. साठे मार्ग, बम्बई -4 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-1/37-ईई/6919/. 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्रार्थिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

विनांक : 17-3-1986 ·

मोहर 🙏

# प्रकप बार्ड, टी. एन . एस ,------

भागकर विभिन्तिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन त्वमा

#### डारक करकार

# कार्यासय, सहायक भागकर नागुक्त (निर्धाक)

अर्जन रॉज-1, बम्बर्ड अम्बर्ड, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्वोश सं. अर्ह-1/37-हर्हि/7413/85-86.--अतः मुक्ते, निसार अहमव,

कायकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसको परवास् 'उन्त अभिनित्यमं' कहा गया हु"), की भाषा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर संपरित, चित्रका उचित्र वाचार् मृश्व 1,00,000/- रह. से सिंधक है

और जिसकी सं. मेसर्स फल्यूड एयर इंजिनियरिंग इंडस्ट्रीज (लाभ और नुकसान के साथ) जो, अंतरिती ने लिया है और जिसके कुछ भागिदारों ने धंधे में सुधार लाने के लिए लिया है।

(और इससे उपावद्व्य अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 3-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाबार बृक्ष, स्वस्के क्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रति-कक्त निश्निसित उच्चेष्य से उच्च अंतरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्सरण से शुद्ध किसी नाम की नामण उपस अधिनियन में अपीए कर वोचे के बन्दाहरू की शासिरण में कसी करने वा उत्तल बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (भं एमी किसी बाय या किसी भून या अन्य बास्तिबों का जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्सरण को, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 260-व की नएभररा (1) कै अधीन मिलनीहिकत व्यक्तियों, उल्लेस :---

(1) मेसस फल्यूड इंजीनियरिंग इंडस्ट्रिज।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स फल्यूड एयर (इंडिया) प्रायवेट लिमिटेड)। (अन्तर्ति)

का वह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पति में हिस्बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकें ने।

स्पष्टशिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है,

# नन्स्ची

मैंसर्स फल्यूड एयर इंजिनियरिंग इंडस्ट्रीज (लाभ और नुकसान के साथ) जो, अंतरिती ने लि है और जिसके कुछ भागिवारों ने धंधें में सुधार लाने के लिए लिया है।

अनुसूची जैसा कि फ. स. अई-1/37-ईई/6968/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 17-3-1986

भोहर :

# प्रकथ बाह्य हो हु एवं , एवं , नवनवार वाला

# आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के जभीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्याक्य, सहायक वायकर वायुक्त (विर्याक्क)

अर्जन रोज-1, बम्बर्ड

बम्बहें, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-।/37-होर्ड/7361/85-86.—अतः मुभ्ते, दिसार अहमद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं. कमरा नं. 401, जो, 4थी मंजिल, कोहली हाउम बेनहम हाल लेन, गिरगांव बम्बई-4 में स्थित हैं (और इसमें उपागद्द्य अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयंकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 16-7-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा की विक्:
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण वा सा किया जाना चाहिए था, क्रियान से युविधा के सिए; और/या

अतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थाः निम्नलिखित व्यक्तियों. अथितः :—

- (1) मेसर्स कोहली बिल्डर्स प्रायवेट लि.।
- (अन्तरक)
- (2) पंकज एन. शहा और इ.द. कृमार एम. शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्धन के निष्

#### उच्य सम्मत्ति के मर्चन के संबंध में कोई भी आक्रोप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कमें तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय पें दिया नदा है।

#### बगुम्ची

कमरा नं. 401., जो, 4थी मंजिल, कोहली हाउस बेनहम हाल लेग, गिरगांव बम्बई-4 में स्थित है

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-1/37-ईई/6918/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ङ किया गया है।

ीसतार अहमद , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1 , दम्बर्झ

दिनांक : 17-3-1986 -

माहर :

प्ररूप आहा.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) अर्जन रोज-1. बम्बर्ड

बम्बद्ध, दिनांक 17 मार्च 1986

निवर्भा सं. अर्ध-।/37-ईई/7363/85-86.—अत: मुभ्हे, निसार अहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 202, जो 2री, मंजिल, कोहली हाउस बेनहम हाल लेन, डा. डी. डी. साठे मार्ग, बम्बर्ड-4 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ब्ध अन्मुची में पूर्ण रूप से विणित है)' और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख को अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उत्सके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्ससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम,, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्तः अब उक्स अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उच्छ अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निर्म्नालिश्वत व्यक्तियों, अर्थात ---1-36GI/86

(1) मेसर्स कोहली बिल्डर्स प्रायवेट लि.।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रकतियः शहा और जे शेठ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स.सूचना के राजपत्र में प्रकाशन अ**ी तारीख से** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में द्वितववध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

फलैंट नं. 202, जो, 2री मंजिल, हाउस बेनहम हाल लेन, डा. डी. डी. साठे मार्ग, बम्बाई -4 मॉ स्थित है।

अनुसूची औसाकी क. सं. अर्द-।/37-इर्द्ध/6920/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बर्ह

दिनांक : 17-3-1986 ..

मोहर 🙎

# वक्य कार्ड . बी . एन . एस . -----

ज्ञामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ड-1/37-र्हार्ड/7359/85-86.--अतः म्भो, निसार अहमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. कमरा नं. 101, जो 1ली मंजिल कोहली हाउस डा. डी. डी. माठे मार्ग, गिरगांव, बम्बई-4 में स्थित हैं। को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृश्वे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का बल्क्ट प्रतिकत्त से बीधक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) से बीध एसे संगर के लिए तम पाम; गया प्रतिक्ष का निम्मितियों से बीध एसे संगर के लिए तम पाम; गया प्रतिक्ष का निम्मितियां उद्विष्ट में अंतरिती की सम्मितियां वहाँ किया भवा है हैं

- (क) बभ्तरण संहुदं किसी बाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीर/का
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मंसर्स कोहली बिल्डर्स प्रायवेट लि ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम दास एन शहा और निकंश ताराचन्द वोशी

(अन्तरिस्ती)

का वह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सञ्जाति के बर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

.उक्त सम्मरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगै।

स्पद्धोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कमरा नं. 101, जो, 1ली, मंजिल कोहली हाउस, डा. डी. डी. साठे मार्ग, गिरगांव, बम्बर्झ-4 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अर्ड-1/37-ईर्ड/6916/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा विनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बइं

दिनांक : 17-3-1986

प्रकप नार्द , टी , एन ⊴ शुस ु, ----- ===

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारत २६५-६ (1) क्री बारीन नाचना

#### भारत सहकार

# कार्यासय, सङ्घायक नायकार बाय्यत (निहासिक)

अर्जन रॉज-1, बम्बर्द बम्बर्दे, विनांक 17 मार्च 1986

निद्धेष सं. अई-।/37-ईई/7360/85-86.——अतः मुफ्ते, निसार अहमद, अग्न्यूकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें सम्में किला के अधिनियम अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.,00,000/- र. सं अधिक हैं अरि जिसकी सं. कमरा नं. 201, जो, 2री मंजिल, कोहली हाजुस बेनहम हाल लेन, गिरगांव, बम्बई-4 में स्थित हैं।

हाउस बनहम हाल लन, । गरेगाव, बम्बई -4 म स्थित हा (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित ही) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख की अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री ही, तारीख 16-7-1985

मा राजस्ट्रा हा, ताराख 16-7-1985 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकाद से अधिक है और अन्तरण (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्द्रोध्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; गाँर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यभा के निए॥

वातः अस्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) इंडिक्शीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स काहली बिल्डर्स प्रायवेट लि.।

(अन्तरक)

(2) अशोक भाइ सुरजमल शहा और अलकाबन महोशकुमार शहा, अशोक जंगंतीलाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिंध कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीड़ भी आक्रोप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरशायिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कमरा नं. 201., जो, 2री मंजिल, कोहली हाउस बेनहम हाल लेन, गिरगंव, बम्बई -4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/6917/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1. बम्बर्ड

**दि**नांक : 17-3-1986 ु

# प्रकृत बाह्र स्त्री एवं . एक . \*\*\*\*\*\*\*

द्धाल्कर विश्वितवन, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) की नवीन त्वना

#### THE TYPE

# कार्यावय, सहायक आयक्तर आयुक्त (रिरोक्सक)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 17 मार्च 1986

निवर्षे सं. अर्ध-1/37-ईई/7247/85-86.--अत: मुभ्भे, निसार अहमद,

क्षियकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 इसके जभीन सभय प्राधिकारी को, शह विश्वास छरने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं फ्लैंट नं 85-ए, जो, मेहोर अपार्टमेंट्स को-आप हाउसिंग सोसायटी लि., अन्स्टोरोड, आफ अल्टामाउंट रोड, बम्बई -26 में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अनुसूनी में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, 9-7-1985

को प्रोंक्त सम्मारित को उचित बाचार मृत्य से कम के चरवमान प्रीत्मिल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुनोंक्त संपरित का उचित बाजार क्रूब, उसके चरवमान प्रतिक्षक थे, एसे दश्यकान प्रतिक्षक का पन्तक प्रतिकृत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिन् तब पावा वका प्रीय-क्य, निम्निविच चर्वोच्य से दन्त बंबदन सिचित में वास्त-विका क्या से किंगत वहाँ किया कथा है है

- (क) बन्धरण वे द्वार किसी नाव की नावत, उक्त विध-निवन के वर्षीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अन्तर्भ वा उबके नचने में सुविधा के जिए: और/ना
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से किए।

नत: सब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, तथीत् :--- (1) श्री फिरोभ बी. वापूजी और श्रीमती नभः निष्य पी. बापूजी

(अन्तरक)

(2) रिचर्डसन हिन्दुस्तान लिमिटडे

(अन्तरिती)

(3) रिचर्ड सन हिन्द स्तान सिमिट ड । (यह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना चारी कारके पृथोंकत सुध्यतित के अर्थन के किस् कार्यमाहियां करता हूं।

ंबत बम्परित के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी मार्भपः--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 विन की जनिथ या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की उत्तिक्ष से 30 विन की अव्धि, को भी ववीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति इसार,
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हिसबच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा क्योहस्ताक्षरी के
  पास निचित में किस वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनु**सूची**

फ्लॅंट नं. 85-ए, जो, मेहोर अपार्टमोंट्स का-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., अन्स्टोरोड, आफ अल्टामाउंट रोड, बम्बई-26 मो स्थित है

अनुसूची जैसा की फ्र. सं. अर्ह-1/37-हेर्ह/6810/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ह द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि-1, बम्बई

िंदनांक : 17-3-1986

# प्रदेश सार्धः वर्षः, एवः एक् प्रभागानाम

# मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यालय , सहायक कार्यकर नायुक्त (निराक्षण)

अर्जन र ज-1, बम्बई बम्बई, बिनांक 17 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ड-1/37-ईई/7444/85-86.—— अतः

मुभ्ने, निसार अहमद,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारन हैं कि वस्तव्योंका सम्मात का अधिक वाकार मूल्य 100,000/- रु. से विभिन्न ही

और जिसकी सं. फलैंट नं. 7-डी, जो अजंठा अपार्टमेंटस, 7-ए, एम. एल. डहाणुकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

्न. एवं. इहान्वर नाव, पर्या है 20 न रिवर्स है। (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्ति हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 25-7-1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवमान ब्रितिफल के लिए बंतरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, ऐसे द्रवमान प्रतिफल का निम्त्र का विश्व का कारण है कीर जन्तरक (बंतरकों) को बीच ऐसे बन्तरक (बंतरकों) को बीच ऐसे बन्तरक के निष् तब पावा सवा प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिसिक हैं वास्त्रीक रूप से करियत नहीं किया नवा है उन्न

- (क) अन्तरण से हुइ हिंकसी भाव की वावता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अन्तरक के समित्व में कनी करने या उत्तर्ध क्यने में सुनिया के आए; जौर/वा
- (वा) एसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम या धन-पण अधिनियम, 1937 (1937 का 27) अर्थ प्रजाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविभा के लिए;

बतः बद, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के बनुसरचं में, में', उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीम, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधित्ः— (1) श्री दयालदास एच. मलकानी।

(अन्तरिती)

(2) बंका अल्युमिनियम लिमिटेंड।

(अन्तरिती)

(3) बंको प्राडक्ट्स (इंडिया)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

(4) बंकरे प्राडक्ट्स (इंडिया) लिमिटेंड। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

करे वह सूचना जादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के जर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

**उन्दा सम्मरित को जर्ब**न की सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप् :----

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संशीध मा तत्स्य करधी का कितवों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी संबंधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यां करायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तवय्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी की पास तिस्वित में किए जा सकोंने।

स्वक्षीकरण:---इसमें श्रृक्त सन्दों अं्पदों का, भी सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ` इति, वहीं वर्ध होगा, जो उस सध्याय के विकासवाहीं।

# अनुसूची

पर्लंटि नं 7-डी, जो अजंठा अपार्टमेन्ट, 7-ए, एम. के.ं डहाणुकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित ही।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-।/37-ईई/6998/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बद्ध

दिनंक : 17-3-1986

प्र<del>रूप गार्च</del>. टी. एन. एस<sub>. १०४०-१०४०</sub>

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रोज-1, बम्बई बम्बई,, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्क-1/37-जी/5260/85-86 ---अतः मुझे, निसार अक्षमद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मुख्य

1,,00,,000/- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. खुला जमीन का हिस्सा, जो स्ट्रक्ष्यर्स के साथ, सी. सवे नं. 324, भूलेक्वर डिविजन, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किया

अति: अर्थं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) मिथु मिनु पेस्टानेजी कार्डमास्टर।

(अन्तरक)

(2) तैयबअली एमः कलकत्तावाला।

(अन्सरिती)

को यह नुवाना वारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो की अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी जन्य स्थावित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्यक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जीसा की विलेख सं बाम-1336/80 और जो, उप-रिजस्ट्रार, वम्बर्ड द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमव सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, टार्स्ड

दिनांक : 17-3-1986

प्ररूप आहे.टी.एव.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यक्रम, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-3, बम्बक

बम्बर्ड, दिनांक 10 मार्च 1986

निवर्षेत सं. अर्द-3/37-इंडि22359/85-86.—अत: मुभ्हे, ए. प्रसाद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परकार 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजीवत बाजार मृज्य 1,00,000/- रह से विधिक है

और जिसकी सं कार्गालय नं 203, जो, 2री मंजिल, बंसत बिहार, बसंत टाकीज के पास, चेंबूर, बस्वह में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्तय में रजिस्ट्री है तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान अतिकल के लिए अस्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिकल का पन्छह् प्रतिस्ति से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तिरतीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा वितक्त, निम्नलिसित उद्वेस्य से उक्त अन्तरण सिस्तित वै बास्त्रविक रूप ने कथित वहीं किया नवा है अ---

- (का) अन्तरण ते हुइ किसी जाय की वाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्वीवधा के निए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के निष्ट;

नत: नव, उन्त निधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण नें, में, धन्त निधिनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के च्यीम, निम्मसिनिकत व्यक्तियमों, अर्थात् क्र— (1) बसंत विकास डेव्हलोपर्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हितकारी इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरि**ती**)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिकां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

कार्यालय नं 203, जो 2री मंजिल,, बसंत बिहार, बसंत टाकीज के पास, च बूर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि. सं. अई -3/37 - ईई /22359/85 -86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टिं किया गया है।

ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, अम्बर्ध

दिनांक : 10-3-1986

# जन्म आर्च्<mark>. स्री\_प्र</mark>म् प्रचानना स्थल

# आवकर ऑधरीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारते वरकार

# कार्याजय, महायक जायकार आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ছ, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं. अई-3/37-ईई/22418/85-86 — अतः । मुभ्ते, ए. प्रसाद,

भावकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'उकन अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269--व के अधीन-मधाम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मृत्य 1.00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3, सर्वे नं. 82, एच नं. 3, विहलेज पहाड़ी और एक्सार पहाड़ी, गोरोगंव (पूर्व), बम्बई में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजिस्ट्री है तारीख 1-7-1985

को प्रवेकित संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल की लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंकर सम्मत्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का चल्का प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्धरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरक के जिए तब वाबा गया। प्रतिकाल, निम्लिसिका उद्वोदय से उपत बन्तरका किश्वास में वास्त्वीक क्य वो कांश्यत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबस, अक्स विधित्यम के वर्षीन कर दोने के जन्तरक वी दायित्य में कहीं करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों क' जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, सक्त निधीनवन की धारा 269-न के जनसरक में में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की स्पथाय (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, क्यांक् ध्र— (1) श्रीसी जे शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती (डा.) उषा एस. पाटिल और अन्य। (अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वीवत्त सम्पत्ति के वर्षन के निध् कार्यवाहियां करता हुं।

#### बक्त बन्नति के नर्जन के बंबंध में कीवां भी माशोप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारीय थें
  45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रवित्त स्थान की सामीन से 30 दिन की बन्धि, को भी बन्धि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबध्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए या सकेंगे।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 3, सर्वों नं. 82, एच. नं. 3, व्हिलंज पहाड़ी, और एक्सार पहाड़ी, गोरेगांव (पूर्व), बम्बर्द में स्थित हैं। अनुसूची जैसा की क. सं. अर्द-3/37-ईर्द 22418/85-और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्द द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए े प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ड

दिसंक : 10-3-1986

मोहरः

# **शक्य महर्<sub>य</sub> हो । पुष**्च **पुष**्च =======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-3/37-हर्दि/22776/85-86.--अत:

म्भे, ए. प्रसाद,

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परपात् 'जनत वीश्निवन' कहा ग्या ही, की पास 269-ब के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक है<sup>\*</sup>

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 6, प्लाट नं. 7, मोम्बा देवी को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि. साई नगर कालोनी, चेंब्र,

बम्बई-71 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारगामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-

लय में रजिस्द्री हैं तारीक 1-7-1985

को पूर्वीक्स सम्मस्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि अभापनोंक्त तम्परित का उपित नामार क्ष्म, बबको क्रममान प्रीठकन वे एोचे अध्यमान प्रीठकम अस क्षमञ्जू प्रतिवास से निवक्त है और नंतरक (नंतरकों) दीर नंतरिसी (बंबि िवर्षे) के बीच शंबे बन्दरन के जिए तब रावा पना प्रति-क्य विम्नोतिक स्टूबरेन वे स्वत वंतरन विवित् में रास्त्रीयक क्य से कथित नहीं किया गवा है ह---

- 🚧 क्लारन से हाई किसी। बार की बाबत राज्य सीच **नियम के अधीन कर दोने के अंतर**क के दामिल्य में कामी कारने या उससे अथने में मृतिका के लिए चेंद्र/पा
- कि होती किसी बार ना किसी वस ना सन्त्र सावित्यों की, विन्हें भारतीय नायकर सीमीनसम, 1922 (1922 का 11) या उनतः श्रीधीनवन, राधन-चर विधिनियन, 1957 (1957 का 27) औ वयोजनार्व बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किना नदा नावाकियानाचाचाहिए था, क्रियाने के सुनिका को सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---102-36GI/86

(1) टी. जो. सिरसी।

(अन्तरक)

(2) माथुर कृष्णन नारायणस्वामी।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चार्री करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

#### तकत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इ.स. सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास. लिसित में किए जा सकरें।

**स्पटकोक रणः — इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

### अनुसूची

फ्लंट नं . 6., प्लाट नं . 7, मोम्बा देवी को आप . हाउसिंग सोसायटी लि. साईनगर कालोनी, केंबर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अर्ड-3/37-ईर्डि/22776/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिअस्टर्ड किया गया गया है।

> ए, प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

दिनांक : 10-3-1986

मोहर ;

# स्क्रम आर्था श्रेम्य श्रम्य स्थाप प्रमाण प्

THE RESERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बद्दी बम्बद्दी, विनांक 10 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्घ-3/37-ईर्ছ/22224/84-85 -- अतः मुभ्के, ए. प्रसाव,

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दसमें कहा गया हैं), की धार 269-ज के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाकार म्रूच बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लेट नं 403, जो, 4थी मंजिल, बी-विंग, पदमाधती को-आप , हाउमिंग सोसायटी लि , गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-6,3 में स्थित है

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-

लय में रजिस्ट्री है तारील 1-7-1985 को प्रॉक्त सम्पन्ति के उचित माजार मुख्य से कम के स्वयमान शितफ के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफ स से ऐसे दश्यमान प्रतिफ स का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाता गया प्रतिफ स, निम्निशिवत उद्वेष्य से उच्त बन्तरण जिलित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया ज्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के वधींन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिय के अनी करने या उत्तर्थ वचने में बृष्टिया के लिए; बीर/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, विन्हें आरतीय कावकर विभिन्निस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त लिभिन्सि, या भन-कर विभिन्निस, या भन-कर विभिन्निस, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, दिवाने बें स्विभा के विए;

(1) श्रीयूनुस धुक्का।

(अन्सरक)

(2) श्री राजेश बी. मिश्रा और अन्य।

(अन्तरिती)

के वह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां कड़ता हूं।

डक्त सक्यीत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप डि~

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के
  45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी
  नवींच बहुद में सुनाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- हिंड) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य स्थावत ह्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरण १---इसमें प्रयुक्त शक्यों जीर पर्यों का को उनस जीवनिवस के अध्याय 20-क में परि-शासित ही, वहीं जर्म होगा को उस अध्याद में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लंट नं. 403., जो 4थीं मंजिल, बीं-विंग, पदमावती को-भाष. हाउसिंग सोसायटी लि., गोरोगांव (पूर्व), बम्बर्क में स्थित की।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-3/37-ईई/22224/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

सबः सथ, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निष्नसिकिस व्यक्तियों, अमित् :--

विनांक: 10-3-1986

मोहर 🖫

त्रस्य आहे : टो. एम. एस.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बजीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र<sup>चे</sup>ज-3, अम्ब**र्ड** 

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्घ-3/37-जी/2726/85-86--जत:, मुझे, ए. प्रसाद, भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'जक्त अधिनियम' कहा गया ही, की 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 2-ए, जो, पटवर्धन कालोनी, गोवंडी, वम्बर्झ में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाआर मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार -मुल्य, इसको इत्यमान प्रतिफल से, <mark>ए'से इत्यमान प्रतिफल का</mark> पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वासित्य में कनी करने या उससे बचने में स्विका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर जीजीनयज, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवींब्:— (1) पी. एस. गोडबोले।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल. बि. शेनवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि बातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यक्रिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृस्ची

प्लाट नं , 2-ए, जो पटवर्धन कालोनी, गोवंडी, बम्बर्ध में स्थित है।

अनुसूची जैसािक विलेख सा. एस-1873/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-8-1985 को। राजिस्टर्ड किया गया ह<sup>2</sup>।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बद्ध

विनांक: 10-3-1986

प्ररूप बार्च हो हो । एन ह एक .-----

जायकर भौधीतयम, 1961 (1961 का 43) जी धारा 269-भ (1) के जधीन स्थान

#### शारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ध, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ड-3/37-जी/2692/85-86 --- अत : मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं और जिसकी सं. पूराना कमरा जो, बैरक नं. 16, कमरा नं. 110, ठक्कर बाप्पा कालोनी, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-1985

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की धावत , उक्त जिभीनसम के अभीन कर दोने के अभ्यारक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में मृक्षिधा के लिए; बौर्/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आहित्यों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धव:जनार्थ अतिरती हुनारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा में बाहु;

कतः अव, उच्त विभिन्नियम की भारा 269-ग की अनुसरक कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नतिचित व्यक्तिमों, अर्थात् हु--- (1) श्री हरीलाल सन्दरणी ठाकर।

(अन्सरक)

(2) श्री दुर्गाशंकर जे. कुराडिया।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

### एकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी वसीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किसे जा सकरी।

स्यक्षीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### अभासची

पुराना कमरा जो , वैरक गं. 16 , कमरा नं. 110 , ठक्कर बाणा कालोनी , चम्ब्रूर , बम्बर्ड -71 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की विलेख सं. एस-3866/84 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बर्क द्वारा विनांक 5-8-1985 की रिजस्टर्क किया गया है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बक्ष

दिनांक : 10-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3, बम्बर्ह

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

~ निर्दोश सं. अर्द-3/37-जी/2664/85-86.--अतः :

मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सब प्लाट नं. 549-सी आफ सबर्बन संकान ए, चेंबूर, सी. एस. नं. 1479, चेंबुर, बम्बई में स्थित है।

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बर्ष में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वनीभाई वि. पटल।

(अन्तरक)

(2) सरूप सिंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सब प्लाट नं. 549 सी आफ सबर्बन संक्शन-ए, चेंबूर, सी. एस. नं. 1479, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की विलंख सं. 2198/84 और जो उप-राजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्झ

दिनांक : 10-3-1986

मोहर 🖫

#### प्रकृष मार्च । ही । धून । धूस । -----

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) भे नभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (विद्वीसन)

अर्जन रॉज-3, बम्बर्ष

बम्बर्द, दिनांक 10 मार्च 1986

नियंश सं. अर्द:-3/37-जी/2714/85-86 · --अत:, मझे, ए. प्रसाद,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें वृत्तको पश्चात् 'उकत स्मिनियस' सहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृक्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. कमरा नं. 4, जो ब्लाक नं. 47, सी. टी. एसं. नं. 454, कॉ्ली तालुका, मृलुंड कालोगी, बम्बई-82 में रिथत है।

(और इससे उपाहद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-85

को बुक्तेंक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से अपन के दश्यमान इतिकाम को लिए मन्तरित की गई उ<sup>त</sup> भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधा पूर्वित बस्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है बीर अंतरक (अंतरका) जीर अंतरिकी (मंतरितियों) के नीय एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्बदेय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त्रीयक इन्य से ऋधित नहीं व्हिया गया इटि 🛶

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वादत, उनक जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या स्टब्स वचने में सुविधा केलिए; वरि/वा
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी भन मा अन्य जास्तिमाँ क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाडिए भा, छिपाने में स्विभा के लिए:

जन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बन्सरण में में अबस अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

(1) श्रीमती माला एल मनवानी।

(अन्तरक)

(2) गुलाबचंद और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाही कहन्हे पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक्र कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्नन के संबंध में नोड़ भी नाक्षेप :---

- (क) त्स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 🚣 🕉 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 विन की शविध, जो भीं... अविभ बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वीका न्यन्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच । 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकुर किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के वाब मिक्ति में किए का सकेंगे।

नक्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्वो का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित । है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा 🕻 ।

#### अभूसूची

कमरा नं. 4,, जो ब्लाक नं. 47, सी. टी. एस. नं. 454, कुर्ल तालुका, मृलुंड कालोनी, बम्बई-82 में स्थित ह ं}

अनुसूची जैमा कि बिलेख सं. 1406/80 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-7-1985 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

বিভাল : 10-3-1986

# प्रक्ष बाह्र . टी . एन . एस . -----

(1) श्रीमती एलः पीः मिस्क्युटटा।

(अन्तरक)

# मायकतु विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

# (2) आर. एम. गुप्ता और अन्य।

(अन्तरिती)

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बर्, दिनांक 10 मार्च 1986

निवर्ष सं. अइ<sup>5</sup>-3/37-जी/2663/85-86.---अतः मुभ्ते, ए. प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मुख्य

बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सी. टी. एस. गं. 6668, कालिना, कोले कल्याण, सांता क्रूफ (पूर्व), बस्बई -29 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1985

को प्रांचित सम्परित के उचित माजार मृत्य से कम के क्यमान मृतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित् बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िम्मिलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ए---

- (क) कत्तरण से इंद्र किसी भाग की बावत उक्त की पित् तियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के कांचरन भे अपी कारते या उधने बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिए था क्रियाने से मुनिधा के लिए:

**की वह त्यना भारी क**रके प्लॉक्त सम्पति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की हारीत है 45 दिन की अविध या तह्मभान्धी व्यक्तियों पर स्थान की हामील से 30 दिन की अलिध, को भी गरीभ नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थितियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (स) श्रुप्त स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर गम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोरी।

स्पार्वीकरणः सममें प्रयुक्त बन्धों और पदों का, भो उद्या विभिनियम, के अध्याग 20-6 में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसुधी

सी. टी. एस. नं. 6668, जो, कालिना, कीले कल्याण, स्रांताकरूज (पूर्व),, बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलोग सं. एस-1028/83 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बर्झ द्वारा दिनांक 2-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बम्बद्ध

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिका, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10~3-1986

मोहर 🕾

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3, बम्बह

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-3/37-जी/2724/85-86.--अतः मुभ्ते, ए. प्रसाद,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सर्व नं. 23, एच. नं. 46 (अंश), सी. एस. नं. 119 (अंश), असल्फा व्हिलंज, घाटकोपर (ए), बस्टाई में स्थित है। (और इसस' उपाबद्ध अनम्सी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, इम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1985 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ए'से दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देवदेय से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्त में कमी करने या उससे अचने में तृषिभा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय द्वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्ते अधि अस, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिवाने में सुविधा है लिए;

शतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, के, इक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) वे सरीन निम्निवित स्थितियों, अधीतः ३ (1) श्री एल. एन. शहा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर. आर. जोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपे :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यटीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया-गया है।

#### अमुस्त्री

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 23, एच. नं. 46 (अंश), सी. एस. नं. 119 (अंश), असल्फे व्हिलेज, घाट-कोपर (प), असबर्घ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस-3989/75 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बद्ध द्वारा दिनांक 26-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बस्बर्ध

दिनांक : 10-3-1986

# प्रक्ष बाह् <u>दी एन एस ----</u>-

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बर्ह

बम्बर्ड, दिनांक 10 मार्च 1986

निवांश सं. अर्घ-3/37-जी/2697/85-86 --- अतः । मुभ्ये, ए. प्रसादः,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मुख्य 1.00,000/-उ से अधिक हैं

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1118/10, एचः नं. 8 (अंश), मालवणी व्हिलंज, गावठान रांड, सालूका बोरियली, मालाड '(प), बम्बर्इ में स्थित हैं।

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-8-1985

1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख 7-8-1985
की प्रवेकित सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान
प्रतिपाद के लिए बन्तरित की नहीं हैं और मृखे यह विश्वाद
करने का कारण है कि संजाप्तारित से परित का उचित बाजार
क्रम, उसके क्रयमान प्रतिपास से एसे क्रयमान प्रतिपास का
नल्कह प्रतिवात से संधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के सीच एसे बन्तरक बन्तरक विषय प्रवास प्रवेक्तर का
प्रतिपास, निम्नसिविक क्रयदेश से उस्त बन्तरक विविद् में
वास्तरिक क्रय से करिवा प्रशी विका प्रवाद है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वानत, उनत जीवित्त्वन के ज्योत कह दोने के ब्रन्डहम क वाजित्त्व में कनी करने वा उसके अपने में चृतिथा के लिए; और/या
- (थ) एवी किसी नाव ना किसी पन ना नन्त नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नावकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निर्मानयम, या धनकर निर्मानयम, या धनकर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीनमार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रशन्त नहीं किया गया था वा किया गाना चाहिए ना, कियाने में सुनिधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—103—36GI/86

(1) श्री पांडारंग संगराम पठारो।

(अन्तरक)

(2) श्री आर. डी. शंटटी।

(भन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (वा) इस स्थान के रावपण में प्रकासन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के दास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को सन्तर निश्चिम, को मध्याय 20-क में परिशाविद्य हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिन। नवा हैं॥

#### अनुसूची

सी. एस. नं. 1118/10., एच. नं. 8 (अंश), मालवनी व्हिलेंज, गावठाण रांड ,तालूका बोरिवली, मालाड (प), बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस.-1157/81 और को उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-3, बम्बद्ध

दिनांक : 10-3-1986

प्रकल काह<sub>ै।</sub> टी. एक. एक.<sub>जनसम्ब</sub>

बायकर लिधनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 मार्च 1986

निदांश सं. अर्द-3/37-जी/2658/85-86.—अत: मुभ्ने, ए. प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, चिसका छित्र बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं अमीन सी. टी. एम. नं. 12/2 से 12/27, म्युनिसिपल असेसमेन्ट नं. 378, व्हिलेज चिंचवली, मालाड के पास, तालुका बोरिबली, बम्बर्झ में स्थित है।

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण व्याप्त है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफंश के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरियी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के निष् तब पावा क्या प्रतिफल, निम्नसिखत उब्देश्य से उस्त अन्तरण तिचित्त में बास्तरिक स्य से काणत नहीं किया क्या है द्र---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त सिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के किए।

णात जावा, जावत जिथिनियम की धारा 269-त के अवकरन को, जो, अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को वर्षात, निम्नीलिखित व्यक्तियों, कथाँत:---- (1) श्री एम. एम. दिग्विजय सिंघजी।

(अन्तरक)

(2) श्रीपी.पी. बहाऔर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई की वाक्षेप ह---

- (क) इस त्यान के रायपण में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीके व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में मुकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, जभोहस्ताकारी के रास दिश्वत में किए का सकीन।

स्पच्छित्रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पद्यों का, जो अवत विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे बध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी. टी. एस. नं. 12/2 भे 12/27, स्यूनिसिपल असंसमन्ट नं. 378, व्हिलेज चिंचवली, सालाड के पास, तालुका दोरिवली, बस्बर्क में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि विलेख सं. एस/3989/9-11-84 और जो उप-रिजिस्ट्रार, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 4-7-85 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए. श्रसांद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन राज-3, बम्बद्दा

दिनांक : 10-3-1986

प्रकम ब्राष्ट्री बीज एमज एस व्यापनामानामा

शायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ता (1) के क्भीन सूखना

#### शास्त् चडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बद्दं बम्बद्दं, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ध-3/37-जी/2718/85-86 ---अत : मझे, अ. प्रसाद,

किंकर विभिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जमीन सर्वो नं. 49, सी. टी. एस. नं. 172 और 174, प्लाट नं. 6 (अंश) और 7 (अंश), ग्वाणपाडा व्हिलेज, तालूका कुर्ला, मूलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 10-7-1985
को पूर्वेक्त संपत्ति को निष्ठ नाजार मृत्य से कम के व्ययमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का अधित नाजार मृत्य
स्वके स्वयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पत्तह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(जन्तरित्यां) के बीच एसे वन्तरण के सिए तव्भवाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) मुख्यम से हुई किसी बाद की बादव जवत मृद्धि-मित्र के स्पीत कर बीते के सत्तरक के दारित्त में कर्ती करने या अससे समने में सुविभार हो सिये; होर/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या कर्य वास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा जो जिए?

(1) श्रीमती जी. एन. वैती और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मृलूंड सागर प्रसाद का-आप हाउसिंग सोसायटी लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त संपन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस मुखना को राजपत्र भें प्रकाशत की तारीख है 45 दिन की अविधि या संस्थं कंपी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की बविधि. खों भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा ज्योहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, को उक्त जिभिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ध हांगा, को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### अम्सूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वो नं. 49, सी. टी. एस. नं. 172 और 174, प्लाट नं. 6 (अंश) और 7 (अंश), गवाण-पाड़ा व्हिलोज, तालूका कर्जुली, मुलूंड (पूर्व), बस्बर्श-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की विलेख सं. 2922/1984 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ. प्रसादं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, धम्बद्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) केअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 10-3-1986

# अक्ष नाष्ट्री द्वा प्राप्त वारामा

# जायकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जुधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निदांश सं. अर्ध-3/37-जी/2717/85-86 ---- अत ः मुझे, ए. प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यहिवदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन सर्वों नं. 49., सी. टी. एस. नं. 172 और 174, प्लाट नं. 6 (अंश) और 7 (अंश),

व्हिलेज मृत्ंड, ताल्का कर्ला, गवाणपाडा व्हिलेज, मृत्ंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

(और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफाल से, एसे रवयमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकार्ग) और अंतरित (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबद, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खिरूप में कनी करने वा उचने व्यक्त में बुद्धिया के लिए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी आप मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा को सिए;

सत्त वस्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिवित स्पक्तियों, अधीत् ं-~ (1) श्रीमती जी. एन. वैती और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मूलूंड सागर प्रसाद की-आप. हाउसिंग सोसायटी लि.

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख छैं 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिली स्पक्ति ब्याराः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बक्थ किसी व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्वक्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

सर्वे नं. 49, सी. टी. एस. नं. 172 और 174, प्लाट नं. 6 (अंश) और 7 (अंश), व्हिलेज मुलूंड, तालूका कर्ज़ा, गवाणपाड़ा व्हिलेज, मूलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की विलेख सं. 2921/1984 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बस्टर्ब

विनांक : 10-3-198**6** 

प्रारूप आहूर.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निद<sup>†</sup>श सं. अर्घ-3/37-जी/2716/85-86 — अतः

मुझे, ए. प्रसाद,

शायकर श्रीभीनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीभीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. ब्लाक नं. 1, केमरा नं. 2, सी. टी. एस. नं. 33, नाहूर व्हिनेज, जय भवानी चौक, म्लूंड कालोनी, बम्बई-92 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालया, जम्बई मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अभीन, तारी वा 15-7-1985 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का ठारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्त्रान्त्र रूप से करियत महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुद किसी आय की, वावरा, सक्त विभीनयम के अभीन कर योगे के अन्तरक औ दान्मित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृतिश्थ की अस्तः

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, विस्तिचित व्यक्तियों, वर्षात् ७(1) श्री आर. सी. कर्ण।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. पी. जोशी और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# जनत जन्मद्रित के सर्वन के संबंध में आहे भी वालोग हूं---

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में कियु जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### **मन्स्ची**

ब्लाक नं 1, जो, कमरा नं 2, सी. टी. एस. नं 33, नाह्रूर व्हिलेज, जय भवानी चौक, मुलूंड कालोनी, बम्बई 82 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की विलेख सं. 2358/81 और को उप-रिजस्ट्रार, बम्बई व्यारा विनांक 15-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-3, बम्बद्ध

विनांक: 10-3-1986

# अक्षर अहिं <u>टी पूर्व पूर्व उ</u>रुक्तान

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्ष भारा 269-त (1) के बभीन सूचना क्रार्थ्य क्रम्बाच

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बद्द

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निदर्श सं. अर्द-3/37-जी/2713/85-86.--अत: मसे, ए. प्रसाद,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. पत्राचाल, जो, माहूल व्हिलेज, एम. वार्ड, पोस्ट फल्टिलियझर, चेवूर, वम्बई-74 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1985

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्छे यह विश्वास करने का कारण है

कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत उन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से किथ्त महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा औ किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) इस्माईल मोहम्मद।

(अन्तरक)

(2) वि. एम. माहूलकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथेंक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिरुष कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तापील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायण्य;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए जा सकोंगे।

स्वत्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहाँ का, घो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुसुची

पत्रावाल, जो, माहरूल व्हिलंब, एम. वार्ड, पोस्ट फल्टी-लायझर, चेब्र, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की विलेख मं. 2730/83 और जो उप-राजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 24-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरुक्षिण) अर्जन रज-3, बम्बर्ड

जतः शव, उक्त विधितयम की भाग 269-व के बनुसरण को, क्रां, उक्त विधितयम की भाग 269-च की उपभाग (1) के अधीन, जिन्निसित व्यक्तियों, संयोग ३००-

दिनांक : 10-3-1986

# ्राप्य बार्ट् ्योत प्रमृत प्रस्तुत ॥ 🗝 🗷

**बायकर निपित्रियम., 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निवर्षेश सं. अर्झ-3/37-जी/2666/85-86.--अतः मर्झे. ए. प्रसाद.

भाग कर सीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें क्या पर्वाद, जिस्से इसमें क्या पर्वाद, 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 270, एच. नं. 1, सी. टी. एस. नं. 23, व्हिल्ज काुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 26-7-1985

को प्रेनिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास कृतने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एते क्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से क्थित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण प्रं हुई किसी साम की समय उपत अधि-नियम की संधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा के लिए; ब्रीडिंगा
- (क) ऐसी किसी साथ था किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उथ्य विधिनियंत्र, या ध्यंत्र कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था, कियाने के सुविधा के जिए:
- **ब** भिक्:

असः कथा, उपत वॉपनियम की भारा 269-न की वन्धरण मों, मों, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अभीत :---

- (।) भी एम जो एच सोनावाला और अन्य। (अन्तरक)
- (2) कौमार को-आप हाउसिंग सोसायटी लि.। (अन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पूर्वोक्स सम्मास्य के वर्षक के विक् कार्यनाहियां करता हुं।

# डक्तु सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी बाधोप :----

- (क) इस भूषना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की तानीस से 30 दिन की बनिष, जो भी बन्धि वाच में सवाप्त होती हो, जे भीतर पृष्टिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रुथ किसी बन्य व्यक्ति इनाय, जभाहस्ताक्षड़ी के बाद सिवित में किए या सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

#### अनुसुची

सर्वों नं. 270, एच. नं. 1, सी. टी. एस. नं. 23, व्हिलक कर्त्वा, बम्बर्ड-70 मी स्थित है।

अनुमूची जैसा की विलोध सं. एस-1511/82 और जो उप-रिजम्हार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रिजस्दर्ध दिया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-3, बम्बद्द

दिनांक : 10-3-1986

प्ररूप बाह् , टी. एन. एस. -----

# बारकर बाधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-3,, बम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 10 मार्च 1986

नियांश सं. अर्घ-3/37-जी/2678/85-86---अत: मुझे, ए. प्रसाद,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्ते इसके पश्चात 'उकत जिभिन्यम' कहा गया ही), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. खुना जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 92, एस. नं. 4, सर्वे नं. 118, 120, एच. नं. 3, 5 और 6, च्हिलेज पहाडी, तालुका बोरिवली, मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 17-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रा मान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स प्रधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निति वित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि लिए तम कि कि में बास्तिक रूप में कर्षणत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संहुदं किसी जाय की बाबत, सक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) एरे हि किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अॅं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों ु, अर्थात्— 1. श्रीमती सुशिलाबेन शांतीलाच पटेल।

(अन्तरक)

 मैसर्स जनरल आसोसिएटम मैन्युफ विकरी ग कम्पनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚐

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनाकी तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रण्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकनी।

स्यंक्टीकरण है—इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाँ गया हैं।

#### अन्स्ची

चुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 92, एच. नं. 4, सर्वे नं. 118, 120, एच. नं. 3, 5 और 6, म्हिलेज पहाडी, तालुका बोरियली, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस-1277/81 और जो उए-रिजस्ट्रार, बम्ब**र्इ व्**वारा दिनांक 17-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (लिंसीक्षण) अर्जन र्जेज-3, बम्बर्ड

विनांक : 10/3/1986

मोहर 🖺

# प्रक्षम् बाह्रां हो , एन् , एन् ....

# नावकर नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की शता 269-व (1) वे वृथीन वृष्णा

#### शारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीलक)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निवर्भेश सं. अर्ह-3/37-जी/2699/85-86---

अत्तः मृक्षे, ए. प्रसादः,

मानकर मिनिनम्, 1961 (1961 का 43) निष्ठं इसमें इसके परमात् 'जनत अधिनिमम्' कहा नया है, की धार्थ 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित नाणार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. लमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 616, एस. नं. 139 (अंश), व्हिलेज मालाड, बम्बर्ड में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीस 14-8-1985

को पूर्वेक्टि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिकास के लिए संतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित वालार सून्य, उसके खबनान प्रतिकास है, एवं खबमान प्रतिकास का पंत्रह विश्वास से अभिक है और जन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष्ट्र तब पावा गवा अतिकास, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाध की बाबत, उक्त विधितिकत के जधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी नाथ या किसी धन ना करवा शास्तियों की, विमही भारतीय बाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए वा स्थितने में स्विधा के विद्य;

1. रिटा मिस्क्युटटा और अन्य।

(अन्तरक)

😕 श्री मणिलाल जी. शहा और अन्य।

(अन्सरिती)

को बहु तूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन भी निष्ठ कार्यवाहियां करता हुई।

तकत संपरित के नर्जन के संबंध में कांद्र भी नामांप :--

- (क) इस भूवना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिभ या उत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर क्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्याद्य;
- (क) इस सूचना के राचपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म काबित ब्वारा क्योहस्ताकारी के वास विविध में किश का वर्षों ते।

त्यभिक्षरणः --- इसमें प्रवृक्त कम्कों सीट्र पद्यों का, वा डक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित इ, कही वर्ष होना, वा उस वध्याय में दिवा वदा इ.व.

#### अनुसुची

अभीन का हिस्सा, जिसका सीं टी. एस. नं. 16, एच. नं. 16, एच. नं. 39 (अंश), व्हिलेण मालाड, बम्बद्दं में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस.-2651/80 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई क्वारा दिनांक 14-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सह्य इ आयक्र आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रजे-3, बस्बर्द

विनांक : 10/3/1986

प्रकृष आहुर , हुन , पून , एस , ----------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### शास्त सरकाई

धार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीधाण)

अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

बम्बर्द्द, दिनांक 10 मार्च 1986

निद<sup>3</sup>्वा सं. अर्ड-3/37-जी/2677/85-86---

अत: मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि निम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्ष्म प्राप्त निष्ट की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मुख्य

1,00,000/- रा. सं अधिक हाँ और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका मर्वे नं. 67, एच. नं. 19, व्हिलंज मनोरी, तालुका बोरियली, सर्वे नं.

263, गोरोगांव, वस्वर्ध में स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, वस्वर्ध में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारील 19-7-1985

को ब्वॉफ्त सम्यन्ति के उजित बाजार मृत्य तो कम के क्यमान मितिकाल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और सभी यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकाल में. एसे क्यामान प्रतिकाल में पस्त क्यामान प्रतिकाल में. एसे क्यामान प्रतिकाल मा पस्त प्रतिकाल में कार्य क्यामान प्रतिकाल में कार्य क्यामान प्रतिकाल में बीच एसे बन्तरका के लिए तय बाबा गया प्रतिकास, निम्नसिक्ति छव्देश से छक्त बन्तरण लिक्ति में वास्तिक क्या में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उच्त बिध-नियम के सभीन कार बोने के अन्तरक के वायित्व यो कमी कारने वा उससे बचने मों सविधा को निगर; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १८० के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, कियाजे के मुण्या के सिए;

बिल अब, अवस विधितियम की धारा 269-व को अनुसरण में, में उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री डॉनियल फिलंक्स गोम्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए. जं. कामा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के सिए कायवाहियां कारता हुं।

इक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में नाई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अस्थि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर मस्यत्ति में हिंत- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधास्तिकारी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकतीक रण -- इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदी का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका मर्वे नं 19, व्हिलेज मनोरी, तालुका बोरिवली, गर्वे नं 263, गोरेगांव, बम्बई में स्थित

अगुसूची जैसाकी विलेख मं. एस-1322/85 और जो उप-रजिस्ट्रार, बस्त्राई द्वारा विनांक 19-7-1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) अर्जन रौज-3, बम्बद्धी

दिनांक : 10/3/1986

प्रकथ आई.डी.एन.एस.----

आयंकर अप्रिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निर्पंक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बर्ड

बम्बर्इ, विनांक 10 मार्च 1986

निद<sup>2</sup>श सं. अर्क-3/37-जी/2698/85-86---अतः मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 239, मालाड (पूर्व), बम्बर्झ में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 6-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल सं, एसे दृश्यमान प्रितिफल के पंवह प्रितिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए लय पाया गया प्रिक्कन, निम्निचित उद्योध्य से उक्त अन्तर्भ कि सित यें बाल्लिक कन्न से कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने मा उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा. एफं. इ. दिनशा ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. श्री कें. बी. सिवारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कारण्याहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिथ या तत्सनंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से भिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्याप्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयर हैं।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं . 239, जो, मालाड (प), त्रम्बई में स्थित है।

अनुमूखी जैसाकी विलेख सं. एस.-3164/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 6-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए.: प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रजे-3, बम्बद्दे

दिनांक : 10/3/1986

# THE ME O PAR STREET

बाय्कड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समना

#### THE DETER

# कार्यानय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन-रोज-3, बम्बद्धी बम्बर्ध, दिनांक 10 मार्च 1986

निद<sup>®</sup>श सं. अर्ध-3/37-जी/2670/85-86---

अतः मुझे, ए. प्रसाद, जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनिम' कहा गया हां), की धारा 269-स के 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

और जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जिसका सी टी एस नं. 5,5/1, व्हिलेंच चिचवली, मालाड, तालुका बारियली बम्बई बम्बई में स्थित है

(और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिषस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बर्ड में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीब 25-7-1985

**क्षे पूर्वोक्स संपरित के उचित बादार मृत्य से कम के द्यायान** व्यक्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वाब करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित शाबार भूरका, उसके करवेगान प्रतिकास से एसे कावमान प्रतिकास का पन्त्रहप्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितिथों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्भीमितित अवयोग्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; शैर/या
- (स) एरेडी किसी बाय वा किसी थन माजन्य वास्तिसी का, जिन्ही भारतीय नायकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियंत्र, या वनकर वॉभिन्दिन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या या किवा काना क्राहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए

बत: बब,, उक्त वीवीनयंग की भारा 269-न के बन्सरज में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों हैं अवस्ति है-

श्री एम. विग्विजयसिंघजी।

(अन्तरक)

2 श्री आर. एम. मेहता।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हां।

# उन्त तुल्पति हो वर्षन् के तुल्पत्य में कोर्य मी वासीए अ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय व 45 विगकी व्यविभाग तत्त्रंबंधी व्यक्तियाँ पुर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जासकों ै।

स्थलक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्या और पदा का, वा उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस बध्याय में दिग गया है।

# अन्स्ची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी $\cdot$ टी $\cdot$ एस $\cdot$  नं $\cdot$  5 $\cdot$  5/1 $\cdot$  $\cdot$ व्हिलेज चिंचवली मालाड तालुका बोरिवली, बम्बई मे स्थित

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस.-1099/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए . े/त्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

दिनांक : 10/3/1986

मोहर 🖫

## प्रकृष बार्ष्<sub>य</sub> दौ<sub>य</sub> पुष्<sub>य</sub> पुष्<sub>य</sub>-----

# भागफार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीग हुखना

#### **8154 31540**

## कार्यास्य , सहायक शायका द कार्यक (दिर्दाक्रण)

अर्जन-रोज-3, बम्बई

बम्बर्घ, दिनांक 10 मार्च 1986

्र निद<sup>™</sup>श सं. अर्घ-3/37-जी/2691/85-86---अतः मुझे, ए. प्रसाद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कमरा नं. 271, एम. एस. इमारत नं. 8, चेम्बुर कालनी, बम्बई-74 में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 5-8-1985

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण वे हुइ' किसी बाय की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बभूने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त वीधीनयम की धारा 269-ण की वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के जधीन, निम्निविधित व्यक्तिसयों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती नवाबाई टिकमदास।

(अन्तरक)

2. श्रीलक्ष्मणटी. भजाजः।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वांतर संपरित के वर्तन के दिए कार्यवाहियां काउता होता।

## वन्त बन्धीत्व में भूषीय में बुम्बुम्प में कोई भी बार्खेष्य--

- (क) इस त्यान के राजधन के प्रकारन को ताहीं हैं 45 दिन की जन्मीन वा तत्यान्ति व्यक्तियों क् त्यान की दानीन से 30 दिन की स्वधित, वो भी संदर्भि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराष्ट्र
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के शीवर उक्त स्थानर बम्मरित में हितबहुए किसी बम्म प्यक्तित दुवारा मुश्लोहस्ताकाड़ी से गांध जिल्हा में किए या स्कोंने 1

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कमरा नं. 271, जो, एम. एस. इमारत नं. 8, चेम्बूर कालनी, बम्बर्झ-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि विलेख सं. एस-3118/81 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बर्झ द्वारा दिनांक 5-8-1985 को रिजस्टड किया गया ह<sup>2</sup>।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज-3, बस्बद्द

दिनांक : 10~3-1986

मोहर

प्रकल बाह्युं, टी. एस., एस., ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अधीन सूचना

#### मारत वज्ञार

## कार्याजय, तहायक आयंकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन-राज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निद<sup>्ध</sup>ण सं. अर्द्ध-3/37-जी/2715/85-86--अतः मुझे, ए. प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्यात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फ़ारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 41, एष. नं. 1 (अंश), सी.टी.एस. नं. 659 और मर्वे नं. 108, एच. नं. 2 (अंश), सी.टी.एस. नं. 658, नाहूर व्हिलेज, तालुका कुर्ला, बम्बर्स में स्थित ही

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है)। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिकाल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से विश्वक है और अन्तरक (बन्तरकों) जैर अन्तरित (बन्तरितयों) के बीच ऐसे कुन्तरक विश्वक वृत्तरकों को स्थाप स्थाप्य प्रतिकात, निष्निविद्या उन्नवेशों से उच्च बन्तरक विश्वक से कियत विश्वक से कियत नहीं किया गया है हम्म

- (क) सन्तर्भ से हुन्द कियी भाग की शबंध, उक्क बिभिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरक को दायित्य में कामी करने या उससे बचने में स्विभा के सिए; भौर/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आरितयों का जिल्हों भारतीय आय-कड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ क्लारिती क्वाय प्रकट न्हीं किया गया भा या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविक व्यक्तिकों के बधीन, निम्निविक व्यक्तिकों के बधीन, निम्निविक व्यक्तिकों के बधीन, निम्निविक व्यक्तिकों के

1. श्री एन. डी. पाटील।

(अन्तरक)

 मृलूंड मित्रधाम को-आप हाउसिंग सासाईटी लिमिटंड।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उन्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में काई भी वास्तेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ज) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच वे 45 दिन को भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वास अभाहस्ताक्षरी के पाद निर्मित में किस जा मकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, भो उक्त जिभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस वभ्याय में विद्या भवा हैं।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वो नं. 41, एच. नं. 1 (अंश), सी.टी.एस. नं. 659 और सर्वे नं. 108, एच. नं. 2 (अंश), सी.टी.एस. नं. 658, नाहूर व्हिलेज, तालूका कर्ली, वस्बक्षे में स्थित हैं।

अनुसूची जैसािक विलेख सं. 203/84 और जो उप-रिजस्ट्रार बम्बर्झ ब्वारा दिनांक 31-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए√ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्द

दिनांक : 10-3-1986

प्रकल नाहर्ं, दी. एस. एस. हार - ----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-राज-3, बम्बई

बम्बर्इ, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-3/37-जी/2688/85-86--अतः मुझे, ए. प्रसाद,

अस्थितर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. समीन का हिस्सा, जिसका सिटी सर्वे नं. 1382. 1382/1 से 5, व्हिलेज वाकाला, रेव्हीन्यू व्हिलेज, कोले कल्याण, सांताकाड्डा, अम्बर्ड में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 7-8-1985

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखिन उददेश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिख में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसवें सपने में बुविभा के निष्; और/या
- (ल) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरिसी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने की सुविधा की रिया:

बन: अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जे नभीन, निस्तिनियत स्वीतसयो स्टार्ग्त थ---

- 1. शीमती एम. ए. लागजी और अन्य।
- (अन्तरक)
- 2. श्री अब्बास इब्राहीम और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

#### उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

जमीन का हिस्सा, जिसका मीटीएम नं. 1382, 1382/1 सं 5, व्हिलेज कीले कल्याण, रोव्होन्यू व्हिलेज, सांताक झ., बम्बई में स्थित है।

अन्सूची जैसाकि विलेख सं. एसं -3118/81 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1986

## 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ष

बम्बर्ड, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्झ-3/37-जी/2702/85-86---

अतः मुझे, ए. प्रसाद, बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वास् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं और जिसकी सं. ब्लाक नं. 118, कमरा नं. 94, मृलूंड कालनी, बम्बई-82 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरीं अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारील 5-8-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान
बत्तिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि प्रथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' उसके उरममान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए स्थ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (क). ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीन नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था था किया वाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा से किए;

अध्यः अव, उपत वॉथियिय की शारा 269-न के वनुकरम ", मैं, अवत वॉथिनियम की शास 269-न की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ुं-—

- (1) श्रीमती विष्णूबाई पारूमल पुरस्वानी।
- 2. श्रीमनुबाबुएस. भोला।

(अन्सरिती)

(अन्तरक)

का यह सूचना चाडी कारके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन हो संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत क्ष्या के राजपण में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की बंबीं या तत्सी में भी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बंबीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रेंभिय व्यक्तियों में ते किसी स्थानत इवात;
- (क) इस सुमान के राजपण मों प्रकाशन की तारीं है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितनव्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र मिसित मों किए या सकींगे।

स्थव्यक्तिरण : --इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, जो उक्त विधिनियस के कथ्याय 20-क में परिशामित ही, वहीं अर्थ होना, को उस मध्याय में दिया वहां ही !!!

#### मन्सूची

ब्लाक नं. 118, कमरा नं. 94, मृलूंड काल**नी,** बम्ब**र्ड**-82 में स्थित है।

अनुमूची जैसािक विलेख मं. एस.-3717/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए ५ प्रसाद सक्षम प्राप्तिधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्झ

दिनांक: 10-3-1986

## प्रकृप कार्थ . टी . एन . एस . -----

# **धामकर मि** भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुवना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-3, बम्बर्घ बम्बर्हा, दिनांक 10 मार्च 1986

निव र्श सं. अई-3/37-जी/2681/85-86 ---

≁अतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खीचतः बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. में अधिक **है** 

और जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 6512 और 6513, कालिना, बम्बई में स्थित है

(और इससे अपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण तारीख 7-8-1985

का पूर्वोतित सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रक्रिकल के लिए बन्तिरत की गहाँ हैं **क्र**के यह विद्वास करन कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शामार मृत्य , उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपचेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काश्रित नहीं किया गया है :---

- (ग्प) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनिक्रम को अधीन कर दोने के अन्तरंक को बायित्व में कमी करने या उससे तबने में सविधा के मिए; और/या
- (**स**) एोसी किसी अब मा किसी धर्म या अन्य । जानिसमा को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनिय<sup>3</sup>, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ बचारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिप:

**जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा** १६०-ग के जनसम्ब में, मैं लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जे अधिक - सिप्तिसि**सित व्यक्तियाँ, अर्थात्** :

105-36 GI/86

- 1. श्रीमती जनाबी रूस्तम मोहमद खान । (अन्तरक)
- 2. बझ्मे खिदाभतगार हजरत पीर बेंगाली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो , के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस स्वन्ध के राजपन में प्रकासन की तर्रीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति कें कित-क्युभ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मभोद्वस्ताक्षरी के पास विश्वति में किए वा सकीये।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो स्वत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुनै।

#### अनुसूचा ।

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 6512 और 6513. कालिना, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. 1845/1984 और जो अप-रजिस्ट्रार, बस्बर्ह द्वारा दिनांक 7-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-3, बम्बइ

विनांक: 10-3-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एसः -----

(1) श्रीमती शांताबेन इक्वरभाक् पटल।

(अन्तरक)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र'ज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 मार्च 1986

निव<sup>32</sup>श सं. अर्द-3/37-जो/2696/85-86.——जसः, मूझे, ए. प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं. जमीन का हिस्सा जो, ग्लास वर्क्स के पूर्व तरफ, व्हिलेज पहाड़ी, एक्साल, सर्वे नं. ।।। (अंश), मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विजित है, रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण मिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मं कभी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और:/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया चा बा बा बा बाहए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

आतः अव, उक्त अधिनियम की धादा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ु⊶ (2) सरस्वतीबेन आर. मेहसा ।

(अन्तरिती)

ता यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयूतिक कब्बों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ह\*, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वमीन का हिस्सा जो, ग्लास वर्क्स के पूर्व तरफ, क्हिलेज पहाड़ी, एक्सार, सर्वों नं ।।।(अंश), मालाड, बम्बई में स्थित ही।

अनुसूची जैसाकी विलंख सं. एसः -1537/73 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1985 को रजीस्टर्क किया गया है।

ए. प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बद

विनांक: 10-3-86

मोहर 🛚

## म्बन् मार्व<u>्की पुन्त</u> स्व ु-----

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### प्राप्ति बुडकार

## कार्याचय, सहायक वायकर वाय्वत (विरक्षिक) अर्जन रोज-3, बभ्वर्द

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निंदर्श सं. अर्ह-3/37-जी/2719/85-86 ---अतः, मझे, ए. प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के नभीभ सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार भूत्व 1,00,000/-एः से अधिक हैं

और जिसकी सं. सवों नं. 30, एच. नं. 1 (अंश), और 2 (अंश), विह्लेज वालनाय, प्लाट नं. 2 और सी. टी. एस. नं. 400, मालाड, बम्बई में स्थित ही और इससे उपाबद्ध अनुस्पृषी में और पूर्ण रूप से विर्णत ही, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहममान ब्रितिफर के निए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्चात करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उजित बाजार नृस्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्नह अतिस्त से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और अंध-रिती (अंतरितियों) हैं ग्रीच एसे बंतरक के लिए तम पाया विमा प्रतिकल निम्निस्तियों स्कृतिस्त से अंतरक के लिए तम पाया वमा प्रतिकल निम्निस्तियों स्कृतिस्त नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी साथ की नासत, उनत वृधिनियम के वधीन कर देने के भन्तरम, के द्वीवत्व में कमी करने वा उससे वचने में वृजिधा स्ट्रेसिए: सौर/मा
- (वा) ऐसे जिसी भाव या किसी भाव था अन्य बास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभ-क्क् अधिनियम, वा अभ-क्क प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिथा की िएए

क्त: अब, उस्त विधिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उस्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिचित व्यक्तियों मर्भात् श⊶ (1) श्रीमती ग्रेगरी डिसोझा

(अन्तरक)

(2) मालाड मंदािकनी को-आप हाउसिंग सोसायटी लि.

(अन्तरिती)

को वह सूचमा वादी कहने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिवस कार्यवाहियां बुक करता हूं।

## वक्त सन्तरित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी नासेंद :---

- (क) इस ब्रम्बा के रावपंत्र में प्रकाशन की तारीश शे 45 दिन की बंबीं या तत्सम्बन्धि स्पिक्तमों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की बंबींश, की शे वंदींश बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविद्ध स्पिक्त में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (ण) इस स्थान के युवपन में प्रकाशन की तारीच थें 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांध सिचित में किए था सकोंगे !

स्वक्षकरण 8—इसमें प्रयुक्त वर्ष और पदी का, को उपक विधिनयस के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा को उस वभ्याय में विधा यहा ही।

#### मनुसुची

जमीन का हिस्सा, जो मालवनी व्हिलेज, सर्वे नं. 38 (एच. और 2(अंश), व्हिलेज वालनाय, प्लाट नं. 2, सी.टी.एस. नं. 400; मालाड, बम्बइ में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि विलेख सं. 270/7.6 और जो उपरिजस्ट्रार बम्बर्ध ब्वारा दिनांक 22-8-1985 को रजीस्टर्ज किया गया है।

> एः प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बद्ध

विनांक : 10-3-86

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

# बावकर कीशनियय, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के क्रभीन सूचना

#### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्झ

बम्बर्ड, विनांक 10 मार्च 1986

निर्वोध सं अर्ह-3/37-जी/2686/85-86 — जतः, मृक्षे, ए. प्रसाद, आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से मधिक हैं

अरि जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जो मालवनी व्हिलंज, सर्वों नं. 38, एच. नं. 12., सीटीएस नं. 1416, मालाड, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)। रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 13-8-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विण्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से बीच एसे कंतरक (बंतरकों) बीर अंतरितीं (अन्तार्तियों) के बीच एसे कंन्तरण के तिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिचित उक्षेत्र में उक्त बन्तरण जिल्हा में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया नया है।

- (क) वर्ष्याच्य वे हुन्दे किसी बाग की बाबस, अवस वीविधियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के स्विद्य में क्ष्मी करने वा उससे बचने में जुनिका के सिए: बॉर/या
- (प) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की ध 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अधीयतकों, अर्थात् :---

- (1) श्री शांताराम सोवास केणी और अन्य।
- (अन्तरक)
- (2) श्री अल्बर्ट डिसोभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बास्सेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखा भ

भारतीकरणः—- कार्य पर अने पत्त्वी और पद्मी का, जो उक्त जीवियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस मध्याय में दिश भया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो मालवानी हिलेज, सर्वो नं. 38 (एच. नं. 12). सीटीएस नं. 1416, मालाड, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकी विलेख सं. 1733/1981 और जो उत्पर्रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक: 10-3-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ायकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बम्बर्द

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

सं. अर्इ-3/37-जी/2723/85-86·**--**अतः, निद्रिंश मझ, ए. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का उठारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 7, एव ... नं. 1 (अंश) 2 (अंश), 3 (अंश), एस. नं. 95, एच. नं. 1 (अंश), सी. टी. एस. नं. 87 और 376, एक्सार पहाड़ी, बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से दर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का प्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक्क किसी आय की बाबत जन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६०- । (1) डा. नरोत्तम आर. नाथवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री जे. आर. महता।

(अन्तरिती),

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी त से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ेस्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुस्ची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वो नं. 7, एच. नं. 1 (अंश) , 2 (अंश), 3 (अंश) एच. नं. 95, एच. नं. 1 (अंश), सीटीएस नं. 87 और 376, एक्सार पहाडी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक विलेख सं. एस.-3363/74 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-86

## प्राचन बार्व हो पुन पुन निकार करावार

# बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुचना

#### प्राप्त परकार

## कार्यात्रम, सहायक मामकर बाय्क्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1986

निवर्ण सं. वर्ष-3/37-जी/2701/85-86 — अतः, मुस्रे, ए. प्रसाव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ब्लाक नं 85/6, मुलूंड कालोनी, बम्बई में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं। रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 11908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीतफल के सिए अन्तरिक की नद्दं हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल के यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तथ यागा गया प्रतिफन, निम्निकिषत उद्देश्य से स्वत अन्तरच तिस्तित में नास्तरिक रूप से किथत नहीं किया नवा है :---

- (क) अंतरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्स बांचित्वन के बधीन कर को के अन्तर्क के बांचित्व में कभी करने मा इससे वचने में सुविधा वे किस् कोंड/का
- (च) एसी किसी नाम या किसी भन या वत्य नास्तियां की चिन्हें भारतीय नामकर निर्मिष्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बुलचंद रामचंद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिविंदरकार सरदार महिंदर सिंह (अन्तरिसी)

स्त्री सङ् तृथना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति से धर्वन से बिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्मतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील हे 30 दिन की वविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लाम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ब्लाक नं. 85/6, जो मूलूड कालनी, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकी बिलेख सं. एस.-1279/76 और जे उत्प-रिजस्ट्रार, बम्बई ब्वारा दिनंक 1-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राध्यिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-3, बस्काई

वतः । वन् उक्त नीभीनमम कौ भारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अभीन, निस्त्रमिवित व्यक्तिवयों, वर्थात् :---

दिनांक: 10-3-86

प्रकल कार्य . सी श्रम एक -----

# बायकार व्यक्तिसम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के नुषीत सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बस्बर्घ

बम्बर्इ, दिनांक 10 मार्च 1986

निदर्शि सं अर्ह-3/37-जी/2712/85-86 ——अतः, मुझे, ए. प्रसाद,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इक्से इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, धिसका उणित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

में और पूर्ण रूप से विणित हो।, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 5-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने जा कारण हैं कि उधापर्वोक्त मध्यार का उचित बाधार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल का स्वाह प्रतिखत से अधिक है जौर नन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीज धूंसे अन्तरक के लिए तम पाका यवा प्रतिफल निम्नितियों उद्योध्य में उक्त अन्तरण विश्विस में बास्तिक रूप से किथार नहीं किया यवा है क्षे

- (क) मन्तरण ने हुई किसी बाथ की बावत उपल अधिनियम के बचीन कर याने के अन्तरक के काकित्य में कबी करने मा उपलो वचने मो सुधिया अधिए, मोर/मा
- (था) प्रेसी किसी जाय या भन या जग्म जास्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-स्त्र गिंधितियाः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का वन-कर सीधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था. कियाने म वृष्या के किया के किया

लक्षक सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अभूतरभ मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिङ व्यक्तियों, अर्थात ∴— (1) श्री टी. एल. भागतियानी ।

(अन्तरक) (अन्तरिती)

(2) श्रीटी.को. असवानी।

धा मह सूचना कारी करके पृत्रांक्त तन्त्रांति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## वक्त सम्मतित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई ही बासांप्य--

- (क) इस स्वर, ते राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन करे जनिए या तत्त्वंभी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की वर्वीथ, जो भी वर्वीथ वाद में समान्त होती हो, ने बीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए। यह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए। यह व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां हुणायां है
- (क) इस स्कना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर कम्पित में हितबक्क किशी कथा व्यक्ति द्वारा अभोक्स्ताकरी के बाक् निर्मात में किश् था नकींचे।

भाजनीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पवाँका, जो सक्ध विभिनियम के अध्याय 20-क में परिधाँकक हैं, वहीं नर्भ होगा को उस कथ्याय में दिया भेका हैं।

## अनुसूची

ब्लाक नं 50/4 (अंश), जो शिवाजी चौक, मूलूंड कालनी बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ब्लिहर सं. एस.-1914/84 और उप-रिजस्ट्रार, बम्बर्श द्वारा दिनांक 5-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एः प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बम्बद्द

दिनांक : 10-3-1986

धक्षत्र **मार्ड**ः सी<sub>ल</sub> क्वार एवं . ........

# भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) में सभीन स्पर्वा

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-3, बम्बई

बम्बर्डा, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्द-3/37-जी/2700/85-86.---अत: मुझे, अ. प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 624 सर्वो नं. 139 (अंश), दारूबाला कंपाउंड, व्हिलेज मालाड, अम्बर्ड में स्थित ही।

(और इससे उपांबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 14-8-1985
को पर्धोक्त सम्मिश के उचित बाबार मृन्य में कम के क्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़ें हैं और मुक्ते यह निक्यास
करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
पंद्र प्रतिकत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासन नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से अन्त अंतरण निवित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाय कर्ष वाबता, जनव नौपरित्रम को नधीन कर दोने में अन्तरक औ दाविस्थ में कमी करने ना उत्तर्भ बचने में सुविधा के फिए: और/ना
- (च) प्रेसी किसी जाय वा किसी धन या कत्य वास्तियाँ को, विन्हें भारतीय बाय-कर आंधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिकिया थे लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) रिटा भिस्क्युटटा और अन्य।

(अन्तरक) (अन्तरिती)

(2) धनऔं एम. शहाऔर अन्य।

का वह कृषमा जारी करके पृत्रोंकत संपंक्ति के वर्धन के किय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में फोक भी जाकोद :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी क्रिक्स वर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वाराः
- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए वा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 624, सर्वे नं. 139 (अंश), दारूवाला कंपाउंड, व्हिलेश मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस-2652/80 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> र्जः प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

दिनांक : 12-3-1986

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

(1) के. के. गुप्ता और अन्य।

(2) श्रीमती एसः नारायणन।

(अन्तरक) (अन्तरिती)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बर्ड बम्बर्डा, दिनांक 12 मार्च 1986

ारुनिद्रोश सं. अर्ड-3/37-जी/2693/85-86.— अत: मुझे, अ. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

इसक परचात् उक्त आधानयम कहा गया हा, का भारा 269- ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं. 164, 4था रास्ता, स्किम नं. 3, चंबूर, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकर्रा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 6-8-1985

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-1985 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दवयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरोति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कर्नूबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीवत व्यक्तियों, अर्थात्:—
106—36 GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं करवादित यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-पित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं. 164, स्किम नं. 3, 4था रास्ता, चेंब्र, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस-4768/85 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बद्द

दिनांक : 12-3-1960

मोहर 🖫

प्रकृष वार्ड : दी : इन : एक : ल-----

# भाषकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के नवीन सुपना

## भारत सरकार कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन राज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ह-3/37-जी/2656/85-86.--अतः मुझे, अ. प्रसाद, भायकरे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसके पण्**चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है और जिसकी जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 300 (अंश), सी. टी. एस. नं. 400 (अंश) और 444 (अंश), केंद्रारमल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बद्द में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं). रंजिस्ट्रीकर्ता के कोर्यालयं, बम्बद्दं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 5-7-1985 की पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के ४३यमान प्रतिफल को निएं अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, रसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिस्ती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकश्च निम्निकिचित्त अवद्येषय से उक्त अंतरण जिल्लित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आध की बाबत, कक्ष्य विधित्वस से क्षींच कर दोने के बन्तरक वी विक्ति में कनी करने या उससे वचने में सुविधा से किए: सींग्रंग
- (क) इंडी किसी जाय या किसी भग या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहियेथा, क्लिएन के विकास के लिए;

मताः जन, सकत विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नुस्ली एन वाडिया और अन्य।

(अन्तरक)

(2) दि मालाङ कास्मापालिटन एज्यूकेशन ट्रस्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप र

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकादन की तारीब से 45 दिन की अनिधि का तत्सम्बन्धी स्मिवतयों पर स्वान की ताबील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी जन्मि नाव में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रकेष्ट स्मिवतयों में से किसी स्मिवत हुनारा;
- (ण) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्परित में हितनक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए वा सकान।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त सच्यों जीर पर्यों का, को उपत जीभनियम के जभ्याय 20 क में परिभाषित की, दही जर्य होगा, थो उस जभ्याय में दिवस भ्या है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं. 300 (अंश), सी. टी. एस. नं. 400 (अंश) और 444 (अंश), केंद्रारमल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बर्इ में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी घिलेख मं एस-1098/79 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बद्द द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ह<sup>2</sup>।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्ङ्त (नि*र्*क्षिण) अर्जन रोज-3, बम्ब**र्ड**

**दिनांक**ः 11-3-1986

प्ररूप बार्ष: टी. एस. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

बम्बाई, दिनांक 11 मार्च 1986

निदर्भ सं. अई-3/37-जी/2662/85-86.— अत: मुझे, अ. प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के के अधीन सक्षक पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. स अधिक है

1,00,000/- रु. स अधिक हैं और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 534,540,541, एच. नं. 2 और 3, व्हिलेज भाडांप, सालका कर्ला बस्बर्ध में स्थित हैं।

सालूका कुर्ला, बम्बई में स्थित है।
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-1985
कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे दह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए स्य
क्षाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यवेष्य से उक्त बन्तरण

ोर्साबत मो बास्तजिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधि-ित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उक्करो बचने में तुविभा के लिए; बौर/बा
- ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कर्य आस्तिबों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दि गिरीराज को-आप'. हाउसिंग सोसायटी लिभिटडे।

(अन्तरक)

(2) वि रिजर्व बैंक आफ इण्डिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

अमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 534, 540, 541, एच. नं. 2 और 3,, व्हिलेज भाड्रेप, सालूका कुर्ला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलंख सं. एस-1212/85 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 2-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-3, बम्बर्ड

ज्ञतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :

दिनांक : 11-3-1986

### त्रक्ष वाह्यो, हरि, युग्न, वृक्ष <sub>विश्व</sub>न्त्रकार

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्ध 269-च (1) के वधीन स्थना वारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

बम्बंह, विनांक 11 मार्च 1986

निवर्षः सं. अर्ह-3/37-जी/2665/85-86.— अतः मूझे, ए. प्रसाद,

नायकर मधितिनमं, 1961 (1961 का 43) (विश्व देशमें इसमें इसमें इसमें परनाय जिन्दा समितिनमं कहा पना ही, की भारा 269-च के स्थीन समन प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्बद्धा, जिसका उचित्र माधार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

नीर जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं. 354-ए, जवाहर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है।
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक्ष 18-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कें उचित वाचार शून्य से काम के क्यानान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई और भन्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिसात से अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गंगा बिक्क के, विस्नीसिया स्वादेश से स्वत बन्तरण विविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- हुँकों कन्यरण वे शुद्रों निर्मी शाम की शामतः, कन्य व्यक्तिकान के बाबीम कर योगे के बन्धरण के व्यक्तिका वे कनी करने या क्याचे नवने में बुविया में शिष्ट; व्यदि/शा
- (वाँ) ए'बी किसी नाम ना किसी भन ना नत्म नास्तिकों नते, विश्वहें वारतीय नाम-नद व्यक्तिवन्त, 1922 (1922 नेत 11) ना वन्त विजितन्त्र, का भव-नद नीयनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरतीं ह्वारा प्रकार वहीं दिवा क्या था ना नियम नामा वाहिष्ट था, कियाने ने सुविधा के किह;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुकरण पें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

'(1) कमलाबेन आर. पटेल

(अन्तरक)

(2) अमर अण्ड आसोसिएटस ।

(अन्तरिती)

को वह क्षमा बारों करने नृतीयत सम्मात से नर्थन में विक् कार्यवाहियां करता हो।

## कार सम्मति के सर्वत ने संबंध में कोई भी बालीर ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित । है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

#### अनुसूची

अमीन का हिस्सा, जिसका प्लाट नं. 354-ए, जवाहर नगर, गोर गांव '(प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. 2511/85 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 18-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-३, बम्बर्ड

दिनांक : 11-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बर्ड

धम्बर्दा, दिनांक 12 मार्च 1986

िनवर्षा सं. आर्द-3/37-जी/2695/85-86 .**-**--अतः मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, कमरा नं. 40, 2री मंजिल, वाडिया ट्रस्ट इस्टेंट, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षेयह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मार्गुरीटा।

(अन्तरक)

(2) भरीयाना।

(अन्तरिती)

को बह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

जमीन का हिस्सा, कामरा, नं 40, 2री मंजिल, वाडिया दस्ट इस्टोट, कार्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस-3929/83 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बर्इ द्वारा दिनांक 13-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।.

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 12-3-1986

#### इसन बाइ, ही एन एवं -----

(1) श्री हरीराम सी. आहूजा।

(अन्तरक)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना (2) श्री बलकर सिंग मोहर सिंग।

(अन्तरिती)

नारत प्रदुक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

धम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्द-3/37-जी/2721/85-86.— असः मुझे, ए. प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. टोनामेन्ट नं. 311, जो, एम. एस. इमारत नं. 9, चेंब्र कालोनी, बम्बर्ड-74 में स्थित हो।

(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बर्झ में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1985

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 29-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बादार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गुवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक क्य से अधिक नहीं किया गया है क्षे

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शाबित्य में कभी करने या सससे बचने में सुविभा भी निष्ठ; भीर/या
- (क) एती किसी जाय या जिल्ली धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त जधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ने सुविधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखत व्यक्तियों, वर्षात् ध--- करे यह सूचना आरी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

## उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शप हन्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी न अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भिष्यिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वों का, जो उक्ते विधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है:

#### अनुसूची

टोनामेन्ट नं. 311., जो, एम. एस. इमारत नं. 9, **चेंब्**र कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. एस-4033/82 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बर्फ द्वारा दिनांक 29-8-1985 को रिजस्टर्फ किया गया है।

ए<sub>,</sub> प्रसाद सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, **बम्बई** 

दिनांक : 1:2-3-1986

प्रकृप बाइ . टी. एन. एख. \*\*\*\*\*\*\*

# भायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के मधीन सुचमा

#### भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-3, बम्बर्घ

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-3/37-जी/2668/85-86.--

अतः मृझे, ए. प्रसाव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मृन्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में. प्लाट नं. डी, जिसका सी. एस. नं. 28/6, एच. नं. 133, एच. नं. 3, घाटकोपर इंडिस्ट्रियल रोड, आफ एल. बी. एस. मार्ग, घाटकोपर (प), बस्बई में स्थित है।

(और इससे उपावद्रक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1985

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आज की बाबल, उक्क अधिनियम के अधिन कार दर्भ के लम्लरक के बायिला में कज़ी करने या उनसे अपने में स्पिधा केलिए, और/सप
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति वजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

करा: वज, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरल में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एच. सी. शेठ और अन्य।

(अन्तरक)

(2) न्यू बसंत को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि.। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तितवों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बांव में समाप्त होती हो; के भीतर प्रविक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबक्षण किसी अन्य व्यक्ति य्थारा अभोहस्ताक्षरी के पाष्ट निश्चित में किए जा सकति।

त्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, को उक्त आयकर अधिनियम को अध्यास 20-क में परिभावित ही, बड़ी अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया नवा ही।

#### अनुसूची

प्लाट नं. डी, जिसका सर्वे नं. 133, एच. नं. 3, सी. एस. नं. 28/6, घाटकोपर इंडस्ट्रियल रोड, आफ एल. बी. एस. मार्ग, घाटकोपर (प),, बम्बर्इ में स्थित है।

अनुसूची जंसाकी विलंख सं. एस-3971/84 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, बम्बई

विनांक : 12-3-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-1/37-ईई/6473-85-86.--अत: मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जुनित बाजार मूल्य 1, 00,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं. खूला जमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 2/631, 632, 629, 628 और 1/631, गिरगांव डिवी-

जन, बम्बर्कमें स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) अचृत गजानन गांगल, नरहर मोरोझ्यर जोशी और माधव परशुराम गद्रो।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विधानी बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

(3) भाडत (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की गरण सं 45 दिन के भीतर उचत स्थातर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों के। आ उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सी. एस. नं. 1-ए/631, मिरगांव डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अर्ध-1/37-ईर्ছ/6385/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ছ द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार जहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्कक्ष

दिनांक : 12'-3-1986

## अकृत आहे. ही. एवं . एवं :------

# बावकार जांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बधीन सुवना

#### MIST REMS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बर्ड

बम्बर्इ, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-1/37-ईई/7416/85-86 —— अतः मुझे, निसार अहमव,

बायमार विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का बारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लंट नं. डी-3, जो, गरेज नं. 12 के साथ, रहमी इमारत, मंसर्स रशमी को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि. कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 24-7-1985

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्सने दश्यमान प्रतिकत्त से एसे दश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरका) और मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरक के सिए तय वाया थवा प्रतिकत्त, निम्नतिवित्त उच्चेय से उच्च मन्तरण कि विकर्ष में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण संहुद किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के सावित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के शिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती कान्ता डब्ल्यू. छडा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मनरवरी ट्रेडिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

(3) श्री डब्ल्यू. एन. छडा। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारों करकें पूर्वोक्त स्प्यति कें वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं ॥

## वक्त कम्परित् के अर्थन के कुम्बन्त में कोई भी बालोप्:---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककृष किसी बन्य व्यक्ति इस व्याप वभोहस्ताकरी के पाछ निवास में किसी वा सकीये।

रनक्कीकरण:--इसमें प्रमुक्त सक्यों और वर्षों कर, की क्या अधिनियम की अध्याम 20-क में परिभावित हैं, यहाँ अर्थ होरे। जो उत्त अध्याम में दिवा नवा हैंडी

### अनुस्ची

्पलंट नं . डी-3, जो, गरोज नं . 12 के साथ, रशमी इमारत , मसर्स रशमी को-आप . हाउसिंग सोसायटी लि . , कारमायकेत रोड , अम्बर्झ-26 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/6971/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-7:-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, बम्बद्

विनांक : 12'-3-1986

# THE SILE OF THE PROPERTY.

## जानकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) कर्ते भारा भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

#### THE PERSON

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, वम्बद्

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-1/37-र्हार्ड/7438/85-86.— जत: मुझे, निसार अहमद,

नावकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्तर्भे इसके परमात् 'उनक् विधिनयम' कहा नवा हीं, की पारा 269-व के सभीन बक्रम प्राविकारों को वह विश्वास करने सा सारम हैं कि स्थानर स्थाति, विश्वका उचित वाचार भूरम की, 00,000/- रु. से निर्धक हैं

बीर जिसकी सं. फ्लेट नं. 37., जो, 6ठीं मंजिल, भावेश्वर वर्णन, 31-डी, पंडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

(और इससे उपाबब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25-7-1985

को पूर्वोचित संपत्ति के तिचत बाबार बृत्य है कम के स्वयंत्रव प्रियंत्रल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्ताव अर्थ का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाबाए बृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्व प्रतिकत से अभिक है बार बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तय पाया गया शित्रक कि किना के बिल्य के सिए तम पाया गया शित्रक क्य से किश्त उद्देश्य से उच्त बन्तरक हिन्दित में बारतिक क्य से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाब की बाबत, उसक अधिनयन के अधीन कर दोने से अन्तरक के दार्थिक में कभी अश्लेषा उत्तसे बचने में सुविधा की सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

भतः वद, उक्त नीधनियम की धारा 269-म के नमुक्र को, में, उक्त निधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरीश आत्मा सिप्पी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंचल हरेश सिष्पी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना आरी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्षन के विख् कार्यगाहिक करवा हो।

#### क्षत क्यारित की अवनि को संबंध में कोई भी आक्रोप 🏗---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जनिय या तत्त्रवंभी स्थितत्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, को भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ब) इस सूचना के शावपत्र में प्रकाशन की सार्येख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकती।

स्पथ्डीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाविष हाँ, वहीं जिथे होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

## जनुष्ची

फ्लेट नं. 37, जो, 6ठी मंजिल, भावेश्वर दर्शन, 31-डी, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/6992/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

निसार क्रिस्मव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बद

दिनांक : 12-3-1986

## THE RIE CO. PR. PR. .----

## बायकर विभिन्नियम, 1981 (1961 का 43) का पाछ 269-व (1) के बचीन सुचना

#### RISH START

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बर्इ, दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्षेक सं. अर्घ-1/37-ईई/7265/85-86.— अत: मुझे, निसार अहमद,

कावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके एक्काल् 'उकत निर्धानमम' कहा गया हैं), की भाष्ट 269-च के जभीन सक्षम प्राभिकारी की यह विक्रमास करने का काउन हैं कि स्थानर सम्मतित, चिसका जिन्त वाचार बुक्च 1, 00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं कार्यालय प्रिमायेसंस नं 414-ए, 415 और 416, जो, जाली भवन नं 1 कमर्शियल को-आप सोसायटी लि 10 न्यू मरीन लाई न्स अम्बेई -20 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीस 9-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कथ के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि ववापूर्वों के संपत्ति का उधित बाबार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे अवस्थान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) को बीच एसे अन्तरल से बिए वर पानर क्वा प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से शुद्र किसी जाय की बावबा, उक्त अधिनयम में अधीन कर दोने के अन्तरण के शायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा से किए; नॉर/वा
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी धन ना बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ बन्दिस्सी पूनारा प्रकट नहीं किय. पना वा ना किया बाना अधिक्य था, विभाने में विकास के सिए?

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-१ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——- (1) मैंसर्स अल्केमल एक्सपोर्ट आर्गनायभ्रेशन-1,, मालक श्री मोहम्मव कमले ।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स अल्केमल एक्सपोर्ट आर्गनायभोगन प्रा. लि. ा; (अन्तरिती)
- (3) अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

#### उन्त उन्तरित के वर्षन् के वृत्यन्त में कोई भी बाधार्यः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विष की नवीच वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्स व्यक्तियों में से किसी स्परित्त इवारा;
- (क) इंच त्यम के राजपत्र में प्रकाशन की बारीज हैं 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितडकूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा सकोंगे।

रन्वाकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उक्क श्रीवृत्यम, के नृभ्याय 20-क में पुरिशायित हैं, वहीं अर्थ होंगा मो उस सभ्याय में विका सन्दाहै।

#### मन्स्ची

कार्यालय प्रिमायसंग नं. 414-ए. 415 और 416, जो, जाली भवन नं. १, कमर्शियल की-आग. सोसायटी लि., 10, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसावती क. सं. अर्ध-1/37-इंडि/6827-85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड व्यास दिशांक 9-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गंगा है।

िनसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आय्क्त (पिरीक्षण) अर्जन रज-1, बम्बर्द

दिनांक : 12-3-1986

मोहर

## क्षर बाहे ह होत्र हुए । एर तक-----

## ब्रायकर वर्धिययम् । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) ने स्थीए स्त्रना

#### तारत पर्याप

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज-1, बम्बर्ड

बम्बर्इ, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-1/37-ईई/7190/85-86.-वतः, मुझे, निसार अहमव,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमे इक्षके पश्यात् 'जक्त अधिमियन' कहा क्या हैं), की पास 260- व के बंधीन सक्ष्म र्या ककरी को यह विध्वास करने का **कारण है** कि स्थावर स्थिति, जिसका उपित वाषार मृज्य

1.,00,000 /- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 33, जो, भारत महल, 8/64, नेताजी सुभाष रोड (मरीन डाइव्ह), बम्बई-2 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अभीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं। तारीख 4-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के प्रथमान द्रविक्रच ले किए संतरिष्ठ की गर्द है और मु∗े यह विक्याच करूने कः कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति कः जुर्वित वाचार शुक्य, उसके दब्युमान प्रतिकाल से, एसे दब्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच एंधे अन्तरण के लिए तथ प्राया नया प्रविक्षत्व, निम्मसिविय उपुरोक्य वे सक्य बन्तरूप विज्ञीवय हो बास्तरिकः रूप से कवित नहीं किया नवा है द−-

- [(स) अंतरक से शुर्व किन्नी भाग की बावस्त्र सकत अधिनित्य में नपीन कुछ रोने हैं संस्कृत में शायित्य में कमी करने या उससे वाने में सुविधा वे विद; वीट/वा
- (य) एसी किसी नायुग किसी पृत्ा सम्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नायक दु नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गींधनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट उहीं किया गया वा का किया जाना जाहिए था, विश्वने में स्विधा के सिए;

**बबः शव, उक्त विभिन्नम की धारा 269-ग के बन्सरक** बै, मैं, एक्त कर्षिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) 🗗 त्रपीय : निम्म्किष्टिक व्यक्तिकार्ये 🕒 वर्षात् 🕪 —

(1) श्री प्रकाश रामकृष्ण राउत और श्री रामकृष्ण राउत्।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन थावरदास हाथी रामानी और श्रीमती पृष्पा अर्जनदास हाथी रामानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह क्षमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवादियां करता हु ।

जनत सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तार्दीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की दामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्वस्ताक्षरी वे पास सिचित में दिये वा सक्षेत्रे।

स्पन्नीकरण:---इसमें प्रमुक्त शन्ते और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अरथाय में किया दवा है।

### मनुसूची

फ्लंट नं. 33, जो, भारत महल, 86, नेताजी सुभाष रोड, (मरीन जाइव्ह), बम्बई-2 मे स्थित है।

अनुसूची जैगाकी क. सं. अर्द-1/37-ईर्द्र/6755/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> निसार**्अहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बर्ह

विनांक : 12-3-1986

प्ररूप आई<sup>2</sup>.टी.एन,एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निद्रिंश् सं. अई-1/37-ईई/7291/85-86---

अतः मुझे, निसार अहमव,

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 60 प्रतिशत हिस्सा, जो, कार्यालय प्रिमायसेस नं. 7-सी में, एवरसेट, 156, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में

स्थित हैं

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है सारीखं 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उिचत बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तौरत की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री नारायणदास के. हिंद आ और श्रीमती चंद्रा अमरलाल हिंद आ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधिका सी. हिंदुजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नन्स्ची

60 प्रतिशत हिस्सा, जो, कार्यालय प्रिमायसेस नं. **7-सी,** एवरोस्ट, 156, ताइदोव रोड, बम्ब**र्ছ**-34 में स्थित ह'।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/6849/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ्निरीक्षण) अर्जन रजे-1, बम्बद्दी

दिनांक : 12-3-1986

प्ररूप भार्रे\_ट].एन.एस.,------

## भागकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### महाब ब्राइक्ट

कॉर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, बम्बर्ड

बम्बद्दं, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ছ-1/37-ईई/7290/85-86 ---अतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा पया हैं), की भारा 269-थ के मधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1.00.000/- रह से उधिक हैं

1,,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं 40 प्रतिशत हिस्सा, जो, कार्यालय प्रीमायसेस नं. 8-सी और 9-सी में एवरस्ट, 156, ताउदेव रोड, बम्बई -34 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की नह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्चमान प्रतिकल से, एसे बच्चमान प्रतिकल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के बिए सम बाया गया प्रतिकत, निम्नतिविश्व उच्चोच्य से अच्च जन्तु अधिक को बाद सम

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय वर्ग वासरा, सक्त वर्षिनिवृद्ध से स्थीन कहा योगे में बृन्तरक से शहित्य में कभी करने वा उठते व्यने में बृद्धिया से जि़ब्द; महिर्/भा
- (क) ऐती फिथी नाम ना फियी भन ना सम्य नास्तिनी की, जिन्हें भारतीय नाम्-कर विभिन्नमा, 1922 (1922 का 11) ना उन्ति विभिन्नमा, वा भन-कर विभिन्नमा, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्ति दिती ब्वारा प्रकट मुहीं किया गवा का ना किया जाना चाहिए ना, कियाने में सुनिधा नी जिन्हा

जतः अव, उच्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्रीमती राधिका सी. हिंदुजा।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणदास के. हिंद्जा और श्रीमती चंद्रा अमरलाल हिंद्जा।

(अन्सरिती)

की बहु बुक्ता कररी कारके पूर्वोक्त बंगील के वर्णन के सिक् कार्यनाहियां गुरू करता हूं।

बन्द संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना को राषपत्र में प्रकाशन की तारीथ क 45 दिन की जनिथ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, थे। भी अवधि बाद में खमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकाड़ी के पास सिवित में किए वा सकी ।

#### अनुसूची

40 प्रतिशत हिस्सा जो, कार्यालय प्रिमायसेस नं. 8-सी और 9-सी में, एवरोस्ट, 156, ताड्देव रोड, बस्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्द-1/37-इं $\frac{1}{6}$ % 6847 $\frac{1}{85}$ -86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बर्द द्यारा दिनांक 11-7-1985 को रिजस्टर्ज किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक : 12'-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 12 मार्च 1986

निंद्रंश सं. अर्ह-1/37-हॉर्ड/2720/85-86.—— अत: मेझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कुसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कर्तने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्लाक नं. 18ए, जो, 5वीं मंजिल, शालीमार को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि. 91, मरीन ड्राइव, बम्बई-2 में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारेनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 11-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण श्रं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) भगवानदास खेमचंद डी सबनानी।

(अन्तरक)

(2) राजेन्द्र हराकचंद शहा, तरूण एच. शहा और श्रीमती जिबीबेन एच. शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति **ह**ैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप एनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपान में प्रकाशन की तारीवा वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा वभोहस्ताकरी की पाइ सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थव्योकरणः;—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, शो सक्ता जिमिनसमा के जध्याय 20-के में परिसाचित ही, कही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ब्लाक नं 18ए, जो , 5वीं मंजिल , शालीमार को-आप र हाउसिंग सोसायटी लि , 91 , मरीन ड्राइव्ह , ओल्ड मरीन लाईन्स रोलवे स्टोशन , बम्बई -2 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्घ-1/37-ईर्ছ/6848/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्घ द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बद्द

विनांक : 12-3-1986

प्रकल बाह् ु टी. एन् , एस ु न-----

भायफर विभिनियभः, 1961 (1981 का 43) कौ भारा 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत उद्दर्भन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरोज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निवास सं. अर्ध-1/37-र्बर्ड/7333/85-86.-~ अत: मुझे, निसार अहमव,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इंडर्ज इसके परचात् 'उक्त अधिनिष्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिन्न बाबार मूक्ब 1.,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी मं. फ्लंट नं. 12, जो, प्लाट नं. 47, अंजूली, 2री मंजिल स्किम नं . 6, रोड नं . 2, सायन (पूर्व), बम्बई-22

में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है। तारीस 15-7-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति को उषित बाजार म्लय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से एसे दृदयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब,, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय: निम्निविश्वत व्यक्तियाँ, वर्षात ए---

(1)श्री पी. के. रामचंद्रन।

(अन्तरक)

(2) टी. के. हरीहरन।

(अन्तरि**ती**)

(3) अन्तरका (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

भी सह स्थमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवादियां करता है।

## नक्त सम्मत्ति के प्रचीन के सम्मन्ध को कोई भी भाषापु है----

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मवा हैं।

#### **अनुसूची**

फ्लंट नं 12, जो, प्लाट नं 47, अंजली, 2री मंजिल, स्किम नं. 6, रोड नं. 2, सायन (पूर्व), धम्बर्द-22 में स्थित ह्•।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अर्घ-1/37-र्घर्/6891/85-86और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बद्ध व्वारा दिनांक 15-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ऑहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 12-3-1986

## प्रकृप जार्च हो तुन तुन् । १००० वर्ग

# बावकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

#### मार्व तरकार

कार्यासय, सहायक जायकार जायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बर्घ

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्झ-।/37-ई/ई/7180/85-86 --- अतः सुभते, निसार अहमद,

ब्रामुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रकार, 'उक्त विभिनियम' कहा नवा हैं), की भाष 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1.00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 5, जो, हमारत नं. 3, सूख हांती हमारत, 19, पेडर रोड, बम्बई-2ित. में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टी हैं। तारील 4-7-1985

को पूर्विक्स सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ें सविधा के लिए:

269-न में अनुसरण इंकी उपभारा (1) (1) श्रीमती नरगंझ डी. पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जगदेश नी देश सचहव।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती और उनके पति राजेंदर नाथ सचेदेव। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना वारी करके प्वाँक्त सम्मत्ति के वर्षन के शिए कार्यं। वाहियां शुरू करता हों।

## तकत संपरित के अर्थन के संबंध में काई भी नामांद्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य स्थावत इवारा अभोहस्ताक्षरी के शह सिसित में किए वा सकने।

स्पष्टिंगिकरणः — इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के सम्भाव 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना का इस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृसूची

फ्लैंट नं. 3, जो, इमारत नं. 5, सुख शांती हमारत, 19, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि. सं. अई-।/37-ईई/6746/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमब सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजेन।, बम्बई

दिनांक 12-3-1986 मोहर प्रारूप बार्ड .टी .एन .एस . . . . . . . .

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन इचना

#### भारत सरकार

## ■र्माचन , सहायक आगवल नामल्य (निरीकक)

अर्जन रोज-।, बम्बर्दा

बम्बर्ছ, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्ह-।/37-ईर्ह/7410/85-86.——अतः मुभ्ते, निसार अहमव,

**जोमाकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43)** (विके इसके इन्स्को पक्षणाल् 'उक्त अभिनियम' अध्या गमा हाँ). "औँ बारा 🤊 ६९ - ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने ा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं डायमंड मैशन, स्ट्रिट नं 366-368, कालबा-बेबी रोड, डा. बैगस स्ट्रिट का कार्नर, सी एस. नं. 757, भुलरेवर डिविजन, वस्वर्च-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी ही। तारीख 22-7-1985

को पूर्वोश्त सम्पत्ति को प्रीक्षत । गणा एकग को एक की सहस्रमान अविकास के किए बेवरित की पर्द ही और मुर्फ वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकर सम्मन्ति का उचित नामार कृत्व, उसके द्वयमान प्रतिफल सें, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच मंसे अन्तराध की लिए "या १९८० गया परिकास, निय्नमिधित उद्योख से सक्त बंतरण सिकित सें वास्त्रीयक सम वे कविंश नहीं किया नमा है :

- (क) सम्बारण सं शृष्टं किस्सी भाग करें शासला, विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्यरक को यागिक व **में कर्नी करने वा इसके** उपाने में स्थिया के जिल्ह नौर/या
- एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय दायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिकाम हा धनकर व्यविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने ही मिरवात के फिल

बार अभ्य उपय अधिनियेत की नारा 269-म के सबसर्थ भौं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) 🛋 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दि डायमंड ज्युबीली द्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री मगनलाल हिरजी व्यास, श्री अनंतराय एम. व्यास, श्री बकुल एम. व्यास, और श्री रमेश एम व्यास।

(अन्तरिती)

(3) भाडता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का बहु सूचमा भारी करके प्यामिल सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## क्यत कामरित के वर्षन के सम्बरभ में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस त्वमा के राववत्र में प्रकावन की तारीच धे.+ 45 वित की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ क्षानाकी तामील से 30 बिन की अयिधि, वां मी अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेक्त क्मिक्तवों में से किसी व्यक्तित ब्वाराः
- (था) इस स्भाग के राजपन में प्रकासन की तारीय 45 किन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितवयुक्त किसी बन्य व्यक्तिस दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित वें किए वा चकरें।

<del>रपक्षीकरणः—-इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों</del> का, जो उक्त अविधियम के अध्यार 20-क में परिभाविक है, बही बर्ग होना जो उस मध्याय में दिशा नवा 👫 🗈

#### श्रनुसूची

डायमंड मैन्शन, स्ट्रिट नं. 366-68, कालबादोवी रोड, डा. बैगम स्टिट का कार्नर, सी. एस. नं. 757, भूलरेवर जिनिजन बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसू**ची जै**साकि कम .सं. अर्इ-।/37-ई ई/6965/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्वारा दिनांक 22-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है। १ जिस्टर्ड किया गया है।

नाना दाहिए था, निजासं के . . .

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरुक्षिण) अर्जन रंज-।, बम्बद्ध

LOAC TIP IN PRINTING THE दिनांक 12-3-1986 कि कि कि कि कि

## प्रकृष कार्ष , टी ् एन ् एस ् क्लानार राज

भायकर अधिकि 1961 (1961 का 43) की शब्द 269-म (1) के स्थीन सम्बन

भारत सरकार

फार्यानय, सक्क्ष्यक आयक्तर वाय्वत (निरक्षिक) अर्जन रॉज-१, बस्बर्ड

बम्बर्ছ, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं अर्ड-1/37-ईई/7446/85-86 — यतः, मुक्ते, निसार अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्, जिसका उन्ति साजार मृत्य

1,00,000 / - रत. संअधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. बी-1301, मो, सूर्य अपार्टमोट्स, भुलाभाई दोसाई रांड, बम्बई-26 मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की पारा 269 क ख के अधीन बम्दई स्थित सक्षत्र प्राधिकारी के कार्याल। में रजिस्ट्री है तारीख 25-7-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास ए एसे इंडियमान प्रतिकास के "मृह्म प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अत्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिश में वास्त-चिक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्तरम् सं हुन् किसी थाय की शावत अक्त निभिनियम के अभीन कार दोने के शन्तरक थे दायित्व में अमी करने या उससे वचन' में सुविधा के निक्तः स्परिंदा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, किसी भारतीय जाय कर जिल्लानिका, 1922 (1922 का 11) या सन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए मा, कियाने हैं स्विभा के सिंच;

भतः तम, उत्रत आभानधम का भार। 269-म के जनसरक कें, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की जरभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री रतीलाल प्रुक्तपोस्तम रयानी और श्रीमती निना रतीलाल रयानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा सन्ना।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) सूर्य अपार्टमं ट्स को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. (वह व्यक्ति, जिसके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्मत्ति में हिसबब्ध हैं)

को का सूचभा जारी करके २ शंकर रूपांन्ध से वर्णन वे जिस कार्यवाहियां शुरू करता हां।

## रुवक् सम्परितः कं मर्थन के सम्बन्ध में कोई ही बाबोर्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है. 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्मरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यापित व्याप अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनिद्म के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा भवा हैं!

#### ब्रन्थ्यो

फ्लौट नं वी-13101, जो, सूर्य अपार्ट में ट्स, भुलाभाई विसाई रोड, तम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अर्ध-1/37-ईई/7000/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-⊀़ **सम्बद**ै

दिनांक : 12-3-1986

क्षकप् बाह्र . टी., एन., एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### ताहर बहुकार्

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बद्दी

बम्बर्ह, दिनांक 12 मार्च 1986

निदांश सं. अर्ह-।/37-र्हार्क:/7383/85-86.——अतः मुक्ते, निसार अहमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अपैर जिसकी सं. फ्लैंट नं. 59/60, जो, 3री मंजिल, चौपाटी तेजिकरन सांसायटी, 2री दावीशेठ लेन, बम्बई-7.

तेषां करने सासायटा, 2रा वावाशंठ लने, बम्बह-7.
में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, से के अधीन बम्बहें स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 19-7-1985 को पूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मून्य पं कुछ के स्थान प्रविक्त के लिए अंतरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करते का कारण है कि सभाव्यों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल का पत्त्रह प्रतिकृत से विश्व हैं और वंतरकों और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नीतिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सुन्ध सिक स्प से कथित नहीं किया गया है।

- कि कराइण से हुई किसी आय की बाबक उन्स् अधिनियम के अधीन कार योने के बन्तरक के बाबित्व में कमी कारने वा उसमें बक्ते में स्विक्ष के लिए; और/मा
- (क) इंती कियी जाव वा किसी धन या कन्य वास्तिकों को चिन्हुं भारतीय नायकर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर जिथिनयम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया एएना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्ट;

जितः क्षत्र, उक्त क्लीभनियम् की धारा 269-म अं बनुबर्धः में, में, उक्त बीभनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) चै बभीन, निस्नितिचक क्यीक्तवों, धर्मात् ह— (1) चंद्रकांत मनसुखलाल शहा (नामिनी), अत्ल सी. शहा (बीनिफिशियल ओनर)

(अन्सरक)

(2) जतीन रमनलाल पटानी और श्रीमती शिल्पा जतीन पटानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

#### उक्त बंदत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नासेप .---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपित्स में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए जा सकींगे।

स्वक्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्याका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता को उस अध्याय में दिसा नया हैं।

#### वर्त्यी

फ्लैंट नं. 59/60, जो 3री मंजिल, चौपाटी तेजिकरन सोसायटी, 2री बादीगोठ लेन, बम्ब $\mathfrak{s}^{-}$ 7 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क.सं. अर्ध-।/37-ईर्ध/6940/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बद्ध द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बई

दिनांक : 12-3-1986

प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्सण) अर्जन रॉज-।, बम्जर्ड

बम्बर्ध, विनांक 12 मार्ध 1986

निर्वोश सं. अई-1/37-ईई/7263/85-86.---अतः मुफ्ते, निसार अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 30, जो, 6ठी मंजिल, क्लाबा कोर्ट को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., प्लांट नं. 5, प्रायवट स्किम आफ सर जे.जे. चेरीटी फंडस्, आफ क्लाबा बम्बई-5 में सिथत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख छे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 9-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्ययनात प्रतिकाल के सिए अन्तरित की गई है नीर मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य धसक दृश्यमान प्रतिकाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्विक रूप से कथिश नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी थान की, वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के किए;

नियम की भारा 269-ग के बन्सरक की भारा 269-व की उपभारा (1) ', अवर्षि :--- (1) श्रीमती संगिता पशुपती अडवानी।

(अन्तरक)

2. अमरीत टी. मोटवाने और अन्य।

(अन्तरिती)

3. अर्न्तारती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकरी।

भ्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है क

## अनुसूची

पलैट नं. 30, जो, 6ठी मंजिल, क्षालाबा कोर्ट को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि.. ⁴लाट नं.5, प्राइवेट स्किम, आफ सर जमकोटजी जिजीभाय चरौटी फंड, आफ कालाबा रोड, बम्बई-5 में सिथत है।

अनुसूची जैसािक ऋ. सं. अर्ह-।/37-ईर्ह/6825/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ह द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्ष्स (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, बम्बंई

दिनंक 12-3-1986 मोहर : प्ररूप आहें. टी. एन. एस:,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोष सं. अर्द-।/37-र्दर्द/7307/85-86.—अतः प्रभे निराय अनुगत

मुभ्ते, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी सं. फ्लैंट नं. 72, जो, 7वी यंजिल, और गरेज नं. 39, तल माला, मंहरि-नाभ को-आप. हार्जिसंग सोसायटी लि., 44 कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5. में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हो), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म

रजीस्ट्री हैं। तारीख 11-7-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रिताकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का
पंक्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में
वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन था श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- डा. केकी इ. शाफ,
 डा. (कुमारी) भवरी केकी शाफ
 और डा. (कुमारी) पी. के. शाफ।

(अन्तरक)

2. आय. जी. इ. (इडिया) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3 . अर्न्तारतीयों।

(दह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 अन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितब**द्ध** है)

करें यह सूचना जारी वरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अजन के लम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध अध में सभाक्ष होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुखी

फ्लंट नं . 72, जां, 7वीं मंजिल, और गरोज नं . 39,, तल माला, महर-नाझ को-आप . हाउ सिंग सोसायटी लि ., 44 कफ परेंड, कुलाबा, बम्बई-5 स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्ছ-।/37-ईई/6865/85-86 और जां सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

सहायक आ

दिनांक 12-3-1986 मोहरः। The state and the force of the state of the

त्रक्य नार्चे . द्यो . एष् . एषः .,------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ) भारा 269-म (1) के अभीन समाना

भूरभर सम्बद्धाः

**कार्यास्य , शहायक आराक्तर टाय्यक्त (निरक्षिण)** अर्जन रॉज-1, बस्बर्ड

बम्बर्च, दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्िश सं. आर्द-1/37-ईर्ड/7206/85-86-रू-अर्दाः मुझे, निसार अहमद, **बायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पर**णास् 'उक्त अधिनियम' ऋष्टा गरा है), की भाग

इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सकाय पारिकारी को यह निकास कारते का कारण है कि स्थाय भारतिक निवाद है। यह निकास कारति का 1,00,000/- का से अधिक हैं

गैर जिसकी सं कार्यालय प्रिमायसेसं 17वीं मंजिल पर, और कार पार्किंग जगह नं 14, निर्मल इमारत, नरीमन पांट बम्बई-21, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ल के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालका में रिजस्ट्री हैं तारील 5-7-85 को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित्र बाला पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित्र बाला पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित्र बाला पृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित्र बालार पृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित्र बालार मृत्य र अप प्रत्रास करने का कारण है कि यथापूर्योकत सम्पत्ति का उचित्र बालार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल अप पन्दह प्रतिक्षत से बधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बत-रिती (बंतरितियों) के जीन एसे बंजरण ने निया के प्रयाप प्रतिकृत कि प्रतिकृत प्रतिकृत की स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (गा) ऐसी किसी आय पा किसी पन या अन्य नास्सियों करों जिस्से भारतीय अक्षा के जिस्से भारतीय अक्षा के जिस्से भारतीय अक्षा के जिस्से मान्य (1922 को 11) ता त्रक्ष किशियान या सर्व कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अं प्राचित्राण अस्ति असीचनार्थ अस्ति विद्या प्रकट तसी निया गान के हिए का खिलाने में सुविधा की जिस का

अतः अत उक्त अधिनियम की भाग 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसित व्यक्तियों कर्वात क्र— 1. श्री श्री निवास आर. घृत ।

(अन्तरक)

2. आय. जी. इ. (इंडिया) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पंति हैं)

4 अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीश से 30 दिन की अविध, जो भी अविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ज) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जभ्याय में दिवा भक्षा हैं।

### अनुसुची

कार्यालय प्रिमायसोस 17 वीं मंजिलपर, और कार पाकरिंग जगह नं 14. निर्मल इमारत, नरीमन पाइंट, बम्ब**ई-21 में** स्थित है।

अनुसूची जँसाकी क. सं. अई-1/37-ईई/6770/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-1, बम्ब**र्ड** 

दिनांक: 12-3-1986

## प्रथम बाई.ही.हन.एस.------वायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुधना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बर्डा

बम्बई, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्द-1/37-दंदं/7386/85-86 --- अतः मुझे, निसार अहमद, अयक्तर अधिनयम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उका अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उष्यत बाजार मृत्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

और जिसकी सं. फलेट नं. 1, जो प्रफाल्ल को-आंप. हाउसिंग सोसागर्टा िल., गोरोगांवक र लंग, गिरगांव, बस्बई -4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्त्री हैं तारीक्ष 19-7-1985

को पर्वक्ति सम्पत्ति के जिन्त बाबार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एके इत्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक के शैंग अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय एया गया प्रतिकल, निम्निल जिन उत्तदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत निधिनयम के अधीन कर देने के जीतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति ध्यक्तिसों, अर्थात् :---

- 1. श्री सीताराम अनंत केलकर।
  - (अन्तरक)
- (2) शीं सदानंद मधुसूदन वेदा ।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्यांचि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के अतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाधभ भी भारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषत ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुषी

फलेट नं. 1, जो, प्रफुल्लं की-आंप. हाउसिंग लि. गोरे-गांवकर लेन, गिरगांव, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क.सं. अई-1/37-ईई/6943/85-86 और जो सक्षमं प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार आहमद सक्षम प्राधिकौरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बाई

दिनांक : 12-3-1986

# तक्य वार्'..दी..पुत्र..एव .......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### त्रद्वित प्रदुक्त

# कार्यात्तव, तहायक वापण्ट कायुक्त (जिटीक्रण)

अर्जन रॉज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ड-1/37-र्डर्ड/7131/85-86.—-अर्तः मुझे, निसार अहमद,

कायकर मेडिडियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके प्रकार जनत मधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उपित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों सं. फलट नं. बी-39, जे, भागनारी को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., इंकन कांजवे रोड चुनाभटटी, बम्बई-22 में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। तारीख 2-7-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूक्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए जनतिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यस प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके श्रथमान प्रतिकल से एसे श्रथमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त जंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-व की अपधारा (१) के मधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अवीत् :---109-36GI/86

- 1. श्री. डॉविड जे. नागांवकर।
- (अन्सरक)
- 2. श्रीमली. विमलाबेन ए चंदनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वाहियां शुरू करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थाककोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

फलेट नं बी-39, जो, भागनारी को-आंप हाउसिंग सोसायटी लि., अंकन कांजबे रोड, चूनाभटटी, बम्बई-22 में स्थित हैं। अनुसूची जैसाकी क.सं. अई-1/37-ईई/6696/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बमबई व्यारा दिनांक 2-7-1985 को रजीस्टर्ड किंग्या गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). अर्जन रॉज-1, बस्बर्ध

दिनांक: 12-3-1986

मोहूर:

\_\_\_\_

क्षण बाहें . टी . एन . एस . ......

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-के (1) वीं अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं. अर्द-1/37-दंदं/7124/85-86.— अतः मुझे, निसार अहमद, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फलट नं. 19, जो 3री मंज्लि, वडाला स्मृति को-आंप हाउसिंग सोसायटी लि ., 20/20, आर. ए. किंड-वाई रोड, एस . डब्ल्यू . स्किम, नं. 57, रोड नं. 22, वडाला, बम्बर्ध -22 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याना में राजिस्टर्ड हैं तारीख 1-7-1985

करें पूर्वोंकत संविद्ध के उचित बाजार मृस्य से कम के इश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का वन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उद्दोहय से उक्त अन्तरण जिस्तित में बास्तिकक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वासत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक से वाजित्व में कसी करने या सससे अचने से नृत्यिक्ष वें किस; स्वरिश्वा
- (ब) एंनी किसी आब या किसी धन या अन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतित व्यक्ति कें क्यांत् :---

(1) श्री हर्षद कमार गोर्धनदास।

(अन्तरक)

(2) श्री महोन्द्र प्रभुवास अरूण प्रभुवास ।

(अन्तरिती)

3 अन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पंत्ति हैं)

4 अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्साक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्क कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध को कोई भी नाकोए :--

- (क) इस स्वता की राजपण में प्रकावन की तारील सं 45 दिन की अपित या त्रसम्बन्धी स्थानतयों पर स्वता की तासील से 30 दिन की अपित, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्थानतयों में से किसी व्यक्ति ब्याहा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारील क 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्मस्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शृंखों और पदों का, वो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याव में विया गया है।

#### नग्स्ची

फलंट नं. 19, जो, 3री मंजिल, वडाला स्मृति को-आंप हाउसिंग सोसायटी लि., 20/20 आर. ए. किडवाई रोड, एस. डब्ल्यू. स्किम, नं. 57, रोड नं. 22, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ सं . अई-1/37-ईई/6689/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार / <mark>अहमद</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, **बम्ब**ई

दिनांक 12-3-1986 मोहर: प्रक्रम बार्च, टी. एन. एस. -------

बाग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को बधीन स्चना

भारत सरकार

आयाल्यः, महायक कथकार वायक्तः (निरीक्षणः) अर्जन रॉज-1, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्घ-1/37-ई. र्घ/7182/85-86 ---अतः मुझे, निसार अहमद,

नियकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फलेट मं 405, जो, 4थी मंजिल, सिंध अपार्टमांट्स को-आप हाउ सिंग रासियटी लि , नारायण नगर, सी टी : आय के सामने , चूनांभटटी , बम्बई -22 में स्थित हैं (और के सम्में उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धींणत हैं), आर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के से के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजीस्ट्री हैं तारोक 4-7-1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए जतिरत् की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यावत मम्परित का उचित बाजार मृन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में राम्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किन्दी भाव की बाबत, उसके सिंधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में मृतिधा के सिए; और/बा
- (व) एली किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में न्थिया के लिए,

अतः श्रवः, उक्तं अधिनियमं, की धारा 269-मं के अनुसरण केंं, मैं. उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) हे अधीन: अधिनियमं स्वतिकार्तं, अर्चात् प्रस्त 1. श्री कमरूबदीन हबीब प्रेमजी।

(अन्सरक)

2 श्रीमती वसती विगेश मिरकर।

(अन्तरिती)

3. अन्सरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पंत्ति हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध कद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी सं सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा स्केगे।

ल्पण्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा वया ही।

# धनुसूची

फलेट नं 405, जो, 4थी मंजिल, सिंधू अपार्टमेंटस, को-आप. हाउसिंग सांसायटी लि. नारायण नगर, सी. टी. आय के सामनं, चुनाभट्टी, बम्बर्ध-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क.सं. अर्द्द-1/37-द्दर्द/6748/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्द व्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहम**ष** सक्षम प्राधिकारी महाय<sup>ह</sup> ग्राय*क्*र श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, बम्ब**र्ड** 

दिनांक : 12-3-1986

मोहर:

प्रक्ष ब्राइंट ठी , एष ्र १८ ३ :----

# नायकर व्यथिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्थीन स्वया

#### हाउँच चरकाउ

# कार्यासन, सहायक भावकर नाम्क्त ([नर्राक्रण)

अर्जन रंज-1, बम्बर्ध

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ड-1/37-ईई/7445/85-86.---अर्तः मुझे, निसार अहसद,

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवारी इसके परचात् 'उनत विभिनियम' कहा नवा ही, की वारा 269-स के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्थाति, विश्वका उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त है

और जिसकी सं. पलंट नं. 17, जो, 2 री मंजिल, कुलाबा को-आंप. हाउसिंग सोसायटी लि., स्ट्रोन्ड सिनेमा के सामने, कुलाबा बम्बई-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियमे 1961 की धारा 269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रांधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 25-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिकक्ष को लिए बन्तिरत की गइ है भौर मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान त्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है नौर अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ख्या प्रतिफल, निम्नलिचित उन्दर्भ से उक्त जन्तरण लिखित में नास्तमिक रूप से कथित महीं किया गया हैं इ.—

- (क) वन्तरण वे हुइ किसी वास को वासता, उपर विविद्युष के स्वीय कर दोने के नंतरक के वानित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बरि/वा
- (प) द्वी कि वी बाव वा कि सी भन वा अन्य आस्तियां का, विमहें भारतीय आवकार विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वी विद्या

जतः अरु. उक्त अभिनियम की भारा 269-व की, अनुसद्ध में. भें, उक्त जिभित्रियम की भारा 269-व की उपभारा (1) में जभीन, निम्मीनीयत व्यक्तियों के संभीत डम्म  श्री बारा रूस्तमजी वाडिया, श्रीमती रोशन बुर्जोर मोदी, श्रीमती अर्न्तवास फ्रामरोफ भरूचा, श्री फामरोस माणेकशा भरूचा,

(अन्तरक)

2. श्रीमती गूल टी. पंथकी और श्री टी. पी. पंथकी। श्रीमती सुषमा राम अडवानी और श्री राम के. अडवानी

(अन्तरिती)

- 3. ---- (धह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कर्नाना को-आंप हाउसिंग सोसायटी लि । (वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितनदूध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां श्ररू करता हूं।

# जनत क्रमतित् वर्षं वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासोप डिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नह सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिंद, वो भी वर्षी वाद में समाध्य होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास्त;
- (व) इब ब्रूचना के एवप्त्र में प्रकाशन की तार्वित से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बकृष किश्री वस्य स्थानत स्थाय अभोहस्ताक्षरी के वाब् विविद्य में किए था सकेंगे।

स्वाकेष्ट्रम् :--- प्रसमें प्रमुक्त् कृतां कां, वां अवद अपिनियम, के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

#### पनुसूची

फलट नं. 17, जो 2री मंखिल, कुलाबा को-आप हाउसिंग सोसायटी ाल., स्ट्रन्ड सिनेमा के सामने, कुलाबा, बम्ब $\xi^{-}$ 5 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-।/37ईई/6999/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ङ किया गन्ना है।

> निसार अहमर्थ सक्षम प्राधिकारी सहाप्तक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बह

दिनांक : 12-3-1986

मोहर:

# प्रकृप बाई . हो . एन . एस . -------

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बर्ड

बम्बर्झ, दिनांक 12 मार्च 1986

निवंश सं. अर्ध-1/37र्ड्ड/7371/85-86 ---अतः, मुझे, निसार अहमद,

भॉर्येकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. कार्यालय ब्लाक नं. 1,2 (एन. डब्ल्यू), 4ए (भाय) (1) और 4ए(1) (2) जा, मफनिन फ्लोअर, इमारत इंडिया हाउस नं. 2, केम्स कार्नर, आगस्ट कांती मार्ग, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की. धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार्∜ के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं। तारीख 18-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान < प्रतिकल के लिए बन्तरित की गईंडी और मूक्ते यह दिश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में वास्तिबक रूप से कथित कही किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अवाने में सृविधा को सिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती ताहेरा आर गुल्मोहमद और श्रीमती रूकीया ए. कदवानी।

(अन्तरक)

(2) वेटरफलाय द्रव्हेल्स प्रायवेट लि.।

(अन्तरिती)

(3) डा. केकी एम. मिस्त्री,

मेसर्स एस. आर. जवेरी एण्ड कंपनी,
श्रीमती ताहरा आर. गुत्रमोहमद
श्री तैंगब अब्दुल्ला,
श्रीमती ताहरा आर. गुत्रमोहमद
श्री हाशम अब्दुल्ला,
श्रीमती ताहरा आर. गुत्रमोहमव
श्री हाशम अब्दुल्ला,
श्रीमती एम. अब्दुल्ला,
श्रीमती एम. अब्दुल्ला,
श्रीमती एम. अब्दुल्ला,
श्रीमती एम. अब्दुल्ला,
श्रीमती ताहरा आर. गुलमोहमद
श्रीमती कारमा ए. आमर,
रूकीया ए. कादवानी और
श्रीमती असीना एस. मचेन्ट
श्रीमती आयशाबाई जसलं।

(वह व्यक्तिः जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं) क्येयह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आपे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त ब्र्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पासु निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय ब्लाक नं. 1, 2(एन. डब्ल्यू), 4ए(1) (आय) आर 4ए(1) जो, मडनेन फलोअर, इमारत इंडिया हाउस नं. 2, केम्स कानर, आगस्त कांती मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अर्ड-1/37-इंडि/6928/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 18-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रॉज-1, बम्बद्द

<sup>रिदेनांक</sup>ः 12-3-1986

मोहर :

# प्रकल आहें, ही, एन. एस. ------

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ध-1/37-जी/5253/85-86.——अतः, मुझे, निसार अहमद,

भायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000 ं- रु. से अधिक है

और जिनको सं. ख्ली जमीन का हिस्सा, जो चनी रोड, इमारत-यान के साथ, जिसका सी. एस. नं. 1466 (अंश), अम्बर्झ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बर्झ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 1-7-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूप, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिदात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के भीच एसे अन्तरण के निए तब पाम गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण के किया गा प्रतिकल,

- (क) जन्तरण से हुड किसी बाय की शावत, उच्च बिध-रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विध्य के दिए; बार/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री नानाभाई कृष्णराव गोरोगांवकर।

(अन्तरक)

- (४) गिरगांव आदर्श को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि.। (अन्तरिती)
- (3) श्री परश्रुराम श्रीधर कर्वे । (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई गाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां अर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में से किए का सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, वो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं . बाम 2868/82 और जे उपरणि-स्ट्रार, अभ्बद्द द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ङ किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निक्रिक्षण) अर्जन रंज-1, बम्बई

प्रत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण थं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की खपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, वर्षात् मान-

दिनांक: 12-3-1986

मोहर 🖫

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-1, बस्बई

धम्बद्दं, दिनांक 12 मार्च 1986

निव<sup>र</sup>श सं. अर्ध-1/37-जी/5262/85-86---अतः, मुसी, निसार अहमव,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी मं वादाभाई इमारत प्लाट नं 92, सिडनोंम रोड, इस्टेट आफ बी एम सी. बम्बई -400 003 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-85

को पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथोप्वोंकत सम्पत्ति का उचिते बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और बंदरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित अब्देक्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के आए;

जतः वज, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे बधीक, निम्निमिधिक व्यक्तियों, वसीत्:— (1) श्री हशीम दाणी दादाभाय।

(अन्तरक)

(2) श्री महमूद युसूफ मोहमदी, और मोहमद कासीम जादवेत।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बक्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्वी

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. बाम 1608/81 और जो उप-राजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 15-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रज-1, बस्बक्ष

दिनांक : 12-3-1986

माहर:

# प्रस्प भाष्: टी. एन. एस . ------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यासक, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, सम्बद्ध

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ध-1/37-जी/5256/85-86.--अत:,

मुझे, निसार अहमद,

मध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाबार मुख्य 1,00,000/- रतः से अ**धिक है** 

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जो ताडवांव रोड, जिसका पुराना सर्वो नं . 464, नया सर्वो नं . 3384, और जिसका सी .-एस $\cdot$  नं  $\cdot 2/404$  और 404, ताडदोव डिविजन, बम्बर्ध में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रिणिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार अनुस्य से कम के दश्यमान प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मुल्य, उसके बरयमान प्रतिफल से एसे बरयमान प्रतिफल का पन्छ्य प्रतिवात ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दर्रीरती (बन्तरितियाँ) के बीच ए'ते बन्तरण के लिए तब नावा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्दोस्य से उक्त अन्तरभ सिचित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अल्प की बाबत. अधिनियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व वें कमी करने वा उसने बचने में श्विभा के सिए; नौर/वा
- एेसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मीधनियम, या भनकर **अभि**नियम,, 1957 (1957 का 27) के त्रयोचनार्थं जंबरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भागा किया चाना चाहिए भा, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

नतः वय, वयत नीयनियम की वारा 269-ग के नमुसरम , वी, धवक विधिनियम की भारा 269-व की समभारा (1) 🛋 अभीत्र, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) टर्फ अयेराटडे बाटर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) जय गिरनार प्रिमायसंस को-आप. सोसायटी लिमिट**ेड** ।

(अन्सरिती)

(3) 74 व्यक्ति ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

(4) 74 व्यक्ति ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध हैं)

को यह स्वना नारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने वर्षन ने सिप् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# क्कत तस्पति के नवीन के संबंध में कोई भी वासोप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्षे 45 विन की स्वीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक 🕏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद-तिवित में किए जा सकें ने।

त्वच्छीकरणः;---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त निधिनियम, से नध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में विवा नया है।

# **बन्**स्ची

अनुसुची जैसाकी विलेख सं. बाम 2583/77 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार-अहमद सक्षम प्रक्रिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई

**दि**नांक : 12-3-1986

म∤हर :

प्रकृष जाही, टी. एन. एस ,-----

वायकर मिपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुप्रता

#### शारत बरकार

# कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन र ज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्दोश सं. अर्ह-1/37-जी/5259/85-86 — अतः, मुझे, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कां भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्रत बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

जमीन का हिस्सा, जो इमारत के साथ, जिसका सी एस नं र 914,1/914,912, और 913 और फायनल प्लाट नं 38, टी.पी.एस. 1, माहीम और नरसीनाथा स्ट्रीट का जंक्शन और मस्जिद बंदर रोड, मांडवी डिविजन, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्धजन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-1985

की प्रॉक्त सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मित का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल को प्रमुख प्रतिक्रत को निर्मा प्रतिक्रत का क्ष्मिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिक्रत निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य वास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिमियम की भारा 269-ण वी उपभारा (1) के अधी र निग्निसिस ध्यक्तियों, अभीत् : --- 110—36 GI/86

- (1) श्रीमती निलम, गोर्धनबास त्रिभोवनदास नरसीदास की कन्या, और चंदुलाल मोतीलाल गांधी की पत्नी। (अन्तरक)
- (2) प्लाटीनम इस्टोट प्रायवेट लिमिटोड।

(अन्तरिती)

(3) 28 भाडता (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धित वी वर्षन की किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# बन्द संपुष्टि के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्रोप ह्यान

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रश्न सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी जबिध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्पतित बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र से प्रकाशन की रारीक हैं. 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिकित में किए वा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त सन्धा और पर्यो का<sub>र</sub> जो सन्ध अभिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष क्षेत्रा जो सन् अध्याय में दिना नया ही ।

# अनुस्ची

अनुसूची जेसाकी विलेख सं वाम 433/80 और जो उप-रजिस्ट्रार, ब्स्बर्झ द्वारा दिनांक 9/7/1985 को रिजिस्टड किया गया है।

> निसार अ**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज-1, बस्ब**र्**

विनांक: 12-3-1986

माहर 🖫

प्रारूप बाई .टी.एन.एत. -----

जीयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (जिरिक्सण) अर्थन रॉज-1, वस्त्रक्

बम्बई, विनांक 12 मार्च 1986

निवर्षा सं. अर्ड-1/37-जी/5267/85-86.—अतः, मुझे, निसार अहमद,

वायकर विविधित्यक, 1961 (1961 का 43) हीवर्ष प्रकार इक्के रस्पात् 'च्यक सर्विदियक' कक्क एका ही), की प्रका 269-यू के वर्षीय क्वाम शांकिकारों को यह विकास काले का कारन है कि स्थायह क्लिका, विवयक क्विय कालह स्टब्स

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा, जो, ''बेलिंग हाउसां' इमारत के साथ, जिसका जूना सर्वें नं. 29, नया सर्वें नं. 1/8876, सी. सर्वें नं. 2/929, फोर्ट डिविजन, बम्बई में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख 22-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के विचल नावार ज्यूच वे का के कानाव प्रतिश्रम में निए जंतरित को गई है और मुखे वह विकास करने की कारन है कि वंपाप्योंक्य केंग्रित का विचल वाचार ज्यूच वंपाये स्थानाव प्रतिश्वत है, होते स्थानाव प्रतिश्वत का वज्यू प्रतिवात से विभक्त है और वंपारक (बन्दरेकों) और बन्दरिती (अन्तरिश्यों) के वीच होते बन्द्ररूप के जिल्ल तम् नावा बना प्रतिकान, निम्नतिवास उद्देश्य वे बन्द्र सम्मारण जिल्लिक के जन्तरिक कर वे स्थित वहीं क्षित्र स्वा है क्ष्या

- (क) ब्रुक्ट्रप् से हुई किसी बाय की वायत्<sub>ते</sub> क्या विश्वित्व में ब्रुपीय कह दोने के ब्रुक्ट्रक की राजित्य में कभी करने ना बचने न्याने में बृतिया के किए; बीए/ना
- (क) देखी कि की बाब वा कि की वन का बच्च आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयस, बा प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा का या किया वाना चाहिए था, जिपाने में तृविधा वै विष्;

मतः अस, ७४. मधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण प में. अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. जितन्त्र हरजीवन तिंबाडिया,
  - 2. अनीला चंद्रलास लाखानी,
  - 3. बुजलाल मोरीचंद लाखानी,
  - 4. फेनील खुशालचंद्र तिम्बाडिया, और
  - 5. पारूल खुंशालचंद तिम्बाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमली नेनशी लखमशी शहा और

2. कांतीलाल नेनशी शहा।

(अन्सरिती)

(3) भाडत । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कोर्वेगिहियां सुरू करता हुं।

जन्त सभाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकीप :-

- (क) इस कुमना के कामपण में प्राथमक की दार्थिया में 45 दिन की समीच या श्रावंत्र के कामिनामी प्रा कुमका की कार्यक्षा में 30 दिन की क्यारिया, की की कार्यिय कार में क्यारिय होती होते, में जीतार प्राथमक कार्यक्षी में में दिनकी म्याच्या कुमका;
- (ब) ह्रश्च ब्रुचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवेड्थ किसी बन्द व्यक्ति द्वारा मुभोहस्ताक्षरी के पास् विवित में किए वा सकेंगे।

श्रामिक्षात् ह---कार्ने त्रम्याः कार्यः कीर पनी काः, की धनव श्रीवीतवन्, के वध्यान 20-क में पर्दिकारीक्ष हिं∗ वृक्षी तथी शांता को उस वध्यान में दिवा क्या हैं।

# अनुसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. बाम 2442/81 आरि जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 22-7-1985 को रजीस्टर्क किया गैंवा है।

> निसार **अंहमव** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रंज-1, **बम्बद**

विनांक: 12-3-198**6** 

माहर :

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नभीन सूचना

#### भारत चंडकाड

# कार्यान्य, सहायक नायकुर भावूका (निर्देशका)

अर्जन रॉज-1, बम्बर्ड

बम्बर्स, विनांक 12 मार्च 1986

निदांश स. अर्घ-।/37-जी/5270/85-86 ---- अतः, मुझे, निसार अहमद,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं) की धाडा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काड़ब हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सम्पत्ति जो, 2री कारपेंटर स्ट्रीट में, जमीन और 'पंडया हाउस'' इमारत के साथ, भूलदेवर डिजिजन, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम के उस्समान प्रतिष्ठंत को निश् इंतिएत को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, असके इस्समान प्रतिष्ठल से, एसे उस्पमान प्रतिष्ठल का पल्लाइ प्रतिश्वत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निकिचित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निम्निकिचित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निम्निकिच में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आस की बायत, उकत अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने था उरासे अजने में स्विधा के लिए; वरि/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च्यहिए था, छिताने में सुविधा के सिए;

(1) श्रीमती सुलोचना बालकृष्ण पंडया।

(अन्तर्क)

(2) 1 मनोहरलाल औ. सोमगा,

(अन्सरिती)

- 2. श्रीमती मंगलाबन डी. सोमैया.
- 3. रमेशचंद्र डी. सोमैया,
- 4 नटघरलाल डी. सोमैया, और
- 5. भरतकुमार डी. सोमैया।

(3) 4 भावता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोद्यक सम्पत्ति के अर्जून के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पह स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कुश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुत्रारा;
- (वा) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारील ले 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वध्दक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं. बाम 927/83 और जो, उपरजी-स्ट्रार, बम्बद्द ख्यारा दिनांक 22-7-1985 कर रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहम**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्*वत* (निरिक्षण) ऊर्जन रंज-।, बस्बर्द

बतः चयः उक्त विधिनियम औ थारा 269-म के वनुसरम में, माँ, उन अभिनियम की धार 269-च की रमधारा (१) दे बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

विनांक: 12-3-1986

भांहर :

# **बक्त बाह**ें. हो.. एन . एस . + +

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### हारड कडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अप्रवाल हाउस, 4/14ए, आसफ अली रोड़, नहीं बिल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निवां सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एसआर-1/7-85/158.--अतः मुक्ते, आर. पी. राजेश, बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रह. से अधिक हैं तथा जो नीर्थ वेस्ट साइड कोमन स्टेंड्स 800 वर्ष फीट कीर्यि नगर नह दिल्ली में

और जिसकी सं. 1/4, ग्राजंड फ्लोर हैं तथा जो नीर्थ वेस्ट साइड कोमन स्टेयरस 800 वर्ग फीट कीर्ति नगर, नइ विल्ली में स्थित हैं आर इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय हुजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जलाई 1985

की पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूक्य से कम के क्षायमान ब्राविक्स के सिए अन्तर्रित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्य उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान गितफल का बन्द्रह प्रतिचल् से वृधिक है और मंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया पता ब्राविफल, निम्नीनिवित उद्देश्य है उसके अन्तरण निम्नीनिवत अवस्था है किया गया है है

- ्रिक्श्री अन्तरभा वं दुर्घ कियी आय की गायत्। उपत विभिनियत के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्तने या उससे वचन में सुविधा के सिए; ब्रॉडिं/या
- (व) एसे किसी बाय या किसी भन या क्य बास्तिवों को, जिन्हें भारतीय अयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) शिवलोक अपार्टमेंट इंडिया प्रा. लि. 410, नई दिल्ली हाउन्स, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री धरम पाल बत्रा सुपृत्र श्री करंदन लाल बत्रा, एन-20, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेगे।

स्पष्टिशिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/4 भाग, याउंड फ्लॉर, नार्थ बेस्ट साइड कोमन स्टोयरस् 800 वर्ग फीट। एन-104 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

> आर. पी. राजेश सक्षम प्रा<sup>2</sup>धकारी सहायक आयकर आयक्त (निरिक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्झ विल्ली-110002

तारीव : 4-3-1986

मोहर:

संघ लोक सेवा श्रायोग

# नोटिस

श्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिये ग्रेड-1 (श्रवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1986।

नई दिल्ली, दिनांक 26 श्रप्रैल, 1986

सं० एफ० 25/1/86 प०/(ख)—भारत सरकार के राजपत दिनांक 26 अप्रैल, 1986 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड—1 की चयन सूचियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये ग्रेरिक्त रिक्तियों के सामने, और नाम जोड़ने के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मब्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 16 सितम्बर, 1986 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

श्रायोग यदि चाहे तो उक्स परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों सथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रधास किये जायेंगे तो भी श्रायोग परिस्थितिक्षा किसी उम्मीदवार को श्रपनी विवक्षा पर भ्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जायेंगी नीचे श्रनुबन्ध का परा 7 देखिये।

2. इस परीक्षा के परिणाम के स्राधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका सथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की स्रनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:

वर्ग I

केन्दीय सचिवालय का ग्रेड (ग्र० जा० तथा ग्र० ज० 3 जा०के लिए ग्रलग ग्रलग रिक्तियों की संख्या सरकार ने नहीं दी है)।

वर्ग II

भारतीय विदेश सेवा, शाखा
"खड़" प्के सामान्य संवर्ग का
ग्रेड I 2 (श्रनुसूचित अनजाति के लिये)
वर्ग III

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड-I 1 (श्रनुसूचित जाहि के लिये)

उपर्यूक्त संख्याओं में परिकर्तन किया जा सकता है।

- 3. उम्मीदवार श्रंपने आवेदन पत्न में उस वर्ग का रूपेष्ट रूप से श्रवण्य उल्लेख करें जिसके लिये वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं।
- 4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार संलग्न धावेदन पत्न पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 को म्रावेदन करें। निर्धारित म्रावेदन पत्न सथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचिव, संघ लोक सेवा म्रायोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 से प्राप्त किये जा सकते हैं।

टिप्पणी--- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने धावेदन पत्न प्रनुसूचित जाति सथा अनुसूचित जन जाति के लिये ग्रेड I (प्रवर सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा 1986 के लिये मंलग्न निर्धारित प्रावेदन-पत्न पर ही प्रस्तुत करें। प्रनुसूचित जाति तथा प्रनुसूचित जनजातियों के लिये ग्रेड (अवर सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा, 1986 के लिये निर्धारित आवेदन-पत्न से प्रलावा प्रन्य धावेदन प्रपत्न पर प्रस्तुत आवेदन पत्नों पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. भरा रुमा प्रावेदन पत्न मावश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली— 110011 को 9 जून, 1986 (9 जून, 1986 से पहले ही किसी तारोख से असम, मेघालय, श्ररूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालंड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दांच प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल/ श्रण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 23 जून, 1986 तक या उससे पहले श्रवश्य भिजवा दिया जाये। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रसम, मेघालय, प्ररूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, प्रण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, हिमाचन प्रदेश के लाहौल और स्पीरित जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल या लाउद्वीप और विदेशों में रहने वाले उपादिवारों से प्रायोग यदि वाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 9 जून, 1986 से पहले की किसी तारीख से प्रसम, मेघालय, प्ररूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर से लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल प्रण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

दिप्पणी--जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले ब्रावेदन की प्रस्तुति हेतु श्रतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें ब्रावेदन-पश के सलग्न कालम में श्रपने भत्तों में कितिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (ब्रर्थात्, ब्रसम, मेक्क्रिय, जरमू तथा करमीर राज्य का सहाख प्रभास प्रादि (स्त्राष्ट क्ल में निर्द्धिष्ट करता चाहिय प्रन्यमा हो सकता है कि उन्हें प्रतिरिक्त समय का लाभ न मिल सके।

> एम० बब्लकृष्णन, उप सचित्र संग्र लोक सेना मायोग

# मनुबन्ध -- 1

# उम्मीदबारों को धनुदेश

1. उम्मीदवार आधेदन पत्न भरते से पहले नोटिस और नियुनावली को ज्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान्न भी हैं या नहीं। निर्धारित शतों में छूट नहीं दी जा सकती है।

भावेदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिये केम्ब्रों में से किसी एक को, जहां तक परीक्षा देने का इच्छुक हो, भ्रन्तिम रूप से चुन लेना चाहिये।

उम्मीदवारों को ध्यान रखता फ्राहिसे कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यक्षमा स्वीकार नही किया जायेगा कित्तु यदि कोई जम्मीध्वार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसते उकत परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्विध्द किया था तो उसे सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पद्म रिजस्टर्ड डाक से अवस्थ भेजना चाहिये कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणकता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 18 अगस्त, 1986 के बाद आपत अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यि कोई उम्मीदमार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हैतो उसे घ्रवनी पसन्द के कमानुसार दो अन्य भारतीय मिशन (वह स्वयं जिस देश में है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिये। ग्रायोग यदि चाहे तो, उम्मीद-वार को उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों मे से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिये कह सकता है।

2. उम्मीदनारों को आनेवन प्रपत्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पैन से ही भरने पाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ भावेदन पत्रक, श्रस्वीकांग कर श्रिया जीश्रमा।

उम्मीवदार मह ध्यान रखे कि माबेदन पत्नों को भरते समय भारतीय अंकों के मन्तरराष्ट्रीय रूप काही प्रयोग किया जाना है। वे इस नास का विशेष ध्यान रखें कि ध्रावेदन पत्न में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट ध्रौर सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां घपाठ्य या भ्रामक होगी तो उनके निर्वचन में होने वासे भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदक्षर उत्तरद्राग्री होंगे।

उम्मीदवारों को यह भीर ध्यान रखना चाहिए कि भायोग भावेदन पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र भादि स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें भन्नेदन पत्र सही रूप में भटने के लिए द्विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को भ्रयना श्रावेवन पत्न सम्बन्ध विभाग या कार्मीक्षम के श्रध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संत्रं प्रकिष्ठियों का सत्यापन करके श्रावेवन पत्न के भन्त में किए गए पृष्ठांकन को भर कर श्रायोग को भेज वेगा।

- उम्मीदवार भ्रपने भावेदन पत्न के साथ निम्नलिखित पत्न भवग्य भेजें।
- (i) उम्मीदवार हाल ही के पारपत्न श्राकार (लनभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०, के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जो कि एक ग्रावेदन प्रपद्म पर श्रोर दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गई हों। उम्मीदवार को फोटो की प्रस्थेक प्रति पर सामने की श्रोर स्थाही से हस्ताक्षर करने वाहिये।
- (ii) लगभग 11.5 से० मी० 27.5 से० मी० भाकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन परभवना पता लिखा हो।
- (iji) विधिवत् भरा हुम्रा उपस्थिति पत्रक (म्रावेदन प्रपन्न के साथ संलग्त) ।
- (iv) उम्मीवसारों को जेताझनी दी जाती है कि वे मावेदन पन्न भरते समय कोई भूठा व्यौरा न वें भ्यवा किसी महस्त्र पूर्ण सुचना को न छिपायें।
- (v) प्रावेदन पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि प्रावेदन प्रपत्न को अमूक तारीख को भेजा गया था। प्रावेदन प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।
- 6. श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक श्रावेदन पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को श्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के शावेदन पत्र प्राप्त करने के लिये निर्धारित श्रन्तिम ता सेख से एक मास के श्रन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिसे।

इस तथ्य का कि उम्मीदशार की ग्रावेदन पंजीकरण संक्या जारी कर दी गई है कि प्रपमे ग्राप यह श्रर्थ नहीं कि श्रावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है ग्रीर ग्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पन्न के परिणाम की सुचना यथा शीझ वी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पन्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के खिले 'से वंचित हो जायेगा।
- परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये उम्मीदवार को संघ लोक चेवा आयोग से कोई याता भक्ता नहीं मिलेगा।
- 9. मावेदन पत्न से सम्बन्ध पत्न व्यवहार:—मावेदन पत्न से सम्बन्ध सभी पत्न मादि सचिव, संघ लोक सेवा भायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा मनिवार्य रूप से दिया जाये:—
  - (i) परीक्षा का नाम
  - (ii) परीक्षा का मास मौर वर्ष

- (iii) उम्मीयवार की श्रावेदन पंजीकरण संख्या अनुक्रमाँक अथवा जन्म तिथि यदि श्रावेदन पंजीकरण संख्या श्रनुक्रमाँक सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उस्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े भक्षरों में)
- (v) प्रावेषन पत्न में दिया गया पत्न व्यवहार का पता विशेष घ्यान:—जिन पत्नों प्रादि में यह क्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पत्नों पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

विशेष ध्यान:—(ii) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्न सूचना प्राप्त होती है भीर उसमें उसका पूरा नाम अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जायेगा और कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी

10. पत्ते में परिवर्तन: उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्न में उस्लिखित पत्ते पर भेजे गये पत्न आवि, आवश्यक होने पर उसके बदले हुए पत्ते पर मिल जाया करें। पत्ते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 9 में उस्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीझ की जानी चाहिये यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देमें का पूरापूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस क्विम पर कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### श्रव बोक सेवा सायाव

#### **गोप्टस**

# बस्मिलित रका छेवा परीसा, जन्तूबर, 1986 वर्ष विल्ली, दिनोक 20 सर्पेल 1986

#### कोसँ का पान तथा रिक्तियों की संभावित सं०

(1) चारतीय सभ्य झकावमी, वेहरावून, (जुलाई, 1987 में आरम्म होने वाला 83वी कोर्स) एन० सी० छी० (सेना स्कन्छ) "सी" प्रमाण-पच प्राप्त उम्मीववारों के लिये झारखित 32<sup>8</sup> रिनितयी सम्मिसित हैं।

150°@

(2) भी सेना श्रकावमी, कोचीन (जुलाई, 1987 में प्रारम्भ होनें चाला कोर्से)

> (क) सामान्य सेवा (एन०सी०सी०) नौ सेनास्कन्छ "सी" प्रमाण-पत्र वारियों के सिये 6 भारकित रिक्तियों सम्मिसित हैं।)

> > 33\*

4 2\*

(3) बायुसेना प्रशासनिक कालेज द्वारा ए० एफ० स्टेशन बेगमपेट (जुलाई, 1987 में प्रारम्भ होने वाले उड़ान पूर्व प्रशिक्षण कोसे क्षयीत वं 0 142 एफ० (पी०)

(🕊 ) नौ सेना विमानन

पूर्व प्रशिक्षण की संभिष्यति चं ० 142 र एफ० (पी०) (को सं) (एन० सी० सी० उम्मीदवारों के विशेष प्रवेक्ष के लिये 3 भीर सेचा कार्मिक सम्मीदवारों के विशेष प्रवेश के लिये 2 सारक्षित रिक्तिया सम्मिलत हुं)।

212\*

(4) श्राधकारी प्रशिक्षण श्वाला, महास (श्रम्तूषर, 1987 से प्रारम्म होने नाला 48वाँ एस० सी० सी० (एन० ही०कोसे)

275 a

क्ष्मचयुक्त संख्या थें परिवर्तेत किया का बकता है। क्रु@ इसर्वे प्रतिक्रमच स्रति कम्जिलिक है।

विशेष स्थातः (1) उस्तीववार को वावेषण एक के कालम अ पह स्थाप कर के बताना होगा कि वह कि. वेशाओं के लिए वरीवता कम के विवाद किए वाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह सपनी इच्छान नुबार जितनी बाहे उत्तरी वरीनताओं का अन्तेस करे वाकि पोस्वानकन से अवके रैंक को स्थान में रखते हुए तिनुक्ति करके समय अवकी वरीनवाओं पर सनीवाित विवाद किया का सके।

उच्चीक्करों को ज्यान में रखता नाहिए कि नीचे विजेध व्यात (II), की व्यवस्था को छोड़कर उस पर केवल उन्हीं कोडों में निवृधित हुषु विचार किया व्यादमा विचके शिष्ट व दीवड़ा निविध्त करने हैं, अन्य कोर्ड (कोडों) में निवृधित हुड़ वहीं।

क्ष्मीक्वार द्वारा वर्षे वाषेद्व-पक्ष में पहुरी निर्दिष्ट भरीन्ताओं में मृद्धि/परिवर्धन हेड्ड वर्ष्ट्रीय को काबीन द्वारा स्वीकार नहीं किया कावना।

किन्दु पारवीय बैंग्य बकायनी और वीवेना/वानुवेशा बकावियों में बम्बीववारों की कमी हो जाने पर ही बविवारी प्रसिक्तवाद्या को बहुती पराण रकने वाले घीर बारवीय बैंग्य सकावनी तथा बीवेवा/ शाब् ४४। बन्धावायको ६५ जो यत्।कारत बन्धीयबारी रा मामसे में समझ बन्यका अक्र देश ४५ कोची में प्रवेश पर विचार किया जा सकता है।

विशेष स्थाय--(II) व्यायी कभीशन प्रवान करने के लिए मा॰ सैन्य प्रकादमी/मी सेना प्रकादमी/यायु सेना बकादमी कोर्स के इस वरीक्षा से बने हुए स्थादिवार पवि बाद में बहुए-वार्षीय सेवा कमीतन (पैर तकनीकी) कोर्स के लिए विकार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नसिबित वर्षी के सबीय सस्पकातीय सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) बवाय करने के लिए विचारण योग्य हो सकते हैं। वाहै सन्देशि सपने सावेशन-पत्नों में इस कोर्स के लिए बचनी पत्नीय सपने सावेशन-पत्नों में इस कोर्स के लिए बचनी

- (i) यवि यल्पकालीय देवा कतीवय ( र कक्रनीकी). कोर्स के लिए मित्रवोगी तथी जस्तीववारों को लेके के बाव भी कती है, बीर
- (ii) जो सम्मीवनार श्रह्मकालीय सेवा स्वतीत्रव (तैर सक्तीती) हेतु नरीयता व्यक्त व करते पर ची श्रीत्राच्य के लिए वंबे जाते हैं, सन्तें बोज्यता सूची के कन में सत्त संतिम सम्मीवनार के बाब रखा आएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकास सूचिव किया है, न्योंकि ये सम्मीवनार एक कोर्स में प्रवेख पा जाएंगे जिसके सिए वे स्वक्त वंदीयता के समुखार हुक्कार नहीं हैं।

विज्नगी/ -एन॰ थी॰ सी॰ (सेना स्कन्ध)/बाबु सेना स्कन्ध (विज्ञ बमाग)/(मीतेमा स्कल्ब) के "ती" त्रजाण-पद्य प्राप्त उल्लीव-बार ग्रह्मकाशिक सेवा कमीसत (वैर तकवीकी) कोबी की रिक्तियों के लिए भी अतियोगिता में बैठ ककते 🖥 । चूंकि बची तक उनके लिए इस कोर्स में कोई बारजाय नहीं 🜓 अतः इत कोर्सर्थे रिक्तियों को घरने के लिए उन्हें वासाम्य बम्बीयवारी की तरह तमका जाएना। जिन सन्नीव-वारों को सभी एन॰ सी॰ बी॰ वें "ती" सनाच-पक्क (सेवा स्कन्त )/बायु सेना स्कन्ब का (बरिक्ट प्रजाय) (वीसेवा स्कन्त्र) की परीक्षा उत्तीर्थ करनी है, किन्तु सन्यक्षा है बारखित रिक्तियों के सिए प्रवियोगिता में बैडने के पाक हों, वो वे भी जावेदन कर सकते हैं किन्तु वन्हें इस० बी० बी॰ "सी" प्रमाय-पण (सेवा स्कम्ब)/(बायु सेवा स्कम्ब)/ (वी सेवा स्कन्त) का वरिष्ठ प्रधान की परीक्षा उत्तीर्थ करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होना जो कि जाई। प्रद० ए०/एस० एस० थी∙ (एन धी०) ब्रवन विकास्य वासे उम्मीदवारों के मानले में देता नुक्वालय असी 🕫 (एत॰ पी॰) (ई॰) वई विल्ली~110022 क्षमा पीक्षेता 🗣 त्रयन विकल्प बाले उम्मीवशारी 📽 नामचे वें थी छैवा मुक्याशन बार∙ एण्ड बार∙, देना चनव, तद्दै विल्खी-110011 को भीर बाबू छैना के धवन विकल्प जाने अन्तीव-बारों के नानके में पी∘ धो॰ ३ (द०)/बायु देना नुख्या-त्तव, विंग 7, प्रवय तस, वेस्ट ब्लाफ र्यं । ६, रावहुरच्यूक्त वर्षे विल्ली—110066 को 30 जून, 1987 वर्ष नहीच जाद

धारिक रिक्तियों के लिए प्रविभीगिया की वालवा क्षेत्र जम्मीदवार वे राष्ट्रीय कैंद्रेट कोर न जो बेवा की हो वह लीनिनर दिवीशत वेद्या काल में 2 तैव्यक्तिक वर्षों है कन व हो और बीविनर दिवीशर वायु बेवा/पीसेवा एकण्य में 3 व्यवस्थि वर्षों के कन व हो और आवोध के कार्यातयों में धावेवनों की प्राप्ति की बंतिन तारीख को वहे राष्ट्रीय कैंद्र कोर से नुक्त हुए धारबीय बैग्य सकार्या/पीबेबा ककार्या/वाथ बेवा हैंवा कोर से नुक्त हुए धारबीय बैग्य सकार्या/पीबेबा ककार्या/वाथ बेवा हैंवा कोर से किंद्र 24 नास से बाविक व हुई हों।

टिप्पणी II-- बारतीय हैना धकादभी कोसं/वायु हैना धकादभी कोधं/ बी सेना धकादभी कोसं में एन० ही० सी० (हेन। इकाध श्रीनियर विवीजन बायु सेना इकाधिना नौसेना इकाध के "ही" प्रमाण-पश्च खारी उम्मीववारों के सिए धारिसत रिक्तियों को घरने के लिए परीक्षच परिणान के धाखाद यर अहुँता प्राप्त इन उम्मीववारों के पर्याप्त संख्या क अ निश्चने के कारण न चरी गई धारिसत रिक्तियों को बनारसित समझा जाएमा गीर उन्हें बामान्य उम्मीववारों के चरा आएमा।

कायोग बारा मानोजित होने वाली तिस्तित परीका तथा स्वक्ति बाद केवा चयन बोर्ब द्वारा शिक्तित परीका बोर्ब में योग्वता बाद्त सम्मीय-बारों के लिए प्रायोजित भौतिक भौर व्यक्तित्य परीक्षण के परिकास कि प्रावार पर उपर्युक्त कोठों में प्रवेश विया जाएगा।

(क) वरीक्षण की योजना रूप मीर वाक्ष्यवर्गा, (ब) अकाशमी/ काला में बवेश त्यु धारीरिक असता स्तर देवा (ग) बारवीय मैतर इक्ष्यकी भी बेनर सकावसी समिकारी प्रतिक्षणधासा और वायु सेवा सकाश्मी में प्रवेश पाने वाले समीववारी की सेवा साथि की संविद्य सुवना के सम्बन्ध में काला: परिशिष्ट I, II और III में विस्तार रे सरकार। है।

िरुषी । पर्णाः ६ सम्बन्धः विरुष्धे वे प्रश्नः को रो देवक अस्तुपरक्षः प्रवनः पूछे जाएंगे । लमूने के सकता सहितः रिस्तुर रिश्वः । इत्याः परिधाष्ट II पर "उम्मीनवारी का सुक्षमार्थं दिक्य-णिका" के प्रीक्षए ।

2. परीक्षा के केम्प्र--धगरसवा, श्रहजवाबाव, १८६ प्रश्नाहाबाव, इंगलीर, धोपाल, वज्याई, भवकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीच, कउक, विल्ली, विलपुर (धोडाटी), हैक्राबाव, वस्फाल, इटानगर, व्यपूर, नस्मू, करहाड, फ्रोहिमा, लबनऊ, महात, वायपुर, पणजी (गोमा), गठवा, पोटेक्सेयर, राजपुर, शिलाप, विसवा, बीचगर, विपति, श्रिकेटम, प्रवयपुर धोध विकासायस्यक्त ।

वाशीय निव चाहे तो छक्त वरीक्षा के सपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीक्षी वे परिवर्तन कर सकता है। यक्किं उन्मीदवारों को उक्त परीक्षा के क्षिए उनकी पत्तन्व के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी सायोग परिस्थितियस किसी जम्मीदवार को अपनी विश्वसा पर क्षस्य केन्द्र वे सकता है। जिन एम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिवा बाता है वन्तें समय सारची तथा परीक्षा स्थक्ष (स्थकों) की जावकारी है सी बाएबी (शिव हैरा 11 देखिए)।

एडतीयबार जो अवान रखना थादिए कि केन्द्र में परिवर्तक से सम्बद्ध स्थूरोध को नामाध्यतया स्वीकार नहीं किया बाएना। किन्द्र जब केन्द्र में परिवर्तन बाहुता है को उनने एक्त परीखा है ब्रू सपने जानेवन में निर्दिष्ट किया वा तो उसे सचिन, अंग जोक दिवा सायोग को इस बात का पूरा धौजिस्य बताते हुए एक एक रिकस्टर्ज काक के ध्रवस्य मेनना बाहिए कि यह केन्द्र में परिवर्तन क्यों बाहुता है। है ख्रवस्य मेनना बाहिए कि यह केन्द्र में परिवर्तन क्यों बाहुता है। है ख्रवस्य मेनना बाहुता के ब्राह्म पर निवर्तन क्यां बाहुता है। है ख्रवस्य पर विवर्तन क्यां वाहुता है। है स्वत्य पर विवर्तन क्यां का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त क्यां का स्वाप्त का स्

- g. बाक्र<sup>47</sup> की खतें।
- (क) राजिएकता । एक्कीवयार यह बी---
- 📳 भारतम 🐠 भागाविका ही, सर
- (१) चुळाच की जला ही, धा
- (3) नेपास की प्रका हो. या
- (4) सिक्यवी धरणार्थी, जो रदावी का ते वारत में रहते के राज्य में रहते के राज्य में वारत में रहते के

(5) भारतीय मूल का व्यक्ति हो को मारत में स्वायी अप रहेने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, बीलंका छोर हुवीं धक्रीकी देश की की की निया, जनावा तथा तथा तथानिया का संगुक्त मगराज्य (जूतपूर्व होगानिका छोर जंभीवार), जान्विता, भालावी, केरे छीर ६थोपिया और वियतनान से अवजत कर छाता हो।

परस्तु उपर्यूक्त वर्ग (3), (4) और (6) के सन्तर्गत क्षामे वाश्वः सन्मीदवार ऐता व्यक्ति हो जिलको भारत करकर मे परक्षश प्रज्ञाय-क्य अर्थान किया हो।

लेकिन नेपाल के गोरला उम्मीवकारों के लिए नह पालता बनाच-पक्ष कावश्यक नहीं होगा।

िं उन्मीववार के लिए गांचा प्रमाचनक प्रावस्थक है क्षेत्र क्ष्म करीका में इस सतं पर कर्न तम कप से प्रवेश विशा का सकता है कि सरकार द्वारा उसे सामध्यक प्रमाध-पक्ष संघ बोक सेवा काश्रीप द्वारा विराप से पहले दे विया आए।

- (क) साय-सीमाई, सिम या वैवाहिक स्थिति:
  - (1) धारवीय सैंश्व प्रकावनी के लिए: केवल ऐसे जनवाहित कुरू उम्मीदवार के पाल है जिनका जन्म 2 जुलाई 1963 स्रे पहले का नथा 1 जुलाई, 1968 के बाब का स हो।
  - (2) भी क्षेत्रा क्षीर थाय सेना क्षमावशी के खिए: केवल कविवाहित भूतक जन्मीवजार पात हैं जिनका जन्म 2 जुलाई 1968 के बहुते क्षीर 1 जुलाई 1968 के बाब स हैंचा हो।
  - (२) धिकारी प्रक्रिकारों ने तिए। केवल वही बुवव उल्लीवबार (विवाहित वा धिववहित) पांछ है जिनका जन्म 2 जुलाई, 1962 के पहुंसे धीर 1 जुलाई 1968 के बाब व हुआ हो।

धिन्यकी → म्बन्स की दारीख केवल वही मान्य होगी को वैद्विकृतेस्तत। श्रायत धैनेश्वरी या सनकल परीका के प्रताथपक में शिकी गई हो।

(अब उम्मीदनारों में पा॰ मे॰ मकादनी/मो बेना और दायू देता श्चिए पहुंची पक्षण्य बताई है, उन्हें चमत स्वाफ हारा सस्थापत के क्षत्रोचन हेतु सेवा चमन बोडं के समझ साखास्थार के लिए वर्षाध्यव होते तमय प्रायु का प्रमाथ (मुख अप में) प्रस्तुत करता है।

- (व) मैक्षिक को प्रवार्षः
  - (1) चारतीय देता ग्रनावमी, नौ तेता अकावमी स्रोर ग्राध-श्वारी प्रक्रियम्बाना के बिए किटी नण्यताप्राण्ड पिक्क-श्वितालय की श्विती का समकास योग्यता,
  - (अ) बर्ध मेना छनायमी से लिय-किसी माध्यता प्राप्त विश्व-निकासन से पौतिका धोर/ना गणित नियम के बाब विधी या समस्त्रता। जिन्न उम्मीदिनारों के कपनी किसी परीक्षा बौतिकी घोर/मा गणित के बताबा सम्म नियम निकास स्थाप के हैं के भाग हैं. किस्तु ल वह है कि चल्हींने स्थाप से के करों परीक्षा (पुराना पैटर्न) था स्कृती शिक्षा 10-2 पैटर्न के अम्मगंत्र 11विं/12वें स्पर की परीक्षा या कोई सम्यान परीक्षा बिष्ठ घीर घोतिकी निवयों के प्रश्व स्थाप की ही हो।

वी क्षेत्रर/वाबु सेना की पहली पत्रक्त नाते बनानकी को ग्रेज्हत्तव के धमान के जप में होनिकतम सठिकिकेट मेना जबन बोर्च पूरा होने के हो अन्तर्तर के प्राप्तर अनक्षः नेना नुक्यातम (रिकृष्टिंग) (ड एसक बोर) (विश्वी सेना मुक्यालय (जारक एक्ट बारक्टिंग क्षेत्र)/वाबु वैवा जुक्याक्षयक्षकत्तर ३ (ए) को घरकृत क्षेत्रता ने ।

iji--36GI/86

को सम्मीदवार सभी विता, पराजा में ततान हार बात ह, ये भा सावेदन कर सकते हैं परम्मु उनको विभी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का समाय साई० एम० ए०/एम० एस० की॰ (एस० टी०) जयम विकत्य वाले उन्मीदवारों के भागले में गेना मुख्यालय मर्ता 8 (एस० पी०) (४०) नई दिस्सी—110022 लयः भी रोना के प्रथम विकत्य जाले सम्मीदवारों के मामले में तीमेना मुख्य लयाधार० एवं प्रारक, होना ववस, नई विक्सी—110011 को और बायु सेना के प्रथम विकत्य साले सम्मीदवारों के मामले में पी० की० 3 (ए०)/जाम सेना मुख्यालय, यिस ए, प्रथम नम, नेव्यालय, या प्रथम नम, नेव्यालय, या प्रथम नम्मीदवारों के मामले में पी० की० उपमुख्य नाय प्रथम नम, विकास प्रथम प्रथम नम्मीदवारों एक निव्यालय सामले स्थाप स्थाप प्रथम स्थापन पर स्थापन पर स्थम नम्मीदवारी एक नो जाएगी।

- (1) धा॰ से॰ ग्रकातमी, ती क्षेत्रा तथा बायू सेता प्रकावकी में प्रयोग के लिए 30 जून, 1982 तक वा उसमें पहले।
- (2) प्रक्रिकारी अभिकासमध्येला सहाम में पनेन के लिए 30 सितम्बर, 1987 तक या उससे प्रकृति।

जित उम्मीदवारों के अस ध्यावसायिक और तकसीकी बोग्यताएं हीं भो सरकार द्वारा ध्यावसायिक और तकसीकी विश्वीक समयाख मान्द्रजा-१९१७ हीं के भी वरीक्षा के (सप पाक होंगे।

सपनात की परिस्थितियों में सामीन किसी हैसे उन्सीवनार को इस निमम में निक्षितित मोग्यलाओं में से किसी से एक्त न होने पर की, वैक्षिक कप से औरम मान सकता है जिसका पास ऐसी पोस्थाएं की जिसका कत सामीन के विश्वार में, इस वरीका में प्रवेक पान केंगा की।

- कि परको १---ऐसे के मित्रशार जिल्ह दियो वरीक। सभी सहँगा शास्त्र करणी है और नित्तको संघ ओक सेवा सामान की एपोका मैं बैठने की कानुसति दें वी हैं. एवर्ड सोल कर मेरा पाईए कि समझे जी भई पह बिलंध कुठ हैं, अने कियी वंशीय करके का प्रनाप निर्वारिक मारी ३ सब २०५० उपया है भीर धूनियाबी सहंक विश्वतिकालय परीका के बेर दि सामोजित किए आने, परिवास की घोषणा में बिलक्स था प्रभ्य किसी कारण में बस तारोध को मीर सामें बहाने
- विष्यची 2---को राज्ञित्वार रक्षा संकालक धारा शक्त तैकाची में किसी ग्रंथा के क्षत्रीकृत से क्षयर्राज्ञ हैं व इस वर्गका में प्रवेश के पाक तहीं होंगे। धार प्रवेश दिया सवा सो खतकी अम्मीसवारी एक की कार्यकी
- विश्वको २- रिकाक सेका भाविको को काइकर काको माविक (जिन्सी किसीर होता व नीगर प्रशिक्ष सीम्मिका हैं), जिसको प्रवेश नियम नार्य पुरा करने में खन्न अपने में कम समय आको है कस पर्याक्षर में रिटो के बाल नहीं हार्य। जिस विशेष जना नार्यकों को अपने निमस सार्य पूर्व कपने ने छह महीन से कम समय बासी है, स्टार्क श्रीविक रण सभी जिए अपने कम में जनके कमांचिम अक्र गरों के हारण विश्वविक स्पूर्ण
- बालियन प्रस्कृति संस्था देव मृत्या त्या एव १४० (मह्मात्य व्यये) । चित्र भ्रश्नेयन-व्यव्य के मध्य यह तिक्षितित सुरक गृहीं सेवा।
   कम्पूर्वा चेनको एक्वम भ्रश्मोकाए कर विका स्राध्नात.

धन्तृत्वमः क्रानियों/धन्तृत्वन जनजानियों से गतक व्यव्यविद्यारों को क्षां क्षांक नहीं नेमा वहारः है।

त. बुल्क से कृष्ट दायोग यदि शहि मो. निएरित बृश्क से दृष्ट १ प्रकार है प्रथ तसको इस कान का धानकायत पर कि धानेदक चढाल पूर्ण वाकिस्ताव (प्रथ भेगला देख) त निर्मात विद्यालिए व्योक्त है क: १-१-१०४१ चीर १८-५-१-१०५१ के मीच की मनकि में भारत विद्यालया का कार्य है ता उपकाशन परिशास साधिकाल से पास्त्रविक विद्यालित रणित्त है, जो प्रसी जनवर १००० । एक 3: स के 1873 के बीच की अविधि के धीरान प्रवासन कर धारत कावा या या वह बर्मी से बस्तुतः प्रश्यावित कारतीय एक का ध्यक्ति है जो 1—स-1983 की या जसके बाद सारत में प्रवास कर काया है या वह श्रीकंका में सस्पुल: प्रशासकी प्रवित्त प्रवास के धारत की प्रवास कारतीय मुलक व्यक्ति है जो अव्युवर, 1984 के भारत-बीलका समझ समझीने के छन्त्रामं 1 सबस्वर, 1984 की या अवके काम धारत समझ। है या कार्य कारता है जीर निर्मारित सुरुक्त के स्थान की रिवरित में नहीं है।

- क आवेदन कैसे किया थाएं केशन शिमालित एका मेथा परीका अनत्वर. 1986 के लिए निर्धारित पक्ष में छुए हुए आवेदन-एक ही जिए आएंगे हो दन परीक्षा के नीटिस के साथ अमे हुए हैं। सावेदन-पक्ष पर कर सचित्र, मंग्र कोक सेवा आयोग, होलपुर श्राक्षता, नई बिस्सी-110011 को अने जाने जातिएं। सावेदन प्रक घौन परीक्षा क एक तिवरण निर्माहित स्थामों से प्राप्त किए का समुद्रे हान्स
  - (1) ा वयं का मनीमार्बेर या गंध रोक प्रेश माधीन के सचिव को नई जिल्ली अधान अफरर पर वेय रैखांकित ना (तीय प्रोस्टक सार्वर वेषकर, सचिव, सब नीक सेवा अधान, बोलपुर शुच्च, नई विस्ती--119011 के यहां के बाक हाथा।
  - (४) को नाम प्रकास देकर सामोध के काशीधम के काउनकर १८:
  - २१५ जिलतराम विशिद्धकी एरिया/मुख-एरिका मुख्यास्त्रम, गीमिया १८३६ वरक् स्रोतः प्रतिप्रकाली के यहाँ से जिल्लाहरू।

राजेजन-अपन्न तथा पानती काई उम्मीददार के हाथीं द्वारा स्थाही त्यती कस्यभ या कालपेन ये दी धर जान वाहिए। सधी प्रांतिरिया प्रकार में दुन्ती चाहिए रेखाणीं या चित्रुकों में नहीं। श्राप्तरा या पनत चैंश हुका सोवेचन-पक्ष रह कर जिया जाएगा।

खन्मीयबार यह स्थान रखें कि कावेबन-पत्तों को अरते समय मारतीय बलों के सन्तर्गांक्षीय रूप का भी प्रयोग किया जाता है। वे इस बान का बिक्रेंब स्थान रखें कि सावेबन-पत्त में की गई प्रविक्तियों क्षयं धीर सुपाक्ष्य हों, यदि प्रविक्तियां चपाल्य या भामक होंगी तो उनके निवंबन में होने वाले क्षम जया संविक्ता के लिए उम्मीबनार उसरवायों होंगे।

उन्मीतकारीं को क्यान रखना वाहिए कि भारोग हारा हानेशन-र भें उनके द्वारा की गई प्रविध्यित की बदलने के विष् कोई पक्ष कार्य क्लीकाए नहीं किया थाएगा ( भ्रतिका, उन्हें आवेदन-पक्ष सही कप के खरने के निष् दिलेव साम्बन्ती बरनारी पाहिए।

सबी जम्मावभारों की, बाहे वे बहुले से ही सरकारी बीकरी में हीं. का सरकारी स्थामिश्व काले प्रोधीयिक उपकर्तों मा इसी प्रकार के स्थठनों में काम कर रहे हीं था। र सरकारी संस्थामों में तिशुक्त हों. प्रामोत्र की मीचे प्रावेदक पक्ष में जन १९ हां. १ एकर विश्वे उपलिश्वार के स्थान प्रावेदक पक्ष में जन १९ हां. १ एकर विश्वे उपलिश्वार के स्थान प्रावेदक पक्ष में की स्थान के स्थान की मीचे प्रावेदक पत्र की की स्थान प्रावेदक पत्र में की पहें की उस मार्थ पत्र किया का स्थान की की की पहें की पहें की उस मार्थ पत्र की स्थान की स्था की स्थान की

को स्वांचन बढ़के से ही भगकारी नीकारी में व्यक्तिक या इतिक बद कर्मदानी, के बत्तर स्थामी पर परमायी दैलियन से मा नार्मभारित कर्मचारिकों की दैलियन से याग कर रहे हैं या ऐसे कर्मजारी जो कोक बबनों में वार्यरत है, उन्हें यह परिवजन (मन्यरहेलिया) अस्तुत करना द्वारा कि उन्होंने व्यक्ति नय से माने कार्यालय, विशास के पान है।

व्यापादणान्यों को उसके अध्यान गाहित कि एक आजान का पेड्रावर विश्वीकार में समक्ष व्याप पार्टित के लिए शालेगात करते (प्रशिक्ष के के ने में सम्बद्ध अनुमति भोगात हुन कोई पान अंग्रातन ए तन करता सामाया पान प्रस्तिक या दिना पाल्या स्वीत केवकी जन्माग्याको रह कर ती स्थानक स्था प काल गण यह कम्प्रीयया कार्य कार्यकार कार्य कर्माविष सफलर के माध्या के अस्तुत कर्ने का दुश्कारक (देखिए सार्वेशक प्रमुक्त के मार्ग (स') भी नंग कर्य स्थानित क्री केरिया।

7. घरा हुआ धारीशन रक्ष पापलान स्ते हैं है लाब अधिक, धार सोक सवा प्रायोग, बोलपुर श्वास्त, नहीं दिहली—110011 की 23 जून, 1986 (23 जून, 1986) के पत्रले की दिल्ली शररीक्ष के सचन, प्रियोग अधिकार, धारापार अधिकार, प्रायापार अधिकार, प्रायापार अधिकार, प्रायापार अधिकार, प्रायापार अधिकार, प्रायापार अधिकार, विश्वास अधिकार कार्या की प्रायापार प्रायापार अधिकार कार्या प्रायापार अधिकार कार्या प्रायापार अधिकार कार्या प्रायापार के साहील प्रायापार कार्या प्रायापार के प्रायापार कार्या प्रायापार के प्रायापार के प्रायापार कार्या कार्यापार के सामने के निकार कार्या कार्या

बसम, सेथाक्षय, धरणायल धरेश, मिजारम, नायक्ष्य, धार्मायल कियुरा, सिकिसम, सम्मू और कम्मीर राज्य के सञ्चाल प्रभाग, हिमायल प्रवेश के लाहील भीर रंगित जिले, तथा यंथा जिले के पांगि उपमंडल, बंगान भीर निकोतार द्वीप समृह या सक्षद्वीप भीर विदेशों में रहने वाले सम्मीदवारों से सामोग यदि काहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि यह 23 जून, 1986 से पहले की किसी तारीक से धराम, मेथालय, धरणायल प्रवेश, मिजोरम मणिपुर, तागालेख, शिपुरा, सिकिसम, जम्मू भीर कश्मीर राज्य के लह प्रमाग, हिमायल प्रवेश के लाहील भीर स्वीति जिले तथा सम्मा अभे के पांगी संपर्यक्ष, प्रतेमान प्रीर निकोतार हीप एमह या सक्षद्वीप मा विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (1): जो उम्मीदबार ऐसे कालों के हैं जहां के रहने वाले मावेदन की प्रस्तुति हेतु में धार्तिरवत समय के हकदार हैं उन्हें सावेदन-पत्न के संगत कालम में मपने पत्तों में धार्तिरक्त समय के इकदार इलाके या क्षेत्र का जान (मर्चाद प्रसम, क्षेत्रालय, अस्म तत्या कश्मीर राज्य का लक्षण प्रमाग) स्पष्ट का ते निविद्ध करना लाहिए प्रमाथा हो सकता है कि उन्हें प्राधारेक्ट समय का लाम म मिले।
- हिल्लची (2)। सम्मीयवारों को सलाझ यी आई। है कि अपने आवेनत पत्त को स्वयं संक लोक प्रैक आठ के काउल्टर पर अमा कराएं प्रयवा रिवरटर्क स्वयः क्षेत्रं। आयोग के किसी प्राय कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए बायोग समुरायोग नहीं होगा।

#### प्रसेख को कावेदन के बाद येने जाएँ!

## (क) सभी सम्भीववारी दाराः

(1) व॰ 28.03 (प्रष्टुटाइस रुपए) का शुरुष जो तिचित्र, बंध लोक सेवा प्रायोग को नई विस्त्री, प्रवास बाक्षण पर वेस रेखांकिल चारतीय पोस्त्रल झार्बर के कप में हों मा सचिव संव लोक सेवा पायोग के नाम मारतीय स्टेट बैंक, पृथ्य शाखा, नई विस्त्री पर वेथ भारतीय स्टेट बक की किसी की शाखा है जारी किए गए रेखांकित बैंक गुपर के रूप में हो।

, श्रनुसुचित जातियों/धनुसुचित जन जातियों से अंक्र उम्मीदवार। को कोई सुक्ष्म नहीं देश पहता है।

किल्बर्गी। उन्मीदवारी को सपने सावेदमन्तक अस्तुक करफ समय वैक ब्राव्ट की पिछकी कीर किरे पर सपना राष्ट्र नवा पना लिखना बाहिए। पोस्टक पार्चेरी के मानने में राम्मी स्थाप शिस्टक सावर के विकला कार क्षेत्र स्थापक के विकास विकास स्थाप कर सपना नाम क्षेत्रा कारिकों। नवाक क जान नाज उन्मानवार अने गान्तवा कि के कार्याखयों के वार्याखयों के वार्याख्या के वार्याख्याख्या के वार्याख्याख्या के वार्याख्याख्या के वार्याख्याख्या के वार्याख्याख्

न्तरपु के सम्बन्ध में कोई अन्य बस्ताविक पैसे कामकुण्यकी, यश्यक, बनर निगम के सेवा अभिनेक से आप्त काम सम्बन्धी सद्धरण, तथा बन्य ऐसं ही अमाभ क्वीकार नहीं किए आईसे।

लपुर्देशों के इस भाग में आए हुए 'मैर्ट्रिक्केश्वन/उण्यतर मान्यमिक वरीका प्रसाय नक'' बास्त्रील अन्तर्यस उपर्युक्त वैकक्षिपर प्रसाय रक्ष सम्मिखित हैं।

हिल्लाची (2): -- देश्योध्यार यह घ्यास रखें कि आयोग अम्मीक्वाच की जरून की उसी हारीच को स्वीकार करेगा जो कि आवेलन सक प्रस्तुत करने भी सारीफ को मैड्डि-भूनेशान/उपज्ञतर माध्यमिक परीक्षा भ्रमाच-पक्ष या समकत परीका के प्रमाच-पक्ष में वर्ज है और इसके बाब उसमें परिवर्तन के किसी मनुरोब पर स सी विभार किया बाएवा और स उदे स्वीकार किया बाएगा।

ममाचित अतिकिपि भेजनी बाह्यि।

विष्ययी (3) :-- जन्मीयबार श्रष्ट को प्रोड कर म कि जल्म द्वारा किसी
परीक्षा म प्रवेश के लिए जन्म के तारीण एक बार
भोवित कर केने जीर बायोग द्वारा उसे बपने बाधिकेड अं वर्ष कर सेने के बार असी बास म या किसी वरीका स वर्षणस्त्र करने की बायपति गद्धी में बादगी।

बायु क्षेमा अकावभी के बास्ते प्रतियोगिता में श्रेष्ठ रहे उम्मीयबार हारा अपनी गैक्षिक योग्यता के समर्थन में प्रस्तुत किशी या समकत्व परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्त की अनुप्रमाणित/ ब्रमाणित प्रति में यदि परीक्षा विश्वयों का उल्लेख न हो तो उसे विश्व-विद्यालय प्रभाण-पद्ध की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के शाय-साथ प्रधान।-चार्यं/विद्याग के प्रधान के प्रमाण-पद्म की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवस्य बरनुत करनी चाहिए जिसमें दर्शाया गया हो कि उसने भौतिकी और/ या गणित परीक्षा विषय के रूप में लेकर प्रहुंक परीक्षा उत्तीर्ण की 【 । किल्हु यदि उम्मीदचार ने अपनी बिग्री या समकक्ष परीक्षा घौतिकी भौर/या गवित के अलावा अन्य विषयों के साथ उसीर्ण की है तो उस **विग्री या स**मकक्ष प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साथ -**साथ विश्वविद्या**लय/बोर्ड की हायर सेफेन्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न पा प्रकृती शिक्षा 10 + 2 पैटर्न के अन्तगत 11वें/12वें स्तर की परीका **या समझक परीछा** उत्तीर्ण करने के प्रमाण-पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित विशि सवस्य प्रस्तुत करना चाहिए। किन्तु ऐसे मामले में यवि हायर **क्षेकेल्बरी परीक्षा** (पुराना पैटर्न)/स्कूली शिक्षा के 10+2 पैटर्न के क्षम्तर्गत 11वें/12वें स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय/ बोर्ड के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षा विषयों का डल्लेच न हो तो सम्बद्ध हैबमास्टर/प्रिसिपल के प्रमाण-पत्त की अनुप्रमाणित/ ब्रमाणित प्रति अवस्य प्रस्तुत की जाए जिसम यह दशाया गया हो कि हम्मीदवार ने उक्त परीक्षा गणित और भौतिकी परीक्षा विषय के रूप में नेकर उत्तीर्ण की है।

- (4) स्परियप्ति पश्चक (स्रावेदन-पश्च के साथ संस्थत) विश्विषठ सरा कृता।
- (5) छम्मीदवार के हाल हो के पासपोर्ट आकार (खगमग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ जिनके ऊपरी हिस्से पर खम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

कोहो की एक प्रति आवेदन प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी इति छपस्थिति पक्षक में विए गए निर्धारित स्थान पर अधिका देनी वाहिए।

- ((6) सगवा 11.5 हैं० सी० × 27.5 हैं० सी० खाकार के बिदा टिकट समे 3 लिफाके, जिस पर खापका पता खिखा हो।
- (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों हारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों उस जिले के सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्न के बीचे उल्लिखित) से परिशिष्ट 4 में विए गए प्रपत्न में लिए गए प्रमाण-पत्न की अनुभमां/जत/म्माणित प्रतिविधि।

- (थ) पुरुष थे पूर्व नाहित सहित कम्प्रीमसायों के हिता।
  - (i) विश्वी जिला सविकारी या राजपवित विविधारों या उन या राज्य निश्चान मंडल के सवस्य से सिए गए प्रमाण-रण की बनुबर्माक्त/प्रमाजित अतिलिपि जिसमें यह प्रमाजित किया गया हो कि कम्मीक्वार विवारित कुल्ल देश की स्थिति में वहीं है।

थरबुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के वावे के समर्थंड व्ये निम्नलिखित प्राधिकारियों ने लिए गए प्रमाण-यत्त की समुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:

- (क) चूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से निस्यापित व्यक्ति :
  - (1) दण्यकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विश्विष्ठ राज्यों के राहत शिविरों के शिविर कमांडैंट।

#### समय

((2) इस इलाके का जिला मजिस्ट्वेट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो।

#### अपना

(3) अपने जिले के सरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ।

#### अधवा

(4) सब-डिवीजनल अफसर अपनी अधीनस्य सब-डिवीजन की सीमा तक।

#### अथवा

- (5) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुन-वसिन), कलकत्ता।
- श्रीलंका से प्रत्यावतित:- श्री खंका में भारत का उच्चायुक्त।
- (ग) यमी से प्रत्यावतितः ---

भारतीय राजदूतावास रंगून, या जहां का वह रहने वाला हो, इस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

- (च) तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति:
- (1) विभिन्न राज्यों के ट्रांजिट केन्द्रों तथा राहत शिविरों के कैम्प कमार्केट।

#### सपना

(2) अप क्लाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह फिलहाल रहता हो।

#### संघवा

(3) व्यप्ते जिले के वारणायीं पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मंजिस्ट्रेट।

#### अपदा

(4) खपने प्रमाद से सब-दिवीजन के श्रन्दर सब-दिवीजनस स्विकारी।

#### शयवा

- ( ह) करवार्थी प्रनवीस उपायुक्त ।
- (च) था० सेवा अकावमी और वायु सेवा अकावमी और नी सेना खकावमी कीर्स में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग/ लेने वार्से एन० सी० सी० (सी०) प्रभाण-पन्न (सेना स्कन्ध/बायु सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग/नी सेना स्कन्ध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा:

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पक्ष (सेना स्कन्ध)/वायु सेना/नी सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग है अथवा वह एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पद्म (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध/ चौ सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रकाग परीक्षा में प्रवेश से रहा है/प्रवेश चेचुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

टिप्पणी:--उम्मीववारों की आवेशन-पक्ष के साथ भेजे गए सभी प्रभाण-पद्धों की अनुक्याणिल/नवाणित शिक्षमें पर हस्ताकार करके तारीख लिखानी है।

- 9. शुरुक की बापसी—अवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुरुक बापस करने के किसी अनुरोध पर नीं की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी वरीक्का या चयम के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है:--
  - (1) जिस उम्मीववार ने निर्मारित शृल्क वे दिया है पर जिसको धायोग ने परीक्षा के कैठने नहीं दिया उसकी दे 15.00 (पत्रह ध्वए) बापस कर दिया जाएगा परन्तु यदि कोई आवेदन यह सुनना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदियार डिग्री परीक्षा में अनुर्देखें हुआ है या दियी परीक्षा में उस्पीय होने का प्रमाश निर्मारित तारीक सफ प्रस्तुत मही कर पाएगा हो इस सम्मीदिवार को शुल्क बापम नहीं किया जाएगा।
  - (2) को उम्मीववार अन्तुबंद, 1935 या मई, 1986 में आयोजित अध्यक्तिया परा सिना भरीका भें बैठा हो और उनमें छ किसी पराक्षा के पाचार पर किसी भीएं के लिए उपका नाम प्रतृतिन प्र्या हो हो एसके मामले खें च० 23 तत (शक्तिके अपक) का मुख्य वावच किया था सकता है, उर रह एकरी हैं, कि धवलूबर, 1986 को सम्मितित उला नेना परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रह कराने छोर जुन्द सम्मर पाने के लिए अपनी उम्मीदवारी का प्रकृति की होर जुन्द सम्मर पाने के लिए अप उम्मीदवारी का प्रकृति समीग के सम्मित्त के स्मार्थ असीववार का प्रकृति समीग के सम्मित्त के समीवार

10. धाबेवन-पक की पांधरी: -- पांधीग के कार्याखय में देर के प्राप्त धाबेवन-पकों सहित प्रत्येक धाबेवन-पक की पांचरी में जाती है तथा धाबेवन-पक की प्राप्त के परित के कर में उन्धीवनार को धाबेवन-पक की प्रत्येक के परित के कर में उन्धीवनार को धाबेवन-पक की प्रत्येक जारी कर में अरती है। यदि किमी धम्मीवनार को चवत परीक्षा के धावेदन प्रत्य करने के दिन्न विश्वरित मंदिन प्रार्थिक के प्रदा पांचरी के भारत करने के स्वार्थ प्राप्त के मंदर पांचरी नहीं मिलामी है भी एक तम्कण्य धायोग से पांचरी हेतु संपर्क करना पाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार की भावेदन-पत्त की रिकट्रोशन संबंधा बारी कर दी गई है धपने भाग यह धर्य नहीं है कि भावेदन-पत्त सभी ककार से पूर्ण है भीर धायोग द्वारा स्वीकार कर सिया गया है।

- 11. धावेदन का परिणाम:—धगर किसी उस्मीदगर को धपने साबेदन के परिणाम की सुचना परीका गुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक झायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए झायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। धगर इस बात का पासन नहीं हुआ तो उम्मीदवार धपने मामले में बिचार किए जाने के सिखार से बंचित हो जाएगा।
- 12. परीक्षा न प्रवेश :--किसी उम्मीक्वार की पातता या प्रपासता के संबंध में संघ लोक सेवा भाषीग का निर्णय संतिम होगा। प्रायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण पत्र के धिनः किसी भी अम्मीववार की परीक्षा से अबेक वहीं दिया आएगा:
- 13. कवाचार के बोधी जम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:--जम्मी-ववारों को चेतावनी दी जाती है कि वे धावेदन-पन्न भरते समय कोई गलत विवरण न वें भीर न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। छम्मीववारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित पांत में विस्ती भी द्वारत में वे किसी तरह की स्लोधन पा परिवर्तन या कोई फेर-बतल व दुई घोर न ही केर-बस्क लिए यह यह हुए बसेट को बस्कुष्ट करें।

मगर इस प्रकार के दो था इससे प्रधिक प्रलेखों में या उनकी प्रनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतियों में कोई ध्रमुखि या धर्सगति हो तो इस धर्सगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीववार मायोग द्वारा निम्नांकित कवाचार का दोषी घोषित होता है या ∖ी चुका है:---

- (1) किसी प्रकार से भ्रपनी जम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना: या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना;या
- (3) प्रपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (4) जाली प्रलेख या फोर-बवल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) श्रमुख या ग्रसत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सुचना को छिपाकर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए प्रपत्ती उम्मीदवारी के संबंध में किसी प्रितिया प्रमुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (8) उत्तर पुस्तिका(मों) पर मसंगत वार्ते लिखीं हींया भवलील माषा या समद माशय की हों; या
- (१) परीक्षा फवन में भीर किसी प्रकार का कुम्यंवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए मायोग द्वारा निधुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या भन्य प्रकार की शारीरिक सति पहुंचाई हो; या
- (11) खम्मीदवारों को परीक्षा बेने की धनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी धनुदेश का उल्लोधन किया हो; या
- (12) कपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार की ग्रीर प्रवृत्त होना या ऐसा करने के लिए किसी को उसेजित करना।

बहु ध्रपने को दण्ड प्रभियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरिक्त :---

- (स) वह जिस परीक्षा का अम्मीदनार है उसके लिए प्रायोग हारा प्रयोग्य ठहराया जा सकता है; प्रथवा
- (च) (1) मायोग द्वारा उनकी किसी मी परीक्षा का चयन के लिए।
  - (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निष्क्टि भविष्ठ के लिए। अपवर्जित किया जा सकता है, भीर
- (ग) ध्रगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित निय-मावली के ध्रनुसार ध्रनुणासनिक कार्रवाई का पाळ होगा। किन्तु गतें यह है कि इस नियम के ध्रधीन कोई शास्ति शवतक नहीं दी जाएगी जब तक:—
  - (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित प्रक्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का भवसर विधा गया हो; भीर
  - (2) उम्भीववार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत प्रश्यावेदन यदि कोई हो, पर विचार न कर लिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्नों का प्रस्तुतीकरण: सेवा सथन बोडें के साक्षारकार में झहुंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से झाई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/मर्ती ६ (एन० पी०) (ई), नई विल्ली-110022 को तथा वी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नी सेना कथा स्वयं/धार० एक धार० धेवा सवस, वई विक्सी 110011 की धा

बायू से वा के प्रथम विकल्प बाले उपमीदनारों के भागत में पी० घो० 3(ए)/वायुसेना मुख्यालय, विग 7, प्रथम तत्त, विश्व क्लाल नं० 6, रामकृष्णपुरम, नई विल्ली-110066 को प्रपनी मैक्शिणक योग्यताओं भावि के समर्थन में प्रपने नेल ५ माण-पन्नों को, सेवा जयन बोर्ड के साआरकार के पूरा होने के वो सप्ताहों के प्रण्य भीर 30 जून, 1987 [एस० एस० सी० (एन० ही०) के मामलों में 30 सितम्बर, 1987 से पहले प्रस्तुत करने होंगे] उनत प्रमाण-पन्नों की सरय अनुप्रभाणित प्रतिकिपियों या फोटोस्टेट प्रतियों किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की लाएंगी।

जो उम्मीदवार सेवा जयन बोर्ड के साक्षास्कार के लिये शर्तुना प्राप्त कर जैते हैं, उन्हें सेवा जयन बोर्ड के साक्षास्कार के समय अपनी आयु के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पक्ष प्रस्तुन करने होंगे।

15. प्रावेदन के सम्बन्ध में पल-व्यवसूर:--भावेदन के सम्बन्ध में सभी पल-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, धीलपुर हाउस, नई विस्ती-110011 के पते पर करना चाहिए भीर उस ने निग्नांकित विवरस सबस्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षाका वर्षे मीर मशीना।
- (3) बाबेदन-पत्त की प्रणीकरण संख्या/अनुक्रमांक या जरम की तारीख (बगर धावेदन पंजीकरण सं०/अनुक्रमांक नहीं मिला है)।
- (4) उम्मीदशारीं का नाम (पूरा भौर साफ लिखा हुआ )।
- (5) पन्न-व्यवहार का पता असा धावेवन-पदा में विया है ।

विशेष व्यान—(1) जिन पत्नी के साथ अपर का क्वीरा गही होगा, द्वा स्कारत हैं, उस पर कोई कार्रवाई व हो।

(2) यसि किसी परांशा की समान्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पश्चांमावि प्राप्त होता है तथा हम में उपलग्न पूरा नाम बीर अनुकर्मांक नहीं विया गया है जो उस पर ज्यान नहीं विया आएका। और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की आएकी।

16. पतं में परिवर्तन — उम्मीववार का इन बाह का अवस्था कर लेली वाहिए कि उसके प्राविदन पत्न में विए पतं यह भेजे जाने जाले पह भावि भावस्थक होने पर उनके नए पतं पर सिजवा विए जामें । वहें में जो भी परिवर्तन भी उसे उपर के दैरा 13 में अल्लिखिश निवरव । शाब शायोग को यथायोग सृतित कर देना चाहिए।

हेवा घयन बोर्ड साक्षारकार के लिए झायोग द्वारा अनुशंसित उम्मी-ध्वारों ने झगर परीक्षा के लिए झायेदन करने के बाद सपना पता बदल दिया हो हो उ<sup>न्त</sup> परीक्षा के लिए झायेदन करने के बाद सपना पता बदल दिया हो हो उ<sup>न्त</sup> परीक्षा के लिखिन भाग के परिणाम नाधित हो जाते हो द्वपता नम्प पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जीन बाल, रिकृदिभ व (एस॰ पी०) (ई०) (11) वेस्ट ब्लाक 3, विग । रामाकृष्णपुरम, बई दिक्ली-110022 झीर नाए सेना मुख्यालय (पी० झो॰ 3), नई विल्ली-110011 को सुचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदनार इन सायेशों का पालन नहीं करेगा वह सेना चयन योर्ड के सामात्कार के लिए सम्मन-पद्ध न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के वार्व

मधापि प्राधिकारी इस प्रधार के परिवर्तनो पर पूरा-पूरा ध्यान वैते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह प्रपत्ने ऊपर होई जिम्मेदारी सहीं के सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदनारों के साकात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ: — जिन उम्मीदनारों के नाम सेवा चयन को के साकात्कार के लिए धन् शस्ति है जनको अपने साकारकार के सम्बन्ध में सभी पूछ-ताछ भीर धन् रोश सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० कौ रिक्शृष्टम 6 (एस० थी०) (४०) (ii) बेस्ट ज्लाक 3, धिंग 1, रानाङ्कणपुरम, वर्ष दिल्ली-110022 और वागू सेना उम्मीदनारों के लिए पो० भी० ७ (ए)/वाय्सेना गृक्यालय, विग 7, श्रथम तल, वेस्ट क्लाक बंद उन्मायवारों को राजालतार के लिए संज गए सम्मन-पत्न धारा सुचित की गई नारीख को रीवा चयन आर्थ के लिए साकात्कार हैं दु रिपोर्ट करनी है। साजाकार को स्थियत करने न सम्बद्ध सनुरोध पर केवल यथार्थ पारस्थितियों में और प्रशासितिक सुविधा को ज्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक आधिकरण सेना मुख्यालय/वासु सेना मुख्यालय हींगा

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सथा थयन बोर्ड के समक्ष साक्षारकार हुँचु बुलाये गये उस्मीदवार इत्यान अला निम्नलिखित वस्तुर्ये सामग्री:---

- (क) सफेर कभीज में पासपोर्ट ग्राकार छोटी की 6 प्रतिया।
- (ख) बिस्तर धोर कम्बल (मीसम ' धनुसार)।
- (ग) सक्षेत्र कमीओं भीर हाक पेग्टो के दी जोड़े।
- (भा) एक जोड़ी पी० टी॰ के सफेब अने झीर वो जोड़े सफेट मोजै।
- (अ) पेंडों झीर कमीजों के दो जोड़े।
- (च) काउन्टेम पेन, स्याही भीर पेन्सिल ।
- (क) भूत पालिक्ष और सकीव क्लीकों।
- (अ) एक मण्डरदावी।

विश्वेष न्यान:—यदि किसी उम्मीदवार को भारतीय सैन्य सकादभी हेतू अर्में ल, 1987 के पहले हुएते तक सौर सिक्षकारी प्रशिक्षणशाला हेतु जुलाई, 1987 के चौथे दुएते तक सेवा चयत बोडं के साझातकार के लिये साझा-रक्षार पढ़ प्राप्त तहीं होता है तो उसे सेवा मुख्यालय/भर्ती 6 (एस०पी०) (ई०), वेक्ट क्लांग 3, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली—110066 को साझातकार पढ़ न मिलने के बारे में सिक्षना भाहिये।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की बोबजा, मोग्यला हाण्त उम्मीदबार का साक्षारकार, प्रन्तिम परिणाम की बोबजा घीर मस्तिम कप से बीग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रथेश:---

संब क्षोक सेवा मायोग भपनी विवक्षा से लिखित गरीक्षा के लिये विश्वरित रयुन्तम संक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार भरेगा। वे उम्मीदवार उन सभी पविष्टियों के लिये जिनके लिये उन्होंके क्षांता प्राप्त की तै बौद्धिक तथा ध्वनितरव न देखाओं के खिने क्षेत्र। चवन बोर्ड के मुग्मचे शुक्षित होंगे।

अरे उम्मीदबार आई० एम० ए० (शे० ई०) कीसं घोराया नी रोता (एस०ई०) कोसं घोर/या वायु सेना अकादमी कोसं की लिखित परीखा में सहाता प्राप्त करते हैं, चाहे में एस० एस० सी० (एन० ही०) कोस के लिए प्रहुंता प्राप्त करते हैं या नहीं उनको मार्च/धर्मल, 1987 में सेना अयन बोर्ड के परीक्षण के लिये भेजा जायेगा घोर जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एस० हो०) कोमें के लिये घहुँता प्राप्त करते हैं, इनको जून/जूलाई, 1987 में ग्रेवा अवन बोड के परीक्षणों के लिये घेजा आयेगा।

उम्मीदवार सेवा वयन योई के सामने हाजिर होजर प्रपत्ती ही जोवाम पर वहाँ परीक्षणों में शामिल होंगे, और सेवा वोई में उनका जो परीक्षण होता है, उनके दौरान या उसके फलस्वक्प धगर उनकों कोई बोब पहुंचती है, तो उसके लिये सरकार की मोर से कोई कतिपूति का सहायता पापे के वे तकदार नहीं होंगे, धात्ते वह किसी व्यक्ति की सापरवाही से ही पा दूसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवारों को धावेदन-पत्न के साथ संलग्न प्रवा में इस आयाय के एक प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा सथा (ii) तथा चय्म बोई के परीक्षणों में धलग-धलग व्यन्तम धर्तक धंक अस्त करन होंगे वोकि आयोग हारा निर्णय के अनुसार निश्चित कियं आएंगे। लिखित परीक्षा तथा सेव वव बोई के परीक्षणों में प्राव्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यताक्रम में रखा आयेगा। मलग-धलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिजाम किस कर में किस प्रकार सुवित किय जायें इस बात का निर्णय अत्योग प्रयत्न थाय करेगा और वित्याम के सम्बद्ध यें उच्चीववारों से काई पत्र-व्यवहार पहीं करेगा।

परीक्षा में सफल हाँचे नाक श कार्याम हेन क्षणाक्षा, तो हैवा मकादमी, वासु सेना सकायमी कः अधिकारि व्यक्तिकाक्षा है विश्वी स्पिति ही प्रवेश का कोई अधिकार वार्या हार्यान-३४६ क्षणशैक्कि स्मता और सम्य सभी क्षणों है महदूधनता के क्षणित्वस क्षणक्षक विकित्त हो

विष्णकी:—वायु सेता, शे हैं शे शिकाश्य के क्षेत्रे क क्ष्मिंववाद की वायलठ सम्बन्धी प्रशिक्षि का परीक्षण के यह एक का किया आता है यतः पहले परीक्षण में उसने जो के के काफ किया है, बसको नाम के बाद किया को में लिये जाने वाले श्राह के अपने का काफ किया है, बसको नाम के बाद किया जायेगा। जो उम्पीदनार पायलक सम्बन्धी एक किया के वहुने वरीक्षण में फेल हो जाता है, वह जारनीर नायु सेना की (एक कि कि) आवा विस्तान होतु प्रवेश के लिये सावेदन नहीं हा गुक्काः।

19. प्रशिक्षण कोसे में प्रवेश के लिये ग्रहुँतायें:---को उम्मीदवार। इन्हें प्रदेश ग्रकादमी, भारतीय सेना प्रकादमी, नायु तेना उद्हयन महा- विद्यालय, नौ सेना प्रकादमी, कोचीन धौर प्रशिक्षणकाला महास् में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुकासनिक आधार पर वहां से निकास - दिये गये हैं, उनको कारतीय सेना प्रकादमी, नौ सेना प्रकादमी, वाष् सेना श्रकादमी या बल सेना श्रकादमी में प्रदेशकातीन सेना कमीशान में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा ।

जिन उम्मीदवारों को एक प्रधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के समाद के कारण पहले मारतीय सेना अकादमी से वापस किया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेयल ए॰ट्री लेक्त कैडेंट्स के रूप में पहले बुद लिया गया हो पर बाद में एक प्रधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के श्रवाद के कारण राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी या नौसेना अतिग्ठानों से वापस किया हो दे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पास नहीं होंगे

जिन उम्मीदवारों की एक घषिकारी में प्रपेकित सक्षणों के सक्षत्र के कारण धारतीय सेना भकादनी, प्रधिकारी प्रशिक्षणकाला, एन० धी० सी० तथा स्नातक कोसे से वापस लिया गया हो उनके बारे में यस सेना से प्रश्यकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक मधिकारी में सर्थोधित लक्काणों के ध्रश्राध के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक कोसं से पहले षायस स्थित ध्राध स्था स्था हो, उनको भारतीय सेना मकादभा मं प्रवेश नहीं दिया प्रावेया।

20. भारतीय सेना धकादमी या वी सेना धकादमी या वायु हैका धकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध:—- सारक्षीय सेना धकावयी कीर वी सेना अकादमी या वायु सेना धकादमी के कोम के उम्मीदनारों के इस बात का चयन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदनार मपने धावेदन की तारी के खे बन्ध बादी कर लेता है उसकी प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा चाहे वह इस परीक्षा में या धगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। को उम्बीवन्धार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वावस केंजा जायेगा धीर उस वर सरकार ने जो पैसा खं कियां वह एवं उससे वस्त िया जायेगा। धन्य-कालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्म कः कोई उम्मायवाद।

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बाही की हो या बाबों के लिये संविदा कर सी हो जिसकी गाँँ के कोई अधिकत पति/पत्थी है या की।
- (ख) जिसने पहले से जीवित प्रीतः वस्ती होती हुए को बिक्ते व्यक्ति , से बादी की हो या बादी के लिये संविदा कर खरे हो !

शर्विकारी प्रशिक्षणशासा में प्रवेक घटपकाणिक क्षेत्र' कवीक्षण की दारिन की पास नहीं होगा।

परमु यदि केन्द्रीय सरकार इस बान से सन्तुन्द हो कि इस तरह को शाथी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरक के व्यक्तियों के निये लागू व्यक्तियंत कानून के प्रमुखार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के प्रत्य के क्रांच्य हो से किसी व्यक्ति को यह इस वियम के सन्पातन में जुड़ दे संस्ताती है। 41. वापहास विशा क्षेत्रकार या जो किया सकारको था बायू करा बादासमंत्र में कामका में स्थान काम रिकास--मारहीय देना सकारकी, की जेवा सजारक रा एकू के शाहरतका में सकत असन करने के बात, करमीकार किया इसी क्षेत्रका के किये किया को या दही होने। कारहोस नेवा कामकी था की किया प्रवाद की या का के बाद सकती कीर विश्वा के किये सिश्ति अप के कवका वजन ही जाय के बाद सकती कीर विश्वी की साखारकार या नरीजा की व्यक्तिस होते की सनुव्यक्ति वहीं की सावेगी।

a setti one to material protection that they also also also an experimental confidence where it is a set of the protection of the protecti

हो तन्मीक्षार बारकोश में व्य सम्भवनी थी धना सम्बद्धी वाब सेवा सकारको है । भाग यह नेत्रे हैं सम्बु स्वको मोग्यता के सामाण पर सचि-कारी प्रश्चिम बासा के नेटे हें ब्रुविया किया का सकता है बच्चे कि कस कोचे दिलेश के स्वाप कार्या हो।

22. छंच लीक क्षेत्रा धार्याय है "दंच क्षोत्र क्षेत्र क्षावीय की क्ष्य क्रक् वरक वर्षाक्षाओं हेतू उम्मीदवार विवरणिका" श्रीचंक से एक समूध्य दुक्तिका जापी है। यह इस उद्देश्य से छापी गई है जिससे सं० लो० से० छा० की परीक्षाओं या जयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता फिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, देहली—110054 के पास बिकी के लिये सुलभ है और इसे उनसे सीधे मेल धार्डर हारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इनमें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिह मार्ग, नई दिल्ली—110001 भीर (2) उन्होंग भवन, नई दिल्ली—110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का विकी काउन्टर भौर (3) गवनंसेंट धाफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राथ रोड, कलकत्ता—700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुशल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्मिल शहरों में स्थित एजेंटी से सी उपलम्ब है।

इस० बालाकृत्यन, उप-संबिध

#### र्वरिशिष्ट--।

#### (नरीजा की योजना, स्तर धीर नाह्य विकरक)

#### 1. बरीक्षा को योजना

- 1 प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:--
  - (क) नीचे के परा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,
  - (क) जन उम्मीदवारों का बुद्धि भीर व्यक्तिगत परीक्षण (इस परि-श्विष्य के भाग ख के प्रनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सलेक्शन सेम्बर में साक्षात्कार के लिये बुक्षाया जारे।
- लिखित परोक्षः के विषय, उनके लिथे दिया खावे बाक्षा समय स्टीर प्रत्येक विषय के लिये नियत ग्रधिकतम ग्रंक निम्नलिखित हुँवि---

विषय	घवधि ध	धिकतम संद
1. बंगेजी .	2 पर्धे	100
2 सामान्य शान	2 राष्ट्रे	100
<ol> <li>प्रारम्भिक गणित</li> </ol>	2 षण्टे	100
(क) नी मेना प्रकादमां में प्रवेश के वि	ा <b>ये</b>	
विश्वय	न्यित समय	ग्रधिकतम <i>सं</i> क
	नियत समय	
त्रवार् <b>व</b> ;	नियत समय १ वश्य	<b>श</b> श्चिकतम <b>श्चं</b> क 100
त्वावं ; १ श्रेवंची	- And province of the state of	<b>*</b> 5
प्रवार्थः ; १ क्षेत्रको	少 荷霉素	100
विवय  नवार्थः  श्रे अंगेच्यः  2. स्टम्प्यः वार्थः रिवकः  4. अर्राध्यः वार्थः	१ वस्त्र १ घ-हे	100

\*जो पन्यीयनार प्रायम्मिक गणित लॉगे उन्हें चीथे प्रश्त-पद्ध में भौतिकी विवय लेता होगा तथा जो उम्मीदवार प्रायम क सीतिकी लॉगे उन्हें चौथे प्रश्त-पद्ध में पीषत विषय लेता होगा।

## ्श हे स्वामित्राची। अधिकासकारका वै अवस्थ च १०००

	विषय	सर्वत	ग्रविकतस
			पंच
1.	<b>शंग्रे</b> जी	3 445	100
2.	सामाग्य जान	3 🗷 🕫	100

#### वाय सेना धकादमी में प्रदेश के शिये

विषय			सङ्ग	मधिकतम इ.च
1. धंग्रेजी		•	३ व व्हे	100
2. सामान्य ज्ञान			2 4:3	100
3. प्रारम्भिक गणित	•	•	2 चण्डे	100

लिखित परीक्षा और साझात्कार के लिये को अधिकतम अंक नियत किये गये हैं, वे प्रत्यंक विषय के लिये समात होंगे अर्थात् भारतीय मेना अकादमी, नौसेना अकादमी, अफगर ट्रेनिंग रक्षूल, और वायु सेना अकादमी में मती के लिये लिखित परीका और साझात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक कमशं: 300, 450 और 200 और 300 होंगे!

- 3. समस्त विषयों के प्रश्त पत्नों में भिवल वस्तुपरक पथन बूछे आसेंगे: अबूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण क्रुप्या परिक्षिण्ट 5 पर एक्सी द्यारी को सूचनार्थ विवरणिका में देखिये।
- 4. प्रधन-पनों में जहां भी प्रावश्यक होगा केवल तील भीर भाग की भीटरी पहालि से सम्बन्धित प्रधनों को ही पछा जागेगा।
- 5. इंडम्मीदवारीं को प्रश्त-पर्धों के उत्तर द्यापने हाद्य से लिखने चाहिये। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलच नहीं की जायेगी।
- प्रीक्षा के एक या सभी विषयों के ग्रहुँक ग्रंको का निर्धारण ग्रायोग की विवेक्ता पर है।
- 7. पंत्रमीदवारों को बस्तुपरक प्रश्न-पह्नों (प्रश्न पुस्तिकाक्कों) के उक्तर देने के लिये कैलकुलेटर का प्रयोग करने की छन्मति नहीं है। प्रनः दे उसे परीक्षा भवन में न लायें।

#### वरीक्षा का एतर कोर राख्य विवरण

豊州で

श्रारिक्षिक गणित के प्रश्त-पत्नों का स्तर वेड्रिक्सिश्चर वरी आ का होगा, प्रारम्भिक घौतिकी के प्रश्न-पत्नों का स्तर उच्चतर माध्यमिक वरीक्षा जैसा होगा।

धन्य विषयों में प्रश्त-पत्नों का स्तर लगमग वही होगा जिसकी किसी धारतीय विश्वविद्यालय के स्तातक से प्रपेक्षा की जा सकती है।

इत में से किसी भी विषय में बायोगिक परीद्धा नहीं होगी।

पाठ्य विकरण

प्रशन-पक्ष इस प्रकारकाहोगा कि जिसमे उम्मीदवारकी अंग्रेजी सीर संग्रजी के शब्दों के बोध की परीक्षाली जा सके।

#### सामान्य ज्ञान (कोंक सं० 02)

सामान्य झान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं झौर दिन-प्रतिदिन देखे झौर प्रनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामने के वैझानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से सपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैद्यानिक विश्वय का विशेष प्रश्ययन न किया हो। प्रवन-पत में खारत से इतिहास झौर भूगोन से संबंधित ऐसे प्रक्त भी होंगे जिन्नका जन्द प्रभवन्ति । १ ए । १६६६ छ। १६३६ **ध्रमण्य किय विधाः** देश काहित्रे ।

## अवर्षिक्त गाँगत (क्षोक छन ०३)

क्षंद्र कृष्टिश

रांख्या रहिन्छ . ..... भाष्यपूर्व छ। वादे हे, पूर्णाल, पारेसेय कोष वास्तविक बंक्तियार्थे, भूक सक्तियार्थे ---जोड़, भटागा, गुणन सीर विभाजन, वर्ष यूख, बक्तमख्य किला।

एकिक धार्षि --स्प्रणम्बा द्रो, तस्य तका नामे प्रशिक्षतता, साधारण तका कक्ष्मक्ति १२ क चै प्रमुप्तपीय, साथ तथा हाति, प्रनुपात सौर समाष्-पात विषयकः

कारिकक शंकाः सिकारः - विभागत की तलत तिमि मकाव्य कीर भाष्य संख्यार्थ 2. 1 4, 5, 9 बीर 1! द्वारा विभाज्यता के परीक्षक स्वयतंत्र्य ग्रीर गुण्य क्षय्क/गृणन भ्रष्यत्व प्रमेय/महत्त्वम समापवर्तक तथा क्षेत्र-क्षम समापवर्तक, वृत्तिपद्ध की कलन जिधि।

पाधार 1 ∪ तक लघुगुणक, सम्युणक के नियम. लचु-गणकीय सारिपायीं का मेथीग !

#### बीजगणित

भाषारमूत हं अध्या : साधारण गुणव खण्ड 1 शेव कर प्रमेम, बहुवरी छा महत्तम समापवर्तक भीर लब्ध म समापवर्त्व सिद्धांत । द्विध समीकरणी छा हल इसके भूखों भीर गुणांकों के दीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूख वर विचार थिया आए) । दो शहान राशियों में भूगपत रैखिक समीकरण-विश्लेषण भीर प्राप्त मम्बन्धी हल । दो चरों में युगपत रैखिक धासिमिकार्य भीर उनके हल प्राव्योगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत, रैखिक समीकरण या सिसिमकार्य बनती हैं था एक घर में दिवचात, समीकरण तथा उनके हल. समुच्यय धावा तथा समुच्यय धंकन पदाति, परिमेष भ्यजक तथा प्रतिबन्ध तस्समक कार्ताक नियम ।

#### शिकोण मिति

ण्याXकोतिज्या, Xस्पर्ध रैक्षा Xषक 90° A X A 90° ज्याXकोतिज्या, Xस्पर्ध रैक्षाXका जात स्योकिX X0°, 30°

कर्ण, ६८ कोर १८ सम्ब हिकोयन्तिकीय तासमक। क्रिकोयम्बिक वार्यायमें का प्रयोग।

संबाहती क्षीर दूरियों व हरल क्ष्म ।

# ण्डोमिति ।

रेखा खोष कोख, समताय और अमताव खाक्ष्ति। विश्वविधित प्र ब्रह्मेथ :--- (1) रिसी बिन्धु पर ठोणों के गुगायके (7) सर्वातर रेखाएँ, 10) किसी खिम्ब की ज्ञानं कोर जाल, (4) किसुन की प्रवेगसमता स्थाप्य किसुन, माध्यिकाओं सीर सीर्ष लम्बों का सगमव, (7) समान्तर नमुर्चुओं, प्रायात सीर वर्ग के कीणों सुनाओं के विकल्पों के गुण उने, (8) ृत सीर उनके गुण वने निसमें, स्पर्ध रेखा तथा समिनन्य सी शामिल हैं, (9) स्थानिल प्रयक।

# विस्तार कलन

वर्गी, मायती, समानांतर चतुर्भुजी, हिस्यूजी भीर वृक्तीं के क्षेत्रफल । छन शाकृतियों के क्षेत्रफल को इन अ्तियों ने विभाजित की जा सकती है। (खेल वही) चनामी का प्रकीय क्षेत्रफल तथा शायतन सम्ब वृत्तीय शंकुर्यों भीर बेलनी का पाश्र्व-पुठाय तथा भायतन/गालकों का पूर्वीय क्षेत्रफल तथा भायतन।

#### सांख्यिकी :

संश्यिकी उन्यों का संग्रहण तथा सारणीयन । ग्रालेखी निरूपण वारण्यारता वृत्युत्र प्रायात विश्व करनाका चार्ड, पाई चार्ट प्रावि केन्द्रीय प्रवृक्ति के मान रेखायों के बीच कोण :

# करर्गाध्यम जीविको (कार व 0 05)

- िक विश्वाद काल्पन:—माक्षन के आवक, की० की० एख० वीद प्रम० के० एस० माझक। आदेश और संदिशः। वल और विश्व का संयोजन वका नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के ग्रधीन ऋज्देशीय वित्र । व्युद्धन का यनि नियम । वस्तु की संकल्पन वस्तु के माझक। माझा बीद कार।
- (स) पिण्डं का बस विश्वान: -- गुरूत्व के श्रधीन/समानालरण क्या । वृक्तव केण्य नाक्ष्यवस्था/साधारण भर्तान विग श्रन्पात स्नात्त समतस्व पिंच छो विश्वय साधारण मसीन / विश्वय कोण्य, क्षेत्र, क्षेत्र,
- (क) तरक वृष्णकं न्याध को न प्रकोद/पालकल का विषय : स्रोक्षितिकोश का नियम । बनत्व सीर निर्माति गृरूत्व पिश्की सीर द्वस्यों के विक्रिय्ट गृरूत्वों को निर्मारित करने के लिये धार्फमिटील के नियम का अध्यक्षकोग : क्षेत्रन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लायें गर्ने का का क्षेत्रक । कोली नियम/वास् परम ।

  - (क) प्रकाशः -- ऋज्रेखीय संसरणः वरित्रतंत के नियम गोलीय दर्वक क्ष्यव्यक्ति के नियम, लक्ष्म, प्रकाशित यक सैमरा प्रक्षेपित, पारापार विश्वकर्ती पूरकीत, मूक्ष्मद्वती, श्राह्मदीकण्लर त्या परिदर्शी, प्रक्रम, प्रकीवें के सम्बर्भ के प्रदर्भ के

  - (क) चुन्वकरव तथा विद्युत :-- चुन्वकरव के नियम, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकीय क्षेत्र, चुन्वकीय क्षेत्र, चीन चीन विद्युत चुन्वकीय क्षेत्र, त्रेणी पाव्यं में प्रतिरोधक । विद्युत चुन्वकीय क्षेत्र, त्रेणी पाव्यं में प्रतिरोधक । विद्युत चारा का चुन्वकीय प्रभाव । वृच्वकीय क्षेत्र में चीनहकता । कलिमन का बाम हस्तिनयम । मापक यं चनामण्ये प्रभावर, बोल्ल/मीवर, वाटमीवर, विद्युत धारा का रासायित्रक लक्षक, विद्युत चुन्वकीय क्षेत्रक, सरीवे विद्युत, बेल्कि क्षेत्रक व्यवकार के क्षेत्रक विद्युत चुन्वकीय क्षेत्रक, सरीवे विद्युत, बेल्कि क्षेत्रक व्यवकार विद्युत चुन्वकीय क्षेत्रक, सरीवे विद्युत, बेल्कि क्षेत्रक व्यवकार विद्युत क्षेत्रक व्यवकार विद्युत व्यवकार विद्युत चुन्वकीय क्षेत्रक विद्युत चुन्वकीय क्षेत्रक, सरीवे विद्युत, बेल्कि क्षेत्रक व्यवकार ।

#### भौतिकी (कोश दर ००)

## । दशारं के सामान्य गुण और यांक्रिकी :

यृनिटें और विभागें, स्केलर और बेक्टर, मालागें, उड़त्व, आहणं, आर्थ ऊर्जा और संवर्ष। यांतिकी के मृत्र नियम, वूणों गति, गुरूत्वाकर्षण करस क्षावर्षे गति, सरल और बसरल लोलफ, धरयास्थता प्रवेड तवाव, एक की वयानता, रोहरी रूक।

### 2. **54** w :

श्रवमस्ति, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग गति, श्राप्त प्रमादः श्रवादः विद्या विष्णं, किसी गैस में व्यक्ति के विग पर दाव तापमान और/आर्द्रता का श्रवादः, होरियों, शिल्लियों, और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुनाद विस्तंदं विश्वर सर्वेदे । स्वित का आकृति विग का तीवता। पराश्रव्य के मृत्र त्रावः । श्रवीयों के श्रव्या के मृत्र त्रावः ।

#### <sup>34</sup> प्रत्या कीर गतिविद्यादः

उत्तमात और उसका भाषा : तावीय वसार, गैसी में समतापी तथा प्रकारम विरिद्ध क्रिक्स वीर जन्मा कलकता, व्रध्य के जनुगति विश्वात के शक्त मोल्लसमात के विरुद्ध निम्म का बीतिस होस, वोसरक्ष क्रिक्स प्रम क्रिक्स का प्रतिस होस, वोसरक्ष क्रिक्स प्रम क्रिक्स प्रभाव गैसी का व्रवय, क्रम्म। 112—36GI/86

र्वधन, कार्बोडप्रमेग, उद्यानि 'एक' के किम्म कार कवका सरस करू-इयोग । कृष्णिका विकिरण ।

#### 🕯 प्रकाश

ण्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का देग, समतल और गोलीय ५९ठों पर प्रकाश का प्रेरिवर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और विणक दोष और उनका विनावरण। नेड और अन्य प्रकाशित गंडा।
क्राश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण।

# विद्युत और नुम्बकत्व

विष्त क्षेत्र के कारण कर्जा, इत्या के विद्युत और चुम्बकीय गुण सर्थ, हिस्टेरिसस, चुम्बकीशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा छै उत्पक्ष चुम्बकीय खेळ, मृतिंग मैंग्नेत एण्ड मृतिंग क्षाइल गलवेनी मीटर; हारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सर्कित, एलिमेन्टस के गुण और समें और उसका निवारण; ताप विद्युत अक्षाव, विद्युत, चुम्बकीय प्रेरण प्रव्यावर्ती धाराओं का उत्पादन/ट्रांमफार्यर और मोडर, इतैवट्टाविक बाल्य और उनका मरल अनुप्रधोग:

## ह. आधुनिक भौतिकी

बार के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलैक्ट्रास गैसों द्वारा विश्वत का विसर्जन, कथोडर। रेडियो एक्टिवना, कृतिम रेडियो एक्टिवत आइसोरे प जिल्हा की प्रारम्भिक धारणा।

## गणित (कोक कंट 04)

## 1. बीज गणितः

समुच्चयों का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोध, पुक्त फलन, तृल्यता, सम्बन्ध- प्ररिमेयसुचकांक के खिये द बीयवर हा वेषेय और समका सरक कनप्रयोग !

#### 2. बेहिसेस ।

सैट्रिसेस की बांअलिया, सारणिक सारणियों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, सह कण्ड आव्यृह; मिट्रिसेसों का प्रति लोभन, सैट्रिक्स की बाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिय मैट्रिसेस का अनुप्रयोध (वीन अशात संख्याओं में)।

#### 3 विश्लेषिक ज्यामिती

द्वितिम की तिश्लेषिक क्यामिति, सरल रेखायें, सरल रेखाओं की बांड़ी, कृत विकाय, परिक्लय, तीषकृत अतिपरिक्लय (मृख्य बंधाें के अन्दर्भ में) द्वितीय अंत्र समीकरण का मार्क कप पे समुकरण। क्यां रेखायें और अधिकश्य।

िविम की विक्लेंडिक क्यामिको

समनुल, सीधी रेखाएं और गालक (कंदल कालीय निदेशक)।

# 💤 कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण।

अवकल गणितः ग्रीमांत की संकल्पना, वास्तविक पर फलन का सातस्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरीत्तर अवकलन रोल का प्रेमेय । मध्यान प्रेमेय मैक्लारित और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमय । सुनकोंकों के लिये क्षिप्रकप्रसरण चरघातांकों प्रसरण, अपुगुणकीय तिकोण वित्तीय और अति-वरिकलविक फलन । अनिर्धारित रूप । एकल चर फलन का उन्विष्ट और आल्डिंक, स्पर्णरेखा, अभिलम्ब, अयः स्पर्शी, अधोलम्ब, अनन्त, स्पर्शी वक्रका (क्षेत्रख कार्तीय निर्देशाक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग । एनक्लप आंश्रिक अथकाल्य । सर्यांग फलनों के सम्वन्धित आयलर प्रेमेय ।

समाकलन गणित: समाकलन की मानक प्रणाली: सतत कलन के निश्चित समाकलन को रीमान-परिश्वाचा: समाकलन गणित का शुक्ष जिल्लाचा: वियय , कृषांच के साम्छ हितीय और उप वनाकृति का वृद्दीय खीर कर वनाकृति का वृद्दीय खीर कर व नाकृति का

श्रवकल समीकरणः श्रवम काहि के पानक अवकल समीकरण का इल निकालना। निगम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कीटि के रेखक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल बनुप्रयोग, सरल हारमोनिक क्यांतरण। साधारण पेस्वलम और समीदिश।

# गांकिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान: समतलीय तथा सगामी वलौं को साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तत्थों के गुरूरव केन्द्र। स्थैतिक वर्षण, साम्यवर्षण और सीमात वर्ष वापर्षण कोण। स्वत्रभावतः समतक पर के व्याण की साम्यावस्था करियत काथ (दो बायामी में)।

गति विकान: शुद्ध और विकास महण का स्वरण, वैग, वास और विस्थापन, आपेक्षिक वेग। निरम्तर स्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। स्यूटन गति सम्बन्धी सिद्धान्त। केन्द्र कक्ष्यः सरल प्रमण्या गति (निर्यात में) गुरूवायस्था में गति। सावेग कार्य और क्ष्यां रेखिक संवेग और कर्जा कार्यरहणा। समान वर्षेस गति।

6. संख्यिकी प्रायिकता: प्रायिकता की सास्त्रीय जीर संख्याणीय परिमावा, चवत्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रेमेय, अप्रतिवन्छ प्राधिनता। यावृष्टिक चर (विविक्त और व्यविरह) चनत्व, पत्रन, गणितीय प्रत्यामा।

मानक वितरण : विवयत वितरण, वरिकाया, माध्यम, और 10 थका वेवसय सीमांत क्य सरल अनुप्रधोग । जांखों वितरण परिवादा गध्य और प्रतरण योज्यसा उपलब्ध आंकड़ों में व्यक्ति बंदन का समंजन । सामाध्य जितरण, सरल समान्यात और सरल ब्यू-प्रयोग, उपलब्ध, आंकड़ों के सामान्य में प्रसामान्य बंदन का समंजन । सामान्य वितरण, सरल समान्यात और सरल ब्यू-प्रयोग, उपलब्ध, आंकड़ों के सामान्य में प्रसामान्य बंदन का समंजन ।

विवाद वितरण: यह सम्बन्ध को चरों का रैकिक समाध्यवण, सीधी रैका का समजन, परिवलयिक और चन्न चार्ताची, चन्न, सह सम्बन्धित यूणांक के गुण।

सरस प्रतिवर्ध वितरण भीर परिकल्पनावी का सरस परीस्त्रण, यावृष्टिक बितरण (सांक्पिक) प्रतिवर्ध बंटन और मासक बृद्धि) सर्ववता के परीक्षण के प्रसामान्य ही सी० एव० सार्थ (CHI<sub>2</sub>) और एक० का सरस बितरण ।

किप्पणी:--- कम्मीवनारों को दो विक्यों ---बंठ 5 माविकी जीर बंठ 6 बाकिमकी ---में से किसी एक विक्य पर अन्ती के अक्षर शिक्यों का विकल्प होगा।

#### वृद्धितवा व्यक्तिस्य परीक्षण

खम्मीववारों को बुनियावी बुद्धि की जांच करने के लिये साझात्कार के खितिरिक्त मौक्षिक नवा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जायेगी! उनके प्रुप बरीक्षण भी किये जायेंगे, जैसे प्रुप परिचर्या, प्रुप योजना, बहिरंग प्रुप कार्यकसाप तथा उन्हें निर्विष्ट विषयों पर संक्षिप्त ब्याक्याम देने के लिये कहा जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीववारों की मेचा क्षक्ति की जांच के खिये हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक पूर्वों की जांच के लिये हैं अपितृ इससे उनकी सामाजिक विशेषनाओं तथा खानाजिक बदाजों के प्रति विलवस्पी का की पता खानेगा।

#### परिशिष्ट II

प्रस्मितित रक्षा सेवा परीका के लिये उम्मीदबारों के शारीरिक मानक विष्णवी: उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार बारीरिक रूप से स्वस्य होना आवश्यक है। स्वस्थक। सम्बन्धि मानक बीचे विये जाते हैं।

बहुत से जहाँता प्राप्त अम्मीवधार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर बस्बीकृत कर दिये जाते हैं। जतः उम्मीदवारों को उनके अपने हिंत में असाह दी जाती है कि वे मन्तिम सबस्या पर निराक्ता से बचने के खिये अपनिक्य-पक्त प्रेजके के पक्षके अपने स्थापना को अभ्य सारा हैं।

- 1. संवाचयन बोढं द्वारा अनुशसित उम्मीदवार को सेना क विकित्सा अधिकारियों के बोढं द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकाधगी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जोकि विकित्सा बोढं द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। विकित्सा बोढं को कार्यवाही गोपनीय होती है। जिसे किसी को नहीं दिखाया जायेगा। किन्तू अयोग्य अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित अम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी विकित्सा बोढं के अध्यक द्वारा वे दी जायेगी तथा उम्मीदवारों को विकित्सा बोढं से अपील का अनुरोध करने की प्रकिया भी बता है जाएगी। उम्मीदवारों के लिये नीचे संक्षिप्त रूप में दिये गये विखारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होता आवस्यक है:---
  - (क) उम्मीवबार का शारीरिक तथा मानसिक स्थास्थ्य ठीक होता चाहिये तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अमनतता से मुक्त होना चाहिये किससे उनके कृषालकापूर्वक कार्य करने में बाधा पढ़ सकती हो।
  - (ख) अनमें कमजोर जारीरिक गठन वैहिक शोव का स्व्यक्ता अधि होती चाहिये।
  - (ग) इतव कम से कम 152 से०मी० मान्य है। (वासू सेना के रिषे 162.5 सक मी०)। इतव और शवाब को शास्त्र की के विदेश जाते हैं:--

क्ष और बजत के मानक

सेंटीमीडरों में कव			किलोग्राम में बध्य				
(विचा जूता)			18 वर्ष	20 ₹4	22 44		
152		•	45	46	47		
155			40	47	49		
157			47	49	50		
160			48	50	51		
162			50	52	63		
165			52	36	5.5		
168			53	9 5	5 7		
170		,	58	87	50		
173			57	69	80		
175		,	5.6	61	6.2		
178		,	6.1	62	63		
180			63	64	60		
183			65	67	67		
185			67	68	70		
188			70	71	73		
190	-		72	13	74		
193	r		74	7 n	7.7		
195			17	7 â	79		

अपर्युक्त सारणी में दिए गए स्रोसत बजन क 1 10% (नी सेवा के लिए बजन सामान्य स्रोमा के संदर माना जाएगा; किन्सू सारी हिंदुयों वालें संवे चीके व्यक्तियों तथा पतले पर सन्यक। स्वक्ष्य व्यक्तियों के सामले में गुजवला के सामार पर इसमें कुछ कृत है का सकती हैं।

(व) छाती सली प्रकार विकसित होशी चाहिए तथा पूरा तथा लेते के बाद इसका श्रूबतम फैलाच 5 सँ० बी॰ होता चाहिए साप इस तरह चीता सपाकर को वास्त्री कि श्रमका विचस्ता कितारा सामने सूचक से लगा रहे और फीडे का ऊपरी भाग बीखें इकार अञ्चल (बोल्बर श्वंक) के विश्व कोच (बोक्सर एश्निल) को धूनो रहना चाहिए। खातीका एक्स-रैकरना जकरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि कावी का कोई रोग को नहीं है।

- (स) बरोर में इन्वियों भीर बोड़ों का कोई पीय नहीं होता बाहिए ।
- (भ) तक्त्रोदबार के अंबंध दें भारतस्त्र विकृति का बीदा दक्ष का पूर्वेषुक वहीं श्रीका चाहिए।
- (क) सम्मीदशास तामाध्य कप ध बुत सके। उन्मीदबार को इस योग्य होता चाहिए कि यह स्रांत कमरे में प्रस्थेक कात के 610 ँ० मी० की दूरी के जोर को कानाकूर्सा सुन सके। कर्न मामिका कव्छ की पिकक्षी या यह की बीमारी का कोई बमाण भ हो।
- (अ) हुवथ यः पक्त वाहिक/फो के धंबंध में कोई कियारमक या स्रोविक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त वाच सामाध्य हो।
- (म) उदरपेकियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिस्ली बढ़ी हुई न हो । खबर के भ्रोतरिक संग को कोई वीमारी होने पर धम्मीदवार धस्वीकृत कर दिया **वा**एगा।
- (mi) यवि किसी उम्मीदवार को हनिया है सीर संस्थे शस्य चिकित्सा त की गई हो हो एक उन्मंत्रकार धनुष्ट्रत हो है। वित्र शुनिया को लक्ष्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वसमान **बरीक्का में कम से कम एक वर्ष पहुले हुई हो जिसका जबम** पूरी तरह ठीक ही चुका हो ।
- (a) नाड्योसील वेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए ।
- (ह) मूल की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई शसामान्यता मिलती है तो इससे उम्नीवबार शस्त्रीकृत हो जाएगा।
- (क) उम्मीवनार को दूर वृष्टि चार्ट में प्रत्येक सांख से ऐसक सहित या ऐसक बिता (ती सेमा तथा वायु सेवा के लिए केवस हेवक बिना) 8/8 पहले में समर्व होता काहिए। मामीपिया 3.6 ही तथा शाहररमेतुरेरिया 3.6 ही (एक्टिंगमेडिएम) बहिल के ब्राधिक नहीं होना चाहिए। यह बानने के लिए कि आंध्र में कोई रोग तो वहीं है यांच्र की प्रतिरिक्त परीका क्षोपकस बोस्काय से को बाएगी। सम्मीववार के दोवीं नेकी को ६ कि प्रक्ती होती चाहिए । वर्ष ६ कि का मानक छी० ¶०---3 होगा । उम्मीदवार में साल व हरे रंगों को पहचातक को समना होती चाहिए।

वी सेवा हेलू उम्बोदवारों का दृष्टि-वतर विश्व प्रकार होवा वाहिए:---

. 8/6, 8/6 तक सुवार बोध्य 8/8 हूर दृष्टि

. ५व-८ प्रत्येक घोषा सिकड पुणि

. युवर एवर बीर द्वारा बीरपीर-1 वर्षे दुविक

मायोपिया 0.75 हायोप्ट्रेस से श्रविक न हो और हाइपरमेट्रोपिया ग्रमकी प्रोच में 1.50 बायोप्ट्रेस से तथा मुरी पांच में 2.50 बायोप्ट्रेस पे प्रधिक न हो।---

# वेक-वेकी संवृक्षय

मेडीक्स रोड डेन्ट के पाच हेब्रोफोरिया निश्नलिकित वै बिल्कुस संधिक व हो।--

- --ऐक्सोफोरिया ८ प्रिक्म डाबोप्ट्रेस **(1) 6 मीटर पर** ऐसीफोरिया ८ प्रिण्म बायोप्ट्रेस 1 प्रिक्म बायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया
- (11) 30 बंध भीवर पर -- ऐंक्सोफोरिया 16 प्रिण्म बायोप्ट्रेस वेबी कोरिया ०७ प्रिण्म कामोप्रेष हाई परफोरिया विक्रम बायोप्येस

- (a) क्व्यीववार के व्योध्ये क्वया में दुवाबी व लक्ष्य पक्ष वृष्टे चाहिए । कम प्र कम 14 शत विश्व वाचे प्रध्वीववीच क्यी-कार्व है। जब 32 दोत दीते हैं तब फुछ 22 दोत दिन्दू होडे हैं। अम्बीदबार को हीव पायरिया का रोग नहीं होना पादिष् ।
- (च) काकी का व्यव-९ प्रशीक्षा में तेम प्रमुख्य को वर्षाव्यति हेब् कर देवदन्त्र के विकासे काय की परीखा भी खामिल होगी वेवा विकित्सा कोई द्वारा जरूरी समझवे पर वेदवन्त के मन्य वार्वों को एक्स-१ वरीका की बाएवी।
- 2. केवल बाबू बेटा के उन्तीदवारों के बिए प्रवर्तनत के साथ-धान विश्वतिवित विकित्सा मानक की लागू होंने।--
  - (क) बामु सेमा के लिए स्थीकार्य नावब देश सम्बन्धी यात्र विका प्रकार 🜓 :---

162.5 चैं० ची०। धीय को सन्दाई कम है कम 99 है। बीट बीट सविक वैश्वविक 120 हैं ० ही । पक की सम्बाद प्रथिक पे प्रथिक 64 सें० बी•। बैठ कर संवाधी कम प्रे कम 81,8 वें० वी• धीर यशिक है सकिक प्रत्यन मी०।

- (क) पेरवश्य का एक्स-१ कटिकिक किया जाएवा। एक्स-१ व अक्षक निम्नसिक्ति शर्त शतहरू होंगी :--
  - (1) मैददय्य का कणिकागुस्त्रीय शोग
  - (1) पानादरिस/स्पीडिनोसिस
  - (iii) चंद से व्यवेकाकृत प्रविक काथफोसिस/लडोसिस स्को-लियोसिस काल-पद्यति द्वारा 15 से बविक प्रस्की-कृति का कारण वर्तेगाः।
    - (1v) स्पींबीकोशिसिस पैसिस/६ ोंो। ोलिसिस
    - (V) इपिएटिड म्ब्रुक्शियस पश्चपोसस
    - (VI) कतेरका का सध्योवन प्रश्चिक्य
  - (vil) बवेयर पैक का रोग
  - (viii) प्रवर्तेयोग वंश्विमीय हा परिसम्दर्भीय समाय के साथ वेद पशुका।
  - (ix) कोई सन्य सरसामान्यता विशे कोई विशेषक ऐका बहुराए ।

को० सी०--- 1 (एम**० धाई०एक०)** 

- (य) आही का प्रव-रे ककरी है।
- (च} पुरिध

बूर की बृधिक . 0/6, 6/6 0 बुदाय बोध्य त/० . प्रत्येक साम्य की एम० ड शास की दुविक वर्णपृक्तिः

मेमीफोस्ट हाइपरमेट्रोपिया∽⊷2ा.00 डी० सी० से सम्बक्त व हो । नेक-पेकी सश्तुलन

मबोक्स रोब दैस्त के साथ हेट्रोफोरिया निम्निक्सित से प्रक्रिक व **(1)** 1--

- (i) e बीटर पर एक्सोफोरिया ८ प्रिण्म बाबोव्हेस **ए इसोफो**रिया प्रिण्म कायोध्येस (ii) 33 सें ब्लीब् वर एक्सोफोरिया 16 प्रिच्म बायोप्ट्रेस
- **एको**फोरिया 8 प्रिण्म बाबोव्हेस हाईपरफोरिया ा प्रिक्म बायोप्ट्रेस बाबोपिया, कुछ मही प्रिक्र गर्वे किए म પિયાં 0.754

कितकी बुष्यि——भण्डी क्रिनेको पुन्ति का होता मानवान है। रन्ति तका सकरवीसिस तका साथ में मण्डा भाषाम न गहनता।

- (छ) भानक
- (l) शक्त परीक्षण: प्रस्थेक कान से 610 में ० भी० श्रे काना फूसी सुनादि से।
- (ii) जन्मतासितिकः 250 एष० एस० तथा ४००० एण० अके० क दीच की शावतियों में ग्राज्यत कमो 10 बी० थो० प्रेशिक व हो ।
  - (च) स्क्षीय देवतीवजीव तथा ईव्हेवजीव सामान्य सीमः वेही :
- त. नीसैनिक विसाधन सामा के जम्मीदवार होतु स्वास्थ्य मावक नहीं होंने जो वाय्येता के जहात ह्यूटी हेलु उम्मीदवार के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निव्यक्ति दिलेब परीक्षण किए काले के बोरान यदि किसी चल्लाना का उत्तर कलता है को मैकिकल बार्क हारा सन्द्रिक ठहराए जाते की क्लिसि में यह मक्षमता उपनीवकार को संक्षिका (मैकाकों) के लिए सी सबीग्य हहता सकती है।

# ररिक्षिक-∭

वैवा साथि हे एकिएत विवर्ध नीचे दिए गए हैं '---

चारतीय सेना प्रकावनी देहरायून में प्रचेश सेने वाल उन्कोदधारी के सिए :---

- । मारक्षीय येता अस्तवमी में मर्ली करने से पूर्व ---
- (क) उसे इस अप्रत्य का प्रमाण पक्क देना होगा कि वह पक्ष समझता है कि कियाँ प्रक्रिक्षण के दौरान या समक्षे परिणाम-हवक्षण यदि कोई कोड लग जाए उत्पर निविश्व किया कारण से या प्राप्या प्रावश्यक किसी सर्जिकल सापरेक्षन या संवेदना-हरू दलाइंटें के परिणामस्वक्षण उसमें कोई शारीरिक प्रकारका। सा जाने या उसकी मृत्यू हो जाने पर वह या उसके मैठ उत्तराधिकारी को सरकार के विषय किसी मुझायजे या सम्ब प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा
- (च) उसके माला-पिता या धंरकाक को इस भाषा के बल्छ-पक्ष पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण है जो उसके नियंक्षण में समझे आते हैं, उन्मीवनार पास्वकम पूरा होने से पहले नापिस माना चाहता है या कमीक्षन धारवीकार कर देता है तो उस पर जिला शुरूक, भोजन, बस्ख भौर किए गए क्यम तथा दिए गए बेतन भौर मसे की कुल राजि या उतनी राजि जो सरकार निश्चित करे उसे वापिस करनी होगी।
- 2. प्रतिम रूप से शृते गये छम्मीदवारों को लगमग 18 महीनो का प्रशिक्षण विया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना प्रधिनियम के प्रधीन "जैंटलमैंन कैडेट" के रूप में वर्ज किये आयेंगे। "जैंटलमैंन कैडेट" यर साधारण अनुसासनारमक प्रयोजनों के सिए पारतीय सेना सकावमी के नियम धीर विनियम लगा होंगे।
- 3 संघपि प्रावास, पुस्तक, वर्षी, बोर्डिंग प्रौर चिकित्सा सहित शिक्तल के वर्ष का भार सरकार बहुन करेगी, लेकिन यह प्राक्ता की वर्षों का भार सरकार बहुन करेगी, लेकिन यह प्राक्ता की वर्षों है कि उम्मीववार प्राप्ता वर्षे खुद वर्षायत करेंगे। भारतीय सेना प्रकादमी में (उम्मीववार का स्थूनतम मासिक व्यय 90.00 द० के व्यविक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या वरंखक इस वर्षों को भी पूरा या प्रोक्तिक रूप में वर्षायत करने में प्रसम्बं हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता वी जाती है। लेकिन जिल व्यम्मीववारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक प्राय 500.00 द० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पाल नहीं होंगे। वित्तीय सहायता के पाल नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पालता निर्वारित करने के लिए प्रचल सम्पत्तिकों सो होने वाली प्राय का भी व्यान रखा जाएगा।

वान दमादिया माता-पिता या संरक्षक जिला प्रकार की दियोध महायता प्राप्त करने के इच्छुक हो तो उन्हें प्राप्त पुन/संरक्षित के भागतीय सेना ककावयी में प्रशिक्षण के लिए मंतिम रूप से चुने जाने के तुरस बाब बार्य जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक मान्वन-पक देवा चाहिए जिलसे जिला मजिस्ट्रेट प्राप्ती मनुष्तां सहित मार्टाय धैना ककावमी वेहरावृत के कमोकेंट की प्रयोगित कर देगा।

4 बारतीय सेता बकात्तरी में प्रशिक्षण है लिए शंतित रूप है कुं थए उम्मोदकारों की छात्रे पर, कमाँडेंब के पास निम्नलिखित राजि क्या अवासी होत्रा---

(स.) प्रतिमत्त २० ६० ०० के ।तलाब ७ ० वहां से का जेब कर्ष

150.00

(स) बस्क तथा उपस्था के कि के विक

43(0) (9).

ហាល

1950. DC

जनदीदनारी को वित्तीय महायता नज़र द्वा आहे रूर उपर्युक्त सांस के जी**प लिखी पासि ना**पिस कर वी आएगी :--

त्तर, 00 रु प्रतिमास के हिसाब रुपाच महीमें का जेब वार्च 480, 90 केंट

- 🤋 अररतीय सेना सकावमी में निम्नलिकित छ।सबृत्तियाँ उपसम्ब 💃 :---
- (1) बरशराम माठ पटवर्डन छास्रवृत्ति -- यह छास्रवृत्ति शहाराध्य तथा कर्नाटक के कैसेटों को दी छाती है। इस छास्रवृत्ति थी रामित किटिक के किसेटों को दी छाती है। इस छास्रवृत्ति थी रामित किटिक के किटिक 500 00 पठ प्रति वर्ष है। यो कि कैसेटों को सारक्षोण हो। इस्तर्ध में १६० छ १६६ के दीरान वो जाती है, बसर्स कि समकी प्रगति संशोधजनक हो। जिस उम्मीधवारों को यह छास्रवृत्ति मिलती है वे किसी अस्य सरकारी विश्वीय सहायता के श्रुक्तवार स दींथे।
- (2) क्ष्मेंस कड़क कॅंक मेमोरियल छाजपूरि —ाइस छाजपूरि को राणि 360/- क्ष्में प्रति वर्षे हैं भौर यह किसी ऐसे पाक मराठा कैंडेंक की दो जाती है जो किसी भूतपूर्व सैमिक का द्वार हो। यह छाजपूरि सरकार से प्राप्त होने अली किसी विसीय सहायता के मंतिरिक्त होती है।
- अ धारतीय तेना प्रकावमी के प्रत्येक कैंग्रेट के लिए सामान्य करों के श्रन्तगैत समय-समय पर लागू होने वाली वरों के धनुसार परिकान बला श्रकावमी के कमॉर्डेट को सौंप विया आएगा। इस कर्ने की बो रक्षम क्षत्रों होगी वह :---
  - (क) कैंडेट को कमीशन दे विये जाने गर दे दी आएगी।
  - (चा) यदि कैडेट को कमीशन नहीं विधा गया हो मखें को पह रक्तम राज्य को वापस कर वी आएगी।

क तोशन प्रशान किए जाने पर इस भर्त से अरीवे गए वस्थ शवा सम्य झानस्यक चीर्जे फेडेट की व्यक्तिगत सम्पति जन जाएगी। किन्तु यदि प्रश्चित्रणाधीन केडेट स्थागन्छ दे दे था कमीणन से पूर्व उसे निकाश विया प्रश्न पा वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे बायस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं को सरकार के सर्वोत्तम हिन को बुख्यित एवते हुए निपटान कर विया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के वौरान स्थानपक देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान स्थान-एक देने वाल जेटलर्यन किहेट को यल देना मुख्यालय धारा उनका स्थानपूर्व स्वीकार होने तक घर जाने की अपना है वी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान के हुने उनके प्रस्थान के वस्तुल किया जाएगा। भारतीय सेना प्रकावमी में उम्भीदवारी को का विश्व जाने से पूर्व अनके माता-पिता/प्रभिन्नावकों को इस प्राणय के एक वीच पर हुन्तकार अनके माता-पिता/प्रभिन्नावकों को इस प्राणय के वस्तुल का वस्तुल को से पूर्व अनके माता-पिता/प्रभिन्नावकों को इस प्राणय के वस्तुल का वस्तुल को से पूर्व अरमे हिंगों। जिसे औंटल्सीन के वेट को अनिवास का वन्नुल को से पूरा करने के योग्य महीं समसा जाएगा। को क्रिया

मुक्यालय की मनुमित से प्रशिक्षक से हटाया जा सकता है। इन परि-दिवितयों में सैनिक उम्मीदवारों को भ्रपनी रेजिमेंट या कोर में वापिस भेज दिया जाएगा।

- 8. यह कसीशान प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही विया जाएगा। कसीशन देने की तारी का प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारी का से सगने दिल से गुरू होगी। यह कसीशन स्थायी होगा।
- 9. कमीयन देने के बाव उन्हें सेना के नियमित भक्तसरों के समाध वैतन और भक्ते पेन्यम भीर छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की मन्य कर्षे भी बही होंगी जो सेना के नियमित शक्त में पर समय-समय पर क्षायू होंगी!

# (1) प्रशिकाण

10. भारतीय सेना धकावमी में धार्मी कैबेट को "अँटलमैन कैबेट" का नाम विया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण विश्वन ज़िता है ताकि वे इंफेंट्री के उप-मूनिटों का नैतृत्व करने के योध्य वस सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जेंटलमैक नैवटों को सैकिएव सेपिटनेंट के कप में कमीशन प्रवान किया जाता है वक्षणें कि एस०एव०ए०पी०ई० सारीरिक रूप से स्वस्य हों।

# 1.1 , सैवा की बर्तेः

#### (i) **व**तम

₹ <b>%</b> F	वेतनमान
स्रीकश्य लेपिटनैस्ट	750-790
ले <b>पिवनें</b> ज	830-950
<b>कै</b> प्टन	1100-1550
रोज:र	1450-1800
क्षेत्रर (वेसन का प्रयन ग्रेड)	1880-50-1900
ी प्रदेश्ट-कर्मस (चयन शारा)	1750-1950
लेपिटनेंट कर्नल (चयन ग्रेड बेतन)	2000-50-2100
ने पिटनैंट कर्नेस (समय वैतनमान)	1900 नियत
<b>क्वं</b> ख	1950-2175
विश्वेदियर	2210-2400
भेजर जनरल	2500-125/2-2750
सैपिडमेंड जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्डिनेंट अनरल (आर्मी कमास्बर)	3250 प्रतिमास

# (2) योग्यता, बेतन धीर मनुवान

लेपिटर्नेट कर्नेल भीर उसके नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यस रखने वाले प्रधिकारी धपनी योग्यसाओं के माधार पर 1600 र०, 2400 र०, 4500 र० प्रचवा 6000 र० के एक मुक्त प्रनुषान के हकवार हैं। उड़ान प्रतिसक (वर्ग "ब") द० 70 की दर पर योग्यता वैतव के प्रधिकारी होंगे।

#### 3. मर्से

कैतन के मतिरिक्त घफसरों को इस समय निम्नलिखित घर्छे मिलार्थ हैं:--

- (क) सिविलियन राजपिकत अफसरों पर समय-समय पर नाथू वरों और नतों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई धक्ते विये जाते हैं।
- (च) 75 द० प्रति मास की दर से किट मनुरक्षण भक्ता।
- (ग), निर्वासन मत्ता मारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है, इसके भुगतान की दर्रे उपर्युक्त विदेश मत्तों की संगत एकछ , दर की 25 प्रतिस्तत से लेकर 40 प्रतिस्तत राजि तक सलग-मलग है।
- (च) वियुक्ति मला अब विवाहित प्रफलरों को ऐसे स्वानों पर लैन।त किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा का सकता है, तब प्रफलर 140/-- द० प्रतिमास की दर के वियुक्ति प्रता वान्त करने के हुकवार होते हैं।

- (क) संज्ञा भत्ता :--प्रारामक संज्ञा मत्ता ६० 2100 | है प्रथम कमीमान की तारीक से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 एक तथे संज्ञा मत्ते का दाया किया जा संगता है।
- (च) बल सेना में क्रिनेडियर के स्तर तक मृक्त राशन दिया जात?है।

#### **4.** तैनाती

मल सेंना भ्रफसर मारत में या विदेश में कहीं भी जैनाज किये जासकते हैं:---

#### वयोष्ट्रति

#### (क) स्थायी पद्योक्ति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोश्वति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:∽= समय वेतनमान से

लेपिठमेंब	2	वर्ष	कमीश्वन	प्राप्त	सेया
<b>है</b> प्टेम	8	वर्ष	कमीश्रम	प्राप्त	सेवा
मेजर	11	वर्ष	कमीशन	<b>গ্রা</b> ঘ্র	सेवा
सेपिटमेंड फर्नल (अयन द्वारा)	21	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा

भेपिटरॉंट कर्नल	16 वर्ष कमीसन प्राप्त सेवा
कर्नस	20 <b>वर्ष</b> कमीशन प्राप्त <b>सेवा</b>
<b>ब्रिगेडियर</b>	23 वर्षं कमीमन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीपान प्राप्त सेवा
सेपिटनेंट जनरख	28 वर्षे कमीमस प्राप्त सेवा
अमरस	कोई प्रतियन्त्र नहीं

# (च) कार्यकारी परोक्तति

निम्मलिखित स्थूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर 'अफसर उज्यतर रैकीं पर कार्यकारी पदोक्ति के लिए पाल होंगे बक्तर्य कि रिक्तियो उपलब्ध हों---

<b>डे</b> न्डन	३ वर्ष
मेखर	, 6 वर्ष
खेपिकर्तेत फर्चय	6 <b>} प</b> र्
कर्नेल	9 ॄ वर्ष
विगेबियर	12 वर्ष
नेजर जनरल	20 वर्षे
लेपिटमेंट जनरस	25 वर्ष

- (च) नौसेना अकादमी, कांचीन में भर्ती होते माले उम्मीववारों के लिए ।
- 1 (क) को उम्मीववार बकावभी में प्रशिक्षण के लिए फलिस कर के जुल खिए जाएंगे, उन्हें नौसेना कार्यकारी झाखा ने छैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीववारों को नौसेना अकावमी, कोबीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी त्रित्तीय सहायता के लिए आवेदन वस नहीं दिया हो:----

(1) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर मे पांच मास के	
लिए जेब <b>खर्च</b>	225.00 40
(2) कपड़ों और सज्जा-सामग्रीके लिए	460.00 ላ
जो <i>ब</i>	685.00 <b>%</b> •

(2) जिन उम्मीववारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आधेदन वक्क विया हो:—

(1) 45.00 रू प्रति मास की बर संव	ामास के
सिए जे <b>व वर्ष</b>	90.00 40
(2) कपड़ी चौर सञ्जा-सामग्री के लिए	460.00 ₹6
Oi.	ोंच् 550.00 ४०

- (४) (१) चुने हुए उम्मीदवारों को चैश्वेटी क कप ने निवृश्त किया आएग। तथा उन्हें बीसेमा जहाओं और प्रेतिन्डानों में नीके विया गमा प्रशिक्षण आला करवा श्रोगा :--
  - (क) कैंबेट प्रसिक्षण सभा ७ भास का नीकाएं प्रशिक्षण । वर्ष
  - (च) मिक्किपमैल वौकाएं प्रशिक्षण 8 नाम
  - (ग) कार्यकारी सब-लेपिटर्नेट अक्सीकी कोर्स 1.2 मास
  - (च) सब-नेपिटर्नेट

अपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाब, लखिकारियों को शीवहन विगरानी ग्रंबंधी पूर्ण प्रमाण-पक्क मेने के लिए धारतीय नीसैनिक अहाओं पर नियुक्त किया आधार, जिसके सिए कम से अम 6 माल की अवधि गावस्थक है।

- (ii) नौसेना वकावमी में कैबेटों के लिए शिक्षण, बाबास और संबंड संबार्की, पुस्तकों, वर्षी, भोजन तथा जाक्टरी इसाज का आर्च सरकार वहन करेगी। किन्सु कैंडेटों के माता-पिता/अग्निभावकों को उनका अंब अपने और निजी अर्चे बहुन करता होगा। यदि शैबेट के माठा-पिरा/अभिभावकों की मासिक साथ 500 स॰ से कम हो और वह चैंबेट का जेब वर्ष पूर्णतया अववा अधिक रूप से पूरा व कर शकते ब 🐧 दो सरकार कैबेट के लिए 55 द० प्रति मास वित्तीय सहायका स्वीकार कर सकते। है। विलीय सहायता 🚉 का इच्छुक सम्बीद **शार अपने अपने जाने के बाद शीक्र**ा ं अपने, जिला मजिस्ट्रेट 🕏 माध्यम से आवेदभ-पद्म चे सकता है। जिला सजिस्तेत स्न भाषेदम पत्र को व्यपनी अनुशांसा के भाष मिदेशक, कार्सिक सेवा, बोसेका मुख्यालय, कई विल्ली है धास सेज वेगा । यदि किसी म।ता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे मधिक पुत्र या आश्वित भौसेना अहाजों/प्रतिच्छानों में शाय-साथ प्रक्रिक्षण ग्राप्त कर रहे हों तो उस सभी की साथ-साथ प्रक्रिक्षण प्राप्त करहे की अवधि के लिए लपर्युष्त विश्वीय सहायता 🖄 का सकती 🤰 बशर्से कि माता-पिता/अधिमावक की लासिक जाए ६०० ४० 🖲 व्यक्तिक भ हो ।
- (iii) बाद का प्रशिक्षण बारतीय बौसेना के अक्षाजों काँद श्वापकाल। में बी अन्तें सरकारी बार्च पर दिया जाता है। लकाइमी छोड़ने के बाद उनसे पहले छह माम के प्रशिक्षण के बौरान उन्हें उपर्युक्त घैरा (ii) के अनुसार अकाइमी में प्रशिक्षण प्रश्न करने बालों को मिलते वाली विसीय सहायता के समान सहायता वी जाएगी। बारतीय बौसेना के जहाजों और उदके प्रतिष्ठानों में छह मास का बिश्वसण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैंडों की मिडसिएमैंन के रैक में पदो- खित कर दी जाएगी और वे वेतन शास्त्र करने लगेंगे, तक क्षमके माता-पिता को उनका कोई बर्च नहीं देना होगा।
- (iv) चैंबेटों को सरकार से निःशुल्क वर्षी जिलेगी किन्तु उन्हें इसके खलावा कुछ और कपड़े भी लेगे होंगे । इन कपड़ों के सही नमूने उनकी एक्कपता को सुनिविचत करने के लिए, ये कपड़े नौसेगा जकावती मैं तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैंबेटों के माता-पिता/अकि-मावकों को बहुन करना होगा । वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पक्ष वेने वाले कैंबेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उद्यार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े भी खरीदने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैंग्रेटों को अपने मूल रैक के बही बेतन और बही करों कि की करों के कुने जाने के समय नाविक या सेवक या वॉर्मेटन के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे ! सिंद उन्हें उस रैंक में बेतन वृद्धि को पाने के भी हकवार होंगे यदि उनके मूल रैक का बेतन सीर भर्ती सीचे अपी होने वाले कैंग्रेटों को मिलने वाली विश्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पाल हों तो उन्हें उप- पुँक्त वोनों राशियों के सन्वर की राशि भी मिलेगी !
- (vi) सामान्वतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान स्वाग पक्क देने की अवुम ति नहीं दी जाएगी। जिस इन्तेब को भारतीय कोसेवा

बहाजों और प्रिनिश्तानों में कोतं पुरा करने के योग्य नहीं समकार आएमा उसे सरकार के अनुमोदन से वापिस युनाया उप एकतः है भया उसे प्रतिकाण से हटाया भी जा सकता है। इक परिक्रियों में किसी डॉबस केंद्रेट को उसकी मृख सर्विस पर वापस खेज दिया जाएगा। जिस केंद्रेट को इस प्रकार प्रतिकाण से दृशया बाएगा, या मूल सर्विस पर वापस खेजा आएमा बहु परवर्ती कोसी में दुवारा दाखिल होने का पास वहीं रहेगा। किन्तु जिन कैसेटों को हुछ कश्याजम्य कारणों के बाबार पर त्यागपत देने की अनुमति दी जाती है उनके सामलों पर गृथा-वगुण के बाबार पर विचार किया जाता है।

- 2 किसी उम्मीदवार के मारतीय नौसेना में कैंकेत चुने चाने के पूर्व माता-चिता/प्रक्षिपायक को :
  - (क) इस साध्य के प्रमाण-पक्ष पर तुस्ताखर करने होंगे कि वह स्वी-स्वीत समझता है कि यवि उसके पूक्ष या साधित को प्रक्रिक्त के भौराम या उसके कारण कोई बोव सग जाए या खारीरिक हुवं छवा हो जाए या उपर्युक्त कारणों या सन्य कारणों से पोव छगने पर किए यए सापरेक्षन से या सापरेक्षन के दौराव मूखित करने की सोविक के प्रयोग के कसस्वकप नृत्यु हो जाए हो उसे या उसके हुछ या साखित की सरकार से मुखाबजा मांगवे के वावे या सरकार से अन्य सहायता मांगवे का कोई तक वहीं होया।
  - (१) इस मालय ने बांव वर प्रलाखर करने होंग कि किसी ऐसे छारण के शा अनके निर्माण के प्रश्नीत हो, यवि उम्मीवनार प्रशिक्षण पूर होने में चन्ते अपन जाना चाहे या यवि क्षणीयन विष् आदि वर स्वीकार व करे हो जिल्ला, सुस्क, घोजन, वस्त, वेतव तथा चन्ने भी कैसेटों ने प्राप्त किए हैं, एतका मृत्य या उसका कंड को सरकार विषय करे. कुकाने की जिल्लाकी वह सेता है।

#### 🐧 वैतन तथा कर्छ

ों फ	<b>वे</b> तवमा <i>व</i>
	सामाश्य धेवः
1	ŧ
निक <b>धिपनै</b> स	₹0 560.00
<b>भृ</b> क्षित्रम् स <b>य-सेपित्रवे</b> त	<b>₹○ 750.00</b>
सब लेपिवर्षेड	♥* 830.00870.00
में पिडनें ड	<b>4</b> 01100.001450.0
श्रेपिटसेंड कमोक्र	₹01450.001800.0
नेपियमें व कमीबर (चयन प्रेट बेटब)	<b>4</b> 01800.001900.0
कमोबर (चयत हार/)	▼• 1750.60-1950.00
कमोबर् (समय वेतनमान झारा)	व॰ 1900,00 नियत
क्यांकर (क्यन ग्रेंक केतन)	♥* 2000.00-2100.00
<b>चे</b> ध्ते व	♥~ 1950.00-2400.00
	(कनोशोर वह वेतन सेता
	जिसका बहु कै फन के कप
	वरिष्ठता के बनुसार हुक बा
	<b>(1)</b>
रियर <b>एकमिरल</b>	₹0 2500.00-125.00
_	2-2750.00
नावत एकमिरस	<b>▼● 3000.00</b>
वश्वस एकमिरल (वी∙सी०एन० एम	rol ,
एख॰ मो॰ सी॰-इन-सी॰)	₹● 3250.00
<b>ए क</b> मि रल	₹≎ 4000.00

(क) पर्छ

वेतन के मतिरिक्त प्रकारों को निस्त्रसिक्त मत्ते मिस्रो हैं.--

(१) सिनिलियन राजपनित घष्ठसरी पर समय-समय पर लायू वरी ग्रीर भती के धनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा वंतगाई जवा भीर धन्तरिम सहायता मिसवी है।

- (11) 75/-व० प्रतिमास को वर से किस प्रमुरक्षण चला (कवीकोर रैक के तथा उपसे मीचे के रैंक के ध्रक्षसरों को)।
- (iii) अब प्रकार मारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के सन्सार 50/- कपए से 250/- कपए सक प्रतिमास प्रवास सन्धा
- (iv) 140/- ग॰ प्रतिमास के हिसाब से बन अफसरों को लेख विमुक्ति बच्छा मिलेगा '--
  - (क) जिन्न विवाहित प्रकारों को ऐसे स्वानों पर वैवात किया भागमा जहीं के वरिवार सहित नहीं रह सकते।
  - (ख) विश्व विकाहित प्रकारी को साहित्यन व साजी वर सेनात किया जाएका प्रवचा जिल्ली धविक के निव् वे वेस वस्त्री के हर बहायो पर पहींगें।
- (v) (u) परिसक्ता संधा । प्रारम्बिक परिसक्ता संचा १४००/ ४२ है।
  - (क) बारतिवह ग्रेम: है हिंस सात वर्षे बाद, मबीकरण परिसक्ता कता क 2100/ है।
- (vi) वीष्ठवा में कसोडोर (वारवीय वीसेवा) के स्तर तक नृश्य राज्य श्रिया वाता है।

# (vil) विश्ववित भता शांति

रियण एवं मिरला कीर जमसे करर के पथ के अधिकारियों को जब वरिवार कावास के उपलब्ध न होने के कारण मेसों में रहते के जिये बाग्य किया प्राता है हो में परिवार आवाम के सार्थटन होने तक नगे ब्रेश्वय पर अपूर्धा रर धाने की तारीक से द० 200/- प्र० मान वियुक्ति गत्सा (श्वांति) भाष्य गत्नि के हकदान होगे यह भत्ता केवल उन्हीं केवी के जिये देव होगा जहाँ ऐसे मधिकारी खेल सेवार्ये धूर के ध्रय विव्युक्ति राक्षत गाम के हकतार नहीं हो।

डिंग्वर्थी 1 ' - अपर्युवत के स्रवामा संकड के समय काम करने की राखि रत्युव्यी खला, पनवृत्ती/विरियत वेतम, पणाईग वेतव प्रयेक्षण, यानुद्रोविक/प्रर्मुता वेतन/प्रनुदान तकनीकी वेतव वोनाकोरी वेतन/अंती कुछ विशेष रियायत भी सफसरीं को दी वा सकती हैं।

किश्व को 2:--वक्सर पन्त्रुकी तथा विज्ञानन सेवाओं के लिए प्रापनी सेवाएं क्षपित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए क्षेत्रदक्ष सरवाहे हुए वेसवस्या वसीं को पाने के शुक्रवार होते हैं।

#### 4. रदोवति

(क) समय वैतवमान क्षारा मिल्लियनैन व

वृश्वित सब-मेपिडर्वेड तक

एविश्वन सक-लेकिसेंड है सब-

शेपिक्वें व तक

1 पर्य

1/2 वर्षे

सब-नेपिटवेंड स नेपिटवेंड तक

एक्टिंग घोर स्थानी सम नेपिटनेंड(वरिष्कता के काथ) समयहरण के स्वीत) कप

ने पित्रमें ब से लेपिटमें ब समीकोर तक

लेपिडलैंड के कप में 8 वर्षे की वरिकडता

लेपिटनैंड कमोडोर से कमोडोर तक (यदि चपन द्वारा पनोक्षति म हुई 24 वर्ष की संगी कमीतन प्राप्त सेवा

al)

(ब) चयन द्वारा लेपिटनेंट समोडोर से

कमोबोर तप

लेपिडनेंड कमोडोर के इत्य में 2---8 वर्ष भी वरिष्ठता कमोडोर के इत्य में 4 वर्ष को वरिष्ठता

कमोडोर में चैंप्टन तक

कंष्ट्रन में रियर एकमिर**स घोर उनसे** कार नह

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं

र्तनातो

- (ग) मक्तसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :-१ उससे पूर्व कि उम्मीदवार मक्तसर ट्रेनिंग स्कूल, महास में सर्ती हो:---
- (क) उसे इस आशय से प्रमाणपक्ष पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह अलीकांति समझता है कि उसे या उसके वैद्य शारिसों को सरकार पे भूधावजा या धरय किसी सहायसा के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चीट या चारीरिक दुवंचता क्षोजाए या मृत्यु हो आए या उपर्युक्त कारनों से चीट सगवे यर किए गए आपरेक्षन या धापरेक्षन के चौरान मृष्टित करवे की खोबां के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।
- (च) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्य पर हस्ताचार करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीव अत लिया आह यदि उम्मीदबार कोसें पूरा करने के पूर्व बापस जाता चाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन स्वीकार स करें या अफसर द्रेनिंग स्कुल में प्रशिक्षण आप्त करते हुए धावी कर जे तो शिका, खाना, वश्य और पेतन तथा पत्ता जो उसके प्रथ्य किये हैं, उनकी खागत या उनका वह अंत जो सिरकार निवंग करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. ओ उम्मीदबार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर हैनिय श्कूल के अगमन 9 महीने का प्रशिक्षण कोसे पूरा करना होगा। इस प्रमीदवारों को "सेना अधिनियम" के अन्तर्यंत जैष्टअसैन कैबेट के चप वें बार्माकित किया जायेगा। सामान्य अनुसासन की वृष्टि से या जैन्द्रलीव वैंबेट अफसर ट्रैनिय स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अलगौत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तक, वदी व काजन तथा विशिक्तसा सुविधा शामिल हैं सरकार बहुन करेगी और उम्मीदवारों को अपना वेच वर्ष रवयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान प्यून्तम 90.00 इन प्रतिमास से अधिक खर्च की सम्मावना नहीं है। किन्तु यि उम्मीदवार कोई कोटोग्राफी, जिकार खेलना, सरसपाटा इत्यादि का भौक रखता हो तो उसे अतिरिक्त सन की आवश्यकता होगी। यदि कोई छेडेट सह स्यूनतम ज्यय भी पूर्ण था अधिक कप से बहुन नहीं कर सके तो छंच समय-समय पर परिवर्तनीय वर्षों पर इस हेनु वित्तीय सहायता दी जा अकती है बार्कों कि कैंडेट और उसके माता-पिता/अधिमावक की वाय 500 ६० प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के लिए अतिम रूप से बुने नाने के बाव निर्मारित प्रश्व पर एक आवेवन आये जिसे के जिला मीजिस्ट्रेट को भेजना बुगा जो आपनी सत्यापन रिपार्ट के साथ अववेदन पक्क की कमांबेट अफसर, देशिंग सक्क, महास का अं ह येग।

4. अफसर ट्रॉनग स्कूल मे अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए छम्मीदवारों की वहां पहुंचल पर क्यांडिट के पान निम्नलिखित धन राधि रूमा करनी होगी:—-

(क) 90,00 द० पति मास की दर में दस महीने के लिए

त्रेथ याच

900.00 दपये

(बा) मध्य सबा उपकरण के लिये

477 00.00¢

योग

1400.00 दवमें

यदि चेडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो आती है तो उपर्यक्त राश्चिमें में (अ) के मामने वी गई राश्चि वापस कर बी जायगी ह  क प्राप्तकाव वर्ष लाग्ने एक्षी ६२ स्ट्रिमी क प्रथमधान वास्तिक्ष चल्का किल्लीका

रश्याक्षय (अक्ष कार्न वर अक्ष कर्य के वर्षा कर्य प्रश्न तथा अग्य आवेष्यक्ष्य की कैंग्रेड की व्यक्तिगर सम्पत्ति वथ आवेषे । योव केंग्रेड अधिकाणाधीय व्यविक सं त्याग-पक्ष वे वे वा उसे निकास विया आए या कर्मीतान से पूर्व चायस बुता किया आए तो इन चस्तुकों को सससे वापित से लिया आएगा। इव वस्तुकों का सरकार के सर्वोत्तम द्वित को वृष्टिगत रखते हुए निपटान कर विया आएगा।

- 6. सामान्यतः किसी पुम्नीवनार की प्रशिक्षण के बीरान स्नाग-पर्व की जन्मित नहीं वी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाव स्वाग-पक्ष केने वाले जैक्फलमैन कैक्टों को यल मेना मुख्यालय द्वारा उनका ध्याय-पक्ष स्वीकृत होने तक बर जाने की आजा थे जा सकती है। प्रस्थान है वृद्ध क्रमेर प्रशिक्षण भीजन तथा सम्बद्ध सेवाधों पर होने वाला चर्च नमूस किया जावेगा। अमसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीववारों की भली किये जाने है पूर्व उन्हें तथा जनके माता-पिता/अभिभावकों की इस आश्रम का एक बांब अन्य होगा।
- ए. जिल/बेच्टलमैन चैनेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कीर्स करने के योध्य वहीं श्वमका जाएगा उसे सरकार की बन्धति से प्रशिक्षण से हटाया आ सकता है। इस परिस्थितियों में सैनिक बन्धीववारों को उनकी रेजिमेंट कोर में धापित क्षेत्र दिया आएगा।
- क. कलीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद बेतन तथा मरा, रेंग्रव खुड़ी तथा अस्थ नेवा शर्में निम्न प्रकार होंगी :----

#### a. वशिकाय ।

1 चुने गए अस्मीववारों को सेना अधिनियम के अतर्गत बैण्टलमैन बैडेटों के इप में नामांकित किया जायेगा तथा के अफसर ट्रनिय क्कूल में समजन 9 मास तक प्रसिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रसिक्षण सफलतापूर्वक करने के स्वराग्त बेण्टलमेंन कीडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीक के वैकेच्य नेक्टिनेंट के पब पर अस्पकालिक सेवा कमीक्षन प्रवान किया जाता है।

#### 10. सेवा की सले

# (क) परिवीक्षा की शब्धि

कनीकन प्राप्त करने की तारी का से अफसर 8 मास की अविक तक वरिवीक्षाणीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की अविक के वीरान कमी सन रिक करने के अनुप्रवृक्त बतावा गया तब। उनकी परिवीक्षा अविक के समाप्त होने से वृज्ये या उसके बाद किसी सी समय उसका कमी क्षम समाप्त किया या सकता है।

#### (🗷 ) बैनावी

ण इस्पेकालिक सेवा कमीकन प्राप्त करने पर अक्ट्रें कारत वा विदेश में कहीं भी नीकरी पर तैनात किया जा सकता है।

## (म) नियुक्ति का धनांत्र तथा पर्यास्तित

नियमित यल प्रेना में अस्पकालिक सेवा कमीमन पांच वर्ष की व्यविष्ठ के लिये प्रवास किया जायेगा को लक्ष्मस्य सेना में पांच वर्ष के अस्पकालिक सेवा कमीमन की जबकि के बाथ सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यि हर प्रकार से पास तथा जपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियभों के अमुसार सबके अस्पकालिक सेवा कमीमन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीमन के बादि के सेवात स्थायी कमीमन प्रवास किया जाएगा को पांच वर्ष की अविधि के सेरात स्थायी कमीमन प्रवास किया जाएगा को पांच वर्ष की अविधि के स्थायी स्थायी कमीमन प्रवास किया जाएगा को पांच वर्ष की अविधि के स्थायी स्थायी कमीमन प्रवास किया जाएगा है कर पाएंगे स्थायी स्थायी कमीमन प्रवास क्षित स्थायी कमीमन प्रवास क्षित स्थायी कमीमन प्रवास क्षायी कमीमन प्रवास क्षित स्थायी कमीमन स्थायी कमीमन प्रवास क्षायी क्षायी कमीमन प्रवास क्षायी कमीमन प्रवास क्षायी कमीमन क्षायी कमीमन प्रवास क्षायी कमीमन कम

# (व) वेतन और मसे

करनकातिक सेवा कनीशत प्राप्त वक्तर वही बेतन वीर बसे प्राप्त इंग्रें को केता के नियमित अफ़तरों को प्राप्त होता है।

र्संबंध वीविष्ठनेंत जीर शैपिटनेंत के देतन की दर इस प्रकार हैं:---

वैकेण्य वाचित्रवेश्व--- 750--- 790 ४० मति आस

**वैक्टिरेंड--**830---950 **ए॰** प्रति मान

तुषा क्षाय भन्ने जो नियमित अध्यवों को निजते हैं।

( **P** )

कही के उच्च है व स्वकार सहस्कालिक रिवा क्रमीक अल्लाकों है लिए सामृ तियमि है सासित होंगे जो सेना अवकाल नियमावनी खड-1 स्व सेना के अध्याम पांच ने उस्तिबित है। व सफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिम बाउठ करने पर तथा श्यूटी बहुच करने से पूर्व नियम का में की गई व्यवस्थाओं के उम्मीदबार की उनकी रेजिमेंट कोर न पापिन मेज दिया

# (च) कमी द्वान की समाप्ति

भ्रत्यकालिक सेवा कनीयन प्राप्त प्रशासर को पांच वर्ष सेवा करती ्रोगी किन्सु भारत सरकार निम्मलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:--

> कपचार करने या संतोषजनक रूप से सेवान करने पर; या स्वास्थ्य की वृष्टि में सयोग्य होने पर;

उसकी सेवामों की भीर मधिक झावण्यकता न होने प्रे≱िया समके किसी निर्मारित वरीक्षण या कीसे में प्रहेता प्राप्त करवे ने बसफल रहते वर ।

तीन महीते का नोटिस बेने पर किसी प्रफासर की कवणाजण्य कारण। के आधार पर कमीशन में त्याग-पद बेने की प्रमुपति दी जा सकती है। किस्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक मारक सरकार ही होगी। कव्यणाजण्य कारणो के आधार पर कमीशन से त्यागणा देने की प्रमुपति प्राप्त कर लेने पर कोई प्रफासर सेवीत उपदान पाने का पाल नहीं होगा।

### (७) वैद्यतः साम

- (I) ये मधी विचाराचीन हैं।
- (11) अल्पकालिक सेवा कमीकाम अफसर 5 वर्ष की सेवा बूरी करने पर 5000.00 का सेवांत जपवान वाने के हकबार धोंगे।

#### (क) रिजर्षे में रहते का दायित्व

इ. वर्ष की मल्पकालिक सैया कमीसन सैया या बढ़ाई गई कमीसन सेवा पूर्ण करने के बाब से 5 वर्ष की मयिक के लिए या 40 वर्ष की भ्रागु तक, जो शी पहुले हो, रिजर्व में रहें ने।

# (ল) বিবিল--

सेवा संबंधी अप्य सभी शत अब तक अनका उपयुक्त उपअध्यों के लाख अंद नहीं होता है वहीं होंगी जो नियमित अफसरों के लिए लाग् है।

# (ञा) बायु सेना प्रकावमी में प्रबेश लेने बाले जम्मीववारों के लिए

#### ा प्रया

मारतीय बायु सेना की उड़ान वाचा (पाइलट) में थी प्रकार के भर्ती की जाती है। मर्यात संघ लोक सेवा प्रायोग के माध्यम ने शायरेक्ट एक्ट्री भीर एक मीठ मीठ वायु अंबा स्कन्ध विरुट असाग ें माध्यम थे।

- (क) शायरेक्ट-६क्ट्री--- मायोग लिखित नरीक्षा दे भाषार पर नवन करता है, ये परीकार्ये एक नवें में सामान्यत. यो बार मई मौर तबम्बर में ली जाती हैं। सफल अम्मीदवारों को बाध सेना कवन नोड़े के मामने परीक्षण और साकाल्कार के किए मैंजा बाता है।
- (ख) एत॰ सी० सी० के साज्यम से अवेश---राष्ट्रीय छैडेट कोर महानिदेशक धारा विशिक्त एत० सी० सी० प्रतिटों के माध्यक से एत॰ सी० ती० सम्मीदवारों है प्रावेदत-पन्नी को प्रामंत्रित करके उन्हें बाब सेना मुख्यासय को प्रस्तारित अर दिया धाता है। पाक प्रस्वीदवारों को परीक्षण भीर सामास्कृत के लिए पास सेना वयस कोई के लाजने अस्तुत होने का निवेश दिया जाता है।
- प्रशिक्षण पर श्रेशनाः वायु सेना श्रथन शोर्ड द्वारा धनुसातित हो। उत्तरस्था निर्मालका प्रशिक्षण द्वारा खाडी किल कर में स्वत्रय पाए आने शांके

कम्बोदनारों को बरीयका तथा उपसन्त विशिक्षण को स्वका के बाह्य कि सामान कि सामान के लिए क्षेणा जाता है। बाइरेक्ट एकी उम्मीववारों की बरीयता सुची संघ को को से बा प्रायोग द्वारा सैयार की जाती है भीर एन कि सी विश्व के उपमीववारों की बरीयता सुची प्रकार से सैयार की जाती है। काइरेक्ट-एण्ट्री एकान (पाइलट) उम्मीववारों की वरीयता-सूची संव लोव से पान बार कि सान बार कि सान की के समीववारों के प्राप्ताकों तथा वाय चेना चयन बी के विश्वाप्त मंकों को को कुकर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कै केट कोर के उम्मीववारों की वरीयता सुची उसके द्वारा बाव सेना चयन बी के प्राप्ता के वरीयता सुची उसके द्वारा बाव सेना चयन बी के प्राप्ता के प्राप्ता सुची उसके द्वारा बाव सेना चयन बी के प्राप्ता के प्राप्ता की जाती है।

अधिकार । वावुसेका सराध्या में ठड़ाक काका (पाइका) के छिछ।
विकार की सर्वाद सम्बद्ध २५ स्थाह होता :

उदान प्रक्रिक्षण के धौरात बीमा नुरका: - बायु सेना पूप बीमा सोसाधर्थः हुर्णंटना की स्थिति में इस पलाइट कैंडेट के निकटतम संबंधी को व॰ 35,000/- क्यए प्रमुख्ह राशि के क्य से धवा करेगी को सिवल क्षेत्र से माया हो ग्रीर क्यान विकास पा रहा हो। उदान प्रशिक्षण वा रहा कोई एलाइट कैंडेट यदि स्वास्थ्य की बष्टि से प्रक्रम हो जाता है भीर प्रशिक्षण मुक्त कर दिया जाता है तो उसे कत-प्रतिशत प्रधामता के लिए 25,000/- ब्यु धमुग्रह राशि के रूप में प्रदा किए लागेंगे तथा यह राशि इसी प्रमुग्रत में बदकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार धारा फ्लाइट कैंडेट को एक बार वेतन तथा असे स्वीकृत कर सिए जाने पर मृत्यू भुरका 50,000 क्पए होगी और शत-प्रतिकात अक्षमता के लिए सक्षमता सुरका 25,000 क्पए होगी। बायु सेना पूप बीमा सोसाइटी हास मह सुरका उड़ान प्रशिक्षण पा रहे प्रत्येक फ्लाइट कैंडेट आरा 76 क्पए के सासिक ध्रप्रतिचेव संशवान का भृगतान करने पर दी आएगी जिसके कि सबस्वता धनिवार्य होगी।

# कितीन सङ्ख्यता पर बायु होने वाली शर्ते---

- (1) क्वांचि जगह, पुस्तक, वर्षी, अहरामें भीर चिमित्सा उपचार त्तिहत, प्रशिक्षण का वर्षे सरकार द्वारा बहुन किया जाएगा तो भी उम्मीद-बाचों से प्राथा। की आबी है कि वे प्रपंता जेन खर्च स्वयं बहुत करें। बायु सेना क्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम ९० छे स्थए समिक सर्च क्षेत्रे की संभावना महीं है। यदि किसी कैडेंट के अभिभावक या संरक्षक क्रस वार्ष को भी पूर्ण रूप वा ग्रांशिक रूप में बहुत में अपने ग्रसमर्थ हैं हो उसे करकार द्वारा भिलीय सङ्घायता प्रदान की जा सकती है। जिस कैंडेट के क्षांचिचावक या तंरक्षक की मासिक आब 500 रूपए या इससे प्रधिक है वह विजीव सहायक्षा प्रदान किए जाने का पाल नहीं होगा। विलीय सहायता की पाचता निर्धाणित करने के लिए भाचल सम्पत्ति सथा प्रथ्य परिलग्धियों भौर क्यी क्लोतों से ीने वासी भाग को भी भ्यान में रखा जाता है। वित्तीय **बहाबता प्राप्त करने के अध्यक्ष अम्मीदवार के प्रभिमायक/संरक्षक को छपने** हुड/ बच्चे के बाब देना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु संविभ रूप से कुल सिए जाने के बुरस्त बाद भपना भावेदन भवने जिले के जिलाबीश के बाब्यम से अस्तुत कर देना वाहिए। जिलाधीस उस प्रावेदन को प्रवती प्राकु-र्वाचा बहित कमार्डेट वामुसेना प्रशासनिक कालिण, रेड फील्ड्स, कोयम्ब-**भर को प**ग्नेषित करदेगा।
- (2) बाय सेना प्रशासनिक कासिज में प्रशिक्षण हेतु श्रांसम रूप से पूर्व बए उप्सीदवारों को झाने पर निम्निलिखित रक्षम कमाईट के पास असः करती है:---
  - (॥) 90 वबए प्रतिमास की बर से 5 माथ

	के लिए जेव मला				459 <b>44</b> Q	
	बस्य और खपस्कर मर्जी के खिद			•	•	
441				•	<b>525 वप</b> ए	
					ں کا نے ہوں ہے۔ سامیر	
	ৰ্থাক				97 <b>6 यदक</b>	

सप्यंतर रक्षभ मं से निम्तिलांकत एकम क्षेत्रेश्व को विकास कहायता सकत किया वाले की किसील में बापका देश है।

g o क्यक प्रस्ति साम श्री कर के स अस्य

**1** 13—36GI/86

446 634

4. मध्यस्य म विद्याला का सम्भावतायः — प्रायक्षणं का सम्भावतापुर्वक प्ररा करने के काद उच्चीदवार को पाइकेट प्रफासर का रैंक दिया जाता है और वे उसी रैंक के वेतन तथा मन्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरी के धाधार पर, उज्जन शाखा के ध्रिधभारियों को लगभग के 245/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन रू 750/- प्रतिमाह मी सम्मिलत है। वाय सेना का भविष्य बहुत उज्जवल होता है यद्यपि विधिन्न बाखाओं में इस प्रकार की सभावनाएं असग-प्रसम् होती हैं।

मारतीय बायु सेंता में दें। प्रकार से पदोन्नति होती है झर्यार कार्यकारी रैंक प्रदान करके धीर स्थायी रैंक अदान करके। प्रत्येक उच्च रैंक के लिए प्रतिरिक्त परिलन्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर प्राधारित हर एक को प्रच्य कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के प्रच्छे झवसर मिलते हैं। स्वयेबुन लीकर और विंग कमांकर के रैंक में समय वेतन-मान पदोन्नति उद्यान (पाइसद) शाखा में कमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांकर भीर उससे कपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिवत गठित पदोन्नति बोर्जो हारा चयन के प्राधार वर की जाती है। अदीयमान प्रधिकारियों के लिए पदोन्नति के धान्छे सबसर होते हैं।

वेतन तवा मधे 🚎

<b>जूस</b> रैंक			सङ्ग्य शासा
	 		40
पाइलट ग्रफसर			825865
फ्लाइंग प्रफसर			910 1930
क्लाइंग लेक्टिनेस्ट		-	11501650
स्क्वेडून जीडर			14501800
जिंग कमांक्रर			15501950
बूप कैप्टम			1960 2178
ह्यर कमीडीर			2200-2400
द्वर बादस मार्शत			2500-2750
एयर मार्थल			8000

महंगाई तथा प्रतिकर भर्ते :--- प्रशिकारियों को वे वर्ते वारत बरकार के सिविलियन कर्मवारियों को सागू होने वाली सर्वों के बन्धर्वत की वर्द दरों पर मिसते हैं :---

किट अनुरक्षण भक्ता :— ६० 75/- प्रति माहु; उड़ान वेतन; उड़ान काखा के अधिकारी निम्मलिखित वरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकवार होते हैं :—

विन कमांडर ग्रीर उससे नीचे ६० 750.00 प्रति माह पूर्व कैस्टन ग्रीर एसर कमीडोर ६० 666,00 प्रतिमाह एकर बाइस मार्गल भीर उससे ऊपर ६० 600.00 प्रतिमाह

मोध्यता वेतन ।--कमीशन सेवा के दो था दो से प्रधिक वर्ष पूरा करने जासे जिन कमांडर भीर उससे नीचे के रैंक के प्रधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर रा 70/- भीर सं 100/- है भीर अनुदान सं 6000/-, सं 4,500/-, रा 2400/- भीर सं 1000/- है।

प्रवास सक्ता :-- जहां श्युसेना प्रक्रिकारियों को टुकड़ियों के ६० में रखा जाना प्रवेशित होता है उन देशों में नियुश्त एक तृतीय सचिव, दिवसीय तिचव, प्रकम सचिव कम्सूसर को दिए जाने वाले विदेश मक्त का 25 प्रतिसत से 40 प्रतिसत कक्त (पारित रैंक के धमुसार) अवास भक्ता देय होता है।

वियुक्ति असा :-- ऐसे थिवाहित प्रधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिक में होती है। येर वरिवार स्टेबन स्थित/सरकार शारा प्रशिस्तित ऐसे स्थात अहां प्रधिकारियों को अस्तार को साब रखने की प्रमुप्ति नहीं होती है असे एक 140/- प्रशिकाह को वर से वियुक्ति सन्धा विया वायुका। बारखाक कथा :--वधाविक्षत वा कि सम्पन लाक्षाव्य कर करने रखनी पहली है उसके भून के बदले में दिया जाने भाषा प्रारम्धिक पि कान माना कर 2100/- है (ममय-समय पर इसमें सबीधन किया जाता है) सबीकरण के लिए हर साल के बाद कर 1800/- विए जाएंगे। कैम्पनिष्ठ क्यों सन मुक्त दी जाती हैं।

**वायु क्षेता में एयर कमोकोर के** स्तरतक सुपत राशन विया जाता है।

# 6. **ब्रुटी शीर सबकाश** याका रियासल अर्थः

वास्त्रिक प्रवक्षक साम्बद्धिक अवश्राव वार्वे **में** 60 विश्व अर्थ के 20 विस् । ५ स

शार र 13 किल से लाकिक स्क्रीं।

क्सीयाम प्राप्त करने के एक वर्ष बाद अब की स्रक्षिकारी वादिक स्राक्षिक्त प्रवक्ता सेंगे वे तथा उनके परिवार के सदस्य मुपल नवारी के हकवार होंगे चाहे सबकाय की सपित कुछ भी क्यों न हो। अनवरी 1971 से प्रारम्ध होने वाले दो अपों के ब्लाक में एक द्वार अधिकारी अपने व्यूटी स्थान (यूनिट) से कर नक भ्राने के लिए नि:शृल्क सवारी बाद्वन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया वासेगा तो उस वर्ष उसे परनी सहित 1450 कि भी० के रास्ते के लिए साने सीर जाने वोनों तरफ की सुविधा पासे के हकदार होंगे।

इसके स्रतिरिक्त उड़ान साझा के भिष्ठकारियों को, जो प्राविष्ठः क्यापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान क्यूटी पर सैनात होते हैं, सक्काश लेने पर वर्ष में एक बार बारंट पर सपने, पत्नी तथा आश्रित कथ्यों के पास्ते प्रत्येक सोर से 1450 कि जी की दूरी को स्था करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुक्त याका करने की सुविधा होगी।

को प्रविकारी श्रुट्टी लेकर प्रथमें खर्च हैं याका करने के इक्छूका हैं वे कलेण्डर वर्ष में तीन बार परनी तथा वश्यों के रेल द्वारा प्रथम खेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके याका करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ बाद्या की सुविधा थी जाएगी। परिवार में परनी सथा वश्यों के प्रजावा प्रधिकारी पर पूर्णस्या प्राधिस मासा-पिता, बहुत कीर नावासिंग साई सामिल होंगे।

#### 7. वेंशन लाभ

त्रेषा निवृत्ति के समय र (स्थाई)	•	त्से <b>वाकी</b> संश्वकी	निवसि पेंशन की मानक दर	वैथिविहरू वैशन
			४० प्रतिमाह	रुं प्रनिमान
पाथलट अफसर/पलाईंग ग्रफसर 20 वर्ष			950,00	100.00
गापसट लेपिटर्नेंड 20 वर्षे			1200.00	75.00
भ्वतेड्रन लीडर 22 वर्ष			1400.00	
विक कमोडर (समय वेसनमान) 26 वर्ष			1525.90	
विग कमांबर (स्लेनिटव) 24 बर्व			1575.00	
षुप कैप्टन 2.6 वर्ष			1850.00	ı.
एयर कमोंबीर 28 वर्षे			2025.00	**
ष्यरवाहसमार्गस ३० वर्ष			2275.00	
स्यर म/र्शल 30 <b>प</b> र्य			2400.40	
<b>एयर</b> मार्गल की o सी o स	окр оу			
<b>घौर ए० छो०</b> एस० सी	० इनसी	30 <b>4</b> 3	250n. 00	- •
इसर पीफ मार्गेख १० व		೧0 ಇ್	2825.00	-

# a. प्रेबा-शिव्कि उपदान

नाग्रुपी! की विकास एए विद्यानिकाछ जयपान निस्मक्षिकित हैं be-

(का) 10 वर्ष को सेका क किए त : 12,000/- प्यान्ती के विकार

्ष्य मार्थित कार्या कर कर कि कि कर 1,200/-- विस्तर्ग से विश्वित के ग्री के ग्री के विश्वित के विश्वित के विश्वित विश्वित है।

पंशान मा उपवास के मिनिरियल प्राधिक छः महीने की अविधि की महैक सेवा के लिए कुछ परिलक्षियों के बीयाई के बराबर मध्यु भीर सेवा-निवृक्ति उपवान वेथ है जीकि परिलक्षियों का 16 1/2 गुणा होना धीर रू. 50,000/- से मधिक नहीं होगा।

स्वा में रहते हुए मुख्य हो जान पर मृत्यु सीर सेवा-निवृत्ति जनवास विकासिक्षित अप से हीरें (----

- इंगर्ड केला के पश्चे करें गांव बृश्यु हो आप हो वो महीने का लेखन
- ्रिक्ष १ प्रति क्षण वर्ष को श्रेषा छ बाद तथा प्रति वर्ष का गता ५ प्रकृति प्रति व्युत्सु हो जाएकः महीने का बेगन, योर
- (य) बांच वर्ष की सेव। के बाद बृत्यु ही जाए तो कम सेकम 12 महीते का बेतन।

विकलांगता पेंजन सीर वश्यों सीर साधितों (माता, पिता, बहिन तयों) साई) की विशेष परिवार पेंजन पुरस्कार भी निश्चीरित जियलों के सन्सार वेस है।

## ९, शभ्य पुविद्याप

सिकारी तथा उनके परिवार निःशुरुक विकित्सा सहायता, रियायकी कर पर सावास, भूप बीमा योजना, भूप प्रावास योजना, परिवार सहायका नोजना, केंद्रीन सुविधासों साथि के हकवार हैं।

#### परिधिष्ठ-- 4

धारत सरकार के प्रधीन पर्वो पर नियुक्ति हेतु प्रावेदन करके बाले शनुसूचित जातियों धौर प्रनुसूचित जनजानियों के उस्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्म :-

संविधान (धनुसूचित जातिया) यादेश, 1950@

संविधान (धनुसूचित जनजातिया) धावेश, 1950@

संविज्ञान (अनुसुचित जातियां) (संच राज्य तेता) आदेश, 1951@ संविद्यान (अनुसुचित जन जातियां) (संघ राज्य तेता) आदेश 1951@

श्चिम्यूजित जातियां धौर धनुसूचित जनआतियां सूचियां (संका धन) धारेख, 1956, बम्बई पुनर्गठन ध्रिष्ठितियम 1960, पंजाब पूर्गठन धिवियम, 1966, हिमाचल प्रवेख राज्य बिधित्यम, 1970 धौर उन्तर पूर्वी खेल (पुनर्गठन) धिबित्यम, 1971 धौर अन्सूचित आतियां तदः धनुसूचित जन जातियां बादेश (संबोधन) धिधित्यम, 1976 धारा दकः धंकोखित]

संविधान (जम्मू भीर कश्मीर) अनुसुचित जातियाँ प्रावेश 1956

वंशियाय (श्रंष्ठभाव श्रीर निकोबार द्वीप समृद्व) धनुसूत्रित जनजातियाः व्यावेख, 1959 सन्सूत्रित जरतियाः व्यावेख समृद्वित जनजातियाः व्यावेख (श्रंष्ठीयम) प्रधितियम, 1976 शारा यथा संशोधितः

संभिक्षाक (जावश्य क्षेत्र प्राथन वर्षकी) क्षत्रस्थित व्यासिक व्यासिक

विकास क्षित्वा भीय बाक्य अमेर्ग्युक् अस्तुवित अस्त्रार्थन्त आमेक,

अध्यक्षात्म (योजन्यभाष) मानुगुण्यक अध्यक्षा सार्थक, १००० हुन्
वंशिकान (प्रमुपूजित जनजातिया) अलह अदेश, मादेश, 1867
उंपिक्षान (गोला, दमन और बीच), लाबुसुचित वालियां सरवेश,
1948@
पंचित्रात (गोधा, धमन और क्षेत्र), सनुसूचित्र अनदादियां धारेत.
1868@
संविद्यान (सारामिक्ट) बागुसूचित अनुवासिया बावेश, 1970@
सम्बाम (सिक्तिम) भनुसूषित गाति मावेश, 1978
संविद्यान (सिक्किम) प्रमुन्चित जनजाति धावेश, 1978
% 2. धनुस्थित जातियाँ/प्रमुक्ष्यित जनजातियाँ के उन उम्मीदवाराँ
<ul> <li>के मामलों में लांश को एक नरवव/संघ राज्य क्षेत्र से प्रकलन कर पृक्के</li> </ul>
<b>4</b> :
यह प्रमाणपन्न की/जीमतौ/कु नाशे <sup>क</sup>
📭 पिता/माता जी/श्रीमती*
धीन/कस्ताक
विका/में कल <sup>क</sup>
राज्य/संघ राज्य जेत्र*
<ul> <li>को जारी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति<sup>क</sup> प्रमाणपक्ष के घाषाच वप</li> </ul>
त्रारी किया गया है भी
द्मनुतूचित जाति/जनजाति <sup>*</sup> के हैं जिसे
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रनुसुचित जाति/प्रमुसुचित जनकाति के इन्द
मैं मान्यता प्राप्त हैशा चारी।
विमांक
%3. 蚓
सोर/मा सनका परिवार सामतीर गाँव/कस्था*
जिला/मंग्ल <sup>क</sup> ्
राज्य/संच *राज्य क्षेत्र *
रहता है।
हस्तःधार
<sup>कक्ष</sup> पवना <b>ल</b> ं
(कार्याक्षय की मुहर के साध)
राज्य/संव राज्य क्षेत्र®
ANIM COMPANIES CONTRACTOR OF THE PERSON OF T
वारीब
📍 जो शब्ध लागू न हों उन्हें कृष्या काट दें।
@ राब्द्रपति काविशिष्टमादेश निविष्टकरैं।
% जो पैरालागृनहीं है उसे काठ वें।

डिप्पणी:----पड़ां "आमतीर में रहता हैं" का सर्च वही होगा को "रिप्रेजेस्टेलन आफ द पीपुल एक्ट, 1956" की खारा 20 में है।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के खिए सख्यम प्राधि-कारियों की तुची:

- (1) विला मिलस्ट्रेट, बितिरियत जिला मिलस्ट्रेट/कलक्टर, किंदी समिजनर/एडीसनल किंदी किम्पनर/विद्धी कलेक्टर/प्रवस वेशी का स्टाइपैंडरी मिलस्ट्रेट/सिटी मिलस्ट्रेट/सब@-विवीजनस मिल-स्ट्रेट/तास्लुक मिलस्ट्रेट/एउजीक्य्टिव मिलस्ट्रेट/एक्स्ट्रा झिसस्टॅंड किमवनर !
- @ (प्रथम श्रेणी स्टाइपेक्टरी मजिस्ट्रेट के ब्रोहदे से कम नहीं) ।
- (2) बीफ प्रेसिर्हेंसी निजस्ट्रेट/एडीशनख गोफ प्रेसिर्हेंसी मिजस्ट्रेड/ प्रेसिर्हेंसी मिजस्ट्रेट।
- (3) रेकेम्प शक्ससर जिसका घोहदा तहसीलवार सैकम न होगा।
- (4) जल एलाके का सम्र-डिजीजनल सफतर जहाँ जम्मीदवार मौर/पा उपका गरियार चानतीर से रहता है।
- (5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/बवलवर्षेत अध्वर,
   क्यामिकः

# काकोष्ट्रवारी की सूचनाथ ।वयगावक

# (क) समितिहसः संर (स्था)

साप जिल किला है हैं इसे एक्ष हु वह "बस्शुपक्य परिकाण" तोता । इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में झापलो उत्तर जिल्लाने नहीं होगे। प्रत्येक प्रका (जिसको झाने नक्षण कहा जाएगा) है लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको झाने पर्युक्त कहा जाएगा) दिए चाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रकारण के लिए आपको एक उत्तर भून लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य मापको इस परीक्षा के बारे मैं कुछ आनकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्त न होने के कारणभाषको कोईश्वानि न हो।

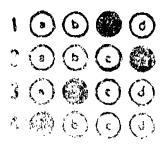
#### (वा) परीकाकास्वरूप

प्रश्न-पक प्रश्न 'पुल्लिका' के कप में होंगे। प्रश्न पुल्लिका के कव संग्रेकी में सियार की जाएगी। इस पुल्लिका में कम संख्या 1, 2, 3 प्रावि के कम से प्रश्नीत होंगे। हर प्रश्नीय के नीचे ए, बी, सी, ही चिन्ह के साथ मुक्ताए गए प्रश्मुलर लिखे होंगे। सापका काम एक सही या यवि धापको एक वे प्रश्निक प्रश्मुलर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (धन्त में विए गए नमूने के प्रश्नीय वेश्व लें) किसी सी स्थिति में प्रश्नीय के लिए प्रापको मही प्रस्थुलर का चुनाव करना होगा। विद्याप एक में प्रधिक प्रश्नीय चुन लेले हैं भी धापका प्रस्थुलर गखत माना जाएगा।

## (म) उत्तर देने की विधि

परीक्षा गर्मा हैं झापको अलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा। झापको झपने प्रस्मुत्तर इस उत्तर पत्नक से लिखने होंगे। प्रकृत पुस्तिका भैं या उत्तर पत्नक का क्षोत्रकर झस्य किसी कागज पर निर्द्ध गए उत्तर वहीं जांबे जाएंगे।

छत्तर वहाय (जिसकी एक नम्ना प्रति प्रापको प्रवेश प्रमाण-पक्ष साम जेजी आएगी) से प्रथनीयों की संख्याएं 1 से 160 तक चाय खब्दों में छापी गई हैं। प्रथ्मेक प्रथनीय के सामने ए, वी, ती, दी चिन्ह वासे वृक्षाकार स्थान छपे होते हैं। प्रथम पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नीक को पक्ष तेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रथम्बर सही या सर्वोत्तम है इसकी इस प्रथम्बर के प्रजर बाले वृक्ष को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है बैसा कि (अपका उत्तर वशनि के लिए) शिवे विखाया गया है। उत्तर पहनक के तृत्व को काला बनाने के लिए स्वाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यश्रु आक्रमी 🐧 कि 🛶

- प्रकाशी के उत्तरों के लिए कैयल प्रच्छी किस्म की एचः बीक (पॅसिख) (पॅसिखें) की लाएं धीर उन्हीं का प्रयोग करे।
- गस्तत निकान की बदलने के लिए उसे मिटाकर फिर से सही सत्तर पर निकान लगा गें। इसके लिए ग्रांप ग्रंपने साथ एक रकड़ भी लाएं।
- 3. एलार पड़क का उपयोग करते पसय कोई ऐसी प्रसादकानी नहीं वरतकी चाहिए जिससे यह फट जाग या वस्त्री सोक मासिलवट आदि कृष का का कर: कही भाव :

## (च) कुछ महत्वपूर्व विनिधम

- धायको परीका धारम्य करने के लिए विक्रीरित समय से बीच मिनः पहले परीका सबन में पहुंचना होगा छोर पहुंचते ही ध्यवास्वाध ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण मुक्क होने के 30 मिनत बाव किसी की परीक्षण प्र प्रवेश वहीं विया आएगा।
- परीक्षा मुक्त होने के बाद 45 मित्रड एक किसी को परीका भवन छोड़ने की मनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समान्त होते के धाय, प्रश्य पुस्तिका छोर उत्तर-पक्ष निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप हैं। प्रापको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा घषत है बाहर के जाने की सनुमति नहीं है। इस नियम का उक्तविक करवे वर कहा दंश विधा जाएगा।
- 5. भागली उत्तर पत्रक पर कुछ विषयण परीक्षा स्थव में भरका होगा, भागकी कुछ विवयण उत्तर प्रकृष कर कृदवक्ष की अरका होगा। इसके बारे में भागके पास भनुतेक प्रवेश प्रमाच-पक्ष के साथ गेले जाएंडे।
- 6. प्रश्न पुस्तिका में विष् सची सन्देश सम्पन्नो सावसावी से पहने हैं। इन सन्देशों का सावसानी से पालक व करने से सापके नम्बर सम हो सकते हैं। सगर उत्तर प्रकार पर कोई प्रविध्धि संविध्ध है, तो उत्तप्रविद्ध के प्रत्युत्तर के लिए प्रापको कोई गम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेद्धार के सन्देशों का पालन करें। अब पर्यवेद्धाक किसी परीक्षण या उसके किसी साग को सारम्ब या समाप्त करने को कहे तो उनके सन्देशों का तत्काल पाछक करें।
- 7. साप स्थला प्रवेश प्रशाण-एक साथ खार्य, स्थापको स्थले साथ एक एक वी व वेंसिल, एक रवड़, एक वेंसिल कार्यवर सौर ती लो सा कार्यवर स्थाही वाली कथम भी लानी होगी। स्थापको सक्षाह दी बाडी है कि साल स्थाही वाली कथम भी लानी होगी। स्थापको सक्षाह दी बाडी है कि साल स्थान साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी साए जिस पर कुछ छ लिखा ही। सापको परीक्षा भवन में कोई बाली कार्यक सा कार्यक कर कहीं साले हैं ब्योंकि उनकी अकरत कहीं होगी। सोगने पर कच्चे काम के लिए साथ कि स्था कार्यक विस्त कार्यका कार्यक करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, स्थान रोक वस्त्र सीर परीक्षण की तारीक लिखें और परीक्षण समाज्य होने के बाब कर से प्रवोध कार्यक कर वें।

# (इ) विशेष मनुवेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाब निरोधक धावको उत्तर पत्नम देंगे। उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सुखना बर दें। यह काम हुए होने के बाव निरीक्षक सापको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका मिक्के वर बाप यह सबस्य देखा में कि उस पर पुस्तिका को संबंधा लिखी हुई है अध्यया, उसे बदलवा में। प्रश्न पुस्तिका को खोलके है पक्षो उसके बक्के बुद्ध पर सपना सनुक्रमांक लिखें। सम्पन्धो प्रश्न पुस्तिका सब तक खोलके की सनुमति नहीं है जब तक पर्यनेक्षक ऐसा करने के लिए बकहें।

#### (च) हुछ उपयोगी सुक्षाव

यसिप इस परीक्षण का उद्देश्य धायकी गति की प्रवेक्षा मुखता को बांचता है, फिर भी यह जकरी है कि सार ध्यमें समय का यसाखंधन वक्षत के उपयोग करें। सम्मुलन के साथ धाय जित्ती अंत्री काम कर सकते हैं करें, पर लापरवाही नहीं। प्राप सभी प्रश्नी का क्लर नहीं दे पाते हैं। की विकता नक्षें। प्रापकों जो प्रश्न प्रत्यक्ष कि मानूम पड़ उन पर समय व्यवं नक्षें। दूसरे प्रश्नी की ग्रोर नहें धोर उन क्रिक प्रश्नी पर बांच विकार करें।

सभी प्रश्नीकों के श्रंक समान होंगे। उस सभी के उत्तर दें। श्रापके इत्तरा श्रंकित सद्दी प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर ही श्रापको श्रंक दिए ्ऐंगे। यसत उत्तरों के क्रिए श्रंक नहीं काढे आएंगें।

# (क) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक झापको लिखाई बन्द करने को कहूँ, साप लिखना बन्द कर दें। शाप प्रपने स्थान पर तब तक नेठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास झाकर धापसे सभी झावश्यक बस्तुएं से आएं सीर सावकी हाल छोड़न की मनुमति दें। झापको प्रश्त पुस्तिका सीर उत्तर-पक्षक तथा करके कार्यका कारण परीक्षा भवन से बाहर से जाने की समुमति कहीं है।

# नमूने के प्रश्नोध (अश्न)

(नोड-- अस्तो/सर्थोत्तम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करता है।)

#### (सामान्य ध्रम्ययव)

बहुत अंचार्य पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान सेवर विस्नक्षिणित में से किस कारण से रक्त क्षाव होता है:--

- (3) रकतका दाव वायुमण्डल के दाव सेकम होता 📳।
- \*(b) रक्त का वांव वायुमण्डल के वांव से समिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाधीं की धन्दकसी तथा बाहरी विराधी पर काम समान होता है।
- (d) पनत का बाद वायुमण्डल के बाद के अनुकर बदता बढ़ता 🛊 🚉

#### 2. English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(4) largest so far

#### 3. (野河)

अरहर में भूलों का सब्ता निश्वसिक्ति में है किसी एक क्याब से कम किया जा सकता है?

- (a) वृद्धि नियंसक द्वारा छिड़कान
  - (b) दूर-दूर पौध सगासा
  - (c) सभी श्रृतु में पौध लगाना
  - (व) बोक्ने-बोबे फासले पर पीछे लगाना

#### 4. (रसायन विकान)

H3VO1 का एनहाइब्राइव निम्निशिवित में से क्या होता है ?

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V2O5

#### ह (अर्थेशास्त्र)

स्त्रम का एकाधिकारी सोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में शोका ?

- (a) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हो :
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाव से विविक हो।
- (d) मजदूरी सीमास्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

## a. ( वेषुत वंजीवियरी):

पूछ समाख रेखा को अपेक्षित वैरावैचुतीक २ के वैरावैचुत क्ष सम्पूरित किया गया है। यवि C मुक्त अन्तराख में संघरण वेग वर्णाता है की काइत में संचरण का वेग क्या होगा ?

- \*(a) 3C
- (b) C
- \*(c): C<sub>3</sub>
- (d) C

#### उ. (पू-विश्वाद)

बेसाइड में प्लेजिमोक्लेस क्या होता है है

- (a) धालियो लेख
- •(b) वषदेशोराक्ष
- (c) एक्नाइट
- (त) प्रतापांच्य

#### (গদিব)

धूस किन्दु है गुजरने बाखा और  $\frac{d^2y}{dx^2}$  —  $\frac{dy}{dz}$   $\rightleftharpoons$  O संबोकरण को

बंबत रखने वाखा वक-परिवार निम्नलिखित में से किमसे विक्यि है हैं

- (a) y-ax+b
- (b) y—ax
- (c) y=a,x+be-x
- '(d) y-ac-a

#### (चौतिकी)

एक मार्क्स कम्मा इंजन 400° K 300° K के तामकम के मध्य कार्य करता है। इसकी स्नमता निम्नविचित में से क्या होती ?

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (संव्यिकी)

स्रविद्यिपव विचार का साध्यम 5 है तो इसका प्रसरण विश्वकित्व द्वेष क्या होगा ?

- (a) 42
- \*(b) 3
- (c) ∞
- $(\mathbf{d})$ —5

#### 11. (पूर्वास)

्डमाँ के दक्षिणी भाग की अत्याधिक समृत्रि का कारण विश्वतिकित में क्या है ?

- (a) यहाँ पर अनिज सावनी का विपुल भण्डार है।
- \*(b') बर्मा की अधिकांत्र नकियों का बेल्टाई चाग है।
  - (c) यहां खेळ वन सम्बदा है।
  - (d) वेष के अधिकांश क्षेत्र खेब इसी बाग में हैं।

#### 12. (चारतीय इतिहास)

बाह्याणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिधित में से क्या सस्य ऋषी 🤰 🏌

- (a) भौद्रधर्म के स्टक्ष्म काल में भी बाह्यणवाय के सनुवायियों की संख्या बहुत कश्चिक भी।
- (b) प्राह्मणवार वश्चन अधिक कर्मकाण्य और खाडम्बर पूर्ण वर्ष था।
- (c) ब्राह्मणबाद के सध्युवय के साथ विश्व सम्बन्धी यह कर्म का महत्व कम हो गया।
  - (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाओं को इक्त करने के संस्थार निश्चरित थे।

#### 13. (वर्शन सास्त्र)

विम्निजित में से भिरीश्वरवादी वर्शन समूह कीन सा 🛊 🎗

- (a) भीख, प्याय, धार्वाक, भीमांसा
- (b) न्याय, वैश्वविक, जैन और बौद्ध, बार्बाक
- (c) अर्थी, वेदान्त, सांख्य, चार्वाक, योग
- \*(d) बौद्ध, साँच्य, मीमांसा, चार्वाक

#### 14. (राजनीति विज्ञान)

वृत्तिगत प्रतिनिधान का अर्थ निम्नलिखिल में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के बाधार पर विधनमनंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थेव ।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) अभिक संभौ द्वारा अग्रत्यक्ष प्रतिनिधि ।

#### 15 (मनोविज्ञान)

सक्य की प्राप्ति निम्नलिखित सेंसे किस को निवेंशित करती 🛊 ?

- (a) लक्ष्य संबंधी बादश्यकता में वृद्धि
- \*(b) बाबात्मक अवस्था में न्यूनता
  - (c) प्यावहारिक अधिनम
  - (व) पक्षपान पुणं अधिगम

#### 18 (समाजशास्त्र)

मारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौत सी वनस्थित

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को भीपवारिक प्रतिनिधित्वां प्राप्त हुआ है।
- (b) खुवाधूत कम हुई है।
- (c) वंचिस वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिखा 🕻 ।
- (4) अन सामारण में शिक्षाका प्रसार हुआ। है।

डिप्यची:— छम्मीववार को यह ज्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त बसूबे के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए विए वए हैं और यह जरूरी नहीं कि ये इस परीछा की पाड्यकर्या के बनुसार हीं।

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st March 1986

No. F-6/86-SCA(I)—Honb'le the Chief Justice of Indi has promoted and appointed the following officers of this Registry to the posts mentioned against each with effect from the afternoon of March 31, 1986, until further orders:

SI. Name & Designation No.	Post to which promoted
Shri A. N. Oberai,     Additional Registrar.	Offg. Registrar
2. Shri A. S. V. Raghavan, Offg. Joint Registrar.	Offg. Addl. Registrar
3. Miss S. V. Kashyap, Deputy Registrar.	Offg. Joint Registrar
4. Shri K. B. Lal, Assistant Registrar.	Offg. Deputy Registrar
5. Shri J. K. Sharma, Court Master.	Offg. Asstt. Registrar

R. SUBBA RAO Registrar Supreme Court of India

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110 011, the 24th February 1986

No. A.32014/1/85-Admn.III.—In partial modification of this office Notification No. A.32014/1/85-Admn.III, dated the 31st January, 1986 the period of ad-hoc appointment of Shri P. Joshi appearing at S. No. 3 would be for 15-1-86 to 19-2-86.

2. Shri P. Joshi stands reverted to the post of Assistant w.e.f. 19-2-86 (AN).

No. A.32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Philip John a regular Assistant of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Section Officer on ad-hoc basis w.c.f. 20-2-86 for 45 days or until further orders, whichever is earlier.

#### The 3rd March 1986

No. A-32014/1/85(ii) Admn. I.— he President is pleased to appoint the undermentioned Personne Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is arlier:

SI. No.	Name	Period
1.	Shri V. P. Mahajan	21-1-1986 to 31-3-1986
2.	Smt. Saroj K. Kapoor	-do
3.	Shri Lekh Raj Gupta	2-1-1986 to 13-2-1986

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their a pointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

M. P. JAIN Under Secy Per Admit Union Public Servi re Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 31st March 1986

No. 2/18/85-Admn.—Consequent upon completion of his deputation tenure in the Central Vigilance Commission on 31-3-86 (AN), Shri Ram Bhatia, Asstt, Technical Examiner (Civil) is granted Earned Leave for 39 days with effect from 1-4-86 to 9-5-86 (with permission to suffix 10th and 11th May, 1986 being public holidays). On expiry of the leave, the services of Shri Ram Bhatia will stand placed at the disposal of D.G. (Works), CPWD, New Delhi.

MANOHAR LAL Under Secy. For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG., ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

# (DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd April 1986

No. A-/12025/2/79/AD. V—The Director/CBI and Inspector General of olice/3EE hereby appoints the following as Dy. Supdts. of Police from the date mentioned against each on regular basis, until further orders:

Sl. No.	Name of the Officer	Branch in which posted	Date from which appointed as DSP
1	2	3	4
s	S/Shri	,	
1.	I. P. Sharma	GOW/Delhi	24-3-1986
2.	S. B. Sinha	CIU(F)	-do -
3.	A. P. Singh	SIC	-do-
4.	K. D. Sharma	CIU(P)	-do-

#### CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi, the 4th April 1986

No. 1-16/71-CFSL/3133.—Dr. R. K. Bhatnagar, Principal Scientific Officer, Scrology Division, (Permanent SSO-1), Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi is relieved of his duties with effect from 17th March, 1986 (AN) consequent on his appointment as Principal Scientific Officer in the Department of Science & Technology.

D. P. BHALLA, Administrative Officer (E) C.B.I.

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 1st April 1986

No. O.II-2139/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ramnath Ram as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 22-3-86 FN till further orders.

D. D. GUPTA, Deputy Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 25th March 1986

No. O.II.457/69-Estt(CRPF).—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri R. R. Bhanti, Commandant, 47 Bn, CRPF, relinquished the charge of his post on the afternoon of 31-12-85.

#### The 2nd April 1986

No. O.II-1774/83-Fstt.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Parimal as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Comdt) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22-3-1986 till further orders.

No. O.II.2138/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Jairaj Jakati as General Duty Officer Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th March, 1986 till further orders.

No. O.II-2140/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Baljit Singh as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt, of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25-3-1986 till further orders.

#### The 3rd April 1986

Two. D.I.54/85-Esti-I.—The services of Shri N. S. Yadav, Commandant, 104 Aux Bn. CRPF, are placed at the disposal of CISF on deputation basis with effect from the forenoon of 20th March, 1986.

No. O.II-2126/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Salil Srivastava as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis from 6-2-86 to 17-2-86 FN.

M. ASHOK RAJ Asstt. Dir. (Estt)

#### MINISTRY OF FINANCE (DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

, 1987年 (1985年 1985年 1985年 1987年 1

Dewas, the 24th March 1986

No. BNP/C/5/86.—The following permanent Inspectors Control are appointed to officiate on regular basis as Deputy Con'rol Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (MP), w.e.f. 19-3-1986 (FN) until further orders.

- 1. Shri V. H. Chitle.
- 2, Shri R. D. Verma (SC).

M. V. CHAR Genl, Manager

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 5th March 1986

No. M-6/10377.—In continuation of this Office Notification No. M-6/6251 dated 2-6/11/1985, the ad-hoc appointment of Shri B. L. Sharma as Assistant Engineer (Mech.) in this organisation in the Scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a period upto 31-3-1986 or till the post of Engineer (Mech.) is filled up, whichever is earlier.

S. R. PATHAK Genl. Manager

#### (DEPARTMENT OF REVENUE)

### DIRECTORATE OF PREVENTIVE OPERATIONS CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 31st March 1986

No. 2075/85-Commns.—On attaining the age of superannuation Shri Praag Ranjan Dastidar, Inspecting Officer (Anti-smuggling in the Directorate of Preventive Operations, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1985.

K. L. VERMA
Director, Preventive Operations

### IDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

#### CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 31st March 1986

No. Admn.I/O.O. No. 423.—Shri P. S. Jain, a permanent Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the Delhi Water Supply & Sewage Disposal Undertaking (Municipal Corporation of Delhi) with effect from 16-1-1986 (F.N.).

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 2nd April 1986

No. Admn.I/8-132/85-86.—The Accountant General (Audit) I A.P., Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against him, until further orders.

Name Date of assumption of charge .

1. Shri G. Venkataratnam-28-2-86 (AN).

The promotion ordered above is without prejudice to the claims of his seniors if any and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court. He should exercise the option within one month of his date of promotion in terms of Govt, of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt. (Pt. I) Dt. 26-9-81.

Sd/- ILLEGIBLE Sr. D.A.G. (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I : KARNATAKA

Bangalore-1, the 31st March 1986

#### OFFICE ORDER

No. AG(Au)I/Admn.I/A-1/85-86/684.—The Accountant General (Audit) I is pleased to promote the following Assistant Audit Officers as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of Seniors, if any, with effect from the date of taking over charge.

S /Shri

- 1. C. Subba Rao (1)
- 2. M. R. Puttanarasimhiah
- 3. V. Gopalan
- 4. M. Narasimhamurthy (2)
- 5. K. Srinivasan (2)
- 6. S. B. Madihalli\*

Consequent on their promotion as Audit Officers, the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below F.R. 22 (c), Swamy's Compilation (VIIth Edition) [GIMHA Department of Personnel and A.R. OM No. F. 7/1/80 Estt.P-I. dated 26th September 1981] should be exercised by them within one month from the date of promotions.

"In case of Shri SB Madihalli the promotion is with effect from the date he takes over charge on repatriation from the present foreign service with B.W.S & S.B.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Accountant General
(Admn.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 31st March 1986

No. 7642/A-Admn./130/82-85—Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit) as Asstt. Audit Officers in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-E9-40-1040 from the dates noted against each:

SI. No	Name & Dea	signatio	n Office in which appointed	Date from which appointed
1	2		3	4
1.	S/Shri R. Kannappan,	SO(A)	Dy. Director of Audit. (OF) AVADI.	11 <b>-2-</b> 1986
2.	A. K. Sharma,	-do-	Jt. Director of Audit, Defence Services, WC, CHANDIGARH	10-2-1986
3.	R. K. Goel,	-do-	Jt. Director of Audit, Defence Services, CC, MEERUT	11- <b>2-1</b> 986
4.	R. S. Singh,	-do-,	Audit Officer, Defence Services, WC, DELHI CANTT.	7-2-1986
5.	U. K. Qhanna,	-do-	Dy. Director of Audit, Defence Services, NC, JAMMU	, 12-2-1986

B. S. TYLE, Joint Director of Audit Defence Services

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 31st March 1986

No. AN-I/1174/1/Vol. III—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against their names) to officiate in the Junior Administrative Grade (scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, with effect from the dates shown against their names, under the "Next Below Rule":

1. Shri Gautam Sen	15-02-1985 Under Secretary Ministry of Defence New Delhi.	
2. Shri N. P. Chouhan	18-11-1985	Under Secretary Ministry of Health & Family Welfare New Delh i

#### The 1st April 1986

No. AN-I/1174/1/Vol. III—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence

Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

15-0-2-1985 (FN)
22-02-1985 (FN)
18-11-1985 (FN)
10-01-1986 (FN)
18-11-1985 (FN)

#### The 2nd April 1986

No. AN-I/1537/5/I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. G. Gulechcha, an officer of the Indian Defence Accounts Service with effect from the forenoon of 2nd September, 1985.

R. B. KAPOOR
Additional Controller General of Defence Accounts
(Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 3rd April 1986

No. 20/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. C. Sengupta, Offg. Works Manager/O.F. Ambajhari retired from service w.e.f. 31st Oct., 1985 (AN).

M. A. ALAHAN
Jt. Dir./G
for Dir. Genl., Ordnance Fys.

#### Calcutta-700-001, the 3rd April 1986

No. 21/G/86.—Shri L. N. Sriraman Joint General Manager (Subst. & Permanent Manager Sr. DADG redesignated as Jt. Director/DGM/GM Gr. II) voluntarily retired from service on 30-9-85 (AN).

No. 22/G/86.—The President is pleased to release Shri T. S. Shivakumar AWM/Prob. from IOFS with effect from 7th June, 1985/AN consequent on his selection for Indian Forest Service.

Accordingly the name of the above has been struck off the strength of IOFS w.e.f. 7-6-85/AN.

M. A. ALAHAN Jt. Dir./G

#### Calcutta, the 7th March 1986

No. 13/G/86—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Sr. DADG/Manager (now-re-designated as-GM) with effect from the dates shown against them:—

SI. No	Name & Designation	Date of Confirmation
1.	Shri Jagmohan Dev, Jt. GM	30-41980
2.	Shri S. K. Bhatia, Dy. GM	28-2-1981
3.	Shri V. S. Dakshinamurthy, Dy. GM	1-9-1981
4.	Shri R. Govindarajan, Jt. Director	1-2-1982
5,	Shrl D. S. Prasad, Dy. GM	1-2-1982
6.	Shri G. Agarwal, Dy. FGM	1-6-1982
7.	Shri R. O Rastogi, Dy. GM	1-10-1982

#### The 24th March 1986

No. 18/G/86.—Shri U. K. Srivastava, Offg. Dy. General Manager (Subst & Permanent Dy. Manager) retired voluntarily from Service with effect from 8th August, 1985 (AN).

#### The 31st March 1986

No. 19/G/86.—Shri V. Haridoss, Dy. General Manager (permanent & subst. Dy. Manager) voluntarily retired from I.O.F. Service w.e.f. 31st August 1985/FN.

V. K. MEHTA DDG/Estt. & C.V.O.

#### MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)

April 1986 New Delhi, the

Mrs Adm.1/4(6)/85.—(1) On his secking voluntary retirement, Shri J. H. Bhagchandaney, ALC (C) was allowed to retire voluntarily w.c.f. the afternoon of 30-6-85.

No.  $\Lambda dm.I/4(6)/85$ .—(2) On transfer, Shri T. C. Garg relinquished the charge of office of ALC (C), Dehradun on 6-4-85 ( $\Lambda N$ ) and assumed charge in the same capacity at Patna on 10-6-85 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(3) On return from deputation Shri G. Narayanaswamy assumed charge of the office of ALC (C) at Dehradun on 9-4-85 (FN).

No. Adm.1/4(6)/85.—(4) On transfer, Shri Narcndra Mohan relinquished the charge of ALC (C), Patna on 15-4-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Asansol on 25-4-85 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(5) On transfer, Shri C.C.S. Reddy relinquished the charge of office of ALC (C), Hyderabad on 20-6-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Deliary on 21-6-85 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(6) On transfer, Shri G. K. Mani relinquished the charge of office of the ALC (C), Bellary on 21-6-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at Hyderabad on 4-7-85 (FN).

No. Adm, 1/4(6)/85.—(7) On transfer, Shri S. N. Pathak relinquished the charge of office of ALC (C), Calcutta on 6-6-85 (FN) and assumed charge in the same capacity at Jaipur on 25-6-85 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(8) On promotion. Shi R. V. Boloor assumed charge of the office of ALC (C), Vascodagama on 4-6-85 (FN).

No. Adm.1/4(6)/85.—(9) On transfer, Shri S. R. Pant relinquished the charge of office of ALC (C) at CLC (C)'s Hqrs. on 8-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Kota on 18-7-85 (FN),

No. Adm.I/4(6)/85.—(10).On Transfer, Shri M. P. M. Sivakumaraswamy relinquished the charge of office of ALC (C), Bangalore on 2-7-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at Mangalore on 3-7-85 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(11) On transfer Shri S. K. Mishra relinquished the charge of office of ALC (C), Kota on 24-6-85 (AN) and assumed charge in the same capacity at CLC (C)'s Hqrs. on 26-6-85 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(12) On his appointment on deputation in the Central Ware Housing Corporation, Shri K. Ramakrishna relinquished the charge of office of ALC (C). Ernakulam on 1-7-85 (FN),

No. Adm.I/4(6)/85.—(13) On his attaining the age of superannuation. Shri P. Balakrishnan relinquished the charge of office of ALC (C), Mangalore on 30-6-85 (AN).

No. Adm.1/4(6)/85.—(14) On his appointment on deputation in the A & N Administration, Shri R. Shanticharan re-linquished the charge of office of ALC (C), Calcutta-1 on 31-7-85 (AN). 114--36GI/86

No. Adm.I/4(6)/85.—(15) On promotion, Shri V. Sundaresan relinquished the charge of office of ALO (C), Madras on 22-8-85 (AN).

No. Adm.I/4(6)/85 -(16) On promotion, Shii. R. K. Shukla assumed the charge of office of ALC (C), Calcutta on 5-8-85 (FN).

No. Adm.1/4(6)/85.—(17) On his attaining the age of superannuation, Shri K. S. Padmanabhan relinquished the charge of office of  $\Delta LC$  (C), Asansol on 30-6-85 (AN).

No. Adm.I/4(6)/85.—(18) On his appointment in the office of the Commissioner for SC/ST. Shri Dhruv Kumar relinquished the charge of office of ALC (C), Calcutta on 3-10-85 (AN).

No. Adm. I/4(6)/85.—(19) On his revocation of orders of suspension, Shri Zahid Mohd assumed the charge of office of ALC (C), Madras on 5-11-85 (AN).

No. Adm. 1/4(6)/85.—(19) On his attaining the age of superannuation, Shri V. K. Gupta relinquished the charge of office of ALC (C), Chandigarh on 31-10-85 (AN).

NAND LAL Administrative Officer

#### MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 25th March 1986

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/491/58-Admn.(G)/2016.—On attaining the age of Superannuation, Shri M. L. Bhargava, Joint Chief Controller of Impor's and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1986.

No. 6/1299/79-Admn(G)/2026.—Shri S. P. Gupta, a permanent Section Officer of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office expired on 3-3-1986 (3rd March, 1986).

SHANKAR CHAND
Deputy Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF TEXTILES

#### DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 31st March 1986

No. 19001/28/82-DCH/Admn.I.—Shri S. K. Misra, IAS (HY: 56) has relinquished charge of the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the 24th March, 1986.

#### The 1st April 1986

No. A-12022(2)/84-Admn.III.—The President is pleased to appoint-Smt. Indira Mansingh, as Joint Development Commissioner in the National Handloom Design Centre. (Weavers Service Centre) Delhi under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 31st March, 1986 until further orders.

No. 19001/37/86-DCH/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Vasudev. (IRTS) as Additional Development Commissioner for Handlooms in his Office of the Development Commissioner for Handlooms Ministry of Textiles, with effect from the afternoon of 31st March, 1986.

RANJANA SINHA

Jt, Development Commissioner for Handlooms

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 20th February 1986

No. 13/1 85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Kanwar in the grade of Director Regional Design & Technical Development Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts) in a substantive capacity w.c.f. 20-6-1975 (FN).

NEERA YADAV Addl. Development Commissioner (Handicrafts)

#### SURVEY OF INDIA

#### Dehradun, the 21st March 1986

No. C-29/504—The following Technical Assistants (Map Reproduction) Selection Grade are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G. C. S. Group 'B' post) in the Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-910-E3-35-980-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as given against each:—

SI No.	Name	Date of appointemnt	Unit/Office to which posted
1 ShriP	K Buttichicies	31_1_1086 (FN)	No. 104 (HBD) Printing Group Hyderabad.
2. Shri J Raw	agdish Singh at	31-1-1986 (FN)	No. 10! (HLO) Printing Group Dehra Dun
			G C AGARWAL

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

( Appointing Authority)

#### (DEPARTMENT OF SUPPLY)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 31st January 1986

No. A 1/1(783).—Shri M. George, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade-II) of this Directorate General is retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1986, on attaining the age of superannuation.

Denuty Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

#### MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL .

Calcutto-20, the 3rd April 1986

No. EI-12(71)/85(.).—On attaining the age of surgrannuation Shri P. K. Das, Assistant Commissioner of Payments has relinquished the charge of the post with effect from 31-3-1986 (AN).

> S. K. SINHA Dy. Iron & S'eel Controller

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th February 1986

No. 4/1/84 S.II — In continuation of the Directorate General. All India Radio's Gazette Notification No. 4-I-84-S.II dated the 18-I-85, the Director General, All India Radio is

pleased to extend the appointment of Shri A. V. Sharma Saroj', Senior Hindi Translator, Andaman and Nicebar, Administration Secretariate, Port Blair who is working on deputation as Hindi Officer, All Iudia Radio, on an ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period of one year with effect from 27-1-86.

#### The 21st March 1986

No. 4 3/85-S.II-Vol.IV.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Megh Singh as Hindi Officer, All India Radio in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 3rd March 1986.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director of Administration
for Director General

# MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (DEPARTMENT OF HEALTH)

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd April 1986

No. A-19019/36/77-Admn.I/PH(CDL).—The President is pleased to revert Shri K. K. Mathur, Scientist 'C' at Defence Research & Development Establishment, Gwalior to his parent office in the post of Assistant Director (Ent), at Office of the Regional Director of Health & Family Welfare, Jaipur, Rajasthan under National Malaria Eradication Programme, with effect from the forenoon of 11th March, 1986.

#### The 4th April 1986

No. A.31011/1 85-PH(F & N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. P. Banerjee to the post of Junior Analyst at Central Food Laboratory, Calcutta with effect from 24th December 1978, in permanent capacity.

No. A-31011/1/85-PH(F&N).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. K. Bose to the post of Junior Analyst at Central Food Laboratory, Calcutta with effect from 1st July 1978 in permanent capacity.

JESSIE FRANCIS Deputy Director Administration (PH)

#### New Delhi, the 3rd April 1986

No. V.21011/165/82-ME.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Khandare Arjun Laxmanrao, to the post of Junior Biochemist at Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 5th December, 1985 and until further orders.

#### The 3rd April 1986

No. A-12026/5/84-M(F&S).—The President is pleased to appoin' Dr. S. Kasinathan, Lecturer in Zoology, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry to the post of Assistant Professor of Riology, in the same Institute with effect from the forenoon of 1st February, 1986 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. K. GHAL Deputy Director Administration (C&B)

#### DEUHI MILK SCHEME

Delhi-8, the 21st February 1986

#### ORDER

No. 6-14/84-Vig.—WHEREAS Shri Jal Singh, Mate was was chargesheeted under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules.

1905 vide this office memo of even number dated 6-9-85 on the nothering charge:---

"That the said Shri Jal Singh while functioning as Mate in D.M.S. has been absenting himself from duty intentioning and unauthorisedly w.e.f., 50-6-83 onwards without any prior intimation and sanction of the Competent Authority. He is mus charged with absenting himself from duty mentionally and unauthorisedly w.e.f., 50-6-83 onwards without prior approval and sanction of the Competent Authority which shows lack of devotion to his duty, the acts being unbecoming of a Covt. servant and are in violation of Rule 3 of CCS(Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS, the chargesheet Memo. dt. 6-9-85 was sent to him under Regd, cover on his last known permanent Home Address as under:—

Shri Jai Singn, s/o Shri Khan Singh, Vill. & P. O. Bitanda, Distt. Muzzafar Nagar (U.P.).

The said Memo, was also received back undelivered with the Tharks of Postal Authorities figure to sender for correct address as father's name is not given correct. Accordingly Station House Officer, Bitanda, Dist. Muzzalar Nagar (UP) was requested to mumate the whereabouts of Shri Jal Singh vide Regd, letter No. 6-14/84-Vig. dated 4-10-85. The S.H.O. Police Station, Budhana, Disti. Muzzalar Nagar had intimated after verification from Gram Sarpanch and other people of village that there is no person of this name residing in this village.

AND WHEREAS a Memo, bearing No. 3-163/69-E.III dated 17-10-83 was issued to him under Regd, cover at his last known local address as under :—

Shri Jal Singh, 1/4023, Bhagwan Pur Khera, Loni Road, Shahdara, Delhi-32.

The said letter was received back undelivered with the remarks of the Postal Authorities that "left without audress sd.-19-10-83." The Dy, Commissioner of Police, Shandara, Delhi was accordingly requested to intimate the whereabouts of Snri Jal Singh vide letter No. 3-163/69-E-III dt. 26-12-83, collowed by reminder of even number dt. 15-6-84. In his report vide No. 280/Genl. (7) dt. 11-7-84, the Dy. C. P. East District, Delhi had intimated that Shri Jal Singh had sold his above said house to one Shri Phool Singh and his whereabou's are not known.

AND WHEREAS all channels of communications to locate his whereabouts have failed including the assistance of the local Police Authorities as per reports mentioned above. The undersigned is completely satisfied that it would not be reasonably practicable to hold an enquiry contemplated under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 against Shri Jal Singh, Mate under the prevailing circumstances. There is no other alternative except to take recourse to Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965 wherein enquiry has been dispensed with.

Keeping in view the facts and circumstances of the case, it is evident that Shri Jal Singh has been absconding from duty w.e.f. 30-6-83 onwards which shows that he is not interested to continue in Government service. Thus he is found guilty of the above charge and as such he is not a fit person to be retained in Government service.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred under Rule 11 of the CCS (CCA) Rules the undersigned for good and sufficient reasons, imposes the penalty of Removal from Service upon Shri Jal Singh, Mate.

DIPAK JAIN
Dy. General Manager (Admu.)
Disciplinary Authority

Shri Jal Singh, Mate S/o Shri Khan Singh, Village & P.O. Bitanda, Distt. Muzzafar Nagar, (UP).

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 19th March 1986

Ref. No. DPS/41/13/85-Adm./1784.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Sharma, a permanent Storekeeper

and ad-hoc Chief Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 FR-37-880 40-1000-EB-40-1200 from 13-01-1986 (FN) to 15-02-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri K. P. Singn, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/2/1(20)/83-Adm./1790.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. M. Parulkar, Accountant (ad-hoc) to officiate as an Asstt. Accoun's Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 01-01-1986 (FN) to 31-03-1986 (AN) in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 20th March 1986

No. 020/1(15.1)/86-Est.1.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Enginetre 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the reparament of Space on a temporary basis and until further orders:—

- (a) Shri Raghu N., Scientist/Engineer 'SB' with effect from September 16, 1985.
- (b) Shri S. Narayanan, Scientist Engineer 'SB' with effect from October 01, 1985.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-11

#### VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, the 26th March 1986

No. VS5C/EST/A/-8t/687—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provision basis with effect from the dates shown against each and until further orders:—

Si.	1	Divn.	Date of appointment
1.	Shri/Smt./Kum K. Natarajan	ISI	28-10-1985
2.	T. Elanchozhiyan	RPP	20-11-1985
3.	N. Ramachandran	ELS	17-06-1985

G. MURALIDHARAN NAIR Admn. Officer-II (EST.) for Director VSSC

#### Trivandrum-695022, the 26th March 1986

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Controller VSSC hereby appoints on promotion Shri K. K. Gopalakrishnan as Assistant Administrative Officer in the Vikram Sarabhai Space Centre of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in an officiating capacity with effect from the forenoon of March 6, 1986 and until further orders.

G. MURALIDHARAN NAIR Admn. Officer-II (EST) for Controller-VSSC

### THE OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th March 1986

No. A.32014/7/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shrimati Juthika Bhowmick, Technical Assistant in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Rs. 650-1200 on regular basis with effect from 27-02-1986 (AN) and until further orders.

V. JAYACHANDRAN
Dy. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi-110 066, the 20th March 1986

No. A.32013/7/83-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A.32013/7/83-EC dated the 26th November 1984, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri B. D. Bengali, Assistant Technical Officer in the post of Technical Officer in the Civil Aviation Department for the period from January 02, 1985 to March 31, 1986.

2. The extension of the period of ad-hoc appointment of Shri Bengali shall not bestow on him any claim for promotion to the grade of Technical Officer on regular basis and the period of service rendered on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Technical Officer or for promotion to the next higher grades.

V. JAYACHANDRAN, Dy. Director of Admn.

New Delhi-110 066, the 27th March 1986

No. A.31013/3/84-E.I.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Chandramouli Director of Aerodromes in a substantive capacity with effect from 23-11-84.

#### The 31st March 1986

No. A-32013/8/84-E.I.—The President is pleased to appoint the following officers as Directors of Aerodromes in the scale of pay of Rs. 1800-100-2000 on regular basis from the date shown agianst their names.

- 1. Shri T. S. N. Rao-28-2-1986 (FN)
- 2. Shri P. C. Vyas-31-3-1986 (FN)

J. C. GARG Jt. Director Admn.

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehra Dun, the 3rd April 1986

No. 16/437/85-Ests-I.—The President Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to accept the resignation tendered by Dr. (Km.) Rashmi as Research Officer (Other than Engineering and Statistical) under the Scheme "Environmental Research Station" at Ootacamund Centre of the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon on 14-3-86.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Vadodra, the 31st March 1986

No. 8/86.—Shri C. P. Jokhaker, Superintendent of Central Excise and Customs, (Group 'B'), Division-V, Vadodara on attaining the age of 58 years on 21-3-86, shall retire on superannuation in the afternoon of 31-3-1986.

No. 9/86.—Shri V. M. Shah, Superintendent of Central Excise and Customs, (Group 'B'), Division-II, Vadodara on attaining the age of 55 years on 26-3-86 shall retire on superannuation in the afternoon of 31-3-1986.

No. 10/86.—Shri M. B. Sindhi, Assistant Chief Accounts Officer, Central Excise & Customs, Hqrs., Office, Vadodara on attaining the age of 58 years on 28-3-86, shall retire on superannuation in the afternoon of 31-3-1986.

A. M. SINHA Central Excise & Customs Central Excise & Customs,

#### MINISTRY OF TRANSPORT DEPARTMENT OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 31st March 1986

No. 85/RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the under noted sections of 'Western Railway' that the Over Head Traction Wires no these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the dates specified against the sections elow. On & from the same date the Over-Head Traction Lines shell be treated at LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

Section & Date

- (i) Meghnagar—Sp to Bamania (inc)—25-3-1986 (KM 577.86 to 611.38)
- (ii) Bamnia to Ratlam (Excl.)—25-4-1986 (KM 611.38 to 651.96)

A. N. WANCHOO, Secy, Railway Board

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 2nd April 1986

No. A-19012/1085/85-Estt, V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Anjaneyulu, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 6-5-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA, Under Secy. Central Water Commission

### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 4th April 1986

No. 32/3/85-ECII.—On attaining the age of superannuation Shri Jagdish Chander, Executive Engineer (Civil), Director General (Works), C.P.W.D. of Central Engineering Service Gr. 'A' has retired from Govt. Service with effect from 31-3-86 (AN).

K. C. DEHURY Dy. Dir. of Admn. For Director General (Works)

# MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Rajasthan Khandelwal Enterprises Limited Jaipur, the 27th March 1986

No. STAT/1249/2811.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Laddha Lime Industries Private Limited ed, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Laddha Lime Industries Private Limited.

Jaipur, the 31st March 1986

No. STAT/2114/2860.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Compnaies Act, 1956 that at the expiration of three mouths from the date hereof the the name of the M/s. Laddha Lime Industreis Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V .P. SINGHAL Registrar of Companies, Rajasthan,

In the matter of Companies Act, 1956 and of P. A. Management Consultants Pvt. Limited

Calcutta, the 17th September 1985

No. 215/7/560(3).—Noitce is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956.

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the P.A. Management Consultant Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE Addl. Registrar of Companies

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. The Girija Productions Private Ltd
Bangalore, the 31st March 1986

No. 823/560/85-86.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The Girija Productions Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd/-) ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

#### FORM ITNS----

(1) Shri R. Nanjaiah, No. 151, Kamadhenu Bannimantap Extn., Mysore City.

(Transferor)

(2) Manjula, No. 48, D.V. Gundappa Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 12th March 1986

C.R. No. 62/48019/85-86/ACQ/B -- Whereas, I, R. BHARDWAJ

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 173 situated at VIII Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 100) in the Office of the Parities Officer at of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 830/85-86 on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 830/85-86 dated 4-7-85).

All that property bearing No. 173 situated at VIII, Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sebsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following orgons, namely :-

Dated: 1-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

K. N. Jagdeshaiah, No. 986, HAL II Stage,

B'lore-38.

(Transferor)

(2) Shii W. T. Kumar,2. Mrs. T. Padmalochini,No. 51/19A, Kodandarama Layout, B lore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th March 1986

C.R. No. 62/48195/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ

k. BHARDWAJ
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'sald Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 986, situated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagur on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-'ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or ye Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1105/85-86 dated 10-7-85).

Property No. 986, HAL II Stage, Indiranagar, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th March 1986

C.R. No. 62/48006/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 168/2, situated at VI Cross, RMC Yard, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. 168/2, situated at VI Cross, RMC Yard, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 27-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sujatha Industries, Mrs. N. Pillaiah Setty & others, No. 42, III Main, N.T. Pet, B'lore-2.

(Transferor)

(2) M/s. Haji Abdul Latif Tayub & Co. No. 42, II Main Road, N.T. Pet, B'lore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1839/85-86 dated 27-7-85). The Eastern half portion of Premises No. 168/2, VI Cross, RMC Yard, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 11-3-1986,

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shrimati Veeramma & others, No. 44, Siddanna Lane, B'lore City.

(Transferor)

(1) Shri M. Ramaiah, No. H-38, II Cross, Lakshminarayanapura, B'lore City.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th March 1986

C.R. No. 62/47983/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter released to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000/- and bearing.
Nos. 118, 102, 38-44, situated at Siddanna Lane, Bettasetty-

pet, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the conseniment of any money or other assets which have not been or b) facilitating the conseclment which ought to be disclosed by the transferse for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealtis-tax act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

115-36GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under lgmed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1323/85-86 dated 25-7-85.)

Portion of property Nos. 118, 102, 38-44 at Siddanna Lane, Bettasettypet, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 11-3-1986.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th March 1986

C.R. No. 62/47899/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19/B, situated at Kempegowda Road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

No. 19/B, situated at Kempegowda Road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the earlies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andler
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Nirupama Govinda Raj, B, Walton Road, B'lore-1.

(Transferor)

(2) The Hindustan Finance Corporation, 19/B, Kempegowda Road, B'lore-9.

(3) Tenant.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1133/85-86 dated July, 85).
Property bearing No. 19/8, at Kempegowda Road,
Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Dato: 11-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1986

C. R. No. 62/R-1748/37EE/85-86|ACQ|B,-Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the tacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have placed to believe that the initial table property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. '4-G' situated at 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore vide Registration No. 1520/85-86 dated 16-7-85 for an apparent enosideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— M/s. Southern Investments Mr. Mathew Chandy Mr. Jacob Chandy and Mr. S. C. Balan 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. P. R. Gopinath No. 28 Kalakshetra Colony Besant Nagar, Madras-600090.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaba. property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1520/85-86 dated 16-7-85),

Apamtnent No. 4-G "Palmtree Place" situated at No. 23 Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1986

C. R. No. 62/R-1747/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 1-H, situated at 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore vide Registration No. 1520/85-86 dated 16-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evaluation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; bid/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other senets which have not been or which reight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s, Southern Investments Mr. Mathew Mr. Jacob Chandy and Mr. S. C. Balan 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod Kumar Sethi & Mrs. Tara Sethi, No. 396, 7th Main 7th Gms. IV Block, Koramangla, Bangalore-560034.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1519/85-86 dated 16-7-85) Apartment No. 1-H, ""Palmtree Place" situated at No. 23 Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Bangalore.

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1986

C.R. No. 62/R-1777/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. '3-F' situated at 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore

Apartment No. '3-F' situated at 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore vide Registration No. 1532/85-86 dated 16-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fafteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edject of !--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other astets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 M/s, Southern Investments Mr. Mathew Chandy Mr. Jacob Chandy and Mr. S. C. Balan 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Anli Leekha & Mrs. Geeta Leekha, 48 Hospital Road, Bangalore-560001.

('fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1532/85-86 dated 29-7-85). Apartment No. 3-F "Palmtree Place" situated at No. 23 Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-3-1986

Seal

#### PORM ITHE

 M/s. Southern Investments Mr. Mathew Chandy Mr. Jacob Chandy and Mr. S. C. Balan 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Navaz Khashav and Gp Capt. N. K. Kashav 704 Silerlake Terrace, 55, Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

BANGALORE-560 001 ACQUISITION RANGE

Bangalore-560 001, the 11th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1755/37EE/85-86/ACQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 4-H situated at 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore

Apartment No. 4-H situated at 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at Bangalore vide Registration No. 1525/85-86 dated 16-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 1525/85-86 dated 16-7-85). Apartment No. 4-H<sup>TI</sup>Palmtree Place" situated at No. 23, Palmgrone Road, Austin Town, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1749/37EE/85-86/ACQ|B.--

Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Apartment No. 1-F.

situated at 23 Palmagore Road, Austin Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Office at llangalore vide Registration No. 1521/85-86 dated 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par control of such apparent consideration can detect the said exceeds the apparent consideration can detect the said exceeds the sa than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Southern Investments Mr. Mathew Chandy Mr. Jacob Chandy and Mr. S. C. Balan 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Valerian Crasta & Mrs. Dorothy Crasta No. 268 4th Cross 4th Main, Viveknagar Bangalore-47.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1521/85-86 dated 15-7-85).

Apartment No. 1-F 'Palmtree Place' situated at No. 23 Palmgrowe Road, Austin Town, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-3-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CJD/79/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Iron & Steel Building No. 205, situated at Sector 29D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in July, 1985.

at Chandigarn in July, 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S/Sh. Gurbachan Singh S/o S Kartar Singh Smt. Sunder Kaur W/o S.Prem Singh S/Sh. Inderjit Singh S/Sn. Inderjit Singh
  Baljit Singh
  Surjit Singh
  Surjit Singh
  Harjinder Singh
  sons of Late Sh. Prem Singh
  r/o 115B, Shastri Nagar, Ludhiana through Their
  General Attorney Sh. Jamiat Rai Gupta S/o Sh.
  Lal Chand R/o H. No. 3251. Sec. 35D, Chandigath.
  (Transferor) (Transferor)
- (2) Shri Subhash Chand S/o sh. Devi Chand & Smt. Parmeshwari Devi W/o Sh. Devi Chand House No. 406, Sector 30A, Chandigarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Iron & Steel Building No. 205, Sector 29D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the saledeed No. 397 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Central Revenue, Building
> LUDHIANA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/80/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (49 of 1961) (hereinelter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the insmovimmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. SCF site No. 9, Motor Market & Commercial Complex, situated at Mani Majra, U.T. Chandigarrh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in July, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Ast, le ecoped of any income arising from the sed/ac
- (b) facilitating the concealment of any inco moneys or other assets which have not been which cught to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A.S. 3957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-116-36GI/86

(1) Shri R.S. Ahluwalia S/o Shri Balwant Singh Ahluwalia, House No. 88, Banda Bahadur Nagar, Jalandhar City,

(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh Loomba S/o Shri Shiv Charan Singh 258, Phase-I, Industrial Area, Chandigarb.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any c. the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S.C.F. Site No. 9. Motor Market & Commercial Complex, Mani Majra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 399 of July, 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

> JOGENDER SIN' Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Central Revenue Building LUDHIANA

Date: 10-3-1986,

#### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/82/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/5th share in House No. 1666, situated at Sector 7C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarb in July, 1985.

at Chandigarh in July, 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhag Kaur W/o S. Karam Singh, House No. 3309, Sector 40D, Chandigath. (Transferor)
- (2) Smt. Paramijit Kaur W/o S, Surmukh Singh, House No. 1584, Sector 18D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in House No. 1666, Sector 7C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 411 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range
Central Revenue Fuilding
LUDHIANA

Date: 10-3-1986.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ONE OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Rcf. No. CHD/83/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Shop No. 119, situated at Sector 28-D, Chandigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1985. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wild for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscales (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manwarjit Kaur W/o Sh. Jatindepal Singh, Sh. Bharat Inder Singh s/o Sh. Jatinderpal Singh, r/o H. No. 27-A, Bhupinder Nagar, Patila through, their Attorney Sh. Des Raj Jain S/o Sh. Parsh Ram Jain R/o H. No. 1510, Sector 34-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s. New Rajdhani Motors through Sole prop. Sh. Om Parkash S/o Sh. Bhool Chand R/o S.C.F. No. 3, Sector 27-C, Chandigarh.

(Transferce)

(3) M/s. Jain & Company, Shop No. 119, Sector 28-D, Chandigarh.

(persons in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 119, Sector 28-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 419 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Central Revenue Building
LUDHIANA

Date: 10-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/87/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 510, situated at Sector 33-B, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in July, 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Tara Devi W/o Sh. Krishan Dev Singh, H. No. 510, Sector 33-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Attar Singh Chadha S/o Sh. Gulab Singh as Karta of his HUF, resident of EC-36, Inderpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 510, Sector 33-B, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 433 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Central Revenue Building LUDHIANA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-3-1986,

#### FORM ITNE --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/89/85-86.-Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House No. 1335, situated at Sector 18-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ Oť.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Ast, to the following persons, namely

- (1) Shri Gurdial Singh Clare S/o Shri Thakur Singh R/o
  House No. 1335, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Devinder Singh Bhamra S/o Shri Kattar Singh & Smt. Harjit Kaur W/o S.Devinder Singh R/o Nanakpura Jora Phatak Road, Dhanbad, now at House No. 1335, Sector 18-C, Chandigath. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1335, Sector 18-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 450 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Central Revenue Building LUDHIANA

Date: 10-3-1986.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ALL TO LOTE OF THE COMMETTERS

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/90/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Mithla Verma D/o Sh. Chuni Lal W/o Sh. B.R. Verma R/o House No. 1276, Sector 19-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Shakunfff Devi W/o Sh. Mool Raj, House No. 211, Sector 4, Panchkula (Haryana). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 4s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

S.C.F. Site, No. 351, Motor Market & Commercial Complex, Mani Majra, U.T. Chandigarh.

The property as mentioned in the sale deed no. 456 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax
Acquisition Range
Central Revenue Building a
LUDHIANA

Date: 10-3-1986.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/91/85-86.—Whereas, I, JOWINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1241, situated at Sector 33-C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at at Chandigarh in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dinesh Kumar Gupta S/o Shri Baru Mal Gupta, Resident of H. No. 1241, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Ajit Kaur W/o S. Sardul Singh, S. Sardul Singh S/o S. Gurmukh Singh, Miss Navjyoti D/o S. Jaspal Singh, r/o H. No. 3133, Sector 20-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Harcharan Singh,
   2. Shri Tarsem I.al,
   r/o H. No. 1241, Sector 33-C,
   Chandigarh.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mill Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 1241, Sector 33-C Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 458 of July 1985 of the Registering Auhority, Chandigarh).

JOG)NDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CIID/94-85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,00,000/- and bearing No.

Annexe No. 1039 situated at Sector 36-C, Chandigarh

Annexe No. 1039 studied at Sector 36-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, \* hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Inder Mohan Chawla, H. No. 2499, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gurbaksh Singh Garcha S/o Captn. Hazura Singh, r/o 1105, Secor 21-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Annexe No. 1039, Sector 36-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in sale deed No. 496 of July 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/97/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2282, Sector 35C, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1985 for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

117-36GI/86

(1) Smt. Shakti Sethi Wd/o Sh. Jagdish Sethi Smt. Sheela Sethi, Shri Anil Sethi, Shri Pradeep Sethi, all residents of House No. 331, Sector 38A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh Nanda S/o Shri Charanjit Suign Danka. Z. Dr. Asa Singh Nanda R/o House No. 101, Sector 20A, Chandigarh, Now at House No. 2282, Sector 35C, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 2282, Sector 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 511 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/99/85-86.—Whereas, J. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing House No. 1725 situated at Sector 34D, Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sast Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jaswant Singh, House No. 1725, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chander & Smt. Roshni Devi, V. & P.O. Peenga, Distt. Jind, (Haryana).

(Transferee)

(3) Shri Ramesh Chand, House No. 1725, Sector 34D, Chandigarh.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1725, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 525 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range, Eudhiana

Date: 10-3-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. CHD/102/85-86.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
S.C.O. 356-357 situated at Sector 34, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in July 1985

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Kumar Jain S/o Sh. Vimal Parkash, House No. 1265, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferor)

 Shri Dilbhajan Singh S/o S. Arjan Singh, 1-F, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferee)

(3) Food Corporation of India, SCO 356-357, Sector 34, Chandigarli, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

S.C.O. 356-357, Sector 34, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 547 of July, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-3-1986

# NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Rcf. No. KHR/25/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 106, situated at Phase VII, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ishwar Chander S/o Sh. Kishori Lal, House No. 3399, Sector 19D, Chandigarh as natural guardian of Sh. Vikas Chander S/o Sh. Ishwar Chander.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur W/o Sh. Kartar Singh, Shri Jagat Singh S/o Sh. Ram Singh, B. 84, Subhadra Colony, Sarai Rohilla, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 106, Phase VII, Mohali, Tehsil Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2157 of July, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. KHR/30/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 175, situated at Phase-I, Mohali, Tehsil Kharar (and ware fully described in the Schedule accessed beauty)

House No. 175, situated at Phase-I, Mohali, Tehsil Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in July. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khushal Singh S/o S. Lachhman Singh, House No. 1317, Sec. 15B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Ajaib Singh S/o S. Harbans Singh, R/o V. & P. O. Hargobindpur, Distt. Gurdaspur. Now at House No. 175, Phase-I, Mohali, Tehsil Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 175, Phase-I, Mohali, Tehsil Kharar. (The property as mentoned in the sale deed No. 2312 of July, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udbiana

Date: 10-3-1986

#### PORM ITNS -----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INVEST.

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. KHR/33/85-86.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 602 situated at Sector 56, Phase VI, Mohaii, Teh.

Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in tospect of any income arising from the transferend/er
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ocquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kamla Devi Kapoor W/o Sh. Jagdish Chand Kapoor, House No. 765A, Sector-7B, Chandigarn.

(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh S/o S. Sher Singh, Shri Devinder Singh S/o S. Santokh Singh, R/o A-9 Oberoi Apartment-2, Alipur Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 602, Sector 56. Phase VI, Mohali, Tehsil Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2342 of July, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Judhiana

Date: 10-3-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

kef. No. KHR/37/85-86.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 3108 signated at Phase VII, Mohali, Tch. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 13908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 197. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Usha Dhawan W o Sh. Harjinder Singh, House No. HM-556, Phose VII, Mohali as Special attorney of Sh. Rajinder Kumar Gupta Ŵ/o Sh, Gulan Rei C/o Gupta Electrics Company, Shop No. 31, Sector 22D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Gurbachan Kaur Bhatia W/o Sh. Gurbachan Singh Bhatia, R/o P. 110, Cuttack Road, Bhubnechwar (Orissa).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3108, Phase VII, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 2426 of July, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana:

Date: 10-3-1986

#### FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sushil Kaur W/o S. Jagtar Singh, H. No. 1, Sector 8A, Chandigarh as General attorney of Sh. J. P. Arya S/o Sh. Rakha Ram, House No. 494, Sector 3-B-I, Mohali,

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh S/o S. Chanan Singh, House No. 494, Phase-3-B-I, Mohali, Tch. Kharar.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. KHR/38/85-86,—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 494, situated at Phase-3. B.I. Mobali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in July, 1985

Kharar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 494, Phase 3-B-I. Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 2448 of July 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, I gdhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:--

Date: 10-3-1986

## HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. SML/18/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 9 bighas with building situated at V. Mashobra, Pargana Shohabli, Teh. & Distt. Shimla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimla in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

and for

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Hotz Hotels (P.) Limited, Regd. Office Alasia Hotel, Kasauli, Distt. Solan through attorney Sh. K. S. Sarai.

(Transferor)

 Smt. Rita Garg W/o Sh. Rajinder Pal Garg, R/o Patangli, Teh. & Distt. Shimla, now at House No. 2155, Sector 21, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas with building at V. Mashobra, Pargana Shohabli, Tch. & Dist, Shimla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 367 of July, 1985 of the Registering Authority, Shimla).

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

118—36GI/86

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

> > Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. LDH/266/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th share in House No. B.IX.1, situated at Chaura Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following Dersons, namely:—

(1) Bimla Wati W/o Sh. Kishan Chand, R/o House No. B, VIII 751, Lakkar Bazar,

(Transferor)

- (2) Shri Sudip Kumar S/o Sh. Yash Pal Kumar R/o House No. 586, Model Town, Ludhiana. (Transferee)
- M/s. Kumar Radios, Chaura Bazar, Ludhiana. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in House No. B.IX.1, Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6002 of July, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. LDH/266A/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/4th share in House No. B.IX.1, situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons namely:—

- Shri Vijay Ashok Kumar \$/o Sh. Kishan Chand, R/o House No. B. VIII, 751, Lakkar Bazar, Ludhiana.
- (2) Shri Sumit Kumar S/o Sh. Yash Pal Kumar, House No. 586, Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

 M/s. Kumar Radios, H. No. B.IX.1, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in House No. B.IX.1, Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6001 of July, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhians

Date: 10-3-1986

#### FORM ITNS .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Rcf. No. LDH/268/85-86.—Whereas, I, JOĞINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/8th share in House No. B.XX.1195/21, situated at Saiaha Negor Ludhigas

Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Gour Bahadur Parsad S/o Shri J. B. Parsad R/o House No. 128, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) S. Manjit Singh S/o S. Bachan Singh & Smt. Surinder Kaur W/o S. Manjit Singh, House No. 7-E, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8th share in House No. B.XX.1195/21, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6195 of July 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-3-1986

#### FORM I'INS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludbian, the 10th March 1986

Ref. No. LDH/267/85-86.—Whereas, I.

Ref. No. LDF1/20//83-00.—whereas, 1,

JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/8th share in House No. B.XX.1195/21, situated at Sarabha

Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Gour Bahadur Parsad S/o Shri J. B. Parsad R/o House No. 128, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) S. Manjit Singh S/o S. Bachan Singh & Smt. Surinder Kaur W/o S. Manjit Singh, House No. 7-E, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of jublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8th share in House No. B.XX.1195/21, Sarabha Nagar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 6089 of July 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-3-1986

#### FORM ITNS.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. LDH/269/85-86.-Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/8th share in House No. 8.XX.1195/21, situated at Sarabha

Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Gour Bahadur Parsad S/o Shri J. B. Parsad R/o House No. 128, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) S. Manjit Singh S/o S. Bachan Singh & Smt. Surinder Kaur W/o S. Manjit Singh, House No. 7-E, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8th share in House No. B.XX.1195/21, Sarabha Nagar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 6056 of July 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, hiana

Date: 10-3-1986

سينف سال استورسان سا

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gour Bahadur Parsad \$/o Shri J. B. Parsad R/o House No. 128, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)

(2) S. Manjit Singh S/o S. Bachan Singh & Smt. Surinder Kaur W/o S. Manjit Singh, House No. 7-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. LDH/272/858/66.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'id Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 1/8th share in House No. B.XX.1195/21, situated at Sarabha

Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

1/8th share in House No. B.XX.1195/21, Sarabha Nagar, Ludhlana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6325 of July 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority
Acquisition Range, Ludhiana
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S/Sh. Chuni Lal, Ram Parkash . Ss/o Sh. Parma Nand, R/o 89A, Model House, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh S/o S. Sohan Singh, House No. B.XV.584, Overlock Road, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th March 1986

Ref. No. LDH/257/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. B.XVIII. 3897 situated at Model House, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. B.XVIII. 3897, Model House, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 5704 of July, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner\_ of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

SIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 7th March 1986

G.I.R. No, B-139/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Rudrapur, Nainital

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--119-36 G1/86

(1) 1. Smt. Rukman Agarwal

2. Smt. Bina Agarwal

3. Shrì Shiv Kumar Through attorney, Shri Anil Kumar (Transferor)

(2) Shri Baldeo Raj Mahajan

(Transferee)

(3) Vendee

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 15000 sq. ft. (1394 sq. mtrs.) situated at Rudrapur, Nainital (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-3-1986

(1) Shri P. K. Bajpaie and Others (HUF)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Dwarka Das Khanna 2. Smt. Roop Rani Khanna

(Transferee)

(3) Shri Bireshwar Sarkar

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING · ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th March 1986

GI.R. No. D-63/Acq..-Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. House No. 10-48/128-129 situated at Misri Folia, Varanasi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on July, 1985

Calcutta on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

House No. D-48/128-129, Misri Pokra, Varansi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under selection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

-----

#### FORM ITNS----

(1) Shri Yash Pal Singh,

(Transferor)

(2) Shri Laxman Singh Karki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. L-60/Acq.---Whereas, I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 467

situated at Dhakiya Kalan, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in teh said instrument of transfer with the object of:

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the red otion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast m and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 467, measuring 5 acres 75 decimals situated at Dhakiya Kalan, Nainital (as mentioned in 37G Form),

> MRS. U. KANJILAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. L-61/Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereins/ter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I and situated at Village Majhaula,

Pargana and Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Abdul Majid Adeev.
  - Shri Jumma.
     Shri Babu.

(Transferor)

(2) Labour Sahkari Avas Samiti Ltd., Moradabad through Secretary, Shri Prem Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3545-34 sq. mts. situated at Vill. Majhaula, Pargana & Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-3-1986

#### FORM TINE

## (1) 1. Smt. Prakashwati Devi2. Shri Vinod Chandra Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Mehbuba Begum
  - Smt. Chand Parveen
     Km. Humera Parveen (Minor) through father
     Shri Ershad Ahmad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-265/Acq.-Whereas I,

MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House including open land situated at Civil Lines, Bijnor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bijnor in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

House including open land measuring 2226 sq mtrs, situated at Civil Lines, Bijnor (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

(1) Shri Hem Raj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marutipuram Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through President, Shri Dayanand Bisariya.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-266/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJII.AL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land Khasra No. 142

situated at Ahibranpur, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be distlosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 142, measuring 8 Biswa situated at Ahlbaranpur, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G).

> MRS. U. KANJILAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores in property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

#### YORM ITNS-

(1) Shri Dharambir Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murtaza Husain.

(Transferce)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-267/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 592 (old) 660 (new) sinuted at Moh. Phaltoonganj, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 27-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) fasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immenable preservy within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 592 (old) 660 (new) with land measuring 421 sq. yards situated at Mohalla Phaltoongani, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. P-165/Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Mouza Majhaula, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Chandra.

(Transferor)

(2) M/s. P. & S. Exports Corporation, Kisrol, Morabad Through Partner, Shri Amrit Lal Sarna and Shri Jawaharlal Sarna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 719.48 sq. mts. situated at Mauza Majhaula, Pargana and Distt, Moradabad (as mentoned in 37G Form).

MRS, U. KANJILAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-3-1986

#### FORM ITNS...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. P-166/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Khasra No. 90 situated at Udaipur Khas, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Paristantion Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Barcilly in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :--120-36 GI/86

(1) 1. Smt, Nirpal Kaur

2. Smt. Kulwant Kaur Attorney of Smt. Mahendra Kaur

3. Smt. Rajendra Kaur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pawan Kumar

2. Shri Rakesh Kumar

3. Shri Rajesh Kumar.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 90, measuring 1000 sq. yards situated at Udaipur Khas. Tehsil and Dist. Bareilly (as mentioned in 37G

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-3-1986

SPHI :

(1) Smt. Usha Agarwal.

(Transferor)

(2) M/s. P. & S. Exports Corporation,
Kisrol, Moradabad
Through Partner,
Shri Amrit Lal Sarna &
Shri Jawahar Lal Sarna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. P-167/Acq.—Whereas. 1, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Land situated at Mauza Majhauli, Pargana & Distt. Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period exputes later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2355 sq. mtrs. situated at Mauza Majhauli, Pargana and Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANILAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-3-1986

Seal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Rcf. No. G.I.R. No. R-278/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Haru Nagla Distt. Bareilly

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on July, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Abdul Ghani

- 2. Abdul Waheed (Minor)
- 3. Lallan
- 4. Islam Nabi
- 5. Mukhtar
- Fatey
   Mohd. Nabi.

(Transferor)

(2) Rohilkhand Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly through Sceretary, Shri Krishna Avtar Agarwal.

(Transferce)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas, 18 Biswas and 15 Biswansis, situated at Haru Nagla, District Bareilly (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL,
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. R-279/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Land situated at Village Haru Nagla, Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on July 1985

Bareilly on July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds 'the 'apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Pyare Lal.
 2. Smt. Ram Devi.

(Transferor)

(2) Rohil Khand Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly through Secretary, Shri Krishna Aytar Agarwal.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 16 Biswas situated at Village Haru Nagla, Distt. Bareilly (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknijw

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. R-280/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Swaroop Nagar, Surkh, Barcilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fi of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferor andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (. Smt. Farooq Jahan Begum Attorney of Smt. Nascem Begum

Smt Parveen Begum 3. Smt. Arfa Begum

4. Smt. Nilofar

5. Mohd. Asmat 6. Mohd. Azmat.

(Transferor)

(2) Shri Radhakrishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Barcilly through Secretary, Shri Prem Narain.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 7000 sq. yards situated at Swaroop Nagar, Surkh, Bareilly as mentioned in 37G Form).

> MRS, U. KANJILAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-405/Acq.-Whereas. I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House with land situated at Sikalapur. Barcilly (and more fully described in the Schedulo annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 27th July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferne for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Onkar Nath Agarwal

Shri Anil Kumar
 Shri Vinod Kumar

Shri Murli Manohar

(Transferor)

(2) 1. Shri Sarvesh Kumar2. Shri Yogesh Kumar3. Smt. Urmila Rani.

(Transferee)

(3) Vendor through tenant, Shri Uma Shanker.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this police in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House with land measuring 901 sq. yards situated at Sikalapur Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-3-1986 Seal :

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-406/Acq.—Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Village Tulapur, District Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Boreilly in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Narain,

Shri Katlu,
 Shri Ram Prasad.

(Transferor)

(2) Suresh Sharma Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly.

(Transferce)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

land measuring 9 Bighas situated at Village Tulapur, Pargana, Tehsil and District Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 11-3-1986

(1) Shri Shiv Charan Lal.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Smt, Sushila Devi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-407/Acq.—Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 322 situated at Village Pasiapura, Tehsil,

Kashipur, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sald immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 322 situated at Village Pasiapura, Tehsil Village Pasiapura, Tehsil Kashipur, District Nainital (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

#### (1) Shri Ram Deen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (3) Vendor,

Through Secretary, Shri Prem Prakash Sharma (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-408/Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Tulapur, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bareilly in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(2) Suresh Sharma Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 15 Bigha 10 Biswa, situated at Tulapur, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
121—36 GI/86

Date: 10-3-1986

(1) Shri Dalveer Singh.

(Transferor)

(2) M/s Wimco Seedlings Ltd., Bareilly, Through Shri J. P. Chandra

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. W-5/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Village Chandain, Teh. Bilaspur, District Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made, in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5.08 hectare, Khasra Plot No. 10, situated at Village Chandain, Tehsil Bilaspur, District Rampur (as mentioned in 37G Form).

MRS, U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 10-3-1986

(1) Shri Balvinder Singh Randhawa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Wimco Seedlings Ltd., Bareilly, Through Shri J. P. Chandra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. W-6/Acq.-Whereas I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 29 situated at Chandain, Tehsil Bilaspur, District Parspare.

District Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bilaspur in July, 1985 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid prowhich is less than the rair market value of the aforegaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dafined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## (a) facilitating the reduction or evision of the transferor to pay tax under the ect of any income arising

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 29, situated at Chandain, Tehsil Bilaspur, District Rampur (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

#### FORM ITNI—

(1) Shri Lakhvir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Wimco Seedlings Ltd., Bareilly, Through Shri J. P. Chandra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. W-7/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Khasra Plot Nos. 10 and 11 situated at Chandain, Teh.
Bilaspur, District Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Land Khasra Plot Nos. 10 and 11, measuring 0-14 hectare and 4.93 hectare, total 5.12 hectare situated at Chandain, Tehsil Bilaspur, District Rampur (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition kange, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

(1) Shri Harchand Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/st Wimco Seedlings Ltd., Bareilly, Through Shri J. P. Chandra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. W-8/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1. And Khasra No. 4, 5, 8 and 20 situated at Chandain, Teh. Bilaspur, District Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 4, 5, 8 and 20, measuring 0.13, 3,39, 0.13 and 0.61 hectare total 4.26 hectare situated at Chandain, Tehsil Bilaspur, District Rampur (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

FORM I.T.N.S.——

(1) Shri Harnand Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Wimco Seedlings Ltd., Bareilly, Through Shri J. P. Chandra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. W-9/Acq.-Whereas, I,

Ref. No. G.I.R. No. W-9/Acq.—whereas, J. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 20 situated at Chandain, Teh. Bilaspur, District Rampur

District Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limits of the transferor to pay tax under the mid Aut, respect of any income arising from the transf and/or

> Land Khasra No. 20, measuring 5.06 hectare, situated at Chandain, Tehsil Bilaspur, District Rampur (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-3-1986

FORM ITNS ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th March 1986

Ref. No. G.I.R. No. W-10/Acq.-Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra Plot No. 19 situated at Chandain, Parg. Bilas-

pur, District Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sardar Balbinder Singh Randhawa,

(Transferor)

(2) M/st Wimco Seedlings Ltd., B weilly, Through Shri J. P. Chandra

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra Plot No. 19, measuring 3.73 hectares situated at Chandain, Pargana Bilaspur, District Rampur (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, AŞAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/130.—Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit B, M-58, Greater Ktailash-II, First Floor

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair

at New Delhi in July 1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the trunsferer to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri D. D. Sharma S/o Late Pandit Daulat Ram r/o A-6, Ring Road, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhu Bala Bishnoi, W/o Shri Vijay Singh Bishnoi, r/o D-14, Greater Kailash Enclave, New Delhi

('Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. B on First floor part of property No. M-58, measuring 247 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Theometax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/131,--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. A (G.F.) part of property No. M-58, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 19 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri D. D. Sharma S/o Late Pandit Daulat Ram r/o A-6, Ring Road, N.D.S.E. I, New Delhi.

(Transferor)

17039

(2) Smt. Nirmal Sanon W/o\_K, K. Sanon г/о S-63, Greater Kailash-П, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. A (G.F.) part of property No. M-58, measuring 247 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delb

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/132.—Whereus I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 45, Block No. S, Greater Kailash-II area 300 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Trilochan Singh (HUF), through its Karta Major Trilochan Singh, S/o Dr. Balwant Singh r/o 330/1156, Union Territory of Chandigarh.

(Transferor

(2) Shrimati Anita Kathpalia, W/o Shri Ashok Kathpalia, r/o B-32, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personawhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 45, Block No. 'S'. Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 300 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal\_House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :--

Date: 19-2-1986

#### FORM ITNS----

(1) C. V. S. Sundersan 65, Kailash Apartments, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kailash Apartments (P) Ltd. Chand Cinema Building, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTNG ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/133.—Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 65, Kailash Apartments 1730 sq. ft.

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for set a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- in) facilitating the reduction or systics of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

65, Kailash Apartments, New Delhi, Area 1730 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 18-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/134.--Whereas J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-C/136,

100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jogdish Singh S/o S. Hazur Singh r/o A/258, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Bai wife of Late Shri Motumal Gian chandani r/o I-C/136, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazate

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1-C/136, measuring 100 sq. yards situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 19-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/135.—Whereas 1, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. k-6, at Kailah Colony situated at New Delhi, (and more fully described in the Subedule appared bearing than 1990 (2014).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to hat we consideration. that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now/Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt, Prem Lata W/o Sri K, L. Bhardwaj r/o Flat No. 2, Sector-2 (Market), R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Bali W/o Shri V. N. Bali r/o K-6, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same merning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing House No. K-6 measuring 311 sq. yards situated at Kailash Colony, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-3-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/1,36.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11-0/63, measuring 280 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registration (1908).

of 1908) in the Office of the Registering Officer

New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark it value of the aforesaid property and I have reason to reflere that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Karam Singh s/o Shri Bhim Singh resident of D-226, Pocket-I, Mayur Vihar Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri G. S. Somani

S/o Late L. Chandan Mal Somani, 2. Shri Sanjay Somani, 3. Shri Rajiv Somani

4. Shri Gautam Somani S/o Shri G. S. Somani R/o II-0/63, Lajpat Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be seede in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed House bearing No. II-0/63, measuring 280 sq. yards situated at Lajpat Nagar, New Delhi,

> R. P. RA(ESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Dato: 21-2-1986

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/138.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/3-B Jangpura, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

itr an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Joginder Singh at present 1/3-B Jangpura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ramesh Kohli, for self on behalf of Master Vikas Kohli, 1/3-B Jangpura, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3-B Jaogpura, New Delhi, Arca 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

Date: 7-3-1986

## FORM I.I.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Jamna Devi w/o R. K. Chaudhary J. N. Chaudhary,
 V. P. Chaudhary and others E-41, Minto Road, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S o Shri Harijas Bai r/o II-I/109, Lajpat Nagar, New Delhi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/\$R-III/7-85/139.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Property No. II-L/108 and 109, situated at Lajpat Nagar,

New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as afores said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the tame mouning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property No. II-L/108 and 109, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 7-3-1986

#### PORM ITHS-

----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/140,---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. E-286, Greater Kailash-II, 250 sq. yds, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair tharket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andloc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been at which ought to be disclosed by the translatue for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following p sons, namely:-

123-36 G1/86

(1) Smt. Vecna Saluja w/o Shri Yash P. Saluja, i r/o 78, Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Eastern Decorators (Delhi) Private Limited, D-78,
Defence Colony, New Delhi through its Director
Shri Manjeer Singh, S/o Darshan Singh,
r/o D-78, Defence Colony, New Delhi.

(Transferec)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-286, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 250 sq. yds,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-J Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 19-2-1986

## 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/141.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. M-140 situated at Greater Kailash-II,

New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than wassers the apparent consideration therefor by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said A. I hereby initiate proceedings for the aequisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Satyayan Dhawan A-332, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarvesh Chopra & Smt. Usba Chopra 7-A/27, W.F.A. Karol Bagh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeved semi-finished house built on Plot No. M-140 (measuring 400 sq. yds.) in Greater Kailash-II, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Relhi

Date: 19-2-1986

NCTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/142,---Whereas I, R. T. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. C-78, Greater Kailash-I, First Floor,

situated at New Delhi,

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Brig. Sudhindra Kisor Chaudhuri, S/O Shri Bhupendra Kisor Chaudhuri, R/O C-78, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjali Chopra w/o Shri R. C. Chopra, R/O C-78, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the ungersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor of Property No. C-78, Greater Kailash-I, New Delhi area 1650 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely:—

Date: 19-2-1986

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Rcf. No. IAC/Acq-I/SR-IJI/7-85/143.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

C-302, Defence Colony situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. C. Paul S/o L. C. Paul C-302, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

 Shri Arvind Vyas and Mrs. Anita Vyas 10, Central Lane, Bengali Market, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C-302, Defence Colony, New Delhi, 325 sq. yds. (272 sq. mtrs).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 21-2-1986

## 17051

#### FORM ITNS

o di 2000 del colòmbio del colombio del comenza del come de come del come d

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sarla Gulati E-6, Bhagwan Dass Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(1) Shri Anil Kumar 4/54, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref No IAC/Acq-I/SR-III/7-85/144.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the authovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. S-113, Greater Kailash-II, 300 sq yds situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expected the accuracy consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 f 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 357 (27 of 1957).

Flat No S-113, Mg. 300 sq. yds in Greater Kailash-II. New Delhi

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Dato: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th February 1986

Ref No. 1AC/Acq-I/SR-III/7-85/145.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No S-304, Greater Kailash-II, area 300 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any income or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Tejinder Kaur Doogal W/o H, S. Doogal R/o 9/56, Punjabi Bagh, New Delhi,

(Transferor)

 Shri Arivinder Singh Pasricha S/o N. S. Pasricha R/o 15/15, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-304, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-B
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New, Delhi

Date: 20-2-1986

## FORM I.T.N.S.--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/146.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-279, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely :---

(1) M/s. Gurmat Construction Co. (P) Ltd. 202-A, Skipper Corner, 88, Nebru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Malhan Builders E-588, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S-279, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 300 Sq. yds. (250.83 Sq. mtrs).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 21-2-1986

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Rof. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/147.--Whereas, I R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-thy Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. S-275, measuring 300 sq. yds. situated at Greater
Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

have bear transferred under the Reviews A. t. 1009

(16)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; भार्त /तर
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 4 1957);

(1) Major Minoo Ashwani Kumar Chaudhry C-363, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Arihant Service Ltd. C-4/34, Safdarjang Development Areas, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-275, (measuring 300 sq. yds.) situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 19-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/148.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
E-13, Greater Kailash-II, New Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed here o),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

124—36 GI/86

(1) Mrs. Vibha Pandhi W/o Shri Prem Pandhi R/o A-808, M.S. Flats, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Sagar & Shri Raj Kumar R/o S-13, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 'A' First Floor of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi-48. 1/9th share of 500 Sg. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 19-2-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1986

Ref No. IAC/Acq-I/SR-JII/7-85/149.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Ist-E/118, Lajpat Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Raj Kaur W/o late Shri Makhan Singh R/o 3/24. Old Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Bhatia S/o late Shri Kanaya Lal Bhatia R/o 1-E/118, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 1st-E/118, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 100 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-3-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1)Suraj Parkash Dhingra
S/o late Shri Som Nath Dhingra
R/o M-60, Greater Kailash, Market-I,
New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Priyanka Investments (P) Ltd. A-47, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/151.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have least to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000'- and bearing M/60, Greater Kailash, Market-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schemite annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Pethi on July 1085

New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore the property is a second to be apparent to the property as a forest than follows the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property as a forest than the fair market value of the property and the property and the property as a forest than the fair market value of the property and the property an more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A portion on property No. M-60, Greater Kailash Market-I, New Delhi, measuring 98 Sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 4/14-A, Asaf Ali Road Aggarwal House New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/152.—Whereas. I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1361 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Plot No. 63-B, N.D.S.E. Part-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Prakash Sabharwal S/o Shri Achhru Ram R/o G-1, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ranjana Grover W/o Vijay Kumar Grover R/o I.C. 32, Guru Govind Singh Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 63-B, N.D.S.E. Part-I, New Delhi. Arca 200 Sq. yds,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomplax
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dato: 19-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

A¢QUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/153.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Plot No. 64-B. N.D.S.E. Part-I, area 200 sq. yds situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Savitri Devi W/o Shri Roshan Lal Kohli and D/o Madan Gopal Sethi R/o Block No. 15/273, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Grover S/o Shri Lok Nath Grover R/o 35, Babar Road, Bangali Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

Plot No. 64-B, N.D.S.E. Part-I. Area 200 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 19-2-1986

FORM I.T.N.S.———— (1) Sh.

 Sh. Om Parkash and Sh. Nathu Ram alias Nathu S/o Sh. Sukhan, R, o 281, Hari Nagar Ashram, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Abul Kalam Azad Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi.

-174-1540 ---

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD BOMBAY

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I<sub>4</sub>/SR-III/7-85/155.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding

(and more lully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 c) 1908) in the Office of the Registering Officer at New Wilhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovrible property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 14 bighas and 18 biswas, Khasra No. 399 (10-5), 415 (4-13), Village Jasola, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESII
Competent Authors
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Dethi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1986

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi.

(1) Sh. Om Parkash

S/o Sh. Sukhan, 8 to 281 Hari Nagar Ashram,

(Transferor)

(2) Abul Kalam Azad Islamic Awakening Centre, 8/1, logabai, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/156.—Whereas, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

Agr. Land 33 bighas and 3 biswas situated at Village Jasola

Tehnil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif.een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets wihch have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 33 bighas and 3 biswas, Khasra No. 363 (16-4), 411 (1-10), 412 (5-18), 414 (4-8), 416 4-1), 763 362 1-2), Villge Jasola, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 19-2-1986

## publication (nalally) is all more and the continual of

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMELL OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-II1/7-85/157.—Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the mannerax Act. 1961 (43 of 1961) (nereinfate referred to as the said or), have reason to believe that the immovable

as the 'said et'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.

Acr. Land 34 highas and 13 biswas situated at Village Insola Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New 12th in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- 3) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rereons, namely :-

FORM ITNS (1) Sh. Nathu Ram S/o Sh. Sukhan, R/o 281. Hari Nagar Ashram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Abul Kalam Azad Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property goes be unide in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLARATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the smill have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. Land 34 bighas and 13 biswas. Khasra No. 781 / 407 (1-14), 782 / 407 (2-15), 785 / 408 (4-18), 786 / 408 (0-17), 787 / 408 (3-0), 409 min (7-0), 410 (3-2), 413 (11-7), with tube well, Kothas fittings fixtures, Village Jasola Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A. Auf Ali Rond New Delhi

Date : 19-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/158.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 100 000 /- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Agr. Land 15 bighas, Vilage Gadaipur situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New

instrument of transfer with the object of :-

Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or eventon at the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is expect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other easets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weight-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

125—36 GI/86

(1) Lt. Gen. M. S. Wadalia S/o Sh. Hira Singh Wadalia, R/o Village Gadaipur, New Delhi, for self and as attorney of Tara Spera D/o Lt. Gen. M. S. Wadalia, R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Mohan S/o Late Sh. Radhey Mohan Lal, R/o 51, Sunder Nagar, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. Land 15 bighas, Khasra Nos. 672 (4-4), 698 (5-12), 673 (2-8), 697 (2-16), Village Gadaipur, New Delhi, Delhi

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 19-2-1986

## The state of the s FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/159.—Whereas, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeimfur referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agr. Land 12 bighas and 1 Biswa situated at Village Adampur Patti (Gadaipur), New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

for an apparent consideration which is less than the fair mar-tet value of the aforesaid preserty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the earlies has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, to respect of any income trising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Dersonn, Managy :--

(1) Km. Tara Spera D/o Lt, Gen. M. S. Wadalia, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi, through her gen, attorney
Lt. Gen, M. S. Wadalia
S/o Sh. Hiva Singh Sordar Singh Bedi
R/o Village Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Brijinder Singh Bedi S/o Sh. Kanwar, R/o C-18, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. Land 12 bighas and 1 biswa, Khasra No. 730 (2-8), 729 (2-8), 737 (2-8), 742 (4-16), 731 (0-1), Village Adampur Patti (Gadaipur), Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-85/160.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-110/A, Kalkaji situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Shri Prakash Chander Gulati S/o Late Shri Chanan Dass Gulati R/o Sector No. 7, Qr. No. 942, R.K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur W/o Shri P. S. Oberoi R/o RZ-266/19 Tughalakabad Extn. New Delhi.

(Transferce)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

  (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. C-110/A, measuring 100 sq. yds, at Kalkaji,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 7-3-1986

## FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Veena Chopra W/o M. K. Chopra R/o E-360, Greater Kajlash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Brij Kumari Goswami W/o Purushotam Goswami R/o D-1087, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-85/161.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-10, Kalindi Colony situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, a shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

50% of intermediate floor (between the ground floor and first floor top) from left side portion of residential Space at B-10, Kalindi Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New? Delhi

Date: 21-2-1986

#### \_\_\_\_\_ FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Joginder Kaur

(2) 1. Shri Surinder Mohan S/o Shri Ganga Ram

W/o S. Baldev Singh and Smt. SatPal Kaur W/o S. Jagjit Singh both R/o Banga Tchsil Nawan Shahr, Distt. Jalandhar (Punjab).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2. Mrs. Sunder Bala W/o S.h. Surinder Mohan both R/o 29, Housing Society New Delhi, South Ext. Part-I, New Delhi.

(Transferce)

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-85/162.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the being the Competent Authority under Section 269AB of the being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 22, South Ext.-I Co-operative House Building Society situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First and Second Floor of part property No. 22, 100 Sq. yds. in South Ext.-I Co-operative House Building Society, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House
> 4/14A, Asaf Ali Road
> New Delhi

Date: 7-3-1986

Scal:

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/\$R-III/7-85/163.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. 22, South Ext. Part-I Co-opt House Building

Property No. 22, South Ext. Part-I Co-opt House Building Society, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Joginder Kaur W/o S. Baldev Singh and Smt, Sat Pal Kaur W/o S. Jagjit Singh both R/o Banga Tehsil Nawan Shahr, Distt. Jalandhar (Punjab). through Attorney S. Mohinder Singh

(Transferor)

(2) Smt, Shalu Chugh W/o Shri Amar Chugh R/o 29, Housing Society, New Delhi, South Extension Part-I. New Delhi.

S. Makkan Singh

(Transferec)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground Floor of property No .22, situated in South Ext. Part-I Co-opt. House Building Society, New Delhi measuring 100 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 20-2-1986

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Savitri Ghai W/o Late Shri Chander Parkash R/o S-324, Greafer Kailash, Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Anil Malik and Pradeep Malik both Ss/o Shri K. C. Malik R/o 3065, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-85/164.---Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. D-37, Jangpura Extn. area 200 sq. yds.

No. D-37, Jangpura Extn. area 200 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 i16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing No. D-37, Jangpura Extn. New Delhi, Measuring 200 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

## AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/7-85/165.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beairing No. S-473 Greaer Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Harinder Singh, S/o Shri Harkaur Singh through attorney Sh. Devinder Singh R/o E-599, Greater Kailash-II New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Kapoor W/o Sh. M. M. Thapar R/o S-473 Grenter Kailash-JI New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9th undivided share in property No. S-473 Greater Kailash-II measuring 557 Sq. yds. with complete portion of rear ground floor.

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf/Ali Road
New Delhi

Date: 20-2-1986

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishan Kumar Chopra 2/8, Vijay Nagar. Delhi-9.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor

(2) Shri Anil K. Wahi 4/98, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/167.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-1, Kallash Colony, New Delhi area 1000 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

First Floor residential flat consisting of two beds, one drawing room, one kitchen and a bathroom, Area 1000 s.ft. K-I, Kailash Colony, New Delhi.

> R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A. Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-SEE COPY 231 is not Supplied persons, namely:—
126—36 G1/86

Date: 20-2-1986

## FORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX: ACT. 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-III/7-85/168.-

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.09,000/- and bearing No.

 $\Lambda/56$ , measuring 200 sq. yds. situated at Nizamuddin East,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair transfer the officer of the officer of the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surpasses of the ladien Income-tax. Act, 1922 (11 of 1932) or is esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alternation in the property by the i sue of this notice under subsection (1) of Section 269°C of the said Act, to the following tenons, namely:—

 Smt. Harcharan Kaur W/o Late S. Kartar Singh Houe No. 230 Sec. 35-A, Chandigarh, though duly constituted Attorney Lt. Col. Balbir Singh Madan (Retd.) S/o late Shri Kartar Singh R/o House No. 230, Secor 35 Chandigarh Now A/56 Nizammudin East, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Shubh Tandan W/o Shri Gulzari Lal Tandan R/o 890, Kuncha Kabir Attar, Chadni Chowk, Delhi. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 5—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH
Competent Aut with
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 19-21986

Seal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

## AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/169.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and beairing No. Property No. S-267, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ashok Vohra
 S/o Kherati Lal Vohra
 R/o 8/1, South Patel Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Rajiv Maheshwari
S/o S. G. Maheshwari,
Smt. Bimla Devi Maheshwari
W/o Shri S. G. Maheshwari and
Kusum Maheshwari
W/o Shri Sushil Maheshwari
R/o S-267, Greater Kailash-II,
New Delhi,
through their attorney Shri Sushil Maheshwari,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit Apartment No 1, part of property No S-267, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi (proportionate share in the land).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggorwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 21-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jifinder Kumar Bahl 4/12, Sarvapriya Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Express Properties Pvt. Ltd., B-177, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 21st February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/170.——
'hercas I, R. P. RAJESH,

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beairing No.

H. S-38 in Kailash Colony, area 175.83 sq. yds. situated at Nature Paths:

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: believe that the fair market value of the property as aforesaid

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Building No. HS-38 in Kailash Colony, New Delhl. Area 175.83 Sq. yds.

R. P. RAJESH Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Al Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 21-2-1986

## FORM ITNS--- --

تتنا النب بيدني سيدي

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/171.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-56, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect ;of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhajan Singh HUF, Shri Bhajan Singh Shri Bhajan Singh S/O Late Gulab Singh, r/o S-56, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pawan Choudhry, Sudhir Choudhry, Sidhartha Choudhary (minor) and Navin Choudhary (Minor), all r/o 8-A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in

## THE SCHEDULE

Partly basement and ground floor for property bearing No. S-56, Greater Kailash-II, New Delhi, Area 2775 Sq. ft.

R. P. RAJESH Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-3-86

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th March 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/7-85/173.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. F-2, measuring 1300 sq. ft. part of situated at property No. M-167, Greater Kailash-1, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasioh of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rajni Trading Co. (P) Ltd., 30/3, Community Centre, East of Kailash, New Delhi, through its Director Shri Sobraj Chugh. (Transferor)

(2) Sht. Pushpa Harkawat w/o Sh. Manohar Lal Harhawat and Rahul Harkawat C/o 4, Idgah Mills, r/o 4, Idgah Mills, Bhopal (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. F-2, measuring 1300 sq. ft. part of property No. M-167, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-3-86

Scal:

## FORM ITNS ----

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/174.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Plot No. S-274, measuring 206.5 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasioh of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Asba Malhotra w/o Vined Kumar Malhotra Mrs. Shakoo Mohan W/o Davinder Mohan Rajeshwar Nath S/O Late Rameshwar Nath and Durga Charan Seth & Sangceta Seth, R/o S-274, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Sooraj Estate (P) Ltd., through its Director Satish Pawha r/o M-102, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

14 storeyed house on Plot No. S-274, measuring 206.5 aq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-3-86 Seal:

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Shri D. D. Sharma
 S/O Late Pandit Daulat Ram
 R/O A-6, Ring Road, N.D.S.E.I.,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. K. S. Gujral S/O Sardar Gurbachan Singh Shop No. 1, DLF Centre, Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/175.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. C, First floor property No. M-58, area 247 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasioh of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. C, First floor part of property No. M-58, measuring 247 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 19-3-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 20th February 1986

Ref. No. TAC/Acq-I/SR-III/7-85/176.--Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imm vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S-462, measuring 208 sq. yds, situated at Greater Kailash-I.

New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is Jose than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the arparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tex. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-127—36 GI/86

(1) Smt. Chander Kanta w.'o Ashok Kumar, C'O A-6, Ring Road, N.D.S.E.I., New Celhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajpal Singh Sandhu s/o Madanjit Singh Sandhu Shivpal Singh Sandhu S/O Madanjit Singh Sandhu
Through attorney Lt. Col. T. S. Gill (Retd.)
S/O Late J. S. Gill
R/O B-52, First Floor, N.D.S.E.I., New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Res. Unit on Second floor part of property No. S-462, measuring 208 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-2-1986

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Maj. P. L. Chaddah Mrs. Kamal Chaddah R-751, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Arihant leasing & Holdings A-3, Vivek Vihar, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th Feruary 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/177.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property. having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Plot No. 231 in Block M in Greater Kailash-II 400 sq. yds.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such property consideration and therefore. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 231, in Block 'M' in Greater Kailash-II mg. 400 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition & ge-I,
> Aggarwal mouse, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-2-86

### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/178.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Plot No. 117, Block M, Greater Kailash-I, New Delhi area 522 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Star Papers Mills Ltd., 27, Barakhamba Road, New Deini.

(Transferor)

(2) Ashok Gupta, Vijay Gupta sons of Phoolchand, r/o 100A Kamla Nagar, Delhi and Shailesh Gupta s/o late Harish Chandra Gupta through his mother and natural guardian Smt. Rajni Gupta, r/o 30A, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 117, Block M measuring 522 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 18-2-86

<del>\_\_\_\_\_\_</del>

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Luleant Kaur W/O Jasbu Singh and Mart Lider Mohan Singh (Minor) S/o Jasbir Singh, through his father Jasbir Singh, r/o K-9, Green Park, Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Handicrafts Emporium, Mehrauli Road, New Delhi.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### **ACQUISITION RANGE-I** AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

### New Delhi, the 21st February 1986

IAC/Acq-I/SR-III|7-85|178A.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. KAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3 bighas and 1 biswa village Sultanpur situated at Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the School of the

ing persons, namely:--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other ocram interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 3 bights and 1 biswa, Khasra No. 382. with rooms Tubewell, situated in Village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 21-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

d/o Lt. Gen. M. S. Wadalia, r/o Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Bedi w/o Kanwar Singh Bedi r/o G. 18, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-85/178B.—Whereas, J, R, P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land 9 bighns and 13 biswas situated at Village Adampur Patti (Gadaipur) Tehsil Mchrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. Land 9 bighas and 13 biswas, Khasra No. 737 (2-8), 738/1 (2-8), 741 (4-16), 736 (0-1), Village Adampur Patti (Gadaipur) Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-3-86

### FORM ITNS------

\_\_\_\_\_

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Ut Gen. M. S. Wadaba S. O Shri Hira Singh Wadalia, 170 Village Gadaipur, Tehsil Mohrauli,

------

(Transferor)

(2) Maharaji Kumar Chandra Vijay Singh, s/o Maharaja Kamal Singh of Dumraon, Dist. Bojpur, Bihar (as an Individual).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

IAC/Acq-1/SR-III/7-85/178C.—Whereas, I. Ref. No. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. Land 15 bighas Village Adampur Patti situated at (Gadaipur), Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule anneys, and the sensitivity of the September 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

17084

New Deint of July 1985 for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the apparent as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not have tally relief to the wall instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this voice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. Land Khasra No. 697 (0-12), 700 (3-8), 731 (1-6), 698 (1-4), 699 (6-8), 732 (2-2), Total 15 bighas, Village Adampur Patti (Gadaipur), Tehsil Mehrauli, New Delhi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range I, Aggarwal Hou 4/14A, Asaf Ali Road, New Delt.

Date: 7-3-86 Seal:

(1) M/s Vinspar Inds., 24 Alipur Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s HaryanaAcrylic Mfg. Co., Pvt. Ltd. 2/80, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th March 1986

Ref. No I.A.C./Acq/DLI/4/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land and factory building situated at village Badmalik,

Jatheir Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under Registration No. 1013 cn 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land and factory building situated at Badmalik, Jatheri Road and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1013 dated 11-7-1985 with the Sub-Registrar, Delhi.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-3-1986

### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Baldev Raj,
  - Shri Subhash Chander,
     Shri Ashok Kumar,
     Shri Rajinder Kumar,
     r/o Shri Shivji Nagar, Gurgaon Cantt.

(Transferor)

(2) M/s Khosla Properties, 33-34, Ram Nagar, Keishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/DLI/5/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 65 acres situated at village Palri Teh, Nuh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi under Registration No. 1020 on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 65 acres situated at village Palri Tch. Nuh and as more mentioned in the sale registered at Sr. No. 1020 dated 5-7-1985 with the Registrar, Delhi.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incommax Acquisition Range, Roman

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986

### FORM ITNS----

(1) Smt. Savitri Devi, w/o Shrl Prithvi Raj, r/o Sirsa.

(2) Smt. Phula Rani, d/o Shri Jaimal Ram, w/o Shri Kusturi Lal,

Rori Bazar, Sirsa.

(Transfer

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

### ACQISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SRS/45/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value edding Rs. 1,00,000/- and bearing No. \*perfectly No. 811/3 situated at Gali Khan Sahib, Sirsa (and more fully described in the Schiebule annexed hereto), has been transferred under the Residual annexed hereto).

property No. 811/3 situated at Gali Khan Sahib, Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No. 1976 on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being Shop No. 811/3 situated at Gali Khan Sahib, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1976 dated 4-7-85 with the Sub-Registrar, Sirsa.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 3-3-1986

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./RWR/8/85-86.--Whereas, I. B. L. KHATRI,

Ref. No. I.A.C./Acq./RWR/8/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI, benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Jamalpur Teh. Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rewari under Registration No. 1198 on 12-7-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Shashi Bhushan Gupta, s/o Shri Nathu Ram, r/o Rewari.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kanwar, s/o Shri Ram Parshad, r/o Jamalpur, Teh. Rewari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actashall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being house situated at Jamaipur Teh. Rewarl and as more mentioned in Registration Deed registered at Sr. No. 1198 dated 12-7-1985 with the Sub-Registrar, Rewarl.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-raid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./RWR/9/85-86.—Whereas, I, FL. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 259B of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 918-920 situated at Rewarl (and reason followed and state of the Schedule appeared bearts).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Rewari under Registration No. 1192 on 11-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between athe parties has not been truly stated in the said instrument If transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Insume-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Ast, or the Weekth-tex Act. 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Chetan Parshad, s/o Shri Suraj Parshad, r/o Rewari.

(Transferor)

(2) Smt. Thakar Bai, wd/o Late Shri Karam Chand, Kewal Ram, Raj Rani, w/o Shri Lachhman Dass, Shop No. 918-920, Rewarl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being Shop. No. 918-920 Rewarl and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1192 dated 11-7-1985 with the Sub-Registrar, Reward.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./JND/31/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI, B. L. KHATKI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lanmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 20 kans is situated at Jind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have hear transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Jind under Registration No. 1599 on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than infiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inecase arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Chander Pati, w/o Shri Tek Ram, r/o Jind.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ved Parkash s/o Shri Ram Gopal, r/o Anaj Mandi, Jind.
  2. Shri Ramchar s/o Shri Sat Bhan, r/o Gangana District Sonepat.

  - Shri Satbır Singh s/o Shri Kishan Singh, r/o Ladana Teh. Safidon.
     Shri Dumi Chand s/o Shri Birkha Ram, r/o Kurukshetra.
     Shri Anil Kumar s/o Shri Shyam Lal Gupta,

  - r/o Jind.
  - 6. Shri Suresh Kumar s/o Shri Bani Singh,
  - r/o Jind. 7. Shri Ram Kumar,

  - Shri Dilbag Singh,
     Shri Ishwar Singh ss/o Meni Ram,
     s/o Kehru, r/o Ridhana Distt, Sonepat.
     Shri Devinder Singh s/o Shri Sube Singh.
     Shri Meer Singh s/o Nihalu,
     r/o Bhagwatipur, Distt. Rohtak,
     Shri Om Parkash s/o Shri Mangla,
     r/o Anai Mandi Jind

  - r/o Anaj Mandi, Jind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sande in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals situated at Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr, No. 1599 dated 1-7-1985 with the Sub-Registrar, Jind.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

Rohtak, the 24th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./BWL/2/85-86.—
Whereas I, B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
property, having a fair market value
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land measuring 57 kanals situated at Bawal Teh. Bawal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bawal under Registration No. 212 dated 11-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be:ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Smt. Hukmi Bai widow

2. Chander Kala

3. Neelam

Suman Bala

Samita daughters
 Gian Chand
 Ramesh Chand
 Vijay Kumar sons of Sh. Ram Lal
 Smt. Shanti Bai

10. Krishan Kumar

11. Prem sons

12.Smt. Santosh

13. Kailash daughter—Manohar Lal14. Suraj Bhan S/o Sh. Amir ChandR/o Bawal (Now Ludhiana).

(Transferor)

(2) Sh. Surjan S/o Sh. Dhani Ram R/o Bawal Teh. Bawal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same mean ng as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 57 kanals situated at Bawal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 212 dated 11-7-1985 with the Sub Registrar, Bawal.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtan

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-2-1986

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 20th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/64|85-86.—
Whereas I, B. L. KHATRI,
being the Competen Atuthority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
land measuring 33 kanals 4 marlas situated at vill. Silokhera
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gurgaon under Registration No. 2022 dated 11-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Ram Parkash
 Sh. Om Parkash
 Siri Parkash
 Ss/o Sh. Chhatar Singh
 R/o Silokhera Teh. Gurgaon.

(Transferur)

 M/s. East India Hotels Ltd., 4, Mango Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 33 kanals 4 marlas situated at Silokhera and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2022 dated 11-7-1985 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 20-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### ) OF THE INCOME-

### GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Satpal Khera
 S/o Sh. Chaman Lal Khera
 R/o EP 145/15, Jaikampura,
 Gurgaon.

(Transferor)

(2) Sh. Dhanvir Singh S/o Sh. Kanhaya Lal R/o Sukhrali Teh, Gurgaon.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE

Rohtak, the 17th February 1986

ROHTAK

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/56/85-86.—
Whereas I, B. L.: KHATRI,
being the Competen Atuthority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Rajindera Park, Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gurgaon under Registration No. 1927 on 5-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property being house situated at Rajindera Park, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1927 dated 5-7-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/52/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfur referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 34/4, Jaikampura situated at Gurgaon

H. No. 34/4, Jaikampura situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1864 on 3-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the sunderation for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) twellitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sanmukh Singh 8/0 Sh. Hukam Singh r/0 34/4, Jakampura, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar Goel s/o Sh. Bhagwati Parshad, 511/4, Urban Estate, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house No. 34/4 situated at Jaikampura, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1864 dated 3-7-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/60/85-86.— Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2 situated at Vill. Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1973 on 9-7-1985 fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instryment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of tth yibaileil
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

129-36 GI/86

(1) Sh. Shamsher Singh s/o Brig. Ram Singh r/o 96 Saini Farm Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Drupał J. Thakur s/o late Sh. Janak Singh 2. Smt. Kokil—D.—Thakur w/o Sh. Drupat J. Thakur, r/o B-S-Dalta Guru Society near Tehcom Factory, Deonar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot No. 2 at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1973 dated 9-7-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-2-1986

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/54/85-86.— Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authorty under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

land 48 kanals situated at Vill, Farukhnagar, Tch. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Gurgaon under Registration No. 1918 on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect in apparent consideration incretor by more than effect per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any ncome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in oursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Arjan Ram s/o Sh. Magha Ram H. No. 396, Arjan Nagar, Farukh Nagar Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Sh. Khushi Ram s/o Sh. Tota Rom s/o Sh, Hari Ram r/o Nathurpur Teh. Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 kanals situated at Farukhnugar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1918 dated 5-7-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-2-1986

### FORM ITNE -

(1) Sh. Asha Ram s/o Tinku Ram r/o 393, Farukhnagar, Teh. Gurgaon,

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 240D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/53/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

whereas 1, B. L. KHAIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 38 kanals 2 marlas situated at vill, Farukharasa Taba Correction.

nagar Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Gurgaon under Registration No. 1917 on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of . transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waldh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sh. Khushi Ram s/o Tota Ram r/o Nathupur, Tch. Gurgaon,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons. (a) by a never period expires later:
- by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 38 kanals 2 marlas situated at Farukhungar Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1917 dated 5-7-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under an section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-2-1986

### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./HNS/9/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 95 kanals 12 marks situated at Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

land 95 kanals 12 mattas situated at Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 987 dated 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income oor any amoneys or other essets which have not been er which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gajji Singh S/o Sh. Siri Chand R/o Hansi, & Mukhtiare-am Minjamin Parkash Chand S/o Siri Chand 3, Smt. Rama Devi uraf Varsa Moham wd/o Sh. Karan Singh 4. Sh. Rajinder Kumar Mohan uraf Arjundass S/o Sh. Siri Chand r/o Hansi.

(Transferor)

(2) Sh. Harbaus Lal S/o Sh. Bhagwan Dass S/o Sh. Thakur Dass r/o Hansi. (Mahalla Rampura).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 95 kanals 12 marlas situated at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 987 dated 1-7-85 with the Sub-Registrar, Hansi.

B. L. KHATRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 19-2-86.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACOUISITION RANGE, ROSTAK

Rohtak, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq/HNS/10/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 55 kanals 14 marlas

situated at Hansi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 1162 dated 16-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sampuran Singh S/o Sh. Harnam Singh S/o Sh. Laxman Singh R/o Hansi.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Neeraj Loona S/o Sh. Surinder Loona S/o Sh. Chaman Lal Loona 2. Sh. Surinder Loona S/o Sh. Chaman Lal Loona 3. Smt. Sunita Loona W/o Sh. Surinder Loona 4. Sh. Pritam Singh S/o Sh. Lakha Singh S/o Sh. Arjan Singh 5. Sh. Ram Niwas S/o Sh. Om Prakash S/o Inderjeet Singh R/o Hansi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 tays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 55 kanals 14 marlas situated at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1162 dated 16-7-85 with the Sub-Registrar, Hansi.

B. L. KHATRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 4-3-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq/HSR/36/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 80 kanals situated at Vill. Ghaibipur Teh. Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 2100 dated 3-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Parmeshwari Bai 2. Bishan Devi 3. Smt. Shakuntla Devi 4. Bharwan Bai ds/o Sh. Tilok Chand C/o Sh. Dharam Pal, Lambardar V. & PO Balmala.

(Transferor)

(2) Sh. Shiv Dayal S/o Sh. Kirpa Ram R/o Mela Road Tibba Dana Sher, Hsisar.

(Transferee)

(3) Sh. Dase Ram S/o Sh. Mangtu Ram Aod by cast R/o Bawani Khera Teh. Bhiwani, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the correcald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immunable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 80 kanals village Ghaibipur Teh. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2100 dated 3-7-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rolling.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 19-2-86.

Hissar.

### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (2) The Vishan Adhyatmi Singh Co-op. Group Housing Society Ltd.

(Transferor)

Hissor.

(1) Sh. Ram Chand S/o Sh. Bega S/o Sh. Mana R/o D. C. Colony, H. No. 22,

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

Ref. No. IAC/Acq/HSR/40/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 15 kanals 19 marlas situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 2231 dated 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 19 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2231 dated 11-7-85 with the Sub-Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 24-2-86

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th February 1986

Ref. No. IAC/Acq. THN/13/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House-cum-shop situated at Tohana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohana under Registration No. 1552 dated 17-7-85 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Sh. Vinod Kumar S/o Sh. Bakshi Ram Gupta r/o Tohana Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwari Devi W/o Sh. Nohar Chand 2, Smt. Lata Rana W/o Sh. Madan Gopal 3, Sh. Ahok Kumar S/o Sh. Nohar Chand r/o Tohana Distt, Hissar. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house-cum-shop situated at Tohana and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1552 dated 17-7-85 with the Sub-Registrar, Tohana.

B. L. KHATRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 19-2-86. Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infinite proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Puran Chand, So Sh. Beri Lal, S/o Sh. Khan Chand, R/o H. No. 117, 8 Marlas. Sonepat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP.TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/32/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ho No. 117 situated at 8 marlas, Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sonepat under Registration No. 1782 on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sh. Tej Bhan, S/o Sh. Topan Dass, S/o Sh. Nihal Chand, R/o 117, Ram Nagar, 8 Marla, Sonepat, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 117 situated at 8 marla, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1782 dated 5-7-1985 with the Sub Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
130—36 GI/86

Date: 5-3-1986

Scal;

### PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/35/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 12 bighas 5 biswas situated at Musalmanan, Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at the Competent Authority at

1962 dated 9-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concentment of any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been for transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sh. Virender Kumar.

2. Smt. Usha Rani,

Smt. Usna Kani,
 Smt. Sushila,
 Smt. Lalita Ds/o Chudamani S/o Sh. Khush Hal Chand, R/o 156 Mohalla, Jamalpura Sonepat, Usha Rani, W/o Sh. Mahinder Kumar Malhotra, R/o Ludhiana, Sushila, W/o Sh. Laxml Narayan, R/o Delhi, Smt. Lalita, W/o Sh. Prem Prem Kumar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Lai (2) Sh. Hans Raj Se/o Sh. Malha Ram S/o Sh. Hira Nand, R/o H. No. 19 Housing Colony, Sonepat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 bighas 5 biswas situated at Patti Musalmanan, Soncpat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1823 dated 9-7-1985 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 5.2-86

### FORM I.T.N.S .---

----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/36/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 4 bighas 5 biswas situated at Patti Musal-

manan, Sonepat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under registration No. 1824 dated 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Chanderwati (2) Ish Kumari (3) Raj Kumari, (4) Prem Kumari (5) Chanchal Kumari Ds/o Smt. Chander Kala, W/o Sh. Girdhari Lal R/o H. No. 156, Mohalia Jamalpura, Sonepat—Chanderwati Wd/o Sh. Dharam Chand, R. K. Puram, Delhi, Ish Kumar W/o Sh. Murlidhar, R/o Pahar Ganj, Delhi, Raj Kumari, Wo Gangadhar, R/o Agra, Prem Kumari W/o Sh. Dhanpat Rai Khanna, Chanchal Kumarl, W/o Sh. Prem Kumar, R/o Delhi. (Transferor)
- Sh. Krishan Lal (2) Hans Raj Se/o Sh. Malha Ram R/o 19 Housing Colony, Sonepat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 5 biswas. Patti Musalmanan, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1824 date 9-7-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date ; 5-2-1986

Seal ·

### FORM LT.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/37/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 111 kanals 15 market situated at Village Sultanpur Teh. Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Soncpat under Registration No. 1897 dated 13-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 ef 1934);

(1) 1. Sh. Dhanraj (2) Sh. Gajraj Ss/o Sh. Siripal, S/o Sh. Paras Dass Jain R/o Sonepat now H. No. 1, Court Road, Civil Line, Delhi.

(2) h. Moti Lal (2) Sh. Krishan Lal Ss/o Sh. Tharu Ram, S/o Sh. Himta, R/o H. No. 283, Mohalla Mashad, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives is that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 111 kkanals 15 marlas situated at Sultaupur Teh, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1897 dated 13-7-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robink.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/38/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 14 kanals 12 marlas situated at Sultanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 1898 dated 13-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Sh. Siri Pal S/o Sh. Paras Dass Jain adopted son of Sh. Baij Nath Jain, 1/o Sonepat now H. No. 1 Court Road, Civil Line, Delhi.
- (Transferor)
  (2) Sh. Moti Lal, (2) Sh. Krishan Lal Ss/o Sh. Tharu
  Ram S/o Sh. Himmat Ram R/o H. No. 283,
  Mohalal Mashad, Sonepat.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land 14 kanals 12 marlas situated at village Sultanpur, Teh. Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1898 dathed 13-7-1985 with the Sub-Registrar, Sonepat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-2-1986

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st February 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./SPT/45/85-86.—Whereas. 1, B. L. KHATRI,

B. L. KHAIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 27 kanals 8 marlas situated at Murthal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 2070 dated 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) S/Sh. Ram Kishan, Mahinder Singh, Ss/o Sh. Rup Chand S/o Sh. Kundan, R/o Murthal, Teh. Sonepat. (Transferor)
- (2) The Jai Bharat Co-op. House Building Society Ltd. G. T. Road, Murthal Teh. Sonepat, (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 27 kanals 8 marlas situated at Murthal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2070 dated 25-7-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 21-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD[45-45]85-86.—Whereas, J. B. L. KHATRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 40 (5B//40) situated at NIT, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. \$160 & 4298 dated 23-7-85 & 26-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid receds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sardar Singh, S/o Sh. Mohar Singh, R/o 5-B/40, NIT, Faridabad.

(Transferor)

(2) Sh. Gavardhan Sen (2) Sh. Chiman Lal, (3) Sh. Nirender Kumar Ss/o Sh. Dina Nath, S/o Sh. Kishan Chand, R/o 5-C/83, NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house No. 40 (5B/49) NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. Nos. 4160 & 4298 dated 23-7-1985 and 26-7-1985 respectively with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 5-3-1986

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD|46|85-86.--Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. B. P. No. 46, situated at Batta Neelam Road, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 4387 dated 30-7-1985

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Rajiv Arora, S/o Sh. Gobind Ram, R/o J-138, Saket, New Delhi

2. Sh. Hari Om, S/o Sh. Chuni Lal, R/o G-274. Saket, New Delhi

3. Sh. Manohar Lal S/o Sh. Ram Ditta Mal, R/o G-25, Saket, New Delhi
4. Smt. Sunita, W/o Sh. Sukh Dev Raj, R/o G-119, Saket, New Delhi.

 1. Smt. Kumud Jain, W/o Sh. Kumar Jain
 2. Sh. Anshu Mali Jain, S/o Sh. Vijay Kumar Jain,
 r/o 6-Satyawati Nagar, Ashok Vihar, Phase 3, Delhi-52.

Smt. Vimla Jain w/o Sh. Surakshak Kumar
 Smt. Kusum Jain, W/o Sh. Pawan Kumar Jain, R/o B-38, Satwati Nagar, Ashok Vihar, Phase-3,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot No. B.P. No. 46 situated at Batta-Neelam Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4387 dated 30-7-85 with the Sub Registrar, Fardabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak,

Now, increiore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

I.A.C./Acq./FBD[42]85-86.--Whereas, I. Ref. No.

B. L. KHATRI.

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 26 Block B-1 Sector -11, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 4200 dated 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :---

131 GI/86

 1. Sh. Chothey Ram S/o Sh. Khilla Ram
 2. Sh. Narinder Kumar S/o Sh. Chothey Ram
 R/o 1-D-60, New Towns'np, Faridabad. (Transferor)

(2) Sh. Shankar Nandi, S/o late Sh. Hari Mohan Nandi, R/o D-27, South Extension Part-1, New Delhi-49.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the respective of notice on the respective persons whi have period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot No. 26 Block B-1, Sector 11, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4200 dated 23-7-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 24-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Om Wadhwa, S/o late Sh. Her Bhagwan Wadhwar, R/o A-9/15, Vasant Vihar, New Delhi.

(2) Sh. Krishan Lal Dhawan, S to Sh. Siri Ram Dhawan R/s 639, Section 15, Faridabad (now H. No. 455 Sector 15, Faridabad).

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD|43|85-86.-Whereas, B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 455 Sector 15 situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 4226

Faridabad under Registration No. 4226 dated 24-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 455 Sector 15 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4226 dated 24-7-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Rolltak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th Febraury 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD\_36/85-86.—Whereas I

Ref. No. 1.A.C./Acq./FBD/36/85-86.—Whereas 1. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. H. No. 1016 stuated at Sector 16, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 3396 dated 2-7-1985 dated 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument i transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westherax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby laitiate proceedings for the acquisition of the afernsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Rajinder Kumar Mahrotra s/o Sh. B. K. Mahrotra, R/o 5-A/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi .

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh Mahli, S/o Sh. Teja Singh H. No. 1016. Sector 16, Faridabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house No. 1016 Sector 16 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3396 dated 2-7-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-2-1986

 Sh. Ranbir Singh S/o Sh. Karan Singh, R/o 886, Sector-9, Faridabad.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

Sh. Rajinder Kumar Goyal, S/o Sh. M. P. Goyal,
 Smt. Abba Goyal, W/o Sh. Rajinder Kumar Goyal, R/o H. No 886, Sector-9, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th March 1986

Ref. No. I.A.C./Λcq./FBD/39/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 100 000, and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. H. No. 886 situated at Sector 9, Faridabad and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Faridabad under Registration No. 4070 dated 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house No. 886, Sector-9, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4070 dated 18-7-1985 with the Sub Registetrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said and the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

Ref. No. 1.A.C. Acq GHD|25|85-86. -Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. land 57 kanals 2 marlas, situated at Vill. Patheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred diader the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gharaunda under Registration No. 667, dated 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebiest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facilitating the concealment of any facilitating moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Nanak Chand, S/o Sh. Ram Kishan, R/o Palheri Teh. Gharaunda.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Kasturi Lal, 2. Subhash Chander,

3. Ram Parkash, Ss/o Sh. Des Raj, R/o Model Town, Panipat, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 57 kanals 2 marlas situated at Vill. Palheri Teh. Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 667 dated 16-7-85 with the Sub-Registrar, Gharaunda.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak.

Date: 3-3-1986

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ROOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GHD/26/85-86.—Whereas, I, B, L, KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 40 kanals situated at Vill. Palheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gharaunda under Registration No. 668 dated 16-7-1985

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweed the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not book or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Arjan Dass, S/o Sh. Ram Kishan, S/o Sh. Bakshee Bara R/o Palheri Teh. Gharaunda Distt. Karnal.

(2) S/Sh. Kàsturi tal (2) Subhash Chander, (3) Sh. Ram Pa'kash S/o Sh. Des Raj, S/o Sh. Aya Ram, R/o Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanals situated at Palheri Teh. Gharqunda Distt. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 668 dated 16-7-1985 with the Sub Registrar, Gharaunda.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Roptak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the home of this nation under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) Sh. Arjan Dass, S/o Sh. Ram Kilkan, R/o Palheri Disti. Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Kasturi Lal (2) Sh. Subhash Chander, (3) Sh. Ram: Parkash, Ss/o Sh. Des Raj, R/o Model Town, Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GHD/27/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. land measuring 13 kanals 14 marlas situated at Vill. Palberi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gharaunda under Registration No. 669 dated 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferound/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanals 14 marlas situated at Vill. Palheri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 669 dated 16-7-85 with the Sub Registrar, Gharaunda.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/57/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 2 bighas 12 Biswa situated at Taraf

Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat under Registration No. 2243 dated 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section  $\angle 69D$  of the said Act, to the following persons, namely:  $\sim$ 

(1) Sh. Mangal Singh, S/o Sh. Jawand Singh, R/o Dachor Sub Teh. Nissang.

(Transferor)

(2) Sh. Wadhwa Ram, S/o Sh. Bhola Ram (2) Sh. Dhani Ram S/o Sh. Chhanga Ram (3) Raj Kumar, S/o Sh. Foutar Chand, (4) Om Parkash S/o Sh. Kartar Chand, r/o Wadhwa Ram Colony, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persones. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 12 biswas situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2243 dated 9-7-85 with the Sub Registrar, Panipat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-3-1986 Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

Ref. No. I.A.C.Acq./AMB/83/85-86.-Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. H. No. 939 situated at Urban Estate, Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 2691 dated 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
132—36 GI/86

- (1) Sh. Pal Singh Munde, S/o Sh. Narayan Singh, R/o H. No. 939 Sector 2 Urban Estate, Ambala City. (Transferor)
- (2) Sh. Bal Krishan Kharbanda, S/o Sh. Inderjejet Lal Kharbanda, (2) Smt, Vijay Laxmi Kharbanda, W/o Bal Krishan Kharbanda, R/o 939, Urban Estate, Sector 2, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 939, Urban Estate Sector 2, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2691 dated 8-7-85 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 3-3-1986

FORM 1.1.N.S.--

(1) Sh. Charanjit Singh, S/o Sh. Damodar Singh H. No. 67, Mathura Nagri, Ambala City. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Sat Pal, S/o Sh. Mehar Chand, H. No. 58, Inder Nagar, Ambala City now resident of H. No. 67, Mathura Angari, Ambala City. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Rohtak, the 5th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/86/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. 1.A.C./Acq./AMB/86/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 67 AMC 570-B VII situated at Mathura Nagari, Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 2851 dated 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1957)?

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being H. No. 67 AMC 570-B-VII situated at Mathura Nagari, Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2851 dated 15-7-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohlak, the 24th February 1986

Ref No. I.A.C./Acq./AMB|87|85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 5341 situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 2896 dated 16-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Gian Dass, S/o Sh. Harnam Dass, S/o Sh. Gobind Baksh, R/o Punjabi Mohalla, H. No. 5341, Ambala Cantt.

(2) Smt. Swaran Kaur, W/o Sh. Khem Singh, S/o Sh. Sadhu Singh r/o H. No. 4517, Purani Subzi Mandi, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said flet, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No. 5341, Punjabi Mohulla, Ambala Cantt, and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2896 dated 16-7-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-2-86

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/88/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 25 kanals 3 marlas situated at Vill. Ugara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 2897 dated 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Sh. Laxmi Dutt, S/o Smt. Narani, D/o Sh. Mansa R/o Vill: Ugara Teh, Ambala (Now Pool Chameli, Ambala Cantt.).

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Jain (2) Ajay Jain Sa/o Sh. Adashwar Dayal Jain, R/o 2728 Timber Market. Ambala Cantt.

(Transferce)

(3) Sh. Laxmi Dutt. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 25 kanals 3 marlas situated at village Ugara Tch. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2897 dated 16-7-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:-

Date: 24-2-1986

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

1AC/Acq.|JDR|41|85-86.--Whereas, Ref. No. I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No, land measuring 26 kanals 6 marlas, situated Vill. Udamgarh

Udamgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari under Registration No. 2014,

dated 2-7-1985

dated 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Joginder Singh, S/o Sh. Sardar Singh R/o Udamgarh Teh. Jagadhari. (Transferor)

(2) Co. Parkash Sons Kankast Pvt. Ltd., Chhachhorli Gate, Jagadhari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 26 kanals 6 marlas situated at Udamgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2014 dated 2-7-85 with the Sub Registrar. Jaga-

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-3-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th March 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./JDR/45/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. A.M.C. J-2-123 situated at Pansari Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered

at Jagadhari under Registration No. 2164

dated 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Shanti Sarup Goyal, So Sh. Baini Parshad Goyal, R/o Goyal Nursing Home Mission Compound, Saharanpur .

(Transferor)

Smt. Laltesh Kumari, W/o Sh. Subhash Chand,
 Smt. Sunita Rani, W/o Sh. Anil Kumar,
 R/o Baligadhan, Jagadhari.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. A.M.C. J-2-123 Pansari Bazar, Jugadhari an das more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2164 dated 1-7-85 with the Sub Registrar, Jagadhari.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tex Acquisition Range, Rohtak.

Date: 7-3-86

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. Varinder Kumar Manocha, S/o Sh. Lal Chand H. No. 195-R, Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Sh. Bhim Sain (2) Smt. Raj Rani, W/o Sh. Bhim Sain (3) Sh. Subhash Chander S.o Sh. Blim Sain, R/o 195-R, Model Town, Yamunugar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

Ref. No. LA.C./Acq./JRD[47]85-86.—Whereas, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing H. No. 195-R, situated at Model Town, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari under Registration No. 2337

dated 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaoter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 195-R, Model Town, Yamuna-nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2337 dated 22-7-85 with the Sub Registrar, Jagadhari,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-2-1896

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

\_I.A.C./Acq./KNL|190|85-86.-Whereas, I, Ref. No. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

17126

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
H. No. 2172, Sector 13 situated at Urban Estate, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1482 dated 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Sh. Hazur Lal, S/o Sh. Gopal Dass, R/o H. No. 906, Sector, 13, Urban Estate, Karnal (Transferor)

(2) Sh. Jagdish Chander Nagpal, Sh. Om Parkash Nagpal Ss/o Sh. Manga Ram r/o H. No. 247 Tripuri Town, Patiala (Punjab). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons— whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Au shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 2172 Sector 13 Urban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1482 dated 1-7-85 with the Sub Registrar, Karnal.

> B, L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-2-1986

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 21st February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/91/85-86.-Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land 8 bighas 12 biswas situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal under Registration No. 1487

1962 dated 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ac
- (b) facilitating the concealment of any income or any gameys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Ram Diya, S/o Sh. Ram Singh, (2) Chet Ram, (3) Surjan Ss/o Sh. Mansa Ram, r/o Mohalla Dayalpur, Karnal .
- (2) Sh. Jeewan Dass, S/o Sh. Mohan Lal, R/o Arjun Gate, Karnal (2) Sh. Ram Darshan Bhatia, S/o Sh. Ram Lal Bhatia, (3) (Smt.) Raj Bhatia, W/o Sh. Ram Darshan Bhatia, R/o Shahbad Markanda, (4) Ch. Rosenbard, R/o Shahbad Markanda, (4) Sh. Ramesh Sachdeva, S/o Sh. Gursain Lal, (5) Kamlesh Rani W/o Sh. Ramesh Sachdeva C/o New Bank of India, Narwana, (6) Surinder Kumar S/o Sh. Datyai Lal R/o Model Town, Karnal, (7) Sh. Hem Raj, S/o Sh. Khush-hal Chand, R/o Arjun Gate, Karnal . (Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION: ....The terms AEDressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing land measuring 8 bighas 13 biswas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1487 dated 1-7-85 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :133—36 GI/86

Date: 21-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CONTROL OF THE PROPERTY OF THE

## GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Malkiyat Singh s/o
 Sh. Chetan Singh r/o
 Sector 13 Urban Estate,
 Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Vecna Batra w/o Sh. Mohinder Pal Batra r/o Jyoti Steel Corporation, Navalti Road, Wakilpura, Karnal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ΔCQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/105/85-86.—Whereas I.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 1507 Sector 13,

situated at Urban Fstate, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Pegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1613 dated 11-7-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) (scilltating the reduction or evasion of the implify
  of the transferor to pay tax under the said Aq in
  percet of any income arising from the trupe ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any aroneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 1507 Sector 13 Urban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1613 dated 11-7-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. I KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Internetax
Acquisition Rangel Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

MATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

Ref. No. I.A.C. Acq. KNL/108/85-86.—Whereas, I... B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.—and bearing H. No. 2065.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1629 dated 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Dharam Singh Rohila s/o
 Sh. Mangat Ram Rohila
 r/o H. No. 2065 Sector 13 Urban Estate Colony,
 Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Nirmal Kumar Jam s.o Sh. Sunder Lal Jain r/o H. No. 253, Holli Mohalla, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 2065 Sector 13 Urban Estate Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1629 dated 12-7-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL|109|85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 504-R, Model Town, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1630 dated 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Bakhshish Singh s/o
 Sh. Sant Singh, r/o
 J-11/120, Rajori Garden, New Delhi
 Mukhtiare-am of Smt. Rajwant Kaur w/o
 Sh. Vajinder Singh r/o
 Ramba, Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Buhadar Singh s/o Sh. Pritam Singh r/o H. No. 504 Model Town, Karnal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 504-R, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1630 dt. 12-7-85 with Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

I.A.C. Acq. KNL/110/85-86.—Whereas Ref. No. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. C-994

situated at Purani Mandi, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1632

dated 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act in respect of any income arising from the transferee; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under the section (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shanti Devi wd/o Sh. Amar Nath, H. No. 510, Model Town,

(Transferor)

(2) Sh. Ravinder Singh, Ajit Singh, Joginder Singh, ss/o Sh. Tirlok Singh, H. No. 1910 Sector 13, Urban Estate, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being shop No. C-994, Purani Mandi, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1632, dated 12-7-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## AIGNI TO THEMHASOOD

#### WHICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

Ref. No. I.A.C. Acq. KNL/113/85-86.--Whereas B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. XIX-279,

situated at Dewan Colony. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal under Registration No. 1658 dated 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1)Smt. Satwant Kaur wife of Sh. Ajmat Singh s/o Sh. Charanjeet Singh r/o Club Lanc, 12 Dewan Colony, Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Jummi Bai w/o Sh. Jiwan Dass, 1/0 H. No. G-250, Mohalla Mirsanda, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No. XIX-279, Dewan Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1658 dated 15-7-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1986

Ref. No. I.A.C. | Acq. | KNL/114/85-86.---Whereas B, L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 28 Kanals 16 marlas situated at Vill. Sangoha Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal under Registration No. 1671 dated 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sh. Hottu Ram,

2. Sh. Pera Ram ss/o

Sh. Jajssa Ram, soo Sh. Sadhu Ram,

3. Sh. Krishan Lal,

4. Sh. Om Parkash ss/o Sh. Hottu Ram,

r to Karnal City.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Gurcharan Singh, 2. Sh. Gurbachan Singh, ss/o Sh. Nishan Singh, r/o Vill. Ramba, Teh. Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals 16 marlas, situated at vill. Sangoha, Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1671 dated 16-7-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1986

I.A.C. Acq. KNL/115/85-86.--Whereas No. Ref. No. I. B. L. KHATRI,

B. L. KHAIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Kunjpura Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 1697

dated 17-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I property, and I ct value of the have reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bab of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) fucilitating the concealment of any become or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Sh. Suresh Kumar Mahesh Kumar, Naresh Kumar ss/o Sh. Ganga Dhar, r/o XIII/1508, Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Anand Dev Sharma s/o Sh. Jati Ram, 170 XIII, SCF 29, Urban Estate, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motors in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house situated Kunjpura Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1697 dated 17-7-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th February 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. KLK/13/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

results a said Act.), have reason to believe that the limitovacue property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 83, Sector 10 situated at Panchkula (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 905 dated 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under spin-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

134—36 GI/86

(1) Sh. Kirpal Singh s/o Sh. Dalip Singh r/o 83, Sector 10, Panchkula.

(Transferor)

 Sh. Bharat Rattan Sharda
 Sh. Ashwani Kumar Sharda
 Sh. Ashok Kumar Sharda all resident of H. No. 83, Sector 10, Panchkula.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve: period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being House No. 83, Sector 10 Panchkula and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 905 dated 4-7-85 with the Sub Registrar, Kalka.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-2-1986

Scal :

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Jagmohan Nath Sharma s/o Sh. Prem Narayan Sharma r/o 210 Sector 4 Panchkula.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand s/o Sh. Najir Dass r/o village Kasseran, Teh. Nawashahar Distt. Jalandhar (Pb.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 18th February 1985

Ref. No. I.A.C. Acq. KLK/15/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 210

riot No. 210 situated at Sector 4, Panchkula (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at dated 31-7-1985

dated 31-7-1985
Bangalore vide Registration No. 1530/85-86 dated 29-7-1985
for an apparent consideration which is tess than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
aid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 210 Sector 4 Panchkula and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1149 dated 31-7-85 with the Sub-Registrar, Kalka,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:

Date: 18-2-1986

## FORM ITNS -

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

I.A.C.|Acq.|NKR/25/85-86.--Whereas No B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 56 kanals 2 marlas, situated at Village Nigdu, Teh. Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 709 dated 26-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income text Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Anil Kumar s/o Sh. Brij Lal s/o Sh. Sawan Mal, r/o Nigdu, Teh. & Distt. Karnal.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sh. Naresh Kumar s/o Sh. Mohan Lal,
  - s/o Sh. Raghu Nath,
     Inderject Singh s/o Sh. Kashmir Singh, s/o Sh. Harbansh Singh partners of Mahabir Trading Co. Nigdu, Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever revised arounds whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 56 kanals 2 marlas, situated at village Nigdu, Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 709 dated 26-7-85 with the Sub-Registrar, Nilokheri.

B. L. KHATRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-2-1986 Scai:

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th February 1986

I.A.C. Acq. BRR/7/85-86.—Whereas No. Ref. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

and bearing and bearing land 54 kanals 18 marlas, situated Adhoya (Ambala) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barara under Registration No. 704

dated 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which asve which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for which income-tax Act. 1992 the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. S/Sh. Awtar Singh, 2. Jagtar Singh, 3. Gurchaten Singh, ss/o s/o Sh. Nand Singh, r/o Adhoya (Ambala).

(Transferor)

(2) S/Sh. Prem Sagar s/o Sh. Ronaki Ram, Sh. Madho Ram, r/o Saggol (Uchangaon) Teh. Samrala Distt. Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and to expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 54 kanals 18 marlas, situated at village Adhoya (Ambala) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 704 dated 1-7-85 with the Sub Registrar, Barara.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 24-2-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th March 1986

Ref. No. I., B. L. KHATRI, I.A.C. Acq. RTK/43/85-86.—Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 14/291, situated at DLF Colony, Rohtak,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 2571 dated 27-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evanion of the of the transferor to pay tax w respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ved Pall Arya s/o Sh. Mool Chand s/o Gonda Ram r/o H. No. 14/291, DLF Colony, Robtak.

(Transferor)

(2) Sh. Iqbal Krishan Malik s/o Sh. Ramji Dass s/o Sh. Maiya Dass, r/o 193/18, Madhu Kunj, Civil Hospital Road, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period empless later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 14/291, DLF Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2571 dated 27-7-85 with the Sub Registrar, Rohtak.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-3-1986

Scal:

#### FORM ITNS ...

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 76/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Door No. 435, P.H. Road, Madras-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 771/85) on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Sri Subashkumar Jain, S/o Late Sri Desraj Jain, 66, Audiappa Naicken Street, Madras-600 079.

(Transferor)

(2) Smt. Rajshree Gadhaiya,
 W/o Sri Ratanlal Gadhaiya,
 12, Mahaveer Colony,
 E.V.K. Sampath Road, Madras-600 007.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land at No. 435, Poonamallee High Road, Madras-600 010. (Doc. No. 771/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

## FORM ITNS ....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 78/July/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Door No. 2, Sivasankara Mudaliar Street, Kilpauk, Madras-10

Madras-10

(and more fully described in the schedule annexed hereto) ha sheen transferred under the Registraion Ac, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 802/85) on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fat-market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any innerso arising from the transfer;
- (h) facilitating the concentment of any income or any monage or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Shri K. Thanikachalam. 2. Siyasankara Mudaliar St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Jeevabhoy Estates, 26. Armenian Street. Madras-600 001.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gametto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 2, Sivasankara Mudaliar Street, Kilpauk, Madras-10 (Doc. No. 802/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, n vmcly :-

Date: 3-3-1986

Seai:

## PORM ITNS

(1) Sri P. Mohan Naidu, S/o P. K. Ramanujalu Naidu, 5, Dhanala Aravamudha Naidu Garden St., Egmore, Madras-600 008.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(2) Sri S. Deivasigamani & Other, Sons of Sundaresa Mudaliar, Bapannapallee Village. Vadaseri Post, Vaniyambadi Taluk, North Arcot Dist.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in writing to the undersigned :-

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 79/July/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Door No. 5, Dhanala Aravamudhu Naidu Garden Street,
Egmore, Madras-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 805/85) on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said respect of any become arising from andlor

Land and Building at Door No. 5, Dhanala Aravamudhu Naidu Garden St., Egmore, Madras-8 (Doc. 8058/85).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under section (1) of Section 259D of the said Act. in the following persons, namely :--

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 85/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 1097, P.H. Road, Madras-3 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 867/85) on 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Prema Jaipal, W/o. Jaipal, No. 7-B, Cherney Nilgiri. No. 64, Commander-in-Chief Roed, Egmore, Madras-105.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Hai & Other, S/o Mohamed Yousuf, No. 19, Gandhi Nagar, Kumbakonam-612 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1097, P.H. Road, Madras-3.

(Doc. No. 867/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
135—36 GI/86

Date: 5-3-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 86/July/85.—Whereas, 1,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Door No. 13, Muktha Gardens, Chetput, Madras-31
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Officer
at Periamet (Doc. No. 878/85) on 17-7-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Mrs. R. Vijayalakskhmi, No. 63, Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mr. Imthiaz Pusha, 13, Muktha Gardens Chetput, Madras-600 031,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 13, Muktha Gardens, Chetput, Madras-600 031.
(Doc. No. 878/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f. (i/c) Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub—: Apatten 'suostand section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 3-3-1986

Scal

FORM NO. I.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri L. Rajabathar, S/o Loganathan, No. 10, Kannaiah Naidu Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) World Renewal Spiritual Trust, President: Sri Ramesh Nanalal, Bombay.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 95/July/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. R.S. No. 12 part, Mullam Village, Anna Nagar, Madras situated at

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2472/85) on for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru vansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; بملاهم
- (b) facilitating the concealment of any income or conmoneys or other seeds which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the ladien Income-tax, Act, 1922 (11 of 1983) or the still Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 et 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3702, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2472/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely :--

Date: 5-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 106/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 7, Anna Nagar, Western Extn., Madras-600 001,

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2764/85) on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri C. N. Sivasankaran, , Anna Nagar Western Extension, Madras-600 101.

(Transferor)

(2) Sri T. Jaswanthmal Jain & Others, 284, Walltax Road, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 7, Anna Nagar Western Extension, Madras-600 101.
(Doc. No. 2764/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 (i/c) Madras-600 006

Date: 3-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 108/July/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 2497, Anna Nagar (Naduvakkarai)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transterred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Anna Nagar (Doc. No. 2794/85) on 22.7-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the

partles has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. V. Philip, S/o Late Cherian Varke, Plot No. 5047, 25th Street, Λnna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Sri U. Chakradar, 22, Rajaram Mehta Nagar, Madras-600 029.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Land and Building at Plot No. 2497, Arignar Anna Nagar, Naduvakkarai, Madras.
(Doc. No. 2794/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date : 3-3-1986

Scal:

#### FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 115/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 128, N.S.C. Bose Road, Madras-79, situated of situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 379/85) on 15-7-1985, at Sowcarpet (Doc. No. 3/9/83) on 13-1-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in the said instru-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, tannely ;--

(1) Thattikonda Rajamannar Trust No. 9, 15th Avenue, Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) K. Murari Rao & Others, S/o Late K. Gopalachar, No. 129, N.S.C. Bose Road, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 128, N.S.C. Bose Road, Madras. (Doc. No. 379/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom tax Acquisition Raine-I, Mad1as-600 006

Date: 3-3-1986

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. S. Faizunnisa Begum, D/o Janab Haji Abdul Sathar Sahib, W/o Dr. M. A. Ansar, No. B-16, First Main Road, Ramalinga Nagar, Trichy-3.

(2) Mr. V. C. Thyagarajan, 1-A, East Kalmandapam Road, Madras-600 013.

(Transferor) (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 116/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 54, Kandappa Chetty Street, George Town,

Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 399/85) on 29-7-1985, for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the line when the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the the transfer of the source of the sou believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Building at Door No. 54, Kandappa Chetty Street, George Town, Madras-1. (Doc. No. 399/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertons, namely :-

Date: 5-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Salma Bai, W/o Husenibhai Akberally, 15, Vanier Street, Madras.

(Transferor)

(2) M/s. Neemat Traders, 15, Vanier Street, Madras-1.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1986

Ref. No. 124/July/85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Door No. 15, Vanier Street, Madras-1
(and more fully described in the Schedule appeared hereto)

of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2027/85) on 5-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Shop) at Door No. 15, Vanier Street, Madras-1.

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authory
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I(i c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. S. K. R. Prasad, 7. Vijayaraghava Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri M. Janakiraman, 702, Poonamalli High Road, Amin'ijikarai, Madras-29.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th March 1986

Ref. No. 134/July/85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1644, Arignar Anna Nagar situated at (Thirumangalam), Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Madras I (Doc. No. 2242/85) in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1644, Arignar Anna Nagar, Thirumangalam Village, Madras. (Doc. No. 2242/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I('i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. If the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

136—36 GI/86

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# M/s. Bay Area Real Estates, 6th floor, Bombay Mutual Building, 232, N. S. C. Bose Road, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Dolly Khanna, 10, Commander-in-Chief Road, Madras-600 105.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 7/July/85.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. (IV Floor) Door No. 2, Anderson Rood, situated at Nungambakkam, Madras-34 (and proper fully described in the School of the Income I

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1, of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 342/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

FLAT: (IV Floor), Door No. 2, Anderson Road, Nungambakkam, Madras-34. Thousandlights/Doc, No. 342/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-I(i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1986

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 9/July 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, Pycrofts Garden Road, situated at Nungambakkam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 +16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 359/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. G. L. Investments, 815-A, Sivalaya, 219. Commander in Chief Road, Madras-600 105,

(Transferor)

(2) Mrs. A. Ramanujamma, A.6, House No. 20, III St., Abiramapuram, Madras-18.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FLT:-No. 10, Pycrofts Garden Road, Nungambakkam, Madras.

Thousandlights/Doc. No. 359/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 12/July 85.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horehanter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No. 0Z000Å

Flat-10, Pycrofts Garden Road, situated at Nungambakkam,

Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 360/85

in July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which qualit to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. G. L. Investments, 815-A, Shivalaya, 219, C. M. C. Road, Madras-600 105.

(Transferor)

(2) Mrs. Dr. Vatsala Ramachandran, 4, 7th St., Lake Area, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the elevestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-note property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said have the same meaning as given in in that Chapter

#### THE SCHEDULE

FLAT:—10, Pycrofts Garden Road, Nungambakkam, Thousandlights/Doc. No. 360/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i'c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 15/July 85.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and Building Savey Annexe Nilgiris, S. No. B. 656/1, New No. 3938/1 'THE BARN CLUB VIEW' (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 2061, 2031/85 in July 1985

in July 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Spencer and Co. Ltd., 768, Anna Salai, Madras-600 002. M/s. Spencer International Hotels Ltd., 768, Anna Salai, Madras-600 002.

(Transferor)

(2) The Indian Hotels Co. Ltd., Taj Mahal Hotel, Apello Bunder, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building 'THE BARN CLUB VIEW', Ootacamund, B. Division, Savey Annexe, NILGIRIS S. No. B, 656/1, New No. 3938/1 Madras North/Doc. No. 2061 2031/85.

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

#### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 24/July 85.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 32, Adinarayanapuram, situated at Telephone Colony.

Velacheri, Saidapet taluk

veraction, samplet tallik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet/Doc. No. 795/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri S. Govindan, Door No. 11, Plot No. 32, Second Cross St., Telephone Colony, Adinarayanapuram, Velucheri, Adambakkam, Madras-88.

(Transferor)

(2) Sri M. Nagalingam, Door No. 4, Plot No. 21, Second Cross St., Telephone Colony, Adinarayanapuram, Velacheri, Adambakkam, Madras-88.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No.32, Adin-Telephone Colony, Velacheri, Saïdapet Taluk. Saidapet/Doc. No. 795/85. Adinaravanapuram.

> MRS. M. SAMULT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

THE THE PARTY OF T

#### FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 41/July 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
14th ward, I. Union Mill Road, K. P. N. Colony, South,
Thottipalayam village, T. S. No. 1306/33/2 situated at Thuppur, PALLADAM
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tiruppur/Doc. No. 1908/85
in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri K. Pennusamy, S/o, Kappini Udayar, 4C, Rumnagar Main Road, Thiruppur,

(Transferor)

(2) Sri M. P. S. Thiagarajan, S/o. Suramanjam, East St., (Kilath Veedhi), Uthukuli, Poriar Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: PALLADAM, Taluk, Thiruppur, 14th ward, Union Mill Road, K. P. N. Colony South, Thottipalayam village, Tiruppur/Doc, No. 1908/85.

MRS. M. SAMU-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 43/July 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
334 No. Pattia, 1.33 acres with bldg. situated at Karamadai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
village Mett Upalayam/Doc. No. 1713/85
in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. C. Nanjappa Gounder, S/o. Chinnagounder, 696-A. L. M. W. Road, Gaspa, Perianaickenpalayam Village,

(Transferor)

(2) Sri R. Venkatesalu, s/o. S. N. Rangasamy Naidu, Director, Sri Jagamatha Investments P. Ltd., 238, Sarojini Naidu St., Pappanaickenpalayam, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: 1.33 asres of land at Kavamadai village.

Mettupalayam/Doc. No. 1713/85.

MRS. M. SAMUFT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(1/c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 47/July 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
penig the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act,), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agrl. land: Pichanoor village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2973/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-137-36 GI/86

(1) Sri S. P. Natarajan, and his sons, Muthumanickam, Minor Nagaraj, Minor Chondilkumar, and sons of Late Bothichettiar (Late) P. Rangasamy and his sons iner S. R. Jayakrishnan, and others, Chundakkamuthur village, Coimbatore,

(Transferor)

(2) Sri N. Suryakumar and Sri Venkataramakrishnan 74, Avinashi Road,

(Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land: At Pichanoor village. Coimbatore/Doc. No. 2973/85.

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(1./c), Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 52/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 3958—Extent 2.31—1/16 acres Property as specified in schedule to Doc. No. 639/85. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam/Doc. No. 639/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) M/s. Premier Instruments and Controls Ltd., No. 339-A, Avanashi Road, Coimbatore represented by its Chairman, Sri N. Dametharan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Proerty as specified in schedule to Doc. No. 639/85. Uthagamandalam/Doc. No. 639/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

#### FORM ITNS----

(1) M/s Tamil Nadu Small Industries Development Corporation Madras.

(2) M/s Kusuman Industries, Hevlock Road, represented by Managing partner: Nirmala, w/o Ravindran, Havlock Ltd., Ooty.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 54/July 85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ooty. Kullathur, situated at Nilgiris,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udagamandalam/Doc. No. 835/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be the state of the stat

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Kullathur: Ooty. Nilgiris. (R.S. No. 188)

Udagamandalam/Doc. No. 835/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 57/July 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Gaspa Pollachi, Survey Ward 5,
situated at T.S. No. 146/2A, 146/4C, Thiruppur (Pollachi)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Pollachi/Doc, No. 1573/85 in July 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parfies has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. N. Narayanasami, and his sons and others, 4, Bharathi St., Mahalingapuram, Pollachi. (Transferor)

(2) M/s. Bhuvana Hotels P. Ltd., Managing Partners P. Ramakrishnan, s/o R. Padmanabha Reddiar, 36/903, Karaikamuru Road, Cochin, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv n in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Pollachi, Gaspa Pollachi, Survey ward 5, T.S. No. 146/2A, 146/4C—Thiruppur.

Pollachi/Doc. No. 1573/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 65/July 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 16, T.S. No. 350/16/5, Corpn Div. No. 23217,
189/4, Kullichettiar St., Thiruppur,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tiruppur/Doc. No. 1366/85 in July 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesai exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Sri M. M. Yunub Saheb, and 4 others, 3, Town Extension 4th St., Thiruppur Taluk. (Transferor)
- (2) Sri R. Krishnasamy, s/o Sri Rangasamy, Naidu, 41/B, Avanasi Road, Thiruppur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building No. 189/4, Salai, Kullichettiar Lane, Thiruppur village.

Thiruppur/Doc. No. 1366/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

THE STREET STREET, STR

#### in in the first time of the second second and the second second and the second FORM ITNS-

(1) Smt. Kanaka Lakshmi, d/o R. Raghavan, Dr. R. Raghavan, s/o Ramasamy Naidu, R. Bhuma, w/o R. Raghavan, Pottai village, Chidambaram Taluk.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (2) Sri K. M. Madhanraj, s/o Mannalraj Jain, 154, West Car St., Chidambaram.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 67/July 85.—Whereas, I, Ref. No. 5/July 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 2. Ward 3, Block No. 16, T.S. No. 969, South Sannathi St., Chidambaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram/Doc. No. 1729/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building S. No. 2, Ward 3, Block No. 16, T.S.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No. 969, South Sannathi St., Chidambaram Town. Chidambaram/Doc. No. 1729/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 11-3-1986

Sen1:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 79/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Palladam, situated at Pongaloor village, Thiruppur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Palladam/Doc. No. 1387/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferer to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Govindasamy gounder, s/o Sri Ramasami Gounder, Muthusamy, Saraswathi, Nallammal, Padmavathi, Ammapalayam, Pongaloor P.O.

(Transferor

(2) Sri S. Ganesapillai, Coimbatore Market Committee Trichy Road, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land: Palladam, Pongalur village, Thiruppur. Palladam/Doc. No. 1387/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 11-3-1986

Soul:

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 83/July 85.-Whereas, J. MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing Survey No. 12/104, Sanganoor village,

Coimbatore, Gandhipuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 3230/85 in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of regular with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Sri K. Varghese Mathew, s/o Sri K. M. Varghese,
 Bharathi park Road, Cross No. 5, Coimbatore-43.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajalakshmi, w/o Late Gajendragounder, 14, Palanigounder St., Coimbatore-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :- The terms and expressions are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building T.S. No. 12/104, Sanganoor village, Coimbatore. Gandhipuram/Doc. No. 3230/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax: Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 86/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acc') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Narasimhanaickenpalayam,

of agrl, lands with bldsg.,

situated at 3.65 acres of (Perianaickenppalayam G.S. Nos. 120/2 and 155).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam/Doc. No. 1659, 1660/85,

in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

138-36GI/86

(1) Sri B. R. Padhya, s/o Dr. R. J. Padhye, (partners of Premier Spinners.), Srinagar, Marudamalai Road,

P. N. Pudur, Coimbatore-641012.
(2) Sri P. Subramanian, s/o K. Ponnusami, Bharathi Park, Road, 16, Remy Lay out, Coimbatore-43, Sri S. D. Sathe, 45, Periasami Road, (West) R. S. Puram, CBE-2. Sri B. P. Pingale, 12B, Sivananda Nagar, II, Layout, Tatabad, Cbe-12. Sri V. Narayanan, 12A, Valluvar St., Sivananda Nagar, Cbe-12.

(Transferor)

(2) M/s. P. S. G. V. Textiles Pvt. Ltd. Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore-641 004, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land: G.S. No. 178-and 154-6.09 acres of agrl. land.

Agricultural land: G.S. No. 120/2 and 155 3.65 acres of agrl, land.

Perianaickenpalayam, Narasimhanaickenpalayam village. Coimbatore.

Perianaickenpalayam/Doc. No. 1659 and 1660/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 128/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Old No. 25, New No. 15, Lal Mohamad St., situated at Chepauk, Triplicane, Madras 5 in O.S. No. 1163
R.S. No. 2921/4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 570/85 in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kannammal and others, No. 15, Lal Mohamad St., Madras-5.

(Transferor)

(2) Smt. P. Ponnammal, No. 22, Lal Mohamad St., Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building Old No. 25, New No. 15, Lal Mohamad St., Chepauk, Triplicane, Madras-5 in O.S. No. 1163. Triplicane/Doc. No. 570/85.

MRS. M. SAMUFIL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th March 1986

Rcf. No. 149/July 85.—Whereas, J, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 102/1, 102/3, 102/5, New T. S. No. 5224/2, Block No. 119, Saidupet Taluk—South Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 835/85 in July 1985, for an apparent, consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (22 of 1957);

(1) Sri R. Venkataraman, s/o Late Rajagopala lyer, 144, North Usman Road, T. Nagar, Madras-17. (Transferor)

(2) Mrs. P. Thamizharasi, w/o SM Subbaiah, No. 1, Bharathi Nagar, I St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

T.S. No. 102/1, 102/3, 102/5, New T.S. No. 5224/2, Block No. 119, Saidapet taluk (North Usman Road, T. Nagar, Mds. 17).

T. Nagar/Doc, No. 835/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 165/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10, Ganapathi Colony, 1st St., situated at Gopalapuram, Madras-86,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Madras Central/Doc. No. 710/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the consideration for such transfer as agreed to be went the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. M. Kolammal, 10, Gapapathi Colony, First St., Madras-86.

(Transferor)

(2) Smt, Fathima Bi, 50. Ayyamperumal St., Madras-600 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House and ground: Door No. 10, Ganapathi Colony, First St., Gopalapuram, Madras-86.

Madras Central/Doc. No. 710/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Jayalakshmi Balasubramanian, w/o S. Balasubramanian, No, 1, North Devi St., Pankajam Colony, Sriramgam, Trichy-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanthimathi Balasubramanian, w/o Mr. G. Balasubramanian, Flat No. 33/B4, Abhiramapuram III St., Madras-18.

whichever period expires later;

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 0066

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 172/July 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS, M. SAMUEL, being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat I floor, 33/84, Abhiramapuram III st., Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office at

1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 822/85. in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 33/B4, Abhiramapuram III St., Madras-18. Mylapore/Doc. No. 822/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Rcf. No. 211/July 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43, Justice V. Ramaswamy Road, Adyar situated at Madras S. No. 26/1-B (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1968/85 in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (R7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the leave of this notice under expection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri V, Raghupathi, Plot No. 3052, High Point III, 45, Palace Road, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Sri B. M. Gopalakrishnan, Plot No. 1625, J. Block, Anna Nagar West, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 43, Justice V. Ramaswami Road, Adayar, Madras, S. No. 26/18.

Madras North/Doc. No. 1968.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 212/July 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. T.S. No. 3/1774/2A and 1779/1A, situated at D. No. 260 part, Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
her here the formed under the Registration. Act. 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Madras North/Doc. No. 2223, 85 (3 Nos.) in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Sri C. R. Narendran, Smt. Indumathi Madusudhanan, 31, G. S. Colony, Thenampettai, Madras-18. 2. Sri C. M. Risikesa Mudaliar, C. S. Meenakshi Sundara Mudaliar, 31, G. S. Colony, Thenampettai, Madras18.

(2) Sri Sheik Ahamed, (2) Mohamed Ali, Hajee Nalagathu Sheik Ahamed and his minor sons Beemanadu, Kottopadam Palghat, T. K. Kerala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Land and Building: D. No. 260 part—New T.S. No. 3/1774/2A and 1779/1A, Coimbatore Town.

Madras North/Doc. No. 2223/85 (3 Nos.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

#### FORM ITNS—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 75/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat at Door Nos. 139 and 140, Marshalls Road, Legger Mudger.

Egmore, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 761/85) on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Sri M. Anandan & Other, 4, I Link Street, C.I.T. Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri V. N. S. Chidambaram & Others, V. N. S. House, Rangiem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Door Nos. 139 and 140, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

(Doc. No. 761/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-60 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986.

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Miss A. B. Dileema, No. 3, General Colling Road, Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. Jayanthi, No. 30, Vaidynathan Mudali St., Madras-1.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 6th March 1986

Ref. No. 80/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. Door No. 3, General Collings Road, Vepery, Madras-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Periamet (Doc. 827/85) on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

139-36 /I/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, General Collings Road, Vepery. Madras-7.

(Doc. No. 827/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-3-1986.

#### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 6th March 1986

Ref. No. 87/July/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat in IIIrd Floor at No. 8, Thirunarayana Avenue, Kilpauk, Madras

kilpauk, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 896/85) in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ann fifteen per cent of such apparent consideration and that han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been which exight to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Kishinchand Tolaram, S/o. D. Tolaram, Flat No. 4, Beekay Apartments, 73, Mc Nickel's Road, Chetput, Madras-600 031.

(Transferor)

(2) Sti F. Lalchand, 72-A, Elephant Gate, Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in IIIrd Floor at Door No. 8, Thirunarayana Avenue (New Avadi Road), Kilpauk, Madras.

(Doc. No. 896/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesau property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 10th March 1986

Ref. No. 90/July/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 1398, Madhavaram Village tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembium (Doc. No. 2448/85) on 107-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the coencalment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Minor Ramani Bai & Others, Represented by Mother and Guardian Lakshmikantammal, No. 49, Gandhiji Street, Lakshmipuram, Madhavaram, Madras-600 099.

(Transferor)

(2) S. C. Bose & Others, No. 49, T.V.M. Street, Madras-600 011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Survey No. 1398, Madhavaram Village. (Doct. No. 2448/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 94/July/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harainafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 3, Block No. 2, Periakudal Village, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2427/85) on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Scotlen 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. M. Andalammal. W/o. L. K. Markendeyan, "F" 77, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) Sri M. S. Mehta & Other, S/o. Bhagwant Singh Bowd Mehta, 17 "F", Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 3, Block No. 2, Periakudal Village, Madras.

(Doc. No. 2427/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 706

Date: 7-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras, the 6th March 1986

MR. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have mason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 71, Korratur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Dec. No. 2490/85) on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of pit transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the inbility of the transferor to pay tax under the said sot, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269°C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

(1) Shri P. M. John, S/o P. J. Mamman, No. 3, Vimala Street, Ayyavoo Naicu Colony, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferor)

(2) Mrs. Ramchuni Jha, Plot No. 71, Hnd Street, Periyar Nagar, Koratiur, Madras-600 080.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 71, Korattur Village,

(Doc. No. 2490/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 6-3-1986

#### FORM TINS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Smt. Saraswathi Sangameswaran, No. 38, Upstairs, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Narasimhan, No. 42, Sarangapani Street, T. Nagar, Madras-600 017.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

#### MADRAS-600 006

Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 100 July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competen. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plot No. 3667, Muliam Anna Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2619/85) in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3667, Mullam Village, Anna Nagar, Madras.

(Doct. No. 2619/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Informe-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-3-1986

والمراف فيفرض المرابين المراب والمراب والمراب

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### THE H MNS - - - (1) Sri U. Munuswamy Naidu & Others, Fio. No. 201, Lak hmiammal Steet, Ayyuvoo Naidu Colony, Arumbakkam, Madras-29.

(Transferor)

(2) Smt. P. Anjana Devi, 323, P.H. Road, Madras-29,

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 104/July/85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding broperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, V. V. Koil Street, Aminijikarai, situated at Madras-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

2001/Hz

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2697-85) on 19-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to abelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the isideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

.b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 10, V. V. Koil Street, Aminjikarai, Madras-29. (Doc. No. 2697/85),

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 7th Morch 1986

Ref. No. 107/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 4, Sree Sayec Nagar Annexe, Koyambedin, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2766/85) on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the adversaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Ramasamy, No. 15, Ramanathan Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) P. R. Selvaraj, Peedampalli Post, Coimbatore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 4, Sree Sayee Nagar, Annexe, Koyambedu Village, Madras.

(Doc. No. 2766/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Dated: 7-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 121/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 62. Thambu Chetty Lane, Royapuram, Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred und 'ct, 1908 16 of 1908) in the office of tat Royapuram (Doc. No. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

140-36 GI/86

 Gnana Velu and Govindammal, 62, Thambu Chetty Lane, Kalmandapam, Royapuram, Madras.

(Transferor)

(2) M. Sundaramurthy, No. 4, Grace Garden Hnd Lane, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires litter;
- (b) by any other person interested in the said initiovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 62, Thambu Chetty Lane, Royapuram, Madras.

(Doc. No. 1289/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Dated: 7-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th March 1986

Ref. No. 139/July/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 7,00,000/- and bearing No.
Door No. 294, Thambu Chetty Street,
situated at Madras-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras North (Doc. No. 2163/85) on 17-7-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfermation.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of faction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. R. Gurumurthy & Others, 43, Adanja Mudali Street, Mandaveli, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri M. C. Meenakshi Sundaram, 12, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Door No. 294, Thambu Chetty Street, Madras-1. (Doc. No. 2163/85).

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/C) MADRAS.

Date: 6-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th March 1986

Ref. No. 140/July/85.—Whereas, I. Ref. No. 140/July/85.—whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 40 Moore Street, George Door No. 40, Moore Street, George

Town, Madras-1.

situated at Madras-1,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. No. 2214/85) on 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pradeep Kumar & Others, 35, Thirumalai Piilai Street, Madras-17.

(Transferor)

(2) Madras Customs Clearing Shipping Agency Association, By its President: Jagadish, 1st Floor, Duk Labour Board Building, Rajaji Salai, Madras-1.

(Transferce)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 40, Moore Street, George Town, Madras-1. (Doc. No. 2214/85).

> MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) MADRAS.

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-86,

(1) Smt. Kamalammal & Others, No. 8, Nagamani Garden St., Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lecla Devi & Others, 93, Narayana Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 141/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seld Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rd. 7,00,000/- and bearing No. Door No. 21, Appasamy Mudali St., Madras-79. situated at Madrae-70

situated at Madras-79.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2216/85) on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 21, Appaswamy Mudali St., Madras-79.

(Doc. No. 2216/85).

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other seets which have not been or which caght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (I/C) MADRAS.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attraction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-3-1986,

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### Mrs. Kubrabai Saifuddin Bhai Majungo W/o Saifuddin Bhai Majunga, 156, Angappa Naick Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. Shezad Shabbir Haji, S/c Shabbir Flat No. 5, 2nd Floor, 'B' Block, Parsn Towers, Pantheon Road, 1st Lane, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th March 1986

Ref. No. 142/July/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269P of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5. Second Floor, 'B' Block
Parsn Towers, Pantheon Road 1st Lane,
Egmore, Madras,
situated at Madras.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras North (Doc. No. 2284/85)
in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalua of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, Hnd Floor, 'B' Block, Parsn Towers, Pantheon Road 1st Lane, Egmore, Madras-8.

(Doc. No. 2284/85).

MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) MADRAS.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dated: 7-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th March 1986

Ref. No. 144/July/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 7,00,000/- and bearing No. Door No. 27, Maraikaoir Labbai St.,

Madras-1.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2250/85)

on 3-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) P. K. M. Rahima Bibi, 33, Anderson Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) M. Mohideen Abdul Cader & Others 13/99, Old Jumma Mosque, Kilkarai, Ramuad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 42 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 27, Maraikar Lebbai Street, Madras-1.

(Doc. No. 2250/85).

MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) MADRAS.

Date: 6-3-86.

# FORM ITNS (1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Bihar, the 5th March 1986

Ref. No. III-1230/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 13/10 Holding No. 59, plot No. 2066, 2067, 2069, 2070 situated at Mathubani Sahban Yuro Piyar Tola, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habibing of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jogeshchandra Das S/o Judhisthirchandra Das of Madhubani Sahban Yuro Piyar tola, P. S. L. Khajouchi Hatt, Dist. Purnea.

(Transferor)

(2) Sh. Badalchandra Das S/o Judhisthirchandra Das of Mathubani Sahban Yuro Piyar tola, P. S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 bigha 5 katha 8 dhur situated at mouza Madhubani Sabhban Yuro Piyar Tola, P.S. Khajanchi Hatt, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6926 dated 11-7-85. registered with D.S.R. Purnea,

DURGA PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 5-3-86.

The second of th

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, B'HAR PATNA

Patna, the 5th March 1986

Ref. No. III-1231/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Touzi No. 5454 P.S. No. 17, Khata No. 138 Khesra No. 461

Touzi No. 5454 P.S. No. 17, Khata No. 138 Khesra No. 461 situated at mouza Sikendrapur, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Danapur 16-7-85

tor an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariving from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Banshi Mahto, S/o Late S. Bhagwan Mahto & C'hers of Nasriganj, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Chandan Srivastava S/o Late Sh. Durga Prasad Rajendra Nagar, Road No. 13, P.S. Sultanganj, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha situated at mouza Sikendrapur, P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4304 dated 16-7-85 registered with S.R. Danapur.

DURGA PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dae: 5-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 5th March 1986

Ref. No. III-1232/Acq/85-86.-Whereas, I,

Ref. No. III-1232/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. Touzi No. 8/1, P.S. No. 150, Khata No. 66, 6 Plot No. 718, 719, 720, 721, 722, 55 (newk), 361 (A/C) situated at mouza Bhagpokhar, P.S. Forebesganj, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Forbesganj on 4-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more n fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of safer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :---

141--36GI/86

(1) Smt. Dinesh Kumari Mishra W/o Late Anirudh Kumar Mishra of Muktapur, P.S. Warish Nagar, Dist. Purnea.

(Transferor,

(2) Anand Prakash Khemka S/o Om Prakash Khemka of Magardahi Road, Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with stonetries measuring 8/2 katha situated at mouza Bhagpokhar, P.S. Forebesgani, Dist. Purnea and more-8/2 katha situated at fully described in deed No. 6702 dated 4-7-85 registered with S.R. Forbesganj,

> DURGA PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 5th March 1986

Ref. No. III-1233/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Touzi No. 8/1, P.S. No. 150, Khata No. 66, 6 Plot No. 718, 719, 720, 721, 722 situated at mouza Bhagpokhar, P.S. Forbesganj, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Forbesganj on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1 Smt. Dinesh Kumari Mishra W/o Late Anirudh Kumar Mishra of Muktapur, P.S. Warish Nagar, Dist. Purnea.

(Transferor)

(2) Alok Kumar Khemka alias Tikku S/o Sri Om Prakash Khemka of Magardahi, Road, Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with structures measuring 8½ katha situated at mouza Bhagpokhar, P.S. Forbesganj, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6703 dated 4-7-85 registered with S.R. Forbesganj.

DURGA PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 5-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 5th March 1986

Ref. No. 11I-1234/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- an dbearing Touzi No. 8/1 P.S. No. 150, khata No. 66,6 plot No. 718, 179, 720, 721, 722 situated at mouza Bhagpokhar. P.S. Forbesganj, Dist. Purnea. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Forbesganj on 4-7-1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Smt. Dinesh Kumari Mishra W/o Late Anirudh Kumar Mishra of Muktapur, P.S. Warish Nagar, Dist. Purnea.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Devi Khemka W/o Sri Om Prakash Khemka of Magardahi Road, Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 8½ katha with structure situated at mouza Bhagpokhar, P.S. Forbesganj, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6704 dated 4-7-85 registered with S.R. Forbespani.

> DURGA PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely:

Date: 5-3-1986

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 5th March 1986

Ref. No. III-1235/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/Rs. 1,00,000/- an dbearing
Touzi No. 8/1 Khata No. 66,6 Plot No. 718, 719, 720, 721, 722 P.S. No. 150 situated at mouza Bhagpokhar, P.S. Forebesganj, Dist. Purnea. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Forbesganj on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Dinesh Kumari Mishra W/o Late Anirud Kumar Mishra of Maktapur, P.S. Warish Nagar, Dist, Purnea.

(Transferor)

(2) Anand Prakash Khemka S/o Om Prakash Khemka of Magardahi Road, Samastipur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 81 katha with structures situated at Bhag-pokhar, P.S. Forbesgani, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 6705 dated 4-7-85 registered with S.R. Forbesgani.

DURGA PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 5-3-86.

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Bihar, the 5th March 1986

No. III-1236/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (herei to as the 'stid Act'), have reason to believe that the it able property, having a fair meripet value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 33, touzi No. 5607, khata No. 215

& plot No. 316

situated at mouza Beyur, P.S. Fulwari,

Dist. Patno.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to coffeen the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Ass, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under such section (1) of Section 269D of the following persons, namely :--

(1) Sonu Ray S/o Late Bulki Ray 2. Sri Krishna Ray (minor) natural guardiau—Sri Sonu Ray at Harnichak, P.S. Fulwari, Dist. Patna for self and natural guardian of Sri Dipak Rai.

(2) Vidya Niketan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. Patna through its secretary Sri Dhrub Narayan Choudhary, C-11, 34/367, P.I.T. Colony, Kankerbagh, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 12 decimals situated at mouza Beyur, P.S. Fulwari Dist. Patna and morefully described in deed No. 5443 dated 12-7-85 registered with D.S.R. Vaishali,

> DURGA PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 5-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 5th March 1986

Rel. No. III-1237/Acq/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

retue said Act; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing thana No. 33, touzi No. 5607, khata No. 215, plot No. 316 situated at Mouza Beyur, P. S. Fulwari, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Sacilitating the reduction or evasion of the Shahility of the intensioner to pay tax under the said Act, in unspect of any income origing from the transfer and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in purwance of Section 209°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Manu Ray
 Isho late Chulahan Ray,
 natural guardian Sri Sipahi Ray,
 Sh. Amar Nath Ray
 late Chulahan Ray
 Harnichak,
 S. Fulwari,
 Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Vidya Niketan Sahakari Grih Nirman Samity Ltd., Patna through its Secretary Sri Dhrub Narayan Choudhary, C-11, 36-P.I.T. Colony, Kankarbagh, Dist, Patna,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 12 decimals situated at mouza Beyur, P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully described in deed No. 5444 dated 12-7-85 registered with D.S.R. Vaishali.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Micome-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 5-3-1986

(1) Gandhi Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shanti Singh, Member of Gandhi Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., of Patna, Makhdumpur, Digha, Dist. Patna.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 5th March 1986

Ref. No. III-1238/Acq/85-86,--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4 Khata No. 1321 situated at P.S. Digha Dist. Patna has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 4-7-85

at Calcutta on 4-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-sible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

 (a) facilitating the reducing or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 4205 sq. ft. situated at P.S. Digha Dist. Patna and more fully described in deed No. I-9661 dated 4-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Gandhi Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna,

(Transferor)

(2) Shri Bhola Singh, of Patna, P.S. Digha at Makhdumpur, Digha, Patna.

(Transferee)

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 5th March 1986

Ref. No. III-1239/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3, Khata No. 1321 situated at Makhdumpur P.S.

Digha Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-7-85

at Calcutta on 4-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JULY on the city and at Mall burning

Land measuring 4263 sq. ft. situated at Makhdumpur, P.S. Digha Dist. Patna and more fully described in deed No. I-9646 dated 4-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

THE SCHEDULE

DURGAPPRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1240/Acq/85-86.—Whereas, I, URGA PRASAD.

Thing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the ins-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 665 Khata No. 235 situated at Chitkohra P. S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tru

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:— 142--36GI/86

(1) 1. Sh. Ram Khelawan Singh,

 Sh. Ram Prit Singh,
 Sh. Satrughan Singh,
 Sh. Raghubir Singh,
 of Chitkohra P.S. Gardanibagh, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Bihar Rajyapal N. Nigam Karamchari Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 37 decimal situated at Chitkohra P. S. Gardanibagh, Dist. Patna and more fully described in deed No. I-9547 dated 3-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 4-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Brahmadoo Singh of Dhelma, P.S. Phulwari Sharif.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Tarún Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., of Patna.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No.  $I\Pi/1241/Acq/85-86$ .—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Tauzi No. 131 Khata No. 6 C.J. Plot No. 438 situated at Jagapura P.S. Phulwari Sharif Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ablest of wansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 88 decimals situated at Jaganpura P.S. Phulwari Sharif Dist. Patna and morefully described in deed No. I-9975 dated 8-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcuta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act. to the following persons, namely:

Date: 4-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. 111/1242/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA P**rasad,** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 304 situated at Sonari West Layout, Road No. 7, P.S. Sonari, Jamshedpur (Singhbhum) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 1-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax unner the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sh. Putly Georgy Sorabji, S/o Late G. Sorabji, of 304 Sonary West, Road No. 7, P.S. Sonari, Jamshedpur (Singhbhum).

(Transferor)

(2) Smt. Premlata Budhia W/o Mr. S. L. Budhia of 154 D, Road, P.S. Sonari, Jamshedpur (Singhbhum).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 0.042 acre with a double storeyed house situated at Conari West Lalyout, Road No. 7, P.S. Sonari, Jamshedpur, (Singhbhum) and more fully described in deed No. 4881 dated 1-7-85 registered with the Sub-Registrar Jamshedpur.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 6-3-1986

(1) Rao Premier Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Baleshwar Prasad Singh of Patna 3, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 5th March 1986

Ref. No. III-1243/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Khata No. 105 Plot No. 1241 situated at Kadamkuan, Patna-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3300 sq. ft. situated at Kadamkuan, Dist. Patna-3 and more fully described in deed No. I-10322 dated 15-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 5th March 1986

Ref. No. III-1244/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRA**sad,** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1241, Khata No. 151 situated at Mahuabugh P. S. Danapur Dist. Patna (and more fully described in the Schedulc annexed heroto),

has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Rao Premier Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Nirmala Singh of Lohanipur, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3500 sq. ft. situated at Mahuabagh, P.S. Danapur Dist. Patna and more fully Jescribed in deed No. I-10327 dated 15-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-3-1986

(1) Janak Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1245/Acq/85-86.—Whereas, I.

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 12 Tauzi No. 14799 Khata No. 292 Part Plot No. 479 sub plot No. 15 situated at Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer a: Calcutta on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saki Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Sh. Ashutosh Kumar Thakur S/o Sh. Vinod Kumar Thakur of vill Akaur, P.S. Benipatti Dist. Madhubani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4000 sq. ft. situated at Patna and more fully described in deed No. I-10246 dated 12-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, atna

Tate: 4-3-1986

(1) Janak Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kishlay Kushal W/o Sh. Ram Babu Singh of vill. Samastichak P.S. Masandhih of Patna.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1246/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Thana No. 12 Tauzi No. 19799 Khata No. 292, Partial Plot No. 479, sub plot No. 14, situated at Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Calcutta on 12-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4000 sq. ft. situated at Patna and more fully described in deed No. I-10247 dated 12-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

Scal;

aera - montali...

#### PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1247/Acq/83-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000; and bearing Thana No. 12 Tauzi No. 189 Khata No. 303 part of plot No. 481 Sub Plot No. 16 situated at Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thouseys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Janak Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Prema Thakur W/o Sh, Ashok Kumar Thakur, President of Patvakarnagar Kankarbagh, Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons... whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4000 sq. ft. situated at Paina and more fully described in deed No. I-10243 dated 12-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 4-3-1986

#### FORM I.T.N.S.-

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 5th March 1986

Ref. No. III-1248/Acg/85-86,--Whereas, I. DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Tauzi No. 5170 P.S. 22 Khata No. 4 Survey Plot No. 175 situated at Jalalpur P.S. Danapur Patna

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) flicilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any luceone arising from the transfer. Mr. /c#
- in' visibiliting the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---143-36GI/86

(1) Sh. Ashok Kumar Singh and sh. Nitya Nand Singh of Jalalpur P.S. Danapur Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Arpana Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 163 decimals situated at Jalalpur P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 1-9941 dated 8-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of In orne-Acquisition Range, Bihar, Patna

Dute : 5-3-1986

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Arpana Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradeep Kumar Das of 14 Bank Colony Shekhpura, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1249/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Tauzi No. 5170, P.S. No. 22, Khata No. 192, Kheshra No. 692 situated at Jalalpur P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

"Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Party.

THE SCHEDULE

Land measuring 4226 sq. ft. situated at Jalalpur P.S. Danapur, Patna and morefully described in deed No. I-10301 dated 15-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 4-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1250/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux. Acquisition Rane Bihar, Potna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable referred to the said Act') in market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and hearing No.
Tanzi No. 5170 P.S. No. 22 Khata No. 192 Kheshra No. 692 situated at Jalalpur. P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred ender the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration gelicer at Calcutta on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the wild Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other rusers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Arpana Sahkari Grib Nirman Samiti Ltd., Paina.

(Transferor)

(2) Uma Shankar Prasad Singh S/o Rajeshwar Singh of New Area, Jakanpur P.S. Jakanpur, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land measuring 4226 sq. ft. situated at Jalanpur P. S. Danapur Dist. Patna and more fully described in deed No. I-10303 dated 15-7-85 registered with the registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar,

Date: 4-3-86

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Arpana Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

(2) Shrimati Janeshwari Devi W/o Sri Ram Singhashan Singh of Ram Nagar P.S. Karpi, Dist. Gaya.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III/1251/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Tauzi No. 5170, P.S. No. 22 Khata No. 192 Kheshra No. 692 situated at Jalalpur P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4226.25 sq. ft. situated at Jalalpur P.S. Danapur Dist. Patna and morefully described in deed No. I 10304 dated 17-7-85 registered with the registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-19866

THE REPORT OF THE PROPERTY OF

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th March 1986

Ref. No. III-1252/Acq/85-86.—Whereas. I.

DURGA PRASAD,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act<sub>1</sub>), have feason to believe that the infinitivative property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Tauzi No. 5170, P.S. No. 22, Khata No. 192 Kheshra No. 692 situated at Jalapur P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 15-7.85

Calcutta on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: end/en
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of \$ection 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Arpana Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna.

(Transferor)

(2) Shri Rajkishore Jaiswal S/o Sri A. K. Jaiswal of Jaico Pest Control, Chandani Chowk, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4200 sq. ft. situated at Jajalpur P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. I-10305 dt. 15-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar,

Date: 4-3-1986

#### FORM LINE

 Shri Ram Pyare Singh S/o Late Maluka Singh at Karorichak P.S. & P.O. Phulwari-Sharif, Dist. Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shakti Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., at Durga Ashtban, Phulwari-Sharif P.S. & P.O. Phulwari-Sharif Patna through its secretary Sri Devi Prasad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONES OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 5th March 1986

Ref. No. III-1253/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 895 Khata No. 789 Tauzi No. 5190 Thana No. 35

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 895 Khata No. 789 Tauzi No. 5190, Thana No. 35 situated at Alamgarpur Phulwari Sharif, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

  (11 or 1997 to the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the mirrosaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazetic or a period of 30 days
  from the service of notice on the aspective persons
  whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 kathas 4 dhur and 16 dhurki situated at Alamgirpur. Phulwari-Sharif. Patna and morefully described in deed No. I-9858 dated 5-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 5-3-1986

### FORM ITNS----

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAI ROAD, PATNA-800 001

Patna800 001, the 5th March 1986

Ref. No. 111-1254, Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

cing the Competent Authority under Section 269B of the home-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding

roperty, having a fair market value exceeding ls. 1,00,000/- and bearing lot No. 895 Khata No. 789 Tauzi No. 5190, Thana No. 35 ituated at Alamgirpur Phulwari P.O. & P.S. Phulwari Sharif, Dist. Patna

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transterred under the Registration Act, 1908 (16 of 90%) in the office of the Registering officer at alcutta on 5-7-85

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have remon to elieve that the fair market value of the property as aforesaid xeeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (1) Shri Ram Pyare Singh, Shri Krishna Prasad Sho Late Sheo Singh, Shri Ramautar Singh Sho Late Raghu Singh All resident of Vill, Karori Chak P.S. & P.O. Phulwari Sharif, Patna.
- (2) Shakti Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., at Sri Durga Ashthan, F.S. & C.O. Phulwari-Sharif Patna through its secretary Sri Devi Prasad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the congealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

### THE SCHEDULE

Land measuring 5 kathas 13 dhurs situated at Alamgirpur Phulwari, P.C. & P.S. Phelwari Sharif Dist. Patna and morefully described in deed No. 1-9859 dated 5-7-85 registered with the Registrar of Assurance at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 5-3-1986

Calcutta on 3-7-85

### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-300 001, the oth March 1986

Ref. No. 111-1255/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1556, Helding No. 75/58A, Circle No. 171 situated at Chhoti Patan Devi Lane, P.S. Chowk, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the onice of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marke, value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there is a first hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Shiv Devi, Widow of Sardar Labh Singh of Chhoti Patan Devi Lane, P.S. Chowk, Patna.

(Transferor)

 Shri Prabhans Choubey of Dhanaria, P.S. Patogali, Nai Sarak, Patna City, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned;—

- (a) by any of th enforcesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 13 decimals with double storeyed building situated at Chhoti Patan Devi Lane, P.S. Chowk, Patan and morefully described in deed No. I-9617 dated 3-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. 111-1256/Acq/85-86.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 143/125 Ward No. 3 Plot No. 5 Tauzi No. 17023 situated at Kadamkuan, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Calcutta on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Keshav Prasad of 26 Siri Fort Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ravendra Kumar Sinha (2) Narendra Kumar Sinha of New Area, Kadamkuan, Patna-3,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 10 kathas with double storeyed building situated at Kadamkuan, Patna and more fully described in deed No. I-10183 dated 12-7-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

144-36GI/86

Date: 6-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1061 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1257/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. P.S. No. 408, Ward No. 12 (old) 24 (new), Hold No. 194 (old) 150B (new). Khesra No. 6260 (old) khata No. 83 (new) Khesta No. 413 (new) part, circle No. 6A, Block No. 4, Jamabandi No. 3417, Touzi 11021 situated at Mohalla Nurullahpur Ramna, Kachi Satai, P.S. Mithanpur, Dist. Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Muzaffarpur on 20-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of luch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mahendra Kaur W/o Sardar Ratan Singh of Moh. Nurullahpur Ramna, Kachi Sarai, P.S. Mithanpura, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Basudeo Pr. Tulsiyan, (2) Sri Premchandra Tulsiyan s/o Late Jusraj Jee Tulsiyan & (3) Smt. Raj Kumari Devi Tulsiyan w/o Sri Ram Gopal Tulsiyan of Moh. Saraiyaganj, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderal med:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of their natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 679' 61" situated at mohalla Nurullahpur Ramna, Kachi Sarai, P.S. Mithanpura, Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 14063 dated 20-7-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD
Competent Autionity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 6-3-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Rcf. No. III-1258/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
P.S. No. 408, Ward No. 12 (old) 24 (new), Holding No. 194 (old) 150B (new), khesra No. 6260, khata No. 83 (new) Khesra No. 413 (new) part, Jamabandi No. 3417, touzi No. 11021, block No. 3, Circle No. 6A Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpur, Muzaffarpur. has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarpur on 20-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely :-

(1) Smt. Mahendra Kaur W/o Sardar Ratan Singh of Moh, Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpura, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Devi Tulsiyan W/o Sri Ram Gopal Tulsiyan of Moh, Saraiyaganj, Dist. Muzaffarpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by uny of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of a over in the respective persons whichever period expires larger
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation .... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building situated at Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpura, Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 14064 dated 20-7-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1259/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P.S. No. 408, Ward No. 12 (old) 24 (new). Holding No. 194 (old) 150B (new), khesra No. 6260, khata No. 83 (new) Khesra No. 413 (new part, Block No. 2, circle No. 6A, Jamabandi No. 3417, situated at Moh. Nurullahpur Ranna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpur Touzi No. 11021, Muzaffapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mahendra Kaur W/o Sardar Ratan Singh of Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpura, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chandra Tulsiyan S/o Late Jusraj Jec Tulsiyan of Moh. Saraiyaganj, Muzaffarpur. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with building measuring 679'-61" sq. ft. situated at Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpura, Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 14047 dated 19-7-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 6-3-86 Seal:

#### FORM LT.N.S.-

 Smt. Mahendra Kaur W/o Sardar Ratan Singh of Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpura, Muzaffarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Basudeo Pd. Tulsiyan S/o Late Jusraj Jee Tulsiyan of Moh. Saraiyaganj, Muzaffarpur. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1260/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P.S. No. 408, Ward No. 12 (old) 24 (new), Hol. No. 194 (old) 150 (new), Khesra No. 6260, khata No. 83 (New) Khesra No. 413 part, New Block No. 1 Circle No. 6A Jamabandi No. 3417, Touzi No. 11021, Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P. S. Mithanpur, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Muzaffarpur on 19-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histograms; of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the biological point of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1937))

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later,

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

Land with building situated at Moh. Nurullahpur Ramna, Kachchi Saray, P.S. Mithanpura, Distt. Muzassarpur and morefully described in deed No. 14048 dated 19-7-85 registered with D.S.R. Muzassarpur.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishna Pd. Sharma s/o late Mathura Pd. Sharma for self and father and natural guardian of Subhas Sharma, Subodh Sharma and Bikash Sharma (minors), Makhaniakuan Road, Babutola, Pirbahore, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar, Sh. Bachhu Ram. At-Mahaddipur, P.S. Punpun, P.O. Barah, Dist. Patna.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, EIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

r Ref. No. III-1261/Acq./85-86.—Whereas. I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 9, new ward No. 16 circle No. 24, sheet No. 81, Municipal plot No. 351, holding No. 111/95 situated at Moh. Makhaniakuan Road, P.5. Piroahore, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering officer at Patna on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cond of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitying the reductors of evering of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the arrefs which have not been or which ought to be decaded by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half of share of Land with building situated at Moh. Makhaniakuan Road, P.S. Pirbahore, Dist. Patna and morefully described in deed No. 5034 dated 12-7-85 registered with D.S.P. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 6-3-86 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΥ ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishna Pd. Sharma s/o late Mathura Pd. Sharma for self and guardian of his sons Subhas Sharma, Subodh Sharma & Bikash Sharma, Makhaniakuan Road, Babu Tola. P.S. Pirbahore, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Kumud Devi W/o Sri Bachu Rai At Mahaddipur, P.S. Punpun, P.O. Barah, Dist. Patna.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1262/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Ward No. 9/16 circle No. 24, sheet No. 81, Municipal plot No. 351, holding No. 92, 111/95 situated at Moh. Makhaniakuan Road, Babu tola, P.S. Pirbahore, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 12-7-85 DURGA PRASAD, Patna on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; spd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half of share of Land with building situated at Moh. Makhianiakuan Road, Babu tola, P.S. Pirbahore Dist. Patna and morefully described in deed No. 5035 dated 12-7-85 registered with D.S.R. Patna.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 6-3-86

FORM ITNS----

(1) Gagan Sahakuri Girh Nirman Samity Ltd. through its secretary Md. Rayazuddin Khan, Grand Hotel Premises, Fraser Road, Patna.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1263/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .1,00.000/- and bearing plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6 situated at Exhibition Road, Gandhi Maidan, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 18-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Md. Manzar Husain S/o Late Dr. Wajahat Husain, Zubaida Manjil, Moh. Bhabdepur, Ward No. 13, Sitamarhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Entire flat No. 507 on the 5th floor of Gagan Apartments measuring 1112 sq. ft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 5186 dated 18-7-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar.
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 6-3-86

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Gagan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its secretary Md. Rayazuddin Khan, Grand Hotel Premises, Fraser Road, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Kumar Ratta s/o late Malak Chand Ratta, of Naya Tota, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1264/Acq/85-86.—Whereas, I. DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing plot No. 762, holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6 situated at Exhibition Road, Gandhi Maidan, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Patna on 3-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire flat No. 204 on the 2nd floor of Gagan Apartments measuring 807 sq. ft. situated at Fxhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and more fully described in deed No. 4721 dated 3-7-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
145—36GI/86

Date: 6-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1265/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Tauzi No. 303, Thana No. 11, Khata No. 695, Khesra No. 1346 situated at Vill. Sandapur Kalan P.S. Alamgunj, Dist. Potna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 8-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons. namely:—

- Jamuna Mahto S/o Late Ramdas Mahto, Mohalla Arfabad Rajpoot Toli, P.S. Alamgunj, P.O. Guljar Bagh, Patna-7. (Transferor)
- (2) Ram Raj Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna through its Secretary Surya Kumar Singh, R/o Moh. B/91, Kankarbag P.O. Kankarbagh, Patna-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 161 decimals situated at village Sandalpur Kalan P.S. Alamganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3413 dated 8-7-85 registered with the Sub-Registrar Patna City.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bhar,
Patna

Date: 6-3-86 Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1266/Acq/85-86.—Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

plot No. 1328 & 1329 (part) Khata No. 711, touzi No. 303, thana No. 11, ward No. 18/24, Sheet No. 148, M.S. plot No. 1377 & 1378 situated at Mouza Sandalpur P.S. Alamganj, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Patna City on 27-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fa'r market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by market than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or eventon of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be distincted by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the nequilities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Badri Nath Mahto S/o Late Ram Chandra Mahto and his minor sons Ayodhya Pd. Mahto & Uday Pd. Mahto natural guardian Sri Badri Natha Mahto At Nuranibagh Colony, Sector-2, P.S. Alamganj Patna.

(Transferor)

(2) Ram Raj Sahakari Girh Nirman Samiti Ltd., Patna through its Secretary Surya Kumar Sinha, of Moha B/91, People's Coopeative Conlony, Kankarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on 'the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 20.5 decimals situated at mouza Sandalpur P.S. Alamganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3851 dated 27-7-85 registered with S.R. Patnacity.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date: 6-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1267/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

touzi No. 303 part thana No. 11, khata No. 711, khesra No. 1328 & 1329 (part), ward No. 24/18, sheet No. 148, M. S. plot No. 1377 & 1378 (part) situated at Mouza Sandalpur, P.S. Alamgani, Dist. Patna

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna city on 13-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Ram Nath Mahto
 Selfo Late Ramchandra Mahto
 for self & his minor sons—Ayodhya Pd.,
 Mahto & Uday Pd. Mahto as father
 and natural guardian,
 Moh. Nooranibag colony,
 Sector No. 2, Alamganj,
 Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Raj Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its Secretary Sri Surya Kumar Sinha of B-91, People's Coop. Colony, Kankarbagh, Patna.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 20.5 decimals situated at mauza Sandalpur, P.S. Alamganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3558 dated 13-7-85 registered with S. R. Patna city.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

Scal:

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1268/Acq/85-86,—Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act have teason to believe that the limitorable property, howing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 11, touzi No. 303, khata No. 600, khesra No. 1322/1326, M. S. plot No. 1336/1342, Ward No. 18/24, circle No. 71, mouza Sandal pur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna (and more fully described in the schedule amnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patnacity on 2-7-85

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patnacity on 2-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Sh. Janki Mahto
 S/o Late Raghubir Mahto,
 Vill. Arfabad,
 Gur-ki-Mandi,
 P.S. Alamganj,
 P.O. Gulzarbagh,
 Dist. Patna,

(Transferor)

(2) Shri Sheopuri Girh Nirman Sahakari Samity Ltd., Patna, through its Secretary Sri Prabhat Kumar Singh, At & P.O. Kankarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 8 kathu 2 dhur situated at mouza Sandalpur, P.S. Sultangani, Distt. Patna and morefully described in deed No. 3245 dated 2-7-85 registered with S.R. Patnacity.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1269/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 11, touzi No. 303, khata No. 600, khesra No. 1322/1326, M. S. plot No. 1336/1342, Ward No. 18/24, circle No. 71, mouza Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patnacity on 2-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Janki Mahto
 S/o Late Raghubir Mahte,
 Vill. Arfabad,
 Gur-ki-Mandi,
 P.S. Alamgani,
 P.O. Gularbagh,
 Dist. Patna.

(Transferor,

(2) Sheopuri Girh Nirman Sahakari Samity Ltd. Patna through its Secretary Sri Prabhat Kumar Singh, At & P.O. Kankarbagh, Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 8 kathas 2 dhurs situated at mouza Sandalpur, P.S. Sultangani, Distt. Patna and morefully described in deed No. 3245 dated 2-7-85 registered with S.R. Patnacity.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

#### FORM ITNS-----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1270/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing Thana No. 11 Tauzi No. 303 Khata No. 216, Kheshra No. 616 situated at Mauza Sandalpur, Thana Sultangani, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patna City on 9-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been train stated in the said in research of training with the ablest of the said in the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(1) Shri Lakkhan Mahto S/o Late Bikan Mahto, Self and Guardian Pappu Kumar, Sohan Kumar Minors, S/o Sh. Lakhan Mahto, Sh. Kishori Mahto, Sh. Bijay Mahto, Sh. Prem Narayan Mahto sons of Sh. Lakhan Mahto, At Shahganj, Post Mahendru, P.S. Sultanganj, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sultangani Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Patna through its Secretary Md. Saqir Ahmad, at Dargah Road, P.S. Sultanganj, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the normalition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date at the publication of this notice im the Official Genetic

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

l and measuring 45 decimals situated at Mauza Sandalpur, P.S. Sultanganj Dist. Patna and morefully described in deed No. 3432 dated 9-7-85 registered with the Sub-Registrar Patna City.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1271/Acq/85-86.—Whereas, I.

DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 11, touzi No. 303, khata No. 208, khesra No. 614 situated at mouza Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16, of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (ă) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mos. Hona Devi Wi/o Sh. Ram Chandra Mahto, Sro Doman Mahto, Sh. Yogendra Mahto S/o Ramchandra Mahto, Maheshpur, Khajekalan, Patna.

(Transferor)

(2) Sultangani, Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its Secretary Md. Sagir Ahmad, Dargah Road, Mandai, Sultangani, Mahendru, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 36 decimals situated at Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna and more fully described in deed No. 3682 dated 18-7-85 registered with S.R. Patnacity.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incorportal Acquisition Range, Bihat Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986

#### FORM ITNS ....

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1272/Acq/85-86.--Whereas, I,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 11, Tauzi No. 303 Khata No. 211, Kheshra No. 775 (Part) situated at Mauza Sandalpur, P.S. Sultangani, Dist. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 20-7-85

at Patha City on 20-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the gald instruments of transfer with the chieft of transfer. instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--146-36GI/86

(1) Sh. Ramdhani Mahto S/o Late Dhanu Mahto, Sh. Ashok Kumar Mehta S/o Sri Ramdhani Mahto of Sandalpur, P.S. Sultangani, P.O. Mahendru, Dist. Patna.

(Transferor)

(Transferor)

(2) M/s. Sultanganj Sahakari Girh Nirman Samiti Ltd.,
Patna through its Secretary
Md. Sagir Ahmad
at Dargah Road, Mandai,
P.S. Sultanganj,
P.O. Mahendru,
Diet Bates Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 kathas situated at Mauza Sandalpur, P.S. Sultanganj Dist. Patna and more fully described in deed No. 3724 dated 20-7-85 registered with the Sub-Registrar Patna City.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

Seal;

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1273/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. M.I.G. 18 situated at Madhab Bang, Mango RS. Moheo Learnhadeur Dist Clarkham. P.S. Mahgo, Jamshedpur Dist. Singhbhum (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

(1) Shri Suresh Kr. Agarwalla S o Sri K. N. Agarwall, 2. Sh. K. N. Tekriwal resident of Ratu Road Ranchi at M.I.G. 18 Madhab Bang, P.S. Mango Jamshedpur Dist. Singhbhum.

(Transferor)

(2) Sh. Nirmal Kumar Biswas S/o Late P. Biswas of N 8/8 Telco colony, Dist. Singhbhum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with house situated at Madhab Bang, Mango P. S. Mango, Jamshedpur Dist. Singhbhum and more fully described in deed No. 5162 dated 12-7-85 registered with the S.R. Jamshedpur,

> **DURGA PRASAD** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1274/Acq/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Recent Survey Plot No. 4131, Khata No. 443, Ward No. 8 situated at J.N.A.C., Mango P.S. Mango Jamshedpur (Singh-bhum)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-7-85

an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 289C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Bela Rani Sarkar W/o Sri Rakhahari Sarkar, R/o Gunomoy Colony, P.S. Mango town Jamshedpur (Singhbhum). (Transferor)
- (2) Smt. Kanta Devi Kedia W/o Shri Subhash Chandra Kedia, R/o Gurudwara Road, Mango, P.S. Mango Jamshedpur (Singhbhum).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 0-3-19 dhurs with building situated at J.N.A.C., P.S. Mango, Jamshedpur (Singhbhum) and morefully described in deed No. 5120 dated 10-7-85 registered with the Sub Registers Instabled with the Sub-Registrar Jamshedpur.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 6th March 1986

Ref. No. III-1275/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Old Plot No. 1515, Old Khata No. 373, Old/H. No. 162, New Plot No. 1213, a, b, c, New Khata No. 277 Ward No. 4, New/H. No. 214 situated at Mauza Jugsalai, P. S. Dist. Singhbhum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 13-7-85

at Jamshedpur on 13-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

 Uggrasain Kochar S/o Late Teluram,
 Sh. Shamser Kochar,
 Sh. Haresh Kochar sons of Sri Uggrasin Kochar, of Jugsalai
 P.S. Jugsaali,
 Dist. Singhbhum,

(Transferor)

(2) Smt. Barju Bai Baid W/o Sri D. C. Baid of Jugsalai, Jamshedpur (Singhbhum).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 15 dhurs i.e. 0.0089 Hec. with house situated at Mouza Jugsalai P.S. Jugsalai, Jamshedpur (Singhbhum) and morefully described in deed No. 5178 dated 13-7-85 registered with the SubRegistrar at Jamshedpur.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 6-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 7th March 1986

Ref. No. III-1276/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 52, khata No. 128, holding No. 155 of Doranda Municipality situated at Hinoo, P.S. Doranda, Dst. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 19-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Tara Sanker Ghosh
 Smt. Santosh Bala Ghosh
 W/o Late Tarak Nath Ghosh
 Miss Bithika Ghosh,
 Smt. Balabika Baul,
 Smt. Kalpana Das,
 Smt. Sunity Roy,
 Sri Amiya Kumar Ghosh,
 Smt. Gita Guha,
 Smt. Bokul Roy,
 Smt. Anamika Ghosh,
 Smt. Anamika Ghosh,
 Smt. Samapika Ghosh,
 Smt. Samapika Ghosh,
 Sri Kiran Sanker Ghosh
 Sons & daughter of late Tarak Nath Ghosh
 Rochi-65, Hinoo,
 Ranchi-834002,
 P.S. Doranda,
 Dist. Ranchi.

(Transferor)

 1. Smt. Ratna Bali Dutta W/o Sri Tara Prasanna Dutta,
 2. Sri Ram Prasanna Dutta
 5/o Late Chunilal Dutta,
 Vill. Bundu,
 P.S. Bundu, Dist. Ranchi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the subjection of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 katha 14 chhatak 8 sq. ft. situated at Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 7793 dated 19-7-85 registered with D.S.R. Ranchi.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7.3-1986

#### FORM ITN9 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### BORING CANAL ROAD BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 7th March 1986

Ref. No. III-1277/Acq/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. III-12//Acq/85-86.—Whereas, 1, DURGA PRASAD, the competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 52, khata No. 128, sub plot No. 52/Y, holding No. 155 situated at Mouza Hinoo, P.S. Duranda, Dist. Ranchi

Ranchi

Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) As per annexure-I. (1) Sh. Tara Shankar Ghosh, 2. Smt. Santosh Bala Ghosh W/o Late Tarak Nath Ghosh, 3. Miss Bithika Ghosh, 4. Smt. Malabika Baul,

5. Smt. Sumity Roy, 6. Sri Amiya Kumar Ghosh, 7. Smt. Gita Guha,

7. Smt. Gita Guna,
8. Smt. Bokul Roy,
9. Smt. Kalpana Das,
10. Smt. Kalpana Das,
11. Smt. Samapika Ghosh,
12. Sri Kiran Sankar Ghosh,
all sons & doughter of late Tara Sanker Ghosh,
of H-65, Hinoo, Ranchi-2,
P.S. Duranda, Dist. Ranchi.
(Transferon

(Transferor)

(2) As per annexure-I,

(2) 1. Smt. Gouri Bala Dutta W/o Late Chunnilal Dutta 2. Debi Prasanna Dutta S/o Late Chunnilal Dutta of village Bundu, P.S. Bundu, Dist. Ranchi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 2 katha 5 chhatak 17 sq. ft. situated at mouza Hinoo, P.S. Duranda, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 7823 dated 20-7-85 registered with D.S.R. Ranchi.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 7th March 1986

Ref. No. III-1278/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Holding No. 208, Line No. 7 situated at mouza Kasidih,
Jamshedpur, P.S. Sakchi, Dist. Singhbhum
(and more fully described in the Schedulo annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Jamshedpur on 31-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair swarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Md. Siddique alias Shabbir Hussain S/o Late Md. Ali of Mango, Munshi Mohalla, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(2) Smt. Lalmati Devi W/o Srii Pati Ram Singh, 18316 Kasidih,

P. S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sence in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 1600 sq. ft. situated at mouza Kasidih, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 5548 dated 31-7-85 registered with S.R. Jamshedupur, Singhbhum.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

#### FORM ITNS ....

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 7th March 1986

Ref. No. III-1279/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner or mome-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the insuvable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 539 & 541 Khata No. 4, situated at village Hinoo P. S. Doranda Dist. Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 13-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax A t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Md. Faruque S/o Late Haji Md. Ayub of Hindiri, Ranchi constituted attorney for Md. Shah Nawaz
  Md. Anwar Ahmad sons of late Haji Md. Ayub of Hindpiri P. S. Hindpiri, Ranchi.
  (Transferor)
- (2) Shrimati Lakshmi Choudhry of Hinoo P. S. Doranda Dist. Ranchi w/o Sri Ramanand Choudhry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

  EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 21 1/2 decimals with building situated at Hinoo P.S. Doranda, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 7578 dated 13-7-85 registered with the District Sub-Registrar at Ranchi.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-3-1986

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 7th March 1986

Ref. No. III-1280/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 538/539, Sub Plot No. 3, Khata No. 4, situated at village Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937).

- (1) Shri Md. Shah Nawaz S/o Late Haji Md. Ayub Md. Anwar Ahmad S/o Late Haji Md. Ayub of Hindii Dist. Ranchi. (Transferor)
- (2) Smt. Lakshmi Choudhry, W/o Sri Ramanand Choudhry of Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from hte date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 28½ decimals with building situated at Village Hinoo, P.S. Doranda Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 7562 dated the District Sub-Registrar Ranchi.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
147—36GI/86

Date: 7-3-1986

Seal;

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 7th March 1986

Ref. No. III-1281/Acq/85-86.—Whereas, 1, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

M.S. Plot No. 1789 Hold No. 506 Ward No. III, situated at Hindpiri P.S. Hindpiri Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anand Preet Singh and Guruchanjeet Singh through their constituted Attorney Sardar Annik Singh, Dak Bunglow Road, Patna.

  (Transferor)
- (2) Shri Binod Kumar Gupta, Smt. Meena Rani Gupta, Sri Anant Kumar Gupta and Smt. Nalini Gupta of H.B. Road, Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha 15 chataks with building situated at Hindpiri P.S. Hindpiri Ranchi and more fully described in deed No. 7233 dated 4-7-85 registered with the District Sub-Registrar at Ranchi.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4473 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A.I. Atmaram Socy. Karelibag,
R.S. No. 765/1, 764—Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Baroda in July 1985,
for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Sarlamohini Prutapchand, Vijya Sadan—Atmaram Marg, Kareli Bag-Baroda.

(Transferor)

(2) Champaklal Devjibhai Shah 6-Savanand Socy. Kareli Bag-Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda during July 1985 for A.C. Rs. 99,373/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4474 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Piece of land, bearing Sheet No. 15-Lat No. 343/1, of

Godhra at Ankleshwar Mahadeo Road, Godhra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Godhra on 8-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ramanlal Vadilal Shah and Ors. Godhra.

(Transferor)

 (2) 1. Thakordas Jethanand Dhamwani,
 2. Tirathdas Jethanand Dhamwani,
 Paniera Pole Road, Godhra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gusette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was 1egd. by S.R. Godhra on 8-4-1985 for A.C. Rs. 80,000/- form No. 37G is received on 13-2-86.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following normons, namely :--

Date: 27-2-1986

#### FORM JIM

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4475 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land and Building—Prabhakunj Socy.

S. No. 403/17 of Godhra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Godhra in July 1985,

for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Zinabhai Gokaldas Shah-Dwarka Nagar-Bamroli Road, Godhra.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuben Vinodhbhai Patel, Prabba Road, Prabhakunj Socy. Godhra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Sale deed was regd. by S.R. Godhra on 23-5-85 for A.C. Rs. 80,000/-, Form No. 37G is recd. on 13-7-86.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 27-2-1986

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4476 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act ) have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 1838, (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 2-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Jawanji Adaji Thakor, Sadaji Adaji Thakor, Мадирага-Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Bhuvneshwari Co.op Socy.-President :-Mahendrakumar Dayashankar Nayak, Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The two sale deed were regd, by S.R. Mchsana on 2-7-85 for A.C. Rs. 60,000/- and Rs. 1,74,000/-.

> P. D. KHANDELWAŁ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4477/Acq-23/II/85-86 -- Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 401 at Patel Chamber Nanpura-Choki Mohlo-Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Patel Land Corporation, Nanpura-Surat.

(Transferor)

(2) Shri Nayankumar Indravadan Mugatwala, No. 401, Patel Chambers, Nanpura-Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5352 date 10-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin. persons namely :--

Date: 27-2-1986

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Patel Land Corporation, Nanpura-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Darayas K. Variava, 504, Patel Chamber-Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4478/Acq-23/II/85-86,---Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504 at Patel Chambers Nanpura-Surat,

Flat No. 504 at Patel Chambers Nanpura-Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Surat on 10-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the enid immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5351 date 10-7-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 27-2-1986

Soul :

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4479/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Tax No. 603 at Patel Chambers Nanpura-Surat, (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaves the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Patel Land Corporation, Nanpura-Surat.

(Transferor)

(2) M. B. Thakkar, 602, Patel Chambers, Nanpura-Surat.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5350 date 10-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
148—36 GI/86

Date: 27-2-1986

(1) M/s. Patel Land Corporation, Nanpura-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Harsha Rohitkumar Motiwala, 302, Patel Chambers, Nanpura-Surat.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4480/Acq-23/II/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302. at Patel Chambers Nanpara-Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration (1908) in the Office of the Registration (1908).

1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5349 date

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessin property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-2-1986

Scal +

#### (1) M/s. Patel Land Corporation, Nanpura-Surat.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajnikant Jayantilal Shah, 502 Patel Chamber, Nanpura-Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th Februacy 1986

Ref. No. P. R. No. 4481/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 502, at Patel Chambers Nanpura-Surat, (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5348 date 10-7-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 27-2-1986

Scal:

(1) M/s. Patel Land Corporation 4-Navchetan Aptt Por-Mohallo Nanpura-Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manubhai M. Desai, 302—Patel Chamber— Nanpura-Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HADLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4482.Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 302 at Patel Chambers situated at Nanpura Wd. No. 1 Nondh No. 1902
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interceted in the said hamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given: that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5347 dt. 10-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmodabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 27-2-1986

#### (1) M/s. Patel Land Corporation Nanpura-Surat.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Smt. J. M. Dave 303, Patel Chambers, Nanpura Choki Mohllo,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4483.Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

poing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 303, at Patel Chamber situated at Nanpura Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ing persons, namely:—

at Surat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer; anci / ut

(b) facilitating the consentment of any any moneys or other assets which have not be which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persor", namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5353 dt. 10-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 2nd Floor Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Dated: 27-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kaminiben. V. Sopariwala 4/4473 Begampura Khangad Sheri Opp. Ram Kabir Mandir-Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mukeshchandra Kantilal Shah, Haripura Soy. Sheri, Surat-5/2000.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4484.Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3-B at Manish Park Co. op. Socy. Adagar Mohallo Wd. No. 1 Nondh No. 902 etc.

Nanpura-Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5627 dt. 29-7-1985,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have net been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 2nd Floor Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 27-2-1986

#### FORM ITNS-

(1) Surat Parsi Boys Ofnej Trust's, Trustees—Shahpor Parsi Panchayat Office, Surat. (Transferor)

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gaurang Pravinchandra Chokshi, Nanavat Main Road. Surat. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR,

Ahmedabad, the 27th February 1986

/ Hof. No. P.R. No. 4485 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.P. No. 7F.P. No. 189 paiki Umarwada Ring Road, Surat, Land Adm. 1000 Sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period O: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5583 dt. 25-7-1985.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 27-2-1985

(Transferee)

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Surat Parsi Boys Orfnej Trust's 'Trustces—Shahpor Parsi Panchayat Office—Surat. (Transferor)

### (2) Nimish P. Chokshi, Nanavat, Main Road-Surat.

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II

#### 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM RQAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4486 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. P. No. 7 F. P. 189 Umarwada, Ring Road—Adm.

1037 sq. mts.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 25-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givest in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5582/Dt. 25-7-1985,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Absnedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 27-2-1985

#### (1) T. G. Merchant & Coy., Bombay.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Rajendra S, Jain, No. 1030—Golwala Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4487 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 1030 at Golwala Market—Ring Road—T.P. No. 8—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said i

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

149---36 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5398, dt. 11-7-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 27-2-1985

(1) Indiraben Jayantllal Chaudhari & Ors., Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mchanlal Narottam Mithaiwala, 9/206, Pagathiya Sheri, Ambaji Road, Vadi Falia, Surat.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FI.OOR, ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4488 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the ILCOME-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bidg. at Surat Fard No. 9, Nondh No. 205 situated at Surat (and more fully described in the Schelule approved beyond).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5651/Dt. 30-7-1985,

> P. D. KHANDE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-2-1985

Scal ;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4489 Acq. 23/II/85-86,---Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Bldg. at Surat Ward No. 2 Nondh No. 4328, Sagram-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Vamanshankar Kamlashankar & Ors., Sagrampura, Kala Mehtani Sheri, Surat. (Transferor)

(2) Natwarlal G. Chokhawala & Ors., Sagrampura, Ichhamehta ni Sheri, Surat (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5382, dt.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 27-2-1985

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR.

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4490 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), lave least to otherwe that the infinity-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302 Radha Krushna Aptt., Athwa Lines, Ward No. 13 S. No. 1304, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which neight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. M. C. Vakharia and R. M. Vakharia, Navapura, Kadawa Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prasad Gordhandas Kabara, 302, Radhakrishna Aptt., Athwa Lines, Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, never period empires inter:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vice No. 5453, dt. 16-7-1985,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 27-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Pranay Chandravadan & Ors.,

(1) Sh. Chandravadan alias Chandrakant Babubhai, Mahidharpura, Doohara Sheri, 4/321, Surat.

(1) Smt. Kanchanben, W/o Babulal Jekishandas &

Mahidharpura Begampura, Doodhara Sheri, Surat.

#### (Transferea)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND I-LGOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4491 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Bldg. at Surat Ward No. 4 Nondh No. 321, Mahidhar-

pura, Doodhara, Sheri Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intrace able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeria

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5496, dt. 18-7185.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4492 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

No. Bunglow No. 14 at Jivan Vikash Co-op. Hsg. Socy.

Athwa Lines, Surat

(and more rully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Kirtidaben Janardan Anjaria & Others, 14, Sahjivan Socy. Usmanpura, Ahmedabad.
- (2) Sh. Dahyabhai Bhagubhai Patel & Others., Patel Street, at Village Bhairay Tal. Kamraj Dist., Surat. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5671. dt. 31-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Gayo Mard Ardesar, 223/5B-Hadsara Poona-28, Opp. Akashvani.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben. R. Gupta & Ors. Adagara Mohallo, Nanpura, Surat,

(Transferee)

#### **COVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4493 Acq. 23/II/85-86,-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Bldg. at Surat Ward No. 1 Nondh No. 235 Surat, Nanpura

(and more fully described in the Schedule aunexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5529, dt. 23-7-1985,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 27-2-1986

\_\_\_\_

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38000)

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4494 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Inceme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 15 Wd. No. 8, Nondh No. 1445 Avdhoot Aptt., Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 9-7-1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection ('i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Avdhoot Land Corporation, L-3, Housing Colony, Khatodara, Surat.

(Transferor)

(1) Ghevarchand Jivraj Shekhani, Flat No. 15, Avdhoot Aptt., Muli Falia, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Counts or a period of 30 days trons the service of notice on the respective persons, which ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was registered at S. R. Surat vide No. 5319, dt, 9-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Atamedabad

Date: 27-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-11

2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4495 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No, Flat No, 6 at Avdhoot Aptt., Gopipura, Malifalia, Surat Wd. No. 8 Nondh No. 1445

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oi
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
150—36 GI/86

 M/s. Avdhoot Land Corporation, L-3, Housing Colony, Khatodara, Surat,

(Transferor)

(2) Sh. Vinaben Maheskant Shah, No. 6, Avdhoot Aptt., Mali Falia, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 9184, dt, 16-7-1985,

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.
Bombay

Date: 28-2-1986

#### FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDAB \10-380009

Ahmedabad, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4496 Acq. 23/11/85-86,---Whereas, 1. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Building at Surat Haripura Sukhadia Sheri Wd. No. 5, Nondh No. 246 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Strat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal 1 property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

- (1) Sh. Ramanlal Ratilal Sadadiwala & Ors., 10-A, Chandra Lok Socy., Behind Bharat Petrol Navyug College Campus, Rander Road, Surat, (Transferor)
- (2) Natwarlal Nanabhai Kabarawala & Ors., 5/246-Sukhadia Sheri-Haripura-Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 4263, dt.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom Acquisition Range-II. Ahmedaupo.

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4439 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Duplex Bunglow No. 35 in S. No. 142, Ward No. 13
TPS No. 9 EP No. 62 Synst

TPS No. 9 FP No. 62, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Haben Dineshchandra Mandalwala, 55-Sumangal Prabhat Co-op. Ltd., Bhatar Road, Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Jyotsanaben Vasantbhai Shah, 35, Sankalapa Co-op, Hsg. Socy, Ltd., Behind St. Xavier's School, God Dod Road, Surut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S. R. Surat vide No. 5162, dt. 4-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR.

Ahmedabad, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 440 Acg. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No.

No. Shop No. T. 2119 at Surat Textile Market, Ring Road,

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ratilal Hajarimal & Ors., 3/4117, Navapura Dalia Shcri, Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Lekhraj Galeshdas Ahuja, 101, Sidhi Nagar, Bhatar Road, Opp. L. B. Cinema,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- TYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5189, dt. 5-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely: ing persons, namely :-

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4441 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. Y-2186 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Shastri' Co-op. Socy., President, Jayantilal, B. Vadiwala, At Balaji Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Milan Textiles, Prop. Mohanlal Morarbhai Jariwala, Main Road, Ranpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5188, dt. 5-7-1985,

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate or ceedings for the acquisition of the aforesaid property by are issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

The second secon

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 14th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4442 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. C-1025 at Surat Textile Market, Ring Road.

Surac

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-7-1985

at Surat on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Krisanachand Molamal Ja vani Govindram Pvt., 2" Kernak Road, Bombay .

(Transferor)

(2) M 5. Rook Son, Lal Harkishandas Naytani & Ors., Nattaj Building Flat No. 9, 2nd floor, Biking Road, Bandara, Bombay.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the arcraid persons within a period of torry-five days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of police on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 stays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

re to as a copression used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Any the flavor the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat 1905, dt. 8-7-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority this pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

Seedal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4443 / Acq-23 / II / 85-86. — Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. L. 20 at Bombay Market-Umarwada. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691 of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Rameshchandra Narpatlal Vadera & Ors. Singlani Dhirailal. C/o 10/1332, Gopipura Chandla Gali

(Transferor)

(2) M/s. Jayshri Prints, M/s. Arvindlal & Coy.
M/s. Arvindlal & Coy.
Bhupendra N. Chevali,
Shop No. L. 20 Bombay Market,
Umarwada-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 638/date 8-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s (1) Nagjibhai Shambhubhai Patel, P.O. Kanjari Tal. Halol, Dist. Panchamahals.

(Transferor)

(2) Fit Tight Nuts & Bolts Ltd., Old Ashram-Andheri, Kurla Road, Andheri Bombay.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAU-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4444/Acq-23/II/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. P. R. No. 4444/Acq-23/11/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece of land bearing S. Bo, 2344 of Kanjari Tal, Halol Dist. Panchamahals.

Dist. Panchamahals,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Halol on 30-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. (957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Halol on 30-7-85 for A.C. Rs. 4,55,400/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-2-1986 Date: 14-2-1986

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4445/Acq-23/11/85-86.--Whereas, 1,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 107, of sim of Halol Kasba Dist. Panchamahals, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Halol on 31-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

151-36 GI/86

(1) Salunaben Jagdishchandra Shah & Ors., Behind Prasuti Gruh, At Halol Dist. Panchamahals.

(Transferor)

(2) Hotel Atithya Pvt. Ltd., Director : Bhailalbhai Somabhai, Khandavashram Station Road, Halol Dst. Panchamahals.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Halol for A.C. Rs. 2,66,000/on 31-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4446/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDEI WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income hax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece of land bearing S. No. 2343/2 of sim of Kanjari
Tal. Helol Dist. Pms.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Halol on 30-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2000, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Maganbhai Shambhubhai Patel, At Kanjari Tal. Halol, Dist. Panchamahals.

(Transferor)

(2) Fit Tight nuts & Bolts Ltd., Old Ashram Nr. Kanjari, Dist. Panchamahals.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. S.R. Halol on 30-7-1985 for A.C. Rs. 3,80,325/-,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

Date: 14-2-1986

(1) Shri Sardarsingh Guruditsingh Anand, Anand Mahal, Pratapganj, Baroda,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parikh Exhibitors Pvt. Ltd., Apasara Cinema, Pratap Nagar, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4447/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 1 00 000 (2) and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 452 or Sayajiganj Baroda Tika No. 19, S. No. 161, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 24-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which sught to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this setice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 24-7-1985 for A.C. Rs. 13,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Cmpetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

#### PORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4448/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 503-1-44 of Sayaji Ganj, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhavesh R, Thakkar, C/o. Mahendra Mension, 601, Dr. Ambedkar Road, Matunga Bombay.

(Transferor)

(2) Sidhubhai Ambalal Limbachia. Behind LMP Show Room, Sayaji Ganj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shah have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 18-7-1985 for A.C. Rs. 2,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 17-2-1986

#### - Line Committee of the FORM ITNS --

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOK, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4449/Acq-23/11/85-85.—Whereas, I, P. D. KHANDFLWAL,

P. D. RHANDFLWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Building S. No. 713, Dahod Dist. Panchamahals (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer. 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sweeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely : -

(1) The Amalgamated Electricity Co. Ltd., 173, Horniman Circle, Fort Bombay-400 023.

(Transferor)

(2) Gujarat Electricity Board, Race Course Baroda-390 007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XAA of the said Ack shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed is regd. by S.R. Dahod on 18-7-1985 for A.C. Rs. 6.01,144/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 17-2-1986

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 14th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4450/Acq-23/11/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inunovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 183/1396 6 Kalyan Hsg. Socy., Ajawa Road, Baroda (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Rampyari Ramprakash Juneja,
 Kalyan Hsg. Socy. Panigate Water Tank, Baroda.

(Transferor)

(2) Jabbarhussein son of Haji, Gulamhussein Shaikh, Mogalwala Bakri Pole, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 25-7-85 for A.C. Rs. 2.05,000 /-.

P. D. KHAND CWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4451/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

Boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building bearing Tika No. 18/1 D. No. 122 of Fatepura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Gulamrasul Suleman, Petladwala. Fateganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Jyotiben Jyantilal Shah, Kalu Falia, Nava Bazar, Baroda.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 8-7-1985 for A.C. Rs. 2,10,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 17-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4452/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot 16, Kalyan Socy. R.S. No. 47, of Akota TPS No. I,

Baroda,

Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(1) Maniben Bhaishankar Bhatt, 'Kaushik' Opp: Bhadrakali Mata, Raopura, Baroda.

(Transferor)

(2) Rajendrakumar Chhitabhai Patel, 2-Kalyan Nagar Socy., Metal Hospital Road, Karelibay, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 2-7-1985 for A.C. Rs. 69,495/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-2-1986

#### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4453/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land Opp : Khanderao Market bearing S. No. 15, and 107 of Baroda

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Baroda on 6-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferend/or
- (b) facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :---

152-36 GL/86

(1) Bipinchandra Dadubhai Patel & Ors., Raj Mahal Road, Baroda

(Transferor)

(2) Shriji Mahal Aptt. (Suchit), Jamnadas Shamjibhai Patel,
7, Hastinapur Socy. Kareli bag, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this sotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 6-7-1985 for A.C. Rs. 4,07,995/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-2-1986

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4454/Acq-23/II/85-86.--Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot 23A Shrinagar Socy, bearing S. No. 114 TP, I FP

No. 449 Jetalpur, Boroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Deviben Natvarlal Thakor, P.A. Holder, Gajanand Natvarlal Thakor, 49, Sangam Socy, Harni Road, Baroda. (Transferor)
- (2) Bipinchandra Vadilal & Ors.Opp: National Garage, Nagawada, Baroda.(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bevein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during July, 1985 for A.C. Rs.  $2.22,516/\sim$ 

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-2-1986

Cenl :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Ruby Construction Coy., Haribhakti Extension, Old Padra Road, Baroda.

(Transferor)

Thakkor Family Trust,
 Ashapuri Socy., A Kota,
 Baroda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4455/Acq 23/II/85-86.—Whereas 1,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10, Haribhakti Colony S. No. 78, 1-talpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regsitering Officer at S. R. Baroda on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 1-7-1985 for A.C. Rs. 74,250/-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4456/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Raopura Baroda S. No. 89, 94, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

1908) in the Office of the Regsitering Officer at Baroda on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o;

(b) fasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pinakin Kumarpal Shah, Sur Sagar Uttar Disha, Baroda.

(Transferor)

 Shri Vardhaman Sahkari Bank, Raopura Kothi Pole, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during July, 1985 for A.C. Rs. 4,51,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 17-2-1986

#### FORM ITNS....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4457/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. Land & Bldg bearing S. No. 337/1 and 338/3 of Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/se

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Shilavati W/o Baba Sahen Annasaheb & Ors., Sindhwai Mata Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Kantilal Damjibhai Shah & Ors. Niketan Aptt. Chikuwadi, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during July, 1985 for A.C. Rs. 4,23,510/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

#### FORM INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Omprakash Sitaram Suri, Shaktinagar Socy., Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Nandrani Jagdishlal Shethi, 304, Shital Aptt. Goddod Road, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4458/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have least to believe that the inhaby able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at Shital Aptt. Athwa Lines Goddod Road, Ward Athwa Nondh No. 2288, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regsitering Officer at Surat on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 322) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons. er period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. urat vide No. 5362 date 11-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-2-1986

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4459/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land at Kalpana Co-op. Socy. Vibhag 1, Nr. Palanpur Patia Rander Road, Surat Land 720 sq. yd. Plinth work 1350

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regsitering Officer at Surat on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kikubhai Govindji Bhagat, 2/335 Vakal Street Rander, Surat,

(Transferor)

(2) Rambhaben Jayantilal 101, Sangna Socy. Rander, Adajan Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period excites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice of the Official Gazette.

EXPLANAT.ON: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5402 date 12-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Ravi Enterprise, 1st Floor, Rajeshwar Aptts, Nanpura, Athugar Street, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Narednra G. Arya, 129, Sarjan Co.op. Hsg. Socy. Ltd., Umara Jakat Naka, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4460/Acq-23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the inimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat 3C Ravi Chhaya Aptt, Athwa Lines Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule Form No. 37EE was submitted in the office of the undersigned on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfers und/for
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE was submitted in the office of the undersigned in July, 1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom tax
Acquisition Range-II, Ahmer—ad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1986

#### FORM JTNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Dr. Kusumben Kantilal Vakharia Mukund Mansion, V. P. Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Maharshi Corporation Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHBAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4461 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building at Ward No. 11 Nondh No. 78 Nanavat Behind Vithal Wadi, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 5365 dated 11-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-2-1986

Seal:

153-36 GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4462 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building at Ankleshwar C.T.S. No. 3168 Ankleshwar, Dist.

Bharuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Jerambhai Dahyabhai Kapadia, Goya Bazar, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) 1. Shardaben Chhotalal Parsawala, Bombay Mahal East, Amitaben Sanjay Paraswala, Bharuch Narayannagar No. 2, Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which there are respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Ankleshwar vide No. 1847 dated 18-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-2-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4463 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land at Athwalines C.S. No. 28 Near Commissioner's Bunglow Athawa Lines, Surat

Form No. 37EE submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of in the office of undersigned on 29-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as afortsnid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Nandan Gaury Venilal, Balubhai 5/1165, Haripura,

(Transferor)

(2) Vijya Park Corporation, 6/1273, Bhat Sheri, Mahidharpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chater.

#### THE SCHEDULE

The Form No. 37EE was submitted in the office of the undersigned in July, 85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ravi Enterprise, Rajeshwar Aptt. 1st Floor, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Shivkumar Dev & Shri Sharadkumar, R. Gupta, A. 109 India Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4464 Acq. 23/II/85-86,--Whereas P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 3A Ravi Tej Aptt. Opp. Loude's Convent High School. Athwa Lines, Surat Form No. 37LE is submitted

in the office of the undersigned on 29-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aut. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE was submitted in the office of the undersigned in July, 85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the store sid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: :19-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 609

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4465 Acq. 23/11/85-86.—Whereas 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Tika No. 97 C.S. No. 3836 Land adm building Gulabdas Wadi, Lunsikui, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Navsari on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Dahyabhai Bhulabhai Patel, O.A. Holder Kalidas Bhagwanji Patel, P.O. Adesh Farm, Vatva, Dist. Ahmedabad.
- (2) Madhuben Dhirajbhai Desai Indra Prastha, Opp. Court, Navsari.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub? cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein sea are defined in Chapter XXA of the said Ass., shall have the same meaning as given in the

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Navsarl on 15-7-85 for A.C. Rs. 3,71,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-2 1986

Seat:

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4466 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat B/13/1 S. No. 57B-Third Floor, Dandia Bazar, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of to-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax nat, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

(1) Kalumal Chelaram, Dandia Bazar, Pro. Manekrao Road, Baroda,

(Transferor)

(2) Avinash. K. Diwanji, Dandia Bazar, Prof. Manekrao Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property easy be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda during July, 1985 for A.C. Rs. 70,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ramanlal Nagindas Shah, Charitable Trust P.A. Holder, Kanubhai Babaram, Patan.

(Transfero:)

(2) Mahashakti Corporation, C/o Hind Kapad Stores, Bazar Road, Patan.

(Transferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4467 Acq. 23/II/85-86.--Whereas I,

Ref. No. P.R. No. 4467 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 115 of Matarwadi, Paten Patan on 10-7-85 (and more fully described in the schedule approved hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wischever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evanion of the life of the transferor to pay tax under the respect of any income arbital frame
- (b) facilitating the concealment of any mecture or any mesoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

A sale deed is regd, by S.R. Baroda on 10-7-85 for A.C. Rs. 3,50,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: \$6-2-1986

FURY KINS- ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4468 Acq. 23/11/85-86.-Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetas Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A. 3 Atmaram Park Socy. R.S. No. 765/1, 764 Kareli Bag,

Vadodara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda in July, 1985 an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any runeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the soir with the following persons. namely :-

(1) Sarlamodini O. Dudani, Vijay Sadan Atamram Park Socy. Kartibag, Vadodara,

(Transferor)

(2) Bhupendra Manilal Sheth, Suraj, 189, Mangal Bazar, Vadodara,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives. in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd by S.R. Baroda during July, 85 for A.C. Rs. 99,373/-.

> P. D. KHANDEŁWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-2-1986

#### FORM I.T.N.S.—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 4469 Acq. 23/II/85-86.—Whereas P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL,
4-Arbudanagar Socy. behind Atmajyoti Ashram Baroda
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing No.
4-Arbudanagar Socy. behind Atmajyoti Ashram. Baroda
(and more fully described in the Schedule, annexed berefo)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /es

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

(1) Arvindkumar Natvarlal Mehta, 14, Purnima Socy. Kanola Road,

(Transferor)

(2) Karsanbhai Keshavlal Patel, 28, Arbudanagar Socy. Behind Atmajyoti Ashram, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 10-7-1985 for A.C. Rs. 80,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-II, Ahmed

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : 154-36 GI/86

Date: 26-2-1986

INKM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sarla Mohini Pratapchandra. Vijay Sadan, Atmaram Marg, Karelibag, Vadodara

(Transferor)

(2) Shardaben Nagindas Shah, 37, Sarvanand Socy., Karelibag, Vadodara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P. R. 4470 Acq. 23/11/85-86 -- Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land & Bidg. Atmaram Socy. Karelibag Vadodara
S. No. 765/1, 764 T.P. No. 9
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on July, 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during July, 85 for A.C. Rs. 99, 373/

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 26-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TANK ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sarla Mohini P. Dudani Vijay Sadan, Atmaras Marg, Kareli bag, Vadodara.

(Transferor)

(2) Dilipkumar Amratlal Shah, Bajwada, Haden Sheri, Vadodara

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4471 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value executing.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A. 5 Atmaram Park Co.op. Socy.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer?

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda during July, 85 for A.C. Rs. 99,373/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

New, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing for the acquisition of the said Act, I hereby initiate processing for the acquisition of section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

159—26 GI/86

Date 27-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMEENT OF IMPOLA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4472 Acq. 23/II/85-86.—Whereas

Ref. No. P.R. No. 4472 Acq. 23/II/85-86.—Whereas 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A. 6 Atmaram Park Socy. Karelibag, Vadodara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-an Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sarla Mohini P. Dudani Vijaya Sadan, Atmaram Marg, Kareli Bag, Vadodara,

(Transferor)

(2) Manilal Popatlal Cholera, Saurabh Socy.
 Karelibag, Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-eation of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during July, 85 for A.C. Rs. 99,373/-,

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 27-2-1986

# MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4497 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Surat Haripura, Gurjar Falia, Somnath Mahadevni Sheri, Surat Wd. No. 5/1100, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby naturate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shirishchandra Natwarlal Khambhati & Ors. Mira Aptt. Nanavat, Surat.

(Transferor)

(2) Mansukhlal Jamnadas Jariwala, Limada Sheri Haripura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5611 dated 26-7-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 28-2-86

(1) Rameshchandra Ramanlal, Dodhiyawala, 6/337, Kharadi Sheri, Mancharpura,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amritlal Sakarlal Jariwala. Pancholiwad Gopipura, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ÁCQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4498 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bunglow at Jaldarshan Co.op. Hsg. Socy. Umara, S. No. \$3/A Umarwada Nondh No. 164 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent considertation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5322 dt. 10-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance or Section 209°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986 Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this period in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 'Nutan Family Trust'
Trustees: Arvindkumar Hasmukhlal Kapadia & Ors.
At Rampura Main Road,
Surat.

(fransferor)

(2) Overseas Silk Mills (Pvt) Ltd. Jariwala Compound Vastadevdi Road, Surat.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4499 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Ind. Shed at Katargam R. S. No. 402/1/+2 C.P. No 3 F.P. No. 42 Ward No. 15, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 5184/ dt. 5-7-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following one, namely:—

Date: 27-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mehta Champaklal Ratanshi Khara Kuvani Chawl, Harij.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Kadi Jain Shwetambar Murtipujak Sangh Trustee : Shah Bhadrakant Ratilal, Kali Sheri, Kadi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4500 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. kHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter immovable to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and caring
C.S.T. No. 815 S. No. 13/83 of Kadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kadi on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcanid exceeds the apparent consideration therefor by more than ntteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Kadi on 5-7-85 for A.C. Rs. 1,00,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-86

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Raf. No. P. R. No. 4501 Acq. 23/11/85-86.—Whereas I, P. B. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 891/1058 of Talod Tal. Prantij Dist. S. K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Revistration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Prantij on 13-7-85

Prantij on 13-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 155—36GI/86

(1) Varun Dyechem Industries, Gandhi Bag Colony, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Arunodaya Ice Factory, 15, Satyanarayan Socy. Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Prantij on 13-7-85 form No. 37G is recd. on 21-2-86.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-2-86

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Surat

Surat.

(Transferor)

(2) New Rachana Gopipura,

(1) Nanubhai Maganbhai Patel,

At: Bhatla Tal. Choryashi,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4502 Acq. 23/II/85-86.—Whereas I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Hajira R.S. No. 605/1 paiki Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 24-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5546/ dt. 24-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said rici, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under gab-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

# No. P.R. No. 4503 Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building at Gopipura Wd. No. 8, Nondh 1395B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 25-7-1985 for an annarent consideration which is less than the first suration annarent consideration which is less than 1908.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shri Satishbhai Naranji Desai 8/1395B Kaystha Mohalo, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) Kusumchandra Motichand President of Jain Swetambar Tera Panthi, Lal Darwaja Opp: Derasar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at SR Surat vide No. 5579, 5578, 5580 Dt. 25-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Shantaben Ramanbhai Patel & Ors. V.V. Nagar.

(Transferor)

(2) Six Builders Plot No. 180, Vithal Udyognagar-388121.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4504 Acq 23/II/85-86.-Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. K.148 City S. No. 304 'Nandanyan' Rajendra Marg, Vilabi Vidhyanagar, Dist. Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anand in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at SR Anaud vide No. 3959, July, 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition / Range-II Ahmedabad

Date: 28-2 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ankur Labiratories, 286, GIDC, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) ICPA Health Products Pvt Ltd. 286, GIDC, Ankleshwar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4505 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 434, GP & 433P, Shed with land at GIDC

Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar on 13-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instanaent of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or everion of the limitality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or

(b) facilitating the consecutment of any income or any sys or other sessie which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pustances of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Ankleshwar vide No. 605 Dt. 13-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Ahmedabad

Date: 28-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4506 Acq.23/II/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Bhalav S. No. 95 at Bholav

Tal. Dist. Bharuch

persons, namely :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bharuch on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay tax ander the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) M/s. Gujarat Ind. Corp., 179-B Abdul Rehman Street, Bombay-400 003.

(Transferor)

(2) Narmada Aluminium Fxtrusion Pvt. Ltd. Bharuch Palej Road, Bholav, Dist: Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- E. ANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at SR Bharuch vide No. 816.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 28-2-1986

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Shri A. M. Deputy & Ors. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indiraben S. Daruwala & S. S. Daruwala, Haripura, Soi Sheri, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4507 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4-B Dr. Mansukhlal Towa at Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-5-1985

Surat on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in May, 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JT Ahmedabad

Date: 28-2-1986

### FORM ITNS---

# Office under Section 269D(1) of the INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Apar Pvt. Ltd. Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4508 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Bldg. at Pansora Dist. Kaira S. No. 1408/4 (2) 1408/2 (3) 1408/3 and 1409 1399/1 13992 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pansora on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the persies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) isclittating the reduction or evasion of the fiability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any menoys or other assets which have not been or which quark to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the raid Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

(1) M/s Hindustan Conductors Pvt. Ltd. Maker Chambers III 1st Floor Janualal Bajaj Marg, Nariman Point, Bombay 400 021.

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticle. In the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1985.

P. D. KHANDFLWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 28-2-1986

#### FORM TINS----

(1) Yogeshbhai Trikambhai, 36, Sampatrao Colony, R.C. Dutta Road, Bareda.

(Transferor)

(2) Jiteshkumar Biharilal Jinwala 33, Gautamnagar, Race Course,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4509 Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'szīd Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 81-1 of Jetalpur, Bareda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Baroda in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cont of such apparent consideration and that the consideration for such trainfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instances of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or in. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealin tax Act. 1957 (27 of 1959):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whilehever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the sec. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during July, 1985 for A.C. Rs. 1,97,106/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-156-36GI/86

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (41 OF 1961)

#### Mehta Samir miya Chhotumiya & Ors. P.O. Rajpur, Tal. Kadi.

(Transferor)

#### (2) Gramin Mahila Kalyan Trust, 10,A Jal Dhara Socy. Nava Vadaj, Ahmedabad-13.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4510 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No. S. No. 54/3 of Irana Tal. Kadi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 30-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issues arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Kadi on 30-7-1985 for A.C. Rs. 82,501/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hureby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4511 Acq.23/II/85-86. --Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land at Kunjrao Tal Anand S. No. 707 paiki

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anand in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dineshbhai Purshottambhai Patel Jayantilal purshottambhai Patel Vidyaben Surcshbhai Patel Kaushikbhai Purshottambhai Patel Nr. High School At. P.O. Kunjrav Tal. Anand.

(Transferor)

(2) Solanki Kantibhai Parshottambhal Moriyanu Takaru At PO Kunjrao Tal. Anand Dist : Kaira.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property Tray be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persome, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Anand vide No. 3486 to 3489 in July, 1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 28-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE (NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Manishkumar Maganlal Patel 17, Navsarjan Daftari Road, Malad East, Bombay-97.

### (Transferor)

#### (1) Arvind G, Patel & Ors. Nanpura, Dhobi Sheri, Surat.

(Transerce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4512 Acq.23/II/85-86,—Whehreas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at Smecta Apartment Wd. No. 1 Nond No. 1516/2/1B Nanpura, Surat. (and more fully described in the schedule appared beauty)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evanion of the linewist, ot the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; d/or

(b) facilitating the concealment of any income or any messeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I lareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cita plat.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5012 Dt.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad-

Date: 28-2-1986

#### FORM ITNS ---

#### Gulabbhai Nathubhai Shaikh Nadiad.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Rajendrabhai Arvindbhai Harjivandas Mistri Shyamkunj Socy., Nadiad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

COMMISSIONER OF INCOMETAX,

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Res No. P.R. No. 4513 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop at Nadiad Tika No. 13 C.S. No. 5 paiki

Plot No. 61, Kakarkhad pati, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Nadiad vide No. 2450 Dt. 18-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

#### HORM ITM

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

#### (1) Dhan Prasad Surajlul Mehta 8/1628, Main Road, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) Padamaben Kantilal Shah Anjana Rameshchandra Shah Ramesh Kantilal Shah 8/1559, Gopipura, Surat.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. PR No. 4514 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Gopipura Ws. No. 8 Nondh No. 1559 Surat

Bldg. at Gopipura Ws. No. 8 Nondh No. 1559 Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

manays or other assets which have not been or which ought to be dissisted by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

h) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if may, to the acquaintion of the sale property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove—
  sole property, within 45 days from the date of the
  publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The documents were regd. at SR Surat vide No. 5415, 5416, 5415 Dt. 15-7-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Alimedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

#### PORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Revaben Chianlal Patel Opp: Sheyas Cinema, Tal. Nadiad.

(Transferor)

(2) Haji Usman Yusubhai At Valla-Tal. Nadiad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4515 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Village Valla Tal. Nadiad Block No. 201 Adm. 7A 35G.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 19-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Capette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 2464 on 19-7-85.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated; 28-2-86

#### FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4516 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Plot No. 95 at Village Amali Indust. Estate—Silvasa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regitering Officer at Silvasa on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Umeshbhai Manharlal Rathi

(Transferor)

(2) Vapi Paper Mills Ltd. Bombay-213. Udyog Mandir 7/C—Pitamber Lane Mahim Bombay-400 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Silvasa vide No. 129,

P. D. KHANDELWAI, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 28-2-86.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4517 Acq 23/II/85-86.-Whereas, I,

Ref. No. P.K. No. 4317 Acq 23711703-00.—whereas, 1, P.-D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immoving the property having a fair market value averagely in able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 129, 135 FP No. 83/86/83 Nizampura—Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regitering Officer at Baroda on 5-7-85

Baroda on 5-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-157---36GI/86

(1) Chianbhai Amratlal Parekh Nizampura—Baroda.

(2) Dolatsingh Harisingh Kevadia Colony, Rajpipla-Bharuch.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 5-7-85 for A.C. Rs. 80,000/-.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-86,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Arunodaya Ice Factory-Jatan Flats E.B. A'bad.

(Transferor)

(2) New Arunodaya Icc Factory-Prantij Dist: S.K.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- Ref. No. P.R. No. 4518 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,
- being the Competent Authority under Section 269B of the encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Marian and Control of the St. Control of the Contro

rocone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. S. No. 891 and 1058 of Prantij (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regitering Officer at Prantii on 21-2-86 Prantij on 21-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the select of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Prantij on 13-3-85 for A.C. Rs. 60,000/- reced. on 21-2-86.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely :--

Dated: 28-2-86.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4519 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 806 of Frantij Dist; S.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regitering Officer at Prantij on 14-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Gandhi & Shah's & Coy. Popatlal Keshavlal Mehta Thakor Dwar-Mughat Lane-Bombay,

(Transferor)

(2) Raval Vaudev Someshwar Opp: Rly. Station Dist: S.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd, by S.R. Prantij on 14-12-84 for A.C. Rs. 2,00,000/-. The form No. 37G is recd, on 21-2-86.

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Dated: 28-2-86.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Prajapati Shankarbhai Parshottamdas, Modasa Road Talod.

#### (Transferor)

,2) Manager, The Talod Janata Sahkari Bank, Talod Dist: S.K.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4520 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-twx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. Sec. No. P.R. No. 246/35 28 2965 600/523 of Talod. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regitering Officer at Prantij on July 85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Prantij July, 85 The form No. 370 is reed, on 21-2-86.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahrhedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :--

Dated: 28-2-86.

#### FORM NO. ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4521 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land at Kalol.

PART III.—Sec. 11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kalol on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titizen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee are the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Ashok kumar Ramlal Parikh— Kadi.

(2) Relief Corporation Nileben Pravinbhai Kalol. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Kalol during July 1985,

P. D. KHANDELWAI.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated; 28-2-1986.

#### FORM ITNS----

**"我们可能是我的我们,我们我们还是我们的,一**就是我们的人,我们就是我们的人,我们也是**我们的**,我们也是我们的人,我们也不是我们的人,我们也不是我们的人,也就是他们 (1) Devidas Dagada Sindhe Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arvindbhai Govindbhai Patel 6/1620—Mahidharpura— Surat.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4522 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rander Road—Bunglow No. 82

Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 6-7-85,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 5201 dated

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-1986.

(1) Popnambhai B. Patel & Ors. At Varsala Tal Mehmadabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Satar Sulemanbhai & Ors. Dr. Ambedkar Road, Nadiad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4523 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at village Carsal Tal. Mehmadabad Block No. 1023 Adm. 11A 34G. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mehmadabad on 4-7-85

'or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Mchmadabad R. No. 540/ 4-7-85.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986.

(1) Sureshchandra Chimanlal Khatriwala & Ors. Saiyadpura Surat.

(Transferor) (2) Pravinchandra Chimanlal Khatriwala Navi Pardi—Tal. Kamrej.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4524 Acq 23/II/85-86,—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Land at village Navi Pardi Tal. Kamrej

Block No. 389.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the registering Officer at Kamrej on 12-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Kamrej vide No. 967 & 968 dated 12-7-85.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely :---

Dated: 28-2-1986.

(1) Chanchalben W/o Nathabhai Keshurbhai Gangardi Tal, Savll,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Hirabhai Ghelabhai 52B Indrapuri Socy. Harini Road, Baroda.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4525 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, r. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52/B Indrapuri S. No. 17-19

21, 21/1 of Savad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 31-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 31-7-1985 for A.C. Rs. 80,000/-,

THE SCHEDULE

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---158---36GI/86

Dated: 28-2-1986.

(1) Ramjibhaï Kashiram & Ors. HUF Unja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vastaram Prabhudas Patel & Ors-Unava Tal, Siddhpur.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4526 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. RHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 2169/1/B of Unja (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

1908) in the office of the registering Officer at Unja on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Unza on 18-7-85 for A.C. Rs. 1,80,000/-,

> P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahm, dabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely :--

Dated: 28-2-1986.

#### FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009. the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4527/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Bholav S. No. 46—paiki Adm. 6000 sq. yards. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Amar Kantak Co-operative Housing Society, Manubhai Chhotalal Patel, Narmada Nagar Street No. 15, Block No. 5, Bharuch.

(Transferor)

(2) Sarojben Bhagubhai & Ors. Bholav Tal. Dist. Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Bharuch vide No. 1138/July, 1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-2-1986

the state of the s

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC No. 934/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 12-2-823/A/1/3/A,

situated at Santoshnagar Colony, Mehdipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Khairatabad in July, 1985

far an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Sri K. Bhima Raju
 S/o Rama Raju,
 H. No. 12-2-823/A/1/3,
 Sanosh Nagar,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. G. Gopalakrishnam Raju S/o Sita Ramabhadra Raju, H. No. 12-2-823/A/1/3/A, Santosh Nagar, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Casette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat in H. No. 12-2-823/A/1/3/A, on the ground floor of the complex consisting of about 1000 sq. ft. situated at Santoshnagar Colony, Mehdipatnam, Hyderabad vide Document No. 1819/7/85, registered with SRO, Khairatabad,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad. (A.P.)

Date: 6-3-1986

Scal

### grants and the control of the contro PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Hayatunnisa Begum W/o Zahed Hussain, Kalikabar, Jambagh Road, Hyderabad.

- ----

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi W/o Shivial Sharma, H. No. 12-1-371, Lalapet, Secunderabad.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC. No. 935/85-86.—Whereas, I, M. H:GAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable market white the immovable and the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Lands with garden situated at

Annojiguda village. Ghatkesar Mandal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Projective Act. 1909, 116 of 1909.

has been transferred as per deed registered under the indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the Murposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land with garden in Sy. No. 7, admeasuring an extent of 2 Acres and 2½ Guntas, or 0.82.5 Hectors, situated at Annojguda village, Ghatkesar Mandal, RR Dist., registered by the SRO, Uppal vide Document No. 5315/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER WESTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GO LERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

OFFICE OF ME INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 6th March 1986

being the Competent Authority under Section 269B of the income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land with garden situated at Annojiguda village. Hiyathnagar Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at Uppal in November, 1985

Uppal in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jahedunnisa Begum, H. No. 22-1-1056, Kalikabar, Chaderghat, Kalikabar, Jambagh Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Janaki Devi, W/o Hariram Sarma, 12-1-371, Lalapet, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exilianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in Sy. No. 7 admeasuring an extent of 2 Acres and 3 Guntas situated at Annojiguda village, Hiyathnagar Tq., RR Dist., registered by the SRO, Uppal, vide Document No. 5274/11/85.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC No. 937/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land with garden situated at
Annojiguda village, Hiyathnagar Tq.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Uppal in November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Hayatunnisa Begum, H. No. 22-1-1056, Kalikabar, Chaderghat, Jambugh Road, Hyderabad.

(Trainstance)

(2) 1. Sri Rajeswaralal Sarma,2. Sri Jitendra Kumar Sarma,Sons of Devi Sarma, H.No. 5-102, Main Road, Uppal Kalan, Hyderobad. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with garden in Syll No. 7 admeasuring an extent of 2 Acres and 3 Guntas, situated at Annojiguda vilage, Hiyathnagar Tq., RR Dist., registered by the SRO, Uppal vide Document No. 5272/11/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC. No. 938/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 269 the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with garden situated at Annojiguda village, Hiyathnagar Tq. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at Uppal in November, 1985

Uppal in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jahadunnisa Begum. 14. No. 22-1-1036, Kalikabar, Chaderghat, Jambagh Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Dharmender Kumar S/o Devilal Sarma, 5-102, Main Road, Uppal Kalan, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perwons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land with garden in Sy. No. 7, admeasuring an extent of 2 Acres and 21 guntas, or 0.82.5 Hectors, situated at Annojiguda village, Ghatkesar Mandal, Hiyathnagar Tq., RR Dist. registered by the SRO, Uppal vide Pocumen No. 3316/11/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followine receons, namely :-

Date: 6-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC No. 940/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing
House No. 8-2-120/77/4B, situated at
Shaikpet, Old Jubilee Hills,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-159-36GI/86

(1) Mr. N. Siva Prasad, S/o Subba Rao, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Bhargavi Reddy, W/o Ravindranath Reddy, Kota P.O. Vakadu Tq., Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77 4B, Shaikpet village, in Plot No. 32/A, area of land 450 sq. yards registered by the SRO. Hyderabad, vide Document No. 4338/7/85.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Gagadeshwar Rao, S/o P. S. Rao, Adarsh Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. M. Venku Reddy S/o V. S. Reddy, Gudur, Nellore Dist.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC. No. 941/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 8-2-120/77/5C, situated at Shaikpet, Old Jubice Hills,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the service of notice on the respective persons, in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/5C, Shaikpet, Old Jubilee Hills, Hyderabad, area of land 577 sq. yards, registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4339/7/85.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal:

Date: 6-3-1986

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 942/85-86.--Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 8-2-120/77/1, situated at Shaikpet, Old Jubilce Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the present and I have reason to believe that the fair market value of the present as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. N. Prabhakar Sastry S/o N. Subba Rao, Gandhi Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. M. Shyam Prasad Reddy S/o M. S. Reddy, 4, Vaidyaram Road, Madras.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/1, Shaikpet, Old Jubilce Hills, Hyderabad, area of land 450 sq. yards, registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4295/8/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons, namely :-

Date 6-3-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. P. Jagdeshwar Rao S/o P. S. Rao, Adarsh Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. M. Shyam Prasad Reddy, S/o P. S. Řao, 4. Valdyaram Road, Madras.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 943: 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 8-2-120/77/5A, situated at Shaikpet, Old Jubilec Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- period (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sak Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

### THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/5A, Shaikpet, Old Jubilee Hills, Hyderabad, area of land 577 sq. yards, registered by the SRO. Hyderabad, vide Document No. 4324/7/85.

> M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 6-3-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. P. Jagdeshwar Rao S/o P. S. Rao, Adarsh Nagar, Hyderabad,

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HŶDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 944/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 8-2-120/77/5B, situated at Shaikpet, Old Juiblee Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at

Hyderabad in 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the setteration or evention of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferre for the leafure large to the leafure large. the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Mrs. K. Sharada Reddy, W/o Nagendra Reddy, 53, Vivek Nagar, Bangalore-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The iterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/5B. Shaikpet, Old Jubilee Hills, Hyderabad, area of land 577 sq. yards registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4325/7/85.

> M. JEGAN MOHAN M. JEGAN MORAIN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date 6-3-1986 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Rs. No. RAC No. 945/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 8-2-120/77/2 situated at Shaikpet Old Jubilee Hills

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/1985 for an apparent consideration which is less than the talk

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri N. Ram Prasad S/o N. Subba Rao, Chikkarlpally. Hyderab.id.

(Transferor)

(2) Smt. K. Shirada Reddy, W/o Migendra Reddy, 153, Vivek Nagar, Bangalore-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period 45 days from the date of publication of this nain the Official Gazette or a period of 30 from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/2, Shaikpet, Old Jubilce Hills, Hyderabad, area of land 450 sq. yards registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4326/7/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date 6-3-1986 Seal:

17/0	DI	 ***	110

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

# GOVERNMENT OF INDIA

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Nellore Dist.

S/o Venkat Subba Reddy, Narsingraopet, Gudur Tq.

(1) Mr. N. Anjaneya Prabbu S/o N. Subba Rao, Chikkadpally. Hyderabad.

(2) Mr. M. Venu Reddy,

(Transferce)

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC. No. 946/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 8-2-120/77/3, situated at Shaikpet, Odl Jubilee

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have rast been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/3, Shaikpet, Old Jubilee Hills, Hyderabad, area of land 450 sq. yds., registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4294/8/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-3-1986

Seal .

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC. No. 947/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing

House No. 8-2-120/77/5D situated at Shaikpet, Old Jubilee Hills,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Sri P. Jagadeswara Rao
 S/o Pardhasardhi Rao,
 Rep: by GPA: Mr. B. Puranmal,
 SRK Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Bhargavi Reddy, W/o Ravinc'ranath Reddy, Kota P.O.Vakadu Tq., Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/5D, Shaikpet, Old Jubilee Hills, Hyderabad, area of land 268 sq. yards, registered by the SRO. Hyderabad, vide Document No. 4385/8/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1866 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC. No. 948/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 8-2-120/77/4A, situated at Shaikpet, Old Jubilee Hills.

(and more fully described in the Schodule annoxed herete), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer or such to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
160—36GI/86

 Sri K. L. Narasimha Sastry, S/o K. L. Ganapathi, Plot No. 1-J, SBH Officers' Colony, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Bhargavi Reddy, W/o Ravindranath Reddy, Kota P.O. Vakadu Tq., Nellore Dist.

Х

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 8-2-120/77/4A, Shalkpet, Old Jubilee Hills, Hyderabad, area of land 450 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4384/8/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

### PORM ITNS

(1) Sri Goli Seshayya S/o Ramaswami. Tadepalli, Guntur Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Goli Venkateswara Rao, S/o Subbayya, Tadepalli, Guntur Dist.

(11 masferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 960/85-866.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
House situated at Ward No. 10, Tadepalli village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Mangalagri on 7/85

Mangalagiri on 7/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 100, in Ward No. 10, at Tadepalli village, Guntur Dist. area of land 272 sq. yds. registered by the SRO, Mangalagiri, vide Document No. 2767/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 961/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Paramount Constructions, Maharanipet,

Beach Road.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Vizag on 7/1985 Registering Officer

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition o fthe aforesaid property zq the issue of this notice under subsection (1) of Sction 269D of th said Act, to the followng регвор namely :-

 M/s. Paramount Constructions, Rep: by its partner Mrs. B. Laxmi, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Sri K. V. B. Panthulu, S/o K. Venkata Rao, 64. Forest Park Bhubaneswar-751 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gueste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as siven that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat in the pemises of Door No. 16-1-16, Maharanipet, Beach Road, Vizag, plinth area 900 sq. ft. registered by the SRO, Vizag vide Document No. 7566/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th March 1986

Ref. RAC No. 962/85-86,-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Chippadavari Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesad property by the ssue of the notce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. City Pharma Distributors, Rep: by its partner Sri Golla Udayavarlu S/o Laxmaiah,

2. Shi M. Kasi Viswanadha Gupta S/o Subbarao, Chippadayari Street,

Vijaywada-1.

(Transferor)

(2) Sri Nallaffiara Sathiraju S/o Veera Raju & 3 others, C/o Sridevi Book Complex, Main Bazar, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noute in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 29-5-60 (New H. No. 11-37-16), in Ward No. 10, Chippadavari Street, Vijaywada, area of land 278 sq. yds. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4822/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-3-86

-----

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th March 1986

Ref. RAC No. 963/85-86.—Whereas I,

Ref. RAC No. 963/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Telaprolu Mopanaiah High School corner, Ward No. 5, Vijaywada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

vijaywada on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. City Pharma Distributors, Rcp: by its partners Sri Gola Udayavarlu S/o Laxmaiah.

2. M. Kasi Viswanadaha Gupta S/o Subbarao, Chippadavari Street, Viiavwada.

(Transferor)

(2) Sri Nallajarla Sathiraju S/o Veera Raju, C/o Sridevi Book Complex, Vijaywada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House No. 29-5-60 (new No. 11-37-16), in Ward No. 5, T.P. High School corner, Vijaywada, area of land 88 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4823/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-3-86

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(Partners of M/s. Kamaleswara Cinema Hall),
Ponnamanda, Razole Tq., EG Dist.

(Transferor)

W/o Venkata Satyanarayana Raju & 3 others

 Sri Pabolu Somusekhara Rao, S/o Narasinga Rao, B. Doddavaram, Razol Tq., EG Dist.

Smt. Penmetcha Janaki Devi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th March 1986

Ref. RAC. No. 964/85-86.—Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to telieve that the inamevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land & Building situated at Amalapuram village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 7/1985

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, a varuance of Scotion 24PC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the hance of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days the service of notice on the respective persons, whichever pariod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kamaleswara Cincma Hall, Door No. 3-4-68/1 to 4 and D. No. 3-4-68/5, area of land Ac 1-12 cents at Amalapuram, E.G. Dist. registered by the SRO, Amalapuram, vide Document No. 3211/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabi MAP.)

Date : 11-3-86 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 965/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a rair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Arundalpet, Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Kota Muralidhara Rao, S/o Venkam Bhotlu, 3/4, Arundalpet, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Devaki Uma Devi W/o D. Ranganathan, Railpet, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

### THE SCHEDULE

House No. 6-3-10, Arundelpet, Guntur, area of land 87 sq. yds., registered by the SRO, Guntur, vide Document No. 7681/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Sri Pedamallu Satyanarayana Murthy S/o Venkata Ramanaiah & others, Kuchimanchi Vari Agraharam, Amalapuram, EG Dist

(Transferor)

(2) Sri Velumuri Subba Rao, S/o Subbaiah, I. Polavaram, (Mummdivaram Tq., EG Dist.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th March 1986

Ref. RAC. No. 966/85-86.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Kuchimanchivari Agraharam, Block No.

441-2, Amalapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 7/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- notice in the Official Gazette or a period of 30 slaye from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning no given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incente arising from the trans d/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Door No. 3-4-13, Kuchimanchi Vari Agraharam, Amala-puram, EG Dist., area of land 774 sq. yds. registered by the SRO, Amalapuram, vide Document No. 4236/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-3-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 967/85-86.—Whereas J, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House situated at Madhavadhara village, Survey No. 45 (part), Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 7/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causier with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1957);

 Smt. Vasamsetty Laxmi Bai W/o Nageswara Rao,
 D. No. 39-55-2A, Murali Nagar, I.E. Post, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. Kaja Sannalu, W/o Laxmi Narasimha Sarma, D. No. 31-22-3, Daba Gardens, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immnovable preparty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as five defined in Chapter XXA of the said Ast, shell have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Door No. 39-55-2A, Madhavadhara village, Visakhapatnan, in Sy. No. 45 (part), Plot No. 86, area of land 266 2/3 sq yds. registered by the SRO, Visakhapatnam, vide document No. 7648/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
161—36GI/86

Date: 12-3-86

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 968/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
House stuated at New Colony, Gandhi Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Srikakulam on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anakapalli Laxmi Narayanamına W/o late A. Ranga Rao & others, Kalivaram Village, Amadala Valasa Mandalam, Srikakulam Dist.

(Transferor)

(2) Sri Konchada Someswara Rao \$/o Krishna Murthy, Kalinga Road, Srikakulam.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- period (a) by any of the aforesaid persons within a of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Nos. 7-14-(1)-30 and H. No. 7-14-(1)-31, admeasuring 607 sq. yards at Chowk ward, New Colony, Gandhi Nagar, Srikakulam registered by the SRO, Srikakulam vido Document No. 2502/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 12-3-86

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 969/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of house situated at Chappal Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ec

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sultana Qudrat Ali, W/o Mir Qudrat Ali, 1, Laurl Lane, Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sii C, Shivaram Yadav, S/o Vœrappa Yadav,
2. Sri C, Sudershan Yadav, S/o Veerappa Yadav, H. No. 3-2-802, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 3-2-7733 to H. No. 3-2-736/1, Chappal Bazar, Hyderabad, area of land 205 sq: yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4259/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 970/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of house situated at Chappal Bazar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of auch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sultana Qudrat Ali,
 W/o Mir Qudrat Ali,
 Laurel Lane, Richmond Town,
 Bangalore.

(Transferor)

(2)1. C. Narasaiah Yadav,
s/o Mysaiah Yadavi,
2. C. Somanna,
s/o Mysaiah Yadava,
H. No. 3-2-544/1, Chappal Bazar,
Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period & 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the tame meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house No. 3-2-733 to 3-2-736/1, Chappal Bazar, Hyderabad, area of land 317 sq yds. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4263/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomy-tax
Acquisition Range, Hyderabad TAP.)

Date: 12-3-1986

### FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 971/85-86,—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of house situated at Chappal Bazar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July, 1985 for an apparent ionsideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in espect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sultana Qudrat Ali, W/o Mir Qudrat Ali, I, Laurel Lane, Ruchinood Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. C. Balamani,
W/o C. Mahendra Yadav.
2. Smt. G. Venkatamma,
W/o C. Yadaiah,
H. No. 1-9-1063, Adikmet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house No 3-2-733 to 736/1, Chappal Bazar, Hyderabad, area of and 300 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4262/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 972/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of house situated at Chappal Bazar,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) Smt. Sultana Qudrat Ali, W/o Mir Qudrat Ali, 1, Lauret Lane, Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Master C. V. Rajender Yadav (minor), rep.: by minor per guardian & father Sri C. Yadayya & others, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period off. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of house No. 3-2-733 to 736/1, Chappal Bazar, Hyderabad, area of land 323 sq. yards registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4264/85.

M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OL INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 973/85-86,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mulgi (shop) situated at Nampally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri Mohd. Azamuddin Khan, S/o late Md. Raheem Khan, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Hussaini Bhai, 2. Bakir Hussain, S/o alte Sri Roma Hussain, King Koti, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Mulgi (shop) No. 5-8-107/B, at Nampally, Hyderabad, area of land 49.44 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3932/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 974/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Society Colony,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer
at Proddatur in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Dornipati Laxmi Devamma, W/o Krishnamoorthy. Society Colony, Proddatur, Anantapur District.

(Transferor)

(2) Sri Jampala Laxmi Reddy, S/o J. Subbaiah, 8/92, Sri Ramulupet, Proddatur, Anantapur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 3/250, Society Colony, Proddatur, Anantapur District area of land 465 sq. yds. registered by the SRO, Proddatur vide Document No. 3964/85.

M. JEGAN MAHAN
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad. (A.P.)

Date: 12-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 975/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng No.
House situated at Chaiah Nagar, Nallakunta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer
at Chikkadpally in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
162—36GI/86

 Sri Nanduri Subba Rao, 'Nanduri Cottage', Srinivas Nagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Sunanda Valvekar, H. No. 1-8-725/B6/1, Achaiah Nagar, Nallakunta, Hyderabad-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 1-8-725/B6/1, Achaiah Nagar, Nallakunta, Hyderabad, area of land 365 sq: yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 996/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

FORM I.T.IV.S

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. N. Saretha, 62, Doveton Road, Bolarum. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Singh, 7-1-731, Market Street, Secunderabad,

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Rcf. No. RAC No. 976/85-86.—Wherena, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng No. Bulding ituated at Fish Market

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderaad in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer, and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Double Storyed building No. 7-2-793, Dry market, Secunderabad, area of land 41 sq yds. registered by the SRO, Secunderabad vide Document No. 259/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 977/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Acres of land situated at Nallabanda Gudem village, Chime-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kadad in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Edara Kotaiah, S/o Narsaiah & 6 others, Chimirela village, Kodada Tq., Krishna District

(2) M/s SVEC Construction (P) Ltd., rep: by Mg: Director Sri Ch. Ajad Kumar, Congress Office Road, Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Acres of land Ac 4-00 at Nallabanda Gudem village, Chimirela boundary, Nalgonda District Kodad Tq., registered by the SRO, Kodad vide Document No. 2199/7/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unedr sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1986

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 978/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JECIAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Sultan Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

at Hyderabad in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or over of the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the trans

(b) facilitating the concealment of any income or an which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); moneys or other assets which have not been or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) Smt. Satva Kala Bai. W/o G. Vithal & 5 others, 3-4-15/12A, Dr Bhoomanna Marg, Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Krishna Murarka
 Smt. Sampath Devi Mararka,
 4-5-840, Bade Choudi, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 4-2-107 to 110, Sultan Bazar, Hyderabad, area of land 225 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4150/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 979/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Ujli Bagh, Henumakonda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Warangal in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; mad/ee
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely;— (1) Mrs. A. Sarojana, W/o Ilaiah & others, 20-15-99, Fort, Warangal.

(Transferor)

(2) Sri B. Narsimha Reddy, S/o Veera Reddy & others, 7-7-148, Ujli Bagh, Hanumakonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immers-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 7-7-148, Ujli Bagh, Hanumkonda, Warangal, area of land 130 sq. yds. registered by the SRO, Warangal, vide Document No. 1587/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 980/85-86.—Whereas, I.

Ref. No. RAC No. 980/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot situated at Shaikpet village, Jubilee Hills,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer Registering Officer

at Hyderabad in July, 1985 at rivderabled in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the unid Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-ten Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Mr. Nitish Grover. htt. Attan Glover, thr' GPA: Smt. Sharada Grover, A-8/2, Multi Storey Flats, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sri Shaik Pareed, S/o Ramthu Saheb, 3-222/8/45, Madhura Nagar, Vengalrao Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussie.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 12-A in Jubilee Hills Co-op. House Building Society Ltd., Hyderabad, in Sy. No. (old) 403/1, Shaikpet village, Hyderabad, area of land 945 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3921/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 981/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the infinitivable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at M. G. Road, Near: Gopalaswamy Temple (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Warangal on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. G. Laxmi W/o Narasaiah Mattewada, Warangal.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Ramakka
W/o Komuriah
2. Smt. N. Sarojana
W/o Chander Rao
14-1-52, near: Gopalaswamy Temple,
M. G. Road,
Warangal.

(Transferee)

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 14-1-52, near: Gopalaswamy Temple, M. G. Road, Warangal, area of land 231 sq. yds. registered by the SRO, Warangal vide Document No. 1517/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 982/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, m. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of house situated at Chappal Bazon Part of house situated at Chappal Bazar has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1e Smt. Sultana Qudrat, Ali W/o Mir Qudrat Ali 1. Laurel Lane, Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Sri S. Gopal Yadav S/o Anjajah
2. Smt. S. Pramila
W/o S. Gopal Yadav
3-2-773, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house No. 3-2-733 to 736/1, Chappal Bazar, Hyderabad, area of land 224 sq. yds registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4260/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 991/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Cinema Talkies (Building & shops) situated at Kadiri Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; d/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

163-36GI/86

- (1) .1 Sri Sane Vonnur Reddy S/o Pedda Veera Reddy Thambapuram. Sangala, Kadiri Tq.
  - 2. Sri Sane Chinna Venkata Reddy
    S/o Pceda Veera Reedy
  - 3. Sri Sane Ramakrishna Reddy S/o Pceda Veera Reedy
    4. Sri Sanc Seetha Rami Reddy S/o Peeda Veera Reedy

Thambapuram, Sangala, Kadidi Tq.

(Transferor)

(2) Sri Oruganti Basaiah S/o Audinarayanappa R. S. Road, Kadiri Anantapur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period arrains latest the contraction of t whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/6th share in cinema talkies viz. Vijaya Talkies and shops, thereunder (total area 2856 sq. yds.), Kadiri Town Ananta-put Dist., registered by the RO, Kadiri vide Document Nos. 3417/85, 3418/85, 3419/85 and 3420/7/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 1020/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Acres of land situated at Nallabanda Gudem village,

Chimirela boundary

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kodad on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Edara Kotaiah S/o Narsaiah & others Nallabanda Gudem Village, Chimerala, Kodad Tq. Nalgonda Dist.

(Transferor)

(2) M/s. SVEC Poly Pack Pvt. Ltd. Rcp: by its Mg: Director Sri Ch. Ajad Kumar Congress Office Road, Governorpet, Vijaywāda-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

المستانية التجالية المستريدية والمعالية والمستريدية الم<u>تراجعة والمتراجعة المتراجعة المتراجعة المتراجعة المترا</u>

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Acres of land Ac 4-00 at Nallabanda Gudem Village, Chimilera boundary, Kodad Tq. Nallagonda Dist. in Sy. Nos 337 & 338 registered by the SRO, Kodad vide Document No. 2198/7/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HŸDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 14th March 1986

REI. No. RAC No. 1021/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

was the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Dry lands situated at Thimmapur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Shadnagur on Tuly 1985

Shadnagar on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Annapurna Balaraman W/o T. S. Balaraman 8-2-326/5, Banjara Hills, Road No. 3, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ramprasad GoenkarS/o Sri Keshav Prasad Goenkar18, Nethaji Subhash Road, Calcutta. Rep: by GPA Mr. Prem Bhushan Gupta 6-1-79, Lakdikapool, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the retice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Dry lands in Sy. No. 101, Ac 3-36 guntas and in Sy. No. 111, At 1-4 guntas (Total five acres at Timmapur village, Shadnagar Tq. Mahboobnagar Dist. registered by the SRO, Shadnagar vide Document No. 1585/85.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1986

Ref. No. RAC No. 1022/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing House situated at Mukhtiar Gunj

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Hyderabad on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) theilitating the reduction or evapon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsculon (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Sumitra Ben W/o Daya Kishan Goel 1-1-230/6 Chikkadpally. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Shankarlah S/oP. Sivarajaiah 21, Hyder Basti, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformoid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of meties on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 15-1-513, 514, Mukhtiar Gunj, Hyderabad, area of land 47.52 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4251/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1986

Ref. RAC No. 1023/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building situated at Salcem Nagar Colony, Malakpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Hyderabad on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly estated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menors or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trensferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Bharati Devi W/o Sri Ravindranath 2-1-514/2, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. K. Zainulabadeen So/o T. A. M. Khader & other 15-5-668, Afzal Gunj, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed building No. 16-11-310/14/A, in Plot No. 37, Saleem Nagar Colony, Malakpet, Hyderabad area of land 500 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4021/85.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1986

Ref. No. RAC NO. 1024/85-86,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Dry lands with house situated at Gagan Pahad, RR Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

RR Dist. of July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Womith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Sri Kaliram Agarwal 2. Sri Ramnivas Agarwal H. No. 3-4-829/1, Barakatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Damodardas Lohiya S/o late Raghunath Darji H. No. 15-7-247, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dry lands Ac 15-31.6 guntas with a house at Gagan-pahad, RR Dist., in Sy. Nos. 168/A, 169/A, 170, 171/A, 177 and 173/B, registered by the SRO, RR Dist. vide Document No. 4815/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 14th March 1986

Ref. No. RAC No. 1025/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Banjara Hills, Road No. 13
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

Khairatabad on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri V. V. Ramasarma 12-2-717/1/55, Sapthagiri Nagar, Near: P&T Colony, Raithi Bowli, Hyderabad-28.

(Transferor)

(2) Sri S. Ramachandra Reddy Road No. 13, H. No. 8-2-674/2/B/4/4, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act EXPLANATION :shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & building No. 8-2-674/2/B/4|4, Road No. 13, in Plot No. 4, Banjara Hills, Hyderabad, area of land 645 sq. yds. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 1698/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 929/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sheds & Buildings situated at Gunadala (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Viayawada on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Sunshine Metal Works Rep : by its Mg : partner Sri V. Surendranath Benerji Auto Nagar, Industrial Estate, Vijaywada.

(Transferor)

(2) M/s. Sundaram Industries Ltd. (Regd: Office at Madurai), rep: by its Chairman & Mg: Director Sri R. Ratnam, TVS Building. West Veli Street, Madurai-625 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Sheds, building admeasuring 1672 sq. mtrs or 2000 sq. yards in Plot Nos. 21, 22 & 47 & 48 in RS No. 482, 483 and 484 at Gunadala, Vijaywada, registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4747/85.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 930/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 100,000/2, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
House situated at Mogalrajpuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as a registered under the Ledius

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on July, 1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

ing persons namely:--- 164-36GI/86

 Sri Kuldeep Sinigh Kandari S/o Sardar Atma Singh Labbipet, Vijaywada.

(Transferor(

(2) Sri Kadiyala Prasad S/o Chandaraiah Mogalrajparam, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Door No. 32-9-1, Mogalrajpuram, Vijaywada area of land 683 sq. yards registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4726/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 931/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Acres of land situated at Tunglam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

(1) Smt. K. Subba Laxmi W/o Gajapathi Raju Hyderabad.

(Transferor (

(2) M/s. Siva Sankara Engineering Co. Ltd. rep : by Sri T. Subbarami Reddy (Mahcswari & Parameswari Theatres Complex). Ramkote, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Acres of land Ac 5-00 situated at Tunglam Opp: to Sheela Nagar Viakhapatnam in Survey No. 122/3 registered by the SRO, Vizag vide Document No. 6290/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (4.)

Date: 6-3-1986

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 932/85-86.—Whereas, I, M. JAGAN MOHAN,

M. JAGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land & building situated at Patamata, (and proper fully described in the schedule encayed bereta)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any arising from th

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 4923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Smt. Meka Kamala W/o Narahari Prasad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Tondepu Srinivas (minor) Minor per guardian & father Sri T. V. Appa Rao, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. 16/132 at Patamata, Vijayawada, area of land 445 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4644/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 933/85-86.—Whereas, I, M. JAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land & Building situated at Congress Office Road,

Governorpet,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri Aylapuram Bhaskara Srinivas
 Sri A. Chennakesa Swamy
 Venkayya,
 Vijayawada.

(Transferor)

(2) M/s T. S. R. Trust, rep: by Trustee Sri Tondepu Sitaramanjaneyulu S/o China Ramayya, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building in Door No. 27-21-20, Congress Office Road, Governorpet, Vijayawada, area of land 385 sq. yds. and 293 sq. yds. (total area 678 sq. yds.), registered by the SRO, Vijayawada vide Document Nos. 4921/85 and 4920/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rhnge,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 939/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Mogalrajunram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Negistering Officer at Vijayawada on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; analor
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaia property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

(1) M/s Bhanu Builders. rep: by Sri Komareddy Durga Prasad, Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Gummadi Venkata Scethamma W/o Subba Rao, Flat No. A-2 in Bhanu Builders, Mogalrajpuram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days n the service of motice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in lihte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

A flat No. A-2 in Bhanu builders, Mogalrajpuram, Vijayawada, area 920 sq. ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4701/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. RAC No. 949/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. Vacant site situated at Allipuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Nanduri Ramanujam, S/o late Venkatachari,
 No. 31-33-29, Daba gardens, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Sri Yendra Kishore Kumar S/o Mariya dasu, Contractor,D. No. 34-9-24, Gnanapuram, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 533 sq. yds. at Allipuram Ward, Balayya Sastry layout, Visakhapatnam, registered by the SRO, Vizag vide Document No. 8161/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Infome-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Hyderabad, the 6th March 1986

RAC' No. 950/85-86,--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/ and bearing No.
Acres of land situated at Kunaivalasa, Bonthapalli village, Gajapathi nagar Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Therlam on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to my tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jampana Satyavathamma W/o Satyanarayana Raju & 5 others, Bondapalli P.O., Gajapathi nagaram Tq., Vizianagaram Dist.

(Transferor)

(2) Sri Inuganti Murafi Krishna Rao S/o Ranganayakulu & another, Therlam Tq., Vizianagaram Dist.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Acres of land Ac 18-76 cents at Kunaivalasa in Sy. Nos. 3. 4, 5 and 19 in Bonthapalli village, Gajapathi-Nagaram Tq., Vizianagaram Dist., registered by the SRO, Therlam vide Document No. 904/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. 951/85-86.--Whereas, I, M. JAGAN MOHAN,

Ref. No. 951/85-86.—Whereas, I, M. JAGAN MOHAN, Rs. 1,00,000/- and bearing No. being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Acres of land situated at Kunaivalasa, Bonthapalli village, Grienathi pages To.

Gujapathi nagar Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Therlam on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. Jampana Satyavathamma W/o Satyanarayana Raju & 5 others, Bondapalli P.O., Gajapathi nagaram Tq., Vizianagaram Dist.

(Transferor)

(2) Smt Induganti Rama Devi W/o Ranganakulu & 2 another, Therlam, Therlam Tq., Vizianagaram Dist.

(Transferee)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

### THE SCHEDULE

Acres of dry land Ac 18—76 cents at Kunaivalasa. Bondavillage, Gajapathi nagar tq., Vizianagaram Dist. registered by the SRO, Tehrlam in Survey Nos. 3, 4, 5 & 19, vide Document No. 903/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Inemoe-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-86.

#### FORM ITNS----

-<u>-</u> \_\_-\_-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

RAC No. 952/85-86.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair matket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Waltair Ward,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on 7/1985

165-36GI/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(h) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri P. Hari Arundale, Sri P. Sriramulu Sons of Anantha Rao, D. No. 46-22-33, Donlaparthi, Visakhapatnam,

(Transferor)

(2) Smt. K. Sarada Kumari W/o Gandhi Raju (Konda), Main Road, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door No. 7-5-6C, Waltair Ward, Visakhapatnam, area of land 422 sq. yds, registered by the SRO, Vizag vide Document No. 8062/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986.

#### FORM ITNS ---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Sri Gelli Narasinga Rao S/o Rajagopal Rao & 2 others, Jute merchants, Gandhi nagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Bhogineai Narasimha Swamy S/o Satyanarayana, Patamata, Vijayawada.

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

RAC No. 953/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sheds & I and situated at Patamata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1992 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1927);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- the by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasting 690 sq. yards with tin sheds in RS. No. 196/1, Patamata, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4665/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Rcf. RAC No. 954/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing No. House situated near RTC Bus stand, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any morneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Madereddy Govinda Rao S/o Seshagiri Rao Naidu, Gangamma Street, Gudivada (now at Governorpet, Vijayawada).

(Transferor)

(2) Sri Narendora Kumar, S/o Hemraju, Pulmativari Street. Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building No. 27-37-8, Main Road; Bandar Road, Vijayawada, area of land 93 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4872, 85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Somavarapu Venkateswara Rao, 3/o Sanjeeva Raidu, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

 (2) Sri Kurumaddali Audinarayana Sarma, S/o Kondamraju,
 D. No. 5/96, Koneruvari Str., Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC No. 955/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Patamata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Building No. 5/96, Patamata, Vijayawada, in RS. Nos 98/2 and 98/6, area of land 352 sq. yds. registered by the SRO, SRO, Vijayawada vide Document No. 4628/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC No. 956/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a Lin market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Kothapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Bhimana Ranga Rao & 8 others, Kothapet, H. No. 9-75-10, Vijayawada.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Gorisi Durgamba,2. G. Sriniyasa Reddy,3. G. Prasada Rao,

D. No. 9-75-10, Kothapet, Viayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-画像語彙 ever period employe later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 9-75-10, at Kothapet, Vijayawada, area of land 390 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 4836/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref: RAC No. 957/85-86.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Megalrajpuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijaywada on July, 1985

right want on July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the property of the prop between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Bhanu Builders rep: by Sri Kommareddy Durga Prasad, Mogalrajpuram, Viiaywada

(Transferor)

(2) Sri Pinnamaneni Saiji Rao S/o Seshadri Flat No. A-1 in M. s Bhanu Builders, Mogalrajpuram, Vijaywada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pull's silen of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### HE SCHEDULE

Flat No. A-1 in Bhanu Builders, Mogalrajpuram, Vijaywada, zreas 920 sq. fr. registered by the SRO, Vijaywada vide Document No. 4757/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderibad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, rusnely:--

Date : 6-3-1986.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. J. Subrahmanyam S/o. Laxminarayana & 2 others, Krishna Nagar, D. No. 3-29-48/3, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Maturi Jagan Mohan Rao S/o. Bala Krishnalah, Krishna Nagar, D. No. 3-29-48, 3, Guntur.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. No. 958, 85-86,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. House situated at Krishna Nagar, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; an4 / ac
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. 3-29-48/3, Krishna Nagar, Guntur, area of land 383.1/3 sq. yards registered by the SRO, Guntur vide Document No. 7809/7/85,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1986

Ref. RAC No. 959/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Krishna Nagar, Guntur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Guntur in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Maturi Jagan Mohan Rao, S/o. Balakrishnaiah, No. 3-29-48/3, Krishna Nagar, Guntur.

(Transferor)

 Sri Kommuru Venkataratnam S/o. Venkata şubbaiah, Krishna Nagar, D. No. 3-29-48/3, Guntur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Building No. 3-29-48/3, Krishna Nagar, Guntur, area of land 383 sq. yard, registered by the SRO, Guntur vide Document No. 10265/8/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisifion Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-1986.

### FORM TINS-

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 983/85-86,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Part of house situated at Chappal Bazar (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afereenid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-1979 Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 166-36GI/86

(1) Smt. Sultana Qudrat Ali W/o. Mir Qudrat Ali, 1, Laurel lane, Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Sri C. Mahender Yaday S/o. C. Narasaiah, 2. Ramakrishna S/o. Narsaiah, 1-9-1063, Adıkmet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resportive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 3-2-733 to 736/1, Chappal Bazar, Hyderabad, area of land 304 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4258/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986,

(1) Smt. Murtuza Begum, 5.7-362 Aghapura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Syeeda Karimunnisa Begum, 11-2-555/1/K, Aghapura, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 984/85-86,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. House situated at Aghapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair sherket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

House No. 5-7-361/1, Aghapura, Hyderabad, area of land 224 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4114/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Pange
> Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in mursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1986.

#### PORM ITME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 985/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reacher to believe that the immerable
reconstruction of fair market value are reliable.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Tirumala Towers, Golconda X Roads, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rogistering Officer at Chikkadpally in July 1985 for an exponent consideration which is less than the fair

Chikkndpally in July 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or eva of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Sri M. S. Chandraiah S/o. Balakrishtaiah, 1-1-593/C, Gandhi Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Krishna Nagaraj Koushik S/o. late K. Krishna lyyengar, Flat No. 21, B-Block, 3rd floor, Tirumala Towers, Golconda X Roads, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat in H. No. 1-4-1011, Flat No. 21 in III Floor, Tirumala Towers, Bholakpur (Golconda X Roads), Hyderabad, plinth area 1160 sq. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1171/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986.

ical:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 986/85-86 .- Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. No. Flat situated at Aziz Towers, Hyderguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent sagged to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (\*) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M/s. Malik Builders, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Raj W/o. Ravesh Raj, Flat A-IV in II Floor, Aziz Towers, H. No. 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-IV in II Floor in Aziz Towers, II. No. 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad, area of land 59-70 sq. yds registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 993/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. 987/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat

situated at Air bus Apartments, Narayanguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Chikkadpally on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linklity of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, anchor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Encountries. Act, 1922 (12 of 2002) or the cold Act or the Wealth-ten Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. (Mrs.) D. Jacob, W/o M. P. Jacob, 207, Air bus Aparts, Narayanguda, Vittalwadi, Hyderabad.
 (Transferor)

 Smt. Y. Meera Ratnam W/o Y. V. Ratnam,
 207, Air bus Aptts., Narayanguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gamete or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 207A in II Floor in Air bus apartments, Vittalwadi, Narayanguda, Hyderabad, admeasuring 1187 s.ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1103/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-3-86

#### FORM ITNS----

(1) G. Roopa (alias: Roopa Devi, 4-7-322/2, Esamia Bazar, Hyderabad.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Kalayathi, 4-1-1210/10, Boggulakunta, Hydreabad.

may be made in writing to the undersigned :-

Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. RAC No. 988/85-86.-Whereas I. M. JEGAN MOHAN

MOHAN being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Hanupman Tekdi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

the Competent Authority
at Hyderabad on 7/1985
for an apparent consideration which is less than
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Arg. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

House No. 4-1-204, Hanuman Tekdi, Hyderabad, area of land 152 sq.yds, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4163/85.

M. JEGAN. MOHAN Competent hority Inspecting Assistant Commissioner of I ne-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-3-86

\_\_\_\_\_

(1) Mr. C. L. Pujari S/o C. P. Pujari, D1 Municipal Colony, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Hemalatha, W/o Chandrakant Dhawood, Flat No. 204, Matrushri Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

# GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 989/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,0007- and bearing
Flat situated at Matrushri Apartments, Hyderguda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereo),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Chikkapally on 7/1985

Afor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204 in Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 985 s.ft. registered by the SRO, Chitkkadpally vide Document No. 1011/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-86

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC. No. 990/85-86.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

That situated at Eden Garden, King Koti, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer: and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. A. J. Builders, rep. by Sri Aziz Ahmed, 5-9-31, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Md. Sirajul Hassain, S/o Md. Ahmed Hassain, 17-3-20/4, Rani Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be smale in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. G4 in M. H. No. 3-5-121/E/4, Eden Gardens, King Koti, Hyderabad, admeasuring 1220 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3939/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-3-86

Seal .

# FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. A. J. Builders, rop. by Sri Aziz Ahmed, 5-9-31, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vikarunnisa W/o Sri Md Sirajul Hassain, 17-3-20/4, Rani Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

<sup>7</sup> Ref. No. RAC. No./992/85-86.—Whereas J, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at A. J. Complex, Eden Garden, King Koti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is recipitered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority
at Hyderabad on 7/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; undlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, whereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

167-36 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. G5 in A.J. Complex, in H. No. 3-5-121/E/4, Eden Gardens, King Koti, Hyderabad, admeasuring 366 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3942/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 993/85-86.-Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat situated at Kanchana Junga Complex, King Koti Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Hyderabad on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. United Construction, rep. by Sri K. Surya Narayana, 5-9-261/2, King Koti, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. I. Laxmi Prasuna W/o 1. Balaiah, 10-5-39, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressons used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Kanchan Junga Complex, King Koti Road, H. No. 5-9-1115/1, Hyderabad, admeasuring 1220 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4095/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-'ax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Swastic Construction Co., 111, Sarojini Devi Road, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Sri P. Prakash S/o Sri P. Rajaiah, 15-8-417/1, Pheelkhana, Hyderabad.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 994/85-86.-Whereas 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises situated at Chandaralok complex, S.D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at RR Dist. on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment of any income or any

### THE SCHEDULE

Office premises No. 531 & 532 on V Floor, Chandralok complex, in H. No. 1-7-234/241, S.D. Road. Secunderabad, plinth area 1556 sq. ft. registered by the SRO, RR Dist. vide Document No. 4687/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-3-86

#### FORM IINS----

#### (1) M/s. Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (2) Dr. (Mrs.) Sadia Roomi W/o Dr. Warisuddin Roomi, 3-6-361/9, Himayat nagar, Hyderabad.

Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notes in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. RAC. No. 995/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit situated at Karan Centre, S.D. Road,

publication of this notice in the Official Gazette.

No. Unit situated at Karan Centre, S.D. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

at Hyderabad on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay, tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Unit No. 608 in Karan Centre, on VI Floor, S.D. Road, Secunderabad, admeasuring 1250 s.ft, registeed by the SRO, Secundeabad vide Document No. 254/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 12-3-86

#### FORM ITNS ....

(1) M/s. Mayur Complex, rep. by Sri R. Ramdev Rao, 8-2-616/1/A, Banjara Hills, Hydorabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sunil Kumar S/o Baldevti, 2-5A, Chaitanyapuri, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 996/85-86.—Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry, Abids, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pipties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sohp No. A-22, in Mayur Complex, Gunfoundry, Abids, Hyderabad plinth area 247 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4200/7/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 12-3-86

(1) M/s. Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 997/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit situated at Karan Centre, S.D. Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 7/1985

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. Abbas Ali Rizvi S/o Abdul Hasan Rizvi,
 Mrs. Qamar Abbas Ali Rizvi W/o Abbas Ali Rizvi, Flat No. 208, Karan Centre., S.D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 208 on II floor in Karan Centre, S.D. Road, Secunderabad, plinth area 1250 s.ft. registered by the SRO, Secundrabad vide Document No. 234/85.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 12-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### \_\_\_\_\_\_,

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 998/85-86,-Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

as the said Act.) have reason to believe that the initiovative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Banjara Sadan, Himyat Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Zainob Khatoon, rep. by GPA, Sri Ali Khwaja,
 Banjara Castle, Road No. 12, Banjara Hilis, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Konety Venkateshwarloo Arjun, Flat No. 205, Banjara Sadan, H. No. 3-6-782, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notec in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205 in Banjara Sadan, Himayatnagar, H. No. 3-6-782, Hyderabad, plinth area 790 s.ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1088/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 12-3-86

Scal;

(1) M/s. Suphire Builders, rep. by Sri A. Divaker, H. No. 10-1-123/A, Masab Tank, Hyderabad. Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smi. G. Uma Reddy W/o G. Sridhar Reddy, 16/1057, Pogothota, Nellore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad (A.P.) the 12th March 1986

Ref. No. RAC No. 999/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac!') have reason to believe that the immovable

as the 'said Ac!') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Saphire Complex, Chapel Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the 'ransferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 in Saphire Complex, Chapel Road, in H. No. 5-9-88/1 & 88/2, Hyderabad, plinth area 2004 sq.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 4056/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 12-3-86.

(1) M/s Natraj Builders, rcp: by its partner Sri Ashok Kumar Jain, 3-5-796, King Koti Hyderabad,

(Transferor)

 Smt. Shakuntala Devi W/o Shri Kanyalal, 21-2-663, Urdu Sharieff, Charkaman, Hyderabad-2.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### SOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hydorabad, the 12th March 1936

RACNo. 1000/85-86.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

M. HEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 1.00 000 '- and beging No.

Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as part deal registered under the Indian Repistoring Officer at Flodical of 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302 on III Floor of Mahaveer Apartments, King Koti, in H. No. 3-5-706, Hyderabad, plin'h area 1000 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide domument No. 4140/85.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following petrons, namely :--

Date: 12-3-1986

Seal:

168-36 GI/86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. T. Anil Kumar S/o Shri Tukaram, 10-1-19/3, Shanti nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Prasanna W/o Shri K. T. Anil Kumar, 10-1-19/3, Shanti nagar, Hyderabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1001/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Shop situated at Vijay Mansion, Tilak Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. R3 in Vijaya Mansion H. No. 4-1-938, Tilak Road, Hyderabad, admeasuring 1092 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4071/85.

M. JEGAN MG Competent Aut Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1002/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop situated at Vijaya Mansion, Tilak Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7, 1985

Registering Officer at Hyderabad in 7. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. K. Subash Szo Shri K. Tukaram, 10-1-19/3, Sham nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master K. Sujay (minor), minor per guardian & mother Smt. K. Aruna, 10-1-19/3, Sham nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. R2 in Vijay Mansion, H. No. 4-1-938 Tilak Road, Hyderabad, admeasuring 1092 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4070/85,

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### M/s Diamond Builders, rep: by partner Sri Shabhuddin, 4-1-824, J. N. Road, Hyderubad.

(Transferor)

(2) M/s Prince Bar & Restaurant, rep: by Sri Ranjit Singh, Bashir bagh, Hyder abad.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1003/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop situated at Diamond Complex, J. N. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed regis ered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 7 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1977) in 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said introvuluel property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop Nos. 109 to 112 in Diamond Complex H. No. 41-824, J. N. Road, Hyderabad, admeasuring 2800 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4099/

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS --

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1004/85-86.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. J.C.A. MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Hat situated at Saphire Complex, Chapel Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed regis ered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registration Officer at Hyderabad in 7/1985
for an annarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b fac-litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Saphire Builders, rep: by Mr. A. Divaker, 10-1-123/A, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. T. Rajeswari W/o Shri T. Raj Gopal Reddy, 6-3-108% Λ/4, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

BAPLANATION:—The terms and expressions used herein share defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 in Saphire Complex in H. No. 5-9-88/1 & 88/2, Chapel Road, Hyderabad, admeasuring 2063 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 40-57/85

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS ....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s Natraj Builders, 3-5-796, King Koti, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Mr. Rashminkant Tulsidas, Mr. Prafulchandra Tulsidas, S/o Shri Tulsidas Mathuradas, 10-3-181, St. John's Road, Secunderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1005/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng No. Elat situated at Mahayaer Anattments King Koti

Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the bublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 105, in Mahaveer Apartments in H. No. 3-5-796, King Koti, Hyderabad, admeasuring 970 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4141/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 12-3-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—Dated: 7-3-1986.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Mayur Complex, rep: by Sri R. Ramdev Rao, 8-2-616/1/A, Banjara Hills, Hyderabad.

(2) Sri Sumosh Reddy S/o Dr. KRC Reddy, 3-4-556, Narayana Guda, Hyderabad. (Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE HYDERAMAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1006/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop, situated at Mayur Complex, Gunfoundry
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hydrabad in 7/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
purties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Shop No. D4 in Mayur Complex, H. No. 5-9-273, Gunfoundry, Hyderabad, admeasuring 296 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3930 7/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERAMAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1007/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Skylark Apartments, Bashir bagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Chikkadpally on 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that as consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of pransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, ಕಾರ/ಆ

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subcection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Hyderabad Builders, rep: by Sri Quader Sullan, 3-6-309, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Bala Tripura Sundari, 1J-11, Irramanzil Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective ons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, A-Block in Sakylakr Apartments, H. No. Bashir Bagh, Hyderabad, admeasuring 1384 sq. ft, registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1010/

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition 1 Hyderal . !

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS ....

Smt. Lata Sharma
 W/o Mr. Shiv Prakash Sharma,
 21-1-436, Rikab Gunj,
 Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ramniklal Shah S/o Late Mohanlal Shah, 305, Sagar Apartments, H. No. 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC No. 1008/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Sagar Apartments, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydrabad in 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property sed I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned it.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEPLANAMON: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304 on III Floor in Sagar Apartments, H. No. 1-2-524, Domalguda, Hyderabad, admeasuring 1000 s. 11 registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4035/

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Rang
Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely—
169—36 GI/86

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

#### Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1009 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat situated at Sagar Apartments, Domalguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hydrabad in 7/1985 Registering Officer at Hydrabad in 7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between 1<sup>th</sup> parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.
- (Transferce) (2) Mr. Guru Sangath Singh
- S/o Mr. S. Charan Singh, 15-4-562, Osman Shahi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1dat No. 201 on II floor of Sagar Apartments, in H. No. 1-2-524, Domalguda, Hyderabad, Plinth area 1000 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 4192/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

(1) M/s Paramount Constructions, rep.: by Smt. B. Laxmi, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Gandhi Krishnamurthy S/o Shri Suryanarayana, Gandhi Market, Anakapalli, Vizag dist.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 12th March 1986

Ref. RAC. No. 1010/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing that situated at Princo apartments, Maharanipet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag in 7/1985 for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat in Prince Apartments in H. No. 16-1-16B7, Maharanipet Vizag on III Floor, Plinth area 900 s. ft, registered by the SRO, Vizag vide Document No. 756/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition R (ageHyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1 de : 12-3-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Amita Rani Daw, 62-A, Joy Mitra Street, Calcutta.

(Transferee)

(2) M/s Dungerji Projects Pvt. Ltd., 89, Chetla Road, Calcutta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1986

Ref. No. AC-40/Acq.R.IV/Cal/85-86.-Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and hearing No.
No. 16 situated at Nityadhan Mukherjee Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given inthat Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: 18 cottahs of land together with one storied brick built message tenement and dwelling house.

Address: 16, Nityadhan Mukherjee Road, P.S. & D.

Howrah.

Deed No.: 10709 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition RangeIV Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Anita Ghosal, Smaran Ghosal & Swapan Ghosal.

(1) Benulal Ghosal.

(Transferor)

(2) Prem Nuth Madan & Vijay Madan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

(a) by any of the eferencial namone suithin a series

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref: No: TR-187/85-86/Sl. 1183/I.A.C.|Acq.|R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 102 A & B, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta, on 20-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

All that 7 Cottahs 26 sft. of land together with a partly three and partly 4 storied building thereon at 102A & B, Park Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide deed No. I-10366 dated 20-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Nisit Kr. Law.

(Transferor)

(2) Md. Zahir.

(Transferee)

#### NUTICE UNDER SECTION 200D (1) OF THE NCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. AR-166/85-86/SI-1184 I.A.C. Acq. R-I Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 181A & 181B, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the schedule expressed bareto)

No. 181A & 181B, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta, on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affrence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties had not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the conscianment of any income or any microstys or other seets which have not been or which bugist to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 4 share of a Property Comprising 6K-6ch-32 sq. ft. of land with building there on at 181A & 181B, Park street, Calcutta Regd. vide deed No. 9529/85 dated 2-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition F
54, Rafi Ahmed Kidwai
Calcul

Dated: 13-3-1986

#### FORM ITNS----

(1) Sri Nisit Kr. Law.

(Transferor)

(2) Md. Ghyasuddin.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION KANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref: No: TR-167/85-86/Sl.-1185 I.A.C. Acq. R-I Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 181A & 181B, situated at Park street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta, on 2-7-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter KKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHOOLILE

Undivided & share of a Property Comprising 6K-6ch-32 sq. ft. of land together with building thereon at 181A £181B, Park street, Calculta, Regd. vide deed No. I-9530/83 dated 2-7-1985.

ETARKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kitwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-1986

Seel :

(1) Sanjay Kumar Dhandh.

(Taansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Deokinandan Halwal. Satya Bhama Halwai.

(Transfereo)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-33/Acq. R-I/85-86|SL-1186.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Trust, Cal-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Comp. Authority, IAC Acq R-I/Cal on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tagsfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat 203 on 2nd floor at 6/1A Moira Street, Cal-1/Area 1525 Sq. ft. Regd. before Comp. Authority, IAC, Acq. R-I/Cal. on 15-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS (1) Mr. Kamal Kumar Khandelwal, Mr. Raj Kumar Jain.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref: No: CA-43/Acq. R-I/85-86/1187.— Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fell more to the property. to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25A, situated at Komac Street Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Comp. Authority, I.A.C., Acq. R-I/Cal, on 25771985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparents as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrament of transfer with the object of(2) Birendra Kumar Karnawat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

25A, Komac Street, Cal.-16 (4th floor) area 355 Sq. ft. Regd, before the Comp. Authority, IAC. Acq. R-I/Cal. on 25-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 13-3-1986

170-36 GI/86

(1) M/s Anandilal Poddar & Sons Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1964 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amit Kumar Patni.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref: No: C.A. 36 & C.A. 57/85-86/SI, 1188 I.A.C/Acq.

Ref: No: C.A. 36 & C.A. 57/85-86/Sl. 1188 I.A.C/Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. No. 113, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-I, Calcutta, on 18-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-9 x Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property Poddar Points, situated at 113, Park Street, Calcutta. Registered 'oefore the Competent Auhtority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. Nos. C.A. 36 & C.A. 57 dated 18-7-1985.

> SHAIKH NAIMUI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-3-1986

(1) M/s. Anandilal Poddar & Sons Ltd.

may be made in writing to the undetaigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Apoorva Trust,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. C.A. 35 & 56/85-86/Sl.1189 I.A.C. Acq. R-1 Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 113, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-I, Calcutta, on 18-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be dislcosed by the transferee to, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Office premises on the 2nd floor, of a building known as Poddar Points, situated at 113, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. Nos. C.A. 35 & C.A. 56 dated 18-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitio Rnange-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-1986

 Ezra Joseph Gubbay, Lauren dale Gubbay & Joseph Ezra Gubbay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V.K. Thakkar Properties Private Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 13th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Ref: No: TR-183/85-86/SI, 1190 I.A.C./Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30A to 30F, situated at Mirza Ghalib Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

All that the piece or parcel of land containing an area of about one bigha eleven cottahs and twentyone sft. together with building and structures thereon at the premises Nos. 30A to 30F Mirza Galib Street (formerly Free School Street) Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide deed No. I-10930 dated 26-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-1986

Scal:

<del>\_\_\_</del> = =

#### FORM ITNS-

(1) Azimganj Estates Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Lyka Labs Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. C.A.25/85-86/SI,1191/IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/-and bearing

No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC., Acq.R-I/Cal on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that space on second floor measuring 217.84 sq. mts. approx at 7, Camae Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, IAC., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 25 dated 11-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Dated: 13-3-1986

(1) Smt. Hemlata Jain. Smt. Vinita Jain & Smt. Bimala Devi Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. ALM (Real Estate) Private Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ACQUISITION RANGE-1 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. C.A.31/85-86/SI.1192/IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing 25A, situated at Camac Street, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC., Acq-I, Calcutta on 15-7-1985 for an apparent consideration, which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given inthat Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

Office No. 302 on the third floor of premises No. 25A, Camac Street, Calcutta-16, (measuring approx. 836 S.ft. plinth area). Registered before the Competent Authority, IAC., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 31 dated 15-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calc\_\_\_ 16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-3-1986

(1) M/s. Sujan Viniyoge Limited,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Swarnalata Dutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD **CALCUTTA** 

SIONER OF INCOME-TAX,

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-20/85-86/Sl.1193/IAC|Acq.R-I|Cal.--Ref. No. CA-20/85-86/Sl.1193/IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18A situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Comp. Authority IAC. Acq. R-I/Cal on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesala property, and I have reason to beket value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided Share or interest on the roof of 6th floor of premises at 18A, Park Street, Calcutta, Comprised in flat No. 6E Regd. before the Competent Authority, IAC Acq.R-I/Cal vide Sl. No. CA-20, dated 5-7-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Dated: 13-3-1986

#### FORM 1.T.N.S.

(1) Parekh Properties.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-30/Acq. R-I/85-86|Sl-1194|IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, situated at Upper Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Competent Authority, IAC. Acq.R-I/Cal on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wenirh-text Act. 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shaikh Yusuf Shaikh Abdeally.

2. Shaikh Mohammedbhai Shaikh Shamsuddin Molla Gulam Abbas Mulla Fadahussain
 Shaikh Esmail Shaikh Abdeally
 Mulla Zainuddin Mulla Faida Hussain

6. Shaikh Yusuf Shaikh Shamsuddin

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on he respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office space measuring of 97 sq. ft, being Unit No. 1.1 on the South Extn side of 1st floor of the Premises at 3 Upper Wood Street Calcutta Regd. begore competent Authority IAC Acqn. Range-I, Cal vide Sl. No. CA-30/85-86 dt, 15-7-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

NGW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 13-3-1986

- (1) Smt. Hena Bose
- (2) Sri Anil Kr. Sen.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. TR-185/85-86/SI,1195/IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competen Authority under Section 269B of

wieless, I., Shahri, NAIMUDDIN, being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,000/- and bearing No.

No. 128 situated at Dr. Lal Mohan Bhattacharya Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Calcutta on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the bonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
171-36 GI/86

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/2 share of a property comprising 1 Bigha 8 Cottahs I Chittack 5 sft. of land together with a one storied building and structure thereon at 128, Dr. Lal Mohan Bhattacharya Road, Calcutta, Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-12525P dt. 18-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafl Ahmed Kidwal Road,
Calcutta-16.

Date: 13-3-1986

Seal ;

FORM ITNS----

(1) Smt. Bina Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Anil Kr. Sen

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. TR-186/85-86/Sl. 1196 I.A.C. Acq. R-I Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 128 situated at Dr. Lai Mohan Bhattacharya Road, Calcutte.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such impafer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which hught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the exid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforestid property by the saue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-see persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided \(\frac{1}{2}\) share of a property comprising 1 Bigha 8 Cottahs 5 Sft. of land together with a two storied building and one storied structures thereon at 128, Dr. Lal Mohan Bhattacharya Road, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-12526P dated 18-7-85.

SHAIKH NAIM DIN
Competent Monty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwal Road
Calcutta-16

Date: 13-3-1986

(1) Azimganj Estates Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ambalal Family Trust.

(Transferee)

COME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

• •

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
  - COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

    ACQUISITION RANGE-I

    CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Calcutta, the 13th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CA-41/Acq. |R-I|85-86/Sl. 1198.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7 situated at Camac Street, Calcutta-17 (5th floor)

No. 7 situated at Camac Street, Calcutta-17 (5th floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 22.7.85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 7, Camac Street, Cal-17, (Fifth floor) area—292.29 Sq. metres, Regd. before the comp. Authority, IAC., Acq.R-I/Cal on 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1986

Scal:

#### FORM LT.N.S.—

(1) Azimganj Estates Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ambalal Family Trust, Lalmukh House. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 13th March 1986

(b) by may other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette

Ref. No. CA-41//Acff.R-I/85-86/Sl.1198.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 7 situated at Camac Street, Calcutta-17 (5th floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908, (16 of

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfera and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

7. Camac Street, Cal-17, on the Fifth floor, area-292.29 Sq. metres, Regd. before the comp. Authority, IAC., Acq.R-I/Cal on 22-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1986

(1) Deokinandan Halwai. Satva Bhama Halwai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Promod Kumar Chaudhury, Renu Chaudhuary.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-34/Acq.R.I/85-86/Sl.1199.—Whereas, I,

Ref. No. CA-34/Acq.R.1/85-86/Sl.1199.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6/1A, situated at Moira Street, Cal-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 19-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the pair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, on 2nd floor at 6/1A, Moira Street, Cal-17, Area 1525 Sq. ft Regd. before Comp. Authority, IAC., Acq. R-I/Cal on 19-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1986

- (1) M/s Sujan Viniyoge Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Chandan Kumar Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-37/85-86/Acq.R-I/Cal/Sl.1200.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 18A situated at Park Street, Cal. (6th floor) Flat No. 6-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 19-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Undivided share or interest on the roof of the 6th floor of the premises 18A, Park Street, Cal., comprised in flat No. 6-I. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal., vide Sl. No. CA-37/85-86 dated 19-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 13-3-1986

Scal:

(1) Ashok Kumar Jain.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Janapriya Finance and Industrial Investment (India) Ltd.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# CALCUTTA

ACOUISITION RANGE-I

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Calcutta, the 13th March 1986

(b) by any person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CA-24/85-86/Acq.R-1[Cal[Sl. 1201.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter,

No. 34A, situated at Metalfe Street, Cal (2nd floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer Competent Authority, IAC, Acq. R-I/Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 34A, Metcaafe Street, Cal. (2nd floor) area 393 Sq. ft. Regd. before the Comp. Authority IAC., Acq.R-I/Cal. on 11-7-85.

N w, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 13-3-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-23/85-86/Acq.R-II/Cal|S1.1202.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 34A, situated at Metcalfe Street, Cal (2nd floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer
Competent Authority, IAC, Acq. R-I,/Calcutta on 11-7-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Rajeev Kumar Jain.

(Transferor)

(2) Janapriya Finance and Industrial Investment (India) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

34A, Metcalfe Street, Cal.—area 800 Sq. ft. (2nd floor) Regd. before the Comp. Authority IAC., Acq.R-I/Cal. on 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
54, Raft Ahmed Kidwal Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1986

(1) Sanjeev Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 266-D (1) OF THE (2) Janapriya Finance and Industrial Investment (India) Ltd.

(Transferce)

# INCOME TAX ACT, 1941 (43 OF 1941)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-22/85-86|Acq.R-I|Cal|ISI.1203.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 34A, situated at Metcalfe Street, Cal. (2nd floor)

No. 34A, situated at Metcalfe Street, Cal. (2nd floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority, IAC. Acq. R-I,/Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;---

- (a) by any of the electrical persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

34A. Metcalfe Street Cal.—area 800 Sq. ft. Regd. before the Comp. Authority IAC. Acq. R-I/Cal. on 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

172-36 GI/86

Date: 13-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-27/85-86/SI.1204|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I. SAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38 situated at Elliot Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer Competent Authority IAC, Acq. R-I/Calcutta on 12-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sankar Kumar Das, Dr. Roma Sarkar.

(Transferor)

(2) Amar Sen, Pratic Kumar Sen.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Piece and Parcel of land measuring 3K-2Ch-22 Sq. ft with building thereon being Premises No. 38, Elliot Road, Calcutta, Registered before the competent Authority, I.A.C. Acq.R-I/Cal. vide Sl. No. 27/85-86 dated 12-7-85

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent An Society
Inspecting Asstt. Commissioner of Inc., as
Acquisition Sel,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Cafeutta-16

Date: 13-3-1986

(1) M/s Sujan Viniyoge Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Nirmala Sharma,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 13th March 1986

Ref. No. CA-38/85-86/Sl.|1205|IAC|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, SAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 18A situated at Park Street, Calcutta (and more tully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer
Competent Authority, IAC, Acq. R-I/Calcutta on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rartier bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days rfom the service of notice on the respective
  persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unidivided Share or interest on the roof of 6th floor of Premises No. 18A, Park Street, Calcutta, comprised in Flat No. 6-J. Regd. before Competent Authority, I.A.C. Acq.R-I/Cal, vide Sl. No. CA-38 dated 19-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafl Ahmed Kidwal Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Date: 28-2-1986

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. Smt. Lilawati Devi Ganeriwala.

(2) Mrs. Sheela Pasari.

(Transferor)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2184/Acq. R-III/Cal|85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing 2, situated at Narendra Ch, Dutt Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

All that Unit No. 6 on the ground floor in the said building containing an area of 272.14 Sq. ft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/214/Cal|85-86 dated 11-7-85.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangelli,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nofice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-86

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICH OF THE INSPECTING ASSITT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2185/Acq.R.III/Cal.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN,

of transfer with the object of :-

being the Competent Anthority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Ramgopal Ganeriwala Pvt, I.td., Smt. Lilawati Devi Ganeriwala.

(Transferor)

(2) (1) Master Sandip Kumar Mittal S/o Sri Kailash Chand Mittal (2) Master Manoj Kumar Mittal S/o Sri Bhim Saiee Mittal

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said acoparty may be zende in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 8, Ground floor, Area—303.47 Sq. ft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acqn.R-III/212/Cal 85-86 dated 11-7-85.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeIII,
54, Rufi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-3-86

(1) M/s Bongopal Ganeriwala Pvt. Ltd. & Stat Lawati Devi Ganeriwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Master Rajesh Jain.
 Séo Sii Om Prakash Jain
 2 Hister Rabindra Kumar Jain
 Séo sri Radhyshyam Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2186/Acq R/III/Cai/85-86.--Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act')

nave reason to be leve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 2, situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at 1.A.C., Acqu. Range-III, Calcutta on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid paperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act shill have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 5 Bestment floor, Area—369.97 Sq. ft. at 2, Narendra Chinidea Dietta Sarane, Calcutta. Registered before I.A.C., Acqu. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/210/Cal/85-86 dated 11-7-35.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeIII,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-3-85

(1) (1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.(2) Smt. Lilawati Devi Ganeriwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Bankim Prasad Ghosh & Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2187/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. 2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at 37EE/Acqn. Range-III/209 Calcutta on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 7, Basement floor. Area—361.80 Sft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/209 dated 11-7-85.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, numerous, numerous,

Date: 14-3-86

#### FORM ITNS ----

- (1) (1) M/o Ramoopal Ganeriwala Pvt. Ltd.
  - (2) Stat. Lilawati Devi Ganeriwala

(Transferor)

(2) M/s J. B. Investment Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11J, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2188/Acq.R-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.

2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 1860an are cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferoe(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conoralment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of fiethe of the stimestive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 5 Ground floor, 301.38 Sft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/208 dated 11-7-85.

> SHEIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquinition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 14-3-86

(1) (1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.

(2) Smt. Lilawati Devi Ganeriwala

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Subhlaxmi Products Ltd.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2189/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2 situated a Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1908) in the office of Regitering Officer at
No. 37EE/Acqn. Range-III/207 Calcutta on 11-7-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publienties of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

#### THE SCHEDULE

Unit No. 9, 5th floor, 1390.06 Sft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/207 dated 11-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 et 1937);

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

173-36GI/86

Date: 14-3-86

- (1) (1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. (2) Smt. Lilawati Devi Ganeriwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Devi Harlalka.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2190/Acq.R-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2. situated at Narendra Chandra Dutta Saran', Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta.

No. 37EE/Acq.R-III/206 dated 11-7-85 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever periods the control of the c whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ninicly;--

# THE SCHEDULE

Unit No. 7, Ground floor, 296.95 Sft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37FE/Acq.R-III/206 dated 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Date: 14-3-86,

(1) Sanat Kumar Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. B. Associates.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2191/Acq.R-IIICal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

shark Nathold Nathority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

15C situated at Beltola Road, Calcutta-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Pariety stice.

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta,

No. 37EE/Acq.R-III/239 dated 22-7185

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that one storeyed brick built dwelling house together with all that piece or parcel of land measuring 5 Cottahs 13 Chittaks and 21 Sq. ft. at 15/C, Beltola Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal vide 37EE/Acq. R-III/239 dated 22-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-86.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sanat Kumar Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Birendra Nath Das.

(Transferce)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2192/Acq. R-III/Cal/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. 2192/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe hat the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15C situated atBaltola Roud, Calcutta-26 (and more fully described in the Schdeule appeared hereto).

(and more fully described in the Schdeule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

37EE/Acq.R-III/241 dated 22-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-2 on 2nd floor at 15C, Beltola Road, Calcutta-26. Area 1182 Sft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-II/241 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14.3.86.

Sea!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) 1. Shri Ajit Kumar Ghosh,

- Shri Ranjit Kumar Ghosh,
- 3. Smt. Gita Ghosh.

(Transferor)

(2) S. B. Associates.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2193/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHANKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reconstry, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 92A situated at Beltola Road, Calcutta-26

92A situated at Benoia Road, Calcula-20 situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at I.A.C., Acqu. Rang-III, Calcula No. 37EE/Acq. R-III/238 dated 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than 1.tteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land measuring 5 Cottahs 3 Chittaks and 5 sq.ft. at 92-A, Beltola Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/238/Call85-86 dated 22-7-85. Date: 14-3-86.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

(1) Haripada Housing Society,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashis Ghosh.

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2194/Acq.R-HI/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/46 situated at Gariahat Road, Calcutta-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

No. 37EE/Acq.R-111/187 dated 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date f the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

# THE SCHEDULE

Flat No. 408 of 1220 Sft. on 4th floor at 1/46, Garlahat Road, Calcutta-68. Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/187 dt. 8-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-86.

(1)- Land and Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Pravin Ch. P. Shah & Mr. Rajnikant P Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2195/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situste at Abhoy Sircor Lane, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer under registration No. 37EE/Acq.R-III/197 dated 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One residential flat measuring 830 Sq. ft. on 1st floor at 8, Abhoy Sircar Lane, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/197 dt. 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-3-86.

· Seal:

(1) Ram Niwas Lakhotia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s The Indian Cable Co. Ltd.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2196/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act), have leason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1A, situated at Love Lock Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under registration No. 11294 on 31-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided share or interest in common areas in the premises No. IA, Love Lock Place, Calcutta. Area 2759 Sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-11294 dated 31-7-1985.

SHIAKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

(1) Gunendrapat Singh Dugar & Ors.

(Transferor)

(2) M/s Aditya Services Private Limited.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2197/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 34/1V situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under registration No. on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of SectionD of the said Act, to the following persons, namely:—

174-36GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that old two storeyed brick built messuage tenament and garage together with the piece or parcel of land containing an area of 11 Cottahs and 20 Sft. at Premises No. 34/1U, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 12006 dated 11-7-1985.

SHIAKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tem
Acquisition Range-III
34, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

(1) Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jeetmal Dugar.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2198/Acq.R-III/Cal/85-86,--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred toose the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

13/3 situated at Promothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 11-7-1985 at S.R.A., Calcutta, under registration No. for an apparent consideration which is less than the fair; market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires lates?
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising trans the Transfer:

10 ٠. o. بن. ح

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

V1 I( 'ni Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:--

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3, Promothesh Barua Sarani, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-10133 dated 11-7-1985.

SHIAKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

(1) M/s Hastings Property

(Transferor)

(2) Vinod Kumar Kandoi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2199/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I.

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 7C situated at Kiran Shankar Roy Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) contains the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office space No. 15 on the 3rd floor at 7C, Kiran Shankar Roy Road, Calcutta-1, Plinth area 449 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acqu. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/190 dated 5-7-1985.

> SHIAKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kldwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

Sanat Kumar Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sujata Sengupta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Md. No. 2250/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I,

which the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as: the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,60,000/- and bearing No.

13/C, situated at Beltola Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer No. 37EE/Acq. R-III/244 on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than onsideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any security or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A flat bearing No. A1 on the 1st floor at 15/C, Beltola Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/244 dated 22-7-1985.

SHIAKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

The state of the s FORM LT.N.S .-

(1) Sanat Kumar Ghosh.

(Transfero

(2) Dr. Sambudha Guha.

(Transferee

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2201/Acq.R-III/Cai/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/C, situated at Beltola Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under Registration No. No. 37EE/Acq.R-III/245 dated 22-7-1985

no. 3/EE/ACQ.R-III/245 dated 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insona-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

A flat bearing No. A2 on the 2nd floor at 15/C, Beltola Road, Calcutta. Registered before J.A.C., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/245 dated 22-7-1985.

> SHIAKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in sersuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

FORM ITNS ---

(1) M/s Multicon Biulders Limited.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-PAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

(2) Hemant Singh Pathania.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the wadersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION-III. 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2202/Acq.R-III/Cal/85-86.--Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act ), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-17A situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under Registration No. No. 37EE/Acq.R-III/202 on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitaring the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. C on 6th floor of the building under construction at P-17A, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19, having a super built-up area of 1800 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/202 dated 11-7-1985,

> SHIAKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Lange-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

. == . : -----

#### FORM ITNS-

(1) Multicon Builders Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs, M. Vliayalakshini,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

HE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2203/Acq.R-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-17A situated at Ashutosh Chowdhury

Avenue, Cal.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC., Acqu. Range-III, Calcutta on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. B on 5th floor of the building under construction at P-17A, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19 have a super built-up area of 1442 Sq. ft. Registered before I.AC.. Acq. R-III. Cal. vide 37FE/Acq.R-III/201 dated 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 14-3-86.

(1) Dr. Ajay Kumar Mitra,

(Transferor)

(2) Mrs. Milly Dutta.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2204/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, f, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Mandevilla Gardens, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at S.R.A., Calcutta, on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the somsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. F on 3rd floor having a covered area about 780 Sq. ft. servant room being No. 3 in mezanine floor having an area 120 Sft. and Car parking space being No. 3 with an area about 50 Sft. at 2, Mandevilla Gardens, Calcutta-19. Registered before .R.A., Calcutta, vide Deed No. 1-9479 dated 1-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority 'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-3-1986

Scal

(1) Mr. Ramesh Mahajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Lalit Kumar Chainwala.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2205/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 116, situated at Meghnad Shah Sarani, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC., Acqn. R-III, Calcutta on 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
  of the transferor to pay ax under the said Act in
  respect of any income arising from the transferee;
   and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

175—36GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13F having an area about 800 Sq. ft. located on 13th floor together with covered car parking space at 116, Dr. Meghnad Shah Sarani, Calcutta-29. Registered before IAC., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/221 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-3-86.

FORM I.T.N.S .-

(1) Smt. Usha Rani Devi

('fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rai Ghosh.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later.

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2206/ACQ R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN Spring the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. 117A, situated at

Monohar Pukur Road, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at S.R.A., Calcutta, on 3-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring about 2 Cottahs 11 Chittaks together with tin shed having pucca wall at 117A, Monobar Pukur Road, Calcutt-26. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-9640 dated 3-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

#### FORM ITNS----

(1) Sanat Kumar Ghosh.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajnikant M. Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

- ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2207/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 15/C, situated at Beltola Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/246 dated 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as segreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

A flat bearing No. B2 on the 2nd floor at 15/C, Beltola Road, Cal. Registered before IAC., Acq. R-III, Cal. vide 37EE/Acq.R-III/246 dated 22-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 14-3-1986.

(1) Sanat Kumar Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2208/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent, Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/C, situated at Beltola Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/242 dated 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat being No. B3 on the 3rd floor at 15/C, Beltola Road, Cal. Registered before I.A.C., Acqn, R-III, Cal. vide 37EE/Acq. R-III/242 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986.

PART III--Sec. 1]

FORM ITNS

# (1) South End Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Sudhir Tibarewalla, 2. Satya Kumar Tibarewalla, 3. Nirmala Devi Tibarewalla, 4. Samarendra Tibarewalla.

eng<u>al</u>en e <u>au sam</u>ana mulayak en<del>a per</del>ana inama eng

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2209/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6 situated at South End Park, Calcutta-29. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta on 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided proportionate share in the land situated at 6, South End Park, Calcutta-29. Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/220, dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986.

\_\_\_\_\_

# FORM ITNS -

(1) Kuttikat Velayudhan Sankaranarayanan,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Multifin Consultants Ltd.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2210/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

shalkh Naimuddin, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

29 situated at Kavi Bharati Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 3-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Floorwis plinth area of 3000 Sft. at 29, Kavi Bharati Sarani, Cal-29, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 9639 dated 3-7-85.

> SHAIKH NAJMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Date: 14-3-1986

<mark>Caracitation de companye de la comp</mark>

FORM ITNS———

(1) Dipak Kumar Bose.

(Transferor)

# NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. C. R. Vaidyanathan, 2. Mr. C. R. Krishnamoorthy.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2211/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKII NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00.000/- and bearing property having a fair market value exceeding No. 17B situated at Moore Avenue, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of insfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An undivided proportionate share of the land measuring 7 Cottahs 1 Chittaks 58 Sq. ft. at 17B, Moore Avenue, Calcutta-40. Registered before LA.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/198 dated 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) Shree Ghanshyam Das Thirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Chandra Vadan Desai as Karta of Chandra Vadan Desai, H.U.F.,
 2. Sri Chandra Vadan Desai

us father & Natural Guardian of his minor son Master Pranay Desai and Minor daughter Baby Shelly Desai.

(Transferee)

#### COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2212/Acq.R-III/Cal/85-86,-Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(iv) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer

andlor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforecast persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter?
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 3, 4, 7 & 8 on 4th floor measuring 5428 Sq. ft. together with car parking space for two cars at 2/6. Sarat Bose Road, Cal. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal. vide 37EE/Acq.R-III/231 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner-of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta-16

Date: 14-3-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM TIME

# (1) Sri Anujit Ganguly,

- 2. Smt. Manimala Devi,
- 3. Sri Abhirup Ganguly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Keshar Devi Lahoti.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2213/Acq.R-III/Cal/85-86.--Whereas 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the office of

the Registering Officer at Calcutta No. 37EE/Acq.R-LH# 195 on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable sporty, within 45 days from the date of the sea of this motion in the Official Canada

ENPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given

(a) facilitating the reduction or evacion of the transferor to pay the under the er respect of any income arising from the transfer and/er

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 6th floor at 2, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta-20. Registered before LA.C., Acqn.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/193 dated 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

176-36GI/86

Date: 14-3-1986

(1) Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Basulal Binaykia.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2214//Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

13/3 situated at Promothesh Barua Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 11-7-85

at S.R.A., Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3, Promethesh Barua Sarani, Calcutta, 10700 Sft. covered area. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1-10135 dated 11-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :---

Date: 14-3-1986

(1) Smt. Jyotl Sen.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manosh Roy Chowdhury.

(Trnsforee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2215/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I.

Ref. No. 2213/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 20 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 140/10 situated at Netaji Subas Chandra Bose Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 1908) in the office of Regstering Office at S.R.A., Calcutta on 2-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any mentaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land measuring about 6 Cottahs 10 Chittaks 42 Sq. ft. at 140/10, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, Vide Deed No. 9523 dated 2-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-III Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

#### FORM TINS....

(1) Shaikh Ladoomia,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2216/Acq.R-IIII/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 5 situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 the Registering Officer at S.R.A., Calcutta No. 9741 dated 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:--

(2) 1. Mrs. Kanchan Debi,

2. Mrs. Kusum Kochar,

3. Mrs. Nabim Kochar,

4. Ajit Kochar, 5. Jitendra Kochar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 6 Cottabs 10 Chittaks 27 Sq. ft. together with structure corogated aspestos and sheds with brick wall at 5, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 9741 dated 5-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Date: 14-3-1986

PORM HTMS-

(1) Bestlay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Gajanand Agarwal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2217|ACQ|R-III|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 52A situated at Sambhunath Pandit Street, Calcuita I.A.C., Acq. R-II, Cal on 11-7-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid farturement of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4A on fourth floor consisting of an area of 1349 str. at 52A, Sambhu Nath Pandit St., Calcutta-20 registered before 1.A.C., Acq. R-III, Cal. vide 37EE/ACQ/R-III/218 dated 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986.

#### (1) Bestlay Housing Corporation.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Sri Bihari Lal Santhalia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2218/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 52A situated at Sambhu Nath Pandit St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 11-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unsurament of a anafor with the object of:—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2C on second floor consisting an area of 1314 Sft. at 52A, Sambhu Nath Pandit St., Calcutta-20 registered before I.A.C.. Acquisition Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/217, dated 11-7-85.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986.

(1) Veekay Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2219/Acq. R-III/Cal/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/2 situated atGariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in teh said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the thibtility of the transferor to pay tax under the sold Ant in respect of any issues arising from the transfer

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Flat No. 9B at 18/2, Gariahat Road, Calcutta, plinth area 1350.45 Sft. Registered before I.A.C.. Acq. R-III, Calcutta, vide 37FE/Acq. R-III/226, dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986.

(1) Shri Ghanshyam Das Thirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Adarsh Kumar Halwasiya as Karta of Adarsh Kumar Halwasiya H.U.F.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2220/Acq. R-III/Cal/85-86, -Whereas, I,

Ref. No. 2220/Acq. R-III/Cai/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sevent Pace, Pacel Colorutts

2/6 situated at Sorat Bose Road, Calcutta (und more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Space No. 5 on 4th floor measuring about 1996 Sft. at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/229, dated 22-7-85

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 14-3-1986.

(1) Veekay Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hindustan Lever I.id.

(T) ansferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2221/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

no. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Rgistration Act, 1908 16 of

has been transferred under Reistration Act, 1908 to of 1908) in the office of Registering Office at .A.C., Acq.R-III, Calcutta on 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agsets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this restice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chopter XVA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9A at 18/2, Gariahat Road, Calcutta, plinth area 1119.09 Sft. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37FF/Acq. R-III/228 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—177—36GI/86

Date: 11-3-1986

(1) Smt. Kpudevi Khandelwal. Smt. Rajshri Khandelwal.

(Transferoi)

(2) M. S. Tridend ravels & Tours Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2222 Acq.R-III/Cat/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

No. 230A situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta-20

Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Reistration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Office at .A.C., Acq.R-III. Cal., on 19-7-85

an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fieldity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

\_\_\_\_\_\_

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 3 on 4th floor, 50 Sq0.ft, at premises No. 230A, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Cal-20. Registered before .A.C., Acq. R-III, Cal., Vide 37EE/Acq.R-III/752 dated 19-7-85.

SHAIKH NAIMUDDN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

(1) M/s. W. Newaman & Co. Ld.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ganesh Properties (P) Ltd.

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Calcutta, the 14th March 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2223/Acq. R-III/Cal/85-86.-Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. I situated at British India Srteet, Calcutta

being the Competent Authority under Section 269B of the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Rgistration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Office at A.C., Acq.R-III, Cal., on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infreen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

3/4th share of the premises No. 1, British India Street, Calcutta-1. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/192 dated 5-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other resets which have not been or which ought to be discussed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

(1 Samiran Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bijoy Kumar Ghosh.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2224/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/3, s'trated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Reistration Act, 1908—16—of 1908) in the office of Registering Office at A.C., Acq.R-III, Cal. on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A flat measuring 870 Sft, at premises No. 18/3, Gar that Road, Calcutta-19. Registered bforc S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-1052 dt. 18-7-85.

SHAIKH NAIMUDDN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

New, therefore, in puweance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

\_ <u>\_\_\_</u>

FORM ITNS----

(1) R. Kar & Associates,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 249-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs. Vijaya Devi Kothari, C/o Vijay Singh Kothari (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2225/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the incompetation of the incompetat

able preperty having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000/- and bearing.
No. 180 stuated at Rash Behari Avenue, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Reistration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Office at A.C., Acq.R-III, Cal., on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conseniment of any moons of any moons or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The letters and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. D-5 870 Sft. at 180, Rash Behari Avenue, Calcutta, Registered before 1.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/236 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 14-3-1986

(1) Veckay Properties Pv. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Helen Amritha Singh.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2226/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, 1 SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the schedul annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Office at I.A.C. Acq. R-III, Cal., on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 6B on the 6th floor measuring 1265.53 Sft. together with one storeyed and one covered car parking space at 18/2, Gariahat Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/235 dated 22-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under embescion (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

(1) K. N. Properties Pv. Limited.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Sri Tara Chand Gulati, 2. Sri Jagdish Kumar Gulati, 3. Sri Sushil Kumar Gulati.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Teansferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2227/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 11-A situated at Palm Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Cal on 11-7-85

Cal on 11-7-85
for an apparent enosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovation property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Georgette.

FAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3000 Sft. Flat No. 10A on 10th floor at 11-A, Palm Avenue, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal. Figle 37EF/Acq.R-III/196 dated 11-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2228/Acq.R-III/Cal/85-86,—Whereas, I SHAJKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 34/IV situated at Ballygunge Circular Road, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at LA.C., Acq.R-III, Cal., on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pairties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortisaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) 1. Yogendraput Sing Dugar & Sons H.U.F. (Transferor)
  - 2. Badindrapat Sing Dugar, H.U.F.

(Transferce)

3. Kanakput Sing Dugar, H.U.F. (2) M/s. Aditya Services (Pvt.) Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that old two storeyed house together with land measuring 11 Cottahs 20 Sft. being premises No. 34/IV, Ballygunge Circular Road, Cal-19. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/191 dated 5-7-1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Calcutta

Date: 14-3-1986

(1) Sri Ghanshyam Das Thirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Adarsh Kumar Halwasiya.2. Ganesh Das Ramgopal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2229/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Anthority under Section 2678 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have return to believe that the immovimmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC Acq.R-III, Cal. on '22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income trising from the transfer unit/or
- (b) harditating the concentrates of any inscense or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
178—36GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period arrives later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 6 on 4th floor measuring about 2353 sft. with two cars parking space one in Basement & One in open compound on ground floor at 2/6, Sarat Bose Road, Cal. Registered before I.A.C. Acq.R-III Cal, viide 37EE/Acq.R-III/232 dated 22-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Dat e: 14-3-1986

Scal:

(1) Shri Ashok Kumar Gupta.

(Transferor)

(2) Smt. Snigdha Chowdhury.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2230/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 72 situated at Jodhpur Park, Calcutta-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Alipore Road on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at S.R. All of the solution which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3A on 3rd floor measuring 1046 sft. at 72, Jodhpur Park Calcutta-68, Registered before S.R., Aligore vide Deed No. 6112 dated 19-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Date: 14-3-1986

#### FORM ITNS-

(1) Prasanta Kumar Burdhan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Kumar Saha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of as you have a forestant persons within a person of a 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a person of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 14th March 1986

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2231/Acq.R-III/Cal/85-86.--Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5B situated at Fakir Halden To.

SB situated at Fakir Halder Lane, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Alipore on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in Two storeyed building together with land measuring about 1 Cottahs at 5B, Fakir Halder Lane, Calcutta-26, Registered before S.R. Alipore vide Deed No. 6233 dated 22-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1986

(1) Shri Ghanshyam Das Thirani.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mukund Lath.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2232/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas. I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at 1.A.C. Acq. Range-III, Calcutta on 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

### THE SCHEDULE

Space No. 2 on 4th floor measuring about 1124 sq. ft. at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq. Range-III/230 dated 22-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Renge-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforssaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Scal:

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2233/Acq.Range-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13/3 situated at Promothesh Batua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; ied/er
- (b) facilitating the esempelment of any income or well moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

(2) Kanak Kundalia.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION :- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3. Promothesh Barua Sarani, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Dced No. I-10131 dated 11-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

FORM NO. LT.N.S.---

(1) Champa Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

----

(2) M/s. Balaram Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2234/Acq.Range-III/Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing. No. 6 situated at Madan Mohan Barman Street, Calcutta and more fully described in the Schedule appared barelo.

6 situated at Madan Mohan Barman Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 12-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration.

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Embling of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian income-true Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that partly two storeyed brick built building being premises No. 6, Madan Mohan Burman Street, containing an area of 12 Cottahs 11 Chittaks 37 sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta on 12-7-1985

SHAJKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) V. K. Thakkar Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Krishna Kumar Bagaria.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2235/Acq.-R-III/Cal/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. 224, 224/1, situated at Acharya Jagadish Bose Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office o fregistering Officer at I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat 'E' on the 6th floor measuring approximate 1870 sq. ft. at 224, 224/1, Acharya Jagadish Bose Road and 68, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before J.A.C., Acq. Range-III. Calcutta vide 37EF/Acq.R-III/234 dated 22-7-198].

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :---

22-7-1985. Seal:

#### FORM ITNS ----

(1) Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alok Binaykia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# STATE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUITA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2236/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereluafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13/3 situated at Promothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tachitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3, Promothesh Barua Sarani, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-10132 dated 11-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

#### PORM TIME

(1) Vcekay Properties Private Ltd.

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IIL CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2237/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Anthority under Section 2658 of the Innormatur Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ma the baild Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/2 situated at Garriahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. R-III, Cal. on 22-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; eed/or

Flat No. 7B, at 18/2, Gariahat Road, Calcutta measuring 1413.80 Sft. registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/227 dt. 22-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquitition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--179-36GI/86

Date: 14-3-1986

Scal:

(1) Sri Ghanshyam Das Thirani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Adarsh Kumar Halwasiya, Father & natural guardian of minor Daughter Amrita Halwasiya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property carr be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 14th March 1986

publication of this motics in the Official Gazette.

Ref. No. 2238/ACQ. R-III/Cal /85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 2/6 situated at Sarat Bose Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
LA.C., Acquisition Range-III, Calcutta on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of f—

Explanation:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the that filty of the transferor to pay tax under the said As<sub>th</sub> is respect of any income arising from the transfer and/or THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any reconcept or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Space No. 1 on fourth floor measuring about 1417 Sft. at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta registered with I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/233 dated 22-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JlI,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-86

Scal;

#### (1) Sri Ashok Kumar Gupta

(Transferor)

MUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Hiren Chowdhury

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2239/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 72 situated at Jodhpur Park, Calcutta-68
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R., Alipore on 19-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3B, 3rd floor measuring 921 Sft. at 72, Jodhpur park, Calcutta-68 registered before S.R. Alipore, vide Deed No. 6108 dated 19-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutt-16

Dated : 14-3-86

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME/TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2240/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainster referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 10C situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 26-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Mahility of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Sri Keshab Chandra Basu,
 2. Sm. Usha Basu.

(Transferor)

(2) Pratichi Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

5 storied building on land 3 Cottahas 15 Chittaks and 24 Sft. at premises No. 10C, Southern Avenue, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, on 26-7-85 vide Deed No. 10971.

# SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JII,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta/16

Dated: 14-3-86

Scal:

(1) Amarendra Nath Kar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sushil Kumar Guha Roy.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 14th March 1986

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2241/Acq. R-liI/Cal/85-86.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 48/31A situated at Purna Chandra Mistra Lane, Cal-33 (and more fully described in the Schedule approved basets) (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, Calcutta on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Premises No. 48/31A, Purna Chandra Mistri Lane, Calcutta-33. Area 3 Cottahs 9 Chittaks. Registered before S.R. Alipore, Calcutta, vide Deed No. 5613 dated 4-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said sons, namely:-

Dated: 14-3-86

FORM I.T.N.S. --

(1) Sri Monica Chanda.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hindustan Lever Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2242/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5 situated at Lower Rowdn Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 3-7-85

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the particle has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2307 Sft. being flat No. 4 on 7th floor at 5, Lower Rowdn Street, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-9569 dated 3-7-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitor Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 14-3-86

Scal:

(1) Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinod Kundalia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2213/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 13/3 situaed at Promothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R.A., Calcutta on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reseen to bolieve that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3, Promothesh Barua Sarani Calcutta, covered area 10700 Sft. Registered before S.R.A., Calcutta. vide Deed No. I-10130 dated 11-7-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutt-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-86

(1) Sri Ashok Kumar Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hilla Sengupta.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF DIDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2244/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72 situated at Jodhpur Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at S.R. Alipore on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act, is respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4A, 4th floor measuring 1046 sq. ft. at 72, Jodan Park, Calcutta. Registered before S.R. Alipore Dated pur Park, 19-7-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :--

Date: 14-3-1986

(1) Sri Ashok Kumar Gunta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Amitabha Ghosal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2245/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72 situated at Jodhpur Park, Calcutta-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer S.R. Alipore on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4B, 4th floor measuring 921 Sq. ft. at 72, Jodhpur Park, Calcutta-68. Registered before S.R. Alipore vide Deed No. 6107 dated 19-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Scal :

180-36GI/86

PORM ITNS-

(1) Sri Ashok Kumar Gupta.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Smt. Champa Roy.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-111 CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2246/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 72 situated at Jodhpur Park, Calcutta-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore on 19-7-1985

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the teamsferor to pay tax under the said Act, and /or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 1B. 1st floor measuring 921 Sq. ft. at 72, Jodhpur Park, Cal-68. Registered before S.R., Alipore, vide deed No. 6109 dated 19-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcuta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJI CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2247/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72 situated at Jodhpur Park, Colcutta-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parcies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ashok Kumar Gupta.

(Transferor)

(2) Smt. Bandana Sen.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1A, 1st floor, measuring 1046 Sq. ft. at 72 Jodhpur Park, Cal-68. Registered before S.R., Alipore vide deed No. 6113 dated 19-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

Seal;

#### FORM ITNS.—

(1) Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jhumar Jain (Binaykia).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned:

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2248/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13/3 situated at Promothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Cal. on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3, Promothesh Barua arani, Calcutta, Covered area 10700 Sq. ft. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-10134 dated 11-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seal ;

(1) Sri Harindra Nath Dutta.

(Transferor)

(2) Smt. Madan Devi Kundalia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2249/Acq.R-III/Cal/85-86,---Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

13/3 situated at Promothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of the premises No. 13/3, Promothesh Barua Sarani, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-10129 dated 11-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons namely :-

Date: 14-3-1986

Scal:

#### FORM ITNS .--

(1) Kalavanti Devi Chabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Multicon Builders Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2250/Acq R-III/Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 situated at Allenby Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have feason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the statistics of the property are authority for each tax apparent to between the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Partly three and partly four storeyed building together with piece of land measuring about 6 Cottahs at 1, Allenby Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/203 dated 11-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
rspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seal

FORM ITNS.—

(1) M/s Multicon Builders Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Hemant Singh Panthania.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2251/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the said Act, have jeason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. P-17A situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 22-7-1985 for an apparent consideration which is also then the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. C on 6th floor of the building under construction at P-17A, Ashuthosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19, having an area of 1800 Sft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/222 dated 22-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt, Tarak Bala Adhya,

- Sri Panchanand Adhya,
   Sri Narayan Chandra Adhya,
   Shri Gouri Charan Adhya,
- 5. Sri Devnath Adhya, 6. Sri Jagdish Adhya,

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kundalia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2252/Acq:R-III/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21 situated at Premnath Pandit Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land area 11 Cottahs 15 Chittaks 28 Sft. at 21, Prannath Pandit Street, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/200 dated 11-7-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Ashok Kumar Gupta

(2) Shri Biswanath Kolay

(Transferor)

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th March 1986

Ref. No. 2253/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing z No. 72 situated at Jodhpur Park, Calcutta-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at R.S. Aipore on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2A, 2nd floor, measuring 1046 Sq. ft. at premises No. 72. Jodhpur Park, Cacutta-68. Registered before S.R., Alipore, vide Deed No. 6110 dated 19-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
181—36GI/86

Date: 14-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Samiran Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

,2) Kumari Sukanya Roy & Kumari Nilanjana Roy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2254/Acq.R-iII/Cal/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000-and bearing

No. 18/3 situated at Gariahat Rond, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hhas been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRA, Calcutta on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay max under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to us disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat measuring 870 Sft. at premises No. 18/3, Gariabat Road, Calcutta-19. Registered before SRA. Calcutta vide Deed No. 1 10523 dt. 18-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sense of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

FORM ITNS----

(1) Harindra Nath Datta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijay Binaykia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2255/Acq.R.III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

13/3, situated at Promothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRA Calcutta on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: (a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided one cighth share of the premises No. 13/3, Promothesh Barua Sarani, Calcutta. Registered before SRA. Calcutta vide Deed No. 1 10128 dated 11-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rati Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seal '.

(1) Central Machine Tools Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hemanta Sharma.(2) Mrs. Nilima Sharma.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. 2256/Acq.R-11I/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 25 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq.R-III/Calcutta on 22-7-1985
for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 5C containing an area of 3173 Sft. on the fifth floor at 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19. Registered before IAC, ACQ, Raage-III Calcutta, Order 37EE/Acq.R-III/225 dt 22-7-1985,

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kjdwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seal

FORM ITNS——

(1) Hanuman Industries (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rajiv Chand & Uday Chand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IN CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Rcf. No. AC-117/R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHΔIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 10 situated at Belvedere Road, Calcutta-27

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to onlieve that the fair market value of the property as aforesaid officeeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer: 940 /OT

(b) facilitating the concealment of any income or any minimys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1562 Sft. flat No. 10B, on the 10th floor at premises No. 10, Belvedere Road, Calcutta-27 Registered before Competent Authority on 2-7-1985 vide Sl. No. 23 of 1985-86.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rali Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 14-3-1986

FORM ITNS-

(1) Hanuman Industries (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pushpa Chand

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-118/R-II/Cal/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

and/or

as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-tible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 situated at Belvedere Road, Calcutta-27 (and more fully described in the schedule annexed hereto), hhas been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforespid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

1562 Sft. flat No. 10A on the 10th floor at 10, Belvedere Road, Calcutta-27. Registered before Competent Authority on 2-7-1985, vide Sl. No. 24 of 1985-86.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 14-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-119/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17/IG situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 31-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19.57 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259T of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Mrs. Rajyasri Guha 50-B, Turf Road, Bhwanipur, Calcutta-25.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Mahesh Perwial, 2. Mrs. Mani Kanta Periwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1540 Sft. flat No. 2 on the 2nd floor at premises No. 17/1G, Alipore Road, Calcutta-27. Registered before Competent Authority on 31-7-1985, vide Sl. No. 52 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 14-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shubham Properties of 23-A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Supplementary and the second of the second o

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Blow Plast Ltd. of 19, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Rcf. No. AC-120/R-11/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Comperent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable represents having fair market labels exceeding Re. 10 000/ property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 19B situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Office

at Competent Authority on 3-7-1985 at Competent Authority on 3-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent to inneration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instru transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer wad /or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1230 Sft. flat No. B on the 4th floor at 19B, Alipore Rd., Calcutta-27. Registered before Competent Authority on 3-7-1985 vide Sl. No. 34 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II 54. Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-1986

#### PORM ITNS---

(1) R. N. J. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

(2) Sri Sant Kumar Ihunjhunwala.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-121/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 situated at Clyde Row, Calcutta

No. 4 situated at Clyde Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office

at Competent Authority on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

production of the production of the state of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201 on the 2nd floor measuring 1568 at Premises No. 4, Clyde Row, Calcutta together with one servant quarter on the roof of the building at the said premises and together with open space for parking of one car. Registered before Competent Authority on 24-7-85 vide Sl. No. 49 of 85-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons namely:—

182-36GI/86

Dated: 14-3 1986

(1) Mr. Tapan Lahiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Kawal Lilarum Hira. 2. Mr. Kabir Hira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-122/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, neing the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No 7/A situated at Judges Court Road, Calcutta-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and there

THE SCHEDULE

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

More or less 1677 sft. No. 6C on the 6th floor at Ratnabali 7A, Judges Court Road, Calcutta--27 Registered before Competent Authority on 2-7-85 vide Sl. No. 32 of 85-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986

#### FORM ITNS ....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

SIONER OF INCOME-TAX

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-123/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-65, situated at C.I.T. Road Sch VIM(S) Calcutta-54. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registring Officer

ompetent Authority on 26-7-85 an apparent consideration which is less than the fair ket value of the aforesaid property and I have reason to eve that the fair market value of the property as aforesaid eds the apparent consideration therefor by more than on per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of sfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) I. Sumanlal Pareckh.

Pankaj Kr. Pareckh
 Madhu Atul Pareekh.

(Transferor)

(2) 1. Vijoy Kr Tibrewal, 2. Santi Devi Tibrewal,

3. Bina Tibrewal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

863 sq. ft. flat at P-65, C.I.T. Road, Scheme VIM(S), Calcutta. Registered before Competent Authority on 26-7-85 vide Sl. No. 50 of 85-86.

> SHAIKH NAIMUDD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Dated - 14-3-1986

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Suresh Chandra Roy of 36A, New Road Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shreelckha Mohta of 23, Kali Krishna Tagore Street, Calcutta-70,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-124/R-11/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36B situated at New Road Alipore Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R.A. alcutta on 17-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the SHAIKH NAIMUDDIN,

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

Undivide d 1/25th part of share of land measuring area 21 cottans 40 sfts. at 36B, New Road, Alipore Calcutta, 27 More particularly discribed in Deed No. I 10494 of S.R.A., Cal. of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated: 14-3-1986

(1) Major M. Nizzamuddin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Chhaperia,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-125/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 182 100 000/ fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Cluster-VIII situated at Salt Lake, Sector-III. Calcutta-91 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Regstering Office at Competent Authority on 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliave that the fair market value

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as rgreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-7 of BBH2 Type of Purbachal Housing Estate, Cluster-VIII, Salt Lake, Sector-III, Calcutta-91. Registered before I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta on 22-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets "Which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 14-3-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Baldev Raj Tandon.

(Transferor)

(2) Shri Kedar Nath Burman,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-126/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 situated at National Library Avenue, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Regstering Office at Competent Authority on 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Dersons, Damely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2000 sft. area at the northern portion on the 1st floor of premises No. 1, National Library Avenue, Calcutta-27. P.S. Alipore, registered before Competent Authority on 2-7-1985 vide Sl. No. 33 of 85-86.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Date: 14-3-1986

(1) R.N.J. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-127/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 situated at Clyde Row, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Regstering Office at Competent Authority on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Sheo Kumar Jhunjhunwala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204 on the 2nd floor measuring 2035 sft. at Premises No. 4, Clyde Row, Calcutta together with one servant's quarter on the roof and together with open space for parking two cars. Registered before 16-7-85 vide Sl. No. 47 of 85-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) Shri Pawan Kr. Ahuja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Indramani Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-128/R-11/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-201, situated at C.I.T. Road, Scheme-VII M (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 3-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

448.55 sq. meter land with one storeyed building at P-201, C.J.T. Road, Scheme-VII-M, P. S. Manicktola, Calcutta. More particularly described in deed No. I 9610 of S.R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) Shri Pran Gopal Boral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Poddar Manoj Private Limited.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref.. No, AC-129/R-11/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 16 situated at Belvedre Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the office of Registering Office
at S.R.A., Calcutta on 22-7-1985

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr in respect of any income arising from the transfer and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

All that the undivided 1/3rd share of land & building sheds containing an area of 1 Bigha 17 Cottahs 3 Chittaks & 22 sft. at 16, Belvedre Road, Calcutta, More particularly described in Deed No. I 10657 of S.R.A. Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

183-36G1/86

Date: 14-3-1986

(1) Sh. D. R. K. Karnani.

(Transferor)

(2) M/s. Habitat.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-130/R-11/Cal/85-86.--Whereas, J, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 113/112, situated at D.H. Road, Behala, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office t Competent Authority on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period experse later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

About 3 Bighas 7 Cottahs land with structure at 113/112, D. H. Road, Behala, Calcutta, Registered before Competent Authority on 4-7-1985 vide Sl. No. 26 of 1985-86,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcuta-16

Date: 14-3-1986

T- ---

(1) Shri Ajoy Kr. Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Narayan Das Bajaj.2. Smt. Narboda Devi Bajaj.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-131/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing
No. Plot No. 29 situated at Block-AB. Salt Lake City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 31-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for market transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(6) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

5.2652 cottahs land with one storied building at Plot No. 29, Block-AB, Salt Lake City, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 11219 of S.R.A. Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-132/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19B situated at Alignor Panel Calcutto-27 No. 19B, situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 26-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metroment of transfer with the chieft of

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shubham Properties of 23-A, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Shri Prasanta Kr. Dutta of 11/1B, New Road, Calcutta-27.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided proportionate share of land measuring area 1 Bigha 6 kottahs 2 chittacks and 28.5 sft. at 19B, Alipore Road, Calcutta-27. Registered before Competent Authority on 26-7-1985 vide Sl. No. 51 of 85-86,

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcattal6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons, namely :—

Date: 14-3-1986

(1) Sh. Santimoy Roy Chowdhury,

(Transferor)

(2) Sh. Hari Ram Agarwal, representing his minor son Master Vinod Agarwal

(Transferee)

## NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-133/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80, situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Alipore, 24-Parganas on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

650 Sft, flat on the 2nd floor on western Block of the building at premises No. 80, Tollygunge Circular Road, P.S. New Alipore, Calcutta-53 and together with undivided 1/7th part or share of land measuring 3 cottahs 14 chittacks 10 sft. More particularly described in Deed No. I 6375 of S.R. Alipore, 24-Parganas of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assi-tant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seat:

(1) Sh. Santimony Roy Chowdhury.

(Transferor)

(2) Sh. Hari Ram Agarwal, representing his minor son Master Dinesh Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-134/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 80 situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Alipore, 24-Parganas on 24-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1450 sft, flat with contiguous asbestos covered space on the 3rd floor at 80, Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 together with undivided 1/7th part or share of land measuring 3 cottahs 14 chittacks 10 sft. More particularly described in Deed No. 6376 of S.R. Alipore, 24-Parganas of 1985.

> SHAIKH NAMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1986

- (1) Sh. Santimoy Roy Chowdhury,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Viiav Kr. Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calculta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-135/R-II/Cal/85-86,-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80 situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908). Alipore, 24-Parganas on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1200 sft. flat on the 2nd floor of Eastern Block of the building at 80, Tollygunge Circular Road, P.S. New Alipore, Calcutta-53 and together with undivided 1/7th part or share of land measuring 3 cottahs 14 chittacks 10 sft. More particularly described in Deed No. 6377 of S.R. Alipore of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1986

(1) Sh. Santimoy Roy Chowdhury.

(2) Rajendra Kr. Agarwal,

(Transfere)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-136/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80, situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore, 24-Parganas on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the 'property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following Persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1200 Sft. flat on the 1st floor of Eastern Block of the building at 80, Tollygunge Circular Road, P.S. New Alipore, Calcutta-53 together with 1/7th part of share of land measuring 3 cottahs 14 chittaks 10 chittaks 10 sft. More particularly described in Deed No. 6378 of S.R. Alipore, 24 Parganas of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta16.

Date : 14-3-1986

#### 17535

### FORM ITNS-

(1) Sh. Santimoy Roy Chowdhury .

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Chand Agarwal ...

(Transfere)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-137/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80 situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S. R. Alipore, 24-Parganas on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of another with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the Military of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
184—36GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

650 sft. flat on the 1st floor of Western Block of the building at 80, Tollygunge Circular Road, P.S. New Alipore, Calculta-53 and together with undivided 1/7th part or share of land measuring 3 Cottahs 14 Chittaks 10 sft. More particularly described in Deed No. 6381 of S.R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road Calcutta16.

Date: 14-3-1986

(1) Sh. Santimoy Roy Chowdhury

(Transferor)

(2) Sh. Mahes Agarwal.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-138/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80, situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, 24-Parganas on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cassideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nutice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

1200 sft, flat on the ground floor of the Eastern Block of the building at 80. Tollygunge Circular Road, P.S. New Alipore, Calcutta-53 and together with 17th part or share of land measuring 3 Cottahs 14 Chittaks 10 sft. More particularly described in Deed No. 6380 of S.R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-I6

Date: 14-3-1986

Seal

((1) Sh. Santimony Roy Chowdhury.

(Transferor)

(2) Smt. Savtiri Devi Agarwal.

(Transfere)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Rcf. No. AC-139/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, StlAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing
No. 80 situated at Tollygunge Circular Road, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, 24 Parganas, on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value on the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

650 sft. flat on the ground floor of Western Block of the building at 80, Tollygunge Circular Road, Calcutta-53, P.S. New Alipore and together with 1/7th part or share of land measuring 3 Cottahs 14 Chittaks and 10 sft. More particularly described in Deed No. 6379 of S.R. Alipore, 24-Parganas of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) Sh. Shamzuddin Khan.

(Transferor)

(2) Sh. Parmeswar Lal Sharma,

(Transfere)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Rcf. No. AC-140/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. F-7 situated at Shahi Astabal Lane, Calcutta-24
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Alipore, 24-Parganas on 30-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or rhith ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

.0225 decimals lan dwith two storied building at F-7, Shahi Astabal Lane, Garden Reach, Calcutta-24. More particularly described in Deed No. 6495 of S.R. Alipore, 24-Parganas of

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta16.

Date: 14-3-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I neceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Hanuman Das Mohta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Ashok Kr. Srivastava.
2. Shashi Bhushan Srivastava.
3. Naresh Kr. Srivastava.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 14th March 1986

Rei. No. AC-14/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

and bearing
No. situated at
Chakmira, P. S. Maheshtala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office
at Addl. Dist. S. R. Behala, 24-Parganas on 17-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the proprity as
afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chater.

#### THE SCHEDULE

10 cottahs 5 chittacks land at Chakmira, P. S. Maheshtala, Dist. 24 Parganas. More paricularly described in Deed No. I-990 of Addl. Dis. S. R. Behala, 24-Parganas of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwaii Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dat e: 14-3-1986

(1) Pran Gopal Boral.

(Transferor)

(2) Poddar Anubhav Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-142/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 16, situated at Belverde Road, Calcutta at S.R.A. Calcutta on 22-7-1985

at S.R.A. Calcula on 22-7-1903 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 289C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that the undivded 1/3rd share of land and building containing an area of 1 Bigha 17 cottahs a Chittaks & 22 sft. at 16, Belvedre Road, Calcutta. More particuarly described in Deed No. 1-10655 of S.R.A. Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent thority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II
>
> 54, Rafi Ahmed Kidwaii Road, Calcutta-16.

Date: 14-3-1986

(1) Pran Gopal Boral,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Poddar Prateck Private Limited,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA
54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-143/R-II/Cal/85-86.—Whoreas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the important actions and the important property with a recording

to as the 'said Act'), have reason to believe that the imunovable property, having a tair market value exceeding
Re. 1,00,000/- and bearing
No. 16 situated at Belvedre Road, Cal
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office
at S.R.A. Calcutta on 22-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration
to believe that the fair market value of the
property as
aforesaid exceeds the apparent consideration
and that the consideration for such apparent
as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /er
- (b) facilitating the concealment of any messas or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that the undivided 1/3rd share of land and building containing 1 Bigha 17 Cottahs 3 Chittaks and 22 oft, at 16, Belvedre Road, Calcutta More particularly described in Deed No. I-10656 of S.R.A. Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwaii Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dare. 14-3-1986

\_\_\_\_\_

#### FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 14th March 1986

Ref. No. AC-144/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. P-142 situated at G-Block, New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at SRA. Cal on 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Smt. Meena Subrahamaniam.

2. Mr. P. Subrahamaniam.

(Transferor)

(2) 1. Shri Lalit Kr. Saraff.

Master Rajeev Saraff.
 Master Manish Saraff.

4. Master Niraj Saraff.
5. M/s, Vinod Kr. Saraff & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2 storied building ground floor 1350 sft. & 1st floor 900 sft. together with 5 cottabs 9 chittacks and 24 sft. land situated at P-142, G-Block, New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in Deed No. I-10437 of R.A. Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwaii Road, Calcutta-16.

Dat e: 14-3-1986

Scal 3

#### FORM ITNS----

(1) P. A. Damyanti

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dhirajlal K. Bahua.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22764/85-86,— Whereas I, AKHILESH PRASAD,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, 1st Rd. Daftary Road, B-2, Bachani Nagar, C.H.S. Ltd. Daftary Rd. Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the schedul annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unde Secton 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acceed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 1st Road, Daftary Road, 2-B, Bachani Nagar, C.H.S. Ltd., Daftary Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22764/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH, PRASAD Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14 3-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pernons, namely: 185—36GI/86

(1) Miss Jane P. Ferreita & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. U. K. Builders.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22384/85-86.— Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot of land, C. S. No. 454, Village Valnai (Orlem), Malad, Bombay (and more fully described in the schedul annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Secten 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land, C. S. No. 454, Village Valnai (Orlem), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22384/85-86 dated 1-7-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Ingree-tax
Acquisition Range-III, arombay

Date: 12-3-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(1) Vecramani Co-op. Hsg. oc. Ltd.

(Transferor)

(2) Kishanlal J. Jain.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22360/85-86.— Whereas 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable ns the said Act ), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Veeramani Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Peston Sagar, opp. Shankar Cinema, Chembur, Bombay-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Cities of the Paristoring Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub?! cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ask, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, Veeramani CHSL., Peston Sagar, off. Shankar Cinema, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22360/85-86 dated 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-2-1986

#### PORM ITNS ...

(1) Vecramani Co-op, Hsg. Soc. Ltd.

(2) Mr. Bhupendra L. Lodaya.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## 1AX AC1, 1901 (49 OF 1901)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22253/85-86.—
Whereas I, AKHILESH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 19, 4th floor, Veeramani Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
Peston Sagar, Chembur, Bombay-89
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Secton 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the rair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolds-tax Act, 1957 (27 ed 1957); Flat No. 19, 4th floor, Veeramani CHSL., Peston Sagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22253/84-85 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

FORM ITNS----

(1) Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

(2) Commercial Mini Photos.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22923/85-86.— Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 206, 2nd fl. Hiranandani Indl. Estate Kanjur Marg.

Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Secton 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Gala No. 206, 2nd fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanlur Marg, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22423/85-86 dated 1-8-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ' aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-2-1986

Light was was the light of the control of the contr

#### FORM ITNS

(1) Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Harish Trading Co.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-111/37EE/22930/85-86.-Whereas 1, AKHILESH PRASAD, whereas I. ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 217, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bom-

bay-78

(and more fully described in the schedul annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: iál/«
- (%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Gala No. 217, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22930/85-86 dated 1-8-1985.

AKHILESH PASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely; ---

Date : 19-2-1986 Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### FORM ITNS-

(1) Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

(2) A. F. Choudhary Family Trust.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22929/85-86.— Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 144, Hiranaudani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bom-

bev-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair more related value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifturen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed biffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 144, Hiranandani Indl. Estate, Konjur Marg, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22929/85-86 dated 1-8-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the earl Act. I hereby initiate proceedings for the arquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19 2-1986

Scal

#### FORM ITNS---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No AR-I/37EE/7454/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1370, Bldg. No. 50, M.I.G. Adarsh Nagar, Worli, Bombay-400 025

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Rajinder Pal.

(Transferor)

(2) Mrs. Premlata Lodha,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whim the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1370 in building No. 50, M.I.G. Adarsh Nagar, Worli, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37EE/7008/85-86 on 25/7/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.—— (1) Suransingh Thakur.

(Transferor)

(2) Sudha Sadashiv Kamath.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7198/85-86.--Whereas I. NISAR AHMED,

Whereas I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 1st lloor, Himalaya Building, Sea Face Road, Worli, Bombay (and more fully described in the schedule approach hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other meets which have not which sught to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Himalaya Building, Sea Face Road, Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6762/85-86 on 5-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the followng persons, namely :--186—36GI86

Date .: 7-3-1986

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Vijaya S. Ahirekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lilavanti Bhupatlal Shab & Bhupatlel Nandial Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EF/7473/85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flut No. C-51, 5th floor, Bldg. No. C.Highway Apartment, Plot No. 2D '23, Road No. '29, Sion (East), Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Competent Authority at

Bombay on 26/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parquire namely ....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of, 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-51, 5th floor, Bldg. No. C Highway Apartment, Plot No. 2D/23, Road No. 29, Sion (East), Bombay-22,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7027/85-86 on 26/7/1985.

NISAR AHMED Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

Scal :

#### FORM ITNS ---

(1) Mrs. Mavis Sylvia Pinto.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veena Ratanial Dogra & Shri Ratanlal Durgadas Dogra,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7194/85-86.-Whereas I, NISAR AHMED. whereas I, NISAK AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, 3rd floor, Himachal House, 239, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act. in the Office of the Competent Authority at

nombay on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of triansfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the weatherax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, sholl have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, Himachal House, 239, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6758/85-86 on 4/7/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

#### FORM ITNS-

(1) Balanis K. K.

(Transferor)

(2) Samtan Vidya A.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7188/85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9, 3rd floor, Jot Co-op. Hsg. Soc., Jotiba Phule Road, Nagaon Dadar, Bombay-14 (and more fully described in the Schedule approach hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the nas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffiy the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Jot Co-operative Housing Society, Jotiba hule Road, Naigaon Dadar, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/7015/85-86 on 26-7-

> NISAR AHMED Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-3-1986

Scal

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Mohan Vasant Shiravadekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxmanrao Tuljaram Joijode,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SPONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37FE/7187/85-86. - Whereas, I.

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Acr), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/25, Suprabhat Apts., Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Dhyan Mandir Eoad. Dadar. Bombay 28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1008) in the office of the Registration Office of the Paritarian Office of the Office of the Paritarian Office of the Office 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. B/25, Suprabhat Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Dnyan Mandir Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6753/85-86 on 4-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 7-3-1986.

#### FORM I.T.N.S .--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7191/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, 2nd floor, Garage No. 3, Vishramalaya, Plot No. 152, Sion Road, Sion (East), Bombay-22

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-7-1985

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- 1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Shashikant M. Vora, Shri Kirit Shashikant Vora and Shri Ajay Shashikant Vora.

(Transferor)

(2) Virmati Meghii Sagar, Shri Naresh Meghii Sagar & Haresh Meghji Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ingthe Official Gazette or a period of 30 days from e survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Garage No. 3, Vishramalaya, Plot No. 152, Sion Road, Sion (East), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6756/85-86 on 4-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-3-1986.

#### FORM I.T.N.S.---

#### (1) Akbarkhan Munshi Gulmhd.

(Transferor)

(2) Aziza Abdul Razak Kaskar,

(Transferce)

(3) M s. Capselect (Registered firm). (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1-37EF 7189/85-86.—Whereas, J. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovto as the said Act), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
Unit No. 210, Kaliandas Ddyog Bhavan, Plot No. 1082, Near Century Bazar. Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning on given in that Chapter.

- , a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 210, Kaliandas, Udyog Bhavan, Plot No. 1082, Near Century Bazar, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6754/85-86

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-3-1986

Scal :

and the second control of the second control

#### FORM ITNS

(1) M/s. Century Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. Sushil Vasant Patkar & Smt. Sunita Vasant Patkar.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7181/85-86.---Whereas, 1, NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603, 6th floor, Bhavani Complex Bldg. 'B', (Under Construction), Bhawani Shankar Road, Dadar (W), Rombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Pay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days-from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Bhawani Complex Bldg. 'B', Bhawani Shankar Road, (Under Construction), Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6747/85-86 on 4-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Interne-ax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-3-1986.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7184/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

seing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pag. 100 000 / and having No.

Unit No. 201A, 2nd floor, Wadala Udyog Bhavan, 8, Naigaon Cross Road, Wadala, Bombay-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tem.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—
187—36GI/86

(1) Mrs. Pushpa Deshpande, Constituted Attorney of Shri Amarlal Nichaldas Dembla & Shri Dholandas Parumal.

(2) M/s. National Inks & Emulsion Company.
(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)
(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 201A, 2nd floor, Wadala Udyog Bhavan, 8, Naigaon Cross Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6750[85-86 on 4-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

#### FORM TINS --

(1) Pramod Balwant Dalvi.

(Transferor)

(2) Mahesh Hiralal Bhatia.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in wriing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7155|85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A/85, 8th floor, Highway Apartments, Eastern
Express Highway, Sion (E), Bombay-22,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed horeto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1985

Bombay on 3-7-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A/85, 8th floor, Highway Apartments, Eastern Express Highway, Sion (E), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6720/85-86 on 3-7-1985.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the end Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 7-3-1986

#### FORM ITNS ---

- (1) M/s. Magic Fingers.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Inderjit Gouri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferecs.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7150[85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Unit No. 135, 1st floor, Kallandas Udyog Bhavan, Near Centurty Bazar, Worli, Bombay-25.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 136, 1st floor, Kaliandas Udyog Bhavan, Near Century Bazar, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/6715|85-86 on 3-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Vasantlal Motilal Zota

(Transferor)

(2) M/s. Samkhla Family Trust.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE ENSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay-400 048, the 12th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

No. AR-I/37EE/7368|85-86.—Whereas I,

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1/C, 1st floor, Maker Apartments, 252, Walkeshwar

Road, Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-7-1985

Bangalore vide Registration No. 1530/85-86 dated 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 1/C, 1st floor, Maker Apartments, 252, Walkeshwar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE 6925 85-86 on 17-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-task Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 048, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE|7289|85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 7, Ground floor, Mohini Mansion, Colaba, Bom-

bay-5

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB in the Office ofg Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the portion has not been truly visted in the said instrument of transfer with the subject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability miletor to pay tax o
- (b) facilitating the concentment of any income or any manage or other exects which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Miss Muktaben C Chinov.

(Transferor)

(2) Shaikh Abdul Salam N Hanif:

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

ns, if any, to the acquisition of the said property ale in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. wver period expires later;
- (b) by any other person increases in the said immov-sable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 7, Gr. floor, Pushpa Bhavan CHSL, Telephone Exchange, Colaba, Bombay-5

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the storage property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, premely :-

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 048, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE[7119]85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 7, Gr. floor. Pushpa Bhavan CHSL, Near Telephone

Exchange, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr Marvyn Rose.

(2) Mrs Sushila R Jagiani.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferce. (Person in occupation of the property)
(4) Transferee & Gul R Jagtiani.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein \*\*\* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Gr. floor, Pushpa Bhavan CHSL, Near Telephone Exchange, Colaba, Bombay-5

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6684|85-86 on 1-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

PART III—SEC. 1)

FORM TINS-

(1) Poonam Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Harinath Kedarnath Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

raper to the end of the companies and the presentation and the end of the contract of the cont

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 048, the 12th March 1986

Rcf. No. AF NISAR AHMED, AR-1/37EE/7437|85-86.---Whereas

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd floor of A-2 building of Poonam Park, Plot No. 6, Lalbaug Indl. Estate, Lalbaug, Bombay-400 012. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985 Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sai exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mesome arising from the transfero

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor of A-2 building of Poonam Park, Plot No. 6, Lalbaug Indl. Estate, Lalbaug, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6991|85-86 on 25-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 10-3-1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7435/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 302, 3rd floor, Building No. 6, Laubaug Industrial

Estate, Laulbaug, Bombay-12.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Poonam Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Kamaladevi Bhabutmal Jain.

(Transferee)

(3) M/s. Poonam Builders Pyt. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Building No. A-2, Poonam Park, Plot No. 6, C.S. No. 7/50 Laubaug Industrial Estate, Laubaug, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.I/37EE/6998/85-86 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
> - Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS---

(1) M/s. Poonam Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Meghji Sangai.

(Transferee)

(3) M/s. Poonam Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMME

#### SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7436/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 502, 5th floor, Building No. A-3, Poonam Park, No. 6, Julyang industrial Fatate Lalbaug Rombay-12

6, Lalbaug industrial Fstate, Lalbaug, Bombay-12. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hostrament of transfer with the object of t---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) l'acilitating the consenhment of any inceitie er any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lastic of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—
188—36GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Building No. A-3, Poonam Park, Plot No. 6, C.S. No. 7/50 Lalbaug Industrial Estate, Lalbaug, Bombay-400012.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6990/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-3-1986

ALBERT TERMINAL

FORM ITNS--

(1) Shri Jayantilal Khetshibhai Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navinchandra Dharamchand Shah. Smt. Urmilaben Navinchandra Shah.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/7321, 85-86.—Whoreas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Room No. 541. Bombay Market Apartments Co-op. Society Ltd., Tardeo Road, Bombay-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 541, Bombay Market Apartments Co-op. Society Ltd., Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6878/85-86 on 12-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Nangg-J,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesary property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7113/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 47, 4th floor, Mantri Corner Co-operative Housing Society 1td., Junction of Sayani Road and Gokhale Road,

Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajdevi Singh.

(Transferor)

(2) Shri Ramannayya Muttayya Gajule.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce and his family members,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 47, 4th floor, Mantri Corner Co-operative Housing Society Ltd., Junction of Sayani Road and Gokhale Road, Rombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6678/85-86 on 1-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESSANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 150, 1st floor, Buiding No. 4, The Worli Ambedkar Nagar CHSL, 3/52, Ambedkar Nagar, Worli, Bombay-

400018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puttor Koraga Kamath.

(Transferor)

(2) Smt. Harakhvanti Ganji Gangar & Shri Gangji V. Gangar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshie property, within 45 days from the date of the mublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as sires;
that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 150, 1st fl. Building No. 4, The Worli Ambedkra Nagar CHSL, 3/52, Ambedkar Nagar, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6719/85-86 on 3-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income ax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1986

\_\_\_\_\_

#### FORM I'INS ....

(1) Mr. Nicholas D'Souza.

(Transferor)

NUTICA UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Rajani Dsai.

(3) Transferee.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 10th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7288/85-86.—Whereas, f, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (herematter reterred to as the haid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 18, 3rd floor, Peter Marcel Apartments, Prabhadevi,

Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-7-1985

tor an apparent consideration which is then the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period can 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of say income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Peter Marcel Apartments, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6845/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-3-1986

Scal:

#### FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I, 37EE/7336/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 235, Building No. 15, Adarsh Nagar, CHSL,

Prabhadevi, Bombay25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark it value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Chandulal L. Gosrani.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Gyan Sharma & Mr. Gyan B. Sharma.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this nones in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 235, Building No. 15, Adatsh Nagar, CHSL, Prabhadevi, Bombay25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. A-1/37EE/6894/85-86 on 15-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-ax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS

entropisti, pr<del>esentati</del> risperientati, is elementati, propietti si orientati oli kulturenta elementati entropis

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Seraswat G. Mansukhani.

(Transferor)

(2) Shri Hiro M. Kirpa'ani,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37FF/7223/85-86.—Whereas, I.

NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E/10-B, Sungam Co-op, Housing Society, Colaba, Bombay-5. being the Competent Authority under Section 269B of the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to policye that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(w) facilitating the reddened or avenue of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

Flat No. E/10-B, Sungam Co-op. Housing Society. Colaba, Bombay-5.

The agreement has been negistered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37FE '6787/85-86 on 8-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Worldberm Act, 1937 (27 of 1937);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate moreodings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons,

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Tarachard L. Chheda & Smt. Premlataben L. Ch'ieda.

(2) Shri Ashok S. Shah.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

AR-1/37EE/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable

as the said Act ) have reason to believe that the infinitivable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, A Wing, Building B, Bhangari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule angened hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said expects the apporent consideration therefor by more than fifteen percent o ssuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Building B, A Wing, Bhagnari CHSL, Sion-Duncan Causeway Road, near Chunabhatti Railway Station West, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6768/85-86 on 5-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1986

Scal :

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EF/7195/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10, Narain Nvas CHSL, Plot No. 167-A, Sion West, Bombay-22.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on -7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ashadevi C. Chug Shroff.

(Transferor)

(2) Shri Amarnath Fakirchand Harjai,

('Fransferee)

(3) Transferee and his family.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Narain Nias CHSL, Plot No. 167-A, Sion West, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6759/85-86 on

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate represedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—
189—36GI/86

Date: 12-3-1986

#### **PORM ITNS**

(1) Shri Ramaswamy Krishnan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shashikant C. Vyas & Smt. Jyoti S. Vyns.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7367/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-iax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, 1st floor, Building F, Sheetal, Narayan Nagar,

Sign-Trombay Road, Bombay-400022.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 17-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Building F, Sheetal, Narayan Nagar, Sion-Trombay Road, Bombay-400022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6924/85-86 on 17-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

FORM ITNS-

(1) Shri P. V. Sarma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri P. G. Masand & Sm. Jaya P. Masand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

... Ref. No. AR-I/37EE/7423/85-86.—Whereas. 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 41, Sunita, New Sunita CHSL, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, Sunita, New Sunita CHSL, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6977/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS

(1) Mr. B. M. Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF, 1961)

(2) Mr. Chandramohan Shankar Naik.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7213/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Tenement No. 783, Building No. 35, Adarsh Nagar, Prabha-

devi, Bombay-25.

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Tenement No. 783, Building No. 35, Adarsh Nagar, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6777/85-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail pronerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-3-1986

### FORM ITNS

(1) Mr. Ajitkumar Pyaremohan Sadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Damayanti Champaklal Kothari,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-1/37EE/7408/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 504, Prabhadevi Shilpa CHSL, Bombay-28.

Flat No. 504, Prabhadevi Shilpa CHSL, Bombay-28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any horame arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 504, Prabhadevi Shilpa Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bombay-400028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6963/85-86 on 22-71985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

(Person in occupation of the property)

#### FORM ITNS-

(1) G. N. Krishnan.

(Transferor)

(2) S. Ganesan.

(3) Transferec.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Communication of the second se

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-J/371E/7269/85-86.—Whereas. I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 12, Plot No. 253, Chiman Nivas, Sion East, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infacen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 12, Chiman Niwas, Plot No. 23, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6831/85-86 on 10-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1986

Scal:

FORM ITNS -

(1) Shri Ratan Lal Gogra,

(Transferor)

(2) Smt. Ganga Narayan Shettigar & Shri Narayan Babu Shettigar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37712/7245/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 24, 3rd floor, Himachal Home, 239, Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-400025.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 3rd floor, Himachal Home, 239, Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-400025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6808/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

#### FORM I.T.N.S .--

(1) Mr. Yusuf Abbashhay Attarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Asfak Ismail.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Sterling Enterprises.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF DISCOMETAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7443/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1001, 10th floor, Abdulhuscin Potia Apartment,

292, Belasis Road, Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforced property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free? the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1001, 10th floor, Abdulhusen Potia Apartment, 292. Belasis Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EF/6997/85-86 on 25-7-1985.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Reage-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisites of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shah Mukesh Bansilal.

(Transferor)

(2) Mr. Avantilal Kantilal Doshi,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400 038

Bombay-400038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7411/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 3rd floor, Doongarsi X Lane, Walkeshwar, Bombay 6.

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzente-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor, Doongarsi X Lane, Walkeshwar,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No AR-I/37EE/6966/88-86 on 23-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 190—36GI/86

Date: 12-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Rajprakash Satyavrat Kamdar and Kirtikumar Satyavrat Kamdar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shantilal Jagshi.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5266/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter immovable to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 295A of Dadar Matunga Estate, Bearing
C.S. No. 231/10 of Matunga Divn. with building thereon known as Saumitra Bomboy.

known as Saumitra, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitee- per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of counter with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom-671/80 and Registered on 22-7-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 7-3-1986

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TARK ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5253/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. All that piece or land, Plot No. 48, Dadar Matunga (North) Estate, North-East Plot No. 19, Plot No. 49, 50, 47, New Survey No. 814 and C.S. No. 439/10, Matunga Division, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

 Smt. Savitaben Dhaneshwar Vyas, Shri Girish Jatashankar Trivedi, Kishor Jatashanker Trivedi, Shri Bipin Jatashanker Trivedi, Smt. Kumud Pravinchandra Dave.

(Transferor)

- 1. Shri Pagji Jadavji Thakker (Soneta) and
   2. Smt. Kasturben Pragji Thakker (Soneta).
   (Transferee)
- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom. 2306/78 and Registered on 15-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

Sear

(1) Mrs. Jayalakshmi Jivanlal Gandhi.

(Transferor)

(2) Ajit Gopaldas Thakkar and Kalpana Ajit Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5269/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground together building standing thereon, Plot No. 210A, Dadar Matunga Estate, and Plot No. 210B, New Survey No. 2/872 and C.S. No. 189/10, Matunga Division, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferenid persons within a period of 45 days from the date of subflection of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom-785/83 and Registered on 23-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5263/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land with building known as Sambhav, bearing Plot No. 41 of the sewri Wadala bearing Cadastral Survey No. 599 of Matunga Division, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jyoti Dhankumar Vora and Smt. Madhuben Sanatkumar Kothari.

(2) Shri Bipin Jiyandas Sampat.

(Transferor)

(3) Tenants.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

**Objections**, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 337/79 and Registered on 25-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Baimai Rustom Irani.

(Transferor)

(2) Shri Manilul Palan Maru and Shri Vishanji Palan Maru.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5272/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. All that piece or parcel of Government Toka Land, New Survey No. 1E/2563, Cadastrat Survey No. 106 and part of 1/105 of Parel Sewri Division, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. B730/84 and Registered on 22-7-4985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5265/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of government Toka Tenure land bearing Cadastral S. No. 1/2475; 428, 429 and 427, Parel Tank Road, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. R. Desai, R. R. Desai, L. K. Vijayakar, S. V. Vaidya, P. R. Kothare, Smt. V. J. Desai, A. J. Desai, C. J. Desai, Smt. V. J. Kothare, C. K. Rane, M. K. Rane, S.K. Rane and N. K. Rane.

(Transferor)

(2) Umasons X-Tsy Rwuipments Private Limited, Silver Light Nirlepware Industries Pvt. Ltd. and 3. M/s. Aryan Traders.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom-2567/79 and Registered on 30-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

#### FORM ITNS-

(1) Bdibai Nanabai Parvalkar.

(Transferor)

(2) Sudhakar S. Funde.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5268/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 178, Sion Road (West), New Survey No. 752, 753 and Cadastral Survey No. 178/6, Sion Division, Plot No. 178, Sion Matunga Estate, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-7-1985,

Bombay on 22-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are greated to het them the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom-3383/82 and Registered on 22-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMPD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 200C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under anssection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/537-G/5267/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

no. Shiyaha kai Bhuwan, Near Prabhadevi, Khedgully, Kaka Shaheb Marg, T.P.S. 4 of Mahim Division. Plot No. 1020, C.S. No. 1298 of Lower Parel Div.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of igansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-191-36 GI/86

(1) Smt. Riturae Wd/o Ramkrishan Singh, Shri Shivshankar Singh S/o Ramkishan Singh, Shri Suryanath Singh S/o Ramkishan Singh, Sulabdevi D/o Ramkishan Singh and Saroj Devi D/o Ramkishan Singh,

(Transferor)

(2) 1. Ramjivan S. Tiwari, 2. Ramnath S. Tiwari, and

3. Rameshwar S. Tiwari,

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom-2209/80 and Registered on 22-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. Rahul S. Sharma & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anand Prakash Verma.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE ENSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22141/85-86,--Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the kamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 33, Bldg. No. 23, Ashis Co. Hsg Soc Ltd. Andheri (W), Bombay-58 Andheri (W), Bombay-58 (u.ad more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely: ....

Objections, if any, to the assentiation of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bldg, No. 23, Flat No. 33, Ashish Co.op. Hesg. Soc. Ltd. Guru Nagar, 4-Bungalows, Andheri (E), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22141|85-86, on 1-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-3-1986

(1) Shri Rajinder Singh Vijay.

may be made is writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Qureshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22270[85-86.—Whereas, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act,), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. G-67-A, Manik Moti, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Advanced in the Parallel of the Competent and the said Act in the office of the Competent Advanced in the Parallel of the Competent Advanced in the Parallel of the Competent and the said Act in the office of the competent and the said Act in the office of the competent and the said Act in the office of the competent and the said Act in the office of the competent and the said Act in the office of the competent and the said Act in the office of the competent and the said Act in the of tent Authority at Bombny on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G-67-A, Manik Moti Apartment, Sarla CHSL, Plot No. 29-A, Yari Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22270/85-86 on 4-7-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-3-1986

### FORM ITNS----

(1) Mrs. S. G. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bolar Vasanthi Rao & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22287|85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat 46-B, Avinash, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immov-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 46-B, Avinash, 7 bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22287|85-86 on 4-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

(1) Smt. Maleik Shaukat Ali Dingankar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhavi Anandkumar Gwalani.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22297/85-86.—Whereus, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6. Sea Green Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used because as defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 506, Sea Green, 7 Bungalows, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22297/85-86, on 4-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

(1) Mr. N. M. Tejwani. (2) Mr. Lal T. Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22298/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-25/101, Girnar, Apna Bhar, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightly of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of sity income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) if any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. A-25/101, Girnar, Apna Ghar, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22298/85-86 on 4-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition-Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal:

Send:

(1) H. P. Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajan Narcela.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22393/85-86 -- Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing Shop No. 4, Sea Crest Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri, Bombay-61

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid nersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and to expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Sea Crest Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 7 bungalaws, J.P. Road, Andheri, Bombay-61,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22393/85-86 on 5-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1986

(1) M/s. Anart Foods Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Mr. Krishan Kumar Tayal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No.  $\Lambda R-II/37EF/22435/85-86$ .—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 4, ground floor, Gautam Darshan, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985 (or an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent commitmation and that the consideration for such transfer as agreed to between the curice has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the respect of any income existing from and for

(b) facilitating the concealment of any momeon or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. ichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as go on or that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, ground floor. Gautam Darshan, 7 Bngalows, Versova Road, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37FE/22435/85-86 on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, ammery :-

Date: 11-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mrs. Nafeesa A. Ahmed.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) M/s. Anis Khan.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IJ **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1986

'Ref. No. AR-II/37EE/22471/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 128/E, Madhuben, Indian Oil Nagar,
Andheri (W), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by shore than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to -between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers ind /or
- (b) Sacilitating the contrainment of any income or 205 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

yow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

192-36 Gl/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 128/E, Madhuban, Near Indian Oil Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22471/85-86 on 8-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-3-1986

(1) Mr. Gopal M. Narang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Begum Naseeran Mohomed Khan Maharukh G. Khan.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# .\_\_\_\_,

BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

ACQUISITION RANGE-II

Ref. No. AR-II/37EE/22480/85 86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-24, Ganga Bhaven, Andheri (West) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actional have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B-24, 2nd floor of Ganga Bhavan, Plot bearing CTS No. 1053-1052/1-22 Jayaprakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II/37EE/22480|85-86 on 8-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  $\Lambda$ ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said  $\Lambda$ ct, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

(1) Mrs. Sitabai M. Dusiia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Prabhakar Sayaji & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22494/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1304, Kanchan Gunga Co.op Hsg. Soc. Ltd. Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

# THE SCHEDULE

Plot No. 9 & 10, Flat No. 1304, Kanchan Ganga CHSL, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

Competent agreement has been registered by the Bombay under No. AR-II/37EE/22494 85-86 Authority, on 11-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-3-1986

(1) Mr. M. H. Mitta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamed Yusuf A. Dholkia & Ors. . (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22495|85-86,--Whereas, I. PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 115/116, Bldg. No. 12, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay en 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 115/116, 1st floor, Bldg. No. 12, J.P Road, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II/37EE/22495/85-86 Authority, B on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaittem of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

(1) Sunit Construction Co.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sheila R. D'Souza.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22535, 85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 1st floor, Ratnadeep, 27 Cesser Road, Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or kny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Ratandeep, 27 Cesser Road, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22635/85-86 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bomley

Date: 11-3-1986

Scal:

(1) Mr. Jairus Banaji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mr. Kantilal Jayantilal Vora & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22565/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 33-A, 6th floor,  $\Lambda$  bldg., Sun-n-Sea, Andheri W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers عملامهة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 33-A, 6th floor, A Bldg., Sun-n-Sea, Plot No. 25, Jai Prakash Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22565|85-86 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1986

(1) Shri N. K. Gulati.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veena C. Rao.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22593/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, Sagar Kenya Bldg., Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys' or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Sagar Kanya Bldg., Sagar Kanys CHS., 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombav under No. AR-II/37EE/22593/85-86 Authority, B on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-3-1986

## FORM TINS-

(1) Mr. Darius Engineer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Virmati Kanchanlal & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-II/37E../22601/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/6, Shabnam Bld., Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flag No. B/6, Shalenam Bldg., 1st floor, 18, off Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-58.

agreement has been registered by the Competent, Authority, Bombay under No. AR-II/37FE/22601/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-3-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesais supporty by the issue of this notice under subsection and Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. C. M. Jain Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gayatri Das & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22610/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. B-21, Sai Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; **ee4/**07
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-21, Sai Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., S. No. 136, CS No. 1316, Versova Road, Seven bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22610|85-86 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 193-36 GI/86

Dated: 10-3-86

(1) Mr. R. S. Sodhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. Viswanathan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMIN SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR,II/37EE/22611/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-

perty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. F-19, 4th floor, Evershine No. II Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the jink of the transferor to pay tax under the sold Act, in at of only incom arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mentoys or other senses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 **d** 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from a service of motice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seid Act, shall have the same meaning as nives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. F-19, 4th floor, Evershine No. II Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 142/2 A & B Jai Prakash Road, Andheri (E), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22611/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Senton 269C of the ruld Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 11-3-86

FORM I.T.N.S.---

(1) Praful Narayan Rangaishenvi

(Transferor)

(2) Arunkumar W. Savji

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22631/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'wild Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 11, Albela Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to cotween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Albela Co-op. Hsg. Society Ltd., Junu Lane, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22631/85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquibition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-3-86

(1) Shri Jayanta Kumar Nanda,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22802/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 37, Bidg. No. 34, B wing, Andheri Guru Chhaya CHSL, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Competent Authority at

Bombay on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt, S. S. Rov.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 37, 3rd floor, B wing, Andheri Guru Chhaya CHSL, Manish Nagar, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22802|85-86, on 18-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-3-86

(1) Mr. Vishnu P. Kamath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vidyalaxmi P. Kini.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22895/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-10, Sahyadri Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W),

Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trae and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the afore-aid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B-10, Sahyadri Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Lallubhai Park, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22895/85-86, on 18-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiats proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Dated: 11-3-86

FORM I.T.N.S.—

(1) K. Mahadevan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anwar Mohmed Hussain Merchant.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22945/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, Bldg. No. 24, Ashish Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-7-85

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on he respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 22, Bldg. No. 24, Ashish Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 3rd floor, Four Bungalows, Gurunagar, Andheri (W), Bombay-58.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range-II, Bombay

ricw, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 11-3-86

#### FORM ITNS---

(1) Mrs. Amrit Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. D. N. Sawal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.II 37EE/22697/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as tae 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, Shangrila Apartment 2, 7 Bungalows, Andheri

(W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement it registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarmfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 602, Shangrila Apt.-2, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22967/85-86, on 22-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-Il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-3-86

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Dina Dosabhay Randeria & Ors.

(Transferor)

(2) M/s, Agencies Around,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/22967/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4, Paschim, Puram Paschim Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Paschim Purab Paschim Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Gilbert Hill Road, Near Bhavani College, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23006/85-86, on 22-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 11-3-86.

(1) Mrs. Lakshmi K. Amma & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Jiwatram R. Kalwani & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23023/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. A-12, Our Home Coop, Hsg. Soc. Ltd., Andheri, bay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bembay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-12, Our Home CHSL, Sahakar nagar, J. P. Road, Andheri, Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23023/85-86, on 25-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 194-36 GI/86

Dated: 11-3-86,

Scal:

### FORM ITNS-

(1) Shri Abdul Karim Rajmohomed Patel.

(Transferor)

(2) Shri Abbas Dostmohomed Markania.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23025/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Bldg. No. C-4, Gulshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule appared herein)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any menoys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax set, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ar success that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Bldg. No. C-4, Gulshan Coop. Hsg. Soc. Ltd.. Andheri (W), Bombay-61. Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23025, 85-86, on The agreement has been registered by the Competent 25-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 11-3-86.

Scal :

(1) Mr Sajid Jafar Khan.

(Transferor)

(2) Mrs. Sayeeda Rehman.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.11/37EE/23032/85-86.--Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinacter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fint No. 108, Bldg. No. 1 Zakaria Aghadi Nagar No. 1 Coop. risg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-61 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under vertice. [60] A part has Suid Act for the coffee. section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

### THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st floor, Bldg. No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Coop. Hsg. Soc. Ltd., Gulmohar Gardens, Yari Rd., Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23032/85-86, on 18.7 1085.

18-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:-

Dated: 11-3-86.

FORM ITNS----

(1) Smt. Kanta Vidyasagar Jangwal.

(Transferor)

(2) Mr. Sajjid Jafar Khan.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A@T, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23033/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 214, Bldg. No. 2, Flat No. 108, Bulg. No. 1, Zukaria Aghadi Nagar, 1 CHSL, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that .320 consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nunsfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andjer

Flat No. 214, Bldg. No. 2, Flat No. 108, Bldg. No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Coop. Hsg. Soc. Ltd., Gulmohar Gardens, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23033/85-86, on 25-7-1985

25-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or \$27 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Insumetax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-3-86.

Scal:

(1) Mr. Sircen R. Nanavati & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Basu Chatterii.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23080/85-86,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. G-!, ground floor, Versova Oceanic Coop. Hsg Soc. Ltd., oif. Seven Bungalow, Versova, Andheri, Bombay 61 and proper fully described in the Schedule approved berefat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G-1, ground floor, Versova Oceanic Coop. Hsg. Soc. Ltd. off. Seven bunglow, Versova, Andheri Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23080/85-86, on 26-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated : 11-3-1986

### FORM ITNS.

(1) Mrs. Dolly Maneck Dastoor.

(Transferor)

(2) Mr. Sohrab Rustomji Sarkari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23134/85-86.-Whereas, J,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act ), have feason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/24, Shalimar Apt. Coop. Hsg. Soc. Ltd., 211-A, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 26°AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettc.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. B/24, Shalimar Apartment CHSL, 211-A, S. V.

Rond, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23134/85-86, on 25-7-1986.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, - Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-3-1986

FORM ITNS----

(1) Mr. B. D. Patel.

(Transferor)

17621

NOTICE UNDER SECTION 269L(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Batuk Ratanshi Maniar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23140[85-86.—Whereas, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Rahul Apartment, Andheri (W), Rambay S.

Bombay-58

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bldg. Rahul Apartment, Opp. Amber-Oscar Cinema, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23140/85-86, on 25-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 11-3-1986

Scal:

#### (1) Smt. Ishwari R. Kanuga.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Ashok K. Srivastava & Ors.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23156/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rev. 100 000 - and begging No.

Rs. 1.00,000, - and bearing No. Flat No. 4, 3rd floor, Zakaria Agadi Nagar No. 1, Andheri

(W), Bombay-61

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Compatent Authority at

Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration.

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd floor, Zakaria Agadi Nagar No. 1, Bldg. No. 3, Coop. Hsg. Soc. Ltd., Gulmohar Gardens, Yari Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23156/85-86, on 25-7-1985.

\*\* facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax are 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersions, namely:—

Dated: 11-3-86

(1) Ramesh Kantilal Shah.

(3) Transferee.

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

(2) Shri Sarabhai Manilal Shah (HUF).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23198/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, 2nd floor, Andheri Darshan Cooperative Housing Society Ltd., Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 29-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm.ov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shape have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8. 2nd floor, Andheri Mahavir Darshan Cooperative Housing Society Ltd. Plot No. 5, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37FE/23198/85-86, on 29-7-1985

> PRASANTA RAY Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-85

Seal:

195-36 GI/86

(1) Shri Sitaldas C. Gianchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramod H. Shah & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Rcf. No. AR.11/37EE/23212/85-86.—Wherens, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 504, Rukmani Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 504, Rukmani Co-op. Soc. Ltd., 21, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/23212/85-86, on 26-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 11-3-86

Seal;

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Ishwaribai Satyawan Tilwani.

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti Rajender Wij.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.11/37EE/23230/85-86.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-404, Ben Hur Co-op. Housing Society Ltd., Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement s registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-404, in Ben-Hur Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 15/8, of S. No. 41, 4 Bungalow, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23230/85-86 on 29-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

(1) Mr. S. M. Misra,

(Transferor)

(2) Mrs. A. P. Iyer & Ors.

(Transferee)

# NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/23234/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, 1st Floor, Bldg. No. 17, Manish Nagar, Andheri Whath Rombay, 58

(West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement s registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in resect of any income arising from the transfer

# and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floor, Bldg. No. 17, Manish Nagar, 4 Bun-

galows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombayl under No. AR 11/37EE/23234/85-86 on 29-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-cetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

Scal:

(1) Mrs. Shama V. Uchil.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhash B. Palande.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE PICOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22149/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. D/6, 1st floor, Yojana Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jogeshwari (East), Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent

Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. D/6, 1st floor, Yojana Co-op. Hsg Soc. 1 Ntawar Nagar Road No. 5, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22149/85-86 on 1-7-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under susception of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Smt. Shakuntala Raghunath Joshi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Karhiwale.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22216/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 1, ground floor, Hardevibai Co-op, Hsg. Soc. Ltd.,

Jogeshwari (East), Bombay-60.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Plot No. 26, CTS No. 130, Hardevibai Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ashoka Road, off. Caves Road, Jogeshwari (East), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22216/85-86 on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesma property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

FORM ITNS----

(1) M/s Neelam Industries.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal B. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPITAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. ARJI/37EE/22295/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 16, Desh Udyog Mandir Premises CHSL, Jogeshwari (East), Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement to registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 16, Desh Udyog Mandir Premises CHSL, Plot No. 5, Caves Road, Jogeshwari (East), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EI2/22295/85-86 on 4-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Mr. Ansari M. Laiquddin.

\_\_\_\_

(2) Mrs. Violet S. D'Souza.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 (4) 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22325/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasantia Ray, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/501, Lila Apartments, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent

Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent

at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. A/501, Lila Apartments, opp. Gumoher Garden Yalı Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22325.85-86, on 4-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

#### PORM ITNO

(1) Shri Ashok Kumar K. Kathar,

(Transferor)

(2) Aboobakar Usman Malkani,

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONAR OF INCOMMITAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.III/37FE/22408/85-86.—Whereas, I,

Rcf. No. AR.III/5/FE/22406/03-00.—Whereas, 2, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5, ground floor, Mecca House, Jogeshwari (West), Rombay-60

Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transefrred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

et Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of transfer with the chief of transfer. of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Plot No. 1, Mecca House, Karimi Part, Oshiwara, Garden Road, Jogeshwari (West), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22408/85-86 on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

196-36 GI/86

7-te: 11-3 MUA

(1) Shri Ramesh Assandas Rawtani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Daksha Prakash Desai & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22452/85-86,--Wherears, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 101, Vishwa Shanti Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Andheri

(West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transeferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period . (pires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fat No. 101, Vishwa Shanti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 65-66 Seven Bungalow Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22452/85-86 on 8-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

me persons, namely :-

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

Date: 11-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s Prem Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Moon Industries

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22663/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00.000/- and bearing
Unit No. 17, ground floor, Prem Son's Indl. Estate, Caves
Road, Jogeshwari (East), Bombay-60
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transcribed and the agreement is registered under
Section 260 R of the Said Act in the office of the Competent Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Unit No. 17, ground floor, Prem Sons Indl. Estate, Caves Road, Jogeshwari (East), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/22663/85-86 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-3-1986

(1) M/s Prem Builders.

(Transferor)

(2) M/s Dawn Fnterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22664/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00.000 - and bearing
Unit No. 16, ground floor, Prem Son's Indl. Estate, Caves
Road, Jogeshwari (Eust), Bombay-60.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transefrred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

ai Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair main a sales of one alorentic property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any impome arising from the transfer; uni/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 16, on Ground floor in Prem. Son's Industrial i state, Caves Road, Jogeshwari (East), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22664/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Rombay

Date: 10-3-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I be eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---Date! 7-3-1986.

(1) Vijay Jagannath Acharya.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22932/85-86,--Whereas, 1, PRASANTA RAY,

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Hat No. 402, B Sector, Bldg, No. 18, Vaishali Nagar, Jogeshwari (West), Bombay-102

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transeferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to be very larger than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Aftab Contracting & Trdg. Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 402, B Sector, Bldg. No. 18, Vaishali Nagar, behind Ram-Shyam, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22932/85-86 on 19-7-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

#### FORM ITN

- (1) Shri Abdul Razak Gulam Rasul Dauwa.
  - (Transferor)
- (2) Shri Suleman Miyaji Chaudhary,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AR.11/37EE/22943/85-86. -Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under flection 269B of the Incompetent Authority Under Rection 2095 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-4/9, 2nd floor, Gulshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Lorenburger (West), Rombour 58

Jogeshwari (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transefrred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Flat No. C-4/9, 2nd floor, Gulshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22943/85-86 on 19-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Rakesh Mittal & Shri Brijmohan Mittal

(2) Shri Raman K. Jain

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22157/85-86.--Whereas, J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2, 'Sweet Home' J.V.P.D. Scheme, Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under costion. section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985
for an apparent commideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesam property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cont of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, 'Sweet Home', New Brindavan Co.-op. Housing Society 1 td., Plot No. 5, J.V.P.D. Scheme, Bombay-43.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EF/22157/85-86, on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afersaid property by the lause of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, pamely:—

Dated: 14-3-1986

FORM ITNS----

gage de la companya d

(1) M/s, Prem Builders.

- -----------

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maniben Laxmichand Shah Family Trust. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR. 1J/37EE/23062/85-86,-Whereas, I,

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chaptra

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 17, ground floor, Premson's Indl. Estate. Caves

Road, Jogeshwari (E), Bombay-60

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Compatet & Authority at Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that ne consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Unit No. 17, ground floor, Premson's Indl. Estate, Plot No. 65/67, CTS No. 81, Caves Road, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37FE/23062'85-86, on 25-7-1985

> PRASANTA RAY Inspecting Assistar Commissioner of Income-tax cer sition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afermaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-3-1986

(1) Mrs. Gulshan Gulamalin Morani

(Transferor)

(2) Mr. Durlabhji Gordhan Malaviya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22305/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Flat No. 7/A, 'Divyasmeet' Juhu, Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the true

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7/A, 'Divyasmest' Plot No. 2, East/West Road No. 2, Juhu, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22305/85-86 on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal:

Dated: 14-3-1986

197-36 GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22431/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the "aid Act"), have rebson to believe that the inamovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 506, F. P. No. 32, TPS V Santacruz (E), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here bear transferred and the agreement is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Jay Development Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Vadilal Shah & Mr. Naina Vijay Shah

(Transferce)

(3) S. M. Malubhoy

The second of th

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aftermid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Orzette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 506, Final Plot No. 32, TPS. V, C.S. No. 108 to 108(12) at Santacruz (East), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22431/85-86, on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 13-3-86

(1) M/s. Jay Development Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Durgadevi Jhunjhunwala w/o Madanlal Jhunjhunwala

(3) S. M. Malubhoy

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22442/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing

roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, C.P.S. V, Santacruz (East), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Final Plot No. 32, TPS V, CS Nos. 108 to 108(12) at Santacruz (East), Bombay-54, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/22442/85-86 on 8-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-86

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Jay Development Corporation

(Transferor)

(2) Manish Jhunjhunwala by his father & natural guardian Madanlal Jhunjhunwala

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22443/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Anthority under Section 269B of the insometrix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, TPS V, Santacruz (East), Bombay (and property) is the School of the School of the same full described in the School of the property.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income scioing from the transfer

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, F.P. No. 32 TPS V, C.S. Nos. 108 to 108-(12) at Santacruz (Fast), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22443/85-86 on 5-7-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-86

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Jay Development Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mohan Raghunath Gokhale & Mrs. Surekha Mohan Gokhale

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Mr. S. M. Malubhoy
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22444/85-86.—Whereas, I,

'PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 209, F. P. No. 32, TPS V, Santacruz (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 209, 2nd floor, Final Plot No. 32, TPS V, Nehru Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22444/85-86 on 8-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 13-3-86

Scal:

#### FORM JINS

(1) Mr. Syed Nazir Syed Pir Mrs. Hazara Bi Mohd Pir

(Transferor)

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suriyakant Kanyalal Sheth Mr. Anilkumar Shantilal Modi (HUF)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22467/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Suman Sandhya Co. op. Housing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Said Act in the Oillie of the Comtent Authority at Bombay on 8-7-1985,

and for

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later 1
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Suman Sandhya Co. op. Housing Society Ltd., Linking Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22467/85-86 on 8-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1986

(1) Popatlal Bhimshi Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Purnima Bhupendra Bothra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

**Ref. No. AR. II/37EE/22542/85-86.**—Whereas, I, **PRASANTA RAY**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 10, Ground floor, Kailash 'A', Juhu Church Road,

Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985,

Bombay on 11-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trainfer am agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, Kailash 'A' Juhu Church Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22542/85-86 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986

- (1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd.
  - (Transferor)
- (2) Shridhar Dharam Rao Meshram

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22676/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable as the Said Act) have reason to believe that the inimovatic property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, TPS VI, Near Milan Cinema Sub-day Lane No. 1, Santacruz, Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property consideration the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 7, TPS VI, Nr. Milan Cinema, Parasrumpuria Apartments, Santacruz (West) Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22676/85-86 on 12-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 13-3-1986

#### FORM ITNS——

- (1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Sandcep Kumar Kamal Kumar Khetan (Transferee)

#### NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22677/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, Parasrampuria Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money<sub>8</sub> or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, Plot No. 80-81, TPS VI, Sub-Way Lane No. 1, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37E/22677/85-86 on 12-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority If specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

198-36 KI/86

Dated: 13-3-86

#### FURM ITNS----

(1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sumitra Devi Kamalkumar Khetan

(Transferce)

'NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22678/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,,00,000/- and beairng No. Plat No. 102, Parasrampuria Apartments, Santacruz (West),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen; per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, Parasrampuria Apartments, Plot No. 80-81, TPS VI, Sub-way Lane No. 1, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22678/85-86 on 12-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 13-3-86

Seal ;

#### FORM ITNS .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Vikram H. Sampat HUF Mrs. Varsha V. Sampat

# (Transferor)

(2) Smt. Chandrika A. Kanani Smt. Roopa P. Kanani

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22696/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269th of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisetter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No 29, Super Bazar, Santacruz (West), Bombay-54

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No 29, Super Bazar, Santacruz (West), Bombay-54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service, of; notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No. 29, Ground floor, Super Bazar Station Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22696/85-86 on 12-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22722//85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

of transfer with the object of :-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Saurashtra Co. op. Housing Society Ltd., Santacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Babubhai B. Vaidya.

(Transferor)

(2) Ghanshyam K. Shah.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, Saurashtra Co. op. Housing Society Ltd., 4th Road, TPS. III, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/22722//85-86 on 15-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-3-1986

### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Charulata R. Dedhia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bihari R. Dhingreja.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22981/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Bombay

No. Shop No. 27. Super Bazar Premises Co. op, Society Ltd., Opp. Station Road, Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; und/or
- (b) facilitating the concoulment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TIPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 27, Super Bazar Premises Co. op. Society Ltd., Opp. Station Road, Santacruz (West) Bombay-54.
The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE 22981/85-86 on 22-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of In one fax Acquisition Range-II, Bombay.

Dafe: 14-3-1986

Scal:

#### FORM ITNO-

- (1) 1. Arjan Rochiran Gopalani.
  - 2. Ashok Paheljrai Gopalani.

(Transferor)

3. Mohamed Vishandas Alwani Shamrock. (Transferor)

(2) Mrs. Nirupa Narendra Shah.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23010|85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Prerana Mandir Co. op. Housing Society Ltd. Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 -days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given that Chamer.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Prerana Mandir Co. op. Housing Society Ltd., S.V. Road, Opp. Caltex Petrol Pump Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/23010/85-86 on 23-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 14-3-1986

(1) Mr. Aziz Abdulla Chunawalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saikh Adam Sabju.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR, II/37EE/23019/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Firdos Apartments, Vile Parle (W).

Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in andlor
  - respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, Firdos Apartment, Wing-A, CTS No. 482, Irla, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.JI/37EE/23019/85-86 on 23-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 13-3-1986

Scal;

(1) Dr. Abdul Rahim Kazi.

(Transferor)

(2) M/s Patel Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23048/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herehaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the bannow-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing CTS No. 1581 and Municipal No. K-9045(2), Vile Parle, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Commetent Authority at

Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(b) by any other person interested in the said immer-able perperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in withing to the undersigned:--

(a) by any of the aforeraid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act have the same meaning as given in in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 1581 & Municipal No. K-9045(2) St. No. 219, West Gauthan, Vile Parle, Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY Bombay under No. AR. II/37EE/23048|85-86 on 25-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Da'ed: 14-3-1986

(1) Shri Thakkar Bharat Vasanji Manek,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Madhukar Gobse.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 14th March 1986

Rcf. No. AR.  $\Pi/37EE/23185|85-86$ .—Whereas, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Shop No. 3, Sukarma Co. op. Housing Society Ltd., Santacruz (East), Bombay155 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the protein beautiful stated in the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the proteins heave the proteins have not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, The Sukarma Co. op. Housing Society Ltd., Plot No. 127 TPS V, Prabhat Colony, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY. Bombay under No. AR.II/37EE|23185/85-86 on 29-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--199-36 GI/86

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Damyanti Dungarshi Gada.
- (Transferor)
- (2) M/s R.K. Traders.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR. $\Pi/37EE/23235/85-86$ .—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shops No. 4 & 5, Ground floor Balaji Darshan,
Santacruz (W) Bombay-54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shops No. 4 & 5, ground floor, Balaji Darshan, Tilak Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/ 37EE/23235/85-86 on 29-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Snehlata Manudhane & Mrs. Shobhana Manudhane,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.II/37EE/23447/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, TPS VI, Santacruz (West), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, Parasrampuria Apartments Plot No. 65, TPS VI, Near Milan Cinema, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/23447/85-86 on 5-7-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

# FORM I.T.N.S. (

(1) M/s Jay Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshkumar B. Sharma & Smt. Shakuntla R. Sharma.

(3) S.M. Malubroy.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th March 1985

Ref. No. AR.II/37EE/23513/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 106, C.S Nos. 108 to 108(12) Santacruz(East),

Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, Final Plot No. 32 TPS No. V CS No. 108 to 108(12) at Santacruz (East) Bombay-54.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/23513/85-86 on 5-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22277/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CS No. 315 & 340, Ambivali, Bombay

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Paul Anthony D'Mello. Vincent Damian D'mello.

Vincent Damian D'mello
 Severino Blaise D'mello.

(Transferor)

(2) M/s Interintel Construction.

(Transferce)

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land bearing No. CS No. 315 & 340 of Ambivalli with structure. S. no. 126/S, H. No. 1/8. Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.III/37EE/22277/85-86 on 5-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-3-1986

(1) Mrs. Saroj W/o Vinod Nanalal Bhatt Ajit Nanalal Bhatt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ivan Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferors (Person in occupation of the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22783/85-86.—Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. CTS No. 1104, 51 J.P. Road, Versova, Andheri(West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

nomeay on 1-7-1955 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in
- respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

A plot of land CTS 1104, at 51 J.P. Road, Varsova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.11/37EE/22783/85-86 on 1-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Balagauri Chimanlal Shah.

(Transferor)

(2) Ajit Chimanlal Shah & Ors.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22822/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have tenson to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing
No. Land situate at 37 Versova Beach, CTS No. 1069, Versova, Andheri(West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land together with structures thereon with Ten Tenants at 37 Versova Beach Road, Village Versova, Andheri(West), Bombay bearing CTS No. 1069.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/22822|85-86 on 19-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following paragraphs. ing persons, namely:---

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22143/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 4th floor, 'Sea Queen', Chimbai Rd. Danda,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habit of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the emil /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) A.M. Mumtaj Husein,

(Transferor)

(2) Shri Manmal K. Khapra.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Vishnu Motoram Chimbaikar & Ors. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereif as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, 'Sea Queen' C.S. No. C/269 & CS No. 270 Chimbai Road, Village Danda.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under No. AR.II/37EE/22142|85-86 on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22174/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. R-1 Gunikrina Ameriment Andheri (West)

Flat No. B-1, Gurukripa Apartment, Andheri (West),

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-200-36 GI/86

(1) M/s. Vaibhav Builders.

(Transferor)

(2) Shilpa Sadashiv Wairkar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-1, Guru Kripa Apartment, Veera Desai Road, S. No. 19, H. No. 2 CTS 80-81, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22174/85-86, on 1-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-2-1986

(1) Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Henry D'Souza and Mrs. Mobel D'Souza,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22218/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 512, Devadiga Co-op. Housing Society, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

petent Authority at

Bombay on 2-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the taid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 512, Devadiga Co.op. Housing Society Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22218/85-86 on 2-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

(1) M/s, Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22219/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herenafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. A-4, Vidyadani Co.op. Hsg. Soc., Chakala, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Prabha Janardan Sawakare.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. A-4, Vidyadani CHS., Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22219/85-86 on 1-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-3-1986

(1) Smt. Kulsumbal Jafarali Bhayani.

(2) Shri Mohan Awatram Choitramani.

(Transferor)

(Transférée)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22488/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 7, Masalawala Co-op. Housing Society Ltd., Mahim, Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marlet value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, Building No. 2 of Masalawala Co-op. Housing Society Ltd., Mogul Lane, Mahim, Bombay-16,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22488/85-86 on 8-7-1985.

> PRASANTA-RAY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1986

(1) Mr. Lalji Bhagwanji Kazani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Yasmin Mehboob Sundrani and Mr. Mehboob Sabjali Sundrani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22566/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 104-C. Empress Bldg., Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

104-C, Empress Building, 24th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22566/85-86 on 12-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the skid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 11-3-1986

# "OBM TINS-

(1) Shri Sadruddin Habib Virani, Shri Nasir Sadruddin Virani, Shri Shiraz Sadruddin Virani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sherali Maherali Merchant.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

(3) Transferee, (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 11th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whilehever period expires later:

Ref. No. AR.II/37EE/22630/85-86.—Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501, Mount Mary Apartment, Bandra (West),

Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eferciand preporty and I have reason to believe that the fair market value of the preporty as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the of transfer with the object of :said instr

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said... EXPLANATION:--The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er.

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 501, 5th floor, Mount Mary Apartment, Bandra (West) Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22630/85-86 on 10-7-1985,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-3-1986

FORM ITNS———

(1) Mrs. Sushila R. Jagtiani.

(Transferor)

(2) Mrs. Nascembanu N. Ibrahim.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22726/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 204, Navjeevan Grih CHSL 2nd floor, Sanateruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1985,

Bompay on 13-7-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein \$3 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

204, Navjeevan Grih Co.op. Housing Society Ltd. 2nd floor, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22726/85-86 on 15-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-3-1986

(1) Usha Balkrishan Kalkahmkar.

(Transferor)

(2) Ashadevi D. Thakur.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23064/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Amit Apartment, Vile Parle (W),

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have featom to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Amit Apartment, Dadabhai Cross Road, Vile Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23064/85-86 on 25-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

Seal

#### (1) Mr. Subash Khurana.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs. Godvariben S. Kalsária, Mr. Shantilal Shamjibhai Kalsaria, Mr. Harshad Shamjibhai Kalsaria, Mr. Dhirajlal Shamjibhai Kalsaria.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23108/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. C.82, Suraj Co.op, Housing Society Juhu
Tara Road, Bombay-49, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

petent Authority at Bombay on 26-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any theorem arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as: are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-82, Suraj Co.op. Housing Society Juhu Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23108/85-86 on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--- 201-36 GI/86

Date: 11-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23162/85-86.—hereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2463 in Bldg. No. 52 Vandre Sal Darshan

Co.op. Housing Society Ltd., Bombay-51

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jaganath K. Shriyan.

(Transferor)

(2) Smt. Sumithra Suvarna. Shri Ramanna Suvarna.

(Transferce)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2463 in building No. 52 Vandre Sai Darshan Co. op. Housing Soc. Ltd., Gandhinagar, Bandra, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23162/85-86 on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

(1) Mr. Suresh G. Chhabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. A. Bandally and Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/23203/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, Versova Jyoti Co.op. Housing Society Ltd. Andheri (West), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, Versova Jyoti Co.op. Housing Society Ltd. Andheri (West), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 9, A-Wing Versova Jyoti Co.op. Housing Society Ltd. 7 Bungalows, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/23203/85-86 on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1-7-1985.

#### FORM ITNS.

(1) Mrs. Cory Ann Shelar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sulekhabai Ishak Killedar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22289/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 203, 2nd floor, Parichay Co-op, Housing Society, Housing Society, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Suid Act in the office of the Com-Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in end/er
- respect of any income arising from the transfer:
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Parichay Co.op. Housing Society Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22289/85-86 on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangell, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

\*Ref. No. AR.II/37EE/22324/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 5, Beas Building, Bandra, Bombay-50,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at
Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manilal Mistry and Mr. Parves F. Mistry.

(Transferor)

 Smt. Pooja Vijay Sukhlja and Mr.: Vijay Parshotamdas Sukhija.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd floor, Bandra, Beas Building, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22324/85-86, on 5-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 14-3-1986

#### FORM ITNS ---

(1) M/s. R. K. Constructions.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. J. M. Saldanha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22426/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, 1st floor, Cecilian Villa, Bandra,

Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Com-

petent Authority at
Bombay on 5-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 8, 'Cecilian Villa, Plot No. 209 Kantwadi Scheme, Pali Market, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22426/85-86 on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, inpursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

(1) M/s Kaveri Corporation.

(Transferor)

(2) Tejuja Family Trust & Miss Priya Ashok Tejuja.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22481/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseen to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 11, 'Regency' National Library Rd. Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfert

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (23 of 1967)n

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other purson interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 11, 'Regency' CTS No. F/1357, 1358 & 1359 at National Library Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22481/85-86, on 8-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 14-3-86

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Kalpesh H. Savla, Guardian of Hirii L. Savla. (Transferor)

(2) Shri Ashwin Devchand Nagda Smt. Jayshree Ashwin Nagda

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22487/85-86,--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Katyayani Society, T. H. Kataria Marg, Mahim,

Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any; income arising, from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Katyayani Society, 2nd floor, G-Ward, Plot No. 223-A T-H-Kataria Marg, Mahim Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22487/85-86, on 8-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Kuthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, passely :- -

Dated: 14-3-86

Bombay on 11-7-85

#### FORM ITNS-

(1) M/s Kaveri Corporation.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jairam Jaikishindas Rajani & Dr. Ramosh Jairam Rajani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22515|85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax-Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 61, 'Regency' Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair sparket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 61 'Regency' Building at Bhoiwada Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22515|85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Dated: 14-3-86

202-36 GI/86

(1) M/s Bilcon Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Sarika Lawoo Karalkar.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22559/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, 6th floor, in Gurukripa Apts., Dadar (W), Bombay-28

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 'Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road,

Dadar (W), Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22559/85-86, on 22-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22562/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land admeasuring Hissa No. 1 Dada CTS No. 1633, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, post of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11. of 1922] or the mid Act, or the Wenlth-tax ict, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Resham Singh.

(Transferor)

(2) Shri K, J. Yesudas.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have same meaning as given Act. in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 316 Hissa No. 1 (P) of Danda CTS No. 1633 at Pali Danda Road, Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22562/85-86. on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-86

(1) Chandrakant J. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhagchand T. Rangwani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF DIDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22613/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 3rd floor, Shyam Niketan Coop. Hsg. Society Ltd., Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule appeared, hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay test under the said Ace, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) fastitiating the concealment of any income or any energe or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters.
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Genetic.

EPRANATION: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Shyam Niketan Coop. Housing Society Ltd., Plot No. 627, Khar Pali Road, Khar, Bombay-52. Shyam Niketan Coop. Housing

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22613/85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-3-86

(1) Mr. Natrajan Viswanathan,

(Transferor)

(2) Mr. Darius K, Cama.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22614/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, Concord Apt., Band Stand, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-caton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 7, 7th floor 'Concord Apt' Gara at Bullock Road, Band Stand, Bandra, Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22614/85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1986

Seed:

(1) Shri Kishindas Vishindas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chotu Mohamedali Sopariwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee & his family.

(Person in occupation of the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/22616/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603 'A' Wing, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

ha) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 603 'A' Wing, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/22616/85-86 on 11-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

(1) Smt. Rita Paul.

(Transferor)

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jaimal Motiram Chadha.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AR.II/37EE/22651/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

as the Said Act.) have reason to believe that the ministrative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 57/552 MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer
- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 57/552 MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22651/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22671/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng Flat No. 10A-7, Jethibhen T. Co-op. Housing Soc. Mahim,

Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afere-maid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay talk under the still Act, in respect of any instance arising from the true tid/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Net 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Lachhman Rijhumal Karamchandani.

(Transferor)

(2) Gulabrai T. Mirpuri.

(Transferce)

Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afercenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressons used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10A-7, 3rd floor, Kumari Jethibhen T. Co. op. Housing Society Near Railway Station gate, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22671/85-86 on 12-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-3-1986

Swal :

(1) Siddique Noor Mohd. Qureshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Nazimkhan Md. Siecique Khan. (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22675/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearng Flat No. 9, 3rd floor, Mahim Marry Niketan Co. op. Housing Section Rembay.

Society, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to replaced that the fair market value of the property as aforemided exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties with the object of the said instrument of transfers with the object of the said instrument of the object of the said instrument of the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any inmoce or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the eferment persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor, Mahim Merry Nicketan Co-op. Housing Society, TPS III, Plot No. 689 Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22675/85-86 on 12-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

203-36 GI/86

Date: 14-3-1986

(1) Mr. Rahmatullah H. Bitha.

(Transferor)

(2) Mr. Kabir R. Mitha.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. Kabir R. Mitha. (Person in occupaton of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22728/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14-B, in Balmoral Hall Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the feir market value of the property as afore-uid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14-B in Balmoral Hall on 14th floor, 7 Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22728/85 86 on 15-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

(1) M/s. B. A. Nerurkar & A. M. Khwaja.

(2) Mahendra A. Patil.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANEG-II BAMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR-11/37EE/22729/85-86.— Whereas I, PRASANTA RΛY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, TPS IV at Veer Savarkar Marg, Dadar,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403, F. P. 1176 TPS IV, (Mahim, Area) at Vcer Savarkar Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EF/22729/85-86 on 14-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1986

(1) Shri Ram Niwas J. Rathi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. C. Makhaija.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANEG-II BAMBAY

Bombay, the 14th Merch 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22817/85-86.--Whereas I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Bandra Dhoop Chhaon Co-op. Housing Society,

TPS III, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date · of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 of 525, Bandra Dhoop Chhaon Co-op. Housing Society, Plot No. 201, TPS III 28th Road, Bandra, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22817/85/86, on 18-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bambay

Date: 14-3-1986

Seal:

(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jhamatmal Pohoomal Pariayani Motilal J. Pariayani,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of

the publication of this notice in the Official Gazette-

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF- THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Ishwar Laldin Malhotra,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(3) Transferee.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANEG-II BAMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22849/85-86.—
Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office premises No. 6, Bella-Vista Co-op. Housing Society Ltd. Bandia, Bombay-50

Ltd., Bandin, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Office Premises bearing No. 6, Bella-Vista Co-operative Housing Society J td. S. V. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IL/37EE/22849/85-86, on 19/7/1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

#### FORM ITNS ---

(1) Mr. A. B. J. Pereira.

(Transferor)

(2) Mr. Savak Bejonji Mehta & Mrs. Viloo Savak Mehta.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BAMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22859/85-86.— Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Erlyn Apartment Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flut No. 1, 1st floor, Erlyn Apartments, St, Joseph Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22859/85-86, on 19/7/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) Mrs. Sushila ben Lulla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bharat Maganlal Langalia & Mr. Jayesh Maganlal Langalla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. AR-II/37EE/22874/85-86.—
Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.
Flat No. 9, 2nd floor in Govind Bhavan, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Control of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than then per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 9, 2nd floor in Govind Bhavan, Plot 131, Khar,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-II/37EE/22874/85-86, on 19/7/1985.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

(1) M/s. Kaveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anjana Inggelish Kapadia & Mr. Jagdish Manilal Kapadia.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Rcf. No. AR-II/37FE/22918/85 86,---Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 12, Old Bhoiwada Road, National Library Road, Bandra (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 12, 1st floor, 'The Regency' Old Bhoiwada Road, National Library Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II/37EE/22918/85-86 Authority, B on 19-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquiettion Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

#### FORM TINS

#### (1) Bhagchand T. Rungwani.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan Kotwani Smt. Vidya Musale.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22927/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12. Krishna Kutir, Khar Pali Road, Bombay-52 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have rest been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12 Krishna Kutir, 2nd floor, Khar Pali Road, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22927/85-86 on 19-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/23018/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Sea Queen, 48B Chimbai Road, Village Danda, Bandra (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay 23-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abrar Husein Mumtaz Husein

(Transfero)

(2) Ahmed Dawood Solanki.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Vishnu Motiram Chimbalkar & Ors

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 'Sea Queen' CS Nos. C/269 & 270 at 48-B Chimbai Road, Village Danda, Bandra (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-11/37EE/23018/85-86 on 23-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Date: 14 7 1986

#### (1) Mr. Pervez Mistry.

(Transferor)

(2) Hiru Parmanand Shahani & 2 ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-11/37EE/23144/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 'Beas', S.V. Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor with open space adjacent to the said flat 'Beas', 235-B, S.V. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-11/37EE/23144/85-86 on 26-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1986

(1) Gordhandas Verohmal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amirali Veljibhai Virani & Smt. Parin Amirali Virani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Rcf. No. AR-II/37EE/23063/85-86.--Whercas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2, Kanti Apartments, Bandra, Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of the Said Act in the office of the
Competent Authority at Bombay on 25-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evalual of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The iterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 3rd floor in 'A' Wing, of Kanti Apartments at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23063/85-86, on 25-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1986

(1) C. Narain & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vidya J, Mirchandani & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 14th March 1936

Ref. No. AR-II/37EE/26581/85-86.---Whereus, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat on 8th floor, Nibbana Bldg. Plot S. No. 257 H. No. 4 of Danda Pali Hill Road, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1985 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in mov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, Nibbana bldg., Plot S. No. 257, H. No. 4, Danda, Pali Hill Road, Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/26581/85-86 on 25-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOMBTAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 14th March 1986

Rei. No. AR-II/37EE/23180/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the on as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, New Sea Gull Commercial Premises Soc. Ltd. Khar (W), Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fa't market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (ii) fieldisting the reduction or events; of the biolity of the transferor to pay tax under the said Ast, th respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)z

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Nirmala Naraindas Ambwani Shri Mahesh Naraindas Ambwani Shri Mandlal P. Motwani.

(Transferor)

(2) Mr. Laxman Rahunath Pahuja Smt. Deepa J. Pahuja.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, New Sea Gull Commercial Premises Society Ltd., Khar (W) Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23180/85-86 on 26-7-1985.

PRASANTA RAY Composent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-3-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR-II/37G/3797/July-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Sub-divided Plot No. 37B, (Final Plot No. 37 of TPS No. 1
Podar Road. Village Danda, Santacruz (West), Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 23-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tribhoyandas Gokaldas Patel and Madhusudan Jaganath Deshpande.

(Transferor)

Santacruz Dimple Co-operative Housing Society Ltd.

(Fransferce)

(3) Members of the above Society.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S: 414/77 and registered on 23-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1986

FORM ITNS-

(1) M/s Nav-Palymra Co-op. Housing Society. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Baaj Traders,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th March 1986

Ref. No. AR.1/137EE/33558/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 593-B, Corner of Khar-Pali Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days-from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immen able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot No. 593-B, Palmyra, 21st Road, Corner of Khar-

Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3358/85-86 on 2-7-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons, namely :-

Date: 14-3-1986

#### FORM I.T.N.S.

(1) Himatlal Keshavji Jayram & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dharmesh Kakubhai K. Prajapati.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR.II/37-G/3802/Aug-85 -- Wheracs, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .1.00,000/- and bearing S. No. 67/5 i.e. CTS No. 105, Gundavali Village Andheri, without of the Rombert

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 13-8-1985

205-36 GI/86

for an apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said oroperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1828/80, and registered on 13-8-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (Transferor)

(2) Universal Hotels Pvt. Ltd.

(1) Harikishan Govindram Malkani and Mrs. Bindiya Harkishan Malkani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR.II/37G/3804/Aug-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 12, Hissa No. 8, CTS No. 75, Brahmanwada,
Vileparle (East), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 12-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nnd∕oc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S/ 3907/84 and registered on 12-8-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocrsons, namely :-

Date: 13-3-1986

-------

#### FORM ITNS

(1) Mrs. Mary I. Pereira and Dr. H. P. Rebello,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. S. Emmimath.

(3) Tenants.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the sequipition of the said property may be made in writing to the understand :--

(Person in occupation of the property.)

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. AR, II/37-G/3817/Sept.-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land with structure bearing CTS No. 56, 57/1, Bamanwada village, Revenue Village Sahar, Taluka Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said incarrant of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pushoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date el the publication of this notice im Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 642/77 and registered on 9-9-1985 with Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 13-3-1986

(1) Shri Hitendra Alias H. K. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. Mehta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20823/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Goyal Shopping Arcade, Office No. 18, Ist floor Junction of S. V. Road and L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Goyal Shopping Arcade, Office No. 18, Ist floor, Junction of S. V. Road and L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20823/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

#### (1) M/s. M. V. Corporation.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Mrs. Sushiladevi Chaudhary & Mr. S. Chaudhary.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1986

Ref. No. AR.IV 37EE/20738/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 37C, 7th floor,, Vasundhara Building Opp. Moolji Nagar, S. No. 161/2/5, S. V. Road, Village Magathane, Borivli, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the presentation registered and the presentation registered and reserved.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 37C, 7th floor, Vasundhara Building Opp. Moolji Nagar, S. No. 161/2/5, S. V. Road, Village Magathane, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1V/37EE/20738/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hurby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-2-1986

FORM CENS

(1) Mr. T. M. Paul & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Samrat Builders.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20818/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land, Pot No. 7, S. No. 119, H. No. 6 and 7 (Part) CTS No. 988, village Eksar, Borivli, Taluka, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aroresaid persons within it period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land, Pot No. 7, S. No. 119, H. No. 6 and 7 (Part) CTS No. 988, village Fksar, Borivli, Taluka, Bombay The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/20818/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Dr. (Mrs.) Teresa Paul & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Somret Builders.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, POMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37FF/20819/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- an dbearing Plot No. 6, S. No. 119, H. No. 7 (part), CTS No. 987 village Eksar, Taluka borivii, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the egreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Compretent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the a parent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other sasets which have not been or which bught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the countries or this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6, S. No. 119, H. No. 7 (part), CTS No. 8987, village Eksar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/20819/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:—

Date : 28-2-1986

(1) Smt. Sushilabai Kashinath Chowkar & Ors. (Transferor)

(2) M/s, Jayashree Enterprises.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37FE/21278/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, H. No. 3-A, CTS No. 1318, Village Eksar,

Horivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument fransfer with the object of t—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 157 H. No. 3-A, CTS No. 1318, Village Eksar Borivli, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21278/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

- (1) Shri Chandrakant Gajanan Joglekar & Ors. (Transferor)
- (2) M/s. The Bombay Prjects P. Ltd.,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rcf. No. AR.IV/37EE/20942/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 322, TPS.III, S. No. 23, H. No. 1, Eksar, Borivli (W) Rombay 92

(W). Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.7 1005 Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less

than the fair for an apparent consideration which as less than the rain consideration and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet the parties has not been truly stated in the said instru of transfer with the object of: hetween

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (>) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

206-36 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 322, TPS.III, S. No. 23, H. No. 1, Eksar, Borivii (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under No. AR.IV/37EE/20942/85-86 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

#### FORM TINE—

(1) M/s. Gee Vee Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chhotalal D. Oza & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/21331/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable broperty maving a fair market value exteeding Rs. 1,00,000 Rs. 1,00,000/- an dbearing

Flat No. 101, 1st floor, Manek Nagar, 2 M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1962 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the calculate of publication of this notice in the Calculated Gazette or a period of 30 days from the salvice of settice on the respective persons whichever period anythm later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Manek Nagar, 2 M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21331/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this worker under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Shri Odhavji J. Nandha & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aakar Constructions.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR, IV/37EE/21114/85-86.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

CTS No. 459A, 459B (1 to 4), Village Malad (North), Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as .. given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

CTS N.o 459A, 459B (1 to 4), Village Malad (North), Shankar Lanc, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21114/85-86 on

1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Shree Jam Hosiery Works Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Jashu Enterprises.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/21332/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,,00,000/- and beairng No. Plot No. B-I, S. No. 149A, CTS No. 792, Borivli (W),

Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-I, S. No. 149A, CTS No. 792, Simpoli Road,

Borivii (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21332/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Smt. Kalpana Praful Parekh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Chhaganlal R. Gohil & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/21191/85-86.—Whereas I, 1 AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Block No. 27, ground floor, Kandivli Nirmal Co-operative HSg. Society Ltd., Shankar Lanc, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftgen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 27, ground floor, Kandivli Nirmal Co-operative Hsg. Socciety Ltd., Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21191/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) Shri Prahlad N. Trivedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gunvant V. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/21169/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A/5, 1st floor, Mohanraj Co-operative Housing Society Ltd., 3, Hemukalani Cross Road, Itaniwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A/5, 1st floor, Mohanraj Co-operative Housing Society Ltd., 3, Hemukalani Cross Road, Iraniwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21169/85-86 on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

#### (1) M/s. Raghuvanshi Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baburao D. Bhosle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/21085/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31-A, 3rd floor, CTS No. 1305, Savitri Apartment, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Syhedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any indeme ariding from the transfer; ul/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 31-A, 3rd floor, CTS No. 1305, Savitri Apartment, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21085/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Shri Ramjibhai D. Gohil & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinodhai Laxmanbhai Jadav.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref No. AR.IV/37EE/21178A/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 1, Sundaran Apartment, 3 Rayani Graom Shipoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Sundaram Apartment, 3 Rayani Gram Shipoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21178A/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) Smt. Savita D. Maniyar

(Transferor)

(2) Shri Jawahar H. Shah

Shan (Transfereo)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMEAY Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21339/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, A wing, Borivli Shree Neminath C.H.S.L., Shimpoli Rcad, Borivli (W), Eombay-92 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent toursideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, A wing, Borivli Shree Neminath CHSL., Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21339/85-86 on 1-7-1985.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

LAXMAN DAS

Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 28-2-1986

Seal:

207-36 GI/86

FORM NO. I.T.N.S.—

Bhailalbhai Mangal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bipin H. Shah HUF.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21136/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land, CTS No. 548 (1 to 6), CT No. 549, S. No. 19 village Kanheri, Taluka Borivli, Rorivli (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have remain to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land, CTS No. 548 (1 to 6) CTS No. 549, S. No. 19, villag Kanheri, Taluka Borivli, Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21136/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 28-2-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

À

#### FORM ITNS

(1) M/s. Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chhaganlal K. Lal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the sum property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21279/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immofair market value exceeding rable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1306, Kasturbaug, Plot No. 24 B/1, T.P.S. I, Borivli (W), Rombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the lie of the transferor to pay tax under the said As respect of any income arising from the transfer; a mid / sur

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1306, Kasturbaug, Plot No. 24 B/1, TPS. I, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21279/85-86 on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely :--

Dated: 28-2-1986

THE THE STATE OF THE PARTY OF THE STATE OF T

FORM ITNS-

(1) M/s, Rajdeep Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. B. R. Bhatani & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21069/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs .1,00,000/- and bearing

Rs 1,00,0007- and bearing Flat No. 402 Jay Jalaram Apartments, plot S. No. 49, H. No. 8, (p) C.T.S. No. 1103 of village Dahisar Wamanrao Sawant Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said numovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402 Jay Jalaram Apartments, Plot S. No. 49 H. No. 8(p) C.T.S. No. 1103 of Village Dahisar Wamanrao Sawant Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV /37EE/21069/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-persons, namely:—

Dated: 28-2-1986

(1) M/s. Rajdeep Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. V. Suresh

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20979/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501 Jay Jalaram Apartments, plot S. No. 49, H. No. 8(p) C.T.S. No. 1103, of village Dahisar on Wamanrao Sawant oad, Dahisar (E) Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by macre than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

(s) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from hte date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501 Jay Jalaram Apartments, plot S. No. 49, H. No. 8 (p) C.T.S. No. 1103 Village Dahisar Wamanrao Sawant Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomt-ay under No. ARIV/37EE/20979/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-1986

#### FORM ITNS----

(1) M/9. Rahul Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha S. Borok

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20879/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 76C, ground floor, Raghukul, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; amil /eer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Room No. 76C, ground floor, Raghukul, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under No. ARIV/37EE/20879/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-2-1986

#### FORM ITES

(1) Shri Tukacam Dharman Patil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, National Constructors,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20090/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng S. No. 318, H. No. 6, CTS No. 1400, village Dashisar, Taluka Borivli, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wod/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

S. No. 318, H. No. 6, CTS No. 1400, village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EF/20990/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-1986

(1) Mr. R. N. Thosavi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aman Builders

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rcf. No. ARIV/37EE/20779/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pieco of land, S. No. 189, H. No. 11 (pt.), CTS No. 1743 & 1744, Village Dahisar, Bombay, Taluka Borivli situated at

Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect tof any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 189, H. No. 11 (part), CTS No. 1743 & 1744, village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20779/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-1986

#### FORM LT.N.S ....

(1) M/s. G. B. Construction.

(Transferor)

(2) The Deccan Merchant Co-op. Bank Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21203/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, S. No. 37, H. No. 1 (part) & S. No. 39, H. No. 6 (part) CTS No. 973, S. V. Road, Taluka Borivli, Dahisar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the end instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other sesses which have not been or which englit to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 37, H. No. 1 (part), & S. No. 39, H. No. 6 (part), CTS No. 973, S. V. Road, Talukn Borivil, Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay under No. ARIV/37EE/21203/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 28-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
208—36 GI/86

(1) M/s. Sahayog Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. D. No. Constructions

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20797/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 14, S. No. 21/2, CTS No. 209, village Mandpeshwar, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concentration or any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immediable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, S. No. 21/2, CTS No. 209, village Mandpeshwar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under No. ARIV/37EE/20797085-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Harshna H. Chheda

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa D. Sheth

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20766/85-86.—Whereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. C-12, 1st 'floor, Laxmi Shopping Center, Dattapada, Road, Borivii (E), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-12, 1st floor Laxmi Shopring Centre, Dattapada Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20766/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-3-1986

Scal

#### (1) M/s. R. S. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. New India Builders & Developers
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rof. No. AR-IV/37EE/21233/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bering No.

Piece or parcel of plot 'B' bearing S. No. 67 H. No. 2, C.T.S. No. 1394 at Dahisar, Taluka Borivli, Bombay & regu. sub Dist. Bandra situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is racintared under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of plot B bearing S. No. 67, H. No. 2, C.T.S. No. 1394 at Dahisar, Tal Borivli Bombay S. D. & Regn. sub Dt. Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21233/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

Scal

(1) Smt. Banoobai R. Irani

(Transferor)

(2) M/s. Malhar Developers.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. ARIV/37EE/21150/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
piece and parcel of land in Revenue Village Dashier S. No. 60
C.T.S. No. 1246, Taluka Borivli, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the \*consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land bearing C.T.S. No. 1246 and S. No. 60 in Revenue Village of Dahisar Taluka Borivli, District

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21150/85-86, on

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

#### (21 Bhanvarbhai S. Mali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

()) Gopal B. Khatri (HUF)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. ARIV/37EE/20835/85-86,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, Sminu Kastur Baug, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and the unresement in requirement and the

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, Sminu Kastur Baug, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20835/85-86, on

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 12th March 1986

(1) M/s. Megha Builders

(2) Smt. Theresa Gomes & Ors.

(Transferor)

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

ARIV/37EE/20783/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 403, of Megha Apartments at Holy Cross Road,
Mount Poisur, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pastice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, A-Building, Megha Apartments at Holy Cross Road, Mount Poisur, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20783/85-86, on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 12th March 1986

### (1) Shri Harkishandas Misty.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. S. D. Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. ARIV/37EE/20772/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 203, 2nd floor, F-Bldg., Ganesh Prasad Co-op. Hsg. Soc., Navagaon, Mandapeshwar Road, Dahisar, Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, F bldg., Ganesh Prasad CHSL, Navagaon, Mandapeshwar Road, Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20772/85-86, on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12th March 1986

#### FORM ITNS....

(1) D. S. Rajpurkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. N. Gavand

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. ARIV/37G/2679/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land of agriculture in village Dahisar Revenue Taluka S. No. 317, 336, 341 and 340 (pt), Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-85

sombay on 12-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering officer at Sr. No. S. 1845/84 dated 12-7-85. Dated: 11th March, 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ,namely:—
209—36 GI/86

Date: 11-3-1986

(1) Pater A. Macwan

(Transferor)

(2) Shri B. D. Joshi & Shri B. D. Joshi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property ensy be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. ARIV/37-G/110/85-86.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 60, H. No. 4, C.T.S. No. 422, in the sub district of

Bombay at village Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-7-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsole property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering officer at Sr. No. 69/83 dated 23-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authoric Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this matice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following versons, namely :--

Date: 11-3-1986

#### (1) K. K. Desari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s J. S. & M. F. Builders.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. ARIV/)7-G/105/85-86.—Whreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land bearing C.T.S. No. 640 and 640/1 to 37 of Borivli Village at Tilak Road, Borivli situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12: of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering officer at Sr. No. S 1046/80 dated 19-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

persons, namely :-

Date: 11-3-1986

#### PORM ITNS .....

(1) Mr. V. J. Jethwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. D. M. Patani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOMETAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21201/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 6, Ist floor Gokuldham Bldg, No. 1, Radhakrishna Gokuldham Coop. Hsg. Socy. at S. V. Road, Borivli (W),

Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from s service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said funds able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ist floor Gokuldham Bldg. No. 1, Radhakrishna Gokuldham Coop. Hsg. Scty. at S. V. Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21201/85-86, on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-19866

(1) Smt. S. K. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. P. Parikh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th March 1986

Ref. ARIV/37EE/21036/85-86.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable as the said Act) have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 416 D-Wing, 4th floor Sai Darshan Coop. Hsg. Scty. Ltd., S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afracesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 416, D-Wing, 4th floor Sai Darshan Coop. Hsg. Scty. Ltd S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21036/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13 March, 1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1986

Ref. ARIV/37EE/20833/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 205 2nd floor, Building No. 1, Laxminarayan Nagar Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any locame arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the faid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Dattaraya Subray Bhat

(Transferor)

(2) Shri Prakash M. Vaghela

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Building No. 1, Laxminarayan Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20833/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 13 March, 1986

(1) Jay-Deep Developers

(Transferor)

(2) Smt. Dhanlaxmi Ashok Shah & Ors.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 13th March 1986

Ref. ARIV/37EE/21226/85-86,--Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/801, Jaydeen Apt., Near Kora Kendra S. V. Rd., Behind Tarabaug, S. V. Rd. F. P. No. 735, TPS III, Borivli (W), Bombay-92 (and move fully described in the Section 1.2)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afterestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A/801, Jaydeep Apt. Near Kora Kendra, S. V. Rd., Behind Tarabaug, S. V. Rd., F.P. No. 735, TPS III, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21226/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the er Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13 March, 1986

(1) Jay Deep Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri U. S. Mandavia & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. ARIV/37EE/21227/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinester referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/2 Jaydeep Apartment Near Kora Kendra, S. V. Road, Behind Tara Baug, F. P. No. 735, T.P.S. III Borivli

(W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B/2, Jaydeep Apartment Near Kora Kendra S. V. Rd, Behind Tara Baug, S. V. Rd., F. P. No. 735, TPS III, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21227/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the shift Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1986

(1) M/s. G. K. Development Corpn.

(Transferor)

17743

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. V. Popat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. ARIV/37EE/21113/85-86.—Whereas, I, A. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3, ground floor G. K. Nagar Bldg. No. 3, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the geoldynatic for which the records the second of the property and the the geoldynatic for such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer, tank/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons namely:—210—36 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor G. K. Nagar Bldg. No. 3, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. ARIV/37EE/21113/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 13-3-1986.

(1) M/s. Vardhman Development Corpn.

(Transferor)

(2) Sh. Rameshchandra C. Seth & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20862/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203, 2nd floor A-Bldg, Vardhman Apartments, Sodawala Lane, S. No. 84, 2, 3, 4, Hissa No. 14, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor A-Bldg. Vardhman Apartments, Sodawala Lane, S. No. 2, 3, 4, Hissa No. 14, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20862/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-3-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20864/85-86.—Whereas, I, A. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, A-Bldg. Vardhman Apts. Sodawala Lane, Borvli (W), S. No. 84, 2, 3, 4, Hissa No. 14, Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Vardhman Development Corpn.

(Transferor)

(2) Sh. R. C. Sheth,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, A-Bldg. Vardhman Apts., Sodawala Lane, S. No. 84, 2, 3, 4 Hissa No. 14, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. ARIV/37EE/20864/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 13-3-1986.

(1) M/s. Vardhman Development Corpn.

(Transferor)

(2) Sh. Pradipkumar C. Seth.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20863/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, A-Wing Vardhman Apartments, Sodawala Lane, Borivil (W), S. No. 84, 2, 3, 4, Hssa No. 14, Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeanid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proseedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, A-Bldg Vardhman Apartments, Sodawala Lane, Borivli (W), S. No. 84, 2, 3, 44 H. No. 14, Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20863/85-86 on 1-7-85

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 13-3-1986.

(1) Sh. Harish V. Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. L. K. Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21101/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 6, 1st floor, Mansi, Kastur-Park, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the **jed/**/w
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Mansi, Kastur-Park, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has een registered by the Competent Authorty Bombay under No. ARIV/37EE/21101/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 6-3-1986.

(1) Mr. Samsuddin S. Vasani,

(Transferor)

(2) Mr. Rahimbhai Mamji Dhuka.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21280/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, ground floor, B-Wing, Shantinggar Bldg. No. 4, CTS No. 1654/1, to 5, S.V.

Road, Dahisar (E), Bombay-68,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5, B-Wing, Shontinagar bldg. No. 4, CTS No. 1654/1 to 5, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21280/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 28-2-86.

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Bhanuben H. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manjulaben V. Kakad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20955/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 36, 3rd floor, Anant Apartments, Plot (TS No. 791, Mhatrewadi, Dahisar

(W), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 36, 3rd floor, Plot CTS No. 791, Anant Apartment, Mhatrewad, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has een registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20955/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-86.

(1) Sh. Mansurali P. Dodhia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Tajdin N. Maknojia,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. o. ARIV/37EE/21281/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 13, 4th floor, Gulistant Apartment,
S.V. Road, CTS No. 1053, 1053/1 to 7,
Dahisar (E), Bombay-68,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the disclosed by the transferred total which ought to be disclosed by the transferse to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fiat No. 13, 4th floor, Gulistant Apartment, S.V. Road, CTS No. 1053, 1053/1 to 7, Dahisar (E), Bombay-63.

The agreement has een registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21281/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-86.

(1) Ramasankar Yadav.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kamlaprasad B. Upadhyay,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV 37EF/21092/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 1, Blue Star Apartment, I.C. Colony,

Holy Cross Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Inc me tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to halieve that the fair market value of the property as aforesaid greeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any petson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- --dla
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Blue Star Apartments, I.C. Colony, Holly Cross

Poad, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been regstered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21092 85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—211—36 GI/86

Cared: 28-2-1986.

#### FORM ITNS----

(1) Sh. Jagdish C, Saigal.

(2) Mr. Malati M. M. Worde.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. ARIV/37EE, 21104/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 4/7, Bldg. No. A-6/3, Groves Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Jeevan Bima nagar, Borivali (W), Bombay-10.

(w), Bolhay-(t), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 4/7, Bldg. No. A-6/3 Groves Co.op. Hsg. Soc. 1 td., Jeevan Bima nagar, Borivli (W), Bombay-10.

The agreement has been regstered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21104/85-86 on 1.7.25

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-2-1986.

Scal,

#### FORM I.T.N.S.—

(1) M/s, Kusum Modi & Associates.

(Transferor)

17753

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Prakashchandra T. Savani,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20827/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Godewn No. 1, Star Trade Centre Co.op. Premises Soc. Ltd. Plot No. 57, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85.

an apparent consideration which is, less than the fair tor market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wesith-to-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Comette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown No. 1, Star Trade Centre Co.op, Premises Soc, Ltd. Plot No. 57, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92,

agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20827/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the self. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (it) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-2-1986,

#### FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Vimal P. Rane.

(Transferor)

(2) Sh. S. G. Jagger.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE, 20811/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome fax Act, 1961 (+3 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the insmevable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 20, H. No. 3, City Survey No. 1187, at Kandivli, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Ast, 1957 (27 of 1964);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the more meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 20 Hissa No. 3, City Survey

No. 1187, at Kandivli, Bombay,
The agreement has been regstered by the Competent Authorty Bombay under No. ARIV/37EE/20811/85-86 on 1-7-1985

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV, Bombay.

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-3-1986.

(1) Smt. B. D. Gandhi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. V. Parekh

(Transferee)

GUVERNMENT OF INDIA

COPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 12th Match 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20802/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 305, 3rd floor, Chandralok, Chandralok Co-on, Hsg. Soc. 1.td., Balika Vidyalaya Marg, S. Modi Road, Kaudivii

(West), Bembay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent con ideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys er other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tau Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Chandralok, Chandralok Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Balika Vidyalaya Marg, Shantilal Modi Road, Kandivli (East), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20802/85-86 on 1-7-1985

> 1 AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1986

(1) Smt. Muktaben M. Choksi & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri D. V. Mehta & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20817/85-86.--Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or parcel of land bearing S. No. 81 H. No. A/3, C.T.S.
No. 153 & 153/1 to 153/3 at Village Borivii, in Greater
Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aferentid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 81, H. No. A/3, C.T.S. No. 153 and 153/1 to 153/3, at Village Borivli, in Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20817/85-86 on 1-7-1985.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. M. M. Bhalerao,

(Transferor)

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tex-Tube Manufacturing Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21120/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 15, Block ABCD S. No. 70E at Kandivli Govt. Ind.

Estate, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair manket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 15, Block ABCD, S. No. 79E at Kandivli Govt, Ind Estate, Kandivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37FE/21120/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely -

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS------

Company of the contract of the (1) M/s N. Laloochand P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jayshree Associate.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay the 13th March 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20836/85-86.-Whereas, I.

Ref. No. ARIV/37EE/20836/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 703, 7th floor, B-Wing, Surendra Nagar Co-op, Sety. Ltd. Ram Gulli, Kandivli (West), Bombay-67 (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AR of the Income-tax Act. 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of consider with the ebject of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning assuration in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, B-Wing, Surendra Nagar Co-op. Scty Ltd., Ram Gulli, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37/17/20836/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner—(Income-tax
> Acquisition Range-IV, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquient on the since the acquient of the since the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1986

#### \_\_\_\_ (1) M/s N. Laloochand P. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jayshree Associate.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bambay, the 13th March 1986

Ref. No. ARIV/37FE/20837/85-86,—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00.000/- and bearing

Flat No. 704. Surendra Nagar Co-op. Sety. Ltd., B-Wing, 7th floor, Ram fulli, Vap. ii (West), Bombay-67 (and more tully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewhich

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferneed for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow--, vloman andres,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paraons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 704, B-Wing, Surendra Nagar, Co-op. Sety. Ltd. 7th floor, Ram Gulli, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20832/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 13-3-1986

Seal:

212-36 GI/86

- (1) Shri T. H. Chokshi.
- (Transferor)
- (2) Shri Kalpana Shripal Morakhia,

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7144/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 40, 5th floor, Sagar Tarang Bldg. 689, Bhulabhai Desai Road Rombay 36

Desai Road, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under th esaid Act in respect of any macome arising from the munificaand for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apr (1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

4

# THE SCHEDULE

Flat No. 40, 5th ffoor, 'Sagar Tarang' Building, New Sagar Darshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 689, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6709/85-86 on 2-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 17-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay, the 17th March 1986

No. AR-I/37EE/7242/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 64 & 64A, 6th floor Oceancrest Building, 85,
Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Vimla Kantilal Mehta, Mr. Pankaj K. Mehta and Mrs. Meeta P. Mehta.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Ratilal Shoth, Mr. Jagdish R. Sheth, Mrs. Sharda J. Sheth.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this neuros in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 64 & 64A, 6th floor, Oceancrest Building, 85, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6805/85-86 on 9-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37HE/7259/85-86.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, Miami Bldg., Bhulabhai Desai Rd., Bombay-26 (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely : --

- (1) Shri D. B. Kotuan, HUF.
- (2) Shri Vidyut D. Mehta.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to (4) Transferee.

(Person whom the upndersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said respective may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XLA of the said Act, shall have the said negating as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Miami Building Miami CHSL, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6821/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Accome-tax Acquisition Range-I, Bornbay

Date: 17-3-1986

(1) M/s Kohli Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. N. Kothari, Mrs. N. P. Kothari, Motilal B. Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7364/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

be the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Kohli House, 36-36-A, Benham Hall Line, Dr. D. D. Sethe Marg, Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other amets which have not been a which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Kohli House, 36/36-A, Benham Hall I.ane, Dr. D. Sathe Marg, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6921/85-86 on 16-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following py sons, namely:--

Date: 17-3-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Kohli Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rashmin Kumar Mansukhlal Shah and Javesh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7362/85-86.--Whereas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under ection 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the reinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 402. 4th floor, Kohli House, Benham Hall Laue, Dr. D. Sathe Marag, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
  11 of 1922) or the mid Act, or the Westh-tax
  Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Kohli House, Benham Hall Lane,

Dr. D. Sathe Marg, Bombay-4.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6919/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Theome-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-3-1986

- (1) M/s. Fluid Air Engineering Industries.
- (Transferor) (2) M/s Fluid Air (India) Pvt, Ltd.

(Transferee)

. .= . .= .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7413/85-86,---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

The running partnership business of M/s Fluid Air Engg. Industries with its assets and liabilities has been taken over by a Pvt. Ltd. Company formed by the same restwhile part-

ners as a measure of business reorganisation (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1985

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer**und** or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The unning partnership business of M/s. Fluid Air Engg. Industries with its assets and liabilities has been taken over by a Pvt. Ltd. Company formed by the erstwhile partners as a measure of business reorganisation.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6968/85-86 on 3-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 17-3-1986

Seal;

(1) M/s Kohli Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pankaj H. Shah and Indra Kumar Shah.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 17th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7361/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 401, 4th floor, Kohli House, Benhan Hall Lane, Gurgaon, Bombay-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemen its registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitaire are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rad/or

(r) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which hight to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Room No. 401, 4th floor, Kohli House, Benhan Hall Lane, Girgaon, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6918/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMED Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, is pursuance of Section 269C at the hard Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followigo mostroni, pp**intoly** ;—;

Date: 17-3-1986

(1) M/s. Kohli Builders Pvt, Ltd.

may be made in writing to the underwigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in that

(Transferor)

(2) Chandrakant V. Shah Mukesh J. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 17th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7363/85-86.—Whereas, I, NISAC AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, Kohli House, Benham Hall Lane, Dr. D. D. Sathe Marg, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985 for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers esé /or

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor, Kohli house, Benham Hall Lane, Dr D D Sathe Marg, Bombay-4

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6920/[85-86 on 16-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-213--36 GI/86

Date: 17-3-1986

(1) M/s Kohli Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Purushottam Dass N. Shah & Nikesh Tarachand Doshi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7359/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Room No. 101, 1st floor, Kohli House, Dr D D Sathe Marg Girgaon, Bombay-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it poct of any income unising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pegied of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ass given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Romm No. 101, 1st floor Kohli House, Benham Hall Lane, Girgaon Bombay-400 004, Dr. D. D. Sathe Marg.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE|6916/85-86 on

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 17-3-1986

16-7-1985.

#### FORM TING-

# (1) Kohli Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Ashok Shah Surajmal Shah & Alkaben Mahesh Kumar Shah Ashok Jayantilal

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7360/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 201, 2nd floor, Kohli House, Benham Holl Lane, Circuit Benham 4

Girgain, Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftgen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Room No. 21.. 2nd floor, Kohli House, Benham Hall Lane Girgaon, Bombay-400 004

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1|37EF/6917/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMI-D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I37EE/7247/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein free referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 85-A, Moher Apartments CHSL, Anstay Road, Off Altamo int Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule : nnexed hereto), has been transferred and the Agreemen is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Phiroze B Bapooji & Mrs. Nazneen P Bapooji (Transferor)
- (2) Richardson Hindustan Ltd.

(Transferee)

(3) Richardson Hindustan I.td.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 85-A, Meher Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Anstey Road. Off Altamount Aoad, Bombay-26.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6810/85-86 on 9-7-85.

NISAR AHMFD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I

Date: 17-3-1986

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 17th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7444/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a full resolute that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7D, Ajanta Apartments, 7-A, M. I., Dahanukar

Marg, Bombay-26

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid groups the apparent consideration therefor by more than caccods the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentracin of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforemid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following rersons, namely :--

(1) Shri Dayaldas H Malkani

(Transferor)

(2) Banco Aluminium Limited

(Transferce)

(3) Banco Products (India) Ltd

(Person in occupation of the property) (4) Banco Products (India) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 70, Ajunta Apartments, 7-4, M K. Dhantikar Marg, Bombay-26

The agree cent has been registere dby the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6998/85-86 on 25-7-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 17-3-1986

Scal:

(1) Mithoo Minoo Pestonji

(Transferor)

(2) Toyebali M. Calcuttawala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 17th March 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5260/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C. S. No. 324 of Bhuleshwar Divison situated at 1st Marine St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Bombay on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbitag from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1336/80 and registered on 4-7-1985 with the Sub registrar, Bombay.

NJSAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-3-1986

#### FORM ITNS

(1) Basant Vikas Developers.

(Transferor)

(2) M/s. Hitkari Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22359/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 203, 2nd floor, Vasant Vihar, Near Basant Talkies, Chembur Bombay

Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreeemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of tht Competent Authority at

Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tun Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 203, 2nd floor, Vasant Vibar, near Basant Talkies, Chembur, Bombay.

The agreement has been regisered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/223591/85-86 dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

FORM I.T.N.S .--

(2) Mr. C. J. Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. (Dr.) Usha S. Patil & Ors.

('Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22418/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, - and bearing Plot No. 3, S. No. 82, H. No. 3, H. No. 2, S. No. 84, Village Pahadi & Eskar Pahadi, Goregaon (E), Bombay. vinage ranaul & Eskar Panaul, Goregaon (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an appropriate consideration with the second consideration with the consideration with the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Woultk-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Plot No. 3, S. No. 82, H. No. 3, Village Pahadi & Eskar Pahadi, Goregaon (F), Bombay.

The agreement has been regisered by the Competent Authority. Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22418/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pe, sons inmely :-

Date: 17-3-1986

Scal :

(1) T. G. Sirsi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mathur K. Narayanaswamy.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Rcf. No. AR-III/37EE//22776/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 6, Plot No. 7, Mumbadevi Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Sai Nagar, Colony, Chembur, Bombay-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreecemnt is registered under

has been transferred and the agreecmnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of th. Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

t'xPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 7, Mumbadevi Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Sai Nagar, Colony, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been regisered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22776/85-86 Competent dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-3-1986

Scal:

persons, namely :-214-36 GI/86

FORM ITMS———

(1) Shri Yunus N. Dhukka.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh B. Mishra & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

# ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37EE 22224/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor, B wing, Padmavati co-op hsg. soc. Ltd., Goregaon (E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreeemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 1.7.85

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reusen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, B wing, Padmavati Co-op. Hsg. Soc. Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registred by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22224 85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority

Bembay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Date: 10.3 1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) P. S. Godbole,

(Transferor)

(2) Smt. L. V. Shaznava.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Rfc. No. AR-III/37G/2726/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 2-A, Patwardhan Colony, Govandi, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

101 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that Whe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:--The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 2-A, Patwardhan Colony, Govandi, Bombay. The agreement has been registered by the with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1873/82 dated 28-8-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

(1) Shri Harilal Sunderji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durgashankar J. Kuradia.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/26921/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,0007- and bearing Old room in Barrae No. 16, Room No. 110 Thakkar Bappa Colony, Chembur, Bombay-71.

Colony, Chembur, Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreeemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, क्रक्रते /०१
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Old room in Barrac No. 16, Room No. 110 Thakkar Bappa Colony, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3866/85-86 dated 5-8-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

FORM ITNS----

(1) Mr. Vanibhai V. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Saroopsingh Ambritrai Uttamsingh,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2664.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land bearing No. sub plot No. 549-C of Suburban Section 'A' Chembur, C.S. No. 1479, Chembur, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 1-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the pusideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immurable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULE

Piece of land CTS No. 1479, plot No. 549 C of Subarban Section A—Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2178/84 dated 1-7-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

(1) Smt, Mala W/o L. Manwani.

(Transferor)

\_\_\_\_\_

(2) Gulabchand & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2714/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 4, Block No. 47, C.T.S. No. 454, Vivila Tolykia, Rombay 82

Kurla Taluka, Bombay-82,

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-7-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxpires inter;
- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Roinm No. 4, Block No. 47, CTS No. 454, Kurla Taluka, Mulund Colony, Bombay-82.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1406/80 dated 23-7-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-3-1986

#### FORM TINS.

(1) Smt. L. P. Misquitta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) R. M. Gupta & Ors.

(Transferee)

INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Bombay, the 10th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.G/2663/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 6668, Kalina, Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of Registering Officer at Calcutta on situated at Bombay

on 2-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to that the fair market value of the property as aforesaid afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing CTS No. 6668, Village Kole Kalyan Santacruz (W), Bombay-29.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1028/83 dated 2-7-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the gaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

(1) Shri L. N. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. I. R. Joshi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2724/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flot of land, S. No. 23, H. No. 46 (pt.) C.S. No. 119 (pt.), Asalphe village, Ghatkopar (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income stiring from the transfer, and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 23, H. No. 46(p), CH, No. 119, Ashalpha Village, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3989, 75 dated 26-8-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1986

Scal:

all or company

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Pandrung Sangaram Pathan,

(Transferor)

(2) Shri R. D. Shetty.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2697/85-86.--Whereas, I, A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. C.S. No. 1118/10, H. No. 8 (pt.), Malavni village, Gauthan Road, Taluka Borivali, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tounder as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of grands with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

one facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

S. No. 1118/10, H. No. 8(p), Malvani Villuge Gauthan Rd., Taluka Borivli, Malud (F), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1157/81 dated 7-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid prometty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following into persons commely:— 215-36 GI/86

Date: 10-3-1986

Seal ·

(1) Mr. M. S. Digvijaysinghji.

(Transferor)

(2) Mr. P. P. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2658.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 12/2 to 12/27, Municipal land at A basement No. 378, village Chinchavli, near Malad, Taluka Borivil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 12/2 to 12/27, Municipal Asstt. No. 378 PN Ward of Municipal Corpn. Greater Bombay, Village Chincholi Taluka Borivli, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3989/9-11-84 dated 4-7-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-3-1986

Scal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. G. N. Vaiti & Ors.

(Transferor)

(2) Mulund Sagar Prasad C.H.S.L.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2718/85-86.—Whereas, I, A PRASAD,

A. PRASAD, teling the Competent Authority under Section 269B of the macome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land at S. No. 49, CTS No. 172, & 174, Plot
Nos. 6 (pt.) & 7 (pt.) Gavandada Village, Taluka Kurla, Mulund (E) Bombay-81

Mulund (E), Bombay-81, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of these reasons apparent consideration therefor by more storesiand exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- ( ) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 49, CTS No. 172, and 174 Plot No. 6 (p) and 7(p), Gavanpada, Village, Taluka Kural, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Re ing Officer at Sr. No. 2922/84 dated 10-7-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

- (1) Mrs. G. N. Vaiti and Ors.
- (Transferor)
- (2) Mulund Sagar Prasad C.H.S.L.

(Trausferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2717/85-86.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 49, CTS No. 172 and 174, Plot No. 6 (pt) and 7 (pt.) village Mulund Taiuka Kurla, Gavandpad Village Mulund (E), Bombay-81,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 49, CTS No. 172 and 174, Plot No. 6 (p) and 7(p) Village Mulund, Taluka Kurla, Gavandpul'a Village, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2921/84 dated 10-7-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-3-1986

Scal :

(1) Shri R. C. Kkarna,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Joshi & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2716/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Block No. 1, Room No. 2, C.T.S. No. 33, Nahur Village, Jai Bhavani Chowk, Mulund Colony, Bombay-82, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 15-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 1. Room No. 2, CTS No. 33, Nahur Village Jai Bhavani Chowk, Mulund Colony, Bombay-82.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2358/81 dated 15-7-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-3-1986

Scal:

FORM LT.N.S.-

(1) Esmail Mohemad.

(Transferor)

(2) V. M. Mahulkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2713/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-/- and bearing

No. Patrachant, Mahul village, M. Ward, Post Fertilizer, Chembur, Bombay-74,

situated at Bombay

(and more fully described in the 5chedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 24-7-1985,

tor an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any lacouse arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Patrawala Chal, Mahul Village, M-Ward, Post Fertilizer, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2730/83 dated 24-7-1985.

A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersian namely :-

Date: 10-3-1986

(1) Mr. M. G. H. Sonawala & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kausar Co-op, Hsg. Soc. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.III/37.G/2666/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value execeeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. S. No. 270, H. No. 1, C.T.S. No. 23, Village Kurla, Bombay-70,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the tair narket value of the aforesaid property and I have reason i. believe that the fair market value of the property as aforesai, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 270, H. No. 1, C.T.S. No. 23, Village Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S. 1511/82 dated 26-7-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 10-3-1986

Seal;

(1) Smt. Sushilaben Shantilal Patel.

(Transferor)

(2) M/s General Accessories Mfg. Co.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR.JII/37.G/2678.—Whereas, I. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. piece or parcel or land bearing a part of S. No. 92,
H. No. 4, S. No. 118 S. No. 120 H. No. 3, 5 & 6, Village Pahadi Taluka Borivii Melad Bombay

Pahadi Taluka Borivli Melad, Bombay

situated at Bombay

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 17-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Piece or parcel of land S. No. 92, H. No. 4, S. No. 118, 120 H. No. 3, 5 and 6, Village Pahadi, Taluka Borivli, Mulad, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Regis. 44-ing Officer at Sr. No. S. 1277 dated 17-7-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

Seal;

(1) Rita Misquitta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manilal G. Shah & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/2699/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land, C.S. No. 616, S. No. 139(pt), Village Malad, sub district of Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering Officer at Bombay on 14-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Piece of land CTS. No. 16, H. No. 16, H. No. 39(p), Village Malad, Bombay,

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-2654/80 dated 14-8-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incorn tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, is the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, named ly ;-216-36 GT 96

Dated: -10-3--86

Scal:

(1) Mr. Daniel Felix Gomes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ayra Jamshed Cama & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/2677/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece or parcel of land S. No. 67, Hissa No. 19, Village
Manori, Taluka Borivli, Survey No. 263, Goregaon, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on
19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 19, Village Manori, Taluka Borivli, S. No. 263, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1322-85 dated 19-7-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

Date: 10-3-1986

Seal;

#### (1) F. E. Dinshaw Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. B. Tiwari,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37Gi/2698/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Lovel at Summy No. 239, Malad (E), Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on
6-8-8-5

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 239, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3164/82 dated 6-8-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Irispecting Assistant Commissioner of Income-for
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

(1) Mr. M. Digvijavsjughiji.

(Transferor)

(2) Mr. R. M. Mehta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/2670/85-86.—Whereas I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece or parcel of land, C.T.S. No. 5, 5/1, Village Chinchavali, Malad, Taluka Borivali, and more fully described in the Schedule annexed herefol.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more han lifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers md/or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-leading (1) of Section 269D of the said A t, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land CTS No. 5, 5/1, Village Chincholi, Malad, Taluka Bor vli, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1099/82 dated 25-7-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-3-1986

(1) Smt. Navabai Tilkamdas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxman T. Bhajaj.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/8691/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 271 M. S. Bldg. No. 8, Chembur Colony, Bom-

bay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Room No. 271, M. S., Bldg. No. 8, Bombay-74. Chen bur colony,

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1549/83 dated 5-8-1985

z.. PRASAD Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitic a Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Dated: -10-3 -- 86

Scal:

#### FORM LT.N.S.

(1) Shri N. D. Patil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mulund Mitradham Co. op. Hsg. Soc, Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Objections, if any, to the acquisition of the mid property by he made in writing to the undersigned :---

COMMISSIONER OF INCOMETAX ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37G/2715/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land, S. No. 41, H. No. 1(pt) C.T.S. No. 659 & S. No. 108, H. No. 2(pt), C.T.S. No. 658, Nahur village,

Taluka Kuria, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

Piece of land S. No. 41, H. No. 1 (P). CTS No. 659 and S. No. 108 H. No. 2(p), CTS. No. 658, Nahur village, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 203/84 dated 31-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

Scal:

PART III-SEC. 1]

### FORM ITNE-

(1) Mrs. M. A. Luji & Ors.

(Transferor)

17797

(2) Shri Abbas Ebrahim & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/2688/85-86.--Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing City Survey Nos. 1382, 1382/1 to 5 Village
Vakola Revenue Village Kole Kalyan Santacruz, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kalyan Revenue Village, Santacruz, Bombay. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S.3118/81 dated 7-8-1985.

Piece of land C.T.S. No. 1382, 1382/1 to 5, Village Kole

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

### FORM ITNS--

(1) Smt. Vishnubai Wd/o Shri Parumal Purswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Muna Babu S. Bhole.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 10th March 86

Ref. No. AR-III/37G/2702/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Block No. 118, Room No. 94, Mulund Colony, Bombay-82 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 118, Room No. 94, Mulund Colony, Bombay-82. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3717/82 dated 5-8-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

#### FORM ITNS---

(1) Mrs. Jainabi Rustom Mohamed Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bazame Khidamtgar Hazrat Pir Bengali. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 10th March 86

Ref. No. AR-III/37G/2681/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000% and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing S. Nos. 6512 & 6513 Kalina, Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 174,1985

1908) in the office of the Registration Act (1906 to of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 174-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
217—36/41/86

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires nter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX& of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 6512 and 6513, Kalina, Bombay. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 7846 dated 17-8-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-3-1986

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Shantaben Ishwarbhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saraswatiben R. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay the 10th March 86

FYPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37G/2696/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1.00,000%—and bearing

Land on cast side of glass works in Village Pahadi in Eksar S. No. 111(f) Pahadi Village, Malad, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957); Piece of land on the cast of Glass Works in Village Lahodi, Iskar of Pahadi Village Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1537/73 dated 5-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 10-3-1986

(1) Gregory D'Souza.

(Transferor)

(2) Malad Mandakini Go. op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 10th March 86

Ref. No. AR-III/37G/2719/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovas the said Act, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Land at S. No. 30, H. No. 1(pt), & 2(pt), Village Valuai Plot No. 2 and CTS. No. 400 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the Positive transfer and the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land S. No. S. No. 30, H. No. 1 (p) and 2(p), Village Valnai, Plot No. 2, CTS. No. 400 Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 270/76 dated 22-8-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-3-1986

#### FORM ITNS----

(1) Shantaram Sovai Keni & Ors.

(Transferoi)

(2) Shri Albert D'Souza.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 10th March 86

Ref. No. AR-III\'37G/2686.--Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Laid at Mavani Village, Survey No. 38, Hissa No. 12, CTS.

No. 1416, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed heretc.), has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and f have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land, Malavani Village S. No. 38 (H. No. 12), CTS. No. 1416, Malad, Bombay. The agreement has been registered with the Sub-Regstering Officer at Sr. No. 1733 dated 13-8-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1986

(1) Dr. Narottam R. Nathwani,

(Transferor)

(2) Mr. J. R. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION '269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISTTION RANGE-III

Bombay, the 10th March 1986

kef. No. AR-III/37-G/2723/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00 (000), and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land, S. No. 7, H. No. 1 (pt) 2 (pt) 3 (pt). S. No. 95, H. No. 1 (pt) C.T.S. Nos. 87 & 376, Eksar Pahady, situated at Rombuy.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transletted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 29-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niven per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 7, H. No. 1 (pt) 2 (pt), 3 (pt), H. No. 95, H. No. 1 (pt), CTS No. 87 and 376, Eksai Pabadi, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3363fil84 dated 29-8-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

(1) Mr. Bulchand Ramchand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. D. S. Manindersingh.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37-G/2701/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 85/6, Mulund Colony,

**Hombay** 

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the notice in the Official of the publication Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 85/6, Mulund Colony, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1279/76 dated 1-8-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JIL Bombay

Date: 10-3-1986

### FORM ITNS----

(1) Mr. T. L. Bhagtiani

(2) Mr. T. K. Aswani & Ors.

- (Transeror)
- (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1986

Ref. No. AR-III/37-G/2712/85-86.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 50 4 (pt), Shivaji Chowk, Mulund Colony,

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922. (1) of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Block No. 50/4, Sivaji Chowk, Mulund Colony, Bombay-82.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1914/84 dated 5-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1986

(1) Rita Misquitta & Ors. (2) Dhanii M. Shah & Ors.

(Transeror)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP.
TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

Chapter.

from the service of notice on the respective persons.

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. A. A. PRASAD, AR-IIIff37-G/2700/85-86.—Whereas, I,

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 624, S. No. 139 (pt), Daruwalla Compound, Village Maled.

Malad, situated at Bombay

Bombay on 14-8-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saidhact

shall have the same meaning as given in thus

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aind /or
- (b) funditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Piece of land, C.S. No. 624, S. No. 139 (pt), Daruwalla Compound, Village Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2652/80 dated 14-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

Scal:

FORM NO. ITNS-

(1) K. K. Gupta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. Narayanan.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-III/37-G/2693/85-86.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1962 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sid Act'), have reason to oblieve that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land, Plot No. 164, 4th Road. Scheme No. III,

Chembur.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market viane of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evenion or the Hability of the transferor to pay tax under the mild Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for th) purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlds-two A st. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons-

namely: -218-36GI/86 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land, Plot No. 164, Scheme No. III, 4th Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 4768/85 dated 6-8-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-3-1986

Scal:

### FORM ITNS ---

(1) Mr. Nusli N. Wadia & Ors.

(Transferor)

(2) The Malad Cosmopolitan Education Trust. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-III/37-G/85-86.—Whereas, I, PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Piece of land, S. No. 300 (pt) CTS No. 400 (pt) & 444 (pt), Kedarmal Road, Malad (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the children of terms.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 300 (pt) CTS No. 400 (pt) & 444 (pt), Kedarmal Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1098/79 dated 5-7-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay** 

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely :---

Date: 11-3-1986

(1) The Giriraj CHSEL.

(Transferor)

(2) The Reserve Bank of India.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rcf. No. AR-III/37-G/2662/85-86.--Wherens, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, C.S. No. 534, 540, 541, H. No. 2 & 3, Village Bhandup, Taluka Kurla, Bombay situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-find exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece of land, C.S. No. 534, 540, 541, H. No. 2 & 3, Bhandup Village, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1212/85 dated 2-7-1985,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur-poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Gempetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-3-1986

Scal:

### FORM ITNS ---

(1) Kamlaben R. Patel.

(Transferor)

(2) Amar & Associates.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II1/37-G/2665/85-86.-- Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, Plot No. 354-A, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece of land, Plot No. 354-A, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2511/85 dated 18-7-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1986

## (1) Marguerita.

(Transferor)

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mariana.

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-III/37-G/2695/85-86.—Whereas, I. A, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land, Room No. 40, 2nd floor, Wadia Trust Estate, Kurla, Bombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or sav moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land, Room No. 40. 2nd floor, Wadia Trust Fstate, Kurla, Bombay-70. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3929/83 dated 13-8-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-3-1986

### FORM ITNS----

(1) Shri Hariram C. Ahuja,

(Transferor)

(2) Shii Balkarsingh Moharsingh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-III/37G/2721/85 86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Tenament No. 311, M. S. Bldg. No. 9, Chembur Colony, Possbay, 74

Bombay-74

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Tenament No. 311, M. S. Bldg. No. 9, Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 4033/82 dated 29-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1986

Scal :

(1) Shri H. C. Sheth & Ors.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) New Vasant CHSL.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-III/37-G/2668/85-86.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. D, C.S. No. 28/6, S. No. 133, H. No. 3. Ghatkopar Indl. Road, off. L.B.S. Marg, Ghatkopar (W). Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bomboy on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. D, S. No. 133, H. No. 3, C.S. No. 28/6, Ghatkopar Indl. Road, off. L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 3971/84 dated 24-7-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6473/85-86,---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that piece or parcel of land, bearing C.S. No. 2/631, 632, 628, 629, 1/631 of of Girgaum Division, Bombay

situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at
Bombay on 1-7-1985
for an apparent consideration

which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc. in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intlate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Achut Gajanan Gangal, Nahar Moreshwar Joshi & Madhav Purshuram Gadre,

(Transferor)

(2) Messrs Vidhani Builders.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land bearing C.S. No. 1-A/631 of Girgaum Division, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6385/85-86 on 1-7-1985,

NASÁR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 12-3-1986

#### FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Kanta W. Chadha.

(Transferor)

(2) Messrs Maneswari Trading Company.

(Transferee)

(3) Mr. W. N. Chadha.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7416/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. D-3, together with Garage No. 12, Rashmi Bldg.,
Messrs Rashmi Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Carmaichael Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rerecus, namely 📜

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. D-3, together with Garage No. 12, Rashmi Bldg., Messrs Rashmi Co-operative Housing Soc. Ltd., Carmaichael Road, Bombay-26.

The agreement has uthority, Bombay, been registered by the Competent under S. No. AR-I/37EE/6971/ Authority, Bomba 85-86 on 24-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bombay

Dato: 12-3-1986

Seal:

219---36GI/86

(1) Shri Harcah A Sippy.

(Transferor)

(2) Smt. Anchal H. Sippy.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7438/85-86.—Wheres, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 37, 5th floor, Bhaveshwar Darshan, 31-C, Pedder

Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 37, 5th floor, Bhaveshwar Darshan, 31-C, Pedder Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6992/85-86 on 25-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, \* Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7265/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

10, New Marine Lines, Bombay-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than Ricen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

as the 'said Act'), have ressen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng No. Office Premises No. 414A, 415 & 416, Jolly Bhavan No. 1, 10. New Marine Lines. Bowhard 20.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Alkumal Export Organisation.

(Transferor)

- (2) M/s. Alkemal Export Organisation Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferor.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this profes in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises Nos. 414A, 415 & 416, Jolly Bhavan No. 1 Commercial CSL 10, New Marine Lines, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent S. No. AR-I/37EE/6827/ Authority, Bombay, 85-86 on 7-7-85. under

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1986

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7190/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 33, Bharat Mahal, 86, Marine Drive, Bombay-2 has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 13 the following persons namely:—

- (1) Shri Prakash R. Raut & Shri Deepak R. Raut.
  (Transferor)
- (2) Shri Arjan T. Hathiramani & Smt. Pushpa A. Hathiramani.
  - (Transferee)
- (3) Transferecs.

  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Countie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period contras later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 33, Bharat Mahal, 86, N. S. Road (Marine Drive) Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6755/85-86 on 4-7-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-3-1986

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

# (1) Shri Naraindas K. Hinduja, Smt. Chandra A. Hinduia.

(Transferor)

(2) Smt. Radhika C. Hinduja.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7291/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 2578 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60% share in Office Premises No. 7-C, Everest 156, Tardeo

Road, Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thing fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceast persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever, period a various later. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

### THE SCHEDULE

60% share in office premises No. 7-C, Everest, 156, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6849/85-86 on 11-7-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-3-1986

(1) Smt. Radhika C. Hinduja.

(Transferor)

(2) Shri Naraindas K. Hinduja & Smt. Chandra A. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7290/85-86.--Whoreas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 8C & 9C, Everest, 156, Tardeo Road,

Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 11-7-85

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of fiction off the puspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

40% share in Office Premises No. 8-C & 9-C. Everest, 156, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6847/85-86 on 11-7-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/2720/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 18A, 5th floor, Shalimar CHSL, 91, Marine Drive, Bombay-2

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under th respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bhagwandas Khemchand D. Sabnani.

(Transferor)

(2) Rajendra Harakchand Shah, Tarun H. Shah, Smt. Jiviben H. Shah.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persec whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 18A, 5th floor, Shalimar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 91, Marine Drive, Old Marine Lines Rly. Station, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6848/85-86 on 11-7-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dato: 12-3-1986

## FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. P. K. Ramachandran.

(Transferor)

(2) T. K. Hariharan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7333/85-86.—Wheeas, I, NISAR AHMED,

NISAK AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Plot No. 47, Anjall, 2nd floor, Scheme No. 6, Road No. 2, Sion (E), Bombay-22 (and more fully described in the Schedule approach hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB o fthe Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Plot No. 47, ANJALI, 2nd floor, Scheme No. 6, Road No. 2, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6891/85-86

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 12-3-1986

on 15-7-85.

# (1) Mrs. Storger D. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jaydeesh Nee Deesh Sachdev.

(Transferee)

(3) Transferec her husband Rajendar Nath Sachdev. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7180/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. 3. Bldg No. 5, Sukh Shanti Building, 19, Pedder

Road, Bombay-26

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been trusferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at

Competent Authority at Bonday on 4-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the vartice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and**/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, Bldg. No. 5, Sugh Shanti Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 19, Pedder Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No.  $\Delta R$ -1/37EE/6746/85-86 on 4-7-85.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-220--36G1/86

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7410/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Diamond Mansion, St. No. 366-68, Kalbadevi Road, Dr. Viegas Street, C.S. No. 757 of Bhuleshwar Divn (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 27-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Diamond Jubilee Trust.

(Transferor)

(2) Shri Maganlal H. Vyas, Anantrai M. Vyas, Shri Bakul M. Vyas & Shri Ramesh M. Vyas.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

'Diamond Mansion' St. No. 366-68, Kalbadevi Road, Corner Dr. Viegas St., Bombay-2 C.S. No. 757 of Bhuleshwar Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6965/85-86 on 27-7-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-3-1986

teal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Rcf. No. AR-I]37EE|7446|85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-1301, Surya Apartments, Bhulabhai Desai

Road, Bombay-7

sons, naœelv

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trusferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section

(1) of Section 269D of the said Act, to the fet sing per-

(1) Shri Ratilal Purshottam Rayani & Smt. Neena Ratilal Rayani.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Khanna.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4) Surya Apartments Co-operative Housing Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-1301, Surya Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7000,85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Dated: 12-3-1986

ical:

FORM I, T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7383/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 59 60, 3rd floor, Chowpatty Tejkiran Society, 2nd Dadyseth Lane, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Competent Authority Pombay on 19-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Chandrakant Mansukhlal Shah (Nomince) A(ul C. Shah (Beneficial Owner).

(Transferor)

(2) Jatin Ramanlal Patani & Shilpa Jatin Patani. (Transferce)

(3) Tranferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 59/60, 3rd floor, Chowpatty Tejkiran Society, 2nd Dadyseth Lane, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6940/85-86 on 19-7-1985.

19-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 12-3-1986

(1) Mrs. Sangeeta Pashupati Advani.

(Transferor)

(2) Amrit T Motwane

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I вомвау-38

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7263/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Fut No. 30, 6th floor, Colaba Court Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 5, Private Scheme of Sir J.J. Charity Funds,

Off Colaba Road, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under scetton 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Boulbay on 9-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inhility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 604/19
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 30, 6th floor, Colaba Court Co-operative Housing Society Ltd., Jejecbhoy Charity Funds, Off Colaba Road, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6825/85-86, on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocraons, namely:-

Dated: 12-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7307/85-86.— Whereas, I, NISAR AHMED

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 72, 7th floor, and Garge No. 39, Gr. floor, Nehr-Naz Co-op. Hsg. Soc. 1.td., 44, Cuffe Parade, Colaba, Bombay.

Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Dr. Keki E. Shroff, Dr. (Miss) Zvaer Keki Shroff and Dr (Miss) Perisis Keki Shroff. (Transferor)

(2) J.G.E. (India) Limited.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning in given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 72, 7th floor, & Garage No. 39, Mehr-Naz Co-op. Housing Society Ltd., 44, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6865/85-86 on 11-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1986

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

, Ref. No. AR-I 37EE/7206/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Office Premises on 17th floor, & Car Parking space No. 14, Nirml Building, Nariman Point, Bombay-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 5/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Shriniwas R. Dhoot,

(Transferor)

(2) I.G.F. (India) Limited.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Office Premises on 17th floor, & Car Parking space No. 14, Nirmal Building, Nariman Point, Bombay-21,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/6770/85-86 on 5/7/1985.

NJSAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Dated: 12-3-1986

(1) Shri Sitaram Anant Kelkar.

(Transferor)

(2) Shri Sadanand Madhusudan Vaidya.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Rcf. No. AR-I/37EE['7386/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

(hereinaster referred to as the 'said Act')

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Prafulla Co-op. Hsg. Society Ltd., Goregaankar Lane, Girgaum, Bombay-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bomby on 19/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely ....

Objections, if any, to the acquesition of the said property may be made in writing to the undersigned:~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Prafulla Co-op. Hsg. Society Ltd., Gorcgaonkar Lane, Girgaum, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-I 37EE/6943/85-86 on 19/7/1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated: 12-3-1986

### (1) Mr. David J. Nagaonkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vimlaben Assandas Chandnani.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. B-39, Bhagnari Co-op. Hsg. Sec. Ltd., Duncan

Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the oarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a residual expression and the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-39, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan huseway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-1/37EE/6696/85-86 on 2/7/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unedr sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— 221-36GI/86

Dated: 12-3-1986

# NOTICE UNDES NACTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GO /EKNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7124/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/2 and beging

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 19, 3rd floor, Wadala Smruti Co-op. Hsg. Soc. 1 td., 20/20, R.A.K. Marg, S.W. Scheme No. 57, Road No. 22, Wadala, Bombay-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harshadkumar Gordhandas.

(Transferor)

(2) Mahendra Prabhudas and Arun Prabhudas.

(Transferce)

- (3) Transferor.
- (3) Transferees.
- (Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as Even in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 19, 3rd floor, Wadala Smruti Co-op. Hsg. Soc. I.td., 20/20, R.A.K. Road S.W. Scheme No. 57, Road No. 22, Wadala, Bombay-31,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6689485-86 on I/7, 1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated: 12-3-1986

### PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 249-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Ref. /No. AR-I/37EE/7182/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 405, 4th floor, Sindhu Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. G.T.I. Narayan Nagar, Chunabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/7/1985

4/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mr. Kamruddin Habib Premji.

(Transferor)

(2) Mrs. Vasanti Dinesh Mirkar.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4° days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Sindhu Apartments Co-op. Hsg. Soc. 1 td., Narayan Nagar, Opp. G.T.I. Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6748 '85-86 on 1/7/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7445|85-86.—Whereas NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, 2nd floor, Colaba Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Strand Cinema, Colaba, Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal'h-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Dara Rustomji Wadia, Mrs. Roshan Burjor Modi, Mrs. Arnawas Framroze Bharucha, Mr. Framroze Manceksha Bharucha, Mrs. Gool Tehmurasp Panthaky and Mr. T. P. Panthaky.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma Ram Advani and Mr. Ram Khubchand Advani.

(Transferec)

(4) Colaba Co-operative Housing Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used be ein as are defined in Chapter XXA of the mid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hiat No. 17, 2nd floor, Colaba Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Strand Cinema, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-I/37EE/6999185-86 on

25/7/1985.

NISHAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-t Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37FE/7371/85-86.—Whereas, !, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a rair market value Rs 1,00,000/- and bearing Office Block No. J. 2(N.W.), 4A(1)(i) & 4A(1)(ii) on the Mezzanine floor of the Bldg. India House No. 2, Kemps Corner, August Kranti Marg, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under action 250 AB of the soil Act in the Office of the section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to delieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or erasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any laceme arising from the transfer; and /orz
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-text the Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons namely:-

(1) Mrs. Tahera R. Gulmohaned & Mrs. Rukia A. Kadwani.

(Transferor)

(2) Betterfly Travels Pvt, Ltd.

(Transferce)

- (3) Dr. Keki M. Mistri, M/s. S. R. Javeri & Co., Mrs. Tahera R. Gulmohamed, Mr. Tayeb Abdullah, Mr. Hasham Abdulla, Mrs. Mariambai Abdulla, Mrs. Zarinabai Suleman & Mrs. Aishabai Jusale. (Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. Tahera R. Gulmohamed, Mrs. Fatma A. Omer, Mrs. Rukia A. Kadwani & Mrs. Amina S. Merchant.

(Person whom the undersigned knows to be interested iin the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia: יוניות ע. Genetie.

EXPLAMATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Block No. 1, 2(N.W.), 4A(1)(i) & 4A(1)(ii) on the Mezzanine floor of the Bldg. India House No. 2, Kemps Corner, August Kranti Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6928/85-86 on 18-7-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 12-3-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5253/85-86.—Whereas, i, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece and parcel of land being at Charni Road, alongwith the Bldg, viz Chawl C. S. No. 1466 (Pt), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nana'ohai Krishnarao Goregaonkar (Transferor)
- (2) Girgaon Audarsha Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Shri Purshuram Sridhar Karve
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice.

  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the primiration of this notice in the Official Gazette.

I.XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom. 2868/82 and Registered on 1-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 12-3-1986

# FORM ITNS---

# (1) Shri Hashim Daujce Dadabhoy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahmood Yusuf Mohamed yand Mohamed Cassmi

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I, 37-G, 5262/85-86.--Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Dadabhai Building 93-Plot, Sydenm Road Estate of B.M.C.

Bombay-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom/1608/81 and Registered on 15-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR ATMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Dated: 12-3-1986

Soal:

## FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No.  $\Lambda R-1/37-G/5256/85-86$ .—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
All that piece of land of Foras Tenure at Tardeo Road, Old

Survey No. 464, New Survey No. 3384 and bearing Cadastarl Survey No. 2/404 and 404, Tardeo Division.

stituated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anglor
- (b) facilitating the concealment of any moome or any saoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

(1) Turf Aerated Waters Private Ltd.

(Transferor)

- (2) Jay Girnar Premises Co-operative Society Limited. (Transferee)
- (3) 74 Persons

(Person in occupation of the property)

(4) 74 Persons.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days n the service of netice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in litte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered leed No. Bom. 2583/77 and Registered on 9-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMFD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Pombay.

Dated: 12-3-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5259/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Freehold and leasehold land together with the Bldg, thereon bearing C. S. No. 914, 1/914, 912 and 913 and final plot No. 38, T.P.S. 1. Mahim, & Jn. of Narsi Natha Street & Masjid Bunder Road, Mandvi Division, Bombay, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason between that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

222--36GI/86

- (1) Smt. Nilam D/o Gordhandas Tribhovandas Narsidas and w/o Chandulal Motilal Gandhi. (Transferor)
- (2) Platinum Estate Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3 28 Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom. 443/80 and Registered on 9/7/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 12-3-1986

Scal;

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5267/A|85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable

as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or parcel of land with Tenanted Buliding known as Welling House, bearing old Survey No. 29, New Survey No. 1/8876 and C.S. No. 2/929 of Fort Division Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any usoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

- (1) 1. Jitendra Harjivan Timbadia,2. Anila Chandulal Lakhani

  - 3. Vrajlal Morirhand Kakhani 4. Vrajlal Morirhand Lakhani
    - Parul Khushal chand Timbadia, Partners of Messers Anupam Enterprise.

(Transferor)

- (2) 1. Nenshi Lakhamshi Shah &
  - 2. Kantilal Nenshi Shah,

Present Trustees of Nenshi L. Shah Family Trust No. 2

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Bom. 2442/81 and Registered on 22/7/1985 with the Sub-registrar Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5270/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at 2nd Carpenter Str. being land with Bldg., known as Pandya House C.S. No. 2979, Bhuleshwar Division Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exteeds the apparent consideration therefor by more than fixen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Smt. Sulochana Balkishna Pandya

(Transferor)

(2) 1. Manoharlal D. Somaiya,

2. Mrs Mangalaben D. Somaiya 3. Rameshchandra D. Somaiya,

4. Natverlal D. Somaiya, & 5. Bharatkumar D. Somaiya.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. Born. 927/83 and Registered on 22-7-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 12-3-1986

## FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85|158.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th portion of the Ground floor on situated at North

West side common stairs 800 sq. ft. No. 104 Kirti Nagar New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Shivlok Apartments Indiai
 Ltd. 410 New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal Butra S/o Shri Kundan Lal Batra, N-20, Kirti Nagar, New Delhi-110015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One fourth portion of the Ground floor on North West side common tairs 800 sq. ft. No. 104, Kirti Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

# FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 12th March 1986

C.R. No. 62/47973/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 81, (Flat) situated at No. 14/32, Rest House Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajanagar on 23-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to delieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Mrs. Manjula Dhirajlal K. Shetia, W/o. Dhirajlal K. Shethia, No. 37, VI floor, Harinivas, Co-op. Housing Society, 'C' Road, Church Gate, Bombay-20.
- (Transferor) (2) Abdul Kader Mohamed Kasargod,
  - Mrs. Safia Abdul Kader Kasargod,
     Mailan Chikkal Abdulla Zubair of Cannanore Dist.
  - 4. Mrs. Bilavina Kathu Zainaba Jasmise Abdulla Zubair, Cannanore Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1239/85-86 dated 23-7-85).

All that premises & Property being a flat bearing No. 81 in the apartments constructed on the property bearing M. No. 14/32, Rest House Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually :---

Dated: 1-3-1986

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

GRADE-I (UNDER SECRETARY) LIMITED DEPART-MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHE-DULED CASTE/SCHEDULED TRIBE CANDIDATES, 1986.

## New Delhi, the 26th April 1986

No. F. 25/1/86-E.I(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned in Para 2 below against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates will be held by the Union Public Service Commission commencing on 16th September, 1986 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Training in the Gazette of India dated 26th April, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE. TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME-TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure Para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

#### Category-1

3(The break up of SCs and STs not intimated by Government) Grade-I of the Central Secretariat Service.

## Category-II

Grade-I of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'.

2(for ST Candidates)

# Category—III

Grade-I of the Railway Board Secretariat Service.

1(for SC Candidates)

The above number is liable to alteration.

- 3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, through the attached form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011.
- Note:—Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade—I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1986. Application Forms other than the one prescribed for the Grade—I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1986 will not be entertained.
- 5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 9th June, 1986 (23rd June, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spitil District and Pangi Sub-Divison of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and

for candidates residing abroad from a date prior to 9th June, 1986) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Atunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 9th June, 1986.

Note:—Candidates who are from areas—entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicates in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time—(e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

## ANNEXURE

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see if they are eligible.

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH J OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of Centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in Centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by Registered Post, giving full justification as to why he desires a change in Centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 18th August, 1986 will not be entertained under any circumstances.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative Centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian Numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidate will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form, They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms. × 7 cms. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
  - (ii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms.  $\times$  27.5 cms.
- (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- 4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- 5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso-facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is Issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidates does not, ipvo-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Com-

- mission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 8. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 9. Communications Regarding Application.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110 0)1), AND SHOULD IN-VARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTI-CULARS:—
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGIS-TRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.
- N.B. (i) :---COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii):—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

10. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE FARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

42+

12\*

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

# COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION OCTOBER, 1986

New Delhi, the 26th April, 1986

No. F.8/10/85-E-I(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 19th October, 1986, for admission to the undermentioned courses:—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- (1) Iadian Military Academy, Dehra Dun 150\*@ (83rd Course commencing in July, 1987) [Includes 32\* vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in July, 1987.
  - (a) General Service
    [Including 6 reserved for NCC 'C'
    Certificate (Naval Wing) holders].
  - (b) Naval-Aviation. 33\*
- (3) Air Force Administrative College C/O AF Station Begumpet [Pre-Flying Training Course commencing in July, 1987 i.e. No. 142 F(P) Course (includes 3 reserved for special entry of NCC Candidates and 2 reserved for special entry of service personnel candidates).
- (4) Officers' Training School, Madras [46th 275\*@ SSC (NT) Course commencing 'n October, 1987].
- \*The above numbers are liable to siteration.
- \*@This includes training wastages.

N.B. (i).—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(g).

No request for additionalteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

However, only in case of shortfall on IMA|Naval|Air Force Academics, candidates having OTS as their first choice and also qualified for IMA|Navv|AF can be considered for induction into these courses in order of their choices if otherwise eligible.

N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA|Naval Academy/Air Force Acamedy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE 1: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) (Navat Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing|Senior Division Air Wing|Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wingi Senior Division Air Wing|Naval Wing) examination to reach the Army HORtg 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA|SSC (NT) first choice candidates and Navat HOR&R. Sena Bhawan, Now Delbi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A) Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by 30th June, 1987.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the senior Division Army Wing 3 academic years in the Senior Division Air Wing Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA Naval Academy Air Force Academy Courses on the last date of accept of applications in the Commission's office,

Wing Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Açademy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personelity test by a Services Eelection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy|School, and (c) brief particulary of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy. Air Force Academy and Officer' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

MOTE:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES! INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawi, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jamma, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagnur, Panaii (Goa), Patna, Port Blair, Paiagr, Shillong, Simla, Srinagar, Thuapati, Trivendrum, Udaland Vishakhapatnam,

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MINT'ONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY SEFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF PLACES OF EXAMENATION (See page 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary Union Public Service Commission by registered post, giving full instification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 19th September, 1986 will not be entertained under any circumstances.

- 3. CONDITIONS OF ELICIBILITY
- (a) Nationality :---
  - A candidate must either be-
    - (t) a chizen of India, or
    - (ii) a subject of Bhutan, or
  - (HI) h subject of Nepal, or
  - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia Malawi, Zarie and Ethiopia and Victnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iil), [iv) and (v) above shall be a person in whose favour a contificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligiblity is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt, before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, sex and marital status:-
  - (i) For IMA—Unmarried male candidates born not earlier that 2nd July, 1962 and not later than 1st July, 1968 only are eligible.
  - (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1965 and not later than 1st July, 1968 are only eligible.
  - (iii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1962 and not later than 1st July, 1968 are only be accepted.

Norm:—Date of hirth as recorded in Matriculation|Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

- (c) Educational qualifications :-
  - (i) For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
  - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics andler Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics andler Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy Air Force are to submit proof of praduation provisional sertificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. © SP (e)] NHQ (R&K Section)/Air HS-PO3A respectively,

(sandidates who have the part the degree examination and degree examination to reach the Army HQ|Rtg. a(SP)(e); New Delhi-110022 in case of IMA|SSC(NT) first choice candidates and Nava! HQ|R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and PO3(A)|Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Flort, West Block No. 6 Rama Krishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 30th June, 1997
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 30th September, 1987.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note I Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of large conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of resums or any other ground whatsoever.
- Note It: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailers (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagement will be entertained only if these have been duly recommended by their Commindian Officers.
- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28 (Rupees Twenty-eight). Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/ SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY HER.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bana fide displaced person from erstwhile East Pakister (now Banala Desh) and has migrated to India during the person between 1st Ianuary 1964 and erstwhile West Pakistan and has migrated to India during

the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 on the a conta place repatriate of Indian origin from Burma who sugrated to India on or after 1st June 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

- 6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination October, 1986 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
  - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-119011, by remitting Rs. 2|- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
  - (ii) On each payment of Rs. 2|- (Rupees Two) at the commission's office.
  - (iii) Free of Charge from nearest Militany Area Sub-Area Headquarters, Naval and Air Force Establishments

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink er with ball point pen. All entries answers should be in words and not by Tashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any ills jible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special sare  $\mathcal{V}$  fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service of in Government owned industrial undertaking or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing in the examination their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (viz. Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 23rd June, 1986 (7th July, 1986, in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manupur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 23rd June, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary dozuments.

No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Iripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Iripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 23rd June, 1986.

- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be respossible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

# (A) By all candidates:—

(i) Fee of Rs. 28- (Rupees Twenty-eight) through crossed Indian Postal Order payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission the State Bank of India, Main Branch, New

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the

case of Postal Orders the names and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the surpose.

Candidates residing abrusa should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

# (ii) Certificate of age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University, Candidates must submit two attested certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested certified copy of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificates, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster Principal of the Institution from where he passed the Matriculation Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION, HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATON WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION,

(iii) Attested|certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualification does not indicate the subjects of the examination, he must submit in addition to the attested/certified copy of University certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with Physics and/or Mathematics, as subjects of examinations. If however, the candidate has passed his degree or equivalent examination with subjects other than Physics and/or Mathematics, he must, in addition to attested/certified copy of degree or equivalent certificate, submit an attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern or the 11th/12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education) or an equivalent examination. In such a case, if the attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination old pattern of 11th/12th Standard Examination (under the10+2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must also be submitted

- (iv) Attendance sheet (attached with the application Form) duly filled.
- (v) Iwo identical copies of recent passport size (5 cm. ×7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms.×27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes Scheduled Tribes candidates:—Attested certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste Scheduled Tribe.
  - (C) By candidates claiming remission of fee:--
    - (i) An attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

## OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

#### OF

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.
- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge

#### OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka:

High Commission for India in Srl Lanka.

(c) Repairiates from Burma:

Embassy of India. Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

- (d) Displaced persons from erstwhile West Pakistan:
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

## OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

## OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

## OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

# OR

- (v) Deputy Retugee Rehabilitation Commissioner.
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) Injor Division Air Wing Naval Wing) holders competing to the vacancies reserved for them in the I.M.A., Air Force Academy Course and Naval Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appealing or fifihas appealed in the N.C.C, 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

NOTE:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
  - (i) A refund of Rs. 15|- (Rupees fifteen) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date no refund of fee will be made to that candidate.
  - (ii) A refund of Rs. 28|- (Rupees Twenty-eight) will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in October, 1985 ro in May, 1986, and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination October. 1986 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 1st April, 1987.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the Candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date proferribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATE FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warsed that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the applications form. Candidates are also warned that they should is no case correct or alter or otherwise tamper with any entry is a decument or its attested certified copy submitted by them nor should they submit a tampered applicated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more substantian regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

 obtaining support for his candidature by any means, or

- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- i(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admisson Certificate permtting them to take the examination, er
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses:

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period —
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allewed, to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of educational qualification to Army HQ Rtg. 6(SP) (e), New Delhi-110 022 in case of IMA|SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ|R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; is case of Navy first choice candidates and PO 3(A)|Air

Homewaters, wing No. 1, ist Phon. West Block No. 6 Rams account furain, New Arine-110066; in case of Air Force first enouge candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1987 (30th September, 1987 in case of SSC (NT) Only). Certified true copies of photosist copies of the certificates will not be accepted in any case.

CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE \$9B INTERVIEW ARE REQUIRED TO PRODUCE THEIR ORIGINAL CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR AGE AT THE TIME OF SSB INTERVIEW.

- 13. Communications Regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER! ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER! ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (1) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii) —IF A LETTER COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are reduced, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BUARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIALLY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG6(SP) (6) (8), WEST BLOCK 3, WING, 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI 110022. AND AIR HQ (PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they can not accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP) (e) (ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and PO3(A) Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, in the case of Air Force candidates.

candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ[Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles.

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks,
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.
- NB. .—In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of April, 1987 and by 4th week of July, 1987 for OTSSP he should write to Army Headquarters Rtg. (e) West block III, R. R. Puram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for SSB tests in March/April, 1987 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1987.

Candidates will appear before the Service Selection Board and undergo one tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may austain in the course of or as a result of any of the test given to them at the Services Selection Board whether to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i), written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit

on the bests of the total marks secured by then in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Note: Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aputude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board, A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

andidates who were previously selected as Special Entry Neval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No. candidate for the Short Service Commission (N.T.)

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) the having a spouse living, has entered into or stracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officer's Training School|grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

- 21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OF IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered tor any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMAINAI AFA, may be considered for induction into O1s on their merits provided there is shortfall on that particular course.
- 22. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candmates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns,

M. BALAKRISHNAN Dv. Secv.

#### APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

# A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises:-
  - (a) written examination as shown in para 2 below:
  - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
  - (a) For Admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Macks
1. English . , .	2 Hours	100
<ol><li>General Knowledge .</li></ol>	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

# (b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY		,
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100
OPTIONAL		
*3. Elementary Mathematics e Elementary Physics	or 2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150

Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th naper.

#### (a) For Admission to Officers' Training School

•	Time allowed	Maxlmum Marks
,	2 Hours	100
		allowed

#### (d) For Admission to Ale Force Academy

Subject	Duration	Maximum Marke
1. English	. 2 Hours	100
2. General Knowledge	. 2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculator for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.
- B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

# STANDARD

The standard or the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

# SYLLABUS

# FNGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understending of English and workmanlike use of words.

#### (IENERAL KNUHLLDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

## ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

#### Arithmetic

Number System—Natural numbers. Integers. Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions, ubtraction, multiplication, division. Square roots. Dec. al fractions.

Unitary method—time and distance, time and work-centages—applications to sample and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Fests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 14 Multiples and factors. Factorisation Flatorem. H.C.F. and I. C.M. Euclidese algorithm.

Logarithms to been 10, laws if logarithms, who of logarithmic tables.

# Algebra

Basic Operations, simple factors. Reminder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Ouly real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation Rational expressions and conditional identities Laws of fadicat.

## Trigonometry

Sinc X Cosine X, Funcent X when  $\theta \le M \le 90^\circ$ . Values of the x, was and ten x, for  $x=0^\circ$ , 30, 15°, 50° and 90°.

Simple trigonometric identities

Use of trigonometric tables

Simple cases of heights and distances.

# Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle. (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles. (vi) Concurrence of medians and altitudes. (vii) Properties of angles. sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangets and normals, (ix) Loci.

## Mensuration

Areas of squares rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular concarred cylinders. Surface area and volume of spheres.

# Statistics

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

## Measures of central tendersy.

## ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors, Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force, Units of Force, Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane Screw and Gears, Friction angle of frictions coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of Finds.—Pressure and Thrust Pascal's Law Archimedies principle. Density and Specific gravity. Archimedies principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of fletament. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law Air powers.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero, Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids: calorimetry. Transmission of heat Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of Insion and vancations. SVP humidity dew point and relative immittee.
- (e) Light.—Rectilinear Propagation, Laws of reflection, Scherical mirrors; Refraction, laws of refraction Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope telescope. Microscope, binocular & Periscope, Refraction through prism, dispersion.
- (h: Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound researce, Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity,—Laws of Magnetism; magnetis field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism. Conductors and insulptors. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating Mectromagnetic induction. Faraday's Laws. Basic AC & DC-generator.

# PHYSICS (Code No. 06)

# 1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia. Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum, Elasticity. Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

# 2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, memberanes and gas columns. Resonance, beats stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary orinciples of gramophone, talkies and loudspeakers.

# 3. Heat A Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adjabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines: Cornot's theorem: Laws of the znodynamics and simple applications. Black body radiations

# 224-36 GI/86

#### 4. Likal

Geometrical optics, Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherial surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

#### 5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination thermoelectric effect; Electromagnetic induction. Production of alternating currents Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

#### 6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity through gases: Cathode Rays and X-rays. Radioactivity, Artificial radioactivity. Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

# MATHEMATICS (Code No. 04)

#### 1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moiver's theorem for rational index and its simple applications.

#### 2. Marries

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

# 3. Analytical Geometry

# Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles systems of circles elipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form Fangests and normals.

# Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

# A. Calculus and Differential Equation

Differential Calculus—Concept of limit, continuity and Differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and minima of a function of single variable geometrical applications such as tangent, normal subtangent subnormal asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial, differentiation, Eullers the homogeneous functions.

Integral Calculus.—Standard methods of micgration Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification anadrature volumes and surface sees of solids of evolution. Simpsons rule for numerical integration. Differential Equations.—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

# 5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution.—Binomial Distribution, definition mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate Distribution.—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error, Simple application of the normal, t, chi<sup>3</sup> and F distributions for test of significance.

Note:—Out of two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

# INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence. Tests both verbal and non-verbal, designed to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

# APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit temporarily unfit will be naturated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
  - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
  - (b) There should be no evidence of weak constitutes bodily defects or over-weight.
  - (c) The minimum acceptable height is 152 cms and (162.5 cms for Air Force). Height and weight standards are given below:—

Height and Weight Standards

Laborto Candharana	Weight in Kgs.					
eight in Centimetres (without shoes)	18 years	20 years	22 year			
152	45	46	4			
155 .	46	47	49			
157	47	49	50			
160	48	50	5			
162 .	50	52	5			
165	52	53				
168	53	55	4			
170 .	55	57				
173	57	59	6			
175	<b>5</b> 9	61	6			
178	61	62	•			
180	63	64	6			
183	65	67	•			
185	6 <b>7</b>	69	7			
188	<b>₹</b> 0	<b>7</b> 1	7			
190	72	73	1			
193	74	76	7			
195	77	78	7			

A+10% (for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and board built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each car at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the car, nose and throat.
- (h) There should be no signs or functional or organic disease of the heart and blood vessel. Blood presgure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and heelings is completed.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6|6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D, and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:—

Distant vision · 6/6, 6/9 Correc table to

6/6

Near vision N-5 each eye
Colour vision CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.75 dioptres and Hypermetropla not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Male Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed 1

(i) at 6 metres . . . Exophoria 8 prism diopres, Esophoria 8 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.

(ii) at 30 cm . Exophoria 16 prism dioptres, Esophoria 6 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.

- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the cheat will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.
- 2 In addition to the above, the following medical standsrds will be applicable in respect of Air Force candidates only:—
  - (a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows:

Height . . . . . 162 - 5 cms.

Log Longth . . . . Min. 99 cms. & Max 120 cms.

Thigh Length Sitting . . Max. 64 cms.

Height . . . . Min. 81 5 cms. & Max. 96 cms.

- (b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be diaqualifying:
  - (i) Granulomatous disease of Spine
  - (ii) Arthritis|spondylosis
  - (iii) More than mild kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15 by Cobb's method will be cause for rejection.
  - (iv) Spondylolisthesis|spondylolysis
  - (v) Hernlated Nucluus Pulposis
  - (vi) Compression fracture of Vertebra
  - (vii) Scheuemanns Disease
  - (vili) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
  - (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory
- (d) Vision

Distant Vision

6/6 6/9 Correctable to
6/6

Near vision

N-5 each eye

Colour Vision

CP-1 (MLT)

Macifest Hypermetropia

must not exceed 2.00D

# Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed a

(i) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism dioptres

Esophoria 6 prism dipotres.

Hyperphoria 1 prism dioptres

(II) at 33 cms. . . Exophoria 16 prism dioptres

Esophoria prism dioptres

Hyperphoria prism dioptres Myonia Nill

Astigmatism + 0.75 D only Bionocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

- (e) Hearing Standards
  - (i) Speech test . . . Whispered hearing 610 cms each ear,
  - (ii) Audiometric test . Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 400 Hz
- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

#### APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILI-TARY ACADEMY, DEHRA DUN
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy--
  - (a) he will be required to tign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal here shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be excelled under the Army Act as 'gentlemen' cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00
  - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 1500.00 Total: Rs. 1950.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.000000 month—Rs. 450.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHA-RASHIRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KHNDAL FRANK MEMORIAL Scapeship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 or annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6. Are outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—
  - (a) handed over to the cadet on his being granted a Communion; or
  - (b) if he is not granted a commission refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with

permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training, Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous/Military training for a period of 18 months almed at turning out officer training of leading infantry sub-units. On successful comparison of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

# 11. Terms and Conditions of Service

# (i) PAY

Rank	Rank Pay Scale		Rank	Pay Scale		
			Rs.		Rs.	
2nd Lieut		•	<b>750—7</b> 90	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed	
Lieut			830-950	Colonel	1950-2175	
Captain			1100-1550	Brigadier	2200 2400	
Major		•	14501800	Maj. General	2500—125/ 2—2750	
Major (Sc	loctic	ac				
Grade F			80050190	0		
Lt. Cotons				Lt. General	3000 p.m.	
(By sele	ction	)	1750—1950			
` '				Lt. General (Army Command	3250 p.m., iers)	
Lt. Colone (Selection		rade	2000-50-2100 Pay)	, ·		

# (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Li Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

# (iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer of present receives the following allowances.—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
- (e) Canala Allowance: Initial outfit allowance is Rs. 2100/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

# (IV) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and

#### (v) PROMOTION

#### (a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of sub-tantive pronouton to higher tanks:---

# By time scale

Lt		2 years of Commissioned Service
Capt.		5 years of Commissioned Service.
Major		11 years of Commissioned Service
Lt. Col.		21 years of Commissioned Service

#### By Selection

Lt, Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier .	23 years of Commissioned Service
Major Gen	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen. ,	28 years of Commissioned Service
General .	No restrictions.

## (b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher tanks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:—

Captain .					3 years
Major .					d years
Lt. Colonel					бі ускл
Colonel .					Så yours
Brigadier					12 years
Major Gene	ral		,		20 years
Lt. General					25 years
Lt. General					25 years

# (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN

- i. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy, Cochin.
- (1) Candidates not applying for government financial aid ;

<b>(i)</b>	Pocket all @Rs. 45			Rs.	225 -00
(ii)	For items ment	-		Rs.	460 -00
	Total			Rø.	685 -00

# (2) Candidates applying for Government financial aid:

(i) Pocket allowance for two months

1,	@Rs. 45 00 per month							90 -00
(II)	For items	of c	lothin	g and	equip	<b>)</b> -		
	ment		•		٠		Rs.	460 -00
	Total						Rø.	550 -00

225—36GI/86

- (b) (i) Selected Candidates with be appointed a cadeta and undergo training in Naval Ships and Establishment as under t
  - (a) Cadets Training including afloat training for 6 months 1 year
  - (b) Midshipmen affoat Training . 6 months

  - (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining 5.44 Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, meeting and medical recatment of the cadets at the Naval Academy will be bosse by the Government. Parents or guardiant of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's carear or guardian has an income less than 85 500 per measure are is unable to meet wholly or parily the pocket expenses of the cadet, financial assistance upon Rs. 55 per measure may a granted by the Government. A candidate desirous of accurring financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistian of his District, who will with his recommendations forward the application to the Director of Personn-1 Service, Nava, Head quarters, New Delhi:

Provided that in a case where two pr more some o. water of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments. Financial assistance as aforesaid may be granted to she of them for the period the simultaneously undergo training if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadeta applying for financial assistance may be issued with some of these terms of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

- Ourning the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailed or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the particular allowances of their substantive rank be less than the rankend assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (VI) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and stabilizament may, with the approval of the Government by withdrawn from training and discharged. A service cadet anser these electronstances may be reverted to signal approximent. A cadet thus discharged or reverted will not religible for re-admission to a subsequent course. Caseled cadets who are allowed to resign on compassionate (1940) and the course of cadets who are allowed to resign on compassionate (1940).
- 2. Service a condidate is relected as a cadet in the Indian No. 1. is pared or gue dian will be reprired to sign:----
  - A cutificate to the effect that he fully understands that he can be seen or ward shell not be entitled to chain any compensation or other relief from the Government in response of any injury which his son or ward hay aurain in the course of or as a result of the framing of whose bodily infirmity or death than in the course of or as a result of a surgical or metical performed upon or americals administered to the for the treatment of my injury served as aforesally of otherwise.
  - 1.) A bond to the effect that if for any reason considerces within one control of the caudidate, he wishes to witherary from training on fails to accept a commission, if offered, he will be findle to refund the whole or such particle of the rost of the tuition, force the tuling and pay and all assumes received as may be decided upon by the Government.

# " PAY AND ALLOW INCES

Rank	Pay Scale General Services
1	2
Midship, aca	Rs. 560 ·00
3 Sub-Lieut	
full. Lieut.	. R. 830 ·00—870 ·00
alcat.	. Rs. 1100 ·00 1450 ·00
frear. Car	ks.1450 ·00- 1800 ·00
Leut, Cdr. (Selection Grade Fa	15 Rs. 1800 <b>-001900 -0</b> 0
Dominand of (9) Selection) .	. Rs.1750 ·00 -1950 ·00
'> nmander (By Tune scare)	R3.1900 ·00 fixed
Commander (Selection Greate I	Feyl Rs. 2000-00-2100-00
"aotam	. Rs 1950—2400 00
	pa which en
Rear Admira-	#Hed " according to senforffy as Captain Rs. 2500-00-125-00/2- 2750-00
Vice-Admiral	. Rs. 3000 ·00
Vice-Admiral (VCNS-FOC-1N-Admiral	TO # #0/10 00

## (O) ALLOWANCES

in addition to pay, an officer receives the following allowinces :---

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances and interim relief are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance (field) of Rs. 140 p.m. is admissible to—
  - (a) married officers serving in non-family station;
  - (b) married efficers serving on beard I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base perts;
- (v) (a) Outfit Allowance: Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400|-
  - (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100|-, after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commodore (IN) in the Navy.
- (vii) Separation Allowance (Peance) Rear Admiral and above when forced to live in mess due to non-availability of family accommodation are entitled to Separation Allowance (Peace) of Rs. 200/- P.M. w.e.f. the date of assumption of duty at the new Station till allotment of family accommodation. This allowance would be payable only in areas where such officers are not entitled to free ration as part of field services concession. vices concession.
- NOTE I:—In addition certain special concessions like hard-lying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualifica-tion paylgrant, Technical Pay and driving pay are admissible to officers.
  - TE II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

# PROMOTION

By time scale

. 1/2 year o Ag. Sub Lieut

. Su. Lieut. to Sub Lieut. 1 year

Lieut. to Lieut.

3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/ forfeiture of seniority)

8 years seniority as Lieut. to Lieut! Cdr. .

. Cds. to Cdr. (if not promoted oy seled

24 years (reckonable commissioned service·)

# P(b) By Selection

2-8 years seniority as Lieut. Cdr. to Cdr. Lieut. Cdr. years seniority as ndr. to Capt. Cdr.

Cant to Refs Admiral and shove. He service swirtning.

#### 5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

- Nets.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Services, Naval Headquarters, New Delhi-110011.
  - (C) FOR CANDIDATES IOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL MADRAS
- 1. Before the candidate joins the Officers' Training School.
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
  - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Covernment.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training including accommodations books, uniforms, boarding and medical treatment will be beoks, uniforms, boarding and medical treatment will be berne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent|guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant. Officers' Training School. MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month

Re. 900.00

Rs. 500.00 (b) For items of clothing and equipment ...

> Rs. 1400.00 Total

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries ourchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will however,

be we harrown from a cases who resign works under training or who is demoved or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commelcement of training may be allowed to proceed home pending accentance of their resignation by Army HO Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents partiages will be required to execute a bond to this effect befor the rand date are allowed to this officers. Training School
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with remission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances pension, leave and other conditions of nervices after the grant of Commission, are given below.

#### 9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a courst of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadetal are granted Short Service Commission in the rank of 21th from the date of successful completion of training

#### 10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

## (b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad

# (c) Lettere of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be cranted for a period of five years. Such officers who are willing to confinue to serve in the Army after the period of five years? Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in accordance with the relevant rules. Those who fall to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the 'enure of five years,

# (d) Pay and Allowances

Officers pranted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Atmy.

Par of pay of 211st and Lieus ara-

- (h) Secrafi lieut . . . ?c. 757--790 c. w.

- rules apolicable to Short Service Occaraission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of the Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
  - (i) for misconduct or if services are toroit to be unantisfactory;
  - (ii) on account of medical enforces or
  - (iii) if his services are no longer required; or
  - (iv) if he fails to qualify in any arescribed tone; course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An office who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity

#### (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

#### (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions Service where not at variance with the above provisions we be the same as for regular officers.

# (D) FOR CANDIDATES IGINING THE AIR FOR": ACADEMY

- 1. Selection.—Recruitment to the Plying Branch (Pin of the IAF is carried out through two source in Dientry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wi
  - (a) Direct Entry.—Selection is made through a writer examination conducted by the Commission twice year normally in May and November. Successendidates are then sent to the Air Force State Boards for tests and interviews
  - (b) NCC Entry—Applications form NCC and didak are invited by Director General NCC and be nective NCC units and forwarded to Air HO Wile ble candidates are directed to report to AFSBa for tests and interviews
- 2. Detailing for Training -- Candidates recommended by the APSRs and found medically fit by appropriate medical agents.

and availabilit, of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pflot) candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Filots) at the Air Force Academy will be 75 weeks

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group insurance Society would pay Rs. 35,000/- as Ex gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and under-going flying training in an unfortunate eventuality.

A flight cadet undergoing flying training is medically radided and boarded out, he would be paid Rs. 25,000/- as Ex gratia award for 100% disability and this reduces protectionately upto 20%.

Once, flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50,000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability. This cover would be provided by AFGIS on payment of contribution of Rs. 76/- by each hight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

# Conditions governing Financial Assistance

(i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet pocket expenses themselves. The minimum expenses at Air Force Administrative College are not likely to exact Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with this recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative allege Red Fields, Coimbatore.

- (ii) Candidates finally selected for training at the Air ree Administrative College will be required to deposit the lowing amount with the commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
  - (b) For item of clothing and equipment Rs. 525.00 Total: Rs. 975.00.

but of the amount mentioned above the following amount refundable to the cadets in the event of financial assistance ing sauctioned:—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

# 49 Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branck set approximately Rs. 2459/- 9.39.

which includes flying pay of Rs. 150 - p to the force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron I cader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

# 5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive R		Flying Branch				
Plt. Offr .		•	•			Rs 825— 865
Fig. Offr.		*	•	:		910 1030
it. Li.	,				,	1150-1556
Sqn. Ldr.	e			*		1450 18 <b>9</b> 0
Wg. Cdr.	,			,	:	15 <b>50</b> —1950
3p. Capt. ,						195 <b>0</b> —2175
ir. Comde.	٠,					2200 2400
ir Vice Marsh	nai					2500—2750
ir Marshal						3900

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75|- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification payl grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70, and 100, and grants are Rs. 6,000, Rs. 4,500, Rs. 2,400, and Rs. 1,600.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary Second Secretary First Secretary Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowances.—Married Officers posted to United Formations located at non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140, p.m.

time to time) towards cosi of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800|- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free lasue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

#### 6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leuve--60 dare a year

Canad Leave. 20 dove .. year, not more than 10 days at a time.

Officers and their familia are entitled to free conveyance when proceeding on annual casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 1450 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers or Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wife and dependent children

Officer when travelling leave at their ewn expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within india thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children tamily includes parents sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

## 1. Pensionary Benefits

Retiring Rank substantive		standard i- acc of retir- ing Persion	Personal pension	
1	2	. — ,		
Plt. Offr./Fg.		Rø.	Re.	
Offr.	. 30 years	950°00 P.M	100.00 P.M.	
Flt. Lt.	. 20 years	1200 -00 P.M.	75.00 P.M.	
fign. Ldr	. 22 уезге	1400 · 00 P.M.	_	
Wg. Cdr. (Time Scale)	. 26 years	1525+00 P.M.	_	
Wg. Cdr. (Selective)	. 24 year	1575-00 P.M.		
Gp. Capt.	. 26 усага	1850 ·00 P.M.		
Air Comde.	29 vents	2025 00 P.M	_	
Alg Vice Marshai	· 30 years	22 <b>75.00 P.M</b> .	_	
Air Marshai	· 30 years	2400 ·00 P.M	_	
Air Marshai VCAS and AOSC-in-C.	30 yen <b>re</b>	2500.00 P.M.	_	
Als Chief Marchil	an hower	3825 00 P.M.	<u>-</u>	

#### 8. Renring Granary

Retiring gratuality at the discretion of the President is as under :---

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000|- less 1\frac{1}{2} month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200|- less \(\frac{1}{4}\) menth's pay of rank last held.

in addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to maximum of 164 times of the emoluments not exceeding Rs. Signs admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

# 9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

# APPENDIX IV

(a) The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri
of Shri of village town*
in District Division* of the
State Union Territory* belongs to the
Caste Tribe* which is recognised as
Scheduled Caste Scheduled Tribe* under:-
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@.
the Constitution (Schoduled Tribes) Order, 1950@.

Certificates.

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@.
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@
ias amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Medification) Order, 1956; the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas
(Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders ((Amendment) Act, 1976]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@.
the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and
School of Tribes Orders (Amendment) Act, 1976@.  t Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes
Order, 1962@. the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes
Order, 1962@.  the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964@.
the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967@.
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes
Order, 1968@. the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes
Order, 1968@.
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order,
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978.@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@.
%2. Applicable in the case of Scheduled Castes Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Ferritory Administration.
This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste Scheduled Tribe certificate issued to shri Shrimati  Father mother of Shri Shrimati Kumari
of village town in District Division
of the State Union Territory who belong to the caste tribe which is recognised as a Scheduled Caste Scheduled Tribe in the State Union Territory*
issued by the dated
%3. Shri and or* his family ordinarily reside(s) in village town* of of
Signature
**Designation
State Union Territory* (with seal of office)
Place
Please the the words which are not applicable.
@Please quote the specific Presidential Order.
%Delete the paragraph which is not applicable.
Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 80 of the repre- sentation of the People Act, 1950.
**List of authorities empowered to issue CastalTribes

- (i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Class Stipendiary Magistrate City Magistrate Sub-Divisional Magistrate Taluka Magistrate Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.
  - @ not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate.
- (ii) Chief Presidency Magistrate Additional Chief Presidency Magistrate Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and or his family normally resides.
- (v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshadweep.

#### APPENDIX V

## CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

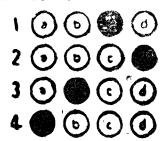
This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

#### B. NATURE OF THE TEST

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your responses on the answer sheet. Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is sorrect or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet, in such a manner as to mutilitie or fold or wrinkle or spoil it.

# D. SOME IMPORTANT REGULATION

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get scated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the lest.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. When Chie that it constituted in smooth the Test Booklet and the Answer that to the anvighter (Supervisor, YOU ARS NOT II. 4 11116 TO LAKE THE TEST BOOKLES OUT OF THE MANUFACTOR HOLL, YOU WILL BE SEVERBLY PENALISED IN YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to hit its stand particulars on the Answer Spect to the manning in You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read earth. All matractions given in the Test Booklet. You may less marks if you do not follow the instructions metic noney. It any earty in the Answer Sheet is ambiguous you at get no credu for that item response. Follow the instruction green by the Superviser. When the Supervisor asks you to start or stop a test of part of a test, you must follow the instructions immediately.
- 7. Errard your Admission Certificate with you. You should also bring a HB peace to create a perfect sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clap-outed of a hard-burd or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring they strap (re. 1911) paper to wole or drawing instrument into the examination had as they are not neceed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should writt the trape of the examination, your Roll No. and the date of the test of a before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the 1821.

# E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your cont in ice hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fall no the required information out the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Telefolder, on receipt of which you must ensure that it could have booket number, otherwise get it charged. While your kell Number on the first page of the Tes Booket before opening the Test Booklet, You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

# F. SOME USEFUL HINTS

Although the test sufesses accurately more than speed, it is important for you to use your time, as efficiently as possible. Work steadily and as saidly as you can, without becoming careless. Do not worth it you cannot answer alt the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attenut all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

# G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collect all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: ---\*denotes the correct/best anymer conton)

(General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at highaltitudes by mountain climbers because:

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

#### 2 (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections,

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far.

# 3. (Agriculture)

In Arhar flower drops can be reduced by one measures indicated below :--



- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

# (Chemistry)

The anhydride of H2 VO4 is

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub> O<sub>2</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub> O<sub>5</sub>

# (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue products are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

# (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of respectively. Description of propagation in the line when?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(d) C|3
- (d) C/9

# 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligodase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisying the equation

$$\frac{d^{2}y}{dx^{2}} = \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

( y = ax + b

(b) y=ax

# 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

(a) 3/4



(d) 3/(3+4)

## 10. (Statistics)

The mean of a binomial variation is 5. The variance can be

- (a) 4°
- (b) 3
  - (c) 8
  - (d) —3

# 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources.
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

# 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) manism always elaimed a very large following in the keyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was highly formalised and pretentions religion.
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

#### 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa
- (b) Nyaya Vaisesika. Jainism and Buddhism Carvaka
- (c) Advaita, Vedanta, Sazakhya, Carvaka, Yoga
- \*(d) Buddhism, Samkhya, Mimarasa Carvaka

#### 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a prefessional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

# 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

# 16. (Socielogy)

Paachayatí Raj institutions in India have brought about one of the following:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Camidates should note the above sample home (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

